ASIA

DE 4 EVANGELIEN

EN

DE HANDELINGEN DER APOSTELEN

IN HET

MADOERESCH

Wason
BS315
M236
1890

CORNELL
UNIVERSITY
LIBRARY

Digitized by Google

Cornell University Library
BS 315.M236 1890
Ketab Indjil.
3 1924 022 976 942
ech

Digitized by Google

Wason
BS315
H236
890

CORNELL
UNIVERSITY
LIBRARY

Digitized by Google

Cornell University Library
BS 315.M236 1890
Ketab Indjil.
3 1924 022 976 942
ech

Digitized by Google

Digitized by Google

"TAMAN PERSAHABATAN"
Heemskerckstraat 10
DEN HAAG

Digitized by Google

DE EVANGELIËN

EN

DE HANDELINGEN DER APOSTELEN

IN HET

MADOEREESCH.

GEDRUKT VOOR REKENING VAN
HET NEDERLANDSCHE BIJBELGENOOTSCHAP.
BIJ E. J. BRILL, TE LEIDEN.
1890.

Digitized by Google

Digitized by Google

Bible. N.T. Gospels. Madurese
=1890.
Ketab Indjil.

W286/100
101
S.

BOEKDRUKKERIJ VAN E. J. BRILL TE LEIDEN.

Digitized by Google

[illegible]

[illegible]

1 [illegible]

2 [illegible]

3 [illegible]

4 [illegible]

5 [illegible]

Digitized by Google

6 ايشاي يشماعيا بيدايا، يوئيل متنيا، زكريا،
7 يحزيئيل يوحنان، ايليعينايي، هوديا، مشيا، شمعيا،
8 ايشاي عزئيل، ميكايا، عوباديا، حنانيا، هناني، فلطيا،
9 يشعيا رفايا، عرنايا، يزرحيا، شكنيا،
10 شمعيا شمعياهو، بنايا، بنو، عميناداب،
11 عدينو مصنيا، بنايا، يعسيئيل، يوحنان، ايلوناي،
12 يوشافاط، ايحو، زكريا، عزريا، بنايا، مقنيا، اليعوئيني،
13 عمري، يريموت، بعدياه، شمعي، متنيا، يرموت،

14 ଯିହିଯାଦାର ପୁତ୍ର ଯିହୋଶାପଟ୍, ଯିହୋଶାପଟ୍ର ପୁତ୍ର ଯୋୟାଖସ୍, ଯୋୟାଖସ୍ର ପୁତ୍ର ଯୋଶୀୟ,

15 ଯିହିଯାଦାର ଦ୍ୱିତୀୟ ପୁତ୍ର ଯିହୋୟାକୀମ୍, ଯିହୋୟାକୀମ୍ର ପୁତ୍ର ଯିକନୀୟ, ଯିକନୀୟର ପୁତ୍ର ସିଦିକିୟ,

16 ଯିହିଯାଦାର ପୁତ୍ର ମତ୍ତନିୟ, ମତ୍ତନିୟର ପୁତ୍ର ଉଷୀୟ, ଉଷୀୟର ପୁତ୍ର ଯୋଥମ୍, ଯୋଥମ୍ର ପୁତ୍ର ଆହସ୍, ଆହସ୍ର ପୁତ୍ର ହିଜକିୟ,

17 ହିଜକିୟର ପୁତ୍ର ଯିରମିୟ, ଯିରମିୟର ପୁତ୍ର ଶଲ୍ଲୁମ୍, ଶଲ୍ଲୁମ୍ର ପୁତ୍ର ହିଲକିୟ, ହିଲକିୟର ପୁତ୍ର ଅସରିୟ, ଅସରିୟର ପୁତ୍ର ସରାୟ, ସରାୟର ପୁତ୍ର ଯିହୋଷାଦକ୍, ଯିହୋଷାଦକ୍ ଯେଉଁ ସମୟରେ ଯିହୋବାଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ନିର୍ବାସିତ ହୋଇଥିଲେ, ସେ ସମୟରେ ଯିହୋୟାକୀମ୍ର ପୁତ୍ର ଯିକନୀୟ ଓ ତାଙ୍କ ଭାଇମାନେ ବାବିଲକୁ ନିର୍ବାସିତ ହୋଇଥିଲେ।

18 ଯିହିଯାଦାର ପୁତ୍ର ମତ୍ତନିୟ, ମତ୍ତନିୟର ପୁତ୍ର ଯିକନୀୟ, ଯିକନୀୟର ପୁତ୍ର ଅସୀର, ଅସୀରର ପୁତ୍ର ସାଦୋକ୍, ସାଦୋକ୍ର ପୁତ୍ର ଯାଖୀନ୍, ଯାଖୀନ୍ର ପୁତ୍ର ଅସରିୟ, ଅସରିୟର ପୁତ୍ର ଯିହୋୟାଦା, ଯିହୋୟାଦାର ପୁତ୍ର ବନାୟ, ବନାୟର ପୁତ୍ର ଶିମୀୟି, ଶିମୀୟିର ପୁତ୍ର ମହଲି, ମହଲିର ପୁତ୍ର ଏଦନ୍, ଏଦନ୍ର ପୁତ୍ର ଯୋୟେଲ୍, ଯୋୟେଲ୍ର ପୁତ୍ର ଯିହୁଦା, ଯିହୁଦାର ପୁତ୍ର ହାସନୁୟ,

19 ପିଲଦୋୟର ପୁତ୍ର ଶିମୀୟି, ଶିମୀୟିର ପୁତ୍ର ମଶୁଲ୍ଲମ୍, ମଶୁଲ୍ଲମ୍ର ପୁତ୍ର ହଶବିୟ, ହଶବିୟର ପୁତ୍ର ହନନିୟ, ହନନିୟର ପୁତ୍ର ପଲଟିୟ, ପଲଟିୟର ପୁତ୍ର ଯିଶାୟ, ଯିଶାୟର ପୁତ୍ର ରଫାୟ, ରଫାୟର ପୁତ୍ର ଅର୍ନନ୍, ଅର୍ନନ୍ର ପୁତ୍ର ଓବଦିୟ, ଓବଦିୟର ପୁତ୍ର ଶଖନିୟ।

Digitized by Google

20 ଯିହୋୟାଦା ଓ ତାହାର ପୁତ୍ରମାନେ ଓ ସୈନ୍ୟମାନେ ଓ ଲୋକମାନେ ସମସ୍ତେ ରାଜାକୁ ଆଣିଲେ, ଆଉ ସେମାନେ ଉପର ଦ୍ୱାର ଦେଇ ରାଜଗୃହକୁ ଯାଇ ରାଜାକୁ ରାଜସିଂହାସନରେ ବସାଇଲେ।

21 ଏହିରୂପେ ଯିହୋୟାଦା ଓ ତାହାର ପୁତ୍ରମାନେ ଓ ସୈନ୍ୟମାନେ ଓ ଲୋକମାନେ ସମସ୍ତେ ରାଜାକୁ ଆଣିଲେ, ଆଉ ସେମାନେ ଉପର ଦ୍ୱାର ଦେଇ ରାଜଗୃହକୁ ଯାଇ ରାଜାକୁ ରାଜସିଂହାସନରେ ବସାଇଲେ।

22 ଏହିରୂପେ ଯିହୋୟାଦା ଓ ତାହାର ପୁତ୍ରମାନେ ଓ ସୈନ୍ୟମାନେ ଓ ଲୋକମାନେ ସମସ୍ତେ ରାଜାକୁ ଆଣିଲେ, ଆଉ ସେମାନେ ଉପର ଦ୍ୱାର ଦେଇ ରାଜଗୃହକୁ ଯାଇ ରାଜାକୁ ରାଜସିଂହାସନରେ ବସାଇଲେ।

23 ଏହିରୂପେ ଯିହୋୟାଦା ଓ ତାହାର ପୁତ୍ରମାନେ ଓ ସୈନ୍ୟମାନେ ଓ ଲୋକମାନେ ସମସ୍ତେ ରାଜାକୁ ଆଣିଲେ, ଆଉ ସେମାନେ ଉପର ଦ୍ୱାର ଦେଇ ରାଜଗୃହକୁ ଯାଇ ରାଜାକୁ ରାଜସିଂହାସନରେ ବସାଇଲେ।

24 ଏହିରୂପେ ଯିହୋୟାଦା ଓ ତାହାର ପୁତ୍ରମାନେ ଓ ସୈନ୍ୟମାନେ ଓ ଲୋକମାନେ ସମସ୍ତେ ରାଜାକୁ ଆଣିଲେ, ଆଉ ସେମାନେ ଉପର ଦ୍ୱାର ଦେଇ ରାଜଗୃହକୁ ଯାଇ ରାଜାକୁ ରାଜସିଂହାସନରେ ବସାଇଲେ।

25 ଏହିରୂପେ ଯିହୋୟାଦା ଓ ତାହାର ପୁତ୍ରମାନେ ଓ ସୈନ୍ୟମାନେ ଓ ଲୋକମାନେ ସମସ୍ତେ ରାଜାକୁ ଆଣିଲେ, ଆଉ ସେମାନେ ଉପର ଦ୍ୱାର ଦେଇ ରାଜଗୃହକୁ ଯାଇ ରାଜାକୁ ରାଜସିଂହାସନରେ ବସାଇଲେ।

Digitized by Google

ꠇꠣꠞꠣꠇꠣꠞꠣ ꠇꠣꠞꠣꠇꠣꠞꠣ ꠇꠣꠞꠣꠇꠣꠞꠣ

6 מלך יקים הארץ, הנוטעים כרמים, אשר לשלמה, ומגדלי הצאן, אשר לדוד, ומלכי הארץ

12 ଯିହୋଶୂୟ ସେମାନଙ୍କୁ ଏହି ଆଜ୍ଞା ଦେଇ କହିଲେ, ଯେତେବେଳେ ସଦାପ୍ରଭୁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କର ପରମେଶ୍ୱର ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ବିଶ୍ରାମ ଦେଇଅଛନ୍ତି, ଆଉ ଏହି ସମସ୍ତ ଦେଶ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଦେଇଅଛନ୍ତି, ଏଥିପାଇଁ ତୁମ୍ଭେମାନେ ଆପଣା ଆପଣା ସ୍ତ୍ରୀ ପୁତ୍ର କନ୍ୟା ଓ ପଶୁଗଣକୁ ଏହି ଦେଶରେ ରଖିବ, କିନ୍ତୁ ତୁମ୍ଭେମାନେ ଯୁଦ୍ଧବୀର ହୋଇ ଆପଣା ଆପଣା ଭାଇମାନଙ୍କର ଅଗ୍ରଗାମୀ ହୋଇ ପାର ହୋଇଯିବ, ତୁମ୍ଭେମାନେ ସମସ୍ତେ ଆପଣା ଆପଣା ପରାକ୍ରମୀ ଲୋକମାନଙ୍କୁ ଏକତ୍ର କରିବ, ଆଉ ସଦାପ୍ରଭୁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଯେପରି ବିଶ୍ରାମ ଦେଇଅଛନ୍ତି, ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ଭାଇମାନଙ୍କୁ ମଧ୍ୟ ସେପରି ବିଶ୍ରାମ ଦେବା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଏବଂ ସେମାନେ ମଧ୍ୟ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କର ପରମେଶ୍ୱର ସଦାପ୍ରଭୁ ଯେଉଁ ଦେଶ ସେମାନଙ୍କୁ ଦେଉଅଛନ୍ତି, ସେମାନେ ମଧ୍ୟ ଯେପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ତାହା ଅଧିକାର ନ କରିବେ, ସେପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ତୁମ୍ଭେମାନେ ଆପଣା ଆପଣା ଅଧିକାରକୁ ଫେରି ଆସିବ ନାହିଁ, ତାହା ପରେ ତୁମ୍ଭେମାନେ ଆପଣା ଆପଣା ଅଧିକାରକୁ ଫେରି ଆସିବ, ଆଉ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କର ଦାସ ମୋଶା ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଯେଉଁ ଅଧିକାର ଦେଇଅଛନ୍ତି, ତାହା ତୁମ୍ଭେମାନେ ଅଧିକାର କରିବ, ଏହି ଯର୍ଦ୍ଦନର ପୂର୍ବପାରିସ୍ଥ ସୂର୍ଯ୍ୟୋଦୟ ଦିଗରେ ତାହା ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଦେଇଅଛନ୍ତି।

13 ମାତ୍ର ମୋଶା ରୂବେନୀୟ ଓ ଗାଦୀୟ ଓ ମନଃଶିର ଅର୍ଦ୍ଧ ବଂଶକୁ କହିଥିବା ବାକ୍ୟ ସ୍ମରଣ କର, ତୁମ୍ଭେମାନେ ଆପଣା ଆପଣା ସ୍ତ୍ରୀ ପୁତ୍ର ଓ କନ୍ୟା ଏବଂ ପଶୁଗଣ ମୋଶା ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଯର୍ଦ୍ଦନର ଏପାରିସ୍ଥ ଯେଉଁ ଦେଶ ଦେଇଅଛନ୍ତି, ସେଠାରେ ରହିବେ, କିନ୍ତୁ ତୁମ୍ଭେମାନେ ଯୁଦ୍ଧବୀର ହୋଇ ଆପଣା ଆପଣା ଭାଇମାନଙ୍କର ଅଗ୍ରଗାମୀ ହୋଇ ପାର ହୋଇଯିବ, ତୁମ୍ଭେମାନେ ସମସ୍ତେ ଆପଣା ଆପଣା ପରାକ୍ରମୀ ଲୋକମାନଙ୍କୁ ଏକତ୍ର କରିବ, ଆଉ ସଦାପ୍ରଭୁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଯେପରି ବିଶ୍ରାମ ଦେଇଅଛନ୍ତି, ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ଭାଇମାନଙ୍କୁ ମଧ୍ୟ ସେପରି ବିଶ୍ରାମ ଦେବା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଏବଂ ସେମାନେ ମଧ୍ୟ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କର ପରମେଶ୍ୱର ସଦାପ୍ରଭୁ ଯେଉଁ ଦେଶ ସେମାନଙ୍କୁ ଦେଉଅଛନ୍ତି, ସେମାନେ ମଧ୍ୟ ଯେପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ତାହା ଅଧିକାର ନ କରିବେ, ସେପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ତୁମ୍ଭେମାନେ ଆପଣା ଆପଣା ଅଧିକାରକୁ ଫେରି ଆସିବ ନାହିଁ, ତାହା ପରେ ତୁମ୍ଭେମାନେ ଆପଣା ଆପଣା ଅଧିକାରକୁ ଫେରି ଆସିବ, ଆଉ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କର ଦାସ ମୋଶା ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଯେଉଁ ଅଧିକାର ଦେଇଅଛନ୍ତି, ତାହା ତୁମ୍ଭେମାନେ ଅଧିକାର କରିବ, ଏହି ଯର୍ଦ୍ଦନର ପୂର୍ବପାରିସ୍ଥ ସୂର୍ଯ୍ୟୋଦୟ ଦିଗରେ ତାହା ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଦେଇଅଛନ୍ତି।

14 ତହିଁରେ ସେମାନେ ଯିହୋଶୂୟଙ୍କୁ ଉତ୍ତର କରି କହିଲେ, ଆପଣ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଯାହା ଯାହା ଆଜ୍ଞା କଲେ, ଆମ୍ଭେମାନେ ତାହା ସମସ୍ତ କରିବା, ଆଉ ଆପଣ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଯେଉଁଠିକୁ ପଠାଇବେ, ସେଠିକୁ ଯିବା।

15 ଆମ୍ଭେମାନେ ମୋଶାଙ୍କର ଯେପରି ସମସ୍ତ ବିଷୟରେ ଆଜ୍ଞା ମାନିଲୁ, ସେପରି ଆପଣଙ୍କର ମଧ୍ୟ ମାନିବା, କେବଳ ସଦାପ୍ରଭୁ ଆପଣଙ୍କର ପରମେଶ୍ୱର ଯେପରି ଆମ୍ଭମାନଙ୍କ ସହିତ ଥିଲେ, ସେପରି ଆପଣଙ୍କ ସହିତ ଥାଉନ୍ତୁ।

Digitized by Google

21 ואלה משפטים אשר תשים לפניהם׃ **22** כי תקנה עבד עברי שש שנים יעבד
ובשביעית לחפשי יצא חנם׃ **23** אם בגפו יבא בגפו יצא אם בעל אשתו הוא
ויצאה אשתו עמו׃ **24** אם אדניו יתן לו אשה וילדה לו בנים או בנות האשה
וילדיה תהיה לאדניה והוא יצא בגפו׃ **25** ואם אמר יאמר העבד אהבתי את
אדני את אשתי ואת בני לא אצא חפשי׃ **26** והגיש אדניו אל האלהים והגישו
אל הדלת או אל המזוזה ורצע אדניו את אזנו במרצע ועבדו לעלם׃ **27** וכי
ימכר איש את בתו לאמה לא תצא כצאת העבדים׃ **28** אם רעה בעיני אדניה
אשר לו לא יעדה ושלח לעם נכרי לא ימשל למכרה בבגדו בה׃ **29** ואם לבנו
יעדנה כמשפט הבנות יעשה לה׃ **30** אם אחרת יקח לו שארה כסותה ועונתה
לא יגרע׃ **31** ואם שלש אלה לא יעשה לה ויצאה חנם אין כסף׃ **32** מכה איש
ומת מות יומת׃ **33** ואשר לא צדה והאלהים אנה לידו ושמתי לך מקום אשר
ינוס שמה׃ **34** וכי יזד איש על רעהו להרגו בערמה מעם מזבחי תקחנו למות׃
35 ומכה אביו ואמו מות יומת׃ **36** וגנב איש ומכרו ונמצא בידו מות יומת׃
37 אך כי יקום האיש בו והתהלך חוץ על משענתו והיה נקי המכה רק את
שבתו יתן ורפא ירפא׃ **38** וכי יכה איש את עין עבדו או את עין אמתו ושחתה
לחפשי ישלחנו תחת עינו׃ **39** ואם שן עבדו או שן אמתו יפיל לחפשי ישלחנו
תחת שנו׃ **40** וכי יגח שור את איש או את אשה ומת סקול יסקל השור ולא
יאכל את בשרו ובעל השור נקי׃ **41** ואם שור נגח הוא מתמל שלשם והועד
בבעליו ולא ישמרנו והמית איש או אשה השור יסקל וגם בעליו יומת׃ **42** אם
כפר יושת עליו ונתן פדון נפשו ככל אשר יושת עליו׃ **43** או בן יגח או בת
כמשפט הזה יעשה לו׃ **44** אם עבד יגח השור או אמה כסף שלשים שקלים
יתן לאדניו והשור יסקל׃ **45** וכי יפתח איש בור או כי יכרה איש בור ולא
יכסנו והפל שמה שור או חמור׃ **46** בעל הבור ישלם כסף ישיב לבעליו והמת
יהיה לו׃ **47** והשור הנגח הוא מתמל שלשם והועד בבעליו ולא ישמרנו המת
המית שור ישלם שור חי והיה לו את המת׃ **48** וכי יגנב איש שור או שה
וטבחו או מכרו חמשה בקר ישלם תחת השור וארבע צאן תחת השה׃ **49** אם
במחתרת ימצא הגנב והכה ומת אין לו דמים׃ **50** אם זרחה השמש עליו דמים
לו שלם ישלם אם אין לו ונמכר בגנבתו׃ **51** אם המצא תמצא בידו הגנבה
משור עד חמור עד שה חיים שנים ישלם׃ **52** כי יבער איש שדה או כרם ושלח
את בעירה ובער בשדה אחר מיטב שדהו ומיטב כרמו ישלם׃ **53** כי תצא אש
ומצאה קצים ונאכל גדיש או הקמה או השדה כי יבער את הבערה ישלם
המבעיר את הבעירה׃ **54** כי יתן איש אל רעהו כסף או כלים לשמר וגנב מבית
האיש אם ימצא הגנב ישלם שנים׃ **55** אם לא ימצא הגנב ונקרב בעל הבית
אל האלהים אם לא שלח ידו במלאכת רעהו׃ **56** על כל דבר פשע על שור על
חמור על שה על שלמה על כל אבדה אשר יאמר כי הוא זה עד בעלים יבא דבר
שניהם אשר ירשיענון בעלים ישלם לרעהו׃ **57** כי יתן איש אל רעהו חמור או
שור או שה וכל בהמה לשמר ומת או נשבר או נשבה אין ראה׃ **58** שבועת יהוה
תהיה בין שניהם אם לא שלח ידו במלאכת רעהו ולקח בעליו ולא ישלם׃ **59** ואם
גנב יגנב מעמו ישלם לבעליו׃ **60** אם טרף יטרף יביאהו עד הטרפה לא ישלם׃
61 וכי יגנב איש מאת רעהו ונאפה ומכרה או מת השור חמשה בקר ישלם תחת
השור וארבעה צאן תחת השה׃ **62** אם במחתרת ימצא הגנב והכה ומת אין לו
דמים׃ **63** אם זרחה השמש עליו דמים לו שלם ישלם אם אין לו ונמכר בגנבתו׃
64 אם המצא תמצא בידו הגנבה משור עד חמור עד שה חיים שנים ישלם׃ **65** כי
יבער איש שדה או כרם ושלח את בעירה ובער בשדה אחר מיטב שדהו ומיטב
כרמו ישלם׃ **66** כי תצא אש ומצאה קצים ונאכל גדיש או הקמה או השדה כי
יבער את הבערה ישלם המבעיר את הבעירה׃ **67** כי יתן איש אל רעהו כסף או
כלים לשמר וגנב מבית האיש אם ימצא הגנב ישלם שנים׃ **68** אם לא ימצא הגנב
ונקרב בעל הבית אל האלהים אם לא שלח ידו במלאכת רעהו׃ **69** על כל דבר
פשע על שור על חמור על שה על שלמה על כל אבדה אשר יאמר כי הוא זה עד
בעלים יבא דבר שניהם אשר ירשיענון בעלים ישלם לרעהו׃ **70** כי יתן איש אל
רעהו חמור או שור או שה וכל בהמה לשמר ומת או נשבר או נשבה אין ראה׃
71 שבועת יהוה תהיה בין שניהם אם לא שלח ידו במלאכת רעהו ולקח בעליו
ולא ישלם׃ **72** ואם גנב יגנב מעמו ישלם לבעליו׃ **73** אם טרף יטרף יביאהו עד
הטרפה לא ישלם׃ **74** וכי יגנב איש מאת רעהו ונאפה ומכרה או מת השור
חמשה בקר ישלם תחת השור וארבעה צאן תחת השה׃ **75** אם במחתרת ימצא
הגנב והכה ומת אין לו דמים׃ **76** אם זרחה השמש עליו דמים לו שלם ישלם אם
אין לו ונמכר בגנבתו׃ **77** אם המצא תמצא בידו הגנבה משור עד חמור עד שה
חיים שנים ישלם׃ **78** כי יבער איש שדה או כרם ושלח את בעירה ובער בשדה
אחר מיטב שדהו ומיטב כרמו ישלם׃ **79** כי תצא אש ומצאה קצים ונאכל גדיש
או הקמה או השדה כי יבער את הבערה ישלם המבעיר את הבעירה׃ **80** כי יתן
איש אל רעהו כסף או כלים לשמר וגנב מבית האיש אם ימצא הגנב ישלם שנים׃
81 אם לא ימצא הגנב ונקרב בעל הבית אל האלהים אם לא שלח ידו במלאכת
רעהו׃ **82** על כל דבר פשע על שור על חמור על שה על שלמה על כל אבדה אשר
יאמר כי הוא זה עד בעלים יבא דבר שניהם אשר ירשיענון בעלים ישלם לרעהו׃
83 כי יתן איש אל רעהו חמור או שור או שה וכל בהמה לשמר ומת או נשבר או
נשבה אין ראה׃ **84** שבועת יהוה תהיה בין שניהם אם לא שלח ידו במלאכת
רעהו ולקח בעליו ולא ישלם׃ **85** ואם גנב יגנב מעמו ישלם לבעליו׃ **86** אם טרף
יטרף יביאהו עד הטרפה לא ישלם׃ **87** וכי יגנב איש מאת רעהו ונאפה ומכרה
או מת השור חמשה בקר ישלם תחת השור וארבעה צאן תחת השה׃ **88** אם
במחתרת ימצא הגנב והכה ומת אין לו דמים׃ **89** אם זרחה השמש עליו דמים לו
שלם ישלם אם אין לו ונמכר בגנבתו׃ **90** אם המצא תמצא בידו הגנבה משור עד
חמור עד שה חיים שנים ישלם׃ **91** כי יבער איש שדה או כרם ושלח את בעירה
ובער בשדה אחר מיטב שדהו ומיטב כרמו ישלם׃ **92** כי תצא אש ומצאה קצים
ונאכל גדיש או הקמה או השדה כי יבער את הבערה ישלם המבעיר את הבעירה׃
93 כי יתן איש אל רעהו כסף או כלים לשמר וגנב מבית האיש אם ימצא הגנב
ישלם שנים׃ **94** אם לא ימצא הגנב ונקרב בעל הבית אל האלהים אם לא שלח
ידו במלאכת רעהו׃ **95** על כל דבר פשע על שור על חמור על שה על שלמה על כל
אבדה אשר יאמר כי הוא זה עד בעלים יבא דבר שניהם אשר ירשיענון בעלים
ישלם לרעהו׃ **96** כי יתן איש אל רעהו חמור או שור או שה וכל בהמה לשמר
ומת או נשבר או נשבה אין ראה׃ **97** שבועת יהוה תהיה בין שניהם אם לא שלח
ידו במלאכת רעהו ולקח בעליו ולא ישלם׃ **98** ואם גנב יגנב מעמו ישלם לבעליו׃
99 אם טרף יטרף יביאהו עד הטרפה לא ישלם׃ **100** וכי יגנב איש מאת רעהו
ונאפה ומכרה או מת השור חמשה בקר ישלם תחת השור וארבעה צאן תחת
השה׃ **101** אם במחתרת ימצא הגנב והכה ומת אין לו דמים׃ **102** אם זרחה
השמש עליו דמים לו שלם ישלם אם אין לו ונמכר בגנבתו׃ **103** אם המצא תמצא
בידו הגנבה משור עד חמור עד שה חיים שנים ישלם׃ **104** כי יבער איש שדה או
כרם ושלח את בעירה ובער בשדה אחר מיטב שדהו ומיטב כרמו ישלם׃ **105** כי
תצא אש ומצאה קצים ונאכל גדיש או הקמה או השדה כי יבער את הבערה
ישלם המבעיר את הבעירה׃ **106** כי יתן איש אל רעהו כסף או כלים לשמר וגנב
מבית האיש אם ימצא הגנב ישלם שנים׃ **107** אם לא ימצא הגנב ונקרב בעל
הבית אל האלהים אם לא שלח ידו במלאכת רעהו׃ **108** על כל דבר פשע על שור
על חמור על שה על שלמה על כל אבדה אשר יאמר כי הוא זה עד בעלים יבא דבר
שניהם אשר ירשיענון בעלים ישלם לרעהו׃ **109** כי יתן איש אל רעהו חמור או
שור או שה וכל בהמה לשמר ומת או נשבר או נשבה אין ראה׃ **110** שבועת יהוה
תהיה בין שניהם אם לא שלח ידו במלאכת רעהו ולקח בעליו ולא ישלם׃ **111** ואם
גנב יגנב מעמו ישלם לבעליו׃ **112** אם טרף יטרף יביאהו עד הטרפה לא ישלם׃
113 וכי יגנב איש מאת רעהו ונאפה ומכרה או מת השור חמשה בקר ישלם תחת
השור וארבעה צאן תחת השה׃ **114** אם במחתרת ימצא הגנב והכה ומת אין לו
דמים׃ **115** אם זרחה השמש עליו דמים לו שלם ישלם אם אין לו ונמכר בגנבתו׃
116 אם המצא תמצא בידו הגנבה משור עד חמור עד שה חיים שנים ישלם׃ **117** כי
יבער איש שדה או כרם ושלח את בעירה ובער בשדה אחר מיטב שדהו ומיטב
כרמו ישלם׃ **118** כי תצא אש ומצאה קצים ונאכל גדיש או הקמה או השדה כי
יבער את הבערה ישלם המבעיר את הבעירה׃ **119** כי יתן איש אל רעהו כסף או
כלים לשמר וגנב מבית האיש אם ימצא הגנב ישלם שנים׃ **120** אם לא ימצא
הגנב ונקרב בעל הבית אל האלהים אם לא שלח ידו במלאכת רעהו׃ **121** על כל
דבר פשע על שור על חמור על שה על שלמה על כל אבדה אשר יאמר כי הוא זה עד
בעלים יבא דבר שניהם אשר ירשיענון בעלים ישלם לרעהו׃ **122** כי יתן איש אל
רעהו חמור או שור או שה וכל בהמה לשמר ומת או נשבר או נשבה אין ראה׃
123 שבועת יהוה תהיה בין שניהם אם לא שלח ידו במלאכת רעהו ולקח בעליו
ולא ישלם׃ **124** ואם גנב יגנב מעמו ישלם לבעליו׃ **125** אם טרף יטרף יביאהו עד
הטרפה לא ישלם׃ **126** וכי יגנב איש מאת רעהו ונאפה ומכרה או מת השור
חמשה בקר ישלם תחת השור וארבעה צאן תחת השה׃ **127** אם במחתרת ימצא
הגנב והכה ומת אין לו דמים׃ **128** אם זרחה השמש עליו דמים לו שלם ישלם אם
אין לו ונמכר בגנבתו׃ **129** אם המצא תמצא בידו הגנבה משור עד חמור עד שה
חיים שנים ישלם׃ **130** כי יבער איש שדה או כרם ושלח את בעירה ובער בשדה
אחר מיטב שדהו ומיטב כרמו ישלם׃ **131** כי תצא אש ומצאה קצים ונאכל גדיש
או הקמה או השדה כי יבער את הבערה ישלם המבעיר את הבעירה׃ **132** כי יתן
איש אל רעהו כסף או כלים לשמר וגנב מבית האיש אם ימצא הגנב ישלם שנים׃
133 אם לא ימצא הגנב ונקרב בעל הבית אל האלהים אם לא שלח ידו במלאכת
רעהו׃ **134** על כל דבר פשע על שור על חמור על שה על שלמה על כל אבדה אשר
יאמר כי הוא זה עד בעלים יבא דבר שניהם אשר ירשיענון בעלים ישלם לרעהו׃
135 כי יתן איש אל רעהו חמור או שור או שה וכל בהמה לשמר ומת או נשבר או
נשבה אין ראה׃ **136** שבועת יהוה תהיה בין שניהם אם לא שלח ידו במלאכת
רעהו ולקח בעליו ולא ישלם׃ **137** ואם גנב יגנב מעמו ישלם לבעליו׃ **138** אם טרף
יטרף יביאהו עד הטרפה לא ישלם׃ **139** וכי יגנב איש מאת רעהו ונאפה ומכרה
או מת השור חמשה בקר ישלם תחת השור וארבעה צאן תחת השה׃ **140** אם
במחתרת ימצא הגנב והכה ומת אין לו דמים׃ **141** אם זרחה השמש עליו דמים לו
שלם ישלם אם אין לו ונמכר בגנבתו׃ **142** אם המצא תמצא בידו הגנבה משור עד
חמור עד שה חיים שנים ישלם׃ **143** כי יבער איש שדה או כרם ושלח את בעירה
ובער בשדה אחר מיטב שדהו ומיטב כרמו ישלם׃ **144** כי תצא אש ומצאה קצים
ונאכל גדיש או הקמה או השדה כי יבער את הבערה ישלם המבעיר את הבעירה׃
145 כי יתן איש אל רעהו כסף או כלים לשמר וגנב מבית האיש אם ימצא הגנב
ישלם שנים׃ **146** אם לא ימצא הגנב ונקרב בעל הבית אל האלהים אם לא שלח
ידו במלאכת רעהו׃ **147** על כל דבר פשע על שור על חמור על שה על שלמה על כל
אבדה אשר יאמר כי הוא זה עד בעלים יבא דבר שניהם אשר ירשיענון בעלים
ישלם לרעהו׃ **148** כי יתן איש אל רעהו חמור או שור או שה וכל בהמה לשמר
ומת או נשבר או נשבה אין ראה׃ **149** שבועת יהוה תהיה בין שניהם אם לא שלח
ידו במלאכת רעהו ולקח בעליו ולא ישלם׃ **150** ואם גנב יגנב מעמו ישלם לבעליו׃
151 אם טרף יטרף יביאהו עד הטרפה לא ישלם׃ **152** וכי יגנב איש מאת רעהו
ונאפה ומכרה או מת השור חמשה בקר ישלם תחת השור וארבעה צאן תחת
השה׃ **153** אם במחתרת ימצא הגנב והכה ומת אין לו דמים׃ **154** אם זרחה
השמש עליו דמים לו שלם ישלם אם אין לו ונמכר בגנבתו׃ **155** אם המצא תמצא
בידו הגנבה משור עד חמור עד שה חיים שנים ישלם׃ **156** כי יבער איש שדה או
כרם ושלח את בעירה ובער בשדה אחר מיטב שדהו ומיטב כרמו ישלם׃ **157** כי
תצא אש ומצאה קצים ונאכל גדיש או הקמה או השדה כי יבער את הבערה
ישלם המבעיר את הבעירה׃ **158** כי יתן איש אל רעהו כסף או כלים לשמר וגנב
מבית האיש אם ימצא הגנב ישלם שנים׃ **159** אם לא ימצא הגנב ונקרב בעל
הבית אל האלהים אם לא שלח ידו במלאכת רעהו׃ **160** על כל דבר פשע על שור
על חמור על שה על שלמה על כל אבדה אשר יאמר כי הוא זה עד בעלים יבא דבר
שניהם אשר ירשיענון בעלים ישלם לרעהו׃ **161** כי יתן איש אל רעהו חמור או
שור או שה וכל בהמה לשמר ומת או נשבר או נשבה אין ראה׃ **162** שבועת יהוה
תהיה בין שניהם אם לא שלח ידו במלאכת רעהו ולקח בעליו ולא ישלם׃ **163** ואם
גנב יגנב מעמו ישלם לבעליו׃ **164** אם טרף יטרף יביאהו עד הטרפה לא ישלם׃
165 וכי יגנב איש מאת רעהו ונאפה ומכרה או מת השור חמשה בקר ישלם תחת
השור וארבעה צאן תחת השה׃ **166** אם במחתרת ימצא הגנב והכה ומת אין לו
דמים׃ **167** אם זרחה השמש עליו דמים לו שלם ישלם אם אין לו ונמכר בגנבתו׃
168 אם המצא תמצא בידו הגנבה משור עד חמור עד שה חיים שנים ישלם׃ **169** כי
יבער איש שדה או כרם ושלח את בעירה ובער בשדה אחר מיטב שדהו ומיטב
כרמו ישלם׃ **170** כי תצא אש ומצאה קצים ונאכל גדיש או הקמה או השדה כי
יבער את הבערה ישלם המבעיר את הבעירה׃ **171** כי יתן איש אל רעהו כסף או
כלים לשמר וגנב מבית האיש אם ימצא הגנב ישלם שנים׃ **172** אם לא ימצא
הגנב ונקרב בעל הבית אל האלהים אם לא שלח ידו במלאכת רעהו׃ **173** על כל
דבר פשע על שור על חמור על שה על שלמה על כל אבדה אשר יאמר כי הוא זה עד
בעלים יבא דבר שניהם אשר ירשיענון בעלים ישלם לרעהו׃ **174** כי יתן איש אל
רעהו חמור או שור או שה וכל בהמה לשמר ומת או נשבר או נשבה אין ראה׃
175 שבועת יהוה תהיה בין שניהם אם לא שלח ידו במלאכת רעהו ולקח בעליו
ולא ישלם׃ **176** ואם גנב יגנב מעמו ישלם לבעליו׃ **177** אם טרף יטרף יביאהו עד
הטרפה לא ישלם׃ **178** וכי יגנב איש מאת רעהו ונאפה ומכרה או מת השור
חמשה בקר ישלם תחת השור וארבעה צאן תחת השה׃ **179** אם במחתרת ימצא
הגנב והכה ומת אין לו דמים׃ **180** אם זרחה השמש עליו דמים לו שלם ישלם אם
אין לו ונמכר בגנבתו׃ **181** אם המצא תמצא בידו הגנבה משור עד חמור עד שה
חיים שנים ישלם׃ **182** כי יבער איש שדה או כרם ושלח את בעירה ובער בשדה
אחר מיטב שדהו ומיטב כרמו ישלם׃ **183** כי תצא אש ומצאה קצים ונאכל גדיש
או הקמה או השדה כי יבער את הבערה ישלם המבעיר את הבעירה׃ **184** כי יתן
איש אל רעהו כסף או כלים לשמר וגנב מבית האיש אם ימצא הגנב ישלם שנים׃
185 אם לא ימצא הגנב ונקרב בעל הבית אל האלהים אם לא שלח ידו במלאכת
רעהו׃ **186** על כל דבר פשע על שור על חמור על שה על שלמה על כל אבדה אשר
יאמר כי הוא זה עד בעלים יבא דבר שניהם אשר ירשיענון בעלים ישלם לרעהו׃
187 כי יתן איש אל רעהו חמור או שור או שה וכל בהמה לשמר ומת או נשבר או
נשבה אין ראה׃ **188** שבועת יהוה תהיה בין שניהם אם לא שלח ידו במלאכת
רעהו ולקח בעליו ולא ישלם׃ **189** ואם גנב יגנב מעמו ישלם לבעליו׃ **190** אם טרף
יטרף יביאהו עד הטרפה לא ישלם׃ **191** וכי יגנב איש מאת רעהו ונאפה ומכרה
או מת השור חמשה בקר ישלם תחת השור וארבעה צאן תחת השה׃ **192** אם
במחתרת ימצא הגנב והכה ומת אין לו דמים׃ **193** אם זרחה השמש עליו דמים לו
שלם ישלם אם אין לו ונמכר בגנבתו׃ **194** אם המצא תמצא בידו הגנבה משור עד
חמור עד שה חיים שנים ישלם׃ **195** כי יבער איש שדה או כרם ושלח את בעירה
ובער בשדה אחר מיטב שדהו ומיטב כרמו ישלם׃ **196** כי תצא אש ומצאה קצים
ונאכל גדיש או הקמה או השדה כי יבער את הבערה ישלם המבעיר את הבעירה׃
197 כי יתן איש אל רעהו כסף או כלים לשמר וגנב מבית האיש אם ימצא הגנב
ישלם שנים׃ **198** אם לא ימצא הגנב ונקרב בעל הבית אל האלהים אם לא שלח
ידו במלאכת רעהו׃ **199** על כל דבר פשע על שור על חמור על שה על שלמה על כל
אבדה אשר יאמר כי הוא זה עד בעלים יבא דבר שניהם אשר ירשיענון בעלים
ישלם לרעהו׃ **200** כי יתן איש אל רעהו חמור או שור או שה וכל בהמה לשמר
ומת או נשבר או נשבה אין ראה׃ **201** שבועת יהוה תהיה בין שניהם אם לא שלח
ידו במלאכת רעהו ולקח בעליו ולא ישלם׃ **202** ואם גנב יגנב מעמו ישלם לבעליו׃
203 אם טרף יטרף יביאהו עד הטרפה לא ישלם׃ **204** וכי יגנב איש מאת רעהו
ונאפה ומכרה או מת השור חמשה בקר ישלם תחת השור וארבעה צאן תחת
השה׃ **205** אם במחתרת ימצא הגנב והכה ומת אין לו דמים׃ **206** אם זרחה
השמש עליו דמים לו שלם ישלם אם אין לו ונמכר בגנבתו׃ **207** אם המצא תמצא
בידו הגנבה משור עד חמור עד שה חיים שנים ישלם׃ **208** כי יבער איש שדה או
כרם ושלח את בעירה ובער בשדה אחר מיטב שדהו ומיטב כרמו ישלם׃ **209** כי
תצא אש ומצאה קצים ונאכל גדיש או הקמה או השדה כי יבער את הבערה
ישלם המבעיר את הבעירה׃ **210** כי יתן איש אל רעהו כסף או כלים לשמר וגנב
מבית האיש אם ימצא הגנב ישלם שנים׃ **211** אם לא ימצא הגנב ונקרב בעל
הבית אל האלהים אם לא שלח ידו במלאכת רעהו׃ **212** על כל דבר פשע על שור
על חמור על שה על שלמה על כל אבדה אשר יאמר כי הוא זה עד בעלים יבא דבר
שניהם אשר ירשיענון בעלים ישלם לרעהו׃ **213** כי יתן איש אל רעהו חמור או
שור או שה וכל בהמה לשמר ומת או נשבר או נשבה אין ראה׃ **214** שבועת יהוה
תהיה בין שניהם אם לא שלח ידו במלאכת רעהו ולקח בעליו ולא ישלם׃ **215** ואם
גנב יגנב מעמו ישלם לבעליו׃ **216** אם טרף יטרף יביאהו עד הטרפה לא ישלם׃
217 וכי יגנב איש מאת רעהו ונאפה ומכרה או מת השור חמשה בקר ישלם תחת
השור וארבעה צאן תחת השה׃ **218** אם במחתרת ימצא הגנב והכה ומת אין לו
דמים׃ **219** אם זרחה השמש עליו דמים לו שלם ישלם אם אין לו ונמכר בגנבתו׃
220 אם המצא תמצא בידו הגנבה משור עד חמור עד שה חיים שנים ישלם׃ **221** כי
יבער איש שדה או כרם ושלח את בעירה ובער בשדה אחר מיטב שדהו ומיטב
כרמו ישלם׃ **222** כי תצא אש ומצאה קצים ונאכל גדיש או הקמה או השדה כי
יבער את הבערה ישלם המבעיר את הבעירה׃ **223** כי יתן איש אל רעהו כסף או
כלים לשמר וגנב מבית האיש אם ימצא הגנב ישלם שנים׃ **224** אם לא ימצא
הגנב ונקרב בעל הבית אל האלהים אם לא שלח ידו במלאכת רעהו׃ **225** על כל
דבר פשע על שור על חמור על שה על שלמה על כל אבדה אשר יאמר כי הוא זה עד
בעלים יבא דבר שניהם אשר ירשיענון בעלים ישלם לרעהו׃ **226** כי יתן איש אל
רעהו חמור או שור או שה וכל בהמה לשמר ומת או נשבר או נשבה אין ראה׃
227 שבועת יהוה תהיה בין שניהם אם לא שלח ידו במלאכת רעהו ולקח בעליו
ולא ישלם׃ **228** ואם גנב יגנב מעמו ישלם לבעליו׃ **229** אם טרף יטרף יביאהו עד
הטרפה לא ישלם׃ **230** וכי יגנב איש מאת רעהו ונאפה ומכרה או מת השור
חמשה בקר ישלם תחת השור וארבעה צאן תחת השה׃ **231** אם במחתרת ימצא
הגנב והכה ומת אין לו דמים׃ **232** אם זרחה השמש עליו דמים לו שלם ישלם אם
אין לו ונמכר בגנבתו׃ **233** אם המצא תמצא בידו הגנבה משור עד חמור עד שה
חיים שנים ישלם׃ **234** כי יבער איש שדה או כרם ושלח את בעירה ובער בשדה
אחר מיטב שדהו ומיטב כרמו ישלם׃ **235** כי תצא אש ומצאה קצים ונאכל גדיש
או הקמה או השדה כי יבער את הבערה ישלם המבעיר את הבעירה׃ **236** כי יתן
איש אל רעהו כסף או כלים לשמר וגנב מבית האיש אם ימצא הגנב ישלם שנים׃
237 אם לא ימצא הגנב ונקרב בעל הבית אל האלהים אם לא שלח ידו במלאכת
רעהו׃ **238** על כל דבר פשע על שור על חמור על שה על שלמה על כל אבדה אשר
יאמר כי הוא זה עד בעלים יבא דבר שניהם אשר ירשיענון בעלים ישלם לרעהו׃
239 כי יתן איש אל רעהו חמור או שור או שה וכל בהמה לשמר ומת או נשבר או
נשבה אין ראה׃ **240** שבועת יהוה תהיה בין שניהם אם לא שלח ידו במלאכת
רעהו ולקח בעליו ולא ישלם׃ **241** ואם גנב יגנב מעמו ישלם לבעליו׃ **242** אם טרף
יטרף יביאהו עד הטרפה לא ישלם׃ **243** וכי יגנב איש מאת רעהו ונאפה ומכרה
או מת השור חמשה בקר ישלם תחת השור וארבעה צאן תחת השה׃ **244** אם
במחתרת ימצא הגנב והכה ומת אין לו דמים׃ **245** אם זרחה השמש עליו דמים לו
שלם ישלם אם אין לו ונמכר בגנבתו׃ **246** אם המצא תמצא בידו הגנבה משור עד
חמור עד שה חיים שנים ישלם׃ **247** כי יבער איש שדה או כרם ושלח את בעירה
ובער בשדה אחר מיטב שדהו ומיטב כרמו ישלם׃ **248** כי תצא אש ומצאה קצים
ונאכל גדיש או הקמה או השדה כי יבער את הבערה ישלם המבעיר את הבעירה׃
249 כי יתן איש אל רעהו כסף או כלים לשמר וגנב מבית האיש אם ימצא הגנב
ישלם שנים׃ **250** אם לא ימצא הגנב ונקרב בעל הבית אל האלהים אם לא שלח
ידו במלאכת רעהו׃ **251** על כל דבר פשע על שור על חמור על שה על שלמה על כל
אבדה אשר יאמר כי הוא זה עד בעלים יבא דבר שניהם אשר ירשיענון בעלים
ישלם לרעהו׃ **252** כי יתן איש אל רעהו חמור או שור או שה וכל בהמה לשמר
ומת או נשבר או נשבה אין ראה׃ **253** שבועת יהוה תהיה בין שניהם אם לא שלח
ידו במלאכת רעהו ולקח בעליו ולא ישלם׃ **254** ואם גנב יגנב מעמו ישלם לבעליו׃
255 אם טרף יטרף יביאהו עד הטרפה לא ישלם׃ **256** וכי יגנב איש מאת רעהו
ונאפה ומכרה או מת השור חמשה בקר ישלם תחת השור וארבעה צאן תחת
השה׃ **257** אם במחתרת ימצא הגנב והכה ומת אין לו דמים׃ **258** אם זרחה
השמש עליו דמים לו שלם ישלם אם אין לו ונמכר בגנבתו׃ **259** אם המצא תמצא
בידו הגנבה משור עד חמור עד שה חיים שנים ישלם׃ **260** כי יבער איש שדה או
כרם ושלח את בעירה ובער בשדה אחר מיטב שדהו ומיטב כרמו ישלם׃ **261** כי
תצא אש ומצאה קצים ונאכל גדיש או הקמה או השדה כי יבער את הבערה
ישלם המבעיר את הבעירה׃ **262** כי יתן איש אל רעהו כסף או כלים לשמר וגנב
מבית האיש אם ימצא הגנב ישלם שנים׃ **263** אם לא ימצא הגנב ונקרב בעל
הבית אל האלהים אם לא שלח ידו במלאכת רעהו׃ **264** על כל דבר פשע על שור
על חמור על שה על שלמה על כל אבדה אשר יאמר כי הוא זה עד בעלים יבא דבר
שניהם אשר ירשיענון בעלים ישלם לרעהו׃ **265** כי יתן איש אל רעהו חמור או
שור או שה וכל בהמה לשמר ומת או נשבר או נשבה אין ראה׃ **266** שבועת יהוה
תהיה בין שניהם אם לא שלח ידו במלאכת רעהו ולקח בעליו ולא ישלם׃ **267** ואם
גנב יגנב מעמו ישלם לבעליו׃ **268** אם טרף יטרף יביאהו עד הטרפה לא ישלם׃
269 וכי יגנב איש מאת רעהו ונאפה ומכרה או מת השור חמשה בקר ישלם תחת
השור וארבעה צאן תחת השה׃ **270** אם במחתרת ימצא הגנב והכה ומת אין לו
דמים׃ **271** אם זרחה השמש עליו דמים לו שלם ישלם אם אין לו ונמכר בגנבתו׃
272 אם המצא תמצא בידו הגנבה משור עד חמור עד שה חיים שנים ישלם׃ **273** כי
יבער איש שדה או כרם ושלח את בעירה ובער בשדה אחר מיטב שדהו ומיטב
כרמו ישלם׃ **274** כי תצא אש ומצאה קצים ונאכל גדיש או הקמה או השדה כי
יבער את הבערה ישלם המבעיר את הבעירה׃ **275** כי יתן איש אל רעהו כסף או
כלים לשמר וגנב מבית האיש אם ימצא הגנב ישלם שנים׃ **276** אם לא ימצא
הגנב ונקרב בעל הבית אל האלהים אם לא שלח ידו במלאכת רעהו׃ **277** על כל
דבר פשע על שור על חמור על שה על שלמה על כל אבדה אשר יאמר כי הוא זה עד
בעלים יבא דבר שניהם אשר ירשיענון בעלים ישלם לרעהו׃ **278** כי יתן איש אל
רעהו חמור או שור או שה וכל בהמה לשמר ומת או נשבר או נשבה אין ראה׃
279 שבועת יהוה תהיה בין שניהם אם לא שלח ידו במלאכת רעהו ולקח בעליו
ולא ישלם׃ **280** ואם גנב יגנב מעמו ישלם לבעליו׃ **281** אם טרף יטרף יביאהו עד
הטרפה לא ישלם׃ **282** וכי יגנב איש מאת רעהו ונאפה ומכרה או מת השור
חמשה בקר ישלם תחת השור וארבעה צאן תחת השה׃ **283** אם במחתרת ימצא
הגנב והכה ומת אין לו דמים׃ **284** אם זרחה השמש עליו דמים לו שלם ישלם אם
אין לו ונמכר בגנבתו׃ **285** אם המצא תמצא בידו הגנבה משור עד חמור עד שה
חיים שנים ישלם׃ **286** כי יבער איש שדה או כרם ושלח את בעירה ובער בשדה
אחר מיטב שדהו ומיטב כרמו ישלם׃ **287** כי תצא אש ומצאה קצים ונאכל גדיש
או הקמה או השדה כי יבער את הבערה ישלם המבעיר את הבעירה׃ **288** כי יתן
איש אל רעהו כסף או כלים לשמר וגנב מבית האיש אם ימצא הגנב ישלם שנים׃
289 אם לא ימצא הגנב ונקרב בעל הבית אל האלהים אם לא שלח ידו במלאכת
רעהו׃ **290** על כל דבר פשע על שור על חמור על שה על שלמה על כל אבדה אשר
יאמר כי הוא זה עד בעלים יבא דבר שניהם אשר ירשיענון בעלים ישלם לרעהו׃
291 כי יתן איש אל רעהו חמור או שור או שה וכל בהמה לשמר ומת או נשבר או
נשבה אין ראה׃ **292** שבועת יהוה תהיה בין שניהם אם לא שלח ידו במלאכת
רעהו ולקח בעליו ולא ישלם׃ **293** ואם גנב יגנב מעמו ישלם לבעליו׃ **294** אם טרף
יטרף יביאהו עד הטרפה לא ישלם׃ **295** וכי יגנב איש מאת רעהו ונאפה ומכרה
או מת השור חמשה בקר ישלם תחת השור וארבעה צאן תחת השה׃ **296** אם
במחתרת ימצא הגנב והכה ומת אין לו דמים׃ **297** אם זרחה השמש עליו דמים לו
שלם ישלם אם אין לו ונמכר בגנבתו׃ **298** אם המצא תמצא בידו הגנבה משור עד
חמור עד שה חיים שנים ישלם׃ **299** כי יבער איש שדה או כרם ושלח את בעירה
ובער בשדה אחר מיטב שדהו ומיטב כרמו ישלם׃ **300** כי תצא אש ומצאה קצים
ונאכל גדיש או הקמה או השדה כי יבער את הבערה ישלם המבעיר את הבעירה׃
301 כי יתן איש אל רעהו כסף או כלים לשמר וגנב מבית האיש אם ימצא הגנב
ישלם שנים׃ **302** אם לא ימצא הגנב ונקרב בעל הבית אל האלהים אם לא שלח
ידו במלאכת רעהו׃ **303** על כל דבר פשע על שור על חמור על שה על שלמה על כל
אבדה אשר יאמר כי הוא זה עד בעלים יבא דבר שניהם אשר ירשיענון בעלים
ישלם לרעהו׃ **304** כי יתן איש אל רעהו חמור או שור או שה וכל בהמה לשמר
ומת או נשבר או נשבה אין ראה׃ **305** שבועת יהוה תהיה בין שניהם אם לא שלח
ידו במלאכת רעהו ולקח בעליו ולא ישלם׃ **306** ואם גנב יגנב מעמו ישלם לבעליו׃
307 אם טרף יטרף יביאהו עד הטרפה לא ישלם׃ **308** וכי יגנב איש מאת רעהו
ונאפה ומכרה או מת השור חמשה בקר ישלם תחת השור וארבעה צאן תחת
השה׃ **309** אם במחתרת ימצא הגנב והכה ומת אין לו דמים׃ **310** אם זרחה
השמש עליו דמים לו שלם ישלם אם אין לו ונמכר בגנבתו׃ **311** אם המצא תמצא
בידו הגנבה משור עד חמור עד שה חיים שנים ישלם׃ **312** כי יבער איש שדה או
כרם ושלח את בעירה ובער בשדה אחר מיטב שדהו ומיטב כרמו ישלם׃ **313** כי
תצא אש ומצאה קצים ונאכל גדיש או הקמה או השדה כי יבער את הבערה
ישלם המבעיר את הבעירה׃ **314** כי יתן איש אל רעהו כסף או כלים לשמר וגנב
מבית האיש אם ימצא הגנב ישלם שנים׃ **315** אם לא ימצא הגנב ונקרב בעל
הבית אל האלהים אם לא שלח ידו במלאכת רעהו׃ **316** על כל דבר פשע על שור
על חמור על שה על שלמה על כל אבדה אשר יאמר כי הוא זה עד בעלים יבא דבר
שניהם אשר ירשיענון בעלים ישלם לרעהו׃ **317** כי יתן איש אל רעהו חמור או
שור או שה וכל בהמה לשמר ומת או נשבר או נשבה אין ראה׃ **318** שבועת יהוה
תהיה בין שניהם אם לא שלח ידו במלאכת רעהו ולקח בעליו ולא ישלם׃ **319** ואם
גנב יגנב מעמו ישלם לבעליו׃ **320** אם טרף יט

ויאמר אליו מאין אתה ויאמר אליו מחנה ישראל אנכי נמלט׃ 4 ויאמר אליו מה היה הדבר הגד נא לי ויאמר נס העם מן המלחמה וגם רבים מן העם נפלו וימתו וגם שאול ויהונתן בנו מתו גם׃ 5 ויאמר הנער אל דוד איך ידעת כי מת שאול ויהונתן בנו׃ 6 ויאמר הנער המגיד אליו נקרה נקריתי בהר הגלבע והנה שאול נשען על חניתו והנה הרכבות והפרשים דבקו בו׃ 7 ויפן אחריו וירא אתי ויקרא אלי ואמר הנני׃ 8 ויאמר אלי מי אתה ויאמר אליו עמלקי אנכי׃ 9 ויאמר אלי עמד נא עלי והמתני כי אחזני השבץ כי כל נפשי עדנו בי׃ 10 ואעמד עליו ואמתתהו כי ידעתי כי לא יחיה אחרי נפלו ואקח את הנזר אשר על ראשו ואת הצמיד אשר על זרעו ואביאם הנה אל אדני׃ 11 ויחזק דוד בבגדיו ויקרעם וגם כל האנשים אשר אתו׃ 12 ויספדו ויבכו ויצמו עד הערב על שאול ועל יהונתן בנו ועל עם יהוה ועל בית ישראל כי נפלו בחרב׃ 13 ויאמר דוד אל הנער המגיד אליו אי מזה אתה ויאמר בן איש גר עמלקי אנכי׃ 14 ויאמר אליו דוד איך לא יראת לשלח ידך לשחת את משיח יהוה׃ 15 ויקרא דוד לאחד מן הנערים ויאמר גש פגע בו ויכהו ויך נפשו ויאמר אליו דמך על ראשך כי פיך ענה בך לאמר אני המתי את משיח יהוה׃ 16 ויקינן דוד את הקינה הזאת על שאול ועל יהונתן בנו׃ 17 ויאמר להלמד בני יהודה הנה כתובה על ספר הישר׃ 18 ויאמר דוד אל יואב ואל אבישי אחיו לאמר כי יש אלהים אשר נשאתם בי ולא נפלה ארצה כי עתה אמצא חן בעיניכם ויאמר דוד אל יואב ואל אבישי אחיו לאמר כי יש אלהים אשר נשאתם בי ולא נפלה ארצה כי עתה אמצא חן בעיניכם׃ 19 ויאמר דוד אל יואב ואל אבישי אחיו לאמר כי יש אלהים אשר נשאתם בי ולא נפלה ארצה כי עתה אמצא חן בעיניכם׃ 20 ויאמר דוד אל יואב ואל אבישי אחיו לאמר כי יש אלהים אשר נשאתם בי ולא נפלה ארצה כי עתה אמצא חן בעיניכם׃ 21 ויאמר דוד אל יואב ואל אבישי אחיו לאמר כי יש אלהים אשר נשאתם בי ולא נפלה ארצה כי עתה אמצא חן בעיניכם׃ 22 ויאמר דוד אל יואב ואל אבישי אחיו לאמר כי יש אלהים אשר נשאתם בי ולא נפלה ארצה כי עתה אמצא חן בעיניכם׃ 23 ויאמר דוד אל יואב ואל אבישי אחיו לאמר כי יש אלהים אשר נשאתם בי ולא נפלה ארצה כי עתה אמצא חן בעיניכם׃

ב

1 ויהי אחרי כן וישאל דוד ביהוה לאמר האעלה באחת ערי יהודה ויאמר יהוה אליו עלה ויאמר דוד אנה אעלה ויאמר חברונה׃ 2 ויעל שמה דוד ושתי נשיו אחינעם היזרעאלית ואביגיל אשת נבל הכרמלי׃ 3 ואת אנשיו אשר עמו העלה דוד איש וביתו וישבו בערי חברון׃ 4 ויבאו אנשי יהודה וימשחו שם את דוד למלך על בית יהודה ויגידו לדוד לאמר אנשי יבש גלעד הם אשר קברו את שאול׃ 5 וישלח דוד מלאכים אל אנשי יבש גלעד ויאמר אליהם ברוכים אתם ליהוה אשר עשיתם החסד הזה עם אדניכם עם שאול ותקברו אתו׃ 6 ועתה יעש יהוה עמכם חסד ואמת ואף אני אעשה אתכם הטובה הזאת אשר עשיתם את הדבר הזה׃ 7 ועתה תחזקנה ידיכם והיו לבני חיל כי מת שאול אדניכם וגם אתי בית יהודה למלך עליהם׃ 8 ואבנר בן נר שר צבא אשר לשאול לקח את איש בשת בן שאול ויעברהו מחנימה׃ 9 וימליכהו על הגלעד ועל האשורי ועל יזרעאל ועל אפרים ועל בנימן ועל כל ישראל׃ 10 בן ארבעים שנה איש בשת בן שאול במלכו על ישראל ושתי שנים מלך רק בית יהודה היו אחרי דוד׃ 11 ויהי מספר הימים אשר היה דוד מלך בחברון על בית יהודה שבע שנים וששה חדשים׃ 12 ויצא אבנר בן נר ועבדי איש בשת בן שאול מחנימה גבעונה׃ 13 ויואב בן צרויה ועבדי דוד יצאו ויפגשו אותם על בריכת גבעון ויישבו אלה מזה ואלה מזה על בריכת גבעון׃ 14 ויאמר אבנר אל יואב יקומו נא הנערים ויצחקו לפנינו ויאמר יואב יקומו׃ 15 ויקומו ויעברו במספר לשנים עשר מבנימן לאיש בשת בן שאול ושנים עשר מעבדי דוד׃ 16 ויחזקו איש בראש רעהו והכו חרבותם בצד רעהו ויפלו יחדו ויקרא למקום ההוא חלקת הצרים אשר בגבעון׃ 17 ותהי המלחמה קשה מאד ביום ההוא וינגף אבנר ואנשי ישראל לפני עבדי דוד׃ 18 ושם שלשת בני צרויה יואב ואבישי ועשהאל ועשהאל קל ברגליו כאחד הצבאים אשר בשדה׃ 19 וירדף עשהאל אחרי אבנר ולא סר בלכתו לא ימין ולא שמאל מאחרי אבנר׃ 20 ויפן אבנר אחריו ויאמר האתה זה עשהאל ויען אני׃ 21 ויאמר אליו אבנר נטה לך ימין או שמאל והחזק לך באחד הנערים וקח לך את חליצתו ולא אבה עשהאל לסור מאחריו׃ 22 ויוסף עוד אבנר לאמר לעשהאל סור מאחרי למה אכה ארצה ואיך אשא פני אל יואב אחיך׃ 23 וימאן לסור ויכהו אבנר באחרי החנית בחמש אל הגב אשר אחריו ותצא החנית מאחריו ויפל שם וימת תחתיו ויהי כל הבא אל מקום אשר נפל שם עשהאל וימת ויעמדו׃ 24 ויואב ואבישי רדפו אחרי אבנר ושמש באה להם כבוא השמש אל גבעת אמה אשר על פני גיח דרך מדבר גבעון׃ 25 ויתקבצו בני בנימן אחרי אבנר ויהיו לאגדה אחת ויעמדו על ראש גבעה אחת׃ 26 ויקרא אבנר אל יואב ויאמר היתאכל חרב לנצח הלא תדעה כי מר תהיה באחרית ועד מתי ולא אמרת לעם לשוב מאחרי אחיהם׃ 27 ויאמר יואב חי האלהים כי לולי דברת כי אז מן הבקר נעלה העם איש מאחרי אחיו׃ 28 ויתקע יואב בשופר וייעמדו כל העם ולא רדפו עוד אחרי ישראל ולא יספו עוד להלחם׃ 29 ואבנר ואנשיו הלכו בערבה ההוא וירדן ויעברו כל בתרון וישכמו מחנימה׃ 30 ויואב שב מאחרי אבנר ויקבץ את כל העם ויפקד מעבדי דוד תשעה עשר איש ועשהאל׃ 31 ועבדי דוד הכו מבנימן ובאנשי אבנר שלש מאות איש מתו׃ 32 וישאו את עשהאל ויקברו אתו בקבר אביו אשר בבית לחם וילכו יואב ואנשיו כל הלילה ויאר להם בחברון׃

4 ଯିହିଯାଦାର ପୁତ୍ର ଯିହୋଶାଫଟ୍, ତାହାର ପୁତ୍ର ଯିହୋରାମ୍, ତାହାର ପୁତ୍ର ଉଷୀୟ, ତାହାର ପୁତ୍ର ଯୋଥମ୍, ତାହାର ପୁତ୍ର ଆହସ୍, ତାହାର ପୁତ୍ର ହିଷ୍କିୟ, ତାହାର ପୁତ୍ର ମନଃଶି, ତାହାର ପୁତ୍ର ଆମୋନ୍, ତାହାର ପୁତ୍ର ଯୋଶୀୟ।

5 ଯିହିଯାଖୀନ୍ ଓ ତାହାର ଭ୍ରାତୃଗଣ ବାବିଲକୁ ନିର୍ବାସିତ ହେବା ସମୟରେ ଯୋଶୀୟର ପୁତ୍ର ଯିହୋୟାଖୀନ୍, ତାହାର ପୁତ୍ର ଶଲ୍ଟୀୟେଲ୍, ତାହାର ପୁତ୍ର ପଦାୟ, ତାହାର ପୁତ୍ର ଶିନୀୟର, ତାହାର ପୁତ୍ର ଯିକନିୟ।

6 ଶଲ୍ଟୀୟେଲ୍ ପୁତ୍ର ସରୁବ୍ବାବିଲ୍, ତାହାର ପୁତ୍ର ଅବୀହୂଦ୍, ତାହାର ପୁତ୍ର ଇଲୀୟାକୀମ୍, ତାହାର ପୁତ୍ର ଅସୋର୍।

7 ତାହାର ପୁତ୍ର ସାଦୋକ୍, ତାହାର ପୁତ୍ର ଆଖୀମ୍, ତାହାର ପୁତ୍ର ଇଲୀହୂଦ୍, ତାହାର ପୁତ୍ର ଇଲୀୟାସର, ତାହାର ପୁତ୍ର ମତ୍ତନ୍, ତାହାର ପୁତ୍ର ଯାକୋବ୍, ତାହାର ପୁତ୍ର ଯୋଷେଫ୍, ତାହାର ପୁତ୍ର ଯୀଶୁ, ଯାହାଙ୍କୁ ଖ୍ରୀଷ୍ଟ କୁହାଯାଏ।

8 ଏହି ବଂଶାବଳୀ ଯିହୁଦାର ରାଜାମାନଙ୍କ ବିଷୟରେ ଲିଖିତ ପୁସ୍ତକରେ ଲିପିବଦ୍ଧ ହୋଇଛି।

9 ଯିହିଯାଦାର ପୁତ୍ର ଯିହୋଶାଫଟ୍, ତାହାର ପୁତ୍ର ଯିହୋରାମ୍, ତାହାର ପୁତ୍ର ଉଷୀୟ, ତାହାର ପୁତ୍ର ଯୋଥମ୍, ତାହାର ପୁତ୍ର ଆହସ୍, ତାହାର ପୁତ୍ର ହିଷ୍କିୟ, ତାହାର ପୁତ୍ର ମନଃଶି, ତାହାର ପୁତ୍ର ଆମୋନ୍, ତାହାର ପୁତ୍ର ଯୋଶୀୟ।

10 ତାହାର ପୁତ୍ରଗଣ ଯିହୋୟାକୀମ୍, ତାହାର ପୁତ୍ର ଯିହୋୟାଖୀନ୍, ତାହାର ପୁତ୍ର ସିଦିକିୟ।

Digitized by Google

11 ಮತ್ತು ಮಿಕಾಯೆಹನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ಅವರು ಕರ್ತನ ಆಲಯದಲ್ಲಿ ಸೇವೆ ಮಾಡುವದಕ್ಕೆ ಬಂದಾಗ ಅವರು ಅವನ ತಾಯಿಯ ಮುಂದೆ ಅವನ ತಂದೆಯ ಮುಂದೆ ಅವನ ಸಹೋದರರ ಮುಂದೆ ಅವನಿಗೆ ಮುದ್ದಿಡಬೇಕು ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಕ್ಷೇಮವಾಗಿರಲಿ ಎಂದು ಹೇಳಬೇಕು.

12 ಮತ್ತು ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಒಂದು ಅಂಗಿಯನ್ನು ಮತ್ತು ಒಂದು ಮೇಲಂಗಿಯನ್ನು ಮಾಡಿಸಿ ಕೊಡುವದು ಅವನ ಪ್ರತಿ ವರುಷ ಅವನ ತಾಯಿಯು ಅವನಿಗೆ ಕೊಡುವಳು ಅವನು ತನ್ನ ದಿವಸಗಳನ್ನು ಕರ್ತನ ಸೇವೆಯಲ್ಲಿ ಕಳೆಯುವಾಗ ಅವಳು ಅವನಿಗೆ ಕೊಡುವಳು.

13 ಮತ್ತು ಏಲಿಯು ಎಲ್ಕಾನನನ್ನೂ ಅವನ ಹೆಂಡತಿಯನ್ನೂ ಆಶೀರ್ವದಿಸಿ ಅವನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಸಮರ್ಪಿಸಿದ ಈ ಸ್ತ್ರೀಗೆ ಬದಲಾಗಿ ಕರ್ತನು ಈ ಸ್ತ್ರೀಯಿಂದ ನಿನಗೆ ಸಂತಾನವನ್ನು ಕೊಡಲಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. ಅವರು ತಮ್ಮ ಸ್ಥಳಕ್ಕೆ ಹೋದರು.

14 ಕರ್ತನು ಹನ್ನಳನ್ನು ಸಂದರ್ಶಿಸಿದನು ಅವಳು ಗರ್ಭವತಿಯಾಗಿ ಮೂರು ಗಂಡು ಮಕ್ಕಳನ್ನೂ ಇಬ್ಬರು ಹೆಣ್ಣು ಮಕ್ಕಳನ್ನೂ ಹೆತ್ತಳು. ಬಾಲಕನಾದ ಸಮುವೇಲನು ಕರ್ತನ ಸನ್ನಿಧಿಯಲ್ಲಿ ಬೆಳೆದನು.

15 ಯಾಕೋಬನ ದೇವರಾದ ಕರ್ತನು ಇಸ್ರಾಯೇಲಿಗೆ ಮಾಡಿದ ಕಾರ್ಯಗಳನ್ನು

Digitized by Google

ಅವನು ಅವರ ಮಧ್ಯದಲ್ಲಿ ಸಂಚರಿಸುತ್ತಾ ಕರ್ತನ ನಾಮದಲ್ಲಿ ಧೈರ್ಯವಾಗಿ ಬೋಧಿಸುತ್ತಾ ಇದ್ದನು.
ಅವನು ಗ್ರೀಕ್ ಭಾಷೆಯವರೊಂದಿಗೆ ಮಾತಾಡುತ್ತಾ ಮತ್ತು ತರ್ಕಿಸುತ್ತಾ ಇದ್ದನು; ಆದರೆ ಅವರು ಅವನನ್ನು ಕೊಲ್ಲಲು ಪ್ರಯತ್ನಿಸಿದರು.
ಸಹೋದರರು ಅದನ್ನು ತಿಳಿದಾಗ ಅವನನ್ನು ಕೈಸರೈಯಕ್ಕೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗಿ ತಾರ್ಸದಿಗೆ ಕಳುಹಿಸಿಬಿಟ್ಟರು.
16 ಆಗ ಸಭೆಯು ಯೂದಾಯ, ಗಲಿಲಾಯ ಮತ್ತು ಸಮಾರ್ಯ ಎಲ್ಲಾ ಕಡೆಗಳಲ್ಲಿ ಸಮಾಧಾನವನ್ನು ಹೊಂದಿ ಕಟ್ಟಲ್ಪಡುತ್ತಾ ಬಂತು. ಅದು ಕರ್ತನ ಭಯದಲ್ಲಿ ಮತ್ತು ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನ ಸಂತೈಸುವಿಕೆಯಲ್ಲಿ ನಡೆಯುತ್ತಾ ಅಭಿವೃದ್ಧಿಯಾಗುತ್ತಾ ಬಂತು.
17 ಪೇತ್ರನು ಎಲ್ಲಾ ಕಡೆಗಳಲ್ಲಿ ಸಂಚರಿಸುತ್ತಾ ಬಂದು, ಲುದ್ದಕ್ಕೆ ಬಂದ ಪವಿತ್ರರ ಬಳಿಗೂ ಹೋದನು.
ಅಲ್ಲಿ ಅವನು ಐನೇಯ ಎಂಬ ಹೆಸರಿನ ಒಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನನ್ನು ಕಂಡನು. ಅವನು ಎಂಟು ವರ್ಷಗಳಿಂದ ಪಾರ್ಶ್ವವಾಯು ರೋಗಿಯಾಗಿ ಹಾಸಿಗೆಯಲ್ಲಿ ಮಲಗಿದ್ದನು.

೯

1 ಆಗ ಮತ್ತಾಯನು ಬರೆದ ಸುವಾರ್ತೆಯ ೧೦ನೇ ಅಧ್ಯಾಯದಲ್ಲಿ ಯೇಸು ತನ್ನ ಹನ್ನೆರಡು ಮಂದಿ ಶಿಷ್ಯರನ್ನು ಕರೆದು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟು ಕಳುಹಿಸಿದ ಸಂಗತಿಯನ್ನು ಓದಿರಿ.
2 ಆ ಅಧ್ಯಾಯದಲ್ಲಿ ಯೇಸು ಅವರಿಗೆ ಏನು ಹೇಳಿದನು, ಅವರು ಏನು ಮಾಡಬೇಕೆಂದು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದನು, ಅವರು ಯಾರ ಬಳಿಗೆ ಹೋಗಬೇಕೆಂದು ಹೇಳಿದನು, ಅವರು ಯಾರ ಬಳಿಗೆ ಹೋಗಬಾರದೆಂದು ಹೇಳಿದನು ಎಂಬುದನ್ನು ಗಮನಿಸಿರಿ.
3 ಯೇಸು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ ಮಾತುಗಳಲ್ಲಿ ಯಾವುದಾದರೂ ಮಾತು ಇಂದಿಗೂ ಅನ್ವಯಿಸುತ್ತದೆಯೇ? ಅದನ್ನು ಹೇಗೆ ಅನ್ವಯಿಸಿಕೊಳ್ಳಬಹುದು?
4 ಯೇಸು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ ಮಾತುಗಳಲ್ಲಿ ಯಾವುದಾದರೂ ಮಾತು ಇಂದಿಗೂ ಅನ್ವಯಿಸುವುದಿಲ್ಲವೆಂದು ನಿಮಗೆ ಅನಿಸುತ್ತದೆಯೇ? ಅದು ಏಕೆ ಅನ್ವಯಿಸುವುದಿಲ್ಲ?

Digitized by Google

ကျောက်ဆောင်ကြီးကို ဖယ်ရှားပြီးသောအခါ၊ ကမ္ဘာမြေကြီးတုန်လှုပ်ခြင်းဖြစ်ပေါ်ပြီးသောအခါ၊

ဤ၊ ကျောက်ဆောင်ကြီးသည် ကောင်းကင်ဘုံမှ ကြီးမားသောကျောက်ဆောင်ကြီးဖြစ်ပြီး၊ ကောင်းကင်ဘုံမှ ကြီးမားသော

10 ଯେଉଁମାନେ ସେମାନଙ୍କର ଅଧର୍ମ ଦ୍ୱାରା ଆପଣାମାନଙ୍କୁ ଦୋଷୀ କରନ୍ତି, ସେମାନେ ଆପଣାମାନଙ୍କୁ ଦୋଷୀ କରନ୍ତି ଓ

17 ... ...

1 یسوع یروشلیم ته ننوتو او هیکل ته لاړ. هلته ټول هغه خلک چې
پلورل او پیرودل کیدل، له هغه سره راټول شول. هغه د پیسو د بدلون
ډیرو سوداګرانو میزونه او د کبوترانو پلورونکو چوکۍ وګرځولې.
2 او هغه ورته وویل: «دا لیکل شوي دي چې زما کور به د دعا کور
وبلل شي، خو تاسو دا د غلو ځای جوړ کړی دی.»
3 بیا ډیرو ړوندو او لنګړو خلکو هغه په هیکل کې راوغوښتل او هغه
یې روغ کړل. **4** خو کله چې مشرانو پیغمبرانو او د شریعت د ښوونکو
هغه عجیبې کارونه وکتل چې هغه کول او هغه ماشومان یې وکتل چې
په هیکل کې چیغې وهلې او ویل یې: «داؤد زوی ته ستاینه وشي!»
هغوی په قهر شول **5** او هغه یې وپوښتل: «ایا تاسو اوري چې دا څه
وایي؟» یسوع ورته وویل: «هو، ما اوریدلي دي. ایا تاسو هیڅکله دا
لیکنه نه ده لوستې چې وایي: تا د ماشومانو او د شیدو ځوانانو له خولې
ستاینه ترلاسه کړې ده؟»
6 بیا هغه هغوی پرېښودل او له ښار څخه بهر بیت عنیا ته لاړ او هلته
یې شپه تیره کړه.

۲۱

7 سهار وختي هغه بیرته ښار ته راستون شو او لوږه شوه. **8** هغه د
یوې انجیر ونې په څنګ کې ودرېد او له هغې څخه یې میوه وغوښتې،
خو له پاڼو پرته یې بل څه ونه لیدل. نو هغه ونې ته وویل: «له تا
څخه به هیڅکله میوه ونه وخوړل شي!» او انجیر ونه سمدلاسه وچه
شوه. **9** کله چې شاګردانو دا وکتل، نو حیران شول او ویې ویل: «دا
انجیر ونه څنګه سمدلاسه وچه شوه؟»
10 یسوع ورته وویل: «زه تاسو ته رښتیا وایم، که تاسو ایمان ولرئ او
شک ونه کړئ، نه یوازې به د انجیر ونې سره څه وکړئ، بلکې که تاسو
غرې ته ووایئ: پورته شه او په سمندر کې ولوېږه، نو دا به هم ترسره
شي. **11** او که تاسو په لمانځه کې ایمان ولرئ، نو هر څه چې وغواړئ،
ترلاسه به یې کړئ.»

Digitized by Google

ಅಂಗಾಂಗಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದಕ್ಕೊಂದು ಸಂಬಂಧವಿರುವಂತೆ ಅವುಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದಕ್ಕೊಂದು ಸಂಬಂಧವಿರುವುದು.

ಇದಲ್ಲದೆ ಅಂಗಾಂಗಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದಕ್ಕೊಂದು ಸಂಬಂಧವಿರುವಂತೆ ಅವುಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದಕ್ಕೊಂದು ಸಂಬಂಧವಿರುವುದು.

2 ಆದರೆ ಅಂಗಾಂಗಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದಕ್ಕೊಂದು ಸಂಬಂಧವಿರುವಂತೆ ಅವುಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದಕ್ಕೊಂದು ಸಂಬಂಧವಿರುವುದು.

3 ಯಾಕಂದರೆ ಒಂದು ಅಂಗವು ಅಂಗಾಂಗಗಳಿಂದ ಆಗಿರುವುದು, ಅಂಗಾಂಗಗಳು ಅನೇಕವಾಗಿದ್ದರೂ ಅಂಗವು ಒಂದೇ ಆಗಿರುವುದು.

4 ಯಾಕಂದರೆ ಒಂದು ಅಂಗವು ಅಂಗಾಂಗಗಳಿಂದ ಆಗಿರುವುದು, ಅಂಗಾಂಗಗಳು ಅನೇಕವಾಗಿದ್ದರೂ ಅಂಗವು ಒಂದೇ ಆಗಿರುವುದು.

5 ಯಾಕಂದರೆ ಒಂದು ಅಂಗವು ಅಂಗಾಂಗಗಳಿಂದ ಆಗಿರುವುದು, ಅಂಗಾಂಗಗಳು ಅನೇಕವಾಗಿದ್ದರೂ ಅಂಗವು ಒಂದೇ ಆಗಿರುವುದು.

6 ಯಾಕಂದರೆ ಒಂದು ಅಂಗವು ಅಂಗಾಂಗಗಳಿಂದ ಆಗಿರುವುದು, ಅಂಗಾಂಗಗಳು ಅನೇಕವಾಗಿದ್ದರೂ ಅಂಗವು ಒಂದೇ ಆಗಿರುವುದು.

7 ಯಾಕಂದರೆ ಒಂದು ಅಂಗವು ಅಂಗಾಂಗಗಳಿಂದ ಆಗಿರುವುದು, ಅಂಗಾಂಗಗಳು ಅನೇಕವಾಗಿದ್ದರೂ ಅಂಗವು ಒಂದೇ ಆಗಿರುವುದು.

8 ಯಾಕಂದರೆ ಒಂದು ಅಂಗವು ಅಂಗಾಂಗಗಳಿಂದ ಆಗಿರುವುದು, ಅಂಗಾಂಗಗಳು ಅನೇಕವಾಗಿದ್ದರೂ ಅಂಗವು ಒಂದೇ ಆಗಿರುವುದು.

9 ಯಾಕಂದರೆ ಒಂದು ಅಂಗವು ಅಂಗಾಂಗಗಳಿಂದ ಆಗಿರುವುದು, ಅಂಗಾಂಗಗಳು ಅನೇಕವಾಗಿದ್ದರೂ ಅಂಗವು ಒಂದೇ ಆಗಿರುವುದು.

10 ಯಾಕಂದರೆ ಒಂದು ಅಂಗವು ಅಂಗಾಂಗಗಳಿಂದ ಆಗಿರುವುದು, ಅಂಗಾಂಗಗಳು ಅನೇಕವಾಗಿದ್ದರೂ ಅಂಗವು ಒಂದೇ ಆಗಿರುವುದು.

Digitized by Google

11 ڕاستە ئەڵێم، لە نێو ئەوانەی لە ژنان لەدایک بوون
هیچ کەسێک گەورەتر لە یەحیا پێغەمبەر نەهاتووە،
بەڵام ئەوەی لە هەموویان بچووکترە لە پاشایەتی
خودا گەورەترە.

12 لە ڕۆژانی یەحیا پێغەمبەرەوە تا ئێستا
پاشایەتی خودا بە هێز پێشڕەوی دەکرێت،
و هێزدارەکان هەوڵ دەدەن بیگرن.
13 چونکە هەموو پێغەمبەران و یاسای موسا
تا یەحیا پێشبینییان کردووە،
14 و ئەگەر بتانەوێت بیبڕوێنن،
ئەو ئێلیاسە کە دەبێت بێتەوە.
15 ئەوەی گوێی هەیە با گوێ بگرێت.
16 بەڵام ئەم نەوەیە بە چی بچوێنم؟
وەک منداڵانێک وان لە بازاڕ دانیشتبن
و بە هاوڕێکانیان بڵێن:
17 ئێمە بۆ شایی بۆ ئێوە لێمان دا،
بەڵام ئێوە هەڵپەڕکێتان نەکرد؛

18 ואם בא יבא הנגף בבגד או בערב או בשתי או בכל כלי עור אשר יעשה עור בהם ונגעו הנגע בבגד או בערב או בשתי או בכל כלי עור ונתק הנגע את הבגד או את הערב או את השתי או את כל כלי העור אשר הנגע בו ונגע הנגע בבגד או בערב או בשתי או בכל כלי עור הוא נגע מצרעת הוא באש תשרף את אשר הנגע בו באש תשרף׃

19 וכי תראה בבגד או בערב או בשתי או בכל כלי עור אם פשה פשתה הנגע בבגד או בערב או בשתי או בכל כלי עור נגע מצרעת הוא באש תשרף את אשר הנגע בו באש תשרף׃

20 ואם ראה יראה הכהן והנה לא פשה הנגע בבגד או בערב או בשתי או בכל כלי עור נגע משפחת הוא טהור הנגע באש תשרף את אשר הנגע בו׃

21 ואם יראה הכהן והנה סר הנגע מן הבגד או מן הערב או מן השתי או מכל כלי העור

Digitized by Google

ಯಾಕೋಬನ ದೇವರು ತಮ್ಮ ಸೇವಕನಾದ ಯೇಸುವನ್ನು ಮಹಿಮೆಪಡಿಸಿದ್ದಾರೆ. ಆದರೆ ನೀವು ಆತನನ್ನು ಪಿಲಾತನಿಗೆ ಒಪ್ಪಿಸಿಕೊಟ್ಟು ಪಿಲಾತನು ಆತನನ್ನು ಬಿಡುಗಡೆ ಮಾಡಲು ನಿರ್ಧರಿಸಿದಾಗ ನೀವು ಆತನನ್ನು ನಿರಾಕರಿಸಿದಿರಿ.

22 ಯೇಸುವು ಪವಿತ್ರ ಮತ್ತು ನೀತಿವಂತರಾಗಿದ್ದರು. ಆದರೆ ನೀವು ಆತನನ್ನು ನಿರಾಕರಿಸಿ ಒಬ್ಬ ಕೊಲೆಪಾತಕನನ್ನು ನಿಮಗೆ ಬಿಡುಗಡೆ ಮಾಡಿಕೊಡಬೇಕೆಂದು ಕೇಳಿಕೊಂಡಿರಿ. ಜೀವದ ಅಧಿಪತಿಯಾಗಿರುವಾತನನ್ನು ನೀವು ಕೊಂದುಹಾಕಿದಿರಿ. ಆದರೆ ದೇವರು ಆತನನ್ನು ಮರಣದಿಂದ ಎಬ್ಬಿಸಿದರು. ಇದಕ್ಕೆ ನಾವು ಸಾಕ್ಷಿಗಳಾಗಿದ್ದೇವೆ. **23** ಆತನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ನಂಬಿಕೆಯಿಟ್ಟ ಕಾರಣ ಆತನ ಹೆಸರು ಈ ಮನುಷ್ಯನನ್ನು ಬಲಪಡಿಸಿದೆ. ಆತನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ನಂಬಿಕೆಯಿಟ್ಟ ಕಾರಣ ಆತನ ಹೆಸರು ಈ ಮನುಷ್ಯನನ್ನು ಬಲಪಡಿಸಿದೆ. ನೀವೆಲ್ಲರೂ ಈ ಮನುಷ್ಯನ ಆರೋಗ್ಯವನ್ನು ನೋಡಿದ್ದೀರಿ.

24 ಯೇಸುವಿನ ಮೂಲಕ ಬರುವ ನಂಬಿಕೆಯು ಈ ಮನುಷ್ಯನಿಗೆ ಪೂರ್ಣ ಆರೋಗ್ಯವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದೆ. ಇದನ್ನು ನೀವೆಲ್ಲರೂ ನೋಡಿದ್ದೀರಿ. ಆದರೆ ಈಗ ಸಹೋದರರೇ, ನೀವು ಮಾಡಿದ್ದು ತಪ್ಪೆಂದು ನಾನು ತಿಳಿದಿದ್ದೇನೆ. ನಿಮ್ಮ ನಾಯಕರಿಗೂ ಅದು ತಪ್ಪೆಂದು ತಿಳಿದಿತ್ತು. **25** ಆದರೆ ದೇವರು ತಮ್ಮ ಎಲ್ಲಾ ಪ್ರವಾದಿಗಳ ಮೂಲಕ ಕ್ರಿಸ್ತನು ಬಹಳ ಕಷ್ಟಾನುಭವಿಸುವನೆಂದು ಮುಂಚಿತವಾಗಿ ತಿಳಿಸಿದ್ದರು. ಆತನು ಕಷ್ಟಾನುಭವಿಸುವನೆಂದು ದೇವರು ಹೇಳಿದ್ದನ್ನು ಅವರು ಹೀಗೆ ನೆರವೇರಿಸಿದರು.

Digitized by Google

26 اے بھائیو، اب میرا کہنا کیا ہے؟ جب تم اکٹھے ہوتے ہو تو ہر ایک کے پاس کوئی نہ کوئی چیز ہوتی ہے۔ کسی کے پاس زبور ہوتا ہے، کسی کے پاس تعلیم، کسی کے پاس غیرزبان کا کلام، کسی کے پاس اُس کا ترجمہ۔ لیکن ہر چیز سے کلیسیا کی تعمیر ہونی چاہئے۔

27 اگر کوئی غیرزبان میں کلام کرے تو دو یا زیادہ سے زیادہ تین ہی بولیں، ایک ایک کرکے، اور کوئی ترجمہ کرے۔

28 لیکن اگر ترجمہ کرنے والا موجود نہ ہو تو غیرزبان بولنے والا کلیسیا میں خاموش رہے۔ وہ اپنے اور خدا کے ساتھ باتیں کرے۔

29 نبی دو یا تین بولیں، اور دوسرے پرکھیں۔ **30** اگر کسی اَور پر جو بیٹھا ہو مکاشفہ ظاہر ہو تو پہلا خاموش ہو جائے۔ **31** کیونکہ تم سب ایک ایک کرکے نبوت کر سکتے ہو تاکہ سب سیکھیں اور سب نصیحت پائیں۔ **32** نبی اپنی روح کو قابو میں رکھیں۔ کیونکہ خدا بدنظمی کا نہیں بلکہ سلامتی کا خدا ہے۔ جیسا مقدسوں کی سب کلیسیاؤں میں ہوتا ہے۔

Digitized by Google

33 ... ...

38 ಯೇಸು ಅವರಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದು: ಅಯ್ಯಾ, ನಾನು ಯಾರು ಎಂಬದನ್ನು ನೀವು ಯಾಕೆ ವಿಚಾರಿಸುತ್ತೀರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

39 ಆಗ ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೀಗೆ ಕೇಳಿದರು: ಯಾಕೆ ಯೋಹಾನನು ಅದ್ದಿದನು? ಆಗ ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದು, ನಾವು ಪರಲೋಕದಿಂದ ಬಂದವರೆಂದು ಅವನು ಹೇಳಿದರೆ ಅವನು ನಮಗೆ ಹೇಳುವದು, ಹಾಗಾದರೆ ನೀವು ಅವನನ್ನು ಯಾಕೆ ನಂಬಲಿಲ್ಲ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

40 ಮನುಷ್ಯರಿಂದ ಬಂದವರೆಂದು ಹೇಳಿದರೆ ಜನರೆಲ್ಲರೂ ನಮಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಕಲ್ಲೆಸೆಯುವರು, ಯಾಕೆಂದರೆ ಯೋಹಾನನು ಪ್ರವಾದಿಯೆಂದು ಅವರೆಲ್ಲರೂ ನಂಬಿದ್ದಾರೆ ಎಂದು ಅವರು ತಮ್ಮೊಳಗೆ ಆಲೋಚಿಸಿಕೊಂಡರು.

41 ಆದದರಿಂದ ಅವರು ಯೇಸುವಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ನಮಗೆ ತಿಳಿಯದು ಎಂದು ಹೇಳಿದರು. ಆಗ ಯೇಸು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದು, ನಾನು ಯಾವ ಅಧಿಕಾರದಿಂದ ಈ ಕಾರ್ಯಗಳನ್ನು ಮಾಡುತ್ತೇನೆಂದು ನಾನು ನಿಮಗೆ ಹೇಳುವದಿಲ್ಲ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

42 ಆಗ ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಒಂದು ಸಾಮ್ಯವನ್ನು ಹೇಳಿದ್ದು: ಒಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ದ್ರಾಕ್ಷಿತೋಟವನ್ನು ಮಾಡಿ ಅದನ್ನು ಕೃಷಿಗಾರರಿಗೆ ಒಪ್ಪಿಸಿ ಬಹುದಿವಸ ಪರದೇಶಕ್ಕೆ ಹೋದನು.

43 ಆದದರಿಂದ ಅವರು ತಮ್ಮೊಳಗೆ ಆಲೋಚಿಸಿಕೊಂಡದ್ದು: ಅವನು ಬಂದು ಕೃಷಿಗಾರರನ್ನು ಕೊಂದು ತೋಟವನ್ನು ಬೇರೆಯವರಿಗೆ ಕೊಡುವನು ಎಂದು ಹೇಳಿದರು.

44 ಆಗ ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೀಗೆ ಕೇಳಿದ್ದು: ಯಾವ ಅಧಿಕಾರದಿಂದ ಈ ಕಾರ್ಯಗಳನ್ನು ಮಾಡುತ್ತೀ ಎಂದು ನಮಗೆ ಹೇಳು ಎಂದು ಕೇಳಿದರು. ಆಗ ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದು, ನಾನು ಯಾವ ಅಧಿಕಾರದಿಂದ ಈ ಕಾರ್ಯಗಳನ್ನು ಮಾಡುತ್ತೇನೆಂದು ನಾನು ನಿಮಗೆ ಹೇಳುವದಿಲ್ಲ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

45 ಆಗ ಅವನು ಜನರಿಗೆ ಈ ಸಾಮ್ಯವನ್ನು ಹೇಳಿದ್ದು, ಒಬ್ಬ

Digitized by Google

ויאמר שאול אל־עבדיו שמעו־נא בני־ימין הגם כלכם שדות וכרמים יתן לכם כלכם שרי אלפים ושרי מאות ישים עליכם כי כלכם קשרתם עלי ואין גלה־אזני בברית בני ואין מכם חולה עלי ואין גלה־אזני בברית בני ואין מכם חולה עלי ואין גלה־אזני בברית בני ואין מכם חולה

2 ... ...

ಬಿಟ್ಟುಬಿಡಿರಿ. ಈ ಆಲೋಚನೆಯಾಗಲಿ ಈ ಕೆಲಸವಾಗಲಿ ಮನುಷ್ಯರಿಂದ ಹುಟ್ಟಿದ್ದಾದರೆ ತಾನೇ ನಾಶವಾಗುವದು. ಅದು ದೇವರಿಂದ ಹುಟ್ಟಿದ್ದಾಗಿದ್ದರೆ ನೀವು ಅವರನ್ನು ನಾಶಮಾಡಲಾರಿರಿ. ಹಾಗೆ ಮಾಡಿದರೆ ನೀವು ದೇವರಿಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಹೋರಾಡುವವರಾಗುವಿರಿ.»

40 ಅವರು ಅವನ ಮಾತಿಗೆ ಒಪ್ಪಿಕೊಂಡರು. ಅವರು ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ಒಳಗೆ ಕರೆಯಿಸಿ ಅವರನ್ನು ಹೊಡೆಸಿ ಯೇಸುವಿನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಮಾತಾಡಬಾರದೆಂದು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿ ಅವರನ್ನು ಬಿಟ್ಟುಬಿಟ್ಟರು.

41 ಅಪೊಸ್ತಲರು ಆ ಹೆಸರಿಗೋಸ್ಕರ ಅವಮಾನಪಡುವದಕ್ಕೆ ಯೋಗ್ಯರೆಂದು ಎಣಿಸಲ್ಪಟ್ಟದ್ದಕ್ಕಾಗಿ ಸಂತೋಷಪಡುತ್ತಾ ಮಹಾಸಭೆಯ ಮುಂದಿನಿಂದ ಹೊರಟುಹೋದರು.

42 ಅವರು ಪ್ರತಿದಿನವೂ ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿಯೂ ಮನೆಮನೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಉಪದೇಶಮಾಡುವದನ್ನು ಯೇಸುವೇ ಕ್ರಿಸ್ತನೆಂದು ಸಾರುವದನ್ನು ನಿಲ್ಲಿಸಲಿಲ್ಲ.

6 ಆ ದಿವಸಗಳಲ್ಲಿ ಶಿಷ್ಯರ ಸಂಖ್ಯೆಯು ಹೆಚ್ಚಾಗುತ್ತಿರುವಾಗ ಗ್ರೀಕ್ ಭಾಷೆಯವರಾದ ಯೆಹೂದ್ಯರು ಇಬ್ರಿಯ ಭಾಷೆಯವರಾದ ಯೆಹೂದ್ಯರಿಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಗುಣುಗುಟ್ಟಿದರು. ಏಕೆಂದರೆ ಪ್ರತಿದಿನದ ಆಹಾರ ವಿತರಣೆಯಲ್ಲಿ ಅವರ ವಿಧವೆಯರು ಕಡೆಗಣಿಸಲ್ಪಟ್ಟರು.

2 ಆಗ ಹನ್ನೆರಡು ಮಂದಿ ಅಪೊಸ್ತಲರು ಶಿಷ್ಯರ ಸಮೂಹವನ್ನು ಕರೆಯಿಸಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, «ನಾವು ದೇವರ ವಾಕ್ಯವನ್ನು ಬೋಧಿಸುವದನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಊಟದ ಬಡಿಸುವಿಕೆಯ ಕೆಲಸವನ್ನು ಮಾಡುವದು ಸರಿಯಲ್ಲ.

3 ಆದಕಾರಣ ಸಹೋದರರೇ, ನಿಮ್ಮಲ್ಲಿ ಏಳು ಮಂದಿ ಒಳ್ಳೆಯ ಸಾಕ್ಷಿಯುಳ್ಳವರೂ ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನಿಂದಲೂ ಜ್ಞಾನದಿಂದಲೂ ತುಂಬಿದವರೂ ಆಗಿರುವ ಮನುಷ್ಯರನ್ನು ಆರಿಸಿಕೊಳ್ಳಿರಿ. ಅವರನ್ನು ಈ ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ನೇಮಿಸೋಣ.

4 ಆದರೆ ನಾವು ಪ್ರಾರ್ಥನೆಯಲ್ಲಿಯೂ ವಾಕ್ಯದ ಸೇವೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಸದಾ ಕಾಲವನ್ನು ಕಳೆಯುವೆವು.»

5 ಈ ಮಾತು ಸಮೂಹಕ್ಕೆಲ್ಲಾ ಸಮ್ಮತವಾಯಿತು. ಅವರು ವಿಶ್ವಾಸದಿಂದಲೂ ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನಿಂದಲೂ ತುಂಬಿದವನಾದ ಸ್ತೆಫನನೆಂಬವನನ್ನೂ ಫಿಲಿಪ್ಪ, ಪ್ರೊಖೋರ, ನಿಕಾನೋರ, ತಿಮೋನ, ಪರ್ಮೆನ, ಅಂತಿಯೋಕ್ಯದವನಾದ ನಿಕೊಲಾಯ ಎಂಬವರನ್ನೂ ಆರಿಸಿಕೊಂಡರು.

6 ಇವರನ್ನು ಅಪೊಸ್ತಲರ ಮುಂದೆ ನಿಲ್ಲಿಸಿದರು. ಅವರು ಪ್ರಾರ್ಥನೆಮಾಡಿ ಇವರ ಮೇಲೆ ಕೈಗಳನ್ನಿಟ್ಟರು.

7 ಆಗ ದೇವರ ವಾಕ್ಯವು ಹರಡಿತು. ಯೆರೂಸಲೇಮಿನಲ್ಲಿ ಶಿಷ್ಯರ ಸಂಖ್ಯೆಯು ಬಹಳವಾಗಿ ಹೆಚ್ಚಿತು. ಯಾಜಕರಲ್ಲಿ ಬಹಳ ಮಂದಿ ವಿಶ್ವಾಸಕ್ಕೆ ವಿಧೇಯರಾದರು.

8 ಸ್ತೆಫನನು ಕೃಪೆಯಿಂದಲೂ ಶಕ್ತಿಯಿಂದಲೂ ತುಂಬಿದವನಾಗಿ ಜನರಲ್ಲಿ ಮಹತ್ಕಾರ್ಯಗಳನ್ನೂ ಅದ್ಭುತಗಳನ್ನೂ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದನು.

9 ಆಗ ಸ್ವತಂತ್ರರೆಂಬ ಸಭೆಯವರಲ್ಲಿ ಕೆಲವರೂ ಕುರೇನ್ಯರೂ ಅಲೆಕ್ಸಾಂದ್ರಿಯರೂ ಕಿಲಿಕ್ಯ ಆಸ್ಯ ಪ್ರಾಂತ್ಯಗಳವರೂ ಎದ್ದು ಸ್ತೆಫನನೊಂದಿಗೆ ವಾದಿಸಿದರು.

10 ಆದರೆ ಅವನು ಜ್ಞಾನದಿಂದಲೂ ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನಿಂದಲೂ ಮಾತಾಡುತ್ತಿದ್ದುದರಿಂದ ಅವರು ಅವನನ್ನು ಎದುರಿಸಲಾರದೆ ಹೋದರು.

11 ಆಗ ಅವರು ಕೆಲವು ಮನುಷ್ಯರನ್ನು ಪ್ರೇರೇಪಿಸಿ ಅವರು ಮೋಶೆಗೂ ದೇವರಿಗೂ ವಿರೋಧವಾಗಿ ದೂಷಣೆಯ ಮಾತುಗಳನ್ನಾಡಿದ್ದನ್ನು ನಾವು ಕೇಳಿದ್ದೇವೆಂದು ಹೇಳಿಸಿದರು.

12 ಇದಲ್ಲದೆ ಅವರು ಜನರನ್ನೂ ಹಿರಿಯರನ್ನೂ ಶಾಸ್ತ್ರಿಗಳನ್ನೂ ಪ್ರಚೋದಿಸಿ ಅವನ ಮೇಲೆ ಬಿದ್ದು ಅವನನ್ನು ಹಿಡಿದುಕೊಂಡು ಹೋಗಿ ಮಹಾಸಭೆಯ ಮುಂದೆ ನಿಲ್ಲಿಸಿದರು.

13 ಮತ್ತು ಸುಳ್ಳುಸಾಕ್ಷಿಗಳನ್ನು ನಿಲ್ಲಿಸಿದರು. ಅವರು ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, «ಈ ಮನುಷ್ಯನು ಪರಿಶುದ್ಧ ಸ್ಥಳಕ್ಕೂ ಧರ್ಮಶಾಸ್ತ್ರಕ್ಕೂ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಮಾತಾಡುವದನ್ನು ನಿಲ್ಲಿಸುವದಿಲ್ಲ.

Digitized by Google

14 ଆଉ ଆମ୍ଭେ ଆପଣା ନିୟମ ସ୍ମରଣ କରିବା, ଆଉ ଜଳପ୍ଲାବନ ହୋଇ ସମସ୍ତ ପ୍ରାଣୀର ବିନାଶକ ହେବା ପାଇଁ ଜଳ ଆଉ କେବେ ହେବ ନାହିଁ।

15 ଆଉ ଆମ୍ଭେ ଯେପରି ପୃଥିବୀସ୍ଥ ସମସ୍ତ ପ୍ରାଣୀ ସହିତ ଆପଣା ଓ ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ସ୍ଥାପିତ ନିୟମ ସ୍ମରଣ କରିବା, ଏଥିପାଇଁ ମେଘରେ ଆମ୍ଭର ଧନୁ ଦେଖିବା।

16 ଆଉ ସେହି ଧନୁ ମେଘରେ ଦେଖାଯିବ, ଆଉ ପୃଥିବୀସ୍ଥ ସମସ୍ତ ପ୍ରାଣୀ ସହିତ ଈଶ୍ୱର ଯେଉଁ ଚିରସ୍ଥାୟୀ ନିୟମ ସ୍ଥାପନ କରିଅଛନ୍ତି, ତାହା ସ୍ମରଣ କରିବା ପାଇଁ ଆମ୍ଭେ ତାହା ଦେଖିବା।

17 ଏଥିପାଇଁ ଈଶ୍ୱର ନୋହକୁ କହିଲେ, ଆମ୍ଭେ ପୃଥିବୀସ୍ଥ ସମସ୍ତ ପ୍ରାଣୀ ସହିତ ଯେଉଁ ନିୟମ ସ୍ଥାପନ କରିଅଛୁ, ତାହାର ଏହି ଚିହ୍ନ।

18 ନୋହର ତିନି ପୁତ୍ର ଜାହାଜରୁ ବାହାରି ଆସିଲେ; ସେମ, ହାମ ଓ ଯେଫତ। ହାମ କିନାନର ପିତା। **19** ଏହି ତିନି ନୋହଙ୍କ ପୁତ୍ର, ଆଉ ସେମାନଙ୍କଠାରୁ ସମସ୍ତ ପୃଥିବୀ ବ୍ୟାପ୍ତ ହେଲା।

Digitized by Google

Digitized by Google

ಮಾಡಿದರು. ಅವರು ಅವರಿಗೆ ಕೈಗಳನ್ನಿಟ್ಟಾಗ ಅವರು ಪವಿತ್ರಾತ್ಮವನ್ನು ಹೊಂದಿದರು.
18 ಅಪೊಸ್ತಲರು ಕೈಗಳನ್ನಿಡುವದರಿಂದ ಪವಿತ್ರಾತ್ಮವು ಕೊಡಲ್ಪಡುವದನ್ನು ಸೀಮೋನನು ನೋಡಿದಾಗ ಅವರಿಗೆ ಹಣವನ್ನು ಕೊಟ್ಟು 19 ನಾನು ಯಾರ ಮೇಲೆ ಕೈಗಳನ್ನಿಡುವೆನೋ ಅವನು ಪವಿತ್ರಾತ್ಮವನ್ನು ಹೊಂದುವಂತೆ ಈ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ನನಗೂ ಕೊಡಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. 20 ಪೇತ್ರನು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ದೇವರ ವರವು ಹಣದಿಂದ ಸಂಪಾದಿಸಲ್ಪಡುತ್ತದೆಂದು ನೀನು ಭಾವಿಸಿದ್ದರಿಂದ ನಿನ್ನ ಹಣವು ನಿನ್ನೊಂದಿಗೆ ನಾಶವಾಗಲಿ. 21 ಈ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ನಿನಗೆ ಪಾಲಾಗಲಿ ಭಾಗವಾಗಲಿ ಇಲ್ಲ. ನಿನ್ನ ಹೃದಯವು ದೇವರ ಮುಂದೆ ಸರಿಯಾಗಿಲ್ಲ. 22 ಆದಕಾರಣ ನೀನು ಈ ನಿನ್ನ ದುಷ್ಟತನವನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಪಶ್ಚಾತ್ತಾಪಪಟ್ಟು ಕರ್ತನಿಗೆ ಪ್ರಾರ್ಥನೆ ಮಾಡು. ಒಂದು ವೇಳೆ ನಿನ್ನ ಹೃದಯದ ಆಲೋಚನೆಯು ನಿನಗೆ ಕ್ಷಮಿಸಲ್ಪಡಬಹುದು. 23 ನೀನು ಕಹಿಯಾದ ಪಿತ್ತರಸದಲ್ಲಿಯೂ ಅನೀತಿಯ ಬಂಧನದಲ್ಲಿಯೂ ಇರುವದನ್ನು ನಾನು ನೋಡುತ್ತೇನೆ. 24 ಆಗ ಸೀಮೋನನು ಉತ್ತರವಾಗಿ ನೀವು ಹೇಳಿದ ಈ ವಿಷಯಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದೂ ನನಗೆ ಸಂಭವಿಸದಂತೆ ನೀವೇ ಕರ್ತನಿಗೆ ನನಗೋಸ್ಕರ ಪ್ರಾರ್ಥನೆ ಮಾಡಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

25 ಅವರು ಸಾಕ್ಷಿ ಹೇಳಿ ಕರ್ತನ ವಾಕ್ಯವನ್ನು ಮಾತನಾಡಿದ ಮೇಲೆ ಯೆರೂಸಲೇಮಿಗೆ ಹಿಂತಿರುಗಿ ಹೋಗುವಾಗ ಸಮಾರ್ಯದವರ ಅನೇಕ ಹಳ್ಳಿಗಳಲ್ಲಿ ಸುವಾರ್ತೆಯನ್ನು ಸಾರಿದರು.

26 ಕರ್ತನ ದೂತನು ಫಿಲಿಪ್ಪನಿಗೆ ಮಾತನಾಡಿ ಎದ್ದು ದಕ್ಷಿಣಕ್ಕೆ ಯೆರೂಸಲೇಮಿನಿಂದ ಗಾಜಕ್ಕೆ ಹೋಗುವ ಅರಣ್ಯ ಮಾರ್ಗಕ್ಕೆ ಹೋಗು ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. 27 ಅವನು ಎದ್ದು ಹೊರಟನು. ಆಗ ಇಗೋ, ಇಥಿಯೋಪ್ಯದ ಒಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ಅಂದರೆ ಇಥಿಯೋಪ್ಯದವರ ರಾಣಿಯಾದ ಕಂದಾಕೆಯ ಎಲ್ಲಾ ಖಜಾನೆಯ ಮೇಲೆ ಅಧಿಕಾರಿಯಾಗಿದ್ದ ಷಂಡನು ಆರಾಧನೆಗಾಗಿ ಯೆರೂಸಲೇಮಿಗೆ ಬಂದಿದ್ದನು. 28 ಅವನು ತಿರುಗಿ ಹೋಗುತ್ತಿರುವಾಗ ತನ್ನ ರಥದಲ್ಲಿ ಕುಳಿತುಕೊಂಡು ಪ್ರವಾದಿಯಾದ ಯೆಶಾಯನ ಪುಸ್ತಕವನ್ನು ಓದುತ್ತಿದ್ದನು. 29 ಆಗ ಆತ್ಮನು ಫಿಲಿಪ್ಪನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ಸಮೀಪಕ್ಕೆ ಹೋಗಿ ಈ ರಥಕ್ಕೆ ಸೇರಿಕೊಂಡಿರು ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. 30 ಫಿಲಿಪ್ಪನು ಓಡಿ ಹೋಗಿ ಅವನು ಪ್ರವಾದಿಯಾದ ಯೆಶಾಯನ ಪುಸ್ತಕವನ್ನು ಓದುವದನ್ನು ಕೇಳಿ ನೀನು ಓದುವದನ್ನು ಗ್ರಹಿಸುತ್ತೀಯೋ ಎಂದು ಕೇಳಿದನು. 31 ಅವನು ಯಾರಾದರೂ ನನಗೆ ಬೋಧಿಸದಿದ್ದರೆ ನಾನು ಹೇಗೆ ಗ್ರಹಿಸಬಲ್ಲೆನು ಎಂದು ಹೇಳಿ ಫಿಲಿಪ್ಪನನ್ನು ಕರೆದು ರಥವನ್ನು ಹತ್ತಿ ತನ್ನ ಸಂಗಡ ಕುಳಿತುಕೊಳ್ಳಬೇಕೆಂದು ಬೇಡಿಕೊಂಡನು.

Digitized by Google

ପ୍ରାଣଦଣ୍ଡର ଯୋଗ୍ୟ ହେବ; ମାତ୍ର ଯେ କେହି ଆପଣା ଭାଇକୁ ଅପମାନ କରେ, ସେ ମହାସଭାର ବିଚାରର ଯୋଗ୍ୟ ହେବ; ଆଉ ଯେ କେହି ଆପଣା ଭାଇକୁ ମୂର୍ଖ କହେ, ସେ ନରକାଗ୍ନିର ଯୋଗ୍ୟ ହେବ।

31 ଆହୁରି ଏହା କୁହାଯାଇଅଛି ଯେ, ଯେ କେହି ଆପଣା ସ୍ତ୍ରୀକୁ ତ୍ୟାଗ କରେ, ସେ ତ୍ୟାଗପତ୍ର ତାହାକୁ ଦେଉ; ମାତ୍ର ମୁଁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ କହୁଅଛି, ଯେ କେହି ଆପଣା ସ୍ତ୍ରୀକୁ ବ୍ୟଭିଚାର ଛଡ଼ା ଅନ୍ୟ କାରଣରେ ତ୍ୟାଗ କରେ, ସେ ତାହାକୁ ବ୍ୟଭିଚାରିଣୀ କରେ; ଆଉ ଯେ କେହି ତ୍ୟକ୍ତା ସ୍ତ୍ରୀକୁ ବିବାହ କରେ, ସେ ବ୍ୟଭିଚାର କରେ।

32 ଆହୁରି ତୁମ୍ଭେମାନେ ପୂର୍ବକାଳୀୟମାନଙ୍କୁ ଏହା ମଧ୍ୟ କୁହାଯାଇଅଛି ଯେ, ତୁମ୍ଭେ ମିଥ୍ୟା ଶପଥ କରିବ ନାହିଁ, ମାତ୍ର ତୁମ୍ଭେ ଆପଣା ଶପଥ ପ୍ରଭୁଙ୍କ ନିକଟରେ ସଫଳ କରିବ। ମୁଁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ କହୁଅଛି, ତୁମ୍ଭେମାନେ କୌଣସି ପ୍ରକାରେ ଶପଥ କରିବ ନାହିଁ;

33 ନା ତ ସ୍ୱର୍ଗର ଦୋହାଇ ଦେବ, କାରଣ ତାହା ଈଶ୍ୱରଙ୍କ ସିଂହାସନ; ନା ପୃଥିବୀର ଦୋହାଇ ଦେବ, କାରଣ ତାହା ତାଙ୍କର ପାଦପୀଠ; ନା ଯିରୂଶାଲମର ଦୋହାଇ ଦେବ, କାରଣ ତାହା ମହାରାଜାଙ୍କର ନଗର;

34 ଆଉ ତୁମ୍ଭର ମସ୍ତକର ଦୋହାଇ ଦେବ ନାହିଁ, କାରଣ ତୁମ୍ଭେ ଗୋଟିଏ କେଶକୁ ଧଳା କି କଳା କରି ପାରିବ ନାହିଁ। ମାତ୍ର ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କର କଥା ହଁ ହଁ, ନା ନା ହେଉ; ଏଥିରୁ ଯାହା ଅଧିକ, ତାହା ମନ୍ଦରୁ ଜାତ।

୬ ଅଧ୍ୟାୟ

1 ସାବଧାନ ହୁଅ, ଲୋକମାନଙ୍କ ସାକ୍ଷାତରେ ଆପଣା ଧର୍ମ୍ମ ଯେପରି ଦେଖାଅ ନାହିଁ, ଦେଖାଅ ନାହିଁ;

2 ଅତଏବ ତୁମ୍ଭେ ଦାନ କଲା ବେଳେ, ଭଣ୍ଡମାନେ ଲୋକଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଗୌରବ ପାଇବା ନିମନ୍ତେ ସମାଜଗୃହ ଓ ରାସ୍ତାରେ ଯେପରି କରନ୍ତି, ତୁମ୍ଭେ ସେପରି ତୂରୀ ବଜାଇ ଦାନ କର ନାହିଁ;

Digitized by Google

3 ...

4 ...

5 ...

6 ...

7 ...

8 ...

Digitized by Google

ಅವರು ಬಹಳ ಗರ್ವದಿಂದ ಮಾತಾಡುತ್ತಾರೆ; ಅವರು ಹಿಂಸೆಯನ್ನು ಮಾಡುವದಕ್ಕೆ ಆಲೋಚಿಸುತ್ತಾರೆ.

9 ಅವರು ಪರಲೋಕಕ್ಕೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ತಮ್ಮ ಬಾಯಿಯನ್ನು ತೆರೆಯುತ್ತಾರೆ; ಅವರ ನಾಲಿಗೆಯು ಭೂಮಿಯಲ್ಲಿ ಸಂಚರಿಸುತ್ತದೆ.

10 ಆದದರಿಂದ ಅವರ ಜನರು ಇಲ್ಲಿಗೆ ತಿರುಗಿಕೊಳ್ಳುವರು; ಅವರಿಗೆ ಹೇರಳವಾಗಿ ನೀರು ಸಿಕ್ಕುವದು.

11 ಅವರು ಹೇಳುವದು, ದೇವರಿಗೆ ಹೇಗೆ ತಿಳಿಯುವದು? ಮಹೋನ್ನತನಿಗೆ ತಿಳುವಳಿಕೆ ಇದೆಯೋ? ಎಂಬದೇ. ೧೨ ಇಗೋ, ಇವರು ದುಷ್ಟರು; ಇವರು ಯಾವಾಗಲೂ ನಿರಾತಂಕವಾಗಿದ್ದು ಐಶ್ವರ್ಯವನ್ನು ಸಂಪಾದಿಸಿಕೊಳ್ಳುತ್ತಾರೆ.

12 ನಿಜವಾಗಿ ನಾನು ಶುದ್ಧಮನಸ್ಸಿನಿಂದ ನಡೆದುಕೊಂಡು ನಿರ್ದೋಷಿಗಳಾಗಿ ಕೈತೊಳೆದುಕೊಂಡದ್ದು ವ್ಯರ್ಥವಾಯಿತು; ನಾನು ದಿನವೆಲ್ಲಾ ಬಾಧೆಪಟ್ಟು ಪ್ರತಿ ಉದಯದಲ್ಲಿ ಶಿಕ್ಷೆಯನ್ನು ಅನುಭವಿಸಿದೆನಲ್ಲಾ.

13 ಹೀಗೆ ನಾನು ಯೋಚಿಸಿದಾಗ ನನ್ನ ಹೃದಯವು ಕಹಿಯಾಯಿತು, ನನ್ನ ಅಂತರಂಗವು ಚುಚ್ಚಲ್ಪಟ್ಟಿತು. ನಾನು ಮೂಢನಾಗಿ ನಿನ್ನ ಸನ್ನಿಧಿಯಲ್ಲಿ ಪಶುಪ್ರಾಯನಾಗಿದ್ದೆನು.

14 ಆದರೂ ನಾನು ಯಾವಾಗಲೂ ನಿನ್ನ ಸಂಗಡ ಇದ್ದೇನೆ; ನೀನು ನನ್ನ ಬಲಗೈಯನ್ನು ಹಿಡಿದಿದ್ದೀ.

Digitized by Google

15 ಅವರು ಅಲ್ಲಿಂದ ಹೊರಟು ಅಂತಿಯೊಕ್ಯಕ್ಕೆ ಬಂದರು. ಅಲ್ಲಿ ಅವರು ಸಭೆಯವರನ್ನು ಒಟ್ಟಾಗಿ ಸೇರಿಸಿ, ದೇವರು ತಮ್ಮ ಮೂಲಕ ಮಾಡಿದ ಎಲ್ಲಾ ಕಾರ್ಯಗಳನ್ನು ಮತ್ತು ಅನ್ಯಜನರಿಗೆ ನಂಬಿಕೆಯ ಬಾಗಿಲನ್ನು ತೆರೆದದ್ದನ್ನು ತಿಳಿಸಿದರು.

16 ಅವರು ಅಲ್ಲಿ ಬಹಳ ದಿವಸ ಶಿಷ್ಯರೊಂದಿಗೆ ಇದ್ದರು. ಆಗ ಯೆಹೂದಾ ಪ್ರಾಂತ್ಯದಿಂದ ಕೆಲವರು ಬಂದು ಸಹೋದರರಿಗೆ ಬೋಧಿಸಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, «ನೀವು ಮೋಶೆಯ ಸಂಪ್ರದಾಯದ ಪ್ರಕಾರ ಸುನ್ನತಿ ಹೊಂದದಿದ್ದರೆ ರಕ್ಷಣೆ ಹೊಂದಲಾರಿರಿ.»

17 ಇದರಿಂದ ಪೌಲ ಮತ್ತು ಬಾರ್ನಬರಿಗೂ ಅವರೊಂದಿಗೆ ಇದ್ದವರಿಗೂ ಬಹಳ ವಾಗ್ವಾದ ಮತ್ತು ತರ್ಕ ಉಂಟಾಯಿತು. ಆದ್ದರಿಂದ ಪೌಲ ಮತ್ತು ಬಾರ್ನಬರು ಮತ್ತು ಅವರೊಂದಿಗೆ ಇದ್ದ ಕೆಲವರು ಈ ವಿಷಯವನ್ನು ಕುರಿತು ಯೆರೂಸಲೇಮಿನಲ್ಲಿರುವ ಅಪೊಸ್ತಲರ ಮತ್ತು ಹಿರಿಯರ ಬಳಿಗೆ ಹೋಗಬೇಕೆಂದು ನಿರ್ಧರಿಸಲಾಯಿತು.

18 ಆದ್ದರಿಂದ ಸಭೆಯವರು ಅವರನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಟ್ಟರು. ಅವರು ಫೊಯಿನಿಕೆ ಮತ್ತು ಸಮಾರ್ಯ ಪ್ರಾಂತ್ಯಗಳ ಮೂಲಕ ಹಾದುಹೋಗುತ್ತಾ ಅನ್ಯಜನರು ಮತಾಂತರ ಹೊಂದಿದ ವಿಷಯವನ್ನು ತಿಳಿಸಿದರು. ಇದು ಸಹೋದರರೆಲ್ಲರಿಗೆ ಬಹಳ ಸಂತೋಷವನ್ನುಂಟುಮಾಡಿತು.

19 ಅವರು ಯೆರೂಸಲೇಮಿಗೆ ಬಂದಾಗ ಸಭೆಯವರು, ಅಪೊಸ್ತಲರು ಮತ್ತು ಹಿರಿಯರು ಅವರನ್ನು ಸ್ವಾಗತಿಸಿದರು. ಆಗ ಅವರು ದೇವರು ತಮ್ಮ ಮೂಲಕ ಮಾಡಿದ ಎಲ್ಲಾ ಕಾರ್ಯಗಳನ್ನು ತಿಳಿಸಿದರು.

20 ಆದರೆ ಕೆಲವು ಫರಿಸಾಯ ಪಂಥದವರು ಎದ್ದು ನಿಂತು ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ: «ಅನ್ಯಜನರಿಗೆ ಸುನ್ನತಿ ಮಾಡಿಸಬೇಕು ಮತ್ತು ಮೋಶೆಯ ನಿಯಮವನ್ನು ಪಾಲಿಸಲು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಬೇಕು.»

21 ಆಗ ಅಪೊಸ್ತಲರು ಮತ್ತು ಹಿರಿಯರು ಈ ವಿಷಯವನ್ನು ಕುರಿತು ಆಲೋಚಿಸಲು ಕೂಡಿಬಂದರು. ಪೇತ್ರನು ಎದ್ದು ನಿಂತು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ: «ಸಹೋದರರೇ, ನೀವು ನನ್ನ ಮಾತನ್ನು ಕೇಳಿರಿ. ಅನ್ಯಜನರು ನನ್ನ ಬಾಯಿಂದ ಸುವಾರ್ತೆಯ ಸಂದೇಶವನ್ನು ಕೇಳಿ ನಂಬಿಕೆಯುಳ್ಳವರಾಗಬೇಕೆಂಬುದು ದೇವರ ಚಿತ್ತವಾಗಿತ್ತು.

22 ಇದಕ್ಕೆ ಅನುಸಾರವಾಗಿ ಅಪೊಸ್ತಲರು ಮತ್ತು ಹಿರಿಯರು ಮಾತ್ರವಲ್ಲದೆ ಸಭೆಯವರೆಲ್ಲರೂ ಒಟ್ಟಾಗಿ ಸೇರಿ ತಮ್ಮಲ್ಲಿ ಕೆಲವರನ್ನು ಆರಿಸಿಕೊಂಡು ಅವರನ್ನು ಪೌಲ ಮತ್ತು ಬಾರ್ನಬರೊಂದಿಗೆ ಅಂತಿಯೊಕ್ಯಕ್ಕೆ ಕಳುಹಿಸಲು ನಿರ್ಧರಿಸಿದರು. ಅವರು ಸಹೋದರರಲ್ಲಿ ಮುಖ್ಯರಾಗಿದ್ದ ಯೂದನೆಂಬ ಬಾರ್ಸಬ ಮತ್ತು ಸೀಲ ಎಂಬವರನ್ನು ಆರಿಸಿಕೊಂಡರು.

Digitized by Google

23 ...

24 ...

25 ...

26 ...

27 ...

Digitized by Google

ಅವರು ಅವನ ಮಾತಿಗೆ ಒಪ್ಪಿಕೊಂಡರು; ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ಕರೆಯಿಸಿ ಹೊಡೆಯಿಸಿ ಯೇಸುವಿನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಮಾತನಾಡಬಾರದೆಂದು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿ ಅವರನ್ನು ಬಿಟ್ಟುಬಿಟ್ಟರು.

41 ಆಗ ಅವರು ಆ ಹೆಸರಿಗೋಸ್ಕರ ಅವಮಾನಹೊಂದುವದಕ್ಕೆ ಯೋಗ್ಯರೆಂದು ಎಣಿಸಲ್ಪಟ್ಟದ್ದಕ್ಕಾಗಿ ಸಂತೋಷಪಡುತ್ತಾ ಆಲೋಚನಾಸಭೆಯ ಮುಂದಿನಿಂದ ಹೊರಟುಹೋದರು.

42 ಮತ್ತು ಅವರು ಪ್ರತಿದಿನವೂ ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿಯೂ ಮನೆಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಉಪದೇಶಮಾಡುವದನ್ನು ಯೇಸುವೇ ಕ್ರಿಸ್ತನೆಂದು ಸಾರುವದನ್ನು ನಿಲ್ಲಿಸಲಿಲ್ಲ.

೬

1 ಆ ದಿವಸಗಳಲ್ಲಿ ಶಿಷ್ಯರು ಹೆಚ್ಚಾಗುತ್ತಿರುವಾಗ ಗ್ರೀಕ್ ಭಾಷೆಯವರಾದ ಯೆಹೂದ್ಯರಿಗೂ ಇಬ್ರಿಯರಿಗೂ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಗ್ರೀಕ್ ಭಾಷೆಯವರು ಗುಣುಗುಟ್ಟಿದರು; ಏಕೆಂದರೆ ಪ್ರತಿದಿನವೂ ನಡೆಯುವ ಸೇವೆಯಲ್ಲಿ ಅವರ ವಿಧವೆಯರು ಕಡೆಗಣಿಸಲ್ಪಟ್ಟರು.

2 ಆಗ ಹನ್ನೆರಡು ಮಂದಿಯು ಶಿಷ್ಯರ ಸಮೂಹವನ್ನು ಕರೆಯಿಸಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ: ನಾವು ದೇವರ ವಾಕ್ಯವನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಊಟದ ಬಡಿಸುವಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಸೇವೆಮಾಡುವದು ಯುಕ್ತವಲ್ಲ.

3 ಆದಕಾರಣ ಸಹೋದರರೇ, ನಿಮ್ಮಲ್ಲಿ ಏಳು ಮಂದಿ ಒಳ್ಳೆಯ ಸಾಕ್ಷಿಯುಳ್ಳವರೂ ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನಿಂದಲೂ ಜ್ಞಾನದಿಂದಲೂ ತುಂಬಿದವರೂ ಆಗಿರುವ ಮನುಷ್ಯರನ್ನು ಆರಿಸಿಕೊಳ್ಳಿರಿ; ಅವರನ್ನು ಈ ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ನೇಮಿಸೋಣ.

4 ಆದರೆ ನಾವು ಪ್ರಾರ್ಥನೆಯಲ್ಲಿಯೂ ವಾಕ್ಯದ ಸೇವೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಅನುದಿನವೂ ಲಕ್ಷ್ಯವಿಟ್ಟಿರುವೆವು ಎಂದು ಹೇಳಿದರು.

Digitized by Google

ماهنامه دانش آموزی، سال دوم، شماره دوم، مهر ماه

۴ ـ ماهنامه دانش آموزی، سال دوم، شماره دوم، مهر ماه

۵ ـ ماهنامه دانش آموزی، سال دوم، شماره دوم، مهر ماه

۶ ـ ماهنامه دانش آموزی، سال دوم، شماره دوم، مهر ماه

۷ ـ ماهنامه دانش آموزی، سال دوم، شماره دوم، مهر ماه

۸ ـ ماهنامه دانش آموزی، سال دوم، شماره دوم، مهر ماه

۹ ـ ماهنامه دانش آموزی، سال دوم، شماره دوم، مهر ماه

۱۰ ـ ماهنامه دانش آموزی، سال دوم، شماره دوم، مهر ماه

Digitized by Google

10 ... ...

15 ಅಬ್ರಾಮನು ಅವರಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ನೀವು ಈ ಮಾತನ್ನು ಹೇಳಿದ್ದರಿಂದ ನಾನು ನಿಮ್ಮ ಸಂಗಡ ಬರುವದಿಲ್ಲ, ಅಂಜಿಕೆಯಿಲ್ಲದೆ ಹೋಗಿರಿ, ನಾನು ಇಲ್ಲಿಯೇ ನಿಮ್ಮ ಬರವನ್ನು ಕಾಯುತ್ತಿರುವೆನು ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

16 ಆಗ ಅವರು ಅಲ್ಲಿಂದ ಹೊರಟು ಸೊದೋಮಿನ ಕಡೆಗೆ ಹೋದರು, ಅಬ್ರಾಮನು ಅವರನ್ನು ಬೀಳ್ಕೊಡುವದಕ್ಕಾಗಿ ಅವರ ಸಂಗಡ ಹೋದನು. ಆಗ ಯೆಹೋವನು ಅಬ್ರಾಮನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ನಾನು ಮಾಡುವದನ್ನು ನಾನು ಅಬ್ರಾಹಾಮನಿಂದ ಮರೆಮಾಡುವೆನೋ? ಅವನು ಮಹಾ ಜನಾಂಗವಾಗಿಯೂ ಬಲವಾಗಿಯೂ ಆಗುವನು, ಅವನಲ್ಲಿ ಭೂಮಿಯ ಜನಾಂಗಗಳೆಲ್ಲಾ ಆಶೀರ್ವಾದ ಹೊಂದುವವು.

17 ಯಾಕಂದರೆ ಅವನು ತನ್ನ ಮಕ್ಕಳಿಗೂ ತನ್ನ ಮನೆಯವರಿಗೂ ಆಜ್ಞಾಪಿಸುವ ಹಾಗೆ ಅವರು ಯೆಹೋವನ ಮಾರ್ಗವನ್ನು ಕೈಕೊಂಡು ನೀತಿಯನ್ನೂ ನ್ಯಾಯವನ್ನೂ ನಡಿಸುವಂತೆ ನಾನು ಅವನನ್ನು ಬಲ್ಲವನಾಗಿದ್ದೇನೆ. ಆದ್ದರಿಂದ ಯೆಹೋವನು ಅಬ್ರಾಹಾಮನ ವಿಷಯವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದನ್ನು ಅವನಿಗೆ ನೆರವೇರಿಸುವನು.

18 ಅಬ್ರಾಹಾಮನು ಬಲಿಷ್ಠವಾದ ಮಹಾ ಜನಾಂಗವಾಗುವನು, ಭೂಮಿಯ ಜನಾಂಗಗಳೆಲ್ಲಾ ಅವನಲ್ಲಿ ಆಶೀರ್ವಾದ ಹೊಂದುವವು.

19 ಯಾಕಂದರೆ ನಾನು ಅವನನ್ನು ಆರಿಸಿಕೊಂಡಿದ್ದೇನೆ, ಅವನು ತನ್ನ ಮಕ್ಕಳಿಗೂ ತನ್ನ ಮನೆಯವರಿಗೂ ಆಜ್ಞಾಪಿಸುವ ಹಾಗೆ ಅವರು ಯೆಹೋವನ ಮಾರ್ಗವನ್ನು ಕೈಕೊಂಡು ನೀತಿಯನ್ನೂ ನ್ಯಾಯವನ್ನೂ ನಡಿಸುವಂತೆ ನಾನು ಅವನನ್ನು ಬಲ್ಲವನಾಗಿದ್ದೇನೆ. ಆದ್ದರಿಂದ ಯೆಹೋವನು ಅಬ್ರಾಹಾಮನ ವಿಷಯವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದನ್ನು ಅವನಿಗೆ ನೆರವೇರಿಸುವನು.

20 ಮತ್ತು ಯೆಹೋವನು ಅಬ್ರಾಹಾಮನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಸೊದೋಮ್ ಗೊಮೋರ ಪಟ್ಟಣಗಳ ಕೂಗು ಬಹಳವಾಗಿದೆ, ಅವರ ಪಾಪವು ಬಹಳ ಭಾರವಾಗಿದೆ. ಆದ್ದರಿಂದ ನಾನು ಇಳಿದು ಹೋಗಿ ಅವರು ಮಾಡಿದ ಕೂಗಿನ ಪ್ರಕಾರ ಅವರು ಮಾಡಿದ್ದೆಲ್ಲಾ ಸಂಪೂರ್ಣವಾಗಿ ಆಗಿದೆಯೋ ಇಲ್ಲವೋ ಎಂದು ನೋಡುವೆನು.

Digitized by Google

21 ଏବଂ ସେମାନେ ଆପଣା ଆପଣା ଦ୍ରବ୍ୟ ଓ ଆପଣା ଆପଣା ପଶୁ ଓ ଆପଣା ଆପଣା ଧନ ଓ ଆପଣା ଆପଣା ଭୂମି ବିକ୍ରୟ କରି ଆପଣା ଆପଣା ଦ୍ରବ୍ୟ ଓ ପଶୁ ଓ ଧନ ଓ ଭୂମି ଫାରୋଙ୍କ ହସ୍ତରେ ସମର୍ପଣ କଲେ ।

22 ଯାଜକମାନଙ୍କ ଭୂମି ସେ କ୍ରୟ କଲା ନାହିଁ, କାରଣ ଯାଜକମାନଙ୍କ ନିମନ୍ତେ ଫାରୋଙ୍କ ନିକଟରୁ ନିରୂପିତ ଅନ୍ନ ଥିଲା, ଆଉ ଫାରୋ ସେମାନଙ୍କୁ ଯେଉଁ ନିରୂପିତ ଅନ୍ନ ଦେଇଥିଲେ, ତାହା ସେମାନେ ଭୋଜନ କଲେ; ଏଥିପାଇଁ ସେମାନେ ଆପଣା ଭୂମି ବିକ୍ରୟ କଲେ ନାହିଁ ।

23 ତହୁଁ ଯୋଷେଫ ଲୋକମାନଙ୍କୁ କହିଲା, ଦେଖ, ଆଜି ମୁଁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଓ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ଭୂମିକୁ ଫାରୋଙ୍କ ନିମନ୍ତେ କ୍ରୟ କରିଅଛି; ଏଣୁ ଦେଖ, ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ନିମନ୍ତେ ବୀଜ ଅଛି, ତୁମ୍ଭେମାନେ ଭୂମି ବୁଣିବ ।

24 ଆଉ ଶସ୍ୟ ବୃଦ୍ଧି ସମୟରେ ତୁମ୍ଭେମାନେ ପଞ୍ଚମାଂଶ ଫାରୋଙ୍କୁ ଦେବ, ଆଉ ଚାରି ଅଂଶ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କର ହେବ, କ୍ଷେତ୍ରର ବୀଜ ନିମନ୍ତେ ଓ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କର ଓ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ପରିବାରର ଭକ୍ଷ୍ୟ ନିମନ୍ତେ ଓ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ବାଳକମାନଙ୍କ ଭକ୍ଷ୍ୟ ନିମନ୍ତେ ଏହା ହେବ ।

25 ତହିଁରେ ସେମାନେ କହିଲେ, ଆପଣ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କର ପ୍ରାଣ ରକ୍ଷା କଲେ; ଆମ୍ଭେମାନେ ମହାଶୟଙ୍କ ଦୃଷ୍ଟିରେ ଅନୁଗ୍ରହ ପାଇଲୁ, ଆମ୍ଭେମାନେ ଫାରୋଙ୍କର ଦାସ ହେବୁ ।

26 ଏଥିରେ ଯୋଷେଫ ଏହି ବିଧି ସ୍ଥିର କଲା, ଆଜି ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଏହା ଭୂମି ବିଷୟରେ ଫାରୋଙ୍କ ନିମନ୍ତେ ପଞ୍ଚମାଂଶ ଦେବାର ବିଧି ହୋଇଅଛି; କେବଳ ଯାଜକମାନଙ୍କର ଭୂମି ଫାରୋଙ୍କର ହେଲା ନାହିଁ ।

27 ଏଥିଉତ୍ତାରେ ଇସ୍ରାଏଲ ମିସର ଦେଶରେ ଗୋଶନ ପ୍ରଦେଶରେ ବାସ କଲା; ଆଉ ସେମାନେ ତହିଁରେ ଅଧିକାର ପାଇଲେ, ପୁଣି ଫଳବନ୍ତ ଓ ବହୁସଂଖ୍ୟକ ହେଲେ ।

28 ଆଉ ଯାକୁବ ମିସର ଦେଶରେ ସତର ବର୍ଷ ବାସ କଲା; ଏହା ଯାକୁବର ସମସ୍ତ

Digitized by Google

29 ...

30 ...

31 ...

32 ...

33 ...

Digitized by Google

34 ... ...

၆ ထာဝရဘုရားသခင်က ရေတို့ကြားမှာ ကောင်းကင်ပြင်ရှိစေသတည်း၊ ရေတို့ကို ခွဲခြားစေသတည်း၊ ဟုမိန့်တော်မူ၏။ ၇ ထာဝရဘုရားသခင်သည် ကောင်းကင်ပြင်ကို ဖန်ဆင်းတော်မူ၍ ကောင်းကင်ပြင်အောက်ရှိသော ရေတို့ကို ကောင်းကင်ပြင်အထက်ရှိသော ရေတို့နှင့် ခွဲခြားတော်မူ၏။ ထိုအတိုင်း ဖြစ်လေ၏။ ၈ ထာဝရဘုရားသခင်သည် ကောင်းကင်ပြင်ကို ကောင်းကင်ဟု ခေါ်တော်မူ၏။ ည နှင်းဆီ ဗ နံနက် ဒုတိယရက်ပြီ။

၉ ထာဝရဘုရားသခင်က ကောင်းကင်အောက်ရှိသော ရေတို့သည် တစ်နေရာတည်းသို့ စုဝေးကြစေသတည်း၊ ခြောက်သွေ့သောအရပ် ပေါ်ပေါက်စေသတည်း၊ ဟုမိန့်တော်မူ၏။ ထိုအတိုင်း ဖြစ်လေ၏။ ၁၀ ခြောက်သွေ့သောအရပ်ကို ကမ္ဘာမြေဟု ခေါ်တော်မူ၏။ စုဝေးကြသော ရေတို့ကို ပင်လယ်ဟု ခေါ်တော်မူ၏။ ထာဝရဘုရားသခင်သည် ကောင်းသည်ဟု မြင်တော်မူ၏။

၁၁ ထာဝရဘုရားသခင်က မြေသည် မိမိမျိုးစေ့ရှိသော အပင်ကို ပေါက်ရောက်စေသတည်း၊ မိမိမျိုးစေ့ရှိသော အသီးကို သီးနှံစေသတည်း၊ ဟုမိန့်တော်မူ၏။ ထိုအတိုင်း ဖြစ်လေ၏။

Digitized by Google

12 ... ...

ڕاوێژکاران، ئەوانەی ڕێگەی ڕاستیان لێ دەشێوێنن، ئەوانەی ڕێگەی ڕاستی
ڕاوێژکاری ئەوان دەشێوێنن، ئەوانەی ڕێگەی ڕاستی ئەوان دەشێوێنن.

17 ئەوان وەک ڕەشەبا وان، کە هەورێکی تاریک و تەمی ئەوان
ئەوانەی ڕێگەی ڕاستی ئەوان دەشێوێنن، ئەوانەی ڕێگەی ڕاستی ئەوان
دەشێوێنن، ئەوانەی ڕێگەی ڕاستی ئەوان دەشێوێنن، ئەوانەی ڕێگەی
ڕاستی ئەوان دەشێوێنن، ئەوانەی ڕێگەی ڕاستی ئەوان دەشێوێنن.

18 ئەوانەی ڕێگەی ڕاستی ئەوان دەشێوێنن، ئەوانەی ڕێگەی ڕاستی
ئەوان دەشێوێنن، ئەوانەی ڕێگەی ڕاستی ئەوان دەشێوێنن، ئەوانەی
ڕێگەی ڕاستی ئەوان دەشێوێنن، ئەوانەی ڕێگەی ڕاستی ئەوان
دەشێوێنن، ئەوانەی ڕێگەی ڕاستی ئەوان دەشێوێنن.

19 ئەوانەی ڕێگەی ڕاستی ئەوان دەشێوێنن، ئەوانەی ڕێگەی ڕاستی
ئەوان دەشێوێنن، ئەوانەی ڕێگەی ڕاستی ئەوان دەشێوێنن.

20 ئەوانەی ڕێگەی ڕاستی ئەوان دەشێوێنن، ئەوانەی ڕێگەی ڕاستی
ئەوان دەشێوێنن، ئەوانەی ڕێگەی ڕاستی ئەوان دەشێوێنن، ئەوانەی
ڕێگەی ڕاستی ئەوان دەشێوێنن، ئەوانەی ڕێگەی ڕاستی ئەوان
دەشێوێنن، ئەوانەی ڕێگەی ڕاستی ئەوان دەشێوێنن.

21 ئەوانەی ڕێگەی ڕاستی ئەوان دەشێوێنن، ئەوانەی ڕێگەی ڕاستی
ئەوان دەشێوێنن، ئەوانەی ڕێگەی ڕاستی ئەوان دەشێوێنن، ئەوانەی
ڕێگەی ڕاستی ئەوان دەشێوێنن، ئەوانەی ڕێگەی ڕاستی ئەوان
دەشێوێنن، ئەوانەی ڕێگەی ڕاستی ئەوان دەشێوێنن.

Digitized by Google

22 ויהי כאשר כלו כל הגוים לנסות את ישראל, וידע יהוה כי ישראל לא יעמדו בתורת יהוה, ויעזבו את יהוה ויעבדו את הבעלים ואת העשתרות ואת אלהי ארם ואת אלהי צידון ואת אלהי מואב ואת אלהי בני עמון ואת אלהי פלשתים, וישכחו את יהוה ולא עבדוהו.

23 ויאמר יהוה אל ישראל, הלא אמרתי אליכם לא תעבדו את אלהי האמרי אשר אתם יושבים בארצם, ולא שמעתם בקולי ותעבדו את אלהי הגוים אשר סביבותיכם.

24 ויאמרו ישראל אל יהוה, חטאנו כי עזבנו את יהוה ונעבד את הבעלים ואת העשתרות, ועתה הצילנו מיד אויבינו ונעבדך.

25 ויאמר יהוה אל ישראל, הלא אמרתי אליכם לא תעבדו את אלהי האמרי אשר אתם יושבים בארצם, ולא שמעתם בקולי ותעבדו את אלהי הגוים אשר סביבותיכם.

26 ועתה הנני מוציא את הגוים אשר סביבותיכם מפניכם, ונתתי לכם את ארצם.

27 ועתה הנני מוציא את הגוים אשר סביבותיכם מפניכם, ונתתי לכם את ארצם, ולא תעבדו את אלהי האמרי אשר אתם יושבים בארצם, ולא שמעתם בקולי ותעבדו את אלהי הגוים אשר סביבותיכם.

28 ויאמר יהוה אל ישראל, הלא אמרתי אליכם לא תעבדו את אלהי האמרי אשר אתם יושבים בארצם, ולא שמעתם בקולי ותעבדו את אלהי הגוים אשר סביבותיכם.

Digitized by Google

29 ...

30 ...

31 ...

32 ...

33 ...

34 ...

Digitized by Google

35 پھر اس نے سموئیل کو گلگال بھیجا اور سب لوگ وہاں خداوند کے حضور گئے اور وہاں شلامتی کے ذبیحوں کو گذرانا اور وہاں شاؤل اور سب اسرائیلی بہت خوش ہوئے۔

36 پھر شاؤل نے کہا کہ اب رات کو فلستیوں کا پیچھا کریں اور صبح تک ان کو لوٹیں اور ان میں سے ایک آدمی کو بھی نہ چھوڑیں۔ انہوں نے کہا جو تجھ کو اچھا معلوم ہو وہی کر۔ تب کاہن نے کہا کہ ہم یہاں خدا کے نزدیک آئیں۔

37 اور شاؤل نے خدا سے پوچھا کہ میں فلستیوں کا پیچھا کروں؟ کیا تو ان کو اسرائیل کے ہاتھ میں کر دے گا؟ اس دن اس نے اس کو کچھ جواب نہ دیا۔

38 شاؤل نے کہا کہ اے سب سرداروں تم یہاں نزدیک آؤ اور دیکھو کہ آج کس سبب سے یہ گناہ ہوا ہے۔

۱۰ باب

1 تب سموئیل نے تیل کی کپی لی اور اس کے سر پر انڈیلی اور اس کو چوما اور کہا کہ کیا یہ نہیں کہ خداوند نے تجھ کو اپنی میراث پر سردار ہونے کے لئے مسح کیا ہے؟

2 جب تو آج میرے پاس سے جائے گا تو بن یمین کی سرحد پر صلصح میں راخیل کی قبر کے پاس دو آدمی پائے گا اور وہ تجھ سے کہیں گے کہ جن گدھیوں کو تو ڈھونڈنے گیا تھا وہ مل گئیں اور دیکھ تیرا باپ گدھیوں کی فکر چھوڑ کر تمہارے لئے فکر مند ہے اور کہتا ہے کہ میرے بیٹے کے لئے کیا کروں؟

Digitized by Google

ଯେ ଯାହା ଯାଏ ଯାଏ ଯାଏ

9 ಯಾಕೋಬನೂ ಚೆಬೆದಾಯನ ಮಗನಾದ ಯೋಹಾನನೂ ಪೇತ್ರನೂ ಯೋಹಾನನೂ ಒಳಗೆ ದೇವಾಲಯಕ್ಕೆ ಹೋಗುತ್ತಿರುವದನ್ನು ಕಂಡು ಅವರಿಗೆ ಭಿಕ್ಷೆ ಬೇಡಿದನು.

10 ಆಗ ಅವರು ಅವನ ಮೇಲೆ ದೃಷ್ಟಿಯಿಟ್ಟು ನಮ್ಮನ್ನು ನೋಡು ಎಂದು ಹೇಳಿದರು. ಆಗ ಅವನು ಅವರಿಂದ ಏನಾದರೂ ಪಡೆಯುವೆನೆಂದು ಅವರ ಕಡೆಗೆ ಗಮನವಿಟ್ಟನು. ಆದರೆ ಪೇತ್ರನು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ನನಗೆ ಬೆಳ್ಳಿಯೂ ಬಂಗಾರವೂ ಇಲ್ಲ. ಆದರೆ ನನಗಿರುವದನ್ನು ನಿನಗೆ ಕೊಡುತ್ತೇನೆ.

11 ಯೇಸು ಕ್ರಿಸ್ತನ ನಾಮದಲ್ಲಿ ನಜರೇತಿನವನಾದ ಯೇಸುವಿನ ನಾಮದಲ್ಲಿ ನಡೆದಾಡು ಎಂದು ಹೇಳಿ ಅವನ ಬಲಗೈಯನ್ನು ಹಿಡಿದು ಅವನನ್ನು ಮೇಲಕ್ಕೆತ್ತಿದನು. ಆಗ ಅವನ ಪಾದಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಕಣಕಾಲುಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಬಲವು ಬಂದಿತು.

12 ಅವನು ಎದ್ದು ನಿಂತು ನಡೆದಾಡಿದನು. ಅವರು ಅವನೊಂದಿಗೆ ದೇವಾಲಯಕ್ಕೆ ಹೋದರು.

13 ಅವನು ಅತ್ತಿಂದಿತ್ತ ನಡೆದಾಡುತ್ತಾ ದೇವರನ್ನು ಸ್ತುತಿಸುತ್ತಾ ಅವರೊಂದಿಗೆ ದೇವಾಲಯಕ್ಕೆ ಹೋದನು. ಜನರೆಲ್ಲರು ಅವನನ್ನು ನೋಡಿದರು.

14 ಅವನು ಭಿಕ್ಷೆ ಬೇಡುತ್ತಾ ದೇವಾಲಯದ ಸುಂದರವೆಂಬ ಬಾಗಿಲಿನ ಹತ್ತಿರ ಕುಳಿತಿರುವವನೆಂದು ಅವರು ತಿಳಿದಿದ್ದರು. ಅವನಿಗೆ ಸಂಭವಿಸಿದ್ದನ್ನು ನೋಡಿ ಅವರು ಆಶ್ಚರ್ಯಪಟ್ಟರು.

15 ಅವನು ಪೇತ್ರನನ್ನೂ ಯೋಹಾನನನ್ನೂ ಹಿಡಿದುಕೊಂಡಿರುವದನ್ನು ಜನರೆಲ್ಲರು ಓಡಿಬಂದು ಅವರ ಬಳಿಗೆ ಸೊಲೊಮೋನನ ಮಂಟಪವೆಂಬ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಅವರಿಗೆ

Digitized by Google

یسوع نے اُن سے کہا، "کیا تم نے کبھی کتابِ مقدس میں نہیں پڑھا:
'جس پتھر کو معماروں نے رد کیا
وہی کونے کا سرا بن گیا۔
یہ خداوند کی طرف سے ہوا
اور ہماری نظر میں عجیب ہے'؟

43 اِس لئے میں تم سے کہتا ہوں کہ خدا کی بادشاہی تم سے لے لی جائے گی
اور ایسی قوم کو دی جائے گی جو اُس کے پھل پیدا کرے۔

44 جو اِس پتھر پر گرے گا وہ ٹکڑے ٹکڑے ہو جائے گا،
لیکن جس پر یہ گرے گا اُسے یہ پیس ڈالے گا۔"

45 جب سردار کاہن اور فریسی یسوع کی تمثیلیں سُن چکے تو سمجھ گئے کہ وہ ہمارے بارے میں بول رہا ہے۔ **46** اُنہوں نے اُسے گرفتار کرنا چاہا، لیکن لوگوں سے ڈر گئے کیونکہ وہ اُسے نبی سمجھتے تھے۔

22 یسوع نے اُن سے پھر تمثیلوں میں بات کی۔ **2** "آسمان کی بادشاہی کی مثال ایک بادشاہ کی سی ہے جس نے اپنے بیٹے کی شادی کی ضیافت کی تیاری کی۔ **3** اُس نے اپنے نوکروں کو بھیجا کہ جن کو دعوت دی گئی تھی اُنہیں بلا لائیں، لیکن وہ نہ آئے۔ **4** پھر اُس نے اَور نوکروں کو بھیجا اور کہا، 'دعوت کے مہمانوں سے کہو، دیکھو میں نے اپنا کھانا تیار کر لیا ہے۔ میرے بیل اور موٹے جانور ذبح کئے گئے ہیں اور سب کچھ تیار ہے۔ شادی کی ضیافت میں آؤ۔' **5** لیکن وہ اِس کی پروا نہ کر کے چل دیئے، کوئی اپنے کھیت کو گیا اور کوئی اپنی تجارت کو۔ **6** باقی نوکروں نے اُس کے نوکروں کو پکڑ کر بےعزت کیا اور مار ڈالا۔ **7** بادشاہ غصے میں آ گیا اور اپنی فوج بھیج کر اُن قاتلوں کو ہلاک کر دیا اور اُن کا شہر جلا دیا۔ **8** پھر اُس نے اپنے نوکروں سے کہا، 'شادی کی ضیافت تیار ہے، لیکن جن کو دعوت دی گئی تھی وہ اِس کے لائق نہ ٹھہرے۔ **9** اِس لئے شاہراہوں پر جاؤ اور جتنے لوگ ملیں اُن سب کو شادی کی ضیافت میں بلا لاؤ۔' **10** نوکر شاہراہوں پر گئے اور جتنے لوگ ملے اُن سب کو، اچھے اور بُرے، جمع کر لائے۔ یوں شادی کی ضیافت مہمانوں سے بھر گئی۔

11 "جب بادشاہ مہمانوں سے ملنے آیا تو اُس نے وہاں ایک آدمی کو دیکھا جو شادی کا لباس نہیں پہنے ہوئے تھا۔ **12** اُس نے اُس سے پوچھا، 'دوست، تم شادی کا لباس پہنے بغیر یہاں کیسے آ گئے؟' وہ آدمی کچھ نہ بولا۔ **13** تب بادشاہ نے نوکروں سے کہا، 'اِس کے ہاتھ پاؤں باندھ کر اِسے باہر اندھیرے میں پھینک دو۔ وہاں یہ روئے گا اور دانت پیستا رہے گا۔'

14 "کیونکہ بُلائے تو بہت سے جاتے ہیں، لیکن چُنے ہوئے تھوڑے ہیں۔"

15 تب فریسی باہر گئے اور آپس میں مشورہ کرنے لگے کہ یسوع کو اُس کی باتوں میں کیسے پھنسائیں۔ **16** اُنہوں نے اپنے شاگردوں کو ہیرودیس کے حامیوں کے ساتھ اُس کے پاس بھیجا۔ اُنہوں نے کہا، "اُستاد، ہم جانتے ہیں کہ آپ سچے ہیں اور سچائی کے مطابق خدا کی راہ کی تعلیم دیتے ہیں۔ آپ کسی کی پروا نہیں کرتے کیونکہ آپ لوگوں کی حیثیت نہیں دیکھتے۔ **17** ہمیں بتائیں کہ آپ کا کیا خیال ہے۔ کیا شریعت کے مطابق قیصر کو ٹیکس دینا جائز ہے یا نہیں؟"

18 یسوع اُن کی بدنیتی جان گیا اور کہا، "ریاکارو، مجھے کیوں آزماتے ہو؟ **19** ٹیکس کا سکہ مجھے دکھاؤ۔" وہ اُس کے پاس ایک دینار لے آئے۔ **20** اُس نے اُن سے پوچھا، "اِس پر کس کی تصویر اور نام ہے؟"

21 اُنہوں نے جواب دیا، "قیصر کا۔"

تب اُس نے اُن سے کہا، "پس جو قیصر کا ہے وہ قیصر کو دو، اور جو خدا کا ہے وہ خدا کو دو۔"

Digitized by Google

22 וְזָרַעְתֶּם אֶת־הַשָּׁנָה הַשְּׁמִינִת וַאֲכַלְתֶּם מִן־הַתְּבוּאָה יָשָׁן עַד־הַשָּׁנָה
הַתְּשִׁעִת עַד־בּוֹא תְּבוּאָתָהּ תֹּאכְלוּ יָשָׁן׃

23 וְהַאֲרֶץ לֹא תִמָּכֵר לִצְמִתֻת כִּי־לִי הָאָרֶץ כִּי־גֵרִים וְתוֹשָׁבִים אַתֶּם עִמָּדִי׃
וּבְכֹל אֶרֶץ אֲחֻזַּתְכֶם גְּאֻלָּה תִּתְּנוּ לָאָרֶץ׃

24 כִּי־יִמְךְ אָחִיךָ וּמָכַר מֵאֲחֻזָּתוֹ וּבָא גֹאֲלוֹ הַקָּרֹב אֵלָיו וְגָאַל אֶת־מִמְכַּר
אָחִיו׃

25 וְאִישׁ כִּי־יִהְיֶה לוֹ גֹּאֵל וְהָשִׂיג יָדוֹ וּמָצָא כְּדֵי גְאֻלָּתוֹ׃ וְחִשַּׁב אֶת־שְׁנֵי
מִמְכָּרוֹ וְהֵשִׁיב אֶת־הָעֹדֶף לָאִישׁ אֲשֶׁר מָכַר לוֹ וְשָׁב לַאֲחֻזָּתוֹ׃ וְאִם־לֹא
מָצְאָה יָדוֹ דֵּי הָשִׁיב לוֹ וְהָיָה מִמְכָּרוֹ בְּיַד הַקֹּנֶה אֹתוֹ עַד שְׁנַת הַיֹּבֵל וְיָצָא
בַּיֹּבֵל וְשָׁב לַאֲחֻזָּתוֹ׃

26 וְאִישׁ כִּי לֹא־יִהְיֶה לוֹ גֹּאֵל וְהִשִּׂיגָה יָדוֹ דֵּי אָחְזָתוֹ׃ וְיָדַע אֶת־שָׁנָיו וְהֵשִׁיב
אֶת־הָעֹדֶף לָאִישׁ אֲשֶׁר מָכַר לוֹ וְשָׁב אֶל־אֲחֻזָּתוֹ׃ וְאִם־לֹא מָצְאָה יָדוֹ דֵּי
הָשִׁיב לוֹ וְהָיָה מִמְכָּרוֹ בְּיַד הַקֹּנֶה אֹתוֹ עַד שְׁנַת הַיֹּבֵל וְיָצָא בַּיֹּבֵל וְשָׁב
לַאֲחֻזָּתוֹ׃

27 וְכֶסֶף מִמְכָּרוֹ יַחְשֹׁב אֶת־שְׁנֵי הַמִּמְכָּר וְהֵשִׁיב הָעֹדֶף לָאִישׁ אֲשֶׁר מָכַר
לוֹ וְשָׁב לַאֲחֻזָּתוֹ׃ וְאִם־לֹא נִמְכְּרָה בְּיָדוֹ וְהָיָה מִמְכָּרוֹ בְּיַד הַקֹּנֶה אֹתוֹ עַד

Digitized by Google

ಮಾಡಿದ್ದಾನೆಂಬದನ್ನು ಅವರು ಸಭೆಯವರಿಗೂ ಅಪೊಸ್ತಲರಿಗೂ ಹಿರಿಯರಿಗೂ ತಿಳಿಸಿ ಅವರೊಂದಿಗೆ ಬಹಳ ದಿವಸ ಇದ್ದರು.

28 ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನಿಗೂ ನಮಗೂ ಈ ಅವಶ್ಯವಾದ ಭಾರಗಳಲ್ಲದೆ ಬೇರೆ ಭಾರವನ್ನು ನಿಮ್ಮ ಮೇಲೆ ಹೊರಿಸದಿರುವದು ಒಳ್ಳೇದೆಂದು ತೋರಿತು. **29** ಅವು ಯಾವದಂದರೆ ವಿಗ್ರಹಗಳಿಗೆ ಅರ್ಪಿಸಿದ ಪದಾರ್ಥಗಳಿಂದಲೂ ರಕ್ತದಿಂದಲೂ ಕತ್ತು ಹಿಸುಕಿದ ಪ್ರಾಣಿಗಳಿಂದಲೂ ಜಾರತ್ವದಿಂದಲೂ ದೂರವಾಗಿರಿ. ಇವುಗಳನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಕಾಪಾಡಿಕೊಂಡರೆ ನಿಮಗೆ ಕ್ಷೇಮವಾಗುವದು. ಶುಭವಾಗಲಿ.

30 ಆದದರಿಂದ ಅವರು ಕಳುಹಿಸಲ್ಪಟ್ಟು ಅಂತಿಯೋಕ್ಯಕ್ಕೆ ಬಂದು ಸಭೆಯವರನ್ನು ಕೂಡಿಸಿ ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನು ಒಪ್ಪಿಸಿದರು. **31** ಅವರು ಅದನ್ನು ಓದಿ ಆದರಣೆಯ ಮಾತಿನಿಂದ ಸಂತೋಷಪಟ್ಟರು. **32** ಯೂದನೂ ಸೀಲನೂ ಸಹ ಪ್ರವಾದಿಗಳಾಗಿದ್ದು ಬಹಳ ಮಾತುಗಳಿಂದ ಸಹೋದರರನ್ನು ಆದರಿಸಿ ಸ್ಥಿರಪಡಿಸಿದರು. **33** ಕೆಲವು ದಿವಸ ಅಲ್ಲಿ ತಂಗಿದ ಮೇಲೆ ಅವರನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿದವರ ಬಳಿಗೆ ಸಮಾಧಾನದಿಂದ ಹೋಗಿ ಬರಲಿ ಎಂದು ಸಹೋದರರು ಹೇಳಿದರು.

Digitized by Google

34 ಆಗ ಪೇತ್ರನು ಅವರೊಂದಿಗೆ ಮಾತನಾಡಲು ಪ್ರಾರಂಭಿಸಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ದೇವರು ಪಕ್ಷಪಾತ ಮಾಡುವವರಲ್ಲವೆಂಬದು ನಿಜವಾಗಿ ನನಗೆ ತಿಳಿದುಬಂದಿದೆ. **35** ಆದರೆ ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಜನಾಂಗದಲ್ಲಿಯೂ ಆತನಿಗೆ ಭಯಪಟ್ಟು ನೀತಿಯನ್ನು ನಡಿಸುವವನು ಆತನಿಗೆ ಅಂಗೀಕಾರನಾಗಿದ್ದಾನೆ. **36** ಯೇಸು ಕ್ರಿಸ್ತನ ಮೂಲಕ ಸಮಾಧಾನವನ್ನು ಸಾರುತ್ತಾ ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಆತನು ಕಳುಹಿಸಿದ ವಾಕ್ಯವು ಇದೇ. ಆತನು ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಕರ್ತನಾಗಿದ್ದಾನೆ. **37** ಯೋಹಾನನು ದೀಕ್ಷಾಸ್ನಾನವನ್ನು ಪ್ರಕಟಿಸಿದ ಮೇಲೆ ಗಲಿಲಾಯದಿಂದ ಹಿಡಿದು ಯೂದಾಯದಲ್ಲೆಲ್ಲಾ ಆದ ಸಂಗತಿಯು ನಿಮಗೆ ತಿಳಿದಿದೆ. ಆ ಯೇಸುವಿನ ವಿಷಯವಾಗಿ ನಜರೇತಿನವನಾದ ಯೇಸುವಿಗೆ ದೇವರು ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನಿಂದಲೂ ಶಕ್ತಿಯಿಂದಲೂ ಅಭಿಷೇಕಮಾಡಿದ್ದು ಹೇಗೆಂದರೆ, ಆತನು ಒಳ್ಳೆಯದನ್ನು ಮಾಡುತ್ತಾ ಸೈತಾನನಿಂದ ಬಾಧೆಪಡುತ್ತಿದ್ದವರೆಲ್ಲರನ್ನು ಗುಣಪಡಿಸುತ್ತಾ ಸಂಚರಿಸಿದನು. ಏಕೆಂದರೆ ದೇವರು ಆತನೊಂದಿಗೆ ಇದ್ದನು. **38** ಆತನು ಯೆಹೂದ್ಯರ ದೇಶದಲ್ಲಿಯೂ ಯೆರೂಸಲೇಮಿನಲ್ಲಿಯೂ ಮಾಡಿದ ಎಲ್ಲಾ ಕಾರ್ಯಗಳಿಗೆ ನಾವು ಸಾಕ್ಷಿಗಳಾಗಿದ್ದೇವೆ. ಅವರು ಆತನನ್ನು ಮರದ ಮೇಲೆ ತೂಗುಹಾಕಿ ಕೊಂದುಹಾಕಿದರು. **39** ಆದರೆ ದೇವರು ಆತನನ್ನು ಮೂರನೆಯ ದಿವಸದಲ್ಲಿ ಎಬ್ಬಿಸಿ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷಮಾಡಿದನು. ಆದರೆ ಎಲ್ಲಾ ಜನರಿಗಲ್ಲ, ದೇವರಿಂದ ಮೊದಲೇ ಆಯ್ಕೆಯಾದ ಸಾಕ್ಷಿಗಳಿಗೆ ಅಂದರೆ ಆತನು ಮರಣದಿಂದ ಎದ್ದ ಮೇಲೆ ಆತನೊಂದಿಗೆ ಊಟಮಾಡಿದ ನಮಗೆ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷಮಾಡಿದನು. **40** ಆತನು ಜೀವಿಸುವವರಿಗೂ ಸತ್ತವರಿಗೂ ನ್ಯಾಯತೀರಿಸುವವನಾಗಿ ದೇವರಿಂದ ನೇಮಕವಾದವನು ಆತನೇ ಎಂದು ಜನರಿಗೆ ಸಾರಿ ಸಾಕ್ಷಿಕೊಡಬೇಕೆಂದು ಆತನು ನಮಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದನು. **41** ಆತನು ಮರಣದಿಂದ ಎದ್ದ ಮೇಲೆ ಆತನೊಂದಿಗೆ ಊಟಮಾಡಿದ ನಮಗೆ ಅಂದರೆ ದೇವರಿಂದ ಮೊದಲೇ ಆಯ್ಕೆಯಾದ ಸಾಕ್ಷಿಗಳಿಗೆ ಆತನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷನಾದನು.

Digitized by Google

ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାର ବ୍ୟାକରଣ ଓ ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାର ଅଭିଧାନ ଏହି ଗ୍ରନ୍ଥ ଦୁଇଟି ଏକତ୍ର ଭାବରେ ଏକ ଗ୍ରନ୍ଥ ଅଟେ । ଏହି ଗ୍ରନ୍ଥ ଦୁଇଟି ଏକତ୍ର ଭାବରେ ଏକ ଗ୍ରନ୍ଥ ଅଟେ ।

42 ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାର ବ୍ୟାକରଣ ଓ ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାର ଅଭିଧାନ ଏହି ଗ୍ରନ୍ଥ ଦୁଇଟି ଏକତ୍ର ଭାବରେ ଏକ ଗ୍ରନ୍ଥ ଅଟେ । ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାର ବ୍ୟାକରଣ ଓ ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାର ଅଭିଧାନ ଏହି ଗ୍ରନ୍ଥ ଦୁଇଟି ଏକତ୍ର ଭାବରେ ଏକ ଗ୍ରନ୍ଥ ଅଟେ ।

ସମାପ୍ତ ।

1 ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାର ବ୍ୟାକରଣ ଓ ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାର ଅଭିଧାନ ଏହି ଗ୍ରନ୍ଥ ଦୁଇଟି ଏକତ୍ର ଭାବରେ ଏକ ଗ୍ରନ୍ଥ ଅଟେ । ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାର ବ୍ୟାକରଣ ଓ ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାର ଅଭିଧାନ ଏହି ଗ୍ରନ୍ଥ ଦୁଇଟି ଏକତ୍ର ଭାବରେ ଏକ ଗ୍ରନ୍ଥ ଅଟେ ।

2 ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାର ବ୍ୟାକରଣ ଓ ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାର ଅଭିଧାନ ଏହି ଗ୍ରନ୍ଥ ଦୁଇଟି ଏକତ୍ର ଭାବରେ ଏକ ଗ୍ରନ୍ଥ ଅଟେ ।

3 ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାର ବ୍ୟାକରଣ ଓ ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାର ଅଭିଧାନ ଏହି ଗ୍ରନ୍ଥ ଦୁଇଟି ଏକତ୍ର ଭାବରେ ଏକ ଗ୍ରନ୍ଥ ଅଟେ ।

4 ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାର ବ୍ୟାକରଣ ଓ ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାର ଅଭିଧାନ ଏହି ଗ୍ରନ୍ଥ ଦୁଇଟି ଏକତ୍ର ଭାବରେ ଏକ ଗ୍ରନ୍ଥ ଅଟେ ।

Digitized by Google

ויאמר אליו ברוך מפיו יקרא לי את כל הדברים האלה ואני כותב בדיו בספר׃ 18 ויאמר ברוך אליהם הוא יקרא לי את כל הדברים האלה ואני כותב בדיו בספר׃ 19 ויאמרו השרים אל ברוך לך הסתר אתה וירמיהו ואל יודע איש איפה אתם׃ 20 ויבאו אל המלך החצרה ואת הספר הפקידו בחדר אלישמע הסופר ויגידו באזני המלך את כל הדברים׃ 21 וישלח המלך את יהודי לקחת את המגלה ויקחה מחדר אלישמע הסופר ויקרא יהודי באזני המלך ובאזני כל השרים העמדים על המלך׃ 22 והמלך יושב בבית החרף בחדש התשיעי ואח בוער לפניו׃ 23 ויהי כקרוא יהודי שלשה דלתות או ארבעה ויקרעה בתער הסופר והשלך אל האש אשר על האח עד תם כל המגלה על האש אשר על האח׃ 24 ולא פחדו ולא קרעו בגדיהם המלך וכל עבדיו השמעים את כל הדברים האלה׃ 25 וגם אלנתן ודלעיה וגמריה אל המלך פגעו בספר ולא שמע אליהם׃ 26 ויצו המלך את ירחמאל בן המלך ואת שריה בן עזריאל ואת שלמיה בן אבדאל לתפש את ברוך הסופר ואת ירמיהו הנביא ויסתרם יהוה׃ 27 ויהי דבר יהוה אל ירמיהו אחרי שרף המלך את המגלה והדברים אשר כתב ברוך מפי ירמיהו לאמר׃ 28 קח לך עוד מגלה אחרת וכתוב עליה את כל הדברים הראשנים אשר היו על המגלה הראשנה אשר שרף יהויקים מלך יהודה׃ 29 ועל יהויקים מלך יהודה תאמר כה אמר יהוה אתה שרפת המגלה הזאת לאמר מדוע כתבת עליה לאמר בוא יבוא מלך בבל והשחית את הארץ הזאת והשבית ממנה אדם ובהמה׃ 30 לכן כה אמר יהוה על יהויקים מלך יהודה לא יהיה לו יושב על כסא דויד ונבלתו תהיה מושלכת לחרב ביום לחרב ובלילה לקרח׃ 31 ופקדתי עליו ועל זרעו ועל עבדיו את עונם והבאתי עליהם ועל יושבי ירושלם ועל איש יהודה את כל הרעה אשר דברתי אליהם ולא שמעו׃ 32 ויקח ירמיהו מגלה אחרת ויתן אל ברוך הסופר בן נריה ויכתב עליה מפי ירמיהו את כל דברי הספר אשר שרף יהויקים מלך יהודה באש ועוד נוספו עליהם דברים רבים כהמה׃

Digitized by Google

ماتيو ۱۱ ۱۲ ۱۳ ۱۴ ۱۵ ۱۶ ۱۷ ۱۸

Digitized by Google

19 ಯೆಹೋವನು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ನೀನು ಹೋಗಿ ಯೆಹೂದದ ಅರಸನಾದ ಯೆಹೋಷಾಫಾಟನ ಕುಮಾರನಾದ ಯೆಹೋರಾಮನಿಗೆ ಎದುರಾಗಿ ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಬೇಕಾದದ್ದೇನಂದರೆ, ಯೆಹೋವನು ಹೀಗೆ ಹೇಳುತ್ತಾನೆ; ನೀನು ದುಷ್ಟರಿಗೆ ಸಹಾಯಮಾಡಿ ಯೆಹೋವನನ್ನು ದ್ವೇಷಿಸುವವರನ್ನು ಪ್ರೀತಿಸಿದ್ದರಿಂದ ಯೆಹೋವನ ಕೋಪವು ನಿನ್ನ ಮೇಲೆ ಬರುವದು.

20 ಇದಲ್ಲದೆ ಅವನಲ್ಲಿ ಒಳ್ಳೇದು ಕಂಡುಬಂದದ್ದರಿಂದ ಅವನು ಅಶೇರಾ ದೇವತೆಯ ಸ್ತಂಭಗಳನ್ನು ದೇಶದೊಳಗಿಂದ ತೆಗೆದುಹಾಕಿ ತನ್ನ ಹೃದಯವನ್ನು ದೇವರಾದ ಯೆಹೋವನನ್ನು ಹುಡುಕುವದಕ್ಕೆ ಸಿದ್ಧಮಾಡಿಕೊಂಡಿದ್ದಾನೆ.

21 ಯೆಹೋಷಾಫಾಟನು ಯೆರೂಸಲೇಮಿನಲ್ಲಿ ವಾಸವಾಗಿದ್ದನು. ಮತ್ತೆ ಅವನು ಹೊರಗೆ ಜನರ ಮಧ್ಯದಲ್ಲಿ ಹೋಗಿ ಬೇರ್ಷೆಬದಿಂದ ಎಫ್ರಾಯಿಮ್ ಬೆಟ್ಟದವರೆಗೂ ಇದ್ದ ಜನರನ್ನು ಯೆಹೋವನ ಆರಾಧನೆಗೆ ತಿರುಗಿಸಿದನು. ಅವನು ಅವರ ಪಿತೃಗಳ ದೇವರಾದ ಯೆಹೋವನ ಆರಾಧನೆಗೆ ಅವರನ್ನು ತಿರುಗಿಸಿದನು.

22 ಆದರೆ ಅವನು ಯೆಹೂದದ ಎಲ್ಲಾ ಕೋಟೆಯುಳ್ಳ ಪಟ್ಟಣಗಳಲ್ಲಿ ಯಾಜಕರನ್ನು ನೇಮಿಸಿದನು. ಮತ್ತು ಯೆಹೂದದಲ್ಲಿ ಪ್ರತಿ ಪಟ್ಟಣದಲ್ಲಿಯೂ ಲೇವಿಯರನ್ನು ನೇಮಿಸಿದನು.

23 ಮತ್ತೆ ಯೆಹೋಷಾಫಾಟನು ಯೆರೂಸಲೇಮಿಗೆ ಹಿಂತಿರುಗಿ ಬಂದನು. ಅವನು ಜನರ ಮಧ್ಯದಲ್ಲಿ ಹೋಗಿ ಅವರನ್ನು ತಮ್ಮ ಪಿತೃಗಳ ದೇವರಾದ ಯೆಹೋವನ ಆರಾಧನೆಗೆ ತಿರುಗಿಸಿದನು.

Digitized by Google

24 جب اُس نے یہ کہا تو اُس کے شاگرد اُس کے پاس آئے۔ اُنہوں نے اُس سے کہا، «ہمیں بتا کہ جھاڑ کے دانے کی تمثیل کا کیا مطلب ہے۔»

25 اُس نے جواب میں کہا، «اچھا بیج ابنِ‌آدم ہے۔ کھیت دنیا ہے۔ اچھا بیج بادشاہی کے فرزند ہیں۔ جھاڑ کے دانے شریر کے فرزند ہیں۔ دشمن جس نے اُنہیں بویا ابلیس ہے۔ فصل کی کٹائی دنیا کے آخر میں ہوگی۔ کاٹنے والے فرشتے ہیں۔

26 جس طرح جھاڑ کے دانے جمع کر کے آگ میں جلائے جاتے ہیں اُسی طرح دنیا کے آخر میں ہوگا۔

27 ابنِ‌آدم اپنے فرشتے بھیجے گا۔ وہ اُس کی بادشاہی میں سے ہر ٹھوکر کا سبب اور بدکار لوگوں کو جمع کر کے

28 جو شخص دوسروں کے گناہ میں شریک ہوتا ہے وہ خود بھی پاک نہ رہے۔

29 اپنے آپ کو پاک رکھنا۔ پی لیا کرو مگر تھوڑی مقدار میں۔ اس لئے کہ تمہارے معدہ کے لئے اچھا ہے اور تمہاری بیماری کے لئے بھی۔

30 بعض لوگوں کے گناہ ظاہر ہیں اور وہ سیدھے عدالت میں پہنچتے ہیں۔ بعض کے گناہ پیچھے آتے ہیں۔

۶ باب

1 جو غلام ہیں وہ اپنے مالکوں کو پوری عزت کے لائق سمجھیں۔ ایسا نہ ہو کہ خدا کا نام اور ہماری تعلیم بدنام ہو۔ **2** جن کے مالک ایمان دار ہیں وہ ان کی بے عزتی نہ کریں بلکہ اور زیادہ خدمت کریں کیونکہ وہ بھائی ہیں اور پیارے ہیں جو خدا کی خدمت سے فائدہ اٹھاتے ہیں۔

3 جو کوئی اور طرح کی تعلیم دیتا ہے اور ہمارے خداوند یسوع مسیح کی سچی باتوں

Digitized by Google

4 ואם נמלט אדם מאנשי המחנה אשר יבוא עליהם, ונתן את קרבנו לה' עולה כליל, שיהיה ריח ניחוח לה', מן הבקר או מן הצאן, יעשה כאשר עשה בארץ ישראל, כן יעשה בחוץ לארץ.

5 ואם נמלט אדם מאנשי המחנה אשר יבוא עליהם, ונתן את קרבנו לה' זבח שלמים, מן הבקר או מן הצאן, יעשה כאשר עשה בארץ ישראל, כן יעשה בחוץ לארץ.

6 וכל אשר יעשה אחד מאנשי המחנה אשר יבוא עליהם: אחד מאחיו אשר נמלט ונתן את קרבנו לה' מנחה, יעשה כאשר עשה בארץ ישראל, כן יעשה בחוץ לארץ.

7 ואם אין אחד מאנשי המחנה אשר יבוא עליהם נמלט, ונתן את קרבנו לה' מנחה, יעשה כאשר עשה בארץ ישראל, כן יעשה בחוץ לארץ.

8 ואם אחד מאנשי המחנה אשר יבוא עליהם נמלט, ונתן את קרבנו לה' מנחה, יעשה כאשר עשה בארץ ישראל, כן יעשה בחוץ לארץ.

9 ואם אחד מאנשי המחנה אשר יבוא עליהם נמלט, ונתן את קרבנו לה' מנחה, יעשה כאשר עשה בארץ ישראל, כן יעשה בחוץ לארץ.

10 ואם אחד מאנשי המחנה אשר יבוא עליהם נמלט, ונתן את קרבנו לה' מנחה, יעשה כאשר עשה בארץ ישראל, כן יעשה בחוץ לארץ.

Digitized by Google

11 ಮತ್ತು ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ: ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಎಲೀಯನು ಮೊದಲು ಬರಬೇಕೆಂದು ಶಾಸ್ತ್ರಿಗಳು ಹೇಳುವದು ಸರಿಯಲ್ಲವೇ?

12 ಆದರೆ ನಾನು ನಿಮಗೆ ಹೇಳುವದೇನಂದರೆ, ಎಲೀಯನು ಈಗಾಗಲೇ ಬಂದಿದ್ದಾನೆ, ಅವರು ಅವನನ್ನು ಗುರುತಿಸಲಿಲ್ಲ, ಆದರೆ ತಮಗೆ ಇಷ್ಟ ಬಂದಂತೆ ಅವನಿಗೆ ಮಾಡಿದರು. ಅಂತೆಯೇ ಮನುಷ್ಯಕುಮಾರನು ಸಹ ಅವರಿಂದ ಬಾಧೆಪಡುವನು.

13 ಆಗ ಅವನು ತನಗೆ ಸ್ನಾನಿಕನಾದ ಯೋಹಾನನ ವಿಷಯವಾಗಿ ತಮಗೆ ಹೇಳಿದ್ದನೆಂದು ಶಿಷ್ಯರು ಗ್ರಹಿಸಿಕೊಂಡರು.

14 ಮತ್ತು ಅವರು ಜನಸಮೂಹದ ಬಳಿಗೆ ಬಂದಾಗ, ಒಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ಅವನ ಬಳಿಗೆ ಬಂದು ಅವನ ಮುಂದೆ ಮೊಣಕಾಲೂರಿ

15 ಅವನಿಗೆ ಕರುಣೆಯಾಗಲಿ ಎಂದು ಹೇಳಿ ಅವನು ಅಪಸ್ಮಾರದವನಾಗಿ ಬಹಳ ಬಾಧೆಪಡುತ್ತಾನೆ; ಅವನು ಆಗಾಗ ಬೆಂಕಿಯಲ್ಲಿಯೂ ಆಗಾಗ ನೀರಿನಲ್ಲಿಯೂ ಬೀಳುತ್ತಾನೆ.

16 ನಾನು ಅವನನ್ನು ನಿನ್ನ ಶಿಷ್ಯರ ಬಳಿಗೆ ತಂದೆನು; ಆದರೆ ಅವರು ಅವನನ್ನು ಗುಣಪಡಿಸಲಾರದೆ ಹೋದರು.

17 ಯೇಸು ಪ್ರತ್ಯುತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಅವಿಶ್ವಾಸವುಳ್ಳ ಹಠಮಾರಿ ಸಂತತಿಯವರೇ, ನಾನು ಎಷ್ಟರವರೆಗೆ ನಿಮ್ಮೊಂದಿಗೆ ಇರಬೇಕು? ಎಷ್ಟರವರೆಗೆ ನಿಮ್ಮನ್ನು ಸಹಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು? ಅವನನ್ನು ನನ್ನ ಬಳಿಗೆ ತನ್ನಿರಿ.

18 ಮತ್ತು ಯೇಸು ಅವನನ್ನು ಗದರಿಸಿದನು, ಆಗ ದೆವ್ವವು ಅವನನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಹೊರಟುಹೋಯಿತು,

Digitized by Google

19 ... ...

26 ಮತ್ತು ಅವರು ಅವನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಭರವಸೆಯಿಡುವರು, ಆತನು ಜೀವವುಳ್ಳ ದೇವರ ಜೀವವುಳ್ಳ ದೇವರ ಜೀವವುಳ್ಳ ದೇವರ

37 ... **38** ... **39** ... **40** ... **41** ... **42** ... **43** ... **44** ... **45** ... **46** ... **47** ... **48** ... **49** ... **50** ... **51** ... **52** ... **53** ... **54** ... **55** ... **56** ... **57** ... **58** ... **59** ... **60** ... **61** ... **62** ... **63** ... **64** ... **65** ... **66** ... **67** ... **68** ... **69** ... **70** ... **71** ... **72** ... **73** ... **74** ... **75** ... **76** ... **77** ... **78** ... **79** ... **80** ... **81** ... **82** ... **83** ... **84** ... **85** ... **86** ... **87** ... **88** ... **89** ... **90** ... **91** ... **92** ... **93** ... **94** ... **95** ... **96** ... **97** ... **98** ... **99** ... **100** ...

Digitized by Google

ಅವನಿಗೆ ಯೋಹಾನನು ಅಡ್ಡಿಪಡಿಸಿ ನಾನು ನಿನ್ನಿಂದ ಸ್ನಾನವನ್ನು ಹೊಂದಬೇಕಾಗಿರಲು ನೀನು ನನ್ನ ಬಳಿಗೆ ಬರುತ್ತೀಯೋ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು ಆದರೆ ಯೇಸು ಅವನಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಈಗ ಹಾಗೆ ಆಗಲಿ ಬಿಡು ಏಕೆಂದರೆ ಹೀಗೆ ನೀತಿಯೆಲ್ಲವನ್ನು ನೆರವೇರಿಸುವದು ನಮಗೆ ಯುಕ್ತವಾಗಿದೆ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು ಆಗ ಅವನು ಆತನಿಗೆ ಅಡ್ಡಿಪಡಿಸಲಿಲ್ಲ

16 ಯೇಸು ದೀಕ್ಷಾಸ್ನಾನ ಹೊಂದಿದವನಾಗಿ ತಕ್ಷಣ ನೀರಿನೊಳಗಿಂದ ಮೇಲಕ್ಕೆ ಬಂದನು ಆಗ ಇಗೋ ಆಕಾಶವು ಆತನಿಗೆ ತೆರೆಯಲ್ಪಟ್ಟಿತು ಮತ್ತು ದೇವರ ಆತ್ಮವು ಪಾರಿವಾಳದಂತೆ ಇಳಿದು ತನ್ನ ಮೇಲೆ ಬರುವದನ್ನು ಆತನು ಕಂಡನು

17 ಇಗೋ ಪರಲೋಕದಿಂದ ಒಂದು ಧ್ವನಿಯು ಉಂಟಾಗಿ ಈತನು ನನ್ನ ಪ್ರಿಯ ಕುಮಾರನು ಈತನಲ್ಲಿ ನಾನು ಬಹಳ ಸಂತೋಷಪಡುತ್ತೇನೆ ಎಂದು ಹೇಳಿತು

4 ಆಗ ಯೇಸು ಸೈತಾನನಿಂದ ಶೋಧಿಸಲ್ಪಡುವದಕ್ಕಾಗಿ ಆತ್ಮನಿಂದ ಅರಣ್ಯಕ್ಕೆ ನಡೆಸಲ್ಪಟ್ಟನು ಆತನು ನಲವತ್ತು ಹಗಲು ನಲವತ್ತು ರಾತ್ರಿ ಉಪವಾಸವಿದ್ದು ಕೊನೆಗೆ ಹಸಿದವನಾದನು ಆಗ ಶೋಧಿಸುವವನು ಆತನ ಬಳಿಗೆ ಬಂದು ನೀನು ದೇವರ ಕುಮಾರನಾಗಿದ್ದರೆ ಈ ಕಲ್ಲುಗಳು ರೊಟ್ಟಿಗಳಾಗಲಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು ಆತನು ಉತ್ತರವಾಗಿ ಮನುಷ್ಯನು ಕೇವಲ ರೊಟ್ಟಿಯಿಂದ ಜೀವಿಸುವದಿಲ್ಲ ಆದರೆ ದೇವರ ಬಾಯಿಂದ ಹೊರಡುವ ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಮಾತಿನಿಂದ ಜೀವಿಸುವನು ಎಂದು ಬರೆದಿದೆ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು

5 ಆಗ ಸೈತಾನನು ಆತನನ್ನು ಪವಿತ್ರ ಪಟ್ಟಣಕ್ಕೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗಿ ದೇವಾಲಯದ ಗೋಪುರದ ಮೇಲೆ ನಿಲ್ಲಿಸಿ ನೀನು ದೇವರ ಕುಮಾರನಾಗಿದ್ದರೆ ಕೆಳಕ್ಕೆ ಬೀಳಿಸಿಕೊ ಏಕೆಂದರೆ ನಿನ್ನ ವಿಷಯವಾಗಿ ನಿನ್ನ ದೂತರಿಗೆ ಆತನು ಆಜ್ಞಾಪಿಸುವನು ಮತ್ತು ನಿನ್ನ ಪಾದಕ್ಕೆ ಕಲ್ಲಿಗೆ ಬಡಿದು ಗಾಯವಾಗದಂತೆ ಅವರು ನಿನ್ನನ್ನು ತಮ್ಮ ಕೈಗಳಲ್ಲಿ ಎತ್ತಿಕೊಳ್ಳುವರು ಎಂದು ಬರೆದಿದೆ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು

6 ಯೇಸು ಅವನಿಗೆ ಮತ್ತೆ ಇದಲ್ಲದೆ ನಿನ್ನ ದೇವರಾದ ಕರ್ತನನ್ನು ನೀನು ಶೋಧಿಸಬಾರದು ಎಂದು ಸಹ ಬರೆದಿದೆ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು

7 ಸೈತಾನನು ಆತನನ್ನು ಬಹಳ ಎತ್ತರವಾದ ಒಂದು ಪರ್ವತಕ್ಕೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗಿ ಲೋಕದ ಸಮಸ್ತ ರಾಜ್ಯಗಳನ್ನು ಅವುಗಳ ಮಹಿಮೆಯನ್ನು ತೋರಿಸಿ ನೀನು ಬಿದ್ದು ನನ್ನನ್ನು ಆರಾಧಿಸಿದರೆ ಇವೆಲ್ಲವನ್ನು ನಿನಗೆ ಕೊಡುವೆನು ಎಂದು ಹೇಳಿದನು

8 ಆಗ ಯೇಸು ಸೈತಾನನೇ ಹೋಗು ಆರಾಧಿಸಬೇಕಾದವನು ನಿನ್ನ ದೇವರಾದ ಕರ್ತನೇ ಆತನನ್ನೇ ಸೇವಿಸಬೇಕು ಎಂದು ಬರೆದಿದೆ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು

9 ಆಗ ಸೈತಾನನು ಆತನನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಹೋದನು ಇಗೋ ದೂತರು ಬಂದು ಆತನಿಗೆ ಶುಶ್ರೂಷೆ ಮಾಡಿದರು

10 ಯೋಹಾನನು ಸೆರೆಮನೆಗೆ ಹಾಕಲ್ಪಟ್ಟ ಮೇಲೆ ಯೇಸು ಗಲಿಲಾಯಕ್ಕೆ ಬಂದು ದೇವರ ರಾಜ್ಯದ ಸುವಾರ್ತೆಯನ್ನು ಸಾರುತ್ತಾ ಕಾಲವು ಪೂರ್ಣವಾಯಿತು ದೇವರ ರಾಜ್ಯವು ಸಮೀಪವಾಗಿದೆ ಮನಸ್ಸನ್ನು ತಿರುಗಿಸಿಕೊಳ್ಳಿರಿ ಸುವಾರ್ತೆಯನ್ನು ನಂಬಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು

11 ಆಗ ಆತನು ಗಲಿಲಾಯ ಸಮುದ್ರದ ಬಳಿಯಲ್ಲಿ ನಡೆದು ಹೋಗುತ್ತಿರುವಾಗ ಸಿಮೋನನನ್ನೂ ಸಿಮೋನನ ಸಹೋದರನಾದ ಅಂದ್ರೆಯನ್ನೂ ಕಂಡನು ಅವರು ಬಲೆಯನ್ನು ಸಮುದ್ರದಲ್ಲಿ ಹಾಕುತ್ತಿದ್ದರು ಏಕೆಂದರೆ ಅವರು ಮೀನುಗಾರರಾಗಿದ್ದರು ಆತನು ಅವರಿಗೆ ನನ್ನ ಹಿಂದೆ ಬನ್ನಿರಿ ನಾನು ನಿಮ್ಮನ್ನು ಮನುಷ್ಯರನ್ನು ಹಿಡಿಯುವವರನ್ನಾಗಿ ಮಾಡುವೆನು ಎಂದು ಹೇಳಿದನು

12 ಅವರು ಕೂಡಲೆ ತಮ್ಮ ಬಲೆಗಳನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಆತನನ್ನು ಹಿಂಬಾಲಿಸಿದರು ಆತನು ಅಲ್ಲಿಂದ ಮುಂದಕ್ಕೆ ಹೋಗಿ ಜೆಬೆದಾಯನ ಮಗನಾದ ಯಾಕೋಬನನ್ನೂ ಅವನ ಸಹೋದರನಾದ ಯೋಹಾನನನ್ನೂ ಕಂಡನು ಅವರು ತಮ್ಮ ತಂದೆಯಾದ ಜೆಬೆದಾಯನೊಂದಿಗೆ ದೋಣಿಯಲ್ಲಿ ತಮ್ಮ ಬಲೆಗಳನ್ನು ಸರಿಮಾಡುತ್ತಿದ್ದರು ಆತನು ಅವರನ್ನು ಕರೆದನು

Digitized by Google

ଦେଇଥିଲେ, ସେମାନେ ଯେପରି ଆଉ ବିବାହ କରିପାରିବେ ନାହିଁ, ସେଥିପାଇଁ ସେ ଏପରି କରିଥିଲେ।
୨୫ ଆମ୍ଭ ମଧ୍ୟରେ ସାତ ଭାଇ ଥିଲେ। ପ୍ରଥମ ଭାଇ ବିବାହ କଲା ପରେ ମରିଗଲା। ତାହାର
ସନ୍ତାନ ନଥିବାରୁ ତାହାର ସ୍ତ୍ରୀ ତାହାର ଭାଇକୁ ବିବାହ କଲା। ୨୬ ଏହିପରି ସାତ ଭାଇ ଏକ
ପରେ ଏକ ବିବାହ କଲେ। ୨୭ ଶେଷରେ ସେ ସ୍ତ୍ରୀ ମଧ୍ୟ ମରିଗଲା। ୨୮ ତେବେ ପୁନରୁତ୍ଥାନ
ସମୟରେ ସେ ସାତ ଭାଇଙ୍କ ମଧ୍ୟରୁ କାହାର ସ୍ତ୍ରୀ ହେବ? କାରଣ ସେ ସମସ୍ତଙ୍କର ସ୍ତ୍ରୀ ଥିଲା।"

୨୯ ଯୀଶୁ ଉତ୍ତର ଦେଲେ, "ତୁମ୍ଭେମାନେ ଭୁଲ କରୁଛ, କାରଣ ତୁମ୍ଭେମାନେ ଶାସ୍ତ୍ର କିମ୍ବା
ଈଶ୍ୱରଙ୍କ ଶକ୍ତି ବିଷୟରେ କିଛି ଜାଣ ନାହିଁ। ୩୦ ପୁନରୁତ୍ଥାନ ସମୟରେ ଲୋକମାନେ ବିବାହ
କରନ୍ତି ନାହିଁ କିମ୍ବା ବିବାହ ଦିଆଯାଏ ନାହିଁ। ସେମାନେ ସ୍ୱର୍ଗରେ ଥିବା ଦୂତମାନଙ୍କ ପରି ହୋଇଥାନ୍ତି।
୩୧ ମୃତମାନଙ୍କର ପୁନରୁତ୍ଥାନ ବିଷୟରେ ଈଶ୍ୱର ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ କ'ଣ କହିଛନ୍ତି, ତାହା ତୁମ୍ଭେମାନେ
ପଢ଼ି ନାହଁ କି? ୩୨ ଈଶ୍ୱର କହିଛନ୍ତି, 'ମୁଁ ଅବ୍ରହାମର ଈଶ୍ୱର, ଇସ୍ହାକର ଈଶ୍ୱର ଓ ଯାକୁବର
ଈଶ୍ୱର।' ଈଶ୍ୱର ମୃତମାନଙ୍କର ଈଶ୍ୱର ନୁହନ୍ତି, ସେ ଜୀବିତମାନଙ୍କର ଈଶ୍ୱର।"

୩୩ ଲୋକମାନେ ଏହା ଶୁଣି ତାହାଙ୍କ ଶିକ୍ଷାରେ ଆଶ୍ଚର୍ଯ୍ୟ ହେଲେ।

୩୪ ଫାରୂଶୀମାନେ ଶୁଣିଲେ ଯେ ଯୀଶୁ ସଦ୍ଦୂକୀମାନଙ୍କୁ ନୀରବ କରିଦେଇଛନ୍ତି। ତେଣୁ
ସେମାନେ ଏକତ୍ର ହେଲେ। ୩୫ ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରୁ ଜଣେ ବ୍ୟବସ୍ଥାର ଶିକ୍ଷକ ଯୀଶୁଙ୍କୁ ପରୀକ୍ଷା କରିବା
ପାଇଁ ପଚାରିଲା, ୩୬ "ଗୁରୁ, ବ୍ୟବସ୍ଥାରେ କେଉଁ ଆଜ୍ଞା ସବୁଠାରୁ ମହତ୍ତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ?"

୩୭ ଯୀଶୁ ଉତ୍ତର ଦେଲେ, "ତୁମ୍ଭେ ପ୍ରଭୁ ତୁମ୍ଭ ଈଶ୍ୱରଙ୍କୁ ସମସ୍ତ ହୃଦୟ, ସମସ୍ତ ପ୍ରାଣ ଓ
ସମସ୍ତ ମନ ସହିତ ପ୍ରେମ କର।' ୩୮ ଏହା ହିଁ ପ୍ରଥମ ଓ ମହତ୍ତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ଆଜ୍ଞା। ୩୯ ଦ୍ୱିତୀୟ ଆଜ୍ଞା
ମଧ୍ୟ ଏହା ପରି ମହତ୍ତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ। 'ତୁମ୍ଭେ ତୁମ୍ଭ ପଡ଼ୋଶୀକୁ ନିଜ ପରି ପ୍ରେମ କର।' ୪୦ ସମସ୍ତ ବ୍ୟବସ୍ଥା
ଓ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବକ୍ତାମାନଙ୍କର ଶିକ୍ଷା ଏହି ଦୁଇଟି ଆଜ୍ଞା ଉପରେ ନିର୍ଭର କରେ।"

୪୧ ଫାରୂଶୀମାନେ ଏକତ୍ର ହୋଇଥିବା ସମୟରେ ଯୀଶୁ ସେମାନଙ୍କୁ ପଚାରିଲେ, ୪୨ "ତୁମ୍ଭେ
ଖ୍ରୀଷ୍ଟଙ୍କ ବିଷୟରେ କ'ଣ ଭାବୁଛ? ସେ କାହାର ସନ୍ତାନ?"

ସେମାନେ ଉତ୍ତର ଦେଲେ, "ସେ ଦାଉଦଙ୍କ ସନ୍ତାନ।"

୪୩ ଯୀଶୁ ସେମାନଙ୍କୁ ପଚାରିଲେ, "ତେବେ ଦାଉଦ ପବିତ୍ର ଆତ୍ମାଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ପରିଚାଳିତ
ହୋଇ ତାଙ୍କୁ ପ୍ରଭୁ କାହିଁକି କହିଲେ? ଦାଉଦ କହିଲେ,

୪୪ 'ପ୍ରଭୁ ମୋ ପ୍ରଭୁଙ୍କୁ କହିଲେ,
ମୁଁ ତୁମ୍ଭର ଶତ୍ରୁମାନଙ୍କୁ ତୁମ୍ଭର ପାଦତଳେ ରଖିବା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ
ତୁମ୍ଭେ ମୋର ଦକ୍ଷିଣ ପାର୍ଶ୍ୱରେ ବସ।'

୪୫ ଦାଉଦ ଖ୍ରୀଷ୍ଟଙ୍କୁ ପ୍ରଭୁ ବୋଲି କହିଲେ। ତେବେ ଖ୍ରୀଷ୍ଟ କିପରି ଦାଉଦଙ୍କ ସନ୍ତାନ ହୋଇପାରିବେ?"

୪୬ ଯୀଶୁଙ୍କୁ ଉତ୍ତର ଦେବା ପାଇଁ କେହି ସାହସ କଲେ ନାହିଁ। ସେଦିନଠାରୁ ଆଉ କେହି ତାଙ୍କୁ
ପ୍ରଶ୍ନ ପଚାରିବାକୁ ସାହସ କଲେ ନାହିଁ।

୨୩ ଯୀଶୁ ଲୋକମାନଙ୍କୁ ଓ ତାଙ୍କ ଶିଷ୍ୟମାନଙ୍କୁ କହିଲେ, ୨ "ବ୍ୟବସ୍ଥାର ଶିକ୍ଷକ ଓ ଫାରୂଶୀମାନେ
ମୋଶାଙ୍କ ଆସନରେ ବସିଛନ୍ତି। ୩ ତେଣୁ ସେମାନେ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଯାହା କହିବେ, ତାହା କର ଓ
ପାଳନ କର। କିନ୍ତୁ ସେମାନେ ଯାହା କରନ୍ତି, ତାହା କର ନାହିଁ। କାରଣ ସେମାନେ ଯାହା କହନ୍ତି,
ତାହା ସେମାନେ କରନ୍ତି ନାହିଁ।

୪ ସେମାନେ ଲୋକମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଭାରି ଭାରି ବୋଝ ବାନ୍ଧି ସେମାନଙ୍କ ଉପରେ ଲଦିଦିଅନ୍ତି,
କିନ୍ତୁ ସେମାନେ ନିଜେ ସେ ବୋଝ ବହିବାକୁ ଚାହାଁନ୍ତି ନାହିଁ। ସେମାନେ ଏପରି ଭାରି ବୋଝ
ଲୋକମାନଙ୍କ ଉପରେ ଲଦିଦିଅନ୍ତି, ଯାହା ବହିବା ଅତି କଷ୍ଟକର। ୫ ସେମାନେ ଯାହା କରନ୍ତି,
ତାହା ଲୋକମାନେ ଦେଖିବା ପାଇଁ କରନ୍ତି। ସେମାନେ ଯେଉଁ ଛୋଟ ଛୋଟ ବାକ୍ସରେ ଶାସ୍ତ୍ରର
ଅଂଶବିଶେଷ ରଖନ୍ତି, ସେଗୁଡ଼ିକୁ ବଡ଼ କରନ୍ତି ଓ ନିଜ ପୋଷାକର ଝାଲରଗୁଡ଼ିକୁ ଲମ୍ବା କରନ୍ତି।
୬ ଭୋଜିରେ ସେମାନେ ପ୍ରଧାନ ସ୍ଥାନରେ ବସିବାକୁ ଭଲ ପାଆନ୍ତି। ସେମାନେ ସମାଜଗୃହରେ
ପ୍ରଧାନ ଆସନରେ ବସିବାକୁ ଭଲ ପାଆନ୍ତି। ୭ ସେମାନେ ବଜାରରେ ଲୋକମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା
ନମସ୍କାର ପାଇବାକୁ ଭଲ ପାଆନ୍ତି। ଲୋକମାନେ ସେମାନଙ୍କୁ 'ଗୁରୁ' ବୋଲି ଡାକିବାକୁ ଭଲ
ପାଆନ୍ତି।

୮ କିନ୍ତୁ ତୁମ୍ଭେମାନେ ଲୋକମାନଙ୍କୁ 'ଗୁରୁ' ବୋଲି ଡାକିବା ଉଚିତ୍ ନୁହେଁ। କାରଣ
ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କର ଜଣେ ଗୁରୁ ଅଛନ୍ତି ଓ ତୁମ୍ଭେ ସମସ୍ତେ ଭାଇ ଭଉଣୀ। ୯ ପୃଥିବୀରେ କାହାକୁ
ତୁମ୍ଭେ 'ପିତା' ବୋଲି ଡାକିବା ଉଚିତ୍ ନୁହେଁ। କାରଣ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କର ଜଣେ ପିତା ଅଛନ୍ତି ଓ
ସେ ସ୍ୱର୍ଗରେ ଅଛନ୍ତି। ୧୦ ତୁମ୍ଭେମାନେ ଲୋକମାନଙ୍କୁ 'ନେତା' ବୋଲି ଡାକିବା ଉଚିତ୍ ନୁହେଁ।
କାରଣ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କର ଜଣେ ନେତା ଅଛନ୍ତି ଓ ସେ ଖ୍ରୀଷ୍ଟ।

Digitized by Google

49 ଯେଉଁମାନେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଦୋଷ ଦେଇଥିଲେ, ସେମାନେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଉପହାସ କରି କହିଲେ, ତୁମ୍ଭେମାନେ ଯେଉଁ ଦେବତାଙ୍କୁ ସେବା କରୁଥିଲ, ତାହାଙ୍କୁ ଆପଣା ଲୋକମାନଙ୍କୁ ରକ୍ଷା କରିବାକୁ ଦେଖିଲ ନାହିଁ।

50 ଏହା ଶୁଣି ଆମ୍ଭମାନଙ୍କ ସହିତ ଥିବା ଲୋକମାନେ ଏକତ୍ର ହୋଇ ଏକ ଶପଥ କଲେ, ଆମ୍ଭେମାନେ ଏହି ଦେବତାଙ୍କୁ ଆଉ ସେବା କରିବୁ ନାହିଁ, ଏମାନଙ୍କୁ ଆଉ ପୂଜା କରିବୁ ନାହିଁ।

୨ ଯୋହନ

1 ପ୍ରାଚୀନ ମଣ୍ଡଳୀର ମୁଖ୍ୟ ପରିଚାରକ ମୁଁ ଯୋହନ ମନୋନୀତା ମହିଳା ଓ ତାଙ୍କର ସନ୍ତାନମାନଙ୍କ ପ୍ରତି ଲେଖୁଛି। ମୁଁ ସତ୍ୟରେ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ପ୍ରେମ କରେ। ଏହା କେବଳ ମୁଁ ନୁହେଁ, ସତ୍ୟ ଜାଣିଥିବା ସମସ୍ତେ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ପ୍ରେମ କରନ୍ତି।

2 ଏହା ସତ୍ୟ ଯେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କ ଭିତରେ ଥିବା ସତ୍ୟ ଯୋଗୁଁ ଆମ୍ଭେମାନେ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ପ୍ରେମ କରୁଛୁ। ସତ୍ୟ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କ ସହିତ ଚିରକାଳ ରହିବ।

3 ପିତା ଈଶ୍ୱର ଓ ପିତାଙ୍କ ପୁତ୍ର ଯୀଶୁ ଖ୍ରୀଷ୍ଟଙ୍କଠାରୁ ଦୟା, ଶାନ୍ତି ଓ ସତ୍ୟ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କ ସହିତ ରହିବ।

Digitized by Google

4 ಯೆಹೂದ್ಯರ ಸಭಾಮಂದಿರಗಳಲ್ಲಿ ಅವರು ಯೇಸುವಿನ ವಿಷಯವಾಗಿ ಸಾರುತ್ತಿದ್ದ ಸಂದೇಶವನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಲ್ಲಿ ಅನೇಕರು ವಿಶ್ವಾಸಿಗಳಾದರು. ಅವರಲ್ಲಿ ಸುಮಾರು ಐದು ಸಾವಿರ ಜನ ಪುರುಷರಿದ್ದರು.

5 ಮರುದಿನ ಅಧಿಕಾರಿಗಳು, ಹಿರಿಯರು, ಧರ್ಮೋಪದೇಶಕರು ಯೆರೂಸಲೇಮಿನಲ್ಲಿ ಕೂಡಿಬಂದರು. ಅವರಲ್ಲಿ ಮಹಾಯಾಜಕನಾದ ಅನ್ನನು, ಕಾಯಫ, ಯೋಹಾನ, ಅಲೆಕ್ಸಾಂದ್ರ ಮತ್ತು ಮಹಾಯಾಜಕನ ಕುಟುಂಬದವರೆಲ್ಲರೂ ಇದ್ದರು.

6 ಅವರು ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ಸಭೆಯ ಮುಂದೆ ನಿಲ್ಲಿಸಿ, ಅವರನ್ನು ಪ್ರಶ್ನಿಸಿದರು. ಅವರು ಕೇಳಿದ ಪ್ರಶ್ನೆ ಇದೇ: "ನೀವು ಯಾವ ಅಧಿಕಾರದಿಂದ ಈ ಕೆಲಸಗಳನ್ನು ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದೀರಿ? ಯಾರು ನಿಮಗೆ ಈ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟರು?"

7 ಆಗ ಪೇತ್ರನು ಪವಿತ್ರಾತ್ಮಭರಿತನಾಗಿ ಅವರಿಗೆ ಉತ್ತರಕೊಟ್ಟನು: "ಜನನಾಯಕರೇ, ಹಿರಿಯರೇ, ನಾವು ಈ ರೋಗಿಗೆ ಮಾಡಿದ ಉಪಕಾರದ ವಿಷಯವಾಗಿ ನಮ್ಮನ್ನು ವಿಚಾರಣೆಗೆ ಗುರಿಪಡಿಸಿದ್ದೀರಿ.

8 ಈ ಮನುಷ್ಯನು ಹೇಗೆ ಗುಣಹೊಂದಿದನೆಂಬುದನ್ನು ನೀವೆಲ್ಲರೂ ಮತ್ತು ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ಜನರೆಲ್ಲರೂ ತಿಳಿದುಕೊಳ್ಳಿರಿ. ನಜರೇತಿನ ಯೇಸು ಕ್ರಿಸ್ತನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಇವನು ಗುಣಹೊಂದಿದನು. ಆತನನ್ನು ನೀವು ಶಿಲುಬೆಗೆ ಹಾಕಿಸಿದಿರಿ. ಆದರೆ ದೇವರು ಆತನನ್ನು ಮರಣದಿಂದ ಎಬ್ಬಿಸಿದರು.

9 ಆತನ ಮೂಲಕವೇ ಈ ಮನುಷ್ಯನು ಗುಣಹೊಂದಿ ನಿಮ್ಮ ಮುಂದೆ ನಿಂತಿದ್ದಾನೆ.

10 ಯೆಹೂದ್ಯರೇ (ಯೆರೂಸಲೇಮಿನ ಜನರೇ) ಮತ್ತು ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ಜನರೇ, ನೀವು ಶಿಲುಬೆಗೆ ಹಾಕಿಸಿದ ಯೇಸು ಕ್ರಿಸ್ತನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಈ ಮನುಷ್ಯನು ಗುಣಹೊಂದಿದನೆಂಬುದನ್ನು ನೀವೆಲ್ಲರೂ ತಿಳಿದುಕೊಳ್ಳಿರಿ. ಆತನನ್ನು ದೇವರು ಮರಣದಿಂದ ಎಬ್ಬಿಸಿದರು.

11 ಯೇಸುವೇ ಕಲ್ಲು ಎಂದು ಧರ್ಮಶಾಸ್ತ್ರದಲ್ಲಿ ಹೇಳಲಾಗಿದೆ. ಆ ಕಲ್ಲನ್ನು ಕಟ್ಟುವವರು ನಿಷ್ಪ್ರಯೋಜಕವೆಂದು ತಳ್ಳಿಬಿಟ್ಟರು. ಆದರೆ ಅದೇ ಕಲ್ಲು ಮೂಲೆಗಲ್ಲಾಯಿತು.

Digitized by Google

12 ... ...

ಅವರು ಅವನನ್ನು ಅಲ್ಲಿಂದ ಹೊರಗೆ ಕಳುಹಿಸಿ ಆಲೋಚನೆ ಮಾಡಿಕೊಂಡು ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ: ಈ ಮನುಷ್ಯರ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ನಾವು ಏನು ಮಾಡೋಣ? ಯೆರೂಸಲೇಮಿನಲ್ಲಿ ವಾಸವಾಗಿರುವ ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಇವರಿಂದ ಆದ ಸೂಚಕಕ್ರಿಯೆಯು ಪ್ರಕಟವಾಗಿದೆ; ಅದನ್ನು ನಿರಾಕರಿಸಲಾರೆವು. ಆದರೆ ಈ ಮಾತು ಜನರಲ್ಲಿ ಇನ್ನು ಹೆಚ್ಚಾಗಿ ಹಬ್ಬದಂತೆ ಇವರನ್ನು ಬೆದರಿಸಿ ಈ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಇನ್ನು ಯಾರಿಗೂ ಉಪದೇಶ ಮಾಡಬಾರದೆಂದು ಅವರಿಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸೋಣ.

18 ಆಗ ಅವರು ಅವರನ್ನು ಕರೆಯಿಸಿ ಯೇಸುವಿನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಯಾವ ರೀತಿಯಾಗಿಯೂ ಮಾತನಾಡಬಾರದೆಂದು ಅವರಿಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದರು.

19 ಆದರೆ ಪೇತ್ರ ಯೋಹಾನರು ಅವರಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ: ದೇವರ ಮಾತಿಗಿಂತ ನಿಮ್ಮ ಮಾತಿಗೆ ಕಿವಿಗೊಡುವುದು ದೇವರ ದೃಷ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ನ್ಯಾಯವೋ ನೀವೇ ವಿಚಾರಿಸಿರಿ. **20** ನಾವಂತೂ ನಾವು ನೋಡಿದವುಗಳನ್ನೂ ಕೇಳಿದವುಗಳನ್ನೂ ಹೇಳದೆ ಇರಲಾರೆವು.

21 ಅವರಾದರೋ ಜನರಿಗೆ ಭಯಪಟ್ಟು ಅವರನ್ನು ಶಿಕ್ಷಿಸಲು ಯಾವ ಮಾರ್ಗವನ್ನೂ ಕಾಣದೆ ಅವರನ್ನು ಮತ್ತೆ ಬೆದರಿಸಿ ಬಿಟ್ಟುಬಿಟ್ಟರು. ಏಕೆಂದರೆ ಸಂಭವಿಸಿದ್ದ ಈ ಅದ್ಭುತವನ್ನು ಕುರಿತು ಜನರೆಲ್ಲರು ದೇವರನ್ನು ಮಹಿಮೆಪಡಿಸುತ್ತಿದ್ದರು.

22 ಯಾಕಂದರೆ ಈ ಸೂಚಕಕ್ರಿಯೆಯಿಂದ ಸ್ವಸ್ಥತೆಯನ್ನು ಹೊಂದಿದ ಮನುಷ್ಯನು ನಲವತ್ತು ವರ್ಷಕ್ಕಿಂತ ಹೆಚ್ಚು ಪ್ರಾಯದವನಾಗಿದ್ದನು.

Digitized by Google

23 ויאמר אליו יהוה הכה את כל הבכרות אשר יפתח כל רחם בבני ישראל באדם ובבהמה והיו לי׃ **24** ואל בני ישראל תדבר לאמר זאת החיה אשר תאכלו שור כשב ושה עז׃ **25** כל פטר רחם לאלהים ובכל בכור בהמה אשר יהיה לך והזכרים ליהוה׃ **26** ופטר חמור תפדה בשה ואם לא תפדה וערפתו כל בכור אדם בבניך תפדה׃ **27** והיה כי ישאלך בנך מחר לאמר מה זאת ואמרת אליו בחזק יד הוציאנו יהוה ממצרים מבית עבדים׃ **28** ויהי כי הקשה פרעה לשלחנו ויהרג יהוה כל בכור בארץ מצרים מבכר אדם ועד בכר בהמה על כן אני זבח ליהוה כל פטר רחם הזכרים ובכל בכור בני אפדה׃

Digitized by Google

29 ... **30** ... **31** ... **32** ... **33** ...

Digitized by Google

34 ... **35** ... **36** ... **37** ... **38** ...

Digitized by Google

39 ಯಾವನಿಗೆ ಕರ್ತನು ಕರೆಯುವನೋ ಅವರೆಲ್ಲರು ನಮ್ಮ ದೇವರು ತಮ್ಮ ಬಳಿಗೆ ಬರಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವರು ಎಂಬ ವಾಗ್ದಾನವು ನಿಮಗೂ ನಿಮ್ಮ ಮಕ್ಕಳಿಗೂ ದೂರದಲ್ಲಿರುವ ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಅಂದರೆ ನಮ್ಮ ದೇವರಾದ ಕರ್ತನು ಕರೆಯುವ ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಸೇರಿದೆ.

40 ಪೇತ್ರನು ಬೇರೆ ಅನೇಕ ಮಾತುಗಳಿಂದ ಸಾಕ್ಷಿ ಹೇಳಿ ಬೋಧಿಸಿ ಅವರಿಗೆ ಬುದ್ಧಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ಈ ಕೆಟ್ಟ ಸಂತತಿಯವರಿಂದ ನೀವು ರಕ್ಷಣೆ ಹೊಂದಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

41 ಹೀಗೆ ಅವನ ಮಾತನ್ನು ಸಂತೋಷದಿಂದ ಅಂಗೀಕರಿಸಿದವರು ದೀಕ್ಷಾಸ್ನಾನ ಹೊಂದಿದರು. ಆ ದಿನದಲ್ಲಿ ಸುಮಾರು ಮೂರು ಸಾವಿರ ಜನರು ಅವರೊಂದಿಗೆ ಸೇರಿಸಲ್ಪಟ್ಟರು.

42 ಅವರು ಅಪೊಸ್ತಲರ ಬೋಧನೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಸಹವಾಸದಲ್ಲಿಯೂ ರೊಟ್ಟಿ ಮುರಿಯುವದರಲ್ಲಿಯೂ ಪ್ರಾರ್ಥನೆಗಳಲ್ಲಿಯೂ ನಿರಂತರ ಪರಿಶ್ರಮವುಳ್ಳವರಾಗಿದ್ದರು.

43 ಆಗ ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬರಲ್ಲಿಯೂ ಭಯವುಂಟಾಯಿತು. ಅಪೊಸ್ತಲರಿಂದ ಅನೇಕ ಅದ್ಭುತಗಳೂ ಸೂಚಕಕ್ರಿಯೆಗಳೂ ನಡೆದವು. ಅವರೆಲ್ಲರು ಒಟ್ಟಾಗಿದ್ದು ಎಲ್ಲವನ್ನೂ ಸಮಾನವಾಗಿ ಅನುಭವಿಸುತ್ತಿದ್ದರು. ತಮ್ಮ ಆಸ್ತಿಪಾಸ್ತಿಗಳನ್ನು ಮಾರಿ ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಅವರವರ ಅಗತ್ಯಕ್ಕೆ ತಕ್ಕಂತೆ ಹಂಚಿಕೊಡುತ್ತಿದ್ದರು.

44 ಅವರು ಪ್ರತಿದಿನ ಒಮ್ಮನಸ್ಸಿನಿಂದ ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿ ಕೂಡಿಬರುತ್ತಾ ಮನೆಗಳಲ್ಲಿ ರೊಟ್ಟಿ ಮುರಿಯುತ್ತಾ ಸಂತೋಷದಿಂದಲೂ ಸರಳ ಹೃದಯದಿಂದಲೂ ಆಹಾರವನ್ನು ಸೇವಿಸುತ್ತಿದ್ದರು. ದೇವರನ್ನು ಸ್ತುತಿಸುತ್ತಾ ಎಲ್ಲಾ ಜನರ ಮೆಚ್ಚುಗೆಗೆ ಪಾತ್ರರಾಗಿದ್ದರು. ಕರ್ತನು ರಕ್ಷಣೆ ಹೊಂದುವವರನ್ನು ಪ್ರತಿದಿನ ಅವರೊಂದಿಗೆ ಸೇರಿಸುತ್ತಿದ್ದನು.

Digitized by Google

45 ପାପ ଅପେକ୍ଷା ଧାର୍ମିକତା ଅଧିକ ଭଲ ଓ ଅଧର୍ମ ଅପେକ୍ଷା ସତ୍ୟ କଥା କହିବା ଭଲ ।

46 ଯେଉଁ ଜ୍ଞାନ ତୁମ୍ଭର ଆତ୍ମାକୁ ଆନନ୍ଦ ଦିଏ ତାହା ତୁମ୍ଭର ଅନ୍ତରକୁ ଶାନ୍ତି ଦିଏ ଓ ତୁମ୍ଭର ଅନ୍ତରକୁ ଶାନ୍ତି ଦିଏ ।

47 ପାପ ଅପେକ୍ଷା ଧାର୍ମିକତା ଭଲ ଏବଂ ଅଧର୍ମ ଅପେକ୍ଷା ସତ୍ୟ କଥା କହିବା ଭଲ ।

48 ଯେଉଁ ଜ୍ଞାନ ତୁମ୍ଭର ଆତ୍ମାକୁ ଆନନ୍ଦ ଦିଏ ତାହା ତୁମ୍ଭର ଅନ୍ତରକୁ ଶାନ୍ତି ଦିଏ ଓ ତୁମ୍ଭର ଅନ୍ତରକୁ ଶାନ୍ତି ଦିଏ ।

49 ଯେଉଁ ଜ୍ଞାନ ତୁମ୍ଭର ଆତ୍ମାକୁ ଆନନ୍ଦ ଦିଏ ତାହା ତୁମ୍ଭର ଅନ୍ତରକୁ ଶାନ୍ତି ଦିଏ ଓ ତୁମ୍ଭର ଅନ୍ତରକୁ ଶାନ୍ତି ଦିଏ ।

50 ଯେଉଁ ଜ୍ଞାନ ତୁମ୍ଭର ଆତ୍ମାକୁ ଆନନ୍ଦ ଦିଏ ତାହା ତୁମ୍ଭର ଅନ୍ତରକୁ ଶାନ୍ତି ଦିଏ ଓ ତୁମ୍ଭର ଅନ୍ତରକୁ ଶାନ୍ତି ଦିଏ ।

51 ପାପ ଅପେକ୍ଷା ଧାର୍ମିକତା ଭଲ ଏବଂ ଅଧର୍ମ ଅପେକ୍ଷା ସତ୍ୟ କଥା କହିବା ଭଲ ।

Digitized by Google

52 ... ...

57 ಹೀಗೆ ಅವರು ಪೌಲನನ್ನು ಕಲ್ಲೆಸೆಯುವವರಿಂದ ಹೊರಗೆ ಎಳೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗಿ ಅವನನ್ನು ಕಲ್ಲೆಸೆದರು. ಆಗ ಸಾಕ್ಷಿಗಳು ತಮ್ಮ ಮೇಲಂಗಿಗಳನ್ನು ಸೌಲನೆಂಬ ಯೌವನಸ್ಥನ ಕಾಲುಗಳ ಬಳಿಯಲ್ಲಿ ಇಟ್ಟರು.

58 ಹೀಗೆ ಅವರು ಸ್ತೆಫನನನ್ನು ಕಲ್ಲೆಸೆಯುತ್ತಿರುವಾಗ ಅವನು ಪ್ರಾರ್ಥನೆಮಾಡಿ ಹೇಳಿದ್ದು ಏನಂದರೆ, ೫೯ ಕರ್ತನಾದ ಯೇಸುವೇ, ನನ್ನ ಆತ್ಮವನ್ನು ಸ್ವೀಕರಿಸಿಕೊ ಎಂಬದೇ.

೭ ನೇ ಅಧ್ಯಾಯ

1 ಆಗ ಮಹಾಯಾಜಕನು ಇವನಿಗೆ, ಈ ಸಂಗತಿಗಳು ಹೀಗಿವೆಯೋ ಎಂದು ಕೇಳಿದನು.

2 ಅದಕ್ಕೆ ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದು: ಸಹೋದರರೇ, ತಂದೆಗಳೇ, ಕೇಳಿರಿ. ನಮ್ಮ ತಂದೆಯಾದ ಅಬ್ರಹಾಮನು ಹಾರಾನಿನಲ್ಲಿ ವಾಸಮಾಡುವದಕ್ಕಿಂತ ಮುಂಚೆ ಮೆಸೊಪೊತಾಮ್ಯದಲ್ಲಿರುವಾಗ ಮಹಿಮೆಯ ದೇವರು ಅವನಿಗೆ ಕಾಣಿಸಿಕೊಂಡು

3 ಅವನಿಗೆ, ನೀನು ನಿನ್ನ ದೇಶವನ್ನೂ ನಿನ್ನ ಬಂಧುಗಳನ್ನೂ ಬಿಟ್ಟು ನಾನು ನಿನಗೆ ತೋರಿಸುವ ದೇಶಕ್ಕೆ ಹೋಗು ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

4 ಆಗ ಅವನು ಕಸ್ದೀಯರ ದೇಶವನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಹಾರಾನಿನಲ್ಲಿ ವಾಸಮಾಡಿದನು. ಅವನ ತಂದೆಯು ಸತ್ತ ಮೇಲೆ ದೇವರು ಅವನನ್ನು ಅಲ್ಲಿಂದ ಈಗ ನೀವು ವಾಸಿಸುತ್ತಿರುವ ಈ ದೇಶಕ್ಕೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬಂದನು.

5 ಆದರೆ ಇಲ್ಲಿ ಅವನಿಗೆ ಒಂದು ಅಡಿಯಷ್ಟಾದರೂ ಸ್ವಾಸ್ತ್ಯವನ್ನು ಕೊಡಲಿಲ್ಲ.

Digitized by Google

ಅಮಸ್ಯನು ಅವನಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ, ನಾನು ಪ್ರವಾದಿಯಲ್ಲ, ಪ್ರವಾದಿಯ ಮಗನೂ ಅಲ್ಲ; ನಾನು ದನಕಾಯುವವನು, ಅತ್ತಿಮರದ ಹಣ್ಣುಗಳನ್ನು ಕೊಯ್ಯುವವನು. 15 ಆದರೆ ಯೆಹೋವನು ಹಿಂಡುಗಳ ಹಿಂದಿನಿಂದ ನನ್ನನ್ನು ಕರೆದು, ಯೆಹೋವನು ನನಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ನೀನು ಹೋಗಿ ನನ್ನ ಜನರಾದ ಇಸ್ರಾಯೇಲರಿಗೆ ಪ್ರವಾದಿಸು ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

16 ಆದಕಾರಣ ಯೆಹೋವನ ವಾಕ್ಯವನ್ನು ಕೇಳು. ನೀನು ನನಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಪ್ರವಾದಿಸಬಾರದು, ಇಸಾಕನ ವಂಶಕ್ಕೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಪ್ರವಾದಿಸಬಾರದು ಎಂದು ನೀನು ಹೇಳುತ್ತೀಯಲ್ಲಾ. 17 ಆದಕಾರಣ ಯೆಹೋವನು ಹೀಗೆ ಹೇಳುತ್ತಾನೆ: ನಿನ್ನ ಹೆಂಡತಿಯು ಪಟ್ಟಣದಲ್ಲಿ ವೇಶ್ಯೆಯಾಗುವಳು, ನಿನ್ನ ಗಂಡುಮಕ್ಕಳೂ ಹೆಣ್ಣುಮಕ್ಕಳೂ ಕತ್ತಿಯಿಂದ ಬೀಳುವರು, ನಿನ್ನ ಭೂಮಿಯು ಅಳತೆಯ ಹಗ್ಗದಿಂದ ಹಂಚಲ್ಪಡುವುದು, ನೀನು ಅಶುದ್ಧ ದೇಶದಲ್ಲಿ ಸಾಯುವಿ, ಇಸ್ರಾಯೇಲರು ತಮ್ಮ ದೇಶದಿಂದ ಸೆರೆಯಾಗಿ ಹೋಗುವರು ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

8 ಕರ್ತನಾದ ಯೆಹೋವನು ನನಗೆ ಹೀಗೆ ತೋರಿಸಿದನು. ಇಗೋ, ಹಣ್ಣಿನ ಬುಟ್ಟಿ. 2 ಆಗ ಆತನು ಅಮೋಸನೇ, ನೀನು ಏನು ನೋಡುತ್ತೀ ಎಂದು ಕೇಳಿದನು. ಅದಕ್ಕೆ ನಾನು ಹಣ್ಣಿನ ಬುಟ್ಟಿಯನ್ನು ನೋಡುತ್ತೇನೆ ಎಂದು ಉತ್ತರಕೊಟ್ಟೆನು. ಆಗ ಯೆಹೋವನು ನನಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ನನ್ನ ಜನರಾದ ಇಸ್ರಾಯೇಲರ ಅಂತ್ಯವು ಬಂದಿದೆ; ಇನ್ನು ಮೇಲೆ ನಾನು ಅವರನ್ನು ಕ್ಷಮಿಸುವುದಿಲ್ಲ. 3 ಆ ದಿವಸದಲ್ಲಿ ಆಲಯದ ಹಾಡುಗಳು ಗೋಳಾಟಗಳಾಗಿ ಮಾರ್ಪಡುವವು, ಅನೇಕ ಹೆಣಗಳು ಎಲ್ಲಾ ಕಡೆಗಳಲ್ಲಿ ಬಿದ್ದಿರುವವು, ಅವುಗಳನ್ನು ಮೌನವಾಗಿ ಹೊರಗೆ ಹಾಕುವರು ಎಂದು ಕರ್ತನಾದ ಯೆಹೋವನು ಹೇಳುತ್ತಾನೆ.

4 ಬಡವರನ್ನು ನುಂಗಿಬಿಡಲು ಹವಣಿಸುವವರೇ, ದೇಶದ ದೀನರನ್ನು ನಾಶಮಾಡುವವರೇ, ಇದನ್ನು ಕೇಳಿರಿ. 5 ಅಮಾವಾಸ್ಯೆಯು ಯಾವಾಗ ಕಳೆಯುವುದು, ನಾವು ಧಾನ್ಯವನ್ನು ಮಾರಬೇಕು, ಸಬ್ಬತ್ತು ಯಾವಾಗ ಕಳೆಯುವುದು, ನಾವು ಗೋದಿಯನ್ನು ಮಾರಿ ಪರಿಮಾಣವನ್ನು ಚಿಕ್ಕದಾಗಿಯೂ ಶೆಕೆಲನ್ನು ದೊಡ್ಡದಾಗಿಯೂ ಮಾಡಿ ಮೋಸದ ತಕ್ಕಡಿಗಳಿಂದ ಕ್ರಯವನ್ನು ಹೆಚ್ಚಿಸಿ ಕೊಳ್ಳಬೇಕು, 6 ಬೆಳ್ಳಿಗೆ ಬಡವರನ್ನೂ ಒಂದು ಜೊತೆ ಪಾದರಕ್ಷೆಗೆ ದರಿದ್ರರನ್ನೂ ಕೊಂಡುಕೊಳ್ಳಬೇಕು, ಗೋದಿಯ ಹೊಟ್ಟನ್ನು ಮಾರಬೇಕು ಎಂದು ಹೇಳಿಕೊಳ್ಳುತ್ತೀರಿ.

7 ಯಾಕೋಬನ ಹೆಮ್ಮೆಯ ಮೇಲೆ ಯೆಹೋವನು ಆಣೆಯಿಟ್ಟು ಹೇಳುವುದೇನಂದರೆ: ನಿಶ್ಚಯವಾಗಿ ನಾನು ಅವರ ಯಾವ ಕೃತ್ಯಗಳನ್ನೂ ಮರೆಯುವುದಿಲ್ಲ.

8 ಇದಕ್ಕಾಗಿ ಭೂಮಿಯು ನಡುಗುವುದಲ್ಲವೋ? ಅದರಲ್ಲಿ ವಾಸಿಸುವವರೆಲ್ಲರೂ ಗೋಳಾಡುವರಲ್ಲವೋ? ಅದು ಪೂರ್ಣವಾಗಿ ಉಬ್ಬಿ ನೈಲ್ ನದಿಯಂತೆ ಏರಿ ಕಲಕಿ ಮತ್ತೆ ಇಳಿಯುವುದು. 9 ಆ ದಿವಸದಲ್ಲಿ ಸೂರ್ಯನು ಮಧ್ಯಾಹ್ನದಲ್ಲಿ ಅಸ್ತಮಿಸುವಂತೆ ಮಾಡುವೆನು, ಹಗಲಿನಲ್ಲಿ ಭೂಮಿಯನ್ನು ಕತ್ತಲೆಯಿಂದ ಮುಚ್ಚುವೆನು ಎಂದು ಕರ್ತನಾದ ಯೆಹೋವನು ಹೇಳುತ್ತಾನೆ. ನಾನು ನಿಮ್ಮ ಹಬ್ಬಗಳನ್ನು ದುಃಖವಾಗಿಯೂ ನಿಮ್ಮ ಹಾಡುಗಳನ್ನೆಲ್ಲಾ ಗೋಳಾಟವಾಗಿಯೂ ಮಾರ್ಪಡಿಸುವೆನು. ಎಲ್ಲರ ನಡುವಿನಲ್ಲಿ ಗೋಣಿತಟ್ಟನ್ನು ಉಡಿಸಿ ಎಲ್ಲರ ತಲೆಯನ್ನು ಬೋಳಿಸುವೆನು. ಒಬ್ಬನೇ ಮಗನಿಗಾಗಿ ಗೋಳಾಡುವಂತೆ ಮಾಡಿ ಅವನ ಅಂತ್ಯವನ್ನು ಕಹಿಯಾದ ದಿನವಾಗಿ ಮಾಡುವೆನು.

10 ಇಗೋ, ದಿನಗಳು ಬರುತ್ತವೆ, ಆಗ ನಾನು ದೇಶದಲ್ಲಿ ಕ್ಷಾಮವನ್ನು ಕಳುಹಿಸುವೆನು; ಅದು ರೊಟ್ಟಿಗಾಗಿ ಕ್ಷಾಮವಲ್ಲ, ನೀರಿಗಾಗಿ ಬಾಯಾರಿಕೆಯಲ್ಲ, ಯೆಹೋವನ ವಾಕ್ಯವನ್ನು ಕೇಳದೆ ಇರುವುದಕ್ಕಾಗಿಯೇ ಕ್ಷಾಮವು. 11 ಆಗ ಜನರು ಸಮುದ್ರದಿಂದ ಸಮುದ್ರಕ್ಕೂ ಉತ್ತರದಿಂದ ಪೂರ್ವದವರೆಗೂ ಅಲೆದಾಡಿ ಯೆಹೋವನ ವಾಕ್ಯವನ್ನು ಹುಡುಕುವರು, ಆದರೆ ಅದು ಅವರಿಗೆ ಸಿಕ್ಕುವುದಿಲ್ಲ.

Digitized by Google

12 ಯಿಹೋವನು (ಯೆಹೋವನು) ಅವನಿಗೆ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷನಾಗಿ ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ನಾನು ನಿನಗೂ ನಿನ್ನ ಸಂತತಿಗೂ ಈ ದೇಶವನ್ನು ಕೊಡುವೆನು; ನಾನು ನಿನ್ನ ತಂದೆಯಾದ ಅಬ್ರಹಾಮನಿಗೆ ಪ್ರಮಾಣಮಾಡಿ ಕೊಟ್ಟ ಆಣೆಯನ್ನು ನೆರವೇರಿಸುವೆನು.

13 ನಾನು ನಿನ್ನ ಸಂತತಿಯನ್ನು ಆಕಾಶದ ನಕ್ಷತ್ರಗಳಂತೆ ಅಧಿಕಮಾಡಿ, ಈ ದೇಶಗಳನ್ನೆಲ್ಲಾ ನಿನ್ನ ಸಂತತಿಗೆ ಕೊಡುವೆನು; ಭೂಮಿಯ ಸಮಸ್ತ ಜನಾಂಗಗಳು ನಿನ್ನ ಸಂತತಿಯಿಂದ ಆಶೀರ್ವಾದ ಹೊಂದುವವು.

14 ಇದಲ್ಲದೆ ನಿನ್ನ ಸಂತತಿಯು ಭೂಮಿಯ ಧೂಳಿನಷ್ಟು ಅಧಿಕವಾಗಿ ಪಶ್ಚಿಮ ಪೂರ್ವ ಉತ್ತರ ದಕ್ಷಿಣ ದಿಕ್ಕುಗಳಲ್ಲಿ ಹರಡಿಕೊಳ್ಳುವುದು; ಭೂಮಿಯ ಸಮಸ್ತ ವಂಶಗಳವರು ನಿನ್ನಲ್ಲಿಯೂ ನಿನ್ನ ಸಂತತಿಯಲ್ಲಿಯೂ ಆಶೀರ್ವಾದ ಹೊಂದುವರು.

15 ಯಿಹೋವನು (ಯೆಹೋವನು) ಯಾಕೋಬನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ನಾನು ನಿನ್ನ ಸಂಗಡ ಇದ್ದು ನೀನು ಹೋಗುವ ಎಲ್ಲಾ ಕಡೆಗಳಲ್ಲಿ ನಿನ್ನನ್ನು ಕಾಪಾಡಿ ಈ ದೇಶಕ್ಕೆ ನಿನ್ನನ್ನು ತಿರಿಗಿ ಬರಮಾಡುವೆನು; ನಾನು ನಿನಗೆ ವಾಗ್ದಾನ ಮಾಡಿದ್ದನ್ನು ನೆರವೇರಿಸುವ ತನಕ ನಿನ್ನನ್ನು ಬಿಡುವದಿಲ್ಲ.

16 ಆಗ ಯಾಕೋಬನು ಎಚ್ಚರಗೊಂಡು: ಯೆಹೋವನು ಈ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಇರುವನೆಂಬದು ನಿಶ್ಚಯವಾಗಿ ನನಗೆ ತಿಳಿಯದೆ ಹೋಯಿತಲ್ಲಾ ಎಂದುಕೊಂಡು

17 ಭಯಪಟ್ಟು ಇದು ಭಯಂಕರವಾದ ಸ್ಥಳವಲ್ಲವೇ; ಇದು ದೇವರ ಮನೆಯೇ ಹೊರತು ಬೇರೆ ಅಲ್ಲ, ಪರಲೋಕದ ಬಾಗಿಲು ಇದೇ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

Digitized by Google

18 ಯಾಕೋಬನೂ ಅವನ ಜೊತೆಯವರೆಲ್ಲರೂ ಅಲ್ಲಿಂದ ಹೊರಟು ಸಿರಿಯ ದೇಶಕ್ಕೆ ಹೋದರು. ಅವರು ಹೋಗುವಾಗ ಪ್ರಿಸ್ಕಿಲ್ಲ ಮತ್ತು ಅಕ್ವಿಲ ಎಂಬ ದಂಪತಿಗಳು ಅವರ ಜೊತೆಯಲ್ಲಿದ್ದರು. ಅವರು ಕೆಂಖ್ರೆಯದಲ್ಲಿ ತಲೆಯನ್ನು ಕ್ಷೌರ ಮಾಡಿಸಿಕೊಂಡರು. ಯಾಕೆಂದರೆ ಅವರು ದೇವರಿಗೆ ಒಂದು ಹರಕೆಯನ್ನು ಹೊತ್ತುಕೊಂಡಿದ್ದರು.

19 ಅವರು ಎಫೆಸಕ್ಕೆ ಬಂದಾಗ ಪೌಲನು ಅವರನ್ನು ಅಲ್ಲಿಯೇ ಬಿಟ್ಟು ಹೋದನು. ಪೌಲನು ಸಭಾಮಂದಿರಕ್ಕೆ ಹೋಗಿ ಯೆಹೂದ್ಯರೊಂದಿಗೆ ವಾದಮಾಡಿದನು. **20** ಅವರು ಇನ್ನೂ ಹೆಚ್ಚು ಕಾಲ ಅಲ್ಲಿ ಇರಬೇಕೆಂದು ಅವನನ್ನು ಕೇಳಿಕೊಂಡರು. ಆದರೆ ಅವನು ಒಪ್ಪಲಿಲ್ಲ. **21** ಅವನು ಅವರಿಗೆ ವಿದಾಯ ಹೇಳಿ ಹೊರಟು ಹೋಗುವಾಗ, "ದೇವರ ಚಿತ್ತವಾದರೆ ನಾನು ಮತ್ತೆ ನಿಮ್ಮ ಬಳಿಗೆ ಬರುವೆನು" ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. ಅವನು ಎಫೆಸದಿಂದ ಹಡಗಿನಲ್ಲಿ ಪ್ರಯಾಣ ಮಾಡಿದನು.

22 ಅವನು ತಾರ್ಸದಲ್ಲಿರುವ ಸೌಲನನ್ನು ಹುಡುಕಲು ಹೋದನು. ಅವನು ಅಲ್ಲಿಗೆ ಹೋಗಿ ಸೌಲನನ್ನು ಕಂಡುಕೊಂಡು ಅವನನ್ನು ಅಂತಿಯೋಕ್ಯಕ್ಕೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬಂದನು. **23** ಅವರು ಅಲ್ಲಿ ಸ್ವಲ್ಪ ಕಾಲ ಇದ್ದ ನಂತರ ಅಲ್ಲಿಂದ ಹೊರಟು ಗಲಾತ್ಯ ಮತ್ತು ಫ್ರುಗ್ಯ ಪ್ರಾಂತಗಳಲ್ಲಿ ಸಂಚಾರ ಮಾಡಿದರು. ಅವರು ಹೋದಲ್ಲೆಲ್ಲಾ ಶಿಷ್ಯರನ್ನು ಬಲಪಡಿಸಿದರು.

Digitized by Google

ಅವರಿಗೆ ಸಹಾಯಮಾಡಿದರು. ಅವರು ಅವನ ಮಾತಿಗೆ ಒಪ್ಪಿಕೊಂಡು ಅವನನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಟ್ಟರು.

24 ಆಗ ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, "ಈ ಮಾತು ಸತ್ಯವೇ ಹೌದು. ಆದರೆ ಅಪೊಸ್ತಲರಾದ ನಾವು ಪ್ರಾರ್ಥನೆಯಲ್ಲಿಯೂ ದೇವರ ವಾಕ್ಯವನ್ನು ಬೋಧಿಸುವುದರಲ್ಲಿಯೂ ಹೆಚ್ಚಾಗಿ ಇರಬೇಕಾಗಿರುವದರಿಂದ ಈ ಕೆಲಸವನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಊಟಕ್ಕಾಗಿ ಮೇಜಿನ ಬಳಿಯಲ್ಲಿ ಕೂತುಕೊಳ್ಳುವದು ಸರಿಯಲ್ಲ.

25 ಆದಕಾರಣ ಸಹೋದರರೇ, ನಿಮ್ಮಲ್ಲಿ ಏಳು ಮಂದಿ ಸಾಕ್ಷಿಗಳನ್ನು ಆರಿಸಿಕೊಳ್ಳಿರಿ. ಅವರು ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನಿಂದಲೂ ಜ್ಞಾನದಿಂದಲೂ ತುಂಬಿದವರಾಗಿರಬೇಕು. ಅವರಿಗೆ ಈ ಕೆಲಸವನ್ನು ಒಪ್ಪಿಸಿಕೊಡುವೆವು.

26 ಆಗ ಇಡೀ ಸಭೆಯವರಿಗೆ ಆ ಮಾತು ಒಪ್ಪಿಗೆಯಾಯಿತು. ಅವರು ಸ್ತೆಫನನೆಂಬ ವಿಶ್ವಾಸಿಯನ್ನೂ ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನಿಂದ ತುಂಬಿದವನಾಗಿದ್ದ ಫಿಲಿಪ್ಪನನ್ನೂ ಪ್ರೊಖೋರನನ್ನೂ ನಿಕಾನೋರನನ್ನೂ ತಿಮೋನನನ್ನೂ ಪರ್ಮೆನನನ್ನೂ ಅಂತಿಯೋಕ್ಯದವನಾಗಿದ್ದ ನಿಕೊಲಾಯನನ್ನೂ ಆರಿಸಿಕೊಂಡರು.

27 ಅವರನ್ನು ಅಪೊಸ್ತಲರ ಮುಂದೆ ನಿಲ್ಲಿಸಿದರು. ಅಪೊಸ್ತಲರು ಪ್ರಾರ್ಥನೆಮಾಡಿ ಅವರ ಮೇಲೆ ಕೈಗಳನ್ನಿಟ್ಟರು.

28 ಆಗ ದೇವರ ವಾಕ್ಯವು ಹರಡಿತು. ಯೆರೂಸಲೇಮಿನಲ್ಲಿ ಶಿಷ್ಯರ ಸಂಖ್ಯೆ ಬಹಳವಾಗಿ ಹೆಚ್ಚಿತು. ಯಾಜಕರಲ್ಲಿ ಬಹು ಜನರು ಯೇಸುಕ್ರಿಸ್ತನಲ್ಲಿ ವಿಶ್ವಾಸವಿಟ್ಟರು.

29 ಆ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಯೆಹೂದ್ಯರಲ್ಲದವರಲ್ಲಿ ಕೆಲವರು ಯೆಹೂದ್ಯರಾಗಿ ಮತಾಂತರಹೊಂದಿದವರಾಗಿದ್ದರು. ಅವರು ಯೆರೂಸಲೇಮಿನಲ್ಲಿ ಹಬ್ಬಕ್ಕೆ ಬಂದಿದ್ದರು. ಅವರಲ್ಲಿ ಕೆಲವರು ಕುರೇನ್ಯರೂ ಅಲೆಕ್ಸಾಂದ್ರಿಯರೂ ಆಗಿದ್ದರು. ಇವರು ಸ್ತೆಫನನೊಂದಿಗೆ ವಾದಮಾಡಿದರು.

Digitized by Google

30 ಯಾಕೋಬನು ಅವರಿಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ನಾನು ನನ್ನ ಜನರ ಬಳಿಗೆ ಸೇರಿಸಲ್ಪಡುವೆನು; ನೀವು ನನ್ನನ್ನು ಹಿತ್ತಿಯನಾದ ಎಫ್ರೋನನ ಹೊಲದಲ್ಲಿರುವ ಗವಿಯಲ್ಲಿ ನನ್ನ ತಂದೆಗಳ ಬಳಿಯಲ್ಲಿ ಹೂಣಿಡಬೇಕು.

31 ಅಲ್ಲಿ ಅವರು ಅಬ್ರಹಾಮನನ್ನೂ ಅವನ ಹೆಂಡತಿಯಾದ ಸಾರಳನ್ನೂ ಹೂಣಿಟ್ಟರು; ಅಲ್ಲಿ ಇಸಾಕನನ್ನೂ ಅವನ ಹೆಂಡತಿಯಾದ ರೆಬೆಕ್ಕಳನ್ನೂ ಹೂಣಿಟ್ಟರು; ಅಲ್ಲಿ ನಾನು ಲೇಯಳನ್ನು ಹೂಣಿಟ್ಟೆನು.

32 ಆ ಹೊಲವೂ ಅದರಲ್ಲಿರುವ ಗವಿಯೂ ಹಿತ್ತಿಯರಿಂದ ಕೊಂಡುಕೊಳ್ಳಲ್ಪಟ್ಟವು.

33 ಯಾಕೋಬನು ತನ್ನ ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸುವುದನ್ನು ಮುಗಿಸಿದಾಗ ತನ್ನ ಕಾಲುಗಳನ್ನು ಹಾಸಿಗೆಯಲ್ಲಿ ಚಾಚಿಕೊಂಡು ಪ್ರಾಣಬಿಟ್ಟು ತನ್ನ ಜನರ ಬಳಿಗೆ ಸೇರಿಸಲ್ಪಟ್ಟನು.

34 ಆಗ ಯೋಸೇಫನು ತನ್ನ ತಂದೆಯ ಮುಖದ ಮೇಲೆ ಬಿದ್ದು ಅಳುತ್ತಾ ಅವನನ್ನು ಮುದ್ದಿಟ್ಟನು.

35 ಮತ್ತು ಯೋಸೇಫನು ತನ್ನ ಬಳಿಯಲ್ಲಿದ್ದ ವೈದ್ಯರಿಗೆ ತನ್ನ ತಂದೆಯ ಶರೀರವನ್ನು ಸುಗಂಧದ್ರವ್ಯಗಳಿಂದ ಹದಮಾಡಬೇಕೆಂದು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದನು. ಆಗ ಹದಮಾಡುವವರು ಇಸ್ರಾಯೇಲನನ್ನು ಹದಮಾಡಿದರು.

36 ಮತ್ತು ಅವರು ಅವನಿಗೋಸ್ಕರ ಅರವತ್ತು ದಿವಸ ಗೊತ್ತುಮಾಡಿದರು; ಅಷ್ಟು ದಿವಸಗಳು ಹದಮಾಡುವವರಿಗೆ ಗೊತ್ತಾದ ದಿವಸಗಳಾಗಿದ್ದವು. ಈಜಿಪ್ಟಿನವರು ಅವನಿಗೋಸ್ಕರ ಎಪ್ಪತ್ತು ದಿವಸ ಗೋಳಾಡಿದರು.

Digitized by Google

૧ અધ્યાય ૧

1 ઈશ્વરે આદિમાં આકાશમંડળ અને પૃથ્વી ઉત્પન્ન કર્યાં. પૃથ્વી નિરાકાર અને શૂન્ય હતી, અને ઊંડાણ પર અંધકાર હતો. ઈશ્વરનો આત્મા પાણી પર ફરતો હતો.

2 પછી ઈશ્વરે કહ્યું, "પ્રકાશ થાઓ," અને પ્રકાશ થયો. ઈશ્વરે પ્રકાશને જોયો કે તે સારો છે. પછી ઈશ્વરે પ્રકાશને અંધકારથી જુદો પાડ્યો.

3 ઈશ્વરે પ્રકાશને દિવસ કહ્યો, અને અંધકારને રાત કહ્યો. સાંજ થઈ અને સવાર થઈ, એ પહેલો દિવસ.

4 ઈશ્વરે કહ્યું, "પાણીની વચ્ચે આકાશમંડળ થાઓ, અને પાણીને પાણીથી જુદું પાડો." ઈશ્વરે આકાશમંડળ બનાવ્યું અને આકાશમંડળની નીચેનું પાણી આકાશમંડળની ઉપરના પાણીથી જુદું પાડ્યું. એમ જ થયું.

5 ઈશ્વરે આકાશમંડળને આકાશ કહ્યું. સાંજ થઈ અને સવાર થઈ, એ બીજો દિવસ.

Digitized by Google

6 ... ...

14 ଯିହୋବାଙ୍କ ଦାସ ମୋଶା ମରିବା ପରେ ଯିହୋବା ନୂନର ପୁତ୍ର ଯିହୋଶୂୟଙ୍କୁ କହିଲେ, **15** "ମୋର ଦାସ ମୋଶା ମରିଗଲା। ତୁମ୍ଭେ ଏବେ ଏହି ଲୋକମାନଙ୍କୁ ଯର୍ଦ୍ଦନ ନଦୀ ପାର କରି ମୋର ଦତ୍ତ ଦେଶକୁ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିବ। ତୁମ୍ଭେ ଓ ଏହି ଲୋକମାନେ ଏବେ ଉଠ, ଯର୍ଦ୍ଦନ ନଦୀ ପାର ହୁଅ। ମୁଁ ଇସ୍ରାଏଲର ଲୋକମାନଙ୍କୁ ଯେଉଁ ଦେଶ ଦେବାକୁ ପ୍ରତିଜ୍ଞା କରିଛି, ସେହି ଦେଶକୁ ଯାଅ।

16 ତୁମ୍ଭେ ଯେଉଁ ଯେଉଁ ସ୍ଥାନରେ ଯିବ, ମୁଁ ତୁମ୍ଭକୁ ସେଠାରେ ରହିବାକୁ ଦେବି।

17 ମୁଁ ମୋଶାଙ୍କୁ ଯେପରି ସାହାଯ୍ୟ କରିଥିଲି, ମୁଁ ତୁମ୍ଭକୁ ସେହିପରି ସାହାଯ୍ୟ କରିବି। ମୁଁ ତୁମ୍ଭ ସହିତ ରହିବି। ତୁମ୍ଭେ ଯେଉଁଠାକୁ ଯିବ, ମୁଁ ତୁମ୍ଭ ସହିତ ଯିବି।

18 ତୁମ୍ଭେ ଯାହା କରିବାକୁ ମୋଶା ତୁମ୍ଭକୁ କହିଥିଲା, ତାହା ତୁମ୍ଭେ ଯଦି ନ କର, ତୁମ୍ଭେ ଯଦି ମୋର ଆଜ୍ଞା ପାଳନ ନ କର, ତେବେ ତୁମ୍ଭେ ମରିବ। ତୁମ୍ଭେ ବଳବାନ ଓ ସାହସୀ ହୁଅ।"

19 ଏହା କହିବା ପରେ ଯିହୋବା ଯିହୋଶୂୟଙ୍କୁ ଆଉ ଏକ ଆଦେଶ ଦେଲେ। ଯିହୋବା କହିଲେ, "ତୁମ୍ଭେ ଯିରୀହୋ ନଗରକୁ ଯିବ। ତୁମ୍ଭେ ଦୁଇଜଣ ଗୁପ୍ତଚର ପଠାଇବ। ସେମାନେ ଯାଇ ଦେଶ ଦେଖିବେ।

Digitized by Google

20 ...

21 ...

22 ...

23 ...

24 ...

25 ...

Digitized by Google

26 ... ...

ಅವರು ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ಹಿಡಿದು ಸಾರ್ವಜನಿಕ ಸೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿ ಇಟ್ಟರು.

19 ಆದರೆ ರಾತ್ರಿಯಲ್ಲಿ ಕರ್ತನ ದೂತನು ಸೆರೆಮನೆಯ ಬಾಗಿಲುಗಳನ್ನು ತೆರೆದು ಅವರನ್ನು ಹೊರಗೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬಂದು **20** "ನೀವು ಹೋಗಿ ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿ ನಿಂತು ಈ ಜೀವದಾಯಕ ಮಾತುಗಳನ್ನೆಲ್ಲಾ ಜನರಿಗೆ ಸಾರಿರಿ" ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. **21** ಅವರು ಅದನ್ನು ಕೇಳಿ ಬೆಳಗಾಗುವಾಗ ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿ ಬೋಧಿಸಲು ಪ್ರಾರಂಭಿಸಿದರು.

ಮಹಾಯಾಜಕನು ಮತ್ತು ಅವನ ಸಂಗಡಿಗರು ಬಂದು ಸನ್ಹೆದ್ರಿನ್ ಸಭೆಯನ್ನು ಮತ್ತು ಇಸ್ರಾಯೇಲರ ಹಿರಿಯರೆಲ್ಲರನ್ನು ಕೂಡಿಸಿ ಸೆರೆಮನೆಯಿಂದ ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ತರಲು ಸೇವಕರನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿದರು. **22** ಆದರೆ ಸೇವಕರು ಅಲ್ಲಿಗೆ ಹೋಗಿ ಅವರು ಸೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿ ಇಲ್ಲದಿರುವುದನ್ನು ಕಂಡು ಹಿಂತಿರುಗಿ ಬಂದು ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, **23** "ಸೆರೆಮನೆಯ ಬಾಗಿಲುಗಳು ಚೆನ್ನಾಗಿ ಮುಚ್ಚಿದ್ದು ಕಾವಲುಗಾರರು ಬಾಗಿಲುಗಳ ಹೊರಗೆ ನಿಂತಿದ್ದರು. ಆದರೆ ನಾವು ಬಾಗಿಲುಗಳನ್ನು ತೆರೆದಾಗ ಒಳಗೆ ಯಾರೂ ಇರಲಿಲ್ಲ." **24** ಈ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ದೇವಾಲಯದ ಅಧಿಕಾರಿಯೂ ಮುಖ್ಯ ಯಾಜಕರೂ ಅವರ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಏನಾಗಬಹುದೆಂದು ಯೋಚಿಸುತ್ತಿದ್ದರು. **25** ಆಗ ಒಬ್ಬನು ಬಂದು "ನೀವು ಸೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿ ಹಾಕಿಸಿದ ಮನುಷ್ಯರು ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿ ನಿಂತು ಜನರಿಗೆ ಬೋಧಿಸುತ್ತಿದ್ದಾರೆ" ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

26 ಆಗ ಅಧಿಕಾರಿಯು ಸೇವಕರೊಂದಿಗೆ ಹೋಗಿ ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬಂದನು. ಆದರೆ ಜನರು ತಮ್ಮನ್ನು ಕಲ್ಲೆಸೆದು ಕೊಲ್ಲುವರೆಂಬ ಭಯದಿಂದ ಅವರು ಬಲಾತ್ಕಾರ ಮಾಡಲಿಲ್ಲ.

Digitized by Google

ಮಾಡಿದೆನು; ಅವರು ಅವನ ಮಾತನ್ನು ಕೇಳಲಿಲ್ಲ; ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಕಿವಿಗೊಡಲಿಲ್ಲ; ಅವರಲ್ಲಿ ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬನು ತನ್ನ ತನ್ನ ಕೆಟ್ಟ ಹೃದಯದ ಕಲ್ಪನೆಯಂತೆ ನಡೆದನು; ಆದಕಾರಣ ನಾನು ಅವರಿಗೆ ವಿಧಿಸಿದ್ದೆಲ್ಲವನ್ನು ಅವರು ಮಾಡಲಿಲ್ಲ; ಅವರು ಮಾಡಬೇಕೆಂದು ನಾನು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ್ದನ್ನು ಅವರು ಮಾಡಲಿಲ್ಲ.

37 ಯೆಹೋವನು ಅವರಿಗೆ ಹೀಗೆ ಹೇಳಿದನು, ನೀವು ಕೆಟ್ಟ ಮಾರ್ಗದಲ್ಲಿ ನಡೆಯುವವರಾಗಿದ್ದೀರಿ; ಆದರೆ ನಾನು ಇಂದು ನಿಮಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸುವ ಮಾತುಗಳನ್ನು ನೀವು ಕೈಕೊಳ್ಳಬೇಕು.

38 ಯೆಹೋವನ ಆಲಯವನ್ನು ಕಟ್ಟಿಸಲು ಅವರು ಹೊನ್ನನ್ನು ಕೊಡಲಿಲ್ಲ, ಅವರು ಅವನ ಮಾತನ್ನು ಕೇಳಲಿಲ್ಲ; ಅವರು ಅವನ ಆಜ್ಞೆಗಳನ್ನು ಕೈಕೊಳ್ಳಲಿಲ್ಲ; ಅವರು ಅವನ ಆಜ್ಞೆಗಳನ್ನು ಕೈಕೊಳ್ಳಲಿಲ್ಲ.

39 ಆಗ ಆ ಮನುಷ್ಯನು ಯೆಹೋವನ ಸನ್ನಿಧಿಯಲ್ಲಿ ನಿಂತುಕೊಂಡನು; ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ನೀವು ಯೆಹೋವನ ಆಲಯವನ್ನು ಕಟ್ಟಿಸಲು ಹೊನ್ನನ್ನು ಕೊಡಲಿಲ್ಲ.

೨ ಅಧ್ಯಾಯ

1 ಯೆಹೂದದ ಅರಸನಾದ ಯೋಷೀಯನ ಆಳ್ವಿಕೆಯ ಹದಿನೆಂಟನೆಯ ವರ್ಷದಲ್ಲಿ ಅರಸನು ಯೆಹೋವನ ಆಲಯವನ್ನು ಶುದ್ಧಮಾಡಲು ಅಜಲ್ಯನ ಮಗನಾದ ಶಾಫಾನನ ಮಗನಾದ ಮೆಷುಲ್ಲಾಮನ ಮಗನಾದ ಅಜರ್ಯನ ಮಗನಾದ ಹಿಲ್ಕೀಯನನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿದನು. ಅವನು ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ,

2 ಜನರು ಯೆಹೋವನ ಆಲಯದಲ್ಲಿ ಸೇರಿಸಿದ ಹಣವನ್ನು ಎಣಿಸಿ ಅದನ್ನು ಕೆಲಸಗಾರರ ಕೈಗೆ ಒಪ್ಪಿಸಲು ಮಹಾ ಯಾಜಕನಾದ ಹಿಲ್ಕೀಯನ ಬಳಿಗೆ ಹೋಗಿ ಅವನಿಗೆ ಹೇಳು.

3 ಯೆಹೋವನ ಆಲಯವನ್ನು ಕಾಯುವವರು ಜನರಿಂದ ಸಂಗ್ರಹಿಸಿದ ಹಣವನ್ನು ಅವರು ಯೆಹೋವನ ಆಲಯದಲ್ಲಿ ಕೆಲಸ ಮಾಡುವವರ ಕೈಗೆ ಒಪ್ಪಿಸಲಿ.

Digitized by Google

ספר תורה שכתב בלא כוונה ולא ידע שכתב בלא כוונה אלא אחר שגמר כל הספר כולו ונתכוון לקשט אותו ולתקן בו אותיות שלא כהלכה הרי זה פסול עד שיכתוב מחדש מן התיבה שנתכוון לתקן ואילך שהרי לא כתב אותה לשם ספר תורה:

4 כתב ספר תורה תפילין ומזוזה בשחרית ונמצא בהן פסול בין בשעת כתיבה בין אחר שגמרן ובין אחר שנתנן במקומן ובין אחר שנשתמש בהן ובין אחר שמת הכותב הרי אלו פסולין ואין מועלין בהן ואין מצילין אותן מן הדליקה ואין מוכרין אותן לעכו"ם ואין מעבירין עליהן את הנהר ואין מוכרין אותן לישראל אלא יגנזו אותן בכלי חרס:

5 כתב ספר תורה תפילין ומזוזה (בשחרית ובין הערבים) ובדק בהן בשחרית ומצא בהן פסול בין הערבים הרי אלו פסולין:

6 כתב ספר תורה תפילין ומזוזה ונמצא בהן פסול: אם כתב ספר תורה אפילו אות אחת ונמצא בה פסול הרי כל הספר פסול:

7 כתב ספר תורה (בשחרית ובין הערבים) ובדק בו בשחרית ומצא בו פסול: אם כתב ספר תורה אפילו אות אחת בשחרית ומצא בה פסול בין הערבים הרי כל הספר פסול:

8 כתב ספר תורה תפילין ומזוזה בשחרית ובדק בהן בשחרית ומצא בהן פסול בין הערבים: אם כתב ספר תורה אפילו אות אחת בשחרית ומצא בה פסול בין הערבים: הכותב ספר תורה תפילין ומזוזה בין הערבים:

9 כתב ספר תורה תפילין ומזוזה בין הערבים: אם כתב ספר תורה אפילו אות אחת בין הערבים ומצא בה פסול בין הערבים הרי כל הספר פסול: כתב ספר תורה תפילין ומזוזה בין הערבים ובדק בהן בין הערבים ומצא בהן פסול בין הערבים: אם כתב ספר תורה אפילו אות אחת בין הערבים ומצא בה פסול בין הערבים הרי כל הספר פסול:

Digitized by Google

10 ... ...

17 ଯିହୋୟାଦା ସମସ୍ତ ଲୋକଙ୍କ ଓ ରାଜାଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଏହି ନିୟମ ସ୍ଥିର କଲା, ଯେପରି ସେମାନେ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କର ଲୋକ ହେବେ; ଏଥିଉତ୍ତାରେ ରାଜା ଓ ଲୋକଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ମଧ୍ୟ ସେ ନିୟମ ସ୍ଥିର କଲା।

18 ତହିଁରେ ସମସ୍ତ ଦେଶର ଲୋକେ ବାଲ୍‌ର ମନ୍ଦିରକୁ ଗଲେ ଓ ତାହା ଭାଙ୍ଗି ପକାଇଲେ; ପୁଣି ସେମାନେ ତାହାର ଯଜ୍ଞବେଦି ଓ ପ୍ରତିମାଗୁଡ଼ିକ ଭଲରୂପେ ଭାଙ୍ଗି ଚୂରମାର କଲେ, ଆଉ ବାଲ୍‌ର ପୂଜକ ମତ୍ତନ ସେହି ଯଜ୍ଞବେଦି ସମ୍ମୁଖରେ ବଧ କଲେ। ପୁଣି ଯାଜକ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କ ଗୃହ ଉପରେ ତତ୍ତ୍ୱାବଧାନ କରିବାକୁ ନିଯୁକ୍ତ କଲେ।

19 ଆଉ ସେ ଶତପତି ଓ କରୀୟମାନଙ୍କ ଅଧିପତିମାନଙ୍କୁ ଓ ସମସ୍ତ ଦେଶର ଲୋକଙ୍କୁ ଆଣିଲେ; ପୁଣି ସେମାନେ ରାଜାଙ୍କୁ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କ ଗୃହରୁ ଓହ୍ଲାଇ ଆଣିଲେ, ଆଉ ସେମାନେ ଉପର ଦ୍ୱାର ଦେଇ ରାଜଗୃହକୁ ଆସିଲେ, ତହିଁରେ ସେ ରାଜାସନରେ ବସିଲେ। ଏଥିରେ ଦେଶର ସମସ୍ତ ଲୋକ ଆନନ୍ଦିତ ହେଲେ, ଆଉ ନଗର ନିସ୍ତବ୍ଧ ରହିଲା। ପୁଣି ସେମାନେ ଅଥଲିୟାକୁ ରାଜଗୃହରେ ବଧ କରି ରାଜାଙ୍କ ନିକଟରେ ଥିଲେ।

20 ଏହିରୂପେ ଅଥଲିୟା ରାଜ୍ଞୀକୁ ବଧ କରିବାର ପରେ ଦେଶର ସମସ୍ତ ଲୋକ ଆନନ୍ଦିତ ହେଲେ, ଆଉ ନଗର ନିସ୍ତବ୍ଧ ରହିଲା। ପୁଣି ଯିହୋୟାଶ ରାଜାସନରେ ବସିବାକୁ ଆରମ୍ଭ କଲେ।

21 ଯିହୋୟାଶ ରାଜ୍ୟାଭିଷେକ କରାଯିବାର ସମୟରେ ସାତ ବର୍ଷ ବୟସ୍କ ଥିଲେ। ସେ ଯିରୂଶାଲମରେ ଚାଳିଶ ବର୍ଷ ରାଜତ୍ୱ କଲେ। ତାହାଙ୍କ ମାତାର ନାମ ସିବୀୟା; ସେ ବେର୍‌ଶେବା ନିବାସିନୀ ଥିଲେ। ଯିହୋୟାଶ ଯାଜକ ଯିହୋୟାଦାଙ୍କ ସମସ୍ତ ଦିନ ଯାହା ଯାହା ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କ ସାକ୍ଷାତରେ ସରଳ ଥିଲା, ତାହା ତାହା କଲେ।

Digitized by Google

22 ... ...

94 ماعمعاعماعماعما

[illegible]

4 [illegible]

5 [illegible]

6 [illegible]

7 [illegible]

8 [illegible]

9 [illegible]

ಉತ್ತಮಾಯಾಂ ಪಿತೃಭ್ಯಃ ಸ್ವಧಾ ನಮಃ ಪಿತಾಮಹೇಭ್ಯಃ ಸ್ವಧಾ ನಮಃ ಪ್ರಪಿತಾಮಹೇಭ್ಯಃ ಸ್ವಧಾ ನಮಃ ॥

10 ಯಸ್ಯ ಕಸ್ಯಾಪಿ (ಪುಣ್ಯಾಹಾದಿಷು ಪಿತೃಪಿತಾಮಹಾದಿಷು ಮೃತೇಷು ಪಿತೃಪಿತಾಮಹಾದಿಷು ಜೀವತ್ಸು ಚ) ಪಿತಾ ಪಿತಾಮಹಃ ಪ್ರಪಿತಾಮಹಶ್ಚ ಪಿತೃಪಿತಾಮಹಾದಿಷು ಜೀವತ್ಸು ಪಿತಾಮಹಃ ಪ್ರಪಿತಾಮಹಃ ವೃದ್ಧಪ್ರಪಿತಾಮಹಶ್ಚ ಪಿತೃಪಿತಾಮಹಾದಿಷು ಜೀವತ್ಸು ಪ್ರಪಿತಾಮಹೋ ವೃದ್ಧಪ್ರಪಿತಾಮಹಃ ವೃದ್ಧವೃದ್ಧಪ್ರಪಿತಾಮಹಶ್ಚ ಪಿತೃಪಿತಾಮಹಾದಿಷು ಜೀವತ್ಸು ವೃದ್ಧಪ್ರಪಿತಾಮಹೋ ವೃದ್ಧವೃದ್ಧಪ್ರಪಿತಾಮಹಃ ವೃದ್ಧವೃದ್ಧವೃದ್ಧಪ್ರಪಿತಾಮಹಶ್ಚ ಪಿತೃಪಿತಾಮಹಾದಿಷು ಜೀವತ್ಸು ವೃದ್ಧವೃದ್ಧಪ್ರಪಿತಾಮಹೋ ವೃದ್ಧವೃದ್ಧವೃದ್ಧಪ್ರಪಿತಾಮಹಃ ಮಾತಾ ಪಿತಾಮಹೀ ಪ್ರಪಿತಾಮಹೀ ಚ ಪಿತೃಪಿತಾಮಹಾದಿಷು ಜೀವತ್ಸು ಪಿತಾಮಹೀ ಪ್ರಪಿತಾಮಹೀ ವೃದ್ಧಪ್ರಪಿತಾಮಹೀ ಚ ಪಿತೃಪಿತಾಮಹಾದಿಷು ಜೀವತ್ಸು ಪ್ರಪಿತಾಮಹೀ ವೃದ್ಧಪ್ರಪಿತಾಮಹೀ ವೃದ್ಧವೃದ್ಧಪ್ರಪಿತಾಮಹೀ ಚ ಪಿತೃಪಿತಾಮಹಾದಿಷು ಜೀವತ್ಸು ವೃದ್ಧಪ್ರಪಿತಾಮಹೀ ವೃದ್ಧವೃದ್ಧಪ್ರಪಿತಾಮಹೀ ವೃದ್ಧವೃದ್ಧವೃದ್ಧಪ್ರಪಿತಾಮಹೀ ಚ ಪಿತೃಪಿತಾಮಹಾದಿಷು ಜೀವತ್ಸು ವೃದ್ಧವೃದ್ಧಪ್ರಪಿತಾಮಹೀ ವೃದ್ಧವೃದ್ಧವೃದ್ಧಪ್ರಪಿತಾಮಹೀ ಚ ಪಿತೃಪಿತಾಮಹಾದಿಷು ಜೀವತ್ಸು ಸಪತ್ನೀಕಾನಾಂ ಪಿತೃಪಿತಾಮಹಾದೀನಾಂ ಪಿತೃಪಿತಾಮಹಾದಿಷು ಜೀವತ್ಸು ಸಪತ್ನೀಕಾನಾಂ ಪಿತಾಮಹಾದೀನಾಂ ಪಿತೃಪಿತಾಮಹಾದಿಷು ಜೀವತ್ಸು ಸಪತ್ನೀಕಾನಾಂ ಪ್ರಪಿತಾಮಹಾದೀನಾಂ ಪಿತೃಪಿತಾಮಹಾದಿಷು ಜೀವತ್ಸು ಸಪತ್ನೀಕಾನಾಂ ವೃದ್ಧಪ್ರಪಿತಾಮಹಾದೀನಾಂ ಪಿತೃಪಿತಾಮಹಾದಿಷು ಜೀವತ್ಸು ಸಪತ್ನೀಕಾನಾಂ ವೃದ್ಧವೃದ್ಧಪ್ರಪಿತಾಮಹಾದೀನಾಂ ಪಿತೃಪಿತಾಮಹಾದಿಷು ಜೀವತ್ಸು ಸಪತ್ನೀಕಾನಾಂ ವೃದ್ಧವೃದ್ಧವೃದ್ಧಪ್ರಪಿತಾಮಹಾದೀನಾಂ ಪಿತೃಪಿತಾಮಹಾದಿಷು ಜೀವತ್ಸು ಸಪತ್ನೀಕಾನಾಂ ಮಾತೃಪಿತಾಮಹೀಪ್ರಪಿತಾಮಹೀನಾಂ ಪಿತೃಪಿತಾಮಹಾದಿಷು ಜೀವತ್ಸು ಪಿತಾಮಹೀಪ್ರಪಿತಾಮಹೀನಾಂ ಪಿತೃಪಿತಾಮಹಾದಿಷು ಜೀವತ್ಸು ಪ್ರಪಿತಾಮಹೀವೃದ್ಧಪ್ರಪಿತಾಮಹೀನಾಂ ಪಿತೃಪಿತಾಮಹಾದಿಷು ಜೀವತ್ಸು ವೃದ್ಧಪ್ರಪಿತಾಮಹೀವೃದ್ಧವೃದ್ಧಪ್ರಪಿತಾಮಹೀನಾಂ ಪಿತೃಪಿತಾಮಹಾದಿಷು ಜೀವತ್ಸು ವೃದ್ಧವೃದ್ಧಪ್ರಪಿತಾಮಹೀವೃದ್ಧವೃದ್ಧವೃದ್ಧಪ್ರಪಿತಾಮಹೀನಾಂ

16 ಯೆಹೋವನು ಆದಾಮನಿಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ್ದೇನಂದರೆ ನೀನು ತೋಟದ ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಮರದ
ಫಲವನ್ನು ಯಥೇಚ್ಛವಾಗಿ ತಿನ್ನಬಹುದು; 17 ಆದರೆ ಒಳ್ಳೇದು ಕೆಟ್ಟದ್ದು ಇವುಗಳ ವಿಷಯವಾಗಿ
ತಿಳಿಸುವ ಮರದ ಫಲವನ್ನು ತಿನ್ನಬಾರದು; ಅದನ್ನು ತಿಂದ ದಿವಸದಲ್ಲಿ ನೀನು ಸಾಯುವದು ನಿಶ್ಚಯ
ಅಂದನು.

18 ಯೆಹೋವನಾದ ದೇವರು ಆಮೇಲೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ಮನುಷ್ಯನು ಒಂಟಿಯಾಗಿರುವದು
ಒಳ್ಳೇದಲ್ಲ; ಅವನಿಗೆ ಸಹಾಯಕಳಾಗಿ ಅವನಿಗೆ ತಕ್ಕವಳಾದವಳನ್ನು ಮಾಡುವೆನು ಅಂದನು.

19 ಯೆಹೋವನಾದ ದೇವರು ಭೂಮಿಯಿಂದ ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಕಾಡುಮೃಗವನ್ನೂ ಪ್ರತಿಯೊಂದು
ಆಕಾಶಪಕ್ಷಿಯನ್ನೂ ರೂಪಿಸಿ ಆದಾಮನು ಅವುಗಳಿಗೆ ಏನೇನು ಹೆಸರಿಡುವನೋ ಅವುಗಳನ್ನು ಅವನ
ಬಳಿಗೆ ತಂದನು. 20 ಆದಾಮನು ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಪಶುಪಕ್ಷಿಮೃಗಗಳಿಗೆ ಹೆಸರಿಟ್ಟನು; ಆದರೆ ಅವನಿಗೆ
ತಕ್ಕ ಸಹಾಯಕಳು ಅವನಿಗೆ ಸಿಕ್ಕಲಿಲ್ಲ. 21 ಆಗ ಯೆಹೋವನಾದ ದೇವರು ಆದಾಮನನ್ನು ಗಾಢನಿದ್ರೆಗೆ
ಬೀಳಮಾಡಿದನು; ಅವನು ನಿದ್ರೆಮಾಡಿದಾಗ ಅವನ ಪಕ್ಕೆಲುಬುಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದನ್ನು ತೆಗೆದು ಆ ಸ್ಥಳವನ್ನು
ಮಾಂಸದಿಂದ ಮುಚ್ಚಿದನು. 22 ಯೆಹೋವನಾದ ದೇವರು ಆದಾಮನಿಂದ ತೆಗೆದ ಪಕ್ಕೆಲುಬನ್ನು ಸ್ತ್ರೀಯಾಗಿ
ಮಾಡಿ ಅವಳನ್ನು ಆದಾಮನ ಬಳಿಗೆ ತಂದನು.

7

Digitized by Google

22 ಯಾಕೆಂದರೆ ಅವರು ಗಾಳಿಯನ್ನು ಬಿತ್ತಿ ಸುಂಟರಗಾಳಿಯನ್ನು ಕೊಯ್ಯುವರು; ಅವರಿಗೆ ಬೆಳೆಯಾಗಿ ಕೊಯ್ಯಲು ಏನೂ ಇಲ್ಲ; ಅದರ ಪೈರು ಕಾಳನ್ನು ಕೊಡುವುದಿಲ್ಲ; ಅದು ಕೊಟ್ಟರೂ ಅನ್ಯರು ಅದನ್ನು ನುಂಗಿಬಿಡುವರು.

23 ಮತ್ತು ಅವರು ಇಸ್ರಾಯೇಲಿನ ಅರಸನಾದ ಯಾರೊಬ್ಬಾಮನ ಮನೆಯವರನ್ನು ಕತ್ತಿಗೆ ಒಪ್ಪಿಸಿದ್ದರಿಂದ ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಮಾಡಿದ ಪಾಪಗಳಿಗಾಗಿ ಯೆಹೋವನು ಅವರನ್ನು ಅಸಹ್ಯಪಡುವನು. ಆಗ ಅವರು ಯೆಹೋವನಿಗೆ ಮೊರೆಯಿಡುವರು; ಆದರೆ ಆತನು ಅವರಿಗೆ ಉತ್ತರಕೊಡುವದಿಲ್ಲ.

24 ಆಮೋಸನೇ, ನೀನು ಈ ಪ್ರಕಾರ ಪ್ರವಾದಿಸಬೇಕು: ಯೆಹೋವನು ಹೀಗೆ ಹೇಳುತ್ತಾನೆ; ಇಗೋ, ನಾನು ಯೆಹೂದದ ಅರಸನಾದ ಉಜ್ಜೀಯನ ಮಗನಾದ ಯೋತಾಮನ ಮಗನಾದ ಆಹಾಜನ ಮಗನಾದ ಹಿಜ್ಕೀಯನನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಡುವೆನು; ಅವನು ಯೆರೂಸಲೇಮಿಗೆ ಬರುವನು.

25 ಆಗ ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದು: ಪ್ರವಾದಿಯೇ, ನೀನು ಹೋಗಿ ಯೆಹೂದದ ಅರಸನಾದ ಯೋಷೀಯನ ಮಗನಾದ ಯೆಹೋಯಾಕೀಮನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದು: ಯೆಹೋವನು ಹೀಗೆ ಹೇಳುತ್ತಾನೆ; ಇಗೋ, ನಾನು ಈಜಿಪ್ಟಿನ ಅರಸನಾದ ಫರೋಹನೆಕೋವನ ಮಗನಾದ ಫರೋಹನನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಡುವೆನು; ಅವನು ಯೆರೂಸಲೇಮಿಗೆ ಬರುವನು.

26 ಯಾಕೆಂದರೆ ಅವರು ಯೆಹೂದದ ಅರಸನಾದ ಯೆಹೋಯಾಕೀಮನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದು: ಯೆಹೋವನು ಹೀಗೆ ಹೇಳುತ್ತಾನೆ; ಇಗೋ, ನಾನು ಈಜಿಪ್ಟಿನ ಅರಸನಾದ ಫರೋಹನೆಕೋವನ ಮಗನಾದ ಫರೋಹನನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಡುವೆನು; ಅವನು ಯೆರೂಸಲೇಮಿಗೆ ಬರುವನು.

Digitized by Google

27 ויאמר יהוה אל משה לך לקראת אהרן המדברה וילך ויפגשהו בהר האלהים וישק לו׃
28 ויגד משה לאהרן את כל דברי יהוה אשר שלחו ואת כל האתת אשר צוהו׃
29 וילך משה ואהרן ויאספו את כל זקני בני ישראל׃
30 וידבר אהרן את כל הדברים אשר דבר יהוה אל משה ויעש האתת לעיני העם׃
31 ויאמן העם וישמעו כי פקד יהוה את בני ישראל וכי ראה את עניים ויקדו וישתחוו׃

ה

1 ואחרי בא משה ואהרן ויאמרו אל פרעה כה אמר יהוה אלהי ישראל שלח את עמי ויחגו לי במדבר׃
2 ויאמר פרעה מי יהוה אשר אשמע בקלו לשלח את ישראל לא ידעתי את יהוה וגם את ישראל לא אשלח׃
3 ויאמרו אלהי העברים נקרה על נא דרך שלשת ימים נלכה במדבר ונזבחה ליהוה אלהינו פן יפגענו בדבר או בחרב׃
4 ויאמר אלהם מלך מצרים למה משה ואהרן תפרעו את העם ממעשיו לכו לסבלתיכם׃
5 ויאמר פרעה הן רבים עתה עם הארץ והשבתם אתם מסבלתם׃

Digitized by Google

ଦୁଇଟା ଅଟେ । ଅଳ୍ପ ଅର୍ଥରେ ଯେଉଁ ଶବ୍ଦ ବ୍ୟବହାର ହୁଏ ତାହାକୁ ଅଳ୍ପାର୍ଥବାଚକ ଶବ୍ଦ କହନ୍ତି । ଯେମିତି ଯେଉଁ ଶବ୍ଦ ଅଧିକ ଅର୍ଥରେ ବ୍ୟବହାର ହୁଏ ତାହାକୁ ଅଧିକାର୍ଥବାଚକ ଶବ୍ଦ କହନ୍ତି ।

୭ ଯେଉଁ ଶବ୍ଦ ଦ୍ୱାରା ଜଣେ ବ୍ୟକ୍ତି ବା ବସ୍ତୁର ନାମ ଜଣାପଡ଼େ ତାହାକୁ ସଂଜ୍ଞା ଶବ୍ଦ କହନ୍ତି । ଯେଉଁ ସଂଜ୍ଞା ଶବ୍ଦ ଦ୍ୱାରା ଜଣେ ବ୍ୟକ୍ତି ବା ବସ୍ତୁର ନାମ ଜଣାପଡ଼ିବା ସଙ୍ଗେ ସଙ୍ଗେ ତାହାର ଜାତି ଜଣାପଡ଼େ ତାହାକୁ ଜାତିବାଚକ ସଂଜ୍ଞା କହନ୍ତି । ଯେଉଁ ସଂଜ୍ଞା ଶବ୍ଦ ଦ୍ୱାରା ଜଣେ ବ୍ୟକ୍ତି ବା ବସ୍ତୁର ନାମ ଜଣାପଡ଼େ ତାହାକୁ ବ୍ୟକ୍ତିବାଚକ ସଂଜ୍ଞା କହନ୍ତି ।

୮ ଯେଉଁ ଶବ୍ଦ ଦ୍ୱାରା ଜଣେ ବ୍ୟକ୍ତି ବା ବସ୍ତୁର ଗୁଣ ଜଣାପଡ଼େ ତାହାକୁ ଗୁଣବାଚକ ଶବ୍ଦ କହନ୍ତି । ଯେଉଁ ଶବ୍ଦ ଦ୍ୱାରା ଜଣେ ବ୍ୟକ୍ତି ବା ବସ୍ତୁର ଦୋଷ ଜଣାପଡ଼େ ତାହାକୁ ଦୋଷବାଚକ ଶବ୍ଦ କହନ୍ତି । ଯେଉଁ ଶବ୍ଦ ଦ୍ୱାରା ଜଣେ ବ୍ୟକ୍ତି ବା ବସ୍ତୁର ଅବସ୍ଥା ଜଣାପଡ଼େ ତାହାକୁ ଅବସ୍ଥାବାଚକ ଶବ୍ଦ କହନ୍ତି ।

୯ ଯେଉଁ ଶବ୍ଦ ଦ୍ୱାରା ଜଣେ ବ୍ୟକ୍ତି ବା ବସ୍ତୁର ପରିମାଣ ଜଣାପଡ଼େ ତାହାକୁ ପରିମାଣବାଚକ ଶବ୍ଦ କହନ୍ତି । ଯେଉଁ ପରିମାଣବାଚକ ଶବ୍ଦ ଦ୍ୱାରା ଜଣେ ବ୍ୟକ୍ତି ବା ବସ୍ତୁର ପରିମାଣ ଠିକ୍ ଜଣାପଡ଼େ ତାହାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ପରିମାଣବାଚକ ଶବ୍ଦ କହନ୍ତି । ଯେଉଁ ପରିମାଣବାଚକ ଶବ୍ଦ ଦ୍ୱାରା ଜଣେ ବ୍ୟକ୍ତି ବା ବସ୍ତୁର ପରିମାଣ ଠିକ୍ ଜଣାପଡ଼େ ନାହିଁ ତାହାକୁ ଅନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ପରିମାଣବାଚକ ଶବ୍ଦ କହନ୍ତି ।

୧୦ ଯେଉଁ ଶବ୍ଦ ଦ୍ୱାରା ଜଣେ ବ୍ୟକ୍ତି ବା ବସ୍ତୁର ସଂଖ୍ୟା ଜଣାପଡ଼େ ତାହାକୁ ସଂଖ୍ୟାବାଚକ ଶବ୍ଦ କହନ୍ତି

Digitized by Google

11 ଆଉ ଯେଉଁ ଯେଉଁ ସ୍ଥାନରେ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଗ୍ରହଣ କରିବେ ନାହିଁ, ସେହି ସ୍ଥାନରୁ ବାହାରି ଯିବା ସମୟରେ ତୁମ୍ଭେମାନେ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ପାଦରୁ ଧୂଳି ଝାଡ଼ି ପକାଅ।

12 ମୁଁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ କହୁଛି ଯେ ବିଚାର ଦିନରେ ସଦୋମ ଓ ଗମୋରା ସହରର ଲୋକମାନଙ୍କ ପ୍ରତି ଯେଉଁ ଦଣ୍ଡ ହେବ, ସେହି ଦଣ୍ଡ ଏହି ସହରର ଲୋକମାନଙ୍କ ପ୍ରତି ହେବ।

13 ଧିକ୍ ଧିକ୍ ତୁମ୍ଭେ କୋରାସୀନ୍ ଓ ବେଥସୈଦା! ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଯେଉଁ ଯେଉଁ ଆଶ୍ଚର୍ଯ୍ୟ କାର୍ଯ୍ୟ କରାଯାଇଛି, ତାହା ସୋର ଓ ସୀଦୋନ୍ ସହରରେ କରାଯାଇଥିଲେ, ସେମାନେ ବହୁ ପୂର୍ବରୁ ଚଟ ପିନ୍ଧି ଓ ମସ୍ତକରେ ଧୂଳି ଦେଇ ମନ ପରିବର୍ତ୍ତନ କରିଥାନ୍ତେ।

14 ତଥାପି ବିଚାର ଦିନରେ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ପ୍ରତି ଯେଉଁ ଦଣ୍ଡ ହେବ, ତାହା ସୋର ଓ ସୀଦୋନ୍ ପ୍ରତି ହେବ।

15 ଆଉ ଧିକ୍ ତୁମ୍ଭେ କଫର୍ନାହୂମ୍! ତୁମ୍ଭେ କ'ଣ ସ୍ୱର୍ଗକୁ ଉନ୍ନୀତ ହେବ? ତୁମ୍ଭେ ପାତାଳକୁ ଓହ୍ଲାଇ ଯିବ।

Digitized by Google

16 ... **17** ... **18** ... **19** ... **20** ...

Digitized by Google

ಅವರು ಅವನ ಮಾತಿಗೆ ಒಪ್ಪಿಕೊಂಡರು; ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ಕರೆಯಿಸಿ ಹೊಡೆಯಿಸಿ ಯೇಸುವಿನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಮಾತನಾಡಬಾರದೆಂದು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿ ಅವರನ್ನು ಬಿಟ್ಟುಬಿಟ್ಟರು.

41 ಆಗ ಅವರು ಆ ಹೆಸರಿಗೋಸ್ಕರ ಅವಮಾನಹೊಂದುವದಕ್ಕೆ ಯೋಗ್ಯರೆಂದು ಎಣಿಸಲ್ಪಟ್ಟದ್ದಕ್ಕಾಗಿ ಸಂತೋಷಪಡುತ್ತಾ ಆಲೋಚನಾಸಭೆಯ ಮುಂದಿನಿಂದ ಹೊರಟುಹೋದರು.

42 ಅವರು ಪ್ರತಿದಿನವೂ ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿಯೂ ಮನೆಮನೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಉಪದೇಶಮಾಡುವದನ್ನೂ ಯೇಸುವೇ ಕ್ರಿಸ್ತನೆಂದು ಸಾರುವದನ್ನೂ ನಿಲ್ಲಿಸಲಿಲ್ಲ.

6 **1** ಆ ದಿವಸಗಳಲ್ಲಿ ಶಿಷ್ಯರ ಸಂಖ್ಯೆಯು ಹೆಚ್ಚಾಗುತ್ತಿರುವಾಗ ಗ್ರೀಕ್ ಭಾಷೆಯವರಾದ ಯೆಹೂದ್ಯರು ಇಬ್ರಿಯ ಭಾಷೆಯವರಾದ ಯೆಹೂದ್ಯರಿಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಗುಣುಗುಟ್ಟಿದರು; ಏಕೆಂದರೆ ಪ್ರತಿದಿನದ ಉಪಚಾರದಲ್ಲಿ ಅವರ ವಿಧವೆಯರು ಕಡೆಗಣಿಸಲ್ಪಟ್ಟರು.

2 ಆಗ ಹನ್ನೆರಡು ಮಂದಿ ಅಪೊಸ್ತಲರು ಶಿಷ್ಯರ ಸಮೂಹವನ್ನು ಕರೆಯಿಸಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ನಾವು ದೇವರ ವಾಕ್ಯವನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಊಟದ ಉಪಚಾರಮಾಡುವದು ಯುಕ್ತವಲ್ಲ.

3 ಆದಕಾರಣ ಸಹೋದರರೇ, ನೀವು ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನಿಂದಲೂ ಜ್ಞಾನದಿಂದಲೂ ತುಂಬಿದವರೂ ಒಳ್ಳೆಯ ಸಾಕ್ಷಿಯುಳ್ಳವರೂ ಆಗಿರುವ ಏಳು ಮಂದಿಯನ್ನು ನಿಮ್ಮಲ್ಲಿಂದ ಆರಿಸಿಕೊಳ್ಳಿರಿ; ಅವರನ್ನು ಈ ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ನೇಮಿಸೋಣ.

4 ನಾವಾದರೋ ಪ್ರಾರ್ಥನೆಯಲ್ಲಿಯೂ ವಾಕ್ಯದ ಸೇವೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಅಚಲರಾಗಿರುವೆವು ಎಂದು ಹೇಳಿದರು.

5 ಈ ಮಾತು ಸಮೂಹಕ್ಕೆಲ್ಲಾ ಸಮ್ಮತವಾಗಿ ತೋರಿತು. ಅವರು ವಿಶ್ವಾಸದಿಂದಲೂ ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನಿಂದಲೂ ತುಂಬಿದವನಾದ ಸ್ತೆಫನನೆಂಬವನನ್ನೂ ಫಿಲಿಪ್ಪ, ಪ್ರೊಖೋರ, ನಿಕಾನೋರ, ತಿಮೋನ, ಪರ್ಮೆನ, ಅಂತಿಯೋಕ್ಯದವನಾದ ನಿಕೊಲಾಯ ಎಂಬವರನ್ನೂ ಆರಿಸಿಕೊಂಡು

6 ಅಪೊಸ್ತಲರ ಮುಂದೆ ನಿಲ್ಲಿಸಿದರು. ಅವರು ಪ್ರಾರ್ಥನೆಮಾಡಿ ಅವರ ಮೇಲೆ ಕೈಗಳನ್ನಿಟ್ಟರು.

7 ಆಗ ದೇವರ ವಾಕ್ಯವು ಹಬ್ಬುತ್ತಾ ಹೋಯಿತು; ಯೆರೂಸಲೇಮಿನಲ್ಲಿ ಶಿಷ್ಯರ ಸಂಖ್ಯೆಯು ಬಹಳವಾಗಿ ಹೆಚ್ಚಾಯಿತು; ಯಾಜಕರಲ್ಲಿ ಬಹು ಜನರು ವಿಶ್ವಾಸಕ್ಕೆ ವಿಧೇಯರಾದರು.

8 ಸ್ತೆಫನನು ಕೃಪೆಯಿಂದಲೂ ಶಕ್ತಿಯಿಂದಲೂ ತುಂಬಿದವನಾಗಿ ಜನರಲ್ಲಿ ಮಹತ್ಕಾರ್ಯಗಳನ್ನೂ ಅದ್ಭುತಗಳನ್ನೂ ನಡಿಸುತ್ತಿದ್ದನು.

9 ಆಗ ಲಿಬರ್ತೀನರ ಸಭಾಮಂದಿರವೆಂದು ಕರೆಯಲ್ಪಡುವ ಸಭಾಮಂದಿರದವರಲ್ಲಿಯೂ ಕುರೇನ್ಯರಲ್ಲಿಯೂ ಅಲೆಕ್ಸಾಂದ್ರಿಯದವರಲ್ಲಿಯೂ ಕಿಲಿಕ್ಯ ಆಸ್ಯ ಪ್ರಾಂತ್ಯಗಳವರಲ್ಲಿಯೂ ಕೆಲವರು ಎದ್ದು ಸ್ತೆಫನನೊಂದಿಗೆ ವಾದಿಸಿದರು.

10 ಆದರೆ ಅವನು ಜ್ಞಾನದಿಂದಲೂ ಆತ್ಮನಿಂದಲೂ ಮಾತನಾಡುತ್ತಿದ್ದುದರಿಂದ ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಎದುರಾಡಲಾರದೆ ಹೋದರು.

11 ಆಗ ಅವರು ಅವನು ಮೋಶೆಗೂ ದೇವರಿಗೂ ವಿರೋಧವಾಗಿ ದೂಷಣೆಯ ಮಾತುಗಳನ್ನಾಡಿದ್ದನ್ನು ನಾವು ಕೇಳಿದೆವೆಂದು ಜನರಿಗೂ ಹಿರಿಯರಿಗೂ ಶಾಸ್ತ್ರಿಗಳಿಗೂ ಹೇಳಿ ಅವನ ಮೇಲೆ ಬಿದ್ದು ಅವನನ್ನು ಹಿಡಿದು ಆಲೋಚನಾಸಭೆಗೆ ತಂದು

12 ನಿಲ್ಲಿಸಿ ಸುಳ್ಳುಸಾಕ್ಷಿಗಳನ್ನು ಹಾಜರುಪಡಿಸಿದರು. ಅವರು ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಈ ಮನುಷ್ಯನು ಈ ಪವಿತ್ರಸ್ಥಳಕ್ಕೂ ಧರ್ಮಶಾಸ್ತ್ರಕ್ಕೂ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಮಾತನಾಡುವದನ್ನು ನಿಲ್ಲಿಸುವದಿಲ್ಲ.

13 ಏಕೆಂದರೆ ಅವನು ನಜರೇತಿನವನಾದ ಯೇಸು ಈ ಸ್ಥಳವನ್ನು ಕೆಡವಿಬಿಟ್ಟು ಮೋಶೆಯು ನಮಗೆ ಒಪ್ಪಿಸಿದ ಆಚಾರಗಳನ್ನು ಬದಲಾಯಿಸುವನು ಎಂದು ಹೇಳುವದನ್ನು ನಾವು ಕೇಳಿದೆವು.

14 ಆಲೋಚನಾಸಭೆಯಲ್ಲಿ ಕುಳಿತಿದ್ದವರೆಲ್ಲರು ಅವನ ಕಡೆಗೆ ದೃಷ್ಟಿಯಿಟ್ಟಾಗ ಅವನ ಮುಖವು ದೇವದೂತನ ಮುಖದಂತೆ ಕಾಣಿಸಿತು.

7 **1** ಆಗ ಮಹಾಯಾಜಕನು ಅವನಿಗೆ ಕೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಈ ಮಾತುಗಳು ಹೌದೋ ಅಲ್ಲವೋ?

2 ಅದಕ್ಕೆ ಅವನು ಉತ್ತರಕೊಟ್ಟದ್ದೇನಂದರೆ, ಸಹೋದರರೇ, ತಂದೆಗಳೇ, ಕೇಳಿರಿ. ನಮ್ಮ ತಂದೆಯಾದ ಅಬ್ರಹಾಮನು ಹಾರಾನಿನಲ್ಲಿ ವಾಸಮಾಡುವದಕ್ಕಿಂತ ಮುಂಚೆ ಮೆಸೊಪೊತಾಮ್ಯದಲ್ಲಿರುವಾಗ ಮಹಿಮೆಯ ದೇವರು ಅವನಿಗೆ ಕಾಣಿಸಿಕೊಂಡು

3 ನೀನು ನಿನ್ನ ದೇಶವನ್ನೂ ನಿನ್ನ ಬಂಧುಗಳನ್ನೂ ಬಿಟ್ಟು ನಾನು ನಿನಗೆ ತೋರಿಸುವ ದೇಶಕ್ಕೆ ಹೋಗು ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

4 ಆಗ ಅವನು ಕಸ್ದೀಯರ ದೇಶವನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಹಾರಾನಿನಲ್ಲಿ ವಾಸಮಾಡಿದನು. ಅವನ ತಂದೆಯು ಸತ್ತ ಮೇಲೆ ದೇವರು ಅವನನ್ನು ಅಲ್ಲಿಂದ ಈಗ ನೀವು ವಾಸಮಾಡುತ್ತಿರುವ ಈ ದೇಶಕ್ಕೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬಂದನು.

5 ಆದರೆ ಆತನು ಇಲ್ಲಿ ಅವನಿಗೆ ಒಂದು ಅಡಿಯಷ್ಟಾದರೂ ಸ್ವಾಸ್ತ್ಯವನ್ನು ಕೊಡಲಿಲ್ಲ; ಅವನಿಗೆ ಮಕ್ಕಳಿಲ್ಲದಿದ್ದಾಗಲೂ ಇದನ್ನು ಅವನಿಗೂ ಅವನ ಸಂತತಿಗೂ ಸ್ವಾಸ್ತ್ಯವಾಗಿ ಕೊಡುವೆನೆಂದು ವಾಗ್ದಾನಮಾಡಿದನು.

6 ಆತನು ಹೀಗೆ ಹೇಳಿದನು, ಅವನ ಸಂತತಿಯವರು ಪರದೇಶದಲ್ಲಿ ಪ್ರವಾಸಿಗಳಾಗಿರುವರು; ಅಲ್ಲಿಯವರು ಅವರನ್ನು ಗುಲಾಮರನ್ನಾಗಿ ಮಾಡಿಕೊಂಡು ನಾನೂರು ವರ್ಷ ಕಷ್ಟಪಡಿಸುವರು.

7 ಆದರೆ ಅವರು ಯಾವ ಜನಾಂಗಕ್ಕೆ ದಾಸರಾಗಿರುವರೋ ಆ ಜನಾಂಗವನ್ನು ನಾನು ನ್ಯಾಯತೀರಿಸುವೆನು; ಅದರ ತರುವಾಯ ಅವರು ಹೊರಟುಬಂದು ಈ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ನನ್ನನ್ನು ಸೇವಿಸುವರು ಎಂದು ದೇವರು ಹೇಳಿದನು.

8 ಆತನು ಅವನಿಗೆ ಸುನ್ನತಿಯ ಒಡಂಬಡಿಕೆಯನ್ನು ಕೊಟ್ಟನು. ಅವನು ಇಸಾಕನನ್ನು ಪಡೆದು ಎಂಟನೆಯ ದಿವಸದಲ್ಲಿ ಅವನಿಗೆ ಸುನ್ನತಿಮಾಡಿಸಿದನು. ಇಸಾಕನು ಯಾಕೋಬನನ್ನೂ ಯಾಕೋಬನು ಹನ್ನೆರಡು ಮಂದಿ ಪಿತೃಗಳನ್ನೂ ಪಡೆದರು.

9 ಆ ಪಿತೃಗಳು ಯೋಸೇಫನಿಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಮತ್ಸರಪಟ್ಟು ಅವನನ್ನು ಈಜಿಪ್ಟಿಗೆ ಮಾರಿಬಿಟ್ಟರು. ಆದರೆ ದೇವರು ಅವನೊಂದಿಗಿದ್ದು

10 ಅವನ ಎಲ್ಲಾ ಕಷ್ಟಗಳಿಂದ ಅವನನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಿ ಈಜಿಪ್ಟಿನ ಅರಸನಾದ ಫರೋಹನ ಮುಂದೆ ಅವನಿಗೆ ದಯೆಯೂ ಜ್ಞಾನವೂ ಕೊಟ್ಟನು. ಫರೋಹನು ಅವನನ್ನು ಈಜಿಪ್ಟಿಗೂ ತನ್ನ ಮನೆಯೆಲ್ಲಕ್ಕೂ ಅಧಿಪತಿಯಾಗಿ ನೇಮಿಸಿದನು.

11 ಆಗ ಈಜಿಪ್ಟ್ ದೇಶದಲ್ಲಿಯೂ ಕಾನಾನ್ ದೇಶದಲ್ಲಿಯೂ ಕ್ಷಾಮವುಂಟಾಗಿ ಮಹಾ ಸಂಕಟವಾಯಿತು; ನಮ್ಮ ಪಿತೃಗಳಿಗೆ ಆಹಾರವು ದೊರೆಯಲಿಲ್ಲ.

12 ಆದರೆ ಈಜಿಪ್ಟಿನಲ್ಲಿ ಧಾನ್ಯವಿದೆಯೆಂದು ಯಾಕೋಬನು ಕೇಳಿ ನಮ್ಮ ಪಿತೃಗಳನ್ನು ಮೊದಲನೆಯ ಸಾರಿ ಅಲ್ಲಿಗೆ ಕಳುಹಿಸಿದನು.

13 ಎರಡನೆಯ ಸಾರಿ ಯೋಸೇಫನು ತನ್ನ ಸಹೋದರರಿಗೆ ತನ್ನನ್ನು ತಿಳಿಯಪಡಿಸಿಕೊಂಡನು; ಯೋಸೇಫನ ಸಂಬಂಧವು ಫರೋಹನಿಗೆ ತಿಳಿದುಬಂತು.

14 ಆಗ ಯೋಸೇಫನು ಕಳುಹಿಸಿ ತನ್ನ ತಂದೆಯಾದ ಯಾಕೋಬನನ್ನೂ ತನ್ನ ಬಂಧುಗಳೆಲ್ಲರನ್ನೂ ಎಪ್ಪತ್ತೈದು ಮಂದಿಯಾಗಿದ್ದ ಅವರ ಕುಟುಂಬದವರನ್ನೂ ಕರೆಯಿಸಿಕೊಂಡನು.

15 ಯಾಕೋಬನು ಈಜಿಪ್ಟಿಗೆ ಹೋಗಿ ಅಲ್ಲಿ ತಾನೂ ನಮ್ಮ ಪಿತೃಗಳೂ ಸತ್ತರು.

16 ಅವರು ಶೆಕೆಮಿಗೆ ತರಲ್ಪಟ್ಟು ಅಬ್ರಹಾಮನು ಶೆಕೆಮಿನ ತಂದೆಯಾದ ಹಮೋರನ ಮಕ್ಕಳಿಂದ ಬೆಳ್ಳಿಗೆ ಕೊಂಡುಕೊಂಡ ಸಮಾಧಿಯಲ್ಲಿ ಇಡಲ್ಪಟ್ಟರು.

17 ಆದರೆ ದೇವರು ಅಬ್ರಹಾಮನಿಗೆ ಮಾಡಿದ ವಾಗ್ದಾನದ ಕಾಲವು ಸಮೀಪಿಸಿದಾಗ ಜನರು ಈಜಿಪ್ಟಿನಲ್ಲಿ ಅಭಿವೃದ್ಧಿಯಾಗಿ ಹೆಚ್ಚಿದರು.

18 ಆಗ ಯೋಸೇಫನನ್ನು ಅರಿಯದ ಬೇರೊಬ್ಬ ಅರಸನು ಈಜಿಪ್ಟಿನಲ್ಲಿ ಆಳಲಾರಂಭಿಸಿದನು.

19 ಅವನು ನಮ್ಮ ಜನಾಂಗದವರಿಗೆ ಕುಯುಕ್ತಿಯಿಂದ ವರ್ತಿಸಿ ಹಸುಗೂಸುಗಳು ಬದುಕದಂತೆ ಅವುಗಳನ್ನು ಹೊರಗೆ ಹಾಕಿಸಿಬಿಡುವಂತೆ ನಮ್ಮ ಪಿತೃಗಳನ್ನು ಬಾಧೆಪಡಿಸಿದನು.

20 ಆ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಮೋಶೆಯು ಹುಟ್ಟಿದನು. ಅವನು ದೇವರಿಗೆ ಮೆಚ್ಚಿಕೆಯಾಗಿದ್ದನು. ಅವನು ತಿಂಗಳು ಮೂರು ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಸಾಕಲ್ಪಟ್ಟನು.

21 ಬಳಿಕ ಅವನು ಹೊರಗೆ ಹಾಕಲ್ಪಟ್ಟಾಗ ಫರೋಹನ ಮಗಳು ಅವನನ್ನು ಎತ್ತಿಕೊಂಡು ತನಗೆ ಮಗನಾಗಿ ಸಾಕಿದಳು.

22 ಮೋಶೆಯು ಈಜಿಪ್ಟಿನವರ ಎಲ್ಲಾ ವಿದ್ಯೆಯಲ್ಲಿ ಶಿಕ್ಷಿತನಾಗಿ ಮಾತಿನಲ್ಲಿಯೂ ಕೃತಿಯಲ್ಲಿಯೂ ಸಮರ್ಥನಾಗಿದ್ದನು.

23 ಅವನಿಗೆ ನಲವತ್ತು ವರ್ಷ ಪ್ರಾಯವಾದಾಗ ಅವನು ತನ್ನ ಸಹೋದರರಾದ ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರನ್ನು ಸಂದರ್ಶಿಸಬೇಕೆಂಬ ಮನಸ್ಸುಳ್ಳವನಾದನು.

24 ಆಗ ಅವನು ಒಬ್ಬನಿಗೆ ಅನ್ಯಾಯವಾಗುತ್ತಿರುವದನ್ನು ಕಂಡು ಅವನಿಗೆ ಸಹಾಯಮಾಡಿ ಐಗುಪ್ತನನ್ನು ಹೊಡೆದು ಬಡಿದು ಕೊಂದುಹಾಕಿ ಅವನಿಗೆ ಮುಯ್ಯಿತೀರಿಸಿದನು.

25 ಆದರೆ ತನ್ನ ಸಹೋದರರು ತನ್ನ ಕೈಯಿಂದ ದೇವರು ತಮಗೆ ರಕ್ಷಣೆಯನ್ನು ಕೊಡುವನೆಂದು ತಿಳಿದುಕೊಳ್ಳುವರೆಂದು ಅವನು ಎಣಿಸಿದನು; ಆದರೆ ಅವರು ತಿಳಿದುಕೊಳ್ಳಲಿಲ್ಲ.

26 ಮರುದಿವಸ ಅವರಲ್ಲಿ ಇಬ್ಬರು ಜಗಳವಾಡುತ್ತಿರುವಾಗ ಅವನು ಅವರ ಬಳಿಗೆ ಬಂದು ಸಮಾಧಾನಪಡಿಸಿ ಅವರು ಸಹೋದರರಾಗಿರುವದರಿಂದ ಒಬ್ಬರಿಗೊಬ್ಬರು ಅನ್ಯಾಯಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಬಾರದೆಂದು ಹೇಳಿದನು.

Digitized by Google

ಸಿಕ್ಕಿದ್ದರಿಂದ ಅವನು ಅವಳನ್ನು ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗಿ ಅವಳೊಂದಿಗೆ ಮಲಗಿದನು. ಅವಳು ಅವನಿಗೆ ಗರ್ಭವತಿಯಾಗಿ ಒಬ್ಬ ಮಗನನ್ನು ಹೆತ್ತಳು. ಅವನಿಗೆ ಯೆಹೋವನು ಓನಾನ್ ಎಂಬ ಹೆಸರಿಟ್ಟನು.

5 ಅವಳು ಮತ್ತೆ ಗರ್ಭವತಿಯಾಗಿ ಒಬ್ಬ ಮಗನನ್ನು ಹೆತ್ತಳು. ಅವನಿಗೆ ಶೇಲಹ್ ಎಂಬ ಹೆಸರಿಟ್ಟಳು. ಅವಳು ಅವನನ್ನು ಹೆತ್ತಾಗ ಯೆಹೂದನು ಕೆಜೀಬ್ ಎಂಬ ಊರಿನಲ್ಲಿದ್ದನು.

6 ಯೆಹೂದನು ತನ್ನ ಚೊಚ್ಚಲ ಮಗನಾದ ಏರನಿಗೆ ತಾಮಾರ್ ಎಂಬ ಹೆಣ್ಣನ್ನು ತಂದನು. **7** ಆದರೆ ಏರನು ಯೆಹೋವನ ದೃಷ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ಕೆಟ್ಟವನಾಗಿದ್ದನು. ಆದ್ದರಿಂದ ಯೆಹೋವನು ಅವನನ್ನು ಕೊಂದುಬಿಟ್ಟನು. **8** ಆಗ ಯೆಹೂದನು ಓನಾನನಿಗೆ "ನೀನು ನಿನ್ನ ಅಣ್ಣನ ಹೆಂಡತಿಯೊಂದಿಗೆ ಮಲಗಿ ಅವಳನ್ನು ಮದುವೆಯಾಗಿ ನಿನ್ನ ಅಣ್ಣನಿಗೆ ಸಂತಾನವನ್ನು ಕೊಡು" ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. **9** ಆದರೆ ಓನಾನನು ಆ ಸಂತಾನ ತನ್ನದಾಗುವುದಿಲ್ಲವೆಂದು ತಿಳಿದಿದ್ದನು. ಆದ್ದರಿಂದ ಅವನು ತನ್ನ ಅಣ್ಣನ ಹೆಂಡತಿಯೊಂದಿಗೆ ಮಲಗಿದಾಗಲೆಲ್ಲಾ ತನ್ನ ಅಣ್ಣನಿಗೆ ಸಂತಾನ ಆಗದಂತೆ ತಡೆಯಲು ಅವಳೊಂದಿಗೆ ಮಲಗುವಾಗ ತನ್ನ ವೀರ್ಯವನ್ನು ನೆಲದ ಮೇಲೆ ಚೆಲ್ಲಿಬಿಡುತ್ತಿದ್ದನು. **10** ಓನಾನನು ಮಾಡಿದ ಈ ಕೆಲಸ ಯೆಹೋವನ ದೃಷ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ಕೆಟ್ಟದ್ದಾಗಿತ್ತು. ಆದ್ದರಿಂದ ಯೆಹೋವನು ಅವನನ್ನೂ ಕೊಂದುಬಿಟ್ಟನು. **11** ಆಗ ಯೆಹೂದನು ತಾಮಾರಳಿಗೆ "ನೀನು ನಿನ್ನ ತಂದೆಯ ಮನೆಗೆ ಹೋಗಿ ನನ್ನ ಮಗ ಶೇಲಹ್ ದೊಡ್ಡವನಾಗುವವರೆಗೆ ವಿಧವೆಯಾಗಿ ಅಲ್ಲಿಯೇ ಇರು" ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. ಏಕೆಂದರೆ ಶೇಲಹ್ ಕೂಡ ತನ್ನ ಅಣ್ಣಂದಿರಂತೆ ಸತ್ತುಹೋಗಬಹುದೆಂದು ಅವನು ಯೋಚಿಸಿದನು. ಆದ್ದರಿಂದ ತಾಮಾರಳು ತನ್ನ ತಂದೆಯ ಮನೆಗೆ ಹೋಗಿ ಅಲ್ಲಿಯೇ ಇದ್ದಳು.

12 ಬಹಳ ಕಾಲವಾದ ಮೇಲೆ ಶೂವನ ಮಗಳಾದ ಯೆಹೂದನ ಹೆಂಡತಿ ಸತ್ತುಹೋದಳು. ಅವಳ ದುಃಖ ಮುಗಿದ ಮೇಲೆ ಯೆಹೂದನು ತನ್ನ ಸ್ನೇಹಿತನಾದ ಹೀರಾಹನೊಂದಿಗೆ ತಿಮ್ನಾಕ್ಕೆ ಹೋಗಿ ತನ್ನ ಕುರಿಗಳ ಉಣ್ಣೆಯನ್ನು ಕತ್ತರಿಸುವವರ ಬಳಿಗೆ ಹೋದನು. **13** ಯೆಹೂದನು ತಿಮ್ನಾಕ್ಕೆ ಹೋಗುತ್ತಿದ್ದಾನೆಂಬ ಸುದ್ದಿ ತಾಮಾರಳಿಗೆ ತಿಳಿಯಿತು. **14** ಆಗ ಅವಳು ತನ್ನ ವಿಧವೆಯ ಉಡುಪನ್ನು ತೆಗೆದು ಮುಸುಕು ಹಾಕಿಕೊಂಡು ಮತ್ತು ಮೈಮುಚ್ಚಿಕೊಂಡು ತಿಮ್ನಾಕ್ಕೆ ಹೋಗುವ ದಾರಿಯಲ್ಲಿರುವ ಏನಯಿಮ್ ಪಟ್ಟಣದ ಬಾಗಿಲಿನ ಬಳಿ ಕುಳಿತುಕೊಂಡಳು. ಶೇಲಹ್ ದೊಡ್ಡವನಾಗಿದ್ದರೂ ಅವನಿಗೆ ಅವಳನ್ನು ಕೊಡಲಿಲ್ಲವೆಂಬುದು ಅವಳಿಗೆ ತಿಳಿದಿತ್ತು. **15** ಯೆಹೂದನು ಅವಳನ್ನು ನೋಡಿದಾಗ ಅವಳು ಮುಸುಕು ಹಾಕಿಕೊಂಡಿದ್ದರಿಂದ ಅವಳು ವೇಶ್ಯೆಯೆಂದು ಭಾವಿಸಿದನು. **16** ಅವನು ಅವಳ ಬಳಿಗೆ ಹೋಗಿ "ನಾನು ನಿನ್ನೊಂದಿಗೆ ಮಲಗಲು ಬಯಸುತ್ತೇನೆ" ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. ಅವಳು ತನ್ನ ಸೊಸೆಯೆಂದು ಅವನಿಗೆ ತಿಳಿದಿರಲಿಲ್ಲ. ಅವಳು "ನೀನು ನನ್ನೊಂದಿಗೆ ಮಲಗಿದರೆ ನನಗೆ ಏನು ಕೊಡುವೆ?" ಎಂದು ಕೇಳಿದಳು. **17** ಅವನು "ನಾನು ನಿನಗೆ ಒಂದು ಆಡಿನ ಮರಿಯನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಡುತ್ತೇನೆ" ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. ಅವಳು "ನೀನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಡುವವರೆಗೆ ನನಗೆ ಏನಾದರೂ ಒತ್ತೆ ಕೊಡು" ಎಂದು ಕೇಳಿದಳು. **18** ಅವನು "ನಾನು ನಿನಗೆ ಏನು ಒತ್ತೆ ಕೊಡಲಿ?" ಎಂದು ಕೇಳಿದನು. ಅವಳು "ನಿನ್ನ ಮುದ್ರೆಯುಂಗುರ, ಕೊರಳಪಟ್ಟಿ ಮತ್ತು ಕೈಯಲ್ಲಿರುವ ಕೋಲು ಇವುಗಳನ್ನು ಒತ್ತೆ ಕೊಡು" ಎಂದು ಹೇಳಿದಳು. ಆಗ ಅವನು ಅವುಗಳನ್ನು ಅವಳಿಗೆ ಒತ್ತೆ ಕೊಟ್ಟು ಅವಳೊಂದಿಗೆ ಮಲಗಿದನು. ಅವಳು ಅವನಿಗೆ ಗರ್ಭವತಿಯಾದಳು. **19** ಅವಳು ಅಲ್ಲಿಂದ ಎದ್ದು ಹೊರಟುಹೋಗಿ ತನ್ನ ಮುಸುಕನ್ನು ತೆಗೆದು ವಿಧವೆಯ ಉಡುಪನ್ನು ಧರಿಸಿಕೊಂಡಳು. **20** ಯೆಹೂದನು ಆ ಸ್ತ್ರೀಯ ಬಳಿಗೆ ಒತ್ತೆಯನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಡಲು ತನ್ನ ಸ್ನೇಹಿತನಾದ ಹೀರಾಹನ ಕೈಯಲ್ಲಿ ಆಡಿನ ಮರಿಯನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿದನು. ಆದರೆ ಹೀರಾಹನಿಗೆ ಆ ಸ್ತ್ರೀ ಸಿಗಲಿಲ್ಲ. **21** ಅವನು ಅಲ್ಲಿಯ ಜನರಿಗೆ "ಏನಯಿಮ್ ಪಟ್ಟಣದ ದಾರಿಯಲ್ಲಿ ಕುಳಿತಿದ್ದ ವೇಶ್ಯೆ ಎಲ್ಲಿದ್ದಾಳೆ?" ಎಂದು ಕೇಳಿದನು. ಅವರು "ಇಲ್ಲಿ ಯಾವ ವೇಶ್ಯೆಯೂ ಇಲ್ಲ" ಎಂದು ಹೇಳಿದರು. **22** ಆಗ ಅವನು ಯೆಹೂದನ ಬಳಿಗೆ ಹಿಂತಿರುಗಿ ಬಂದು "ನನಗೆ ಆ ಸ್ತ್ರೀ ಸಿಗಲಿಲ್ಲ. ಅಲ್ಲಿಯ ಜನರು ಕೂಡ 'ಅಲ್ಲಿ ಯಾವ ವೇಶ್ಯೆಯೂ ಇಲ್ಲ' ಎಂದು ಹೇಳಿದರು" ಎಂದನು.

23 ಯೆಹೂದನು "ಅವಳು ಸಿಗದಿದ್ದರೆ ಸಿಗಲಿ. ಅವಳಿಗೆ ಒತ್ತೆ ಕೊಟ್ಟ ಆಡಿನ ಮರಿಯನ್ನು ನಾನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಟ್ಟೆ. ನೀನು ಅವಳನ್ನು ಹುಡುಕಿದರೂ ಸಿಗಲಿಲ್ಲ. ಆದ್ದರಿಂದ ಅವಳು ಅದನ್ನು ಇಟ್ಟುಕೊಳ್ಳಲಿ. ನಾವು ಇನ್ನು ಮುಂದೆ ಅವಳನ್ನು ಹುಡುಕಲು ಹೋಗಬೇಡ. ಹೋದರೆ ನಮಗೆ ಅವಮಾನವಾಗುತ್ತದೆ" ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

24 ಸುಮಾರು ಮೂರು ತಿಂಗಳಾದ ಮೇಲೆ ಯೆಹೂದನಿಗೆ "ನಿನ್ನ ಸೊಸೆ ತಾಮಾರಳು ವೇಶ್ಯೆಯಾಗಿ ಗರ್ಭವತಿಯಾಗಿದ್ದಾಳೆ" ಎಂಬ ಸುದ್ದಿ ತಿಳಿಯಿತು. ಆಗ ಯೆಹೂದನು "ಅವಳನ್ನು ಹೊರಗೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬನ್ನಿ. ಅವಳನ್ನು ಸುಟ್ಟುಬಿಡಿ" ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. **25** ಅವಳನ್ನು ಹೊರಗೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬಂದಾಗ ಅವಳು ತನ್ನ ಮಾವನಿಗೆ "ಈ ವಸ್ತುಗಳ ಒಡೆಯನಿಂದ ನಾನು ಗರ್ಭವತಿಯಾಗಿದ್ದೇನೆ. ಈ ಮುದ್ರೆಯುಂಗುರ, ಕೊರಳಪಟ್ಟಿ ಮತ್ತು ಕೋಲು ಯಾರದೆಂದು ನೋಡಿ ತಿಳಿಸಿ" ಎಂದು ಹೇಳಿ ಅವುಗಳನ್ನು ಅವನಿಗೆ ತೋರಿಸಿದಳು. **26** ಯೆಹೂದನು ಅವುಗಳನ್ನು ನೋಡಿ "ನಾನು ಶೇಲಹ್‌ನನ್ನು ನಿನಗೆ ಕೊಡಲಿಲ್ಲವಾದ್ದರಿಂದ ನಾನೇ ಇದಕ್ಕೆ ಕಾರಣ. ಅವಳು ನನಗಿಂತ ಒಳ್ಳೆಯವಳು" ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. ಆಮೇಲೆ ಅವನು ಅವಳೊಂದಿಗೆ ಮತ್ತೆ ಮಲಗಲಿಲ್ಲ.

27 ಹೆರಿಗೆಯ ಸಮಯ ಬಂದಾಗ ಅವಳ ಗರ್ಭದಲ್ಲಿ ಅವಳಿ ಮಕ್ಕಳಿರುವುದು ತಿಳಿಯಿತು. **28** ಅವಳು ಹೆರುವಾಗ ಒಂದು ಮಗು ಕೈ ಹೊರಚಾಚಿತು. ಆಗ ಸೂಲಗಿತ್ತಿಯು ಕೆಂಪು ದಾರವನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಆ ಮಗುವಿನ ಕೈಗೆ ಕಟ್ಟಿ "ಇವನು ಮೊದಲು ಹುಟ್ಟಿದವನು" ಎಂದು ಹೇಳಿದಳು. **29** ಆದರೆ ಆ ಮಗು ಕೈಯನ್ನು ಒಳಗೆ ಎಳೆದುಕೊಂಡಿತು. ಆಗ ಇನ್ನೊಂದು ಮಗು ಹೊರಬಂದಿತು. ಆಗ ಸೂಲಗಿತ್ತಿಯು "ನೀನು ಹೊರಬರಲು ಎಷ್ಟು ಆತುರಪಟ್ಟೆ!" ಎಂದು ಹೇಳಿ ಅವನಿಗೆ ಪೆರೆಚ್ ಎಂಬ ಹೆಸರಿಟ್ಟಳು. **30** ಆಮೇಲೆ ಕೆಂಪು ದಾರವಿದ್ದ ಮಗು ಹೊರಬಂದಿತು. ಅವನಿಗೆ ಜೆರಹ್ ಎಂಬ ಹೆಸರಿಟ್ಟರು.

31 ಯೋಸೇಫನನ್ನು ಫರೋಹನ ಅಂಗರಕ್ಷಕರ ಅಧಿಪತಿಯಾದ ಪೋಟೀಫರನು ಇಷ್ಮಾಯೇಲ್ಯರಿಂದ ಕೊಂಡುಕೊಂಡಿದ್ದನು. ಇಷ್ಮಾಯೇಲ್ಯರು ಯೋಸೇಫನನ್ನು ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗಿದ್ದರು. ಪೋಟೀಫರನು ಈಜಿಪ್ಟಿನವನಾಗಿದ್ದನು. **32** ಇಷ್ಮಾಯೇಲ್ಯರು ಯೋಸೇಫನನ್ನು ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗಿದ್ದರು. ಪೋಟೀಫರನು ಈಜಿಪ್ಟಿನವನಾಗಿದ್ದನು.

Digitized by Google

33 ಯಾರು ಅವನ ಮಾತನ್ನು ಒಪ್ಪಿಕೊಂಡಿದ್ದಾರೆ ಅವರು ದೇವರು ಸತ್ಯವಂತನೆಂದು ಮುದ್ರೆಯೊತ್ತಿದ್ದಾರೆ.

34 ಯಾಕಂದರೆ ದೇವರು ಕಳುಹಿಸಿದವನು ದೇವರ ಮಾತುಗಳನ್ನೇ ಆಡುತ್ತಾನೆ. ಆತನಿಗೆ ದೇವರು ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನನ್ನು ಪೂರ್ಣವಾಗಿ ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾರೆ.

35 ತಂದೆಯು ಮಗನನ್ನು ಪ್ರೀತಿಸುತ್ತಾನೆ. ತಂದೆಯು ಎಲ್ಲವನ್ನೂ ಮಗನ ಕೈಯಲ್ಲಿ ಒಪ್ಪಿಸಿದ್ದಾನೆ.

36 ಮಗನಲ್ಲಿ ನಂಬಿಕೆಯಿಡುವವನಿಗೆ ನಿತ್ಯಜೀವವಿದೆ. ಮಗನಿಗೆ ವಿಧೇಯನಾಗದವನು ಜೀವವನ್ನು ಕಾಣುವುದಿಲ್ಲ. ಅವನ ಮೇಲೆ ದೇವರ ಕೋಪವಿರುತ್ತದೆ.

೬

1 ಇದಾದ ಮೇಲೆ ಯೇಸು ಗಲಿಲಾಯ ಸರೋವರವನ್ನು ದಾಟಿ ಹೋದನು. (ಇದಕ್ಕೆ ತಿಬೇರಿಯ ಸರೋವರವೆಂಬ ಹೆಸರೂ ಉಂಟು.)

2 ಯೇಸು ರೋಗಿಗಳನ್ನು ಗುಣಪಡಿಸಿದ ಅದ್ಭುತಕಾರ್ಯಗಳನ್ನು ಕಂಡ ಜನರ ದೊಡ್ಡ ಗುಂಪು ಆತನನ್ನು ಹಿಂಬಾಲಿಸಿತು.

3 ಯೇಸು ಬೆಟ್ಟವನ್ನು ಹತ್ತಿ ಹೋಗಿ ತನ್ನ ಶಿಷ್ಯರೊಂದಿಗೆ ಕುಳಿತುಕೊಂಡನು.

Digitized by Google

ಕಾಲಕ್ಕೆ ಮಾಡಿದ ಪಾಪಗಳಿಗೆ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವಾಗಿ

13 ... ...

15 ...

16 ...

17 ...

18 ...

19 ...

20 ...

Digitized by Google

21 ... ...

27 ושני שהם שנים עשר (שנים עשר) שבטי ישראל: שהם שנים עשר
שבטים: שהם שנים עשר אבנים: שהם שנים עשר חדשים: שהם שנים
עשר מזלות: שהם שנים עשר מיני אבנים טובות: שהם שנים עשר
שמות שנים עשר שבטים שנים עשר חדשים שנים עשר מזלות שנים
עשר מיני אבנים טובות שנים עשר שמות: ׃

28 ואז ויהי אחר שנעשה החושן: ויעשו על החושן שרשרות גבלת
מעשה עבות זהב טהור: ויעשו שתי טבעות זהב ויתן את שתי
הטבעות על שני קצות החושן: ויתן את שתי עבותות הזהב על
שתי הטבעות אל קצות החושן: ואת שתי קצות שתי העבותות
נתן על שתי המשבצות ונתן על כתפות האפוד אל מול פניו: ׃

29 ועשו חשן המשפט מעשה חשב כמעשה אפוד יעשנו זהב תכלת
וארגמן ותולעת שני ושש משזר: ויהי רבוע כפול ויהי כפול
אורכו וזרתו רחבו: ומלאת בו מלאת אבני שבץ ארבעה טורי
אבן טור אדם פטדה וברקת טור הזה: ויהי הטור השני נפך
ספיר ויהלם: ויהי הטור השלישי לשם שבו ואחלמה: ויהי הטור
הרביעי תרשיש שהם שנים עשר חדשים שנים עשר מזלות שנים
עשר מיני אבנים טובות שנים עשר שמות שנים עשר שבטים
שנים עשר חדשים שנים עשר מזלות שנים עשר מיני אבנים
טובות שנים עשר שמות: ׃

30 ואז ויעשו על החושן שרשרות גבלת מעשה עבות זהב טהור:
ויעשו שתי טבעות זהב ויתן את שתי הטבעות על שני קצות
החושן: ויתן את שתי עבותות הזהב על שתי הטבעות אל קצות
החושן: ואת שתי קצות שתי העבותות נתן על שתי המשבצות
ונתן על כתפות האפוד אל מול פניו: ׃

Digitized by Google

೧೦

1 ಅನಂತರ ಅರಸನಾದ ಅಹಷ್ವೇರೋಷನು ಭೂಮಿಗೂ ಸಮುದ್ರದ ದ್ವೀಪಗಳಿಗೂ ಕಪ್ಪವನ್ನು ವಿಧಿಸಿದನು.
2 ಅವನ ಪರಾಕ್ರಮದ ಕಾರ್ಯಗಳೂ ಮೊರ್ದೆಕೈಯನ್ನು ಅವನು ಮಹತ್ತಾಗಿ ಮಾಡಿದ ಮಹಿಮೆಯೂ ಮೇದ್ಯ ಪಾರಸಿಯ ಅರಸುಗಳ ಚರಿತ್ರೆಯ ಪುಸ್ತಕದಲ್ಲಿ ಬರೆದಿವೆಯಲ್ಲವೇ?
3 ಯೆಹೂದ್ಯನಾದ ಮೊರ್ದೆಕೈಯು ಅಹಷ್ವೇರೋಷ ಅರಸನಿಗೆ ದ್ವಿತೀಯನಾಗಿದ್ದು ಯೆಹೂದ್ಯರಲ್ಲಿ ಮಹಾ ಪ್ರಸಿದ್ಧನಾಗಿಯೂ ತನ್ನ ಸಹೋದರರಲ್ಲಿ ಬಹು ಜನರಿಗೆ ಪ್ರಿಯನಾಗಿಯೂ ಇದ್ದನು; ಅವನು ತನ್ನ ಜನರ ಕ್ಷೇಮವನ್ನು ಹುಡುಕಿ ತನ್ನ ಸಂತತಿಯವರೆಲ್ಲರಿಗೆ ಸಮಾಧಾನವನ್ನು ಉಂಟುಮಾಡಿದನು.

4 ಮೊರ್ದೆಕೈಯು ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ — ಇವು ದೇವರಿಂದ ಆದ ಕಾರ್ಯಗಳು. ನಾನು ಕನಸಿನಲ್ಲಿ ಕಂಡ ಸಂಗತಿಗಳಲ್ಲಿ ಇವುಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದಾದರೂ ಸಂಭವಿಸದೆ ಹೋಗಲಿಲ್ಲ. ಇಗೋ, ಚಿಕ್ಕ ಬುಗ್ಗೆಯು ದೊಡ್ಡ ಹೊಳೆಯಾಗಿ ಬೆಳೆದು ಬಹಳ ನೀರಿನಿಂದ ತುಂಬಿ ಹರಿಯಿತು. ಅದು ಬೆಳಕು, ಸೂರ್ಯನು, ಬಹಳ ನೀರು ಎಂಬ ಎಸ್ತೇರಳೇ. ಅರಸನು ಅವಳನ್ನು ಮದುವೆಮಾಡಿಕೊಂಡು ಅವಳನ್ನು ರಾಣಿಯನ್ನಾಗಿ ಮಾಡಿದನು.

5 ಮತ್ತು ಮೊರ್ದೆಕೈಯು ಅರಸನ ಆಸ್ಥಾನದಲ್ಲಿ ಇದ್ದ ಹಾಮಾನ್, ಬಿಗ್ತಾನ, ತೆರೆಷ ಎಂಬ ಇಬ್ಬರು ಅರಸನ ಕಂಚುಕಿಗಳು ಮಾಡಿದ ಆಲೋಚನೆಯನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರ ಉದ್ದೇಶವನ್ನು ತಿಳಿದುಕೊಂಡನು.

6 ಮೊರ್ದೆಕೈಯು ಅರಸನ ಆಸ್ಥಾನದಲ್ಲಿ ಇದ್ದ ಹಾಮಾನ್, ಬಿಗ್ತಾನ, ತೆರೆಷ ಎಂಬ ಇಬ್ಬರು ಅರಸನ ಕಂಚುಕಿಗಳು ಮಾಡಿದ ಆಲೋಚನೆಯನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರ ಉದ್ದೇಶವನ್ನು ತಿಳಿದುಕೊಂಡನು. ಅವರು ಅರಸನಾದ ಅಹಷ್ವೇರೋಷನ ಮೇಲೆ ಕೈಹಾಕಲು ಹವಣಿಸುತ್ತಿದ್ದರು. ಆದ್ದರಿಂದ ಮೊರ್ದೆಕೈಯು ಅರಸನಿಗೆ ಅವರ ವಿಷಯವಾಗಿ ತಿಳಿಸಿದನು. ಅರಸನು ಅವರನ್ನು ವಿಚಾರಿಸಿ ಅವರು ಅಪರಾಧಿಗಳೆಂದು ಕಂಡುಕೊಂಡು ಅವರನ್ನು ಗಲ್ಲಿಗೆ ಹಾಕಿಸಿದನು. ಮೊರ್ದೆಕೈಯು ಈ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಬರೆಯಿಸಿ ಅರಸನಿಗೆ ಕಳುಹಿಸಿದನು.

Digitized by Google

೭ ಬಹಳ ವಾದವಿವಾದವಾದ ಮೇಲೆ ಪೇತ್ರನು ಎದ್ದು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಸಹೋದರರೇ, ನಾನು ಅನ್ಯಜನರು ನನ್ನ ಬಾಯಿಂದ ಸುವಾರ್ತೆಯ ವಾಕ್ಯವನ್ನು ಕೇಳಿ ವಿಶ್ವಾಸಿಗಳಾಗಬೇಕೆಂದು ಬಹಳ ದಿವಸಗಳ ಹಿಂದೆ ನಿಮ್ಮಲ್ಲಿ ದೇವರು ನನ್ನನ್ನು ಆರಿಸಿಕೊಂಡಿದ್ದಾನೆಂಬದು ನಿಮಗೆ ತಿಳಿದಿದೆ.

೮ ಮತ್ತು ಹೃದಯಗಳನ್ನು ಬಲ್ಲ ದೇವರು ಅವರಿಗೆ ನಮ್ಮಂತೆಯೇ ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನನ್ನು ಕೊಟ್ಟು ಅವರಿಗೆ ಸಾಕ್ಷಿಯಾಗಿದ್ದಾನೆ. ೯ ಆತನು ನಮಗೂ ಅವರಿಗೂ ಯಾವ ಭೇದವನ್ನೂ ಮಾಡದೆ ನಂಬಿಕೆಯಿಂದ ಅವರ ಹೃದಯಗಳನ್ನು ಶುದ್ಧಮಾಡಿದ್ದಾನೆ.

೧೦ ಹೀಗಿರಲಾಗಿ ಶಿಷ್ಯರ ಕುತ್ತಿಗೆಯ ಮೇಲೆ ನಮ್ಮ ಪಿತೃಗಳಿಗಾಗಲಿ ನಮಗಾಗಲಿ ಹೊರಲಾರದ ನೊಗವನ್ನು ಇಡುವದರಿಂದ ದೇವರನ್ನು ಈಗ ಏಕೆ ಪರೀಕ್ಷಿಸುತ್ತೀರಿ? ೧೧ ಕರ್ತನಾದ ಯೇಸುವಿನ ಕೃಪೆಯಿಂದಲೇ ನಾವು ರಕ್ಷಣೆ ಹೊಂದುವೆವೆಂದು ನಂಬಿದ್ದೇವೆ; ಅವರೂ ಹಾಗೆಯೇ ನಂಬಿದ್ದಾರೆ.

೧೨ ಆಗ ಜನರೆಲ್ಲರು ಸುಮ್ಮನಿದ್ದು ಬಾರ್ನಬನು ಮತ್ತು ಪೌಲನು ಅನ್ಯಜನರಲ್ಲಿ ದೇವರು ತಮ್ಮ ಮುಖಾಂತರ ಮಾಡಿದ ಸೂಚಕಕಾರ್ಯಗಳನ್ನೂ ಅದ್ಭುತಗಳನ್ನೂ ವಿವರಿಸುವದನ್ನು ಕೇಳಿದರು.

೧೩ ಅವರು ಮಾತಾಡಿದ ಮೇಲೆ ಯಾಕೋಬನು ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ,

Digitized by Google

ಮಾಡಿದ್ದಾನೆ; ಅವನ ಕೆಲಸಗಳೆಲ್ಲಾ ಆದಿಯಿಂದ ಆತನಿಗೆ ತಿಳಿದಿವೆ. ಆತನು ಈ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಹೇಳಿದ ಮೇಲೆ ಅವರಿಗೆ ಹೀಗೆ ಹೇಳಿದನು: ಸಹೋದರರೇ, ನನ್ನ ಮಾತನ್ನು ಕೇಳಿರಿ.

14 ಸಿಮೆಯೋನನು ದೇವರು ಮೊದಲು ಅನ್ಯಜನರನ್ನು ಸಂದರ್ಶಿಸಿ ತಮ್ಮ ಹೆಸರಿಗಾಗಿ ಅವರೊಳಗಿಂದ ಜನರನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವ ಪ್ರಕಾರವನ್ನು ತಿಳಿಸಿದ್ದಾನೆ.

15 ಇದಕ್ಕೆ ಪ್ರವಾದಿಗಳ ಮಾತುಗಳು ಒಪ್ಪಿಗೆಯಾಗಿವೆ. ಅವು ಹೀಗೆ ಬರೆದಿವೆ:

16 ಇದಾದ ಮೇಲೆ ನಾನು ತಿರುಗಿ ಬಂದು
ಬಿದ್ದುಹೋಗಿರುವ ದಾವೀದನ ಗುಡಾರವನ್ನು ಕಟ್ಟುವೆನು;
ಅದರ ಹಾಳುಬಿದ್ದ ಸ್ಥಳಗಳನ್ನು ಪುನಃ ಕಟ್ಟಿಸಿ
ಅದನ್ನು ಎತ್ತಿ ನಿಲ್ಲಿಸುವೆನು.

17 ಉಳಿದಿರುವ ಮನುಷ್ಯರು ಕರ್ತನನ್ನು ಹುಡುಕಲಿ,
ನನ್ನ ಹೆಸರಿಟ್ಟಿರುವ ಅನ್ಯಜನರೆಲ್ಲರು ಹುಡುಕಲಿ
ಎಂದು ಕರ್ತನು ಹೇಳುತ್ತಾನೆ.

18 ಇವುಗಳನ್ನು ಪುರಾತನಕಾಲದಿಂದ ತಿಳಿಸಿರುವವನು ಆತನೇ.

19 ಆದಕಾರಣ ನಾನು ದೇವರ ಕಡೆಗೆ ತಿರುಗಿಕೊಳ್ಳುವ ಅನ್ಯಜನರಿಗೆ ತೊಂದರೆ

Digitized by Google

20 ... **21** ... **22** ... **23** ...

Digitized by Google

... ...

30 ထိုအခါ ဟောင်းလေးသောကမ္ဘာတရားစီရင်ခြင်းခံရသော ကမ္ဘာဟောင်းကို ဖျက်ဆီးခြင်းငှာ ဘုရားသခင်သည် ရေလွှမ်းမိုးစေတော်မူသည်ဖြစ်၍ ယခုကမ္ဘာသစ်ကို ဖျက်ဆီးခြင်းငှာ ဘုရားသခင်သည် မီးကိုသုံးတော်မူမည်ဖြစ်၏။ ထိုကမ္ဘာဟောင်းသည် ရေလွှမ်းမိုးခြင်းခံရသော်လည်း ပျက်စီးခြင်းမရှိသကဲ့သို့ ယခုကမ္ဘာသစ်သည်လည်း မီးလောင်ခြင်းခံရသော်လည်း ပျက်စီးခြင်းမရှိဘဲ ထာဝရအသက်ရှင်ခြင်းငှာ ဘုရားသခင်ကယ်တင်တော်မူသော လူတို့ကို ထိန်းသိမ်းထားတော်မူသည်ဖြစ်၏။

31 ထိုအခါ ကမ္ဘာဟောင်းသည် ရေလွှမ်းမိုးခြင်းခံရသော်လည်း ပျက်စီးခြင်းမရှိသကဲ့သို့ ယခုကမ္ဘာသစ်သည်လည်း မီးလောင်ခြင်းခံရသော်လည်း ပျက်စီးခြင်းမရှိဘဲ ထာဝရအသက်ရှင်ခြင်းငှာ ဘုရားသခင်ကယ်တင်တော်မူသော လူတို့ကို ထိန်းသိမ်းထားတော်မူသည်ဖြစ်၏။

32 ထိုအခါ ကမ္ဘာဟောင်းသည် ရေလွှမ်းမိုးခြင်းခံရသော်လည်း ပျက်စီးခြင်းမရှိသကဲ့သို့ ယခုကမ္ဘာသစ်သည်လည်း မီးလောင်ခြင်းခံရသော်လည်း ပျက်စီးခြင်းမရှိဘဲ ထာဝရအသက်ရှင်ခြင်းငှာ ဘုရားသခင်ကယ်တင်တော်မူသော လူတို့ကို ထိန်းသိမ်းထားတော်မူသည်ဖြစ်၏။

33 ယာကုပ်ဘုရားရှင်သည် ကမ္ဘာဟောင်းကို ရေလွှမ်းမိုးစေတော်မူသည်ဖြစ်၍ ယခုကမ္ဘာသစ်ကို ဖျက်ဆီးခြင်းငှာ ဘုရားသခင်သည် မီးကိုသုံးတော်မူမည်ဖြစ်၏။

34 ထိုအခါ ယောဟန်ဘုရားရှင်သည် ကမ္ဘာဟောင်းကို ရေလွှမ်းမိုးစေတော်မူသည်ဖြစ်၍ ယခုကမ္ဘာသစ်ကို ဖျက်ဆီးခြင်းငှာ ဘုရားသခင်သည် မီးကိုသုံးတော်မူမည်ဖြစ်၏။

၂ ပေတရု ၃

1 ထိုအခါ ယုံကြည်ခြင်းရှိသော ငါ့ချစ်သူတို့၊ ငါသည် ယခုအခါ ဒုတိယစာကို သင်တို့အား ရေးသားသည်ဖြစ်၏။ ထိုစာနှစ်စောင်စလုံးတွင် သင်တို့၏ သန့်ရှင်းသောအတွေးအမြော်ကို ငါသည် ဖြစ်စေလိုသောကြောင့် ရေးသားသည်ဖြစ်၏။

2 ထိုအတွေးအမြော်သည် သန့်ရှင်းသောပရောဖက်တို့ ဟောကြားသော စကားတော်များနှင့် ကယ်တင်ရှင်ဘုရားသခင်၏ ပညတ်တော်များကို သတိရစေခြင်းငှာ ဖြစ်၏။

Digitized by Google

ಮಾಡಿದ ಮೇಲೆ ಅವನು ಅವಳಿಗೆ ಹೇಳಿದ ಮಾತುಗಳು ಅವಳಿಗೆ ಸಂತೋಷವನ್ನುಂಟು ಮಾಡಿದವು. ಅವಳು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದಳು: "ನಾನು ಹೋಗಿ ಬರುವವರೆಗೆ ನೀನು ಇಲ್ಲಿಯೇ ಇರು. ನಾನು ಹೋಗಿ ಬಂದ ಮೇಲೆ ನಿನ್ನ ಮನೆಗೆ ಹೋಗುವೆನು."

3 ಆಗ ಅವನು ಅವಳಿಗೆ ಹೇಳಿದನು: "ನಾನು ಹೋಗಿ ಬರುವವರೆಗೆ ನೀನು ನನ್ನ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಇರು. ನಾನು ಹೋಗಿ ಬಂದ ಮೇಲೆ ನಿನ್ನ ಮನೆಗೆ ಹೋಗುವೆನು." ಅವನು ಅವಳಿಗೆ ಹೇಳಿದ ಮಾತುಗಳು ಅವಳಿಗೆ ಸಂತೋಷವನ್ನುಂಟು ಮಾಡಿದವು.

4 ಅವನು ಅವಳನ್ನು ಅವಳ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಬಿಟ್ಟು ಹೊರಟು ಹೋದನು. ಅವಳು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ ಮಾತುಗಳು ಅವಳಿಗೆ ಸಂತೋಷವನ್ನುಂಟು ಮಾಡಿದವು.

5 ಅವನು ಅವಳ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಬಿಟ್ಟು ಹೊರಟು ಹೋದನು. ಅವಳು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ ಮಾತುಗಳು ಅವಳಿಗೆ ಸಂತೋಷವನ್ನುಂಟು ಮಾಡಿದವು. ಅವಳು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದಳು: "ನಾನು ಹೋಗಿ ಬರುವವರೆಗೆ ನೀನು ಇಲ್ಲಿಯೇ ಇರು. ನಾನು ಹೋಗಿ ಬಂದ ಮೇಲೆ ನಿನ್ನ ಮನೆಗೆ ಹೋಗುವೆನು." ಅವನು ಅವಳಿಗೆ ಹೇಳಿದ ಮಾತುಗಳು ಅವಳಿಗೆ ಸಂತೋಷವನ್ನುಂಟು ಮಾಡಿದವು.

6 ಆಗ ಅವನು (ಯೆಹೂದನು) ಅವಳಿಗೆ ಹೇಳಿದನು: "ನಾನು ನಿನ್ನ ಮನೆಗೆ ಬರುವೆನು."

7 ಅವಳು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದಳು: "ನೀನು ಬರುವುದಕ್ಕೆ ಮುಂಚೆ ನಿನ್ನ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಇರುವುದಕ್ಕೆ ನಾನು ಒಪ್ಪಿಗೆ ಕೊಡುವೆನು. ಆದರೆ ನೀನು ನನಗೆ ಏನಾದರೂ ಒತ್ತೆಯನ್ನು ಕೊಡಬೇಕು."

8 ಆಗ ಅವನು ಅವಳಿಗೆ ಹೇಳಿದನು: "ನಾನು ನಿನಗೆ ಒತ್ತೆಯಾಗಿ ಏನನ್ನು ಕೊಡಲಿ?" ಅವಳು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದಳು: "ನಿನ್ನ ಮುದ್ರೆಯುಂಗುರವನ್ನೂ ಅದರ ದಾರವನ್ನೂ ನಿನ್ನ ಕೈಯಲ್ಲಿರುವ ಕೋಲನ್ನೂ ಕೊಡು."

9 ಆಗ ಅವನು ಅವುಗಳನ್ನು ಅವಳಿಗೆ ಕೊಟ್ಟನು. ಅವಳು ಅವನಿಂದ

Digitized by Google

15 ଯିହିଯାଦାର ପୁତ୍ର ଯିହୋନାଥନ୍ ଓ ତେକୋୟୀୟ ଲୋକମାନଙ୍କର ଉଦ୍ଧାରକର୍ତ୍ତା ଯିହିଷ୍କୀୟର ପୁତ୍ର ଯାସନିୟ ଏହି ବିଷୟରେ ବିରୋଧ କଲେ; ମାତ୍ର ମଶୁଲ୍ଲମ୍ ଓ ଲେବୀୟ ଶବ୍ବଥୟ ଓ ଯୋଷାଦୀୟ ସେମାନଙ୍କର ସହାୟ ହେଲେ।

14 ଏଥିଉତ୍ତାରେ ରାଜା ଆହସ୍ୟେରଶ୍ ଅବୀହୟିଲର କନ୍ୟା ରାଣୀ ଇଷ୍ଟର ଓ ଯିହୂଦୀୟ ମର୍ଦ୍ଦଖୟ ନିକଟରେ ଲିଖିତ ଆଜ୍ଞା ପ୍ରଚାର କଲେ।

13 ଯେପରି ଏହି ଆଜ୍ଞାପତ୍ର ପ୍ରତ୍ୟେକ ପ୍ରଦେଶରେ ପ୍ରଚାରିତ ହେବ, ଏଥିପାଇଁ ତାହା ସମସ୍ତ ଲୋକଙ୍କ ନିକଟରେ ପ୍ରକାଶିତ ହେଲା; ଆଉ ଯେପରି ଯିହୂଦୀୟମାନେ ସେହି ଦିନ ପାଇଁ ଆପଣା ଆପଣା ଶତ୍ରୁଗଣଠାରୁ ପ୍ରତିଶୋଧ ନେବାକୁ ପ୍ରସ୍ତୁତ ହୋଇଥାନ୍ତି, ଏଥିପାଇଁ ତାହା ସେମାନଙ୍କୁ ଜଣାଗଲା।

12 ରାଜା ଆହସ୍ୟେରଶ୍‌ଙ୍କ ରାଜତ୍ୱର ତ୍ରୟୋଦଶ ବର୍ଷର ଦ୍ୱାଦଶ ମାସ, ଅର୍ଥାତ୍ ଅଦର ମାସର ତ୍ରୟୋଦଶ ଦିନରେ ରାଜାଜ୍ଞା ଓ ବ୍ୟବସ୍ଥା ପାଳନ କରିବାର ସମୟ ଉପସ୍ଥିତ ହେଲା। ଯେଉଁ ଦିନ ଯିହୂଦୀୟମାନଙ୍କର ଶତ୍ରୁଗଣ ସେମାନଙ୍କ ଉପରେ କର୍ତ୍ତୃତ୍ୱ କରିବାକୁ ଆଶା କରିଥିଲେ, ସେହି ଦିନରେ ଯିହୂଦୀୟମାନେ ସେମାନଙ୍କ ଉପରେ କର୍ତ୍ତୃତ୍ୱ କଲେ।

10 ଦୀନଦାତାର ପୁତ୍ର ହମ୍ମଦାଥାର ବଂଶଧର ଯିହୂଦୀୟମାନଙ୍କର ଶତ୍ରୁ ହାମନ୍‌ର ଧନ ସେମାନେ ଲୁଟି ନେଲେ ନାହିଁ।

11 ସେହି ଦିନ ଶୂଶନ୍ ଦୁର୍ଗରେ ହତ ଲୋକମାନଙ୍କର ସଂଖ୍ୟା ରାଜାଙ୍କ ନିକଟରେ ଉପସ୍ଥାପିତ ହେଲା।

Digitized by Google

119 ۔ ۔ ۔

21 ויהי ביום השלישי בהיות הכאב בם ויקחו שני אנשים מבני יעקב שמעון ולוי אחי דינה איש חרבו ויבאו על העיר בבטח ויהרגו כל זכר ואת חמור ואת שכם הרגו לפי חרב ויקחו את דינה מבית שכם ויצאו: ובני יעקב באו על החללים וישללו את העיר אשר טמאו אחותם: את צאנם ואת בקרם ואת חמוריהם ואת אשר בעיר ואת אשר בשדה לקחו: ואת כל חילם ואת כל טפם ואת נשיהם שבו וישללו גם את כל אשר בבתים:

22 ויאמר יעקב אל שמעון ואל לוי עכרתם אתי להבאישני בישבי הארץ בכנעני ובפרזי ואנכי מתי מספר ונאספו עלי והכוני ונשמדתי אני וביתי:

23 ויאמרו הלוא כזונה יעשה את אחותנו: ויאמר אלהים אל יעקב קום עלה בית אל ושב שם ועשה שם מזבח לאל הנראה אליך בברחך מפני עשו אחיך: ויאמר יעקב אל ביתו ואל כל אשר עמו הסירו את אלהי הנכר אשר בתוככם והטהרו והחליפו שמלתיכם: ונקומה ונעלה בית אל ואעשה שם מזבח לאל העונה אותי ביום צרתי ויהי עמדי בדרך אשר הלכתי:

24 ויתנו אל יעקב את כל אלהי הנכר אשר בידם ואת הנזמים אשר באזניהם ויטמן יעקב אותם תחת האלה אשר עם שכם: ויסעו ויהי חתת אלהים על הערים אשר סביבותיהם ולא רדפו אחרי בני יעקב:

Digitized by Google

25 ... ...

30 عیسیٰ نے اُن سے کہا، "کیا تم نے کبھی کتابِ مقدس میں نہیں پڑھا:
'جس پتھر کو معماروں نے رد کیا
وہی کونے کا سِرا بن گیا۔
31 یہ خداوند کی طرف سے ہوا
اور ہماری نظر میں عجیب ہے'؟
32 اِس لئے میں تم سے کہتا ہوں کہ خدا کی بادشاہی تم سے لے لی جائے گی
اور اُس قوم کو دی جائے گی جو اُس کے مناسب پھل لائے۔
33 جو اِس پتھر پر گرے گا وہ پاش پاش ہو جائے گا،
لیکن جس پر یہ خود گرے گا اُسے کچل ڈالے گا۔"
34 جب اعلیٰ کاہن اور فریسی عیسیٰ کی تمثیلیں سُن چکے تو سمجھ گئے کہ وہ ہمارے ہی بارے میں

Digitized by Google

35 ଯିହୋଶୂୟ ତାହାମାନଙ୍କୁ କହିଲେ, ତୁମ୍ଭେମାନେ ଆପଣାମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଆପଣାମାନଙ୍କ ପରମେଶ୍ୱରଙ୍କ ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟରେ ପବିତ୍ରୀକରଣ କର, ଆଉ ଆପଣାମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଆପଣାମାନଙ୍କ ଭ୍ରାତୃଗଣ ନିମନ୍ତେ ଆଗାମୀ କାଲି କର୍ତ୍ତବ୍ୟ କର୍ମ ପ୍ରସ୍ତୁତ କର; କାରଣ ସଦାପ୍ରଭୁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଆଶ୍ଚର୍ଯ୍ୟ କର୍ମ କରିବେ।

36 ତହିଁରେ ଯାଜକମାନେ ଓ ଲେବୀୟମାନେ ଲୋକମାନଙ୍କୁ କହିଲେ, ତୁମ୍ଭେମାନେ ଆପଣାମାନଙ୍କୁ ପବିତ୍ରୀକରଣ କର, ଆଉ ତୁମ୍ଭେମାନେ ଆପଣାମାନଙ୍କ ଭ୍ରାତୃଗଣ ନିମନ୍ତେ ଆଗାମୀ କାଲି କର୍ତ୍ତବ୍ୟ କର୍ମ ପ୍ରସ୍ତୁତ କର; କାରଣ ସଦାପ୍ରଭୁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଆଶ୍ଚର୍ଯ୍ୟ କର୍ମ କରିବେ।

37 ପରେ ଯିହୋଶୂୟ ଯାଜକମାନଙ୍କୁ କହିଲେ, ତୁମ୍ଭେମାନେ ନିୟମ ସିନ୍ଦୁକ ବହନ କରି ଲୋକମାନଙ୍କ ଅଗ୍ରରେ ଅଗ୍ରସର ହୁଅ। ତହିଁରେ ସେମାନେ ନିୟମ ସିନ୍ଦୁକ ବହନ କରି ଲୋକମାନଙ୍କ ଅଗ୍ରରେ ଅଗ୍ରସର ହେଲେ।

38 ସଦାପ୍ରଭୁ ଯିହୋଶୂୟଙ୍କୁ କହିଲେ, ଆଜି ଆମ୍ଭେ ସମସ୍ତ ଇସ୍ରାଏଲର ଦୃଷ୍ଟିରେ ତୁମ୍ଭକୁ ମହତ୍ତ୍ୱାନ୍ୱିତ କରିବା ଆରମ୍ଭ କରିବା, ଯେପରି ଆମ୍ଭେ ମୋଶାଙ୍କ ସହବର୍ତ୍ତମାନ ହୋଇଥିଲୁ, ସେପରି ତୁମ୍ଭ ସହବର୍ତ୍ତମାନ ହେବା, ଏହା ସେମାନେ ଜାଣିବେ।

39 ଯିହୋଶୂୟ ଇସ୍ରାଏଲ ସନ୍ତାନଗଣଙ୍କୁ କହିଲେ, ଏଠାକୁ ଆସି ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ପରମେଶ୍ୱର ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କ ବାକ୍ୟ ଶୁଣ।

40 ପୁଣି ଯିହୋଶୂୟ କହିଲେ, ଏଥିରେ ତୁମ୍ଭେମାନେ ଜୀବନ୍ତ ପରମେଶ୍ୱର ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଅଛନ୍ତି ଓ ସେ ନିଶ୍ଚୟ କିଣାନୀୟ, ହିତ୍ତୀୟ, ହିବ୍ବୀୟ, ପରିଷୀୟ, ଗିର୍ଗାଶୀୟ, ଇମୋରୀୟ ଓ ଯିବୂଷୀୟମାନଙ୍କୁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ସମ୍ମୁଖରୁ ତଡ଼ି ଦେବେ, ଏହା ତୁମ୍ଭେମାନେ ଜାଣିବ।

41 ଯାହାର ହସ୍ତରେ ସମସ୍ତ ପୃଥିବୀର ନିୟମ ସିନ୍ଦୁକ ଅଛି, ତାହାର ଯାଜକମାନେ ନିୟମ ସିନ୍ଦୁକ

Digitized by Google

42 ... ...

೨೪

1 ಯೆಹೋವನು ಮೋಶೆಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ - ನೀನು ಯೆಹೋವನ ಬಳಿಗೆ ಬೆಟ್ಟವನ್ನು ಹತ್ತಿ ಬಾ, ನೀನೂ ಆರೋನನೂ ನಾದಾಬನೂ ಅಬೀಹೂವನೂ ಇಸ್ರಾಯೇಲಿನ ಹಿರಿಯರಲ್ಲಿ ಎಪ್ಪತ್ತು ಮಂದಿಯೂ ಬಂದು ದೂರದಲ್ಲಿ ನಮಸ್ಕರಿಸಿರಿ.

2 ಮೋಶೆಯೊಬ್ಬನೇ ಯೆಹೋವನ ಸನ್ನಿಧಿಗೆ ಸವಿಾಪಿಸಲಿ; ಅವರು ಸವಿಾಪಿಸಬಾರದು; ಜನರು ಅವನ ಸಂಗಡ ಬರಬಾರದು.

3 ಆಗ ಮೋಶೆ ಬಂದು ಯೆಹೋವನ ಮಾತುಗಳನ್ನೂ ನ್ಯಾಯಗಳನ್ನೂ ಜನರಿಗೆ ತಿಳಿಸಿದನು; ಆಗ ಜನರೆಲ್ಲರು ಒಕ್ಕೊರಲಿನಿಂದ - ಯೆಹೋವನು ಹೇಳಿದ ಮಾತುಗಳನ್ನೆಲ್ಲಾ ನಾವು ಮಾಡುವೆವು ಎಂದು ಉತ್ತರಕೊಟ್ಟರು.

4 ಆಗ ಮೋಶೆ ಯೆಹೋವನ ಮಾತುಗಳನ್ನೆಲ್ಲಾ ಬರೆದನು, ಮರುದಿನ ಬೆಳಿಗ್ಗೆ ಎದ್ದು ಬೆಟ್ಟದ ಬುಡದಲ್ಲಿ ಒಂದು ಬಲಿಪೀಠವನ್ನೂ ಇಸ್ರಾಯೇಲಿನ ಹನ್ನೆರಡು ಕುಲಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಹನ್ನೆರಡು ಕಲ್ಲುಗಳನ್ನೂ ನಿಲ್ಲಿಸಿ ಯೆಹೋವನ ಬಲಿಪೀಠದ ಬಳಿಗೆ ಇಸ್ರಾಯೇಲಿನ ಯೌವನಸ್ಥರನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿದನು; ಅವರು ಸರ್ವಾಂಗಹೋಮಗಳನ್ನು ಅರ್ಪಿಸಿ ಯೆಹೋವನಿಗೆ ಸಮಾಧಾನಬಲಿಗಳಾಗಿ ಹೋರಿಗಳನ್ನು ವಧಿಸಿದರು.

5 ಆಗ ಮೋಶೆ ರಕ್ತದಲ್ಲಿ ಅರ್ಧವನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಪಾತ್ರೆಗಳಲ್ಲಿ ಇಟ್ಟನು, ಅರ್ಧವನ್ನು ಬಲಿಪೀಠದ ಮೇಲೆ ಚಿಮುಕಿಸಿದನು.

6 ಮೋಶೆಯು ಒಡಂಬಡಿಕೆಯ ಗ್ರಂಥವನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಜನರ ಕಿವಿಗೆ ಓದಿದನು; ಅವರು - ಯೆಹೋವನು ಹೇಳಿದ ಮಾತುಗಳನ್ನೆಲ್ಲಾ ನಾವು ಮಾಡಿ ವಿಧೇಯರಾಗಿರುವೆವು ಎಂದರು.

7 ಆಮೇಲೆ ಮೋಶೆಯು ರಕ್ತವನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಜನರ ಮೇಲೆ ಚಿಮುಕಿಸಿ

Digitized by Google

ꠇꠤꠞꠤꠗꠤꠔꠤꠘꠤꠚꠤꠛꠤꠜꠤꠝꠤꠞꠤꠟꠤꠠꠤꠡꠤꠢꠤꠣꠤꠤꠤꠥꠤꠦꠤꠧꠤ꠨ꠤ꠩ꠤ꠪ꠤ꠫ꠤ꠬ꠤ꠭ꠤ꠮ꠤ꠯ꠤ꠰ꠤ꠱ꠤ꠲ꠤ꠳ꠤ꠴ꠤ꠵ꠤ꠶ꠤ꠷ꠤ꠸ꠤ꠹ꠤ꠺ꠤ꠻ꠤ꠼ꠤ꠽ꠤ꠾ꠤ꠿ꠤꡀꠤꡁꠤꡂꠤꡃꠤꡄꠤꡅꠤꡆꠤꡇꠤꡈꠤꡉꠤꡊꠤꡋꠤꡌꠤꡍꠤꡎꠤꡏꠤꡐꠤꡑꠤꡒꠤꡓꠤꡔꠤꡕꠤꡖꠤꡗꠤꡘꠤꡙꠤꡚꠤꡛꠤꡜꠤꡝꠤꡞꠤꡟꠤꡠꠤꡡꠤꡢꠤꡣꠤꡤꠤꡥꠤꡦꠤꡧꠤꡨꠤꡩꠤꡪꠤꡫꠤꡬꠤꡭꠤꡮꠤꡯꠤꡰꠤꡱꠤꡲꠤꡳꠤ꡴ꠤ꡵ꠤ꡶ꠤ꡷ꠤ꡸ꠤ꡹ꠤ꡺ꠤ꡻ꠤ꡼ꠤ꡽ꠤ꡾ꠤ꡿ꠤꢀꠤꢁꠤꢂꠤꢃꠤꢄꠤꢅꠤꢆꠤꢇꠤꢈꠤꢉꠤꢊꠤꢋꠤꢌꠤꢍꠤꢎꠤꢏꠤꢐꠤꢑꠤꢒꠤꢓꠤꢔꠤꢕꠤꢖꠤꢗꠤꢘꠤꢙꠤꢚꠤꢛꠤꢜꠤꢝꠤꢞꠤꢟꠤꢠꠤꢡꠤꢢꠤꢣꠤꢤꠤꢥꠤꢦꠤꢧꠤꢨꠤꢩꠤꢪꠤꢫꠤꢬꠤꢭꠤꢮꠤꢯꠤꢰꠤꢱꠤꢲꠤꢳꠤꢴꠤꢵꠤꢶꠤꢷꠤꢸꠤꢹꠤꢺꠤꢻꠤꢼꠤꢽꠤꢾꠤꢿꠤꣀꠤꣁꠤꣂꠤꣃꠤ꣄ꠤꣅꠤ꣆ꠤ꣇ꠤ꣈ꠤ꣉ꠤ꣊ꠤ꣋ꠤ꣌ꠤ꣍ꠤ꣎ꠤ꣏ꠤ꣐ꠤ꣑ꠤ꣒ꠤ꣓ꠤ꣔ꠤ꣕ꠤ꣖ꠤ꣗ꠤ꣘ꠤ꣙ꠤ꣚ꠤ꣛ꠤ꣜ꠤ꣝ꠤ꣞ꠤ꣟ꠤ꣠ꠤ꣡ꠤ꣢ꠤ꣣ꠤ꣤ꠤ꣥ꠤ꣦ꠤ꣧ꠤ꣨ꠤ꣩ꠤ꣪ꠤ꣫ꠤ꣬ꠤ꣭ꠤ꣮ꠤ꣯ꠤ꣰ꠤ꣱ꠤꣲꠤꣳꠤꣴꠤꣵꠤꣶꠤꣷꠤ꣸ꠤ꣹ꠤ꣺ꠤꣻꠤ꣼ꠤꣽꠤꣾꠤꣿꠤ꤀ꠤ꤁ꠤ꤂ꠤ꤃ꠤ꤄ꠤ꤅ꠤ꤆ꠤ꤇ꠤ꤈ꠤ꤉ꠤꤊꠤꤋꠤꤌꠤꤍꠤꤎꠤꤏꠤꤐꠤꤑꠤꤒꠤꤓꠤꤔꠤꤕꠤꤖꠤꤗꠤꤘꠤꤙꠤꤚꠤꤛꠤꤜꠤꤝꠤꤞꠤꤟꠤꤠꠤꤡꠤꤢꠤꤣꠤꤤꠤꤥꠤꤦꠤꤧꠤꤨꠤꤩꠤꤪꠤ꤫ꠤ꤬ꠤ꤭ꠤ꤮ꠤ꤯ꠤꤰꠤꤱꠤꤲꠤꤳꠤꤴꠤꤵꠤꤶꠤꤷꠤꤸꠤꤹꠤꤺꠤꤻꠤꤼꠤꤽꠤꤾꠤꤿꠤꥀꠤꥁꠤꥂꠤꥃꠤꥄꠤꥅꠤꥆꠤꥇꠤꥈꠤꥉꠤꥊꠤꥋꠤꥌꠤꥍꠤꥎꠤꥏꠤꥐꠤꥑꠤꥒꠤ꥓ꠤ꥔ꠤ꥕ꠤ꥖ꠤ꥗ꠤ꥘ꠤ꥙ꠤ꥚ꠤ꥛ꠤ꥜ꠤ꥝ꠤ꥞ꠤ꥟ꠤꥠꠤꥡꠤꥢꠤꥣꠤꥤꠤꥥꠤꥦꠤꥧꠤꥨꠤꥩꠤꥪꠤꥫꠤꥬꠤꥭꠤꥮꠤꥯꠤꥰꠤꥱꠤꥲꠤꥳꠤꥴꠤꥵꠤꥶꠤꥷꠤꥸꠤꥹꠤꥺꠤꥻꠤꥼꠤ꥽ꠤ꥾ꠤ꥿ꠤꦀꠤꦁꠤꦂꠤꦃꠤꦄꠤꦅꠤꦆꠤꦇꠤꦈꠤꦉꠤꦊꠤꦋꠤꦌꠤꦍꠤꦎꠤꦏꠤꦐꠤꦑꠤꦒꠤꦓꠤꦔꠤꦕꠤꦖꠤꦗꠤꦘꠤꦙꠤꦚꠤꦛꠤꦜꠤꦝꠤꦞꠤꦟꠤꦠꠤꦡꠤꦢꠤꦣꠤꦤꠤꦥꠤꦦꠤꦧꠤꦨꠤꦩꠤꦪꠤꦫꠤꦬꠤꦭꠤꦮꠤꦯꠤꦰꠤꦱꠤꦲꠤ꦳ꠤꦴꠤꦵꠤꦶꠤꦷꠤꦸꠤꦹꠤꦺꠤꦻꠤꦼꠤꦽꠤꦾꠤꦿꠤ꧀ꠤ꧁ꠤ꧂ꠤ꧃ꠤ꧄ꠤ꧅ꠤ꧆ꠤ꧇ꠤ꧈ꠤ꧉ꠤ

ꠇꠤꠞꠤꠗꠤꠔꠤꠘꠤꠚꠤꠛꠤꠜꠤꠝꠤꠞꠤꠟꠤꠠꠤꠡꠤꠢꠤꠣꠤꠤꠤꠥꠤꠦꠤꠧꠤ꠨ꠤ꠩ꠤ꠪ꠤ꠫ꠤ꠬ꠤ꠭ꠤ꠮ꠤ꠯ꠤ꠰ꠤ꠱ꠤ꠲ꠤ꠳ꠤ꠴ꠤ꠵ꠤ꠶ꠤ꠷ꠤ꠸ꠤ꠹ꠤ꠺ꠤ꠻ꠤ꠼ꠤ꠽ꠤ꠾ꠤ꠿ꠤꡀꠤꡁꠤꡂꠤꡃꠤꡄꠤꡅꠤꡆꠤꡇꠤꡈꠤꡉꠤꡊꠤꡋꠤꡌꠤꡍꠤꡎꠤꡏꠤꡐꠤꡑꠤꡒꠤꡓꠤꡔꠤꡕꠤꡖꠤꡗꠤꡘꠤꡙꠤꡚꠤꡛꠤꡜꠤꡝꠤꡞꠤꡟꠤꡠꠤꡡꠤꡢꠤꡣꠤꡤꠤꡥꠤꡦꠤꡧꠤꡨꠤꡩꠤꡪꠤꡫꠤꡬꠤꡭꠤꡮꠤꡯꠤꡰꠤꡱꠤꡲꠤꡳꠤ꡴ꠤ꡵ꠤ꡶ꠤ꡷ꠤ꡸ꠤ꡹ꠤ꡺ꠤ꡻ꠤ꡼ꠤ꡽ꠤ꡾ꠤ꡿ꠤꢀꠤꢁꠤꢂꠤꢃꠤꢄꠤꢅꠤꢆꠤꢇꠤꢈꠤꢉꠤꢊꠤꢋꠤꢌꠤꢍꠤꢎꠤꢏꠤꢐꠤꢑꠤꢒꠤꢓꠤꢔꠤꢕꠤꢖꠤꢗꠤꢘꠤꢙꠤꢚꠤꢛꠤꢜꠤꢝꠤꢞꠤꢟꠤꢠꠤꢡꠤꢢꠤꢣꠤꢤꠤꢥꠤꢦꠤꢧꠤꢨꠤꢩꠤꢪꠤꢫꠤꢬꠤꢭꠤꢮꠤꢯꠤꢰꠤꢱꠤꢲꠤꢳꠤꢴꠤꢵꠤꢶꠤꢷꠤꢸꠤꢹꠤꢺꠤꢻꠤꢼꠤꢽꠤꢾꠤꢿꠤꣀꠤꣁꠤꣂꠤꣃꠤ꣄ꠤꣅꠤ꣆ꠤ꣇ꠤ꣈ꠤ꣉ꠤ꣊ꠤ꣋ꠤ꣌ꠤ꣍ꠤ꣎ꠤ꣏ꠤ꣐ꠤ꣑ꠤ꣒ꠤ꣓ꠤ꣔ꠤ꣕ꠤ꣖ꠤ꣗ꠤ꣘ꠤ꣙ꠤ꣚ꠤ꣛ꠤ꣜ꠤ꣝ꠤ꣞ꠤ꣟ꠤ꣠ꠤ꣡ꠤ꣢ꠤ꣣ꠤ꣤ꠤ꣥ꠤ꣦ꠤ꣧ꠤ꣨ꠤ꣩ꠤ꣪ꠤ꣫ꠤ꣬ꠤ꣭ꠤ꣮ꠤ꣯ꠤ꣰ꠤ꣱ꠤꣲꠤꣳꠤꣴꠤꣵꠤꣶꠤꣷꠤ꣸ꠤ꣹ꠤ꣺ꠤꣻꠤ꣼ꠤꣽꠤꣾꠤꣿꠤ꤀ꠤ꤁ꠤ꤂ꠤ꤃ꠤ꤄ꠤ꤅ꠤ꤆ꠤ꤇ꠤ꤈ꠤ꤉ꠤꤊꠤꤋꠤꤌꠤꤍꠤꤎꠤꤏꠤꤐꠤꤑꠤꤒꠤꤓꠤꤔꠤꤕꠤꤖꠤꤗꠤꤘꠤꤙꠤꤚꠤꤛꠤꤜꠤꤝꠤꤞꠤꤟꠤꤠꠤꤡꠤꤢꠤꤣꠤꤤꠤꤥꠤꤦꠤꤧꠤꤨꠤꤩꠤꤪꠤ꤫ꠤ꤬ꠤ꤭ꠤ꤮ꠤ꤯ꠤꤰꠤꤱꠤꤲꠤꤳꠤꤴꠤꤵꠤꤶꠤꤷꠤꤸꠤꤹꠤꤺꠤꤻꠤꤼꠤꤽꠤꤾꠤꤿꠤꥀꠤꥁꠤꥂꠤꥃꠤꥄꠤꥅꠤꥆꠤꥇꠤꥈꠤꥉꠤꥊꠤꥋꠤꥌꠤꥍꠤꥎꠤꥏꠤꥐꠤꥑꠤꥒꠤ꥓ꠤ꥔ꠤ꥕ꠤ꥖ꠤ꥗ꠤ꥘ꠤ꥙ꠤ꥚ꠤ꥛ꠤ꥜ꠤ꥝ꠤ꥞ꠤ꥟ꠤꥠꠤꥡꠤꥢꠤꥣꠤꥤꠤꥥꠤꥦꠤꥧꠤꥨꠤꥩꠤꥪꠤꥫꠤꥬꠤꥭꠤꥮꠤꥯꠤꥰꠤꥱꠤꥲꠤꥳꠤꥴꠤꥵꠤꥶꠤꥷꠤꥸꠤꥹꠤꥺꠤꥻꠤꥼꠤ꥽ꠤ꥾ꠤ꥿ꠤꦀꠤꦁꠤꦂꠤꦃꠤꦄꠤꦅꠤꦆꠤꦇꠤꦈꠤꦉꠤꦊꠤꦋꠤꦌꠤꦍꠤꦎꠤꦏꠤꦐꠤꦑꠤꦒꠤꦓꠤꦔꠤꦕꠤꦖꠤꦗꠤꦘꠤꦙꠤꦚꠤꦛꠤꦜꠤꦝꠤꦞꠤꦟꠤꦠꠤꦡꠤꦢꠤꦣꠤꦤꠤꦥꠤꦦꠤꦧꠤꦨꠤꦩꠤꦪꠤꦫꠤꦬꠤꦭꠤꦮꠤꦯꠤꦰꠤꦱꠤꦲꠤ꦳ꠤꦴꠤꦵꠤꦶꠤꦷꠤꦸꠤꦹꠤꦺꠤꦻꠤꦼꠤꦽꠤꦾꠤꦿꠤ꧀ꠤ꧁ꠤ꧂ꠤ꧃ꠤ꧄ꠤ꧅ꠤ꧆ꠤ꧇ꠤ꧈ꠤ꧉ꠤ

Digitized by Google

13 ...

14 ...

15 ...

16 ...

17 ...

18 ...

Digitized by Google

19 ಆಗ ಕರ್ತನ ದೂತನು ರಾತ್ರಿಯಲ್ಲಿ ಸೆರೆಮನೆಯ ಬಾಗಿಲುಗಳನ್ನು ತೆರೆದು ಅವರನ್ನು ಹೊರಗೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗಿ 20 ಆಲಯದಲ್ಲಿ ನಿಂತುಕೊಂಡು ಜನರಿಗೆ ಈ ಜೀವದ ಮಾತುಗಳನ್ನೆಲ್ಲಾ ತಿಳಿಸಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. 21 ಅವರು ಅದನ್ನು ಕೇಳಿ ಬೆಳಗಾಗುವಾಗ ಆಲಯದಲ್ಲಿ ಬೋಧಿಸುತ್ತಿದ್ದರು. ಆದರೆ ಮಹಾಯಾಜಕನು ಮತ್ತು ಅವನ ಸಂಗಡಿಗರು ಬಂದು ಆಲೋಚನಾ ಸಭೆಯನ್ನೂ ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ಮಕ್ಕಳ ಹಿರಿಯರೆಲ್ಲರನ್ನೂ ಕೂಡಿಸಿ ಸೆರೆಮನೆಗೆ ಕಳುಹಿಸಿದರು. ಅವರನ್ನು ತರಲು ಅವರು ಹೋದಾಗ 22 ಸೇವಕರು ಅಲ್ಲಿಗೆ ಬಂದು ಅವರು ಸೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿ ಕಾಣದೆ ಹಿಂತಿರುಗಿ ಬಂದು ತಿಳಿಸಿದ್ದೇನೆಂದರೆ 23 ಸೆರೆಮನೆಯು ಬಹಳ ಭದ್ರವಾಗಿ ಬೀಗ ಹಾಕಿರುವುದನ್ನೂ ಕಾವಲುಗಾರರು ಬಾಗಿಲುಗಳ ಮುಂದೆ ನಿಂತಿರುವುದನ್ನೂ ನಾವು ಕಂಡೆವು. ಆದರೆ ಬಾಗಿಲನ್ನು ತೆರೆದಾಗ ಒಳಗೆ ಯಾರೂ ಕಾಣಲಿಲ್ಲ. 24 ಈ ಮಾತುಗಳನ್ನು ದೇವಾಲಯದ ಅಧಿಪತಿಯೂ ಪ್ರಧಾನ ಯಾಜಕರೂ ಕೇಳಿ ಇವರಿಗೆ ಏನಾಗುವುದೋ ಎಂದು ಅವರ ವಿಷಯವಾಗಿ ಸಂದೇಹಪಟ್ಟರು. 25 ಆಗ ಯಾರೋ ಒಬ್ಬನು ಬಂದು ಇಗೋ, ನೀವು ಸೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿ ಹಾಕಿಸಿದ ಮನುಷ್ಯರು ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿ ನಿಂತುಕೊಂಡು ಜನರಿಗೆ ಬೋಧಿಸುತ್ತಿದ್ದಾರೆ ಎಂದು ತಿಳಿಸಿದನು.

Digitized by Google

ଦେଖିଲେ, ଆମ୍ଭେମାନେ ଏହି ଲୋକଙ୍କ ସଙ୍ଗେ ଥିଲୁ ନାହିଁ ବୋଲି ଶପଥ କରି ଅସ୍ୱୀକାର କଲେ ।

26 ଏଥିରେ ପିତର ଯେଉଁ କଥା କହିଥିଲେ, ତାହା ସେମାନଙ୍କୁ ମନେ ପଡ଼ିଲା : ଅର୍ଥାତ୍ ମୋରଗ ଦୁଇଥର ଡାକିବା ପୂର୍ବେ ତୁମ୍ଭେ ତିନିଥର ମୋତେ ଅସ୍ୱୀକାର କରିବ ।

27 ଏଥିଉତ୍ତାରେ ସେମାନେ ଯୀଶୁଙ୍କୁ ମହାଯାଜକଙ୍କ ଘରୁ ପ୍ରାନ୍ତରକୁ ନେଇଗଲେ ।

28 ସେହି ସମୟରେ ଯିହୂଦା, ଯେ ତାହାଙ୍କୁ ପରଉଥିଲା, ସେ ଦେଖିଲା ଯେ, ତାହାଙ୍କୁ ଦୋଷୀ କରାଯାଇଅଛି, ତହିଁରେ ସେ ଅନୁତାପ କରି ସେହି ତିରିଶ ରୂପା ମୁଦ୍ରା ପ୍ରଧାନ ଯାଜକମାନଙ୍କ ଓ ପ୍ରାଚୀନବର୍ଗଙ୍କ ନିକଟକୁ ଫେରାଇ ଆଣି କହିଲା,

29 ମୁଁ ନିର୍ଦ୍ଦୋଷ ରକ୍ତ ପରାଇବା ବିଷୟରେ ପାପ କରିଅଛି । ତହିଁରେ ସେମାନେ କହିଲେ, ତାହା ଆମ୍ଭମାନଙ୍କର କି ? ତୁମ୍ଭେ ତାହା ଜାଣିବ ।

30 ତହୁଁ ସେ ସେହି ରୂପା ମୁଦ୍ରା ମନ୍ଦିରରେ ଫିଙ୍ଗି ଦେଇ ପ୍ରସ୍ଥାନ କଲା, ପୁଣି ଯାଇ ଆପଣାକୁ ଫାଶୀ ଦେଲା ।

31 ପରେ ପ୍ରଧାନ ଯାଜକମାନେ ସେହି ରୂପା ମୁଦ୍ରା ଗ୍ରହଣ କରି କହିଲେ, ଏହା ତ ରକ୍ତର ମୂଲ୍ୟ ବୋଲି ଭଣ୍ଡାରରେ ରଖିବା ଉଚିତ ନୁହେଁ ।

32 ପୁଣି ସେମାନେ ପରାମର୍ଶ କରି ସେହି ରୂପା ମୁଦ୍ରା ଦ୍ୱାରା କୁମ୍ଭାରର ପଡ଼ିଆ କିଣିଲେ, ତାହା ବିଦେଶୀମାନଙ୍କର କବର ସ୍ଥାନ ହେବା ନିମନ୍ତେ ।

Digitized by Google

ପୁତ୍ର ଅବ୍ଶାଲୋମ୍ ତାହାର ଭଗିନୀ ତାମରର ସତୀତ୍ୱ ନଷ୍ଟ କରିଥିବାର ଦାଉଦ ଶୁଣି ଅତ୍ୟନ୍ତ ରାଗାନ୍ୱିତ ହେଲେ।

33 ମାତ୍ର ଦାଉଦଙ୍କ ପୁତ୍ର ଅବ୍ଶାଲୋମ୍ ତାହାର ଭଗିନୀ ତାମରକୁ ଏ ବିଷୟରେ କିଛି କହି ନ ଥିଲା।

34 ଯିରୀୟର ସାନ୍ତାନ ଯିହୋନାଦବ ଦାଉଦଙ୍କ ପୁତ୍ର ଅମ୍ନୋନଙ୍କୁ କହିଲା: ହେ ରାଜାଙ୍କ ପୁତ୍ର ଅମ୍ନୋନ୍, ତୁମ୍ଭେ ଏପରି ଦୁଃଖିତ ଦେଖାଯାଉଛ କାହିଁକି? ତୁମ୍ଭେ ପ୍ରତିଦିନ ସକାଳେ ଉଠି ଏପରି ଦୁଃଖିତ ଦେଖାଯାଉଛ କାହିଁକି? ତୁମ୍ଭେ ମୋତେ କାରଣ କହିବା ଉଚିତ୍।

35 ତାହାଙ୍କର ଏହି ପରାମର୍ଶଦାତା ଯିହୋନାଦବ ତାହାଙ୍କୁ କହିଲା, ତୁମ୍ଭେ ଏପରି ଦୁଃଖିତ ଦେଖାଯାଉଛ କାହିଁକି? ତୁମ୍ଭେ ମୋତେ କାରଣ କହିବା ଉଚିତ୍। ତାମର ମୋର ଭଗିନୀ ଅବ୍ଶାଲୋମ୍ ଭଉଣୀ ଏବଂ ତାମର ମୋର ଭଉଣୀ ଅଟେ।

36 ତାପରେ ଅମ୍ନୋନ୍ ତାମରକୁ ଆସିବାକୁ ଦୂତ ପଠାଇଲା। ତାମର ଆସିଲା ଏବଂ ଅମ୍ନୋନ୍ ଶୋଇଥିବା ଘରକୁ ଗଲା।

37 ତାମର ଅମ୍ନୋନ୍ ପାଖକୁ ଯାଇଥିଲା। ତାମର ଅମ୍ନୋନ୍ ପାଖକୁ ଯାଇଥିବାର ଅବ୍ଶାଲୋମ୍ ଜାଣିଲା। ଅବ୍ଶାଲୋମ୍ ତାମରକୁ କହିଲା, ତୁମ୍ଭେ ଅମ୍ନୋନ୍ ପାଖକୁ ଯାଇଛ। ମୋର ଭଉଣୀ ତାମର, ତୁମ୍ଭେ ଏବେ ଚୁପ୍ ରୁହ। ଅମ୍ନୋନ୍ ତୁମ୍ଭର ଭାଇ। ତୁମ୍ଭେ ଏ ବିଷୟରେ ଚିନ୍ତା କରିବା ଉଚିତ୍ ନୁହେଁ। ତାମର ଦୁଃଖିତ ହୋଇ ଅବ୍ଶାଲୋମ୍ ଘରେ ରହିଲା।

38 ଅମ୍ନୋନ୍ ଗଶୂର ରାଜ୍ୟକୁ ପଳାଇଗଲା। ସେ ସେଠାରେ ତିନି ବର୍ଷ ରହିଲା।

39 ଦାଉଦ ରାଜା ଅମ୍ନୋନ୍‌ଙ୍କ ପ୍ରତି ଆଉ ରାଗିଲେ ନାହିଁ। ଅମ୍ନୋନ୍ ମରିଗଲା ବୋଲି ଦାଉଦ ଜାଣିଥିଲେ। ତେଣୁ ଦାଉଦ ଅମ୍ନୋନ୍‌ଙ୍କ ପ୍ରତି ଆଉ ରାଗିଲେ ନାହିଁ।

40 ଅବ୍ଶାଲୋମ୍ ଯୋୟାବଙ୍କୁ ଦୂତ ପଠାଇଲା। ଯୋୟାବ ତେକୋୟ ନଗରକୁ ଗଲା। ଯୋୟାବ ଏକ ଜ୍ଞାନୀ ସ୍ତ୍ରୀଲୋକକୁ ତେକୋୟ ନଗରରୁ ଆଣିଲା। ଯୋୟାବ ସ୍ତ୍ରୀଲୋକକୁ କହିଲା, ତୁମ୍ଭେ ଶୋକ କରୁଥିବା ଭଳି ଦେଖାଯାଉଛ। ତୁମ୍ଭେ ଶୋକ ପୋଷାକ ପିନ୍ଧିଛ। ତୁମ୍ଭେ ତୈଳ ଲଗାଇବା ଉଚିତ୍ ନୁହେଁ। ତୁମ୍ଭେ ଏପରି ଦେଖାଯିବା ଉଚିତ୍ ଯେପରି ତୁମ୍ଭେ ବହୁ ଦିନ ଧରି ମୃତ ଲୋକ ପାଇଁ ଶୋକ କରୁଛ।

41 ତାପରେ ତୁମ୍ଭେ ରାଜାଙ୍କ ପାଖକୁ ଯିବ। ତୁମ୍ଭେ ରାଜାଙ୍କୁ ଏହି ପରି କଥା କହିବ। ଯୋୟାବ ସ୍ତ୍ରୀଲୋକକୁ କଥା କହିବା ପାଇଁ ଶିଖାଇଲା।

Digitized by Google

42 ಯಾಕಂದರೆ ಅವರು ಯೆಹೂದ್ಯರಲ್ಲದವರಿಗೆ ಬೋಧಿಸಿ ಅವರು ಪಶ್ಚಾತ್ತಾಪಪಟ್ಟು ದೇವರ ಕಡೆಗೆ ತಿರುಗಿಕೊಳ್ಳಬೇಕೆಂದು ಮತ್ತು ನಮ್ಮ ಕರ್ತನಾದ ಯೇಸುವಿನಲ್ಲಿ ನಂಬಿಕೆಯಿಡಬೇಕೆಂದು ಸಾಕ್ಷಿ ಹೇಳಿದರು.

43 ಆಗ ಪ್ರವಾದಿಗಳು ಆತನ ವಿಷಯವಾಗಿ ಸಾಕ್ಷಿ ಹೇಳಿದ್ದಾರೆ. ಆತನಲ್ಲಿ ನಂಬಿಕೆಯಿಡುವ ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬನು ಆತನ ಹೆಸರಿನ ಮೂಲಕ ಪಾಪಕ್ಷಮಾಪಣೆಯನ್ನು ಹೊಂದುವನೆಂದು ಹೇಳಿದರು.

44 ಪೇತ್ರನು ಈ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಹೇಳುತ್ತಿರುವಾಗಲೇ ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನು ಆ ವಾಕ್ಯವನ್ನು ಕೇಳಿದವರೆಲ್ಲರ ಮೇಲೆ ಇಳಿದು ಬಂದನು. 45 ಸುನ್ನತಿಯವರಾದ ವಿಶ್ವಾಸಿಗಳೆಲ್ಲರು ಪೇತ್ರನೊಂದಿಗೆ ಬಂದಿದ್ದರು. ಅನ್ಯಜನರ ಮೇಲೂ ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನ ವರವು ಸುರಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿದ್ದನ್ನು ಕಂಡು ಅವರು ಆಶ್ಚರ್ಯಪಟ್ಟರು. 46 ಅನ್ಯಜನರು ಅನ್ಯಭಾಷೆಗಳಲ್ಲಿ ಮಾತನಾಡುವುದನ್ನು ಮತ್ತು ದೇವರನ್ನು ಸ್ತುತಿಸುವುದನ್ನು ಅವರು ಕೇಳಿಸಿಕೊಂಡರು. ಆಗ ಪೇತ್ರನು 47 ಇವರು ನಮ್ಮಂತೆಯೇ ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನನ್ನು ಹೊಂದಿದ್ದಾರೆ. ಆದ್ದರಿಂದ ಇವರಿಗೆ ದೀಕ್ಷಾಸ್ನಾನ ಮಾಡಿಸಲು ಯಾರಾದರೂ ಅಡ್ಡಿಪಡಿಸಬಹುದೇ? ಎಂದು ಕೇಳಿದನು.

೧೧

1 ಅನ್ಯಜನರು ಸಹ ದೇವರ ವಾಕ್ಯವನ್ನು ಸ್ವೀಕರಿಸಿಕೊಂಡರೆಂಬ ಸುದ್ದಿಯು ಯೆಹೂದಾ ಪ್ರಾಂತ್ಯದಲ್ಲಿದ್ದ ಅಪೊಸ್ತಲರಿಗೂ ಸಹೋದರರಿಗೂ ತಿಳಿಯಿತು.

2 ಆದ್ದರಿಂದ ಪೇತ್ರನು ಯೆರೂಸಲೇಮಿಗೆ ಬಂದಾಗ ಸುನ್ನತಿಯವರಾದ ವಿಶ್ವಾಸಿಗಳು ಅವನನ್ನು ಟೀಕಿಸಿದರು.

3 ಅವರು ಹೇಳಿದ್ದು, ನೀನು ಸುನ್ನತಿಯಿಲ್ಲದವರ ಮನೆಗೆ ಹೋಗಿ ಅವರೊಂದಿಗೆ

Digitized by Google

ಯಾವುದು ಮಾಡಿದ ಪಾಪವು ಪರಿಹಾರವಾಗುವುದು, ಯಾವುದು ಮಾಡಿದ ಪಾಪವು ಪರಿಹಾರವಾಗದು,

೯ ಆತನು ಅವರಿಗೂ ನಮಗೂ ಯಾವ ಭೇದವನ್ನೂ ಮಾಡದೆ ಅವರ ಹೃದಯಗಳನ್ನು
ನಂಬಿಕೆಯಿಂದ ಶುದ್ಧಮಾಡಿದನು.

೧೦ ಆದದರಿಂದ ಶಿಷ್ಯರ ಕೊರಳಿಗೆ ನಮ್ಮ ಪಿತೃಗಳಿಗಾಗಲಿ ನಮಗಾಗಲಿ ಹೊರಲಾರದ
ನೊಗವನ್ನು ಇಡುವದರಿಂದ ಈಗ ದೇವರನ್ನು ಪರೀಕ್ಷೆಮಾಡುವವರು ಯಾರು?

೧೧ ಆದರೆ ಕರ್ತನಾದ ಯೇಸುವಿನ ಕೃಪೆಯಿಂದಲೇ ನಾವು ರಕ್ಷಣೆಹೊಂದುವೆವೆಂದು
ನಂಬಿದ್ದೇವೆ; ಅವರೂ ಹಾಗೆಯೇ ನಂಬಿದ್ದಾರೆ.

೧೨ ಆಗ ಸಭೆಯವರೆಲ್ಲರು ಸುಮ್ಮನಿದ್ದು ಬಾರ್ನಬನು ಪೌಲನು ಇವರು ಅನ್ಯಜನರಲ್ಲಿ
ಮಾಡಿದ ಮಹತ್ಕಾರ್ಯಗಳನ್ನೂ ಅದ್ಭುತಗಳನ್ನೂ ಕುರಿತು ಹೇಳುವದನ್ನು ಕೇಳುತ್ತಿದ್ದರು.

೧೩ ಅವರು ಮಾತಾಡಿದ ಮೇಲೆ ಯಾಕೋಬನು ಅವರಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ
ಸಹೋದರರೇ, ನನ್ನ ಮಾತನ್ನು ಕೇಳಿರಿ. ಆದಿಯಲ್ಲಿ ದೇವರು ಅನ್ಯಜನರನ್ನು ಕಟಾಕ್ಷಿಸಿ
ತಮ್ಮ ಹೆಸರಿಗೋಸ್ಕರ ಅವರೊಳಗಿಂದ ಜನರನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವದಕ್ಕೆ ಹೇಗೆ ಅನುಗ್ರಹಿಸಿದನೆಂಬದನ್ನು
ಸಿಮೆಯೋನನು ತಿಳಿಸಿದ್ದಾನೆ.

೧೪ ಇದಕ್ಕೆ ಪ್ರವಾದಿಗಳ ಮಾತುಗಳು ಸಮ್ಮತವಾಗಿವೆ. ಅವುಗಳಲ್ಲಿ ಬರೆದಿರುವದೇನಂದರೆ
೧೫ ಇದಾದ ಮೇಲೆ ನಾನು ತಿರುಗಿ ಬಂದು ಕುಸಿದುಬಿದ್ದಿರುವ ದಾವೀದನ ಗುಡಾರವನ್ನು
ಪುನಃ ಕಟ್ಟುವೆನು; ಅದರ ಹಾಳುಬಿದ್ದಿರುವ ಭಾಗಗಳನ್ನು ಪುನಃ ಕಟ್ಟಿ ಅದನ್ನು ಸರಿಪಡಿಸುವೆನು.

೧೫ ಇದಕ್ಕೆ ಪ್ರವಾದಿಗಳ ಮಾತುಗಳು ಸಮ್ಮತವಾಗಿವೆ. ಅವುಗಳಲ್ಲಿ ಬರೆದಿರುವದು

Digitized by Google

ကြယ်တို့ကိုလည်း ဖန်ဆင်းတော်မူ၏။ ထိုကြယ်တို့ကို ကောင်းကင်ယံ၌ ထားတော်မူ၏။ ကမ္ဘာမြေကို အလင်းပေးခြင်းငှာ၊ နေ့နှင့် ညကို အုပ်စိုးခြင်းငှာ၊ အလင်းနှင့် အမှောင်ကို ခွဲခြားခြင်းငှာ ဘုရားသခင် ထားတော်မူကြောင်း ဖြစ်၏။ ဘုရားသခင်သည် ကောင်းသည်ဟု မြင်တော်မူ၏။

16 ညနေရောက်၍ မိုဃ်းချုပ်သောအခါ၊ ပထမနေ့ ဖြစ်၏။ ဒုတိယနေ့ ရောက်သောအခါ၊ ရေတို့ကြားမှာ ကောင်းကင်ပြင်ဟူသော အာကာသကို ဖန်ဆင်းတော်မူ၏။ ထိုကောင်းကင်ပြင်သည် ရေတို့ကို ခွဲခြားတော်မူ၏။ ထိုသို့ ဘုရားသခင် ပြုတော်မူကြောင်း ဖြစ်၏။ ထိုကောင်းကင်ပြင်ကို မိုဃ်းဟု ခေါ်တော်မူ၏။ ဒုတိယနေ့ ဖြစ်၏။

17 ဘုရားသခင်သည် ကောင်းကင်ပြင်ကို ကမ္ဘာမြေပေါ်မှာ ထားတော်မူ၏။ ကောင်းကင်ပြင်ပေါ်မှ ရေတို့ကို ကမ္ဘာမြေပေါ်မှာ စုဝေးစေတော်မူ၏။ ကမ္ဘာမြေပေါ်မှာ ခြောက်သွေ့သောအရပ်ကို ပေါ်စေတော်မူ၏။ ထိုသို့ ဘုရားသခင် ပြုတော်မူကြောင်း ဖြစ်၏။

18 ဘုရားသခင်သည် ကမ္ဘာမြေကို အသီးအပွင့်ရှိသော အပင်တို့ကို ပေါက်စေတော်မူ၏။ ထိုအပင်တို့သည် မျိုးစေ့ရှိသော အပင်တို့ကို ပေါက်စေတော်မူ၏။ အသီးအပွင့်ရှိသော အပင်တို့သည် မျိုးစေ့ရှိသော အသီးကို သီးကြ၏။ ထိုသို့ ဘုရားသခင် ပြုတော်မူကြောင်း ဖြစ်၏။

19 ဘုရားသခင်သည် ကမ္ဘာမြေကို အလင်းပေးခြင်းငှာ၊ ကောင်းကင်ပြင်၌ ကြယ်တို့ကို ထားတော်မူ၏။ ထိုကြယ်တို့သည် နေ့နှင့် ညကို အုပ်စိုးခြင်းငှာ၊ အလင်းနှင့် အမှောင်ကို ခွဲခြားခြင်းငှာ ဘုရားသခင် ထားတော်မူကြောင်း ဖြစ်၏။ ဘုရားသခင်သည် ကောင်းသည်ဟု မြင်တော်မူ၏။

20 ဘုရားသခင်သည် ရေတို့ထဲမှာ သတ္တဝါတို့ကို ပေါက်စေတော်မူ၏။ ထိုသတ္တဝါတို့သည် ကောင်းကင်ပြင်ကို ဖြတ်၍ ပျံသန်းကြစေသတည်း။ ထိုသို့ ဘုရားသခင် ပြုတော်မူကြောင်း ဖြစ်၏။

Digitized by Google

21 ಮತ್ತು ಅವರು ಒಬ್ಬ ರಾಜನನ್ನು ಕೇಳಿಕೊಂಡರು; ಆಗ ದೇವರು ಬೆನ್ಯಾಮೀನ್ ಕುಲದವನಾದ ಕೀಷನ ಮಗನಾದ ಸೌಲನನ್ನು ಅವರಿಗೆ ನಾಲ್ವತ್ತು ವರ್ಷಗಳ ಕಾಲ ಕೊಟ್ಟರು.

22 ಮತ್ತು ಆತನನ್ನು ತೆಗೆದುಹಾಕಿದ ಮೇಲೆ ಅವರಿಗೆ ದಾವೀದನನ್ನು ರಾಜನನ್ನಾಗಿ ಎಬ್ಬಿಸಿದರು; ಆತನ ವಿಷಯವಾಗಿ ಸಾಕ್ಷಿಕೊಟ್ಟು ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಯೆಸ್ಸೆಯ ಮಗನಾದ ದಾವೀದನು ನನ್ನ ಮನಸ್ಸಿಗೆ ಸರಿಯಾದ ಮನುಷ್ಯನು; ಅವನು ನನ್ನ ಚಿತ್ತವನ್ನೆಲ್ಲಾ ನೆರವೇರಿಸುವನು.

23 ಈ ಮನುಷ್ಯನ ಸಂತತಿಯಿಂದಲೇ ದೇವರು ವಾಗ್ದಾನ ಮಾಡಿದಂತೆ ಇಸ್ರಾಯೇಲರಿಗೆ ರಕ್ಷಕನಾದ ಯೇಸುವನ್ನು ತಂದಿದ್ದಾರೆ. ಯೋಹಾನನು ಆತನ ಬರವಿಗೆ ಮುಂಚೆ ಇಸ್ರಾಯೇಲರೆಲ್ಲರಿಗೂ ಪಶ್ಚಾತ್ತಾಪದ ದೀಕ್ಷಾಸ್ನಾನವನ್ನು ಬೋಧಿಸಿದನು. ಆತನು ತನ್ನ ಜೀವಮಾನವನ್ನು ಮುಗಿಸುವಾಗ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ನೀವು ನನ್ನನ್ನು ಯಾರೆಂದು ಎಣಿಸುತ್ತೀರಿ? ನಾನು ಆತನಲ್ಲ. ಆದರೆ ನೋಡಿರಿ, ಆತನು ನನ್ನ ಹಿಂದೆ ಬರುತ್ತಾನೆ; ಆತನ ಪಾದರಕ್ಷೆಗಳ ಕಟ್ಟನ್ನು ಬಿಚ್ಚುವುದಕ್ಕೂ ನಾನು ಯೋಗ್ಯನಲ್ಲ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

24 ಯಾಕೋಬನು ಬರುವುದಕ್ಕಿಂತ ಮುಂಚೆ ಆತನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷನಾಗಿ ಇಸ್ರಾಯೇಲರೆಲ್ಲರಿಗೂ ಪಶ್ಚಾತ್ತಾಪದ ದೀಕ್ಷಾಸ್ನಾನವನ್ನು ಬೋಧಿಸಿದನು.

25 ಈ ಮನುಷ್ಯನ ಸಂತತಿಯಿಂದಲೇ ದೇವರು ಇಸ್ರಾಯೇಲರಿಗೆ ರಕ್ಷಕನಾದ ಯೇಸುವನ್ನು ತಂದಿದ್ದಾರೆ. ಯೋಹಾನನು ಆತನ ಬರವಿಗೆ ಮುಂಚೆ ಇಸ್ರಾಯೇಲರೆಲ್ಲರಿಗೂ ಪಶ್ಚಾತ್ತಾಪದ ದೀಕ್ಷಾಸ್ನಾನವನ್ನು ಬೋಧಿಸಿದನು. ಆತನು ತನ್ನ ಜೀವಮಾನವನ್ನು ಮುಗಿಸುವಾಗ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ನೀವು ನನ್ನನ್ನು ಯಾರೆಂದು ಎಣಿಸುತ್ತೀರಿ? ನಾನು ಆತನಲ್ಲ. ಆದರೆ ನೋಡಿರಿ, ಆತನು ನನ್ನ ಹಿಂದೆ ಬರುತ್ತಾನೆ; ಆತನ ಪಾದರಕ್ಷೆಗಳ ಕಟ್ಟನ್ನು ಬಿಚ್ಚುವುದಕ್ಕೂ ನಾನು ಯೋಗ್ಯನಲ್ಲ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

26 ಸಹೋದರರೇ, ಅಬ್ರಹಾಮನ ಸಂತತಿಯವರೇ, ಮತ್ತು ನಿಮ್ಮಲ್ಲಿ ದೇವರಿಗೆ ಭಯಪಡುವವರೇ, ಈ ರಕ್ಷಣೆಯ ವಾರ್ತೆಯು ನಮಗೆ ಕಳುಹಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ.

Digitized by Google

ကယ်တင်ခြင်း၊ ဘုရားသခင်၏ကြင်နာတော်မူခြင်းကို ခံရသော ဘုရားသခင်၏ လူမျိုးတော်ဖြစ်ကြောင်း ထင်ရှားသောအားဖြင့် ဘုရားသခင်ကို ကိုယ်စားပြုသော ဘုရားသခင်၏ ကိုယ်စားလှယ

21 ಅಂತಾದರೂ ಅವರು ಅವನನ್ನು ಬೆದರಿಸಿ ಬಿಡುಗಡೆ ಮಾಡಿದರು; ಯಾಕಂದರೆ ಜನರೆಲ್ಲರು ಸಂಭವಿಸಿದ ಕಾರ್ಯವನ್ನು ಕುರಿತು ದೇವರನ್ನು ಮಹಿಮೆಪಡಿಸಿದ್ದರಿಂದ ಅವರು ಜನರ ನಿಮಿತ್ತ ಅವನನ್ನು ಶಿಕ್ಷಿಸಲು ಸಂಧಿ ಸಿಕ್ಕದೆ ಹೋಯಿತು.

22 ಅಂತಾದರೂ ಅವರು ಅವನನ್ನು ಬೆದರಿಸಿ ಬಿಡುಗಡೆ ಮಾಡಿದರು; ಯಾಕಂದರೆ ಯಾವ ಮನುಷ್ಯನಲ್ಲಿ ಈ ಗುಣಪಡಿಸುವ ಪವಾಡವು ಆಗಿತ್ತೋ, ಅವನು ನಲ್ವತ್ತು ವರುಷಕ್ಕಿಂತ ಹೆಚ್ಚಿನ ವಯಸ್ಸಿನವನಾಗಿದ್ದನು.

23 ಇವರು ಬಿಡುಗಡೆಯಾಗಿ ತಮ್ಮ ಸಹೋದರರ ಬಳಿಗೆ ಬಂದು, ಮಹಾ ಯಾಜಕರೂ ಹಿರಿಯರೂ ತಮಗೆ ಹೇಳಿದ ಮಾತುಗಳನ್ನೆಲ್ಲಾ ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಿದರು. ಅವರು ಇದನ್ನು ಕೇಳಿ ಒಮ್ಮನಸ್ಸಿನಿಂದ ದೇವರಿಗೆ ಮೊರೆಯಿಟ್ಟು ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಕರ್ತನೇ, ನೀನು ಆಕಾಶ ಭೂಮಿ ಸಮುದ್ರ ಮತ್ತು ಅವುಗಳಲ್ಲಿರುವ ಸಮಸ್ತವನ್ನು ಉಂಟುಮಾಡಿದವನು. ನೀನು ನಮ್ಮ ತಂದೆಯಾದ ದಾವೀದನ ಬಾಯಿಂದ ನಿನ್ನ ಸೇವಕನಾದ ಆತನಿಗೆ ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನಿಂದ ಹೇಳಿಸಿದ್ದೇನಂದರೆ,

24 ಯಾಕೆ ಅನ್ಯಜನಾಂಗಗಳು ಕೋಪಗೊಂಡರು, ಜನಾಂಗಗಳು ವ್ಯರ್ಥವಾದ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಯೋಚಿಸಿದವು?

25 ಇವರು ತಮ್ಮ ಸಹೋದರರ ಬಳಿಗೆ ಬಂದು, ಮಹಾ ಯಾಜಕರೂ ಹಿರಿಯರೂ ತಮಗೆ ಹೇಳಿದ ಮಾತುಗಳನ್ನೆಲ್ಲಾ ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಿದರು. ಅವರು ಇದನ್ನು ಕೇಳಿ ಒಮ್ಮನಸ್ಸಿನಿಂದ ದೇವರಿಗೆ ಮೊರೆಯಿಟ್ಟು ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಕರ್ತನೇ, ನೀನು ಆಕಾಶ ಭೂಮಿ ಸಮುದ್ರ ಮತ್ತು ಅವುಗಳಲ್ಲಿರುವ ಸಮಸ್ತವನ್ನು ಉಂಟುಮಾಡಿದವನು. ನೀನು ನಮ್ಮ ತಂದೆಯಾದ ದಾವೀದನ ಬಾಯಿಂದ ನಿನ್ನ ಸೇವಕನಾದ ಆತನಿಗೆ ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನಿಂದ ಹೇಳಿಸಿದ್ದೇನಂದರೆ,

26 ಭೂಮಿಯ ರಾಜರು ನಿಂತುಕೊಂಡರು, ಅಧಿಪತಿಗಳು ಕರ್ತನಿಗೂ ಆತನ ಅಭಿಷಿಕ್ತನಿಗೂ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಒಟ್ಟಾಗಿ ಕೂಡಿಬಂದರು.

Digitized by Google

27 ಇವರನ್ನು ಅವರು ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬಂದು ಸಭೆಯ ಮುಂದೆ ನಿಲ್ಲಿಸಿದರು. ಮಹಾ ಯಾಜಕನು ಅವರನ್ನು ವಿಚಾರಣೆ ಮಾಡಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, **28** ಈ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಉಪದೇಶ ಮಾಡಬಾರದೆಂದು ನಾವು ನಿಮಗೆ ಖಂಡಿತವಾಗಿ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ್ದೆವಲ್ಲವೇ? ಆದರೆ ನೀವು ನಿಮ್ಮ ಉಪದೇಶದಿಂದ ಯೆರೂಸಲೇಮನ್ನು ತುಂಬಿಸಿದ್ದೀರಿ. ಈ ಮನುಷ್ಯನ ರಕ್ತಕ್ಕೆ ನಾವು ಹೊಣೆಗಾರರೆಂದು ನಮ್ಮ ಮೇಲೆ ಬರಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕೆಂದಿದ್ದೀರಿ.

29 ಪೇತ್ರನು ಅಪೊಸ್ತಲರು ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಮನುಷ್ಯರಿಗಿಂತ ದೇವರಿಗೆ ವಿಧೇಯರಾಗಿರಬೇಕು. **30** ನೀವು ಮರದಲ್ಲಿ ತೂಗುಹಾಕಿ ಕೊಂದುಬಿಟ್ಟ ಯೇಸುವನ್ನು ನಮ್ಮ ಪಿತೃಗಳ ದೇವರು ಎಬ್ಬಿಸಿದನು. **31** ಆತನಿಗೆ ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರಿಗೆ ಮನಃಪರಿವರ್ತನೆಯನ್ನೂ ಪಾಪಕ್ಷಮಾಪಣೆಯನ್ನೂ ಅನುಗ್ರಹಿಸಲು ದೇವರು ತನ್ನ ಬಲಗಡೆಯಲ್ಲಿ ಅಧಿಪತಿಯನ್ನಾಗಿಯೂ ರಕ್ಷಕನನ್ನಾಗಿಯೂ ಉನ್ನತಕ್ಕೇರಿಸಿದನು.

32 ಇದಕ್ಕೆ ನಾವು ಸಾಕ್ಷಿಗಳಾಗಿದ್ದೇವೆ. ಇದಲ್ಲದೆ ದೇವರು ತನಗೆ ವಿಧೇಯರಾಗುವವರಿಗೆ ಅನುಗ್ರಹಿಸಿದ ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನೂ ಸಾಕ್ಷಿಯಾಗಿದ್ದಾನೆ.

33 ಇದನ್ನು ಕೇಳಿದವರು ಕೋಪಗೊಂಡು ಅವರನ್ನು ಕೊಲ್ಲಬೇಕೆಂದು

Digitized by Google

34 [illegible]

35 [illegible]

36 [illegible]

37 [illegible]

Digitized by Google

38 ଇତ୍ତୟ ଗିତ୍ତୀୟ ଲୋକ ଇତ୍ତୟ ଗିତ୍ତୀୟ ଲୋକ ଥିଲା ।

39 ଅହୀଯାମ ସରୋୟର ପୁତ୍ର ଇଲୀୟାମ ଅହୀଯାମ ଇଲୀୟାମ ଗିତ୍ତୀୟ ଲୋକ ଉରୀୟ ଅହୀଯାମ ଉରୀୟ ଗିତ୍ତୀୟ ଲୋକ ହିତ୍ତୀୟ ଲୋକ ଉରୀୟ ଥିଲା ।

୨୪ ଅଧ୍ୟାୟ

1 ପୁଣି ଯିହୋବାଙ୍କର କ୍ରୋଧ ପୁନର୍ବାର ଇସ୍ରାଏଲ ପ୍ରତି ପ୍ରଜ୍ୱଳିତ ହେଲା, ଆଉ ସେ ଯିହୁଦା ପ୍ରତି ଦାଉଦଙ୍କୁ ପ୍ରବର୍ତ୍ତାଇଲେ, ଏଥିପାଇଁ ସେ ଯାଇ ଇସ୍ରାଏଲ ଓ ଯିହୁଦା ଲୋକମାନଙ୍କର ଗଣନା କର ।

2 ତହିଁରେ ରାଜା ଆପଣା ସଙ୍ଗୀ ସେନାପତି ଯୋୟାବକୁ କହିଲେ, ଏବେ ତୁମ୍ଭେ ଦାନ ଠାରୁ ବେର୍‌ଶେବା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଇସ୍ରାଏଲର ସମସ୍ତ ବଂଶ ମଧ୍ୟରେ ଗମନାଗମନ କର, ଆଉ ତୁମ୍ଭେମାନେ ଲୋକସଂଖ୍ୟା କରିବାକୁ ଆମ୍ଭେ ଯେପରି ଜାଣିବା, ଏଥିପାଇଁ ଲୋକମାନଙ୍କର ସଂଖ୍ୟା ନିରୂପଣ କର ।

3 ଯୋୟାବ ରାଜାଙ୍କୁ କହିଲା, ଏବେ ଯେପରି ଅଛି, ତଦପେକ୍ଷା ଆପଣାର ପରମେଶ୍ୱର ଯିହୋବା ଲୋକମାନଙ୍କୁ ଶହଗୁଣ ଅଧିକ କରନ୍ତୁ, ଆଉ ମହାରାଜଙ୍କ ଚକ୍ଷୁ ତାହା ଦେଖୁଥାଉ; ମାତ୍ର ମହାରାଜଙ୍କର ପ୍ରଭୁ ଯିହୋବା କାହିଁକି ଏହି କର୍ମରେ ଆନନ୍ଦ କରନ୍ତି ?

Digitized by Google

4 ಸಾರ್ದಿಸ್ ಪಟ್ಟಣದಲ್ಲಿರುವ ನಿನ್ನ ಸಭೆಗೆ ಈ ಸಂದೇಶವನ್ನು ಬರೆ. ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನ ಏಳು ಪಟ್ಟಣಗಳನ್ನೂ ಏಳು ನಕ್ಷತ್ರಗಳನ್ನೂ ಹೊಂದಿರುವವನು ಹೀಗೆ ಹೇಳುತ್ತಾನೆ: ನಾನು ನಿನ್ನ ಕಾರ್ಯಗಳನ್ನು ಬಲ್ಲೆನು. ನೀನು ಜೀವಿಸುತ್ತಿದ್ದೀಯೆಂದು ಜನರು ಹೇಳುತ್ತಾರೆ, ಆದರೆ ನೀನು ಸತ್ತಿದ್ದೀಯೆ.

5 ಆದ್ದರಿಂದ ನೀನು ಏನನ್ನು ಕೇಳಿದೆಯೋ ಅದನ್ನು ನೆನಪಿಟ್ಟುಕೊಂಡು ಅದಕ್ಕೆ ವಿಧೇಯನಾಗಿರು. ಪಶ್ಚಾತ್ತಾಪಪಡು. ನೀನು ಎಚ್ಚರವಾಗಿರದಿದ್ದರೆ ನಾನು ಕಳ್ಳನಂತೆ ಬರುವೆನು. ನಾನು ಯಾವ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ನಿನ್ನ ಬಳಿಗೆ ಬರುವೆನೆಂಬುದು ನಿನಗೆ ತಿಳಿಯುವುದಿಲ್ಲ.

6 ಆದರೆ ಸಾರ್ದಿಸ್ ಪಟ್ಟಣದಲ್ಲಿ ನಿನ್ನೊಂದಿಗೆ ಕೆಲವು ಜನರಿದ್ದಾರೆ. ಅವರು ತಮ್ಮ ಬಟ್ಟೆಗಳನ್ನು ಕೊಳೆಯಾಗಿಸಿಕೊಂಡಿಲ್ಲ. ಅವರು ನನ್ನೊಂದಿಗೆ ಬಿಳಿ ವಸ್ತ್ರಗಳನ್ನು ಧರಿಸಿಕೊಂಡು ನಡೆಯುವರು. ಅವರು ಅದಕ್ಕೆ ಯೋಗ್ಯರಾಗಿದ್ದಾರೆ.

7 ಫಿಲದೆಲ್ಫಿಯ ಪಟ್ಟಣದಲ್ಲಿರುವ ನಿನ್ನ ಸಭೆಗೆ ಈ ಸಂದೇಶವನ್ನು ಬರೆ. ಪವಿತ್ರನೂ ಸತ್ಯವಂತನೂ ಆಗಿರುವವನು ಹೀಗೆ ಹೇಳುತ್ತಾನೆ: ದಾವೀದನ ಕೀಲಿಕೈಯನ್ನು ಹೊಂದಿರುವವನು ನಾನೇ. ನಾನು ತೆರೆದರೆ ಯಾರೂ ಮುಚ್ಚಲಾರರು. ನಾನು ಮುಚ್ಚಿದರೆ ಯಾರೂ ತೆರೆಯಲಾರರು.

8 ನಾನು ನಿನ್ನ ಕಾರ್ಯಗಳನ್ನು ಬಲ್ಲೆನು. ನಾನು ನಿನಗೆ ಒಂದು ಬಾಗಿಲನ್ನು ತೆರೆದಿಟ್ಟಿದ್ದೇನೆ. ಅದನ್ನು ಯಾರೂ ಮುಚ್ಚಲಾರರು. ನೀನು ಬಲಿಷ್ಠನಲ್ಲವೆಂಬುದು ನನಗೆ ತಿಳಿದಿದೆ.

9 ಯೆಹೂದ್ಯರಲ್ಲದವರಾಗಿದ್ದರೂ ಯೆಹೂದ್ಯರೆಂದು ಹೇಳಿಕೊಳ್ಳುವ ಸೈತಾನನ ಸಭೆಯವರನ್ನು ನಾನು ನಿನ್ನ ಬಳಿಗೆ ಕಳುಹಿಸುವೆನು. ಅವರು ಸುಳ್ಳು ಹೇಳುತ್ತಿದ್ದಾರೆ. ಆದರೆ ನಾನು ಅವರನ್ನು ನಿನ್ನ ಪಾದಗಳ ಬಳಿ ಬಂದು ಅಡ್ಡಬೀಳುವಂತೆ ಮಾಡುವೆನು. ನಾನು ನಿನ್ನನ್ನು ಪ್ರೀತಿಸುತ್ತೇನೆಂಬುದನ್ನು ಅವರು ತಿಳಿಯುವರು.

10 ಭೂಮಿಯ ಮೇಲೆ ವಾಸಿಸುವ ಜನರನ್ನು ಪರೀಕ್ಷಿಸಲು ಭೂಮಿಯ ಮೇಲೆ ಬರಲಿರುವ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ನೀನು ತಾಳ್ಮೆಯಿಂದಿರಬೇಕೆಂಬ ನನ್ನ ಆಜ್ಞೆಯನ್ನು ನೀನು ಪಾಲಿಸಿರುವುದರಿಂದ ನಾನು ನಿನ್ನನ್ನು ಆ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ರಕ್ಷಿಸುವೆನು.

Digitized by Google

11 ଯିହିଯାଦାର ଏହି ଏହି ପୁତ୍ର ଓ ଏହି ଏହି ଲୋକ ଏହି ଏହି କଥା କହିଲେ, ତାହା ତୁମ୍ଭେ ଶୁଣିଅଛ ।

12 ଯିହିଯାଦାର ପୁତ୍ର ପଲଟୀୟ ଓ ବନାୟାର ପୁତ୍ର ପଲାଟୀୟ ଏହି ଦୁଇ ଜଣ ଲୋକ ଏହି ଏହି କଥା କହିଲେ ।

13 ତାହାତେ ମୋତେ ପଡ଼ିଥିବା ସମସ୍ତ ଲୋକ ଏହି ଏହି କଥା କହିଲେ, ଆମ୍ଭେମାନେ ସମସ୍ତେ ସମସ୍ତେ ଏହି ଏହି କଥା କହିଲୁ ।

14 ଯିହିଯାଦାର ପୁତ୍ର ଯିହୋଶୂୟ ଓ ଯିହୋଶୂୟ

19 ...

20 ...

21 ...

22 ...

23 ...

24 ...

25 ...

Digitized by Google

26 ಅದಲ್ಲದೆ ಆ ಪಟ್ಟಣದವರು ಅವನನ್ನು ಹಿಡಿದು ಅವನು ಸತ್ತವನೆಂದು ಎಣಿಸಿ ಪಟ್ಟಣದ ಹೊರಗೆ ಎಳೆದುಕೊಂಡು ಹೋದರು; ಆದರೆ ಶಿಷ್ಯರು ಅವನ ಸುತ್ತಲು ನಿಂತಿರಲು ಅವನು ಎದ್ದು ಪಟ್ಟಣದೊಳಗೆ ಹೋದನು. ಮರುದಿನ ಅವನು ಬಾರ್ನಬನ ಸಂಗಡ ದೆರ್ಬೆಗೆ ಹೋದನು.

27 ಅವರು ಅಲ್ಲಿ ಸುವಾರ್ತೆಯನ್ನು ಸಾರಿ ಅನೇಕರನ್ನು ಶಿಷ್ಯರನ್ನಾಗಿ ಮಾಡಿದ ಮೇಲೆ ಲುಸ್ತ್ರಕ್ಕೂ ಇಕೋನ್ಯಕ್ಕೂ ಅಂತಿಯೋಕ್ಯಕ್ಕೂ ತಿರುಗಿ ಬಂದರು. ಅವರು ಅಲ್ಲಿ ಶಿಷ್ಯರ ಮನಸ್ಸನ್ನು ಸ್ಥಿರಪಡಿಸಿ ನಂಬಿಕೆಯಲ್ಲಿ ನೆಲೆಗೊಳ್ಳುವಂತೆ ಅವರನ್ನು ಪ್ರೋತ್ಸಾಹಿಸಿ "ನಾವು ಬಹಳ ಸಂಕಟಗಳನ್ನು ಅನುಭವಿಸಿ ದೇವರ ರಾಜ್ಯವನ್ನು ಪ್ರವೇಶಿಸಬೇಕು" ಎಂದು ಹೇಳಿದರು.

28 ಅವರು ಅಲ್ಲಿ ಶಿಷ್ಯರ ಸಂಗಡ ಬಹಳ ಕಾಲ ಇದ್ದರು.

29 ಪೌಲ ಮತ್ತು ಅವನ ಸಂಗಡಿಗರು ಪಿಸಿದ್ಯ ಸೀಮೆಯಲ್ಲಿ ಸಂಚರಿಸಿ ಪಂಫುಲ್ಯಕ್ಕೆ ಬಂದರು. ಅವರು ಪೆರ್ಗೆಯಲ್ಲಿ ವಾಕ್ಯವನ್ನು ಸಾರಿದ ಮೇಲೆ ಅತ್ತಾಲಿಯಕ್ಕೆ ಇಳಿದು ಹೋದರು. ಅಲ್ಲಿಂದ ಹಡಗಿನಲ್ಲಿ ಅಂತಿಯೋಕ್ಯಕ್ಕೆ ಹಿಂತಿರುಗಿ ಬಂದರು. ಅಲ್ಲಿ ಅವರು ಈಗ ನೆರವೇರಿಸಿದ ಕೆಲಸಕ್ಕಾಗಿ ಅವರನ್ನು ದೇವರ ಕೃಪೆಗೆ ಒಪ್ಪಿಸಿಕೊಟ್ಟಿದ್ದರು.

30 ಅಲ್ಲಿಗೆ ಬಂದಾಗ ಅವರು ಸಭೆಯವರನ್ನು ಕೂಡಿಸಿ ದೇವರು ತಮ್ಮ ಮುಖಾಂತರ ಮಾಡಿದ ಕಾರ್ಯಗಳನ್ನೆಲ್ಲಾ ಮತ್ತು ಆತನು ಅನ್ಯಜನರಿಗೆ ನಂಬಿಕೆಯ ಬಾಗಿಲನ್ನು ತೆರೆದದ್ದನ್ನು ತಿಳಿಸಿದರು. ಅಲ್ಲಿ ಅವರು ಶಿಷ್ಯರ ಸಂಗಡ ಬಹಳ ಕಾಲ ಇದ್ದರು.

31 ಯೆಹೂದ್ಯರಲ್ಲಿ ಕೆಲವರು ಯೆಹೂದಾಯಕ್ಕೆ ಬಂದು ಸಹೋದರರಿಗೆ ಬೋಧಿಸಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಮೋಶೆಯ ಪದ್ಧತಿಯ ಪ್ರಕಾರ ನೀವು ಸುನ್ನತಿ ಹೊಂದದಿದ್ದರೆ ರಕ್ಷಣೆ ಹೊಂದಲಾರಿರಿ. ಇದರ ವಿಷಯವಾಗಿ ಪೌಲ ಬಾರ್ನಬರಿಗೂ ಅವರಿಗೂ ಬಹಳ ವಾದವಿವಾದ ಮತ್ತು ತರ್ಕವಿತರ್ಕ ಉಂಟಾಯಿತು. ಆಗ ಪೌಲ ಬಾರ್ನಬರೂ ಅವರಲ್ಲಿ ಕೆಲವರೂ ಈ ವಿಷಯವಾಗಿ ಯೆರೂಸಲೇಮಿನಲ್ಲಿರುವ ಅಪೊಸ್ತಲರ ಮತ್ತು ಹಿರಿಯರ ಬಳಿಗೆ ಹೋಗಬೇಕೆಂದು ನಿರ್ಣಯಿಸಿದರು.

Digitized by Google

32 ଯିହୋଶାଫଟ ତାହାର ପିତୃପୁରୁଷମାନଙ୍କ ସହିତ ନିଦ୍ରା ଗେଲେ, ଓ ତାହାର ପିତୃପୁରୁଷମାନଙ୍କ ସହିତ ଦାଉଦ ନଗରରେ ତାହାଙ୍କର ପିତୃଲୋକମାନଙ୍କ ସମାଧିରେ ତାହାଙ୍କୁ କବର ଦିଆଗଲା; ଆଉ ତାହାଙ୍କ ପୁତ୍ର ଯିହୋରାମ ତାହାଙ୍କ ପରିବର୍ତ୍ତେ ରାଜତ୍ୱ କଲେ।

33 ଏଥିଉତ୍ତାରେ ଯିହୋଶାଫଟ ଯିରୂଶାଲମରେ ରାଜତ୍ୱ କରିବାର ପଞ୍ଚବିଂଶତି ବର୍ଷରେ ଇସ୍ରାଏଲର ରାଜା ଆହାବର ପୁତ୍ର ଯିହୋରାମ ଶମରୀୟାରେ ରାଜତ୍ୱ କରିବାକୁ ଆରମ୍ଭ କଲେ, ଆଉ ଦ୍ୱାଦଶ ବର୍ଷ ରାଜତ୍ୱ କଲେ।

34 ଆଉ ଯିହୋରାମ ଆପଣା ପିତାର ଓ ଆପଣା ମାତାର ଦୃଷ୍ଟିରେ ଯାହା ମନ୍ଦ ତାହା କଲେ; କାରଣ ସେ ଆପଣା ପିତା ଯେଉଁ ବାଲ ସ୍ତମ୍ଭ ନିର୍ମାଣ କରିଥିଲେ, ତାହା ଭାଙ୍ଗି ପକାଇଲେ।

35 ତଥାପି ସେ ଇସ୍ରାଏଲକୁ ପାପ କରାଇବା ନିମନ୍ତ୍ତ ଯେଉଁ ନବାଟର ପୁତ୍ର ଯାରବିୟାମ ପାପ କରିଥିଲେ, ତାହାଙ୍କ ପଥରେ ଚାଲିବା ତ୍ୟାଗ କଲେ ନାହିଁ।

36 ଆଉ ଅହିୟ ଶୀଲୋନୀୟ ଯେଉଁ ଦାସମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଏହି ସମସ୍ତ କଥା କହିଥିଲେ, ସେମାନଙ୍କ ଲିଖିତ ବିବରଣୀ ଯିହୋଶାଫଟଙ୍କ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ କଥା ଓ ତାହାଙ୍କ ସମସ୍ତ କର୍ମ ଯିହୁଦା ରାଜାମାନଙ୍କ ବୃତ୍ତାନ୍ତ ପୁସ୍ତକରେ ଲିଖିତ ନାହିଁ କି?

37 ଯେଉଁ ଦିନ ଯିହୋଶାଫଟ ଯିରୂଶାଲମରେ ରାଜତ୍ୱ କରିବାକୁ ଆରମ୍ଭ କଲେ, ସେ ଦିନ ଅବଧି ତାହାଙ୍କ ପୁତ୍ର ଯିହୋରାମ ତାହାଙ୍କ ପରିବର୍ତ୍ତେ ରାଜତ୍ୱ କଲେ।

38 ଆଉ ସେମାନେ ଆପଣାମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଯେଉଁ ଜାହାଜ ଏତସିୋନ-ଗେବରରେ ନିର୍ମାଣ କରିଥିଲେ,

Digitized by Google

39 ...

40 ...

41 ...

42 ...

43 ...

44 ...

45 ...

Digitized by Google

46 ಮತ್ತು ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಉತ್ತರ ಕೊಡಲಾರದೆ ಹೋದರು. ಆ ದಿನ ಮೊದಲುಗೊಂಡು ಅವನನ್ನು ಯಾರೂ ಪ್ರಶ್ನೆ ಮಾಡಲು ಧೈರ್ಯಪಡಲಿಲ್ಲ.

47 ಆಗ ಯೇಸು ಜನರ ಸಮೂಹಕ್ಕೂ ತನ್ನ ಶಿಷ್ಯರಿಗೂ ಹೀಗೆ ಹೇಳಿದನು: ಮೋಶೆಯ ಧರ್ಮಶಾಸ್ತ್ರದ ಉಪದೇಶಕರೂ ಫರಿಸಾಯರೂ ಮೋಶೆಯ ಪೀಠದಲ್ಲಿ ಕುಳಿತುಕೊಂಡಿದ್ದಾರೆ.

48 ಆದದರಿಂದ ಅವರು ನಿಮಗೆ ಏನೇನು ಹೇಳುತ್ತಾರೋ ಅದನ್ನೆಲ್ಲಾ ಕೈಕೊಂಡು ಅನುಸರಿಸಿರಿ; ಆದರೆ ಅವರ ಕ್ರಿಯೆಗಳ ಪ್ರಕಾರ ನಡೆಯಬೇಡಿರಿ. ಅವರು ಹೇಳುತ್ತಾರೆ ಗಾನೇ ಮಾಡುವದಿಲ್ಲ.

49 ಅವರು ಹೊರಲಾರದಂಥ ಭಾರವಾದ ಹೊರೆಗಳನ್ನು ಕಟ್ಟಿ ಜನರ ಹೆಗಲುಗಳ ಮೇಲೆ ಇಡುತ್ತಾರೆ; ತಾವಾದರೋ ಆ ಹೊರೆಗಳನ್ನು ತಮ್ಮ ಬೆರಳಿನಿಂದಲೂ ಮುಟ್ಟಿಸಲು ಇಷ್ಟಪಡುವದಿಲ್ಲ.

50 ಅವರು ಮಾಡುವ ಕ್ರಿಯೆಗಳೆಲ್ಲಾ ಮನುಷ್ಯರಿಗೆ ಕಾಣಿಸಬೇಕೆಂದೇ ಮಾಡುತ್ತಾರೆ. ಅವರು ತಮ್ಮ ಫಿಲ್ಯಾಕ್ಟರಿಗಳನ್ನು ಅಗಲ ಮಾಡಿಕೊಂಡು ತಮ್ಮ ವಸ್ತ್ರಗಳ ಜಗ್ಗುಗಳನ್ನು ಉದ್ದ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುತ್ತಾರೆ.

51 ಔತಣಗಳಲ್ಲಿ ಪ್ರಧಾನ ಸ್ಥಾನಗಳನ್ನೂ ಸಭಾಮಂದಿರಗಳಲ್ಲಿ ಪ್ರಮುಖ ಆಸನಗಳನ್ನೂ ಸಂತೆಯಲ್ಲಿ ನಮಸ್ಕಾರಗಳನ್ನೂ ಮನುಷ್ಯರಿಂದ ರಬ್ಬಿ ಎಂಬ ಬಿರುದನ್ನೂ ಅಪೇಕ್ಷಿಸುತ್ತಾರೆ.

೨೩

1 ಆಗ ಯೇಸು ಜನರ ಸಮೂಹಕ್ಕೂ ತನ್ನ ಶಿಷ್ಯರಿಗೂ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ:

Digitized by Google

ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಪರಿಷತ್ಪತ್ರಿಕೆ,

10 ಮತ್ತು ನಿಮ್ಮ ಸಂತೋಷದ ದಿನದಲ್ಲಿಯೂ ನಿಮ್ಮ ಹಬ್ಬಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಅಮಾವಾಸ್ಯೆಗಳಲ್ಲಿಯೂ ನೀವು ತುತೂರಿಗಳನ್ನು ಊದಬೇಕು; ಆಗ ನಿಮ್ಮ ದೇವರಾದ ಯೆಹೋವನ ಸನ್ನಿಧಿಯಲ್ಲಿ ನಿಮ್ಮ ಜ್ಞಾಪಕಾರ್ಥವಾಗಿರುವುದು; ನಾನು ನಿಮ್ಮ ದೇವರಾದ ಯೆಹೋವನು.

11 ಎರಡನೆಯ ವರುಷದ ಎರಡನೆಯ ತಿಂಗಳಿನ ಇಪ್ಪತ್ತನೆಯ ದಿವಸದಲ್ಲಿ ಮೇಘವು ಸಾಕ್ಷ್ಯದ ಗುಡಾರದ ಮೇಲಿಂದ ಏರಿಹೋಯಿತು.

12 ಆಗ ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ಮಕ್ಕಳು ಸೀನಾಯಿ ಅರಣ್ಯದಿಂದ ಪ್ರಯಾಣಮಾಡಿ ಹೊರಟರು; ಮೇಘವು ಪಾರಾನ್ ಅರಣ್ಯದಲ್ಲಿ ನಿಂತಿತು.

13 ಮೋಶೆಯ ಮುಖಾಂತರ ಯೆಹೋವನು ಕೊಟ್ಟ ಆಜ್ಞೆಯ ಪ್ರಕಾರ ಅವರು ಮೊದಲನೆಯ ಸಾರಿ ಪ್ರಯಾಣಮಾಡಿದರು.

14 ಯೆಹೂದ ಮಕ್ಕಳ ಪಾಳೆಯದ ಧ್ವಜವು ಅವರ ಸೈನ್ಯಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಮೊದಲು ಹೊರಟಿತು; ಅಮ್ಮೀನಾದಾಬನ ಮಗನಾದ ನಹಶೋನನು ಆ ಸೈನ್ಯದ ಮೇಲೆ ಅಧಿಪತಿಯಾಗಿದ್ದನು.

15 ಇಸ್ಸಾಕಾರ್ ಕುಲದವರ ಸೈನ್ಯದ ಮೇಲೆ ಚೂವಾರನ ಮಗನಾದ ನೆತನೇಲನು ಅಧಿಪತಿಯಾಗಿದ್ದನು; ಹೇಲೋನನ ಮಗನಾದ ಎಲೀಯಾಬನು ಜೆಬುಲೂನ್ ಕುಲದವರ ಸೈನ್ಯದ ಮೇಲೆ ಅಧಿಪತಿಯಾಗಿದ್ದನು.

16 ಎಫ್ರಾಯೀಮ್ ಮಕ್ಕಳ ಪಾಳೆಯದ ಧ್ವಜವು ಅವರ ಸೈನ್ಯಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಹೊರಟಿತು; ಅಮ್ಮೀಹೂದನ ಮಗನಾದ ಎಲೀಷಾಮನು

Digitized by Google

ڪري، ۽ ماڻهو ڪنهن به شيءَ جو حساب نه رکندا هئا، جيستائين
نوح ٻيڙيءَ ۾ داخل نه ٿيو. ۽ ٻوڏ آيو ۽ سڀني کي وهائي
ويو. ايئن ئي ابن آدم جو آمد ٿيندو.

40 تڏهن ٻه ماڻهو ٻاڦ ۾ هوندا، هڪ ورتو ويندو ۽ ٻيو
ڇڏيو ويندو.

41 ٻه عورتون ڪڻڪ پيهي رهيون هونديون، هڪ ورتي
ويندي ۽ ٻي ڇڏي ويندي.

42 تنهنڪري جاڳندا رهو، ڇاڪاڻ ته اوهين نٿا ڄاڻو ته
اوهان جو خداوند ڪهڙي ڏينهن ايندو.

43 پر هي ڄاڻو ته جيڪڏهن گهر جو مالڪ ڄاڻي ها ته
چور ڪهڙي پهر ۾ ايندو، ته هو جاڳندو رهي ها ۽ پنهنجي
گهر ۾ نقب لڳڻ نه ڏيئي ها.

44 تنهنڪري اوهين به تيار رهو، ڇاڪاڻ ته ابن آدم
اوهان جي اڻ ڄاڻ ڪلاڪ ۾ ايندو.

45 پوءِ ڪير آهي اهو وفادار ۽ عقلمند نوڪر، جنهن کي
سندس مالڪ پنهنجي گهر جي ٻين نوڪرن تي مقرر ڪيو
آهي، ته هو کين وقت تي کاڌو ڏيئي؟

46 مبارڪ آهي اهو نوڪر، جنهن کي سندس مالڪ اچي
ايئن ڪندي ڏسي.

47 آءٌ اوهان کي سچ ٿو چوان ته هو کيس پنهنجي سڀني
مال تي مقرر ڪندو.

48 پر جيڪڏهن اهو بڇڙو نوڪر پنهنجي دل ۾ چوي ته
منهنجو مالڪ دير ڪري رهيو آهي،

49 ۽ پنهنجن ساٿي نوڪرن کي مارڻ شروع ڪري ۽
شرابين سان کائي پيئي،

50 تڏهن اهو نوڪر جنهن ڏينهن جو انتظار نه ڪندو
هوندو ۽ جنهن ڪلاڪ کان بي خبر هوندو، تنهن ڏينهن ۽
تنهن ڪلاڪ ۾ سندس مالڪ ايندو،

51 ۽ کيس سخت سزا ڏيندو ۽ کيس منافقن سان گڏ
مقرر ڪندو. اتي روئڻ ۽ ڏند پيهڻ هوندو.

Digitized by Google

23 ... ...

28 ⲁⲩⲱ ⲡⲓⲥⲁⲧⲁⲛⲁⲥ ⲉⲧⲙⲙⲁⲩ ⲛⲁⲩ ⲛⲁⲓ ⲛⲉⲙ ⲛⲓⲙ

ಮಾಡಿದ್ದಾರೆ. ಅವರು ಅವನ ಮೇಲೆ ಕೈಯಿಟ್ಟು ಅವನನ್ನು ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗಿ ಅವನನ್ನು ಹಿಡಿದು ಅವನನ್ನು ಕೊಂದರು. ಅವರು ಅವನನ್ನು ಕೊಂದ ಮೇಲೆ ಅವನ ಸಹೋದರರಾದ ಯೆಹೂದ ಮತ್ತು ಯೋನಾತಾನರು ಅವನನ್ನು ಹುಡುಕಿ ಅವನ ಶವವನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗಿ ಅವನನ್ನು ಅವನ ತಂದೆಯ ಸಮಾಧಿಯಲ್ಲಿ ಮೋದೀನಿನಲ್ಲಿ ಹೂಣಿಟ್ಟರು.

35 ಅಲ್ಲಿ ಅವನ ಅಳಿಯನಾದ ಅಬೂಬನು ಮದ್ಯಪಾನಕ್ಕೆ ಕುಳಿತಿದ್ದನು. ಅವನು ಮತ್ತು ಅವನ ಹೆಂಡತಿಯಾದ ಯೋಹಾನಳ ತಾಯಿಯು ಮತ್ತು ಅವನ ಇಬ್ಬರು ಗಂಡುಮಕ್ಕಳು ಕುಳಿತಿದ್ದರು. ಅವನು ಅವನ ಮಾವನಾದ ಸಿಮೋನನ ಬಳಿಗೆ ಬಂದಾಗ ಅವನು ಮತ್ತು ಅವನ ಮಕ್ಕಳು ಅವನನ್ನು ಮೋಸದಿಂದ ಕೊಲ್ಲಲು ಸಿದ್ಧರಾಗಿದ್ದರು.

36 ಅಲ್ಲಿ ಅವನು ಅವನ ಹೆಂಡತಿಯ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಮದ್ಯಪಾನಕ್ಕೆ ಕುಳಿತಿದ್ದಾಗ ಅವನಿಗೆ ಮೂರು ಸಲ ಕುಡಿಯಲು ಕೊಟ್ಟರು. ಅವನು ಅವನ ಹೆಂಡತಿಯಾದ ಯೋಹಾನಳ ತಾಯಿಯನ್ನು ಕರೆದು ಅವಳಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನ ಮಾವನಾದ ಸಿಮೋನನ ಮೇಲೆ ಕೈಯಿಟ್ಟು ಅವನನ್ನು ಕೊಲ್ಲಲು ಸಿದ್ಧರಾಗಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು

40 ...

41 ...

42 ...

43 ...

44 ...

Digitized by Google

ಪೌಲನು ಅಥೇನೆಯಲ್ಲಿ ಬೋಧಿಸಿದ್ದು

೧೭ ಅವರು ಅಂಫಿಪೊಲಿ ಅಪೊಲೋನಿಯ ಎಂಬ ಪಟ್ಟಣಗಳನ್ನು ದಾಟಿ ಥೆಸಲೊನೀಕಕ್ಕೆ ಬಂದರು. ಅಲ್ಲಿ ಯೆಹೂದ್ಯರ ಸಭಾಮಂದಿರವಿತ್ತು. **೨** ಪೌಲನು ತನ್ನ ರೂಢಿಯಂತೆ ಅಲ್ಲಿಗೆ ಹೋಗಿ ಮೂರು ಸಬ್ಬತ್ ದಿವಸಗಳಲ್ಲಿ ಅವರೊಂದಿಗೆ ಶಾಸ್ತ್ರಗ್ರಂಥವನ್ನು ಆಧಾರವಾಗಿಟ್ಟುಕೊಂಡು ಮಾತನಾಡಿದನು. **೩** ಕ್ರಿಸ್ತನು ಸಂಕಟಾನುಭವಿಸಿ ಮೃತರೊಳಗಿಂದ ಎದ್ದು ಬರಬೇಕಾಗಿತ್ತೆಂಬುದನ್ನು ಅವರಿಗೆ ವಿವರಿಸಿ ಹೇಳಿದನು. ಯೇಸುವೇ ನಾನು ನಿಮಗೆ ಸಾರುತ್ತಿರುವ ಕ್ರಿಸ್ತನು ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

೪ ಅವರಲ್ಲಿ ಕೆಲವರು ಯೆಹೂದ್ಯರು ಪೌಲನ ಮಾತನ್ನು ಒಪ್ಪಿಕೊಂಡು ಅವನ ಮತ್ತು ಸೀಲನ ಜೊತೆಗೆ ಸೇರಿಕೊಂಡರು. ಅಲ್ಲದೆ ಭಕ್ತಿಯುಳ್ಳ ಗ್ರೀಕರಲ್ಲಿ ಅನೇಕರು ಮತ್ತು ಪ್ರಮುಖ ಸ್ತ್ರೀಯರಲ್ಲಿ ಅನೇಕರು ಅವರ ಜೊತೆಗೆ ಸೇರಿಕೊಂಡರು. **೫** ಆದರೆ ಯೆಹೂದ್ಯರು ಅಸೂಯೆಪಟ್ಟು ಪೇಟೆಯಲ್ಲಿ ಸೋಮಾರಿಗಳಾಗಿ ಅಡ್ಡಾಡುತ್ತಿದ್ದ ಕೆಲವು ಕೆಟ್ಟ ಜನರನ್ನು ಕೂಡಿಸಿಕೊಂಡು ಗುಂಪುಗೂಡಿಸಿ ಪಟ್ಟಣದಲ್ಲಿ ಗಲಭೆಯೆಬ್ಬಿಸಿದರು. ಅವರು ಯಾಸೋನನ ಮನೆಯ ಮೇಲೆ ದಾಳಿಮಾಡಿ ಪೌಲ ಸೀಲರನ್ನು ಜನರ ಮುಂದೆ ತರಲು ಹುಡುಕಿದರು. **೬** ಅವರು ಸಿಕ್ಕದಿದ್ದಾಗ ಯಾಸೋನನನ್ನೂ ಕೆಲವು ಸಹೋದರರನ್ನೂ ಪಟ್ಟಣದ ಅಧಿಕಾರಿಗಳ ಬಳಿಗೆ ಎಳೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗಿ ಕೂಗಾಡಿದರು. "ಲೋಕವನ್ನು ಕಲಕಿಸಿದವರು ಇಲ್ಲಿಗೂ ಬಂದಿದ್ದಾರೆ. **೭** ಯಾಸೋನನು ಅವರನ್ನು ತನ್ನ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಸೇರಿಸಿಕೊಂಡಿದ್ದಾನೆ. ಅವರೆಲ್ಲರೂ ಯೇಸು ಎಂಬ ಬೇರೊಬ್ಬ ರಾಜನಿದ್ದಾನೆಂದು ಹೇಳಿ ಚಕ್ರವರ್ತಿಯ ಆಜ್ಞೆಗಳಿಗೆ ವಿರುದ್ಧವಾಗಿ ನಡೆಯುತ್ತಿದ್ದಾರೆ" ಎಂದು ಕೂಗಿದರು. **೮** ಈ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಜನರೂ ಅಧಿಕಾರಿಗಳೂ ಗಾಬರಿಗೊಂಡರು. **೯** ಅಧಿಕಾರಿಗಳು ಯಾಸೋನನಿಂದಲೂ ಉಳಿದವರಿಂದಲೂ ಜಾಮೀನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಅವರನ್ನು ಬಿಟ್ಟುಬಿಟ್ಟರು.

೧೦ ಆ ರಾತ್ರಿಯೇ ಸಹೋದರರು ಪೌಲ ಸೀಲರನ್ನು ಬೆರೋಯಕ್ಕೆ ಕಳುಹಿಸಿಬಿಟ್ಟರು. ಅವರು ಅಲ್ಲಿಗೆ ಹೋಗಿ ಯೆಹೂದ್ಯರ ಸಭಾಮಂದಿರಕ್ಕೆ ಹೋದರು. **೧೧** ಬೆರೋಯದವರು ಥೆಸಲೊನೀಕದವರಿಗಿಂತ ಉದಾರಮನಸ್ಸಿನವರಾಗಿದ್ದರು. ಅವರು ಬಹಳ ಆಸಕ್ತಿಯಿಂದ ದೇವವಾಕ್ಯವನ್ನು ಕೇಳಿ ಪೌಲನು ಹೇಳಿದ ಮಾತುಗಳು ಸತ್ಯವೋ ಅಲ್ಲವೋ ಎಂದು ಪ್ರತಿದಿನ ಶಾಸ್ತ್ರಗ್ರಂಥವನ್ನು ಪರಿಶೀಲಿಸಿ ನೋಡುತ್ತಿದ್ದರು. **೧೨** ಅವರಲ್ಲಿ ಅನೇಕರು ವಿಶ್ವಾಸಿಗಳಾದರು. ಅಲ್ಲದೆ ಗ್ರೀಕ ಸ್ತ್ರೀಯರಲ್ಲಿಯೂ ಪ್ರಮುಖ ಪುರುಷರಲ್ಲಿಯೂ ಅನೇಕರು ವಿಶ್ವಾಸಿಗಳಾದರು. **೧೩** ಆದರೆ ಥೆಸಲೊನೀಕದ ಯೆಹೂದ್ಯರು ಪೌಲನು ಬೆರೋಯದಲ್ಲಿಯೂ ದೇವವಾಕ್ಯವನ್ನು ಸಾರುತ್ತಿದ್ದಾನೆಂದು ತಿಳಿದು ಅಲ್ಲಿಗೂ ಬಂದು ಜನರನ್ನು ಪ್ರಚೋದಿಸಿ ಗಲಭೆಯೆಬ್ಬಿಸಿದರು. **೧೪** ಆಗ ಸಹೋದರರು ಪೌಲನನ್ನು ಸಮುದ್ರತೀರಕ್ಕೆ ಕಳುಹಿಸಿಬಿಟ್ಟರು. ಆದರೆ ಸೀಲ ತಿಮೊಥೆಯರು ಬೆರೋಯದಲ್ಲಿಯೇ ಉಳಿದರು. **೧೫** ಪೌಲನನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಟ್ಟವರು ಅವನನ್ನು ಅಥೇನೆಯವರೆಗೆ ಜೊತೆಯಲ್ಲಿ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋದರು. ಅವರು ಹಿಂತಿರುಗಿ ಬರುವಾಗ ಸೀಲ ತಿಮೊಥೆಯರು ಶೀಘ್ರವಾಗಿ ತನ್ನ ಬಳಿಗೆ ಬರಬೇಕೆಂಬ ಆಜ್ಞೆಯನ್ನು ಪೌಲನಿಂದ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಬಂದರು.

೧೬ ಪೌಲನು ಅಥೇನೆಯಲ್ಲಿ ಸೀಲ ತಿಮೊಥೆಯರಿಗಾಗಿ ಕಾಯುತ್ತಿರುವಾಗ ಆ ಪಟ್ಟಣವು ವಿಗ್ರಹಗಳಿಂದ ತುಂಬಿರುವುದನ್ನು ಕಂಡು ಬಹಳ ದುಃಖಪಟ್ಟನು. **೧೭** ಆದ್ದರಿಂದ ಅವನು ಸಭಾಮಂದಿರದಲ್ಲಿ ಯೆಹೂದ್ಯರೊಂದಿಗೂ ಭಕ್ತಿಯುಳ್ಳ ಗ್ರೀಕರೊಂದಿಗೂ ಚೌಕದಲ್ಲಿ ಪ್ರತಿದಿನ ಅಲ್ಲಿ ಸಿಕ್ಕಿದವರೊಂದಿಗೂ ವಾದಮಾಡುತ್ತಿದ್ದನು.

೧೮ ಎಪಿಕೂರ್ಯ ಮತ್ತು ಸ್ತೋಯಿಕ ತತ್ವಜ್ಞಾನಿಗಳಲ್ಲಿ ಕೆಲವರು ಅವನೊಂದಿಗೆ ವಾದಮಾಡಿದರು. ಕೆಲವರು "ಈ ಅಪ್ರಯೋಜಕನು ಏನು ಹೇಳಲು ಬಯಸುತ್ತಾನೆ?" ಎಂದು ಕೇಳಿದರು. ಮತ್ತೆ ಕೆಲವರು "ಇವನು ಅನ್ಯದೇವತೆಗಳ ಬಗ್ಗೆ ಸಾರುವವನಂತೆ ಕಾಣುತ್ತದೆ" ಎಂದು ಹೇಳಿದರು. ಪೌಲನು ಯೇಸುವಿನ ಬಗ್ಗೆಯೂ ಪುನರುತ್ಥಾನದ ಬಗ್ಗೆಯೂ ಸಾರುತ್ತಿದ್ದನು. **೧೯** ಅವರು ಅವನನ್ನು ಅರೆಯೊಪಗದ ಸಭೆಗೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗಿ "ನೀನು ಹೇಳುತ್ತಿರುವ ಈ ಹೊಸ ಬೋಧನೆಯ ಬಗ್ಗೆ ನಾವು ತಿಳಿದುಕೊಳ್ಳಬಹುದೇ? **೨೦** ನೀನು ಹೇಳುತ್ತಿರುವ ಕೆಲವು ವಿಷಯಗಳು ನಮಗೆ ಹೊಸದಾಗಿ ಕೇಳಿಸುತ್ತಿವೆ. ಅವುಗಳ ಅರ್ಥವೇನೆಂದು ನಾವು ತಿಳಿದುಕೊಳ್ಳಲು ಬಯಸುತ್ತೇವೆ" ಎಂದು ಕೇಳಿದರು. **೨೧** (ಅಥೇನೆಯ ಜನರೆಲ್ಲರೂ ಮತ್ತು ಅಲ್ಲಿ ವಾಸಿಸುತ್ತಿದ್ದ ವಿದೇಶಿಯರೆಲ್ಲರೂ ಹೊಸ ವಿಷಯಗಳನ್ನು ಕೇಳುವುದರಲ್ಲಿಯೂ ಹೇಳುವುದರಲ್ಲಿಯೂ ಸಮಯವನ್ನು ಕಳೆಯುತ್ತಿದ್ದರು.)

Digitized by Google

Digitized by Google

11 ಆದರೆ ನಾವು ಕರ್ತನಾದ ಯೇಸುವಿನ ಕೃಪೆಯಿಂದಲೇ ರಕ್ಷಣೆ ಹೊಂದುವೆವೆಂದು ನಂಬಿದ್ದೇವೆ; ಅವರು ಸಹ ಹಾಗೆಯೇ ನಂಬಿದ್ದಾರೆ.

12 ಆಗ ಅಲ್ಲಿ ಸೇರಿದ್ದವರೆಲ್ಲರು ಬಾರ್ನಬ ಪೌಲರು ದೇವರು ತಮ್ಮ ಮುಖಾಂತರ ಅನ್ಯಜನರಲ್ಲಿ ಮಾಡಿದ ಅದ್ಭುತಗಳನ್ನೂ ಸೂಚಕಕಾರ್ಯಗಳನ್ನೂ ಕುರಿತು ಹೇಳುವದನ್ನು ಕೇಳಿ ಸುಮ್ಮನಿದ್ದರು.

13 ಅವರು ಮಾತಾಡಿದ ಮೇಲೆ ಯಾಕೋಬನು ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಸಹೋದರರೇ, ನನ್ನ ಮಾತನ್ನು ಕೇಳಿರಿ. ಮೊದಲು ದೇವರು ಅನ್ಯಜನರಲ್ಲಿ ತನ್ನ ಹೆಸರಿಗೋಸ್ಕರ ಪ್ರಜೆಯನ್ನು ಆರಿಸಿಕೊಳ್ಳುವದಕ್ಕೆ ಅವರನ್ನು ಹೇಗೆ ಕಟಾಕ್ಷಿಸಿದನೆಂಬದನ್ನು ಸಿಮೆಯೋನನು ತಿಳಿಸಿದ್ದಾನೆ.

14 ಇದಕ್ಕೆ ಪ್ರವಾದಿಗಳ ಮಾತುಗಳು ಸಮ್ಮತವಾಗಿವೆ. ಅವು ಹೇಗಿವೆಯೆಂದರೆ,

15 ಇದಾದ ಮೇಲೆ ನಾನು ತಿರುಗಿ ಬಂದು ದಾವೀದನ ಬಿದ್ದುಹೋದ ಗುಡಾರವನ್ನು ಕಟ್ಟುವೆನು. ಅದರ ಹಾಳುಬಿದ್ದ ಸ್ಥಳಗಳನ್ನು ಕಟ್ಟಿ ಅದನ್ನು ಸರಿಪಡಿಸುವೆನು.

16 ಮಿಕ್ಕಿರುವ ಮನುಷ್ಯರು ಕರ್ತನನ್ನು ಹುಡುಕುವಂತೆಯೂ ನನ್ನ ಹೆಸರಿಟ್ಟಿರುವ ಅನ್ಯಜನರೆಲ್ಲರು ಹುಡುಕುವಂತೆಯೂ

Digitized by Google

17 ಆಗ ಮಹಾ ಯಾಜಕನೂ ಅವನ ಸಂಗಡ ಇದ್ದವರೆಲ್ಲರೂ ಎದ್ದು ಸದ್ದುಕಾಯರೆಂಬ ಪಂಥದವರಾಗಿದ್ದು ಅಸೂಯೆಯಿಂದ ತುಂಬಿಕೊಂಡು 18 ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ಹಿಡಿದು ಸೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿ ಹಾಕಿಸಿದರು. 19 ಆದರೆ ರಾತ್ರಿಯಲ್ಲಿ ಕರ್ತನ ದೂತನು ಸೆರೆಮನೆಯ ಬಾಗಿಲುಗಳನ್ನು ತೆರೆದು ಅವರನ್ನು ಹೊರಗೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬಂದು 20 ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ನೀವು ಹೋಗಿ ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿ ನಿಂತುಕೊಂಡು ಈ ಜೀವದ ಮಾತುಗಳನ್ನೆಲ್ಲಾ ಜನರಿಗೆ ತಿಳಿಸಿರಿ. 21 ಅವರು ಇದನ್ನು ಕೇಳಿ ಬೆಳಗಾಗುವಾಗ ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿ ಬೋಧಿಸುತ್ತಿದ್ದರು. ಮಹಾ ಯಾಜಕನೂ ಅವನ ಸಂಗಡ ಇದ್ದವರೂ ಬಂದು ಆಲೋಚನಾ ಸಭೆಯನ್ನೂ ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ಮಕ್ಕಳ ಹಿರಿಯರೆಲ್ಲರನ್ನೂ ಕೂಡಿಸಿ ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ತರಲು ಸೆರೆಮನೆಗೆ ಕಳುಹಿಸಿದರು. 22 ಆದರೆ ಸೇವಕರು ಅಲ್ಲಿಗೆ ಹೋಗಿ ಸೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿ ಅವರನ್ನು ಕಾಣದೆ ಹಿಂತಿರುಗಿ ಬಂದು ತಿಳಿಸಿದ್ದೇನಂದರೆ, 23 ಸೆರೆಮನೆಯ ಬಾಗಿಲುಗಳು ಬಹಳ ಭದ್ರವಾಗಿ ಮುಚ್ಚಿರುವುದನ್ನೂ ಕಾವಲುಗಾರರು ಬಾಗಿಲುಗಳ ಮುಂದೆ ನಿಂತಿರುವುದನ್ನೂ ನಾವು ಕಂಡೆವು. ಆದರೆ ಬಾಗಿಲು ತೆರೆದಾಗ ಒಳಗೆ ಯಾರನ್ನೂ ಕಾಣಲಿಲ್ಲ.

Digitized by Google

24 ...

25 ...

26 ...

27 ...

28 ...

Digitized by Google

29 ಮತ್ತು ಅವರು ಅವರಿಗೆ ಅವರ ಕೈಯಲ್ಲಿ ಕೊಟ್ಟರು: ಅವರು ಅವರ ಎಲ್ಲಾ ಅವರು ಅವರ ಅವರು ಅವರ ಅವರು ಅವರ

35 ... (illegible) ... **36** ... (illegible) ... **37** ... (illegible) ... **38** ... (illegible) ... **39** ... (illegible) ...

Digitized by Google

40 ଯିହୋଶୂୟ ସମସ୍ତ ଦେଶ, ପର୍ବତମୟ ପ୍ରଦେଶ, ଦକ୍ଷିଣ ପ୍ରଦେଶ, ନିମ୍ନ ପ୍ରଦେଶ, ପର୍ବତଶ୍ରେଣୀ ଓ ସମସ୍ତ ରାଜାଙ୍କୁ ପରାସ୍ତ କଲେ; ସେ କାହାରିକୁ ରକ୍ଷା କଲେ ନାହିଁ, ମାତ୍ର ଯେପରି ଇସ୍ରାଏଲର ସଦାପ୍ରଭୁ ପରମେଶ୍ୱର ଆଜ୍ଞା କରିଥିଲେ, ସେ ସମସ୍ତ ନିଶ୍ୱାସବିଶିଷ୍ଟ ପ୍ରାଣୀକୁ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ରୂପେ ବିନାଶ କଲେ।

41 ଏହିରୂପେ ଯିହୋଶୂୟ କାଦେଶବର୍ଣ୍ଣେୟଠାରୁ ଗସା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଓ ସମସ୍ତ ଗୋଶନ ଦେଶ ଗିବିୟୋନ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଆଘାତ କଲେ। ଏହି ସମସ୍ତ ରାଜାଙ୍କୁ ଓ ସେମାନଙ୍କ ଦେଶକୁ ଯିହୋଶୂୟ ଏକ ଥର ହିଁ ଜୟ କଲେ, କାରଣ ଇସ୍ରାଏଲର ପରମେଶ୍ୱର ସଦାପ୍ରଭୁ ଇସ୍ରାଏଲ ପକ୍ଷରେ ଯୁଦ୍ଧ କଲେ।

42 ଆଉ ଯିହୋଶୂୟ ଯର୍ଦ୍ଦନର ପଶ୍ଚିମ ପାରିସ୍ଥ ଏହି ସମସ୍ତ ରାଜାଙ୍କୁ ଓ ସେମାନଙ୍କ ଦେଶକୁ ଏକ ଥର ହିଁ ଜୟ କଲେ, ଯିରୀହୋ ରାଜା ଓ ଅୟ ରାଜା ଯେପରି ଇସ୍ରାଏଲର ସଦାପ୍ରଭୁ ପରମେଶ୍ୱରଙ୍କ ଆଜ୍ଞାନୁସାରେ ଯିହୋଶୂୟ ଓ ଇସ୍ରାଏଲ ସନ୍ତାନଗଣଙ୍କ ସମ୍ମୁଖରେ ଯୁଦ୍ଧ କଲେ।

43 ଏହା ବ୍ୟତୀତ ଯିହୋଶୂୟ ଓ ସମସ୍ତ ଇସ୍ରାଏଲ ଗିଲ୍‌ଗଲସ୍ଥ ଛାଉଣିକୁ ଫେରି ଆସିଲେ।

44 ପୁଣି ସଦାପ୍ରଭୁ ଯିହୋଶୂୟଙ୍କୁ ଯେଉଁ ଯେଉଁ ଆଜ୍ଞା ଦେଇଥିଲେ, ତଦନୁସାରେ ଯିହୋଶୂୟ ସେମାନଙ୍କ ସମସ୍ତ ଶତ୍ରୁଙ୍କୁ ପରାସ୍ତ କଲେ, ଆଉ ସେମାନଙ୍କ ସମସ୍ତ ରାଜାଙ୍କୁ ପରାସ୍ତ କଲେ, ପୁଣି ସେମାନଙ୍କ ସମସ୍ତ ଦେଶ ଅଧିକାର କଲେ।

45 ସଦାପ୍ରଭୁ ଯିହୋଶୂୟଙ୍କୁ ଯେଉଁ ଯେଉଁ ଆଜ୍ଞା ଦେଇଥିଲେ, ଯିହୋଶୂୟ ସେମାନଙ୍କ ସମସ୍ତ ଶତ୍ରୁଙ୍କୁ ପରାସ୍ତ କଲେ, ଆଉ ସେମାନଙ୍କ ସମସ୍ତ ରାଜାଙ୍କୁ ପରାସ୍ତ କଲେ, ପୁଣି ସେମାନଙ୍କ ସମସ୍ତ ଦେଶ ଅଧିକାର କଲେ।

Digitized by Google

161 ۔ ۔ ۔

ಮೇಲೆ, ಅವರು ಅವನ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ, ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ,

53 ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ: ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ, ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ, ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ, ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ,

54 ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ, ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ, ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ,

55 ಯೇಸು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ, ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ, ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ: ಯೇಸು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ, ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ, ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ, ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ, ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ, ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ, ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ,

56 ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ, ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ, ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ, ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ, ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ,

57 ಯೇಸು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ, ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ, ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ, ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ, ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ,

Digitized by Google

58 ଯିହୋଶାଫଟ୍ ଯିହୋରାମ୍‌ର ପୁତ୍ର ଓ ଯିହୋରାମ୍ ଆହସୀୟର ପୁତ୍ର ଓ ଆହସୀୟ ଯୋୟାଶ୍‌ର ପୁତ୍ର ଓ ଯୋୟାଶ୍ ଯିହୋୟାହସର ପୁତ୍ର ଓ ଯିହୋୟାହସ ଯେହୂର ପୁତ୍ର ଓ ଯେହୂ ଯିହୋଶାଫଟ୍‌ର ପୁତ୍ର ଓ ଯିହୋଶାଫଟ୍ ଆସାର ପୁତ୍ର ଓ ଆସା ଅବିୟର ପୁତ୍ର ଓ ଅବିୟ ରହବିୟାମ୍‌ର ପୁତ୍ର ଓ ରହବିୟାମ୍ ଶଲୋମନର ପୁତ୍ର ଓ ଶଲୋମନ ଦାଉଦଙ୍କର ପୁତ୍ର ଓ ଦାଉଦ ଯିଶୀର ପୁତ୍ର ଓ ଯିଶୀ ଓବେଦର ପୁତ୍ର ଓ ଓବେଦ ବୋୟସର ପୁତ୍ର ଓ ବୋୟସ ଯିରୀହୋର ପୁତ୍ର ଓ ଯିରୀହୋ ଯିଶୀର ପୁତ୍ର ଓ ଯିଶୀ ଯିହୋଶୂୟର ପୁତ୍ର ଓ ଯିହୋଶୂୟ ଯିହୋୟାଦାର ପୁତ୍ର ଓ ଯିହୋୟାଦା ଯିହୋୟାରୀବର ପୁତ୍ର ଓ ଯିହୋୟାରୀବ

ماهاوانسا ماهاوانسا ماهاوانسا ماهاوانسا ماهاوانسا ماهاوانسا

69 ಯಾ ನಿಶಾ ಸರ್ವಭೂತಾನಾಂ ತಸ್ಯಾಂ ಜಾಗರ್ತಿ ಸಂಯಮೀ, ಯಸ್ಯಾಂ ಜಾಗ್ರತಿ ಭೂತಾನಿ ಸಾ ನಿಶಾ ಪಶ್ಯತೋ ಮುನೇಃ॥

70 ಆಪೂರ್ಯಮಾಣಮಚಲಪ್ರತಿಷ್ಠಂ ಸಮುದ್ರಮಾಪಃ ಪ್ರವಿಶಂತಿ ಯದ್ವತ್, ತದ್ವತ್ಕಾಮಾ ಯಂ ಪ್ರವಿಶಂತಿ ಸರ್ವೇ ಸ ಶಾಂತಿಮಾಪ್ನೋತಿ ನ ಕಾಮಕಾಮೀ॥

71 ವಿಹಾಯ ಕಾಮಾನ್ಯಃ ಸರ್ವಾನ್ಪುಮಾಂಶ್ಚರತಿ ನಿಃಸ್ಪೃಹಃ, ನಿರ್ಮಮೋ ನಿರಹಂಕಾರಃ ಸ ಶಾಂತಿಮಧಿಗಚ್ಛತಿ॥

72 ಏಷಾ ಬ್ರಾಹ್ಮೀ ಸ್ಥಿತಿಃ ಪಾರ್ಥ ನೈನಾಂ ಪ್ರಾಪ್ಯ ವಿಮುಹ್ಯತಿ, ಸ್ಥಿತ್ವಾಸ್ಯಾಮಂತಕಾಲೇಽಪಿ ಬ್ರಹ್ಮನಿರ್ವಾಣಮೃಚ್ಛತಿ॥

73 ಇತಿ ಶ್ರೀಮದ್ಭಗವದ್ಗೀತಾಸೂಪನಿಷತ್ಸು ಬ್ರಹ್ಮವಿದ್ಯಾಯಾಂ ಯೋಗಶಾಸ್ತ್ರೇ ಶ್ರೀಕೃಷ್ಣಾರ್ಜುನಸಂವಾದೇ ಸಾಂಖ್ಯಯೋಗೋ ನಾಮ ದ್ವಿತೀಯೋಽಧ್ಯಾಯಃ॥

74 ಯಾವದ್ಭೂಮಿ ಸಮಾ ಧತ್ತೇ ಯಾವದ್ವಾಯುರ್ನಿವಾತಗಃ, ತಾವತೀ ಹಿ ಕೃಷೀವಲೈಃ ಸಂಪದ್ಯತೇ ಕೃಷಿಃ ಸತಾಂ॥

75 ಇತಿ ಶ್ರೀಮಹಾಭಾರತೇ ಶತಸಾಹಸ್ರ್ಯಾಂ ಸಂಹಿತಾಯಾಂ ವೈಯಾಸಿಕ್ಯಾಂ ಭೀಷ್ಮಪರ್ವಣಿ ಶ್ರೀಮದ್ಭಗವದ್ಗೀತಾಸೂಪನಿಷತ್ಸು ಬ್ರಹ್ಮವಿದ್ಯಾಯಾಂ ಯೋಗಶಾಸ್ತ್ರೇ ಶ್ರೀಕೃಷ್ಣಾರ್ಜುನಸಂವಾದೇ ಸಾಂಖ್ಯಯೋಗೋ ನಾಮ ದ್ವಿತೀಯೋಽಧ್ಯಾಯಃ॥

Digitized by Google

5 ...

4 ...

3 ...

2 ...

1 ...

...

11 ...

10 ...

9 ...

8 ...

7 ...

6 ...

Digitized by Google

12 ଯିହୋୟାଦା ଓ ଯିହୋୟାଦାର ପୁତ୍ରମାନେ ତାହାକୁ ରାଜାଙ୍କ ସମ୍ମୁଖକୁ ଆଣିଲେ, ତହିଁରେ ସେ ଆସି ଯିହୋୟାଦାର ପୁତ୍ରମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଥିବା ସେନାପତିମାନଙ୍କ ନିକଟରେ ଠିଆ ହେଲା, ପୁଣି ରାଜାଙ୍କ ନିକଟରେ ଓ ଲୋକମାନଙ୍କ ନିକଟରେ ଠିଆ ହେଲା, ପୁଣି ରାଜାଙ୍କ ନିକଟରେ ଓ ଲୋକମାନଙ୍କ ନିକଟରେ ଠିଆ ହେଲା, ପୁଣି ସେ ଆପଣା ଧନୁ ଓ ଢାଲ ଆଣିଲା, ଆଉ ଯିହୋୟାଦା ଯାଜକ ରାଜାଙ୍କ ନିକଟରେ ଠିଆ ହେଲା, ପୁଣି ରାଜାଙ୍କ ନିକଟରେ ଓ ଲୋକମାନ

19 ...

20 ...

21 ...

22 ...

Digitized by Google

23 ယောဟန်ကလည်း ကျွန်တော်သည် ပရောဖက်ဟေရှာယ၏ ဟောကြားသော
ကမ္ဘာကြီးတွင် အော်ဟစ်သော အသံဖြစ်ပါသည်။ သင်တို့သည် ထာဝရဘုရား၏
လမ်းကို ဖြောင့်စေကြလော့ဟု ဆိုသည်အတိုင်းပင် ဖြစ်ပါသည်။

24 ထိုသူတို့သည် ဖာရိရှဲအမျိုးသားများဖြစ်၍ ယောဟန်ထံသို့ စေလွှတ်
ခြင်းခံရကြသူများ ဖြစ်ကြ၏။ ထိုသူတို့သည် ယောဟန်အား မေးမြန်းကြသည်မှာ
ကား ခရစ်တော်မဟုတ်၊ ဧလိယမဟုတ်၊ ပရောဖက်ကြီးမဟုတ်ဘဲ အဘယ်ကြောင့်
ရေနှင့်ဗာပတိဇံကို ပေးသနည်းဟု ဆိုကြ၏။

25 ယောဟန်ကလည်း ကျွန်တော်သည် ရေနှင့်ဗာပတိဇံကို ပေးသော်လည်း
သင်တို့အလယ်တွင် သင်တို့မသိသော တစ်ပါးသူရှိ၏။

26 ထိုသူသည် ကျွန်တော်နောက်မှ လာသော်လည်း ကျွန်တော်ထက်
ကြီးမြတ်သူဖြစ်၏။ ထိုသူ၏ဖိနပ်ကို ချွတ်ရန်ပင် ကျွန်တော်သည် မထိုက်တန်
ပါဟု ပြန်ပြောကြားလေသည်။

27 ထိုသူသည် ကျွန်တော်နောက်မှ လာသော်လည်း ကျွန်တော်ထက်
ကြီးမြတ်သူဖြစ်၏။ ထိုသူ၏ဖိနပ်ကို ချွတ်ရန်ပင် ကျွန်တော်သည် မထိုက်တန်
ပါဟု ပြန်ပြောကြားလေသည်။

28 ဤအမှုအရာများသည် ယော်ဒန်မြစ်ကမ်းရှိ ဗေသနိဘုရားကျောင်း
တွင် ဖြစ်ပျက်ခဲ့သည်။

29 ဤအခါ ယောဟန်သည် မိမိထံသို့ ယေရှုလာသည်ကို မြင်သောအခါ

Digitized by Google

ಅಧ್ಯಾಯ ಮೂರು

1 ಆಗ ಯೆಹೋವನು ಮೋಶೆಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ನೀನು ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ಮಕ್ಕಳ ಚೈತನ್ಯಗಳಿಗೆ ಮತ್ತು ಅವರ ಪಿತೃಗಳ ಮನೆಗಳ ಚೈತನ್ಯಗಳಿಗೆ ಅಧಿಪತಿಯಾಗಿರುವ ಯೆಹೋವನಾದ ನನ್ನ ಮಾತನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಬೇಕಾದದ್ದೇನಂದರೆ, ಒಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ಪಾಪಮಾಡಿ ಯೆಹೋವನಿಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಬಹಳ ಅಪರಾಧಿಯಾಗಿ ಮಾಡಿದರೆ, ಅವನು ಯೆಹೋವನಿಗೆ ಸುಗಂಧವಾಸನೆಯಾಗಿರುವ ಹೋರಿಯನ್ನು ಪಾಪಪರಿಹಾರಕ್ಕಾಗಿ ಅರ್ಪಿಸಬೇಕು.

2 ಅವನು ಯೆಹೋವನ ಸನ್ನಿಧಿಯಲ್ಲಿ ಹೋರಿಯನ್ನು ಕರೆತಂದು ಅದರ ತಲೆಯ ಮೇಲೆ ಕೈಯಿಡಬೇಕು. ಅದನ್ನು ಯೆಹೋವನ ಸನ್ನಿಧಿಯಲ್ಲಿ ವಧಿಸಬೇಕು.

3 ಅಭಿಷಿಕ್ತನಾದ ಯಾಜಕನು ಹೋರಿಯ ರಕ್ತದಲ್ಲಿ ಸ್ವಲ್ಪವನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಅದನ್ನು ಯೆಹೋವನ ಸನ್ನಿಧಿಯಲ್ಲಿ ಸಮಾಗಮದ ಗುಡಾರಕ್ಕೆ ತರಬೇಕು.

4 ಯಾಜಕನು ರಕ್ತದಲ್ಲಿ ತನ್ನ ಬೆರಳನ್ನು ಅದ್ದಿ ಯೆಹೋವನ ಸನ್ನಿಧಿಯಲ್ಲಿ ಪರದೆಯ ಮುಂದೆ ಏಳು ಸಾರಿ ಚಿಮುಕಿಸಬೇಕು.

5 ಯಾಜಕನು ಆ ರಕ್ತದಲ್ಲಿ ಸ್ವಲ್ಪವನ್ನು ಸಮಾಗಮದ ಗುಡಾರದಲ್ಲಿರುವ ಯೆಹೋವನ ಸನ್ನಿಧಿಯಲ್ಲಿ ಧೂಪವೇದಿಕೆಯ ಕೊಂಬುಗಳಿಗೆ ಹಚ್ಚಬೇಕು. ಉಳಿದ ರಕ್ತವನ್ನೆಲ್ಲಾ ಸಮಾಗಮದ ಗುಡಾರದ ಬಾಗಿಲಿನಲ್ಲಿರುವ ಯೆಹೋವನ ಸನ್ನಿಧಿಯಲ್ಲಿ ಹೋಮವೇದಿಕೆಯ ಬುಡದಲ್ಲಿ ಸುರಿಯಬೇಕು.

6 ಯಾಜಕನು ಅದರ ಕೊಬ್ಬನ್ನೆಲ್ಲಾ ತೆಗೆದು ಯೆಹೋವನಿಗೆ ಸುಗಂಧವಾಸನೆಯಾಗಿರುವ ಹೋಮವೇದಿಕೆಯ ಮೇಲೆ ಸುಡಬೇಕು.

7 ಯಾಜಕನು ಹೋರಿಯ ಚರ್ಮವನ್ನೂ ಅದರ ಮಾಂಸವನ್ನೂ ಅದರ ತಲೆಯನ್ನೂ ಅದರ ಕಾಲುಗಳನ್ನೂ ಅದರ ಕರುಳುಗಳನ್ನೂ ಅದರ ಸಗಣಿಯನ್ನೂ ಅಂದರೆ ಹೋರಿಯ ಸಂಪೂರ್ಣವಾದ ಶರೀರವನ್ನು ಪಾಳೆಯದ ಹೊರಗೆ ಶುದ್ಧವಾದ ಸ್ಥಳಕ್ಕೆ ಅಂದರೆ ಬೂದಿಯನ್ನು ಸುರಿಯುವ ಸ್ಥಳಕ್ಕೆ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗಿ ಅಲ್ಲಿ ಅದನ್ನು ಸುಡಬೇಕು.

8 ಪಾಪಪರಿಹಾರಕ್ಕಾಗಿ ಅರ್ಪಿಸಿದ ಹೋರಿಯ ಕೊಬ್ಬನ್ನೆಲ್ಲಾ ಅವನು ತೆಗೆದು ಅದರಲ್ಲಿ ಒಳಭಾಗಗಳನ್ನು ಮುಚ್ಚಿರುವ ಕೊಬ್ಬನ್ನೂ ಒಳಭಾಗಗಳಲ್ಲಿರುವ ಕೊಬ್ಬನ್ನೂ

9 ಎರಡು ಮೂತ್ರಪಿಂಡಗಳನ್ನೂ ಅವುಗಳ ಮೇಲಿರುವ ಕೊಬ್ಬನ್ನೂ ಅಂದರೆ ಸೊಂಟದ ಹತ್ತಿರವಿರುವ ಕೊಬ್ಬನ್ನೂ ಯಕೃತ್ತಿನ ಮೇಲಿರುವ ಜಾಲವನ್ನೂ ಮೂತ್ರಪಿಂಡಗಳ ಸಮೇತ ತೆಗೆದು

10 ಸಮಾಧಾನಬಲಿಯ ಪಶುವಿನಿಂದ ತೆಗೆಯುವ ಪ್ರಕಾರವೇ ಯಾಜಕನು ಅವುಗಳನ್ನು ಹೋಮವೇದಿಕೆಯ ಮೇಲೆ ಸುಡಬೇಕು.

11 ಆದರೆ ಹೋರಿಯ ಚರ್ಮವನ್ನೂ ಅದರ ಮಾಂಸವನ್ನೂ ಅದರ ತಲೆಯನ್ನೂ ಅದರ ಕಾಲುಗಳನ್ನೂ ಅದರ ಕರುಳುಗಳನ್ನೂ ಅದರ ಸಗಣಿಯನ್ನೂ

12 ಅಂದರೆ ಹೋರಿಯ ಸಂಪೂರ್ಣವಾದ ಶರೀರವನ್ನು ಪಾಳೆಯದ ಹೊರಗೆ ಶುದ್ಧವಾದ ಸ್ಥಳಕ್ಕೆ ಅಂದರೆ ಬೂದಿಯನ್ನು ಸುರಿಯುವ ಸ್ಥಳಕ್ಕೆ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗಿ ಅಲ್ಲಿ ಅದನ್ನು ಸುಡಬೇಕು. ಬೂದಿಯನ್ನು ಸುರಿಯುವ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಅದನ್ನು ಸುಡಬೇಕು.

13 ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ಸಮಸ್ತ ಸಮೂಹದವರು ಅಜ್ಞಾನದಿಂದ ಪಾಪಮಾಡಿ ಯೆಹೋವನ ಆಜ್ಞೆಗಳಲ್ಲಿ ಯಾವುದನ್ನಾದರೂ ಮೀರಿ ಅಪರಾಧಿಗಳಾಗಿ ಮಾಡಿದರೆ,

14 ಅವರು ಮಾಡಿದ ಪಾಪವು ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿದುಬಂದಾಗ ಸಮಾಜದವರು ಪಾಪಪರಿಹಾರಕ್ಕಾಗಿ ಒಂದು ಹೋರಿಯನ್ನು ಅರ್ಪಿಸಿ ಸಮಾಗಮದ ಗುಡಾರದ ಮುಂದೆ ತರಬೇಕು.

15 ಸಮಾಜದ ಹಿರಿಯರು ಯೆಹೋವನ ಸನ್ನಿಧಿಯಲ್ಲಿ ಹೋರಿಯ ತಲೆಯ ಮೇಲೆ ಕೈಯಿಡಬೇಕು. ಆ ಹೋರಿಯನ್ನು ಯೆಹೋವನ ಸನ್ನಿಧಿಯಲ್ಲಿ ವಧಿಸಬೇಕು.

Digitized by Google

ମଥୁରା ଯିହୂଦା ଦେଶ ଓ ଯର୍ଦ୍ଦନ ପାରର ଅନ୍ୟ ଦେଶ ଦେଇ ଯାଇଥିଲେ ଏବଂ ଲୋକମାନେ ପୁନର୍ବାର ତାଙ୍କ ନିକଟକୁ ଭିଡ଼ କଲେ ଓ ସେ ଆପଣା ରୀତି ଅନୁସାରେ ପୁନର୍ବାର ସେମାନଙ୍କୁ ଶିକ୍ଷା ଦେଲେ ।

36 ତହୁଁ ଫାରୂଶୀମାନେ ତାଙ୍କ ନିକଟକୁ ଆସି ତାଙ୍କୁ ପରୀକ୍ଷା କରି ପଚାରିଲେ, ଆପଣା ସ୍ତ୍ରୀକୁ ତ୍ୟାଗ କରିବା କି ପୁରୁଷର ଉଚିତ ?

37 ସେ ଉତ୍ତରରେ ସେମାନଙ୍କୁ କହିଲେ, ମୋଶା ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ କି ଆଜ୍ଞା ଦେଇଅଛନ୍ତି ? ସେମାନେ କହିଲେ, ମୋଶା ତ୍ୟାଗପତ୍ର ଲେଖି ତ୍ୟାଗ କରିବାକୁ ଅନୁମତି ଦେଇଅଛନ୍ତି । ତହିଁରେ ଯୀଶୁ ସେମାନଙ୍କୁ କହିଲେ, ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ହୃଦୟର କଠିନତା ସକାଶୁ ସେ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ନିମନ୍ତେ ଏହି ଆଜ୍ଞା ଲେଖିଅଛନ୍ତି ।

38 ମାତ୍ର ଈଶ୍ୱର ସୃଷ୍ଟିର ଆରମ୍ଭରୁ ସେମାନଙ୍କୁ ପୁରୁଷ ଓ ସ୍ତ୍ରୀ କରି ସୃଷ୍ଟି କଲେ । ସେଥି ସକାଶୁ ମନୁଷ୍ୟ ପିତା ମାତାଙ୍କୁ ଛାଡ଼ି ଆପଣା ସ୍ତ୍ରୀ ସଙ୍ଗେ ସଂଯୁକ୍ତ ହେବ ଓ ସେ ଦୁଇ ଜଣ ଏକ ଶରୀର ହେବେ ।

39 ଏଣୁ ସେମାନେ ଆଉ ଦୁଇ ନୁହନ୍ତି, କିନ୍ତୁ ଏକ ଶରୀର । ଅତଏବ ଈଶ୍ୱର ଯାହାକୁ ଯୋଡ଼ି ଦେଇଅଛନ୍ତି, ମନୁଷ୍ୟ ତାହାକୁ ଅଲଗା କରି ନ ଦେଉ ।

40 ଏଥିଉତ୍ତାରେ ଶିଷ୍ୟମାନେ ଘରେ ତାଙ୍କୁ ପୁନର୍ବାର ଏହି କଥା ପଚାରିଲେ । ସେ ସେମାନଙ୍କୁ କହିଲେ, ଯେ କେହି ଆପଣା ସ୍ତ୍ରୀକୁ ତ୍ୟାଗ କରି ଅନ୍ୟ ସ୍ତ୍ରୀକୁ ବିବାହ କରେ, ସେ ତାହାର ବିରୁଦ୍ଧରେ ବ୍ୟଭିଚାର କରେ । ଆଉ ଯେ ସ୍ତ୍ରୀ ଆପଣା ସ୍ୱାମୀକୁ ତ୍ୟାଗ କରି ଅନ୍ୟ ପୁରୁଷକୁ ବିବାହ କରେ, ସେ ବ୍ୟଭିଚାର କରେ ।

41 ଏଉତ୍ତାରେ ଲୋକମାନେ ଯେତେବେଳେ ଶିଶୁମାନଙ୍କୁ ତାଙ୍କ ନିକଟକୁ ଆଣିଲେ, ସେତେବେଳେ ଶିଷ୍ୟମାନେ ସେମାନଙ୍କୁ ଭର୍ତ୍ସନା କଲେ । ମାତ୍ର ଯୀଶୁ ଏହା ଦେଖି ଅସନ୍ତୁଷ୍ଟ ହୋଇ ସେମାନଙ୍କୁ କହିଲେ,

Digitized by Google

42 ಯಿಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರು ಅವನಿಗೆ ಅಪ್ಪಣೆಕೊಟ್ಟಂತೆಯೇ ಮಾಡಿದರು; ಅವರು ಆ ಪಾತ್ರೆಯನ್ನು ಅವನ ಬಳಿಗೆ ತಂದಾಗ ಅವನು ಅದರಲ್ಲಿ ಧೂಪವನ್ನು ಹಾಕಿ ಅದನ್ನು ಅವರ ಮುಂದೆ ಅರ್ಪಿಸಿದನು; ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಒಂದು ಹೊಸ ಮನೆಯನ್ನು ಕಟ್ಟಿಸಿ ಅದರಲ್ಲಿ ಅವನನ್ನು ವಾಸಮಾಡಿಸಿದರು.

43 ಯಿಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರು ಅವನಿಗೆ ಒಂದು ಅಂಗಳವನ್ನು ಕೊಟ್ಟರು; ಅವನು ಯಾಜಕನಾಗಿ ಅಭಿಷೇಕಹೊಂದಿದ ದಿನದಲ್ಲಿ ಅವನಿಗೆ ಅಪ್ಪಣೆಕೊಟ್ಟಂತೆಯೇ ಅವರು ಪ್ರತಿದಿನ ಅವನಿಗೆ ಆಹಾರವನ್ನು ಕೊಡುತ್ತಿದ್ದರು.

44 ಅವನು ಯೆಹೋವನಿಗೆ ಅರ್ಪಿಸಿದ ಪದಾರ್ಥಗಳು ಅವನ ಜೀವಮಾನವೆಲ್ಲಾ ಅವನಿಗೆ ಆಹಾರವಾಗಿದ್ದವು.

45 ಯಿಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರು ಯೆಹೋವನಿಗೆ ಅರ್ಪಿಸಿದ ಪದಾರ್ಥಗಳಲ್ಲಿ ಅವನಿಗೆ ಕೊಡಲ್ಪಟ್ಟ ಭಾಗವು ಅವನ ಜೀವಮಾನವೆಲ್ಲಾ ಅವನಿಗೆ ಆಹಾರವಾಗಿದ್ದಿತು.

46 ಅವನು ಅವನ ಮಗನಾದ ಯಿಸ್ರಾಯೇಲನಿಗೆ ಅವನ ಸ್ಥಾನದಲ್ಲಿ ಯಾಜಕನಾಗಿದ್ದನು; ಅವನು ಯೆಹೋವನಿಗೆ ಅರ್ಪಿಸಿದ ಪದಾರ್ಥಗಳಲ್ಲಿ ಅವನಿಗೆ ಕೊಡಲ್ಪಟ್ಟ ಭಾಗವು ಅವನಿಗೆ ಆಹಾರವಾಗಿದ್ದಿತು.

47 ಯಿಸ್ರಾಯೇಲನು ಯೆಹೋವನಿಗೆ ಅರ್ಪಿಸಿದ ಪದಾರ್ಥಗಳಲ್ಲಿ ಅವನಿಗೆ ಕೊಡಲ್ಪಟ್ಟ ಭಾಗವು ಅವನ ಮಗನಾದ ಯೆಹೂದನಿಗೆ ಆಹಾರವಾಗಿದ್ದಿತು; ಅವನು ಅವನ ಸ್ಥಾನದಲ್ಲಿ ಯಾಜಕನಾಗಿದ್ದನು.

48 ಯಿಸ್ರಾಯೇಲನು ಯೆಹೋವನಿಗೆ ಅರ್ಪಿಸಿದ ಪದಾರ್ಥಗಳಲ್ಲಿ ಅವನಿಗೆ ಕೊಡಲ್ಪಟ್ಟ ಭಾಗವು ಅವನ ಮಗನಾದ ಯೆಹೂದನಿಗೆ ಆಹಾರವಾಗಿದ್ದಿತು; ಅವನು ಅವನ ಸ್ಥಾನದಲ್ಲಿ ಯಾಜಕನಾಗಿದ್ದನು.

Digitized by Google

ויאמר אליהו אל יהורם כי אם יש נביא לה' ונדרש את ה' מפיו ויען אחד מעבדי מלך ישראל ויאמר פה אלישע בן שפט אשר יצק מים על ידי אליהו׃ **12** ויאמר יהושפט יש אתו דבר ה' וירדו אליו מלך ישראל ויהושפט ומלך אדום׃ **13** ויאמר אליו אליהו מה לי ולך לך אל נביאי אביך ואל נביאי אמך ויאמר לו מלך ישראל אל כי יהוה קרא לשלשת המלכים האלה לתת אותם ביד מואב׃ **14** ויאמר אליהו חי יהוה צבאות אשר עמדתי לפניו אם לולי פני יהושפט מלך יהודה אני נשא אתך ואליך לא אביט׃ **15** ועתה קחו לי מנגן והיה כנגן המנגן ותהי עליו יד יהוה׃ **16** ויאמר כה אמר יהוה עשו הגיא הזה גבים גבים׃ **17** כי כה אמר יהוה לא תראו רוח ולא תראו גשם והגיא ההוא יתמלא מים ושתיתם אתם ואתה מקניכם ובהמתכם׃ **18** ונקל זאת בעיני יהוה ונתן את מואב בידכם׃ **19** והכיתם כל עיר מבצר וכל עיר מבחר ועץ טוב תפילו וכל מעיני מים תסתמו וכל חלקת טוב תכאבו באבנים׃ **20** ויהי כעלות המנחה כמעלות השחר והנה באו מים דרך אדום ותמלא הארץ את המים׃ **21** וכל מואב שמעו כי עלו המלכים להלחם בם ויזעקו כל כל חגר חגור ומעלה ויעמדו על הגבול׃ **22** וישכימו בבקר ויזרח השמש על המים וירא מואב מנגד את המים אדמים כדם׃ **23** ויאמרו דם זה חרבו נחרבו המלכים ויכו איש את רעהו ועתה לשללה מואב׃ **24** ויבאו אל מחנה ישראל וישראל קמו ויכו את מואב וינסו מפניהם ויבואו הכה להכותם׃ **25** והערים יהרסו ואיש אבן שלכו כל חלקת טוב ויסתמו כל מעיני מים וכל עץ טוב הפילו עד הותירם קיר אבניה בקיר ויסבו הקלעים ויכתוה׃ **26** וירא מלך מואב כי חזק ממנו המלחמה ויקח אתו שבע מאות איש שלפי חרב להבקיע אל מלך אדום ולא יכלו׃ **27** ויקח את בנו הבכר אשר ימלך תחתיו ויעלהו עולה על החומה ויהי קצף גדול על ישראל ויסעו מעליו וישובו לארצם׃

49 ואחזיהו מלך ישראל את יהורם אחיו בשנת שתים ליהושפט מלך יהודה ויהי מלך שנתים על ישראל׃ **50** ויעש הרע בעיני יהוה ולא כדרך אביו ואל דרך אמו ואל דרך ירבעם בן נבט אשר החטיא את ישראל׃ **51** ויעבד את הבעל וישתחו לו ויכעס את יהוה אלהי ישראל ככל אשר עשה אביו׃

52 ויפשע מואב בישראל אחרי מות אחאב׃ ויעל מואב מעל ישראל ביום ההוא׃

53 ויאמר אחזיהו אל יהורם אחיו לאמר לך דרש ברעות אלהי עקרון המחר אחלה אם אשוב מהרגתי׃ **54** ויבא אליהו התשבי מתושבי גלעד אל יהורם ויאמר אליו עלה קרח עלה אל מרום שמרון והנה מלאכי יהוה בשמרון׃ ויאמר אליהו אל עבדי אלישע בן שפט אם יש פה נביא לה' ונדרש את ה' מפיו ויען אחד מעבדי מלך ישראל ויאמר פה אלישע בן שפט אשר יצק מים על ידי אליהו׃ **12** ויאמר יהושפט יש אתו דבר ה' וירדו אליו מלך ישראל ויהושפט ומלך אדום׃ **13** ויאמר אליו אליהו מה לי ולך לך אל נביאי אביך ואל נביאי אמך ויאמר לו מלך ישראל אל כי יהוה קרא לשלשת המלכים האלה לתת אותם ביד מואב׃ **14** ויאמר אליהו חי יהוה צבאות אשר עמדתי לפניו אם לולי פני יהושפט מלך יהודה אני נשא אתך ואליך לא אביט׃ **15** ועתה קחו לי מנגן והיה כנגן המנגן ותהי עליו יד יהוה׃ **16** ויאמר כה אמר יהוה עשו הגיא הזה גבים גבים׃ **17** כי כה אמר יהוה לא תראו רוח ולא תראו גשם והגיא ההוא יתמלא מים ושתיתם אתם ואתה מקניכם ובהמתכם׃ **18** ונקל זאת בעיני יהוה ונתן את מואב בידכם׃ **19** והכיתם כל עיר מבצר וכל עיר מבחר ועץ טוב תפילו וכל מעיני מים תסתמו וכל חלקת טוב תכאבו באבנים׃ **20** ויהי כעלות המנחה כמעלות השחר והנה באו מים דרך אדום ותמלא הארץ את המים׃ **21** וכל מואב שמעו כי עלו המלכים להלחם בם ויזעקו כל כל חגר חגור ומעלה ויעמדו על הגבול׃ **22** וישכימו בבקר ויזרח השמש על המים וירא מואב מנגד את המים אדמים כדם׃ **23** ויאמרו דם זה חרבו נחרבו המלכים ויכו איש את רעהו ועתה לשללה מואב׃ **24** ויבאו אל מחנה ישראל וישראל קמו ויכו את מואב וינסו מפניהם ויבואו הכה להכותם׃ **25** והערים יהרסו ואיש אבן שלכו כל חלקת טוב ויסתמו כל מעיני מים וכל עץ טוב הפילו עד הותירם קיר אבניה בקיר ויסבו הקלעים ויכתוה׃ **26** וירא מלך מואב כי חזק ממנו המלחמה ויקח אתו שבע מאות איש שלפי חרב להבקיע אל מלך אדום ולא יכלו׃ **27** ויקח את בנו הבכר אשר ימלך תחתיו ויעלהו עולה על החומה ויהי קצף גדול על ישראל ויסעו מעליו וישובו לארצם׃

Digitized by Google

55 ಯಿಸ್ರಾಯೇಲರೇ, ನಾನು ನಿಮಗೆ ಹೇಳುವುದನ್ನು ಕೇಳಿರಿ. ಈ ಮನುಷ್ಯನು ಮಾಡಿದ ಕೆಲಸಗಳು ಅವನ ಮೇಲೆ ಸಾಕ್ಷಿಯಾಗಿವೆ. ಅವನು ಮಾಡಿದ ಕೆಲಸಗಳು ಅವನು ದೇವರಿಂದ ಕಳುಹಿಸಲ್ಪಟ್ಟವನೆಂಬುದಕ್ಕೆ ಸಾಕ್ಷಿಯಾಗಿವೆ.

56 ಆಗ ಪ್ರಧಾನಯಾಜಕನಾದ ಕಾಯಫನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ: ಇವನು ಮಾಡುವ ಕೆಲಸಗಳು ಅದ್ಭುತವಾಗಿವೆ. ಇವನು ಮಾಡುವ ಕೆಲಸಗಳಿಗೆ ಯಾರೂ ಉತ್ತರ ಕೊಡಲಾರರು.

57 ಮಹಾಯಾಜಕರು ಮತ್ತು ಫರಿಸಾಯರು ಯೇಸುವಿಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಅನೇಕ ಆಜ್ಞೆಗಳನ್ನು ಹೊರಡಿಸಿದ್ದರು. ಯಾರಾದರೂ ಯೇಸು ಎಲ್ಲಿದ್ದಾನೆಂದು ತಿಳಿದರೆ ಅವರು ಅವನನ್ನು ಬಂಧಿಸಲು ಅವನು ಎಲ್ಲಿದ್ದಾನೆಂದು ತಿಳಿಸಬೇಕೆಂದು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ್ದರು.

58 ಯೇಸು ಯೆಹೂದಿಯಲ್ಲಿ ಸಂಚರಿಸುತ್ತಿದ್ದನು. ಆದರೆ ಅವನು ಹೆಚ್ಚಾಗಿ ಗಲಿಲಾಯದಲ್ಲಿ ಇರುತ್ತಿದ್ದನು. ಏಕೆಂದರೆ ಯೆಹೂದಿಯರು ಅವನನ್ನು ಕೊಲ್ಲಲು ಬಯಸಿದ್ದರು. ಆದ್ದರಿಂದ ಅವನು ಯೆಹೂದಿಯಲ್ಲಿ ಸಂಚರಿಸಲು ಇಷ್ಟಪಡಲಿಲ್ಲ.

59 ಯೆಹೂದ್ಯರ ಹಬ್ಬಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದಾದ ಗುಡಾರಗಳ ಹಬ್ಬವು ಸಮೀಪಿಸಿತ್ತು. ಆದ್ದರಿಂದ ಯೇಸುವಿನ ಸಹೋದರರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ,

60 ಯೆಹೂದಿಯಲ್ಲಿರುವ ನಿನ್ನ ಶಿಷ್ಯರು ನೀನು ಮಾಡುವ ಅದ್ಭುತಗಳನ್ನು ನೋಡಲಿ. ನೀನು ಪ್ರಸಿದ್ಧನಾಗಲು ಬಯಸಿದರೆ ಯೆಹೂದಿಯಲ್ಲಿ ಸಂಚರಿಸಬೇಕು. ಏಕೆಂದರೆ ಯಾರೂ ಗುಪ್ತವಾಗಿ ಕೆಲಸ ಮಾಡಲು ಬಯಸುವುದಿಲ್ಲ.

61 ಯೇಸು ಮಾಡುತ್ತಿರುವ ಕೆಲಸಗಳನ್ನು ಜಗತ್ತಿಗೆ ತೋರಿಸಬೇಕೆಂದು ಅವನ ಸಹೋದರರು

Digitized by Google

62 ...

63 ...

64 ...

65 ...

66 ...

Digitized by Google

ကြောင့် ကောင်းကင်ဘုံ၌ ရှိသော ငါ့ခမည်းတော်သည် သင်တို့ကို ပေးတော်မူမည်မဟုတ်လော။

၁၃

1 ထိုနောက် ယေရှုသည် ဝိညာဉ်ဆိုးကို နှုတ်ထုတ်ခြင်းခံရသော အမျိုးသားအား ဆွေးနွေးခြင်းကို ပြုတော်မူ၏။ ဆွေးနွေးခြင်းကို ပြုတော်မူသောအခါ အမျိုးသားသည် အံ့ဩလျက် ယေရှုအား ကြည့်ရှုနေကြသော လူအုပ်ကြီးထံသို့ လှည့်၍ ဟောပြောလေ၏။

2 ထိုအခါ ဟောပြောလျက် ယေရှုသည် လူအုပ်ကြီးထံသို့ လှည့်တော်မူ၏။ ထိုလူအုပ်ကြီးသည် ယေရှုအား ကြည့်ရှုနေကြသော အမျိုးသားထံသို့ လှည့်၍ ဟောပြောလေ၏။

3 ထိုအခါ ကောင်းကင်ဘုံ၌ ရှိသော ငါ့ခမည်းတော်သည် သင်တို့ကို ပေးတော်မူမည်မဟုတ်လော။

4 ထိုအခါ ယေရှုသည် ဟောပြောလျက် လူအုပ်ကြီးထံသို့ လှည့်တော်မူ၏။ ထိုလူအုပ်ကြီးသည် ယေရှုအား ကြည့်ရှုနေကြသော အမျိုးသားထံသို့ လှည့်၍ ဟောပြောလေ၏။

5 ယေရှုသည် ဟောပြောလျက် လူအုပ်ကြီးထံသို့ လှည့်တော်မူ၏။ ထိုလူအုပ်ကြီးသည် ယေရှုအား ကြည့်ရှုနေကြသော အမျိုးသားထံသို့ လှည့်၍ ဟောပြောလေ၏။

6 ထိုအခါ ယေရှုသည် ဟောပြောလျက် လူအုပ်ကြီးထံသို့ လှည့်တော်မူ၏။

Digitized by Google

11 ...

10 ...

9 ...

8 ...

7 ...

6 ...

16 ଯିହିଷ୍କୀୟର ପୁତ୍ର ଶଲ୍ଲୁମ୍‌ର ପୁତ୍ର ମହସେୟର ପୁତ୍ର ଅସରୀୟର ପୁତ୍ର ସିଦିକୀୟର ପୁତ୍ର ହିଲକୀୟର ପୁତ୍ର ଏଲିୟୋନୟର ପୁତ୍ର ଯିରମିୟର ପୁତ୍ର ହନନେଲର ପୁତ୍ର ମିଖାୟେଲର ପୁତ୍ର ଅସରୀୟର ପୁତ୍ର ଯିହୋୟାକୀମର ପୁତ୍ର ଯିହୋଶୂୟର ପୁତ୍ର ଯିହୋତ୍ସାଦକ ଥିଲା ।

15 ଏବଂ ଯିହୋତ୍ସାଦକ ଯିହୋବାଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଯିରୂଶାଲମ ଓ ଯିହୁଦାକୁ ଯେଉଁ ନିର୍ବାସନ ପଠାଇଥିଲେ, ତାହା ଯିହୋୟାକୀମ ରାଜାଙ୍କ ଓ ଯିହୁଦାର ରାଜା ସିଦିକୀୟଙ୍କ ସମୟରେ ଘଟିଥିଲା ।

14 ଯିହୋୟାକୀମ ଯିହୋୟାଖୀନ ଓ ତାହାର ଭାଇମାନଙ୍କ ସମୟରେ ଯିରୂଶାଲମର ଲୋକମାନେ ଯେଉଁ ଦୁଷ୍କର୍ମ କରିଥିଲେ, ତାହା ଏହି ଗ୍ରନ୍ଥରେ ଲିଖିତ ଅଛି । ଏହି ଗ୍ରନ୍ଥ ଯିରମିୟ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବକ୍ତାଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଲିଖିତ ହୋଇଥିଲା ।

13 ଯୁଦ୍ଧକାରୀ ଲୋକମାନେ ଯିରୂଶାଲମରେ ଥିବା ରାଜାଙ୍କ ଗୃହ ଓ ଲୋକମାନଙ୍କ ଗୃହ ସବୁ ପୋଡ଼ି ଦେଲେ । ଆଉ ଯିରୂଶାଲମର ପ୍ରାଚୀରକୁ ଭାଙ୍ଗି ପକାଇଲେ ।

12 ରାଜାଙ୍କର ଉନବିଂଶ ବର୍ଷରେ ଯିରୂଶାଲମରେ ଥିବା ରାଜାଙ୍କର ଜଣେ ସେବକ ଓ ସୈନ୍ୟମାନଙ୍କର ସେନାପତି ନବୂଷଲଦନ ଯିରୂଶାଲମକୁ ଆସିଲେ ।

ମନ୍ଦିରର ଅଗ୍ନିଦାହ ଓ ଯିରୂଶାଲମର ପତନ

11 ଏହି ଦେଶରେ ଯେଉଁ ଦରିଦ୍ର ଲୋକମାନେ ରହିଲେ, ସେମାନଙ୍କୁ ବାବିଲର ରାଜା ଦ୍ରାକ୍ଷାକ୍ଷେତ୍ର ଓ ଚାଷ ଜମି ଦେଲେ ।

10 ଏଥିଉତ୍ତାରେ ବାବିଲର ରାଜା ଯିହୋୟାଖୀନଙ୍କୁ ଶିକୁଳିରେ ବାନ୍ଧି ବାବିଲକୁ ନେଇଗଲେ । ଆଉ ଯିହୋୟାଖୀନ ମରଣ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ସେଠାରେ ରହିଲେ ।

9 ସେ ଯିହୋବାଙ୍କ ଦୃଷ୍ଟିରେ ମନ୍ଦ କର୍ମ କଲେ । ତାହାର ପିତା ଯେପରି କରିଥିଲେ, ସେ ମଧ୍ୟ ସେପରି କଲେ ।

8 ଯିହୋୟାଖୀନ ଯେତେବେଳେ ରାଜା ହେଲେ, ସେତେବେଳେ ତାହାର ବୟସ ଅଷ୍ଟାଦଶ ବର୍ଷ ଥିଲା । ସେ ତିନି ମାସ ଦଶ ଦିନ ଯିରୂଶାଲମରେ ରାଜତ୍ୱ କଲେ । ତାହାର ମାତାର ନାମ ନିହୁଷ୍ଟା ଯିରୂଶାଲମର ଇଲନାଥନର କନ୍ୟା ଥିଲା ।

ଯିହୋୟାଖୀନ ଯିହୁଦାର ରାଜା ହେଲେ

7 ଯିହୋୟାକୀମ ତାହାର ପୂର୍ବପୁରୁଷମାନଙ୍କ ସହିତ ଶୟନ କଲେ । ତାହାର ପୁତ୍ର ଯିହୋୟାଖୀନ ତାହାର ସ୍ଥାନରେ ରାଜା ହେଲେ ।

6 ଯିହୋୟାକୀମ ତାହାର ପୂର୍ବପୁରୁଷମାନଙ୍କ ସହିତ ଶୟନ କଲେ । ତାହାର ପୁତ୍ର ଯିହୋୟାଖୀନ ତାହାର ସ୍ଥାନରେ ରାଜା ହେଲେ ।

5 ଯିହୋୟାକୀମର ଅବଶିଷ୍ଟ କାର୍ଯ୍ୟ ଓ ତାହାର ଯେଉଁ ଘୃଣିତ କର୍ମ ସେ କଲେ, ତାହା ଯିହୁଦାର ରାଜାମାନଙ୍କ ବୃତ୍ତାନ୍ତ ପୁସ୍ତକରେ ଲିଖିତ ଅଛି ।

4 ଯିହୋୟାକୀମ ଯେତେବେଳେ ରାଜା ହେଲେ, ସେତେବେଳେ ତାହାର ବୟସ ପଚିଶ ବର୍ଷ ଥିଲା । ସେ ଏଗାର ବର୍ଷ ଯିରୂଶାଲମରେ ରାଜତ୍ୱ କଲେ । ତାହାର ମାତାର ନାମ ଜବୀଦା ରୂମାର କନ୍ୟା ଥିଲା ।

ଯିହୋୟାକୀମ ଯିହୁଦାର ରାଜା ହେଲେ

3 ଯିହୋବାଙ୍କ ଆଜ୍ଞାନୁସାରେ ଏହି ସବୁ ଘଟଣା ଯିହୁଦା ପ୍ରତି ଘଟିଲା । ଯିହୋବା ଯିହୁଦାକୁ ତାଙ୍କ ସମ୍ମୁଖରୁ ଦୂର କରିବାକୁ ଚାହିଁଲେ । ଏହା ମନଃଶି ଯେଉଁ ସବୁ ପାପ କରିଥିଲା, ତାହା ପାଇଁ ଘଟିଲା ।

2 ଯିହୋୟାକୀମ ଯିହୋବାଙ୍କ ଦୃଷ୍ଟିରେ ମନ୍ଦ କର୍ମ କଲେ । ତାହାର ପିତା ଯେପରି କରିଥିଲେ, ସେ ମଧ୍ୟ ସେପରି କଲେ ।

1 ଯିହୋୟାକୀମ ଯେତେବେଳେ ରାଜା ହେଲେ, ସେତେବେଳେ ତାହାର ବୟସ ପଚିଶ ବର୍ଷ ଥିଲା । ସେ ଏଗାର ବର୍ଷ ଯିରୂଶାଲମରେ ରାଜତ୍ୱ କଲେ । ତାହାର ମାତାର ନାମ ଜବୀଦା ରୂମାର କନ୍ୟା ଥିଲା ।

Digitized by Google

17 ଯିହୋୟାଦା ପୁରୋହିତ ସମସ୍ତଙ୍କ ସମ୍ମୁଖରେ ଏହି ନିୟମ କଲେ ଯେ, ସେମାନେ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କର ଲୋକ ହେବେ ।

18 ଏଥିଉତ୍ତାରେ ସମସ୍ତ ଲୋକ ବାଲ୍‌ର ମନ୍ଦିରକୁ ଗଲେ ଓ ତାହା ଭାଙ୍ଗି ପକାଇଲେ; ଆଉ ତାହାର ଯଜ୍ଞବେଦି ଓ ପ୍ରତିମାଗୁଡ଼ିକ ଚୂର୍ଣ୍ଣ କଲେ, ପୁଣି ବାଲ୍‌ର ପୂଜକ ମତ୍ତନ ବେଦିସମ୍ମୁଖରେ ବଧ କଲେ । ଆଉ ଯିହୋୟାଦା ପୁରୋହିତ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କ ଗୃହରେ ତତ୍ତ୍ୱାବଧାନ ନିମନ୍ତ୍ତ ଅଧ୍ୟକ୍ଷମାନଙ୍କୁ ନିଯୁକ୍ତ କଲେ ।

19 ସେ ସମସ୍ତ ଶତପତି, କରୀୟମାନ ଓ ରକ୍ଷକମାନଙ୍କୁ ଏବଂ ଦେଶର ସମସ୍ତ ଲୋକଙ୍କୁ ସଙ୍ଗରେ ନେଇ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କ ଗୃହରୁ ରାଜାଙ୍କୁ ଆଣିଲେ; ଆଉ ସେମାନେ ଉପର ଦ୍ୱାର ଦେଇ ରାଜଗୃହକୁ ଆସିଲେ, ପୁଣି ରାଜା ରାଜସିଂହାସନରେ ବସିଲେ ।

20 ଏଥିରେ ଦେଶର ସମସ୍ତ ଲୋକ ଆନନ୍ଦ କଲେ ଓ ନଗର ଶାନ୍ତ ରହିଲା । ଆଉ ସେମାନେ ରାଜଗୃହରେ ଅଥଲିୟକୁ ବଧ କରି ତରବାରି ଦ୍ୱାରା ତାହାକୁ ସଂହାର କଲେ ।

Digitized by Google

ما هو معنى الحديث الذي قبله، وما هو معنى الحديث الذي بعده.

س ١٠٠

١ اذكر ما تعلمه عن حياة الشاعر الذي قال البيت الآتي، وما هو معنى البيت.

٢ ما هو معنى ما في البيت من الكلمات الآتية: ما هو معنى كل كلمة من هذه الكلمات في البيت، وما هو معناها في غير البيت.

٣ ما هو معنى ما في البيت من الكلمات الآتية: اكتب ما هو معنى كل كلمة من هذه الكلمات في البيت، وما هو معناها في غير البيت.

٤ ما هو معنى التشبيه في البيت، وما هو المشبه، وما هو المشبه به، وما هو وجه الشبه، وما هو نوع التشبيه من حيث الإفراد والتركيب، وما هو معنى التشبيه في البيت.

٥ ما هي الصناعة البديعية في البيت، وما هو معناها، وما هو معنى البيت من حيث اللفظ والمعنى، وما هو معنى البيت من حيث علم البيان، وما هو معنى البيت.

Digitized by Google

6 ...

7 ...

8 ...

9 ...

10 ...

11 ...

12 ...

Digitized by Google

13 ... ...

20 ... ...

25 ಆಗ ಅವರು ಒಬ್ಬರಿಗೊಬ್ಬರು ಒಪ್ಪಿಗೆಯಾಗದೆ ಹೊರಟುಹೋಗುವಾಗ ಪೌಲನು ಈ ಒಂದು ಮಾತನ್ನು ಹೇಳಿದನು: ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನು ಯೆಶಾಯ ಪ್ರವಾದಿಯ ಮುಖಾಂತರ ನಿಮ್ಮ ಪಿತೃಗಳಿಗೆ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದಾನೆ.

26 ಆತನು ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಈ ಜನರ ಬಳಿಗೆ ಹೋಗಿ ಹೇಳು, ನೀವು ಕಿವಿಗೊಟ್ಟು ಕೇಳುವಿರಿ, ಆದರೆ ಗ್ರಹಿಸುವದಿಲ್ಲ; ನೀವು ನೋಡುವಿರಿ, ಆದರೆ ಕಾಣುವದಿಲ್ಲ.

27 ಈ ಜನರ ಹೃದಯವು ಕೊಬ್ಬಿಹೋಗಿದೆ, ಅವರು ಕಿವಿಗಳಿಂದ ಕೇಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಲಾರದವರಾಗಿದ್ದಾರೆ, ಅವರು ತಮ್ಮ ಕಣ್ಣುಗಳನ್ನು ಮುಚ್ಚಿಕೊಂಡಿದ್ದಾರೆ; ಅವರು ತಮ್ಮ ಕಣ್ಣುಗಳಿಂದ ನೋಡಲಾರದವರಾಗಿಯೂ ತಮ್ಮ ಕಿವಿಗಳಿಂದ ಕೇಳಲಾರದವರಾಗಿಯೂ ತಮ್ಮ ಹೃದಯದಿಂದ ಗ್ರಹಿಸಲಾರದವರಾಗಿಯೂ ಇದ್ದಾರೆ; ಅವರು ತಿರುಗಿಕೊಳ್ಳಲಾರದವರಾಗಿದ್ದಾರೆ, ನಾನು ಅವರನ್ನು ಗುಣಪಡಿಸಲಾರದವನಾಗಿದ್ದೇನೆ.

28 ಆದದರಿಂದ ದೇವರ ಈ ರಕ್ಷಣೆಯು ಅನ್ಯಜನರಿಗೆ ಕಳುಹಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿದೆಯೆಂದು ನಿಮಗೆ ತಿಳಿದಿರಲಿ; ಅವರು ಕೇಳುವರು.

29 ಅವನು ಇದನ್ನು ಹೇಳಿದಾಗ ಯೆಹೂದ್ಯರು ಬಹಳ ವಾದಮಾಡಿಕೊಂಡು ತಮ್ಮತಮ್ಮಲ್ಲಿಗೆ ಹೊರಟುಹೋದರು.

30 ಪೌಲನು ಪೂರ್ಣ ಎರಡು ವರ್ಷ ತನ್ನ ಸ್ವಂತ ಬಾಡಿಗೆ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಇದ್ದನು, ತನ್ನ ಬಳಿಗೆ ಬರುವ ಎಲ್ಲರನ್ನು ಸೇರಿಸಿಕೊಳ್ಳುತ್ತಿದ್ದನು,

31 ಯಾವ ಅಡ್ಡಿಯೂ ಇಲ್ಲದೆ ದೇವರ ರಾಜ್ಯವನ್ನು ಸಾರುತ್ತಾ ಕರ್ತನಾದ ಯೇಸು ಕ್ರಿಸ್ತನ ವಿಷಯವಾದ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಬೋಧಿಸುತ್ತಾ ಇದ್ದನು.

Digitized by Google

32 ಮತ್ತು ನಾವು ಆತನ ಮಾತುಗಳಿಗೆ ಮತ್ತು ದೇವರು ತನಗೆ ವಿಧೇಯರಾಗುವವರಿಗೆ ಅನುಗ್ರಹಿಸಿರುವ ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನಿಗೆ ಸಾಕ್ಷಿಗಳಾಗಿದ್ದೇವೆ ಎಂದು ಹೇಳಿದರು.

33 ಇದನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರು ಕೋಪಗೊಂಡು ಅವರನ್ನು ಕೊಲ್ಲಲು ಆಲೋಚಿಸಿದರು.

34 ಆಗ ಜನರೆಲ್ಲರಿಂದ ಮಾನ್ಯನಾಗಿದ್ದ ಗಮಲಿಯೇಲನೆಂಬ ಒಬ್ಬ ಫರಿಸಾಯನು ಸಭೆಯಲ್ಲಿ ಎದ್ದು ನಿಂತು ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ಸ್ವಲ್ಪ ಹೊತ್ತು ಹೊರಗೆ ಕಳುಹಿಸಲು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದನು. ಅವನು ಧರ್ಮೋಪದೇಶಕನಾಗಿದ್ದನು. ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೀಗೆ ಹೇಳಿದನು:

35 ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ಜನರೇ, ಈ ಮನುಷ್ಯರ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ನೀವು ಏನು ಮಾಡಬೇಕೆಂಬುದರ ಬಗ್ಗೆ ಎಚ್ಚರಿಕೆಯಿಂದಿರಿ.

36 ಇತ್ತೀಚೆಗೆ ಥೆಯುದನೆಂಬವನು ಎದ್ದು ತಾನು ಮಹಾ ವ್ಯಕ್ತಿಯೆಂದು ಹೇಳಿಕೊಂಡನು. ಸುಮಾರು ನಾನೂರು ಜನರು ಅವನನ್ನು ಹಿಂಬಾಲಿಸಿದರು. ಅವನು ಕೊಲೆಯಾದನು. ಅವನನ್ನು ಹಿಂಬಾಲಿಸಿದವರೆಲ್ಲರೂ ಚದರಿಹೋದರು. ಅವರಲ್ಲಿ ಯಾರೂ ಉಳಿಯಲಿಲ್ಲ.

37 ಅನಂತರ ಜನಗಣತಿಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಗಲಿಲಾಯದವನಾದ ಯೂದನು ಎದ್ದು ಬಂದನು. ಅವನು ಸಹ ಅನೇಕ ಜನರನ್ನು ತನ್ನ ಹಿಂದೆ ಸೆಳೆದುಕೊಂಡನು. ಅವನು ಸಹ ಸತ್ತುಹೋದನು. ಅವನನ್ನು ಹಿಂಬಾಲಿಸಿದವರೆಲ್ಲರೂ ಚದರಿಹೋದರು.

38 ಆದುದರಿಂದ ಈಗ ನಾನು ನಿಮಗೆ ಹೇಳುವುದೇನೆಂದರೆ: ಈ ಮನುಷ್ಯರ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ನೀವು ಏನು ಮಾಡಬೇಕೆಂಬುದರ ಬಗ್ಗೆ ಎಚ್ಚರಿಕೆಯಿಂದಿರಿ. ಅವರನ್ನು ಒಂಟಿಯಾಗಿ ಬಿಡಿರಿ. ಅವರ ಯೋಜನೆಯು ಅಥವಾ ಕಾರ್ಯವು ಮನುಷ್ಯರಿಂದ ಬಂದಿದ್ದರೆ ಅದು ತಾನಾಗಿಯೇ ನಾಶವಾಗುವುದು.

Digitized by Google

39 ଯିହୋଶାପଟ ଯିହୋରାମର ସହିତ ବନ୍ଧୁତା କରିଥିଲେ ଏବଂ ଯିହୋରାମ ଯିହୋଶାପଟଙ୍କ ସହିତ ଜାହାଜ ନିର୍ମାଣ କରିବାକୁ ଯୋଜନା କଲେ ।

40 ଯିହୋଶାପଟ ଯିହୋରାମଙ୍କୁ କହିଲେ, "ଆସ, ଆମ୍ଭେମାନେ ଏକତ୍ର ଯିହୋଶାପଟ ଓ ଯିହୋରାମ ଯିହୋଶାପଟ ଯିହୋରାମଙ୍କୁ କହିଲେ,

ಮಾಲಾಕಾಲಾಮಾಲಾಕಾಲಾ

5 ಮತ್ತು ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಯೋಹಾನನ ಶಿಷ್ಯರು ಆಗಾಗ್ಗೆ ಉಪವಾಸ ಮಾಡಿ ಪ್ರಾರ್ಥನೆ ಮಾಡುತ್ತಾರೆ; ಫರಿಸಾಯರ ಶಿಷ್ಯರೂ ಹಾಗೆಯೇ ಮಾಡುತ್ತಾರೆ; ಆದರೆ ನಿನ್ನ ಶಿಷ್ಯರು ತಿನ್ನುತ್ತಾ ಕುಡಿಯುತ್ತಾ ಇದ್ದಾರಲ್ಲಾ.

6 ಆಗ ಯೇಸು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಮದುವೆಯ ಮನೆಯವರು ಮದುಮಗನು ತಮ್ಮ ಸಂಗಡ ಇರುವಷ್ಟು ಕಾಲ ಉಪವಾಸ ಮಾಡಲಾರರಲ್ಲವೇ?

7 ಆದರೆ ಮದುಮಗನನ್ನು ಅವರಿಂದ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗುವ ದಿನಗಳು ಬರುವವು; ಆಗ ಅವರು ಉಪವಾಸ ಮಾಡುವರು.

8 ಯಾರೂ ಹಳೇ ಬಟ್ಟೆಗೆ ಹೊಸ ಬಟ್ಟೆಯ ತೇಪೆಯನ್ನು ಹಾಕುವುದಿಲ್ಲ; ಹಾಕಿದರೆ ಆ ತೇಪೆಯು ಬಟ್ಟೆಯನ್ನು ಕುಗ್ಗಿಸಿ ಹರಕನ್ನು ಹೆಚ್ಚಿಸುವುದು.

9 ಯಾರೂ ಹೊಸ ದ್ರಾಕ್ಷಾರಸವನ್ನು ಹಳೇ ಚರ್ಮದ ಚೀಲಗಳಲ್ಲಿ ಹಾಕಿಡುವುದಿಲ್ಲ; ಹಾಕಿಟ್ಟರೆ ಚರ್ಮದ ಚೀಲಗಳು ಒಡೆದು ದ್ರಾಕ್ಷಾರಸವು ಸೋರಿಹೋಗುವುದು, ಚರ್ಮದ ಚೀಲಗಳೂ ಹಾಳಾಗುವವು.

10 ಆದರೆ ಹೊಸ ದ್ರಾಕ್ಷಾರಸವನ್ನು ಹೊಸ ಚರ್ಮದ ಚೀಲಗಳಲ್ಲಿ ಹಾಕಿಡಬೇಕು; ಆಗ ಎರಡೂ ಉಳಿಯುವವು.

Digitized by Google

11 ସେମାନେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଆକ୍ରମଣ କରିଥିଲେ, କାରଣ ଆମ୍ଭେମାନେ ସେମାନଙ୍କ ଅପେକ୍ଷା ଦୁର୍ବଳ ହୋଇଥିଲୁ ।

12 ଏହାସତ୍ତ୍ୱେ ଆମ୍ଭେମାନେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କ ଶତ୍ରୁମାନଙ୍କୁ ପରାସ୍ତ କରିଥିଲୁ, ଆମ୍ଭେମାନେ ସେମାନଙ୍କୁ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କ ଅପେକ୍ଷା ଦୁର୍ବଳ ହୋଇଥିଲୁ ବୋଲି ଭାବିଥିଲୁ, ଆମ୍ଭେମାନେ ସେମାନଙ୍କୁ ପରାସ୍ତ କର

17 ଯିହିଷ୍କୀୟ ଆପଣା ଦାସମାନଙ୍କୁ ଓ ଆପଣା ଅମାତ୍ୟମାନଙ୍କୁ କହିଲା ପୂର୍ବେ ଏହି ନଗର ଆସୀରୀୟ ରାଜାମାନଙ୍କ ହସ୍ତରେ ପଡ଼ିବ ନାହିଁ ବୋଲି ଆପଣା ଦାସ ଯିଶାଇୟ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବକ୍ତା ଓ ଆମୋସ୍‌ର ପୁତ୍ର ଯିଶାଇୟ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବକ୍ତା ଯେପରି କରିଅଛନ୍ତି, ତୁମ୍ଭେମାନେ ସେପରି କରିବ ନାହିଁ।

18 ଏଥିରେ ମାତ୍ର ସଦାପ୍ରଭୁ ଆପଣା ଦାସ ଯିହିଷ୍କୀୟ ରାଜା ଓ ଆମୋସ୍‌ର ପୁତ୍ର ଯିଶାଇୟ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବକ୍ତା ଏହି ବିଷୟରେ ପ୍ରାର୍ଥନା କଲେ ଓ ସ୍ୱର୍ଗକୁ ଡାକିଲେ।

19 ତହିଁରେ ସଦାପ୍ରଭୁ ଏକ ଦୂତକୁ ପଠାଇଲେ; ତହୁଁ ସେ ଅଶୂରୀୟ ରାଜାର ଶିବିରସ୍ଥ ଏକ ଲକ୍ଷ ପଞ୍ଚାଶୀତି ସହସ୍ର ଲୋକକୁ ସଂହାର କଲା। ପରେ ପ୍ରାତଃକାଳରେ ଲୋକମାନେ ଉଠିଲେ, ଦେଖ, ସେମାନେ ସମସ୍ତେ ମୃତ ଶବ ହୋଇ ପଡ଼ିଥିଲେ।

20 ତହିଁରେ ଅଶୂରୀୟ ରାଜା ସନ୍ହେରୀବ ପ୍ରସ୍ଥାନ କରି ନିନିବୀକୁ ଫେରି ଯାଇ

Digitized by Google

ויאמר אליו אלישע לך שלום ויסע מאתו כברות הארץ׃

21 ויבא נעמן עם סוסיו ועם רכבו ויעמד פתח בית אדניו אליהוא ויאמר הנה עתה ידעתי כי אין אלהים בכל הארץ כי אם בישראל ועתה קח נא ברכה מאת עבדך׃

22 ויאמר חי יהוה אשר עמדתי לפניו אם אקח דבר ויפצר בו לקחת ויסרב ויאמר הנה עבדיך שלשת אלפים ככר כסף ויהי לי לשני נערים מהרי אפרים הנה עתה שלשה כברות

26 ಆಗ ಅವರು ಅವನ ಮೇಲೆ ಕೈಗಳನ್ನಿಟ್ಟು ಕಳುಹಿಸಿದರು. ಹೀಗೆ ಅವರು ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನಿಂದ ಕಳುಹಿಸಲ್ಪಟ್ಟು ಸೆಲೂಕ್ಯಕ್ಕೆ ಹೋಗಿ ಅಲ್ಲಿಂದ ಹಡಗಿನಲ್ಲಿ ಕುಪ್ರಕ್ಕೆ ಪ್ರಯಾಣಮಾಡಿದರು. 27 ಅವರು ಸಲಮಿಗೆ ಬಂದು ಅಲ್ಲಿ ದೇವರ ವಾಕ್ಯವನ್ನು ಯೆಹೂದ್ಯರ ಸಭಾಮಂದಿರಗಳಲ್ಲಿ ಸಾರಿದರು. ಯೋಹಾನನು ಅವರಿಗೆ ಸಹಾಯಕನಾಗಿದ್ದನು. 28 ಅವರು ಪಾಫೊ ಎಂಬ ಊರಿನವರೆಗೂ ದ್ವೀಪವನ್ನೆಲ್ಲಾ ಸಂಚರಿಸಿದರು.

೧೩

1 ಅಲ್ಲಿ ಅಂತಿಯೋಕ್ಯದ ಸಭೆಯಲ್ಲಿ ಪ್ರವಾದಿಗಳೂ ಬೋಧಕರೂ ಇದ್ದರು. ಅವರು ಯಾರೆಂದರೆ ಬಾರ್ನಬ, ಕರಿಯ ಎಂಬ ಸಿಮೆಯೋನ, ಕುರೇನ ಊರಿನ ಲೂಕ, ಚತುರಾಧಿಪತಿಯಾದ ಹೆರೋದನ ಸಹೋದರ ಮನಹೇನ, ಸೌಲ ಎಂಬವರು. 2 ಅವರು ಕರ್ತನನ್ನು ಆರಾಧಿಸಿ ಉಪವಾಸಮಾಡುತ್ತಿರುವಾಗ ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನು ಅವರಿಗೆ, ನಾನು ಬಾರ್ನಬ ಸೌಲರನ್ನು ಯಾವ ಕೆಲಸಕ್ಕಾಗಿ ಕರೆದಿದ್ದೇನೋ ಆ ಕೆಲಸಕ್ಕಾಗಿ ಅವರನ್ನು ನನಗೆ ಪ್ರತ್ಯೇಕಿಸಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. 3 ಆಗ ಅವರು ಉಪವಾಸಮಾಡಿ ಪ್ರಾರ್ಥನೆಮಾಡಿ ಅವರ ಮೇಲೆ ಕೈಗಳನ್ನಿಟ್ಟು ಕಳುಹಿಸಿದರು.

4 ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನಿಂದ ಕಳುಹಿಸಲ್ಪಟ್ಟವರಾಗಿ ಅವರು ಸೆಲೂಕ್ಯಕ್ಕೆ ಹೋಗಿ ಅಲ್ಲಿಂದ ಹಡಗಿನಲ್ಲಿ ಕುಪ್ರ ದ್ವೀಪಕ್ಕೆ ಪ್ರಯಾಣಮಾಡಿದರು. 5 ಸಲಮಿ ಪಟ್ಟಣದಲ್ಲಿ ಅವರು ದೇವರ ವಾಕ್ಯವನ್ನು ಯೆಹೂದ್ಯರ ಸಭಾಮಂದಿರಗಳಲ್ಲಿ ಸಾರಿದರು. ಯೋಹಾನನು ಅವರಿಗೆ ಸಹಾಯಕನಾಗಿದ್ದನು.

Digitized by Google

ಕಾಣ್ಮಿ, ಮಲಗಿದಲ್ಲಿ ಕಾಣ್ಮಿ, ಕಾಣ್ಮಿ ಕಾಣ್ಮಿ ಕಾಣ್ಮಿ

11 ଯିହିସ୍କେଲ ତୁମ୍ଭ ଲୋକମାନଙ୍କର ସନ୍ତାନଗଣକୁ କୁହ, ଆଉ ସେମାନଙ୍କୁ କୁହ, ଯେକୌଣସି ମନୁଷ୍ୟ ଆପଣା ପ୍ରତିବାସୀର ଦୋଷ ପାଇଁ ଅଥବା ଆପଣା ଭ୍ରାତାର ଦୋଷ ପାଇଁ ଦୁଃଖ କରେ, ସେ ଯେପରି ଦୁଃଖ କରେ, ଏଥିପାଇଁ ତାହାର ଦୁଃଖ ହେବ ନାହିଁ।

12 ଏହା ସେମାନଙ୍କୁ ଜଣାଅ ଯେ, ଯେଉଁମାନେ ଦୁଃଖ କରନ୍ତି, ସେମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଦୁଃଖ କର ନାହିଁ।

13 ଯିହିସ୍କେଲ ତୁମ୍ଭେ ଏହି ଲୋକମାନଙ୍କୁ କୁହ, ଯେଉଁମାନେ ଏହି ଦେଶରେ ବାସ କରନ୍ତି, ସେମାନେ ଏହି ଦେଶ ଅଧିକାର କରିବେ ବୋଲି ଆମ୍ଭେ ଅବ୍ରହାମକୁ ଡାକିଲା ସମୟରେ ସେ ଏକାକୀ ଥିଲା, ଆଉ ସେ ଦେଶ ଅଧିକାର କଲା। ମାତ୍ର ଆମ୍ଭେମାନେ ଅନେକ ଲୋକ ଅଛୁ। ଏହି ଦେଶ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଅଧିକାର କରିବା ପାଇଁ ଦିଆଯାଇଛି।

14 ଏହା ସେମାନଙ୍କୁ କୁହ, ଯେଉଁମାନେ ଦୁଃଖ କରନ୍ତି, ସେମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଦୁଃଖ କର ନାହିଁ। ଏହା ସେମାନଙ୍କୁ କୁହ, ଯେଉଁମାନେ ଦୁଃଖ କରନ୍ତି, ସେମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଦୁଃଖ କର ନାହିଁ। ମୁଁ ଯାହା କହିଛି ତାହା ଘଟିବ।

15 ଏହା ସେମାନଙ୍କୁ କୁହ, ଯେଉଁମାନେ ଦୁଃଖ କରନ୍ତି, ସେମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଦୁଃଖ କର ନାହିଁ। ଏହା ସେମାନଙ୍କୁ କୁହ, ଯେଉଁମାନେ ଦୁଃଖ କରନ୍ତି, ସେମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଦୁଃଖ କର ନାହିଁ।

16 ଯିହିସ୍କେଲ ମୁଁ ତୁମ୍ଭର ସ୍ତ୍ରୀକୁ ନେଇଯିବି। ତାହା ଘଟିବ।

17 ମାତ୍ର ତୁମ୍ଭେ ଦୁଃଖ କରିବ ନାହିଁ, ତୁମ୍ଭେ କାନ୍ଦିବ ନାହିଁ, ତୁମ୍ଭେ ଅଶ୍ରୁପାତ କରିବ ନାହିଁ। ତୁମ୍ଭେ ନୀରବରେ ଦୁଃଖ କରିବ, ତୁମ୍ଭେ ମୃତ ଲୋକମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଦୁଃଖ କରିବ ନାହିଁ। ତୁମ୍ଭେ ଆପଣା ମସ୍ତକରେ ପାଗ ବାନ୍ଧିବ ଏବଂ ତୁମ୍ଭେ ଆପଣା ପାଦରେ ଜୋତା ପିନ୍ଧିବ।

Digitized by Google

18 ଯେଉଁ ସମୟରେ ସେମାନେ (ଯିହୁଦୀମାନେ) ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଦେଖିଲେ, ସେମାନେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଆକ୍ରମଣ କଲେ । ସେମାନେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଆଘାତ କଲେ । ସେମାନେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଧରିଲେ । ସେମାନେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ବନ୍ଦୀ କଲେ । ସେମାନେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଅପମାନ କଲେ । ସେମାନେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ହତ୍ୟା କରିବାକୁ ଚେଷ୍ଟା କଲେ ।

19 ସେମାନେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କ ପ୍ରତି ଯାହା କରିଥିଲେ, ସେଥିପାଇଁ ଆମ୍ଭେମାନେ ଆନନ୍ଦିତ ହେଉଥିଲୁ ।

20 ଆମ୍ଭମାନଙ୍କ ପ୍ରଭୁ ଯୀଶୁଙ୍କ ଆଗମନ ସମୟରେ ତାହାଙ୍କ ସମ୍ମୁଖରେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କ ଆଶା, ଆନନ୍ଦ ଓ ଗର୍ବର ମୁକୁଟ କ'ଣ ? ଆମ୍ଭମାନଙ୍କ ପ୍ରଭୁ ଯୀଶୁଙ୍କ ଆଗମନ ସମୟରେ ତାହାଙ୍କ ସମ୍ମୁଖରେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କ ଆଶା, ଆନନ୍ଦ ଓ ଗର୍ବର ମୁକୁଟ ତୁମ୍ଭେମାନେ ।

21 ଯିହିଯାଖୀୟ ଏହି (ଯୋଦ୍ଧାମାନଙ୍କୁ) ଏହି ବିଷୟରେ କହିଲେ, ଯାହାସବୁ ଦର୍ଶନ ମୁଁ ଦେଖିଲି ସେଗୁଡ଼ିକ ବିଷୟରେ ମୁଁ କହିଲି । ମୁଁ ଏହି ସବୁ ବିଷୟରେ କହିଲି ।

22 ଯିହିଯାଖୀୟ ସାଧାରଣ ଲୋକଙ୍କୁ କହିଲେ, ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କଠାରୁ ଏହି ବାର୍ତ୍ତା ଶୁଣ । ସଦାପ୍ରଭୁ ଏହା କହନ୍ତି, ତୁମ୍ଭେମାନେ ଏହି ପ୍ରବାଦ ବାକ୍ୟ ବ୍ୟବହାର କରୁଛ, "ଦିନ ଗଡ଼ିଯାଉଛି ଓ ଦର୍ଶନ ସବୁ ବିଫଳ ହୋଇଯାଉଛି ।"

23 ତେଣୁ ମୋର ସେହି ଲୋକମାନଙ୍କୁ କୁହ, ପ୍ରଭୁ ସଦାପ୍ରଭୁ ଏହା କହନ୍ତି, ମୁଁ ଏହି ପ୍ରବାଦ ବାକ୍ୟ ବନ୍ଦ କରିଦେବି । ଇସ୍ରାଏଲରେ ଆଉ କେହି ଏହି ପ୍ରବାଦ ବାକ୍ୟ ବ୍ୟବହାର କରିବେ ନାହିଁ ।

Digitized by Google

24 ಮತ್ತು ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ಇಗೋ ನೀವು ಹೋಗಿ ನಿಮ್ಮ ಶತ್ರುಗಳಿಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಯುದ್ಧಕ್ಕೆ ಹೋಗುವಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

25 ಮತ್ತು ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ನೀವು ಹೋಗಿ ನಾಳೆ ನಿಮ್ಮ ಶತ್ರುಗಳಿಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಯುದ್ಧಕ್ಕೆ ಹೋಗುವಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

26 ಮತ್ತು ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ನಾಳೆ ನೀವು ಹೋಗಿ ಯುದ್ಧಕ್ಕೆ ಹೋಗುವಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

27 ಆಗ ಆಹಾಬನು ಇಸ್ರಾಯೇಲಿನ ಎಲ್ಲಾ ಹಿರಿಯರನ್ನು ಕೂಡಿಸಿ ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ನೀವು ಹೋಗಿ ಈ ಮನುಷ್ಯನು ಕೇಡನ್ನು ಹುಡುಕುತ್ತಾನೆಂದು ತಿಳಿದುಕೊಂಡು ನನ್ನ ಬಳಿಗೆ ಕಳುಹಿಸಿದ ಅವನ ಹೆಂಡತಿಯನ್ನೂ ಅವನ ಮಕ್ಕಳನ್ನೂ ನೋಡಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

28 ಆಗ ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ಅರಸನು ಅವರನ್ನು ಕರೆಯಿಸಿ ಅವರಿಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ್ದೇನಂದರೆ ನೀವು ಹೋಗಿ ಯುದ್ಧಕ್ಕೆ ಹೋಗುವಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

29 ಆಗ ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ಅರಸನು ಅವರನ್ನು ಕರೆಯಿಸಿ ಅವರಿಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ್ದೇನಂದರೆ ನೀವು ಹೋಗಿ ಯುದ್ಧಕ್ಕೆ ಹೋಗುವಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

30 ಆಗ ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ನೀವು ಹೋಗಿ ಈ ಮನುಷ್ಯನು ಕೇಡನ್ನು ಹುಡುಕುತ್ತಾನೆಂದು ತಿಳಿದುಕೊಂಡು ನನ್ನ ಬಳಿಗೆ ಕಳುಹಿಸಿದ ಅವನ ಹೆಂಡತಿಯನ್ನೂ ಅವನ ಮಕ್ಕಳನ್ನೂ ನೋಡಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

Digitized by Google

31 ಆಗ ಅವರ ಕಣ್ಣುಗಳು ತೆರೆಯಲ್ಪಟ್ಟು ಅವರು ಆತನನ್ನು ಗುರುತಿಸಿದರು; ಆತನು ಅವರಿಗೆ ಕಾಣದವನಾದನು.

32 ಆಗ ಅವರು ಒಬ್ಬರಿಗೊಬ್ಬರು ಹೇಳಿಕೊಂಡರು, ಆತನು ದಾರಿಯಲ್ಲಿ ನಮ್ಮೊಂದಿಗೆ ಮಾತನಾಡುತ್ತಾ ಗ್ರಂಥಗಳನ್ನು ನಮಗೆ ವಿವರಿಸುತ್ತಿರುವಾಗ ನಮ್ಮ ಹೃದಯಗಳು ನಮ್ಮಲ್ಲಿ ಉರಿಯುತ್ತಿರಲಿಲ್ಲವೇ?

33 ಅವರು ಆ ಗಳಿಗೆಯಲ್ಲಿಯೇ ಎದ್ದು ಯೆರೂಸಲೇಮಿಗೆ ಹಿಂತಿರುಗಿ ಹೋದರು.

34 ಅಲ್ಲಿ ಅವರು ಹನ್ನೊಂದು ಮಂದಿಯವರನ್ನೂ ಅವರೊಂದಿಗಿದ್ದವರನ್ನೂ ಕೂಡಿಬಂದವರಾಗಿ ಕಂಡರು.

35 ಅವರು ದಾರಿಯಲ್ಲಿ ಸಂಭವಿಸಿದ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನೂ ರೊಟ್ಟಿಯನ್ನು ಮುರಿಯುವಾಗ ಆತನು ತಮಗೆ ತಿಳಿದುಬಂದ ರೀತಿಯನ್ನೂ ವಿವರಿಸಿದರು.

೮

1 ಆಗ ಪೇತ್ರನು ಜನರೊಂದಿಗೆ ಮಾತನಾಡುತ್ತಾ ಅವರ ಮಧ್ಯದಲ್ಲಿ ನಿಂತುಕೊಂಡನು. ಅವರೆಲ್ಲರೂ ಆಶ್ಚರ್ಯಚಕಿತರಾಗಿ ಓಡಿಬಂದು ಅವನನ್ನು ನೋಡಿದರು.

2 ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನಿಂದ ಅಭಿಷೇಕಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ಆತನ ಸೇವಕನಾದ ಯೇಸುವಿಗೆ ಮಹಿಮೆಯನ್ನುಂಟುಮಾಡಿದ ಅದ್ಭುತಗಳನ್ನು ಅವರು ಕಂಡರು.

Digitized by Google

3 ᠮᠠᠨᠳᠠᠯᠠᠢ᠄ ᠴᠠᠭᠠᠨ ᠮᠠᠨᠳᠠᠯᠠᠢ ᠶᠢᠨ ᠮᠠᠨᠳᠠᠯᠠᠭᠤᠯᠵᠤ᠂ ᠠᠷᠪᠠᠨ ᠵᠢᠭᠠᠷᠲᠠᠢ ᠪᠤᠯᠪᠠ᠃

4 ᠪᠢᠴᠢᠭᠴᠢ ᠨᠠᠷ ᠲᠤᠭᠤᠯᠠᠭᠠᠳ ᠴᠠᠭᠠᠨ ᠮᠠᠨᠳᠠᠯᠠᠢ ᠶᠢᠨ ᠮᠠᠨᠳᠠᠯᠠᠭᠤᠯᠵᠤ᠂ ᠪᠤᠴᠠᠭᠤᠯᠵᠤ ᠪᠤᠴᠠᠭᠤᠯᠵᠤ᠂

10 ଯିହିଷ୍କୀୟ ଏହା ସମସ୍ତ ଲୋକଙ୍କୁ କହିଲା, ସଦାପ୍ରଭୁ ଏହା କହନ୍ତି, ତୁମ୍ଭେମାନେ ଯାହାମାନଙ୍କୁ ଦେଖିଲ, ସେମାନେ ଯେଉଁ ଦିନ ଆସିବେ, ସେହି ଦିନ ସଦାପ୍ରଭୁ ଯିରୂଶାଲମକୁ ଓ ଯିହୁଦାର ସମସ୍ତ ନଗରକୁ ଯେଉଁ ଦୁର୍ଦ୍ଦଶା ଘଟାଇବେ, ତାହା ସେମାନେ ସ୍ମରଣ କରିବେ ନାହିଁ ।

11 ସେମାନେ ଯିହିଷ୍କୀୟକୁ କହିବେ : ଯିହୋୟାଖୀନ ରାଜା ଓ ମାତା ଏବଂ ରାଜମାତାର ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଓ ଯିହୁଦାର ସମସ୍ତ ପ୍ରଧାନ ଲୋକ ଯେଉଁ ଦିନ ବାବିଲକୁ ବନ୍ଦୀ ହୋଇ ଗଲେ, ସେହି ଦିନ ଆମ୍ଭେମାନେ ଯେଉଁ ଦୁର୍ଦ୍ଦଶା ଭୋଗ କଲୁ, ତାହା ଏମାନେ ଭୋଗ କରିବେ ନାହିଁ ।

12 ମୁଁ ସେମାନଙ୍କୁ ଏହି ସମସ୍ତ କଥା କହିବାକୁ ଆରମ୍ଭ କଲି ଯେ, ଯିରୂଶାଲମ ଓ ଯିହୁଦାର ସମସ୍ତ ନଗରକୁ ଯେଉଁ ଦୁର୍ଦ୍ଦଶା ଘଟାଇବେ, ତାହା ସେମାନେ ସ୍ମରଣ କରିବେ ନାହିଁ । ଯେଉଁ ଦିନ ସେମାନେ ଆସିବେ, ସେହି ଦିନ ସଦାପ୍ରଭୁ ଯିରୂଶାଲମକୁ ଓ ଯିହୁଦାର ସମସ୍ତ ନଗରକୁ ଯେଉଁ ଦୁର୍ଦ୍ଦଶା ଘଟାଇବେ, ତାହା ସେମାନେ ସ୍ମରଣ କରିବେ ନାହିଁ ।

13 ସେମାନେ ଯିହିଷ୍କୀୟକୁ କହିବେ : ଯିହୋୟାଖୀନ ଓ ସେହି ସମସ୍ତ ବନ୍ଦୀ ଲୋକ ଯେଉଁ ଦିନ ବାବିଲକୁ ବନ୍ଦୀ ହୋଇ ଗଲେ, ସେହି ଦିନ ଆମ୍ଭେମାନେ ଯେଉଁ ଦୁର୍ଦ୍ଦଶା ଭୋଗ କଲୁ, ତାହା ଏମାନେ ଭୋଗ କରିବେ ନାହିଁ ।

14 ସଦାପ୍ରଭୁ ଏହା କହନ୍ତି ଯେ, ଯେଉଁ ଦିନ ସେମାନେ ଆସିବେ, ସେହି ଦିନ ସଦାପ୍ରଭୁ ଯିରୂଶାଲମକୁ ଓ ଯିହୁଦାର ସମସ୍ତ ନଗରକୁ ଯେଉଁ ଦୁର୍ଦ୍ଦଶା ଘଟାଇବେ, ତାହା ସେମାନେ ସ୍ମରଣ କରିବେ ନାହିଁ ।

15 ମୋଶିଯାହୁର ପୁତ୍ର ଆମୋନ୍ ଯିହୁଦାର ରାଜା ହେବା ସମୟରେ ଯିରୂଶାଲମର ଲୋକମାନେ ଯେଉଁ ଦୁର୍ଦ୍ଦଶା ଭୋଗ କଲେ, ତାହା ଏମାନେ ଭୋଗ କରିବେ ନାହିଁ । ସେମାନେ ଯେଉଁ ଦିନ ଆସିବେ, ସେହି ଦିନ ସଦାପ୍ରଭୁ ଯିରୂଶାଲମକୁ ଓ ଯିହୁଦାର ସମସ୍ତ ନଗରକୁ ଯେଉଁ ଦୁର୍ଦ୍ଦଶା ଘଟାଇବେ, ତାହା ସେମାନେ ସ୍ମରଣ କରିବେ ନାହିଁ ।

Digitized by Google

16 ...

17 ...

18 ...

19 ...

20 ...

21 ...

Digitized by Google

22 ... ...

28 ಆಗ ಅಪೊಸ್ತಲರು ಮತ್ತು ಹಿರಿಯರು ಸಭೆಯವರೆಲ್ಲರು ಯೋಚಿಸಿ, ತಮ್ಮಲ್ಲಿ ಕೆಲವರನ್ನು ಆರಿಸಿಕೊಂಡು ಅವರನ್ನು ಪೌಲ ಬಾರ್ನಬರ ಸಂಗಡ ಅಂತಿಯೋಕ್ಯಕ್ಕೆ ಕಳುಹಿಸಲು ನಿರ್ಣಯಿಸಿದರು.

29 ಅವರಿಗೆ ಬರೆದ ಪತ್ರವು ಹೀಗಿತ್ತು: ಅಪೊಸ್ತಲರು ಮತ್ತು ಹಿರಿಯರು ಸಹೋದರರಾದ ನಿಮಗೆ ವಂದನೆಗಳು.

30 ಅವರು ಅಲ್ಲಿಂದ ಕಳುಹಿಸಲ್ಪಟ್ಟವರಾಗಿ ಅಂತಿಯೋಕ್ಯಕ್ಕೆ ಬಂದು ಸಭೆಯವರನ್ನು ಒಟ್ಟಾಗಿ ಕರೆದು ಪತ್ರವನ್ನು ಒಪ್ಪಿಸಿದರು.

31 ಅದನ್ನು ಓದಿ ಅದರಲ್ಲಿ ಹೇಳಿದ್ದರಿಂದ ಅವರು ಸಂತೋಷಪಟ್ಟರು.

32 ಯೂದ ಮತ್ತು ಸೀಲರು ಸಹ ಪ್ರವಾದಿಗಳಾಗಿದ್ದರಿಂದ ಬಹಳ ಮಾತುಗಳಿಂದ ಸಹೋದರರನ್ನು ಪ್ರೋತ್ಸಾಹಿಸಿ ಬಲಪಡಿಸಿದರು.

33 ಕೆಲವು ದಿನಗಳಾದ ಮೇಲೆ ಸಹೋದರರು ಅವರನ್ನು ಕಳುಹಿಸುವವರಿಗೆ ಅವರು ಕಳುಹಿಸಲ್ಪಟ್ಟವರಾಗಿ ಅವರ ಬಳಿಗೆ ಹೋಗಲಿ ಎಂದು ಸಮಾಧಾನದಿಂದ ಕಳುಹಿಸಿಕೊಟ್ಟರು.

34 ಆದರೆ ಸೀಲನು ಅಲ್ಲಿಯೇ ಇರಲು ನಿರ್ಣಯಿಸಿಕೊಂಡನು. ಆಗ ಯೂದನು ಒಬ್ಬನೇ ಯೆರೂಸಲೇಮಿಗೆ ಹಿಂತಿರುಗಿ ಹೋದನು.

Digitized by Google

35 ಯಾವನಾದರೂ ಆತನಿಗೆ ಭಯಪಟ್ಟು ನೀತಿಯನ್ನು ನಡಿಸಿದರೆ ಅವನು ಆತನಿಗೆ ಅಂಗೀಕಾರನಾಗಿದ್ದಾನೆಂದು ನಿಜವಾಗಿ ತಿಳಿದುಕೊಂಡಿದ್ದೇನೆ.

36 ಆತನು ಯೇಸು ಕ್ರಿಸ್ತನೆಂಬ ಸಮಸ್ತರಿಗೂ ಕರ್ತನಾಗಿರುವಾತನ ಮೂಲಕವಾಗಿ ಸಮಾಧಾನದ ಸುವಾರ್ತೆಯನ್ನು ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಕಳುಹಿಸಿದ ವಾಕ್ಯವನ್ನು ನೀವು ಬಲ್ಲಿರಿ.

37 ಯೋಹಾನನು ಸ್ನಾನದ ವಿಷಯವಾಗಿ ಪ್ರಕಟಿಸಿದ ಮಾತಿನ ತರುವಾಯ ಗಲಿಲಾಯದಿಂದ ಹಿಡಿದು ಯೂದಾಯದಲ್ಲೆಲ್ಲಾ ಪ್ರಸಿದ್ಧವಾಗಿ ನಡೆದ ಸಂಗತಿಯನ್ನು ನೀವು ಬಲ್ಲಿರಿ.

38 ಯೇಸು ನಜರೇತಿನವನಾದ ಆತನನ್ನು ದೇವರು ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನಿಂದಲೂ ಬಲದಿಂದಲೂ ಅಭಿಷೇಕಿಸಿದ ಸಂಗತಿಯನ್ನು ನೀವು ಬಲ್ಲಿರಿ; ಆತನು ಸಂಚರಿಸುತ್ತಾ ಒಳ್ಳೆಯದನ್ನು ಮಾಡಿ ಪಿಶಾಚನಿಂದ ಬಾಧೆಪಡುತ್ತಿದ್ದವರೆಲ್ಲರನ್ನು ಗುಣಪಡಿಸಿದನು; ಏಕೆಂದರೆ ದೇವರು ಆತನ ಸಂಗಡ ಇದ್ದನು.

39 ಆತನು ಯೆಹೂದ್ಯರ ದೇಶದಲ್ಲಿಯೂ ಯೆರೂಸಲೇಮಿನಲ್ಲಿಯೂ ಮಾಡಿದ ಸಕಲವುಗಳಿಗೆ ನಾವು ಸಾಕ್ಷಿಗಳಾಗಿದ್ದೇವೆ. ಇವರು ಆತನನ್ನು ಮರವೊಂದಕ್ಕೆ ತೂಗುಹಾಕಿ ಕೊಂದುಹಾಕಿದರು.

40 ಆತನನ್ನು ಮೂರನೆಯ ದಿವಸದಲ್ಲಿ ಎಬ್ಬಿಸಿ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷನಾಗುವಂತೆ ಮಾಡಿದನು;

41 ಆದರೆ ಎಲ್ಲಾ ಜನರಿಗಲ್ಲ, ದೇವರಿಂದ ಮೊದಲೇ ಆರಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ಸಾಕ್ಷಿಗಳಿಗೆ, ಅಂದರೆ ಆತನು ಸತ್ತವರೊಳಗಿಂದ ಎದ್ದ ತರುವಾಯ ಆತನೊಂದಿಗೆ ಊಟಮಾಡಿದ ನಮಗೆ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷನಾದನು.

Digitized by Google

೧೭

1 ಮಿಥಿಲೆಯಲ್ಲಿ ಸೀತೆಯ ಸ್ವಯಂವರವು ನಡೆಯುವ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಶಿವಧನುಸ್ಸನ್ನು ಮುರಿದ ರಾಮನ ಪರಾಕ್ರಮವು.

2 ಆ ರಾಮನು ಮುರಿದ ಧನುಸ್ಸಿನ ಶಬ್ದವು ಲೋಕವನ್ನೆಲ್ಲ ವ್ಯಾಪಿಸಿ ಪ್ರಳಯಕಾಲದ ಮೇಘಗರ್ಜನೆಯಂತೆ ಕೇಳಿಬಂದುದು.

3 ಆ ಧನುಸ್ಸಿನ ಮುರಿದ ಭಾಗಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದೊಂದು ಭಾಗವು ಒಂದೊಂದು ಯೋಜನ ಉದ್ದವಿತ್ತು.

4 ಮಿಥಿಲಾನಗರದ ಸೌಧಗಳಲ್ಲಿ ಸೀತೆಯ ಸಖಿಯರು ಆ ಧನುಸ್ಸಿನ ಶಬ್ದವನ್ನು ಕೇಳಿ ಭಯಗೊಂಡರು. ಆ ಶಬ್ದವು ಅಯೋಧ್ಯೆಯಲ್ಲಿ ಕೇಳಿಬಂದಿತು. ಆ ಶಬ್ದವು ಸೀತೆಯ ಸಖಿಯರಿಗೆ ಭಯವನ್ನುಂಟುಮಾಡಿತು.

5 ಮಿಥಿಲೆಯ ಅರಮನೆಯ ಬಾಗಿಲಲ್ಲಿ ನಿಂತಿದ್ದ ಕಾವಲುಗಾರರು ಆ ಶಬ್ದವನ್ನು ಕೇಳಿ ಭಯಗೊಂಡರು. ಆ ಶಬ್ದವು ಅಯೋಧ್ಯೆಯಲ್ಲಿ ಕೇಳಿಬಂದಿತು. ಆ ಶಬ್ದವು ಕಾವಲುಗಾರರಿಗೆ ಭಯವನ್ನುಂಟುಮಾಡಿತು.

6 ಆ ರಾಮನು ಮುರಿದ ಧನುಸ್ಸಿನ ಶಬ್ದವು ಅಯೋಧ್ಯೆಯಲ್ಲಿ ಕೇಳಿಬಂದಿತು. ಆ ಶಬ್ದವು ಅಲ್ಲಿಯವರಿಗೆ ಭಯವನ್ನುಂಟುಮಾಡಿತು.

7 ಮಿಥಿಲಾನಗರದ ಸೌಧಗಳಲ್ಲಿ ಸೀತೆಯ ಸಖಿಯರು ಆ ಶಬ್ದವನ್ನು ಕೇಳಿ ಭಯಗೊಂಡರು. ಆ ಶಬ್ದವು ಅಯೋಧ್ಯೆಯಲ್ಲಿ ಕೇಳಿಬಂದಿತು. ಆ ಶಬ್ದವು ಅಲ್ಲಿಯವರಿಗೆ ಭಯವನ್ನುಂಟುಮಾಡಿತು. ಮಿಥಿಲೆಯ ಅರಮನೆಯ ಬಾಗಿಲಲ್ಲಿ ನಿಂತಿದ್ದ ಕಾವಲುಗಾರರು ಆ ಶಬ್ದವನ್ನು ಕೇಳಿ ಭಯಗೊಂಡರು. ಆ ಶಬ್ದವು ಅಯೋಧ್ಯೆಯಲ್ಲಿ ಕೇಳಿಬಂದಿತು. ಆ ಶಬ್ದವು ಕಾವಲುಗಾರರಿಗೆ ಭಯವನ್ನುಂಟುಮಾಡಿತು.

Digitized by Google

8 (ಅಲ್ಲಾಹನು ಅವುಗಳನ್ನು ಅವುಗಳಿಗೆ ಅನುಮತಿಸಿದ್ದಾನೆ: ಅವುಗಳಿಗೆ ಹೊಡೆಯಲಾಗುವುದಿಲ್ಲ ಅಥವಾ ಹಿಡಿಯಲಾಗುವುದಿಲ್ಲ.)

9 ಅವು ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಪ್ರಯೋಗಿಸಿದವು ಮತ್ತು ಅವುಗಳ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಚಲಾಯಿಸಿದವು: ಅವು ಅಲ್ಲಾಹನ ಆಜ್ಞೆಯನ್ನು ಪಾಲಿಸಿದವು ಮತ್ತು ಅವನ ಆಜ್ಞೆಯನ್ನು ಪಾಲಿಸಿದವು.

10 ಅವನ ಬಲವು ಅವನ ಆಜ್ಞೆಯಲ್ಲಿತ್ತು: ಅವನ ಅಧಿಕಾರವು ಅವನ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಚಲಾಯಿಸಿತು ಮತ್ತು ಅವನ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಚಲಾಯಿಸಿತು.

11 ಮಿಕಾಯಿಲ್ ಅವರನ್ನು ಅವರ ಅಧಿಕಾರಿಯಾಗಿ ಕಳುಹಿಸಲಾಯಿತು, ಅವರು ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಚಲಾಯಿಸಿದರು ಮತ್ತು ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಚಲಾಯಿಸಿದರು.

12 ಅವರು ಅಲ್ಲಾಹನ ಆಜ್ಞೆಯನ್ನು ಪಾಲಿಸಿದರು, ಅವರು ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಚಲಾಯಿಸಿದರು ಮತ್ತು ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಚಲಾಯಿಸಿದರು: ಅವರು ಅಲ್ಲಾಹನ ಆಜ್ಞೆಯನ್ನು ಪಾಲಿಸಿದರು ಮತ್ತು ಅವನ ಆಜ್ಞೆಯನ್ನು ಪಾಲಿಸಿದರು.

13 ಅಲ್ಲಾಹನು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ನೀಡಿದ್ದಾನೆ, ಅವರು ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಚಲಾಯಿಸಿದರು ಮತ್ತು ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಚಲಾಯಿಸಿದರು; ಅವರು ಅಲ್ಲಾಹನ ಆಜ್ಞೆಯನ್ನು ಪಾಲಿಸಿದರು ಮತ್ತು ಅವನ ಆಜ್ಞೆಯನ್ನು ಪಾಲ

207 ۔ ۔ ۔

ಕಾಂಡ ಮೂರನೆಯದು ಕಿಷ್ಕಿಂಧಾ ಕಾಂಡ

ಕಾಂಡ ಮೂರನೆಯದು ಕಿಷ್ಕಿಂಧಾ ಕಾಂಡ

22 ಯೇಸು ಅವರಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಯೋಹಾನನು ಸೆರೆಮನೆಗೆ ಹಾಕಲ್ಪಡುವ ಮೊದಲು ಅವನಿಗೆ ಏನು ಸಂಭವಿಸಿತೋ ಅದೇ ನನಗೂ ಸಂಭವಿಸಿತು. ಯೋಹಾನನು ಸೆರೆಮನೆಗೆ ಹಾಕಲ್ಪಟ್ಟ ಮೇಲೆ ಅವನಿಗೆ ಏನು ಸಂಭವಿಸಿತೋ ಅದೇ ನನಗೂ ಸಂಭವಿಸಿತು.

23 ಯೋಹಾನನು ಸೆರೆಮನೆಗೆ ಹಾಕಲ್ಪಟ್ಟ ಮೇಲೆ ಅವನಿಗೆ ಏನು ಸಂಭವಿಸಿತೋ ಅದೇ ನನಗೂ ಸಂಭವಿಸಿತು: ಯಾಕೆಂದರೆ ಅವನು ಸೆರೆಮನೆಗೆ ಹಾಕಲ್ಪಟ್ಟ ಮೇಲೆ ಅವನಿಗೆ ಏನು ಸಂಭವಿಸಿತೋ ಅದೇ ನನಗೂ ಸಂಭವಿಸಿತು. ಅವನು ಸೆರೆಮನೆಗೆ ಹಾಕಲ್ಪಟ್ಟ ಮೇಲೆ ಅವನಿಗೆ ಏನು ಸಂಭವಿಸಿತೋ ಅದೇ ನನಗೂ ಸಂಭವಿಸಿತು.

24 ಆಗ ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಸೆರೆಮನೆಗೆ ಹಾಕಲ್ಪಟ್ಟ ಮೇಲೆ ಅವನಿಗೆ ಏನು ಸಂಭವಿಸಿತೋ ಅದೇ ನನಗೂ ಸಂಭವಿಸಿತು.

25 ಯೇಸು ಅವರಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಸೆರೆಮನೆಗೆ ಹಾಕಲ್ಪಟ್ಟ ಮೇಲೆ ಅವನಿಗೆ ಏನು ಸಂಭವಿಸಿತೋ ಅದೇ ನನಗೂ ಸಂಭವಿಸಿತು.

26 ಯೋಹಾನನು ಸೆರೆಮನೆಗೆ ಹಾಕಲ್ಪಟ್ಟ ಮೇಲೆ ಅವನಿಗೆ ಏನು ಸಂಭವಿಸಿತೋ ಅದೇ ನನಗೂ ಸಂಭವಿಸಿತು. ಅವನು ಸೆರೆಮನೆಗೆ ಹಾಕಲ್ಪಟ್ಟ ಮೇಲೆ ಅವನಿಗೆ ಏನು ಸಂಭವಿಸಿತೋ ಅದೇ ನನಗೂ ಸಂಭವಿಸಿತು. ಅವನು ಸೆರೆಮನೆಗೆ ಹಾಕಲ್ಪಟ್ಟ ಮೇಲೆ ಅವನಿಗೆ ಏನು ಸಂಭವಿಸಿತೋ ಅದೇ ನನಗೂ ಸಂಭವಿಸಿತು.

27 ಯೇಸು ಅವರಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಸೆರೆಮನೆಗೆ ಹಾಕಲ್ಪಟ್ಟ ಮೇಲೆ ಅವನಿಗೆ ಏನು ಸಂಭವಿಸಿತೋ ಅದೇ ನನಗೂ ಸಂಭವಿಸಿತು. ಅವನು ಸೆರೆಮನೆಗೆ ಹಾಕಲ್ಪಟ್ಟ ಮೇಲೆ ಅವನಿಗೆ ಏನು ಸಂಭವಿಸಿತೋ ಅದೇ ನನಗೂ ಸಂಭವಿಸಿತು.

Digitized by Google

28 ಅದಾಗ ಅರಸನು ಅವನಿಗೆ: ಅವನ ಕಡೆಗೆ ಅವನು ಅಪ್ಪಣೆಕೊಟ್ಟ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಅವನಿಂದ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಅವನಿಗೆ ಕೊಡಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

29 ಆಗ ಅವನ ಯಜಮಾನನು ಅವನಿಗೆ ಅಪ್ಪಣೆಕೊಟ್ಟ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಅವನಿಂದ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಅವನ ಯಜಮಾನನಿಗೆ ಅವನು ಕೊಡಲಿಲ್ಲ ಎಂಬ ಸಂಗತಿಯನ್ನು ಅರಸನಿಗೆ ತಿಳಿಸಿದರು.

30 ಅದಾಗ ಅರಸನು ಅವನಿಗೆ: ಅವನ ಯಜಮಾನನಾದ ಅವನು ಅವನ ಕಡೆಗೆ ಅಪ್ಪಣೆಕೊಟ್ಟ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಅವನಿಂದ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಅವನಿಗೆ ಕೊಡಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು: ಅವನು ಅವನ ಕಡೆಗೆ ಅಪ್ಪಣೆಕೊಟ್ಟ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಅವನಿಗೆ ಕೊಡಲಿಲ್ಲ.

31 ಆಗ ಅರಸನು (ಯಜಮಾನನಾದವನು ತನ್ನ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಅವನಿಗೆ ಕೊಡಲಿಲ್ಲ ಎಂಬ ಸಂಗತಿಯನ್ನು ಅರಸನಿಗೆ ತಿಳಿಸಿದರು ಎಂಬ ಕಾರಣದಿಂದ) ಅವನಿಗೆ: ಅವನ ಯಜಮಾನನಾದ ಅವನು ಅವನ ಕಡೆಗೆ ಅಪ್ಪಣೆಕೊಟ್ಟ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಅವನಿಂದ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಅವನಿಗೆ ಕೊಡಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

32 ಆಗ ಅವನು ಅವನಿಗೆ: ಅವನ ಯಜಮಾನನಾದ ಅವನು ಅವನ ಕಡೆಗೆ ಅಪ್ಪಣೆಕೊಟ್ಟ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಅವನಿಗೆ ಕೊಡಲಿಲ್ಲ ಎಂಬ ಸಂಗತಿಯನ್ನು ಅರಸನಿಗೆ ತಿಳಿಸಿದರು.

33 ಆಗ ಅರಸನು ಅವನಿಗೆ: ಅವನ ಯಜಮಾನನಾದ ಅವನು ಅವನ ಕಡೆಗೆ ಅಪ್ಪಣೆಕೊಟ್ಟ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಅವನಿಗೆ ಕೊಡಲಿಲ್ಲ ಎಂಬ ಸಂಗತಿಯನ್ನು ಅರಸನಿಗೆ ತಿಳಿಸಿದರು ಎಂಬ ಕಾರಣದಿಂದ ಅವನಿಗೆ: ಅವನ ಯಜಮಾನನಾದ ಅವನು ಅವನ ಕಡೆಗೆ ಅಪ್ಪಣೆಕೊಟ್ಟ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಅವನಿಂದ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಅವನಿಗೆ ಕೊಡಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

34 ಆಗ ಅವನು ಅವನಿಗೆ ಉತ್ತರಕೊಟ್ಟದ್ದು: ಅಯ್ಯಾ ಅರಸನೇ, ಅವನು ಅವನ ಕಡೆಗೆ ಅಪ್ಪಣೆಕೊಟ್ಟ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಅವನಿಗೆ ಕೊಡಲಿಲ್ಲ ಎಂಬ ಸಂಗತಿಯನ್ನು ಅರಸನಿಗೆ ತಿಳಿಸಿದರು.

Digitized by Google

35 ಆಗ ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ಜನರೇ, ಈ ಮನುಷ್ಯರ ವಿಷಯವಾಗಿ ನೀವು ಏನು ಮಾಡಬೇಕೆಂಬದರ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಎಚ್ಚರಿಕೆಯಾಗಿರಿ. **36** ಇದಕ್ಕೆ ಮುಂಚೆ ಥೆಯುದನು ಎದ್ದು ತಾನು ಮಹಾ ಪುರುಷನೆಂದು ಹೇಳಿಕೊಂಡನು. ಅವನಿಗೆ ಸುಮಾರು ನಾನೂರು ಜನರು ಸೇರಿಕೊಂಡರು. ಅವನು ಕೊಲೆಯಾದನು. ಅವನನ್ನು ನಂಬಿದವರೆಲ್ಲರೂ ಚದರಿಹೋಗಿ ಏನೂ ಇಲ್ಲದವರಾದರು. **37** ಇವನ ಮೇಲೆ ಗಲಿಲಾಯದವನಾದ ಯೂದನು ಜನಗಣತಿಯ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಎದ್ದು ಬಹಳ ಜನರನ್ನು ತನ್ನ ಕಡೆಗೆ ಸೆಳೆದುಕೊಂಡನು. ಅವನೂ ನಾಶವಾದನು. ಅವನನ್ನು ನಂಬಿದವರೆಲ್ಲರೂ ಚದರಿಹೋದರು. **38** ಈಗ ನಾನು ನಿಮಗೆ ಹೇಳುವದೇನಂದರೆ, ಈ ಮನುಷ್ಯರ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ನೀವು ಏನೂ ಮಾಡಬೇಡಿರಿ. ಅವರನ್ನು ಬಿಟ್ಟುಬಿಡಿರಿ. ಅವರ ಆಲೋಚನೆಯಾಗಲಿ ಕೆಲಸವಾಗಲಿ ಮನುಷ್ಯರಿಂದ ಆಗಿದ್ದರೆ ಅದು ತಾನೇ ಹಾಳಾಗುವದು. **39** ಅದು ದೇವರಿಂದ ಆಗಿದ್ದರೆ ನೀವು ಅವರನ್ನು ಹಾಳುಮಾಡಲಾರಿರಿ. ಹಾಗೆ ಮಾಡಿದರೆ ನೀವು ದೇವರಿಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಹೋರಾಡುವವರಾಗುವಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

40 ಅವರು ಅವನ ಮಾತಿಗೆ ಒಪ್ಪಿಕೊಂಡು ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ಒಳಗೆ ಕರೆಯಿಸಿ ಅವರನ್ನು ಹೊಡೆಸಿ ಯೇಸುವಿನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಮಾತಾಡಬಾರದೆಂದು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿ ಅವರನ್ನು ಬಿಟ್ಟುಬಿಟ್ಟರು. **41** ಅವರು ಆ ಹೆಸರಿಗೋಸ್ಕರ ಅವಮಾನಹೊಂದುವದಕ್ಕೆ ಯೋಗ್ಯರೆಂದು ಎಣಿಸಲ್ಪಟ್ಟು ಸಂತೋಷದಿಂದ ಮಹಾಸಭೆಯವರ ಮುಂದಿನಿಂದ ಹೊರಟುಹೋದರು. **42** ಅವರು ಪ್ರತಿದಿನವೂ ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿಯೂ ಮನೆಮನೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಉಪದೇಶಮಾಡುವದನ್ನು ಯೇಸುವೇ ಕ್ರಿಸ್ತನೆಂಬ ಸುವಾರ್ತೆಯನ್ನು ಸಾರುವದನ್ನು ನಿಲ್ಲಿಸಲಿಲ್ಲ.

Digitized by Google

42 ಮತ್ತು ಅವರು ಅಲ್ಲಿಂದ ಹೊರಟು ಗಲಿಲಾಯ ಪ್ರಾಂತ್ಯದಲ್ಲಿ ಸಂಚರಿಸಿದರು; ಆದರೆ ಯೇಸು ಯಾವನೂ ಅದನ್ನು ತಿಳಿಯಬಾರದೆಂದು ಬಯಸಿದ್ದರಿಂದ ಅವರು ಹಾಗೆ ಮಾಡಿದರು.

43 ಆದರೆ ಅವರು ಕಪೆರ್ನೌಮಿಗೆ ಬಂದಾಗ ಯೇಸು ಅವರಿಗೆ: ಮನುಷ್ಯಕುಮಾರನು ಮನುಷ್ಯರ ಕೈಗೆ ಒಪ್ಪಿಸಲ್ಪಡುವನು, ಅವರು ಆತನನ್ನು ಕೊಲ್ಲುವರು, ಆದರೆ ಆತನು ಕೊಲೆಯಾದ ಮೂರು ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಎದ್ದು ಬರುವನು ಎಂದು ಹೇಳಿದರು.

೯

1 ಆಗ ಅವರು ಕಪೆರ್ನೌಮಿಗೆ ಬಂದರು; ಆತನು ಮನೆಯಲ್ಲಿರುವಾಗ ಆತನು ಅವರನ್ನು ಕೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ನೀವು ದಾರಿಯಲ್ಲಿ ಏನು ಚರ್ಚಿಸುತ್ತಿದ್ದಿರಿ?

2 ಆದರೆ ಅವರು ಮೌನವಾಗಿದ್ದರು, ಏಕೆಂದರೆ ಅವರಲ್ಲಿ ಯಾರು ಹೆಚ್ಚಿನವರು ಎಂಬುದರ ಬಗ್ಗೆ ಅವರು ದಾರಿಯಲ್ಲಿ ಪರಸ್ಪರ ವಾದಿಸಿದ್ದರು.

3 ಆಗ ಆತನು ಕುಳಿತುಕೊಂಡು ಹನ್ನೆರಡು ಮಂದಿಯನ್ನು ಕರೆದು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಯಾರಾದರೂ ಮೊದಲಿಗರಾಗಿರಲು ಬಯಸಿದರೆ, ಅವನು ಎಲ್ಲರಿಗಿಂತ ಕೊನೆಯವನಾಗಿರಬೇಕು ಮತ್ತು ಎಲ್ಲರ ಸೇವಕನಾಗಿರಬೇಕು.

Digitized by Google

۴ ماهنامه ماهنامه ماهنامه ماهنامه: ماهنامه ماهنامه ماهنامه، ماهنامه ماهنامه ماهنامه ماهنامه

15 ...

14 ...

13 ...

12 ...

11 ...

Digitized by Google

ಅವರು ಯಾವಾಗಲೂ ಒಂದೇ ಮನಸ್ಸಿನಿಂದ ಸೊಲೊಮೋನನ ಮಂಟಪದಲ್ಲಿ ಕೂಡಿಬರುತ್ತಿದ್ದರು. ಆದರೆ ಉಳಿದವರಲ್ಲಿ ಯಾರೂ ಅವರ ಸಹವಾಸಕ್ಕೆ ಸೇರಲಿಲ್ಲ. ಜನರು ಅವರನ್ನು ಬಹಳವಾಗಿ ಹೊಗಳುತ್ತಿದ್ದರು.

16 ಯೆರೂಸಲೇಮಿನ ಸುತ್ತಲಿನ ಊರುಗಳಿಂದಲೂ ಜನರು ಬರುತ್ತಿದ್ದರು. ಅವರು ರೋಗಿಗಳನ್ನೂ ದೆವ್ವಪೀಡಿತರನ್ನೂ ಕರೆತರುತ್ತಿದ್ದರು. ಅವರೆಲ್ಲರೂ ಗುಣಹೊಂದುತ್ತಿದ್ದರು.

17 ಆಗ ಮಹಾಯಾಜಕನೂ ಅವನ ಸಂಗಡಿಗರೂ ಅಂದರೆ ಸದ್ದುಕಾಯರ ಪಂಥದವರೆಲ್ಲರೂ ಅಸೂಯೆಯಿಂದ ತುಂಬಿಕೊಂಡು ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ಹಿಡಿಯಲು ಕೈಹಾಕಿ ಸೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿ ಹಾಕಿಸಿದರು. ಆದರೆ ರಾತ್ರಿಯಲ್ಲಿ ಕರ್ತನ ದೂತನು ಸೆರೆಮನೆಯ ಬಾಗಿಲುಗಳನ್ನು ತೆರೆದು ಅವರನ್ನು ಹೊರಗೆ ಕರೆತಂದು ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ,

18 "ನೀವು ಹೋಗಿ ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿ ನಿಂತುಕೊಂಡು ಈ ಜೀವದಾಯಕ ಸಂದೇಶವನ್ನೆಲ್ಲಾ ಜನರಿಗೆ ತಿಳಿಸಿರಿ."

19 ಇದನ್ನು ಕೇಳಿದ ಅಪೊಸ್ತಲರು ಬೆಳಗಾಗುತ್ತಲೇ ದೇವಾಲಯಕ್ಕೆ ಹೋಗಿ ಉಪದೇಶ ಮಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದರು.

20 ಮಹಾಯಾಜಕನೂ ಅವನ ಸಂಗಡಿಗರೂ ಬಂದು ಆಲೋಚನಾ ಸಭೆಯನ್ನು ಕೂಡಿಸಿ ಇಸ್ರಾಯೇಲರ ಹಿರಿಯರೆಲ್ಲರನ್ನು ಸೆರೆಮನೆಗೆ ಕಳುಹಿಸಿ ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ಕರೆತರಲು ಹೇಳಿದರು. ಆದರೆ ಸೇವಕರು ಸೆರೆಮನೆಗೆ ಹೋಗಿ ಅಪೊಸ್ತಲರು ಅಲ್ಲಿ ಇಲ್ಲದಿರುವುದನ್ನು ಕಂಡು ಹಿಂತಿರುಗಿ ಬಂದು ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ,

Digitized by Google

21 ಮತ್ತು ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ಇಗೋ ಇಂದು ರಾತ್ರಿ ಯೆರೂಸಲೇಮಿನ ಹೊರಗೆ ಬಂದಿರುವ ಜನರಿಗೆ ಅವರ ಪಾಳೆಯದಲ್ಲಿ ಆಹಾರವನ್ನು ಕೊಡಲು ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದರು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ಇಗೋ ಅವರು ಪಾಳೆಯದಲ್ಲಿ ಆಹಾರವನ್ನು ತಿನ್ನುವುದಕ್ಕೆ ಮುಂಚೆ ಅವರಿಗೆ ಕೊಡಲು ಅವನಿಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದರು.

22 ಆಗ ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ಅವರು ಅವನ

27 ...

28 ...

29 ...

30 ...

31 ...

32 ...

Digitized by Google

33 ויהי בשמעו את־הדברים האלה ויקרע את־בגדיו ויפל על־הארץ ויזעק בקול גדול ויאמר כה אעשה לבני אבשלום בני בני אבשלום בני בני׃

34 ויגד ליואב לאמר הנה המלך בוכה ומתאבל על־אבשלום׃ ותהי התשועה ביום ההוא לאבל לכל־העם כי־שמע העם ביום ההוא לאמר כאב על־בנו׃

35 ויגנב העם ביום ההוא לבוא בעיר כאשר יגנב העם הנכלם במלחמה בנוס את־פניו׃

36 והמלך החריש ויכס את־פניו ויזעק המלך קול גדול בני אבשלום אבשלום בני בני׃

37 ויבא יואב אל־המלך הבית ויאמר הבשת היום את־פני כל־עבדיך המלטים היום את־נפשך ואת־נפש בניך ובנתיך ואת־נפש נשיך ואת־נפש פילגשיך׃

38 באהבך את־שנאיך ושנאך את־אהביך כי־הגדת היום כי אין לך שרים ועבדים כי־ידעתי היום כי־לו חי אבשלום ואנחנו כלנו היום מתים אז ישר בעיניך׃

Digitized by Google

ಅವನಿಗೆ ಅನುಕೂಲವಾಗಿದ್ದ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ನಿನ್ನನ್ನು ಕರೆಯಿಸಿಕೊಳ್ಳುವೆನು.

39 ಆಗ ಅವರು ಅವನ ಮಾತಿಗೆ ಒಪ್ಪಿಕೊಂಡು ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ಕರೆಯಿಸಿ ಹೊಡೆಸಿ ಯೇಸುವಿನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಮಾತನಾಡಬಾರದೆಂದು ಅಪ್ಪಣೆಕೊಟ್ಟು ಅವರನ್ನು ಬಿಟ್ಟುಬಿಟ್ಟರು.

40 ಹೀಗೆ ಅವರು ಆ ಮಹಾಸಭೆಯವರ ಮುಂದಿನಿಂದ ಸಂತೋಷಪಡುತ್ತಾ ಹೊರಟುಹೋದರು.

41 ಯಾಕಂದರೆ ಆ ಹೆಸರಿಗೋಸ್ಕರ ಅವಮಾನಹೊಂದುವದಕ್ಕೆ ಯೋಗ್ಯರೆಂದು ಎಣಿಸಲ್ಪಟ್ಟದ್ದಕ್ಕಾಗಿ ಅವರು ಸಂತೋಷಪಟ್ಟರು. ಹೇಗಾದರೂ ಅವರು ಪ್ರತಿದಿನವೂ ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿಯೂ ಮನೆಮನೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಉಪದೇಶಮಾಡುವದನ್ನೂ ಯೇಸುವೇ ಕ್ರಿಸ್ತನೆಂದು ಸಾರುವದನ್ನೂ ನಿಲ್ಲಿಸಲಿಲ್ಲ.

42 ಅವರು ಪ್ರತಿದಿನವೂ ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿಯೂ ಮನೆಮನೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಉಪದೇಶಮಾಡುವದನ್ನೂ ಯೇಸುವೇ ಕ್ರಿಸ್ತನೆಂದು ಸಾರುವದನ್ನೂ ನಿಲ್ಲಿಸಲಿಲ್ಲ.

43 ಆ ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಶಿಷ್ಯರು ಹೆಚ್ಚಾಗುತ್ತಾ ಬಂದಾಗ ಗ್ರೀಕ್ ಭಾಷೆಯವರಾದ ಯೆಹೂದ್ಯರು ಇಬ್ರಿಯರಾದ ಯೆಹೂದ್ಯರಿಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಗುಣುಗುಟ್ಟಿದರು. ಯಾಕಂದರೆ ಅವರ ವಿಧವೆಯರು ದಿನನಿತ್ಯದ ಸೇವೆಯಲ್ಲಿ ಕಡೆಗಣಿಸಲ್ಪಟ್ಟರು.

44 ಆಗ ಆ ಹನ್ನೆರಡು ಮಂದಿ ಶಿಷ್ಯರು ಶಿಷ್ಯರ ಸಮೂಹವನ್ನು ಕರೆಯಿಸಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ನಾವು ದೇವರ ವಾಕ್ಯವನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಊಟದ ವಿಚಾರಣೆಮಾಡುವದು ಯುಕ್ತವಲ್ಲ.

45 ಆದಕಾರಣ ಸಹೋದರರೇ, ನಿಮ್ಮಲ್ಲಿ ಏಳು ಮಂದಿ ಸುಜ್ಞಾನವುಳ್ಳವರೂ ಪವಿತ್ರಾತ್ಮಭರಿತರೂ ಆಗಿರುವ ಮನುಷ್ಯರನ್ನು ಆರಿಸಿಕೊಳ್ಳಿರಿ. ಅವರನ್ನು ಈ ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ನೇಮಿಸೋಣ. ಆದರೆ ನಾವು ಪ್ರಾರ್ಥನೆಯಲ್ಲಿಯೂ ವಾಕ್ಯದ ಸೇವೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಅನುದಿನವೂ ಪ್ರಯಾಸಪಡುವೆವು.

Digitized by Google

46 ... ...

52 ...

53 ...

54 ...

55 ...

56 ...

...

1 ...

2 ...

Digitized by Google

2 ... ...

8 ಅಂತು ಅಂಗಿರಸಂ ಪೇಳ್ದಂತೆ ಪೇಳ್ದಂ ಪೇಳ್ದಂತೆ ಪೇಳ್ದಂ ಅಂತು ಪೇಳ್ದಂ ಅಂತು ಪೇಳ್ದಂ ಪೇಳ್ದಂತೆ

14 ಮಾವನಾದ ಪೇತ್ರನು ಅವರಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ:
ಯೆಹೋವನ ಭಕ್ತರೇ ಬನ್ನಿರಿ ಬನ್ನಿರಿ ಅಂತ ಹೇಳಿದನು.

15 ಅದಕ್ಕೆ ಅವರು, ಅಯ್ಯೋ ಅವರಿಗೆ ಅಪ್ಪಣೆಯಾಗಿ ಅವರು ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಅವರು
ಇಸ್ರಾಯೇಲಿನ ಮೇಲೆ ಅಧಿಕಾರವಾಗಿ ಅವರು ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಅವರು ಅಯ್ಯೋ
ಅವರಿಗೆ ಅಪ್ಪಣೆಯಾಗಿ ಅವರು ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಅವರು ಅಯ್ಯೋ ಅವರಿಗೆ
ಅಪ್ಪಣೆಯಾಗಿ ಅವರು ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಅವರು ಅಯ್ಯೋ ಅವರಿಗೆ ಅಪ್ಪಣೆಯಾಗಿ
ಅವರು ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಅವರು ಅಯ್ಯೋ ಅವರಿಗೆ ಅಪ್ಪಣೆಯಾಗಿ ಅವರು
ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಅವರು ಅಯ್ಯೋ ಅವರಿಗೆ ಅಪ್ಪಣೆಯಾಗಿ ಅವರು ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ,
ಅವರು ಅಯ್ಯೋ ಅವರಿಗೆ ಅಪ್ಪಣೆಯಾಗಿ ಅವರು ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಅವರು
ಅಯ್ಯೋ ಅವರಿಗೆ ಅಪ್ಪಣೆಯಾಗಿ ಅವರು ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಅವರು ಅಯ್ಯೋ
ಅವರಿಗೆ ಅಪ್ಪಣೆಯಾಗಿ ಅವರು ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಅವರು ಅಯ್ಯೋ ಅವರಿಗೆ

22 ମାତ୍ର ଯାହାର ଦ୍ୱାରା ମନୁଷ୍ୟପୁତ୍ର ପରକାଇ ଦିଆଯାଏ, ସେ ଯେଉଁ ମନୁଷ୍ୟ ଦ୍ୱାରା ପରକାଇ ଦିଆଯାଏ, ତାହାର ସର୍ବନାଶ ହେବ; ସେ ମନୁଷ୍ୟ ଜନ୍ମ ନ ହୋଇଥିଲେ ତାହା ତାହା ପକ୍ଷରେ ଭଲ ହୋଇଥାନ୍ତା ।

23 ତହିଁରେ ସେମାନେ ଆପଣା ଆପଣା ମଧ୍ୟରେ ପଚାରିବାକୁ ଲାଗିଲେ, ଆମ୍ଭମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରୁ କିଏ ଏହା କରିବାକୁ ଉଦ୍ୟତ ହେବ ?

24 ଏଥିଉତ୍ତାରେ ଶିଷ୍ୟମାନେ ଯୀଶୁଙ୍କୁ ପଚାରିବାକୁ ଇଚ୍ଛା କଲେ, ଆମ୍ଭମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରୁ କିଏ ଏହା କରିବାକୁ ଉଦ୍ୟତ ହେବ ? ଯୀଶୁ ଉତ୍ତର କଲେ, ଯେ ଆମ୍ଭ ସହିତ ଏକ ପାତ୍ରରେ ହସ୍ତ ବୁଡ଼ାଇଲା, ସେ ହିଁ ଆମ୍ଭକୁ ପରକାଇ ଦେବ ।

25 ଯୀଶୁ ଉତ୍ତର କଲେ, ଯେ ମୋତେ ପରକାଇ ଦେବ, ସେ ଯେ ମୁଁ, ଏହା କି ମୁଁ ? ସେ ତାହାକୁ କହିଲେ, ତୁମ୍ଭେ କହିଲ ।

26 ଆଉ ସେମାନେ ଭୋଜନ କରୁଥିବା ସମୟରେ ଯୀଶୁ ରୁଟି ନେଇ ଆଶୀର୍ବାଦ କଲେ, ଆଉ ତାହା ଭାଙ୍ଗି ଶିଷ୍ୟମାନଙ୍କୁ ଦେଇ କହିଲେ, ଗ୍ରହଣ କର, ଖାଅ, ଏହା ମୋହର ଶରୀର ।

27 ପୁଣି ସେ ପାତ୍ର ନେଇ ଧନ୍ୟବାଦ କଲେ, ଆଉ ସେମାନଙ୍କୁ ଦେଇ କହିଲେ, ତୁମ୍ଭେ ସମସ୍ତେ ଏଥିରୁ ପାନ କର ;

28 କାରଣ ଏହା ମୋହର ନିୟମର ରକ୍ତ, ଯାହା ଅନେକଙ୍କ ନିମନ୍ତେ ପାପ କ୍ଷମା ନିମନ୍ତେ ପାତିତ ହେଉଅଛି ।

Digitized by Google

29 ...

30 ...

31 ...

32 ...

33 ...

34 ...

35 ...

Digitized by Google

ויאמר אליו יואש מלך ישראל ויבך על פניו ואבי אבי רכב ישראל ופרשיו׃

36 ויחל אלישע ויהי חלי מותו ויאשיהו מלך יהודה ירד אליו ויבך על פניו ויאמר אבי אבי רכב ישראל ופרשיו׃

37 ויקח יואש חצי הקשת ויאמר אל אלישע ויאמר אליו ויקח חצים ויאמר אל מלך ישראל הך על הארץ ויך שלש פעמים ויעמד׃ ויקצף עליו איש האלהים ויאמר הך חמש או שש פעמים אז הכית את ארם עד כלה כי עתה שלש פעמים תכה את ארם׃

פרק יד

1 בשנת שתים ליואש בן יהואחז מלך ישראל מלך אמציהו בן יואש מלך יהודה׃ בן עשרים וחמש שנה אמציהו במלכו ותשע ועשרים שנה מלך בירושלם ושם אמו יהועדין מירושלם׃

2 ויעש הישר בעיני יהוה רק לא כדויד אביו ככל אשר עשה יואש אביו עשה׃ **3** אך הבמות לא סרו עוד העם זבחים ומקטרים על הבמות׃

Digitized by Google

4 ... ...

10 သောသေးလျက်ဖြစ်သော ရုပ်ကလေးတို့ကို ကျွန်ုပ်ကြည့်ရှုသောအခါ (ကြည့်ရှုသော
ရုပ်တို့သည် ကျွန်ုပ်ကြည့်ရှုသော ဝါးခြမ်းတို့ဖြစ်ကြ၏)။

11 ထိုအခါ သောသေးသည် ရုပ်တို့ကို ပြောပြီ၊ ရုပ်ကလေးတို့ကြည့်ရှုသော ရုပ်ကလေး
တို့သည် ယုဒအမျိုးသားတို့ဖြစ်ကြ၏။ ထိုသူတို့ကြည့်ရှုသော ရုပ်ကလေးတို့သည် ယုဒ
အမျိုးသား၊ ဗေနာယသား၊ ပေလတိတို့ဖြစ်ကြ၏။

12 ထိုအခါ ထာဝရဘုရား၏ဝိညာဉ်တော်သည် ကျွန်ုပ်ကိုကြွလာစေတော်မူ၍ ကျွန်ုပ်
ရှေ့တော်ရှိ အရှေ့ဘက်ဆီသို့ ဆောင်ခေါ်သွားတော်မူသဖြင့် ကျွန်ုပ်သည် ရှေ့ဘက်ဆီသို့
လှည့်ကြည့်ရှုသောအခါ ဤလူတို့သည် ဗိုလ်ကြီးဖြစ်သော အာဇုရ၏သား ယာသနိ
ကိုယ်တော်ဗေနာယသား ပေလတိတို့ဖြစ်ကြ၏။

13 ထိုအခါ ကျွန်ုပ်ကြည့်ရှုသော ရုပ်ကလေးတို့ကြောင့် ကျွန်ုပ်သည် ပြောပြီ၊ ထာ
ဝရဘုရားသခင်၊ ကိုယ်တော်သည် ကျွန်ုပ်ကို ပြတ်ပြတ်သားသား ပယ်ရှားတော်မူပါသလော
ဟု ပြောပြီ။

14 ထိုအခါ ထာဝရဘုရား၏ နှုတ်ကပတေးသည် ကျွန်ုပ်ထံသို့ ရောက်လာ၏။ ဤ
လူတို့သည် ကျွန်ုပ်ကြောင့် ပြစ်မှားကြသောကြောင့်တည်း။

15 ထိုအခါ ထာဝရဘုရားသည် ကျွန်ုပ်ကို မေးတော်မူသည်ကား၊ ဟေဇကိ
သား၊ ဗိုလ်ကြီးဖြစ်သော ယာသနိသားတို့ကို ကိုယ်တော်ကြည့်ရှုသော ရုပ်ကလေးတို့
ကြောင့် ကျွန်ုပ်သည် ပြောပြီ၊ မိုးကောင်းကင်ကို ကိုယ်တော်ကြည့်ရှုသော ရုပ်ကလေး
တို့ကြောင့် ကျွန်ုပ်သည် ပြောပြီ။

16 ထာဝရဘုရား၏ နှုတ်ကပတေးသည် ကျွန်ုပ်ထံသို့ ရောက်လာ၏။ ဤလူတို့သည်
ယုဒအမျိုးသားတို့ကို ဤအရပ်၌ ကိုယ်တော်ကြည့်ရှုသော ရုပ်ကလေးတို့ကြောင့်
ကျွန်ုပ်သည် ပြောပြီ။

17 ထိုအခါ ကျွန်ုပ်ကြည့်ရှုသော ရုပ်ကလေးတို့ကြောင့် ကျွန်ုပ်သည် ပြောပြီ၊ ယာသနိ
သားတို့ကို ကိုယ်တော်ကြည့်ရှုသော ရုပ်ကလေးတို့ကြောင့် ကျွန်ုပ်သည် ပြောပြီ။ ထို

Digitized by Google

18 ಯೆಹೋವನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಯೆಹೋವನ ಮಾತಿಗೆ ಕಿವಿಗೊಡದೆ ಹೋದ ಜನಾಂಗವು ಇದೇ.

19 ಆದಾಗ್ಯೂ ಅವರಲ್ಲಿ ಯಾರಾದರೂ ಯೆಹೋವನ ಮಾತಿಗೆ ಕಿವಿಗೊಡದೆ ಹೋದರೆ, ಅವರಿಗೆ ಕಾದಿರುವ ಶಿಕ್ಷೆಯು ಇದೇ. ಅವರು ಯೆಹೋವನ ಜನರಾಗಿರುವುದಿಲ್ಲ. ಅವರು ಬೇರೆ ದೇವರುಗಳನ್ನು ಆರಾಧಿಸುವುದಾದರೆ, ಅವರು ಯೆಹೋವನ ಜನರಾಗಿರುವುದಿಲ್ಲ.

20 ಆದರೆ ಯೆಹೋವನು ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಅವರು ಯೆಹೋವನ ಮಾತಿಗೆ ಕಿವಿಗೊಡದೆ ಹೋದರೆ, ಅವರಿಗೆ ಕಾದಿರುವ ಶಿಕ್ಷೆಯು ಇದೇ. ಅವರು ಯೆಹೋವನ ಜನರಾಗಿರುವುದಿಲ್ಲ. ಅವರು ಬೇರೆ ದೇವರುಗಳನ್ನು ಆರಾಧಿಸುವುದಾದರೆ, ಅವರು ಯೆಹೋವನ ಜನರಾಗಿರುವುದಿಲ್ಲ.

21 ಬಾಬಿಲೋನಿಗೆ ಹೋಗಿರಿ ಎಂದು ಯೆಹೋವನು ಹೇಳಿದ್ದಾನೆ.

22 ಆದಾಗ್ಯೂ ಅವರಲ್ಲಿ ಕೆಲವರು ಯೆಹೋವನ ಮಾತಿಗೆ ಕಿವಿಗೊಡದೆ ಹೋದರು. ಅವರು ಯೆಹೋವನ ಮಾತಿಗೆ ಕಿವಿಗೊಡದೆ ಹೋದರೆ, ಅವರಿಗೆ ಕಾದಿರುವ ಶಿಕ್ಷೆಯು ಇದೇ.

23 ಅವರು ಯಾರಿಗೆ ಸೇವೆ ಮಾಡಬೇಕೆಂದು ಯೆಹೋವನು ಆರಿಸಿಕೊಂಡಿದ್ದಾನೆ? ಅವರು ಯೆಹೋವನ ಸೇವೆ ಮಾಡಬೇಕೆಂದು ಯೆಹೋವನು ಆರಿಸಿಕೊಂಡಿದ್ದಾನೆ.

Digitized by Google

ואת בניהם אשר לא ידעו יראו ולמדו ליראה את יהוה אלהיכם כל הימים אשר אתם חיים על האדמה אשר אתם עברים את הירדן שמה לרשתה׃

24 כל המקום אשר תדרך כף רגלכם בו לכם יהיה מן המדבר והלבנון מן הנהר נהר פרת ועד הים האחרון יהיה גבלכם׃

25 לא יתיצב איש בפניכם פחדכם ויראתכם יתן על כל הארץ אשר תדרכו בה כאשר דבר לכם׃

26 ראה אנכי נתן לפניכם היום ברכה וקללה׃

27 את הברכה אשר תשמעו אל מצות יהוה אלהיכם אשר אנכי מצוה אתכם היום׃

28 והקללה אם לא תשמעו אל מצות יהוה אלהיכם וסרתם מן הדרך אשר אנכי מצוה אתכם היום ללכת אחרי אלהים אחרים אשר לא ידעתם׃

Digitized by Google

29 ಯಾಜಕನಾದ ಆರೋನನ ಮಕ್ಕಳ ಕುಲಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಅವರ ಪಿತೃಗಳ ಮನೆಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಅವರನ್ನು ಲೆಕ್ಕಿಸಬೇಕು. ಒಂದು ತಿಂಗಳಿಂದ ಮೇಲಿನ ಪ್ರಾಯದ ಗಂಡಸರೆಲ್ಲರನ್ನು ಲೆಕ್ಕಿಸಬೇಕು.

30 ಆಗ ಕೆಹಾತ್ಯರ ಕುಲಗಳ ಪಿತೃಗಳ ಮನೆಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಉಜ್ಜೀಯೇಲನ ಮಗನಾದ ಎಲೀಚಾಫಾನನು ಅವರ ಮುಖ್ಯಸ್ಥನಾಗಿರಬೇಕು.

31 ಅವರು ಪವಿತ್ರಸ್ಥಳದ ಸೇವೆಯ ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಪಟ್ಟ ಪೆಟ್ಟಿಗೆ, ಮೇಜು, ದೀಪಸ್ತಂಭ, ಯಜ್ಞವೇದಿಗಳು, ಪವಿತ್ರಸ್ಥಳದ ಸೇವೆಯಲ್ಲಿ ಉಪಯೋಗಿಸುವ ಪಾತ್ರೆಗಳು, ಪರದೆ ಮತ್ತು ಅದಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಪಟ್ಟ ಎಲ್ಲಾ ಕೆಲಸಗಳು ಇವುಗಳನ್ನು ಜವಾಬ್ದಾರಿಯಿಂದ ಕಾಪಾಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು.

32 ಲೇವಿಯರ ಮುಖ್ಯಸ್ಥನಾದ ಯಾಜಕ ಆರೋನನ ಮಗನಾದ ಎಲ್ಲಾಜಾರನು ಪವಿತ್ರಸ್ಥಳದ ಸೇವೆಯ ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಪಟ್ಟ ಎಲ್ಲರ ಮೇಲೆ ಅಧಿಕಾರಿಯಾಗಿರಬೇಕು.

33 ಮಾಖೀಯರ ಕುಲಗಳ ಪಿತೃಗಳ ಮನೆಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಮೆರಾರೀಯರ ಕುಲಗಳು ಇವರೇ. ಮಹ್ಲಿ ಮತ್ತು ಮೂಷಿ ಇವರೇ ಮೆರಾರೀಯರ ಕುಲಗಳು. ಇವರೇ ಲೇವಿಯರ ಕುಲಗಳು. ಇವರು ಪಿತೃಗಳ ಮನೆಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಲೆಕ್ಕಿಸಲ್ಪಟ್ಟವರು.

34 ಒಂದು ತಿಂಗಳಿಂದ ಮೇಲಿನ ಪ್ರಾಯದ ಗಂಡಸರೆಲ್ಲರನ್ನು ಲೆಕ್ಕಿಸಿದಾಗ ಅವರು ಒಟ್ಟು ಆರು ಸಾವಿರದ ಇನ್ನೂರು ಜನರಾಗಿದ್ದರು. ಇವರು ಪವಿತ್ರಸ್ಥಳದ ಸೇವೆಯ ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಪಟ್ಟ ಜವಾಬ್ದಾರಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿದ್ದರು. ಇವರು ಪೆಟ್ಟಿಗೆ, ಮೇಜು, ದೀಪಸ್ತಂಭ, ಯಜ್ಞವೇದಿಗಳು, ಪವಿತ್ರಸ್ಥಳದ ಸೇವೆಯಲ್ಲಿ ಉಪಯೋಗಿಸುವ ಪಾತ್ರೆಗಳು, ಪರದೆ ಮತ್ತು ಅದಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಪಟ್ಟ ಎಲ್ಲಾ ಕೆಲಸಗಳು ಇವುಗಳನ್ನು ಜವಾಬ್ದಾರಿಯಿಂದ ಕಾಪಾಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು.

Digitized by Google

35 ماتيو ماتيو ماتيو

2 ...

3 ...

4 ...

5 ...

6 ...

7 ...

Digitized by Google

8 ꠜꠝꠞꠟꠠꠡꠢ ꠣꠤꠥꠦꠧ꠨꠩ (꠪꠫꠬꠭꠮꠯꠰ ꠱꠲꠳꠴꠵꠶꠷ ꠸꠹꠺꠻꠼꠽꠾꠿  ꠀꠁ

14 ଯିହିସ୍କିୟ ତାହା ଶୁଣି ଆପଣା ବସ୍ତ୍ର ଚିରି ଗୋଣାଚଟ ପରିଧାନ କଲା, ପୁଣି ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କ ଗୃହକୁ ଯାଇ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କ ସାକ୍ଷାତରେ ତାହା ବିସ୍ତାର କଲା।

15 ପୁଣି ହିଷ୍କିୟ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କ ନିକଟରେ ପ୍ରାର୍ଥନା କରି କହିଲା, ହେ

ଯିହୋବା ଇସ୍ରାଏଲର ପରମେଶ୍ୱର, କିରୂବମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଉପବିଷ୍ଟ ହେ, ତୁମ୍ଭେ ପୃଥିବୀସ୍ଥ ସମସ୍ତ ରାଜ୍ୟର ଏକମାତ୍ର ପରମେଶ୍ୱର; ତୁମ୍ଭେ ଆକାଶ ଓ ପୃଥିବୀର ସୃଷ୍ଟିକର୍ତ୍ତା।

16 ହେ ସଦାପ୍ରଭୁ, କର୍ଣ୍ଣପାତ କରି ଶୁଣ; ହେ ସଦାପ୍ରଭୁ, ଚକ୍ଷୁ ମେଲି ଦେଖ; ପୁଣି ସନ୍ହେରୀବ ଯେଉଁ ସମସ୍ତ କଥା ଜୀବନ୍ତ ପରମେଶ୍ୱରଙ୍କୁ ନିନ୍ଦା କରିବା ନିମନ୍ତେ ପଠାଇଅଛି, ତାହା ଶୁଣ।

17 ହେ ସଦାପ୍ରଭୁ, ଏହା ସତ୍ୟ ଯେ, ଅଶୂରୀୟ ରାଜାମାନେ ସମସ୍ତ ଦେଶୀୟ ଲୋକଙ୍କୁ ଓ ସେମାନଙ୍କ ଦେଶକୁ ଉତ୍ସନ୍ନ କରିଅଛନ୍ତି, ଏବଂ ସେମାନେ ସେମାନଙ୍କ ଦେବତାଗଣକୁ ଅଗ୍ନିରେ ଦଗ୍ଧ କରିଅଛନ୍ତି; କାରଣ ସେମାନେ ଦେବତା ନୁହନ୍ତି, ମାତ୍ର ମନୁଷ୍ୟର ହସ୍ତକୃତ କାଷ୍ଠ ଓ ପ୍ରସ୍ତର, ଏଣୁ ସେମାନେ ସେମାନଙ୍କୁ ବିନଷ୍ଟ କରିପାରିଲେ।

18 ଏଣୁ ହେ ସଦାପ୍ରଭୁ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କ ପରମେଶ୍ୱର, ଆମ୍ଭେ ତୁମ୍ଭକୁ ବିନତି କରୁଅଛୁ, ତୁମ୍ଭେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ତାହାର ହସ୍ତରୁ ରକ୍ଷା କର, ତହିଁରେ ପୃଥିବୀସ୍ଥ ସମସ୍ତ ରାଜ୍ୟ ଯେପରି ଜାଣିବେ ଯେ, ତୁମ୍ଭେ ସଦାପ୍ରଭୁ, ତୁମ୍ଭେ ଏକାକୀ ସଦାପ୍ରଭୁ।

19 ଏହି ସମୟରେ ଆମୋତ୍ସର ପୁତ୍ର ଯିଶାଇୟ ହିଷ୍କିୟ ନିକଟକୁ ଏହି ବାକ୍ୟ ପଠାଇଲା, ଇସ୍ରାଏଲର ପରମେଶ୍ୱର ସଦାପ୍ରଭୁ ଏହି କଥା କହନ୍ତି, ତୁମ୍ଭେ ସନ୍ହେରୀବ ବିଷୟରେ ଯେଉଁ ପ୍ରାର୍ଥନା ମୋ ନିକଟରେ କରିଅଛ, ତାହା ମୁଁ ଶୁଣିଲି।

20 ସଦାପ୍ରଭୁ ତାହାର ବିଷୟରେ ଏହି ବାକ୍ୟ କହିଅଛନ୍ତି; ସିୟୋନ କନ୍ୟା ତୁମ୍ଭକୁ

Digitized by Google

ꠇꠤꠞꠤꠘꠤꠞꠤꠔꠤꠗꠤꠛꠤꠖꠤꠑꠤꠕꠤꠓꠤꠒꠤꠐꠤꠎꠤꠍꠤꠋꠤꠉꠤꠈꠤ꠆ꠤꠀ

21 ꠇꠤꠞꠤꠘꠤꠞꠤꠔꠤꠗꠤꠛꠤꠖꠤꠑꠤꠕꠤꠓꠤꠒꠤꠐꠤꠎꠤꠍꠤꠋꠤꠉꠤꠈꠤ꠆ꠤꠀ

22 ꠇꠤꠞꠤꠘꠤꠞꠤꠔꠤꠗꠤꠛꠤꠖꠤꠑꠤꠕꠤꠓꠤꠒꠤꠐꠤꠎꠤꠍꠤꠋꠤꠉꠤꠈꠤ꠆ꠤꠀ

23 ꠇꠤꠞꠤꠘꠤꠞꠤꠔꠤꠗꠤꠛꠤꠖꠤꠑꠤꠕꠤꠓꠤꠒꠤꠐꠤꠎꠤꠍꠤꠋꠤꠉꠤꠈꠤ꠆ꠤꠀ

24 ꠇꠤꠞꠤꠘꠤꠞꠤꠔꠤꠗꠤꠛꠤꠖꠤꠑꠤꠕꠤꠓꠤꠒꠤꠐꠤꠎꠤꠍꠤꠋꠤꠉꠤꠈꠤ꠆ꠤꠀ

25 ꠇꠤꠞꠤꠘꠤꠞꠤꠔꠤꠗꠤꠛꠤꠖꠤꠑꠤꠕꠤꠓꠤꠒꠤꠐꠤꠎꠤꠍꠤꠋꠤꠉꠤꠈꠤ꠆ꠤꠀ

26 ꠇꠤꠞꠤꠘꠤꠞꠤꠔꠤꠗꠤꠛꠤꠖꠤꠑꠤꠕꠤꠓꠤꠒꠤꠐꠤꠎꠤꠍꠤꠋꠤꠉꠤꠈꠤ꠆ꠤꠀ

Digitized by Google

27 ଏହାପରେ ସେମାନେ ଯିରୀହୋରେ ପହଞ୍ଚିଲେ। ଯେତେବେଳେ ସେ ଯିରୀହୋରୁ ବାହାରି ଯାଉଥିଲେ, ସେତେବେଳେ ତାଙ୍କ ସହିତ ଏକ ବଡ଼ ଜନତା ଯାଉଥିଲା।

28 ତୀମାୟର ପୁତ୍ର ବାର୍ତୀମାୟ ନାମକ ଜଣେ ଅନ୍ଧ ଭିକାରୀ ପଥର ପାଖରେ ବସି ଭିକ ମାଗୁଥିଲା। ସେ ଯେତେବେଳେ ଶୁଣିଲା ଯେ ଯୀଶୁ ନାସରତୀୟ ସେଠାରେ ଅଛନ୍ତି, ସେତେବେଳେ ସେ ଚିତ୍କାର କରି କହିବାକୁ ଲାଗିଲା, "ହେ ଦାଉଦ ସନ୍ତାନ ଯୀଶୁ, ମୋତେ ଦୟା କରନ୍ତୁ!"

29 ଅନେକ ଲୋକ ତାକୁ ଚୁପ୍ ରହିବାକୁ କହିଲେ। କିନ୍ତୁ ସେ ଆହୁରି ଜୋରରେ ଚିତ୍କାର କରି କହିବାକୁ ଲାଗିଲା, "ହେ ଦାଉଦ ସନ୍ତାନ, ମୋତେ ଦୟା କରନ୍ତୁ!"

30 ଯୀଶୁ ସେଠାରେ ଠିଆ ହୋଇ ତାକୁ ଡାକିବାକୁ କହିଲେ। ତେଣୁ ସେମାନେ ଅନ୍ଧ ଲୋକକୁ ଡାକି କହିଲେ, "ସାହସ କର, ଉଠ, ସେ ତୁମକୁ ଡାକୁଛନ୍ତି।"

31 ତାହାଙ୍କ କଥା ଶୁଣି ଅନ୍ଧ ଲୋକଟି ତା'ର ଲୁଗା ଫୋପାଡ଼ି ଦେଇ ଉଠି ଯୀଶୁଙ୍କ ନିକଟକୁ ଗଲା। ତା'ପରେ ଯୀଶୁ ତାକୁ ପଚାରିଲେ, "ତୁମେ ମୋ ପାଇଁ କ'ଣ କରିବାକୁ ଚାହୁଁଛ?"

32 ଅନ୍ଧ ଲୋକଟି ଉତ୍ତର ଦେଲା, "ହେ ଗୁରୁ, ମୁଁ ଯେପରି ଦେଖିପାରିବି ସେଥିପାଇଁ ମୋତେ ସାହାଯ୍ୟ କରନ୍ତୁ।"

Digitized by Google

33 ଏବଂ ଗଲ୍‌ଗଥା ନାମକ ସ୍ଥାନକୁ ଅର୍ଥାତ୍ ମସ୍ତକର ସ୍ଥାନ ନାମକ ସ୍ଥାନକୁ ଆସି ତାହାକୁ ପିତ୍ତ ମିଶ୍ରିତ ଦ୍ରାକ୍ଷାରସ ପାନ କରିବାକୁ ଦେଲେ; ମାତ୍ର ସେ ତାହା ଆସ୍ୱାଦନ କରି ପାନ କରିବାକୁ ମନା କଲେ।

34 ପରେ ସେମାନେ ତାହାକୁ କ୍ରୁଶରେ ଦେଇ ତାହାର ବସ୍ତ୍ର ଗୁଲିବାଡ଼ି ଭାଗ କରି ନେଲେ।

35 ଏଥିରେ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବକ୍ତା ଦ୍ୱାରା କଥିତ ଏହି ବାକ୍ୟ ସଫଳ ହେଲା, "ସେମାନେ ମୋହର ବସ୍ତ୍ର ଆପଣାମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ବାଣ୍ଟି ନେଲେ, ଆଉ ମୋହର ପରିଚ୍ଛଦ ନିମନ୍ତେ ଗୁଲିବାଡ଼ି କଲେ।"

36 ଏଉତ୍ତାରେ ସେମାନେ ବସି ତାହାଙ୍କ ପ୍ରହରୀ ହୋଇ ସେଠାରେ ରହିଲେ।

37 ଆଉ ଯିହୂଦୀମାନଙ୍କର ରାଜା ଯୀଶୁ ଏହି ଯେ ତାହାଙ୍କ ମସ୍ତକ ଉପରେ ଦୋଷାରୋପ ଲିପି ଲମ୍ବାଇଲେ।

38 ତହୁଁ ତାହାଙ୍କ ସଙ୍ଗେ ଦୁଇ ଜଣ ଦସ୍ୟୁ କ୍ରୁଶରେ ହତ ହେଲେ, ଜଣେ ଦକ्षିଣ ପାର୍ଶ୍ୱରେ ଓ ଜଣେ ବାମ ପାର୍ଶ୍ୱରେ।

Digitized by Google

42 וְהִנֵּה אֶחָד מֵהֶם בָּא וַיַּגֶּד לַמֶּלֶךְ אַחְאָב וַיֹּאמֶר כֹּה אָמַר יְהוָה יַעַן אֲשֶׁר שִׁלַּחְתָּ מִיָּדְךָ אִישׁ חֲרְמִי וְהָיָה מֵתֶיךָ תַּחַת מֵתוֹ וְעַמְּךָ תַּחַת עַמּוֹ׃

43 וַיֵּלֶךְ מֶלֶךְ יִשְׂרָאֵל עַל בֵּיתוֹ וְסָר וְאָנוּשׁ וַיָּבֹא שֹׁמְרוֹנָה׃

1 וַיְהִי אַחַר הַדְּבָרִים הָאֵלֶּה וּלְנָבוֹת הַיִּזְרְעֵאלִי הָיָה כֶּרֶם אֲשֶׁר בְּיִזְרְעֶאל אֵצֶל הֵיכַל שֹׁמְרוֹן אֲשֶׁר לְאַחְאָב מֶלֶךְ שֹׁמְרוֹן׃

2 וַיְדַבֵּר אַחְאָב אֶל נָבוֹת לֵאמֹר תְּנָה לִּי אֶת כַּרְמְךָ וְיִהְיֶה לִי לְגַן יָרָק כִּי הוּא קָרוֹב אֵצֶל בֵּיתִי וְאֶתְּנָה לְךָ תַּחְתָּיו כֶּרֶם טוֹב מִמֶּנּוּ אִם טוֹב בְּעֵינֶיךָ אֶתְּנָה לְךָ כֶּסֶף מְחִיר זֶה׃

3 וַיֹּאמֶר נָבוֹת אֶל אַחְאָב חָלִלָה לִּי מֵיְהוָה אִם אֶתֵּן אֶת נַחֲלַת אֲבֹתַי לָךְ׃

4 וַיָּבֹא אַחְאָב אֶל בֵּיתוֹ סַר וְאָנוּשׁ מִדָּבַר אֵלָיו נָבוֹת הַיִּזְרְעֵאלִי וַיֹּאמֶר לֹא אֶתֵּן לְךָ אֶת נַחֲלַת אֲבֹתָי וַיִּשְׁכַּב עַל מִטָּתוֹ וַיַּסֵּב אֶת פָּנָיו וְלֶחֶם לֹא אָכָל׃

5 וַתָּבֹא אֵלָיו אִיזֶבֶל אִשְׁתּוֹ וַתְּדַבֶּר אֵלָיו מַדּוּעַ רוּחֲךָ סָרָה וְאֵינְךָ אֹכֵל לָחֶם׃

6 וַיֹּאמֶר אֵלֶיהָ כִּי דִבַּרְתִּי אֶל נָבוֹת הַיִּזְרְעֵאלִי וָאֹמַר לוֹ תְּנָה לִי אֶת כַּרְמְךָ בְּכֶסֶף וְאִם חָפֵץ אַתָּה אֶתֵּן לְךָ כֶּרֶם תַּחְתָּיו וַיֹּאמֶר לֹא אֶתֵּן אֶת כַּרְמִי׃

7 וַתֹּאמֶר אִיזֶבֶל אִשְׁתּוֹ אַתָּה עַתָּה תַּעֲשֶׂה מְלוּכָה עַל יִשְׂרָאֵל קוּם אֱכָל לֶחֶם וְיִטַב לִבֶּךָ אָנֹכִי אֶתְּנָה לְךָ אֶת כֶּרֶם נָבוֹת הַיִּזְרְעֵאלִי׃

8 וַתִּכְתֹּב סְפָרִים בְּשֵׁם אַחְאָב וַתַּחְתֹּם בְּחוֹתָמוֹ וַתִּשְׁלַח הַסְּפָרִים אֶל הַזְּקֵנִים וְאֶל הַחֹרִים אֲשֶׁר בְּעִירוֹ הַיֹּשְׁבִים אֶת נָבוֹת׃

9 וַתִּכְתֹּב בַּסְּפָרִים לֵאמֹר קִרְאוּ צוֹם וְהוֹשִׁיבוּ אֶת נָבוֹת בְּרֹאשׁ הָעָם׃

10 וְהוֹשִׁיבוּ שְׁנֵי אֲנָשִׁים בְּנֵי בְלִיַּעַל נֶגְדּוֹ וְיָעִידוּ בּוֹ לֵאמֹר בֵּרַכְתָּ אֱלֹהִים וָמֶלֶךְ וְהוֹצִיאוּהוּ וְסִקְלוּהוּ וְיָמֹת׃

11 וַיַּעֲשׂוּ אַנְשֵׁי עִירוֹ הַזְּקֵנִים וְהַחֹרִים אֲשֶׁר הַיֹּשְׁבִים בְּעִירוֹ כַּאֲשֶׁר שָׁלְחָה אֲלֵיהֶם אִיזֶבֶל כַּכָּתוּב בַּסְּפָרִים אֲשֶׁר שָׁלְחָה אֲלֵיהֶם׃

12 קָרְאוּ צוֹם וְהוֹשִׁיבוּ אֶת נָבוֹת בְּרֹאשׁ הָעָם׃

13 וַיָּבֹאוּ שְׁנֵי הָאֲנָשִׁים בְּנֵי בְלִיַּעַל וַיֵּשְׁבוּ נֶגְדּוֹ וַיָּעִידוּ אִישׁ הַבְּלִיַּעַל נֶגֶד נָבוֹת לְעֵינֵי הָעָם לֵאמֹר בֵּרַךְ נָבוֹת אֱלֹהִים וָמֶלֶךְ וַיּוֹצִיאֻהוּ מִחוּץ לָעִיר וַיִּסְקְלֻהוּ בָאֲבָנִים וַיָּמֹת׃

14 וַיִּשְׁלְחוּ אֶל אִיזֶבֶל לֵאמֹר סֻקַּל נָבוֹת וַיָּמֹת׃

Digitized by Google

44 ಆದರೆ ಅವಳು ಹೋಗಿ ಬಹಳ ಹೊತ್ತಾದರೂ, ಬಾರದೆ ಇರುವುದನ್ನು ಕಂಡು ಅವಳ ತಾಯಿಯು ಅವಳನ್ನು ಹುಡುಕಲು ಹೊರಟಳು.

45 ಆಗ ಅವಳು ಅಲ್ಲಿಗೆ ಹೋಗಿ ಅವಳನ್ನು ಕಂಡು ಅವಳಿಗೆ ಅಪ್ಪಣೆಯಾಗಿ ಅವಳು ಅಲ್ಲಿಂದ ಬಂದಳು. ಆಗ ಅವಳ

೧೦೦೦

1 ಮಾಯಾಪುರದ ಎರಡನೆಯ ಸಮಾಜಸುಧಾರಕ ಸಭೆಯು ಈ ಕೆಳಗಿನ ನಿರ್ಣಯಗಳನ್ನು ಮಾಡಿತು. ಅವುಗಳನ್ನು ಸಾಧ್ಯವಾದಷ್ಟು ಬೇಗ ಜಾರಿಗೆ ತರಬೇಕೆಂದು ಸಭೆಯು ಸರ್ಕಾರವನ್ನು ಕೋರಿಕೊಳ್ಳುತ್ತದೆ. ಸಭೆಯ ಅಭಿಪ್ರಾಯದಲ್ಲಿ ಈ ನಿರ್ಣಯಗಳು ಜಾರಿಗೆ ಬಂದರೆ ಮಾಯಾಪುರದ ಜನರ ಸಾಮಾಜಿಕ ಜೀವನವು ಸುಧಾರಿಸುವುದು.

2 ಮಿಶ್ರವಿವಾಹಗಳನ್ನು ಕಾನೂನಿನ ಪ್ರಕಾರ ಸಿಂಧು ಎಂದು ಘೋಷಿಸಬೇಕು: ಅಂದರೆ ಬೇರೆ ಬೇರೆ ಜಾತಿಗಳಿಗೆ ಸೇರಿದ ಗಂಡು ಹೆಣ್ಣುಗಳು ಮದುವೆಯಾಗಲು ಅಡ್ಡಿಯಿಲ್ಲವೆಂದು ಕಾನೂನಿನಲ್ಲಿ ಹೇಳಬೇಕು.

3 ಅಸ್ಪೃಶ್ಯತೆಯನ್ನು ಕಾನೂನಿನಿಂದ ನಿಷೇಧಿಸಬೇಕು: ಅಸ್ಪೃಶ್ಯರಿಗೆ ಸಾರ್ವಜನಿಕ ಸ್ಥಳಗಳಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶವಿರಬೇಕು.

4 ಅಸ್ಪೃಶ್ಯರಿಗೆ ಸಾರ್ವಜನಿಕ ಸ್ಥಳಗಳಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶವಿರಬೇಕು: ಅಂದರೆ ಅವರು ಸಾರ್ವಜನಿಕ ಬಾವಿಗಳಿಂದ ನೀರು ಸೇದಲು ಅಡ್ಡಿಯಿಲ್ಲ. ದೇವಸ್ಥಾನಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಪ್ರವೇಶವಿರಬೇಕು.

5 ಅಸ್ಪೃಶ್ಯರಿಗೆ ಶಾಲೆಗಳಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶವಿರಬೇಕು: ಅಂದರೆ ಅಸ್ಪೃಶ್ಯರ ಮಕ್ಕಳು ಸಾರ್ವಜನಿಕ ಶಾಲೆಗಳಲ್ಲಿ ಓದಲು ಅಡ್ಡಿಯಿಲ್ಲ. ಅಸ್ಪೃಶ್ಯರಿಗೆ ಪ್ರತ್ಯೇಕ ಶಾಲೆಗಳನ್ನು ಏರ್ಪಡಿಸಬಾರದು.

6 ಮಾಯಾಪುರದ ಪುರಸಭೆಯಲ್ಲಿ ಅಸ್ಪೃಶ್ಯರಿಗೆ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳನ್ನು ಆರಿಸಿ ಕಳುಹಿಸಲು ಅವಕಾಶವಿರಬೇಕು. ಅಂದರೆ ಅಸ್ಪೃಶ್ಯರಿಗೆ ಪ್ರತ್ಯೇಕ ಮತಕ್ಷೇತ್ರಗಳನ್ನು ಏರ್ಪಡಿಸಬೇಕು.

7 ಅಸ್ಪೃಶ್ಯರಿಗೆ ಸಾರ್ವಜನಿಕ ಸೇವೆಯಲ್ಲಿ ಅವಕಾಶವಿರಬೇಕು. ಅಂದರೆ ಅವರು ಪುರಸಭೆಯಲ್ಲಿ ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ಸೇರಲು ಅಡ್ಡಿಯಿಲ್ಲ.

Digitized by Google

೮ ಪೇತ್ರನು ಅವಳಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೌದು, ಇಷ್ಟಕ್ಕೆ ಆ ಹೊಲವನ್ನು ಮಾರಿದಿರೋ ಎಂದು ಕೇಳಲು ಅವಳು ಹೌದು, ಇಷ್ಟಕ್ಕೆ ಎಂದಳು.

೯ ಆಗ ಪೇತ್ರನು ಅವಳಿಗೆ ಕರ್ತನ ಆತ್ಮವನ್ನು ಪರೀಕ್ಷೆಮಾಡಲು ನಿಮಗೆ ಒಪ್ಪಿಗೆಯಾದದ್ದು ಏನು? ಇಗೋ, ನಿನ್ನ ಗಂಡನನ್ನು ಹೂಣಿಟ್ಟವರ ಕಾಲುಗಳು ಬಾಗಿಲಲ್ಲಿವೆ; ಅವರು ನಿನ್ನನ್ನೂ ಎತ್ತಿಕೊಂಡು ಹೋಗುವರು ಎಂದನು.

೧೦ ಅವಳು ತಕ್ಷಣವೇ ಅವನ ಕಾಲುಗಳ ಬಳಿಯಲ್ಲಿ ಬಿದ್ದು ಪ್ರಾಣಬಿಟ್ಟಳು. ಆ ಯೌವನಸ್ಥರು ಒಳಗೆ ಬಂದು ಅವಳು ಸತ್ತಿರುವದನ್ನು ಕಂಡು ಅವಳನ್ನು ಎತ್ತಿಕೊಂಡು ಹೋಗಿ ಅವಳ ಗಂಡನ ಬಳಿಯಲ್ಲಿ ಹೂಣಿಟ್ಟರು.

೧೧ ಆಗ ಇಡೀ ಸಭೆಗೂ ಈ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಕೇಳಿದವರೆಲ್ಲರಿಗೂ ಬಹಳ ಭಯವಾಯಿತು.

೧೨ ಜನರ ಮಧ್ಯದಲ್ಲಿ ಅಪೊಸ್ತಲರ ಕೈಯಿಂದ ಅನೇಕ ಸೂಚಕಕಾರ್ಯಗಳೂ ಅದ್ಭುತಗಳೂ ನಡೆದವು. ಅವರೆಲ್ಲರು ಸೊಲೊಮೋನನ ಮಂಟಪದಲ್ಲಿ ಒಮ್ಮನಸ್ಸಿನವರಾಗಿ ಕೂಡಿಬರುತ್ತಿದ್ದರು.

೧೩ ಇದಲ್ಲದೆ ಉಳಿದವರಲ್ಲಿ ಯಾರೂ ಅವರನ್ನು ಸೇರಲು ಧೈರ್ಯಪಡಲಿಲ್ಲ; ಆದರೆ ಜನರು ಅವರನ್ನು ಬಹಳವಾಗಿ ಹೊಗಳುತ್ತಿದ್ದರು.

೧೪ ಮತ್ತು ಕರ್ತನಲ್ಲಿ ನಂಬಿಕೆಯಿಟ್ಟ ಪುರುಷರೂ ಸ್ತ್ರೀಯರೂ ಅಧಿಕಸಂಖ್ಯೆಯಲ್ಲಿ ಸೇರಿಕೊಂಡರು.

Digitized by Google

15 ... ...

21 ꠇꠤꠟꠤꠇꠤ ꠇꠤꠟꠤꠇꠤ ꠇꠤꠟꠤꠇꠤ ꠇꠤꠟꠤꠇꠤ

26 ויהי ביום השמיני ויבאו לקחת את הנער וימלוהו בשם אביו זכריה׃ **27** ותען אמו ותאמר לא כי אם יקרא שמו יוחנן׃ **28** ויאמרו אליה אין איש ממשפחתך הנקרא בשם הזה׃ **29** וישאלו לאביו מה יקרא לו׃ **30** ויבקש לוח ויכתוב לאמר יוחנן שמו׃ ויתמהו כלם׃ **31** ויפתח פיהו ולשונו מיד ויברך את אלהים׃ **32** ויהי כל השכנים ירא ויספרו את כל הדברים האלה בכל הרי יהודה׃ **33** וישימו כל השמעים על לבם לאמר מה יהיה הילד הזה׃ כי יד יהוה היתה עמו׃ **34** ויהי זכריה אביו נמלא רוח קדש ויתנבא לאמר׃

Digitized by Google

ماتيو ٢٦ ٣٢ ماتيو ٢٦ ٣٣ ماتيو ٢٦ ٣٤ ماتيو ٢٦ ٣٥

32 ماتيو ٢٦ ٣٢ ماتيو ٢٦ ٣٣ ماتيو ٢٦ ٣٤ ماتيو ٢٦ ٣٥ ماتيو ٢٦ ٣٦ ماتيو ٢٦ ٣٧ ماتيو ٢٦ ٣٨ ماتيو ٢٦ ٣٩ ماتيو ٢٦ ٤٠ ماتيو ٢٦ ٤١ ماتيو ٢٦ ٤٢ ماتيو ٢٦ ٤٣ ماتيو ٢٦ ٤٤ ماتيو ٢٦

36 ... ...

 [illegible]

35 [illegible]

36 [illegible]

37 [illegible]

38 [illegible]

[illegible]

1 [illegible]

Digitized by Google

2 ... ...

8 ꠇꠤꠞꠤꠇꠤꠞꠤ ꠇꠤꠞꠤꠇꠤꠞꠤ ꠇꠤꠞꠤꠇꠤꠞꠤ ꠇꠤꠞꠤꠇꠤꠞꠤ

14 ଯିହୋୟାଦାର ପୁତ୍ର ଅସରିୟ ସହସ୍ରପତିମାନଙ୍କର ଅଧିପତି ଥିଲା, ଆଉ ଯିରୋହମର ପୁତ୍ର ଇଶ୍ମାୟେଲ ଓ ଯିହୋହାନନର ପୁତ୍ର ଓବଦୀୟ ଓ ଇଲୀୟଥର ପୁତ୍ର ଯିରୀୟ ଓ ଉସ୍ରିର ପୁତ୍ର ଯାଶବିୟାମ ଶତପତିମାନଙ୍କର ଅଧିପତି ଥିଲା,

15 ଆଉ ସୋରୀୟ ଯିଶିୟର ପୁତ୍ର ଯୋୟେଲ ଓ ପଦୟର ପୁତ୍ର ଯୋଶବିୟ ଲେବୀୟମାନଙ୍କର ଅଧିପତି ଥିଲା, ଆଉ ହଲୋହେଶର ପୁତ୍ର ସାଦୋକ ଓ ଅହିଟୁବର ପୁତ୍ର ଯିହୋୟାଦା ହାରୋଣ ବଂଶୀୟମାନଙ୍କର ଅଧିପତି ଥିଲା,

16 ଆଉ ଯିରୋହମର ପୁତ୍ର ଅସରେଲ ଇଶ୍ମାୟିୟ ଦାନ ବଂଶର ଅଧିପତି ଥିଲା; ମିଖ୍ରିର ପୁତ୍ର ଶଫଟିୟ ଶିମୀୟୋନ ବଂଶର ଅଧିପତି ଥିଲା,

17 ଆବ୍ଦୀୟର ପୁତ୍ର ହଶବୀୟ ମରାରି ବଂଶୀୟମାନଙ୍କର ଅଧିପତି ଥିଲା, କମୁୟେଲର ପୁତ୍ର ହଶବୀୟ ଓ ଯିରୋହମର ପୁତ୍ର ସାଦୋକ ହାରୋଣ ବଂଶୀୟମାନଙ୍କର ଅଧିପତି ଥିଲା,

18 ମହତ୍ତ୍ୱିୟ ଯିଶୀୟର ପୁତ୍ର ଯିଦୂଥୂନ ବଂଶୀୟମାନଙ୍କର ଅଧିପତି ଥିଲା, ଆସଫର ପୁତ୍ର ସଖରୀୟ ଓ ଯିଦୂଥୂନର ପୁତ୍ର ଓବଦୀୟ ଓ ଯିଦୂଥୂନର ପୁତ୍ର ମତ୍ତନୀୟ ଗାୟକମାନଙ୍କର ଅଧିପତି ଥିଲା, ଆଉ ଯିରୋହମର ପୁତ୍ର ଅଦାୟା ଓ ଯିହୋୟାରୀବର ପୁତ୍ର ଯାଖୀନ ଓ ହାରୀମର ପୁତ୍ର ଯିଦୀୟୋନ ଓ ଶଲୁମୀୟର ପୁତ୍ର ଅମସୀ ଓ ଯିରୋହମର ପୁତ୍ର ହଲୋହେଶ ଓ ଯିଷ୍ପାର ପୁତ୍ର ଯୋୟେଲ ଓ ମିଖାୟେଲର ପୁତ୍ର ଶିମୀୟି ଓ ଚିଥ୍ରିର ପୁତ୍ର ଶମୟିୟ ଓ ଯିଦୂଥୂନର ପୁତ୍ର ଶମୟିୟ ଓ ଯିଦୂଥୂନର ପୁତ୍ର ମତ୍ତନୀୟ ଓ ଉଜ୍ଜୀୟେଲର ପୁତ୍ର ଯିରୀମୋତ୍ ଦ୍ୱାରପାଳମାନଙ୍କର ଅଧିପତି ଥିଲା,

19 ଏମାନେ କହାତୀୟ ଓ ମରାରି ବଂଶୀୟ ଦ୍ୱାରପାଳମାନଙ୍କର ଅଧିପତି ଥିଲେ। ଆଉ କୋରହର ପୁତ୍ର ଅବିୟାସଫର ପୁତ୍ର କୋରି ଓ ତାହାର ଭ୍ରାତୃଗଣ ଅର୍ଥାତ୍ କୋରହ ବଂଶୀୟମାନେ ସେବାକର୍ମର ତତ୍ତ୍ୱାବଧାରକ ଥିଲେ, ଆଉ ସେମାନେ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କ ତମ୍ବୁର ଦ୍ୱାରପାଳ ଥିଲେ; ଆଉ ସେମାନଙ୍କ ପୂର୍ବପୁରୁଷମାନେ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କ ଛାଉଣିର ପ୍ରବେଶସ୍ଥାନର ରକ୍ଷକ ଥିଲେ।

20 ଆଉ ଲେବୀୟମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରୁ ଅହିୟ ପରମେଶ୍ୱରଙ୍କ ଗୃହର ଭଣ୍ଡାରଗୃହ ଓ

Digitized by Google

ಸ್ಯಪ್ರ ೨ ಅವರು ಕರ್ತನನ್ನು ಆರಾಧಿಸಿ ಉಪವಾಸಮಾಡುತ್ತಿರುವಾಗ ಪರಿಶುದ್ಧಾತ್ಮನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ನಾನು ಬಾರ್ನಬನನ್ನೂ ಸೌಲನನ್ನೂ ನನಗೆ ಪ್ರತ್ಯೇಕಿಸಿರಿ; ನಾನು ಅವರನ್ನು ಯಾವ ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ಕರೆದಿದ್ದೇನೋ ಆ ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ಅವರನ್ನು ನೇಮಿಸಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

21 ಆಗ ಅವರು ಉಪವಾಸಮಾಡಿ ಪ್ರಾರ್ಥನೆಮಾಡಿ ಅವರ ಮೇಲೆ ಕೈಗಳನ್ನಿಟ್ಟು ಅವರನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಬಿಟ್ಟರು. ಅವರು ಪರಿಶುದ್ಧಾತ್ಮನಿಂದ ಕಳುಹಿಸಲ್ಪಟ್ಟವರಾಗಿ ಸೆಲೂಕ್ಯಕ್ಕೆ ಹೋಗಿ ಅಲ್ಲಿಂದ ಹಡಗಿನಲ್ಲಿ ಕುಪ್ರಕ್ಕೆ ಪ್ರಯಾಣಮಾಡಿದರು.

22 ಅಲ್ಲಿ ಅವರು ಸಲಮಿಯಲ್ಲಿ ಪ್ರಸಂಗಿಸಿದ ಮೇಲೆ ಪಾಫೊವರೆಗೂ ಸಂಚರಿಸಿ ಅಲ್ಲಿ ಬರ್ಯೇಸು ಎಂಬ ಹೆಸರುಳ್ಳ ಒಬ್ಬ ಮಾಯಗಾರನೂ ಸುಳ್ಳುಪ್ರವಾದಿಯೂ ಆಗಿದ್ದ ಯೆಹೂದ್ಯನನ್ನು ಕಂಡರು. ಅವನು ಚತುರನಾಗಿದ್ದ ಸೆರ್ಗ್ಯ ಪೌಲ ಎಂಬ ಪ್ರಧಾನನ ಸಂಗಡ ಇದ್ದನು. ಆ ಪ್ರಧಾನನು ವಿವೇಕಿಯಾಗಿದ್ದು ದೇವವಾಕ್ಯವನ್ನು ಕೇಳಬೇಕೆಂದು ಬಾರ್ನಬ ಸೌಲರನ್ನು ಕರೆಯಿಸಿಕೊಂಡನು. ಆದರೆ ಎಲೀಮನೆಂಬ ಆ ಮಾಯಗಾರನು (ಅವನ ಹೆಸರಿಗೆ ಅನುವಾದವು ಹೀಗಿದೆ) ಅವರನ್ನು ಎದುರಿಸಿ ಪ್ರಧಾನನನ್ನು ನಂಬಿಕೆಯಿಂದ ತಪ್ಪಿಸಲು ಪ್ರಯತ್ನಿಸಿದನು.

23 ಆಗ ಪೌಲನು ಪರಿಶುದ್ಧಾತ್ಮಪೂರ್ಣನಾಗಿ ಅವನನ್ನು ದೃಷ್ಟಿಸಿ ನೋಡಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ

24 ಮಾಯಗಾರನೂ ಕಪಟಿಯೂ ಆಗಿರುವ ಓ ಸೈತಾನನ ಮಗನೇ, ಸಕಲ ನೀತಿಗೂ ವೈರಿಯೇ, ನೀನು ಕರ್ತನ ಸರಿಯಾದ ಮಾರ್ಗಗಳನ್ನು ಡೊಂಕುಮಾಡುವದನ್ನು ಬಿಡುವದಿಲ್ಲವೋ? ಇಗೋ, ಕರ್ತನ ಹಸ್ತವು ನಿನ್ನ ಮೇಲಿದೆ; ನೀನು ಕುರುಡನಾಗಿ ಕೆಲವು ಕಾಲ ಸೂರ್ಯನನ್ನು ನೋಡದೆ ಇರುವಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. ಆಗಲೇ ಮಬ್ಬು ಕತ್ತಲೆಯು ಅವನ ಮೇಲೆ ಬಿದ್ದಿತು; ಅವನು ಕೈಹಿಡಿದು ನಡಿಸುವವರನ್ನು ಹುಡುಕುತ್ತಾ ಸುತ್ತಲು ತಿರುಗಾಡಿದನು.

25 ಆಗ ಪ್ರಧಾನನು ಆಗಿದ್ದ ಸಂಗತಿಯನ್ನು ನೋಡಿ ಕರ್ತನ ಉಪದೇಶವನ್ನು ಕುರಿತು ಆಶ್ಚರ್ಯಪಟ್ಟು ನಂಬಿದನು. ಪೌಲನೂ ಅವನ ಸಂಗಡಿಗರೂ ಪಾಫೊದಿಂದ ಹೊರಟು ಪಿಸಿದ್ಯದಲ್ಲಿರುವ ಪೆರ್ಗೆಗೆ ಬಂದರು. ಆಗ ಯೋಹಾನನು ಅವರನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಯೆರೂಸಲೇಮಿಗೆ ಹಿಂತಿರುಗಿ ಹೋದನು.

26 ಅವರಾದರೋ ಪೆರ್ಗೆಯಿಂದ ಮುಂದಕ್ಕೆ ಹೋಗಿ

27 ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಮಾಡಿದ ಪ್ರಮಾಣವನ್ನು ಅವನು ಮೀರಿ ಅವರಿಗೆ ಕೊಟ್ಟ ಆಜ್ಞೆಯನ್ನು ಅವರು ಕೈಕೊಳ್ಳದೆ ಹೋದರು.

28 ಆಗ ಅವರಲ್ಲಿ ಒಬ್ಬನಾದ ಯೆಹೂದನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ: ನಾವು ನಮ್ಮ ಸಹೋದರರಿಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಏನು ಮಾಡಿದರೆ ಲಾಭ? ಬನ್ನಿರಿ, ಅವನನ್ನು ಮಾರಿಬಿಡೋಣ.

29 ಆದರೆ ಇಷ್ಮಾಯೇಲ್ಯರು ಬಂದಾಗ ಅವರು ಅವನನ್ನು ಹೊರಗೆ ತೆಗೆದು ಮಾರಿದರು.

30 ಇದಲ್ಲದೆ ಅವರು ಅವನ ಅಂಗಿಯನ್ನು ತೆಗೆದು ಅದಕ್ಕೆ ಆಡಿನ ಮರಿಯ ರಕ್ತವನ್ನು ಹಚ್ಚಿ ಅವರು ಅವನನ್ನು ಮಾರಿದ ಮೇಲೆ ಅವರ ತಂದೆಯ ಬಳಿಗೆ ಅಂಗಿಯನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿ ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ: ಇದು ನಮಗೆ ಸಿಕ್ಕಿತು; ಇದು ನಿನ್ನ ಮಗನ ಅಂಗಿಯೋ ಅಲ್ಲವೋ ಎಂಬದನ್ನು ನೋಡಿಕೊ ಅಂದರು.

31 ಅವರು ಅವನ ತಂದೆಯ ಬಳಿಗೆ ಅಂಗಿಯನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿ (ಅವರು ಅದನ್ನು ಕಂಡುಕೊಂಡರು) ಅವರು ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ: ಇದು ನಿನ್ನ ಮಗನ ಅಂಗಿಯೋ ಅಲ್ಲವೋ ಎಂಬದನ್ನು ನೋಡಿಕೊ ಅಂದರು.

32 ಅವನು ಅದನ್ನು (ಅವರು ಅದನ್ನು ಕಂಡುಕೊಂಡರು) ನೋಡಿ ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ: ಇದು ನನ್ನ ಮಗನ ಅಂಗಿಯೇ ಸರಿ.

Digitized by Google

೩೩ ಇದನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರು ಕೋಪಗೊಂಡು ಅವರನ್ನು ಕೊಲ್ಲಬೇಕೆಂದು ಆಲೋಚಿಸಿದರು. ೩೪ ಆಗ ಜನರೆಲ್ಲರಿಂದ ಮಾನ್ಯನಾಗಿದ್ದ ಗಮಲಿಯೇಲನೆಂಬ ಒಬ್ಬ ಫರಿಸಾಯನು ಆಲೋಚನಾ ಸಭೆಯಲ್ಲಿ ಎದ್ದು ನಿಂತು ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ಸ್ವಲ್ಪ ಹೊತ್ತು ಹೊರಗೆ ಕಳುಹಿಸಬೇಕೆಂದು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದನು. ೩೫ ಆಮೇಲೆ ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ - ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ಜನರೇ, ಈ ಮನುಷ್ಯರ ವಿಷಯವಾಗಿ ನೀವು ಏನು ಮಾಡಬೇಕೆಂಬುದನ್ನು ಎಚ್ಚರಿಕೆಯಿಂದ ಆಲೋಚಿಸಿರಿ. ೩೬ ಹಿಂದಿನ ದಿವಸಗಳಲ್ಲಿ ತುದಾ ಎಂಬವನು ಎದ್ದು ತಾನು ಮಹಾ ಪುರುಷನೆಂದು ಹೇಳಿಕೊಂಡನು. ಅವನಿಗೆ ಸುಮಾರು ನಾನೂರು ಜನರು ಸೇರಿಕೊಂಡರು. ಅವನು ಕೊಲೆಯಾದನು. ಅವನನ್ನು ನಂಬಿದವರೆಲ್ಲರು ಚದರಿಹೋಗಿ ಏನೂ ಇಲ್ಲದಂತಾದರು. ೩೭ ಅವನ ತರುವಾಯ ಜನಗಣತಿಯ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಗಲಿಲಾಯದವನಾದ ಯೂದನು ಎದ್ದು ಬಹಳ ಜನರನ್ನು ತನ್ನ ಕಡೆಗೆ ಸೆಳೆದುಕೊಂಡನು. ಅವನು ಸಹ ನಾಶವಾದನು. ಅವನನ್ನು ನಂಬಿದವರೆಲ್ಲರು ಚದರಿಹೋದರು. ೩೮ ಆದಕಾರಣ ಈಗ ನಾನು ನಿಮಗೆ ಹೇಳುವುದೇನಂದರೆ - ಈ ಮನುಷ್ಯರ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ನೀವು ಏನೂ ಮಾಡಬೇಡಿರಿ. ಅವರನ್ನು ಬಿಟ್ಟುಬಿಡಿರಿ. ಏಕೆಂದರೆ ಈ ಆಲೋಚನೆಯಾಗಲಿ ಈ ಕೆಲಸವಾಗಲಿ ಮನುಷ್ಯರಿಂದ ಹುಟ್ಟಿದ್ದಾದರೆ ತಾನೇ ನಾಶವಾಗುವುದು. ೩೯ ಆದರೆ ಅದು ದೇವರಿಂದ ಹುಟ್ಟಿದ್ದಾಗಿದ್ದರೆ ನೀವು ಅವರನ್ನು ನಾಶಮಾಡಲಾರಿರಿ. ಹಾಗೆ ಮಾಡಿದರೆ ನೀವು ದೇವರಿಗೆ ವಿರುದ್ಧವಾಗಿ ಹೋರಾಡುವವರಾಗುವಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. ಅವರು ಅವನ ಮಾತಿಗೆ ಒಪ್ಪಿಕೊಂಡರು. ೪೦ ಆಮೇಲೆ ಅವರು ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ಒಳಗೆ ಕರೆಯಿಸಿ ಅವರನ್ನು ಹೊಡೆಸಿ ಯೇಸುವಿನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಮಾತಾಡಬಾರದೆಂದು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿ ಅವರನ್ನು ಬಿಟ್ಟುಬಿಟ್ಟರು. ೪೧ ಅಪೊಸ್ತಲರು ಆ ಹೆಸರಿಗೋಸ್ಕರ ಅವಮಾನಪಡಲು ಯೋಗ್ಯರೆಂದು ಎಣಿಸಲ್ಪಟ್ಟದ್ದಕ್ಕಾಗಿ ಸಂತೋಷಪಡುತ್ತಾ ಆಲೋಚನಾ ಸಭೆಯಿಂದ ಹೊರಟುಹೋದರು. ೪೨ ಅವರು ಪ್ರತಿದಿನವೂ ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿಯೂ ಮನೆಮನೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಉಪದೇಶಮಾಡುತ್ತಾ ಯೇಸುವೇ ಕ್ರಿಸ್ತನೆಂಬ ಸುವಾರ್ತೆಯನ್ನು ಸಾರುವುದನ್ನು ನಿಲ್ಲಿಸಲಿಲ್ಲ.

Digitized by Google

39 ଏଥିରେ ସେମାନେ ତାହାଙ୍କୁ କହିଲେ : ତୁମ୍ଭେ ତ ପାପରେ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ରୂପେ ଜନ୍ମିତ ହୋଇ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ କି ଶିକ୍ଷା ଦେବାକୁ ଆସିଅଛ ? ଆଉ ସେମାନେ ତାହାଙ୍କୁ ବାହାର କରି ଦେଲେ ।

40 ଯୀଶୁ ଏହି ସମସ୍ତ କଥା ଫାରୂଶୀମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରୁ କେତେକ ଲୋକ ଶୁଣି ତାହାଙ୍କୁ କହିଲେ, ଆମ୍ଭେମାନେ ମଧ୍ୟ କି ଅନ୍ଧ ?

41 ଯୀଶୁ ସେମାନଙ୍କୁ କହିଲେ, ତୁମ୍ଭେମାନେ ଯଦି ଅନ୍ଧ ହୋଇଥାଆନ୍ତ, ତେବେ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କର ପାପ ନ ଥାଆନ୍ତା ; କିନ୍ତୁ ତୁମ୍ଭେମାନେ ଏବେ କହୁଅଛ, ଆମ୍ଭେମାନେ ଦେଖୁଅଛୁ, ଏଣୁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କର ପାପ ରହିଅଛି ।

42 ଯିହିଯ ମଧ୍ୟ ଏହାଙ୍କ ବିଷୟରେ ଏହି ପ୍ରକାର କହିଥିଲେ, ଏହାଙ୍କ ପୁତ୍ରମାନେ ଏହାଙ୍କ ଅବାଧ୍ୟ ହେଲେ, ଏହାଙ୍କ ବିରୁଦ୍ଧରେ ଏମାନେ ଏହି ପ୍ରକାର କଥା କହିଲେ, ଏମାନେ ଏହାଙ୍କ ଦ୍ରାକ୍ଷାକ୍ଷେତ୍ରକୁ ଜଳାଇ ଦେଲେ, ଏହାଙ୍କ ଦ୍ରାକ୍ଷାକ୍ଷେତ୍ରରେ ଏମାନେ ଏହାଙ୍କ ଦ୍ରାକ୍ଷାଫଳ ଖାଇଲେ, ଏମାନେ ଏହାଙ୍କ ଦ୍ରାକ୍ଷାକ୍ଷେତ୍ରକୁ ଜଳାଇ ଦେଲେ, ଏମାନେ ଏହାଙ୍କ ଦ୍ରାକ୍ଷାକ୍ଷେତ୍ରର

44 ಆಗ ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ನಾನು ನಿಮ್ಮ ಸಂಗಡ ಇದ್ದಾಗ ನಿಮಗೆ ಹೇಳಿದ್ದು ಇದೇ; ಮೋಶೆಯ ನ್ಯಾಯಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿಯೂ ಪ್ರವಾದಿಗಳ ಗ್ರಂಥಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಕೀರ್ತನೆಗಳಲ್ಲಿಯೂ ನನ್ನ ವಿಷಯವಾಗಿ ಬರೆದಿರುವದೆಲ್ಲಾ ನೆರವೇರಬೇಕಾಗಿತ್ತು.

45 ಆಮೇಲೆ ಅವರು ಧರ್ಮಶಾಸ್ತ್ರವನ್ನು ಗ್ರಹಿಸಿಕೊಳ್ಳುವಂತೆ ಅವರ ಮನಸ್ಸನ್ನು ತೆರೆದು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಕ್ರಿಸ್ತನು ಬಾಧೆಪಟ್ಟು ಮೂರನೆಯ ದಿವಸದಲ್ಲಿ ಸತ್ತವರೊಳಗಿಂದ ಎದ್ದು ಬರಬೇಕೆಂತಲೂ ಆತನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಯೆರೂಸಲೇಮಿನಿಂದ ಮೊದಲುಗೊಂಡು ಸಮಸ್ತ ಜನಾಂಗಗಳಿಗೆ ಪಾಪಕ್ಷಮಾಪಣೆಗಾಗಿ ಮಾನಸಾಂತರವು ಸಾರಲ್ಪಡಬೇಕೆಂತಲೂ ಬರೆದದೆ.

46 ಆಗ ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಹೀಗೆ ಬರೆದದೆ; ಕ್ರಿಸ್ತನು ಬಾಧೆಪಟ್ಟು

47 ಮೂರನೆಯ ದಿವಸದಲ್ಲಿ ಸತ್ತವರೊಳಗಿಂದ ಎದ್ದು ಬರಬೇಕೆಂತಲೂ ಆತನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಯೆರೂಸಲೇಮಿನಿಂದ ಮೊದಲುಗೊಂಡು ಸಮಸ್ತ ಜನಾಂಗಗಳಿಗೆ ಪಾಪಕ್ಷಮಾಪಣೆಗಾಗಿ ಮಾನಸಾಂತರವು ಸಾರಲ್ಪಡಬೇಕೆಂತಲೂ ಬರೆದದೆ.

48 ಆಗ ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಹೀಗೆ ಬರೆದದೆ; ಕ್ರಿಸ್ತನು ಬಾಧೆಪಟ್ಟು

49 ಮತ್ತು ನೀವು ಈ ಸಂಗತಿಗಳಿಗೆ ಸಾಕ್ಷಿಗಳಾಗಿರುವಿರಿ. ಇಗೋ, ನನ್ನ ತಂದೆಯು ವಾಗ್ದಾನ ಮಾಡಿದ್ದನ್ನು ನಾನು ನಿಮ್ಮ ಮೇಲೆ ಕಳುಹಿಸುತ್ತೇನೆ. ಆದರೆ ಪರಲೋಕದಿಂದ ಶಕ್ತಿಯನ್ನು ಧರಿಸಿಕೊಳ್ಳುವ ತನಕ ನೀವು ಯೆರೂಸಲೇಮ್ ಪಟ್ಟಣದಲ್ಲಿ ಇರಿರಿ.

50 ಆಮೇಲೆ ಅವನು ಅವರನ್ನು ಬೇಥಾನ್ಯದ ತನಕ ಕರಕೊಂಡು ಹೋಗಿ ತನ್ನ ಕೈಗಳನ್ನೆತ್ತಿ ಅವರನ್ನು ಆಶೀರ್ವದಿಸಿದನು. ಆಶೀರ್ವದಿಸುತ್ತಿರುವಾಗಲೇ ಆತನು ಅವರನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಪರಲೋಕಕ್ಕೆ ಎತ್ತಲ್ಪಟ್ಟನು.

Digitized by Google

ಸಂಧಿ ೧೦

1 ಅಮಲಾತ್ಮಜ ಎನಗಿನ್ನು ಪ್ರಾಣಿಜನ್ಮವಿಲ್ಲದಿರಲಿ ಪ್ರಾಣಿಜನ್ಮವಾಗಿ ಹುಟ್ಟಿ ಬಂದರೆ ಅದು ಯಾವ ಯಾವ

8 ಯಿಂಗಿಂಗಾಂಯಿಂಗಾಂಗಾಂಗಾಂಯಿಂಗಾಂಗಾಂಗಾ

15 ...

16 ...

17 ...

18 ...

19 ...

20 ...

Digitized by Google

21 ಇದಾದ ಮೇಲೆ ಅವರು ಬೆಳಗಿನ ಜಾವದಲ್ಲಿ ದೇವಾಲಯದೊಳಗೆ ಹೋಗಿ ಉಪದೇಶ ಮಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದರು. ಮಹಾಯಾಜಕನು ಮತ್ತು ಅವನ ಜೊತೆಯವರು ಬಂದು ಸಭೆಯನ್ನು ಅಂದರೆ ಇಸ್ರಾಯೇಲರ ಹಿರಿಯರೆಲ್ಲರನ್ನು ಕೂಡಿಸಿ ಸೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿರುವ ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ಕರೆತರಲು ಸೇವಕರನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿದರು. **22** ಆದರೆ ಆ ಸೇವಕರು ಸೆರೆಮನೆಗೆ ಹೋಗಿ ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ಅಲ್ಲಿ ಕಾಣದೆ ಹಿಂತಿರುಗಿ ಬಂದು ಈ ಸಮಾಚಾರವನ್ನು ತಿಳಿಸಿದರು: **23** «ಸೆರೆಮನೆಯ ಬಾಗಿಲುಗಳು ಚೆನ್ನಾಗಿ ಭದ್ರವಾಗಿ ಮುಚ್ಚಿದ್ದವು, ಕಾವಲುಗಾರರು ಬಾಗಿಲುಗಳ ಮುಂದೆ ನಿಂತಿದ್ದರು. ಆದರೆ ನಾವು ಬಾಗಿಲನ್ನು ತೆರೆದಾಗ ಒಳಗೆ ಯಾರೂ ಇರಲಿಲ್ಲ.» **24** ಈ ಮಾತನ್ನು ಕೇಳಿದ ದೇವಾಲಯದ ಅಧಿಕಾರಿಯು ಮತ್ತು ಮುಖ್ಯ ಯಾಜಕರು ಅವರ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಏನಾಗಬಹುದೆಂದು ಚಿಂತಿಸಿದರು. **25** ಆಗ ಒಬ್ಬನು ಬಂದು, «ನೀವು ಸೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿ ಹಾಕಿಸಿದ ಜನರು ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿ ನಿಂತು ಜನರಿಗೆ ಉಪದೇಶ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದಾರೆ» ಎಂದು ತಿಳಿಸಿದನು.

Digitized by Google

26 ויהי אשר כלה משה לכתב את־הדברים האלה בספר עד תמם׃ **27** ויאמר יהוה אל־משה עלה אל־יהוה אתה ואהרן נדב ואביהוא ושבעים מזקני ישראל והשתחויתם מרחק׃ **28** ונגש משה לבדו אל־יהוה והמה לא יגשו ועם לא יעלו עמו׃ ויבא משה ויספר לעם את־כל־דברי יהוה ואת־כל־המשפטים ויען כל־העם קול אחד ויאמרו כל־הדברים אשר דבר יהוה נעשה׃ **29** ויכתב משה את־כל־דברי יהוה וישכם בבקר ויבן מזבח תחת ההר ושתים עשרה מצבה לשנים עשר שבטי ישראל׃ **30** וישלח את־נערי בני־ישראל ויעלו עלת ויזבחו זבחים שלמים ליהוה פרים׃ **31** ויקח משה חצי הדם וישם באגנת וחצי הדם זרק על־המזבח׃ **32** ויקח ספר הברית ויקרא באזני העם ויאמרו כל אשר דבר יהוה נעשה ונשמע׃ **33** ויקח משה את־הדם ויזרק על־העם ויאמר הנה דם הברית אשר כרת יהוה עמכם על כל־הדברים האלה׃ **34** ויעל משה ואהרן נדב ואביהוא ושבעים מזקני ישראל׃ **35** ויראו את־אלהי ישראל ותחת רגליו כמעשה לבנת הספיר וכעצם השמים לטהר׃ **36** ואל־אצילי בני־ישראל לא שלח ידו ויחזו את־האלהים ויאכלו וישתו׃ **37** ויאמר יהוה אל־משה עלה אלי ההרה והיה שם ואתנה לך את־לחת האבן והתורה והמצוה אשר כתבתי להורתם׃ **38** ויקם משה ויהושע משרתו ויעל משה אל־הר האלהים׃ **39** ויאמר אל־הזקנים שבו־לנו בזאת עד אשר־נשוב אליכם והנה אהרן וחור עמכם מי בעל דברים יגש אליהם׃ **40** ויעל משה אל־ההר ויכס הענן את־ההר׃ **41** וישכן כבוד־יהוה על־הר סיני ויכסהו הענן ששת ימים ויקרא אל־משה ביום השביעי מתוך הענן׃ **42** ומראה כבוד־יהוה כאש אכלת בראש ההר לעיני בני־ישראל׃ **43** ויבא משה בתוך הענן ויעל אל־ההר ויהי משה בהר ארבעים יום וארבעים לילה׃

Digitized by Google

ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାରେ ଲିଖିତ ଗ୍ରନ୍ଥାବଳୀ

32 ଏମନ୍ତ ଅବସ୍ଥାରେ ଯେଉଁ ଦିନ ଆମ୍ଭେ ଯାକୁବ ବଂଶକୁ ଦେଇଥିବା ପ୍ରତିଜ୍ଞା ଅନୁସାରେ ଯାକୁବ ବଂଶକୁ ଦୟା କରିବା ଓ ଇସ୍ରାଏଲ ବଂଶ ସମସ୍ତଙ୍କୁ ଅନୁକମ୍ପା କରିବା, ସେହି ଦିନ ଆମ୍ଭେ ଯିହୋବା ଆପଣା ପବିତ୍ର ନାମ ନିମନ୍ତେ ଅତ୍ୟନ୍ତ ଈର୍ଷାନ୍ୱିତ ହେବା। ଆଉ ସେମାନେ ଆପଣା ଆପଣା ଅପମାନ ଓ ଆମ୍ଭ ପ୍ରତି ଆଚରିତ ସମସ୍ତ ଅଧର୍ମ ବହନ କରିବେ। ଯେଉଁ ଦିନ ସେମାନେ ଆପଣା ଦେଶରେ ନିରାପଦରେ ବାସ କରିବେ ଓ କେହି ସେମାନଙ୍କୁ ଭୟ ଦେଖାଇବ ନାହିଁ, ସେହି ଦିନ ସେମାନେ ଆପଣା ଆପଣା ଅପମାନ ଓ ଆମ୍ଭ ପ୍ରତି ଆଚରିତ ସମସ୍ତ ଅଧର୍ମ ବହନ କରିବେ।

33 ଯେଉଁ ଦିନ ଆମ୍ଭେ ସେମାନଙ୍କୁ ସେମାନଙ୍କ ସମସ୍ତ ଅଧର୍ମରୁ ଶୁଦ୍ଧ କରିବା, ସେହି ଦିନ ଆମ୍ଭେ ସେମାନଙ୍କ ନଗରସବୁ ବସତିସ୍ଥାନ କରିବା ଓ ଭଗ୍ନସ୍ଥାନସବୁ ପୁନର୍ବାର ନିର୍ମାଣ କରାଯିବ। ଆଉ ଉତ୍ସନ୍ନ ଦେଶ ଯେ ଯିହୋବାର ଦୃଷ୍ଟିରେ ଉତ୍ସନ୍ନ ହୋଇଥିଲା, ତାହା ଯେ ଯାଉଥିବା ସମସ୍ତ ପଥିକଙ୍କ ଦୃଷ୍ଟିରେ ଉତ୍ସନ୍ନ ହୋଇଥିଲା, ତାହା ଚାଷ କରାଯିବ।

34 ଆଉ ଯେଉଁ ଉତ୍ସନ୍ନ ଦେଶ ଯେ ଯିହୋବାର ଦୃଷ୍ଟିରେ ଉତ୍ସନ୍ନ ହୋଇଥିଲା, ତାହା ଚାଷ କରାଯିବ। ଆଉ ଯେଉଁ ଉତ୍ସନ୍ନ ଦେଶ ଯେ ଯିହୋବାର ଦୃଷ୍ଟିରେ ଉତ୍ସନ୍ନ ହୋଇଥିଲା, ତାହା ଚାଷ କରାଯିବ।

35 ଆଉ ଲୋକମାନେ କହିବେ, ଏହି ଉତ୍ସନ୍ନ ଦେଶ ଏଦନ ବାଟିକା ତୁଲ୍ୟ ହୋଇଅଛି, ଆଉ ଉତ୍ସନ୍ନ ଓ ଭଗ୍ନ ଓ ଧ୍ୱଂସିତ ନଗରସବୁ ପ୍ରାଚୀରବେଷ୍ଟିତ ଓ ବସତିସ୍ଥାନ ହୋଇଅଛି। ତହିଁରେ ଯେଉଁ ଗୋଷ୍ଠୀୟମାନେ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କର ଚତୁର୍ଦ୍ଦିଗସ୍ଥ ଅବଶିଷ୍ଟ ଥିବେ, ସେମାନେ ଜାଣିବେ ଯେ, ଆମ୍ଭେ ଯିହୋବା ଭଗ୍ନ ସ୍ଥାନସବୁ ନିର୍ମାଣ କରିଅଛୁ ଓ ଉତ୍ସନ୍ନ ସ୍ଥାନରେ ରୋପଣ କରିଅଛୁ; ଆମ୍ଭେ ଯିହୋବା ଏହା କହିଅଛୁ ଓ ସାଧନ କରିବା।

Digitized by Google

36 ಬಾವಿಯಿಂದ ಅವರು ಹೊರಟರು; ಬಾಬ ಅಲ್ಲಿಂದ ಹೊರಟು ಅವರು ಮೂವರು ಮನುಷ್ಯರಿಗೆ ಕೂಲಿಯವರಾಗಿ ಸೇರಿಕೊಂಡರು.

37 ಆ ಮನುಷ್ಯರು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದು: ಅವರು ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವ ಕೂಲಿಯಲ್ಲಿ ನಿಮಗೆ ಪಾಲು ಕೊಡುವೆವು ಎಂದು ಅವರು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದರು. ಅದಕ್ಕೆ ಅವರು ಒಪ್ಪಿಕೊಂಡರು.

38 ಬಾಬ ಅಲ್ಲಿಂದ ಹೊರಟು ಅವರ ಜೊತೆಯಲ್ಲಿ ಹೋದನು: ಇಷ್ಮಾಯೇಲ್ಯರು ಅವನನ್ನು ಅವರ ಜೊತೆಯಲ್ಲಿ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋದರು. ಅವರು ಇಷ್ಮಾಯೇಲ್ಯರಾಗಿದ್ದರಿಂದ ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಸುಗಂಧದ್ರವ್ಯ ಮತ್ತು ಮುಲಾಮು ಮತ್ತು ಬೋಳ ಎಂಬ ಸುಗಂಧದ್ರವ್ಯಗಳನ್ನು ಕೊಂಡುಕೊಂಡರು. ಅವರು ಅವುಗಳನ್ನು ಈಜಿಪ್ಟಿಗೆ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಹೋದರು.

39 ಬಾಬ ಹಾಗೂ ಯಜ್ಞಾಯೇಲ ಅವರು: ಅಬ್ಬಾಯಿಲ ಅವರ ಮಗ, ಬಾಬ ಅಲ್ಲಿಂದ ಹೊರಟು ಅವರು ಮೂವರು ಮನುಷ್ಯರಿಗೆ ಕೂಲಿಯವರಾಗಿ ಸೇರಿಕೊಂಡರು: ಯಾಕೆಂದರೆ ಅವರು ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವ ಕೂಲಿಯಲ್ಲಿ ನಿಮಗೆ ಪಾಲು ಕೊಡುವೆವು ಎಂದು ಅವರು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದರು. ಅದಕ್ಕೆ ಅವರು ಒಪ್ಪಿಕೊಂಡರು. ಅವರು ಅವರ ಜೊತೆಯಲ್ಲಿ ಹೋದರು.

40 ಬಾಬ ಅಲ್ಲಿಂದ ಹೊರಟು ಅವರ ಜೊತೆಯಲ್ಲಿ ಹೋದನು ಇಷ್ಮಾಯೇಲ್ಯರು ಅವನನ್ನು ಅವರ ಜೊತೆಯಲ್ಲಿ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋದರು. ಅವರು ಇಷ್ಮಾಯೇಲ್ಯರಾಗಿದ್ದರಿಂದ ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಸುಗಂಧದ್ರವ್ಯ ಮತ್ತು ಮುಲಾಮು ಮತ್ತು ಬೋಳ ಎಂಬ ಸುಗಂಧದ್ರವ್ಯಗಳನ್ನು ಕೊಂಡುಕೊಂಡರು. ಅವರು ಅವುಗಳನ್ನು ಈಜಿಪ್ಟಿಗೆ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಹೋದರು.

Digitized by Google

41 ಮಿಕ್ಕಿದವರು ಆದಿಯಲ್ಲಿ ಆಕಾಶದಲ್ಲಿ ಹುಟ್ಟಿದ ಗ್ರಹಗಳಲ್ಲಿ ಸೇರಿದರು. ಅವರು ಆಕಾಶದಲ್ಲಿ ಹುಟ್ಟಿದ ಗ್ರಹಗಳಲ್ಲಿ ಸೇರಿದರು.

42 ಅಲ್ಲಿ ಅವರು ಬಹಳ ಕಾಲ ಆಕಾಶದಲ್ಲಿ ಹುಟ್ಟಿದ ಗ್ರಹಗಳಲ್ಲಿ ಸೇರಿದರು. ಅವರು ಆಕಾಶದಲ್ಲಿ ಹುಟ್ಟಿದ ಗ್ರಹಗಳಲ್ಲಿ ಸೇರಿದರು. ಅವರು ಆಕಾಶದಲ್ಲಿ ಹುಟ್ಟಿದ ಗ್ರಹಗಳಲ್ಲಿ ಸೇರಿದರು.

43 ಅವರು ಆಕಾಶದಲ್ಲಿ ಹುಟ್ಟಿದ ಗ್ರಹಗಳಲ್ಲಿ ಸೇರಿದರು. ಅವರು ಆಕಾಶದಲ್ಲಿ ಹುಟ್ಟಿದ ಗ್ರಹಗಳಲ್ಲಿ ಸೇರಿದರು. ಅವರು ಆಕಾಶದಲ್ಲಿ ಹುಟ್ಟಿದ ಗ್ರಹಗಳಲ್ಲಿ ಸೇರಿದರು.

44 ಅವರು ಆಕಾಶದಲ್ಲಿ ಹುಟ್ಟಿದ ಗ್ರಹಗಳಲ್ಲಿ ಸೇರಿದರು. ಅವರು ಆಕಾಶದಲ್ಲಿ ಹುಟ್ಟಿದ ಗ್ರಹಗಳಲ್ಲಿ ಸೇರಿದರು.

45 ಅವರು ಆಕಾಶದಲ್ಲಿ ಹುಟ್ಟಿದ ಗ್ರಹಗಳಲ್ಲಿ ಸೇರಿದರು. ಅವರು ಆಕಾಶದಲ್ಲಿ ಹುಟ್ಟಿದ ಗ್ರಹಗಳಲ್ಲಿ ಸೇರಿದರು. ಅವರು ಆಕಾಶದಲ್ಲಿ ಹುಟ್ಟಿದ ಗ್ರಹಗಳಲ್ಲಿ ಸೇರಿದರು.

46 ಅಲ್ಲಿ ಅವರು ಬಹಳ ಕಾಲ ಆಕಾಶದಲ್ಲಿ ಹುಟ್ಟಿದ ಗ್ರಹಗಳಲ್ಲಿ ಸೇರಿದರು. ಅವರು ಆಕಾಶದಲ್ಲಿ ಹುಟ್ಟಿದ ಗ್ರಹಗಳಲ್ಲಿ ಸೇರಿದರು. ಅವರು ಆಕಾಶದಲ್ಲಿ ಹುಟ್ಟಿದ ಗ್ರಹಗಳಲ್ಲಿ ಸೇರಿದರು.

47 ಅವರು ಆಕಾಶದಲ್ಲಿ ಹುಟ್ಟಿದ ಗ್ರಹಗಳಲ್ಲಿ ಸೇರಿದರು. ಅವರು ಆಕಾಶದಲ್ಲಿ ಹುಟ್ಟಿದ ಗ್ರಹಗಳಲ್ಲಿ ಸೇರಿದರು.

Digitized by Google

ומאחר שהוא מתנהג בדרכים טובים ומעשיו ישרים, הוא מקבל שכר על כך בעולם הזה ומניחים לו את נכסיו ואת ממונו, ואינם מזיקים לו בגופו ולא בממונו, ולא מגיע אליו כל רע, אלא שלום ושקט יהיו לו בכל ימי חייו, ולא יהיה לו שום צער בעולם הזה, ולא יבוא לידי חולי ולא לידי מיתה, אלא יחיה ימים רבים ושנים הרבה, ויהיה לו שכר טוב בעולם הזה, ובעולם הבא יהיה לו חלק לעולם הבא.

48 ומפני זה אמרו חכמים: כל המקיים מצוה אחת בעולם הזה, מאריכים לו ימים בעולם הבא, ומפני זה אמרו חכמים: כל המקיים מצוה אחת בעולם הזה, מאריכים לו ימים בעולם הבא, ומפני זה אמרו חכמים: כל המקיים מצוה אחת בעולם הזה, מאריכים לו ימים בעולם הבא.

49 ואם אחד מהם עבר עבירה אחת, ולא עשה תשובה עליה בעולם הזה, ומת בלא תשובה, הרי הוא נענש בעולם הבא, ומפני זה אמרו חכמים: כל העובר עבירה אחת בעולם הזה, נענש בעולם הבא.

50 ומפני זה אמרו חכמים: כל העובר עבירה אחת בעולם הזה, נענש בעולם הבא, ומפני זה אמרו חכמים: כל העובר עבירה אחת בעולם הזה, נענש בעולם הבא.

51 ואם אחד מהם עבר עבירה אחת, ועשה תשובה עליה בעולם הזה, ומת בתשובה, הרי הוא נמחל לו, ומפני זה אמרו חכמים: כל העובר עבירה אחת בעולם הזה, ועשה תשובה עליה בעולם הזה, נמחל לו בעולם הבא, ומפני זה אמרו חכמים: כל העובר עבירה אחת בעולם הזה, ועשה תשובה עליה בעולם הזה, נמחל לו בעולם הבא.

52 ואם אחד מהם עבר עבירה אחת, ועשה תשובה עליה בעולם הזה, ומת בתשובה, הרי הוא נמחל לו, ומפני זה אמרו חכמים: כל העובר עבירה אחת בעולם הזה, ועשה תשובה עליה בעולם הזה, נמחל לו בעולם הבא, ומפני זה אמרו חכמים: כל העובר עבירה אחת בעולם הזה, ועשה תשובה עליה בעולם הזה, נמחל לו בעולם הבא.

פרק ו

1 ומפני זה אמרו חכמים: כל העובר עבירה אחת בעולם הזה, ועשה תשובה עליה בעולם הזה, ומת בתשובה, הרי הוא נמחל לו, ומפני זה אמרו חכמים: כל העובר עבירה אחת בעולם הזה, ועשה תשובה עליה בעולם הזה, נמחל לו בעולם הבא.

Digitized by Google

2 ಯಾವನಾದರೂ ಅಪರಾಧಮಾಡಿ ಅದನ್ನು ಅರಿಕೆಮಾಡಿಕೊಂಡು ಪಶ್ಚಾತ್ತಾಪಪಟ್ಟು ಅಪರಾಧಕ್ಕೆ ತಕ್ಕ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವನ್ನು ಮಾಡಿಕೊಂಡರೆ ಅವನಿಗೆ ಪಾಪವು ಪರಿಹಾರವಾಗುವದು. ಆದರೆ ಅಪರಾಧಮಾಡಿ ಅದನ್ನು ಅರಿಕೆಮಾಡಿಕೊಳ್ಳದೆ ಪಶ್ಚಾತ್ತಾಪಪಡದೆ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವನ್ನು ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳದೆ ಇರುವವನಿಗೆ ಪಾಪವು ಪರಿಹಾರವಾಗುವದಿಲ್ಲ.

3 ಯಾವ ಯಾವ ಅಪರಾಧಕ್ಕೆ ಯಾವ ಯಾವ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವನ್ನು ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕೆಂಬದನ್ನು ಆಚಾರಸಾರ ಎಂಬ ಗ್ರಂಥದಲ್ಲಿ ಬರೆದಿರುವೆನು. ಅದನ್ನು ಓದಿ ತಿಳಿದುಕೊಂಡು ಅದರಂತೆ ನಡೆದುಕೊಳ್ಳಿರಿ.

4 ಅಪರಾಧಮಾಡಿದವನು ಪಶ್ಚಾತ್ತಾಪಪಟ್ಟು ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವನ್ನು ಮಾಡಿಕೊಂಡರೆ ಅವನಿಗೆ ಪಾಪವು ಪರಿಹಾರವಾಗುವದು. ಅಪರಾಧಮಾಡಿದವನು ಪಶ್ಚಾತ್ತಾಪಪಡದೆ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವನ್ನು ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳದೆ ಇರುವವನಿಗೆ ಪಾಪವು ಪರಿಹಾರವಾಗುವದಿಲ್ಲ.

5 ಯಾವ ಯಾವ ಅಪರಾಧಕ್ಕೆ ಯಾವ ಯಾವ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವನ್ನು ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕೆಂಬದನ್ನು ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತಸಾರ ಎಂಬ ಗ್ರಂಥದಲ್ಲಿ ಬರೆದಿರುವೆನು. ಅದನ್ನು ಓದಿ ತಿಳಿದುಕೊಂಡು ಅದರಂತೆ ನಡೆದುಕೊಳ್ಳಿರಿ.

6 ಯಾವ ಯಾವ ಪಾಪಕ್ಕೆ ಯಾವ ಯಾವ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವನ್ನು ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕೆಂಬದನ್ನು ಆಚಾರಸಾರ ಎಂಬ ಗ್ರಂಥದಲ್ಲಿ ಬರೆದಿರುವೆನು. ಅದನ್ನು ಓದಿ ತಿಳಿದುಕೊಂಡು ಅದರಂತೆ ನಡೆದುಕೊಳ್ಳಿರಿ.

7 ಯಾವ ಯಾವ ಪಾಪಕ್ಕೆ ಯಾವ ಯಾವ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವನ್ನು ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕೆಂಬದನ್ನು ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತಸಾರ ಎಂಬ ಗ್ರಂಥದಲ್ಲಿ ಬರೆದಿರುವೆನು. ಅದನ್ನು ಓದಿ ತಿಳಿದುಕೊಂಡು ಅದರಂತೆ ನಡೆದುಕೊಳ್ಳಿರಿ.

8 ಅಪರಾಧಮಾಡಿದವನು [illegible]

Digitized by Google

ಕಾಯಿದೆಗಳ ಪುಸ್ತಕ ೨೧:೨೫ ಆದರೆ ಅನ್ಯಜನರಲ್ಲಿ ನಂಬಿಕೆಯುಳ್ಳವರಾದ ನಾವು ವಿಗ್ರಹಗಳಿಗೆ ಅರ್ಪಿಸಿದ ಆಹಾರವನ್ನು ತಿನ್ನಬಾರದೆಂತಲೂ ರಕ್ತವನ್ನು ತಿನ್ನಬಾರದೆಂತಲೂ ಕತ್ತು ಹಿಸುಕಿದ ಪ್ರಾಣಿಗಳ ಮಾಂಸವನ್ನು ತಿನ್ನಬಾರದೆಂತಲೂ ಜಾರತ್ವವನ್ನು ಮಾಡಬಾರದೆಂತಲೂ ಅವರಿಗೆ ಬರೆದು ತಿಳಿಸಿದ್ದೇವೆ ಎಂದು ಹೇಳಿದರು.

26 ಆಗ ಪೌಲನು ಆ ಮನುಷ್ಯರನ್ನು ಕರೆದುಕೊಂಡು ಮರುದಿನ ಅವರೊಂದಿಗೆ ಶುದ್ಧಾಚಾರ ಹೊಂದಿ ದೇವಾಲಯಕ್ಕೆ ಹೋಗಿ ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬನಿಗೋಸ್ಕರ ಅರ್ಪಣೆಯನ್ನು ಅರ್ಪಿಸುವ ದಿವಸಗಳು ಪೂರೈಸುವ ತನಕ ಶುದ್ಧಾಚಾರದ ದಿವಸಗಳ ಸಂಪೂರ್ಣತೆಯನ್ನು ತಿಳಿಸುವವನಾಗಿದ್ದನು.

27 ಆ ಏಳು ದಿವಸಗಳು ಮುಗಿಯುವ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಆಸ್ಯದ ಯೆಹೂದ್ಯರು ಆತನನ್ನು ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿ ಕಂಡು ಜನರೆಲ್ಲರನ್ನು ಗಲಿಬಿಲಿಗೊಳಿಸಿ ಆತನ ಮೇಲೆ ಕೈಹಾಕಿ

28 "ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರೇ, ಸಹಾಯಕ್ಕೆ ಬನ್ನಿರಿ; ಜನರಿಗೂ ಧರ್ಮಶಾಸ್ತ್ರಕ್ಕೂ ಈ ಸ್ಥಳಕ್ಕೂ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಎಲ್ಲಾ ಕಡೆಯಲ್ಲಿ ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಉಪದೇಶಿಸುವ ಮನುಷ್ಯನು ಇವನೇ; ಇದಲ್ಲದೆ ಗ್ರೀಕರನ್ನು ದೇವಾಲಯದೊಳಗೆ ಕರೆತಂದು ಈ ಪವಿತ್ರ ಸ್ಥಳವನ್ನು ಅಪವಿತ್ರಮಾಡಿದ್ದಾನೆ" ಎಂದು ಕೂಗಿಕೊಂಡರು.

29 ಇದಕ್ಕೆ ಮುಂಚೆ ಅವರು ಎಫೆಸದವನಾದ ತ್ರೊಫಿಮನನ್ನು ಆತನೊಂದಿಗೆ ಪಟ್ಟಣದಲ್ಲಿ ನೋಡಿದ್ದರು; ಪೌಲನು ಅವನನ್ನು ದೇವಾಲಯದೊಳಗೆ ಕರೆತಂದಿದ್ದಾನೆಂದು ಅವರು ಭಾವಿಸಿದ್ದರು.

30 ಆಗ ಪಟ್ಟಣವೆಲ್ಲಾ ಕ್ಷೋಭೆಗೊಂಡು ಜನರು ಓಡಿಬಂದು ಪೌಲನನ್ನು ಹಿಡಿದು ದೇವಾಲಯದಿಂದ ಹೊರಗೆ ಎಳೆದರು; ಕೂಡಲೆ ಬಾಗಿಲುಗಳು ಮುಚ್ಚಲ್ಪಟ್ಟವು.

31 ಅವರು ಆತನನ್ನು ಕೊಲ್ಲಲು ಪ್ರಯತ್ನಿಸುತ್ತಿರುವಾಗ ಯೆರೂಸಲೇಮೆಲ್ಲಾ ಗಲಿಬಿಲಿಗೊಂಡಿದೆಯೆಂಬ ಸುದ್ದಿಯು ಸೈನ್ಯಾಧಿಪತಿಗೆ ತಲುಪಿತು.

32 ಆಗ ಅವನು ಕೂಡಲೆ ಸೈನಿಕರನ್ನೂ ಶತಾಧಿಪತಿಗಳನ್ನೂ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಅವರ ಬಳಿಗೆ ಓಡಿಬಂದನು. ಅವರು ಸೈನ್ಯಾಧಿಪತಿಯನ್ನೂ ಸೈನಿಕರನ್ನೂ ನೋಡಿ ಪೌಲನನ್ನು ಹೊಡೆಯುವುದನ್ನು ನಿಲ್ಲಿಸಿದರು.

33 ಆಗ ಸೈನ್ಯಾಧಿಪತಿಯು ಸಮೀಪಕ್ಕೆ ಬಂದು ಆತನನ್ನು ಹಿಡಿದು ಎರಡು ಸರಪಣಿಗಳಿಂದ ಬಂಧಿಸಬೇಕೆಂದು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದನು. ಆತನು ಯಾರು? ಏನು ಮಾಡಿದ್ದಾನೆ? ಎಂದು ವಿಚಾರಿಸಿದನು.

Digitized by Google

14 ماسمه سمه سمه سمه سمه سمه سمه سمه سمه سمه س

20 ଯିହିଷ୍କୀୟ ଆମୋଷର ପୁତ୍ର ଯିଶାୟୀୟ ଓ ଯିହୂଦାର ରାଜା ଉଷୀୟଙ୍କ ଓ ଯିରୂଶାଲମ ନିବାସୀମାନଙ୍କ ସମସ୍ତ ପରାକ୍ରମର କର୍ମ ଓ ଆପଣା ବିଷୟରେ ଲିଖିଲେ, ଦେଖ, ତାହା ଯିଶାୟୀୟ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବକ୍ତାର ଦର୍ଶନ ପୁସ୍ତକରେ ଓ ଯିହୂଦା ଓ ଇସ୍ରାଏଲର ରାଜାମାନଙ୍କ ପୁସ୍ତକରେ ଲିଖିତ ଅଛି।

21 ଯିହିଷ୍କୀୟ ଯେଉଁ ଦିନ ମରିଲେ, ସେ ଦିନ ଲୋକେ ତାହାଙ୍କୁ ଦାଉଦ ନଗରରେ ତାହାଙ୍କ ପୂର୍ବପୁରୁଷମାନଙ୍କ ସହିତ କବର ଦେଲେ; ଆଉ ତାହାଙ୍କ ପୁତ୍ର ମନଃଶି ତାହାଙ୍କ ପରିବର୍ତ୍ତେ ରାଜତ୍ୱ କଲେ।

22 ଆମୋତ୍ସର ପୁତ୍ର ଯିଶାୟୀୟ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବକ୍ତା ଏହି ସମସ୍ତ କଥା ଲିଖିଲେ।

23 ଅନନ୍ତର ଯିହୋୟାଖସ୍ ଆପଣା ପିତୃପୁରୁଷମାନଙ୍କ ସହିତ ନିଦ୍ରା ଗଲେ, ଆଉ ଲୋକେ ତାହାଙ୍କୁ ଦାଉଦ ନଗରରେ ତାହାଙ୍କ ପୂର୍ବପୁରୁଷମାନଙ୍କ ସହିତ କବର ଦେଲେ; ଆଉ ତାହାଙ୍କ ପୁତ୍ର ଯିରବିୟାମ ତାହାଙ୍କ ପରିବର୍ତ୍ତେ ରାଜତ୍ୱ କଲେ।

24 ଏଲୀୟାଖୀମ ଆପଣା ପିତୃପୁରୁଷମାନଙ୍କ ସହିତ ନିଦ୍ରା ଗଲେ, ଆଉ ଲୋକେ ତାହାଙ୍କୁ ଯିହୂଦାର ରାଜା ଉଷୀୟଙ୍କ ପୂର୍ବପୁରୁଷମାନଙ୍କ ସହିତ କବର ଦେଲେ; ଆଉ ତାହାଙ୍କ ପୁତ୍ର ଯିହୋୟାଖୀନ ତାହାଙ୍କ ପରିବର୍ତ୍ତେ ରାଜତ୍ୱ କଲେ।

25 ସେହି ସମୟରେ ବାବିଲର ରାଜା ନବୂଖଦ୍ନିତ୍ସର ଓ ତାହାଙ୍କ ସମସ୍ତ ସୈନ୍ୟ ଯିରୂଶାଲମ ବିରୁଦ୍ଧରେ ଆସି ନଗର ଅବରୋଧ କଲେ, ଆଉ ଚତୁର୍ଦ୍ଦିଗରେ ଦୁର୍ଗ ନିର୍ମାଣ କଲେ। ଏହି ପ୍ରକାରେ ଯିହୋୟାଖୀନ ରାଜାଙ୍କ ରାଜତ୍ୱର ଏଗାର ବର୍ଷ ହେଲା।

Digitized by Google

26 ...

27 ...

28 ...

29 ...

30 ...

31 ...

Digitized by Google

32 ומה תאמרו אדם היה לו שני בנים ויבא אל הראשון ויאמר בני לך היום עבוד בכרמי ויען ויאמר לא אלך ואחר נחם וילך ויבא אל השני ויאמר כן ויען ויאמר הנני אדוני ולא הלך מי משניהם עשה את רצון אביו ויאמרו האחרון ויאמר להם ישוע אמן אני אומר לכם כי המכסים והזונות יקדמו אתכם לבוא במלכות אלהים

33 שמעו משל אחר היה איש בעל בית אשר נטע כרם ויגדר אותו סביב ויחפר בו גת ויבן מגדל ויתנהו לכורמים וילך לו למרחק ארץ **34** ובעת הקציר שלח את עבדיו אל הכורמים לקחת את פרי כרמו **35** ויקחו הכורמים את עבדיו ויכו את אחד ויהרגו את השני ויסקלו את השלישי **36** וישלח עוד עבדים אחרים רבים מן הראשונים ויעשו להם כן **37** ואחרי כן שלח אליהם את בנו לאמר אולי יכבדו את בני **38** ויראו הכורמים את בן האדון ויאמרו איש אל רעהו זה הוא היורש נבוא ונהרגהו ונקחה את נחלתו **39** ויקחו אותו וישליכו אותו אל מחוץ לכרם ויהרגו אותו **40** ועתה בבוא בעל הכרם מה יעשה לכורמים האלה **41** ויאמרו אליו רעים רעים יאבדם ואת הכרם יתן לכורמים אחרים אשר יתנו לו את פרי הכרם בעתו **42** ויאמר להם ישוע הלא קראתם בכתבי הקדש האבן אשר מאסו הבונים היתה לראש פנה מאת יהוה היתה זאת והיא נפלאת בעיננו

43 לכן אני אומר לכם כי יסור מכם מלכות אלהים ונתנה לגוי עשה פרי מלכותו **44** והנופל על האבן הזאת יחת ועל אשר תפול עליו תדקדק **45** וישמעו הכהנים הגדולים והפרושים משליו ויבינו כי עליהם דבר **46** ויבקשו לתפשו ויראו את העם כי כנביא יחשיבוהו

פרק כב

1 וישא ישוע וידבר אליהם שנית במשלים לאמר **2** דמה מלכות השמים לאדם מלך אשר עשה חתונה לבנו **3** וישלח את עבדיו לקרא את המוזמנים לחתונה ולא רצו לבוא **4** וישלח עוד עבדים אחרים לאמר אמרו למוזמנים הנה ארוחתי הכינותי שורי ומריאי נשחטו וכל הדרוש מוכן בואו לחתונה **5** ולא שמו לב וילכו איש לשדהו ואחר לסחרתו **6** והנשארים תפשו את עבדיו ויכלמו אותם וישחטו **7** וישמע המלך ויחר אפו וישלח את צבאותיו ויאבד את הרוצחים האלה ואת עירם שרף באש **8** ויאמר אל עבדיו החתונה מוכנה אבל המוזמנים לא היו ראויים **9** לכן לכו אל מפתחי הדרכים וכל אשר תמצאו קראו לחתונה **10** ויצאו העבדים אל הדרכים ויקבצו את כל אשר מצאו טובים ורעים וימלא בית החתונה מסבים

Digitized by Google

4 ଏହାର ଅନ୍ତରାଳରେ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଅନେକ ଅଜ୍ଞାତ ଓ ଅଖ୍ୟାତ ଦେବଦେବୀ ଥିଲେ, ଯିଏ ଯେଉଁ ଦିନ ଯେଉଁ ଦେବତାଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ କରିଥିଲେ, ସେ ସେଦିନ ସେହି ଦେବତାଙ୍କୁ ଅଧିକ ଭକ୍ତି କରୁଥିଲେ ଓ ସେହି ଦେବତାଙ୍କ ଉପରେ ଅଧିକ ଭରସା କରୁଥିଲେ ।

5 ଏହାର ଅନ୍ତରାଳରେ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଅନେକ ଅଜ୍ଞାତ ଓ ଅଖ୍ୟାତ ଦେବଦେବୀ ଥିଲେ, ଯିଏ ଯେଉଁ ଦିନ ଯେଉଁ ଦେବତାଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ କରିଥିଲେ, ସେ ସେଦିନ ସେହି ଦେବତାଙ୍କୁ ଅଧିକ ଭକ୍ତି କରୁଥିଲେ ଓ ସେହି ଦେବତାଙ୍କ ଉପରେ ଅଧିକ ଭରସା କରୁଥିଲେ ।

6 ଯିଏ ଯେଉଁ ଦେବତାଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ କରିଥିଲେ, ସେ ସେଦିନ ସେହି ଦେବତାଙ୍କୁ ଅଧିକ ଭକ୍ତି କରୁଥିଲେ ଓ ସେହି ଦେବତାଙ୍କ ଉପରେ ଅଧିକ ଭରସା କରୁଥିଲେ ।

7 ଯେଉଁ ଦେବତାଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ କରିଥିଲେ, ସେ ସେଦିନ ସେହି ଦେବତାଙ୍କୁ ଅଧିକ ଭକ୍ତି କରୁଥିଲେ ଓ ସେହି ଦେବତାଙ୍କ ଉପରେ ଅଧିକ ଭରସା କରୁଥିଲେ ।

8 ଯେଉଁ ଦେବତାଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ କରିଥିଲେ, ସେ ସେଦିନ ସେହି ଦେବତାଙ୍କୁ ଅଧିକ ଭକ୍ତି କରୁଥିଲେ ଓ ସେହି ଦେବତାଙ୍କ ଉପରେ ଅଧିକ ଭରସା କରୁଥିଲେ ।

9 ଏହାର ଅନ୍ତରାଳରେ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଅନେକ ଅଜ୍ଞାତ ଓ ଅଖ୍ୟାତ ଦେବଦେବୀ ଥିଲେ, ଯିଏ ଯେଉଁ ଦିନ ଯେଉଁ ଦେବତାଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ କରିଥିଲେ, ସେ ସେଦିନ ସେହି ଦେବତାଙ୍କୁ ଅଧିକ ଭକ୍ତି କରୁଥିଲେ ଓ ସେହି ଦେବତାଙ୍କ ଉପରେ ଅଧିକ ଭରସା କରୁଥିଲେ ।

Digitized by Google

ଯେ, ଯେଉଁ ଅଧିକାରୀ ଏହା ଦେଖିବେ ସେ ଯେପରି ଏହାକୁ ଶୀଘ୍ର ଦୂର କରିବେ ।

10 ଏହା ସମସ୍ତ ଅଧିକାରୀଙ୍କୁ ଜଣାଇବା ପାଇଁ ଏହି ଆଦେଶ ଦିଆଗଲା ଯେ, ଯେଉଁ ଅଧିକାରୀ ଏହି ଆଦେଶ ଅମାନ୍ୟ କରିବେ, ତାହାଙ୍କ ଘରୁ ଏକ କାଠ ଉପାଡ଼ି ଆଣି ସେହି କାଠରେ ତାହାଙ୍କୁ ଫାଶୀ ଦିଆଯିବ ଓ ତାହାଙ୍କ ଘର ଗୋବର ଗଦା କରାଯିବ ।

11 ଏହି ପ୍ରକାର ଯେ ଯେ ରାଜା ଓ ଲୋକ ଏହି ଆଜ୍ଞା ଲଙ୍ଘନ କରି ଯିହୂଦୀମାନଙ୍କ ପ୍ରତି ଅନ୍ୟାୟାଚରଣ କରିବେ, ସେମାନଙ୍କ ଘର ଗୋବର ଗଦା କରାଯିବ ।

12 ଏହା ମଧ୍ୟ ଆମ୍ଭେ ଦାରୀୟାବସ ଆଜ୍ଞା କରୁଅଛୁ, ଏହା ଯତ୍ନପୂର୍ବକ ପାଳନ କରାଯାଉ । ଏହା ଆମ୍ଭ ରାଜ୍ୟର ସମସ୍ତ ଦେଶାଧିପତି ଓ ଅଧିପତି ଓ ଶାସନକର୍ତ୍ତା ଓ ଅଧିକାରୀଙ୍କୁ ଜଣାଇବା ପାଇଁ ଆମ୍ଭେ ଏହି ଆଜ୍ଞା ଦେଉଅଛୁ, ଯେପରି ସେମାନେ ଯିହୂଦୀମାନଙ୍କ ପ୍ରତି ଏହି ଆଜ୍ଞା ପାଳନ କରିବେ ।

13 ତହୁଁ ନଦୀପାରସ୍ଥ ଅଧିପତି ତତ୍ତ୍ୱନୟ ଓ ଶଥର୍ବୋଜନୟ ଓ ସେମାନଙ୍କ ସହଯୋଗୀ ଅଧିକାରୀମାନେ ଦାରୀୟାବସ ରାଜାଙ୍କ ପ୍ରେରିତ ଆଜ୍ଞାନୁସାରେ ତତ୍ପର ହେଲେ ।

14 ଆଉ ଯିହୂଦୀ ପ୍ରାଚୀନମାନେ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବକ୍ତା ହଗ୍ଗୟ ଓ ଇଦ୍ଦୋର ପୌତ୍ର ସଖରିୟଙ୍କ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବାକ୍ୟ ଦ୍ୱାରା ଉତ୍ସାହ ପାଇ ନିର୍ମାଣ କାର୍ଯ୍ୟ କରିବାକୁ ଲାଗିଲେ । ସେମାନେ ଇସ୍ରାଏଲର ଈଶ୍ୱର ଆଜ୍ଞା ଅନୁସାରେ ଓ କୋରସ, ଦାରୀୟାବସ ଓ ପାରସ୍ୟ ରାଜା ଅର୍ତ୍ତହଶଷ୍ଟଙ୍କ ଆଜ୍ଞା ଅନୁସାରେ ଏହି ମନ୍ଦିର ନିର୍ମାଣ କରି ସମାପ୍ତ କଲେ ।

Digitized by Google

ישראל ויהודה כל הרעה אשר עשו לעשות לאפי לכעסני במעשי ידיהם ותתך חמתי ואפי ובערה בערי יהודה ובחצות ירושלם ותחרבנה עד היום הזה ועתה כה אמר יהוה אלהי צבאות אלהי ישראל למה אתם עשים רעה גדולה זאת על נפשותיכם להכרת לכם איש ואשה עולל ויונק מתוך יהודה לבלתי השאיר לכם שארית במעשי ידיכם להקטיר אלי לאלהים אחרים בארץ מצרים אשר באתם שם לגור למען הכרת אתכם והיתם לקללה ולחרפה בכל גוים הארץ אשר אתם שם לגור הקטירו נשים את נשיהם ובפיהם מלאו ידיהם לאמר נעשה נעשה את נדרינו אשר נדרנו לקטר לקטרת למלכת השמים ולנסך לה נסכים הקים תקימון את נדריכם ועשה תעשון את נדריכם ושמעו כל יהודה הנמצאים בארץ מצרים לכן לא אתי כל איש יהודי בכל ארץ מצרים הנני שקד עליהם לרעה ולא לטובה וכל אנשי יהודה אשר בארץ מצרים תמו בחרב וברעב עד כלתם ומתו מקטן ועד גדול בחרב וברעב ימותו והיו לאלה ולשמה ולחרפה ולקללה ופקדתי על יושבי ארץ מצרים כאשר פקדתי על ירושלם בחרב ברעב ובדבר ולא יהיה פליט ושריד לשארית יהודה הבאים ארץ מצרים לגור שם ושבו ארץ יהודה אשר המה נשאים את נפשם לשוב שם לשבת כי לא ישובו כי אם פלטים כמלטים

ותענה כל האנשים הידעים כי מקטרות נשיהם לאלהים אחרים וכל הנשים הנצבות קהל גדול וכל העם הישבים בארץ מצרים בפתרוס לאמר אל ירמיה הדבר אשר דברת אלינו בשם יהוה לא נשמע אליך כי עשה נעשה את כל הדבר אשר יצא מפינו להקטיר לקטרת למלכת השמים ולנסך לה נסכים כאשר עשינו אנחנו ואבתינו מלכינו ושרינו בערי יהודה ובחצות ירושלם ונשבע לחם שבעים ונהיה טובים ורעה לא ראינו ומן עת חדלנו להקטיר לקטרת למלכת השמים ולנסך לה נסכים חסרנו כל ובחרב וברעב תמנו ותקטר נשים את נשיהם לקטר לקטרת למלכת השמים ולנסך לה נסכים הבלעדי אנשינו עשו לה כונים למצבתה ולנסך לה נסכים

ויאמר ירמיה אל כל העם על הגברים ועל הנשים וכל העם הנתנים אתו דבר לאמר הקטרת אשר הקטרתם בערי יהודה ובחצות ירושלם אתם ואבתיכם מלכיכם ושריכם ועם הארץ הלא את זכרם פקד יהוה ותעל על לבו ולא יכל יהוה עוד מפני רע מעלליכם מפני התועבות אשר עשיתם ותהי הארצכם לחרבה ולשמה ולקללה מאין יושב כיום הזה על כן היתה אתכם הרעה הזאת כיום הזה

ויאמר ירמיה אל כל העם ואל כל הנשים שמעו דבר יהוה כל יהודה אשר בארץ מצרים כה דבר יהוה צבאות אלהי ישראל לאמר אתנה נשים נדרכם ועשה תעשינה את נדרכם ואמנה תאמנה את נדרכם שמעו נא דבר יהוה כל יהודה הישבים בארץ מצרים הנני נשבע בשמי הגדול אמר יהוה אם יהיה עוד שמי נקרא בפי כל איש יהודי בכל ארץ מצרים לאמר חי אדני יהוה הנני שקד עליהם לרעה ולא לטובה וכל אנשי יהודה אשר בארץ מצרים תמו בחרב וברעב עד כלתם ומתי השרידים מן החרב ישבו מארץ מצרים ארץ יהודה מתי מספר וידעו כל שארית יהודה הבאים ארץ מצרים לגור שם דבר מי יקום ממני ומהם

Digitized by Google

20 ... 21 ... 22 ... 23 ... 24 ... 25 ... 26 ...

Digitized by Google

ಮಾಡಿದರು. ಅಲ್ಲಿಂದ ಮುಂದೆ ಅವರು ಹಿಂತಿರುಗಿ ನೋಡಲಿಲ್ಲ. ಅವರ ಸಾಧನೆಯ ಹಾದಿ ಸುಗಮವಾಗಿತ್ತು. ಅವರು ಸಾಧಿಸಿದ ಯಶಸ್ಸಿಗೆ ಅವರ ಪರಿಶ್ರಮವೇ ಕಾರಣವಾಗಿತ್ತು. ಅವರು ಸಾಧಿಸಿದ ಯಶಸ್ಸಿಗೆ ಅವರ ಪರಿಶ್ರಮವೇ ಕಾರಣವಾಗಿತ್ತು. ಅವರು ಸಾಧಿಸಿದ ಯಶಸ್ಸಿಗೆ ಅವರ ಪರಿಶ್ರಮವೇ ಕಾರಣವಾಗಿತ್ತು.

27 ಯಾವುದೇ ಸಾಧನೆಯ ಹಿಂದೆ ಅಪಾರವಾದ ಪರಿಶ್ರಮವಿರುತ್ತದೆ. ಪರಿಶ್ರಮವಿಲ್ಲದೆ ಯಾವುದೇ ಸಾಧನೆಯನ್ನು ಮಾಡಲು ಸಾಧ್ಯವಿಲ್ಲ. ಪರಿಶ್ರಮವಿಲ್ಲದೆ ಯಾವುದೇ ಸಾಧನೆಯನ್ನು ಮಾಡಲು ಸಾಧ್ಯವಿಲ್ಲ.

28 ಯಾವುದೇ ಕೆಲಸವಾಗಲಿ ಅದನ್ನು ಪರಿಶ್ರಮದಿಂದ ಮಾಡಿದಾಗ ಮಾತ್ರ ಅದರಲ್ಲಿ ಯಶಸ್ಸು ಸಾಧ್ಯವಾಗುತ್ತದೆ. ಪರಿಶ್ರಮವಿಲ್ಲದೆ ಯಾವುದೇ ಕೆಲಸವಾಗಲಿ ಅದರಲ್ಲಿ ಯಶಸ್ಸು ಸಾಧ್ಯವಾಗುವುದಿಲ್ಲ. ಪರಿಶ್ರಮವಿಲ್ಲದೆ ಯಾವುದೇ ಕೆಲಸವಾಗಲಿ ಅದರಲ್ಲಿ ಯಶಸ್ಸು ಸಾಧ್ಯವಾಗುವುದಿಲ್ಲ.

29 ಪರಿಶ್ರಮವಿದ್ದಾಗ ಮಾತ್ರ ಸಾಧನೆ ಸಾಧ್ಯವಾಗುತ್ತದೆ. ಪರಿಶ್ರಮವಿಲ್ಲದೆ ಸಾಧನೆ ಸಾಧ್ಯವಾಗುವುದಿಲ್ಲ. ಪರಿಶ್ರಮವಿಲ್ಲದೆ ಸಾಧನೆ ಸಾಧ್ಯವಾಗುವುದಿಲ್ಲ.

30 ಪರಿಶ್ರಮವಿಲ್ಲದೆ ಸಾಧನೆ ಸಾಧ್ಯವಾಗುವುದಿಲ್ಲ. ಪರಿಶ್ರಮವಿಲ್ಲದೆ ಸಾಧನೆ ಸಾಧ್ಯವಾಗುವುದಿಲ್ಲ. ಪರಿಶ್ರಮವಿಲ್ಲದೆ ಸಾಧನೆ ಸಾಧ್ಯವಾಗುವುದಿಲ್ಲ.

31 ಪರಿಶ್ರಮವಿಲ್ಲದೆ ಸಾಧನೆ ಸಾಧ್ಯವಾಗುವುದಿಲ್ಲ. ಪರಿಶ್ರಮವಿಲ್ಲದೆ ಸಾಧನೆ ಸಾಧ್ಯವಾಗುವುದಿಲ್ಲ.

Digitized by Google

32 ...

33 ...

34 ...

35 ...

Digitized by Google

36 ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ಕರ್ತನೇ ನಿನ್ನ ಹಿಂದೆ ಬರುವದಕ್ಕೆ ನಮಗೆ ಅಪ್ಪಣೆಯಾಗಲಿ ಎಂದು ಕೇಳಿಕೊಂಡರು ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ನರಿಗಳಿಗೆ ಗುಹೆಗಳಿವೆ ಆಕಾಶದ ಪಕ್ಷಿಗಳಿಗೆ ಗೂಡುಗಳಿವೆ ಮನುಷ್ಯಕುಮಾರನಿಗೆ ತಲೆಯಿಡುವದಕ್ಕೆ ಸ್ಥಳವಿಲ್ಲ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು ಇನ್ನೊಬ್ಬನು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ಕರ್ತನೇ ನಾನು ಮೊದಲು ಹೋಗಿ ನನ್ನ ತಂದೆಯನ್ನು ಹೂಣಿಡುವದಕ್ಕೆ ನನಗೆ ಅಪ್ಪಣೆಯಾಗಲಿ ಎಂದು ಕೇಳಿಕೊಂಡನು ಅವನು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ನೀನು ನನ್ನ ಹಿಂದೆ ಬಾ ಸತ್ತವರು ತಮ್ಮ ತಮ್ಮ ಸತ್ತವರನ್ನು ಹೂಣಿಡಲಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು

37 ಆಗ ಅವನು ಹಡಗನ್ನು ಹತ್ತಿದಾಗ ಅವನ ಶಿಷ್ಯರು ಅವನ ಹಿಂದೆ ಹೋದರು ಆಗ ಇಗೋ ಸಮುದ್ರದಲ್ಲಿ ಮಹಾ ಬಿರುಗಾಳಿ ಎದ್ದಿತು ಹಡಗು ಅಲೆಗಳಿಂದ ಮುಚ್ಚಲ್ಪಟ್ಟಿತು ಆದರೆ ಅವನು ನಿದ್ರೆಮಾಡುತ್ತಿದ್ದನು ಆಗ ಅವರು ಅವನ ಬಳಿಗೆ ಬಂದು ಅವನನ್ನು ಎಬ್ಬಿಸಿ ಕರ್ತನೇ ನಮ್ಮನ್ನು ರಕ್ಷಿಸು ನಾವು ನಾಶವಾಗುತ್ತೇವೆ ಎಂದು ಹೇಳಿದರು

38 ಅದಕ್ಕೆ ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ಅಲ್ಪವಿಶ್ವಾಸಿಗಳೇ ನೀವು ಯಾಕೆ ಭಯಪಡುತ್ತೀರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿ ಎದ್ದು ಗಾಳಿಯನ್ನೂ ಸಮುದ್ರವನ್ನೂ ಗದರಿಸಿದನು ಆಗ ಮಹಾ ಶಾಂತವಾಯಿತು

39 ಆ ಮನುಷ್ಯರು ಆಶ್ಚರ್ಯಪಟ್ಟು ಈ ಮನುಷ್ಯನು ಎಂಥವನು ಗಾಳಿಯೂ ಸಮುದ್ರವೂ ಇವನಿಗೆ ವಿಧೇಯವಾಗುತ್ತವಲ್ಲಾ ಎಂದು ಹೇಳಿಕೊಂಡರು

40 ಆಗ ಅವನು ಅಕ್ಕರೆಯಿಂದ ಅವರಿಗೆ ಅನುಗ್ರಹಿಸಿ ಅವರ ಕಣ್ಣುಗಳನ್ನು ಮುಟ್ಟಿದನು ತಕ್ಷಣ ಅವರ ಕಣ್ಣುಗಳು ತೆರೆಯಲ್ಪಟ್ಟವು ಯೇಸು ಅವರಿಗೆ ಎಚ್ಚರಿಕೆಯಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ಈ ದರ್ಶನವನ್ನು ಯಾರಿಗೂ ಹೇಳಬೇಡಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು

41 ಯೇಸು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ಈ ಮಾತನ್ನು ಯಾರಿಗೂ ಹೇಳಬೇಡಿರಿ ಆದರೆ ಹೋಗಿ ನಿಮ್ಮನ್ನು ಯಾಜಕನಿಗೆ ತೋರಿಸಿಕೊಂಡು ಮೋಶೆಯು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಅರ್ಪಿಸಿರಿ ಅದು ಅವರಿಗೆ ಸಾಕ್ಷಿಯಾಗಿರಲಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು

Digitized by Google

42 ଏବଂ ସେମାନେ ଯେପରି ଆମ୍ଭର ଆଜ୍ଞା ପାଳନ କରି ଆମ୍ଭର ସମସ୍ତ ଦାସ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବକ୍ତାମାନଙ୍କର ବାକ୍ୟ ଅନୁସାରେ ଆମ୍ଭର ଦତ୍ତ ଏହି ଉତ୍ତମ ଦେଶରେ ବାସ କରନ୍ତି, ଏଥିପାଇଁ ଆମ୍ଭେ ସେମାନଙ୍କୁ ଓ ସେମାନଙ୍କ ପରେ ସେମାନଙ୍କ ସନ୍ତାନଗଣକୁ ଏକ ହୃଦୟ ଓ ଏକ ପଥ ଦେବା।

43 ଯିରୂଶାଲମସ୍ଥ ଯିହୋୟାକୀମଙ୍କ ପୁତ୍ର ଯିହୋୟାଖୀନ୍ ରାଜା ଓ ରାଜମାତା ଏବଂ ଖୋଜାମାନେ, ଯିହୂଦାର ଅଧିପତିମାନେ, ଶିଳ୍ପକାର ଓ କର୍ମକାରମାନେ ଯିରୂଶାଲମରୁ ନିର୍ବାସିତ ହେଲା ପରେ ଏହି ସମସ୍ତ ଘଟଣା ଘଟିଲା।

44 ଏହି ସମୟରେ ଯିରମିୟ ଯିହୂଦାର ସମସ୍ତ ଲୋକଙ୍କ ନିକଟକୁ ଏହି ସମସ୍ତ ବାକ୍ୟ ପ୍ରଚାର କଲେ, ଯେଉଁମାନେ ମିସର ଦେଶରେ ପାତ୍ରୋଷ ପ୍ରଦେଶରେ ବାସ କରୁଥିଲେ, ସେମାନଙ୍କୁ ଏହି ସମସ୍ତ ବାକ୍ୟ ପ୍ରଚାର କଲେ, ଯେଉଁମାନେ ମିସର

ולא יעשה אחד מהם בלא חבירו ואם עשה אחד מהם בלא חבירו לא עשה כלום ולא יצא ידי חובתו ואם עשה אחד מהם בלא חבירו לא עשה כלום ולא יצא ידי חובתו:

4 ואלו הן הדברים שאם עשה אחד מהם בלא חבירו לא עשה כלום ולא יצא ידי חובתו הקטרת הקטורת והדלקת הנרות ואם הקטיר הקטורת בלא הדלקת הנרות או הדליק הנרות בלא הקטרת הקטורת לא עשה כלום ולא יצא ידי חובתו:

5 וכיצד מתמלא מלא חפנים מן הקטורת ונותן אותה בכף ומקטיר ומדליק את הנרות: ומי שהקטיר הקטורת והדליק את הנרות ולא נתן את הקטורת בכף ולא את הנרות בפתילה לא עשה כלום ולא יצא ידי חובתו:

6 ואם נתן את הקטורת בכף ואת הנרות בפתילה ולא הקטיר הקטורת ולא הדליק את הנרות לא עשה כלום ולא יצא ידי חובתו: ומי שהקטיר הקטורת והדליק את הנרות ולא נתן את הקטורת בכף ולא את הנרות בפתילה לא עשה כלום ולא יצא ידי חובתו:

7 ואם נתן את הקטורת בכף ואת הנרות בפתילה ולא הקטיר הקטורת ולא הדליק את הנרות לא עשה כלום ולא יצא ידי חובתו: ומי שהקטיר הקטורת והדליק את הנרות ולא נתן את הקטורת בכף ולא את הנרות בפתילה לא עשה כלום ולא יצא ידי חובתו:

8 ואם נתן את הקטורת בכף ואת הנרות בפתילה ולא הקטיר הקטורת ולא הדליק את הנרות לא עשה כלום ולא יצא ידי חובתו: ומי שהקטיר הקטורת והדליק את הנרות ולא נתן את הקטורת בכף ולא את הנרות בפתילה לא עשה כלום ולא יצא ידי חובתו:

9 ואם נתן את הקטורת בכף ואת הנרות בפתילה ולא הקטיר הקטורת ולא הדליק את הנרות לא עשה כלום ולא יצא ידי חובתו: ומי שהקטיר הקטורת והדליק את הנרות ולא נתן את הקטורת בכף ולא את הנרות בפתילה לא עשה כלום ולא יצא ידי חובתו:

Digitized by Google

10 ಯಿಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರು ಯೆಹೋವನಿಗೆ ಮಾಡಿದ ಹರಕೆಗಳನ್ನು ಸಲ್ಲಿಸಿದ ಮೇಲೆ ಅವರು ಶಿಲೋವಿಗೆ ಹೋಗಿ ಅಲ್ಲಿ ಯೆಹೋವನ ಗುಡಾರದ ಮುಂದೆ ನಿಂತುಕೊಂಡರು. ಆಗ ಎಲ್ಕಾನನು ತನ್ನ ಹೆಂಡತಿಯಾದ ಹನ್ನಳನ್ನು ಕೂಡಿದನು. ಯೆಹೋವನು ಅವಳ ಪ್ರಾರ್ಥನೆಯನ್ನು ಕೇಳಿದನು. ಅವಳು ಗರ್ಭವತಿಯಾಗಿ ಒಂದು ಗಂಡು ಮಗನನ್ನು ಹೆತ್ತಳು. ಅವಳು ಅವನಿಗೆ ಸಮುವೇಲನೆಂದು ಹೆಸರಿಟ್ಟಳು. ಅವಳು ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, "ನಾನು ಯೆಹೋವನಿಂದ ಇವನನ್ನು ಕೇಳಿಕೊಂಡೆನು."

11 ಅನಂತರ ಎಲ್ಕಾನನೂ ಅವನ ಕುಟುಂಬದವರೆಲ್ಲರೂ ಯೆಹೋವನಿಗೆ ವಾರ್ಷಿಕ ಯಜ್ಞವನ್ನು ಅರ್ಪಿಸಲು ಹೋದರು. ಅವನು ತನ್ನ ಹರಕೆಯನ್ನು ಸಲ್ಲಿಸಲು ಹೋದನು. ಆದರೆ ಹನ್ನಳು ಹೋಗಲಿಲ್ಲ. ಅವಳು ತನ್ನ ಗಂಡನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, "ಮಗು ಹಾಲುಬಿಡುವವರೆಗೆ ನಾನು ಹೋಗುವುದಿಲ್ಲ. ಆಗ ನಾನು ಅವನನ್ನು ಯೆಹೋವನ ಸನ್ನಿಧಿಗೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗಿ ಅಲ್ಲಿ ಅವನು ಸದಾಕಾಲ ಇರುವಂತೆ ಮಾಡುವೆನು."

12 ಹೀಗೆ ಎಲ್ಕಾನನು ಮತ್ತು ಅವನ ಕುಟುಂಬದವರೆಲ್ಲರೂ ಶಿಲೋವಿಗೆ ಹೋದರು. ಅಲ್ಲಿ ಅವರು ಯೆಹೋವನಿಗೆ ಯಜ್ಞವನ್ನು ಅರ್ಪಿಸಿದರು. ಎಲ್ಕಾನನು ತನ್ನ ಹರಕೆಯನ್ನು ಸಲ್ಲಿಸಿದನು. ಅವನು ಯಜ್ಞಕ್ಕಾಗಿ ಮೂರು ಹೋರಿಗಳನ್ನು ಮತ್ತು ಒಂದು ಪಡಿ ಹಿಟ್ಟನ್ನು ಮತ್ತು ದ್ರಾಕ್ಷಾರಸದ ಒಂದು ಚರ್ಮದ ಬುದ್ದಲಿಯನ್ನು ತಂದನು.

13 ಆಗ ಎಲ್ಕಾನನು ಹನ್ನಳಿಗೆ ಒಂದು ವಿಶೇಷ ಭಾಗವನ್ನು ಕೊಟ್ಟನು. ಅವಳು ಅವನ ಪ್ರಿಯ ಹೆಂಡತಿಯಾಗಿದ್ದಳು. ಯೆಹೋವನು ಅವಳ ಪ್ರಾರ್ಥನೆಯನ್ನು ಕೇಳಿದ್ದರಿಂದ ಅವಳು ಗರ್ಭವತಿಯಾಗಿದ್ದಳು.

Digitized by Google

14 ماده‌ی چهاردهم ـ مالیات‌های مستقیم عبارت است از مالیات بر املاک و مالیات بر مستغلات و مالیات بر کسب و پیشه و مالیات بر درآمد و مالیات بر ارث و مالیات بر سرمایه و مالیات بر ثروت و مالیات بر عایدات سرمایه و مالیات بر عایدات غیرمنتظره و مالیات بر سرانه و مالیات بر مخارج و مالیات بر وسایل نقلیه و مالیات بر مشاغل آزاد و مالیات بر حق‌الثبت و مالیات بر حق‌الزحمه و مالیات بر حق‌الامتیاز و مالیات بر حق‌الاختراع و مالیات بر حق‌التألیف و مالیات بر حق‌التصنیف و مالیات بر حق‌الترجمه و مالیات بر حق‌الاجاره و مالیات بر حق‌الانتفاع و مالیات بر حق‌الارتفاق و مالیات بر حق‌الاستفاده و مالیات بر حق‌الاستعمال و مالیات بر حق‌الاستهلاک و مالیات بر حق‌الاستیفاء و مالیات بر حق‌الاستیلاء و مالیات بر حق‌الاستیناف و مالیات بر حق‌الاستیناس و مالیات بر حق‌الاستیهاب و مالیات بر حق‌الاستیهال و مالیات بر حق‌الاستیهام و مالیات بر حق‌الاستیهان و مالیات بر حق‌الاستیهاء

ישעיה ,ישעיה ,ישעיה ,

27 ꠇꠤꠟꠣꠇꠤꠟꠣꠇꠤꠟꠣꠇꠤꠟꠣꠇꠤꠟꠣꠇꠤꠟꠣꠇꠤꠟꠣꠇꠤꠟꠣꠇꠤꠟꠣ

34 ... ...

3 ꠇꠤꠞꠤꠇꠤꠞꠤ ꠇꠤꠞꠤꠇꠤꠞꠤ ꠇꠤꠞꠤꠇꠤꠞꠤ ꠇꠤꠞꠤꠇꠤꠞꠤ

6 ... ...

14 ಮತ್ತು ಅಧಿಕ ಸಂಖ್ಯೆಯ ಪುರುಷರು ಸ್ತ್ರೀಯರು ಕರ್ತನಲ್ಲಿ ನಂಬಿಕೆಯುಳ್ಳವರಾಗಿ ಸೇರಿಕೊಂಡರು; 15 ಹೀಗೆ ಅವರು ರೋಗಿಗಳನ್ನು ಬೀದಿಗಳಿಗೆ ತಂದು ಪೇತ್ರನು ಬರುವಾಗ ಕನಿಷ್ಠ ಅವನ ನೆರಳಾದರೂ ಅವರಲ್ಲಿ ಕೆಲವರ ಮೇಲೆ ಬೀಳುವಂತೆ ಮಂಚಗಳ ಮೇಲೆಯೂ ಹಾಸಿಗೆಗಳ ಮೇಲೆಯೂ ಮಲಗಿಸಿದರು. 16 ಯೆರೂಸಲೇಮಿನ ಸುತ್ತಲಿರುವ ಊರುಗಳಿಂದಲೂ ಜನರು ರೋಗಿಗಳನ್ನೂ ಅಶುದ್ಧಾತ್ಮಗಳಿಂದ ಬಾಧೆಪಡುವವರನ್ನೂ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬಂದರು; ಅವರೆಲ್ಲರು ಗುಣಹೊಂದಿದರು.

17 ಆಗ ಮಹಾ ಯಾಜಕನೂ ಅವನ ಸಂಗಡಿಗರೂ, ಅಂದರೆ ಸದ್ದುಕಾಯರ ಪಂಥದವರು, ಮತ್ಸರದಿಂದ ತುಂಬಿಕೊಂಡು 18 ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ಹಿಡಿದು ಸಾರ್ವಜನಿಕ ಸೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿ ಹಾಕಿಸಿದರು. 19 ಆದರೆ ರಾತ್ರಿಯಲ್ಲಿ ಕರ್ತನ ದೂತನು ಸೆರೆಮನೆಯ ಬಾಗಿಲುಗಳನ್ನು ತೆರೆದು ಅವರನ್ನು ಹೊರಗೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬಂದು 20 "ನೀವು ಹೋಗಿ ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿ ನಿಂತುಕೊಂಡು ಈ ಜೀವದ ಮಾತುಗಳನ್ನೆಲ್ಲಾ ಜನರಿಗೆ ತಿಳಿಸಿರಿ" ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

Digitized by Google

20 ಯಾಜಕರು ಅವನ ಮಾತನ್ನು ಕೇಳಿಕೊಳ್ಳಲಿ, ಯಾಜಕರು ಅವನ ಮಾತನ್ನು ಕೇಳಿಕೊಳ್ಳಲಿ, ಅವ

26 ...

27 ...

28 ...

29 ...

30 ...

31 ...

Digitized by Google

37 ... ...

ಯಿಂದಲೂ ಅವರು ಸಂತೋಷಪಟ್ಟವರಾಗಿ ಸನ್ಹೆದ್ರಿಮ್ ಸಭೆಯ ಮುಂದೆ ಹೋಗಿ ನಿಂತರು. ೨೨ ಆಗ ಮಹಾಯಾಜಕನೂ ಅವನ ಸಂಗಡ ಇದ್ದವರೂ ಬಂದು ಸಭೆಯನ್ನೂ ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ಮಕ್ಕಳ ಹಿರಿಯರೆಲ್ಲರನ್ನೂ ಕೂಡಿಸಿ ಸೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿ ಇವರನ್ನು ತರಲು ಆಳುಗಳನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿದರು. ೨೩ ಆಳುಗಳು ಹೋಗಿ ಸೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿ ಅವರನ್ನು ಕಾಣದೆ ಹಿಂತಿರುಗಿ ಬಂದು ಸೆರೆಮನೆಯು ಬಹು ಭದ್ರವಾಗಿ ಬೀಗಹಾಕಿದ್ದು ಕಾವಲುಗಾರರು ಬಾಗಿಲುಗಳ ಮುಂದೆ ನಿಂತಿದ್ದರೂ ನಾವು ಒಳಗೆ ಹೋಗಿ ಯಾರನ್ನೂ ಕಾಣಲಿಲ್ಲವೆಂದು ಹೇಳಿದರು. ೨೪ ಆಗ ದೇವಾಲಯದ ಅಧಿಪತಿಯೂ ಮಹಾಯಾಜಕರೂ ಈ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಇವರ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಏನಾಗುವದೋ ಎಂದು ಅವರ ವಿಷಯವಾಗಿ ಸಂದೇಹಪಟ್ಟರು. ೨೫ ಆಗ ಒಬ್ಬನು ಬಂದು ಇಗೋ, ನೀವು ಸೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿ ಹಾಕಿಸಿದ ಮನುಷ್ಯರು ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿ ನಿಂತು ಜನರಿಗೆ ಉಪದೇಶಮಾಡುತ್ತಾರೆಂದು ತಿಳಿಸಿದನು. ೨೬ ಆಗ ಅಧಿಪತಿಯು ಸೇವಕರೊಂದಿಗೆ ಹೋಗಿ ಅವರನ್ನು ಬಲಾತ್ಕಾರವಿಲ್ಲದೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬಂದನು. ಏಕೆಂದರೆ ಜನರು ತಮ್ಮನ್ನು ಕಲ್ಲೆಸೆದು ಕೊಲ್ಲುವರೆಂದು ಅವರು ಭಯಪಟ್ಟರು. ೨೭ ಅವರು ಅವರನ್ನು ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬಂದು ಸನ್ಹೆದ್ರಿಮ್ ಸಭೆಯ ಮುಂದೆ ನಿಲ್ಲಿಸಿದರು. ಮಹಾಯಾಜಕನು ಅವರನ್ನು ವಿಚಾರಿಸಿ ೨೮ ಈ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಉಪದೇಶಮಾಡಬಾರದೆಂದು ನಾವು ನಿಮಗೆ ಖಂಡಿತವಾಗಿ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ್ದೆವಲ್ಲವೇ? ಆದರೆ ಇಗೋ, ನೀವು ನಿಮ್ಮ ಉಪದೇಶದಿಂದ ಯೆರೂಸಲೇಮನ್ನು ತುಂಬಿಸಿದ್ದೀರಿ; ಈ ಮನುಷ್ಯನ ರಕ್ತವನ್ನು ನಮ್ಮ ಮೇಲೆ ತರಲು ಉದ್ದೇಶಿಸಿದ್ದೀರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. ೨೯ ಆಗ ಪೇತ್ರನೂ ಅಪೊಸ್ತಲರೂ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಮನುಷ್ಯರಿಗಿಂತ ದೇವರಿಗೆ ವಿಧೇಯರಾಗಿರಬೇಕು. ೩೦ ನೀವು ಮರಕ್ಕೆ ತೂಗುಹಾಕಿ ಕೊಂದ ಯೇಸುವನ್ನು ನಮ್ಮ ಪಿತೃಗಳ ದೇವರು ಎಬ್ಬಿಸಿದನು. ೩೧ ಆತನನ್ನು ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರಿಗೆ ಮನಸ್ಸಾಂತರವನ್ನೂ ಪಾಪಕ್ಷಮಾಪಣೆಯನ್ನೂ ಅನುಗ್ರಹಿಸಲು ದೇವರು ತನ್ನ ಬಲಗಡೆಯಲ್ಲಿ ಅಧಿಪತಿಯನ್ನಾಗಿಯೂ ರಕ್ಷಕನನ್ನಾಗಿಯೂ ಉನ್ನತಕ್ಕೆ ಏರಿಸಿದನು. ೩೨ ಈ ಮಾತುಗಳಿಗೆ ನಾವೂ ದೇವರು ತನಗೆ ವಿಧೇಯರಾಗುವವರಿಗೆ ಅನುಗ್ರಹಿಸಿದ ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನೂ ಸಾಕ್ಷಿಗಳಾಗಿದ್ದೇವೆ ಎಂದು ಹೇಳಿದರು. ೩೩ ಅವರು ಇದನ್ನು ಕೇಳಿ ಕೋಪಗೊಂಡು ಅವರನ್ನು ಕೊಲ್ಲಬೇಕೆಂದು ಆಲೋಚಿಸಿದರು. ೩೪ ಆದರೆ ಜನರೆಲ್ಲರಿಂದ ಮಾನ್ಯನಾಗಿದ್ದ ಗಮಲಿಯೇಲನೆಂಬ ಒಬ್ಬ ಫರಿಸಾಯನು ಸನ್ಹೆದ್ರಿಮ್ ಸಭೆಯಲ್ಲಿ ಎದ್ದು ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ಸ್ವಲ್ಪ ಹೊತ್ತು ಹೊರಗೆ ಕಳುಹಿಸಲು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿ ೩೫ ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರೇ, ಈ ಮನುಷ್ಯರ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ನೀವು ಏನು ಮಾಡಬೇಕೆಂಬದನ್ನು ಎಚ್ಚರಿಕೆಯಾಗಿ ಆಲೋಚಿಸಿರಿ. ೩೬ ಏಕೆಂದರೆ ಕೆಲವು ದಿವಸಗಳ ಹಿಂದೆ ಥೆಯೂದನು ಎದ್ದು ತಾನು ಮಹಾತ್ಮನೆಂದು ಹೇಳಿಕೊಂಡನು. ಅವನಿಗೆ ಸುಮಾರು ನಾನೂರು ಜನರು ಸೇರಿಕೊಂಡರು. ಅವನು ಕೊಲೆಯಾದನು. ಅವನನ್ನು ನಂಬಿದವರೆಲ್ಲರೂ ಚದರಿಹೋಗಿ ಏನೂ ಇಲ್ಲದಂತಾದರು. ೩೭ ಅವನ ತರುವಾಯ ಜನಗಣತಿಯ ದಿವಸಗಳಲ್ಲಿ ಗಲಿಲಾಯದವನಾದ ಯೂದನು ಎದ್ದು ಬಹಳ ಜನರನ್ನು ತನ್ನ ಕಡೆಗೆ ಸೆಳೆದುಕೊಂಡನು. ಅವನೂ ನಾಶವಾದನು. ಅವನನ್ನು ನಂಬಿದವರೆಲ್ಲರೂ ಚದರಿಹೋದರು. ೩೮ ಆದದರಿಂದ ಈಗ ನಾನು ನಿಮಗೆ ಹೇಳುವದೇನಂದರೆ, ಈ ಮನುಷ್ಯರ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ನೀವು ಏನೂ ಮಾಡಬೇಡಿರಿ; ಅವರನ್ನು ಬಿಟ್ಟುಬಿಡಿರಿ. ಏಕೆಂದರೆ ಈ ಆಲೋಚನೆಯಾಗಲಿ ಈ ಕೆಲಸವಾಗಲಿ ಮನುಷ್ಯರಿಂದ ಆಗಿದ್ದರೆ ಅದು ತಾನೇ ಹಾಳಾಗುವದು. ೩೯ ಆದರೆ ಅದು ದೇವರಿಂದ ಆಗಿದ್ದರೆ ನೀವು ಅದನ್ನು ಹಾಳುಮಾಡಲಾರಿರಿ. ಒಂದುವೇಳೆ ನೀವು ದೇವರಿಗೆ ವಿರುದ್ಧವಾಗಿ ಹೋರಾಡುವವರಾಗಿ ಕಂಡುಬರುವಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. ೪೦ ಅವರು ಅವನ ಮಾತಿಗೆ ಒಪ್ಪಿಕೊಂಡು ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ಒಳಗೆ ಕರೆಯಿಸಿ ಹೊಡೆಸಿ ಯೇಸುವಿನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಉಪದೇಶಮಾಡಬಾರದೆಂದು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿ ಅವರನ್ನು ಬಿಟ್ಟುಬಿಟ್ಟರು. ೪೧ ಅವರು ಆ ಹೆಸರಿಗೋಸ್ಕರ ಅವಮಾನಹೊಂದುವದಕ್ಕೆ ಯೋಗ್ಯರೆಂದು ಎಣಿಸಲ್ಪಟ್ಟದ್ದಕ್ಕಾಗಿ ಸನ್ಹೆದ್ರಿಮ್ ಸಭೆಯ ಮುಂದಿನಿಂದ ಸಂತೋಷಪಡುತ್ತಾ ಹೊರಟುಹೋದರು. ೪೨ ಮತ್ತು ಅವರು ಪ್ರತಿದಿನವೂ ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿಯೂ ಮನೆಮನೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಉಪದೇಶಮಾಡುವದನ್ನೂ ಯೇಸುವೇ ಕ್ರಿಸ್ತನೆಂದು ಸಾರುವದನ್ನೂ ನಿಲ್ಲಿಸಲಿಲ್ಲ.

೬ ಆ ದಿವಸಗಳಲ್ಲಿ ಶಿಷ್ಯರ ಸಂಖ್ಯೆಯು ಹೆಚ್ಚಾಗುತ್ತಿರುವಾಗ ಗ್ರೀಕ್ ಭಾಷೆಯವರಿಗೂ ಇಬ್ರಿ ಭಾಷೆಯವರಿಗೂ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಗ್ರೀಕ್ ಭಾಷೆಯವರು ಗುಣುಗುಟ್ಟಿದರು. ಏಕೆಂದರೆ ಅವರ ವಿಧವೆಯರು ದಿನನಿತ್ಯದ ಸೇವೆಯಲ್ಲಿ ಕಡೆಗಣಿಸಲ್ಪಟ್ಟರು. ೨ ಆಗ ಹನ್ನೆರಡು ಮಂದಿ ಅಪೊಸ್ತಲರು ಶಿಷ್ಯರ ಸಮೂಹವನ್ನು ಕರೆಯಿಸಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ನಾವು ದೇವರ ವಾಕ್ಯವನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಮೇಜುಗಳ ಸೇವೆಮಾಡುವದು ಯುಕ್ತವಲ್ಲ. ೩ ಆದದರಿಂದ ಸಹೋದರರೇ, ನೀವು ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನಿಂದಲೂ ಜ್ಞಾನದಿಂದಲೂ ತುಂಬಿದವರಾಗಿ ಒಳ್ಳೆಯ ಸಾಕ್ಷಿಯುಳ್ಳ ಏಳು ಮಂದಿಯನ್ನು ನಿಮ್ಮಲ್ಲಿ ಆರಿಸಿಕೊಳ್ಳಿರಿ. ಅವರನ್ನು ಈ ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ನೇಮಿಸೋಣ. ೪ ಆದರೆ ನಾವು ಪ್ರಾರ್ಥನೆಯಲ್ಲಿಯೂ ವಾಕ್ಯದ ಸೇವೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಅನುದಿನವೂ ಪ್ರಯಾಸಪಡುವೆವು ಎಂದು ಹೇಳಿದರು. ೫ ಈ ಮಾತು ಸಮೂಹಕ್ಕೆಲ್ಲಾ ಸಮ್ಮತವಾಗಿ ಕಂಡಿತು. ಅವರು ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನಿಂದಲೂ ವಿಶ್ವಾಸದಿಂದಲೂ ತುಂಬಿದವನಾದ ಸ್ತೆಫನನೆಂಬವನನ್ನೂ ಫಿಲಿಪ್ಪ, ಪ್ರೊಖೋರ, ನಿಕಾನೋರ, ತಿಮೋನ, ಪರ್ಮೆನ, ಅಂತಿಯೋಕ್ಯದವನಾದ ನಿಕೊಲಾಯ ಎಂಬವರನ್ನೂ ಆರಿಸಿಕೊಂಡು ೬ ಅಪೊಸ್ತಲರ ಮುಂದೆ ನಿಲ್ಲಿಸಿದರು. ಅವರು ಪ್ರಾರ್ಥನೆಮಾಡಿ ಅವರ ಮೇಲೆ ಕೈಗಳನ್ನಿಟ್ಟರು. ೭ ಆಗ ದೇವರ ವಾಕ್ಯವು ಹಬ್ಬಿತು. ಯೆರೂಸಲೇಮಿನಲ್ಲಿ ಶಿಷ್ಯರ ಸಂಖ್ಯೆಯು ಬಹಳವಾಗಿ ಹೆಚ್ಚಿತು. ಯಾಜಕರಲ್ಲಿ ಬಹು ಜನರು ವಿಶ್ವಾಸಕ್ಕೆ ವಿಧೇಯರಾದರು. ೮ ಸ್ತೆಫನನು ಕೃಪೆಯಿಂದಲೂ ಶಕ್ತಿಯಿಂದಲೂ ತುಂಬಿದವನಾಗಿ ಜನರಲ್ಲಿ ಮಹತ್ಕಾರ್ಯಗಳನ್ನೂ ಅದ್ಭುತಗಳನ್ನೂ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದನು. ೯ ಆಗ ಲಿಬರ್ತೀನರ ಸಭೆಯವರೆಂದು ಕರೆಯಲ್ಪಡುವ ಕೆಲವರೂ ಕುರೇನ್ಯರೂ ಅಲೆಕ್ಸಾಂದ್ರಿಯದವರೂ ಕಿಲಿಕ್ಯ ಆಸ್ಯ ಪ್ರಾಂತ್ಯಗಳವರೂ ಎದ್ದು ಸ್ತೆಫನನೊಂದಿಗೆ ವಾದಿಸಿದರು. ೧೦ ಆದರೆ ಅವನು ಜ್ಞಾನದಿಂದಲೂ ಆತ್ಮದಿಂದಲೂ ಮಾತನಾಡುತ್ತಿದ್ದದರಿಂದ ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಎದುರಾಡಲಾರದೆ ಹೋದರು. ೧೧ ಆಗ ಅವರು ಅವನು ಮೋಶೆಗೂ ದೇವರಿಗೂ ವಿರೋಧವಾಗಿ ದೂಷಣೆಯ ಮಾತುಗಳನ್ನಾಡಿದ್ದನ್ನು ನಾವು ಕೇಳಿದೆವೆಂದು ಜನರಿಗೂ ಹಿರಿಯರಿಗೂ ಶಾಸ್ತ್ರಿಗಳಿಗೂ ಹೇಳಿ ಅವನ ಮೇಲೆ ಬಿದ್ದು ಅವನನ್ನು ಹಿಡಿದು ಸನ್ಹೆದ್ರಿಮ್ ಸಭೆಗೆ ತಂದು ೧೨ ಸುಳ್ಳುಸಾಕ್ಷಿಗಳನ್ನು ನಿಲ್ಲಿಸಿ ಈ ಮನುಷ್ಯನು ಈ ಪವಿತ್ರಸ್ಥಳಕ್ಕೂ ಧರ್ಮಶಾಸ್ತ್ರಕ್ಕೂ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಮಾತನಾಡುವದನ್ನು ನಿಲ್ಲಿಸುವದಿಲ್ಲ. ೧೩ ಏಕೆಂದರೆ ಈ ನಜರೇತಿನವನಾದ ಯೇಸು ಈ ಸ್ಥಳವನ್ನು ಹಾಳುಮಾಡಿ ಮೋಶೆಯು ನಮಗೆ ಒಪ್ಪಿಸಿದ ಆಚಾರಗಳನ್ನು ಬದಲಾಯಿಸುವನೆಂದು ಇವನು ಹೇಳುವದನ್ನು ನಾವು ಕೇಳಿದೆವು ಎಂದು ಹೇಳಿದರು. ೧೪ ಆಗ ಸನ್ಹೆದ್ರಿಮ್ ಸಭೆಯಲ್ಲಿ ಕುಳಿತಿದ್ದವರೆಲ್ಲರೂ ಅವನನ್ನು ಸ್ಥಿರವಾಗಿ ನೋಡಿ ಅವನ ಮುಖವು ದೇವದೂತನ ಮುಖದಂತೆ ಇರುವದನ್ನು ಕಂಡರು.

೭ ಆಗ ಮಹಾಯಾಜಕನು ಇವುಗಳು ಹೀಗಿವೆಯೋ ಎಂದು ಕೇಳಲು ೨ ಅವನು ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಸಹೋದರರೇ, ತಂದೆಗಳೇ, ಕೇಳಿರಿ. ನಮ್ಮ ತಂದೆಯಾದ ಅಬ್ರಹಾಮನು ಹಾರಾನಿನಲ್ಲಿ ವಾಸಮಾಡುವದಕ್ಕೆ ಮುಂಚೆ ಮೆಸೊಪೊತಾಮ್ಯದಲ್ಲಿರುವಾಗ ಮಹಿಮೆಯ ದೇವರು ಅವನಿಗೆ ಕಾಣಿಸಿಕೊಂಡು ೩ ನಿನ್ನ ದೇಶವನ್ನೂ ನಿನ್ನ ಬಂಧುಗಳನ್ನೂ ಬಿಟ್ಟು ನಾನು ನಿನಗೆ ತೋರಿಸುವ ದೇಶಕ್ಕೆ ಹೋಗು ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. ೪ ಆಗ ಅವನು ಕಸ್ದೀಯರ ದೇಶವನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಹಾರಾನಿನಲ್ಲಿ ವಾಸಮಾಡಿದನು. ಅವನ ತಂದೆಯು ಸತ್ತ ಮೇಲೆ ದೇವರು ಅವನನ್ನು ಅಲ್ಲಿಂದ ನೀವು ಈಗ ವಾಸಿಸುತ್ತಿರುವ ಈ ದೇಶಕ್ಕೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬಂದನು. ೫ ಆದರೆ ಆತನು ಇಲ್ಲಿ ಅವನಿಗೆ ಒಂದು ಅಡಿಯಷ್ಟಾದರೂ ಸ್ವಾಸ್ತ್ಯವನ್ನು ಕೊಡಲಿಲ್ಲ. ಆದರೂ ಅವನಿಗೆ ಮಕ್ಕಳಿಲ್ಲದಿರುವಾಗಲೇ ಅವನಿಗೂ ಅವನ ತರುವಾಯ ಅವನ ಸಂತತಿಯವರಿಗೂ ಅದನ್ನು ಸ್ವಾಧೀನಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳುವದಕ್ಕೆ ವಾಗ್ದಾನಮಾಡಿದನು. ೬ ಆತನು ಅವನಿಗೆ ಹೀಗೆ ಹೇಳಿದನು. ನಿನ್ನ ಸಂತತಿಯವರು ಅನ್ಯದೇಶದಲ್ಲಿ ಪರದೇಶಿಗಳಾಗಿರುವರು. ಅಲ್ಲಿ ಅವರು ನಾನೂರು ವರ್ಷ ಅವರನ್ನು ದಾಸರನ್ನಾಗಿ ಮಾಡಿಕೊಂಡು ಅವರಿಗೆ ಕೇಡುಮಾಡುವರು. ೭ ಆದರೆ ಅವರು ದಾಸರಾಗಿರುವ ಜನಾಂಗವನ್ನು ನಾನು ನ್ಯಾಯತೀರಿಸುವೆನು. ತರುವಾಯ ಅವರು ಹೊರಟುಬಂದು ಈ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ನನ್ನನ್ನು ಆರಾಧಿಸುವರು ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. ೮ ಆತನು ಅವನಿಗೆ ಸುನ್ನತಿಯ ಒಡಂಬಡಿಕೆಯನ್ನು ಕೊಟ್ಟನು. ಅವನು ಇಸಾಕನನ್ನು ಪಡೆದು ಎಂಟನೆಯ ದಿವಸದಲ್ಲಿ ಅವನಿಗೆ ಸುನ್ನತಿಮಾಡಿಸಿದನು. ಇಸಾಕನು ಯಾಕೋಬನನ್ನೂ ಯಾಕೋಬನು ಹನ್ನೆರಡು ಮಂದಿ ಪಿತೃಗಳನ್ನೂ ಪಡೆದರು. ೯ ಆ ಪಿತೃಗಳು ಯೋಸೇಫನಿಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಮತ್ಸರಪಟ್ಟು ಅವನನ್ನು ಈಜಿಪ್ಟಿಗೆ ಮಾರಿಬಿಟ್ಟರು. ಆದರೆ ದೇವರು ಅವನೊಂದಿಗಿದ್ದು ೧೦ ಅವನ ಎಲ್ಲಾ ಕಷ್ಟಗಳಿಂದ ಅವನನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಿ ಈಜಿಪ್ಟಿನ ಅರಸನಾದ ಫರೋಹನ ಮುಂದೆ ಅವನಿಗೆ ದಯೆಯೂ ಜ್ಞಾನವೂ ಕೊಟ್ಟನು. ಫರೋಹನು ಅವನನ್ನು ಈಜಿಪ್ಟಿಗೂ ತನ್ನ ಮನೆಯೆಲ್ಲಕ್ಕೂ ಅಧಿಪತಿಯನ್ನಾಗಿ ನೇಮಿಸಿದನು. ೧೧ ಆಗ ಈಜಿಪ್ಟ್ ದೇಶದಲ್ಲಿಯೂ ಕಾನಾನ್ ದೇಶದಲ್ಲಿಯೂ ಕ್ಷಾಮವೂ ಮಹಾ ಸಂಕಟವೂ ಉಂಟಾಯಿತು. ನಮ್ಮ ಪಿತೃಗಳಿಗೆ ಆಹಾರವು ಸಿಕ್ಕದೆ ಹೋಯಿತು. ೧೨ ಆದರೆ ಈಜಿಪ್ಟಿನಲ್ಲಿ ಧಾನ್ಯವಿದೆಯೆಂದು ಯಾಕೋಬನು ಕೇಳಿ ನಮ್ಮ ಪಿತೃಗಳನ್ನು ಮೊದಲನೆಯ ಸಾರಿ ಅಲ್ಲಿಗೆ ಕಳುಹಿಸಿದನು. ೧೩ ಎರಡನೆಯ ಸಾರಿ ಯೋಸೇಫನು ತನ್ನ ಸಹೋದರರಿಗೆ ತನ್ನನ್ನು ತಿಳಿಸಿಕೊಂಡನು. ಯೋಸೇಫನ ಸಂಬಂಧವು ಫರೋಹನಿಗೆ ತಿಳಿಯಿತು. ೧೪ ಆಗ ಯೋಸೇಫನು ಕಳುಹಿಸಿ ತನ್ನ ತಂದೆಯಾದ ಯಾಕೋಬನನ್ನೂ ತನ್ನ ಬಂಧುಗಳೆಲ್ಲರನ್ನೂ ಎಪ್ಪತ್ತೈದು ಮಂದಿ ಆತ್ಮಗಳನ್ನು ಕರೆಯಿಸಿಕೊಂಡನು. ೧೫ ಯಾಕೋಬನು ಈಜಿಪ್ಟಿಗೆ ಹೋಗಿ ಅಲ್ಲಿ ಸತ್ತನು. ನಮ್ಮ ಪಿತೃಗಳೂ ಸತ್ತರು. ೧೬ ಅವರನ್ನು ಶೆಕೆಮಿಗೆ ತಂದು ಅಬ್ರಹಾಮನು ಶೆಕೆಮಿನ ತಂದೆಯಾದ ಹಮೋರನ ಮಕ್ಕಳಿಂದ ಹಣಕೊಟ್ಟು ಕೊಂಡುಕೊಂಡ ಸಮಾಧಿಯಲ್ಲಿ ಇಟ್ಟರು. ೧೭ ಆದರೆ ದೇವರು ಅಬ್ರಹಾಮನಿಗೆ ಮಾಡಿದ ವಾಗ್ದಾನದ ಕಾಲವು ಸಮೀಪಿಸಿದಾಗ ಜನರು ಈಜಿಪ್ಟಿನಲ್ಲಿ ಅಭಿವೃದ್ಧಿಯಾಗಿ ಹೆಚ್ಚಿದರು. ೧೮ ಆಗ ಯೋಸೇಫನನ್ನು ಅರಿಯದ ಬೇರೊಬ್ಬ ಅರಸನು ಈಜಿಪ್ಟಿನಲ್ಲಿ ಆಳಲಾರಂಭಿಸಿದನು. ೧೯ ಅವನು ನಮ್ಮ ಜನಾಂಗದವರಿಗೆ ಕುಯುಕ್ತಿಯಿಂದ ವರ್ತಿಸಿ ಅವರ ಶಿಶುಗಳು ಬದುಕದಂತೆ ಅವರನ್ನು ಹೊರಗೆ ಹಾಕಿಸಿಬಿಡುವಂತೆ ನಮ್ಮ ಪಿತೃಗಳನ್ನು ಬಾಧೆಪಡಿಸಿದನು. ೨೦ ಆ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಮೋಶೆಯು ಹುಟ್ಟಿದನು. ಅವನು ದೇವರಿಗೆ ಮೆಚ್ಚಿಕೆಯಾಗಿದ್ದನು. ಅವನು ತಿಂಗಳು ಮೂರು ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಪೋಷಿಸಲ್ಪಟ್ಟನು. ೨೧ ಅವನು ಹೊರಗೆ ಹಾಕಲ್ಪಟ್ಟಾಗ ಫರೋಹನ ಮಗಳು ಅವನನ್ನು ಎತ್ತಿಕೊಂಡು ತನಗೆ ಮಗನಾಗಿ ಪೋಷಿಸಿದಳು. ೨೨ ಮೋಶೆಯು ಈಜಿಪ್ಟಿನವರ ಎಲ್ಲಾ ವಿದ್ಯೆಯಲ್ಲಿ ಶಿಕ್ಷಿತನಾಗಿ ಮಾತಿನಲ್ಲಿಯೂ ಕೆಲಸದಲ್ಲಿಯೂ ಸಮರ್ಥನಾಗಿದ್ದನು. ೨೩ ಅವನಿಗೆ ನಲವತ್ತು ವರ್ಷ ಪ್ರಾಯವಾದಾಗ ಅವನು ತನ್ನ ಸಹೋದರರಾದ ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರನ್ನು ಸಂದರ್ಶಿಸಬೇಕೆಂಬ ಮನಸ್ಸುಳ್ಳವನಾದನು. ೨೪ ಆಗ ಅವನು ಒಬ್ಬನಿಗೆ ಅನ್ಯಾಯವಾಗುತ್ತಿರುವದನ್ನು ಕಂಡು ಅವನಿಗೆ ಸಹಾಯಮಾಡಿ ಐಗುಪ್ತನನ್ನು ಹೊಡೆದು ಕೊಂದುಹಾಕಿ ಅನ್ಯಾಯಕ್ಕೆ ಒಳಗಾದವನಿಗೆ ನ್ಯಾಯತೀರಿಸಿದನು. ೨೫ ಆದರೆ ತನ್ನ ಸಹೋದರರು ದೇವರು ತನ್ನ ಕೈಯಿಂದ ಅವರಿಗೆ ರಕ್ಷಣೆಯನ್ನು ಕೊಡುವನೆಂದು ತಿಳಿದುಕೊಳ್ಳುವರೆಂದು ಅವನು ಎಣಿಸಿದನು. ಆದರೆ ಅವರು ತಿಳಿದುಕೊಳ್ಳಲಿಲ್ಲ. ೨೬ ಮರುದಿವಸ ಅವನು ಅವರಲ್ಲಿ ಇಬ್ಬರು ಜಗಳವಾಡುತ್ತಿರುವದನ್ನು ಕಂಡು ಅವರನ್ನು ಸಮಾಧಾನಪಡಿಸಿ ಸ್ನೇಹಿತರಾಗಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. ೨೭ ಆದರೆ ತನ್ನ ನೆರೆಯವನಿಗೆ ಅನ್ಯಾಯಮಾಡುತ್ತಿದ್ದವನು ಅವನನ್ನು ತಳ್ಳಿಬಿಟ್ಟು ನಮ್ಮ ಮೇಲೆ ನಿನ್ನನ್ನು ಅಧಿಪತಿಯನ್ನಾಗಿಯೂ ನ್ಯಾಯಾಧಿಪತಿಯನ್ನಾಗಿಯೂ ಮಾಡಿದವನು ಯಾರು? ೨೮ ನೀನು ನಿನ್ನೆ ಐಗುಪ್ತನನ್ನು ಕೊಂದಂತೆ ನನ್ನನ್ನೂ ಕೊಲ್ಲಬೇಕೆಂದಿರುವೆಯಾ? ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. ೨೯ ಆಗ ಮೋಶೆಯು ಈ ಮಾತಿಗೆ ಓಡಿಹೋಗಿ ಮಿದ್ಯಾನ್ ದೇಶದಲ್ಲಿ ಪರದೇಶಿಯಾಗಿ ವಾಸಮಾಡಿದನು. ಅಲ್ಲಿ ಅವನಿಗೆ ಇಬ್ಬರು ಮಕ್ಕಳು ಹುಟ್ಟಿದರು. ೩೦ ನಲವತ್ತು ವರ್ಷಗಳು ತುಂಬಿದಾಗ ಸೀನಾಯಿ ಬೆಟ್ಟದ ಅರಣ್ಯದಲ್ಲಿ ಒಂದು ಪೊದೆಯ ಉರಿಯಲ್ಲಿ ಒಬ್ಬ ದೂತನು ಅವನಿಗೆ ಕಾಣಿಸಿಕೊಂಡನು. ೩೧ ಮೋಶೆಯು ಅದನ್ನು ನೋಡಿ ಆಶ್ಚರ್ಯಪಟ್ಟನು. ಅವನು ಅದನ್ನು ಪರಿಶೀಲಿಸಲು ಹತ್ತಿರಕ್ಕೆ ಹೋದಾಗ ಕರ್ತನ ಧ್ವನಿಯು ಕೇಳಿಸಿತು. ೩೨ ನಾನು ನಿನ್ನ ಪಿತೃಗಳ ದೇವರು, ಅಬ್ರಹಾಮ, ಇಸಾಕ, ಯಾಕೋಬರ ದೇವರು ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. ಆಗ ಮೋಶೆಯು ನಡುಗಿ ನೋಡಲು ಧೈರ್ಯಗೊಳ್ಳಲಿಲ್ಲ. ೩೩ ಆಗ ಕರ್ತನು ಅವನಿಗೆ ನಿನ್ನ ಪಾದರಕ್ಷೆಯನ್ನು ಕಾಲಿನಿಂದ ತೆಗೆದುಬಿಡು. ನೀನು ನಿಂತಿರುವ ಸ್ಥಳವು ಪರಿಶುದ್ಧವಾದ ಭೂಮಿಯಾಗಿದೆ. ೩೪ ಐಗುಪ್ತದಲ್ಲಿರುವ ನನ್ನ ಜನರ ಬಾಧೆಯನ್ನು ನಾನು ಖಂಡಿತವಾಗಿ ನೋಡಿದ್ದೇನೆ. ಅವರ ನರಳಾಟವನ್ನು ಕೇಳಿದ್ದೇನೆ. ಅವರನ್ನು ಬಿಡಿಸುವದಕ್ಕೆ ಇಳಿದುಬಂದಿದ್ದೇನೆ. ಈಗ ಬಾ, ನಿನ್ನನ್ನು ಐಗುಪ್ತಕ್ಕೆ ಕಳುಹಿಸುವೆನು ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. ೩೫ ಯಾರು ನಿನ್ನನ್ನು ಅಧಿಪತಿಯನ್ನಾಗಿಯೂ ನ್ಯಾಯಾಧಿಪತಿಯನ್ನಾಗಿಯೂ ಮಾಡಿದವನು ಎಂದು ಅವರು ಅಲ್ಲಗಳೆದ ಈ ಮೋಶೆಯನ್ನೇ ದೇವರು ಪೊದೆಯಲ್ಲಿ ಕಾಣಿಸಿಕೊಂಡ ದೂತನ ಕೈಯಿಂದ ಅಧಿಪತಿಯನ್ನಾಗಿಯೂ ವಿಮೋಚಕನನ್ನಾಗಿಯೂ ಕಳುಹಿಸಿದನು. ೩೬ ಈ ಮನುಷ್ಯನು ಐಗುಪ್ತದಲ್ಲಿಯೂ ಕೆಂಪು ಸಮುದ್ರದಲ್ಲಿಯೂ ನಲವತ್ತು ವರ್ಷ ಅರಣ್ಯದಲ್ಲಿಯೂ ಅದ್ಭುತಗಳನ್ನೂ ಮಹತ್ಕಾರ್ಯಗಳನ್ನೂ ಮಾಡಿ ಅವರನ್ನು ಹೊರಗೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬಂದನು. ೩೭ ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರಿಗೆ ಈ ಮೋಶೆಯೇ ನಿಮ್ಮ ಸಹೋದರರಲ್ಲಿ ನನ್ನಂತೆ ಒಬ್ಬ ಪ್ರವಾದಿಯನ್ನು ನಿಮ್ಮ ದೇವರಾದ ಕರ್ತನು ನಿಮಗೆ ಎಬ್ಬಿಸುವನು ಎಂದು ಹೇಳಿದವನು. ೩೮ ಸೀನಾಯಿ ಬೆಟ್ಟದಲ್ಲಿ ಅವನೊಂದಿಗೆ ಮಾತನಾಡಿದ ದೂತನಿಗೂ ನಮ್ಮ ಪಿತೃಗಳಿಗೂ ಅರಣ್ಯದಲ್ಲಿ ಸಭೆಯಲ್ಲಿದ್ದವನು ಇವನೇ. ಇವನು ನಮಗೆ ಕೊಡುವದಕ್ಕೆ ಜೀವವುಳ್ಳ ವಾಕ್ಯಗಳನ್ನು ಪಡೆದವನು. ೩೯ ಆದರೆ ನಮ್ಮ ಪಿತೃಗಳು ಇವನಿಗೆ ವಿಧೇಯರಾಗಲು ಮನಸ್ಸಿಲ್ಲದವರಾಗಿ ಇವನನ್ನು ತಳ್ಳಿಬಿಟ್ಟು ತಮ್ಮ ಹೃದಯಗಳಲ್ಲಿ ಐಗುಪ್ತಕ್ಕೆ ತಿರುಗಿಕೊಂಡು ೪೦ ಆರೋನನಿಗೆ ನಮಗೆ ಮುಂದೆ ಹೋಗುವ ದೇವರುಗಳನ್ನು ಮಾಡಿಕೊಡು. ಐಗುಪ್ತದೇಶದಿಂದ ನಮ್ಮನ್ನು ಹೊರಗೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬಂದ ಈ ಮೋಶೆಗೆ ಏನಾಯಿತೋ ನಾವು ತಿಳಿಯೆವು ಎಂದು ಹೇಳಿದರು. ೪೧ ಆಗ ಅವರು ಆ ದಿವಸಗಳಲ್ಲಿ ಕರುವನ್ನು ಮಾಡಿ ಆ ವಿಗ್ರಹಕ್ಕೆ ಬಲಿಯನ್ನು ಅರ್ಪಿಸಿ ತಮ್ಮ ಕೈಕೆಲಸಗಳಲ್ಲಿ ಸಂತೋಷಪಟ್ಟರು. ೪೨ ಆದರೆ ದೇವರು ಅವರಿಗೆ ವಿರುದ್ಧವಾಗಿ ತಿರುಗಿಕೊಂಡು ಪ್

44 ויהי אחרי מות אדוניהו ויגש אדניה בן חגית אל בת שלמה בן דוד לאמר דברה נא בעזני פרעה המלך כי אמר אדניה אלי דבר נא בעזני שונמית הזאת לאשה׃ **45** ותאמר בת שבע טוב אנכי אדבר עליך אל המלך׃ **46** ותבא בת שבע אל המלך שלמה לדבר לו ויקם המלך לקראתה׃

47 ויהי הדבר הזה אחרי אדוניהו אל יואב בן צרויה אחרי הוא ויגש אל יואב בן צרויה ויאמר לו יואב הדבר הז

ကမ္ဘာဟောင်း၊ သော ကမ္ဘာဟောင်းသော ပြည်ကြီးရှင်တို့၊ မှီတင်းရာ ကမ္ဘာဟောင်းသော ဘုံဗိမာန်တို့၊

50 ဤကမ္ဘာဟောင်းသော ကမ္ဘာဟောင်းသော ပြည်ကြီးရှင်တို့(သည်)၊ ဟောင်းသော ကမ္ဘာဟောင်းသော ဘုံဗိမာန်တို့၊

51 ဤကမ္ဘာဟောင်းသော ကမ္ဘာဟောင်းသော ဘုံဗိမာန်တို့၊ ဤကမ္ဘာဟောင်းသော ကမ္ဘာဟောင်းသော ဘုံဗိမာန်တို့၊ ဤကမ္ဘာဟောင်းသော ကမ္ဘာဟောင်းသော ဘုံဗိမာန်တို့၊ ဤကမ္ဘာဟောင်းသော ကမ္ဘာဟောင်းသော ဘုံဗိမာန်တို့၊ ကမ္ဘာဟောင်းသော ကမ္ဘာဟောင်းသော ဘုံဗိမာန်တို့၊

52 ဤကမ္ဘာဟောင်းသော ကမ္ဘာဟောင်းသော ဘုံဗိမာန်တို့၊ ကမ္ဘာဟောင်းသော ကမ္ဘာဟောင်းသော ဘုံဗိမာန်တို့၊

53 ဤကမ္ဘာဟောင်းသော ကမ္ဘာဟောင်းသော ဘုံဗိမာန်တို့၊ ကမ္ဘာဟောင်းသော ကမ္ဘာဟောင်းသော ဘုံဗိမာန်တို့၊ ကမ္ဘာဟောင်းသော ကမ္ဘာဟောင်းသော ဘုံဗိမာန်တို့၊ ကမ္ဘာဟောင်းသော ကမ္ဘာဟောင်းသော ဘုံဗိမာန်တို့၊ ကမ္ဘာဟောင်းသော ကမ္ဘာဟောင်းသော ဘုံဗိမာန်တို့၊

54 ဤကမ္ဘာဟောင်း(သော)ကမ္ဘာဟောင်းသော ဘုံဗိမာန်တို့၊ ကမ္ဘာဟောင်းသော ကမ္ဘာဟောင်းသော ဘုံဗိမာန်တို့၊ ကမ္ဘာဟောင်းသော ကမ္ဘာဟောင်းသော ဘုံဗိမာန်တို့၊ ကမ္ဘာဟောင်းသော ကမ္ဘာဟောင်းသော ဘုံဗိမာန်တို့၊

55 ဤကမ္ဘာဟောင်းသော ကမ္ဘာဟောင်းသော၊ ကမ္ဘာဟောင်းသော ကမ္ဘာဟောင်းသော ဘုံဗိမာန်တို့၊ ဤကမ္ဘာဟောင်းသော ကမ္ဘာဟောင်းသော ဘုံဗိမာန်တို့၊ ကမ္ဘာဟောင်းသော ကမ္ဘာဟောင်းသော ဘုံဗိမာန်တို့၊

Digitized by Google

56 ... ...

ಮಾಡಿದ ಮೇಲೆ ಅವನು ಅವಳಿಗೆ ಹೇಳಿದ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಅವಳು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ ಮಾತುಗಳನ್ನು

1 ...

...

69 ...

70 ...

71 ...

72 ...

Digitized by Google

1 בשנת שתים לשלמנאסר מלך אשור מלך הושע בן אלה על ישראל בשמרון תשע שנים׃ **2** ויעש הרע בעיני יהוה רק לא כמלכי ישראל אשר היו לפניו׃ **3** עליו עלה שלמנאסר מלך אשור ויהי לו הושע עבד וישב לו מנחה׃ **4** וימצא מלך אשור בהושע כי שלח מלאכים אל סו מלך מצרים ולא העלה מנחה למלך אשור כעת בשנה וכלאהו מלך אשור ויאסרהו בבית כלא׃ **5** ויעל מלך אשור בכל הארץ ויעל שמרון ויצר עליה שלש שנים׃ **6** בשנת התשע להושע לכד מלך אשור את שמרון ויגל את ישראל אשורה ויושב אתם בחלח ובחבור נהר גוזן וערי מדי׃ **7** ויהי כי חטאו בני ישראל ליהוה אלהיהם המעלה אותם מארץ מצרים מתחת יד פרעה מלך מצרים ויראו אלהים אחרים׃ **8** וילכו בחקות הגוים אשר הוריש יהוה מפני בני ישראל ובחקי מלכי ישראל אשר עשו׃

Digitized by Google

೪ ಆಗ ಪ್ರಧಾನಯಾಜಕನೂ ಅವನ ಸಂಗಡ ಇದ್ದವರೆಲ್ಲರೂ ಅಂದರೆ ಸದ್ದುಕಾಯರ ಪಂಥದವರು ಎದ್ದು ಮತ್ಸರದಿಂದ ತುಂಬಿಕೊಂಡು ೫ ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ಹಿಡಿದು ಸೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿ ಹಾಕಿಸಿದರು.

೬ ಆದರೆ ಕರ್ತನ ದೂತನು ರಾತ್ರಿಯಲ್ಲಿ ಸೆರೆಮನೆಯ ಬಾಗಿಲುಗಳನ್ನು ತೆರೆದು ಅವರನ್ನು ಹೊರಗೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬಂದು ೭ "ನೀವು ಹೋಗಿ ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿ ನಿಂತುಕೊಂಡು ಈ ಜೀವದ ಮಾತುಗಳನ್ನೆಲ್ಲಾ ಜನರಿಗೆ ತಿಳಿಸಿರಿ" ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

೮ ಅವರು ಅದನ್ನು ಕೇಳಿ ಬೆಳಗಾಗುತ್ತಲೇ ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿ ಬೋಧಿಸಲು ಪ್ರಾರಂಭಿಸಿದರು. ಪ್ರಧಾನಯಾಜಕನೂ ಅವನ ಸಂಗಡ ಇದ್ದವರೂ ಬಂದು ಆಲೋಚನಾ ಸಭೆಯನ್ನೂ ಇಸ್ರಾಯೇಲರ ಹಿರಿಯರೆಲ್ಲರನ್ನೂ ಕೂಡಿಸಿ ಸೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿರುವ ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ಕರೆತರಲು ಸೇವಕರನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿದರು.

೯ ಆದರೆ ಆ ಸೇವಕರು ಅಲ್ಲಿಗೆ ಹೋಗಿ ಅವರನ್ನು ಸೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿ ಕಾಣದೆ ಹಿಂತಿರುಗಿ ಬಂದು ೧೦ "ಸೆರೆಮನೆಯು ಬಹಳ ಭದ್ರವಾಗಿ ಬೀಗ ಹಾಕಿರುವುದನ್ನೂ ಕಾವಲುಗಾರರು ಬಾಗಿಲುಗಳ ಹೊರಗೆ ನಿಂತಿರುವುದನ್ನೂ ನಾವು ಕಂಡೆವು. ಆದರೆ ಬಾಗಿಲನ್ನು ತೆರೆದಾಗ ಒಳಗೆ ಯಾರೂ ಕಾಣಲಿಲ್ಲ" ಎಂದು ಹೇಳಿದರು.

೧೧ ಆಗ ಆಲಯದ ಅಧಿಕಾರಿಯೂ ಪ್ರಧಾನಯಾಜಕರೂ ಈ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಗೊಂದಲಗೊಂಡರು.

೧೨ ಆಗ ಯಾರೋ ಒಬ್ಬನು ಬಂದು "ನೀವು ಸೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿ ಹಾಕಿಸಿದ ಮನುಷ್ಯರು ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿ ನಿಂತುಕೊಂಡು ಜನರಿಗೆ ಬೋಧಿಸುತ್ತಿದ್ದಾರೆ" ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

೧೩ ಆಗ ಅಧಿಕಾರಿಯು ಸೇವಕರೊಂದಿಗೆ ಹೋಗಿ ಅವರನ್ನು ಕರೆತಂದನು; ಆದರೆ ಬಲಾತ್ಕಾರ ಮಾಡಲಿಲ್ಲ.

೧೪ ಏಕೆಂದರೆ ಜನರು ತಮ್ಮನ್ನು ಕಲ್ಲೆಸೆದು ಕೊಲ್ಲುವರೆಂದು ಅವರು ಭಯಪಟ್ಟರು.

೧೫ ಆಗ ಅವರು ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ಕರೆತಂದು ಸಭೆಯ ಮುಂದೆ ನಿಲ್ಲಿಸಿದರು. ಪ್ರಧಾನಯಾಜಕನು ಅವರನ್ನು ವಿಚಾರಿಸಿ ೨೮ "ಈ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಬೋಧಿಸಬಾರದೆಂದು ನಾವು ನಿಮಗೆ ಖಂಡಿತವಾಗಿ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ್ದೆವಲ್ಲವೇ? ಆದರೆ ನೀವು ಯೆರೂಸಲೇಮನ್ನು ನಿಮ್ಮ ಬೋಧನೆಯಿಂದ ತುಂಬಿಸಿದ್ದೀರಿ. ಈ ಮನುಷ್ಯನ ರಕ್ತಕ್ಕೆ ನಾವು ಹೊಣೆಗಾರರೆಂದು ನಮ್ಮ ಮೇಲೆ ಬರಮಾಡಲು ಆಲೋಚಿಸಿದ್ದೀರಿ" ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

Digitized by Google

16 يوحنا كان يعمّد، ولكن بعد قليل سيعمّدكم الله بالروح القدس. وأنا أقول لكم إنكم ستنالون هذه المعمودية.

17 وكان الرسل مجتمعين مع يسوع، فسألوه: «يا سيد، هل ستعيد الآن مُلك إسرائيل؟»

18 فأجابهم يسوع: «ليس لكم أن تعرفوا الأوقات والأزمنة التي حدّدها الآب بسلطانه.

19 ولكن حين ينزل الروح القدس عليكم، فستنالون قوة، وتكونون شهودًا لي في أورشليم وفي كل اليهودية والسامرة، وحتى أقاصي الأرض.»

20 وبعد أن قال هذا، رُفع أمام أعينهم، وحجبته سحابة عن أبصارهم. وبينما كانوا يحدّقون إلى السماء وهو ذاهب، إذا برجلين قد ظهرا لهم بثياب بيضاء،

21 وقالا: «أيها الجليليون، لماذا تقفون تنظرون إلى السماء؟ إن يسوع هذا الذي ارتفع عنكم إلى السماء سيعود كما رأيتموه ذاهبًا إلى السماء.»

22 فرجع الرسل إلى أورشليم من جبل الزيتون، الذي هو قريب من أورشليم، على مسافة سفر يوم السبت.

Digitized by Google

23 ଏବଂ ସେ ଉଠି ସେମାନଙ୍କୁ ନେଇ ଯୀଶୁଙ୍କ ମାତା ନିକଟକୁ ଆସିଲେ, ଆଉ ସେମାନଙ୍କ ଉପରେ ଆପଣା ହସ୍ତ ରଖି ସେମାନଙ୍କୁ ସୁସ୍ଥ କଲେ।

24 ଆଉ ଏହି ଘଟଣା ହେବାରୁ ଅନେକ ଲୋକ ଆସି ତାହାଙ୍କୁ ସୁସ୍ଥ କଲେ; ଆଉ ସେମାନେ ମଧ୍ୟ ବହୁତ ସମ୍ମାନ ଦେଇ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଭୂଷିତ କଲେ; ଆଉ ଆମ୍ଭେମାନେ ଯେତେବେଳେ ଯାତ୍ରା କଲୁ, ସେତେବେଳେ ଆବଶ୍ୟକୀୟ ଦ୍ରବ୍ୟ ସେମାନେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଦେଲେ।

25 ଆଉ ଏହି ଘଟଣା ପରେ ଆମ୍ଭେମାନେ ମାକିଦନିୟା ଦେଇ ଯାତ୍ରା କରିବାକୁ ପାଉଲ ଓ ତୀମଥି ମନସ୍ଥ କଲେ;

26 ଆଉ ଏହି ସମୟ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଆମ୍ଭେମାନେ ଯେଉଁ ଯେଉଁ ଦେଶରେ ଥିଲୁ, ସେହି ସେହି ଦେଶରେ ଲୋକମାନେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଅନେକ ସମ୍ମାନ ଦେଇଥିଲେ।

27 ଆଉ ଏହି ସମୟ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଆମ୍ଭେମାନେ ଯେଉଁ ଯେଉଁ ଦେଶରେ ଥିଲୁ, ସେହି ସେହି ଦେଶରେ ଲୋକମାନେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଅନେକ ସମ୍ମାନ ଦେଇଥିଲେ।

28 ସେହି ସମୟରେ ସେମାନେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଯେଉଁ ଯେଉଁ ଦେଶରେ ଥିଲୁ, ସେହି ସେହି ଦେଶରେ ଲୋକମାନେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଅନେକ ସମ୍ମାନ ଦେଇଥିଲେ।

29 ଏବଂ ସେ ଉଠି ସେମାନଙ୍କୁ ନେଇ ଯୀଶୁଙ୍କ ମାତା ନିକଟକୁ ଆସିଲେ, ଆଉ ସେମାନଙ୍କ ଉପରେ ଆପଣା ହସ୍ତ ରଖି ସେମାନଙ୍କୁ ସୁସ୍ଥ କଲେ।

Digitized by Google

30 ಪಾಲ್ ಜನರ ಗುಂಪಿನೊಳಗೆ ಹೋಗಲು ಬಯಸಿದಾಗ ಶಿಷ್ಯರು ಅವನನ್ನು ತಡೆದರು.

31 ಅಲ್ಲದೆ ಆಸ್ಯದ ಕೆಲವು ಅಧಿಕಾರಿಗಳು ಸಹ ಪಾಲ್‌ನ ಸ್ನೇಹಿತರಾಗಿದ್ದರು. ಅವರು ಪಾಲ್‌ಗೆ ಒಂದು ಸಂದೇಶವನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿ ಅವನು ರಂಗಭೂಮಿಗೆ ಹೋಗಬಾರದೆಂದು ಬೇಡಿಕೊಂಡರು.

32 ಸಭೆಯಲ್ಲಿ ಗೊಂದಲವಿತ್ತು. ಕೆಲವರು ಒಂದು ವಿಷಯವನ್ನು ಕೂಗಿದರೆ ಮತ್ತೆ ಕೆಲವರು ಬೇರೆ ವಿಷಯವನ್ನು ಕೂಗುತ್ತಿದ್ದರು. ಅಲ್ಲಿ ಸೇರಿದ್ದ ಹೆಚ್ಚಿನ ಜನರಿಗೆ ಅಲ್ಲಿ ಏಕೆ ಸೇರಿದ್ದೇವೆಂಬುದೇ ತಿಳಿದಿರಲಿಲ್ಲ.

33 ಯೆಹೂದ್ಯರು ಅಲೆಕ್ಸಾಂಡರನನ್ನು ಮುಂದೆ ತಳ್ಳಿದರು. ಅವನು ಜನರಿಗೆ ಸನ್ನೆ ಮಾಡಿ ಅವರಿಗೆ ಏನಾಯಿತೆಂದು ವಿವರಿಸಲು ಪ್ರಯತ್ನಿಸಿದನು.

34 ಆದರೆ ಅವರು ಅವನನ್ನು ಗುರುತಿಸಿದರು; ಅವನು ಯೆಹೂದ್ಯನೆಂದು ತಿಳಿದರು. ಆದ್ದರಿಂದ ಅವರೆಲ್ಲರೂ ಎಫೆಸದವರ ದೊಡ್ಡ ದೇವತೆಯಾದ ಅರ್ತೆಮಿಸಳು ಮಹಾ ದೇವತೆ ಎಂದು ಎರಡು ಗಂಟೆಗಳ ಕಾಲ ಕೂಗುತ್ತಿದ್ದರು.

35 ಆಗ ಪಟ್ಟಣದ ಅಧಿಕಾರಿಯು ಜನರನ್ನು ಸುಮ್ಮನಿರಿಸಿ ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ: ಎಫೆಸದವರೇ, ಎಫೆಸದ ಪಟ್ಟಣವು ಮಹಾ ದೇವತೆಯಾದ ಅರ್ತೆಮಿಸಳ

Digitized by Google

36 ויהי בשמעו את דברי הנביא ויפן אל הנביא ויאמר אליו הנה נא
עמך שנים עשר בנים ואני הנני הולך בדרך אבותי ואמות ועתה
הנה נא עמך שנים עשר בנים ואני הנני הולך בדרך אבותי ואמות
ואל תכחד ממני דבר אשר דברת אלי ויאמר אליו הנביא אל תירא
כי אם לא אגיד לך ואל תכחד ממני דבר אשר דברת אלי ויאמר אליו
כי אם לא אגיד לך ואל תכחד ממני דבר אשר דברת אלי ויאמר אליו
כי אם לא אגיד לך ואל תכחד ממני דבר אשר דברת אלי ויאמר אליו

37 ויהי היום ויבא הנביא אל בית אחאב ויאמר אליו הנה נא עמך

38 ויהי היום ויבא הנביא אל בית אחאב ויאמר אליו הנה נא עמך

39 ויהי היום ויבא הנביא אל בית אחאב ויאמר אליו הנה נא עמך
ויאמר אליו הנביא אל תירא כי אם לא אגיד לך ואל תכחד ממני דבר
אשר דברת אלי ויאמר אליו הנביא אל תירא כי אם לא אגיד לך ואל
תכחד ממני דבר אשר דברת אלי ויאמר אליו הנביא אל תירא כי אם

40 ויהי היום ויבא הנביא אל בית אחאב ויאמר אליו הנה נא עמך
ויאמר אליו הנביא אל תירא כי אם לא אגיד לך ואל תכחד ממני דבר
אשר דברת אלי ויאמר אליו הנביא אל תירא כי אם לא אגיד לך ואל
תכחד ממני דבר אשר דברת אלי ויאמר אליו הנביא אל תירא כי אם

41 ויאמר אליו הנביא אל תירא כי אם לא אגיד לך ואל תכחד ממני
דבר אשר דברת אלי ויאמר אליו הנביא אל תירא כי אם לא אגיד לך
ואל תכחד ממני דבר אשר דברת אלי ויאמר אליו הנביא אל תירא כי
אם לא אגיד לך ואל תכחד ממני דבר אשר דברת אלי ויאמר אליו

Digitized by Google

42 ויאמרו אליו הנה נא שמענו כי מלכי בית הארץ חסדים הם ונתנו נא לעבדיך כנרת ונחיה ולא נמות׃

43 ויאמר יהוה הנה נשאתי את פניך גם בדבר הזה לבלתי הרע את העיר אשר דברת ולא יהיה כן׃ ויאמר אליו יהוה עוד אתך חסד ולא תמות ולא תמסר העיר׃

44 ויהי היום ההוא ויאמר יהוה אל משה עלה אל הר העברים הזה והר נבו אשר בארץ מואב אשר על פני יריחו וראה את הארץ כנען אשר אני נתן לבני ישראל לאחזה׃

45 ומת שם משה עבד יהוה בארץ מואב על פי יהוה ויקבר אותו בגיא בארץ מואב מול בית פעור ולא ידע איש את קברתו עד היום הזה׃

46 ויהי ישראל בשטים ויחל העם לזנות אל בנות מואב׃ ותקרא לעם לזבחי אלהיהן ויאכל העם ויחוו לאלהיהן׃ ויצמד ישראל לבעל פעור ויחר אף יהוה בישראל׃

47 ויהי ישראל יושב בשטים ויחל העם לזנות אל בנות מואב׃ ותקרא לעם לזבחי אלהיהן ויאכל העם ויחוו לאלהיהן׃

Digitized by Google

נחמה

1 קומי אורי כי בא אורך וכבוד יהוה עליך זרח׃ 2 כי הנה החשך יכסה ארץ וערפל לאמים ועליך יזרח יהוה וכבודו עליך יראה׃ 3 והלכו גוים לאורך ומלכים לנגה זרחך׃

4 שאי סביב עיניך וראי כלם נקבצו באו לך בניך מרחוק יבואו ובנותיך על צד תאמנה׃ 5 אז תראי ונהרת ופחד ורחב לבבך כי יהפך עליך המון ים חיל גוים יבואו לך׃ 6 שפעת גמלים תכסך בכרי מדין ועיפה כלם משבא יבאו זהב ולבונה ישאו ותהלות יהוה יבשרו׃

Digitized by Google

೭ ಅಲ್ಲಿ ಅವನು ಯೆಹೋವನಿಗೆ ಬಲಿಪೀಠವನ್ನು ಕಟ್ಟಿಸಿ ಆ ಸ್ಥಳಕ್ಕೆ ಏಲ್‌ಬೇತೇಲ್ ಎಂದು ಹೆಸರಿಟ್ಟನು; ಏಕೆಂದರೆ ದೇವರು ಅವನ ಅಣ್ಣನ ಮುಂದೆ ಓಡಿಹೋಗುತ್ತಿದ್ದಾಗ ಅವನಿಗೆ ಅಲ್ಲಿ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷರಾಗಿದ್ದರು.

೮ ರೆಬೆಕ್ಕಳ ದಾದಿಯಾದ ದೆಬೋರಳು ಸತ್ತುಹೋದಳು. ಅವಳನ್ನು ಬೇತೇಲಿನ ಕೆಳಗಿರುವ ಅಲ್ಲೋನ್ ಎಂಬ ಓಕ್ ಮರದ ಕೆಳಗೆ ಹೂಣಿಟ್ಟರು. ಆದ್ದರಿಂದ ಆ ಸ್ಥಳಕ್ಕೆ ಅಲ್ಲೋನ್‌ಬಾಕೂತ್ ಎಂಬ ಹೆಸರಾಯಿತು.

೯ ಯಾಕೋಬನು ಪದ್ದನ್‌ಅರಾಮಿನಿಂದ ಹಿಂತಿರುಗಿ ಬಂದ ಮೇಲೆ ದೇವರು ಅವನಿಗೆ ಪುನಃ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷರಾಗಿ ಅವನನ್ನು ಆಶೀರ್ವದಿಸಿದರು. ೧೦ ದೇವರು ಅವನಿಗೆ, "ನಿನ್ನ ಹೆಸರು ಯಾಕೋಬ, ಆದರೆ ಇನ್ನು ಮುಂದೆ ನಿನ್ನನ್ನು ಯಾಕೋಬ ಎಂದು ಕರೆಯಲಾಗುವುದಿಲ್ಲ; ನಿನ್ನ ಹೆಸರು ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ಎಂದಾಗುವುದು" ಎಂದು ಹೇಳಿ ಅವನಿಗೆ ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ಎಂಬ ಹೆಸರಿಟ್ಟರು.

೧೧ ಮತ್ತು ದೇವರು ಅವನಿಗೆ, "ನಾನು ಸರ್ವಶಕ್ತ ದೇವರು; ನೀನು ಫಲಿಸಿ ಬಹುಸಂಖ್ಯಾತನಾಗು. ನಿನ್ನಿಂದ ಒಂದು ಜನಾಂಗವೂ ಜನಾಂಗಗಳ ಸಮೂಹವೂ ಉತ್ಪತ್ತಿಯಾಗುವುವು; ನಿನ್ನ ಸಂತತಿಯಿಂದ ರಾಜರು ಹುಟ್ಟುವರು. ೧೨ ನಾನು ಅಬ್ರಹಾಮನಿಗೂ ಇಸಾಕನಿಗೂ ಕೊಟ್ಟ ದೇಶವನ್ನು ನಿನಗೂ ಕೊಡುವೆನು; ನಿನ್ನ ಮೇಲೆ ನಿನ್ನ ಸಂತತಿಯ ಮೇಲೆ ಆ ದೇಶವನ್ನು ಕೊಡುವೆನು" ಎಂದು ಹೇಳಿದರು.

Digitized by Google

13 ... ...

ಕ(ಪ್ಪ)ಡಿಯಾರರು ಎಂದು, ಮಲೆಯಾಳದಲ್ಲಿ ಪಾಣರ್ ಎಂಬ ಜಾತಿಯವರು ಯಾಳ್ ಎಂಬ ವಾದ್ಯವನ್ನು ನುಡಿಸುತ್ತಾ ಹಾಡುವರು.

20 ಅಳಗಿಯ ಮಣವಾಳ(ನ್ನಾ)ರ್ ಅವರು ಪಾಡಿದ್ದು ಅಷ್ಟಪದಿ ಪ್ರಬಂಧ. ಇದರಲ್ಲಿ ಅಷ್ಟಪದಿಗಳಿವೆ. ಇದು ಶ್ರೀರಂಗಂನಲ್ಲಿ ಅರಂಗೇಟ್ರಂ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಹಾಡಲ್ಪಡುವುದು.

Digitized by Google

5 ...

6 ...

7 ...

8 ...

9 ...

10 ...

Digitized by Google

11 ଏବଂ ସେମାନେ ସେମାନଙ୍କର ଦେଶରେ ଯେଉଁ ଯେଉଁ ସ୍ଥାନରେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ବିକ୍ରୟ କରିଛନ୍ତି, ସେହି ସମସ୍ତ ସ୍ଥାନରେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଦାସତ୍ୱରୁ ମୁକ୍ତ କରିବା ପାଇଁ ଆମ୍ଭେମାନେ ସେମାନଙ୍କ ନିକଟକୁ ଫେରି ଆସିବା।

12 ଯିହୋୟାକୀମ୍ ରାଜାଙ୍କର ପୁତ୍ର ଯିହୋୟାଖୀନ୍ ଓ ଯିହୁଦାର ସମସ୍ତ ବନ୍ଦୀଙ୍କୁ ଯିହୋବା ଏହି ପ୍ରକାର କହନ୍ତି, ତୁମ୍ଭେମାନେ ଏହି ସ୍ଥାନରୁ ବାବିଲକୁ ନିର୍ବାସିତ ହୋଇଥିବା ସମୟରେ ଏହି ଲୋକମାନଙ୍କ ବିଷୟରେ ଏହି କଥା କୁହ, ତୁମ୍ଭେମାନେ ଗୃହ ନିର୍ମାଣ କରି ତହିଁରେ ବାସ କର, ଉদ্যান ପ୍ରସ୍ତୁତ କରି ତହିଁର ଫଳ ଭୋଜନ କର।

13 ସେମାନେ ସେମାନଙ୍କ ପୁତ୍ରକନ୍ୟାମାନଙ୍କୁ ବିବାହ ଦିଅନ୍ତୁ, ଯେପରି ସେମାନଙ୍କର ପୁତ୍ରକନ୍ୟାମାନେ ଜନ୍ମ କରନ୍ତି; ତୁମ୍ଭେମାନେ ସେଠାରେ ବୃଦ୍ଧି ପାଅ, ଏଠାରେ କ୍ଷୀଣ ହୁଅ ନାହିଁ। ଆଉ ଯେଉଁ ନଗରକୁ ମୁଁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ନିର୍ବାସିତ କରାଇଛି, ତାହାର ଶାନ୍ତି ଚେଷ୍ଟା କର, ପୁଣି ତାହାର ନିମନ୍ତ୍ତେ ଯିହୋବାଙ୍କ ନିକଟରେ ପ୍ରାର୍ଥନା କର, କାରଣ ତାହାର ଶାନ୍ତିରେ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କର ଶାନ୍ତି ହେବ।

14 ଯେଉଁମାନେ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ବନ୍ଦୀ କରି ନେଇଛନ୍ତି, ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଥିବା ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କର ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବକ୍ତାମାନେ ଓ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କର ଗଣକମାନେ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଭୁଲାଇ ନ ଦେଉନ୍ତୁ, ପୁଣି ତୁମ୍ଭେମାନେ ସେମାନଙ୍କର ଯେଉଁ ସ୍ୱପ୍ନ ଦେଖିଛ, ତାହା ଶୁଣ ନାହିଁ।

15 କାରଣ ସେମାନେ ମିଥ୍ୟା ଭାବରେ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ନିକଟରେ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବାଣୀ କରୁଛନ୍ତି, ମୁଁ ସେମାନଙ୍କୁ ପଠାଇ ନାହିଁ, ଏହା ଯିହୋବା କହନ୍ତି। ବାବିଲରେ ସତୁରି ବର୍ଷ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ହେଲେ ମୁଁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଯତ୍ନ କରିବି ଓ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ବିଷୟରେ ମୋହର ଯେଉଁ ଉତ୍ତମ ବାକ୍ୟ ଅଛି, ତାହା ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ପ୍ରତି ସଫଳ କରି ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଏହି ସ୍ଥାନକୁ ଫେରାଇ ଆଣିବି।

16 ଯିହୋବା ଦାଉଦଙ୍କ ସିଂହାସନରେ ଉପବିଷ୍ଟ ରାଜା ଓ ଏହି ନଗରରେ ବାସକାରୀ ସମସ୍ତ ଲୋକ, ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କର ଯେଉଁ ଭ୍ରାତୃଗଣ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ସହିତ ବନ୍ଦୀ ହୋଇ ଯାଇ ନାହାନ୍ତି, ସେମାନଙ୍କ ବିଷୟରେ ଏହି ପ୍ରକାର କହନ୍ତି,

17 ହଁ, ସୈନ୍ୟାଧିପତି ଯିହୋବା ଏହି ପ୍ରକାର କହନ୍ତି, ଦେଖ, ମୁଁ ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟକୁ ଖଡ୍ଗ, ଦୁର୍ଭିକ୍ଷ ଓ ମହାମାରୀ ପଠାଇବି, ପୁଣି ଯେଉଁ ଅତି ଖରାପ ଡିମ୍ବ ଖାଇ ହୁଏ ନାହିଁ, ତାହା ପରି ମୁଁ ସେମାନଙ୍କୁ କରିବି।

Digitized by Google

ויאמר אליו אלישע הלא לבי הלך כאשר הפך איש מעל מרכבתו לקראתך ויאמר הלקח את הכסף ולקחת בגדים וזיתים וכרמים וצאן ובקר ועבדים ושפחות ויאמר נעמן הואל קח כפלים ויפצר בו ויצר שני כברים כסף בשני חלוקות בגדים ויתן על שתים מאחיו וישאו לפניו ויבא אל העפל ויקחם מידם וישכן הבית וישלח את האנשים וילכו ויאמר אליו אלישע הלא לבי הלך כאשר שב איש מעל מרכבתו לקראתך ויאמר לא הלך עבדך אנה ואנה ויאמר אליו לבבי הלך כאשר הפך האי

23 ಯೆಹೋವನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ನೀವು ಅವರ ದೇಶದಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶಿಸಿದ ಮೇಲೆ ಅವರು ನಿಮಗೆ ಕೊಡುವ ದೇಶದ ಎಲ್ಲೆಗಳು ಯಾವುವಂದರೆ:

24 ಪೂರ್ವ ಸಮುದ್ರದ ಕಡೆಯಲ್ಲಿ ನಿಮ್ಮ ಎಡಬಲದ ಎಲ್ಲೆಯು ಹಚರ್‌ಏನಾನಿನಿಂದ ಶೆಫಾಮಿಗೆ ಹೋಗಿ ಅಲ್ಲಿಂದ ಹಚರ್‌ಏನಾನಿಗೆ ಹೋಗಿ ಆಗಿನಿಂದ ರಿಬ್ಲಾದ ಪೂರ್ವಕ್ಕೆ ಹೋಗಿ ಆಗಿನಿಂದ ಕೆಳಕ್ಕೆ ಇಳಿದು ಕಿನ್ನೆರೆತ್ ಸಮುದ್ರದ ಪೂರ್ವ ಪಾರ್ಶ್ವಕ್ಕೆ ಹೋಗಿ ಆಗಿನಿಂದ ಯೊರ್ದನಿಗೆ ಹೋಗಿ ಆಗಿನಿಂದ ಉಪ್ಪು ಸಮುದ್ರಕ್ಕೆ ಹೋಗಿ ಮುಗಿಯಬೇಕು. ಇದು ನಿಮ್ಮ ದೇಶವಾಗಿರಬೇಕು. ಇದು ನಿಮ್ಮ ಸುತ್ತಲಿನ ಎಲ್ಲೆಗಳಾಗಿರಬೇಕು.

25 ಪೂರ್ವ ಸಮುದ್ರದ ಕಡೆಯಲ್ಲಿ ಎಡಬಲದ ಎಲ್ಲೆಯು ಹಚರ್‌ಏನಾನಿನಿಂದ ಶೆಫಾಮಿಗೆ ಹೋಗಿ ಅಲ್ಲಿಂದ ಹಚರ್‌ಏನಾನಿಗೆ ಹೋಗಿ ಆಗಿನಿಂದ ರಿಬ್ಲಾದ ಪೂರ್ವಕ್ಕೆ ಹೋಗಿ ಆಗಿನಿಂದ ಕೆಳಕ್ಕೆ ಇಳಿದು ಕಿನ್ನೆರೆತ್ ಸಮುದ್ರದ ಪೂರ್ವ ಪಾರ್ಶ್ವಕ್ಕೆ ಹೋಗಿ ಆಗಿನಿಂದ ಯೊರ್ದನಿಗೆ ಹೋಗಿ ಆಗಿನಿಂದ ಉಪ್ಪು ಸಮುದ್ರಕ್ಕೆ ಹೋಗಿ ಮುಗಿಯಬೇಕು. ಇದು ನಿಮ್ಮ ದೇಶವಾಗಿರಬೇಕು. ಇದು ನಿಮ್ಮ ಸುತ್ತಲಿನ ಎಲ್ಲೆಗಳಾಗಿರಬೇಕು.

26 ಯೆಹೋವನು ಮೋಶೆಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿ ಅವರಿಗೆ ಹೇಳು, ನೀವು ಕಾನಾನ್ ದೇಶದಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶಿಸಿದ ಮೇಲೆ ಚೀಟು ಹಾಕಿ ಸ್ವಾಸ್ತ್ಯವಾಗಿ ಪಡೆಯಬೇಕಾದ ದೇಶವು ಇದೇ. ಅದರ ಎಲ್ಲೆಗಳು ಹೀಗಿರಬೇಕು.

27 ಯೆಹೂದ ಕುಲದವರ ಪಿತೃಗಳ ಕುಟುಂಬಗಳಿಗೆ ಒಂದು ಪಾಲು ಕೊಡಬೇಕು. ಅವರ ಪ್ರಧಾನನು ಯೆಫುನ್ನೆಯ ಮಗನಾದ ಕಾಲೇಬ.

28 ಮತ್ತು ಸಿಮೆಯೋನ್ ಕುಲದವರ ಪಿತೃಗಳ ಕುಟುಂಬಗಳಿಗೆ ಒಂದು ಪಾಲು ಕೊಡಬೇಕು. ಅವರ ಪ್ರಧಾನನು ಅಮ್ಮೀಹೂದನ ಮಗನಾದ ಶೆಮೂವೇಲ.

Digitized by Google

29 ಆದಕಾರಣ ನೀವು ಕರೆಯಲ್ಪಟ್ಟಾಗ ಯಾವ ಪ್ರಶ್ನೆಯೂ ಇಲ್ಲದೆ ಬಂದಿರಿ. ಆದದರಿಂದ ನಾನು ಕೇಳುವದೇನಂದರೆ ನೀವು ಯಾವ ಕಾರಣಕ್ಕಾಗಿ ನನ್ನನ್ನು ಕರೆಯಿಸಿದಿರಿ?

30 ಆಗ ಕೊರ್ನೇಲ್ಯನು ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ: ನಾಲ್ಕು ದಿವಸಗಳ ಹಿಂದೆ ಈ ಹೊತ್ತಿನ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ನಾನು ನನ್ನ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಪ್ರಾರ್ಥನೆ ಮಾಡುತ್ತಿರುವಾಗ ಒಬ್ಬ ಪುರುಷನು ಪ್ರಕಾಶಮಾನವಾದ ವಸ್ತ್ರವನ್ನು ಧರಿಸಿಕೊಂಡು ನನ್ನ ಮುಂದೆ ನಿಂತು

31 ಅವನು ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ಕೊರ್ನೇಲ್ಯನೇ, ನಿನ್ನ ಪ್ರಾರ್ಥನೆಯು ಕೇಳಲ್ಪಟ್ಟಿತು, ನಿನ್ನ ಧರ್ಮಕಾರ್ಯಗಳು ದೇವರ ಜ್ಞಾಪಕಕ್ಕೆ ಬಂದಿವೆ.

32 ಆದದರಿಂದ ನೀನು ಯೊಪ್ಪಕ್ಕೆ ಕಳುಹಿಸಿ ಸಿಮೋನನೆಂಬ ಹೆಸರುಳ್ಳ ಪೇತ್ರನನ್ನು ಕರೆಯಿಸಿಕೊ. ಅವನು ಸಮುದ್ರತೀರದಲ್ಲಿ ಚರ್ಮದವನಾದ ಸಿಮೋನನ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಅತಿಥಿಯಾಗಿದ್ದಾನೆ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

33 ಆದದರಿಂದ ನಾನು ನಿನ್ನ ಬಳಿಗೆ ಕಳುಹಿಸಿದೆನು, ನೀನು ಬಂದದ್ದು ಒಳ್ಳೆಯದಾಯಿತು. ಈಗ ನಾವೆಲ್ಲರೂ ಕರ್ತನು ನಿನಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ ಸಮಸ್ತವನ್ನು ಕೇಳುವದಕ್ಕಾಗಿ ದೇವರ ಸನ್ನಿಧಿಯಲ್ಲಿ ಇದ್ದೇವೆ.

34 ಆಗ ಪೇತ್ರನು ಬಾಯಿ ತೆರೆದು ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ: ದೇವರು ಪಕ್ಷಪಾತಿಯಲ್ಲವೆಂದು ನಾನು ನಿಶ್ಚಯವಾಗಿ ಗ್ರಹಿಸಿಕೊಂಡಿದ್ದೇನೆ.

35 ಆದರೆ ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಜನಾಂಗದಲ್ಲಿಯೂ ಆತನಿಗೆ ಭಯಪಟ್ಟು ನೀತಿಯನ್ನು ನಡಿಸುವವನು ಆತನಿಗೆ ಅಂಗೀಕಾರನಾಗಿದ್ದಾನೆ.

Digitized by Google

36 ଯିହିଷ୍କୀୟ ଯାଜକ, ମହଲଲେଇ, ବରଖିୟ, ଶିମୀୟି, ଇହୀୟେଲ, ଉଷୀୟ, ଯିହିଷ୍କୀୟ, ଅସରୀକାମ, ହଶବୀୟ, ମାସେୟ, ବଲୀୟ, ଶମୟୀୟ, ଶିମୀୟୋନ, ଶିମୀୟୋନର ପୁତ୍ର ଯିହୋୟାରୀବ, ଯିହୋୟାରୀବର ପୁତ୍ର ଯାଖୀନ, ଯାଖୀନର ପୁତ୍ର ଅସରୀୟ, ଅସରୀୟର ପୁତ୍ର ଇଥୀୟେଲ, ଇଥୀୟେଲର ପୁତ୍ର କଲୀୟ, କଲୀୟର ପୁତ୍ର ପଦାୟ, ପଦାୟର ପୁତ୍ର ଯୋୟାରୀବ, ଯୋୟାରୀବର ପୁତ୍ର ଯିଦୀୟ, ଯିଦୀୟର ପୁତ୍ର ସରାୟ, ସରାୟର ପୁତ୍ର ଯିହୋଷାଦକ,

37 ଏମାନେ ଯିହୋଷାଦକ ଓ ଯିହୋଶୂୟ ଦ୍ୱାରା ନିର୍ବାସିତ ହୋଇ ଯିହୋବାଙ୍କ ଯେଉଁ ଯେଉଁ ଆଜ୍ଞା ଦେଇଥିଲେ ତଦନୁସାରେ ଯିରୂଶାଲମ ଓ ଯିହୂଦାକୁ ଫେରି ଆସିଲେ ।

38 ଯାହାଙ୍କୁ ଯିହୂଦାର ଅଧିପତି ଶେଶବତ୍ସର ବୋଲି ମଧ୍ୟ କୁହାଯାଉଥିଲା ଏବଂ ଯିଏ ଜରୁବ୍ବାବିଲର ସନ୍ତାନ ଥିଲା, ସେ ଯିରୂଶାଲମରେ ଯିହୋବାଙ୍କ ମନ୍ଦିରର ଭିତ୍ତିମୂଳ ସ୍ଥାପନ କଲେ ଏବଂ ଏହି ମନ୍ଦିର ଧ୍ୱଂସ ହୋଇଯିବା ପରେ ଏହାର ପୁନଃନିର୍ମାଣ କଲେ ।

39 ସେ ଯିରୂଶାଲମରେ ଏହି ମନ୍ଦିର ନିର୍ମାଣ କଲେ, ଏହା ଅତି ଉଚ୍ଚ ଥିଲା, ଏହାର ଚାରିପଟେ ତିନି ସାରି ବଡ଼ ବଡ଼ ପଥର ଓ ଗୋଟେ ସାରି ଏରସ କାଠ ଥିଲା ।

40 ଏହା ସେମାନେ ଯିରୂଶାଲମରେ ଯିହୋବାଙ୍କ ଗୃହରେ ଉତ୍ସର୍ଗ କରିଥିଲେ, ଏହାର ଦୈର୍ଘ୍ୟ ଷାଠିଏ ହାତ ଓ ପ୍ରସ୍ଥ ଷାଠିଏ ହାତ ଥିଲା ।

41 ଯିହିଷ୍କୀୟ ଯାଜକ, ମହଲଲେଇ, ବରଖିୟ, ଶିମୀୟି, ଇହୀୟେଲ, ଉଷୀୟ, ଯିହିଷ୍କୀୟ, ଅସରୀକାମ, ହଶବୀୟ, ମାସେୟ, ବଲୀୟ, ଶମୟୀୟ, ଶିମୀୟୋନ, ଶିମୀୟୋନର ପୁତ୍ର ଯିହୋୟାରୀବ, ଯିହୋୟାରୀବର ପୁତ୍ର ଯାଖୀନ, ଯାଖୀନର ପୁତ୍ର ଅସରୀୟ, ଅସରୀୟର ପୁତ୍ର ଇଥୀୟେଲ, ଇଥୀୟେଲର ପୁତ୍ର କଲୀୟ, କଲୀୟର ପୁତ୍ର ପଦାୟ, ପଦାୟର ପୁତ୍ର ଯୋୟାରୀବ, ଯୋୟାରୀବର ପୁତ୍ର ଯିଦୀୟ, ଯିଦୀୟର ପୁତ୍ର ସରାୟ, ସରାୟର ପୁତ୍ର ଯିହୋଷାଦକ,

42 ଏମାନେ ଯାଜକ ଓ ଲେବୀୟ, ଏମାନେ ଦଳ ଦଳ ହୋଇ ଯିରୂଶାଲମକୁ ଆସିଲେ ; ଏମାନେ

Digitized by Google

43 ... ...

೫೦ ಯಾಕೋಬನು ಪೌಲನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಸಹೋದರನೇ, ನೀನು ನೋಡುತ್ತೀಯಲ್ಲಾ, ಯೆಹೂದ್ಯರಲ್ಲಿ ಸಾವಿರಾರು ಜನರು ವಿಶ್ವಾಸಿಗಳಾಗಿದ್ದಾರೆ; ಅವರೆಲ್ಲರೂ ಧರ್ಮಶಾಸ್ತ್ರದ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಆಸಕ್ತಿಯುಳ್ಳವರಾಗಿದ್ದಾರೆ.

೫೧ ಆದ್ದರಿಂದ ನೀನು ಇಲ್ಲಿಗೆ ಬಂದಿದ್ದೀಯೆಂಬ ವಿಷಯವು ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿದಿದೆ. ಆದ್ದರಿಂದ ನೀನು ಅವರ ಬಳಿಗೆ ಹೋಗಿ ಅವರೊಂದಿಗೆ ಸೇರಿಕೊಂಡು ಶುದ್ಧೀಕರಣ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು.

೫೨ ಆದರೆ ಅವರಲ್ಲಿ ಕೆಲವರು ಮೋಶೆಯ ಧರ್ಮಶಾಸ್ತ್ರವನ್ನು ಅನುಸರಿಸುವವರಾಗಿದ್ದಾರೆ. ಅವರು ಅನ್ಯಜನರಿಗೆ ಸೇರಿದವರಲ್ಲ. ಆದ್ದರಿಂದ ನೀನು ಅವರಿಗೆ ಬರೆದು ಕಳುಹಿಸಬೇಕು.

೫೩ ಅವರು ಯಾವುದೇ ವಿಗ್ರಹಕ್ಕೆ ಅರ್ಪಿಸಿದ ಆಹಾರವನ್ನು ಮುಟ್ಟಬಾರದು. ಅವರು ರಕ್ತವನ್ನು ಮುಟ್ಟಬಾರದು. ಅವರು ಕತ್ತು ಹಿಸುಕಿ ಸಾಯಿಸಿದ ಪ್ರಾಣಿಗಳ ಮಾಂಸವನ್ನು ತಿನ್ನಬಾರದು. ಅವರು ಲೈಂಗಿಕ ಪಾಪಗಳನ್ನು ಮಾಡಬಾರದು.

೫೪ ಯಾಕೋಬನು ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಈ ವಿಷಯಗಳನ್ನು ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಿ ಅವರು ಅವುಗಳಿಗೆ ವಿಧೇಯರಾಗಬೇಕು. ಅವರು ಈ ವಿಷಯಗಳನ್ನು ಅನುಸರಿಸಬೇಕು.

೫೫ ಆಗ ಅವರು ಯಾಕೋಬನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಸಹೋದರನೇ, ನೀನು ಹೇಳಿದ್ದು ಸರಿಯಾಗಿದೆ. ಆದರೆ ನಾವು ಅನ್ಯಜನರಿಗೆ ಸೇರಿದವರಲ್ಲ. ನಾವು ಯೆಹೂದ್ಯರಾಗಿದ್ದೇವೆ. ಆದ್ದರಿಂದ ನಾವು ಈ ವಿಷಯಗಳನ್ನು ಅನುಸರಿಸಬೇಕಾಗಿಲ್ಲ. ಆದರೆ ನಾವು ಈ ವಿಷಯಗಳನ್ನು ಅನುಸರಿಸಬೇಕೆಂದು ನೀನು ಹೇಳಿದ್ದೀಯಾ?

೫೬ ಆದ್ದರಿಂದ ಪೌಲನು ಮರುದಿನ ಆ ಮನುಷ್ಯರೊಂದಿಗೆ ಶುದ್ಧೀಕರಣ ಮಾಡಿಕೊಂಡನು. ಆ ಮನುಷ್ಯರೊಂದಿಗೆ ಪೌಲನು ದೇವಾಲಯಕ್ಕೆ ಹೋದನು. ಅವನು ಶುದ್ಧೀಕರಣದ ದಿನಗಳನ್ನು ಪೂರೈಸಿದನು.

೫೭ ಆ ದಿನಗಳು ಮುಗಿಯುವ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಏಷ್ಯಾ ಪ್ರಾಂತ್ಯದಿಂದ ಬಂದಿದ್ದ ಕೆಲವು ಯೆಹೂದ್ಯರು ಪೌಲನನ್ನು ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿ ನೋಡಿದರು. ಅವರು ಜನರನ್ನು ಪ್ರಚೋದಿಸಿ ಪೌಲನನ್ನು ಹಿಡಿದುಕೊಂಡರು.

Digitized by Google

 [illegible]

58 [illegible]
[illegible]
[illegible]

59 [illegible]
[illegible]
[illegible]

60 [illegible]
[illegible]

61 [illegible]
[illegible]

62 [illegible]
[illegible]

63 [illegible]
[illegible]
[illegible]

64 [illegible]
[illegible]
[illegible]

65 [illegible]
[illegible]

66 ויאמר אליו יהוה הלך לפניך ונחתי לך והנחתי לך׃ **67** ויאמר אליו אם אין פניך הלכים אל תעלנו מזה׃ **68** ובמה יודע אפוא כי מצאתי חן בעיניך אני ועמך הלוא בלכתך עמנו ונפלינו אני ועמך מכל העם אשר על פני האדמה׃ **69** ויאמר יהוה אל משה גם את הדבר הזה אשר דברת אעשה כי מצאת חן בעיני ואדעך בשם׃ **70** ויאמר הראני נא את כבדך׃ **71** ויאמר אני אעביר כל טובי על פניך וקראתי בשם יהוה לפניך וחנתי את אשר אחן ורחמתי את אשר ארחם׃ ויאמר לא תוכל לראת את פני כי לא יראני האדם וחי׃

72 ויאמר יהוה הנה מקום אתי ונצבת על הצור׃ **73** והיה בעבר כבדי ושמתיך בנקרת הצור וחפתי כפי עליך עד עברי׃ **74** והסרתי את כפי וראית את אחרי ופני לא יראו׃

75 ויפסל שני לחת אבנים כראשנים וישכם משה בבקר ויעל אל הר סיני כאשר צוה יהוה אתו ויקח בידו שני לחת אבנים׃ **76** וירד יהוה בענן ויתיצב עמו שם ויקרא בשם יהוה׃ **77** ויעבר יהוה על פניו ויקרא יהוה יהוה אל רחום וחנון ארך אפים ורב חסד ואמת׃ **78** נצר חסד לאלפים נשא עון ופשע וחטאה ונקה לא ינקה פקד עון אבות על בנים ועל בני בנים על שלשים ועל רבעים׃ **79** וימהר משה ויקד ארצה וישתחו׃ **80** ויאמר אם נא מצאתי חן בעיניך אדני ילך נא אדני בקרבנו כי עם קשה ערף הוא וסלחת לעוננו ולחטאתנו ונחלתנו׃

Digitized by Google

72 ಅಸುರರು ಅಮೃತವನ್ನು ಕುಡಿಯಲಿಲ್ಲವೆಂದು ಅವರಿಗೆ ಮರಣವಿಲ್ಲದೆ ಹೋಗಲಿಲ್ಲ. ಅಮೃತವನ್ನು ಕುಡಿದ ದೇವತೆಗಳಿಗೆ ಮರಣವಿಲ್ಲದೆ ಹೋಗಲಿಲ್ಲ. ಅಮೃತವನ್ನು ಕುಡಿಯದೆ ಇದ್ದರೂ ಅಸುರರಿಗೆ ಮರಣವಿಲ್ಲದೆ ಹೋಗಲಿಲ್ಲ.

73 ಅಮೃತವಿಲ್ಲದೆ ಅಸುರರು ಅಸುರರಾಗಿಯೇ ಉಳಿದರು. ಅಮೃತವನ್ನು ಕುಡಿದು ದೇವತೆಗಳು ದೇವತೆಗಳಾಗಿಯೇ (ಉಳಿದರು). ಯಾವ ಅಮೃತವಿಲ್ಲದೆ ಅಸುರರು ಅಸುರರಾಗಿಯೇ ಉಳಿದರೋ ಅದೇ ಅಮೃತವನ್ನು ಕುಡಿದು ದೇವತೆಗಳು ದೇವತೆಗಳಾಗಿಯೇ ಉಳಿದರು.

74 ಅಮೃತವಿಲ್ಲದೆ ಅಸುರರು ಅಸುರರಾಗಿಯೇ ಉಳಿದರು. ಅಮೃತವನ್ನು ಕುಡಿದು ದೇವತೆಗಳು ದೇವತೆಗಳಾಗಿಯೇ ಉಳಿದರು. ಅಮೃತವಿಲ್ಲದೆ ಅಸುರರು ಅಸುರರಾಗಿಯೇ ಉಳಿದರೋ ಅದೇ ಅಮೃತವನ್ನು ಕುಡಿದು ದೇವತೆಗಳು ದೇವತೆಗಳಾಗಿಯೇ ಉಳಿದರು.

75 ಅಮೃತವಿಲ್ಲದೆ ಅಸುರರು ಅಸುರರಾಗಿಯೇ ಉಳಿದರು. ಅಮೃತವನ್ನು ಕುಡಿದು ದೇವತೆಗಳು ದೇವತೆಗಳಾಗಿಯೇ ಉಳಿದರು. ಅಮೃತವಿಲ್ಲದೆ ಅಸುರರು ಅಸುರರಾಗಿಯೇ ಉಳಿದರೋ ಅದೇ ಅಮೃತವನ್ನು ಕುಡಿದು ದೇವತೆಗಳು ದೇವತೆಗಳಾಗಿಯೇ ಉಳಿದರು.

76 ಯಾವ ಯಾವ ಅಮೃತವಿಲ್ಲದೆ ಅಸುರರು ಅಸುರರಾಗಿಯೇ ಉಳಿದರೋ ಅದೇ ಅಮೃತವನ್ನು ಕುಡಿದು ದೇವತೆಗಳು ದೇವತೆಗಳಾಗಿಯೇ ಉಳಿದರು. ಅಮೃತವಿಲ್ಲದೆ ಅಸುರರು ಅಸುರರಾಗಿಯೇ ಉಳಿದರೋ ಅದೇ ಅಮೃತವನ್ನು ಕುಡಿದು ದೇವತೆಗಳು ದೇವತೆಗಳಾಗಿಯೇ ಉಳಿದರು.

77 ಅಲ್ಲಿಯವರೆಗೆ ಅಸುರರು ಅಸುರರಾಗಿಯೇ ಉಳಿದರು. ಅಮೃತವಿಲ್ಲದೆ ಅಸುರರು ಅಸುರರಾಗಿಯೇ ಉಳಿದರೋ ಅದೇ ಅಮೃತವನ್ನು ಕುಡಿದು ದೇವತೆಗಳು ದೇವತೆಗಳಾಗಿಯೇ ಉಳಿದರು.

78 ಅಲ್ಲಿಯವರೆಗೆ ಅಸುರರು ಅಸುರರಾಗಿಯೇ ಉಳಿದರು. ಅಮೃತವಿಲ್ಲದೆ ಅಸುರರು ಅಸುರರಾಗಿಯೇ ಉಳಿದರೋ ಅದೇ ಅಮೃತವನ್ನು ಕುಡಿದು ದೇವತೆಗಳು ದೇವತೆಗಳಾಗಿಯೇ ಉಳಿದರು.

Digitized by Google

...

79 ...

80 ...

...

1 ...

2 ...

3 ...

4 ...

Digitized by Google

ಯಿದ್ದಾನೆ, ಕನ್ನಡ ಬೈಬಲ್ ಪುಸ್ತಕಗಳು

12 ଯିହୋଶୂୟ ଯାଜକ ଓ ଯିହୋଶୂୟର ଭ୍ରାତୃଗଣ ଅର୍ଥାତ୍ ଶିମୀୟ, ଯୋୟାରୀବ, ଯିଦୀୟ, ସରାୟ, ଇଲୀୟାସର, ମନଃଶି, ଇଫ୍ରୟିମ, ମତ୍ତନିୟ, ଯିରେମୋତ୍, ଅବୀୟ, ଦାନିୟେଲ, ଗିନ୍ନଥୋନ୍, ବାରୁକ, ମଶୁଲ୍ଲମ, ଅବିୟ, ମୀୟାମୀନ୍, ମାସୀୟ, ବିଲ୍‌ଗୈ, ଶମୟିୟ, ଯୋୟାରୀବ, ଯିଦୟିୟ, ସଲ୍ଲୁ, ଆମୋକ, ହିଲ୍‌କୀୟ, ଯିଦୟିୟ, ଏମାନ୍ ଏହି ସମସ୍ତେ ଭାଇମାନଙ୍କର ପ୍ରଧାନ ଥିଲେ।

13 ଲେବୀୟମାନଙ୍କର ପିତୃବଂଶର ପ୍ରଧାନ ଯେଶୂୟର ପୁତ୍ର ଶମୟିୟ, ଆସଫର ପୁତ୍ର ମତ୍ତନିୟ, ମୀଖାର ପୁତ୍ର ଉଷୀୟ, ଯିଦୂଥୂନର ପୁତ୍ର ଗାଲଲ୍ ଓ ବକ୍‌ବକୀୟର ଭ୍ରାତୃଗଣ ମଧ୍ୟରେ ଦ୍ୱିତୀୟ ବିଭାଗର ପ୍ରଧାନ ଅବଦା, ଶମ୍ମୂୟର ପୁତ୍ର ଗାଲଲ୍, ଯିଦୂଥୂନର ପୁତ୍ର ଯିଶାୟୀୟ,

14 ଯିରୀହୋର ପୁତ୍ର ମତ୍ତନୟ, ହିଲ୍‌କୀୟର ପୁତ୍ର ଯିରେମୋତ୍, ଅସୀର ପୁତ୍ର ଉଜ୍ଜୀ, ଯିହୋହାନାନର ପୁତ୍ର ଯିହିସ୍କୀୟ, ଯୋଷେଫର ପୁତ୍ର ଅସରେଲର ପୁତ୍ର ଅମରୀୟ, ମଲ୍ଲୂକର ପୁତ୍ର ହାରୀମ୍, ଇବ୍ରୀୟ ଓ ପାଦୟାର ପୁତ୍ର ମଲ୍ଲୂକ।

15 ଏମାନେ ଯିରୂଶାଲମସ୍ଥ ଲୋକମାନଙ୍କର ଅଧିପତି ଥିଲେ; ପୁଣି ଅନ୍ୟ ଲୋକମାନେ ଗୁଲିବାଟ ଦ୍ୱାରା ଯାଜକ, ଲେବୀୟ ଓ ପ୍ରଧାନ ଲୋକମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରୁ ଦଶ ଭାଗରୁ ଏକ ଭାଗ ଲୋକ ଯିରୂଶାଲମ ପବିତ୍ର ନଗରରେ ବାସ କରିବାକୁ ଆଣିଲେ, ଆଉ ନଅ ଭାଗ ଲୋକ ଅନ୍ୟ ନଗରରେ ବାସ କଲେ।

16 ପୁଣି ଯିରୂଶାଲମସ୍ଥ ବାହ୍ୟ କାର୍ଯ୍ୟର ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଶବ୍ବଥୟର ପୌତ୍ର ହଶବୀୟର ପ୍ରପୌତ୍ର ମତ୍ତନିୟ ଓ ଆସଫର ପୌତ୍ର ସିକ୍ରିର ପୁତ୍ର ସବ୍ଦୀର ପୌତ୍ର ଓବଦୀୟ ଲେବୀୟମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ପ୍ରଧାନ ଥିଲେ।

17 ପୁଣି ମତ୍ତନିୟ ପ୍ରାର୍ଥନା ଆରମ୍ଭ କରିବା ସମୟରେ ଧନ୍ୟବାଦ ଦେବାର ପ୍ରଧାନ ଥିଲେ, ଆଉ ବକ୍‌ବକୀୟ ଦ୍ୱିତୀୟ ଓ ଯିଦୂଥୂନର ପୌତ୍ର ଗାଲଲର ପୁତ୍ର ଅବଦା ତୃତୀୟ ଥିଲେ।

18 ପବିତ୍ର ନଗରରେ ଲେବୀୟମାନଙ୍କର ସମସ୍ତ ସଂଖ୍ୟା ଦୁଇ ଶତ ଚୌରାଶୀ ଥିଲେ।

19 ପୁଣି ଦ୍ୱାରରକ୍ଷକ ଅକ୍କୂବ, ତଲ୍ମୋନ୍ ଓ ସେମାନଙ୍କ ଭ୍ରାତୃଗଣ ଏକ ଶତ ସତୁରି ଜଣ ଦ୍ୱାରରେ ପ୍ରହରୀ ଥିଲେ।

Digitized by Google

18 ಯೆಹೂದ್ಯರ ಪ್ರಧಾನಯಾಜಕನು ಮತ್ತು ಅವನ ಸಂಗಡ ಇದ್ದವರೆಲ್ಲರು, ಅಂದರೆ ಸದ್ದುಕಾಯರ ಪಂಥದವರು ಎದ್ದು ಅಪೊಸ್ತಲರ ಮೇಲೆ ಹೊಟ್ಟೆಕಿಚ್ಚುಪಟ್ಟು

19 ಯೆಹೋವನ ದೂತನು ರಾತ್ರಿಯಲ್ಲಿ ಸೆರೆಮನೆಯ ಬಾಗಿಲುಗಳನ್ನು ತೆರೆದು ಅವರನ್ನು ಹೊರಗೆ ತಂದು

20 ಈ ಜೀವದಾಯಕ ವಾಕ್ಯಗಳನ್ನೆಲ್ಲಾ ಜನರಿಗೆ ತಿಳಿಸಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

21 ಅವರು ಇದನ್ನು ಕೇಳಿ ಬೆಳಗಾಗುವಾಗ ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿ ಉಪದೇಶಮಾಡಲು ಪ್ರಾರಂಭಿಸಿದರು. ಇತ್ತ ಪ್ರಧಾನಯಾಜಕನು ಮತ್ತು ಅವನ ಸಂಗಡ ಇದ್ದವರು ಬಂದು ಆಲೋಚನಾಸಭೆಯನ್ನೂ ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ಮಕ್ಕಳ ಹಿರಿಯರೆಲ್ಲರನ್ನೂ ಕೂಡಿಸಿ ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ತರಲು ಸೆರೆಮನೆಗೆ ಆಳುಗಳನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿದರು.

22 ಆದರೆ ಆ ಆಳುಗಳು ಅಲ್ಲಿಗೆ ಹೋಗಿ ಅವರನ್ನು ಸೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿ ಕಾಣದೆ ಹಿಂತಿರುಗಿ ಬಂದು ತಿಳಿಸಿದ್ದೇನೆಂದರೆ

23 ನಾವು ಸೆರೆಮನೆಯ ಬಾಗಿಲುಗಳನ್ನು ಬಹಳ ಭದ್ರವಾಗಿ ಮುಚ್ಚಿರುವುದನ್ನೂ ಕಾವಲುಗಾರರು ಬಾಗಿಲುಗಳ ಮುಂದೆ ನಿಂತಿರುವುದನ್ನೂ ಕಂಡೆವು.

Digitized by Google

ಮಾಡಿದರು. ಅವರು ಅವನ ಮಾತನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವನಿಗೆ ಹೆದರಿದರು. ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಇಗೋ, ಕರ್ತನು ಮೋಶೆಯ ಮುಖಾಂತರ ಹೇಳಿದ ಎಲ್ಲಾ ಕಟ್ಟಳೆಗಳನ್ನು ಅವನು ಸೀನಾಯಿ ಪರ್ವತದಲ್ಲಿ ಅವನೊಂದಿಗೆ ಮಾತನಾಡಿದ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಅವನಿಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ್ದನು.

33 ಮೋಶೆಯು ಅವರೊಂದಿಗೆ ಮಾತನಾಡುವುದನ್ನು ಮುಗಿಸಿದಾಗ ಅವನು ತನ್ನ ಮುಖದ ಮೇಲೆ ಮುಸುಕನ್ನು ಹಾಕಿಕೊಂಡನು.

34 ಆದರೆ ಮೋಶೆಯು ಕರ್ತನೊಂದಿಗೆ ಮಾತನಾಡಲು ಅವನ ಸನ್ನಿಧಿಗೆ ಹೋದಾಗ ಅವನು ಹೊರಗೆ ಬರುವ ತನಕ ಮುಸುಕನ್ನು ತೆಗೆಯುತ್ತಿದ್ದನು. ಅವನು ಹೊರಗೆ ಬಂದು ತನಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಲ್ಪಟ್ಟದ್ದನ್ನು ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಹೇಳುತ್ತಿದ್ದನು.

35 ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ಮಕ್ಕಳು ಮೋಶೆಯ ಮುಖವನ್ನು ನೋಡಿದರು. ಮೋಶೆಯ ಮುಖವು ಪ್ರಕಾಶಿಸುತ್ತಿತ್ತು. ಅವನು ಕರ್ತನೊಂದಿಗೆ ಮಾತನಾಡಲು ಹೋಗುವ ತನಕ ಅವನು ಮುಸುಕನ್ನು ತನ್ನ ಮುಖದ ಮೇಲೆ ಹಾಕಿಕೊಳ್ಳುತ್ತಿದ್ದನು.

36 ಯೆಹೋವನು ಮೋಶೆಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ನೀನು ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಬೇಕಾದದ್ದೇನೆಂದರೆ, ನೀವು ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು.

37 ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು.

38 ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು.

39 ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು.

40 ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು.

41 ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು.

42 ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು.

43 ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು.

44 ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು.

45 ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು.

46 ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು.

47 ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು.

48 ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು.

49 ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು.

50 ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸಹೋದರನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕಾದ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಕರ್ತನಿಗೆ ಕೊಡಬೇಕು.

Digitized by Google

30 ಅವರು ಅದನ್ನು ಬಾರ್ನಬ ಮತ್ತು ಸೌಲರ ಕೈಯಲ್ಲಿ ಹಿರಿಯರಿಗೆ ಕಳುಹಿಸಿಕೊಟ್ಟರು.

31 ಆಗ ಅವರು ಯೆಹೂದ್ಯರಲ್ಲದವರಿಗೆ ಪಶ್ಚಾತ್ತಾಪದ ಮನಸ್ಸನ್ನು ಕೊಡುವಂತೆ ದೇವರು ಅವರಿಗೆ ಕೃಪೆಮಾಡಿದನು.

32 ಆಮೇಲೆ ಅವರು ಅಲ್ಲಿಂದ ಹೊರಟು ಸಿರಿಯ ಮತ್ತು ಕಿಲಿಕ್ಯ ಪ್ರಾಂತಗಳಲ್ಲಿ ಸಂಚರಿಸಿ ಅಲ್ಲಿನ ಸಭೆಗಳನ್ನು ಸ್ಥಿರಪಡಿಸಿದರು.

33 ಯೆಹೂದ್ಯರಲ್ಲದವರು ಸಹ ದೇವರ ವಾಕ್ಯವನ್ನು ಕೇಳಿ ನಂಬಿಕೆಯಿಡುವಂತೆ ಮಾಡಿದರು.

34 ಯೆಹೂದ್ಯರು ಅವರ ಮೇಲೆ ಕೋಪಗೊಂಡು ಕೆಲವು ಕೆಟ್ಟ ಜನರನ್ನು ಕೂಡಿಸಿಕೊಂಡು ಗುಂಪುಗೂಡಿಸಿ ಪಟ್ಟಣದಲ್ಲಿ ಗಲಭೆಯನ್ನು ಎಬ್ಬಿಸಿದರು. ಅವರು ಯಾಸೋನನ ಮನೆಯ ಮೇಲೆ ಬಿದ್ದು ಪೌಲ ಸೀಲರನ್ನು ಜನರ ಮುಂದೆ ತರಲು ಹುಡುಕಿದರು.

35 [ಆಗ ಸಹೋದರರು ರಾತ್ರಿಯಲ್ಲಿ ಪೌಲ ಸೀಲರನ್ನು ಬೆರೋಯಕ್ಕೆ ಕಳುಹಿಸಿಕೊಟ್ಟರು.] ಅಲ್ಲಿ ಅವರು ಯೆಹೂದ್ಯರ ಸಭಾಮಂದಿರಕ್ಕೆ ಹೋಗಿ ಅಲ್ಲಿ ಬೋಧಿಸಿದರು.

36 ಯೆಹೂದ್ಯರು ಅವರ ಮೇಲೆ ಕೋಪಗೊಂಡು ಅವರನ್ನು ಹಿಂಸಿಸಿದರು. ಆದರೆ ಪೌಲನು ಎಲ್ಲಿಗೆ ಹೋದರೂ ಅಲ್ಲಿ

Digitized by Google

41 ଯିହୋୟାଖୀନ୍ ଯିରିୟାର ପୁତ୍ର ଯିଖନୀୟ ଓ ଯିହୁଦାର ସମସ୍ତ ଅଧିପତି ଓ ଶିଳ୍ପକାର ଓ କର୍ମକାର ଯିରୂଶାଲମ ଛାଡ଼ି ଚାଲିଗଲା ପରେ ଏହି ସମସ୍ତ ଘଟିଲା ।

40 ଯିରିମୀୟ ଯେତେବେଳେ ରାମାରେ ଥିଲେ, ସେତେବେଳେ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କ ବାକ୍ୟ ତାଙ୍କ ନିକଟରେ ଉପସ୍ଥିତ ହେଲା । ଯିରିମୀୟ ଯିରୂଶାଲମ ଓ ଯିହୁଦାର ଯେଉଁ ସମସ୍ତ ବନ୍ଦୀ ବାବିଲକୁ ନିର୍ବାସିତ ହେବାକୁ ଯାଉଥିଲେ, ସେମାନଙ୍କ ସହିତ ଶିକୁଳିରେ ବନ୍ଧା ଯାଇଥିଲେ, ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରୁ ତାଙ୍କୁ ଛାଡ଼ି ଦେବା ପରେ ଏହି ବାକ୍ୟ ତାଙ୍କ ନିକଟରେ ଉପସ୍ଥିତ ହେଲା ।

39 ଯିରିମୀୟ ଯିରୂଶାଲମ ଓ ଯିହୁଦାର ସମସ୍ତ ଲୋକଙ୍କ ବିଷୟରେ ଯେଉଁ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବାକ୍ୟ କହିଥିଲେ, ତାହା ଏହି ଯେ, ଯିହୋୟାକୀମ୍ ଯିହୋଶୀୟର ପୁତ୍ର ଯିହୁଦାର ରାଜତ୍ୱ କରିବାର ଚତୁର୍ଥ ବର୍ଷରେ ଅର୍ଥାତ୍ ବାବିଲର ରାଜା ନବୂଖଦ୍‌ନିତ୍ସରର ରାଜତ୍ୱ କରିବାର ପ୍ରଥମ ବର୍ଷରେ ଯିରିମୀୟ ଯିହୁଦାର ସମସ୍ତ ଲୋକଙ୍କ ବିଷୟରେ ଯେଉଁ ବାକ୍ୟ କହିଥିଲେ, ତାହା ଏହି ଯେ,

38 ଏହି ସମୟରେ ଯିରିମୀୟ ଯିହୋୟାକୀମ୍ ଯିହୋଶୀୟର ପୁତ୍ର ଯିହୁଦାର ରାଜାଙ୍କ ବିଷୟରେ ଯେଉଁ ସମସ୍ତ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବାକ୍ୟ କହିଥିଲେ, ତାହା ଏହି ଯେ, ଯିହୋୟାକୀମ୍ ଯିହୋଶୀୟର ପୁତ୍ର ଯିହୁଦାର ରାଜତ୍ୱ କରିବାର ଚତୁର୍ଥ ବର୍ଷରେ ଅର୍ଥାତ୍ ବାବିଲର ରାଜା ନବୂଖଦ୍‌ନିତ୍ସରର ରାଜତ୍ୱ କରିବାର ପ୍ରଥମ ବର୍ଷରେ ଯିରିମୀୟ ଯିହୁଦାର ସମସ୍ତ ଲୋକଙ୍କ ବିଷୟରେ ଯେଉଁ ବାକ୍ୟ କହିଥିଲେ, ତାହା ଏହି ଯେ,

37 ଯିହୋୟାକୀମ୍ ଯିହୋଶୀୟର ପୁତ୍ର ଯିହୁଦାର ରାଜତ୍ୱ କରିବାର ଚତୁର୍ଥ ବର୍ଷରେ ଅର୍ଥାତ୍ ବାବିଲର ରାଜା ନବୂଖଦ୍‌ନିତ୍ସରର ରାଜତ୍ୱ କରିବାର ପ୍ରଥମ ବର୍ଷରେ ଯିରିମୀୟ ଯିହୁଦାର ସମସ୍ତ ଲୋକଙ୍କ ବିଷୟରେ ଯେଉଁ ବାକ୍ୟ କହିଥିଲେ, ତାହା ଏହି ଯେ,

Digitized by Google

42 ಅಲ್ಲಿಂದ ಅವರು ಪಾಂಚಾಲ ದೇಶಕ್ಕೆ ಹೋಗಿ ಅಲ್ಲಿ ಯಜ್ಞಸೇನನ ಮಗಳಾದ ಕೃಷ್ಣೆಯ ಸ್ವಯಂವರವನ್ನು ನೋಡಿದರು. ಅಲ್ಲಿ ಅವರು ಬ್ರಾಹ್ಮಣರ ಮಧ್ಯದಲ್ಲಿ ಕುಳಿತಿದ್ದರು. ಅವರು ಅಲ್ಲಿ ಅರ್ಜುನನು ಮೀನಿನ ಗುರಿಯನ್ನು ಭೇದಿಸಿದುದನ್ನು ನೋಡಿದರು.

43 ಆಗ ಅಲ್ಲಿ ಅವರು ಅರ್ಜುನನಿಗೆ ಕೃಷ್ಣೆಯನ್ನು ಕೊಡಲಾಗುವುದನ್ನು ನೋಡಿದರು. ಅವರು ಅಲ್ಲಿ ಕೃಷ್ಣೆಯನ್ನು ಪಡೆದುದನ್ನು ನೋಡಿದರು. ಅವರು ಅಲ್ಲಿ ಕೌರವರು ಸೋತುದನ್ನು ನೋಡಿದರು. ಆಗ ಅಲ್ಲಿ ಅವರು ಕರ್ಣನು ಸೋತುದನ್ನು ನೋಡಿದರು.

44 ಅವರು ಅಲ್ಲಿ ಅರ್ಜುನನು ಯುದ್ಧದಲ್ಲಿ ಶಿವನನ್ನು ಮೆಚ್ಚಿಸಿದುದನ್ನು ನೋಡಿದರು. ಅವರು ಅಲ್ಲಿ ಅರ್ಜುನನು ಅಗ್ನಿಯನ್ನು ತೃಪ್ತಿಪಡಿಸಿದುದನ್ನು ನೋಡಿದರು. ಅವರು ಅಲ್ಲಿ ಅರ್ಜುನನು ಅಗ್ನಿಯಿಂದ ಗಾಂಡೀವ ಧನುಸ್ಸನ್ನು ಪಡೆದುದನ್ನು ನೋಡಿದರು. ಅವರು ಅಲ್ಲಿ ಅರ್ಜುನನು ಅಗ್ನಿಯಿಂದ ಅಕ್ಷಯ ಬತ್ತಳಿಕೆಗಳನ್ನು ಪಡೆದುದನ್ನು ನೋಡಿದರು.

45 ಆಗ ಅಲ್ಲಿ ಅವರು ಅರ್ಜುನನು ಯಾದವ ಶ್ರೇಷ್ಠರಾದ ಕೃಷ್ಣ ಮತ್ತು ಬಲರಾಮರೊಂದಿಗೆ ಮಾತನಾಡುವುದನ್ನು ನೋಡಿದರು.

46 ಆಗ ಅಲ್ಲಿ ಅವರು ಅರ್ಜುನನು ಅಗ್ನಿಯಿಂದ ಪಡೆದ ಧನುಸ್ಸಿನಿಂದ ಯುದ್ಧದಲ್ಲಿ ಚಿತ್ರಸೇನನನ್ನು ಸೋಲಿಸಿದುದನ್ನು ನೋಡಿದರು. ಅವರು ಅಲ್ಲಿ ಅರ್ಜುನನು ಚಿತ್ರಸೇನನಿಂದ ಸಖ್ಯವನ್ನು ಪಡೆದುದನ್ನು ನೋಡಿದರು. ಅವರು ಅಲ್ಲಿ ಅರ್ಜುನನು ಚಿತ್ರಸೇನನಿಂದ ತಪತಿ ಮತ್ತು ಸಂವರಣರ ಕಥೆಯನ್ನು ಕೇಳಿದುದನ್ನು ನೋಡಿದರು.

47 ಆಗ ಅಲ್ಲಿ ಅವರು ಅರ್ಜುನನು ಅಗ್ನಿಯಿಂದ ಪಡೆದ ಧನುಸ್ಸಿನಿಂದ ಯುದ್ಧದಲ್ಲಿ ಪುರೋಚನನನ್ನು ಸುಟ್ಟುಹಾಕಿದುದನ್ನು ನೋಡಿದರು.

48 ಅವರು ಅಲ್ಲಿ ಅರ್ಜುನನು ಅಗ್ನಿಯಿಂದ ಪಡೆದ ಧನುಸ್ಸಿನಿಂದ ಯುದ್ಧದಲ್ಲಿ ಅನೇಕ ರಾಕ್ಷಸರನ್ನು ಕೊಂದುದನ್ನು ನೋಡಿದರು. ಅವರು ಅಲ್ಲಿ ಅರ್ಜುನನು ಅಗ್ನಿಯಿಂದ ಪಡೆದ ಧನುಸ್ಸಿನಿಂದ ಯುದ್ಧದಲ್ಲಿ ಹಿಡಿಂಬಾಸುರನನ್ನು ಕೊಂದುದನ್ನು ನೋಡಿದರು. ಅವರು ಅಲ್ಲಿ ಅರ್ಜುನನು ಅಗ್ನಿಯಿಂದ ಪಡೆದ ಧನುಸ್ಸಿನಿಂದ ಯುದ್ಧದಲ್ಲಿ ಬಕಾಸುರನನ್ನು ಕೊಂದುದನ್ನು ನೋಡಿದರು. ಅವರು ಅಲ್ಲಿ ಅರ್ಜುನನು ಅಗ್ನಿಯಿಂದ ಪಡೆದ ಧನುಸ್ಸಿನಿಂದ ಯುದ್ಧದಲ್ಲಿ ಚೈತ್ರರಥನನ್ನು ಕೊಂದುದನ್ನು ನೋಡಿದರು.

Digitized by Google

49 ומה שהיה מן הנשאר בבית המלך ומן הרכוש אשר נתן יוסף למצרים ויבא יוסף את הכסף בית פרעה׃

50 ומקנה היה ליוסף הרבה מאד עד אשר לא יספר כי רב הוא ויהי כל הארץ מצרים ליוסף׃

51 ויהי אחרי המכרם את הבתים ואת השדות ואת הרכוש ויבא יוסף את הכסף בית פרעה ויהי כל הכסף אשר נמצא בבית המלך ובבתי העבדים ובבתי הרכוש ויבא יוסף את הכסף בית פרעה׃

52 ויהי אחרי המכרם את הבתים ואת השדות ואת הרכוש ויבא יוסף את הכסף בית פרעה׃

ב

1 ויהי אחרי המכרם את הבתים ואת השדות ואת הרכוש ויבא יוסף את הכסף בית פרעה ויהי כל הכסף אשר נמצא בבית המלך ובבתי העבדים ובבתי הרכוש

Digitized by Google

ಮಾಡಿದ ಪಾಪಗಳಿಗೆ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವಾಗಿ ಅವರು ಸಾಯಬೇಕಾಗಿತ್ತು. ಆದರೆ ಅವರು ಸಾಯಲಿಲ್ಲ. ಅವರು ಮಾಡಿದ ಪಾಪಗಳಿಗೆ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವಾಗಿ ಅವರ ಬದಲಾಗಿ ಅವರ ಮಗನು ಸತ್ತನು. ಅವರ ಮಗನು ಮಾಡಿದ ಪಾಪಗಳಿಗೆ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವಾಗಿ ಅವರ ಬದಲಾಗಿ ಅವರ ಮೊಮ್ಮಗನು ಸತ್ತನು. ಅವರ ಮೊಮ್ಮಗನು ಮಾಡಿದ ಪಾಪಗಳಿಗೆ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವಾಗಿ ಅವರ ಬದಲಾಗಿ ಅವರ ಮರಿಮಗನು ಸತ್ತನು. ಅವರ ಮರಿಮಗನು ಮಾಡಿದ ಪಾಪಗಳಿಗೆ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವಾಗಿ ಅವರ ಬದಲಾಗಿ ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮಗನು ಸತ್ತನು. ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮಗನು ಮಾಡಿದ ಪಾಪಗಳಿಗೆ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವಾಗಿ ಅವರ ಬದಲಾಗಿ ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮೊಮ್ಮಗನು ಸತ್ತನು. ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮೊಮ್ಮಗನು ಮಾಡಿದ ಪಾಪಗಳಿಗೆ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವಾಗಿ ಅವರ ಬದಲಾಗಿ ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನು ಸತ್ತನು. ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನು ಮಾಡಿದ ಪಾಪಗಳಿಗೆ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವಾಗಿ ಅವರ ಬದಲಾಗಿ ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮಗನು ಸತ್ತನು. ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮಗನು ಮಾಡಿದ ಪಾಪಗಳಿಗೆ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವಾಗಿ ಅವರ ಬದಲಾಗಿ ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮೊಮ್ಮಗನು ಸತ್ತನು. ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮೊಮ್ಮಗನು ಮಾಡಿದ ಪಾಪಗಳಿಗೆ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವಾಗಿ ಅವರ ಬದಲಾಗಿ ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನು ಸತ್ತನು. ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನು ಮಾಡಿದ ಪಾಪಗಳಿಗೆ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವಾಗಿ ಅವರ ಬದಲಾಗಿ ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮಗನು ಸತ್ತನು. ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮಗನು ಮಾಡಿದ ಪಾಪಗಳಿಗೆ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವಾಗಿ ಅವರ ಬದಲಾಗಿ ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮೊಮ್ಮಗನು ಸತ್ತನು. ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮೊಮ್ಮಗನು ಮಾಡಿದ ಪಾಪಗಳಿಗೆ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವಾಗಿ ಅವರ ಬದಲಾಗಿ ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನು ಸತ್ತನು. ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನು ಮಾಡಿದ ಪಾಪಗಳಿಗೆ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವಾಗಿ ಅವರ ಬದಲಾಗಿ ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮಗನು ಸತ್ತನು. ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮಗನು ಮಾಡಿದ ಪಾಪಗಳಿಗೆ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವಾಗಿ ಅವರ ಬದಲಾಗಿ ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮೊಮ್ಮಗನು ಸತ್ತನು. ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮೊಮ್ಮಗನು ಮಾಡಿದ ಪಾಪಗಳಿಗೆ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವಾಗಿ ಅವರ ಬದಲಾಗಿ ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನು ಸತ್ತನು. ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನು ಮಾಡಿದ ಪಾಪಗಳಿಗೆ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವಾಗಿ ಅವರ ಬದಲಾಗಿ ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮಗನು ಸತ್ತನು. ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮಗನು ಮಾಡಿದ ಪಾಪಗಳಿಗೆ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವಾಗಿ ಅವರ ಬದಲಾಗಿ ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮೊಮ್ಮಗನು ಸತ್ತನು. ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮೊಮ್ಮಗನು ಮಾಡಿದ ಪಾಪಗಳಿಗೆ ಪ್ರಾಯಶ್ಚಿತ್ತವಾಗಿ ಅವರ ಬದಲಾಗಿ ಅವರ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನ ಮರಿಮಗನು ಸತ್ತನು. ಅವರ ಮರಿಮಗನ

12 ...

13 [illegible]

14 [illegible]

15 [illegible]

16 [illegible]

17 [illegible]

Digitized by Google

18 ଯିହିଷ୍କୀୟ ଯାଜକ ଓ ଲେବୀୟ ଯେଉଁମାନେ ଆମ୍ଭ ନିକଟକୁ ଆସିବେ, ସେମାନଙ୍କୁ ଏହି ସମସ୍ତ କଥା କହିବ।

19 ଯାଜକମାନେ ଯେପରି ଆମ୍ଭର ସେବା କରିବେ, ଏଥିପାଇଁ ଆମ୍ଭେ ସେମାନଙ୍କୁ ଏହି ଆଜ୍ଞା ଦେଉଅଛୁ। ଯେତେବେଳେ ସେମାନେ ଆମ୍ଭର ପବିତ୍ର ସ୍ଥାନକୁ ଯିବେ, ସେତେବେଳେ ସେମାନେ ଏହି ଆଜ୍ଞା ପାଳନ କରିବେ। ଯେତେବେଳେ ସେମାନେ ଆମ୍ଭର ବେଦି ନିକଟକୁ ଯିବେ, ସେତେବେଳେ ସେମାନେ ଏହି ଆଜ୍ଞା ପାଳନ କରିବେ। ଯେତେବେଳେ ସେମାନେ ଆମ୍ଭର ଉପାସନା ଗୃହକୁ ଯିବେ, ସେତେବେଳେ ସେମାନେ ଏହି ଆଜ୍ଞା ପାଳନ କରିବେ। ଯେତେବେଳେ ସେମାନେ ଆମ୍ଭର ଉପାସନା ଗୃହର ଦ୍ୱାରକୁ ଯିବେ, ସେତେବେଳେ ସେମାନେ ଏହି ଆଜ୍ଞା ପାଳନ କରିବେ। ଯେତେବେଳେ ସେମାନେ ଆମ୍ଭର ଉପାସନା ଗୃହର ଦ୍ୱାରକୁ ଯିବେ, ସେତେବେଳେ ସେମାନେ ଏହି ଆଜ୍ଞା ପାଳନ କରିବେ।

20 ଯାଜକମାନେ ନିଜ ମସ୍ତକର କେଶ ମୁଣ୍ଡାଇବେ ନାହିଁ କିମ୍ବା ଲମ୍ବା କେଶ ରଖିବେ ନାହିଁ। ସେମାନେ ନିଜ ମସ୍ତକର କେଶ ଛାଟିବେ।

21 ଯିହିଷ୍କୀୟ ଯାଜକମାନେ ଆମ୍ଭ ଉପାସନା ଗୃହର ଭିତର ପ୍ରାଙ୍ଗଣରେ ପ୍ରବେଶ କରିବା ସମୟରେ ଦ୍ରାକ୍ଷାରସ ପାନ କରିବେ ନାହିଁ। ସେମାନେ ବାହାର ପ୍ରାଙ୍ଗଣକୁ ଯିବା ସମୟରେ ଦ୍ରାକ୍ଷାରସ ପାନ କରିବେ ନାହିଁ।

22 ସେମାନେ ବିବାହ କରିବା ସମୟରେ ବିଧବା ସ୍ତ୍ରୀଲୋକକୁ ବିବାହ କରିବେ ନାହିଁ। ସେମାନେ ତ୍ୟକ୍ତା ସ୍ତ୍ରୀଲୋକକୁ ବିବାହ କରିବେ ନାହିଁ। ସେମାନେ ଇସ୍ରାଏଲ ବଂଶର ବିବାହିତା ସ୍ତ୍ରୀଲୋକକୁ ବିବାହ କରିବେ। ସେମାନେ ଯାଜକ ପରିବାରର ବିଧବା ସ୍ତ୍ରୀଲୋକକୁ ବିବାହ କରିବେ।

Digitized by Google

23 ಯಿಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರು ಅವರ ಮುಂದೆ ಹೋಗಿ ಅವರ ಪಾಳೆಯದ ಕಡೆಯಲ್ಲಿ ಅವರ ಸೈನ್ಯಗಳ ಕಡೆಯಲ್ಲಿ ಬಂದು ಅವರ ಪಟ್ಟಣಗಳ ಹತ್ತಿರ ಬಂದಾಗ ಅವರು ಅಲ್ಲಿ ಅವರ ಪಟ್ಟಣಗಳಲ್ಲಿ ಅವರ ಹೊಲಗಳಲ್ಲಿ ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರಿಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಯುದ್ಧಕ್ಕೆ ಸಿದ್ಧವಾಗಿ ನಿಂತಿದ್ದರು.

24 ಆಗ ಅವರು ಅವರನ್ನು ಹೊಡೆದರು, ಅವರು ಅವರ ಮುಂದೆ ನಿಲ್ಲಲಾರದೆ ಹೋದರು, ಅವರು ಅವರಲ್ಲಿ ಬಹಳ ಜನರನ್ನು ಕೊಂದರು.

25 ಆಗ ಅವರು ಅವರನ್ನು ಸೋಲಿಸಿದರು, ಅವರು ಅವರನ್ನು ಹಿಂದಟ್ಟಿದರು, ಅವರು ಅವರನ್ನು ಅವರ ಪಟ್ಟಣಗಳಲ್ಲಿ ಸೋಲಿಸಿದರು.

26 ಆಗ ಅವರು ಬೆಥೇಲಿಗೆ ಬಂದರು, ಅವರು ಅಲ್ಲಿ ಅಳುತ್ತಾ ಕರ್ತನ ಮುಂದೆ ಕುಳಿತರು, ಅವರು ಆ ದಿನ ಸಾಯಂಕಾಲದವರೆಗೆ ಉಪವಾಸ ಮಾಡಿದರು, ಅವರು ಕರ್ತನಿಗೆ ಸರ್ವಾಂಗಹೋಮಗಳನ್ನು ಸಮಾಧಾನಯಜ್ಞಗಳನ್ನು ಅರ್ಪಿಸಿದರು.

27 ಆಗ ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರು ಕರ್ತನನ್ನು ವಿಚಾರಿಸಿದರು, ಆ ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ದೇವರ ಒಡಂಬಡಿಕೆಯ ಮಂಜೂಷವು ಅಲ್ಲಿತ್ತು,

28 ಆರೋನನ ಮಗನಾದ ಎಲ್ಲಾಜರನ ಮಗನಾದ ಫೀನೆಹಾಸನು ಆ ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಅದರ ಮುಂದೆ ನಿಂತಿದ್ದನು, ಅವರು ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ನಾವು ಇನ್ನೂ ನಮ್ಮ ಸಹೋದರರಾದ ಬೆನ್ಯಾಮೀನ್ಯರೊಂದಿಗೆ ಯುದ್ಧಕ್ಕೆ ಹೋಗಬೇಕೋ ಅಥವಾ ಬಿಟ್ಟುಬಿಡಬೇಕೋ? ಕರ್ತನು ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಹೋಗಿರಿ, ನಾಳೆ ನಾನು ಅವರನ್ನು ನಿಮ್ಮ ಕೈಗೆ ಒಪ್ಪಿಸುವೆನು.

29 ಆಗ ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರು ಗಿಬೆಯದ ಸುತ್ತಲೂ ಹೊಂಚುಗಾರರನ್ನು ಇಟ್ಟರು, ಅವರು ಮೂರನೆಯ ದಿನದಲ್ಲಿ ಬೆನ್ಯಾಮೀನ್ಯರಿಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಹೋಗಿ ಮೊದಲಿನಂತೆ ಗಿಬೆಯದ ವಿರುದ್ಧವಾಗಿ ಯುದ್ಧಕ್ಕೆ ಸಿದ್ಧವಾಗಿ ನಿಂತಿದ್ದರು.

30 ಆಗ ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರು ಬೆನ್ಯಾಮೀನ್ಯರಿಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಹೋಗಿ ಮೊದಲಿನಂತೆ ಗಿಬೆಯದ ವಿರುದ್ಧವಾಗಿ ಯುದ್ಧಕ್ಕೆ ಸಿದ್ಧವಾಗಿ ನಿಂತಿದ್ದರು.

31 ಆಗ ಬೆನ್ಯಾಮೀನ್ಯರು ಜನರ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಹೊರಟರು, ಅವರು ಪಟ್ಟಣದಿಂದ ಸೆಳೆಯಲ್ಪಟ್ಟರು, ಅವರು ಮೊದಲಿನಂತೆ ಜನರನ್ನು ಹೊಡೆಯಲು ಪ್ರಾರಂಭಿಸಿದರು, ಅವರು ಇಸ್ರಾಯೇಲಿನ ಮಾರ್ಗಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದರಲ್ಲಿ ಹೊಲದಲ್ಲಿ ಸುಮಾರು ಮೂವತ್ತು ಜನರನ್ನು ಕೊಂದರು.

Digitized by Google

32 ואת אחיו ואת אחותו ואת אביו ואת אמו ואת אשתו ואת בניו ואת בנותיו ואת כל אנשי ביתו ואת כל אנשי מחנהו ואת כל אנשי עירו ואת כל אנשי מדינתו ואת כל אנשי ארצו ואת כל אנשי ממלכתו ואת כל אנשי עמו ואת כל אנשי שבטו ואת כל אנשי משפחתו ואת כל אנשי בית אבותיו ואת כל אנשי בית אמותיו ואת כל אנשי בית אחיותיו ואת כל אנשי בית אחיו ואת כל אנשי בית אחותו ואת כל אנשי בית אשתו ואת כל אנשי בית בניו ואת כל אנשי בית בנותיו ואת כל אנשי בית עבדיו ואת כל אנשי בית שפחותיו ואת כל אנשי בית גרו ואת כל אנשי בית תושביו ואת כל אנשי בית שכיריו ואת כל אנשי בית פקידיו ואת כל אנשי בית משרתיו ואת כל אנשי בית רוכליו ואת כל אנשי בית סוחריו ואת כל אנשי בית חנוניו ואת כל אנשי בית בעליו ואת כל אנשי בית נושיו ואת כל אנשי בית לוויו ואת כל אנשי בית מלוויו ואת כל אנשי בית ערביו ואת כל אנשי בית ערבותיו ואת כל אנשי בית משכנתיו ואת כל אנשי בית משכנותיו ואת כל אנשי בית משכנאותיו ואת כל אנשי בית משכנאיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאותיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאותיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאותיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאותיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאותיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאותיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאותיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאותיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאותיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאותיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאותיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאותיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאותיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאותיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאותיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאותיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאותיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאותיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאי משכנאותיו ואת כל אנשי בית משכנאיו ואת כל אנשי בית משכנאי משכנאותיו ואת כל אנשי בית משכנאי

ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାରେ ଏଇ ଦୁଇଟି ଶବ୍ଦ ଏକ ଅର୍ଥରେ ବ୍ୟବହୃତ ହୁଏ ।

3 ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାରେ ଅନେକ ଶବ୍ଦ ଅଛି ଯାହା ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ନାହିଁ । ଯେମିତି ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାରେ ଅନେକ ଶବ୍ଦ ଅଛି ଯାହା ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ନାହିଁ ସେମିତି ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ଅନେକ ଶବ୍ଦ ଅଛି ଯାହା ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାରେ ନାହିଁ ।

4 ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାରେ ଅନେକ ଶବ୍ଦ ଅଛି ଯାହା ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ଅଛି ଏବଂ ଅର୍ଥ ଭିନ୍ନ ଭିନ୍ନ । ସେମିତି ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ଅନେକ ଶବ୍ଦ ଅଛି ଯାହା ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାରେ ଅଛି ଏବଂ ଅର୍ଥ ଭିନ୍ନ ଭିନ୍ନ ।

5 ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାରେ ଅନେକ ଶବ୍ଦ ଅଛି ଯାହା ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ଅଛି ଏବଂ ଅର୍ଥ ଏକ । ସେମିତି ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ଅନେକ ଶବ୍ଦ ଅଛି ଯାହା ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାରେ ଅଛି ଏବଂ ଅର୍ଥ ଏକ ।

6 ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାରେ ଅନେକ ଶବ୍ଦ ଅଛି ଯାହା ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ନାହିଁ । ସେମିତି ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ଅନେକ ଶବ୍ଦ ଅଛି ଯାହା ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାରେ ନାହିଁ । ଏମିତି ଅନେକ ଶବ୍ଦ ଅଛି ଯାହା ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାରେ ଅଛି ଏବଂ ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ଅଛି ଏବଂ ଅର୍ଥ ଭିନ୍ନ ଭିନ୍ନ ।

7 ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାରେ ଅନେକ ଶବ୍ଦ ଅଛି ଯାହା ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ଅଛି ଏବଂ ଅର୍ଥ ଏକ ।

8 ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାରେ ଅନେକ ଶବ୍ଦ ଅଛି ଯାହା ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ଅଛି ଏବଂ ଅର୍ଥ ଭିନ୍ନ ଭିନ୍ନ । ସେମିତି ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ଅନେକ ଶବ୍ଦ ଅଛି ଯାହା ସମ୍ବଲପୁରୀ ଭାଷାରେ ଅଛି ଏବଂ ଅର୍ଥ ଭିନ୍ନ ଭିନ୍ନ ।

Digitized by Google

6 ויהי אחרי מות יהושע וישאלו בני ישראל ביהוה לאמר מי יעלה לנו אל הכנעני בתחלה להלחם בו׃ 7 ויאמר יהוה יהודה יעלה הנה נתתי את הארץ בידו׃ 8 ויאמר יהודה אל שמעון אחיו עלה אתי בגורלי והלחמה בכנעני והלכתי גם אני אתך בגורלך וילך שמעון עמו׃ 9 ויעל יהודה וינתן יהוה את הכנעני והפרזי בידם ויכו אותם בבזק עשרת אלפים איש׃ 10 וימצאו את אדני בזק בבזק וילחמו בו ויכו את הכנעני ואת הפרזי׃ 11 וינס אדני בזק וירדפו אחריו ויתפשו אתו ויקצצו את בהנות ידיו ורגליו׃ 12 ויאמר אדני בזק שבעים מלכים בהנות ידיהם ורגליהם קצצים היו מלקטים תחת שלחני כאשר עשיתי כן שלם לי אלהים ויביאהו ירושלם ויבא שם׃ 13 ויעשו בני יהודה את ירושלם וילכדוה ויכוה לפי חרב ואת העיר שלחו באש׃

14 ואחרי כן ירדו בני יהודה להלחם בכנעני יושב ההר והנגב והשפלה׃ 15 וילך יהודה אל הכנעני יושב בחברון ושם חברון לפנים קריית ארבע ויכו את ששי ואת אחימן ואת תלמי׃

Digitized by Google

16 ואמר אליהם כה כתוב ככה היה המשיח לסבול ולקום מן המתים ביום השלישי
ולהטיף בשמו תשובה לסליחת חטאים בכל העמים החל מירושלים ואתם עדים
לדברים האלה ואני הנה אשלח עליכם את הבטחת אבי אתם אבל שבו בעיר
ירושלים עד אשר תלבשו כח מן המרום:

17 ויוציא אותם החוצה עד בית עניה וישא את ידיו ויברכם: ויהי בברכו אותם
ויפרד מהם ויעל השמימה: ויסגדו לו ויחזרו לירושלים בשמחה גדולה:

18 ויהיו תמיד בבית התפלה מהללים ומברכים את האלהים: ויהי בשנה ההיא
ויקבצו כל הכהנים והלוים ויבואו אל הבית ויקחו את ספר התורה ויקראו בו
לפני כל העם: ויהי בקרוא בו ויבינו כי כתוב בו כי לא יבוא עמוני ומואבי בקהל
האלהים עד עשרת דורות כי לא קדמו את בני ישראל בלחם ובמים ויקראו
בקול ויאמרו כי כן הוא כתוב בספר התורה אשר נתן משה עבד האלהים:

19 ויהי כאשר שמעו את הדבר הזה ויבדילו כל ערב רב מישראל:

20 ויהי אחרי כן ויבא אליהם נחמיה ויאמר אליהם הנה אנכי מגיד לכם כי
ביום הזה נתן האלהים לנו ולכם ולכל ישראל את הארץ הזאת ואתם ישבתם
בה ואנחנו נלחמנו בעבורכם ויהי כי נתן האלהים את הארץ הזאת לאבותינו
ולנו ולכם:

21 ואתם אל תתנו את בנותיכם לבני העמים האלה ואת בנותיהם אל תקחו
לבניכם ואל תבקשו את שלומם ואת טובתם לעולם למען תחזקו ותאכלו את
טוב הארץ ותורישו אותה לבניכם לנצח:

22 ויהי אחרי כן ויבא אליהם נחמיה ויאמר אליהם הנה אנכי מגיד לכם כי

Digitized by Google

23 וְהִנֵּה אֲנִי מְבִיא אֶת־עֲנַן כְּבוֹדִי עֲלֵיהֶם וְלֹא יָכְלוּ לַעֲמֹד לִפְנֵי הָעֲנָן כִּי כְבוֹד יְהוָה מָלֵא אֶת־הַבַּיִת׃ וְהָעֲנָן עָמַד בֵּינִי וּבֵינ

ကုန်းဘောင်ခေတ် ကတော်ဘုရားများ ဖြစ်ကတတ်ကြကုန်သည်။ ထိုအခါ ဘုရားကို ကတော်ဘုရားများ ကမာတော်ကြီးများ ဖြစ်ကတတ်ကြကုန်သည်။ ကမာတော်ကြီးများ ဖြစ်ကတတ်ကြကုန်သည်။

28 သည်ကတော်ကမာတော်ကြီးတို့ကို ကုန်းဘောင်ခေတ် ဘုရားများ ကမာတော်ကြီးများ ဖြစ်ကတတ်ကြကုန်သည်။

29 ဘုရားကတော်ကြီးတို့ ကမာတော်ကြီးများ ဖြစ်ကတတ်ကြသော်လည်း ကမာတော်ကြီးများ ဘုရားကတော်ကြီးများ ဖြစ်ကတတ်ကြသည်မဟုတ်။ ကမာတော်ကြီးများ ဘုရားကတော်ကြီးများ ဖြစ်ကတတ်ကြသည်မဟုတ်။ ထိုကမာတော်ကြီးများသည် ဘုရားကတော်ကြီးများ ဖြစ်ကတတ်ကြသည်။

30 ဘုရားကတော်ကမာတော်ကြီးများ ဖြစ်ကတတ်ကြသည်။ ကမာတော်ကြီးများ ဘုရားကတော်ကြီးများ ဖြစ်ကတတ်ကြသည်။

31 ဘုရားကတော်ကမာတော်ကြီးများ ဖြစ်ကတတ်ကြသည်။ ကမာတော်ကြီးများ ဘုရားကတော်ကြီးများ ဖြစ်ကတတ်ကြသည်။

32 ထိုအခါ ဘုရားကတော်ကမာတော်ကြီးများ ဖြစ်ကတတ်ကြသည်။ ကမာတော်ကြီးများ ဘုရားကတော်ကြီးများ ဖြစ်ကတတ်ကြသည်။

33 ထိုအခါ ကမာတော်ကြီးများ ဖြစ်ကတတ်ကြသည်။ ကမာတော်ကြီးများ ဘုရားကတော်ကြီးများ ဖြစ်ကတတ်ကြသည်။

34 ကမာတော်ကြီးများ ဖြစ်ကတတ်ကြသည်။ ထိုအခါ ကမာတော်ကြီးများ ဘုရားကတော်ကြီးများ ဖြစ်ကတတ်ကြသည်။ ကမာတော်ကြီးများ ဘုရားကတော်ကြီးများ ဖြစ်ကတတ်ကြသည်။

Digitized by Google

35 ...

36 ...

37 ...

38 ...

39 ...

Digitized by Google

40 ئیسا وەڵامی دایەوە و پێی گوتن: «ڕاستیتان پێ دەڵێم، ئەگەر ئەمانە
بێدەنگ بن، بەردەکان هاوار دەکەن.»

41 کاتێک نزیک بووەوە و شارەکەی بینی، بۆی گریا و گوتی: «ئەگەر تۆ
ئەمڕۆ ئەو شتانەی بزانیایە کە ببنە هۆی ئاشتیت! بەڵام ئێستا لە چاوی
تۆ شاردراونەتەوە. چونکە ڕۆژانێک دێن دوژمنەکانت بەربەستێک
لەدەورت دروست دەکەن و دەوری دەدەن و لە هەموو لایەکەوە
گوشارت دەخەنە سەر، **42** و تۆ و منداڵەکانت لەناو دەبەن. بەردێک
لەسەر بەردێک ناهێڵن، چونکە کاتی سەردانکردنی خوات نەزانی.»

43 ئینجا هاتە ناو پەرستگا و دەستی بە دەرکردنی ئەو کەسانە کرد
کە لەوێ دەفرۆشتن، **44** و پێی گوتن: «نووسراوە: ماڵی من ماڵی
نوێژکردن دەبێت، بەڵام ئێوە کردوتانە بە شوێنی دزان.»

Digitized by Google

೩

1 ಯೆಹೋವನು ಸೀನಾಯಿ ಅರಣ್ಯದಲ್ಲಿ ಮೋಶೆಯೊಡನೆ ಮಾತನಾಡಿದ ದಿವಸದಲ್ಲಿ ಆರೋನ್ ಮೋಶೆಯರ ಸಂತತಿಯವರು ಇವರೇ. 2 ಆರೋನನ ಮಕ್ಕಳ ಹೆಸರುಗಳು ಚೊಚ್ಚಲಮಗನಾದ ನಾದಾಬ್, ಅಬೀಹೂ, ಎಲ್ಲಾಜಾರ್, ಈತಾಮಾರ್ ಎಂಬವರು. 3 ಇವರು ಆರೋನನ ಮಕ್ಕಳಾಗಿದ್ದು ಅಭಿಷೇಕಹೊಂದಿ ಯಾಜಕರಾಗಿ ಪ್ರತಿಷ್ಠೆಹೊಂದಿದವರು. 4 ಆದರೆ ನಾದಾಬ್ ಅಬೀಹೂ ಎಂಬವರು ಸೀನಾಯಿ ಅರಣ್ಯದಲ್ಲಿ ಯೆಹೋವನ ಸನ್ನಿಧಿಯಲ್ಲಿ ಅನ್ಯಾಗ್ನಿಯನ್ನು ಅರ್ಪಿಸಿದಾಗ ಯೆಹೋವನ ಸನ್ನಿಧಿಯಲ್ಲಿ ಸತ್ತರು. ಅವರಿಗೆ ಮಕ್ಕಳಿರಲಿಲ್ಲ. ಎಲ್ಲಾಜಾರ್ ಈತಾಮಾರ್ ಎಂಬವರು ತಂದೆಯಾದ ಆರೋನನ ಜೀವಮಾನದಲ್ಲಿ ಯಾಜಕರಾಗಿ ಸೇವೆಮಾಡಿದರು.

5 ಯೆಹೋವನು ಮೋಶೆಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, 6 ಲೇವಿಯ ಕುಲವನ್ನು ಸೇರಿಸಿ ಯಾಜಕನಾದ ಆರೋನನ ಸೇವೆಗಾಗಿ ಅವನ ಮುಂದೆ ನಿಲ್ಲಿಸು. ಅವರು ಅವನಿಗೂ ಸಮಸ್ತ ಸಭೆಗೂ ಸೇವೆಮಾಡಿ ಗುಡಾರದ ಕೆಲಸವನ್ನು ನೆರವೇರಿಸಲಿ. 7 ಅವರು ಗುಡಾರದ ಸಮಸ್ತ ಉಪಕರಣಗಳನ್ನು ಕಾಪಾಡಿ ಇಸ್ರಾಯೇಲರ ಪರವಾಗಿ ಗುಡಾರದ ಕೆಲಸವನ್ನು ನೆರವೇರಿಸಲಿ. 8 ಗುಡಾರದ ಸಮಸ್ತ ಉಪಕರಣಗಳನ್ನು ಕಾಪಾಡಿ ಇಸ್ರಾಯೇಲರ ಪರವಾಗಿ ಗುಡಾರದ ಕೆಲಸವನ್ನು ನೆರವೇರಿಸಲಿ. 9 ಲೇವಿಯರನ್ನು ಆರೋನನಿಗೂ ಅವನ ಮಕ್ಕಳಿಗೂ ಒಪ್ಪಿಸಿಕೊಡು; ಅವರು ಇಸ್ರಾಯೇಲರಿಂದ ಆರೋನನಿಗೆ ಸಮರ್ಪಿತರಾಗಿರಲಿ. 10 ಆರೋನನ ಮಕ್ಕಳನ್ನು ನೇಮಿಸಿ ಅವರು ಯಾಜಕರಾಗಿ ಸೇವೆಮಾಡುವಂತೆ ಮಾಡು. ಅನ್ಯನು ಸಮೀಪಿಸಿದರೆ ಅವನಿಗೆ ಮರಣಶಿಕ್ಷೆಯಾಗಲಿ.

Digitized by Google

6 ماهاراجا، ايسا هي ايک بار ميں نے سنا تھا کہ ايک برہمن نے ايک راجا سے ايک گائے مانگی تھی۔ راجا نے اس کو ايک ہزار گائے دينے کا وعدہ کيا تھا۔ ليکن اس نے اس کو ايک بھی گائے نہيں دی تھی۔

7 ماہاراجا، ايسا ہی ايک بار ميں نے سنا تھا کہ ايک برہمن نے ايک راجا سے ايک گھوڑا مانگا تھا۔ راجا نے اس کو ايک ہزار گھوڑے دينے کا وعدہ کيا تھا۔ ليکن اس نے اس کو ايک بھی گھوڑا نہيں دیا تھا۔

8 ويشمپايان نے جنميجے سے کہا، ماہاراجا، ايسا ہی ايک بار ميں نے سنا تھا کہ ايک برہمن نے ايک راجا سے ايک ہاتھی مانگا تھا۔ راجا نے اس کو ايک ہزار ہاتھی دينے کا وعدہ کيا تھا۔ ليکن اس نے اس کو ايک بھی ہاتھی نہيں دیا تھا۔

9 ماہاراجا، ايسا ہی ايک بار ميں نے سنا تھا کہ ايک برہمن نے ايک راجا سے ايک ہزار گائے مانگی تھی۔ راجا نے اس کو ايک ہزار گائے دينے کا وعدہ کيا تھا۔ ليکن اس نے اس کو ايک بھی گائے نہيں دی تھی۔

10 ماہاراجا، ايسا ہی ايک بار ميں نے سنا تھا کہ ايک برہمن نے ايک راجا سے ايک ہزار گھوڑے مانگے تھے۔ راجا نے اس کو ايک ہزار گھوڑے دينے کا وعدہ کيا تھا۔ ليکن اس نے اس کو ايک بھی گھوڑا نہيں دیا تھا۔

11 ماہاراجا، ايسا ہی ايک بار ميں نے سنا تھا کہ ايک برہمن نے ايک راجا سے ايک ہزار ہاتھی مانگے تھے۔ راجا نے اس کو ايک ہزار ہاتھی دينے کا وعدہ کيا تھا۔ ليکن اس نے اس کو ايک بھی ہاتھی نہيں دیا تھا۔

Digitized by Google

12 וְהִנֵּה אֲנִי מְבָרֵךְ אֶת־אֲבִימֶלֶךְ וְאֶת־בֵּיתוֹ וְאֶת־כָּל־אֲשֶׁר־לוֹ וְהִנֵּה אֲנִי מְבָרֵךְ אֶת־שָׂרָה וְאֶת־בֵּיתָהּ וְאֶת־כָּל־אֲשֶׁר־לָהּ וְהִנֵּה אֲנִי מְבָרֵךְ אֶת־אֲבִימֶלֶךְ וְאֶת־בֵּיתוֹ וְאֶת־כָּל־אֲשֶׁר־לוֹ וְהִנֵּה אֲנִי מְבָרֵךְ אֶת־שָׂרָה וְאֶת־בֵּיתָהּ וְאֶת־כָּל־אֲשֶׁר־לָהּ

13 וְהִנֵּה אֲנִי מְבָרֵךְ אֶת־אֲבִימֶלֶךְ וְאֶת־בֵּיתוֹ וְאֶת־כָּל־אֲשֶׁר־לוֹ וְהִנֵּה אֲנִי מְבָרֵךְ אֶת־שָׂרָה וְאֶת־בֵּיתָהּ וְאֶת־כָּל־אֲשֶׁר־לָהּ

14 וַיִּקַּח אַבְרָהָם צֹאן וּבָקָר וַעֲבָדִים וּשְׁפָחוֹת וַיִּתֵּן לַאֲבִימֶלֶךְ וַיָּשֶׁב לוֹ אֶת־שָׂרָה אִשְׁתּוֹ וַיֹּאמֶר אֲבִימֶלֶךְ הִנֵּה אַרְצִי לְפָנֶיךָ בַּטּוֹב בְּעֵינֶיךָ שֵׁב

15 וְלִשְׂרָה אָמַר הִנֵּה נָתַתִּי אֶלֶף כֶּסֶף לְאָחִיךְ הִנֵּה הוּא לָךְ כְּסוּת עֵינַיִם לְכֹל אֲשֶׁר אִתָּךְ וְאֵת כֹּל וְנֹכָחַת

16 וַיֹּאמֶר אַבְרָהָם אֶל־אֲבִימֶלֶךְ וַיִּתֵּן אַבְרָהָם לַאֲבִימֶלֶךְ וַיִּתֵּן לוֹ אֶת־שָׂרָה אִשְׁתּוֹ

17 וַיִּתְפַּלֵּל אַבְרָהָם אֶל־הָאֱלֹהִים וַיִּתְפַּלֵּל אַבְרָהָם אֶל־הָאֱלֹהִים וַיִּתְפַּלֵּל אַבְרָהָם אֶל־הָאֱלֹהִים

Digitized by Google

ויהי כאשר כלו כל הגוי המלחמה למות מקרב העם ויתמו׃
18 ויהי כי ספרו כל בני עשו ראשי אלפי ישראל ויפקד את כל
בני יעקב ויהי כל הנפשות אשר באו מצרים שבעים נפש׃
19 ויהי כי ספרו כל בני יעקב ראשי אלפי ישראל ויפקד את כל
בני יעקב ויהי כל הנפשות אשר באו מצרים שבעים נפש׃
20 ויהי כי ספרו כל בני יעקב ראשי אלפי ישראל ויפקד את כל
בני יעקב ויהי כל הנפשות אשר באו מצרים שבעים נפש׃
21 ויהי כי ספרו כל בני יעקב ראשי אלפי ישראל ויפקד את כל
בני יעקב ויהי כל הנפשות אשר באו מצרים שבעים נפש׃
22 ויהי כי ספרו כל בני יעקב ראשי אלפי ישראל ויפקד את כל
בני יעקב ויהי כל הנפשות אשר באו מצרים שבעים נפש׃

Digitized by Google

23 ומאז ואילך לא היה עוד מלחמה, ויהי אסא שלם עם אלהיו
כל ימיו, ויעש אסא הטוב והישר בעיני יהוה אלהיו:

24 ויסר את המזבחות הנכר ובמות ושבר את המצבות וכרת את
האשרים ויאמר ליהודה לדרוש את יהוה אלהי אבותיהם ולעשות
התורה והמצוה: 25 וגם את הבמות ואת החמנים הסיר מכל ערי
יהודה, ותשקט הממלכה לפניו: 26 ויבן ערי מצור ביהודה כי שקטה
הארץ ואין עמו מלחמה בשנים האלה כי הניח יהוה לו: 27 ויאמר
לבני יהודה נבנה את הערים האלה ונסב חומה ומגדלים דלתים
ובריחים עודנה הארץ לפנינו כי דרשנו את יהוה אלהינו דרשנו
ויניח לנו מסביב: 28 ויבנו ויצלחו: ויהי לאסא חיל נושאי צנה
ורמח מיהודה שלש מאות אלף ומבנימן נושאי מגן ודרכי קשת
מאתים ושמנים אלף כל אלה גבורי חיל:

Digitized by Google

29 ויהי אחרי מות יהושע ויאמרו בני ישראל ביהוה לאמר מי יעלה לנו אל הכנעני בתחלה להלחם בו׃ **30** ויאמר יהוה יהודה יעלה הנה נתתי את הארץ בידו׃ ויאמר יהודה לשמעון אחיו עלה אתי בגורלי והלחמה בכנעני והלכתי גם אני אתך בגורלך וילך אתו שמעון׃ **31** ויעל יהודה ויתן יהוה את הכנעני והפרזי בידם ויכום בבזק עשרת אלפים איש׃ **32** וימצאו את אדני בזק בבזק וילחמו בו ויכו את הכנעני והפרזי׃

33 ויברח אדני בזק וירדפו אחריו ויתפשהו ויקצצו את בהנות ידיו ורגליו׃ ויאמר אדני בזק שבעים מלכים בהנות ידיהם ורגליהם קצצים היו מלקטים תחת שלחני כאשר עשיתי כן שלם לי אלהים ויביאהו ירושלם וימת שם׃

34 ויבאו בני יהודה וילחמו בירושלם ויכדוה לפי חרב ויצתו את העיר באש׃ ואחרי כן ירדו בני יהודה להלחם בכנעני ישב ההר והנגב והשפלה׃

35 ומה מעט הוא הדבר הזה בעיני יי׳ ואדבר גם על בית עבדך למרחוק ואת תורת האדם אדני יי׳׃

36 ועתה מה יוסיף דוד עוד אליך ואתה ידעת את עבדך אדני יי׳ בעבור דברך ובלבבך עשית את כל הגדלה הזאת להודיע את כל הגדולות׃

37 יי׳ מה גדלת כמוך ואין אלהים זולתך בכל אשר שמענו באזנינו׃

38 ומי כעמך כישראל גוי אחד בארץ אשר הלכו אלהים לפדות לו לעם ולשום לו שם ולעשות לכם הגדולה והנוראות לגרש מפני עמך אשר פדית ממצרים גוים ואלהיו׃

39 ותכן לך את עמך ישראל לעם עד עולם ואתה יי׳ היית להם לאלהים׃

ח

1 ויהי אחרי כן ויך דוד את פלשתים ויכנעם ויקח דוד את מתג האמה מיד פלשתים׃

2 ...

3 ...

4 ...

5 ...

6 ...

7 ...

Digitized by Google

12 וְהִנֵּה אֲנִי מְבִיא עֲלֵיהֶם רְפוּאָה וּמַרְפֵּא וְרִפִּאתִים וְגִלִּיתִי לָהֶם שֶׁפַע שָׁלוֹם וֶאֱמֶת׃

11 וְשַׁבְתִּי אֶת שְׁבוּת יְהוּדָה וְאֶת שְׁבוּת יִשְׂרָאֵל וּבְנִיתִים כְּבָרִאשׁוֹנָה׃

10 כֹּה אָמַר יְהוָה עוֹד יִשָּׁמַע בַּמָּקוֹם הַזֶּה אֲשֶׁר אַתֶּם אֹמְרִים חָרְבָה הִיא מֵאֵין אָדָם וּמֵאֵין בְּהֵמָה בְּעָרֵי יְהוּדָה וּבְחוּצוֹת יְרוּשָׁלַיִם הַנְּשַׁמּוֹת מֵאֵין אָדָם וּמֵאֵין יוֹשֵׁב וּמֵאֵין בְּהֵמָה׃

9 וְהָיְתָה לִי לְשֵׁם שָׂשׂוֹן תְּהִלָּה וְתִפְאֶרֶת לְכֹל גּוֹיֵי הָאָרֶץ אֲשֶׁר יִשְׁמְעוּ אֶת כָּל הַטּוֹבָה אֲשֶׁר אֲנִי עֹשֶׂה אוֹתָם וּפָחֲדוּ וְרָגְזוּ עַל כָּל הַטּוּבָה וְעַל כָּל הַשָּׁלוֹם אֲשֶׁר אֲנִי עֹשֶׂה לָהּ׃

8 וְטִהַרְתִּים מִכָּל עֲוֹנָם אֲשֶׁר חָטְאוּ לִי וְסָלַחְתִּי לְכָל עֲוֹנוֹתָם אֲשֶׁר חָטְאוּ לִי וַאֲשֶׁר פָּשְׁעוּ בִי׃

Digitized by Google

19 ಅವರು ಅಲ್ಲಿಂದ ಅಮೃತಪುರಕ್ಕೆ ಬಂದು ಅಲ್ಲಿ ಅವರ ಪಿತೃಗಳಾದ ಅಮೃತಪುರದ ಅರಸರ ಮತ್ತು ಅವರ ಪತ್ನಿಯರ ಮತ್ತು ಅವರ ಮಕ್ಕಳ ಮತ್ತು ಅವರ ಪರಿವಾರದವರ ಮತ್ತು ಅವರ ಸೇವಕರ ಮತ್ತು ಅವರ ಸೇವಕಿಯರ ಮತ್ತು ಅವರ ಪಶುಗಳ ಮತ್ತು ಅವರ ಸಂಪತ್ತಿನ ಮತ್ತು ಅವರ ಧಾನ್ಯಗಳ ಮತ್ತು ಅವರ ಆಭರಣಗಳ ಮತ್ತು ಅವರ ಬಟ್ಟೆಗಳ ಮತ್ತು ಅವರ ಪಾತ್ರೆಗಳ ಮತ್ತು ಅವರ ಆಯುಧಗಳ ಮತ್ತು ಅವರ ಸಕಲ ಸಾಮಗ್ರಿಗಳ ಮತ್ತು ಅವರ ಸಕಲ ಸಂಪತ್ತಿನ ಮತ್ತು ಅವರ ಸಕಲ ಧಾನ್ಯಗಳ ಮತ್ತು ಅವರ ಸಕಲ ಆಭರಣಗಳ ಮತ್ತು ಅವರ ಸಕಲ ಬಟ್ಟೆಗಳ ಮತ್ತು ಅವರ ಸಕಲ ಪಾತ್ರೆಗಳ ಮತ್ತು ಅವರ ಸಕಲ ಆಯುಧಗಳ ಮತ್ತು ಅವರ ಸಕಲ ಸಾಮಗ್ರಿಗಳ ಮತ್ತು ಅವರ ಸಕಲ ಪಶುಗಳ ಮತ್ತು ಅವರ ಸಕಲ ಸೇವಕರ ಮತ್ತು ಅವರ ಸಕಲ ಸೇವಕಿಯರ ಮತ್ತು ಅವರ ಸಕಲ ಪರಿವಾರದವರ ಮತ್ತು ಅವರ ಸಕಲ ಮಕ್ಕಳ ಮತ್ತು ಅವರ ಸಕಲ ಪತ್ನಿಯರ ಮತ್ತು ಅವರ ಸಕಲ ಪಿತೃಗಳಾದ ಅಮೃತಪುರದ ಅರಸರ ಮತ್ತು ಅವರ ಸಕಲ

20 ... ...

26 ಆಗ ದಿವ್ಯಾಧಿಕಾರಿಯು ಸೇವಕರೊಂದಿಗೆ ಹೋಗಿ ಅವರನ್ನು ಬಲಾತ್ಕಾರವಾಗಿ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬಂದನು. ಆದರೆ ಜನರು ತಮ್ಮನ್ನು ಕಲ್ಲೆಸೆದು ಕೊಲ್ಲುವರೆಂಬ ಭಯವುಳ್ಳವರಾಗಿದ್ದರು.

27 ಅವರು ಅವರನ್ನು ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬಂದು ಸಭೆಯ ಮುಂದೆ ನಿಲ್ಲಿಸಿದರು. ಆಗ ಮಹಾಯಾಜಕನು ಅವರನ್ನು ವಿಚಾರಿಸಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ,

28 ನಾವು ಈ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಉಪದೇಶ ಮಾಡಬಾರದೆಂದು ನಿಮಗೆ ಖಂಡಿತವಾಗಿ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ್ದೆವಲ್ಲವೇ? ಆದರೆ ನೀವು ಯೆರೂಸಲೇಮನ್ನು ನಿಮ್ಮ ಉಪದೇಶದಿಂದ ತುಂಬಿಸಿದ್ದೀರಿ. ಈ ಮನುಷ್ಯನ ರಕ್ತಕ್ಕೆ ನಾವು ಹೊಣೆಗಾರರೆಂದು ಹೇಳಿದರು.

29 ಆಗ ಪೇತ್ರನೂ ಅಪೊಸ್ತಲರೂ ಪ್ರತ್ಯುತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ನಾವು ಮನುಷ್ಯರಿಗಿಂತ ದೇವರಿಗೆ ಲೋಬಿಗಳಾಗಿರಬೇಕು. ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ್ದೆವಲ್ಲವೇ? ಆದರೆ ನೀವು ಯೆರೂಸಲೇಮನ್ನು ನಿಮ್ಮ ಉಪದೇಶದಿಂದ ತುಂಬಿಸಿದ್ದೀರಿ. ಈ ಮನುಷ್ಯನ ರಕ್ತಕ್ಕೆ ನಾವು ಹೊಣೆಗಾರರೆಂದು ಹೇಳಿದರು.

30 ನಮ್ಮ ಪಿತೃಗಳ ದೇವರು ಯೇಸುವನ್ನು ಎಬ್ಬಿಸಿದರು. ನೀವು ಆತನನ್ನು ಮರದ ಮೇಲೆ ತೂಗುಹಾಕಿ ಕೊಂದುಹಾಕಿದಿರಿ.

31 ದೇವರು ಆತನನ್ನು ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರಿಗೆ ಮನಃಪರಿವರ್ತನೆಯನ್ನೂ ಪಾಪಕ್ಷಮಾಪಣೆಯನ್ನೂ ಅನುಗ್ರಹಿಸುವದಕ್ಕಾಗಿ ತಮ್ಮ ಬಲಗಡೆಯಲ್ಲಿ ಅಧಿಪತಿಯನ್ನಾಗಿಯೂ ರಕ್ಷಕನನ್ನಾಗಿಯೂ ಉನ್ನತಕ್ಕೇರಿಸಿದರು.

32 ಇದಕ್ಕೆ ನಾವು ಸಾಕ್ಷಿಗಳಾಗಿದ್ದೇವೆ. ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನೂ ಸಹ ತಮಗೆ ವಿಧೇಯರಾಗಿರುವವರಿಗೆ ದೇವರು ಅನುಗ್ರಹಿಸಿದ್ದಾರೆ. ಅದಕ್ಕೆ ಸಾಕ್ಷಿಯಾಗಿದ್ದಾರೆ.

33 ಇದನ್ನು ಕೇಳಿದವರು ಕೋಪಾವೇಶರಾಗಿ ಅವರನ್ನು ಕೊಲ್ಲಬೇಕೆಂದು ಆಲೋಚಿಸಿದರು.

Digitized by Google

34 ויהי ביום השמיני ויקרא משה לאהרן ולבניו ולזקני ישראל ויאמר אל אהרן קח לך עגל בן בקר לחטאת ואיל לעלה תמימים והקרב לפני יהוה׃ ואל בני ישראל תדבר לאמר קחו שעיר עזים לחטאת ועגל וכבש בני שנה תמימים לעלה׃

35 ושור ואיל לזבח שלמים לזבח לפני יהוה ומנחה בלולה בשמן כי היום יהוה נראה אליכם׃ ויקחו את אשר צוה משה אל פני אהל מועד ויקרבו כל העדה ויעמדו לפני יהוה׃

36 ויאמר משה זה הדבר אשר צוה יהוה תעשו ויירא אליכם כבוד יהוה׃

37 ויאמר משה אל אהרן קרב אל המזבח ועשה את חטאתך ואת עלתך וכפר בעדך ובעד העם ועשה את קרבן העם וכפר בעדם כאשר צוה יהוה׃

38 ויגש אהרן אל המזבח וישחט את עגל החטאת אשר לו ויקרבו בני אהרן את הדם אליו ויטבל אצבעו בדם ויתן על קרנות המזבח ואת הדם יצק אל יסוד המזבח׃ והחלב הכליות והיתרת מן הכבד מן החטאת הקטיר המזבחה כאשר צוה יהוה את משה׃

39 והבשר ואת העור שרף באש מחוץ למחנה׃ ויזבח את זבח העם ויהי בן אהרן את הדם אליו ויזרקהו על המזבח סביב׃

Digitized by Google

39 ಆದರೆ ಅದು ದೇವರಿಂದಾದದ್ದಾಗಿದ್ದರೆ ನೀವು ಅವರನ್ನು ಹಾಳುಮಾಡಲಾರಿರಿ; ಹಾಗೆ ಮಾಡಿದರೆ ನೀವು ದೇವರಿಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಹೋರಾಡುವವರಾಗಿ ಕಾಣಿಸಿಕೊಳ್ಳುವಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

40 ಅವರು ಅವನ ಮಾತಿಗೆ ಒಪ್ಪಿಕೊಂಡು ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ಒಳಗೆ ಕರೆಯಿಸಿ ಹೊಡೆಯಿಸಿ ಯೇಸುವಿನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಮಾತನಾಡಬಾರದೆಂದು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿ ಅವರನ್ನು ಬಿಟ್ಟುಬಿಟ್ಟರು.

41 ಆಗ ಅವರು ಆ ಹೆಸರಿಗೋಸ್ಕರ ಅವಮಾನಹೊಂದುವದಕ್ಕೆ ಯೋಗ್ಯರೆಂದು ಎಣಿಸಲ್ಪಟ್ಟದ್ದಕ್ಕಾಗಿ ಸಂತೋಷಪಡುತ್ತಾ ಆಲೋಚನಾಸಭೆಯ ಮುಂದಿನಿಂದ ಹೊರಟುಹೋದರು.

42 ಮತ್ತು ಅವರು ಪ್ರತಿದಿನವೂ ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿಯೂ ಮನೆಮನೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಉಪದೇಶಮಾಡುವದನ್ನು ಯೇಸುವೇ ಕ್ರಿಸ್ತನೆಂಬ ಸುವಾರ್ತೆಯನ್ನು ಸಾರುವದನ್ನು ನಿಲ್ಲಿಸಲಿಲ್ಲ.

43 ಆ ದಿವಸಗಳಲ್ಲಿ ಶಿಷ್ಯರು ಹೆಚ್ಚಾಗುತ್ತಿರಲಾಗಿ ಗ್ರೀಕ್ ಭಾಷೆಯವರಾದ ಯೆಹೂದ್ಯರು ಇಬ್ರಿಯ ಭಾಷೆಯವರಾದ ಯೆಹೂದ್ಯರಿಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಗುಣುಗುಟ್ಟಿದರು. ಏಕೆಂದರೆ ಅವರ ವಿಧವೆಯರು ದಿನನಿತ್ಯದ ಸೇವೆಯಲ್ಲಿ ಕಡೆಗಣಿಸಲ್ಪಟ್ಟರು.

44 ಆಗ ಹನ್ನೆರಡು ಮಂದಿ ಅಪೊಸ್ತಲರು ಶಿಷ್ಯರ ಸಮೂಹವನ್ನು ತಮ್ಮ ಬಳಿಗೆ ಕರೆಯಿಸಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ನಾವು ದೇವರ ವಾಕ್ಯವನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಊಟದ ವಿಚಾರಣೆಯನ್ನು ಮಾಡುವದು ಯುಕ್ತವಲ್ಲ.

Digitized by Google

45 ... ...

קיט

1 אשרי תמימי דרך הולכי בתורת יהוה׃
2 אשרי נצרי עדותיו בכל לב יבקשוהו׃
3 אף לא פעלו עולה בדרכיו הלכו׃
4 אתה צויתה פקודיך לשמר מאד׃
5 אחלי יכנו דרכי לשמר חקיך׃
6 אז לא אבוש בהביטי אל כל מצותיך׃
7 אודך בישר לבב בלמדי משפטי צדקך׃
8 את חקיך אשמר אל תעזבני עד מאד׃
9 במה יזכה נער את ארחו לשמר כדברך׃
10 בכל לבי דרשתיך אל תשגני ממצותיך׃
11 בלבבי צפנתי אמרתך למען לא אחטא לך׃
12 ברוך אתה יהוה למדני חקיך׃
13 בשפתי ספרתי כל משפטי פיך׃
14 בדרך עדותיך שישתי כעל כל הון׃
15 בפקודיך אשיחה ואביטה אורחתיך׃
16 בחקיך אשתעשע לא אשכח דברך׃

Digitized by Google

11 ויקח את כל רכוש סדם ועמרה ואת כל אכלם וילך לדרכו׃ ויקח גם את לוט ואת רכושו בן אחי אברם וילך והוא יושב בסדם׃

12 ויבא הפליט ויגד לאברם העברי והוא שכן באלני ממרא האמרי אחי אשכל ואחי ענר והם בעלי ברית אברם׃

13 וישמע אברם כי נשבה אחיו וירק את חניכיו ילידי ביתו שמנה עשר ושלש מאות וירדף עד דן׃

14 ויחלק עליהם לילה הוא ועבדיו ויכם וירדפם עד חובה אשר משמאל לדמשק׃

15 וישב את כל הרכוש וגם את לוט אחיו ורכושו השיב וגם את הנשים ואת העם׃

16 ויצא מלך סדם לקראתו אחרי שובו מהכות את כדרלעמר ואת המלכים אשר אתו אל עמק שוה הוא עמק המלך׃

17 ומלכי צדק מלך שלם הוציא לחם ויין והוא כהן לאל עליון׃

18 ויברכהו ויאמר ברוך אברם לאל עליון קנה שמים וארץ׃

19 ובורך אל עליון אשר מגן צריך בידך ויתן לו מעשר מכל׃

20 ויאמר מלך סדם אל אברם תן לי הנפש והרכוש קח לך׃

21 ויאמר אברם אל מלך סדם הרימותי ידי אל יהוה אל עליון קנה שמים וארץ׃

22 אם מחוט ועד שרוך נעל ואם אקח מכל אשר לך ולא תאמר אני העשרתי את אברם׃

23 בלעדי רק אשר אכלו הנערים וחלק האנשים אשר הלכו אתי ענר אשכל וממרא יקחו חלקם׃

Digitized by Google

12 ויהי היום ויבא אחד מן הנערים ויגד לאלישע לאמר הנה
עבדיך עשים מלאכה לפני הנביאים המקום אשר אנחנו ישבים
שם מצר הוא לנו נלכה נא עד הירדן ונקחה משם איש קורה
אחת ונעשה לנו שם מקום לשבת שם ויאמר לכו׃

13 ויען האיש ויאמר הואל נא ובא עם עבדיך ויען אלישע
ויאמר אלך׃

14 וילך עמהם ויבאו הירדנה ויגזרו את העצים׃ ויהי הוא
הפיל את הקורה ויפל הברזל במים ויזעק ויאמר אהה אדני
והוא נבהל׃

15 ויאמר איש האלהים אנה נפל ויראהו את המקום ויכרת
גזיר ויטל שם עץ ויצף הברזל ויאמר שא לך׃

16 ויאמר ארם מלחמתי עם ישראל ויועץ את עבדיו לאמר
אל מקום פלני תחנו׃ וישלח איש האלהים אל מלך ישראל
לאמר השמר אל תעבר את המקום הזה כי שמה ארם נחתים׃

17 וישלח מלך ישראל אל המקום אשר אמר לו איש האלהים
והזהירהו ונשמר שם לא פעם ולא פעמים׃

Digitized by Google

18 ಯಿಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರು ಯೆಹೋವನಿಗೆ ಹರಕೆಮಾಡಿ ಕಾನಾನ್ಯರ ಪಟ್ಟಣಗಳನ್ನು ಸಂಪೂರ್ಣವಾಗಿ ನಾಶಮಾಡುವೆವೆಂದು ಹೇಳಿದರು. ಯೆಹೋವನು ಅವರ ಮೊರೆಯನ್ನು ಕೇಳಿ ಕಾನಾನ್ಯರನ್ನು ಅವರ ಕೈಗೆ ಒಪ್ಪಿಸಿಕೊಟ್ಟನು. ಅವರು ಅವರನ್ನೂ ಅವರ ಪಟ್ಟಣಗಳನ್ನೂ ಸಂಪೂರ್ಣವಾಗಿ ನಾಶಮಾಡಿದರು. ಆ ಸ್ಥಳಕ್ಕೆ ಹೊರ್ಮಾ ಎಂಬ ಹೆಸರಾಯಿತು.

19 ಯೆಹೂದ್ಯರು ಬೆಟ್ಟಪ್ರದೇಶವನ್ನು ಸ್ವಾಧೀನಮಾಡಿಕೊಂಡರು. ಆದರೆ ಕಣಿವೆಯಲ್ಲಿ ವಾಸವಾಗಿದ್ದ ಜನರನ್ನು ಅವರು ಹೊರಡಿಸಲಾರದೆ ಹೋದರು. ಏಕೆಂದರೆ ಅವರಿಗೆ ಕಬ್ಬಿಣದ ರಥಗಳಿದ್ದವು. ಯೆಹೋವನು ಯೆಹೂದ್ಯರ ಸಂಗಡ ಇದ್ದನು.

20 ಮೋಶೆಯು ಹೇಳಿದಂತೆ ಹೆಬ್ರೋನ್ ಪಟ್ಟಣವನ್ನು ಕಾಲೇಬನಿಗೆ ಕೊಟ್ಟರು. ಅವನು ಅನಾಕನ ಮೂರು ಮಂದಿ ಪುತ್ರರನ್ನು ಅಲ್ಲಿಂದ ಓಡಿಸಿಬಿಟ್ಟನು. ಯೆಬೂಸಿಯರು ಯೆರೂಸಲೇಮಿನಲ್ಲಿ ವಾಸವಾಗಿದ್ದರು. ಆದರೆ ಬೆನ್ಯಾಮೀನ್ ಕುಲದವರು ಅವರನ್ನು ಓಡಿಸಲಾರದೆ ಹೋದರು. ಆದ್ದರಿಂದ ಯೆಬೂಸಿಯರು ಇಂದಿನವರೆಗೂ ಬೆನ್ಯಾಮೀನ್ ಕುಲದವರ ಸಂಗಡ ಯೆರೂಸಲೇಮಿನಲ್ಲಿ ವಾಸವಾಗಿದ್ದಾರೆ.

21 ಯೋಸೇಫನ ಕುಲದವರು ಬೇತೇಲ್ ಪಟ್ಟಣವನ್ನು ಆಕ್ರಮಿಸಿಕೊಂಡರು. ಯೆಹೋವನು ಅವರ ಸಂಗಡ ಇದ್ದನು. ಯೋಸೇಫನ ಕುಲದವರು ಬೇತೇಲಿಗೆ ಗೂಢಚಾರರನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿದರು. ಲೂಜ್ ಎಂಬ ಹೆಸರಿನ ಆ ಪಟ್ಟಣವು ಮೊದಲು ಇದ್ದ ಹೆಸರೇ ಬೇತೇಲ್.

22 ಅವರು ಒಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನನ್ನು ಪಟ್ಟಣದಿಂದ ಹೊರಗೆ ಬರುವುದನ್ನು ಕಂಡರು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದು: ನಮಗೆ ಪಟ್ಟಣದೊಳಗೆ ಹೋಗಲು ದಾರಿಯನ್ನು ತೋರಿಸು. ನಾವು ನಿನಗೆ ಒಳ್ಳೆಯದನ್ನು ಮಾಡುವೆವು.

Digitized by Google

23 [illegible]

24 [illegible]

25 [illegible]

26 [illegible]

27 [illegible]

28 [illegible]

Digitized by Google

29 וְהִנֵּה אֲנִי מְבִיא אֶת־הַמַּיִם עַל־הָאָרֶץ הַזֹּאת וְעַל־יוֹשְׁבֶיהָ וְעַל־כָּל־גּוֹיֵי הָאָרֶץ אֲשֶׁר סְבִיבוֹתֵיכֶם וְנָפְלוּ כָּל־הַחֲלָלִים בְּתוֹכֵכֶם וִידַעְתֶּם כִּי־אֲנִי יְהוָה׃

30 וְאֶת־הַמַּיִם אֲשֶׁר תִּשְׁתּוּ שָׁם אֲנִי מְבִיא אֶת־הָאָרֶץ וְנָפְלוּ כָּל־הַחֲלָלִים בְּתוֹכֵכֶם וִידַעְתֶּם כִּי־אֲנִי יְהוָה׃

31 וְהִנֵּה אֲנִי מְבִיא אֶת־הַמַּיִם עַל־הָאָרֶץ הַזֹּאת וְעַל־יוֹשְׁבֶיהָ וְעַל־כָּל־גּוֹיֵי הָאָרֶץ אֲשֶׁר סְבִיבוֹתֵיכֶם וְנָפְלוּ כָּל־הַחֲלָלִים בְּתוֹכֵכֶם וִידַעְתֶּם כִּי־אֲנִי יְהוָה׃

32 וְהִנֵּה אֲנִי מְבִיא אֶת־הַמַּיִם עַל־הָאָרֶץ הַזֹּאת וְעַל־יוֹשְׁבֶיהָ וְעַל־כָּל־גּוֹיֵי הָאָרֶץ אֲשֶׁר סְבִיבוֹתֵיכֶם וְנָפְלוּ כָּל־הַחֲלָלִים בְּתוֹכֵכֶם וִידַעְתֶּם כִּי־אֲנִי יְהוָה׃

33 וְהִנֵּה אֲנִי מְבִיא אֶת־הַמַּיִם עַל־הָאָרֶץ הַזֹּאת וְעַל־יוֹשְׁבֶיהָ וְעַל־כָּל־גּוֹיֵי הָאָרֶץ אֲשֶׁר סְבִיבוֹתֵיכֶם וְנָפְלוּ כָּל־הַחֲלָלִים בְּתוֹכֵכֶם וִידַעְתֶּם כִּי־אֲנִי יְהוָה׃

Digitized by Google

34 ಬಿಲಿಯಿಂದ ಅಮ್ಮನವರು ಹೊಡೆದರು, ಅವರಿಗೆ ಮೈಯೆಲ್ಲಾ ಉರಿಯಿತು, ಅವರು ಕೋಪದಿಂದ ಹೊರಟುಹೋದರು; ಅವರು ಹೋಗಿ ಪರ್ವತಗಳ ಮೇಲೆ ಕುಳಿತರು, ಅವರು ಕೋಪದಿಂದ ಕೆಂಪಾಗಿದ್ದರು, ಅವರು ಕೋಪದಿಂದ ಕೆಂಪಾಗಿದ್ದರು, ಅವರು ಕೋಪದಿಂದ ಕೆಂಪಾಗಿದ್ದರು.

35 ಅವರು ಅಲ್ಲಿ ಕುಳಿತಿರುವಾಗ ಅವರ ಮಗನಾದ ಅಮ್ಮನವರು ಅವರ ಮಗನಾದ ಅಮ್ಮನವರು.

36 ಬಿಲಿಯಿಂದ ಅಮ್ಮನವರು ಹೊಡೆದರು, ಅವರು ಕೋಪದಿಂದ ಹೊರಟುಹೋದರು; ಅವರು ಹೋಗಿ ಪರ್ವತಗಳ ಮೇಲೆ ಕುಳಿತರು, ಅವರು ಕೋಪದಿಂದ ಕೆಂಪಾಗಿದ್ದರು, ಅವರು ಕೋಪದಿಂದ ಕೆಂಪಾಗಿದ್ದರು, ಅವರು ಕೋಪದಿಂದ ಕೆಂಪಾಗಿದ್ದರು.

37 ಬಿಲಿಯಿಂದ ಹೊಡೆದರು: ಅವರು ಅಮ್ಮನವರ ಮೇಲೆ ಕೋಪಗೊಂಡರು,

39 ထိုအခါ ရဟန်းတို့သည် ဘိက္ခုနီတို့ကို ဤသို့ ပြောကြကုန်၏။ အမြတ်ရှင်တို့ ဤသို့ ပြောတော်မူကုန်၏။ ရဟန်းတ

45 ויהי אחרי הכות את אחאב ויעבר אליהוא בדרך השמרון ויכהו בחרב ויכחד את כל בית אחאב ואת כל מכריו ואת כהניו עד בלתי השאיר לו שריד ויקם ויבא ויבוא שמרונה ויהי בדרך בית עקד הרעים ויאליהוא מצא את אחזיהו מלך יהודה וישאלהו מי אתה ויאמר אחזיהו אני ואבוא לשלום גבירת המלך ויאמר חיו אותם ויחיום ויהרגום אל בור בית עקד הרעים ארבעים ושנים איש ולא השאיר מהם איש ויבא שמרונה ויהי בדרך ויפגש את יהונדב בן רכב לקראתו ויברכהו ויאמר אליו הישר לבבך כאשר לבבי עמך ויאמר יהונדב יש ויאמר אליהוא אם יש תנה ידך ויתן ידו ויעלהו אליו אל המרכבה ויאמר לכה אתי וראה בקנאתי ליהוה ויסעהו ברכבו ויבא שמרונה ויכה את כל הנשארים לאחאב בשמרון עד השמידו כדבר יהוה אשר דבר אל אליהו

46 ויקבץ אליהוא את כל העם ויאמר אליהם אחאב עבד הבעל מעט אליהוא יעבדנו הרבה ועתה קראו אלי את כל נביאי הבעל את כל עבדיו ואת כל כהניו אל יפקד איש כי זבח גדול לי לבעל כל אשר יפקד לא יחיה ואליהוא עשה בערמה למען אבד את עובדי הבעל

47 ויאמר אליהוא קדשו עצרה לבעל ויקראו ויעש כן ויאמר אליהוא בכל גבולות ישראל לאמר כל עובדי הבעל כל נביאיו וכל כהניו אל יחסר איש כי עצרת גדולה לי לעבד הבעל כל אשר יחסר לא יחיה ויעש אליהוא בערמה למען אבד את עובדי הבעל למען עשות כדבר יהוה אשר דבר אל אליהו

48 ויצא אליהוא מלפני המלך ויהי בדרך ויפגש את יהונדב בן רכב לקראתו ויברכהו ויאמר אליו הישר לבבך כאשר לבבי עמך ויאמר יהונדב יש ויאמר אליהוא אם יש תנה ידך ויתן ידו ויעלהו אליו אל המרכבה ויאמר לכה אתי וראה בקנאתי ליהוה ויסעהו ברכבו ויבא שמרונה ויכה את כל הנשארים לאחאב בשמרון עד השמידו כדבר יהוה אשר דבר אל אליהו

49 ויקבץ אליהוא את כל העם ויאמר אליהם אחאב עבד הבעל מעט אליהוא יעבדנו הרבה ועתה קראו אלי את כל נביאי הבעל את כל עבדיו ואת כל כהניו אל יפקד איש כי זבח גדול לי לבעל כל אשר יפקד לא יחיה ואליהוא עשה בערמה למען אבד את עובדי הבעל

Digitized by Google

50 ಯಾವುದೇ ಪೌರಾಡಳಿತ ಪ್ರದೇಶವು ಒಂದು ಪುರಸಭೆ ಪ್ರದೇಶವಾಗಿ ಅಥವಾ ಒಂದು ಪಟ್ಟಣ ಪಂಚಾಯಿತಿ ಪ್ರದೇಶವಾಗಿ ಅಥವಾ ಒಂದು ನಗರಸಭೆ ಪ್ರದೇಶವಾಗಿ ಅಥವಾ ಒಂದು ಪಟ್ಟಣ ಪಂಚಾಯಿತಿ ಪ್ರದೇಶವಾಗಿ ಅಥವಾ ಒಂದು ಪುರಸಭೆ ಪ್ರದೇಶವಾಗಿ ಅಥವಾ ಒಂದು ಪೌರಾಡಳಿತ ಪ್ರದೇಶವಾಗಿ ಅಥವಾ ಒಂದು ಪೌರಾಡಳಿತ ಪ್ರದೇಶದ ಭಾಗವಾಗಿ ಅಥವಾ ಒಂದು ಪೌರಾಡಳಿತ ಪ್ರದೇಶದ ಭಾಗಗಳ

5 ...

6 ...

7 ...

8 ...

9 ...

10 ...

Digitized by Google

11 ...

12 ...

13 ...

14 ...

15 ...

Digitized by Google

16 يوحنا ماتيو زكريا ايليزابيتا كيرتيتي، ايسوس ماتيو ايسوس كريستوس ماتيو
ماريا، ماتيو ايسوس ماتيو ماريا ايسوس كريستوس ماتيو ماريا، ماتيو
ماريا ايسوس كريستوس ماتيو ماريا ايسوس كريستوس ماتيو ماريا ايسوس
ماتيو

22 ಮತ್ತು ಅವರು ಅವನನ್ನು ಕೊಲ್ಲುವದಕ್ಕೆ ಆಲೋಚನೆ ಮಾಡಿದರು. ಆದರೆ ಅವನು ಅದನ್ನು ತಿಳಿದು ಅವರ ಮೇಲೆ ಎದ್ದು ಅವರನ್ನು ಸೋಲಿಸಿ ಅವರ ಪಟ್ಟಣಗಳನ್ನು ಸುಟ್ಟುಬಿಟ್ಟನು. ಆಗ ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಭಯಪಟ್ಟು ಅವನ ಮಾತಿಗೆ ಕಿವಿಗೊಟ್ಟರು.

23 ಅಲ್ಲಿಂದ ಅವನು ಹೊರಟು ಅಮ್ಮೋನಿಯರ ಅರಸನಾದ ನಾಹಾಷನ ಮಗನಾದ ಹಾನೂನನ ಬಳಿಗೆ ಬಂದನು. ಅವನ ತಂದೆಯು ಅವನಿಗೆ ಉಪಕಾರ ಮಾಡಿದ್ದರಿಂದ ಅವನು ಅವನಿಗೆ ಸಾಂತ್ವನ ಹೇಳಲು ಅವನ ಬಳಿಗೆ ಕಳುಹಿಸಿದನು. ಆದರೆ ಅವನು ಅವನ ಸೇವಕರು ಯೆಹೂದ್ಯರ ದೇಶಕ್ಕೆ ಬಂದಾಗ ಅವರು ಅಮ್ಮೋನಿಯರ ಪ್ರಧಾನರ ಮಾತಿಗೆ ಕಿವಿಗೊಟ್ಟು ಅವನನ್ನು ಅಪಮಾನಪಡಿಸಿದರು.

24 ಅಮ್ಮೋನಿಯರ ಪ್ರಧಾನರು ಯೆಹೂದ್ಯರ ಅರಸನಾದ ಹಾನೂನನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಇವನು ಸಾಂತ್ವನ ಹೇಳುವವರನ್ನು ನಿನ್ನ ಬಳಿಗೆ ಕಳುಹಿಸಿದ್ದಾನೆಂದು ನಿನ್ನ ತಂದೆಯ ಗೌರವಾರ್ಥವಾಗಿ ನೀನು ಅವನಿಗೆ ಅನಿಸುತ್ತಿದೆಯೋ? ಪಟ್ಟಣವನ್ನು ಶೋಧಿಸಿ ಅದನ್ನು ಹಾಳುಮಾಡಿ ಅದನ್ನು ಕೆಡವಿಬಿಡುವದಕ್ಕೆ ಅವನ ಸೇವಕರು ನಿನ್ನ ಬಳಿಗೆ ಬಂದಿಲ್ಲವೋ?

25 ಆದದರಿಂದ ಹಾನೂನನು ದಾವೀದನ ಸೇವಕರನ್ನು ಹಿಡಿದು ಅವರಿಗೆ ಕ್ಷೌರಮಾಡಿಸಿ ಅವರ ಬಟ್ಟೆಗಳನ್ನು ಅರ್ಧ ಕತ್ತರಿಸಿ ಅವರ ಪೃಷ್ಠಭಾಗದವರೆಗೆ ಅವರನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಬಿಟ್ಟನು. ಆಗ ಅವರು ಹೊರಟುಹೋದರು.

Digitized by Google

26 ಇವರು ನಮ್ಮ ಕರ್ತನಾದ ಯೇಸು ಕ್ರಿಸ್ತನ ನಾಮಕ್ಕೋಸ್ಕರ ತಮ್ಮ ಪ್ರಾಣಗಳನ್ನು ಒತ್ತೆಯಿಟ್ಟವರಾಗಿದ್ದಾರೆ.

27 ಆದದರಿಂದ ನಾವು ಯೂದ ಮತ್ತು ಸೀಲ ಎಂಬವರನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿದ್ದೇವೆ. ಇವರು ಸಹ ಈ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಬಾಯಿಮಾತಿನಿಂದ ತಿಳಿಸುವವರಾಗಿದ್ದಾರೆ. **28** ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನಿಗೂ ನಮಗೂ ಈ ಅವಶ್ಯವಾದ ಸಂಗತಿಗಳಲ್ಲದೆ ಬೇರೆ ಯಾವ ಭಾರವನ್ನೂ ನಿಮ್ಮ ಮೇಲೆ ಹೊರಿಸದಿರಲು ಯೋಚಿಸಿದೆವು. **29** ಅವು ಯಾವುವೆಂದರೆ, ವಿಗ್ರಹಗಳಿಗೆ ಅರ್ಪಿಸಿದ ಪದಾರ್ಥಗಳಿಂದಲೂ ರಕ್ತದಿಂದಲೂ ಕತ್ತುಹಿಸುಕಿದ ಪ್ರಾಣಿಗಳಿಂದಲೂ ಜಾರತ್ವದಿಂದಲೂ ದೂರವಾಗಿರಿ. ಇವುಗಳಿಂದ ದೂರವಾಗಿರುವುದರಲ್ಲಿ ನೀವು ಜಾಗ್ರತೆಯಾಗಿ ನಡೆದರೆ ಚೆನ್ನಾಗಿರುವುದು. ಶುಭವಾಗಲಿ.

30 ಹೀಗೆ ಅವರು ಕಳುಹಿಸಲ್ಪಟ್ಟವರಾಗಿ ಅಂತಿಯೋಕ್ಯಕ್ಕೆ ಬಂದು ಸಭೆಯವರನ್ನು ಒಟ್ಟಾಗಿ ಕರೆದು ಪತ್ರವನ್ನು ಒಪ್ಪಿಸಿದರು. **31** ಹೀಗೆ ಅವರು ಅದನ್ನು ಓದಿ ಅದರಲ್ಲಿ ಬರೆದಿದ್ದ ಪ್ರೋತ್ಸಾಹಕರವಾದ ಮಾತುಗಳಿಂದ ಸಂತೋಷಪಟ್ಟರು.

Digitized by Google

32 ಯಿಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರು ಅವನ ಮಾತನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವನ ಮುಂದೆ ಭಯಪಟ್ಟರು. ಆಗ ಅವನು ಅವರನ್ನು ಸಮೀಪಕ್ಕೆ ಕರೆದನು. ಆಗ ಅವರು ಅವನ ಬಳಿಗೆ ಬಂದರು. ಅವನು ಅವರೊಂದಿಗೆ ಮಾತನಾಡಿದನು. ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ್ದೆಲ್ಲವನ್ನು ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಿದನು.

33 ಯಿಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರು ಅವನ ಮಾತನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವನ ಮುಂದೆ ಭಯಪಟ್ಟರು. ಆಗ ಅವನು ಅವರನ್ನು ಸಮೀಪಕ್ಕೆ ಕರೆದನು. ಆಗ ಅವರು ಅವನ ಬಳಿಗೆ ಬಂದರು. ಅವನು ಅವರೊಂದಿಗೆ ಮಾತನಾಡಿದನು. ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ್ದೆಲ್ಲವನ್ನು ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಿದನು.

34 ಯಿಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರು ಅವನ ಮಾತನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವನ ಮುಂದೆ ಭಯಪಟ್ಟರು. ಆಗ ಅವನು ಅವರನ್ನು ಸಮೀಪಕ್ಕೆ ಕರೆದನು. ಆಗ ಅವರು ಅವನ ಬಳಿಗೆ ಬಂದರು. ಅವನು ಅವರೊಂದಿಗೆ ಮಾತನಾಡಿದನು. ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ್ದೆಲ್ಲವನ್ನು ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಿದನು.

35 ಆಗ ಅವನು ಅವರೊಂದಿಗೆ ಮಾತನಾಡುವುದನ್ನು ಮುಗಿಸಿದಾಗ, ಅವನ ಮುಖದ ಮೇಲೆ ಮುಸುಕನ್ನು ಹಾಕಿಕೊಂಡನು. ಆದರೆ ಅವನು ಯೆಹೋವನೊಂದಿಗೆ ಮಾತನಾಡಲು ಅವನ ಸನ್ನಿಧಿಗೆ ಹೋಗುವಾಗ ಅವನು ಹೊರಗೆ ಬರುವವರೆಗೂ ಮುಸುಕನ್ನು ತೆಗೆಯುತ್ತಿರಲಿಲ್ಲ. ಅವನು ಹೊರಗೆ ಬಂದಾಗ ಅವನು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ್ದನ್ನು ಯಿಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರಿಗೆ ತಿಳಿಸಿದನು.

36 ಯಿಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರು ಮೋಶೆಯ ಮುಖವನ್ನು ನೋಡಿದರು. ಅವನ ಮುಖವು ಪ್ರಕಾಶಿಸುತ್ತಿತ್ತು. ಆಗ ಅವನು ಯೆಹೋವನೊಂದಿಗೆ ಮಾತನಾಡಲು ಅವನ ಸನ್ನಿಧಿಗೆ ಹೋಗುವವರೆಗೂ ಮುಸುಕನ್ನು ಹಾಕಿಕೊಳ್ಳುತ್ತಿರಲಿಲ್ಲ.

37 ಆಗ ಅವನು ಅವರೊಂದಿಗೆ ಮಾತನಾಡಿದನು. ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ್ದನ್ನು ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಿದನು. ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ್ದೆಲ್ಲವನ್ನು ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಿದನು. ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ್ದೆಲ್ಲವನ್ನು ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಿದನು.

Digitized by Google

ماتيو ۲۵ ۳۸ ماتيو ۲۵ ۳۹ ماتيو ۲۵ ۴۰ ماتيو ۲۵ ۴۱ ماتيو ۲۵ ۴۲ ماتيو ۲۵ ۴۳ ماتيو ۲۵ ۴۴ ماتيو ۲۵ ۴۵ ماتيو ۲۵ ۴۶ ماتيو ۲۵ ۴۷ ماتيو ۲۵ ۴۸ ماتيو ۲۵ ۴۹ ماتيو ۲۵ ۵۰ ماتيو ۲۵

43 ଯିହିଷ୍କୀୟ ଏହାର ଚାରିଆଡ଼େ ଚାରି ହାତ ଲମ୍ବା ଓ ଚାରି ହାତ ଚଉଡ଼ା ଏକ ଏକ ଟେବୁଲ ଦେଖିଲେ; ଏହି ଟେବୁଲ ଗୁଡ଼ିକର ଚାରି କୋଣରେ ଚାରି ଶୃଙ୍ଗ ଥିଲା; ଏହି ଟେବୁଲ ଗୁଡ଼ିକ ଏକ ପଥର ଖଣ୍ଡରେ ନିର୍ମିତ ଥିଲା; ଏହି ଟେବୁଲ ଗୁଡ଼ିକ ଉପରେ ଯେଉଁ ନୈବେଦ୍ୟ ଦିଆଯାଏ, ତାହା ଏହି ଟେବୁଲ ଗୁଡ଼ିକ ଉପରେ ରଖାଯାଇଥିଲା।

44 ଆଉ ଭିତର ଦ୍ୱାରର ବାହାରେ ଗାୟକମାନଙ୍କର ଦୁଇଟି କୋଠରି ଥିଲା, ଏହି କୋଠରି ଉତ୍ତର ଦ୍ୱାରର ପାଶ୍ୱର୍ରେ ଥିଲା; ଏହି କୋଠରି ଦକ୍ଷିଣ ଦ୍ୱାରର ପାଶ୍ୱର୍ରେ ଥିଲା; ଏହି କୋଠରି ମନ୍ଦିରର ଉତ୍ତର ଦ୍ୱାରର ପାଶ୍ୱର୍ରେ ଥିଲା।

45 ଆଉ ସେ ମୋତେ କହିଲେ, ମନ୍ଦିରର ରକ୍ଷକମାନଙ୍କର ଯେଉଁ କୋଠରି ଦକ୍ଷିଣ ଦ୍ୱାରର ପାଶ୍ୱର୍ରେ ଥିଲା, ତାହା ଯାଜକମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଥିଲା, ଯେଉଁମାନେ ଯିହୋବାଙ୍କ ସେବା କରିବା ପାଇଁ ନିକଟକୁ ଯାଆନ୍ତି; ଏହି ଯାଜକମାନେ ସାଦୋକର ସନ୍ତାନ ଅଟନ୍ତି; ଯେଉଁମାନେ ଲେବୀୟ ମଧ୍ୟରୁ ଯିହୋବାଙ୍କ ନିକଟକୁ ଯାଇ ତାହାଙ୍କ ସେବା କରନ୍ତି, ସେମାନେ ଏମାନେ ଅଟନ୍ତି।

46 ଆଉ ସେ ମୋତେ କହିଲେ, ଯେଉଁ କୋଠରି ପୂର୍ବ ଦ୍ୱାରର ପାଶ୍ୱର୍ରେ ଥିଲା, ତାହା ଯେଉଁମାନେ ଯଜ୍ଞବେଦିର ସେବା କରନ୍ତି, ସେମାନଙ୍କର ଅଟେ; ସେମାନେ ସାଦୋକର ସନ୍ତାନ ଅଟନ୍ତି, ଯେଉଁମାନେ ଲେବୀୟ ମଧ୍ୟରୁ ଯିହୋବାଙ୍କ ନିକଟକୁ ଯାଇ ତାହାଙ୍କ ସେବା କରନ୍ତି।

47 ଏହେତୁ ସେ ଚାରି ହାତ ଲମ୍ବା ଓ ଚାରି ହାତ ଚଉଡ଼ା ଉପନିବେଶର ଆଗ ଭାଗ ମାପିଲେ; ଏହି ଉପନିବେଶ ଚତୁରସ୍ର ଥିଲା; ଆଉ ମନ୍ଦିରର ସମ୍ମୁଖସ୍ଥ ଯଜ୍ଞବେଦି ମନ୍ଦିରର ସମ୍ମୁଖସ୍ଥ ଥିଲା।

48 ପୁଣି ସେ ମୋତେ ମନ୍ଦିରର ଦ୍ୱାର ମଣ୍ଡପକୁ ଆଣି ଦ୍ୱାର ମଣ୍ଡପର ପ୍ରତ୍ୟେକ ସ୍ତମ୍ଭ ମାପିଲେ, ତାହା ପାଞ୍ଚ ହାତ ଚଉଡ଼ା ଥିଲା; ଆଉ ଦ୍ୱାରର ପ୍ରସ୍ଥ ତିନି ହାତ ଥିଲା; ଦ୍ୱାରର ଏପାଖ ଓପାଖ ଭିତ୍ତି ପାଞ୍ଚ ହାତ ଥିଲା।

Digitized by Google

48 ಅನ್ಯಜನರು ಇದನ್ನು ಕೇಳಿ ಸಂತೋಷಪಟ್ಟು ಕರ್ತನ ವಾಕ್ಯವನ್ನು ಕೊಂಡಾಡಿದರು; ನಿತ್ಯಜೀವಕ್ಕೆ ನೇಮಕವಾಗಿದ್ದವರೆಲ್ಲರು ವಿಶ್ವಾಸಿಗಳಾದರು.

49 ಹೀಗೆ ಕರ್ತನ ವಾಕ್ಯವು ಆ ಪ್ರಾಂತ್ಯವೆಲ್ಲಾ ಹಬ್ಬಿತು. ಆದರೆ ಯೆಹೂದ್ಯರು ಭಕ್ತಿಯುಳ್ಳ ಸ್ತ್ರೀಯರನ್ನೂ ಪಟ್ಟಣದ ಪ್ರಮುಖರನ್ನೂ ಎಬ್ಬಿಸಿ ಪೌಲ ಬಾರ್ನಬರಿಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಹಿಂಸೆಯನ್ನು ಹುಟ್ಟಿಸಿ ಅವರನ್ನು ತಮ್ಮ ಪ್ರಾಂತ್ಯದೊಳಗಿಂದ ಹೊರಡಿಸಿಬಿಟ್ಟರು.

50 ಆದರೆ ಅವರು ಅವರ ಮೇಲೆ ಕೊಡವಿದ ಧೂಳಿಯನ್ನು ಅವರಿಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಸಾಕ್ಷಿಯಾಗಿ ಇಟ್ಟು ಇಕೋನ್ಯಕ್ಕೆ ಬಂದರು. ಆದರೆ ಶಿಷ್ಯರು ಸಂತೋಷದಿಂದಲೂ ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನಿಂದಲೂ ತುಂಬಿದವರಾಗಿದ್ದರು.

51 ಅವರು ಅಲ್ಲಿಂದ ಹೊರಟು ಇಕೋನ್ಯಕ್ಕೆ ಬಂದರು. ಅಲ್ಲಿ ಅವರು ಯೆಹೂದ್ಯರ ಸಭಾಮಂದಿರಕ್ಕೆ ಹೋಗಿ ಬೋಧಿಸಿದರು. ಆಗ ಯೆಹೂದ್ಯರಲ್ಲಿಯೂ ಗ್ರೀಕರಲ್ಲಿಯೂ ಬಹಳ ಜನರು ವಿಶ್ವಾಸಿಗಳಾದರು.

52 ಆದರೆ ಅವಿಶ್ವಾಸಿಗಳಾದ ಯೆಹೂದ್ಯರು ಅನ್ಯಜನರ ಮನಸ್ಸನ್ನು ಕೆಡಿಸಿ ಸಹೋದರರಿಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಅವರನ್ನು ಎಬ್ಬಿಸಿದರು. ಆದರೂ ಅವರು ಬಹಳ ಕಾಲ ಅಲ್ಲಿ ತಂಗಿದ್ದು ಕರ್ತನ ಕೃಪಾವಾಕ್ಯಕ್ಕೆ ಸಾಕ್ಷಿಯಾಗಿ ಧೈರ್ಯದಿಂದ ಬೋಧಿಸಿದರು. ಕರ್ತನು ಅವರ ಕೈಯಿಂದ ಸೂಚಕಕಾರ್ಯಗಳೂ ಅದ್ಭುತಗಳೂ ನಡೆಯುವಂತೆ ಅನುಗ್ರಹಿಸಿದನು.

53 ಆದರೆ ಪಟ್ಟಣದ ಜನರಲ್ಲಿ ಒಡಕು ಉಂಟಾಯಿತು. ಕೆಲವರು ಯೆಹೂದ್ಯರ ಪಕ್ಷವಾಗಿಯೂ ಕೆಲವರು ಅಪೊಸ್ತಲರ ಪಕ್ಷವಾಗಿಯೂ ಇದ್ದರು.

54 ಆಗ ಅನ್ಯಜನರೂ ಯೆಹೂದ್ಯರೂ ಅವರ ಅಧಿಕಾರಿಗಳೂ ಅವರನ್ನು

Digitized by Google

ಮಾಡಿದರು. ಅವರು ಅವನನ್ನು ಕೊಂದು ಅವನ ಶವವನ್ನು ಬೆತ್ಸಾನಿನ ಗೋಡೆಯ ಮೇಲೆ ತೂಗುಹಾಕಿದರು.

55 ದಾವೀದನು ಯೆಹೂದ್ಯರ ಅರಸನಾಗಿ ಹೆಬ್ರೋನಿನಲ್ಲಿ ಏಳು ವರ್ಷ ಆರು ತಿಂಗಳು ಆಳಿದನು. ಅವನು ಯೆರೂಸಲೇಮಿನಲ್ಲಿ ಮೂವತ್ತಮೂರು ವರ್ಷ ಆಳಿದನು.

56 ದಾವೀದನು ಯೆಬೂಸಿಯರ ಅರಸನಾದ ಯೆಬೂಸನ ಮೇಲೆ ಯುದ್ಧಮಾಡಿ ಅವನನ್ನು ಸೋಲಿಸಿದನು. ಆಗ ಯೆಬೂಸಿಯರು ದಾವೀದನಿಗೆ, "ನೀನು ಒಳಗೆ ಬರಲಾರೆ" ಎಂದು ಹೇಳಿದರು. ಆದರೆ ದಾವೀದನು ಚೀಯೋನ್ ಕೋಟೆಯನ್ನು ವಶಮಾಡಿಕೊಂಡನು. ಅದು ದಾವೀದನ ಪಟ್ಟಣವಾಯಿತು.

೨ ಸಮು ೬

1 ದಾವೀದನು ಇಸ್ರಾಯೇಲಿನ ಎಲ್ಲಾ ಆರಿಸಿಕೊಂಡ ಸೈನಿಕರನ್ನು ಒಟ್ಟುಗೂಡಿಸಿ ಬಾಲೆಯೆಹೂದಕ್ಕೆ ಹೋದನು. ಅಲ್ಲಿಂದ ಅವನು ಮತ್ತು ಅವನ ಜನರು ದೇವರ ಮಂಜೂಷವನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಬರಲು ಹೊರಟರು. ಆ ಮಂಜೂಷವು ಕೆರೂಬಿಯರ ಮಧ್ಯೆ ಸಿಂಹಾಸನಾರೂಢನಾಗಿರುವ ಸೈನ್ಯಗಳ ಕರ್ತನ ಹೆಸರಿನಿಂದ ಕರೆಯಲ್ಪಡುತ್ತದೆ.

2 ಅವರು ದೇವರ ಮಂಜೂಷವನ್ನು ಒಂದು ಹೊಸ ಬಂಡಿಯ ಮೇಲೆ ಇಟ್ಟು ಅಬೀನಾದಾಬನ ಮನೆಯಿಂದ ಹೊರಗೆ ತಂದರು.

3 ಅಬೀನಾದಾಬನ ಮಕ್ಕಳಾದ ಉಜ್ಜನೂ ಅಹ್ಯೋವೂ ಹೊಸ ಬಂಡಿಯನ್ನು ಓಡಿಸಿದರು. ಅಹ್ಯೋ ಮಂಜೂಷದ ಮುಂದೆ ನಡೆದನು. 4 ಅವರು ಮಂಜೂಷವನ್ನು ಅಬೀನಾದಾಬನ ಮನೆಯಿಂದ ಹೊರಗೆ ತಂದರು. ಅಹ್ಯೋ ಮಂಜೂಷದ ಮುಂದೆ ನಡೆದನು.

5 ದಾವೀದನೂ ಇಸ್ರಾಯೇಲಿನ ಎಲ್ಲಾ ಜನರೂ ಸರಳ ಮರದಿಂದ ಮಾಡಿದ ವಾದ್ಯಗಳನ್ನು

Digitized by Google

ପାଇଥାଏ ସାହାଯ୍ୟକାରୀ ଅଧ୍ୟାପକ ଓ ଅଧ୍ୟାପିକା ଏବଂ ସହଯୋଗୀ ଅଧ୍ୟାପକ ଓ ଅଧ୍ୟାପିକା ଏହି ଦୁଇ ପଦବୀ ପାଇଁ ଯୋଗ୍ୟତା ଓ ଅଭିଜ୍ଞତା ସମ୍ବନ୍ଧରେ ଏହି ଅଧ୍ୟାଦେଶ ଦ୍ୱାରା ଯେଉଁ ବିଧି ବିହିତ ହୋଇଛି ତାହା ଅନୁସାରେ ହେବ ।

6 ସାହାଯ୍ୟକାରୀ ଅଧ୍ୟାପକ ଓ ଅଧ୍ୟାପିକା ଏବଂ ସହଯୋଗୀ ଅଧ୍ୟାପକ ଓ ଅଧ୍ୟାପିକା ପଦବୀ ପାଇଁ ଆବେଦନ ପତ୍ର ଆହ୍ୱାନ କରିବା ପାଇଁ ଏବଂ ଆବେଦନକାରୀଙ୍କ ଯୋଗ୍ୟତା ଓ ଅଭିଜ୍ଞତା ବିଚାର କରିବା ପାଇଁ ଏବଂ ଏହି ପଦବୀ ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ ବିବେଚିତ ହୋଇଥିବା ଆବେଦନକାରୀଙ୍କ ନାମ ସୁପାରିଶ କରିବା ପାଇଁ ଏକ ବାଛଣି କମିଟି ଗଠିତ ହେବ ।

7 ସାହାଯ୍ୟକାରୀ ଅଧ୍ୟାପକ ଓ ଅଧ୍ୟାପିକା ଏବଂ ସହଯୋଗୀ ଅଧ୍ୟାପକ ଓ ଅଧ୍ୟାପିକା ପଦବୀ ପାଇଁ ଆବେଦନ ପତ୍ର ଆହ୍ୱାନ କରିବା ପାଇଁ ଏବଂ ଆବେଦନକାରୀଙ୍କ ଯୋଗ୍ୟତା ଓ ଅଭିଜ୍ଞତା ବିଚାର କରିବା ପାଇଁ ଏବଂ ଏହି ପଦବୀ ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ ବିବେଚିତ ହୋଇଥିବା ଆବେଦନକାରୀଙ୍କ ନାମ ସୁପାରିଶ କରିବା ପାଇଁ ଏକ ବାଛଣି କମିଟି ଗଠିତ ହେବ ।

8 ସେନେଟ ସଭାପତି ଏବଂ ସେନେଟ ସଭ୍ୟ ଏବଂ

ಮಾಡಿಸಿದ ಮೇಲೆ ಅವರು ಅವನನ್ನು ಕೊಲೆಮಾಡಿಸಿದರು. ಅವನ ಹೆಣವನ್ನು ಅವರು ಹೊರಗೆ ಎಸೆದರು.

14 ಆಗ ಅವರು ಅವನ ಮಗನಾದ ಯೆಹೋಷಾಫಾಟನಿಗೆ ಸುದ್ದಿಯನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿದರು. ಅವನು ಯೆಹೂದದ ಅರಸನಾಗಿದ್ದನು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೀಗೆ ಹೇಳಿದರು: "ನಿನ್ನ ತಂದೆಯು ಮಾಡಿದ ಕೆಟ್ಟ ಕಾರ್ಯಗಳಿಗಾಗಿ ಅವನನ್ನು ಕೊಲೆಮಾಡಲಾಯಿತು. ಅವನು ಯೆಹೂದದ ಅರಸನಾಗಿದ್ದನ

15 ...

16 ...

17 ...

18 ...

19 ...

20 ...

Digitized by Google

21 ଯିହିସ୍କିୟ ଏହା ଶୁଣି ଆପଣା ବସ୍ତ୍ର ଛିନ୍ନଭିନ୍ନ କଲେ, ପୁଣି ଗୋଣି ପରିଧାନ କରି ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କ ମନ୍ଦିରକୁ ଗମନ କଲେ।

22 ପୁଣି ହିଲ୍କିୟର ପୁତ୍ର ଇଲୀୟାକୀମ୍ ଓ ଶିବ୍ନ ଲେଖକ ଓ ଆସଫର ପୁତ୍ର ଯୋୟାହ ଲେଖକ ଆପଣା ଆପଣା ବସ୍ତ୍ର ଛିନ୍ନଭିନ୍ନ କରି ଯିହିସ୍କିୟ ରାଜାଙ୍କ ନିକଟକୁ ଯାଇ ରବଶାକିର ବାକ୍ୟ ତାହାଙ୍କୁ ଜଣାଇଲେ।

23 ପୁଣି ସେ ସେମାନଙ୍କୁ କହିଲା, ତୁମ୍ଭେମାନେ ଏବେ ଯିରୂଶାଲମସ୍ଥ ଲୋକମାନଙ୍କୁ ଓ ଆପଣା ସହିତ ଥିବା ଯାଜକମାନଙ୍କୁ ଗୋଣି ପରିଧାନ କରି ଆମ୍ଭର ପିତା ଦାଉଦଙ୍କ ନଗରରେ ଯିହୋବାଙ୍କ ନିକଟକୁ ଯାଇ ଏହି ସମସ୍ତ ବାକ୍ୟ ତାହାଙ୍କୁ ଜଣାଅ।

24 ଏହା ଯିହୋବା ଆପଣା ପ୍ରଭୁ ରବଶାକି ମୁଖରେ ଶୁଣିଅଛନ୍ତି, ପୁଣି ଯେଉଁ ବାକ୍ୟ ସଦାପ୍ରଭୁ

26 ...

27 ...

28 ...

29 ...

30 ...

31 ...

Digitized by Google

32 ಮೀಹಿಳೆಯರು ಪ್ರಾರ್ಥನೆಮಾಡುವಾಗಲೂ ಪ್ರವಾದನೆಮಾಡುವಾಗಲೂ ತಲೆಯನ್ನು ಮುಚ್ಚಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು; ಮುಚ್ಚಿಕೊಳ್ಳದಿದ್ದರೆ ತಲೆಯನ್ನು ಅವಮಾನಪಡಿಸುತ್ತಾಳೆ; ಯಾಕಂದರೆ ಅವಳು ಕ್ಷೌರಮಾಡಿಸಿಕೊಂಡವಳಂತೆ ಇರುವಳು.

33 ಮೀಹಿಳೆಯು ತಲೆಯನ್ನು ಮುಚ್ಚಿಕೊಳ್ಳಬೇಕೆಂಬದಕ್ಕೆ ಕಾರಣವೇನಂದರೆ, ದೇವದೂತರ ನಿಮಿತ್ತವಾಗಿಯೇ. ಪುರುಷನಿಲ್ಲದೆ ಸ್ತ್ರೀಯಳಾಗಲಿ ಸ್ತ್ರೀಯಳಿಲ್ಲದೆ ಪುರುಷನಾಗಲಿ ಕರ್ತನಲ್ಲಿ ಒಬ್ಬರಿಗೊಬ್ಬರು ಅಗತ್ಯವಾಗಿರುವರು. ಪುರುಷನು ಸ್ತ್ರೀಯಳಿಂದ ಹುಟ್ಟಿದವನಾಗಿದ್ದಾನೆ; ಸ್ತ್ರೀಯಳು ಪುರುಷನಿಂದ ಹುಟ್ಟಿದವಳಾಗಿದ್ದಾಳೆ; ಆದರೆ ಎಲ್ಲವೂ ದೇವರಿಂದಲೇ ಹುಟ್ಟಿವೆ.

34 ಆದುದರಿಂದ ಸ್ತ್ರೀಯು ತನ್ನ ತಲೆಯನ್ನು ಮುಚ್ಚಿಕೊಳ್ಳಬೇಕೆಂಬದಕ್ಕೆ ಪ್ರಕೃತಿಯೇ ನಿಮಗೆ ಬೋಧಿಸುವದಿಲ್ಲವೋ? ಕೂದಲು ಬೆಳೆಯುವದು ಸ್ತ್ರೀಯಳಿಗೆ ಘನವಾಗಿದೆಯೆಂಬದು ಪ್ರಕೃತಿಯೇ ನಿಮಗೆ ಬೋಧಿಸುವದಿಲ್ಲವೋ?

35 ಆದರೆ ಅದು ಅವಳಿಗೆ ಮುಸುಕಾಗಿ ಕೊಟ್ಟಿದೆಯಲ್ಲಾ. ಯಾವನಾದರೂ ಜಗಳಗಂಟನಾಗಿರಲು ಇಷ್ಟಪಟ್ಟರೆ ನಾವಾಗಲಿ ದೇವರ ಸಭೆಗಳಾಗಲಿ ಇಂಥ ಪದ್ಧತಿಯನ್ನು ಅನುಸರಿಸುವದಿಲ್ಲ.

36 ಆಗಮಾಡಿದ ಉಪದೇಶವನ್ನು ನಾನು ನಿಮಗೆ ಒಪ್ಪಿಸಿದ್ದೇನೆ. ಅದೇನಂದರೆ, ಕರ್ತನಾದ ಯೇಸುವಿನ ಶಿಷ್ಯರಾದ ನಾವಾಗಲಿ ದೇವರ ಸಭೆಗಳಾಗಲಿ ಇಂಥ ಪದ್ಧತಿಯನ್ನು ಅನುಸರಿಸುವದಿಲ್ಲ.

Digitized by Google

37 ପିତଃ ଯେପରି ମୋତେ ପଠାଇଅଛନ୍ତି ଓ ମୋତେ ଯେପରି ପ୍ରେମ କରିଅଛନ୍ତି, ସେପରି ତୁମ୍ଭେମାନେ ମଧ୍ୟ ମୋହର ଏହି ସମସ୍ତ ଶିଷ୍ୟଙ୍କୁ ପ୍ରେମ କରିଅଛ।

38 ପିତଃ ମୋହର ଇଚ୍ଛା ଏହି ଯେ, ଯେଉଁମାନଙ୍କୁ ତୁମ୍ଭେ ମୋତେ ଦେଇଅଛ, ସେମାନେ ଯେପରି ମୋହର ଗୌରବ ଦେଖିବା ନିମନ୍ତେ ମୋହର ସହିତ ଥାଆନ୍ତି; ଯେଣୁ ଜଗତର ସୃଷ୍ଟି ପୂର୍ବରୁ ତୁମ୍ଭେ ମୋତେ ପ୍ରେମ କରିଥିଲ।

39 ହେ ଧାର୍ମିକ ପିତଃ, ଜଗତ ତୁମ୍ଭକୁ ଜାଣି ନାହିଁ, ମାତ୍ର ମୁଁ ତୁମ୍ଭକୁ ଜାଣିଅଛି, ଆଉ ତୁମ୍ଭେ ଯେ ମୋତେ ପଠାଇଅଛ, ଏମାନେ ମଧ୍ୟ ଏହା ଜାଣିଅଛନ୍ତି। ମୁଁ ତୁମ୍ଭର ନାମ ସେମାନଙ୍କୁ ଜଣାଇଅଛି, ପୁଣି ଜଣାଇବି; ଯେପରି ତୁମ୍ଭେ ମୋତେ ଯେଉଁ ପ୍ରେମ କରିଅଛ, ତାହା ସେମାନଙ୍କଠାରେ ଥାଏ, ଆଉ ମୁଁ ସେମାନଙ୍କଠାରେ ଥାଏ।

40 ପିତଃ ଯାହାମାନଙ୍କୁ ତୁମ୍ଭେ ମୋତେ ଦେଇଅଛ, ମୋହର ଇଚ୍ଛା ଏହି ଯେ, ଜଗତର ସୃଷ୍ଟି ପୂର୍ବରୁ ତୁମ୍ଭେ ମୋତେ ପ୍ରେମ କରିଥିଲ ବୋଲି ସେମାନେ ଯେପରି ମୋହର ଗୌରବ ଦେଖନ୍ତି, ଏଥିପାଇଁ ମୁଁ ଯେଉଁଠାରେ ଥାଏ, ସେମାନେ ମଧ୍ୟ ମୋହର ସହିତ ସେଠାରେ ଥାଆନ୍ତି।

41 ପିତଃ ଧାର୍ମିକ ଜଗତ ତୁମ୍ଭକୁ ଜାଣି ନାହିଁ, ମାତ୍ର ମୁଁ ତୁମ୍ଭକୁ ଜାଣିଅଛି, ଆଉ ତୁମ୍ଭେ ଯେ ମୋତେ ପଠାଇଅଛ, ଏମାନେ ମଧ୍ୟ ଏହା ଜାଣିଅଛନ୍ତି। ମୁଁ ତୁମ୍ଭର ନାମ ସେମାନଙ୍କୁ ଜଣାଇଅଛି, ପୁଣି ଜଣାଇବି; ଯେପରି ତୁମ୍ଭେ ମୋତେ ଯେଉଁ ପ୍ରେମ କରିଅଛ, ତାହା ସେମାନଙ୍କଠାରେ ଥାଏ, ଆଉ ମୁଁ ସେମାନଙ୍କଠାରେ ଥାଏ।

42 ପିତଃ ଯୁଦାର ପୁତ୍ର ଯିହୂଦା ଇସ୍କାରିୟୋତ ଯେଉଁ ସ୍ଥାନକୁ ଗଲା, ସେ ସେଠାକୁ ଯିବା ପୂର୍ବରୁ ଆମ୍ଭେମାନେ ଏକତ୍ର ଭୋଜନ କରୁଥିବା ସମୟରେ ସେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କ ସହିତ ଥିଲା। ସେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କ ସହିତ ପ୍ରେରିତ ଭାବରେ ସେବା କରିଥିଲା। ସେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କ ସହିତ ଯୀଶୁଙ୍କ ଶିଷ୍ୟ ଥିଲା। ସେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କ ସହିତ ଯୀଶୁଙ୍କ ଶିଷ୍ୟ ଥିଲା।

Digitized by Google

43 ...

44 ...

45 ...

46 ...

47 ...

48 ...

Digitized by Google

49 [illegible]

50 [illegible]

51 [illegible]

52 [illegible]

53 [illegible]

Digitized by Google

54 ...

55 ...

56 ...

57 ...

58 ...

59 ...

Digitized by Google

49 ...

50 ...

51 ...

52 ...

53 ...

Digitized by Google

54 ... ...

60 ויהי כאשר הלכו ויגידו לפרעה ויאמרו הנה בתך מתה ויאמר אל יראה כי בתי היא ויאמר אל יראה כי בתי היא ויאמר אל יראה כי בתי היא

3 ... ...

ಯಾಹನು ಅರಸನಿಗೆ ಕಾರ್ಯವಿಚಾರಕನಾಗಿದ್ದನು; ಅಹೀಟೂಬನ ಮಗನಾದ ಚಾದೋಕನು ಮತ್ತು ಅಬಿಯಾ
ತಾರನ ಮಗನಾದ ಅಹೀಮೆಲೆಕನು ಯಾಜಕರಾಗಿದ್ದರು; ಸೆರಾಯನು ಲೇಖಕನಾಗಿದ್ದನು; 17 ಯೆಹೋಯಾದಾ
ವನ ಮಗನಾದ ಬೆನಾಯನು ಕೆರೆತ್ಯರಿಗೂ ಪೆಲೆತ್ಯರಿಗೂ ಮೇಲ್ವಿಚಾರಕನಾಗಿದ್ದನು; ದಾವೀದನ ಪುತ್ರರು
ಅರಸನ ಪ್ರಧಾನರಾಗಿದ್ದರು.

18 ಅಹೀಮಾಜನು ನಫ್ತಾಲಿ ಗೋತ್ರಕ್ಕೆ ಅಧಿಪತಿಯಾಗಿದ್ದನು; ಅವನು ಸೊಲೊಮೋನನ ಅಳಿಯನಾದ
ಬಾಸೆಮತಳನ್ನು ಮದುವೆಮಾಡಿಕೊಂಡಿದ್ದನು. **19** ಊರೀಯನ ಮಗನಾದ ಬೆನ್‌ಹೂರನು ಎಫ್ರಾಯೀಮ್ ಬೆಟ್ಟ
ಪ್ರದೇಶಕ್ಕೆ ಅಧಿಪತಿಯಾಗಿದ್ದನು. **20** ಪಾರೂಹನ ಮಗನಾದ ಅಜರ್ಯನು ಮಾಕೀರ್ ಗೋತ್ರಕ್ಕೆ ಅಧಿಪತಿಯಾಗಿ
ದ್ದನು. ಮಾಕೀರ್ ಗೋತ್ರದವರು ಗಿಲ್ಯಾದ್ ಪ್ರದೇಶದಲ್ಲಿ ವಾಸಿಸುತ್ತಿದ್ದರು. ಇದಲ್ಲದೆ ಅವನು ಗಿಲ್ಯಾದ್ ಪ್ರದೇಶ
ದಲ್ಲಿದ್ದ ಗಾದ್, ರೂಬೇನ್, ಮನಸ್ಸೆ ಗೋತ್ರಗಳಿಗೂ ಅಧಿಪತಿಯಾಗಿದ್ದನು. **21** ಯಾಬೇಜನ ಮಗನಾದ ಯೆಹೋ
ಷಾಫಾಟನು ಇಸ್ಸಾಕಾರ್ ಗೋತ್ರಕ್ಕೆ ಅಧಿಪತಿಯಾಗಿದ್ದನು. **22** ಎಲೆಯನ ಮಗನಾದ ಯಾಷೀಯೇಲನು ಜೆಬುಲೂನ್
ಗೋತ್ರಕ್ಕೆ ಅಧಿಪತಿಯಾಗಿದ್ದನು. **23** ಅಬ್ನೇರನ ಮಗನಾದ ಯಾರೇಬಾಮನು ಬೆನ್ಯಾಮೀನ್ ಗೋತ್ರಕ್ಕೆ
ಅಧಿಪತಿಯಾಗಿದ್ದನು. **24** ಮಾಕನ ಮಗನಾದ ಫೆಲ್ಟೈಯನು ಆಶೇರ್ ಗೋತ್ರಕ್ಕೆ ಅಧಿಪತಿಯಾಗಿದ್ದನು.
ಶಿಮ್ರಿಯ ಮಗನಾದ ಅಬ್ದೀಯನು ನಫ್ತಾಲಿ ಗೋತ್ರಕ್ಕೆ ಅಧಿಪತಿಯಾಗಿದ್ದನು. **25** ಅದಾಯನ ಮಗನಾದ ಯೆಹೋ
ಷಾಫಾಟನು ಇಸ್ಸಾಕಾರ್ ಗೋತ್ರಕ್ಕೆ ಅಧಿಪತಿಯಾಗಿದ್ದನು. **26** ಎಲೆಯನ ಮಗನಾದ ಯಾಷೀಯೇಲನು ಜೆಬುಲೂನ್
ಗೋತ್ರಕ್ಕೆ ಅಧಿಪತಿಯಾಗಿದ್ದನು. **27** ಅಬ್ನೇರನ ಮಗನಾದ ಯಾರೇಬಾಮನು ಬೆನ್ಯಾಮೀನ್ ಗೋತ್ರಕ್ಕೆ
ಅಧಿಪತಿಯಾಗಿದ್ದನು. **28** ಮಾಕನ ಮಗನಾದ ಫೆಲ್ಟೈಯನು ಆಶೇರ್ ಗೋತ್ರಕ್ಕೆ ಅಧಿಪತಿಯಾಗಿದ್ದನು.
ಶಿಮ್ರಿಯ ಮಗನಾದ ಅಬ್ದೀಯನು ನಫ್ತಾಲಿ ಗೋತ್ರಕ್ಕೆ ಅಧಿಪತಿಯಾಗಿದ್ದನು.

Digitized by Google

15 ಯಿಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರು ಅವನಿಗೆ ಕೊಟ್ಟ ಪಾಲಿನಲ್ಲಿ ಅವನಿಗೆ ಯೆಹೋವನ ಆಜ್ಞೆಯ ಪ್ರಕಾರ ಯೆಫುನ್ನೆಯ ಮಗನಾದ ಕಾಲೇಬನಿಗೆ ಕಿರ್ಯತ್ಸೇಫೆರ್ ಎಂಬ ಹೆಸರಿನ ಯೆಹೂದ ಗೋತ್ರದವರ ಪಟ್ಟಣವಾದ ಕಿರ್ಯತರ್ಬಾ ಎಂಬ ಹೆಸರಿನ ಹೆಬ್ರೋನ್ ಪಟ್ಟಣವನ್ನು ಕೊಟ್ಟನು.

16 ಅನಾಕನ ಮಕ್ಕಳಾದ ಶೇಷಾಯ್, ಅಹೀಮನ್, ತಲ್ಮೈ ಎಂಬವರನ್ನು ಅಲ್ಲಿಂದ ಓಡಿಸಿಬಿಟ್ಟನು. ಅವರು ಅಲ್ಲಿಂದ ದೆಬೀರಿನ ನಿವಾಸಿಗಳ ಮೇಲೆ ಯುದ್ಧಕ್ಕೆ ಹೊರಟರು. ದೆಬೀರಿಗೆ ಮುಂಚೆ ಕಿರ್ಯತ್ಸೇಫೆರ್ ಎಂಬ ಹೆಸರಿತ್ತು.

17 ಆಗ ಕಾಲೇಬನು ಅವರಿಗೆ, "ಕಿರ್ಯತ್ಸೇಫೆರ್ ಪಟ್ಟಣವನ್ನು ಹಿಡಿದು ಸೋಲಿಸುವವನಿಗೆ ನನ್ನ ಮಗಳಾದ ಅಕ್ಸಾಳನ್ನು ಮದುವೆ ಮಾಡಿಕೊಡುವೆನು" ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. ಕೆನಜನ ಮಗನಾದ ಕಾಲೇಬನ ತಮ್ಮನಾದ ಒತ್ನಿಯೇಲನು ಆ ಪಟ್ಟಣವನ್ನು ಹಿಡಿದು ಸೋಲಿಸಿದನು. ಆದ್ದರಿಂದ ಕಾಲೇಬನು ತನ್ನ ಮಗಳಾದ ಅಕ್ಸಾಳನ್ನು ಒತ್ನಿಯೇಲನಿಗೆ ಮದುವೆ ಮಾಡಿಕೊಟ್ಟನು.

18 ಒತ್ನಿಯೇಲನು ಅಕ್ಸಾಳನ್ನು ಮದುವೆಯಾಗಿ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗುತ್ತಿರುವಾಗ ಅವಳು ತನ್ನ ತಂದೆಯಿಂದ ಹೊಲವನ್ನು ಕೇಳಿಕೊಳ್ಳಬೇಕೆಂದು ಅವನನ್ನು ಪ್ರೇರೇಪಿಸಿದಳು. ಅವಳು ಕತ್ತೆಯಿಂದ ಇಳಿದಾಗ ಕಾಲೇಬನು ಅವಳಿಗೆ, "ನಿನಗೆ ಏನು ಬೇಕು?" ಎಂದು ಕೇಳಿದನು.

19 ಅವಳು ಅವನಿಗೆ, "ನನಗೆ ಒಂದು ಉಡುಗೊರೆಯನ್ನು ಕೊಡಬೇಕು. ನೀನು ನನಗೆ ದಕ್ಷಿಣದ ಭೂಮಿಯನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿರುವುದರಿಂದ ನೀರಿನ ಬುಗ್ಗೆಗಳಿರುವ ಭೂಮಿಯನ್ನು ಸಹ ಕೊಡಬೇಕು" ಎಂದು ಹೇಳಿದಳು. ಆದ್ದರಿಂದ ಕಾಲೇಬನು ಮೇಲಿನ ಬುಗ್ಗೆಗಳನ್ನೂ ಕೆಳಗಿನ ಬುಗ್ಗೆಗಳನ್ನೂ ಅವಳಿಗೆ ಕೊಟ್ಟನು.

20 ಇದು ಯೆಹೂದ ಗೋತ್ರದವರ ಕುಲಗಳಿಗೆ ಸೇರಿದ ಪಿತ್ರಾರ್ಜಿತ ಭೂಮಿಯಾಗಿದೆ.

Digitized by Google

ויהי כי הזקין יהושע ובא בימים ויאמר יהושע אל כל ישראל אל זקניו ואל ראשיו ואל שפטיו ואל שוטריו ויאמר אליהם אני זקנתי בא בימים ואתם ראיתם את כל אשר עשה יהוה אלהיכם לכל הגוים האלה מפניכם כי יהוה אלהיכם הוא הנלחם לכם׃

21 ראו הפלתי לכם את הגוים הנשארים האלה לנחלה לשבטיכם מן הירדן וכל הגוים אשר הכרתי ים הגדול מבוא השמש׃ ויהוה אלהיכם הוא יהדפם מפניכם והוריש אתם מלפניכם וירשתם את ארצם כאשר דבר יהוה אלהיכם לכם׃

22 ויאמר חזקו מאד לשמור ולעשות את כל הכתוב בספר תורת משה לבלתי סור ממנו ימין ושמאל׃ לבלתי בא בגוים האלה האלה הנשארים אתכם האלה ובשם אלהיהם לא תזכירו ולא תשבעו ולא תעבדם ולא תשתחוו להם׃ כי אם בהדבק אתם ביהוה אלהיכם כאשר עשיתם עד היום הזה׃

23 ויגרש יהוה מפניכם גוים גדלים ועצמים ואתם לא עמדתם בפניכם עד היום הזה׃ אחד מכם ירדף אלף כי יהוה אלהיכם הוא הנלחם לכם כאשר דבר לכם׃

24 ונשמרתם מאד לנפשתיכם לאהבה את יהוה אלהיכם׃ כי אם שוב תשובו ודבקתם ביתר הגוים האלה הנשארים האלה אתכם והתחתנתם בם ובאתם בהם והם בכם׃ ידעו ידעו כי לא יוסיף יהוה אלהיכם להוריש את הגוים האלה מלפניכם והיו לכם לפח ולמוקש ולשוט בצדיכם ולשכים בעיניכם עד אבדכם מעל האדמה הטובה הזאת אשר נתן לכם יהוה אלהיכם׃

Digitized by Google

25 ଯିହିଷ୍କୀୟ ଏହାସବୁ ଦେଖିଲା ପରେ ଯିହୋଶାଫଟ, ଯିହୋରାମ, ଅହସୀୟ, ଉଷୀୟ, ଯୋଥମ, ଆହସ ଓ ହିଷ୍କୀୟ ଏମାନେ ଯିହୁଦାର ରାଜା ଥିଲେ। ଏମାନେ ଯେଉଁ ଯେଉଁ ଯୁଦ୍ଧ କରିଥିଲେ ଓ ଯେଉଁ ଯେଉଁ ଅଦ୍ଭୁତ କାର୍ଯ୍ୟ କରିଥିଲେ, ତାହା ଯିହିଷ୍କୀୟଙ୍କୁ କୁହାଗଲା।

26 ଏହି ରାଜାମାନଙ୍କର ଇତିହାସ ଯିହୁଦା ଓ ଇସ୍ରାଏଲର ରାଜାମାନଙ୍କର ଇତିହାସ ପୁସ୍ତକରେ ଲେଖା ହୋଇଛି।

27 ଯିହିଷ୍କୀୟର ଅନେକ ଧନ ଓ ସମ୍ମାନ ଥିଲା। ସେ ରୂପା, ସୁନା, ବହୁମୂଲ୍ୟ ପଥର, ମସଲା, ଢାଲ ଓ ଅନ୍ୟ ଅନେକ ଜିନିଷ ରଖିବା ପାଇଁ ଭଣ୍ଡାର ଘର ତିଆରି କଲା। ସେ ଅନେକ ଶସ୍ୟ ଭଣ୍ଡାର ଘର ତିଆରି କଲା। ସେ ଅନେକ ଗାଈ ଓ ମେଷପଲ ପାଇଁ ଗୁହାଳ ତିଆରି କଲା।

28 ସେ ନଗର ଗୁଡ଼ିକ ତିଆରି କଲା। ସେ ଅନେକ ମେଷପଲ ଓ ଗୋରୁପଲ ପାଇଁ ଗୁହାଳ ତିଆରି କଲା।

29 ସେ ଅନେକ ଦାସ ଓ ଦାସୀ ମଧ୍ୟ ପାଇଲା। ସେ ଅନେକ ଧନ ଓ ସମ୍ପତ୍ତି ପାଇଲା।

30 ଏହି ହିଷ୍କୀୟ ଗୀହୋନ ଜଳ ଉତ୍ସର ଉପର ଦିଗକୁ ଥିବା ଜଳ ପ୍ରବାହକୁ ବନ୍ଦ କରି ଦେଲା। ସେ ଏହି ଜଳ ପ୍ରବାହକୁ ଦାଉଦ ନଗରର ପଶ୍ଚିମ ପାର୍ଶ୍ୱକୁ ଆଣିଲା। ସେ ଯାହା କରିଥିଲା ତାହାରି ଉପରେ ସଫଳତା ଲାଭ କଲା।

Digitized by Google

31 ꠀꠀꠀ

36 ಆಗ ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಅವನ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವನಿಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದರು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಅವರ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಿಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದನು.

37 ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಅವರ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಿಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದನು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಅವರ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಿಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದನು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಅವರ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಿಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದನು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಅವರ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಿಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದನು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಅವರ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಿಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದನು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಅವರ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಿಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದನು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಅವರ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಿಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದನು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಅವರ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಿಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದನು.

38 ಆಗ ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಅವರ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಿಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದನು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಅವರ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಿಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದನು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಅವರ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಿಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದನು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಅವರ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಿಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದನು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಅವರ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಿಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದನು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಅವರ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಿಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದನು.

39 ಆಗ ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಅವರ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಿಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದನು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಅವರ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಿಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದನು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಅವರ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಿಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದನು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಅವರ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಿಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದನು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಅವರ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಿಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದನು.

40 ಆಗ ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಅವರ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಿಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದನು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಅವರ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಿಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದನು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಅವರ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಿಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದನು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಅವರ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಿಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದನು.

41 ಆಗ ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಅವರ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಿಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದನು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವನು ಅವರ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರಿಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿದನು.

Digitized by Google

42 למנצח לבני קרח משכיל כאיל תערג על אפיקי מים כן נפשי תערג אליך אלהים: צמאה נפשי לאלהים לאל חי מתי אבוא ואראה פני אלהים: היתה לי דמעתי לחם יומם ולילה באמר אלי כל היום איה אלהיך: אלה אזכרה ואשפכה עלי נפשי כי אעבר בסך אדדם עד בית אלהים בקול רנה ותודה המון חוגג: מה תשתוחחי נפשי ותהמי עלי הוחילי לאלהים כי עוד אודנו ישועות פני ואלהי: אלהי עלי נפשי תשתוחח על כן אזכרך מארץ ירדן וחרמונים מהר מצער: תהום אל תהום קורא לקול צנוריך כל משבריך וגליך עלי עברו: יומם יצוה יהוה חסדו ובלילה שירה עמי תפלה לאל חיי: אומרה לאל סלעי למה שכחתני למה קדר אלך בלחץ אויב: ברצח בעצמותי חרפוני צוררי באמר אלי כל היום איה אלהיך: מה תשתוחחי נפשי ומה תהמי עלי הוחילי לאלהים כי עוד אודנו ישועות פני ואלהי:

43 שפטני אלהים וריבה ריבי מגוי לא חסיד מאיש מרמה ופלט תחלצני: כי אתה אלהי מעוזי למה זנחתני למה קדר אלך בלחץ אויב: שלח אורך ואמתך המה ינחוני יביאוני אל הר קדשך ואל משכנותיך: ואבואה אל מזבח אלהים אל אל שמחת גילי ואודך בכנור אלהים אלהי: מה תשתוחחי נפשי ומה תהמי עלי הוחילי לאלהים כי עוד אודנו ישועות פני ואלהי:

44 למנצח לבני קרח משכיל אלהים באזנינו שמענו אבותינו ספרו לנו פעל פעלת בימיהם בימי קדם: אתה ידך גוים הורשת ותטעם רע לאמים ותשלחם: כי לא בחרבם ירשו ארץ וזרועם לא הושיעה למו כי ימינך וזרועך ואור פניך כי רצית בם: אתה הוא מלכי אלהים צוה ישועות יעקב: בך צרינו ננגח בשמך נבוסי קמינו: כי לא בקשתי אבטח וחרבי לא תושיעני: כי הושעתנו מצרינו ומשנאינו הבישות: באלהים הללנו כל היום ושמך לעולם נודה סלה: אך זנחת ותכלימנו ולא תצא בצבאותינו: תשיבנו אחור מני צר ומשנאינו שסו למו: תתנינו כצאן מאכל ובגוים זריתנו: תמכר עמך בלא הון ולא רבית בם: תשימנו חרפה לשכנינו לעג וקלס לסביבותינו: תשימנו משל בגוים מנוד ראש בלאמים: כל היום כלמתי נגדי ובשת פני כסתני: מקול מחרף ומגדף מפני אויב ומתנקם: כל זאת באתנו ולא שכחנוך ולא שקרנו בבריתך: לא נסוג אחור לבנו ותט אשרינו מנתיבתך: כי דכיתנו במקום תנים ותכס עלינו בצלמות: אם שכחנו שם אלהינו ונפרש כפינו לאל נכר: הלא אלהים יחקר זאת כי הוא יודע תעלמות לב: כי עליך הרגנו כל היום נחשבנו כצאן טבחה: עורה למה תישן אדני הקיצה אל תזנח לנצח: למה פניך תסתיר תשכח עניינו ולחצנו: כי שחה לעפר נפשנו דבקה לארץ בטננו: קומה עזרתה לנו ופדנו למען חסדך:

45 למנצח על שושנים לבני קרח משכיל שיר ידידות: רחש לבי דבר טוב אמרי אני מעשי למלך לשוני עט סופר מהיר: יפיפית מבני אדם הוצק חן בשפתותיך על כן ברכך אלהים לעולם: חגר חרבך על ירך גבור הודך והדרך: והדרך צלח רכב על דבר אמת וענוה צדק ותורך נוראות ימינך: חציך שנונים עמים תחתיך יפלו בלב אויבי המלך: כסאך אלהים עולם ועד שבט מישר שבט מלכותך: אהבת צדק ותשנא רשע על כן משחך אלהים אלהיך שמן ששון מחבריך: מר ואהלות קציעות כל בגדותיך מן היכלי שן משמחוך: בנות מלכים ביקרותיך עמדה שגל לימינך בכתם אופיר: שמעי בת וראי והטי אזנך ושכחי עם ובית אביך: ויתאו המלך יפיך כי הוא אדניך והשתחוי לו: ובת צר במנחה פני עשירי עם: כל כבודה בת מלך פנימה מלבושה ממשבצות זהב: לרקמות תובל למלך בתולות רעותיה אחריה מובאות לך: תובלנה בשמחת וגיל תבאנה בהיכל מלך: תחת אבותיך יהיו בניך תשיתמו לשרים בכל הארץ: אזכירה שמך בכל דור ודור על כן עמים יהודוך לעולם ועד:

46 למנצח לבני קרח עלמות שיר: אלהים לנו מחסה ועז עזרה בצרות נמצא מאד: על כן לא נירא בהמיר ארץ ובמוט הרים בלב ימים: יהמו ויחמרו מימיו ירעשו הרים בגאותו סלה: נהר פלגיו ישמחו עיר אלהים קדש משכני עליון: אלהים בקרבה בל תמוט יעזרה אלהים לפנות בקר: המו גוים מלכות נתן בקולו תמוג ארץ: יהוה צבאות עמנו משגב לנו אלהי יעקב סלה: לכו חזו מפעלות יהוה אשר שם שמות בארץ: משבית מלחמות עד קצה הארץ קשת ישבר וקצץ חנית מגנות באש ישרף: הרפו ודעו כי אנכי אלהים ארום בגוים ארום בארץ: יהוה צבאות עמנו משגב לנו אלהי יעקב סלה:

47 למנצח לבני קרח מזמור: כל העמים תקעו כף הריעו לאלהים בקול רנה: כי יהוה עליון נורא מלך גדול על כל הארץ: ידבר עמים תחתינו ולאמים תחת רגלינו: יבחר לנו את נחלתנו את גאון יעקב אשר אהב סלה: עלה אלהים בתרועה יהוה בקול שופר: זמרו אלהים זמרו זמרו למלכנו זמרו: כי מלך כל הארץ אלהים זמרו משכיל: מלך אלהים על גוים אלהים ישב על כסא קדשו: נדיבי עמים נאספו עם אלהי אברהם כי לאלהים מגני ארץ מאד נעלה:

48 שיר מזמור לבני קרח: גדול יהוה ומהלל מאד בעיר אלהינו הר קדשו: יפה נוף משוש כל הארץ הר ציון ירכתי צפון קרית מלך רב: אלהים בארמנותיה נודע למשגב: כי הנה המלכים נועדו עברו יחדו: המה ראו כן תמהו נבהלו נחפזו: רעדה אחזתם שם חיל כיולדה: ברוח קדים תשבר אניות תרשיש: כאשר שמענו כן ראינו בעיר יהוה צבאות בעיר אלהינו אלהים יכוננה עד עולם סלה: דמינו אלהים חסדך בקרב היכלך: כשמך אלהים כן תהלתך על קצוי ארץ צדק מלאה ימינך: ישמח הר ציון תגלנה בנות יהודה למען משפטיך: סובו ציון והקיפוה ספרו מגדליה: שיתו לבכם לחילה פסגו ארמנותיה למען תספרו לדור אחרון: כי זה אלהים אלהינו עולם ועד הוא ינהגנו על מות:

49 למנצח לבני קרח מזמור: שמעו זאת כל העמים האזינו כל יושבי חלד: גם בני אדם גם בני איש יחד עשיר ואביון: פי ידבר חכמות והגיון לבי תבונות: אטה למשל אזני אפתח בכנור חידתי: למה אירא בימי רע עון עקבי יסבני: הבוטחים על חילם וברב עשרם יתהללו: אח לא פדה יפדה לא יתן לאלהים כפרו: ויקר פדות נפשם וחדל לעולם: ויחי עוד לנצח לא יראה השחת: כי יראה חכמים ימותו יחד כסיל ובער יאבדו ועזבו לאחרים חילם: קרבם בתימו לעולם משכנותם לדר דרים קראו בשמותם על אדמותם: ואדם ביקר בל ילין נמשל כבהמות נדמו: זה דרכם כסלת למו ואחריהם בפיהם ירצו סלה: כצאן לשאול שתו מות ירעם וירדו בם ישרים לבקר וצורם לבלות שאול מזבל לו: אך אלהים יפדה נפשי מיד שאול כי יקחני סלה: אל תירא כי יעשר איש כי ירבה כבוד ביתו: כי לא במותו יקח הכל לא ירד אחריו כבודו: כי נפשו בחייו יברך ויודך כי תיטיב לך: תבוא עד דור אבותיו עד נצח לא יראו אור: אדם ביקר ולא יבין נמשל כבהמות נדמו:

50 מזמור לאסף אל אלהים יהוה דבר ויקרא ארץ ממזרח שמש עד מבואו: מציון מכלל יפי אלהים הופיע: יבא אלהינו ואל יחרש אש לפניו תאכל ומסביביו נשערה מאד: יקרא אל השמים מעל ואל הארץ לדין עמו: אספו לי חסידי כרתי בריתי עלי זבח: ויגידו שמים צדקו כי אלהים שפט סלה: שמעה עמי ואדברה ישראל ואעידה בך אלהים אלהיך אנכי: לא על זבחיך אוכיחך ועולותיך לנגדי תמיד: לא אקח מביתך פרים מעדרותיך עתודים: כי לי כל חיתו יער בהמות בהרי אלף: ידעתי כל עוף הרים וזיז שדי עמדי: אם ארעב לא אמר לך כי לי תבל ומלואה: האוכל בשר אבירים ודם עתודים אשתה: זבח לאלהים תודה ושלם לעליון נדריך: וקרא אלי ביום צרה אחלצך ותכבדני: ולרשע אמר אלהים מה לך לספר חקי ותשא בריתי עלי פיך: ואתה שנאת מוסר ותשלך דברי אחריך: אם ראית גנב ותרץ עמו ועם מנאפים חלקך: פיך שלחת ברע ולשונך תצמיד מרמה: תשב באחיך תדבר בן אמך תתן דפי: אלה עשית ואחריש דמית היות אהיה כמוך אוכיחך ואערכה לעיניך: בינו נא זאת שכחי אלוה פן אטרף ואין מציל: זובח תודה יכבדני ושם דרך אראנו בישע אלהים:

51 למנצח מזמור לדוד: בבוא אליו נתן הנביא כאשר בא אל בת שבע: חנני אלהים כחסדך כרב רחמיך מחה פשעי: הרבה כבסני מעוני וממחטאתי טהרני: כי פשעי אני אדע וחטאתי נגדי תמיד: לך לבדך חטאתי והרע בעיניך עשיתי למען תצדק בדברך תזכה בשפטך: הן בעון חוללתי ובחטא יחמתני אמי: הן אמת חפצת בטחות ובסתם חכמה תודיעני: תחטאני באזוב ואטהר תכבסני ומשלג אלבין: תשמיעני ששון ושמחה תגלנה עצמות דכית: הסתר פניך מחטאי וכל עונותי מחה: לב טהור ברא לי אלהים ורוח נכון חדש בקרבי: אל תשליכני מלפניך ורוח קדשך אל תקח ממני: השיבה לי שוש ישעך ורוח נדיבה תסמכני: אלמדה פשעים דרכיך וחטאים אליך ישובו: הצילני מדמים אלהים אלהי תשועתי תרנן לשוני צדקתך: אדני שפתי תפתח ופי יגיד תהלתך: כי לא תחפץ זבח ואתנה עולה לא תרצה: זבחי אלהים רוח נשברה לב נשבר ונדכה אלהים לא תבזה: היטיבה ברצונך את ציון תבנה חומות ירושלם: אז תחפץ זבחי צדק עולה וכליל אז יעלו על מזבחך פרים:

52 למנצח משכיל לדוד: בבוא דואג האדומי ויגד לשאול ויאמר לו בא דוד בית אחימלך: מה תתהלל ברעה הגבור חסד אל כל היום: הוות תחשב לשונך כתער מלטש עשה רמיה: אהבת רע מטוב שקר מדבר צדק סלה: אהבת כל דברי בלע לשון מרמה: גם אל יתצך לנצח יחתך וסחך מאהל ושרשך מארץ חיים סלה: וראו צדיקים ויראו ועליו ישחקו: הן האיש לא ישים אלהים מעזו ויבטח בשפע עשרו יתעז בהותו: ואני כזית רענן בבית אלהים בטחתי בחסד אלהים עולם ועד: אודך לעולם כי עשית ואקוה שמך כי טוב נגד חסידיך:

53 למנצח על מחלת משכיל לדוד: אמר נבל בלבו אין אלהים השחיתו התעיבו עול אין עושה טוב: אלהים משמים השקיף על בני אדם לראות היש משכיל דורש את אלהים: כלו סג יחדו נאלחו אין עושה טוב אין גם אחד: הלא ידעו כל פעלי און אכלי עמי אכלו לחם אלהים לא קראו: שם פחדו פחד לא היה פחד כי אלהים פזר עצמות חונך הבישות כי יהוה מאסם: מי יתן מציון ישועות ישראל בשוב אלהים שבות עמו יגל יעקב ישמח ישראל:

54 למנצח בנגינות משכיל לדוד: בבוא הזיפים ויאמרו אל שאול הלא דוד מסתתר עמנו: אלהים בשמך הושיעני ובגבורתך תדינני: אלהים שמע תפלתי האזינה לאמרי פי: כי זרים קמו עלי ועריצים בקשו נפשי לא שמו אלהים לנגדם סלה: הן אלהים עזר לי אדני בסמכי נפשי: השיב הרע לשוררי בצמיתך הכחידם: בנדבה אזבחה לך אודה שמך יהוה כי טוב: כי מכל צרה הצילני ובאויבי ראתה עיני:

55 למנצח בנגינות משכיל לדוד: האזינה אלהים תפלתי ואל תתעלם מתחנתי: הקשיבה לי ועני אריד בשיחי והמיתי: מקול אויב מפני עקת רשע כי יטו עלי און ובזעם יתנרמו: לבי יחיל בקרבי ואימות מות נפלו עלי: יראה ורעדה תבוא בי ותכסני פלצות: ואמר מי יתן לי אברה כיונה אעופה ואשכנה: הנה אנד אברח במדבר סלה: אחישה מפלט לי מרוח סערה מסתר: בלע אדני פלג לשונם כי ראיתי חמס ומדון בעיר: יומם ולילה יסבבוה על חומותיה ואון ועמל בקרבה: והות בקרבה לא יגורו מעשקה ומרמה: כי לא חרף יבוללני ואשא אם עלי מתגדיל לא מנאני ואסתר ממנו: ואתה אנוש כערכי אלופי ומיודעי: אשר יחדו נמתיק סוד בבית אלהים נהלך בקרב: יבוש מות עליהם וירדו חיים שאולה כי רעות במגוריהם בקרבם: אני אל אלהים אקרא ויהוה יושיעני: ערב ובקר וצהרים אשיחה והמה אשמע קולי: פדה בשלום נפשי מקרב לי כי ברבים היו עמדי: ישמע אל ויענם וישב קדם סלה אשר אין למו חלופים ולא יראו אלהים: שלח ידיו בשלמיו חלל ברית: חלקו גחון מחמאה ולבו קרב רכו משמנים דבריו המה פתחו חרבות: השלך על יהוה יהבך והוא יכלכלך לא יתן למוט לצדיק עולם: ואתה אלהים תורידם לבאר שחת אנשי דמים ומרמה לא יחצו ימיהם ואני אבטח בך:

56 למנצח על יונת אלם רחקים למכתם לדוד בתאחז בו פלשתים בגת: חנני אלהים כי שאפני אנוש כל היום לחם נגפני: שאפו שוררי כל היום כי רבים לחמים לי מרום: יום אירא אני אליך אבטח: באלהים אהלל דברו באלהים בטחתי לא אירא מה יעשה בשר לי: כל היום דברי יעצבו עלי כל מחשבתם לרעה: יגורו יצפנו הם עקבי ישמרו כאשר קוו נפשי: על אין למו תמלט באף עמים הורד אלהים: נדדי ספרתה אתה שימה דמעתי בנאדך הלא בספרתך: אז ישובו אויבי אחור יום אקרא זה ידעתי כי אלהים לי: באלהים אהלל דבר ביהוה אהלל דבר: באלהים בטחתי לא אירא מה יעשה אדם לי: עלי אלהים נדריך אשלם תודות לך: כי חלצת נפשי ממות הלא רגלי מדחי להתהלך לפני אלהים באור החיים:

57 למנצח אל תשחת לדוד מכתם בברחו מפני שאול במערה: חנני אלהים חנני כי בך חסתה נפשי ובצל כנפיך אחסה עד יעבר הוות: אקרא לאל עליון לאל גומר עלי: ישלח משמים ויושיעני חרף שאפי סלה ישלח אלהים חסדו ואמתו: נפשי בתוך לבאים אשכבה להמים בני אדם שניהם חנית וחצים ולשונם חרב חדה: רומה על השמים אלהים על כל הארץ כבודך: רשת הכינו לפעמי כפפה נפשי כרו לפני שיחה נפלו בתוכה סלה: נכון לבי אלהים נכון לבי אשירה ואזמרה: עורה כבודי עורה הנבל וכנור אעירה שחר: אודך בעמים אדני אזמרך בלאמים: כי גדול עד שמים חסדך ועד שחקים אמתך: רומה על השמים אלהים על כל הארץ כבודך:

58 למנצח אל תשחת לדוד מכתם: האמנם אלם צדק תדברון מישרים תשפטו בני אדם: אף בלב עולות תפעלון חמס ידיכם תפלסון בארץ: זרו רשעים מרחם תעו מבטן דברי כזב: חמתם כדמות חמת נחש כפתן חרש אטם אזנו: אשר לא ישמע לקול מלחשים חובר חבר מכשף: אלהים שברם בפיהם מלתעות כפירים יהוה נתץ: יתמגו כמים ילכו לשלח דריכו חציו ויהיו כמו קטועים: כמו שבלול תמס יהלך נפל אשת בל חזו שמש: בטרם יבינו סירתיכם אתד כחי כסער חיים כזעפה ישערנו: ישמח צדיק כי חזה פעמיו ירחץ בדם הרשע: ויאמר אדם אך פרי לצדיק אך יש אלהים שפטים בארץ:

59 למנצח אל תשחת לדוד מכתם בשלח שאול וישמרו את הבית להמיתו: הצילני מאויבי אלהי משגבי מקמי תשגבני: הצילני מפעלי און ומאנשי דמים הושיעני: כי הנה ארבו לנפשי יגורו עלי עזים לא פשעי ולא חטאתי יהוה: בלי עון ירוצון יכונון עורה לקראתי וראה: ואתה יהוה אלהי צבאות אלהי ישראל הקיצה לפקד כל הגוים אל תחן כל בגדי און סלה: ישובו לערב יהמו ככלב ויסובבו עיר: הנה יביעון בפיהם חרבות בשפתותיהם כי מי שמע: ואתה יהוה תשחק למו תלעג לכל גוים: עזו אליך אשמרה כי אלהים משגבי: אלהי חסדי יקדמני אלהים יראני בשורי: אל תהרגם פן ישכחו עמי הנידמו בחילך והורידמו מגננו אדני: חטאת פימו דבר שפתימו ונלכדו בגאונם ומאלה ומכזב יספרו: כלה בחמה כלה ואינמו ויידעו כי אלהים מושל ביעקב לאפסי הארץ סלה: ישובו לערב יהמו ככלב ויסובבו עיר: המה ינועון לאכל אם לא ישבעו וילינו: ואני אשיר עזך ארנן לבקר חסדך כי היית משגב לי ומנוס ביום צר לי: עזי אליך אזמרה כי אלהים משגבי אלהי חסדי:

60 למנצח על שושן עדות מכתם לדוד לללמד בהצותו את ארם נהרים ואת ארם צובה וישב יואב ויך את אדום בגיא מלח שנים עשר אלף: אלהים זנחתנו פרצתנו אנפת היתה לנו תשובנו: הרעשת הארץ פצתה רפא שבריה כי מטה: הראית עמך קשה השקיתנו יין תרעלה: נתתה ליראיך נס להתנוסס מפני קשט סלה: למען יחלצון ידידיך הושיעה ימינך וענני: אלהים דבר בקדשו אעלזה אחלקה שכם ועמק סכות אמדד: לי גלעד ולי מנשה ואפרים מעוז ראשי יהודה מחקקי: מואב סיר רחצי על אדום אשליך נעלי עלי פלשת התרועעי: מי יובלני עיר מצור מי נחה אותי עד אדום: הלא אתה אלהים זנחתנו ולא תצא אלהים בצבאותינו: הבה לנו עזרת מצר ושוא תשועת אדם: באלהים נעשה חיל והוא יבוס צרינו:

61 למנצח בנגינת לדוד: שמעה אלהים רנתי הקשיבה תפלתי: מקצה הארץ אליך אקרא בעטף לבבי בצור ירוממני תנחני: כי היית מחסה לי מגדל עז מפני אויב: אגורה באהלך עולמים אחסה בסתר כנפיך סלה: כי אתה אלהים שמעת לי נדרי נתתה ירשת יראי שמך: ימים על ימי מלך תוסיף שנותיו כמו דר עד: ותשב עולם לפני אלהים חסד ואמת מן יצרהו: כן אזמרה שמך עד לשלם נדרי יום יום:

62 למנצח על ידותון מזמור לדוד: אך אל אלהים דומיה נפשי מאתו ישועתי: אך הוא צורי וישועתי משגבי לא אמוט: עד אנה תהותתון על איש תרצחו כלכם כקיר נטוי גדר הדחויה: אך משאתו יעצו לדחות רצה בכזב בפיהם ובקרבם יקללו סלה: אך אל אלהים דומי נפשי כי ממנו תקותי: אך הוא צורי וישועתי משגבי לא אמוט: על אלהים ישועתי וכבודי צור עזי מחסי אלהים: בטחו בו כל עת עמים שפכו לפניו לבבכם אלהים מחסה לנו סלה: אך הבל בני אדם כזב בני איש במאזנים לעלות המה מהבל יחדו: אל תבטחו בעשק ובגזל אל תהבלו חיל עושר כי יפרח אל תשיתו לב: אחת דבר שתים זו שמעתי כי עז לאלהים: ולך אדני חסד כי אתה תשלם לאיש כמעשהו:

63 מזמור לדוד בהיותו במדבר יהודה: אלהים אל אלי אתך אשחרך צמאה לך נפשי כמה לך בשרי בארץ ציה ועיף בלי מים: כן בקדש חזיתיך לראות עזך וכבודך: כי טוב חסדך מחיים שפתי ישבחוך: כן אברכך בחיי בשמך אשא כפי: כמו חלב ודשן תשבע נפשי ושפתי רנות יהלל פי: אם זכרתיך על משכבי באשמרות אהגה בך: כי היית עזרתה לי ובצל כנפיך ארנין: דבקה נפשי אחריך בי תמכה ימינך: והמה לשואה יבקשוה יבאו בתחתיות הארץ: יגירוהו על ידי חרב מנת שעלים יהיו: והמלך ישמח באלהים יתהלל כל הנשבע בו כי יסכר פי דוברי שקר:

64 למנצח מזמור לדוד: שמע אלהים קולי בשיחי מפחד אויב תצר חייתי: תסתירני מסוד מרעים מרגשת פעלי און: אשר שננו כחרב לשונם דרכו חץ דבר מר: לירות בתמים פתאם יורוהו ולא ייראו: יחזקו למו דבר רע יספרו לטמן מוקשים אמרו מי יראה למו: יחפשו עולות תמנו חפש מחפש וקרוב לב ועמק: וידה אלהים חץ פתאם היו מכותם: ויכשילוהו עליהם לשונם יתנדו כל רואה בם: ויראו כל אדם וישמעו מפעל אלהים ומעשהו השכילו: ישמח צדיק ביהוה וחסה בו ויתהללו כל ישרי לב:

65 למנצח שיר מזמור לדוד: לך דמיה תהלה אלהים בציון ולך ישלם נדר: שומע תפלה עדיך כל בשר יבאו: דברי עונות גברו מנו אתה תכפרם: אשרי תבחר ותקרב ישכן חצרותיך נשבעה בטוב ביתך קדש היכלך: נורא בצדקה תענינו אלהי ישענו מבטח כל קצוי ארץ וים רחוקים: מכין הרים בכחו נאזר בגבורה: משביח שאון ימים שאון גליהם והמון לאמים: ויראו יושבי קצות מאתותיך מוצאי בקר ערב תרנין: פקדת הארץ ותשקדה רבת תעשרנה פלג אלהים מלא מים תכין דגנם כי כן תכינה: רוה נחתיה משקה גדודיה במלבה בגשמים תוחלנה צמחה תברך: עטרת שנת טובך ומעגליך ירעפון דשן: ירעפו נאות מדבר וגיל גבעות תחגרנה: לבשו כרים הצאן ועמקים יעטפו בר ירעו תרועעו אף ישירו:

66 למנצח שיר מזמור הריעו לאלהים כל הארץ: זמרו כבוד שמו שימו כבוד תהלתו: אמרו לאלהים מה נורא מעשיך ברב עזך יכחשו לך אויביך: כל הארץ ישתחוו לך וזמרו לך יזמרו שם סלה: לכו חזו מפעלות אלהים נורא עלילה על בני אדם: הפך ים ליבשה בנהר יעברו ברגל שם נשמחה בו: משל בגבורתו עולם עיניו בגוים הצרורים אל ירומו סלה: ברכו עמים אלהינו והשמיעו קול תהלתו: השם נפשנו בחיים ולא נתן למוט רגלינו: כי בחנתנו אלהים צרפתנו כצרוף כסף: הבאתנו במצודה שמת מוצקה במתנינו: רכבת אנוש לראשנו באנו באש ובמים ויצאנו אל רויה: אבוא ביתך בעולות אשלם לך נדרי: אשר פצו שפתי ודבר פי בצר לי: עולות מרים אעלה לך עם קטרת אילים אעשה בקר עם עתודים סלה: לכו שמעו וספרה כל יראי אלהים אשר עשה לנפשי: אליו פי קרא ורומם תחת לשוני: און אם ראיתי בלבבי לא ישמע אדני: אך שמע שמע אלהים הקשיב בקול תפלתי: ברוך אלהים אשר לא הסיר תפלתי וחסדו מעמי:

67 למנצח בנגינות מזמור שיר: אלהים יחננו ויברכנו יאר פניו אתנו סלה: לדעת בארץ דרכך בכל גוים ישועתך: יודוך עמים אלהים יודוך עמים כלם: ישמחו וירננו לאמים כי תשפט עמים מישור ולאמים בארץ תנחם סלה: יודוך עמים אלהים יודוך עמים כלם: ארץ נתנה יבולה יברכנו אלהים אלהינו: יברכנו אלהים ויראו אתו כל אפסי ארץ:

68 למנצח לדוד מזמור שיר: יקום אלהים יפוצו אויביו וינסו משנאיו מפניו: כהנדף עשן תנדף כהמס דונג מפני אש יאבדו רשעים מפני אלהים: וצדיקים ישמחו יעלזו לפני אלהים וישישו בשמחה: שירו לאלהים זמרו שמו סלו לרוכב בערבות ביה שמו ועלזו לפניו: אבי יתומים ודיין אלמנות אלהים במעון קדשו: אלהים מושיב יחידים במבדד מוציא אסירים בכושרות אך סוררים שכנו צחיחה: אלהים בצאתך לפני עמך בצעדך בישימון סלה: ארץ רעשה אף שמים נטפו מפני אלהים זה סיני מפני אלהים אלהי ישראל: גשם נדבות תניף אלהים נחלתך ונלאה אתה כוננתה: חיתך ישבו בה תכין בטובך לעני אלהים: אדני יתן אמר המבשרות צבא רב: מלכי צבאות ידודון ידודון ונות בית תחלק שלל: אם תשכבון בין שפתים כנפי יונה נחפה בכסף ואברתיה בירקרק חרוץ: בפרס שדי מלכים תשלג בצלמון הר אלהים הר בשן הר גבנונים הר בשן: למה תרצדון הרים גבנונים הר חמד אלהים לשבתו אף יהוה ישכן לנצח: רכב אלהים רבתים אלפי שנאן אדני בם סיני בקדש: עלית למרום שבית לקחת מתנות באדם ואף סוררים לשכן יה אלהים: ברוך אדני יום יעמס לנו האל ישענו סלה: אל לנו אל להושיעות ולאדני יהוה למות: אך מחץ אלהים ראש קדקד שער מתהלך באשמתיו: אמר אדני משבן אשיב מצולות ים: למען תמחץ רגל בדם לשון כלבך מן אויבים ממנו: ראו הליכותיך אלהים הליכות אלי הלכי במקדש: קדמו שרים אחר נגנים בתוך עלמות תופפות: במקהלות ברכו אלהים יהוה ממקור ישראל: שם בנימין צעיר רודמם שרי יהודה רגמתם שרי זבולן שרי נפתלי: צוה אלהיך עזך אלהים עזזה זו פעלתנו אלהים: מהיכלך על ירושלם לך יובלו מלכים שי: גער חית קנה עדת אבירים בעגלי עמים מתרפס ברצי כסף פזר עמים קרבות יחפצו: יבאו חשמנים מן יאור כוש תרוץ ידיה לאלהים: ממלכות הארץ שירו לאדני זמרו סלה: לרוכב בשמי שמי קדם הן יתן בקולו קול עז: תנו עז לאלהים על ישראל גאותו ועזו בשחקים: נורא אלהים ממקדשיך אל ישראל הוא נתן עז ותעצמות לעם ברוך אלהים:

69 למנצח על שושנים לדוד: הושיעני אלהים כי באו מים עד נפש: טבעתי ביון מצולה ואין מעמד באתי במעמקי מים ושבלת שטפתני: יגעתי בקראי נחרה גרוני כלו עיני מיחלי לאלהי: רבו מששי ראש שונאי חנם עצמו מצמיתי אויבי שקר אשר לא גזלתי אז אשלם: אלהים אתה ידעת לאולתי ואשמותי ממך לא נכחדו: אל יבשו בך קויך אדני יהוה צבאות אל יכלמו בך מבקשיך אלהי ישראל: כי עליך נשאתי חרפה כסתה כלמה פני: זר הייתי לאחי ונכרי לבני אמי: כי קנאת בית אכלתני וחרפות חרפיך נפלו עלי: ואבך בצום נפשי ותהי לחרפות לי: ואשים לבושי שק ואהי להם למשל: בי שיחו ישבי שער ונגינות שותי שכר: ואני תפלתי לך יהוה עת רצון אלהים ברב חסדך ענני באמת ישעך: הצילני מטיט ואל אטבעה אנצלה משנאי ומעמקי מים: אל תשטפני שבלת מים ואל תבלעני מצולה ואל תאטר עלי באר פיה: ענני יהוה כי טוב חסדך כרב רחמיך פנה אלי: ואל תסתר פניך מעבדך כי צר לי מהר ענני: קרבה אל נפשי גאלה למען אויבי פדני: אתה ידעת חרפתי ובשתי וכלמתי נגדך כל צוררי: חרפה שברה לבי ואנושה ואקוה לנוד ואין ולמנחמים ולא מצאתי: ויתנו בבלעי לאכלה ולצמאי יהוה חומץ: יהי שלחנם לפניהם לפח ולשלומים למוקש: תחשכנה עיניהם מראות וחלציהם תמיד המעד: שפך עליהם זעמך וחרון אפך יתפשם: תהי טירתם נשמה באהליהם אל יהי יושב: כי אשר אתה הכית רדפו ואל מכאוב חלליך יספרו: תן עון על עונם ואל יבאו בצדקתך: ימחו מספר חיים ועם צדיקים אל יכתבו: ואני עני וכואב ישועתך אלהים תשגבני: אהללה שם אלהים בשיר וגדלתיו בתודה: ותיטב ליהוה משור פר מקרן מפריס: ראו ענוים ישמחו דרשי אלהים ויחי לבבכם: כי שמע אל אביונים ואת אסיריו לא בזה: יהללוהו שמים וארץ ימים וכל רומש בם: כי אלהים יושיע ציון ויבנה ערי יהודה וישבו שם וירשוה: וזרע עבדיו ינחלוה ואהבי שמו ישכנו בה:

70 למנצח לדוד להזכיר: אלהים להצילני יהוה לעזרתי חושה: יבשו וכלמו מבקשי נפשי יסגו אחור וחפרו חפצי רעתי: ישובו על עקב בשתם האמרים האח האח: ישישו וישמחו בך כל מבקשיך ויאמרו תמיד יגדל אלהים אהבי תשועתך: ואני עני ואביון אלהים חושה לי עזרי ומפלטי אתה יהוה אל תאחר:

71 בך יהוה חסיתי אל אבושה לעולם: בצדקתך תפלטני והצילני הטה אלי אזנך והושיעני: היה לי לצור מעון לבוא תמיד צויתה להושיעני כי סלעי ומצודתי אתה: אלהי פלטני מיד רשע מכף מעול ומחומץ: כי תקותי אדני יהוה מבטחי מנעורי: עליך נסמכתי מבטן ממעי אמי אתה גוזי בך תהלתי תמיד: כמופת היתי לרבים ואתה מחסי עז: תמלא פי תהלתך כל היום תפארתך: אל תשליכני לעת זקנה ככלות כחי אל תעזבני: כי אמרו אויבי לי ושומרי נפשי נועדו יחדו: לאמר אלהים עזבו רדפו ותפשו כי אין מציל: אלהים אל תרחק ממני אלהי לעזרתי חושה: יבשו כלו משטני נפשי יעטו חרפה ומבקשי רעתי: ואני תמיד איחל והוספתי על כל תהלתך: פי יספר צדקתך כל היום תשועתך כי לא ידעתי מספרות: אבוא בגבורות אדני יהוה אזכיר צדקתך לבדך: אלהים למדתני מנעורי ועד הנה אגיד נפלאותיך: וגם עד זקנה ושיבה אלהים אל תעזבני עד אגיד זרוע לדור לכל יבוא: וצדקתך אלהים עד מרום אשר עשית גדלות אלהים מי כמוך: אשר הראיתני צרות רבות ורעות תשוב תחיני ומתהומות הארץ תעלני תרבה גדלתי ותסב תנחמני: גם אני בכלי נבל אודך אמתך אלהי אזמרה לך בכנור קדוש ישראל: תרנינה שפתי כי אזמרה לך ונפשי אשר פדית: גם לשוני כל היום תהגה צדקתך כי בשו כי חפרו מבקשי רעתי:

72 לשלמה אלהים משפטיך תן למלך וצדקתך לבן מלך: ידין עמך בצדק ועניך במשפט: ישאו הרים שלום לעם וגבעות בצדקה: ישפט עניי עם יושיע לבני אביון וידכא עושק: ייראוך עם שמש ולפני ירח דור דורים: ירד כמטר על גז כרביבים זרזיף ארץ: יפרח בימיו צדיק ורב שלום עד בלי ירח: וירד מים עד ים ומנהר עד אפסי ארץ: לפניו יכרעו ציים ואויביו עפר ילחכו: מלכי תרשיש ואיים מנחה יתנו מלכי שבא וסבא אשכר יקריבו: וישתחוו לו כל מלכים כל גוים יעבדוהו: כי יציל אביון משוע ועני ואין עוזר לו: יחס על דל ואביון ונפשות אביונים יושיע: מתוך ומחמס יגאל נפשם ויקר דמם בעיניו: וחי ויתן לו מזהב שבא ויתפלל בעדו תמיד כל היום יברכנו: יהי פסת בר בארץ בראש הרים ירום כלבנון פריו ויצצו מעיר כעשב הארץ: יהי שמו לעולם לפני שמש ינון שמו ויתברכו בו כל גוים יאשרוהו: ברוך יהוה אלהים אלהי ישראל עשה פלאות לבדו: וברוך שם כבודו לעולם וימלא כבודו את כל הארץ אמן ואמן: כלו תפלות דוד בן ישי:

73 מזמור לאסף אך טוב לישראל אלהים לברי לבב: ואני כמעט נטו רגלי כאיז פעמי: כי קנאתי בהוללים שלום רשעים אראה: כי אין חרצבות למותם ובריא אולם: בעמל אנוש לא יהיו ועם אדם לא ינגעו: לכן גאותם תפתם יעטף חמס למו: יצא מחלב עינמו עברו מלבות לב: יהגו וידברו ברע עשק ממרום ידברו: שתו בשמים פיהם ולשונם תהלך בארץ: לכן ישוב עמו הלום ומי מלא יונקו: ואמרו איכה ידע אל ויש דעה בעליון: הנה אלה רשעים ושלוי עולם השגו חיל: אך לריק זכיתי לבבי וארחץ בנקיון כפי: והייתי נגוע כל היום ותוכחתי לבקרים: אם אמרתי אספרה כהנה הן דור בניך בגדתי: ואחשבה לדעת זאת עמל הוא בעיני: עד אבוא אל מקדשי אל אבינה לאחריתם: אך בחלקות תשיתם הפלתם למפלות: איך היו לשמה כרגע תמו ספו מבהלות: כחלום מהקיץ אדני בעירך צלמם תבזה: כי יתחמץ לבבי וכליותי אשתנן: ואני בער ולא אדע בהמות היתי עמך: ואני תמיד עמך אחזת בימין ידי: בעצתך תנחני ואחר כבוד תקחני: מי לי בשמים ועמך לא חפצתי בארץ: כלה שארי ולבבי צור לבבי וחלקי אלהים לעולם: כי הנה רחקיך יאבדו הצמתה כל זונה ממך: ואני קרבת אלהים לי טוב שתי באדני יהוה מחסי לספר כל מלאכותיך:

74 משכיל לאסף למה אלהים זנחת לנצח יעשן אפך בצאן מרעיתך: זכר עדתך קנית קדם גאלת שבט נחלתך הר ציון זה שכנת בו: הרימה פעמיך למשואות נצח כל הרע אויב בקדש: שאגו צוררך בקרב מועדך שמו אותותם אותות: יודע כמעלה בסבך עצים קרדמות וחפושיה יחדו בפטיש ובפעמון יהרסונה: שלחו באש מקדשך לארץ חללו משכן שמך: אמרו בלבבם נינם יחדו שרפו כל מועדי אל בארץ: אותתינו לא ראינו אין עוד נביא ואין אתנו יודע עד מה: ע

ಮಾಡಿದ್ದೇವೆ ಎಂಬುದಾಗಿ ಹೇಳಿದರು. ಆಗ ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದು ಏನೆಂದರೆ, ನಾವು ಯಾವ ಕಾರಣವನ್ನು ಹೊಂದಿಕೊಂಡು ಈ ಕೆಲಸವನ್ನು ಮಾಡಿದೆವೆಂಬುದನ್ನು ನಿನಗೆ ತಿಳಿಸುವೆವು ಕೇಳು.

5 ಯಾರು ಪಿತೃಗಳಾದ ಅಬ್ರಹಾಮ ಇಸಾಕ ಯಾಕೋಬರ ದೇವರಾಗಿರುವ ಯೆಹೋವನು ತನ್ನ ಸೇವಕನಾದ ಯೇಸುವನ್ನು ಮಹಿಮೆಪಡಿಸಿದನೋ, ಆ ಯೇಸುವನ್ನು ನೀವು ಹಿಡುಕೊಟ್ಟು ಪಿಲಾತನು ಬಿಡುಗಡೆ ಮಾಡಲು ನಿರ್ಣಯಿಸಿದಾಗ್ಯೂ ಅವನನ್ನು ನೀವು ನಿರಾಕರಿಸಿ ಬಿಟ್ಟಿರಿ.

6 ಜೀವಾಧಿಪತಿಯಾದ ಆತನನ್ನು ನೀವು ಕೊಂದುಹಾಕಿದಿರಿ. ಆದರೆ ದೇವರು ಆತನನ್ನು ಸತ್ತವರೊಳಗಿಂದ ಎಬ್ಬಿಸಿದನು. ಇದಕ್ಕೆ ನಾವು ಸಾಕ್ಷಿಗಳಾಗಿದ್ದೇವೆ.

7 ಆದರೆ ಆಗ ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದು ಏನೆಂದರೆ, ನಾವು ಪ್ರಾರ್ಥನೆ ಮಾಡುವ ಸ್ಥಳಕ್ಕೆ ಹೋಗುವಾಗ ಸುಂದರವೆಂಬ ಬಾಗಿಲಿನ ಬಳಿಯಲ್ಲಿ ಕುಂಟನಾಗಿ ಹುಟ್ಟಿದವನೊಬ್ಬನು ಭಿಕ್ಷೆ ಬೇಡುತ್ತಿರುವದನ್ನು ನೀನು ಕಂಡು ಅವನಿಗೆ ಭಿಕ್ಷೆ ಕೊಡಬೇಕೆಂದು ಅವನ ಮೇಲೆ ದೃಷ್ಟಿಯಿಟ್ಟು ನೋಡಿದಾಗ ಅವನು ನಮ್ಮ ಕಡೆಗೆ ಕಣ್ಣಿಟ್ಟು ನೋಡಿದನು.

8 ಆಗ ಪೇತ್ರನು ಅವನ ಕಡೆಗೆ ನೋಡಿ ಹೇಳಿದ್ದು: ಬೆಳ್ಳಿ ಬಂಗಾರಗಳು ನನ್ನಲ್ಲಿ ಇಲ್ಲವಾದರೂ ನನಗಿರುವದನ್ನು ನಿನಗೆ ಕೊಡುತ್ತೇನೆ. ನಜರೇತಿನ ಯೇಸು ಕ್ರಿಸ್ತನ ನಾಮದಲ್ಲಿ ಎದ್ದು ನಡೆದಾಡು ಎಂದು ಹೇಳಿ ಅವನ ಬಲಗೈಯನ್ನು ಹಿಡಿದು ಅವನನ್ನು ಎಬ್ಬಿಸಿದನು.

9 ಆಗಲೇ ಅವನ ಕಾಲುಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಪಾದಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಬಲವು ಬಂದಿತು. ಅವನು ಜಿಗಿದು ನಿಂತುಕೊಂಡು ನಡೆದಾಡಿದನು. ಮತ್ತು ನಡೆಯುತ್ತಾ ಜಿಗಿಯುತ್ತಾ ದೇವರನ್ನು ಸ್ತುತಿಸುತ್ತಾ ಅವರೊಂದಿಗೆ ದೇವಾಲಯದೊಳಗೆ ಪ್ರವೇಶಿಸಿದನು.

Digitized by Google

10 ... ...

17 ומאז אמר אליהם הנה אנכי שולח אליכם את בני ואת יחידי ואתם לכו נא ובקשו מלפני אדוניכם אולי יבא יהוה לקראתי והצלתי אותו ממנו כי ידעתי את אשר יעשה בי ואת כל אשר דבר אלי לאמר לכו ושובו אל אדוניכם ואתה הנה עבדך יעקב אמר כי אכפרה פניו במנחה ההלכת לפני ואחר כן אראה פניו אולי ישא פני׃

18 ותעבר המנחה על פניו והוא לן בלילה ההוא בתוך המחנה ויקם בלילה ההוא ויקח את שתי נשיו ואת שתי שפחותיו ואת אחד עשר ילדיו ויעבר את מעבר יבק׃

19 ויקחם וישלחם את אשר לו ויעבר אותם את הנחל וישלח את אשר לו׃

20 ויותר יעקב לבדו ויאבק איש עמו עד עלות השחר׃

21 וירא כי לא יכל לו ויגע בכף ירכו ותקע כף ירך יעקב בהאבקו עמו׃

22 ויאמר שלחני כי עלה השחר ויאמר לא אשלחך כי אם ברכתני׃

23 ויאמר אליו מה שמך ויאמר יעקב׃

Digitized by Google

ꠇꠤꠞꠤꠇꠥꠞꠤꠇꠤꠞꠤꠇꠥꠞꠤꠇꠤꠞꠤꠇꠥꠞꠤꠇꠤꠞꠤꠇꠥꠞꠤꠇꠤꠞꠤꠇꠥꠞꠤꠇꠤꠞꠤꠇꠥꠞꠤꠇꠤꠞꠤꠇꠥꠞꠤ

24 ꠇꠤꠞꠤꠇꠥꠞꠤꠇꠤꠞꠤꠇꠥꠞꠤꠇꠤꠞꠤꠇꠥꠞꠤꠇꠤꠞꠤꠇꠥꠞꠤꠇꠤꠞꠤꠇꠥꠞꠤꠇꠤꠞꠤꠇꠥꠞꠤꠇꠤꠞꠤꠇꠥꠞꠤ

29 ଯିହୋୟାଦାର ପୁତ୍ର ବନାୟ ଓ ଶିମୀୟି ଓ ଲେଲୀୟି ଓ ଯିହୂଦା ଓ ଯିରୂଶାଲମ ଓ ରାଜା ଦାଉଦଙ୍କ ଅଧିପତି ଯୋୟାବ ଓ ଅହୀଲୂଦର ପୁତ୍ର ଯିହୋଶାଫଟ ଓ ନେଥନେଲ ଓ ଅମାସୟ ଏମାନେ ଆପଣା ଆପଣା ଦଳ ଓ ଆପଣା ଆପଣା ଗୀତବାଦ୍ୟ ସହିତ ରାଜା ଦାଉଦଙ୍କ ଦର୍ଶନ ଗ୍ରନ୍ଥ ଓ ନାଥନ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବକ୍ତାଙ୍କ ଗ୍ରନ୍ଥ ଓ ଗାଦ ଦର୍ଶକଙ୍କ ଗ୍ରନ୍ଥ ଅନୁସାରେ ଈଶ୍ୱରଙ୍କ ସମସ୍ତ ରାଜତ୍ୱ ଓ ପରାକ୍ରମ ଓ ତାହାର ଓ ତାହାର ଦେଶ ଉପରେ ଯେଉଁ ଯେଉଁ ଘଟଣା ଘଟିଲା, ତାହା ଲିଖିତ ଅଛି ।

30 ଏମାନେ ଅନ୍ୟ ସମସ୍ତ ରାଜ୍ୟର ରାଜାମାନଙ୍କ ଉପରେ ଓ ଇସ୍ରାଏଲ ଉପରେ ଓ ପୃଥିବୀର ସମସ୍ତ ଦେଶ ଉପରେ ତାହାର ଯେଉଁ ଯେଉଁ ଘଟଣା ଘଟିଲା, ତାହା ଲିଖିତ ଅଛି ।

31 ଯିରବୀୟାମର ପୁତ୍ର ନାଦବ ଆସା ବର୍ଷରେ ରାଜତ୍ୱ କଲା ଓ ଇସ୍ରାଏଲ ଉପରେ ଦୁଇ ବର୍ଷ ରାଜତ୍ୱ କଲା । ସେ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କ ଦୃଷ୍ଟିରେ ମନ୍ଦ କର୍ମ କଲା ଓ ଆପଣା ପିତାର ଓ ଇସ୍ରାଏଲକୁ ପାପ କରାଇଥିବା ତାହାର ପଥରେ ଚାଲିଲା । ଅହୀୟର ପୁତ୍ର ବାଶା ତାହା ବିରୁଦ୍ଧରେ ଷଡ଼ଯନ୍ତ୍ର କଲା ଓ ସେ ତାହାକୁ ଗିବ୍ବଥୋନ ସମ୍ମୁଖରେ ଆଘାତ କଲା, ଯାହା ପଲେଷ୍ଟୀୟମାନଙ୍କର ଥିଲା; କାରଣ ନାଦବ ଓ ସମସ୍ତ ଇସ୍ରାଏଲ ଗିବ୍ବଥୋନକୁ ଅବରୋଧ କରିଥିଲେ ।

32 ଆସାର ତୃତୀୟ ବର୍ଷରେ ବାଶା ତାହାର ପରିବର୍ତ୍ତେ ରାଜତ୍ୱ କଲା ଓ ସେ ତିରସାରେ ଚବିଶ ବର୍ଷ ରାଜତ୍ୱ କଲା । ଆଉ ଯିରବୀୟାମର ପଥରେ ଓ ଇସ୍ରାଏଲକୁ ପାପ କରାଇଥିବା ତାହାର ପାପରେ ସେ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କ ଦୃଷ୍ଟିରେ ମନ୍ଦ କର୍ମ କଲା । ଏଲାର ପୁତ୍ର ଏଲା ତାହା ବିରୁଦ୍ଧରେ ଷଡ଼ଯନ୍ତ୍ର କଲା ଓ ସେ ତିରସାରେ ରାଜଗୃହର ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଅର୍ସାର ଗୃହରେ ମଦ୍ୟପାନ କରି ମତ୍ତ ହେଉଥିବା ସମୟରେ ତାହାକୁ ଆଘାତ କରି ବଧ କଲା ।

33 ଯିହୂଦାର ରାଜା ଆସାର ଦ୍ୱିତୀୟ ବର୍ଷରେ ସିମ୍ରି ତିରସାରେ ସାତ ଦିନ ରାଜତ୍ୱ କଲା ।

Digitized by Google

ಯಿಂ ಅಭಿಷೇಕಮಾಡಿದ ಮೇಲೆ ಆತನು ಒಳ್ಳೇದನ್ನು ಮಾಡುತ್ತಾ ಸೈತಾನನಿಂದ ಬಾಧೆಪಡುತ್ತಿದ್ದ ಎಲ್ಲರನ್ನು ಗುಣಪಡಿಸುತ್ತಾ ಸಂಚರಿಸಿದನು; ಆತನು ಅವರೊಂದಿಗೆ ಇದ್ದನು.

34 ಆಗ ಪೇತ್ರನು ಮಾತಾಡಲಾರಂಭಿಸಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ದೇವರು ಪಕ್ಷಪಾತಿಯಲ್ಲ ಎಂಬದು ನಿಜವಾಗಿ ನನಗೆ ತಿಳಿದುಬಂದಿದೆ. **35** ಆದರೆ ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಜನಾಂಗದಲ್ಲಿಯೂ ಆತನಿಗೆ ಭಯಪಟ್ಟು ನೀತಿಯನ್ನು ನಡಿಸುವವನು ಆತನಿಗೆ ಮೆಚ್ಚಿಕೆಯಾಗಿದ್ದಾನೆ.

36 ಆತನು ಯೇಸು ಕ್ರಿಸ್ತನ ಮುಖಾಂತರವಾಗಿ ಸಮಾಧಾನದ ಸುವಾರ್ತೆಯನ್ನು ಪ್ರಕಟಿಸಿ ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಕಳುಹಿಸಿದ ವಾಕ್ಯವು ಇದೇ. ಆತನು ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಕರ್ತನಾಗಿದ್ದಾನೆ. **37** ಯೋಹಾನನು ದೀಕ್ಷಾಸ್ನಾನದ ವಿಷಯವಾಗಿ ಸಾರಿದ ಮಾತಿನ ತರುವಾಯ ಗಲಿಲಾಯದಿಂದ ಆರಂಭಿಸಿ ಯೂದಾಯದಲ್ಲೆಲ್ಲಾ ಪ್ರಸಿದ್ಧವಾದ ಸಂಗತಿಯು ನಿಮಗೆ ತಿಳಿದಿದೆ. ಆ ಯೇಸುವಿನ ವಿಷಯವಾಗಿ ಸಾರಿದ ಮಾತಿನ ತರುವಾಯ ಗಲಿಲಾಯದಿಂದ ಆರಂಭಿಸಿ ಯೂದಾಯದಲ್ಲೆಲ್ಲಾ ಪ್ರಸಿದ್ಧವಾದ ಸಂಗತಿಯು ನಿಮಗೆ ತಿಳಿದಿದೆ.

38 ದೇವರು ನಜರೇತಿನ ಯೇಸುವನ್ನು ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನಿಂದಲೂ ಬಲದಿಂದಲೂ ಅಭಿಷೇಕಮಾಡಿದ್ದು ಹೇಗೆಂದರೆ, ಆತನು ಒಳ್ಳೇದನ್ನು ಮಾಡುತ್ತಾ ಸೈತಾನನಿಂದ ಬಾಧೆಪಡುತ್ತಿದ್ದ

Digitized by Google

39 ಮತ್ತು ಅವರು ಅವನನ್ನು ಕೊಂದು ಅವನ ಶರೀರವನ್ನು ಅವನ ಸಹೋದರರ ಶರೀರಗಳ ಬಳಿಯಲ್ಲಿ ಇಟ್ಟರು. ಅವರು ಅವನನ್ನು ಕೊಂದು ಅವನನ್ನು ಮರದ ಮೇಲೆ ತೂಗುಹಾಕಿದರು.

40 ಆಗ ಅವನ ತಾಯಿಯು ಅವನ ಶರೀರದ ಬಳಿಯಲ್ಲಿ ನಿಂತುಕೊಂಡು ಅವನ ಸಹೋದರರಿಗೆ ಅಳುತ್ತಾ ಹೇಳಿದಳು.

41 ಹೇ ಮಕ್ಕಳೇ, ನೀವು ಯಾರನ್ನು ಕೊಂದಿರಿ? ಅವನು ಯಾರಿಗೆ ಏನು ಅಪರಾಧ ಮಾಡಿದ್ದನು?

42 ಆಗ ಅವರು ಅವಳಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದರು, ಅವನು ಅನೇಕ ಅನ್ಯಾಯಗಳನ್ನು ಮಾಡಿದನು, ಅವನು ಪಾಪಿಯಾಗಿದ್ದನು, ಅವನು ಸತ್ಯವನ್ನು ಅಲ್ಲಗಳೆದನು, ಅವನು ಪಾಪಿಗಳಿಗೆ ಸಹಾಯಕನಾಗಿದ್ದನು, ಅವನು ಅಪರಾಧ

ကမ္ဘာမြေကြီးပေါ်မှာ ရှိသမျှသော သတ္တဝါအားလုံးတို့ကို ငါသည် ရေလွှမ်းမိုးစေ၍ ဖျက်ဆီးပစ်မည်ဖြစ်ကြောင်း ဧနောခ်အား ဘုရားသခင်က ပြောကြားတော်မူခဲ့ပြီးနောက် ဧနောခ်သည် ကိုးဆယ်ကိုးနှစ်ကြာသောအခါ ဘုရားသခင်ကို ဆက်လက်ကိုးကွယ်ခဲ့ပြီးနောက် သေဆုံးခဲ့ရလေသည်။

46 ယာရက်ကိုးကွယ်ခဲ့သော ဘုရားသခင်ကို ဧနောခ်ကိုးကွယ်ခဲ့သကဲ့သို့ ယာရက်သည် ဧနောခ်ကို ဖွားမြင်ခဲ့ပြီးနောက် ရှစ်ရာနှစ်ကြာသောအခါ ဘုရားသခင်ကို ဆက်လက်ကိုးကွယ်ခဲ့ပြီးနောက် သေဆုံးခဲ့ရလေသည်။ ယာရက်သည် ဧနောခ်ကို ဖွားမြင်ခဲ့ပြီးနောက် ဘုရားသခင်ကို ကိုးကွယ်ခဲ့ပြီးနောက် သားသမီးများကိုလည်း ဖွားမြင်ခဲ့ပြန်လေသည်။

47 မဟာလာလေလ်သည် ကိန်ကို ဖွားမြင်ခဲ့ပြီးနောက် ရှစ်ရာနှစ်ကြာသောအခါ ဘုရားသခင်ကို ဆက်လက်ကိုးကွယ်ခဲ့ပြီးနောက် သားသမီးများကိုလည်း ဖွားမြင်ခဲ့ပြန်လေသည်။

48 ကိန်သည် ဧနောခ်ကို ဖွားမြင်ခဲ့ပြီးနောက် ရှစ်ရာနှစ်ကြာသောအခါ ဘုရားသခင်ကို ဆက်လက်ကိုးကွယ်ခဲ့ပြီးနောက် သားသမီးများကိုလည်း ဖွားမြင်ခဲ့ပြန်လေသည်။ ဧနောခ်သည် မဟာလာလေလ်ကို ဖွားမြင်ခဲ့ပြီးနောက် ရှစ်ရာနှစ်ကြာသောအခါ ဘုရားသခင်ကို ဆက်လက်ကိုးကွယ်ခဲ့ပြီးနောက် သားသမီးများကိုလည်း ဖွားမြင်ခဲ့ပြန်လေသည်။

49 ဧနောခ်အသက်ငါးရာခြောက်ဆယ်ငါးနှစ်ရှိသောအခါ မဟာလာလေလ်ကို ဖွားမြင်ခဲ့ပြီးနောက် ရှစ်ရာနှစ်ကြာသောအခါ ဘုရားသခင်ကို ဆက်လက်ကိုးကွယ်ခဲ့ပြီးနောက် သားသမီးများကိုလည်း ဖွားမြင်ခဲ့ပြန်လေသည်။

50 မဟာလာလေလ်အသက်ရှစ်ရာခြောက်ဆယ်ငါးနှစ်ရှိသောအခါ ယာရက်ကို ဖွားမြင်ခဲ့ပြီးနောက် ရှစ်ရာနှစ်ကြာသောအခါ ဘုရားသခင်ကို ဆက်လက်ကိုးကွယ်ခဲ့ပြီးနောက် သားသမီးများကိုလည်း ဖွားမြင်ခဲ့ပြန်လေသည်။

51 ယာရက်အသက်တစ်ရာခြောက်ဆယ်ရှိသောအခါ ဧနောခ်ကို ဖွားမြင်ခဲ့ပြီးနောက် ရှစ်ရာနှစ်ကြာသောအခါ ဘုရားသခင်ကို ဆက်လက်ကိုးကွယ်ခဲ့ပြီးနောက် သားသမီးများကိုလည်း ဖွားမြင်ခဲ့ပြန်လေသည်။

Digitized by Google

52 ಮತ್ತು ಅವರು ಅವನನ್ನು ಆರಾಧಿಸಿ ಮಹಾ ಸಂತೋಷದಿಂದ ಯೆರೂಸಲೇಮಿಗೆ ತಿರುಗಿ ಹೋದರು. **53** ಮತ್ತು ಅವರು ಯಾವಾಗಲೂ ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿದ್ದು ದೇವರನ್ನು ಸ್ತುತಿಸಿದರು. ಆಮೆನ್.

54 ಮತ್ತು ಅವರು ಸಂತೋಷಿಸಿ ಸಮಾಧಾನದಿಂದ ಹೋದರು. ಆಮೆನ್.

ಲೂಕ

1 ಅನೇಕರು ನಮ್ಮಲ್ಲಿ ನೆರವೇರಿದ ಸಂಗತಿಗಳ ವೃತ್ತಾಂತವನ್ನು ಬರೆಯಲು ಕೈಗೊಂಡಿದ್ದಾರೆ. **2** ಆದಿಯಿಂದ ಕಣ್ಣಾರೆ ಕಂಡವರೂ ವಾಕ್ಯಕ್ಕೆ ಸೇವಕರೂ ಆಗಿದ್ದವರು ಅವುಗಳನ್ನು ನಮಗೆ ತಿಳಿಸಿದಂತೆ

3 [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

4 [illegible]
[illegible]
[illegible]

5 [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

6 [illegible]
[illegible]
[illegible]

7 [illegible]
[illegible]
[illegible]

8 [illegible]
[illegible]

Digitized by Google

13 ...

Digitized by Google

392 ꠇꠤꠟꠣꠇꠤꠟꠣꠇꠤꠟꠣ

20 ... ...

27 ויהי כאשר כלה שלמה לבנות את בית יהוה ואת בית המלך ואת כל חשק שלמה אשר חפץ לעשות׃

28 וגם את בת פרעה העלה משיר דוד לבית אשר בנה לה שלמה כי אמר לא תשב אשתי בבית דוד מלך ישראל כי קדש המה אשר באה שמה ארון יהוה׃

29 אז יזבח שלמה עלות ליהוה על מזבח יהוה אשר בנה לפני האולם׃

30 ויעל דבר יום ביומו להקריב כמצות משה לשבתות ולחדשים ולמועדים שלש פעמים בשנה בחג המצות ובחג השבעות ובחג הסכות׃

31 ויעמד על עמדתו לכהני המחלקות לעבדתם וללוים למשמרתם להלל ולשרת נגד הכהנים דבר יום ביומו ושוערים במחלקותם לשער שער כי כן מצות דוד איש האלהים׃

32 ולא סרו מעל המלך דבר אל הכהנים והלוים וכל דבר אוצרות

Digitized by Google

38 ଯିହୋଶୂୟ ସେମାନଙ୍କୁ ଏହି ସମସ୍ତ କଥା କହି ଲୋକମାନଙ୍କର ପ୍ରାଚୀନବର୍ଗ, ସେମାନଙ୍କର ପ୍ରଧାନବର୍ଗ, ସେମାନଙ୍କର ବିଚାରକର୍ତ୍ତାମାନେ ଓ ସେମାନଙ୍କର ଶାସନକର୍ତ୍ତାମାନଙ୍କୁ ଡକାଇଲେ; ପୁଣି ସେମାନେ ପରମେଶ୍ୱରଙ୍କ ସମ୍ମୁଖରେ ଉପସ୍ଥିତ ହେଲେ। ଯିହୋଶୂୟ ସମସ୍ତ ଲୋକଙ୍କୁ କହିଲେ, ଇସ୍ରାଏଲର ପରମେଶ୍ୱର ସଦାପ୍ରଭୁ ଏହି କଥା କହନ୍ତି, ପୂର୍ବକାଳରେ ତେରହର ପୁତ୍ର ନାହୋର ଓ ତେରହ ନଦୀର ଅପର ପାରିରେ ବାସ କରୁଥିଲେ, ପୁଣି ସେମାନେ ଅନ୍ୟ ଦେବତାମାନଙ୍କର ସେବା କରୁଥିଲେ।

39 ଏଥିଉତ୍ତାରେ ମୁଁ ନଦୀର ଅପର ପାରିରୁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କର ପିତା ଅବ୍ରହାମକୁ ନେଇ ସମୁଦାୟ କିଣାନ ଦେଶ ଦେଇ ଭ୍ରମଣ କରାଇଲି, ପୁଣି ତାହାର ବଂଶ ବୃଦ୍ଧି କଲି ଓ ତାହାକୁ ଇସ୍ହାକ ଦାନ କଲି।

40 ଆଉ ଇସ୍ହାକକୁ ଯାକୁବ ଓ ଏଷୌ ଦାନ କଲି, ପୁଣି ଏଷୌକୁ ମୁଁ ସେୟୀର ପର୍ବତ ଅଧିକାର କରିବାକୁ ଦେଲି; ମାତ୍ର ଯାକୁବ ଓ ତାହାର ସନ୍ତାନମାନେ ମିସରକୁ ଗଲେ।

41 ଏଉତ୍ତାରେ ମୁଁ ମୋଶା ଓ ହାରୋଣକୁ ପଠାଇଲି, ପୁଣି ମିସରର ମଧ୍ୟରେ ଯେଉଁ ଯେଉଁ କର୍ମ କଲି, ତଦ୍ଦ୍ୱାରା ମିସରକୁ ଆଘାତ କଲି; ଏଉତ୍ତାରେ ମୁଁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ବାହାର କରି ଆଣିଲି।

42 ଏଉତ୍ତାରେ ମୁଁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କର ପିତୃପୁରୁଷମାନଙ୍କୁ ମିସରରୁ ବାହାର କରି ଆଣିଲି, ପୁଣି ତୁମ୍ଭେମାନେ ସମୁଦ୍ର ନିକଟକୁ ଆସିଲ; ତହିଁରେ ମିସରୀୟମାନେ ରଥ ଓ ଅଶ୍ୱାରୋହୀ ସୈନ୍ୟ ସହିତ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ପିତୃପୁରୁଷମାନଙ୍କ ପଛେ ପଛେ ସୂଫ ସମୁଦ୍ର ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଆସିଲେ।

43 ତହିଁରେ ତୁମ୍ଭେମାନେ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କୁ ଡାକିଲ, ପୁଣି ସେ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ଓ ମିସରୀୟମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଅନ୍ଧକାର ସ୍ଥାପନ କଲେ, ଆଉ ସମୁଦ୍ରକୁ ସେମାନଙ୍କ ଉପରକୁ ଆଣି ସେମାନଙ୍କୁ ଆଚ୍ଛନ୍ନ କଲେ; ପୁଣି ମୁଁ ମିସରରେ ଯାହା କଲି, ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ଚକ୍ଷୁ ତାହା ଦେଖିଲା; ଏଉତ୍ତାରେ ତୁମ୍ଭେମାନେ ବହୁ ଦିନ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ପ୍ରାନ୍ତରରେ ବାସ କଲ।

44 ଏଉତ୍ତାରେ ମୁଁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଇମୋରୀୟମାନଙ୍କ ଦେଶକୁ ଆଣିଲି, ଯେଉଁମାନେ ଯର୍ଦ୍ଦନର ଅପର ପାରିରେ ବାସ କରୁଥିଲେ; ତହିଁରେ ସେମାନେ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ସହିତ ଯୁଦ୍ଧ କଲେ, ପୁଣି ମୁଁ ସେମାନଙ୍କୁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ହସ୍ତରେ ସମର୍ପଣ କଲି, ତହିଁରେ ତୁମ୍ଭେମାନେ ସେମାନଙ୍କ ଦେଶ ଅଧିକାର କଲ; ଆଉ ମୁଁ ସେମାନଙ୍କ ସମ୍ମୁଖରୁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ନିମନ୍ତ୍ତେ ସେମାନଙ୍କୁ ବିନାଶ କଲି।

45 ଏଉତ୍ତାରେ ସିପ୍ପୋରର ପୁତ୍ର ବାଲାକ ମୋୟାବର ରାଜା ଉଠି ଇସ୍ରାଏଲ ବିରୁଦ୍ଧରେ ଯୁଦ୍ଧ କଲା, ପୁଣି ସେ ଲୋକ ପଠାଇ ବିୟୋରର ପୁତ୍ର ବିଲୀୟମ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବକ୍ତାକୁ ଡକାଇଲା, ସେ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଅଭିଶାପ ଦେବା ନିମନ୍ତ୍ତେ ଡକାଇଲା।

46 ମାତ୍ର ମୁଁ ବିଲୀୟମର କଥା ଶୁଣିବାକୁ ଇଚ୍ଛା କଲି ନାହିଁ, ଏଣୁ ସେ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଆଶୀର୍ବାଦ କଲା; ଏହିରୂପେ ମୁଁ ତାହାର ହସ୍ତରୁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଉଦ୍ଧାର କଲି।

47 ଏଉତ୍ତାରେ ତୁମ୍ଭେମାନେ ଯର୍ଦ୍ଦନ ପାର ହୋଇ ଯିରୀହୋକୁ ଆସିଲ; ତହିଁରେ ଯିରୀହୋର ଲୋକମାନେ, ଇମୋରୀୟ, ପରିଷୀୟ, କିଣାନୀୟ, ହିତ୍ତୀୟ, ଗିର୍ଗାଶୀୟ, ହିବ୍ବୀୟ ଓ ଯିବୂଷୀୟମାନେ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ସହିତ ଯୁଦ୍ଧ କଲେ, ପୁଣି ମୁଁ ସେମାନଙ୍କୁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ହସ୍ତରେ ସମର୍ପଣ କଲି।

48 ଆଉ ମୁଁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ଆଗେ ଆଗେ ଭୀମରୁ ପଠାଇଲି, ତହିଁରେ ସେମାନେ ଇମୋରୀୟମାନଙ୍କର ଦୁଇ ରାଜାଙ୍କୁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ସମ୍ମୁଖରୁ ତଡ଼ି ଦେଲେ; ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ଖଡ୍ଗ କି ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ଧନୁ ଦ୍ୱାରା ତାହା ହେଲା ନାହିଁ।

49 ଆଉ ମୁଁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଏକ ଦେଶ ଦେଲି, ଯେଉଁଥିରେ ତୁମ୍ଭେମାନେ ପରିଶ୍ରମ କରି ନାହଁ, ପୁଣି ଯେଉଁ ନଗରସବୁ ତୁମ୍ଭେମାନେ ନିର୍ମାଣ କରି ନାହଁ, ତହିଁରେ ତୁମ୍ଭେମାନେ ବାସ କରୁଅଛ; ଆଉ ତୁମ୍ଭେମାନେ ଦ୍ରାକ୍ଷାକ୍ଷେତ୍ର ଓ ଜୀତବୃକ୍ଷର ଫଳ ଭୋଜନ କରୁଅଛ, ତୁମ୍ଭେମାନେ ରୋପଣ କରି ନାହଁ।

50 ଏଥିଉତ୍ତାରେ ମୁଁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଏକ ଦେଶ ଦେଲି, ଯେଉଁଥିରେ ତୁମ୍ଭେମାନେ ପରିଶ୍ରମ କରି ନାହଁ, ପୁଣି ଯେଉଁ ନଗରସବୁ ତୁମ୍ଭେମାନେ ନିର୍ମାଣ କରି ନାହଁ, ତହିଁରେ ତୁମ୍ଭେମାନେ ବାସ କରୁଅଛ; ଆଉ ତୁମ୍ଭେମାନେ ଦ୍ରାକ୍ଷାକ୍ଷେତ୍ର ଓ ଜୀତବୃକ୍ଷର ଫଳ ଭୋଜନ କରୁଅଛ, ତୁମ୍ଭେମାନେ ରୋପଣ କରି ନାହଁ।

51 ଏଥିଉତ୍ତାରେ ମୁଁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଏକ ଦେଶ ଦେଲି, ଯେଉଁଥିରେ ତୁମ୍ଭେମାନେ ପରିଶ୍ରମ କରି ନାହଁ, ପୁଣି ଯେଉଁ ନଗରସବୁ ତୁମ୍ଭେମାନେ ନିର୍ମାଣ କରି ନାହଁ, ତହିଁରେ ତୁମ୍ଭେମାନେ ବାସ କରୁଅଛ; ଆଉ ତୁମ୍ଭେମାନେ ଦ୍ରାକ୍ଷାକ୍ଷେତ୍ର ଓ ଜୀତବୃକ୍ଷର ଫଳ ଭୋଜନ କରୁଅଛ, ତୁମ୍ଭେମାନେ ରୋପଣ କରି ନାହଁ।

Digitized by Google

45 ...

Digitized by Google

46 ... ...

51 ... ...

ಮಾಡಿದರು. ಅವರು ಅವನ ಮಾತನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವನಿಗೆ ಹೆದರಿದರು. ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವರು ಅವನ ಮಾತನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವನಿಗೆ ಹೆದರಿದರು.

57 ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಯಾರು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದನ್ನು ಅವರು ಕೇಳಿ ಅವನಿಗೆ ಹೆದರಿದರು.

58 ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಯಾರು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದನ್ನು ಅವರು ಕೇಳಿ ಅವನಿಗೆ ಹೆದರಿದರು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೆದರಿದರು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೆದರಿದರು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೆದರಿದರು.

59 ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ: ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದನ್ನು ಅವರು ಕೇಳಿ ಅವನಿಗೆ ಹೆದರಿದರು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೆದರಿದರು.

ಅಧ್ಯಾಯ ೨

1 ಯೇಸು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದನ್ನು ಅವರು ಕೇಳಿ ಅವನಿಗೆ ಹೆದರಿದರು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೆದರಿದರು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೆದರಿದರು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೆದರಿದರು.

2 ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ: ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದನ್ನು ಅವರು ಕೇಳಿ ಅವನಿಗೆ ಹೆದರಿದರು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೆದರಿದರು. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೆದರಿದರು.

Digitized by Google

3 ...

4 ...

5 ...

6 ...

7 ...

8 ...

Digitized by Google

9 ...

10 ...

11 ...

12 ...

13 ...

14 ...

15 ...

Digitized by Google

16 ଯିହି ସମସ୍ତେ ସମ୍ବାଦ ଶୁଣିଲେ, ସମସ୍ତେ ଭୟଗ୍ରସ୍ତ ହେଲେ ଏବଂ ଲୋକମାନେ ପରସ୍ପର ମଧ୍ୟରେ କହିବାକୁ ଲାଗିଲେ, ଆମ୍ଭମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ମହାନ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବକ୍ତା ଉତ୍ପନ୍ନ ହୋଇଅଛନ୍ତି, ଆଉ ଈଶ୍ୱର ଆପଣା ଲୋକମାନଙ୍କୁ ତତ୍ତ୍ୱାବଧାନ କରିଅଛନ୍ତି।

17 ଏହି ପ୍ରକାରେ ଯିହୂଦା ଓ ଚତୁର୍ପାର୍ଶ୍ୱସ୍ଥ ସମସ୍ତ ପ୍ରଦେଶରେ ତାହାଙ୍କ ବିଷୟକ ଏହି ସମସ୍ତ କଥା ପ୍ରସିଦ୍ଧ ହେଲା।

18 ଯିହୋୟାଦାର ପୁତ୍ର ଯିହୋଶାଫଟ୍ ଯିହୂଦା ଉପରେ ରାଜତ୍ୱ କରିବା ସମୟରେ ଯିରିହୋ ନିବାସୀ ନଥନେଲର ପୁତ୍ର ଇତୀୟେଲ, ସଖରିୟ, ଯିହୋୟାରୀବ ଓ ମତ୍ତନୀୟ ଏମାନେ ଲେବୀୟ ଥିଲେ।

19 ଯିହୋଶାଫଟ୍ ଆପଣା ପିତା ଆସାର ପଥରେ ଚାଲିଲେ ଓ ତାହାଠାରୁ ବିମୁଖ ହୋଇ ନଯିବାରୁ ସେ ଯାହା ଯାହା ଉତ୍ତମ ଓ ସରଳ ବୋଲି ଯିହୋଶାଫଟ୍ ଦେଖିଲେ, ସେ ସେହି ସମସ୍ତ କରିଥିଲେ।

20 ତଥାପି ଉଚ୍ଚସ୍ଥଳୀ ସବୁ ଉତ୍ପାଟିତ ହୋଇ ନଥିଲା; ଲୋକମାନେ ତଖନ୍ତି ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଆପଣା ଆପଣା ପୂର୍ବପୁରୁଷଙ୍କ ଈଶ୍ୱର ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟରେ ହୃଦୟ ସ୍ଥିର କରି ନଥିଲେ।

Digitized by Google

21 וְהִיא תִּהְיֶה אִתּוֹ וְהוּא יְכַסֶּה אֶת־בְּשָׂרָהּ בִּכְסוּתוֹ וְעֹנָתָהּ לֹא יִגְרָע׃ וְאִם־שָׁלֹשׁ אֵלֶּה לֹא יַעֲשֶׂה לָהּ וְיָצְאָה חִנָּם אֵין כָּסֶף׃

22 כִּי יִנָּצוּ אֲנָשִׁים וְנָגְפוּ אִשָּׁה הָרָה וְיָצְאוּ יְלָדֶיהָ וְלֹא יִהְיֶה אָסוֹן עָנוֹשׁ יֵעָנֵשׁ כַּאֲשֶׁר יָשִׁית עָלָיו בַּעַל הָאִשָּׁה וְנָתַן בִּפְלִלִים׃

23 וְאִם־אָסוֹן יִהְיֶה וְנָתַתָּה נֶפֶשׁ תַּחַת נָפֶשׁ׃ עַיִן תַּחַת עַיִן שֵׁן תַּחַת שֵׁן יָד תַּחַת יָד רֶגֶל תַּחַת רָגֶל׃ כְּוִיָּה תַּחַת כְּוִיָּה פֶּצַע תַּחַת פָּצַע חַבּוּרָה תַּחַת חַבּוּרָה׃

24 וְכִי־יַכֶּה אִישׁ אֶת־עֵין עַבְדּוֹ אוֹ אֶת־עֵין אֲמָתוֹ וְשִׁחֲתָהּ לַחָפְשִׁי יְשַׁלְּחֶנּוּ תַּחַת עֵינוֹ׃ וְאִם־שֵׁן עַבְדּוֹ אוֹ־שֵׁן אֲמָתוֹ יַפִּיל לַחָפְשִׁי יְשַׁלְּחֶנּוּ תַּחַת שִׁנּוֹ׃

25 וְכִי־יִגֹּף שׁוֹר אִישׁ אֶת־שׁוֹר רֵעֵהוּ וּמֵת וּמָכְרוּ אֶת־הַשּׁוֹר הַחַי וְחָצוּ אֶת־כַּסְפּוֹ וְגַם אֶת־הַמֵּת יֶחֱצוּן׃ וְאִם־נוֹדַע כִּי שׁוֹר נַגָּח הוּא מִתְּמֹל שִׁלְשֹׁם וְלֹא יַשְׁמִיר בְּעָלָיו כִּי שַׁלֵּם יְשַׁלֵּם שׁוֹר תַּחַת הַשּׁוֹר וְהַמֵּת יִהְיֶה־לּוֹ׃

26 וְכִי־יַכֶּה אִישׁ אֶת־עֵין עַבְדּוֹ אוֹ אֶת־עֵין אֲמָתוֹ וְשִׁחֲתָהּ לַחָפְשִׁי יְשַׁלְּחֶנּוּ תַּחַת עֵינוֹ׃

Digitized by Google

ಅದರಿಂದ ನಮಗೆ ಅಪಕೀರ್ತಿ ಬರುವ ಅಪಾಯವಿದೆ ಎಂಬುದು ಮಾತ್ರವಲ್ಲ, ಮಹಾ ದೇವತೆಯಾದ ಅರ್ತೆಮಿಸಳ ದೇವಾಲಯವು ಅಪಮಾನಕ್ಕೆ ಗುರಿಯಾಗುವ ಅಪಾಯವಿದೆ ಎಂಬುದು ಮಾತ್ರವಲ್ಲ, ಆಸ್ಯ ಪ್ರಾಂತ್ಯದವರೆಲ್ಲರೂ ಮತ್ತು ಲೋಕದವರೆಲ್ಲರೂ ಆರಾಧಿಸುವ ಆಕೆಯ ಮಹಿಮೆಯು ಕುಂದಿಹೋಗುವ ಅಪಾಯವಿದೆ ಎಂಬುದು ಮಾತ್ರವಲ್ಲ, ಇಡೀ ಲೋಕವೇ ಆರಾಧಿಸುವ ಈ ಮಹಾ ದೇವತೆಯು ಪೂಜೆಗೆ ಅಯೋಗ್ಯಳಾಗುವ ಅಪಾಯವಿದೆ ಎಂಬುದನ್ನು ನೀವು ಕಾಣುತ್ತೀರಿ ಮತ್ತು ಕೇಳುತ್ತೀರಿ.”

೨೮ ಇದನ್ನು ಕೇಳಿದಾಗ ಅವರು ಕೋಪದಿಂದ ತುಂಬಿಹೋಗಿ, “ಎಫೆಸದವರ ಅರ್ತೆಮಿಸ್ ದೇವತೆಯು ಮಹಾ ದೇವತೆ!” ಎಂದು ಕೂಗಿಕೊಳ್ಳುತ್ತಾ ಹೊರಟುಹೋದರು. **೨೯** ಆಗ ಇಡೀ ಪಟ್ಟಣವು ಗೊಂದಲಕ್ಕೆ ಒಳಗಾಯಿತು. ಪೌಲನ ಜೊತೆಯಲ್ಲಿದ್ದ ಮಕೆದೋನ್ಯದವರಾದ ಗಾಯನ ಮತ್ತು ಅರಿಸ್ತಾರ್ಕ ಎಂಬವರನ್ನು ಹಿಡಿದುಕೊಂಡು ಜನರೆಲ್ಲರೂ ಒಟ್ಟಾಗಿ ರಂಗಭೂಮಿಗೆ ಓಡಿಹೋದರು. **೩೦** ಪೌಲನು ಜನರ ಗುಂಪಿನ ಮುಂದೆ ಹೋಗಲು ಬಯಸಿದಾಗ ಶಿಷ್ಯರು ಅವನನ್ನು ಹೋಗಗೊಡಿಸಲಿಲ್ಲ. **೩೧** ಅಲ್ಲದೆ ಏಷ್ಯ ಪ್ರಾಂತ್ಯದ ಅಧಿಕಾರಿಗಳಲ್ಲಿ ಕೆಲವರು ಪೌಲನ ಸ್ನೇಹಿತರಾಗಿದ್ದರು. ಅವರು ಪೌಲನಿಗೆ ರಂಗಭೂಮಿಗೆ ಹೋಗಬಾರದೆಂದು ಹೇಳಿ ಕಳುಹಿಸಿದರು.

Digitized by Google

32 ... ...

۱۹۶

1 ویاسا ماهابهاراتا کاوی ساوا پروا، ساوا پروا ماهابهاراتا کاوی ویاسا، ماهابهاراتا کاوی ساوا پروا ویاسا، ساوا پروا ماهابهاراتا کاوی ویاسا، ویاسا ماهابهاراتا کاوی ساوا پروا، ساوا پروا ماهابهاراتا کاوی ویاسا، ماهابهاراتا کاوی ساوا پروا ویاس

8 ಮತ್ತು ಅವರು ಹೊರಟು ಹೋಗಿ ಆ ಪಟ್ಟಣದಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶಿಸಿದಾಗ ಅಲ್ಲಿ ಅವರಿಗೆ ಸಂಭವಿಸುವ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಯಾರೂ ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಲಿಲ್ಲ. ಅವರು ಪ್ರಾರ್ಥನಾ ಮಂದಿರದಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶಿಸಿದಾಗ ಅಲ್ಲಿ ಅವರಿಗೆ ಸಂಭವಿಸುವ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಯಾರೂ ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಲಿಲ್ಲ. ಅವರು ಪ್ರಾರ್ಥನಾ ಮಂದಿರದಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶಿಸಿದಾಗ ಅಲ್ಲಿ ಅವರಿಗೆ ಸಂಭವಿಸುವ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಯಾರೂ ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಲಿಲ್ಲ. ಅವರು ಪ್ರಾರ್ಥನಾ ಮಂದಿರದಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶಿಸಿದಾಗ ಅಲ್ಲಿ ಅವರಿಗೆ ಸಂಭವಿಸುವ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಯಾರೂ ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಲಿಲ್ಲ. ಅವರು ಪ್ರಾರ್ಥನಾ ಮಂದಿರದಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶಿಸಿದಾಗ ಅಲ್ಲಿ ಅವರಿಗೆ ಸಂಭವಿಸುವ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಯಾರೂ ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಲಿಲ್ಲ. ಅವರು ಪ್ರಾರ್ಥನಾ ಮಂದಿರದಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶಿಸಿದಾಗ ಅಲ್ಲಿ ಅವರಿಗೆ ಸಂಭವಿಸುವ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಯಾರೂ ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಲಿಲ್ಲ. ಅವರು ಪ್ರಾರ್ಥನಾ ಮಂದಿರದಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶಿಸಿದಾಗ ಅಲ್ಲಿ ಅವರಿಗೆ ಸಂಭವಿಸುವ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಯಾರೂ ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಲಿಲ್ಲ.

9 ಯಾಕೆಂದರೆ, ಅವರು ಪ್ರಾರ್ಥನಾ ಮಂದಿರದಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶಿಸಿದಾಗ ಅಲ್ಲಿ ಅವರಿಗೆ ಸಂಭವಿಸುವ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಯಾರೂ ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಲಿಲ್ಲ. ಅವರು ಪ್ರಾರ್ಥನಾ ಮಂದಿರದಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶಿಸಿದಾಗ ಅಲ್ಲಿ ಅವರಿಗೆ ಸಂಭವಿಸುವ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಯಾರೂ ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಲಿಲ್ಲ. ಅವರು ಪ್ರಾರ್ಥನಾ ಮಂದಿರದಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶಿಸಿದಾಗ ಅಲ್ಲಿ ಅವರಿಗೆ ಸಂಭವಿಸುವ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಯಾರೂ ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಲಿಲ್ಲ. ಅವರು ಪ್ರಾರ್ಥನಾ ಮಂದಿರದಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶಿಸಿದಾಗ ಅಲ್ಲಿ ಅವರಿಗೆ ಸಂಭವಿಸುವ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಯಾರೂ ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಲಿಲ್ಲ. ಅವರು ಪ್ರಾರ್ಥನಾ ಮಂದಿರದಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶಿಸಿದಾಗ ಅಲ್ಲಿ ಅವರಿಗೆ ಸಂಭವಿಸುವ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಯಾರೂ ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಲಿಲ್ಲ.

10 ಮತ್ತು ಅವರು ಪ್ರಾರ್ಥನಾ ಮಂದಿರದಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶಿಸಿದಾಗ ಅಲ್ಲಿ ಅವರಿಗೆ ಸಂಭವಿಸುವ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಯಾರೂ ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಲಿಲ್ಲ. ಅವರು ಪ್ರಾರ್ಥನಾ ಮಂದಿರದಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶಿಸಿದಾಗ ಅಲ್ಲಿ ಅವರಿಗೆ ಸಂಭವಿಸುವ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಯಾರೂ ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಲಿಲ್ಲ. ಅವರು ಪ್ರಾರ್ಥನಾ ಮಂದಿರದಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶಿಸಿದಾಗ ಅಲ್ಲಿ ಅವರಿಗೆ ಸಂಭವಿಸುವ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಯಾರೂ ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಲಿಲ್ಲ. ಅವರು ಪ್ರಾರ್ಥನಾ ಮಂದಿರದಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶಿಸಿದಾಗ ಅಲ್ಲಿ ಅವರಿಗೆ ಸಂಭವಿಸುವ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಯಾರೂ ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಲಿಲ್ಲ. ಅವರು ಪ್ರಾರ್ಥನಾ ಮಂದಿರದಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶಿಸಿದಾಗ ಅಲ್ಲಿ ಅವರಿಗೆ ಸಂಭವಿಸುವ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಯಾರೂ ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಲಿಲ್ಲ.

11 ಅವರು ಅವರ ಪ್ರಾರ್ಥನಾ ಮಂದಿರದಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶಿಸಿದಾಗ ಅಲ್ಲಿ ಅವರಿಗೆ ಸಂಭವಿಸುವ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಯಾರೂ ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಲಿಲ್ಲ. ಅವರು ಪ್ರಾರ್ಥನಾ ಮಂದಿರದಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶಿಸಿದಾಗ ಅಲ್ಲಿ ಅವರಿಗೆ ಸಂಭವಿಸುವ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಯಾರೂ ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಲಿಲ್ಲ. ಅವರು ಪ್ರಾರ್ಥನಾ ಮಂದಿರದಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶಿಸಿದಾಗ ಅಲ್ಲಿ ಅವರಿಗೆ ಸಂಭವಿಸುವ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಯಾರೂ ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಲಿಲ್ಲ.

Digitized by Google

12 ಮತ್ತು ಅಪೊಸ್ತಲರ ಕೈಗಳಿಂದ ಜನರಲ್ಲಿ ಅನೇಕ ಸೂಚಕಕಾರ್ಯಗಳೂ ಅದ್ಭುತಗಳೂ ನಡೆಯುತ್ತಿದ್ದವು; ಮತ್ತು ಅವರೆಲ್ಲರು ಸೊಲೊಮೋನನ ಮಂಟಪದಲ್ಲಿ ಒಮ್ಮನಸ್ಸಿನವರಾಗಿ ಕೂಡಿಬರುತ್ತಿದ್ದರು. **13** ಉಳಿದವರಲ್ಲಿ ಯಾರಿಗೂ ಅವರನ್ನು ಸೇರುವದಕ್ಕೆ ಧೈರ್ಯವಿರಲಿಲ್ಲ; ಆದರೆ ಜನರು ಅವರನ್ನು ಬಹಳವಾಗಿ ಹೊಗಳುತ್ತಿದ್ದರು. **14** ಮತ್ತು ಕರ್ತನಲ್ಲಿ ನಂಬಿಕೆಯುಳ್ಳವರಾದ ಪುರುಷರೂ ಸ್ತ್ರೀಯರೂ ಹೆಚ್ಚಾಗಿ ಸೇರಿಸಲ್ಪಡುತ್ತಿದ್ದರು. **15** ಹೀಗೆ ಅವರು ಬೀದಿಗಳಲ್ಲಿ ರೋಗಿಗಳನ್ನು ತಂದು ಪೇತ್ರನು ಬರುವಾಗ ಅವನ ನೆರಳಾದರೂ ಅವರಲ್ಲಿ ಕೆಲವರ ಮೇಲೆ ಬೀಳುವಂತೆ ಹಾಸಿಗೆಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಮಂಚಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಇಡುತ್ತಿದ್ದರು. **16** ಮತ್ತು ಯೆರೂಸಲೇಮಿನ ಸುತ್ತಲಿರುವ ಊರುಗಳಿಂದಲೂ ಜನರು ರೋಗಿಗಳನ್ನೂ ಅಶುದ್ಧಾತ್ಮಗಳಿಂದ ಬಾಧೆಪಡುವವರನ್ನೂ ತಂದು ಕೂಡಿಸಿದರು; ಅವರೆಲ್ಲರು ಗುಣಹೊಂದಿದರು.

17 ಆಗ ಪ್ರಧಾನಯಾಜಕನೂ ಅವನ ಸಂಗಡ ಇದ್ದವರೆಲ್ಲರೂ ಅಂದರೆ ಸದ್ದುಕಾಯರ ಪಂಥದವರು ಎದ್ದು ಮತ್ಸರದಿಂದ ತುಂಬಿಕೊಂಡು

18 ଯିହିଯାଦାର ପୁତ୍ର ଯିଶୀୟ ଓ ତାହାର ଭ୍ରାତୃଗଣ ଅର୍ଥାତ୍ ଶମୟିୟ, ଯିହୀୟେଲ, ଯିଶୀୟ, ଯେରେମୋତ୍ ଓ ଯିଷ୍ଟୋ ଏମାନେ ଆପନା ଆପନା ପିତୃକୁଳର ପ୍ରଧାନ ଥିଲେ; ଏମାନେ ବୀର ଯୋଦ୍ଧା ଥିଲେ,

24 [illegible]

25 [illegible]

26 [illegible]

27 [illegible]

28 [illegible]

29 [illegible]

Digitized by Google

30 ...

31 ...

32 ...

33 ...

34 ...

35 ...

Digitized by Google

ကြွေးကျော်ကြားတဲ့ဘုရားသခင်ရဲ့ဘုရားကျောင်းကြီးမှာ ဆုတောင်းပြီး ဘုရားသခင်ရဲ့ဆုတောင်းကို ခံယူကြပါတယ်။

၂ တကာ

1 ထိုအခါမောရှေကျွန်းတော်ကိုယေဟောဝါဘုရားသခင်ကြီးက ဟောရပ်တောင်ပေါ်မှာ ကျွန်းတော်ကိုခေါ်ပြီးတော်မူသည်။ ကျွန်းတော်ကိုဘုရားသခင်ရဲ့ဆုတောင်းကျောင်းကြီးမှာ ထားခဲ့ပါ။

2 ဘုရားသခင်ရဲ့ဆုတောင်းကျောင်းကြီးမှာ ဆုတောင်းပြီးတဲ့အခါ ကျွန်းတော်ကို ဘုရားသခင်ရဲ့ဆုတောင်းကျောင်းကြီးမှာ ထားခဲ့ပါ။ ဘုရားသခင်ရဲ့ဆုတောင်းကျောင်းကြီးမှာ ဆုတောင်းပြီးတဲ့အခါ ကျွန်းတော်ကို ဘုရားသခင်ရဲ့ဆုတောင်းကျောင်းကြီးမှာ ထားခဲ့ပါ။

3 ထိုအခါ ဘုရားသခင်ရဲ့ဆုတောင်းကျောင်းကြီးမှာ ဆုတောင်းပြီးတဲ့အခါ ကျွန်းတော်ကို ဘုရားသခင်ရဲ့ဆုတောင်းကျောင်းကြီးမှာ ထားခဲ့ပါ။

4 ဘုရားသခင်ရဲ့ဆုတောင်းကျောင်းကြီးမှာ ဆုတောင်းပြီးတဲ့အခါ ကျွန်းတော်ကို ဘုရားသခင်ရဲ့ဆုတောင်းကျောင်းကြီးမှာ ထားခဲ့ပါ။ ဘုရားသခင်ရဲ့ဆုတောင်းကျောင်းကြီးမှာ ဆုတောင်းပြီးတဲ့အခါ ကျွန်းတော်ကို ဘုရားသခင်ရဲ့ဆုတောင်းကျောင်းကြီးမှာ ထားခဲ့ပါ။

5 ဘုရားသခင်ရဲ့ဆုတောင်းကျောင်းကြီးမှာ ဆုတောင်းပြီးတဲ့အခါ ကျွန်းတော်ကို ဘုရားသခင်ရဲ့ဆုတောင်းကျောင်းကြီးမှာ ထားခဲ့ပါ။

6 ဘုရားသခင်ရဲ့ဆုတောင်းကျောင်းကြီးမှာ ဆုတောင်းပြီးတဲ့အခါ ကျွန်းတော်ကို ဘုရားသခင်ရဲ့ဆုတောင်းကျောင်းကြီးမှာ ထားခဲ့ပါ။ ဘုရားသခင်ရဲ့ဆုတောင်းကျောင်းကြီးမှာ ဆုတောင်းပြီးတဲ့အခါ ကျွန်းတော်ကို ဘုရားသခင်ရဲ့ဆုတောင်းကျောင်းကြီးမှာ ထားခဲ့ပါ။

Digitized by Google

7 ... ...

13 ... ...

ಕಾಲಜ್ಞಾನ ತತ್ತ್ವಪದಗಳು, ಮತ್ತು ಇತರ ಪದಗಳು.

19 ಕಾಲಜ್ಞಾನ ತತ್ತ್ವಪದಗಳು ಮತ್ತು ಇತರ ಪದಗಳು

25 ಯಾವನಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಡಲಾಗಿರುತ್ತದೋ ಅವನು ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಪಡೆಯುವುದು, ಅವನು ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಪಡೆಯುವಾಗ ಅವನಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟವನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಪಡೆಯುವುದು.

26 ಯಾವನಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಡಲಾಗಿರುತ್ತದೋ ಅವನು ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟವನಿಗೆ ಅಧೀನನಾಗಿರುವುದು ಅವಶ್ಯವಾಗಿರುತ್ತದೆ.

27 ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಡುವವನು ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಪಡೆಯುವವನಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಡುವಾಗ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಪಡೆಯುವವನು ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಡುವವನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಪಡೆಯುವುದು ಅವಶ್ಯವಾಗಿರುತ್ತದೆ. ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಪಡೆಯುವವನು ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಡುವವನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಪಡೆಯದಿದ್ದರೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಡುವವನಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಪಡೆಯುವವನ ಮೇಲೆ ಅಧಿಕಾರವಿರುವುದಿಲ್ಲ.

28 ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಪಡೆಯುವವನು ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಡುವವನಿಗೆ ಅಧೀನನಾಗಿರುವುದು ಅವಶ್ಯವಾಗಿರುತ್ತದೆ.

29 ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಪಡೆಯುವವನು ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಡುವವನಿಗೆ ಅಧೀನನಾಗಿರುವುದು ಅವಶ್ಯವಾಗಿರುತ್ತದೆ: ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಪಡೆಯುವವನು ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಡುವವನಿಗೆ ಅಧೀನನಾಗಿರುವುದು ಅವಶ್ಯವಾಗಿರುತ್ತದೆ. ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಪಡೆಯುವವನು ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಡುವವನಿಗೆ ಅಧೀನನಾಗಿರುವುದು ಅವಶ್ಯವಾಗಿರುತ್ತದೆ. ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಪಡೆಯುವವನು ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಡುವವನಿಗೆ ಅಧೀನನಾಗಿರುವುದು ಅವಶ್ಯವಾಗಿರುತ್ತದೆ. ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಪಡೆಯುವವನು ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಡುವವನಿಗೆ ಅಧೀನನಾಗಿರುವುದು ಅವಶ್ಯವಾಗಿರುತ್ತದೆ.

30 ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಪಡೆಯುವವನು ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಡುವವನಿಗೆ ಅಧೀನನಾಗಿರುವುದು ಅವಶ್ಯವಾಗಿರುತ್ತದೆ. ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಪಡೆಯುವವನು ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಕೊಡುವವನಿಗೆ ಅಧೀನನಾಗಿರುವುದು ಅವಶ್ಯವಾಗಿರುತ್ತದೆ.

Digitized by Google

31 ಆಗ ಪೇತ್ರನು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಸಿರಿವಂತನೇ, ನಿನ್ನ ಸಂಪತ್ತು ನಿನ್ನ ಸಂಗಡ ಇರಲಿ; ನಿನಗೆ ಕೊಡಲ್ಪಟ್ಟದ್ದು ನಿನಗಿರಲಿ; ಯೇಸು ಕ್ರಿಸ್ತನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ನಾನು ನಿನಗೆ ಹೇಳುತ್ತೇನೆ.

32 ಆಗ ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಕೊಟ್ಟ ಉತ್ತರವೇನಂದರೆ, ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರೇ, ಈ ಮನುಷ್ಯರಿಗೆ ಏಕೆ ಆಶ್ಚರ್ಯಪಡುತ್ತೀರಿ? ನಾವು ನಮ್ಮ ಸ್ವಂತ ಶಕ್ತಿಯಿಂದಾಗಲಿ ಭಕ್ತಿಯಿಂದಾಗಲಿ ಇವನನ್ನು ನಡೆಯಮಾಡಿದೆವೆಂದು ನೀವು ನಮ್ಮನ್ನು ಏಕೆ ಕಣ್ಣಿಟ್ಟು ನೋಡುತ್ತೀರಿ?

೪

1 ಇದಲ್ಲದೆ ಅವರು ಜನರೊಂದಿಗೆ ಮಾತನಾಡುತ್ತಿರುವಾಗ (ಯಾಜಕರು ಮತ್ತು ದೇವಾಲಯದ ಅಧಿಕಾರಿಯು ಮತ್ತು ಸದ್ದುಕಾಯರು) ಅವರ ಬಳಿಗೆ ಬಂದರು.

2 ಅವರು ಜನರಿಗೆ ಉಪದೇಶಿಸುತ್ತಾ, ಯೇಸುವಿನ ಮೂಲಕ ಸತ್ತವರಲ್ಲಿಂದ ಪುನರುತ್ಥಾನವನ್ನು ಪ್ರಕಟಿಸುತ್ತಿರುವುದರಿಂದ ಬೇಸರಗೊಂಡರು.

3 ಆಗ ಅವರು ಅವರ ಮೇಲೆ ಕೈಹಾಕಿ ಮರುದಿನದವರೆಗೆ ಸೆರೆಯಲ್ಲಿಟ್ಟರು; ಏಕೆಂದರೆ ಆಗಲೇ ಸಂಜೆಯಾಗಿತ್ತು.

4 ಆದರೆ ವಾಕ್ಯವನ್ನು ಕೇಳಿದ ಅನೇಕರು ನಂಬಿದರು; ಪುರುಷರ ಸಂಖ್ಯೆಯು ಸುಮಾರು ಐದು ಸಾವಿರವಾಯಿತು.

Digitized by Google

5 ... ...

10 ... ...

16 ... ...

21 ಅಲ್ಲಿಯೂ ಅವನಿಗೆ ಯೆಹೋವನ ಸಂದೇಶವಾಹಕನಿಂದ ಸಂದೇಶವು ಬಂದಿತು. ಅವನು ಯೆಹೂದದಿಂದ ಬಂದ ದೇವರ ಮನುಷ್ಯನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಯೆಹೋವನು ಹೇಳುವುದು ಇದೇ:

22 ನಾನು ನಿನಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ ಆಜ್ಞೆಯನ್ನು ನೀನು ಉಲ್ಲಂಘಿಸಿದ್ದೀ. ಅಲ್ಲದೆ ನಾನು ನಿನಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಆಹಾರವನ್ನು ಸೇವಿಸಿದ್ದೀ. ಆದ್ದರಿಂದ ನಿನ್ನ ಶವವು ನಿನ್ನ ಪೂರ್ವಜರ ಸಮಾಧಿಯಲ್ಲಿ ಸೇರುವುದಿಲ್ಲ.

23 ಆ ಪ್ರವಾದಿಯು ಆಹಾರ ಸೇವಿಸಿದ ನಂತರ ತನಗಾಗಿ ಕತ್ತೆಯನ್ನು ಸಿದ್ಧಮಾಡಿದನು. ಆ ದೇವರ ಮನುಷ್ಯನು ಕತ್ತೆಯ ಮೇಲೆ ಕುಳಿತುಕೊಂಡನು.

24 ಆ ಮನುಷ್ಯನು ಹೊರಟನು. ಸಿಂಹವೊಂದು ಅವನನ್ನು ಕೊಂದಿತು. ಅವನ ಶವವು ದಾರಿಯಲ್ಲಿ ಬಿದ್ದಿತ್ತು. ಕತ್ತೆಯು ಅವನ ಶವದ ಪಕ್ಕದಲ್ಲಿ ನಿಂತಿತ್ತು. ಸಿಂಹವು ಶವದ ಪಕ್ಕದಲ್ಲಿ ನಿಂತಿತ್ತು. ಸಿಂಹವು ಶವವನ್ನು ತಿನ್ನಲಿಲ್ಲ. ಕತ್ತೆಯನ್ನು ಕೊಲ್ಲಲಿಲ್ಲ. ಸಿಂಹವು ಕತ್ತೆಯ ಪಕ್ಕದಲ್ಲಿ ನಿಂತಿತ್ತು. ಸಿಂಹವು ಶವದ ಪಕ್ಕದಲ್ಲಿ ನಿಂತಿತ್ತು.

25 ಕೆಲವು ಜನರು ಆ ದಾರಿಯಲ್ಲಿ ಹಾದುಹೋದರು. ಅವರು ಶವವು ದಾರಿಯಲ್ಲಿ ಬಿದ್ದಿರುವುದನ್ನು ಕಂಡರು. ಸಿಂಹವು ಶವದ ಪಕ್ಕದಲ್ಲಿ ನಿಂತಿರುವುದನ್ನು ಕಂಡರು. ಅವರು ಪಟ್ಟಣಕ್ಕೆ ಹೋಗಿ ಆ ಪ್ರವಾದಿಯು ವಾಸಿಸುತ್ತಿದ್ದ ಪಟ್ಟಣದಲ್ಲಿ ಈ ಸುದ್ದಿಯನ್ನು ತಿಳಿಸಿದರು.

26 ಆ ಪ್ರವಾದಿಯು ಪ್ರವಾದಿಸಿದ ಮನುಷ್ಯನು ಈ ಸುದ್ದಿಯನ್ನು ಕೇಳಿದನು. ಅವನು ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಆ ದೇವರ ಮನುಷ್ಯನು ಯೆಹೋವನ ಆಜ್ಞೆಯನ್ನು ಉಲ್ಲಂಘಿಸಿದ್ದಾನೆ. ಆದ್ದರಿಂದ ಯೆಹೋವನು ಅವನನ್ನು ಸಿಂಹಕ್ಕೆ ಒಪ್ಪಿಸಿಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ. ಸಿಂಹವು ಅವನನ್ನು ಕೊಂದಿದೆ. ಯೆಹೋವನು ಹೇಳಿದ್ದಂತೆಯೇ ಸಿಂಹವು ಅವನನ್ನು ಕೊಂದಿದೆ.

Digitized by Google

27 ...

28 ...

29 ...

30 ...

31 ...

Digitized by Google

١ ملوك ١

1 وداود الملك قد شاخ وتقدم في الايام. وغطوه بالثياب ولم يدفأ.
2 فقال له عبيده يفتش لسيدنا الملك على فتاة عذراء فتقف امام الملك وتكون له حاضنة وتنام في حضنك فيدفأ سيدنا الملك.
3 فطلبوا فتاة جميلة في جميع تخوم اسرائيل ووجدوا ابيشج الشونمية واتوا بها الى الملك.
4 والفتاة جميلة جدا وكانت حاضنة الملك وخدمته. والملك لم يعرفها.
5 وادونيا بن حجيث تعظم قائلا انا املك. فاتخذ لنفسه مركبة وفرسانا وخمسين راجلا يركضون امامه.
6 ولم يغضبه ابوه قط بقوله لماذا فعلت هكذا. وهو ايضا كان جميلا جدا وقد ولدته امه بعد ابشالوم.
7 وتشاور مع يوآب بن صروية ومع ابياثار الكاهن فاعانا ادونيا.
8 واما صادوق الكاهن وبنايا بن يهوياداع وناثان النبي وشمعي وريعي والجبابرة الذين لداود فلم يكونوا مع ادونيا.

Digitized by Google

Digitized by Google

13 ಯಾಕೆಂದರೆ ಅವರು ಸಿರಿಯದವರು ಮತ್ತು ಅರಾಮ್ಯರು ಮತ್ತು ಅಮ್ಮೋನ್ಯರು ಮತ್ತು ಮೋವಾಬ್ಯರು ಮತ್ತು ಈಜಿಪ್ಟಿನವರು ಮತ್ತು ಫಿಲಿಷ್ಟಿಯರು ಇವರ ಸೈನ್ಯಗಳ ಸಂಖ್ಯೆಯನ್ನು ಕಡಿಮೆ ಮಾಡಿದರು.

14 ಆದರೆ ಅವರು ಅವರ ಕೈಯಿಂದ ಅವರ ಪಟ್ಟಣಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡರು. ಯಾಕೆಂದರೆ ಅವರು ಅವರ ಸೈನ್ಯಗಳ ಸಂಖ್ಯೆಯನ್ನು ಕಡಿಮೆ ಮಾಡಿದರು. ಯಾಕೆಂದರೆ ಅವರು ಅವರ ಪಟ್ಟಣಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡರು.

15 ಆದರೆ ಅವರು ಅವರ ಕೈಯಿಂದ ಅವರ ಪಟ್ಟಣಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡರು. ಆದರೆ ಅವರು ಅವರ ಪಟ್ಟಣಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡರು. ಆದರೆ ಅವರು ಅವರ ಪಟ್ಟಣಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡರು.

16 ಆದರೆ ಅವರು ಅವರ ಪಟ್ಟಣಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡರು. ಆದರೆ ಅವರು ಅವರ ಪಟ್ಟಣಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡರು. ಆದರೆ ಅವರು ಅವರ ಪಟ್ಟಣಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡರು.

17 ಆದರೆ ಅವರು ಅವರ ಪಟ್ಟಣಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡರು. ಆದರೆ ಅವರು ಅವರ ಪಟ್ಟಣಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡರು. ಆದರೆ ಅವರು ಅವರ ಪಟ್ಟಣಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡರು.

18 ಆದರೆ ಅವರು ಅವರ ಪಟ್ಟಣಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡರು. ಆದರೆ ಅವರು ಅವರ ಪಟ್ಟಣಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡರು. ಆದರೆ ಅವರು ಅವರ ಪಟ್ಟಣಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡರು.

19 ಆದರೆ ಅವರು ಅವರ ಪಟ್ಟಣಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡರು. ಆದರೆ ಅವರು ಅವರ ಪಟ್ಟಣಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡರು. ಆದರೆ ಅವರು ಅವರ ಪಟ್ಟಣಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡರು.

20 ಆದರೆ ಅವರು ಅವರ ಪಟ್ಟಣಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡರು. ಆದರೆ ಅವರು ಅವರ ಪಟ್ಟಣಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡರು. ಆದರೆ ಅವರು ಅವರ ಪಟ್ಟಣಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡರು.

Digitized by Google

ಅವನ ಮಾತಿಗೆ ಅವರು ಒಪ್ಪಿಕೊಂಡು ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ಕರೆಯಿಸಿ ಹೊಡೆಯಿಸಿ ಯೇಸುವಿನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಮಾತನಾಡಬಾರದೆಂದು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿ ಅವರನ್ನು ಬಿಟ್ಟುಬಿಟ್ಟರು. ೪೧ ಅವರು ಆ ಹೆಸರಿಗೋಸ್ಕರ ಅವಮಾನಹೊಂದುವದಕ್ಕೆ ಯೋಗ್ಯರೆಂದು ಎಣಿಸಲ್ಪಟ್ಟದ್ದಕ್ಕಾಗಿ ಸಂತೋಷಪಡುತ್ತಾ ಆಲೋಚನಾಸಭೆಯ ಮುಂದಿನಿಂದ ಹೊರಟುಹೋದರು. ೪೨ ಅವರು ಪ್ರತಿದಿನವೂ ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿಯೂ ಮನೆಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಉಪದೇಶಮಾಡುವದನ್ನೂ ಯೇಸುವೇ ಕ್ರಿಸ್ತನೆಂದು ಸಾರುವದನ್ನೂ ನಿಲ್ಲಿಸಲಿಲ್ಲ.

೬ ಆ ದಿವಸಗಳಲ್ಲಿ ಶಿಷ್ಯರು ಹೆಚ್ಚಿಕೊಂಡು ಬರುತ್ತಿರಲಾಗಿ ಗ್ರೀಕ್ ಭಾಷೆಯವರಾದ ಯೆಹೂದ್ಯರು ಇಬ್ರಿಯ ಭಾಷೆಯವರಾದ ಯೆಹೂದ್ಯರಿಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಗುಣುಗುಟ್ಟಿದರು. ಏಕೆಂದರೆ ಪ್ರತಿದಿನದ ಉಪಚಾರದಲ್ಲಿ ಅವರ ವಿಧವೆಯರು ಕಡೆಗಣಿಸಲ್ಪಟ್ಟರು. ೨ ಆಗ ಹನ್ನೆರಡು ಮಂದಿ ಅಪೊಸ್ತಲರು ಶಿಷ್ಯರ ಸಮೂಹವನ್ನು ಕರೆಯಿಸಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ - ನಾವು ದೇವರ ವಾಕ್ಯವನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಊಟದ ಉಪಚಾರಮಾಡುವದು ಯುಕ್ತವಲ್ಲ. ೩ ಆದಕಾರಣ ಸಹೋದರರೇ, ನಿಮ್ಮಲ್ಲಿ ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನಿಂದಲೂ ಜ್ಞಾನದಿಂದಲೂ ತುಂಬಿದವರೂ ಒಳ್ಳೆಯ ಸಾಕ್ಷಿಯುಳ್ಳವರೂ ಆಗಿರುವ ಏಳು ಮಂದಿಯನ್ನು ಆರಿಸಿಕೊಳ್ಳಿರಿ. ಅವರನ್ನು ಈ ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ನೇಮಿಸೋಣ. ೪ ನಾವಾದರೋ ಪ್ರಾರ್ಥನೆಯಲ್ಲಿಯೂ ವಾಕ್ಯದ ಸೇವೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಪ್ರಯಾಸಪಡುವೆವು. ೫ ಈ ಮಾತು ಸಮೂಹಕ್ಕೆಲ್ಲಾ ಸಮ್ಮತವಾಗಿ ಕಂಡಿತು. ಅವರು ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನಿಂದಲೂ ವಿಶ್ವಾಸದಿಂದಲೂ ತುಂಬಿದವನಾದ ಸ್ತೆಫನನನ್ನೂ ಫಿಲಿಪ್ಪನನ್ನೂ ಪ್ರೊಖೋರನನ್ನೂ ನಿಕಾನೋರನನ್ನೂ ತಿಮೋನನನ್ನೂ ಪರ್ಮೆನನನ್ನೂ ಅಂತಿಯೋಕ್ಯದವನಾದ ನಿಕೊಲಾಯನನ್ನೂ ಆರಿಸಿಕೊಂಡು ೬ ಅವರನ್ನು ಅಪೊಸ್ತಲರ ಮುಂದೆ ನಿಲ್ಲಿಸಿದರು. ಅವರು ಪ್ರಾರ್ಥನೆಮಾಡಿ ಅವರ ಮೇಲೆ ಕೈಗಳನ್ನಿಟ್ಟರು.

೭ ಆಗ ದೇವರ ವಾಕ್ಯವು ಹಬ್ಬಿತು. ಯೆರೂಸಲೇಮಿನಲ್ಲಿ ಶಿಷ್ಯರ ಸಂಖ್ಯೆಯು ಬಹಳವಾಗಿ ಹೆಚ್ಚಿತು. ಯಾಜಕರಲ್ಲಿ ಬಹುಜನರು ವಿಶ್ವಾಸಕ್ಕೆ ವಿಧೇಯರಾದರು.

೮ ಸ್ತೆಫನನು ಕೃಪೆಯಿಂದಲೂ ಶಕ್ತಿಯಿಂದಲೂ ತುಂಬಿದವನಾಗಿ ಜನರಲ್ಲಿ ಮಹತ್ಕಾರ್ಯಗಳನ್ನೂ ಅದ್ಭುತಗಳನ್ನೂ ನಡಿಸುತ್ತಿದ್ದನು. ೯ ಆಗ ಲಿಬರ್ತೀನರ ಸಭಾಮಂದಿರದವರೆಂದು ಕರೆಯಲ್ಪಡುವ ಕೆಲವರೂ ಕುರೇನ್ಯರೂ ಅಲೆಕ್ಸಾಂದ್ರಿಯರೂ ಕಿಲಿಕ್ಯ ಆಸ್ಯ ಪ್ರಾಂತ್ಯಗಳವರೂ ಎದ್ದು ಸ್ತೆಫನನೊಂದಿಗೆ ವಾದಿಸಿದರು. ೧೦ ಆದರೆ ಅವನು ಜ್ಞಾನದಿಂದಲೂ ಆತ್ಮನಿಂದಲೂ ಮಾತನಾಡುತ್ತಿದ್ದದರಿಂದ ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಎದುರಾಡಲಾರದೆ ಹೋದರು. ೧೧ ಆಗ ಅವರು ಕೆಲವರನ್ನು ಪ್ರಚೋದಿಸಿ - ಇವನು ಮೋಶೆಗೂ ದೇವರಿಗೂ ವಿರೋಧವಾಗಿ ದೂಷಣೆಯ ಮಾತುಗಳನ್ನಾಡುವದನ್ನು ನಾವು ಕೇಳಿದ್ದೇವೆ ಎಂದು ಹೇಳಿಸಿದರು. ೧೨ ಅವರು ಜನರನ್ನೂ ಹಿರಿಯರನ್ನೂ ಶಾಸ್ತ್ರಿಗಳನ್ನೂ ಪ್ರಚೋದಿಸಿ ಅವನ ಮೇಲೆ ಬಿದ್ದು ಅವನನ್ನು ಹಿಡಿದುಕೊಂಡು ಆಲೋಚನಾಸಭೆಗೆ ತಂದರು. ೧೩ ಅವರು ಸುಳ್ಳುಸಾಕ್ಷಿಗಳನ್ನು ನಿಲ್ಲಿಸಿ - ಈ ಮನುಷ್ಯನು ಪರಿಶುದ್ಧಸ್ಥಳಕ್ಕೂ ಧರ್ಮಶಾಸ್ತ್ರಕ್ಕೂ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಮಾತನಾಡುವದನ್ನು ನಿಲ್ಲಿಸುವದಿಲ್ಲ. ೧೪ ಏಕೆಂದರೆ ಇವನು ನಜರೇತಿನವನಾದ ಯೇಸು ಈ ಸ್ಥಳವನ್ನು ಹಾಳುಮಾಡಿ ಮೋಶೆಯು ನಮಗೆ ಒಪ್ಪಿಸಿದ ಆಚಾರಗಳನ್ನು ಬದಲಾಯಿಸುವನು ಎಂದು ಅವನು ಹೇಳುವದನ್ನು ನಾವು ಕೇಳಿದ್ದೇವೆ ಎಂದು ಹೇಳಿಸಿದರು. ೧೫ ಆಲೋಚನಾಸಭೆಯಲ್ಲಿ ಕುಳಿತಿದ್ದವರೆಲ್ಲರೂ ಅವನ ಕಡೆಗೆ ದೃಷ್ಟಿಯಿಟ್ಟಾಗ ಅವನ ಮುಖವು ದೇವದೂತನ ಮುಖದಂತೆ ಕಂಡಿತು.

೭ ಆಗ ಮಹಾಯಾಜಕನು - ಇವುಗಳು ಹೀಗಿವೆಯೋ ಎಂದು ಕೇಳಲು ೨ ಅವನು ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ - ಸಹೋದರರೇ, ತಂದೆಗಳೇ, ಕೇಳಿರಿ. ನಮ್ಮ ತಂದೆಯಾದ ಅಬ್ರಹಾಮನು ಮೆಸೊಪೊತಾಮ್ಯದಲ್ಲಿದ್ದಾಗ ಹಾರಾನಿನಲ್ಲಿ ವಾಸಮಾಡುವದಕ್ಕೆ ಮುಂಚೆ ಆತನಿಗೆ ಮಹಿಮೆಯ ದೇವರು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷನಾಗಿ ೩ ನೀನು ನಿನ್ನ ದೇಶವನ್ನೂ ನಿನ್ನ ಬಂಧುಗಳನ್ನೂ ಬಿಟ್ಟು ನಾನು ನಿನಗೆ ತೋರಿಸುವ ದೇಶಕ್ಕೆ ಹೋಗು ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. ೪ ಆಗ ಅವನು ಕಸ್ದೀಯರ ದೇಶವನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಹಾರಾನಿನಲ್ಲಿ ವಾಸಮಾಡಿದನು. ಅವನ ತಂದೆಯು ಸತ್ತ ಮೇಲೆ ದೇವರು ಅವನನ್ನು ಅಲ್ಲಿಂದ ನೀವು ಈಗ ವಾಸಿಸುತ್ತಿರುವ ಈ ದೇಶಕ್ಕೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬಂದನು. ೫ ಆದರೆ ಆತನಿಗೆ ಇಲ್ಲಿ ಒಂದು ಅಡಿಯಷ್ಟು ಸ್ವಾಸ್ತ್ಯವನ್ನೂ ಕೊಡಲಿಲ್ಲ. ಆತನಿಗೆ ಮಕ್ಕಳಿಲ್ಲದಿದ್ದಾಗಲೂ ಈ ದೇಶವನ್ನು ಆತನಿಗೂ ಆತನ ಸಂತತಿಗೂ ಸ್ವಾಸ್ತ್ಯವಾಗಿ ಕೊಡುವೆನೆಂದು ವಾಗ್ದಾನಮಾಡಿದನು. ೬ ದೇವರು ಆತನಿಗೆ ಹೀಗೆ ಹೇಳಿದನು - ನಿನ್ನ ಸಂತತಿಯವರು ಅನ್ಯದೇಶದಲ್ಲಿ ಪರದೇಶಿಗಳಾಗಿರುವರು. ಅಲ್ಲಿ ಅವರು ನಾನೂರು ವರ್ಷ ಅವರನ್ನು ದಾಸರನ್ನಾಗಿ ಮಾಡಿಕೊಂಡು ಕಷ್ಟಪಡಿಸುವರು. ೭ ಆದರೆ ಅವರು ಸೇವೆಮಾಡುವ ಜನಾಂಗವನ್ನು ನಾನು ನ್ಯಾಯತೀರಿಸುವೆನು. ತರುವಾಯ ಅವರು ಹೊರಟುಬಂದು ಈ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ನನ್ನನ್ನು ಆರಾಧಿಸುವರು ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. ೮ ಆತನು ಅಬ್ರಹಾಮನಿಗೆ ಸುನ್ನತಿಯ ಒಡಂಬಡಿಕೆಯನ್ನು ಕೊಟ್ಟನು. ಆಗ ಅಬ್ರಹಾಮನು ಇಸಾಕನನ್ನು ಪಡೆದು ಎಂಟನೆಯ ದಿವಸದಲ್ಲಿ ಸುನ್ನತಿಮಾಡಿದನು. ಇಸಾಕನು ಯಾಕೋಬನನ್ನು ಪಡೆದನು. ಯಾಕೋಬನು ಹನ್ನೆರಡು ಮಂದಿ ಪಿತೃಗಳನ್ನು ಪಡೆದನು. ೯ ಆ ಪಿತೃಗಳು ಯೋಸೇಫನಿಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಮತ್ಸರಪಟ್ಟು ಅವನನ್ನು ಈಜಿಪ್ಟಿಗೆ ಮಾರಿಬಿಟ್ಟರು. ಆದರೆ ದೇವರು ಅವನೊಂದಿಗಿದ್ದು ೧೦ ಅವನ ಎಲ್ಲಾ ಕಷ್ಟಗಳಿಂದ ಅವನನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಿ ಈಜಿಪ್ಟಿನ ಅರಸನಾದ ಫರೋಹನ ಮುಂದೆ ಅವನಿಗೆ ದಯೆಯೂ ಜ್ಞಾನವೂ ಕೊಟ್ಟನು. ಫರೋಹನು ಅವನನ್ನು ಈಜಿಪ್ಟಿಗೂ ತನ್ನ ಮನೆಯವರೆಲ್ಲರಿಗೂ ಅಧಿಪತಿಯಾಗಿ ನೇಮಿಸಿದನು. ೧೧ ಆಗ ಈಜಿಪ್ಟ್ ದೇಶದಲ್ಲಿಯೂ ಕಾನಾನ್ ದೇಶದಲ್ಲಿಯೂ ಕ್ಷಾಮವೂ ಮಹಾಸಂಕಟವೂ ಉಂಟಾಯಿತು. ನಮ್ಮ ಪಿತೃಗಳಿಗೆ ಆಹಾರವು ಸಿಕ್ಕದೆ ಹೋಯಿತು. ೧೨ ಆದರೆ ಈಜಿಪ್ಟಿನಲ್ಲಿ ಧಾನ್ಯವಿದೆಯೆಂದು ಯಾಕೋಬನು ಕೇಳಿ ನಮ್ಮ ಪಿತೃಗಳನ್ನು ಮೊದಲನೆಯ ಸಾರಿ ಅಲ್ಲಿಗೆ ಕಳುಹಿಸಿದನು. ೧೩ ಎರಡನೆಯ ಸಾರಿ ಯೋಸೇಫನು ತನ್ನ ಸಹೋದರರಿಗೆ ತನ್ನನ್ನು ತಿಳಿಯಪಡಿಸಿಕೊಂಡನು. ಯೋಸೇಫನ ಸಂಬಂಧವು ಫರೋಹನಿಗೆ ತಿಳಿದುಬಂತು. ೧೪ ಆಗ ಯೋಸೇಫನು ಕಳುಹಿಸಿ ತನ್ನ ತಂದೆಯಾದ ಯಾಕೋಬನನ್ನೂ ತನ್ನ ಬಂಧುಗಳೆಲ್ಲರನ್ನೂ ಕರೆಯಿಸಿಕೊಂಡನು. ಅವರು ಎಪ್ಪತ್ತೈದು ಮಂದಿಯಾಗಿದ್ದರು. ೧೫ ಯಾಕೋಬನು ಈಜಿಪ್ಟಿಗೆ ಹೋಗಿ ಅಲ್ಲಿ ತಾನೂ ನಮ್ಮ ಪಿತೃಗಳೂ ಸತ್ತರು. ೧೬ ಅವರನ್ನು ಶೆಕೆಮಿಗೆ ತಂದು ಅಬ್ರಹಾಮನು ಶೆಕೆಮಿನ ತಂದೆಯಾದ ಹಮೋರನ ಮಕ್ಕಳಿಂದ ಹಣಕೊಟ್ಟು ಕೊಂಡುಕೊಂಡ ಸಮಾಧಿಯಲ್ಲಿ ಇಟ್ಟರು.

೧೭ ದೇವರು ಅಬ್ರಹಾಮನಿಗೆ ಮಾಡಿದ ವಾಗ್ದಾನದ ಕಾಲವು ಸಮೀಪಿಸಿದಾಗ ಜನರು ಈಜಿಪ್ಟಿನಲ್ಲಿ ಅಭಿವೃದ್ಧಿಯಾಗಿ ಹೆಚ್ಚಿದರು. ೧೮ ಆಗ ಯೋಸೇಫನನ್ನು ಅರಿಯದ ಬೇರೊಬ್ಬ ಅರಸನು ಈಜಿಪ್ಟಿನಲ್ಲಿ ಆಳಲಾರಂಭಿಸಿದನು. ೧೯ ಅವನು ನಮ್ಮ ಜನಾಂಗದವರಿಗೆ ಕುಯುಕ್ತಿಯಿಂದ ವರ್ತಿಸಿ ಹಸುಳೆಗಳು ಬದುಕದಂತೆ ಅವರನ್ನು ಹೊರಗೆ ಹಾಕಿಸಿಬಿಡಬೇಕೆಂದು ನಮ್ಮ ಪಿತೃಗಳನ್ನು ಕಷ್ಟಪಡಿಸಿದನು. ೨೦ ಆ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಮೋಶೆಯು ಹುಟ್ಟಿದನು. ಅವನು ದೇವರಿಗೆ ಮೆಚ್ಚಿಕೆಯಾಗಿದ್ದನು. ಅವನು ತಿಂಗಳು ಮೂರು ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಪೋಷಿಸಲ್ಪಟ್ಟನು. ೨೧ ಅವನು ಹೊರಗೆ ಹಾಕಲ್ಪಟ್ಟಾಗ ಫರೋಹನ ಮಗಳು ಅವನನ್ನು ಎತ್ತಿಕೊಂಡು ತನಗೆ ಮಗನಾಗಿ ಪೋಷಿಸಿದಳು. ೨೨ ಮೋಶೆಯು ಈಜಿಪ್ಟಿನವರ ಎಲ್ಲಾ ವಿದ್ಯೆಯಲ್ಲಿ ಶಿಕ್ಷಿತನಾಗಿ ಮಾತಿನಲ್ಲಿಯೂ ಕೃತಿಯಲ್ಲಿಯೂ ಸಮರ್ಥನಾಗಿದ್ದನು. ೨೩ ಅವನಿಗೆ ನಲವತ್ತು ವರ್ಷ ಪ್ರಾಯವಾದಾಗ ಅವನು ತನ್ನ ಸಹೋದರರಾದ ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರನ್ನು ಸಂದರ್ಶಿಸಬೇಕೆಂಬ ಮನಸ್ಸುಳ್ಳವನಾದನು. ೨೪ ಅವರಲ್ಲಿ ಒಬ್ಬನಿಗೆ ಅನ್ಯಾಯವಾಗುತ್ತಿರುವದನ್ನು ಕಂಡು ಅವನಿಗೆ ಸಹಾಯಮಾಡಿ ಐಗುಪ್ತನನ್ನು ಹೊಡೆದು ಕೊಂದುಹಾಕಿ ಬಾಧೆಪಡುತ್ತಿದ್ದವನಿಗೆ ನ್ಯಾಯತೀರಿಸಿದನು. ೨೫ ತನ್ನ ಸಹೋದರರು ತನ್ನ ಕೈಯಿಂದ ದೇವರು ರಕ್ಷಣೆಯನ್ನು ಕೊಡುವನೆಂದು ತಿಳಿದುಕೊಳ್ಳುವರೆಂದು ಅವನು ಎಣಿಸಿದನು. ಆದರೆ ಅವರು ತಿಳಿದುಕೊಳ್ಳಲಿಲ್ಲ. ೨೬ ಮರುದಿವಸ ಅವರು ಕಚ್ಚಾಡುತ್ತಿರುವಾಗ ಅವನು ಅವರ ಬಳಿಗೆ ಬಂದು ಸಮಾಧಾನಪಡಿಸಲು ಮನಸ್ಸುಳ್ಳವನಾಗಿ - ಮನುಷ್ಯರೇ, ನೀವು ಸಹೋದರರಾಗಿದ್ದೀರಿ. ಒಬ್ಬರಿಗೊಬ್ಬರು ಅನ್ಯಾಯಮಾಡುವದೇಕೆ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. ೨೭ ಆದರೆ ತನ್ನ ನೆರೆಯವನಿಗೆ ಅನ್ಯಾಯಮಾಡಿದವನು ಅವನನ್ನು ತಳ್ಳಿಬಿಟ್ಟು - ನಮ್ಮ ಮೇಲೆ ನಿನ್ನನ್ನು ಅಧಿಪತಿಯಾಗಿಯೂ ನ್ಯಾಯಾಧಿಪತಿಯಾಗಿಯೂ ನೇಮಿಸಿದವನು ಯಾರು?

Digitized by Google

28 ಆಗ ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ನಾನು ಪರದೇಶಕ್ಕೆ ಹೋಗುವದಕ್ಕಾಗಿ ಒಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಸ್ವಂತ ಸೇವಕರನ್ನು ಕರೆದು ತನ್ನ ಆಸ್ತಿಯನ್ನು ಅವರಿಗೆ ಒಪ್ಪಿಸಿದಂತೆ ಇರುವದು.

29 ಆಗ ಅವನು ಒಬ್ಬನಿಗೆ ಐದು ಸಾವಿರ ಬೆಳ್ಳಿಯ ನಾಣ್ಯಗಳನ್ನೂ, ಒಬ್ಬನಿಗೆ ಎರಡು ಸಾವಿರವನ್ನೂ, ಒಬ್ಬನಿಗೆ ಒಂದು ಸಾವಿರವನ್ನೂ ಕೊಟ್ಟು ಅವರವರ ಸಾಮರ್ಥ್ಯಕ್ಕೆ ತಕ್ಕಂತೆ ಕೊಟ್ಟು ಪರದೇಶಕ್ಕೆ ಹೋದನು.

30 ಆಗ ಐದು ಸಾವಿರ ಪಡೆದವನು ಹೋಗಿ ಅದರಿಂದ ವ್ಯಾಪಾರಮಾಡಿ ಇನ್ನೂ ಐದು ಸಾವಿರ ಸಂಪಾದಿಸಿದನು.

31 ಅದೇ ಪ್ರಕಾರ ಎರಡು ಸಾವಿರ ಪಡೆದವನು ಇನ್ನೂ ಎರಡು ಸಾವಿರ ಸಂಪಾದಿಸಿದನು. ಆದರೆ ಒಂದು ಸಾವಿರ ಪಡೆದವನು ಹೋಗಿ ನೆಲವನ್ನು ಅಗೆದು ತನ್ನ ಯಜಮಾನನ ಹಣವನ್ನು ಅಡಗಿಸಿಟ್ಟನು.

32 ಬಹಳ ಕಾಲವಾದ ಮೇಲೆ ಆ ಸೇವಕರ ಯಜಮಾನನು ಬಂದು

33 ಅವರೊಂದಿಗೆ ಲೆಕ್ಕ ಇತ್ಯರ್ಥಮಾಡಿಕೊಂಡನು. ಐದು ಸಾವಿರ ಪಡೆದವನು ಇನ್ನೂ ಐದು ಸಾವಿರ ತಂದು, ಯಜಮಾನನೇ, ನೀನು ನನಗೆ ಐದು ಸಾವಿರ ಒಪ್ಪಿಸಿದೆ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

34 ಆಗ ಅವನ ಯಜಮಾನನು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಒಳ್ಳೆಯದು

Digitized by Google

ယာကုပ်ကိုလည်းကောင်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးက ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ။

35 ယုဒ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ။

36 ယုဒ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ။

37 ဧဝံ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ။

ကမ္ဘာဦးကျမ်း

1 ယုဒ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ။

2 ယာကုပ်ကိုကောင်း ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ။

3 ယုဒ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊ ကမ္ဘာဦးကျမ်း ၊

4 ಯೆಹೋವನು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ಇಗೋ, ನಾನು ಅವನ ಮೇಲೆ ಕೋಪಗೊಂಡಿರುವ ಕಾರಣ ಅವನ ಸಂತತಿಯವರಿಗೆ ಅವನು ಸಲ್ಲಿಸಿದ ಸೇವೆಯ ಪ್ರಕಾರ ಅವನಿಗೆ ಪ್ರತಿಫಲ ಕೊಡುವೆನು. ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಮಾಡಿದ ಕೆಲಸಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಅವರಿಗೆ ಮಾಡುವೆನು. ಅವನು ನನ್ನ ಸೇವಕನಾದ ದಾವೀದನಿಗೋಸ್ಕರ ಮಾಡಿದ್ದಕ್ಕೆ ಅವನಿಗೆ ಪ್ರತಿಫಲ ಕೊಡುವೆನು.

5 ಆಗ ಅವನ ಸಂತತಿಯವರಲ್ಲಿ ಯಾರೂ ಅವನ ಸಿಂಹಾಸನದಲ್ಲಿ ಕುಳಿತು ಆಳುವವರು ಇರುವುದಿಲ್ಲ. ಅವನ ಶವವು ಬೀದಿಯಲ್ಲಿ ಬಿದ್ದಿರುವುದು. ಹಗಲಿನ ಬಿಸಿಲಿಗೂ ರಾತ್ರಿಯ ಹಿಮಕ್ಕೂ ಅದು ಗುರಿಯಾಗುವುದು.

6 ಯೆಹೋವನು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ: ಇಗೋ, ಅವನು ಮಾಡಿದ ಕೆಲಸಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಅವನಿಗೆ ಪ್ರತಿಫಲ ಕೊಡುವೆನು.

7 ಅವನು ಯೆಹೋವನಿಗೆ ಮಾಡಿದ ಕೆಲಸಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಅವನಿಗೆ ಪ್ರತಿಫಲ ಕೊಡುವೆನು. ಅವನು ಮಾಡಿದ ಕೆಲಸಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಅವನಿಗೆ ಪ್ರತಿಫಲ ಕೊಡುವೆನು. ಅವನು ಯೆಹೋವನಿಗೆ ಮಾಡಿದ ಕೆಲಸಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಅವನಿಗೆ ಪ್ರತಿಫಲ ಕೊಡುವೆನು.

8 ಅವನಲ್ಲಿ ಇನ್ನೂ ಸ್ವಲ್ಪ ಮಾತು: ಇಗೋ, ಯೆಹೋವನಿಗೆ ಅವನು ಮಾಡಿದ ಕೆಲಸಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಅವನಿಗೆ ಪ್ರತಿಫಲ ಕೊಡುವೆನು. ಅವನು ಯೆಹೋವನಿಗೆ ಮಾಡಿದ ಕೆಲಸಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಅವನಿಗೆ ಪ್ರತಿಫಲ ಕೊಡುವೆನು. ಅವನು ಯೆಹೋವನಿಗೆ ಮಾಡಿದ ಕೆಲಸಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಅವನಿಗೆ ಪ್ರತಿಫಲ ಕೊಡುವೆನು.

9 ಯೆಹೋವನು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ಇಗೋ, ನಾನು ಅವನ ಮೇಲೆ ಕೋಪಗೊಂಡಿರುವ ಕಾರಣ ಅವನ ಸಂತತಿಯವರಿಗೆ ಅವನು ಸಲ್ಲಿಸಿದ ಸೇವೆಯ ಪ್ರಕಾರ ಅವನಿಗೆ ಪ್ರತಿಫಲ ಕೊಡುವೆನು. ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಮಾಡಿದ ಕೆಲಸಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಅವರಿಗೆ ಮಾಡುವೆನು. ಅವನು ನನ್ನ ಸೇವಕನಾದ ದಾವೀದನಿಗೋಸ್ಕರ ಮಾಡಿದ್ದಕ್ಕೆ ಅವನಿಗೆ ಪ್ರತಿಫಲ ಕೊಡುವೆನು.

Digitized by Google

10 ... **11** ... **12** ... **13** ... **14** ...

Digitized by Google

15 ಮಿಕಾಯೇಲನು ಅವರಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಅವರು ಹೋಗಿ ಸಮುದ್ರದಲ್ಲಿ ಬೀಳಿಸಿರಿ, ನಿಮಗೆ ಭಯಂಕರವಾದ ಬಿರುಗಾಳಿಯು ಉಂಟಾಗದಿರುವಂತೆ ನಿಮ್ಮ ಮಧ್ಯದಿಂದ ಅದು ಶಾಂತವಾಗುವುದು.

16 ಆಗ ಆ ಮನುಷ್ಯರು ಯೆಹೋವನಿಗೆ ಮೊರೆಯಿಟ್ಟು ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಯೆಹೋವನೇ, ಈ ಮನುಷ್ಯನ ಪ್ರಾಣಕ್ಕೋಸ್ಕರ ನಾವು ನಾಶವಾಗಿ ಹೋಗದಿರಲಿ; ನಿರಪರಾಧಿಯಾದ ರಕ್ತವನ್ನು ನಮ್ಮ ಮೇಲೆ ಹೊರಿಸಬೇಡ; ಯೆಹೋವನೇ, ನಿನಗೆ ಇಷ್ಟವಾದಂತೆ ಮಾಡಿದ್ದೀ ಎಂದು ಹೇಳಿ ಯೋನನನ್ನು ಸಮುದ್ರದಲ್ಲಿ ಬೀಳಿಸಿದರು.

17 ಆಗ ಯೆಹೋವನು ಒಂದು ದೊಡ್ಡ ಮೀನನ್ನು ಸಿದ್ಧಮಾಡಿ ಯೋನನನ್ನು ನುಂಗಿಬಿಡುವಂತೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದನು; ಯೋನನು ಮೂರು ಹಗಲು ಮೂರು ರಾತ್ರಿ ಮೀನಿನ ಹೊಟ್ಟೆಯಲ್ಲಿದ್ದನು.

18 ಆಗ ಯೋನನು ತನ್ನ ದೇವರಾದ ಯೆಹೋವನಿಗೆ ಮೀನಿನ ಹೊಟ್ಟೆಯಲ್ಲಿ ಪ್ರಾರ್ಥನೆಮಾಡಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ನಾನು ಇಕ್ಕಟ್ಟಿನಲ್ಲಿ ಯೆಹೋವನಿಗೆ ಮೊರೆಯಿಟ್ಟೆನು, ಆತನು ನನಗೆ ಉತ್ತರಕೊಟ್ಟನು; ಪಾತಾಳದ ಗರ್ಭದಿಂದ ನಾನು ಸಹಾಯಕ್ಕಾಗಿ ಕೂಗಿಕೊಂಡೆನು, ನೀನು ನನ್ನ ಮಾತನ್ನು ಕೇಳಿದೆ.

19 ನೀನು ನನ್ನನ್ನು ಆಳವಾದ ಸಮುದ್ರದಲ್ಲಿ ಬೀಳಿಸಿದೆ, ಪ್ರವಾಹವು ನನ್ನನ್ನು ಸುತ್ತಿಕೊಂಡಿತು, ನಿನ್ನ ತೆರೆಗಳೂ ಅಲೆಗಳೂ ನನ್ನ ಮೇಲೆ ಹಾದುಹೋದವು.

Digitized by Google

20 ಯೆಹೋವನ ದೂತನು ರಾತ್ರಿಯಲ್ಲಿ ಸೆರೆಮನೆಯ ಬಾಗಿಲುಗಳನ್ನು ತೆರೆದು ಅವರನ್ನು ಹೊರಗೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬಂದು ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, 21 ನೀವು ಹೋಗಿ ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿ ನಿಂತುಕೊಂಡು ಈ ಜೀವದ ಮಾತುಗಳನ್ನೆಲ್ಲಾ ಜನರಿಗೆ ತಿಳಿಸಿರಿ ಎಂದನು. ಅವರು ಅದನ್ನು ಕೇಳಿ ಬೆಳಗಾಗುವಾಗ ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿ ಬೋಧಿಸುತ್ತಾ ಇದ್ದರು. ಆದರೆ ಮಹಾಯಾಜಕನು ಮತ್ತು ಅವನ ಸಂಗಡ ಇದ್ದವರು ಬಂದು ಆಲೋಚನಾ ಸಭೆಯನ್ನೂ ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ಮಕ್ಕಳ ಹಿರಿಯರೆಲ್ಲರನ್ನೂ ಕೂಡಿಸಿ ಸೆರೆಮನೆಗೆ ಕಳುಹಿಸಿ ಅವರನ್ನು ತರಿಸಿಕೊಂಡರು.

22 ಆದರೆ ಸೇವಕರು ಹೋಗಿ ಸೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿ ಅವರನ್ನು ಕಾಣದೆ ಹಿಂತಿರುಗಿ ಬಂದು ತಿಳಿಸಿದ್ದೇನಂದರೆ, 23 ಸೆರೆಮನೆಯ ಬಾಗಿಲುಗಳು ಬಹಳ ಭದ್ರವಾಗಿ ಮುಚ್ಚಿರುವುದನ್ನೂ ಕಾವಲುಗಾರರು ಬಾಗಿಲುಗಳ ಮುಂದೆ ನಿಂತಿರುವುದನ್ನೂ ನಾವು ಕಂಡೆವು; ಆದರೆ ಬಾಗಿಲು ತೆರೆದಾಗ ಒಳಗೆ ಯಾರನ್ನೂ ಕಾಣಲಿಲ್ಲ ಎಂದರು.

24 ಈ ಸುದ್ದಿಯನ್ನು ದೇವಾಲಯದ ಅಧಿಪತಿಯೂ ಪ್ರಧಾನ ಯಾಜಕರೂ ಕೇಳಿ ಇವರ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಏನಾಗುವುದೋ ಎಂದು ಅವರಿಗೆ ಸಂದೇಹವಾಯಿತು. 25 ಆಗ ಒಬ್ಬನು ಬಂದು ಅವರಿಗೆ ತಿಳಿಸಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಇಗೋ, ನೀವು ಸೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿ ಹಾಕಿಸಿದ ಮನುಷ್ಯರು ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿ ನಿಂತುಕೊಂಡು ಜನರಿಗೆ ಬೋಧಿಸುತ್ತಾ ಇದ್ದಾರೆ ಎಂದನು.

Digitized by Google

26 ಆಗ ಅವನು ಎದ್ದು ಹೊರಟನು. ಆಗ ಇಗೋ, ಇಥಿಯೋಪ್ಯದ ಒಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ಅಂದರೆ ತನ್ನ ಆರಾಧನೆಗಾಗಿ ಯೆರೂಸಲೇಮಿಗೆ ಬಂದಿದ್ದ ಕಂದಾಕೆ ರಾಣಿಯ ಅಧಿಕಾರಿಯೂ ಅವಳ ಖಜಾನೆಯ ಮೇಲೆ ನೇಮಕವಾಗಿದ್ದವನೂ ಆಗಿರುವ ಷಂಡನು ಹಿಂತಿರುಗಿ ಬರುತ್ತಿದ್ದನು. ಅವನು ರಥದಲ್ಲಿ ಕುಳಿತು ಪ್ರವಾದಿಯಾದ ಯೆಶಾಯನ ಗ್ರಂಥವನ್ನು ಓದುತ್ತಿದ್ದನು.

27 ಆಗ ಆತ್ಮನು ಫಿಲಿಪ್ಪನಿಗೆ, "ನೀನು ಹೋಗಿ ಆ ರಥದ ಹತ್ತಿರ ಸೇರಿಕೊ" ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. ಫಿಲಿಪ್ಪನು ಓಡಿಹೋಗಿ ಅವನು ಪ್ರವಾದಿಯಾದ ಯೆಶಾಯನ ಗ್ರಂಥವನ್ನು ಓದುತ್ತಿರುವುದನ್ನು ಕೇಳಿ, "ನೀನು ಓದುತ್ತಿರುವುದು ಅರ್ಥವಾಗುತ್ತಿದೆಯೋ?" ಎಂದು ಕೇಳಿದನು.

28 ಅದಕ್ಕೆ ಅವನು, "ಯಾರಾದರೂ ನನಗೆ ಬೋಧಿಸದಿದ್ದರೆ ಅದು ಹೇಗೆ ಸಾಧ್ಯ?" ಎಂದು ಹೇಳಿ ರಥವನ್ನು ಹತ್ತಿ ತನ್ನ ಪಕ್ಕದಲ್ಲಿ ಕುಳಿತುಕೊಳ್ಳಬೇಕೆಂದು ಫಿಲಿಪ್ಪನನ್ನು ಕೇಳಿಕೊಂಡನು.

29 ಆ ಪವಿತ್ರ ಗ್ರಂಥದ ಭಾಗವು ಅವನು ಓದುತ್ತಿದ್ದದ್ದು ಏನೆಂದರೆ: "ಕುರಿಯು ಕಡಿಯಲ್ಪಡುವುದಕ್ಕೆ ಕೊಂಡೊಯ್ಯಲ್ಪಟ್ಟಂತೆ ಅವನು ಕೊಂಡೊಯ್ಯಲ್ಪಟ್ಟನು. ಕತ್ತರಿಸುವವರ ಮುಂದೆ ಕುರಿಯು ಮೌನವಾಗಿರುವಂತೆ ಅವನು ತನ್ನ ಬಾಯಿಯನ್ನು ತೆರೆಯಲಿಲ್ಲ. ಅವನು ತನ್ನ ಅವಮಾನದಲ್ಲಿ ನ್ಯಾಯವನ್ನು ಕಳೆದುಕೊಂಡನು. ಅವನ ಸಂತತಿಯನ್ನು ಯಾರು ವರ್ಣಿಸಬಲ್ಲರು? ಅವನ ಜೀವವು ಭೂಮಿಯಿಂದ ತೆಗೆಯಲ್ಪಟ್ಟಿತು."

30 ಆಗ ಫಿಲಿಪ್ಪನು ಅವನ ಕಡೆಗೆ ಓಡಿಹೋಗಿ ಅವನು ಪ್ರವಾದಿಯಾದ ಯೆಶಾಯನ ಗ್ರಂಥವನ್ನು ಓದುತ್ತಿರುವುದನ್ನು ಕೇಳಿ, "ನೀನು ಓದುತ್ತಿರುವುದು ಅರ್ಥವಾಗುತ್ತಿದೆಯೋ?" ಎಂದು ಕೇಳಿದನು.

31 ಅದಕ್ಕೆ ಅವನು, "ಯಾರಾದರೂ ನನಗೆ ಮಾರ್ಗದರ್ಶನ ಮಾಡದಿದ್ದರೆ ಅದು ಹೇಗೆ ಸಾಧ್ಯ?" ಎಂದು ಹೇಳಿ ರಥವನ್ನು ಹತ್ತಿ ತನ್ನ ಪಕ್ಕದಲ್ಲಿ ಕುಳಿತುಕೊಳ್ಳಬೇಕೆಂದು ಫಿಲಿಪ್ಪನನ್ನು ಕೇಳಿಕೊಂಡನು.

Digitized by Google

32 ...

33 ...

34 ...

35 ...

36 ...

37 ...

38 ...

Digitized by Google

39 ଏବଂ ସେମାନେ ଆପଣାମାନଙ୍କ ପୁତ୍ରଗଣ ଦ୍ୱାରା ଆପଣାମାନଙ୍କ ପିତୃଗଣର ଅଧର୍ମ ଓ ଆପଣାମାନଙ୍କର ଅଧର୍ମ ସ୍ୱୀକାର କରିବେ, ସେମାନେ ମୋʼ ପ୍ରତି ଯେଉଁ ବିଶ୍ୱାସଘାତକତା କରିଅଛନ୍ତି ଓ ମୋʼ ବିପକ୍ଷରେ ଯେଉଁ ଆଚରଣ କରିଅଛନ୍ତି, ତାହା ସ୍ୱୀକାର କରିବେ; ଏହି ସମସ୍ତ ଆଚରଣ ସେମାନେ ମୋʼ ବିପକ୍ଷରେ କରିଅଛନ୍ତି ବୋଲି ସ୍ୱୀକାର କରିବେ; ଏଥିରେ ମଧ୍ୟ ସେମାନେ ମୋʼ ବିପକ୍ଷରେ ଚାଲିଲେ ଓ ମୋʼ ବିପକ୍ଷରେ ଚାଲିଲେ ବୋଲି ସ୍ୱୀକାର କରିବେ।

40 ପୁଣି ଏହି ସମସ୍ତ ଘଟଣା ଘଟିଲା ପରେ, ମୁଁ ସେମାନଙ୍କ ପାପ ସକାଶୁ ସେମାନଙ୍କୁ ଦଣ୍ଡ ଦେଇଅଛି ବୋଲି ସେମାନେ ସ୍ୱୀକାର କରିବେ, ଆଉ ମୁଁ ସେମାନଙ୍କ ପୂର୍ବପୁରୁଷଗଣକୁ ଯେଉଁ ଦେଶ ଦେଇଥିଲି, ସେମାନେ ସେହି ଦେଶରେ ବାସ କରିବେ।

41 ଯେଉଁ ଦିନ ମୁଁ ସେମାନଙ୍କ ଅଧୀନତାର ଦୁର୍ଦ୍ଦଶା ଫେରାଇବି, ସେହି ଦିନ ମୁଁ ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରୁ ଓ ସେମାନଙ୍କ ଚତୁର୍ଦ୍ଦିଗସ୍ଥ ଜାତିମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରୁ ଆପଣାର ଯେଉଁ ଲୋକମାନଙ୍କୁ ଆପଣାର କରିଅଛି, ସେମାନଙ୍କୁ ଆଣିବି; ପୁଣି ମୁଁ ଯାକୁବ ସନ୍ତାନଗଣକୁ ଯେଉଁ ଦେଶ ଦେଇଥିଲି, ସେହି ଦେଶରେ ସେମାନଙ୍କୁ ବସାଇବି; ଆଉ ମୁଁ ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଯିହୋବା ବୋଲି ପରିଚିତ ହେବି।

42 ଯେତେବେଳେ ମୁଁ ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଆପଣାର ପବିତ୍ରତା ପ୍ରକାଶ କରିବି, ସେତେବେଳେ ସେମାନେ ମୁଁ ଯିହୋବା ବୋଲି ଜାଣିବେ।

43 ପୁଣି ସେମାନେ ଆପଣାମାନଙ୍କର ଯେଉଁ ସମସ୍ତ ଆଚରଣ ଦ୍ୱାରା ଓ କ୍ରିୟା ଦ୍ୱାରା ଅଶୁଚି ହୋଇଅଛନ୍ତି, ସେହି ସମସ୍ତ ଆଚରଣ ଦ୍ୱାରା ଓ କ୍ରିୟା ଦ୍ୱାରା ମୁଁ ସେମାନଙ୍କୁ ଉଦ୍ଧାର କରିବି; ଆଉ ମୁଁ ସେମାନଙ୍କ ଅଧର୍ମ ଅନୁସାରେ ସେମାନଙ୍କ ସହିତ ବ୍ୟବହାର କରିବି, ଏଥିରେ ସେମାନେ ମୁଁ ଯିହୋବା ବୋଲି ଜାଣିବେ।

୪୮ ଅଧ୍ୟାୟ

1 ପୁଣି ଏହି ସମସ୍ତ ସେମାନଙ୍କ ଗୋତ୍ର ଅନୁସାରେ ଦାନର ନାମ; ଉତ୍ତର ସୀମାଠାରୁ ହିଥ୍‌ଲୋନ ପଥ ଦେଇ ହମାତ୍‌ର ପ୍ରବେଶ ସ୍ଥାନ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ହତ୍ସର-ଏନନ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଦମ୍ମେସକର ସୀମାସ୍ଥିତ ହମାତ୍‌ର ପାର୍ଶ୍ୱରେ ପୂର୍ବ ଓ ପଶ୍ଚିମ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଦାନର ଏକ ଅଂଶ ହେବ।

Digitized by Google

2 ماهنامه ماهنامه ماهنامه ماهنامه

9 ಯಾರಾದರೂ ಅವರಿಗೆ ಕೇಡು ಮಾಡಬೇಕೆಂದು ಅವರ ಮೇಲೆ ಕೈ ಹಾಕಿದರೆ ಅವರು ಅವರ ಕೈಗಳನ್ನು ಕಟ್ಟಿಹಾಕಿ ಅವರನ್ನು ಸೆರೆಯಲ್ಲಿ ಹಾಕಿಸಿದರು.

10 ಅವರು ಅವರನ್ನು ಅಲ್ಲಿಂದ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಬಂದು ಅವರನ್ನು ಕೊಲ್ಲಿಸಿದರು.

11 ಯೆಹೂದ್ಯರು ಅವರಿಗೆ ಕೇಡು ಮಾಡಬೇಕೆಂದು ಅವರ ಮೇಲೆ ಕೈ ಹಾಕಿದರೆ ಅವರು ಅವರ ಕೈಗಳನ್ನು ಕಟ್ಟಿಹಾಕಿ ಅವರನ್ನು ಸೆರೆಯಲ್ಲಿ ಹಾಕಿಸಿದರು. ಅವರು ಅವರನ್ನು ಅಲ್ಲಿಂದ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಬಂದು ಅವರನ್ನು ಕೊಲ್ಲಿಸಿದರು.

12 ಅವರಿಗೆ ಅವರು ಮಾಡಿದ ಕೆಲಸಗಳಿಗೆ ತಕ್ಕಂತೆ ಅವರು ಅವರಿಗೆ ಮಾಡಿದರು.

13 ಅವರು ಅವರಿಗೆ ಮಾಡಿದ ಕೆಲಸಗಳಿಗೆ ತಕ್ಕಂತೆ ಅವರು ಅವರಿಗೆ ಮಾಡಿದರು.

14 ಯೆಹೂದ್ಯರು ಅವರಿಗೆ ಮಾಡಿದ ಕೆಲಸಗಳಿಗೆ ತಕ್ಕಂತೆ ಅವರು

Digitized by Google

Digitized by Google

21 ... ...

26 ... ...

33 ... (illegible) ...

34 ... (illegible) ...

35 ... (illegible) ...

36 ... (illegible) ...

37 ... (illegible) ...

38 ... (illegible) ...

39 ... (illegible) ...

40 ... (illegible) ...

Digitized by Google

41 ଯିହୋୟାକୀମ୍ ଆପଣା ପିତୃପୁରୁଷମାନଙ୍କ ସହିତ ନିଦ୍ରା ଗଲା, ଆଉ ତାହାର ପୁତ୍ର ଯିହୋୟାଖୀନ୍ ତାହାର ପରିବର୍ତ୍ତେ ରାଜତ୍ୱ କଲା।

42 ଯିହୋୟାକୀମ୍ ରାଜତ୍ୱ କରିବାକୁ ଆରମ୍ଭ କରିବା ସମୟରେ ତାହାର ବୟସ ପଚିଶ ବର୍ଷ ଥିଲା, ଆଉ ସେ ଏଗାର ବର୍ଷ ଯିରୂଶାଲମରେ ରାଜତ୍ୱ କଲା। ତାହାର ମାତାର ନାମ ନିହୁଷ୍ଟା, ସେ ଯିରୂଶାଲମ ନିବାସୀ ଇଲ୍‌ନାଥନ୍‌ର କନ୍ୟା ଥିଲା।

43 ଆଉ ସଦାପ୍ରଭୁ ଯିହୋୟାକୀମ୍‌ର ଦୃଷ୍ଟିରେ ଯାହା ମନ୍ଦ ତାହା କଲା, ତାହାର ପିତୃପୁରୁଷମାନେ ଯେପରି କରିଥିଲେ, ସେ ମଧ୍ୟ ସେପରି କଲା।

44 ସେହି ସମୟରେ ବାବିଲର ରାଜା ନବୂଖଦ୍‌ନିତ୍ସରର ସୈନ୍ୟମାନେ ଯିରୂଶାଲମ ବିରୁଦ୍ଧକୁ ଆସିଲେ, ଆଉ ନଗର ଅବରୋଧ କଲେ। ପୁଣି ନବୂଖଦ୍‌ନିତ୍ସର ନଗର ବିରୁଦ୍ଧରେ ଆସିଲା ସମୟରେ ତାହାର ସୈନ୍ୟମାନେ ନଗରକୁ ଅବରୋଧ କଲେ।

45 ଆଉ ଯିହୋୟାକୀମ୍ ତାହାର ପିତୃପୁରୁଷମାନଙ୍କ ସହିତ ନିଦ୍ରା ଗଲା, ପୁଣି ତାହାର ପୁତ୍ର ଯିହୋୟାଖୀନ୍ ତାହାର ପରିବର୍ତ୍ତେ ରାଜତ୍ୱ କଲା।

46 ଆଉ ମିସରର ରାଜା ତାହାର ଦେଶରୁ ଆଉ ବାହାରି ଆସିଲା ନାହିଁ; କାରଣ ମିସର ନଦୀଠାରୁ ଫରାତ ନଦୀ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ମିସରର ରାଜାର ଯାହା ଯାହା ଥିଲା, ସେ ସମସ୍ତ ବାବିଲର ରାଜା ନବୂଖଦ୍‌ନିତ୍ସର ନେଇଗଲା।

Digitized by Google

47 ଯିହିଷ୍କୀୟ ଆହସର ପୁତ୍ର ଯୋଥମ୍‌ର ପୁତ୍ର ଉଷୀୟର ପୁତ୍ର ମନଃଶିର ପୁତ୍ର ହିଲ୍‌କୀୟର ପୁତ୍ର ଇଲୀୟାକୀମ୍‌ର ପୁତ୍ର ଶିବ୍‌ନାର ପୁତ୍ର ଯିରୂଶାଲମ୍‌ର ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଥିଲା ।

48 ଏହା ପରେ ଯିହିଷ୍କୀୟ ଆପଣା ପିତୃଲୋକମାନଙ୍କ ସହିତ ନିଦ୍ରା ଗଲେ, ଆଉ ଦାଉଦ ନଗରରେ ତାଙ୍କ ପିତୃଲୋକମାନଙ୍କ ସମାଧିସ୍ଥାନରେ ତାଙ୍କୁ କବର ଦିଆଗଲା ।

୨୧ ।

1 ଯିହିଷ୍କୀୟର ପୁତ୍ର ମନଃଶି ଯିରୂଶାଲମ୍‌ରେ ପଞ୍ଚାବନ୍ନ ବର୍ଷ ରାଜତ୍ୱ କଲେ । ସେ ପଞ୍ଚାବନ୍ନ ବର୍ଷ ଯିରୂଶାଲମ୍‌ରେ ରାଜତ୍ୱ କଲେ । ତାଙ୍କ ମାତାଙ୍କ ନାମ ହଫ୍‌ସିବା ଥିଲା । ସେ ଯିହୋୟାଦୀନ୍‌ର ପୁତ୍ର ଯିରୂଶାଲମ୍‌ର ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଥିଲା । ସେ ଆପଣା ପିତୃଲୋକମାନଙ୍କ ସହିତ ନିଦ୍ରା ଗଲେ, ଆଉ ଦାଉଦ ନଗରରେ ତାଙ୍କୁ କବର ଦିଆଗଲା ।

2 ଯେହୋୟାଦୀନ୍‌ର ପୁତ୍ର ମନଃଶି ଯିରୂଶାଲମ୍‌ରେ ପଞ୍ଚାବନ୍ନ ବର୍ଷ ରାଜତ୍ୱ କଲେ । ସେ ପଞ୍ଚାବନ୍ନ ବର୍ଷ ଯିରୂଶାଲମ୍‌ରେ ରାଜତ୍ୱ କଲେ । ତାଙ୍କ ମାତାଙ୍କ ନାମ ହଫ୍‌ସିବା ଥିଲା । ସେ ଯିହୋୟାଦୀନ୍‌ର ପୁତ୍ର ଯିରୂଶାଲମ୍‌ର ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଥିଲା । ସେ ଆପଣା ପିତୃଲୋକମାନଙ୍କ ସହିତ ନିଦ୍ରା ଗଲେ, ଆଉ ଦାଉଦ ନଗରରେ ତାଙ୍କୁ କବର ଦିଆଗଲା ।

3 ଯିହିଷ୍କୀୟ ଯେଉଁ ଯେଉଁ ଉଚ୍ଚସ୍ଥାନ ଭାଙ୍ଗି ପକାଇଥିଲେ, ସେ ସେଗୁଡ଼ିକ ପୁନର୍ବାର ନିର୍ମାଣ କଲେ ।

Digitized by Google

4 ... ...

5 ... ...

6 ... ...

7 ... ...

8 ... ...

9 ... ...

Digitized by Google

10 ...

11 ...

12 ...

13 ...

14 ...

Digitized by Google

15 ...

16 ...

17 ...

18 ...

19 ...

20 ...

Digitized by Google

21 ויקח משה את עצמות יוסף עמו כי השבע השביע את בני ישראל לאמר פקד יפקד אלהים אתכם והעליתם את עצמתי מזה עמכם׃

22 ויסעו מסכות ויחנו באתם בקצה המדבר׃

23 ויהוה הלך לפניהם יומם בעמוד ענן לנחתם הדרך ולילה בעמוד אש להאיר להם ללכת יומם ולילה׃

24 לא ימיש עמוד הענן יומם ועמוד האש לילה לפני העם׃

25 וידבר יהוה אל משה לאמר׃ דבר אל בני ישראל וישבו ויחנו לפני פי החירת בין מגדל ובין הים לפני בעל צפן נכחו תחנו על הים׃

26 ואמרת לפרעה נבכים הם בארץ סגר עליהם המדבר׃ ואמרתי אל לבו ורדף אחריהם ואכבדה בפרעה ובכל חילו וידעו מצרים כי אני יהוה ויעשו כן׃

Digitized by Google

27 ואת כל הכלים הגדולים והקטנים לכלי יי׳ ואת אוצרות בית יי׳ ואת אוצרות המלך ושריו
הכל נשא בבלה׃ 28 ויעלו האש ושרפו את בית יי׳ ואת בית המלך ואת כל בתי ירושלם ואת כל בית
הגדול שרף באש׃ 29 ואת חומות ירושלם סביב נתצו כל חיל כשדים אשר היו עם רב הטבחים׃
29 בשנת שבע ושלשים שנה לגלות יכניה מלך יהודה נשא אויל מרדך מלך בבל בראש
השנה בעשרים וחמשה לחדש את ראש יכניה מלך יהודה ואת ראש כל יהודה ואת ראש כל
ירושלם׃

30 בשנת שלש ועשרים למלך נבוכדנצר מלך בבל גלה נבוזראדן רב טבחים יהודים שבע מאות
ארבעים וחמשה כל נפש ויהיו כל נפש ארבעת אלפים ושש מאות׃

31 ויהי בשנת שבע ושלשים שנה לגלות יכניה מלך יהודה בשנים עשר חדש בעשרים וחמשה
לחדש נשא אויל מרדך מלך בבל בשנת מלכו את ראש יכניה מלך יהודה ויצא אתו מבית הכלא׃
32 וידבר אתו טובות וישת את כסאו מעל כסאות המלכים אשר אתו בבבל׃ 33 וישנא את בגדי
כלאו ואכל לחם לפניו כל ימי חייו׃ 34 וארחתו ארחת תמיד נתן לו מאת המלך שבת ביומו
עד יום מותו כל ימי חייו׃

Digitized by Google

34 ಯಿಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರು ಅವನಿಗೆ ಕೊಟ್ಟ ಪಟ್ಟಣಗಳು: ಯೆಹೂದನ ಮಕ್ಕಳಾದ ಯಾಷೋಬ್ಯಾಮನು, ಕೊರ್ಹಾಮನ ಮಗನಾದ ಯೋವಾಬನು, ಸೆರಹನ ಮಗನಾದ ಎಲ್ಯೋವೇನೈ ಎಂಬವರು.

35 ಮತ್ತು ಯೆಹೂದನ ಮಕ್ಕಳಾದ ಯಾಷೋಬ್ಯಾಮನು, ಕೊರ್ಹಾಮನ ಮಗನಾದ ಯೋವಾಬನು, ಸೆರಹನ ಮಗನಾದ ಎಲ್ಯೋವೇನೈ ಎಂಬವರು.

36 ಮತ್ತು ಯೆಹೂದನ ಮಕ್ಕಳಾದ ಯಾಷೋಬ್ಯಾಮನು, ಕೊರ್ಹಾಮನ ಮಗನಾದ ಯೋವಾಬನು, ಸೆರಹನ ಮಗನಾದ ಎಲ್ಯೋವೇನೈ ಎಂಬವರು.

37 ಯಿಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರು ಅವನಿಗೆ ಕೊಟ್ಟ ಪಟ್ಟಣಗಳು: ಯೆಹೂದನ ಮಕ್ಕಳಾದ ಯಾಷೋಬ್ಯಾಮನು, ಕೊರ್ಹಾಮನ ಮಗನಾದ ಯೋವಾಬನು, ಸೆರಹನ ಮಗನಾದ ಎಲ್ಯೋವೇನೈ ಎಂಬವರು.

38 ಮತ್ತು ಯೆಹೂದನ ಮಕ್ಕಳಾದ ಯಾಷೋಬ್ಯಾಮನು, ಕೊರ್ಹಾಮನ ಮಗನಾದ ಯೋವಾಬನು, ಸೆರಹನ ಮಗನಾದ ಎಲ್ಯೋವೇನೈ ಎಂಬವರು.

39 ಯಿಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರು ಅವನಿಗೆ ಕೊಟ್ಟ ಪಟ್ಟಣಗಳು: ಯೆಹೂದನ ಮಕ್ಕಳಾದ ಯಾಷೋಬ್ಯಾಮನು, ಕೊರ್ಹಾಮನ ಮಗನಾದ ಯೋವಾಬನು, ಸೆರಹನ ಮಗನಾದ ಎಲ್ಯೋವೇನೈ ಎಂಬವರು.

40 ಯಿಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರು ಅವನಿಗೆ ಕೊಟ್ಟ ಪಟ್ಟಣಗಳು: ಯೆಹೂದನ ಮಕ್ಕಳಾದ ಯಾಷೋಬ್ಯಾಮನು, ಕೊರ್ಹಾಮನ ಮಗನಾದ ಯೋವಾಬನು, ಸೆರಹನ ಮಗನಾದ ಎಲ್ಯೋವೇನೈ ಎಂಬವರು.

41 ಮತ್ತು ಯೆಹೂದನ ಮಕ್ಕಳಾದ ಯಾಷೋಬ್ಯಾಮನು, ಕೊರ್ಹಾಮನ ಮಗನಾದ ಯೋವಾಬನು, ಸೆರಹನ ಮಗನಾದ ಎಲ್ಯೋವೇನೈ ಎಂಬವರು.

Digitized by Google

42 ...

43 ...

44 ...

45 ...

46 ...

47 ...

Digitized by Google

ಅಂಗಾರ.

1 ಯೆಹೋವನು ಮೋಶೆಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ್ದೇನಂದರೆ ಅವನು ಜನರ ಬಳಿಗೆ ಹೋಗಿ ಅವರನ್ನು ಇಂದಿನಿಂದ ಮೂರು ದಿವಸಗಳಿಗೆ ಸಿದ್ಧಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕೆಂದು ಹೇಳಿದನು.

2 ಮೂರನೆಯ ದಿವಸದಲ್ಲಿ ಯೆಹೋವನು ಎಲ್ಲಾ ಜನರ ಕಣ್ಣುಗಳ ಮುಂದೆ ಸೀನಾಯಿ ಪರ್ವತದ ಮೇಲೆ ಇಳಿದು ಬರುವನು.

3 ಆಗ ಯೆಹೋವನು ಮೋಶೆಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ನೀನು ಜನರಿಗೆ ಎಚ್ಚರಿಕೆಯಾಗಿರಬೇಕೆಂದು ಹೇಳಿ ಅವರು ಪರ್ವತವನ್ನು ಹತ್ತಬಾರದು ಅದರ ಮೇರೆಯನ್ನು ಮುಟ್ಟಬಾರದು.

4 ಯಾವನಾದರೂ ಪರ್ವತವನ್ನು ಮುಟ್ಟಿದರೆ ಅವನು ಕಲ್ಲೆಸೆತದಿಂದ ಸಾಯಲೇಬೇಕು ಅಥವಾ ಬಾಣದಿಂದ ಹೊಡೆಯಲ್ಪಡಲೇಬೇಕು ಮನುಷ್ಯನಾಗಲಿ ಪಶುವಾಗಲಿ ಅವನು ಬದುಕಿರಬಾರದು ಕೊಂಬು ಊದುವಾಗ ಮಾತ್ರ ಅವರು ಪರ್ವತದ ಹತ್ತಿರ ಬರಬಹುದು.

5 ಆಗ ಮೋಶೆ ಪರ್ವತದಿಂದ ಇಳಿದು ಜನರ ಬಳಿಗೆ ಬಂದು ಅವರನ್ನು ಸಿದ್ಧಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಲು ಹೇಳಿದನು ಅವರು ತಮ್ಮ ವಸ್ತ್ರಗಳನ್ನು ಒಗೆದರು.

6 ಮೂರನೆಯ ದಿವಸ ಬೆಳಿಗ್ಗೆ ಆಯಿತು ಆಗ ಗುಡುಗು ಮಿಂಚು ಪರ್ವತದ ಮೇಲೆ ದಟ್ಟವಾದ ಮೋಡ ಕೊಂಬಿನ ಮಹಾ ಧ್ವನಿ ಇದ್ದವು ಪಾಳೆಯದಲ್ಲಿದ್ದ ಜನರೆಲ್ಲರು ನಡುಗಿದರು.

7 ಆಗ ಮೋಶೆ ಜನರನ್ನು ಪಾಳೆಯದಿಂದ ಹೊರಗೆ ದೇವರ ಸನ್ನಿಧಿಗೆ ಕರೆದನು ಅವರು

Digitized by Google

Digitized by Google

13 ଯିହିଯିଲ ଏମାନଙ୍କୁ ଏହି ସମସ୍ତ କଥା କହିବାର ଦେଖିଲି, ଏପରି ହେଲା ଯେ, ମୁଁ ପଡ଼ିଗଲି ଏବଂ ମୋର ମୁଖ ଭୂମିରେ ପଡ଼ିଲା।

14 ତାପରେ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କର ଆତ୍ମା ମୋତେ ଉଠାଇଲେ ଓ ମୋ ପଛରେ ଏକ ମହା ଶବ୍ଦ ଶୁଣିଲି, ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କର ଗୌରବ ତାଙ୍କ ସ୍ଥାନରୁ ଧନ୍ୟ ହେଉ।

15 ମୁଁ ସେମାନଙ୍କ ନିକଟକୁ ଆସିଲି, ଯେଉଁମାନେ ତେଲ-ଅବୀବ ନିବାସୀ ଥିଲେ, ଯେଉଁମାନେ କିବାର ନଦୀ ନିକଟରେ ବାସ କରୁଥିଲେ, ସେମାନେ ଯେଉଁ ସ୍ଥାନରେ ବାସ କରୁଥିଲେ, ସେଠାରେ ମୁଁ ସାତ ଦିନ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ବସିଲି।

16 ସପ୍ତମ ଦିନରେ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କର ବାକ୍ୟ ମୋ ନିକଟରେ ଉପସ୍ଥିତ ହେଲା, ଏହା କହି ଉପସ୍ଥିତ ହେଲା ଯେ, ହେ ମନୁଷ୍ୟ ସନ୍ତାନ, ମୁଁ ତୁମ୍ଭକୁ ଇସ୍ରାଏଲ ବଂଶର ପ୍ରହରୀ ନିଯୁକ୍ତ କରିଅଛି, ଏଣୁ ତୁମ୍ଭେ ମୋ ମୁଖରୁ ବାକ୍ୟ ଶୁଣି ମୋ ତରଫରୁ ସେମାନଙ୍କୁ ସାବଧାନ କରିବ।

17 ଯେତେବେଳେ ମୁଁ ଦୁଷ୍ଟକୁ କହିବି, ତୁମ୍ଭେ ନିଶ୍ଚୟ ମରିବ, ଆଉ ତୁମ୍ଭେ ତାହାକୁ ସାବଧାନ ନ କରିବ, କିମ୍ବା ତାହାର ଦୁଷ୍ଟ ପଥରୁ ତାହାକୁ ସାବଧାନ କରିବା ପାଇଁ କଥା ନ କହିବ, ତେବେ ସେ ଦୁଷ୍ଟ ତାହାର ଅଧର୍ମ ସକାଶୁ ମରିବ, ମାତ୍ର ତାହାର ରକ୍ତର ଦାୟିତ୍ୱ ମୁଁ ତୁମ୍ଭ ହସ୍ତରେ ଗ୍ରହଣ କରିବି।

18 ଆଉ ତୁମ୍ଭେ ଦୁଷ୍ଟକୁ ସାବଧାନ କଲା ପରେ ସେ ଯଦି ଆପଣା ଦୁଷ୍ଟତାରୁ ଓ ଆପଣା ଦୁଷ୍ଟ ପଥରୁ ନ ଫେରେ, ତେବେ ସେ ଆପଣା ଅଧର୍ମ ସକାଶୁ ମରିବ, ମାତ୍ର ତୁମ୍ଭେ ଆପଣା ପ୍ରାଣ ରକ୍ଷା କରିବ।

19 ଆଉ ଧାର୍ମିକ ଆପଣା ଧର୍ମରୁ ଫେରି ଅଧର୍ମ କରିଲେ ମୁଁ ତାହାର ସମ୍ମୁଖରେ ବିଘ୍ନ ରଖିବି, ତାହା ମରିବ; ତୁମ୍ଭେ ତାହାକୁ ସାବଧାନ କରି ନ ଥିଲେ ସେ ଆପଣା ପାପରେ ମରିବ, ଆଉ ତାହାର ଯେଉଁ ଧର୍ମ ସେ କରିଥିଲା, ତାହା ସ୍ମରଣ କରାଯିବ ନାହିଁ, ମାତ୍ର ତାହାର ରକ୍ତର ଦାୟିତ୍ୱ ମୁଁ ତୁମ୍ଭ ହସ୍ତରେ ଗ୍ରହଣ କରିବି।

20 ତଥାପି ଯେତେବେଳେ ଧାର୍ମିକ ଆପଣା ଧର୍ମରୁ ଫେରି ଅଧର୍ମ କରେ, ଆଉ ମୁଁ ତାହାର ସମ୍ମୁଖରେ ବିଘ୍ନ ରଖେ, ତାହା ମରିବ; ତୁମ୍ଭେ ତାହାକୁ ସାବଧାନ କରି ନ ଥିଲେ ସେ ଆପଣା ପାପରେ ମରିବ, ଆଉ ତାହାର ଯେଉଁ ଧର୍ମ ସେ କରିଥିଲା, ତାହା ସ୍ମରଣ କରାଯିବ ନାହିଁ, ମାତ୍ର ତାହାର ରକ୍ତର ଦାୟିତ୍ୱ ମୁଁ ତୁମ୍ଭ ହସ୍ତରେ ଗ୍ରହଣ କରିବି।

21 ତାପରେ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କର ହସ୍ତ ସେଠାରେ ମୋ ଉପରେ ବର୍ତ୍ତିଲା, ଆଉ ସେ ମୋତେ କହିଲେ, ଉଠ, ତୁମ୍ଭେ ସମତଳ ଭୂମିକୁ ଯାଅ, ସେଠାରେ ମୁଁ ତୁମ୍ଭ ସହିତ କଥା କହିବି।

Digitized by Google

22 ... **23** ... **24** ... **25** ... **26** ...

Digitized by Google

27 ⁊ dixit ad eum: Ego sum Dominus Deus patris tui, Deus Abraham, et Deus Isaac, et Deus Iacob. Noli timere, quia tecum sum ego: benedicam tibi, et multiplicabo semen tuum propter servum meum Abraham.

28 Aedificavit ergo ibi altare, et invocato nomine Domini tetendit ibi tabernaculum. Praecepitque servis suis ut foderent puteum.

29 ⁊ ecce venerunt ad eum de Gerara Abimelech et amicus eius Ochozath et Phicol princeps militiae.

30 Quos ille videns mirabatur, dicens: Quid venistis ad me, quem odistis et expulistis a vobis?

31 At illi dixerunt: Vidimus manifeste Dominum tecum esse, et ideo vocavimus nos ad te, ut ineamus foedus, et pacti simus tecum,

32 ⁊ eiciamus te cum pace, qui benedictus Domini es factus. Fecit ergo eis convivium, et comederunt et biberunt.

33 Et surgentes mane iuraverunt sibi mutuo. ⁊ dimisit eos, et abierunt in pace.

34 Eo die reversus est servus eius, et nuntiavit ei de puteo quem foderat,

Digitized by Google

ספר ירמיה

1 דבר אשר היה אל ירמיה מאת יהוה לאמר: **2** קום וירדת בית היוצר ושם אשמיעך את דברי: **3** וארד בית היוצר והנה הוא עשה מלאכה על האבנים: **4** ושחת הכלי אשר הוא עשה בחמר ביד היוצר ושב ועשה כלי אחר כאשר טוב בעיני היוצר לעשות: **5** ויהי דבר יהוה אלי לאמר: **6** הכמתי לעשות לכם בית ישראל כהיוצר הזה נאם יהוה הנה כחמר ביד היוצר כן אתם בידי בית ישראל: **7** רגע אדבר על גוי ועל ממלכה לנתוש ולנתוץ ולהאבד: **8** ושב הגוי ההוא מרעתו אשר דברתי עליו ונחמתי על הרעה אשר חשבתי לעשות לו: **9** ורגע אדבר על גוי ועל ממלכה לבנות ולנטוע: **10** ועשה הרע בעיני לבלתי שמע בקולי ונחמתי על הטובה אשר אמרתי להיטיב אתו: **11** ועתה אמר נא אל איש יהודה ואל יושבי ירושלם לאמר כה אמר יהוה הנה אנכי יוצר עליכם רעה וחשב עליכם מחשבה שובו נא איש מדרכו הרעה והיטיבו דרכיכם ומעלליכם: **12** ואמרו נואש כי אחרי מחשבתינו נלך ואיש שררות לבו הרע נעשה: **13** לכן כה אמר יהוה שאלו נא בגוים מי שמע כאלה שמעו שמועה נוראה מאד בתולת ישראל: **14** הישבת מצור שדי מקורי אם ינטש מים נכרים זרים ויזובו: **15** כי שכחני עמי לשוא יקטרו ויכשלו בדרכיהם דרכי עולם ללכת נתיבות דרך לא סלולה: **16** לשום ארצם לשמה שרוקת עולם כל עבר עליה ישם ויניע ראשו: **17** כרוח קדים אפיצם לפני אויב עורף ולא פנים אראם ביום אידם: **18** ויאמרו לכו וחשבה עלי ירמיה כי לא תאבד תורה מכהן ועצה מחכם ודבר מנביא לכו ונכתה אתו בלשון ואל נקשיבה אל כל דבריו: **19** הקשיבה אלי יהוה ושמע לקול ריבי: **20** היתשלם תחת טובה רעה כי כרו שוחה לנפשי זכר עמדתי לפניך לדבר עליהם טובה להשיב את חמתך מהם: **21** לכן תן את בניהם לרעב והגירם על ידי חרב ותהיינה נשיהם שכלות ואלמנות ואנשיהם יהיו מומתי מות בחוריהם מוכי חרב במלחמה: **22** תשמע זעקה מבתיהם כי תביא עליהם גדוד פתאם כי כרו שוחה ללכדני ופחים טמנו לרגלי: **23** ואתה יהוה כל עצתם עלי למות אל תכפר ועונם מלפניך אל תמח וגם לפניך יהיו נכשלים בעת אפך עשה בהם:

19 **1** כה אמר יהוה לך וקנית בקבוק יוצר מזקני העם ומזקני הכהנים: **2** וצאת אל גי בן הנם אשר פתח החרסית ואמרת שם את הדברים אשר אדבר אליך: **3** ואמרת שמעו דבר יהוה מלכי יהודה וישבי ירושלם כה אמר יהוה צבאות אלהי ישראל הנני מביא רעה על המקום הזה אשר כל שמעה תצלינה אזניו: **4** יען אשר עזבוני וינכרו את המקום הזה ויקטרו בו לאלהים אחרים אשר לא ידעום המה ואבותיהם ומלכי יהודה וימלאו את המקום הזה דם נקים: **5** ובנו את במות הבעל לשרף את בניהם באש עולות לבעל אשר לא צויתי ולא דברתי ולא עלתה על לבי: **6** לכן הנה ימים באים נאם יהוה ולא יאמר עוד התפת וגי בן הנם כי אם גי הרגה: **7** ובקותי את עצת יהודה וירושלם במקום הזה והפלתים בחרב לפני אויביהם וביד מבקשי נפשם ונתתי את פגריהם מאכל לעוף השמים ולבהמת הארץ: **8** ושמתי את העיר הזאת לשמה ולשרוקה כל עבר עליה ישם ושרק על כל מכותיה: **9** והאכלתים את בשר בניהם ואת בשר בנותיהם ואיש את בשר רעהו יאכלו במצור ובמצוק אשר יציקו להם אויביהם ומבקשי נפשם: **10** ושברת הבקבוק לעיני האנשים ההלכים אתך: **11** ואמרת אליהם כה אמר יהוה צבאות כזאת אשבר את העם הזה ואת העיר הזאת כאשר ישבר כלי היוצר אשר לא יוכל עוד להתרפא ובתפת יקברו מאין מקום לקבור: **12** כה אעשה למקום הזה נאם יהוה ולישביו לתת את העיר הזאת כתפת: **13** והיו בתי ירושלם ובתי מלכי יהודה כמקום התפת הטמאים על כל הבתים אשר קטרו על גגותם לכל צבא השמים ונסכו נסכים לאלהים אחרים: **14** ויבא ירמיה מתפת אשר שלחו יהוה שם להנבא ויעמד בחצר בית יהוה ויאמר אל כל העם: **15** כה אמר יהוה צבאות אלהי ישראל הנני מביא על העיר הזאת ועל כל עריה את כל הרעה אשר דברתי עליה כי הקשו את עורפם מלשמע את דברי:

20 **1** וישמע פשחור בן אמר הכהן והוא פקיד ראש במקדש יהוה את ירמיה מתנבא את הדברים האלה: **2** ויכה פשחור את ירמיה הנביא ויתן אתו אל המהפכת אשר בשער בנימין העליון אשר בבית יהוה: **3** ויהי ממחרת ויוצא פשחור את ירמיה מן המהפכת ויאמר אליו ירמיה לא פשחור קרא יהוה שמך כי אם מגור מסביב: **4** כי כה אמר יהוה הנני נתנך למגור לך ולכל אהביך והפלו בחרב אויביהם ועיניך רואות ואתה את כל יהודה אתן ביד מלך בבל והגלה אתם בבלה והכה בחרב: **5** ונתתי את כל חיל העיר הזאת ואת כל יגיעה ואת כל מגדניה ואת כל אוצרות מלכי יהודה אתן ביד אויביהם ובזזום ולקחום והביאום בבלה: **6** ואתה פשחור וכל יושבי ביתך תלכו בשבי ואל בבל תבוא ושם תמות ושם תקבר אתה וכל אהביך אשר נבאת להם בשקר: **7** פתיתני יהוה ואפתה החזקתני ותוכל נהיתי לשחוק כל היום כלעג לי: **8** כי מדי דברי אזעק חמס ושד אקרא כי היה דבר יהוה לי לחרפה ולקלס כל היום: **9** ואמרתי לא אזכירנו ולא אדבר עוד בשמו והיה בלבבי כאש בערת עצמתי בכלא ונלאיתי כול ולא יכולתי: **10** כי שמעתי דבת רבים מגור מסביב הגידו ונגידנו כל אנשי שלמי שמרי צלעי אולי יפתה ונוכלה לו ונקחה נקמתנו ממנו: **11** ויהוה עמדי כגבור עריץ על כן רדפי יכשלו ולא יכלו בושו מאד כי לא השכילו כלמת עולם אשר לא תשכח: **12** ויהוה צבאות בחן צדיק רואה כליות ולב אראה נקמתך ממנו כי אליך גליתי את ריבי: **13** שירו ליהוה הללו את יהוה כי הציל את נפש אביון מיד מרעים: **14** ארור היום אשר ילדתי בו יום אשר ילדתני אמי אל יהי מבורך: **15** ארור האיש אשר בשר את אבי לאמר ילד לך בן זכר שמח שמחהו: **16** והיה האיש ההוא כערים אשר הפך יהוה ולא נחם ושמע זעקה בבקר ותרועה בעת צהרים: **17** אשר לא המתני מרחם ותהי לי אמי קברי ורחמה עבר הרתה לעולם: **18** למה זה מרחם יצאתי לראות עמל ויגון ויכלו בבשת ימי:

21 **1** הדבר אשר היה אל ירמיה מאת יהוה בשלח אליו המלך צדקיהו את פשחור בן מלכיה ואת צפניה בן מעשיה הכהן לאמר: **2** דרש נא בעדנו את יהוה כי נבוכדראצר מלך בבל נלחם עלינו אולי יעשה יהוה אתנו ככל נפלאותיו ויעל מעלינו: **3** ויאמר ירמיה אליהם כה תאמרון אל צדקיהו: **4** כה אמר יהוה אלהי ישראל הנני סב את כלי המלחמה אשר בידיכם אשר אתם נלחמים בהם את מלך בבל ואת הכשדים הצרים עליכם מחוץ לחומה ואספתים אל תוך העיר הזאת: **5** ונלחמתי אני אתכם ביד נטויה ובזרוע חזקה באף ובחמה ובקצף גדול: **6** והכיתי את יושב העיר הזאת את האדם ואת הבהמה בדבר גדול ימות: **7** ואחרי כן נאם יהוה אתן את צדקיהו מלך יהודה ואת עבדיו ואת העם ואת הנשארים בעיר הזאת מן הדבר מן החרב ומן הרעב ביד נבוכדראצר מלך בבל וביד אויביהם וביד מבקשי נפשם והכם לפי חרב לא יחוס עליהם ולא יחמול ולא ירחם: **8** ואל העם הזה תאמר כה אמר יהוה הנני נתן לפניכם את דרך החיים ואת דרך המות: **9** היושב בעיר הזאת ימות בחרב וברעב ובדבר והיוצא ונפל על הכשדים הצרים עליכם יחיה והיתה לו נפשו לשלל: **10** כי שמתי פני בעיר הזאת לרעה ולא לטובה נאם יהוה ביד מלך בבל תנתן ושרפה באש: **11** ולבית מלך יהודה אמר שמעו דבר יהוה: **12** בית דוד כה אמר יהוה דינו לבקר משפט והצילו גזול מיד עשוק פן תצא כאש חמתי ובערה ואין מכבה מרע מעלליכם: **13** הנני אליך יושבת העמק צור המישר נאם יהוה האמרים מי יחת עלינו ומי יבוא במעונותינו: **14** ופקדתי עליכם כפרי מעלליכם נאם יהוה והצתי אש ביערתה ואכלה כל סביביה:

22 **1** כה אמר יהוה רד בית מלך יהודה ודברת שם את הדבר הזה: **2** ואמרת שמע דבר יהוה מלך יהודה היושב על כסא דוד אתה ועבדיך ועמך הבאים בשערים האלה: **3** כה אמר יהוה עשו משפט וצדקה והצילו גזול מיד עשוק וגר יתום ואלמנה אל תעשקו אל תחמסו וגם דם נקי אל תשפכו במקום הזה: **4** כי אם עשה תעשו את הדבר הזה ובאו בשערי הבית הזה מלכים ישבים לדוד על כסאו רכבים ברכב ובסוסים הוא ועבדיו ועמו: **5** ואם לא תשמעו את הדברים האלה בי נשבעתי נאם יהוה כי לשמה יהיה הבית הזה: **6** כי כה אמר יהוה אל בית מלך יהודה גלעד אתה לי ראש הלבנון אם לא שום אשימך מדבר ערים לא נושבו: **7** וקדשתי עליך מחבלים איש וכליו ברתו ארזיך וכפלו על האש: **8** ועברו גוים רבים על העיר הזאת ואמרו איש אל רעהו על מה עשה יהוה ככה לעיר הגדולה הזאת: **9** ואמרו על אשר עזבו את ברית יהוה אלהיהם וישתחוו לאלהים אחרים ויעבדום: **10** אל תבכו למת ואל תנודו לו בכו בכי להולך כי לא ישוב עוד וראה את ארץ מולדתו: **11** כי כה אמר יהוה על שלם יאשיהו בן יאשיה מלך יהודה המלך תחת יאשיה אביו אשר יצא ממקום הזה לא ישוב עוד שמה: **12** כי במקום אשר הגלוהו שם את אתו ישב ואת הארץ הזאת לא יראה עוד: **13** הוי בונה ביתו בלא צדק ועליותיו בלא משפט ברעהו יעבד חנם ופעלתו לא יתן לו: **14** האמר אבנה לי בית רחבות ועליות מרוחים ופתח לו וסדה בשקוף ומשוח בשבר: **15** הכי תמלך כי אתה מתחרה בארז אביך הלא אכל ושתה ועשה משפט וצדקה אז טוב לו: **16** דן דין עני ואביון אז טוב הלוא היא הדעת אתי נאם יהוה: **17** כי אם לא עיניך ולבך אל בצעך ואל להרג הנקי לעשות עשק ולרצוץ ולעשות רעה: **18** לכן כה אמר יהוה אל יהויקים בן יאשיה מלך יהודה לא יספדו לו הוי אחי והוי אחות לא יספדו לו הוי אדון והוי הודו: **19** קבורת חמור יקבר סחוב והשלך מעבר לשערי ירושלם: **20** עלי הלבנון וצעקי ובבשן תני קולך וזעקי מעברים כי נשברו כל מאהביך: **21** דברתי אליך בהשקט שבתך אמרת לא אשמע זה דרכך מנעוריך כי לא שמעת בקולי: **22** כל רעיך ירעה רוח ואהביך בשבי ילכו כי אז תבושי והכלמת מכל רעתך: **23** יושבת הלבנון מקננת בארזים מה נחנת כחיל לך חבלים כמשבר יולדה: **24** חי אני נאם יהוה כי אם יהיה כניהויכין בן יהויקים מלך יהודה חותם על יד ימיני כי משם אנתקך: **25** ונתתיך ביד מבקשי נפשך וביד אשר אתה יגור מפניהם וביד נבוכדראצר מלך בבל וביד הכשדים: **26** והטלתי אתך ואת אמך אשר ילדתך על השדה אשר לא נולדתם שם ושם תמתו: **27** ואל הארץ אשר המה נשאים את נפשם לשוב שם לא ישובו: **28** הכלי נבזה עצב הזה אם כלי אין חפץ בו על מה הושלכו הוא וזרעו והושלכו אל הארץ אשר לא ידעום: **29** ארץ ארץ ארץ שמעי דבר יהוה: **30** כה אמר יהוה כתבו את האיש הזה ערירי גבר לא יצליח בימיו כי לא יצלח מזרעו איש ישב על כסא דוד ומשל עוד ביהודה:

23 **1** הוי רועים מאבדים ומפיצים את צאן מרעיתי נאם יהוה: **2** לכן כה אמר יהוה אלהי ישראל על הרועים הרעים את עמי אתם הפצתם את צאני ותדחום ולא פקדתם אותם הנני פקד עליכם את רע מעלליכם נאם יהוה: **3** ואני אקבץ את שארית צאני מכל הארצות אשר הדחתי אתם שם והשבתי אתם על נוותם ופרו ורבו: **4** והקמתי עליהם רועים ורעום ולא ייראו עוד ולא יחתו ולא יפקדו נאם יהוה: **5** הנה ימים באים נאם יהוה והקמתי לדוד צמח צדיק ומלך מלך והשכיל ועשה משפט וצדקה בארץ: **6** בימיו תושע יהודה וישראל ישכן לבטח וזה שמו אשר יקראו יהוה צדקנו: **7** לכן הנה ימים באים נאם יהוה ולא יאמרו עוד חי יהוה אשר העלה את בני ישראל מארץ מצרים: **8** כי אם חי יהוה אשר העלה ואשר הביא את זרע בית ישראל מארץ צפון ומכל הארצות אשר הדחתים שם וישבו על אדמתם: **9** לנביאים נשבר לבבי בקרבי רחפו כל עצמותי הייתי כאיש שכור וכגבר עברתו יין מפני יהוה ומפני דברי קדשו: **10** כי מנאפים מלאה הארץ כי מפני אלה אבלה הארץ יבשו נאות מדבר והיתי רעתם ונכוחם לא טוב: **11** כי גם נביא גם כהן חנפו גם בביתי מצאתי רעתם נאם יהוה: **12** לכן יהיה דרכם להם כחלקלקות בערפל יודחו ונפלו בה כי אביא עליהם רעה שנת פקדתם אליהם נאם יהוה: **13** ובנביאי שומרון ראיתי תפלה הנבאו בבעל ויתעו את עמי את ישראל: **14** ובנביאי ירושלם ראיתי שערורה נאף והלך בשקר וחזקו ידי מרעים ולא שבו איש מרעתו היו לי כלם כסדם ויושביה כעמרה: **15** לכן כה אמר יהוה צבאות על הנביאים הנני מאכילם לענה והשקיתים מי ראש כי מאת נביאי ירושלם יצאה חנפה לכל הארץ: **16** כה אמר יהוה צבאות אל תשמעו אל דברי הנביאים הנבאים לכם מהבלים אתכם חזון לבם ידברו לא מפי יהוה: **17** אמרים אמור אמרו לנאצי דבר יהוה שלום יהיה לכם וכל הולך בשרירות לבו אמרו לא תבוא עליכם רעה: **18** כי מי עמד בסוד יהוה וירא וישמע את דברו מי הקשיב דברי וישמע: **19** הנה סערת יהוה חמה יצאה וסער מתחולל על ראש רשעים יחיל: **20** לא ישוב אף יהוה עד עשתו ועד הקימו מזמות לבו באחרית הימים תתבוננו בה בינה: **21** לא שלחתי הנביאים והמה רצו לא דברתי אליהם והמה נבאו: **22** ואם עמדו בסודי וישמיעו דברי את עמי ישיבום מדרכם הרעה ומרע מעלליהם: **23** האלהי מקרב אני נאם יהוה ולא אלהי מרחק: **24** אם יסתר איש במסתרים ואני לא אראנו נאם יהוה הלא את השמים ואת הארץ אני מלא נאם יהוה: **25** שמעתי את אשר אמרו הנביאים הנבאים בשמי שקר לאמר חלמתי חלמתי: **26** עד מתי היש בלב הנביאים נבאי השקר ונביאי תרמות לבם: **27** החשבים להשכיח את עמי את שמי בחלמותם אשר יספרו איש לרעהו כאשר שכחו אבותם את שמי בבעל: **28** הנביא אשר אתו חלום יספר חלום ואשר דברי אתו ידבר דברי אמת מה לתבן את הבר נאם יהוה: **29** הלא כה דברי כאש נאם יהוה וכפטיש יפוצץ סלע: **30** לכן הנני אל הנביאים נאם יהוה הגנבים דברי איש מעל רעהו: **31** הנני אל הנביאים נאם יהוה הלקחים לשונם וינאמו נאם: **32** הנני אל נבאי חלמות שקר נאם יהוה ויספרום ויתעו את עמי בשקריהם ובהתליהם ואנכי לא שלחתים ולא צויתים ולא יעילו לעם הזה כל יעיל נאם יהוה: **33** וכי ישאלך העם הזה או נביא או כהן לאמר מה משא יהוה ואמרת אליהם מה המשא ונטשתי אתכם נאם יהוה: **34** והנביא והכהן והעם אשר יאמר משא יהוה ופקדתי על האיש ההוא ועל ביתו: **35** כה תאמרו איש אל רעהו ואיש אל אחיו מה ענה יהוה ומה דבר יהוה: **36** ומשא יהוה לא תזכרו עוד כי המשא יהיה לאיש דברו ותהפכו את דברי אלהים חיים יהוה צבאות אלהינו: **37** כה תאמר אל הנביא מה ענך יהוה ומה דבר יהוה: **38** ואם משא יהוה תאמרו לכן כה אמר יהוה יען אמרכם את הדבר הזה משא יהוה ואשלח אליכם לאמר לא תאמרו משא יהוה: **39** לכן הנני נשא אשא אתכם ונטשתי אתכם ואת העיר אשר נתתי לכם ולאבותיכם מעל פני: **40** ונתתי עליכם חרפת עולם וכלמת עולם אשר לא תשכח:

24 **1** הראני יהוה והנה שני דודאי תאנים שתים מוצבים לפני היכל יהוה אחרי הגלות נבוכדראצר מלך בבל את יכניה בן יהויקים מלך יהודה ואת השרים ואת החרש והמסגר מירושלם ויבאם בבלה: **2** הדודאי האחד תאנים טובות מאד כתאנים הבכרות והדודאי האחד תאנים רעות מאד אשר לא תאכלנה מרע: **3** ויאמר יהוה אלי מה אתה ראה ירמיה ואמר תאנים התאנים הטובות טובות מאד והרעות רעות מאד אשר לא תאכלנה מרע: **4** ויהי דבר יהוה אלי לאמר: **5** כה אמר יהוה אלהי ישראל כתאנים הטובות האלה כן אכיר את גלות יהודה אשר שלחתי מן המקום הזה ארץ כשדים לטובה: **6** ושמתי עיני עליהם לטובה והשבתים על הארץ הזאת ובניתים ולא אהרוס ונטעתים ולא אתוש: **7** ונתתי להם לב לדעתני כי אני יהוה והיו לי לעם ואני אהיה להם לאלהים כי ישובו אלי בכל לבם: **8** וכתאנים הרעות אשר לא תאכלנה מרע כי כה אמר יהוה כן אתן את צדקיהו מלך יהודה ואת שריו ואת שארית ירושלם הנשארים בארץ הזאת והיושבים בארץ מצרים: **9** ונתתים לזועה לרעה לכל ממלכות הארץ לחרפה ולמשל לשנינה ולאלה בכל המקומות אשר הדחתים שם: **10** ושלחתי בם את החרב את הרעב ואת הדבר עד תמם מעל האדמה אשר נתתי להם ולאבותיהם:

25 **1** הדבר אשר היה על ירמיה על כל העם יהודה בשנת הרבעית ליהויקים בן יאשיה מלך יהודה היא השנה הראשית לנבוכדראצר מלך בבל: **2** אשר דבר ירמיה הנביא על כל העם יהודה ועל כל יושבי ירושלם לאמר: **3** מן שלש עשרה שנה ליאשיה בן אמון מלך יהודה ועד היום הזה זה שלש ועשרים שנה היה דבר יהוה אלי ואדבר אליכם השכם ודבר ואין שמעתם: **4** ושלח יהוה אליכם את כל עבדיו הנביאים השכם ושלח ואין שמעתם ולא הטיתם את אזנכם לשמע: **5** לאמר שובו נא איש מדרכו הרעה ומרע מעלליכם ושבו על האדמה אשר נתן יהוה לכם ולאבותיכם מן העולם ועד העולם: **6** ואל תלכו אחרי אלהים אחרים לעבדם ולהשתחות להם ואל תכעיסוני במעשה ידיכם ולא אעשה לכם רעה: **7** ולא שמעתם אלי נאם יהוה למען הכעיסני במעשה ידיכם לרעתכם: **8** לכן כה אמר יהוה צבאות יען אשר לא שמעתם את דברי: **9** הנני שלח ולקחתי את כל משפחות צפון נאם יהוה ואל נבוכדראצר מלך בבל עבדי והבאתים על הארץ הזאת ועל יושביה ועל כל הגוים האלה סביב והחרמתים ושמתים לשמה ולשרקה ולחרבות עולם: **10** והאבדתי מהם קול ששון וקול שמחה קול חתן וקול כלה קול רחים וקול מאור: **11** והיתה כל הארץ הזאת לחרבה לשמה ועבדו הגוים האלה את מלך בבל שבעים שנה: **12** והיה כמלאת שבעים שנה אפקד על מלך בבל ועל הגוי ההוא נאם יהוה את עונם ועל ארץ כשדים ושמתי אתה לחרבות עולם: **13** והבאתי על הארץ ההוא את כל דברי אשר דברתי עליה את כל הכתוב בספר הזה אשר נבא ירמיה על כל הגוים: **14** כי עבדו בם גם המה גוים רבים ומלכים גדולים ושלמתי להם כפעלם וכמעשה ידיהם: **15** כי כה אמר יהוה אלהי ישראל אלי קח את כוס היין החמה הזה מידי והשקית את כל הגוים אשר אנכי שלח אתך אליהם: **16** ושתו ורגזו והתהללו מפני החרב אשר אנכי שלח בינתם: **17** ואקח את הכוס מיד יהוה ואשקה את כל הגוים אשר שלחני יהוה אליהם: **18** את ירושלם ואת ערי יהודה ואת מלכיה את שריה לתתם חרבה לשמה לשרקה ולאלה כהיום הזה: **19** את פרעה מלך מצרים ואת עבדיו ואת שריו ואת כל עמו: **20** ואת כל הערב ואת כל מלכי ארץ העוץ ואת כל מלכי ארץ פלשתים ואת אשקלון ואת עזה ואת עקרון ושארית אשדוד: **21** את אדום ואת מואב ואת בני עמון: **22** ואת כל מלכי צור ואת כל מלכי צידון ואת מלכי האי אשר מעבר לים: **23** את דדן ואת תימא ואת בוז וכל קצוצי פאה: **24** ואת כל מלכי ערב ואת כל מלכי הערב היושבים במדבר: **25** ואת כל מלכי זמרי ואת כל מלכי עילם ואת כל מלכי מדי: **26** ואת כל מלכי צפון הקרובים והרחוקים איש את אחיו ואת כל ממלכות הארץ אשר על פני האדמה ומלך ששך ישתה אחריהם: **27** ואמרת אליהם כה אמר יהוה צבאות אלהי ישראל שתו ושכרו וקיאו ונפלו ולא תקומו מפני החרב אשר אנכי שלח בינתם: **28** והיה כי מאנו לקחת הכוס מידך לשתות ואמרת אליהם כה אמר יהוה צבאות שתה תשתו: **29** כי הנה בעיר אשר נקרא שמי עליה אני מחל לרעה ואתם הנקה תנקו לא תנקו כי חרב אני קורא על כל יושבי הארץ נאם יהוה צבאות: **30** ואתה תנבא אליהם את כל הדברים האלה ואמרת אליהם יהוה ממרום ישאג וממעון קדשו יתן קולו שאג ישאג על נוהו הידד כדרכים לכל יושבי הארץ: **31** בא בא שאון עד קצה הארץ כי ריב ליהוה עם הגוים הוא נכנס בכל בשר הרשעים נתנם לחרב נאם יהוה: **32** כה אמר יהוה צבאות הנה רעה יוצאת מגוי אל גוי וסערה גדולה תעור מירכתי הארץ: **33** והיו חללי יהוה ביום ההוא מקצה הארץ ועד קצה הארץ לא יספדו ולא יאספו ולא יקברו לדמן על פני האדמה יהיו: **34** הילילו הרועים וזעקו ומרגו אדירי הצאן כי מלאו ימיכם לטבחה ונפוצותיכם ונפלתם ככלי חמדה: **35** ואבד מנוס מן הרועים ופלט מאדירי הצאן: **36** קול זעקת הרועים ויליל אדירי הצאן כי שדד יהוה את מרעיתם: **37** ונדמו נאות השלום מפני חרון אף יהוה: **38** עזב כסכיר סכו כי היתה ארצם לשמה מפני חרון היונה ומפני חרון אפו:

26 **1** בראשית ממלכת יהויקים בן יאשיה מלך יהודה היה הדבר הזה מאת יהוה לאמר: **2** כה אמר יהוה עמד בחצר בית יהוה ודברת אל כל ערי יהודה הבאים להשתחות בבית יהוה את כל הדברים אשר צויתיך לדבר אליהם אל תגרע דבר: **3** אולי ישמעו וישובו איש מדרכו הרעה ונחמתי על הרעה אשר אנכי חשב לעשות להם מפני רע מעלליהם: **4** ואמרת אליהם כה אמר יהוה אם לא תשמעו לי ללכת בתורתי אשר נתתי לפניכם: **5** לשמע אל דברי עבדי הנביאים אשר אנכי שלח אליכם השכם ושלח ולא שמעתם: **6** ונתתי את הבית הזה כשלו והעיר הזאת אתן לקללה לכל גוי הארץ: **7** וישמעו הכהנים והנביאים וכל העם את ירמיה מדבר את הדברים האלה בבית יהוה: **8** ויהי ככלות ירמיה לדבר את כל אשר צוה יהוה לדבר אל כל העם ויתפשו בו הכהנים והנביאים וכל העם לאמר מות תמות: **9** מדוע נבאת בשם יהוה לאמר כשלו כמו שלו והבית הזה כמו שלו והעיר הזאת תהיה חרבה מאין יושב ויקהל כל העם אל ירמיה בבית יהוה: **10** וישמעו שרי יהודה את הדברים האלה ויעלו מבית המלך בית יהוה וישבו בפתח שער יהוה החדש: **11** ויאמרו הכהנים והנביאים אל השרים ואל כל העם לאמר משפט מות לאיש הזה כי נבא אל העיר הזאת כאשר שמעתם באזניכם: **12** ויאמר ירמיה אל כל השרים ואל כל העם לאמר יהוה שלחני לנבא אל הבית הזה ואל העיר הזאת את כל הדברים אשר שמעתם: **13** ועתה היטיבו דרכיכם ומעלליכם ושמעו בקול יהוה אלהיכם ונחם יהוה על הרעה אשר דבר עליכם: **14** ואני הנני בידכם עשו לי כטוב וכישר בעיניכם: **15** אך דעו כי אם מות אתם נתנים עלי כי דם נקי אתם נתנים על עצמכם ועל העיר הזאת ועל יושביה כי באמת שלחני יהוה אליכם לדבר באזניכם את כל הדברים האלה: **16** ויאמרו השרים וכל העם אל הכהנים ואל הנביאים אין למשפט מות לאיש הזה כי בשם יהוה אלהינו דבר אלינו: **17** ויקמו אנשים מזקני הארץ ויאמרו אל כל קהל העם לאמר: **18** מיכיה המורשתי היה נבא בימי חזקיה מלך יהודה ויאמר אל כל עם יהודה לאמר כה אמר יהוה צבאות ציון שדה תחרש וירושלם עיין תהיה והר הבית לבמות יער: **19** ההמת המיתו אתו חזקיה מלך יהודה וכל יהודה הלא יראה את יהוה ויחל את פני יהוה וינחם יהוה על הרעה אשר דבר עליהם ואנחנו עשים רעה גדולה על נפשותינו: **20** וגם איש היה מתנבא בשם יהוה אוריה בן שמעיה מקרית יערים ויתנבא על העיר הזאת ועל הארץ הזאת ככל דברי ירמיה: **21** וישמע יהויקים המלך וכל גבוריו וכל השרים את דבריו ויבקש המלך להמיתו וישמע אוריה וייראו וינס ויבא מצרימה: **22** וישלח יהויקים המלך אנשים מצרימה את אלנתן בן עכבור ואנשים אתו מצרימה: **23** ויוציאו את אוריה ממצרים ויביאו אתו אל יהויקים המלך ויכהו בחרב וישלך את נבלתו אל קברי בני העם: **24** אך יד אחיקם בן שפן היתה את ירמיה לבלתי תת אתו ביד העם להמיתו:

27 **1** בראשית ממלכת יהויקים בן יאשיה מלך יהודה היה הדבר הזה אל ירמיה מאת יהוה לאמר: **2** כה אמר יהוה אלי עשה לך מוסרות ומטות ונתתה על צוארך: **3** ושלחתם אל מלך אדום ואל מלך מואב ואל מלך בני עמון ואל מלך צור ואל מלך צידון ביד מלאכים הבאים ירושלם אל צדקיהו מלך יהודה: **4** וצוית אתם אל אדוניהם לאמר כה אמר יהוה צבאות אלהי ישראל כה תאמרון אל אדוניכם: **5** אנכי עשיתי את הארץ את האדם ואת הבהמה אשר על פני הארץ בכחי הגדול ובזרועי הנטויה ואתן אתה לאשר ישר בעיני: **6** ועתה אנכי נתתי את כל הארצות האלה ביד נבוכדראצר מלך בבל עבדי וגם את חית השדה נתתי לו לעבדו: **7** ועבדו אתו כל הגוים ואת בנו ואת בן בנו עד בוא עת ארצו גם הוא ועבדו בו גוים רבים ומלכים גדולים: **8** והיה הגוי והממלכה אשר לא יעבדו את נבוכדראצר מלך בבל ואשר לא יתן את צוארו בעול מלך בבל הגוי ההוא אפקד נאם יהוה בחרב וברעב ובדבר עד תמי אתם ביד: **9** ואתם אל תשמעו אל נביאיכם ואל קסמיכם ואל חלמותיכם ואל עוניכם ואל כשפיכם האמרים אליכם לאמר לא תעבדו את מלך בבל: **10** כי שקר הם נבאים לכם למען הרחיק אתכם מעל אדמתכם והדחתי אתכם ואבדתם: **11** והגוי אשר יביא את צוארו בעול מלך בבל ועבדו והנחתיו על אדמתו נאם יהוה ועבדה וישב בה: **12** אל צדקיהו מלך יהודה דברתי ככל הדברים האלה לאמר הביאו את צוארכם בעול מלך בבל ועבדו אתו ועמו וחיו: **13** למה תמותו אתה ועמך בחרב ברעב ובדבר כאשר דבר יהוה על הגוי אשר לא יעבד את מלך בבל: **14** ואל תשמעו אל דברי הנביאים האמרים אליכם לאמר לא תעבדו את מלך בבל כי שקר הם נבאים לכם: **15** כי לא שלחתים נאם יהוה ובשמי לשקר נבאים למען הדיחי אתכם ואבדכם אתה והנביאים הנבאים לכם: **16** ואל הכהנים ואל כל העם הזה דברתי לאמר כה אמר יהוה אל תשמעו אל דברי נביאיכם הנבאים לכם לאמר הנה כלי בית יהוה מושבים עתה מבבל שקר הם נבאים לכם: **17** אל תשמעו אליהם עבדו את מלך בבל וחיו למה תהיה העיר הזאת לחרבה: **18** ואם נביאים המה ואם יש דבר יהוה אתם יפגעו נא ביהוה צבאות למען לא יבאו הכלים הנותרים בבית יהוה ובבית מלך יהודה וירושלם בבלה: **19** כי כה אמר יהוה צבאות אל העמודים ואל הים ואל המכונות ואל יתר הכלים הנותרים בעיר הזאת: **20** אשר לא לקח נבוכדראצר מלך בבל בגלתו את יכניה בן יהויקים מלך יהודה מירושלם בבלה ואת כל חרי יהודה וירושלם: **21** כי כה אמר יהוה צבאות אלהי ישראל אל הכלים הנותרים בבית יהוה ובבית מלך יהודה וירושלם: **22** בבלה יובאו ושם יהיו עד יום פקדי אתם נאם יהוה והעלתים והשבתי אתם אל המקום הזה:

28 **1** ויהי בשנה ההוא בראשית ממלכת צדקיהו מלך יהודה בשנה הרביעית בחמשי בחדש השלישי ויאמר אלי חנניה בן עזור הנביא אשר מגבעון בבית יהוה לעיני הכהנים וכל העם לאמר: **2** כה אמר יהוה צבאות אלהי ישראל לאמר שברתי את עול מלך בבל: **3** בתוך שנתים ימים אני משיב אל המקום הזה את כל כלי בית יהוה אשר לקח נבוכדראצר מלך בבל מן המקום הזה והביאם בבלה: **4** ואת יכניה בן יהויקים מלך יהודה ואת כל גולת יהודה הבאים בבלה אני משיב אל המקום הזה נאם יהוה כי אשבר את עול מלך בבל: **5** ויאמר ירמיה הנביא אל חנניה הנביא לעיני הכהנים ולעיני כל העם העמדים בבית יהוה: **6** ויאמר ירמיה הנביא אמן כן יעשה יהוה יקם יהוה את דבריך אשר נבאת להשיב כלי בית יהוה ואת כל הגולה מבבל אל המקום הזה: **7** אך שמע נא הדבר הזה אשר אנכי דבר באזניך ובאזני כל העם: **8** הנביאים אשר היו לפני ולפניך מן העולם ויתנבאו על ארצות רבות ועל ממלכות גדולות למלחמה וברעה ובדבר: **9** הנביא אשר ינבא לשלום בבוא דבר הנביא ידע הנביא אשר שלחו יהוה באמת: **10** ויקח חנניה הנביא את המוטה מעל צואר ירמיה הנביא וישברה: **11** ויאמר חנניה לעיני כל העם לאמר כה אמר יהוה עוד כזאת אשבר את עול נבוכדראצר מלך בבל מעל צואר כל הגוים בתוך שנתים ימים וילך ירמיה הנביא לדרכו: **12** ויהי דבר יהוה אל ירמיה אחרי שבר חנניה הנביא את המוטה מעל צואר ירמיה הנביא לאמר: **13** הלך ואמרת אל חנניה לאמר כה אמר יהוה מוטות עץ שברת ועשית תחתם מוטות ברזל: **14** כי כה אמר יהוה צבאות אלהי ישראל עול ברזל נתתי על צואר כל הגוים האלה לעבד את נבוכדראצר מלך בבל ועבדוהו ואף את חית השדה נתתי לו: **15** ויאמר ירמיה הנביא אל חנניה הנביא שמע נא חנניה לא שלחך יהוה ואתה החבטחת את העם הזה על שקר: **16** לכן כה אמר יהוה הנני משלחך מעל פני האדמה השנה אתה מת כי סרה דברת אל יהוה: **17** וימת חנניה הנביא בשנה ההוא בחדש השביעי:

29 **1** ואלה דברי הספר אשר שלח ירמיה הנביא משארית הזקנים לגולה ואל הכהנים ואל הנביאים ואל כל העם אשר הגלה נבוכדנצר מירושלם בבלה: **2** אחרי צאת יכניה המלך והגבירה הסריסים שרי יהודה וירושלם והחרש והמסגר מירושלם: **3** ביד אלעשה בן שפן וגמריה בן חלקיה אשר שלח צדקיהו מלך יהודה אל נבוכדנצר מלך בבל בבלה לאמר: **4** כה אמר יהוה צבאות אלהי ישראל אל כל הגולה אשר הגליתי מירושלם בבלה: **5** בנו בתים ושבו ונטעו גנות ואכלו את פריהם: **6** קחו נשים והולידו בנים ובנות וקחו לבניכם נשים ואת בנותיכם תנו לאנשים ותלדנה בנים ובנות ורבו שם ואל תמעטו: **7** ודרשו את שלום העיר אשר הגליתי אתכם שמה והתפללו בעדה אל יהוה כי בשלומה יהיה לכם שלום: **8** כי כה אמר יהוה צבאות אלהי ישראל אל ישיאו לכם נביאיכם אשר בקרבכם וקסמיכם ואל תשמעו אל חלמותיכם אשר אתם מחלמים: **9** כי בשקר הם נבאים לכם בשמי לא שלחת

2 ଯିହିଷ୍କୀୟ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବକ୍ତା ଏହି ଦର୍ଶନ ପାଇଲା ଯେ, ଦେଖ, ଯେଉଁ ଦେଶ ବାବିଲ ରାଜାର ହସ୍ତରୁ ଉଦ୍ଧାର ପାଇଲା, ତାହାର ଲୋକମାନେ ଏକ ହୃଦୟ ହୋଇ ଯିରୂଶାଲମକୁ ଫେରି ଆସିଲେ ।

3 ଯିହିଷ୍କୀୟ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବକ୍ତା ଏହି ଦର୍ଶନ ପାଇଲା ଯେ, ସମସ୍ତ ଦେଶୀୟ ଲୋକ ଯିରୂଶାଲମକୁ ଯିବା ପାଇଁ ଏକତ୍ର ହେଲେ, ସେମାନେ ଯିରୂଶାଲମର ଉପାସନା ଗୃହ ନିର୍ମାଣ କଲେ ଓ ଯିହୋବାଙ୍କ ଉପାସନା କଲେ ।

4 ଏହି ଦର୍ଶନ ଯିହିଷ୍କୀୟ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବକ୍ତା ପାଇଲା ଯେ, ସେ ଯିରୂଶାଲମର ଉପାସନା ଗୃହ ନିର୍ମାଣ କଲେ ଓ ଯିହୋବାଙ୍କ ଉପାସନା କଲେ ।

5 ଯିହିଷ୍କୀୟ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବକ୍ତା ଏହି ଦର୍ଶନ ପାଇଲା ଯେ, ସେ ଯିରୂଶାଲମର ଉପାସନା ଗୃହ ନିର୍ମାଣ କଲେ ଓ ଯିହୋବାଙ୍କ ଉପାସନା କଲେ ।

6 ଏହି ଦର୍ଶନ ଯିହିଷ୍କୀୟ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବକ୍ତା ପାଇଲା ଯେ, ସେ ଯିରୂଶାଲମର ଉପାସନା ଗୃହ ନିର୍ମାଣ କଲେ ଓ ଯିହୋବାଙ୍କ ଉପାସନା କଲେ ।

7 ଯିହିଷ୍କୀୟ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବକ୍ତା ଏହି ଦର୍ଶନ ପାଇଲା ଯେ, ସେ ଯିରୂଶାଲମର ଉପାସନା ଗୃହ ନିର୍ମାଣ କଲେ ଓ ଯିହୋବାଙ୍କ ଉପାସନା କଲେ ।

8 ଏହି ଦର୍ଶନ ଯିହିଷ୍କୀୟ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବକ୍ତା ପାଇଲା ଯେ, ସେ ଯିରୂଶାଲମର ଉପାସନା ଗୃହ ନିର୍ମାଣ କଲେ ଓ ଯିହୋବାଙ୍କ ଉପାସନା କଲେ ।

Digitized by Google

9 ויהי כי שמעו כל המלכים אשר בעבר הירדן בהר ובשפלה ובכל חוף הים הגדול מול לבנון החתי והאמרי הכנעני הפרזי החוי והיבוסי ויקבצו יחדו לבוא להלחם עם יהושע ועם ישראל פה אחד׃

10 ויעשו כל יושבי גבעון את השלום הזה ויקחו מלחמה את יהושע ואת ישראל ויבואו אל המחנה אל הגלגל ויאמרו אל יהושע ואל איש ישראל עבדיך אנחנו מארץ רחוקה באו נא ועתה כרתו לנו ברית׃

11 ויאמרו איש ישראל אל החוי אולי בקרבי אתה יושב ואיך אכרת לך ברית׃ ויאמרו אל יהושע עבדיך אנחנו ויאמר יהושע אליהם מי אתם ומאין תבאו׃

12 ויאמרו אליו מארץ רחוקה מאד באו עבדיך בשם יהוה אלהיך כי שמענו שמעו ואת כל אשר עשה במצרים׃

13 ואת כל אשר עשה לשני מלכי האמרי אשר בעבר הירדן לסיחון מלך חשבון ולעוג מלך הבשן אשר בעשתרת׃

14 ויקחו האנשים מצידתם ואת פי יהוה לא שאלו׃

15 ...

16 ...

17 ...

18 ...

19 ...

20 ...

Digitized by Google

Digitized by Google

27 ... ...

ישראל ויהודה זרע אדם וזרע בהמה׃ 28 והיה כאשר שקדתי עליהם לנתוש ולנתץ ולהרוס ולהאביד ולהרע כן אשקד עליהם לבנות ולנטע נאם יהוה׃ 29 בימים ההם לא יאמרו עוד אבות אכלו בוסר ושני הבנים תקהינה׃ 30 כי אם איש במות עונו יאכל הבסר כל האדם אוכל הבוסר תקהינה שניו׃ 31 הנה ימים באים נאם יהוה וכרתי את בית ישראל ואת בית יהודה ברית חדשה׃ 32 לא כברית אשר כרתי את אבותם ביום החזיקי בידם להוציאם מארץ מצרים אשר הפרו את בריתי ואנכי בעלתי בם נאם יהוה׃ 33 כי זאת הברית אשר אכרות את בית ישראל אחרי הימים ההם נאם יהוה נתתי את תורתי בקרבם ועל לבם אכתבנה והייתי להם לאלהים והמה יהיו לי לעם׃ 34 ולא ילמדו עוד איש את רעהו ואיש את אחיו לאמר דעו את יהוה כי כלם ידעו אותי למקטנם ועד גדולם נאם יהוה כי אסלח לעונם ולחטאתם לא אזכר עוד׃

35 כה אמר יהוה נתן שמש לאור יומם חקות ירח וכוכבים לאור לילה רגע הים ויהמו גליו יהוה צבאות שמו׃ 36 אם ימושו החקים האלה מלפני נאם יהוה גם זרע ישראל ישבתו מהיות גוי לפני כל הימים׃ 37 כה אמר יהוה אם ימדו שמים מלמעלה וחקרו מוסדי ארץ למטה גם אנכי אזנח בכל זרע ישראל על כל אשר עשו נאם יהוה׃

Digitized by Google

38 וְהִנֵּה אֲנִי שֹׁלֵחַ אֶת־מַלְאָכִי וְהוּא יְפַנֶּה־דֶּרֶךְ לְפָנָי וּפִתְאֹם יָבוֹא אֶל־הֵיכָלוֹ הָאָדוֹן אֲשֶׁר אַתֶּם מְבַקְשִׁים וּמַלְאַךְ הַבְּרִית אֲשֶׁר אַתֶּם חֲפֵצִים בּוֹ הִנֵּה בָּא אָמַר יְהוָה צְבָאוֹת׃

39 וּמִי יָכִיל אֶת־יוֹם בּוֹאוֹ וּמִי יַעֲמֹד בְּהֵרָאוֹתוֹ כִּי הוּא כְּאֵשׁ מְצָרֵף וּכְבֹרִית מְכַבְּסִים׃ וְיָשַׁב מְצָרֵף וּמְטַהֵר כֶּסֶף וְטִהַר אֶת־בְּנֵי לֵוִי וְזִקַּק אֹתָם כַּזָּהָב וְכַכֶּסֶף וְהָיוּ לַיהוָה מַקְרִיבֵי מִנְחָה בְּצֶדֶק׃

40 וְעָרְבָה לַיהוָה מִנְחַת יְהוּדָה וִירוּשָׁלִָם כִּימֵי עוֹלָם וּכְשָׁנִים קַדְמֹנִיּוֹת׃ וְקָרַבְתִּי אֲלֵיכֶם לְמִשְׁפָּט וְהָיִיתִי עֵד מְמַהֵר בַּמְכַשְּׁפִים וּבַמְנָאֲפִים וּבַנִּשְׁבָּעִים לַשָּׁקֶר וְהַעֹשְׁקִים שְׂכַר שָׂכִיר אַלְמָנָה וְיָתוֹם וְהַמַּטִּים גֵּר מִמִּשְׁפָּטוֹ וְלֹא יָרֵאוּ מִמֶּנִּי אָמַר יְהוָה צְבָאוֹת׃

41 כִּי אֲנִי יְהוָה לֹא שָׁנִיתִי וְאַתֶּם בְּנֵי יַעֲקֹב לֹא כְלִיתֶם׃ וּמִימֵי אֲבוֹתֵיכֶם סַרְתֶּם מֵחֻקַּי וְלֹא שְׁמַרְתֶּם שׁוּבוּ אֵלַי וְאָשׁוּבָה אֲלֵיכֶם אָמַר יְהוָה צְבָאוֹת׃

42 וַאֲמַרְתֶּם בַּמֶּה נָשׁוּב׃ הֲיִקְבַּע אָדָם אֱלֹהִים כִּי אַתֶּם קֹבְעִים אֹתִי וַאֲמַרְתֶּם בַּמֶּה קְבַעֲנָךְ בַּמַּעֲשֵׂר וְהַתְּרוּמָה׃ בַּמָּאֵרָה אַתֶּם נֵאָרִים וְאֹתִי אַתֶּם קֹבְעִים הַגּוֹי כֻּלּוֹ׃ הָבִיאוּ אֶת־כָּל־הַמַּעֲשֵׂר אֶל־בֵּית הָאוֹצָר וְיִהְיֶה־טֶרֶף בְּבֵיתִי וּבְחָנוּנִי נָא בָּזֹאת אָמַר יְהוָה צְבָאוֹת אִם־לֹא אֶפְתַּח לָכֶם אֶת־אֲרֻבּוֹת הַשָּׁמַיִם וַהֲרִיקֹתִי לָכֶם בְּרָכָה עַד־בְּלִי דָי׃

43 וְגָעַרְתִּי לָכֶם בָּאוֹכֵל וְלֹא־יַשְׁחִת לָכֶם אֶת־פְּרִי הָאֲדָמָה וְלֹא־תְשַׁכֵּל הַגֶּפֶן לָכֶם בַּשָּׂדֶה אָמַר יְהוָה צְבָאוֹת׃

44 וְאִשְּׁרוּכֶם כָּל־הַגּוֹיִם כִּי־תִהְיוּ אַתֶּם אֶרֶץ חֵפֶץ אָמַר יְהוָה צְבָאוֹת׃

Digitized by Google

45 וְהִנֵּה אֲנִי מֵבִיא אֶת־עַבְדִּי צֶמַח וְהָיָה כְּמַטָּע לְמַעַן יִהְיוּ לְבֵית־יִשְׂרָאֵל לְשֵׁם לְתִפְאֶרֶת וְלִתְהִלָּה וְלִצְבִי לְכָל־גּוֹיֵי הָאָרֶץ׃

46 וְהָיָה הַנִּשְׁאָר בְּצִיּוֹן וְהַנּוֹתָר בִּירוּשָׁלַיִם קָדוֹשׁ יֵאָמֵר לוֹ כָּל־הַכָּתוּב לְחַיִּים בִּירוּשָׁלָיִם׃

47 בְּיוֹם הַהוּא אֲשֶׁר יָבוֹא אַשּׁוּר בְּאַרְצֵנוּ וְאֲשֶׁר יִדְרֹךְ בְּאַרְמְנוֹתֵינוּ וְהֵקִימוּ עָלָיו שִׁבְעָה רֹעִים וּשְׁמֹנָה נְסִיכֵי אָדָם׃ וְרָעוּ אֶת־אֶרֶץ אַשּׁוּר בֶּחָרֶב וְאֶת־אֶרֶץ נִמְרֹד בְּפִתְחֶיהָ וְהִצִּיל מֵאַשּׁוּר כְּבוֹא בְאַרְצֵנוּ וְכַאֲשֶׁר יִדְרֹךְ בִּגְבוּלֵנוּ׃

48 וְהָיָה שְׁאֵרִית יַעֲקֹב בְּקֶרֶב עַמִּים רַבִּים כְּטַל מֵאֵת יְהוָה כִּרְבִיבִים עֲלֵי־עֵשֶׂב אֲשֶׁר לֹא־יְקַוֶּה לְאִישׁ וְלֹא יְיַחֵל לִבְנֵי אָדָם׃

49 וְהָיָה שְׁאֵרִית יַעֲקֹב בַּגּוֹיִם בְּקֶרֶב עַמִּים רַבִּים כְּאַרְיֵה בְּבֶהֱמוֹת יָעַר כִּכְפִיר בְּעֶדְרֵי צֹאן אֲשֶׁר אִם־עָבַר וְרָמַס וְטָרַף וְאֵין מַצִּיל׃

50 תָּרֹם יָדְךָ עַל־צָרֶיךָ וְכָל־אוֹיְבֶיךָ יִכָּרֵתוּ׃ וְהִכְרִית יְהוָה אֶת־סוּסֶיךָ מִקִּרְבֶּךָ וְהַאֲבִיד מַרְכְּבוֹתֶיךָ׃

Digitized by Google

51 ಯೆಹೂದ್ಯರು ನನಗೆ ಹೊಂಚುಹಾಕಿದಾಗ ನಾನು ಸಮುದ್ರಯಾನ ಮಾಡಲಿದ್ದ ಹಡಗಿಗೆ ಹತ್ತಲು ಅಣಿಯಾಗುತ್ತಿದ್ದೆನು. ಆದರೆ ಮಕೆದೋನ್ಯದ ಮೂಲಕ ಹಿಂತಿರುಗಿ ಹೋಗಲು ನಿರ್ಧರಿಸಿದೆನು.

52 ಆಗ ಅವರಲ್ಲಿ ಸೋಪತ್ರನ ಮಗನಾದ ಪುರುಷನು, ಥೆಸಲೊನೀಕದವರಲ್ಲಿ ಆರಿಸ್ತಾರ್ಕನು ಮತ್ತು ಸೆಕುಂದನು, ದೆರ್ಬೆಯವನಾದ ಗಾಯನು, ತಿಮೊಥೆಯನು, ಆಸ್ಯದವರಾದ ತುಖಿಕ ಮತ್ತು ತ್ರೊಫಿಮ ಎಂಬವರು ಅವನೊಂದಿಗೆ ಹೋಗುತ್ತಿದ್ದರು.

53 ಆಗ ಅವರು ಮುಂದಕ್ಕೆ ಹೋಗಿ ತ್ರೋವದಲ್ಲಿ ನಮಗಾಗಿ ಕಾದಿದ್ದರು. ಅಲ್ಲಿ ನಾವು ಒಂದು ವಾರ ತಂಗಿದೆವು. ಆಗ ಪೌಲನು ಮರುದಿನ ಪ್ರಯಾಣ ಮಾಡಲು ಸಿದ್ಧನಾಗಿದ್ದನು. ಅವನು ರಾತ್ರಿಯವರೆಗೂ ಮಾತನಾಡುತ್ತಲೇ ಇದ್ದನು.

54 ಅಲ್ಲಿ ಅನೇಕ ದೀಪಗಳು ಉರಿಯುತ್ತಿದ್ದ ಮೇಲಂತಸ್ತಿನ ಕೋಣೆಯಲ್ಲಿ ನಾವು ಕೂಡಿಬಂದಿದ್ದೆವು. ಯುತಿಖನೆಂಬ ಯೌವನಸ್ಥನು ಕಿಟಕಿಯ ಮೇಲೆ ಕುಳಿತಿದ್ದನು. ಪೌಲನು ಬಹಳ ಹೊತ್ತು ಮಾತನಾಡಿದನು. ಯುತಿಖನು ಗಾಢನಿದ್ರೆಗೆ ಜಾರಿದನು.

55 ಪೌಲನು ಕೆಳಗಿಳಿದು ಬಂದು ಅವನ ಮೇಲೆ ಬಿದ್ದು ಅವನನ್ನು ತಬ್ಬಿಕೊಂಡನು. ಅವನು ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, "ಚಿಂತೆಪಡಬೇಡಿರಿ. ಇವನು ಜೀವಂತವಾಗಿದ್ದಾನೆ."

56 ಆಗ ಅವರೆಲ್ಲರೂ

Digitized by Google

...

57 ...

58 ...

59 ...

60 ...

61 ...

Digitized by Google

62 ...

63 ...

64 ...

65 ...

66 ...

67 ...

Digitized by Google

68 טוב אתה ומטיב למלמדני חקיך׃ **69** טפלו עלי שקר זדים אני בכל לבב אצר פקודיך׃ **70** טפש כחלב לבם אני תורתך שעשעתי׃

71 טוב לי כי עניתי למען אלמד חקיך׃ **72** טוב לי תורת פיך מאלפי זהב וכסף׃

73 ידיך עשוני ויכוננוני הבינני ואלמדה מצותיך׃ **74** יראיך יראוני וישמחו כי לדברך יחלתי׃ **75** ידעתי יהוה כי צדק משפטיך ואמונה עניתני׃ **76** יהי נא חסדך לנחמני כאמרתך לעבדך׃ **77** יבאוני רחמיך ואחיה כי תורתך שעשעי׃ **78** יבשו זדים כי שקר עותתוני אני אשיח בפקודיך׃ **79** ישובו לי יראיך וידעי עדותיך׃ **80** יהי לבבי תמים בחקיך למען לא אבוש׃

81 כלתה לתשועתך נפשי לדברך יחלתי׃ **82** כלו עיני לאמרתך לאמר מתי תנחמני׃ **83** כי הייתי כנאד בקיטור חקיך לא שכחתי׃ **84** כמה ימי עבדך מתי תעשה ברדפי משפט׃ **85** כרו לי זדים שיחות אשר לא כתורתך׃ **86** כל מצותיך אמונה שקר רדפוני עזרני׃ **87** כמעט כלוני בארץ ואני לא עזבתי פקודיך׃ **88** כחסדך חיני ואשמרה עדות פיך׃

89 לעולם יהוה דברך נצב בשמים׃ **90** לדר ודר אמונתך כוננת ארץ ותעמד׃ **91** למשפטיך עמדו היום כי הכל עבדיך׃ **92** לולי תורתך שעשעי אז אבדתי בעניי׃ **93** לעולם לא אשכח פקודיך כי בם חייתני׃ **94** לך אני הושיעני כי פקודיך דרשתי׃ **95** לי קוו רשעים לאבדני עדותיך אתבונן׃ **96** לכל תכלה ראיתי קץ רחבה מצותך מאד׃

97 מה אהבתי תורתך כל היום היא שיחתי׃ **98** מאיבי תחכמני מצותך כי לעולם היא לי׃ **99** מכל מלמדי השכלתי כי עדותיך שיחה לי׃ **100** מזקנים אתבונן כי פקודיך נצרתי׃ **101** מכל ארח רע כלאתי רגלי למען אשמר דברך׃ **102** מחקיך לא סרתי כי אתה הורתני׃ **103** מה נמלצו לחכי אמרתך מדבש לפי׃ **104** מפקודיך אתבונן על כן שנאתי כל ארח שקר׃

105 נר לרגלי דברך ואור לנתיבתי׃ **106** נשבעתי ואקימה לשמר משפטי צדקך׃ **107** נעניתי עד מאד יהוה חייני כדברך׃ **108** נדבות פי רצה נא יהוה ומשפטיך למדני׃ **109** נפשי בכפי תמיד ותורתך לא שכחתי׃ **110** נתנו רשעים פח לי ומפקודיך לא תעיתי׃ **111** נחלתי עדותיך לעולם כי ששון לבי המה׃ **112** נטיתי לבי לעשות חקיך לעולם עקב׃

113 סעפים שנאתי ותורתך אהבתי׃ **114** סתרי ומגני אתה לדברך יחלתי׃ **115** סורו ממני מרעים ואצרה מצות אלהי׃ **116** סמכני כאמרתך וחיני ואל תבישני משברי׃ **117** סעדני ואושעה ואשעה בחקיך תמיד׃ **118** סלית כל שוגים מחקיך כי שקר תרמיתם׃ **119** סגים כל רשעי ארץ לכן אהבתי עדותיך׃ **120** סמר מפחדך בשרי ומשפטיך יראתי׃

121 עשיתי משפט וצדק בל תניחני לעשקי׃ **122** ערב עבדך לטוב אל יעשקני זדים׃ **123** עיני כלו לישועתך ולאמרת צדקך׃ **124** עשה עם עבדך כחסדך וחקיך למדני׃ **125** עבדך אני הבינני ואדעה עדותיך׃ **126** עת לעשות ליהוה הפרו תורתך׃ **127** על כן אהבתי מצותיך מזהב ומפז׃ **128** על כל פקודי כל ישרתי כל ארח שקר שנאתי׃

129 פלאות עדותיך על כן נצרתם נפשי׃ **130** פתח דבריך יאיר מבין פתיים׃ **131** פי פערתי ואשאפה כי למצותיך יאבתי׃ **132** פנה אלי וחנני כמשפט לאהבי שמך׃ **133** פעמי כוננו באמרתך ואל תשלט בי כל און׃ **134** פדני מעשק אדם ואשמרה פקודיך׃ **135** פניך האר בעבדך ולמדני את חקיך׃ **136** פלגי מים ירדו עיני על לא שמרו תורתך׃

137 צדיק אתה יהוה וישר משפטיך׃ **138** צוית צדק עדותיך ואמונה מאד׃ **139** צמתתני קנאתי כי שכחו דבריך צרי׃ **140** צרופה אמרתך מאד ועבדך אהבה׃ **141** צעיר אנכי ונבזה פקודיך לא שכחתי׃ **142** צדקתך צדק לעולם ותורתך אמת׃ **143** צר ומצוק מצאוני מצותיך שעשעי׃ **144** צדק עדותיך לעולם הבינני ואחיה׃

145 קראתי בכל לב ענני יהוה חקיך אצרה׃ **146** קראתיך הושיעני ואשמרה עדותיך׃ **147** קדמתי בנשף ואשועה לדבריך יחלתי׃ **148** קדמו עיני אשמרות לשיח באמרתך׃ **149** קולי שמע כחסדך יהוה כמשפטיך חייני׃ **150** קרבו רדפי זמה מתורתך רחקו׃ **151** קרוב אתה יהוה וכל מצותיך אמת׃ **152** קדם ידעתי מעדותיך כי לעולם יסדתם׃

153 ראה עניי וחלצני כי תורתך לא שכחתי׃ **154** רבה את ריבי גאלני לאמרתך חיני׃ **155** רחוק מרשעים ישועה כי חקיך לא דרשו׃ **156** רחמיך רבים יהוה כמשפטיך חייני׃ **157** רבים רדפי וצוררי מעדותיך לא נטיתי׃ **158** ראיתי בוגדים ואתקוטטה אשר אמרתך לא שמרו׃ **159** ראה כי פקודיך אהבתי יהוה כחסדך חייני׃ **160** ראש דברך אמת ולעולם כל משפט צדקך׃

161 שרים רדפוני חנם ומדבריך פחד לבי׃ **162** שש אנכי על אמרתך כמוצא שלל רב׃ **163** שקר שנאתי ואתעבה תורתך אהבתי׃ **164** שבע ביום הללתיך על משפטי צדקך׃ **165** שלום רב לאהבי תורתך ואין למו מכשול׃ **166** שברתי לישועתך יהוה ומצותיך עשיתי׃ **167** שמרה נפשי עדותיך ואהבם מאד׃ **168** שמרתי פקודיך ועדותיך כי כל דרכי נגדך׃

169 תקרב רנתי לפניך יהוה כדברך הבינני׃ **170** תבוא תחנתי לפניך כאמרתך הצילני׃ **171** תבענה שפתי תהלה כי תלמדני חקיך׃ **172** תען לשוני אמרתך כי כל מצותיך צדק׃ **173** תהי ידך לעזרני כי פקודיך בחרתי׃ **174** תאבתי לישועתך יהוה ותורתך שעשעי׃ **175** תחי נפשי ותהללך ומשפטיך יעזרוני׃ **176** תעיתי כשה אבד בקש עבדך כי מצותיך לא שכחתי׃

Digitized by Google

3 ... ...

9 ויהי כאשר הרכיבו את המרכבות ויבא יהוא ירעאלה וראתה איזבל ותשם את עיניה בפוך ותיטב את ראשה ותשקף בעד החלון׃

10 ויהי יהוא בא בשער ותאמר שלום הזמרי הורג אדניו׃

11 ויצא אל פתח השער ויאמר הנכון השלום זמרי הורג אדניו׃ ויגד לו ויאמר אל עבדיו הוציאו אתה ויהי מוצאי דמיה על הקיר ועל הסוסים ויבססה׃

12 ויבא ויאכל וישת ויאמר פקדו נא את האורה הארורה הזאת וקברו אתה כי בת מלך היא׃

13 וילכו לקבר אתה ולא מצאו כי אם הגלגלת והרגלים והכפות ידיה׃

14 וישבו ויגידו לו ויאמר דבר יהוה אשר דבר ביד עבדו אליהו התשבי לאמר בחלקת יזרעאל יאכלו הכלבים את בשר איזבל׃ והיתה נבלת איזבל כדמן על פני השדה בחלקת יזרעאל אשר לא יאמרו זאת איזבל׃

15 ויאמרו איה זמרי השלום אדניו ויגד להם ויאמר הנה בעיר ויבקשו ולא מצאו׃

Digitized by Google

16 ...

17 ...

18 ...

19 ...

20 ...

21 ...

22 ...

Digitized by Google

23 ಆ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಆ ಮಾರ್ಗದ ವಿಷಯವಾಗಿ ಬಹಳ ಗಲಿಬಿಲಿಯು ಉಂಟಾಯಿತು. **24** ಏಕೆಂದರೆ ದೇವಿಯಾದ ಅರ್ತೆಮಿಸಳ ಬೆಳ್ಳಿಯ ಗುಡಿಗಳನ್ನು ಮಾಡಿಸಿ ಕುಶಲಕರ್ಮಿಗಳಿಗೆ ಬಹಳ ಲಾಭವನ್ನು ಉಂಟುಮಾಡಿಕೊಡುತ್ತಿದ್ದ ದೇಮೇತ್ರಿಯನೆಂಬ ಒಬ್ಬ ಬೆಳ್ಳಿಯ ಕೆಲಸಗಾರನು ಅವರನ್ನು ಕರೆಯಿಸಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, **25** ಅಯ್ಯಾ, ಈ ಕೆಲಸದಿಂದ ನಮಗೆ ಸಂಪತ್ತು ಬರುತ್ತದೆಂಬದು ನಿಮಗೆ ತಿಳಿದಿದೆ. ಇದಲ್ಲದೆ ಈ ಪೌಲನು ಕೈಗಳಿಂದ ಮಾಡಿದವು ದೇವರುಗಳೇ ಅಲ್ಲವೆಂದು ಹೇಳಿ ಎಫೆಸದಲ್ಲಿ ಮಾತ್ರವಲ್ಲದೆ ಬಹುಮಂದಿಯನ್ನು ಒಪ್ಪಿಸಿ ತಿರುಗಿಸಿಬಿಟ್ಟಿದ್ದಾನೆಂಬದನ್ನು ನೀವು ಕಣ್ಣಾರೆ ಕಂಡು ಕಿವಿಯಾರೆ ಕೇಳಿದ್ದೀರಿ. **26** ಆದಕಾರಣ ಈ ಕೆಲಸವು ನಮಗೆ ಅಪಕೀರ್ತಿಯನ್ನು ತರುವದಲ್ಲದೆ ಮಹಾ ದೇವತೆಯಾದ ಅರ್ತೆಮಿಸಳ ಗುಡಿಯು ಅಲ್ಪವಾಗಿ ಎಣಿಸಲ್ಪಡುವದಕ್ಕೂ ಅವಳ ಮಹತ್ವವು ಲಯವಾಗುವದಕ್ಕೂ ಸಮೀಪವಾಗಿದೆ ಎಂಬದು ಮಾತ್ರವಲ್ಲದೆ ಆಸ್ಯದೇಶದಲ್ಲೆಲ್ಲಾ ಮತ್ತು ಲೋಕದಲ್ಲೆಲ್ಲಾ ಪೂಜಿಸಲ್ಪಡುವ ಅವಳನ್ನು ಇಡೀ ಲೋಕವೇ ಆರಾಧಿಸುವದಕ್ಕೂ ಸಮೀಪವಾಗಿದೆ ಎಂಬದು ಸಹ ನಿಮಗೆ ತಿಳಿದಿದೆ.

27 ಆಗ ಅವರು ಕೋಪಗೊಂಡು ಅರಚಿಕೊಂಡು ಎಫೆಸದವರ ದೇವತೆಯಾದ ಅರ್ತೆಮಿಸಳು ಮಹಾ ದೇವತೆಯಾಗಿದ್ದಾಳೆ ಎಂದು ಕೂಗಿಕೊಂಡರು. **28** ಇದಲ್ಲದೆ ಆ ಪಟ್ಟಣವೆಲ್ಲಾ ಗಲಿಬಿಲಿಯಾಗಿ ಗಾಯನಿಯರಾದ ಗಾಯನಿಯರಾದ ಮಕೆದೋನ್ಯರಾದ ಗಾಯನಿಯರಾದ ಗಾಯನಿಯರಾದ ಗಾಯನಿ

29 ... ...

35 וְהִנֵּה אִישׁ אֶחָד מִבְּנֵי הַנְּבִיאִים אָמַר אֶל־רֵעֵהוּ בִּדְבַר־יְהוָה הַכֵּנִי נָא וַיְמָאֵן הָאִישׁ לְהַכֹּתוֹ׃ **36** וַיֹּאמֶר לוֹ יַעַן אֲשֶׁר לֹא־שָׁמַעְתָּ בְּקוֹל יְהוָה הִנֵּה אַתָּה הֹלֵךְ מֵעִמָּדִי וְהִכָּהוּ אַרְיֵה כִּי יִפְגְּשֶׁנּוּ וַיֵּלֶךְ מֵעִמּוֹ וַיִּפְגְּשֵׁהוּ אַרְיֵה וַיַּכֵּהוּ׃ **37** וַיִּמְצָא אִישׁ אַחֵר וַיֹּאמֶר הַכֵּנִי נָא וַיַּכֵּהוּ הָאִישׁ הַכּוֹ וּפָצוֹעַ׃ **38** וַיֵּלֶךְ הַנָּבִיא וַיַּעֲמֹד לַמֶּלֶךְ עַל־הַדָּרֶךְ וַיִּתְחַפֵּשׂ בְּאֵפֶר עַל־עֵינָיו׃ **39** וַיְהִי כַּעֲבֹר הַמֶּלֶךְ וַיִּצְעַק אֶל־הַמֶּלֶךְ וַיֹּאמֶר עַבְדְּךָ יָצָא בְּתוֹךְ הַמִּלְחָמָה וְהִנֵּה אִישׁ סָר וַיָּבֵא אֵלַי אִישׁ וַיֹּאמֶר שְׁמֹר אֶת־הָאִישׁ הַזֶּה אִם־הִפָּקֹד יִפָּקֵד וְהָיְתָה נַפְשְׁךָ תַּחַת נַפְשׁוֹ אוֹ כִכַּר כֶּסֶף תִּשְׁקוֹל׃

Digitized by Google

40 ומה מלכות מלכים אלו מלכות אחת, ואלו מלכות אחת? אלו מלכות שאין חמה זורחת עליה אלא שעה אחת ביום, ואלו מלכות שחמה זורחת עליה כל היום כולו.

41 ומה אלו מלכות מלכים ואלו מלכות אחת? אלו מלכות שאין חמה זורחת עליה אלא שעה אחת ביום, ואלו מלכות שחמה זורחת עליה כל היום כולו. ומה מלכות מלכים זו מלכות שחמה זורחת עליה כל היום כולו? זו מלכות שאין שמשה שוקעת ממנה.

42 ומה תלמוד לומר: ומלכי הארץ? שהיו מלכים בארץ ולא היו מלכים בים. ומה תלמוד לומר: אשר על הארץ? שהיו מלכים בארץ ולא היו מלכים בים.

43 ומה תלמוד לומר: ומלכי הארץ אשר על הארץ? שהיו מלכים בארץ ולא היו מלכים בים: ומה תלמוד לומר: אשר על הארץ? שהיו מלכים בארץ ולא היו מלכים בים.

44 ומה תלמוד לומר: ויתיצבו? שהיו מתיצבים ועומדים ומה תלמוד לומר: ויתיצבו? שהיו מתיצבים ועומדים ומתייעצים.

45 רבי אומר מלמד שהיו מתיצבים ועומדים ומתייעצים על מלכות מלכים ועל מלכות אחת.

46 ומה תלמוד לומר: ויתיצבו יחדו? שהיו מתיצבים ועומדים ומתייעצים: יחדו, אמרו בואו ונתייעץ עצה על מלכות מלכים ועל מלכות אחת.

47 ומה תלמוד לומר: ויתיצבו יחדו? שהיו מתיצבים ועומדים ומתייעצים

Digitized by Google

48 ...

49 ...

50 ...

51 ...

52 ...

53 ...

Digitized by Google

54 ...

55 ...

56 ...

...

1 ...

2 ...

3 ...

4 ...

Digitized by Google

ده‌ڵێن، هه‌ر ئه‌و ده‌ڵێن: ئه‌وه‌ی ئه‌ی خوا ده‌یکه‌یت ڕاست و دادپه‌روه‌ره‌.

5 ئه‌ی خاوه‌نی ده‌سه‌ڵات و هێز، ئه‌ی خوا، ئه‌وه‌ی ده‌یکه‌یت هه‌موو
ئه‌وانه‌ی ڕزگاریان ده‌بێت ئه‌وه‌نده‌ سه‌رسامت ده‌کات، چونکه‌ هه‌موو
ئه‌وانه‌ی ڕاست و دادپه‌روه‌رن ئه‌وه‌ ده‌بینن که‌ تۆ ده‌یکه‌یت.

6 هه‌موو ئه‌وانه‌ی ڕێز له‌ تۆ ناگرن، هه‌موو ئه‌وانه‌ی ڕێز له‌ ناوی تۆ
ناگرن، ئه‌ی خوا، چونکه‌ تۆ ته‌نها تۆ پیرۆزیت هه‌یه‌. هه‌موو نه‌ته‌وه‌کان
دێن و له‌ به‌رده‌م تۆ ده‌په‌رسن، چونکه‌ ڕاستی تۆ ئاشکرا بووه‌.

7 ئینجا سێیه‌م فریشته‌ فڕێی دا: ئه‌وه‌ی له‌ ئاسمانه‌وه‌ ده‌یبینم
هه‌ڵده‌فڕێت، ئه‌و ئینجیله‌ هه‌تاهه‌تایی له‌ گه‌ڵ خۆیدا هه‌ڵگرتووه‌ بۆ
ئه‌وه‌ی ئه‌و ئینجیله‌ ڕابگه‌یه‌نێت به‌ خه‌ڵکی سه‌ر زه‌وی، به‌ هه‌موو
نه‌ته‌وه‌ و هۆز و زمان و گه‌ل.

8 ئینجا دووه‌م فریشته‌ هاته‌ دوای ئه‌و و فڕێی دا: ڕووخا، ڕووخا
بابلی گه‌وره‌، ئه‌وه‌ی هه‌موو نه‌ته‌وه‌کانی ئاوی ئاره‌زووه‌کانی
ڕابردووی خۆی پێ دان.

9 هه‌ر سێیه‌میان هاته‌ دوای ئه‌وان و به‌ ده‌نگێکی به‌رز فڕێی دا:
ئه‌گه‌ر هه‌ر که‌سێک ئاژه‌ڵه‌ درنده‌که‌ و وێنه‌که‌ی ده‌په‌رستێت و
نیشانه‌که‌ له‌ سه‌ر ناوچاوان یان له‌ سه‌ر ده‌ستی ببێت،

10 ئه‌وا ئه‌ویش له‌ شه‌ڕابی توڕه‌یی خوا ده‌خواته‌وه‌، ئه‌و شه‌ڕابه‌ی
که‌ به‌ هێزی خۆی تێکه‌ڵ کراوه‌ له‌ جامی توڕه‌یی خۆیدا، ئه‌ویش
له‌ ئاگر و گۆگرد ئه‌شکه‌نجه‌ ده‌درێت له‌ به‌رده‌م فریشته‌ پیرۆزه‌کان و
له‌ به‌رده‌م به‌رخه‌که‌دا.

11 هه‌ڵمی ئه‌شکه‌نجه‌دانیان هه‌تاهه‌تایی به‌رز ده‌بێته‌وه‌، ئه‌وانه‌ی
ئاژه‌ڵه‌ درنده‌که‌ و وێنه‌که‌ی ده‌په‌رستن و هه‌ر که‌سێک نیشانه‌ی
ناوی ئه‌و ده‌گرێته‌ خۆی، ئه‌وانه‌ ڕۆژ و شه‌و هیچ ئاسوده‌یی
نابینن.

Digitized by Google

12 ומה תעשו ביום פקדה ומשאה מרחוק תבוא על מי תנוסו לעזרה ואנה תעזבו כבודכם׃ בלתי כרעו תחת אסיר ותחת חללים יפלו בכל זאת לא שב אפו וידו נטויה׃

13 הוי אשור שבט אפי והמטה בידם זעמי׃ אשלחנו אל גוי חנף ועל עם עברתי אצוה לשלל שלל וטרף לבוז לשום אותו למרמס כטיט חוצות׃

14 ולא כן יחשב והלבבו לא כן ידמה כי אם להשמיד והכרית גוים לא מעטים׃

15 כי יאמר הלא כשרי יחדו שרי מלכים׃ אם לא כאשר לקרכמיש חמת אם לא כארפד אם לא כשמרין אם לא כדמשק ידי׃

16 כאשר מצאה ידי ממלכות האלילים ופסיליהם מירושלם ומשמרון׃

17 הכאשר עשיתי לשמרון ולאלילה כן אעשה לירושלם ולאלילה׃ והיה כי יכלה אדני את כל מעשהו בהר ציון וברושלם אפקד על פרי גדל לב מלך אשור ועל תפארת רום עיניו׃

18 כי אמר בכח ידי עשיתי ובחכמתי כי נבנתי ואסיר גבולות עמים ואל אוצרותיהם שסיתי ואוריד כאבירים יושבים׃

Digitized by Google

24 ...

23 ...

22 ...

21 ...

20 ...

19 ...

Digitized by Google

25 ... **26** ... **27** ... **28** ... **29** ... **30** ...

Digitized by Google

31 [illegible]

32 [illegible]

33 [illegible]

34 [illegible]

35 [illegible]

36 [illegible]

37 [illegible]

38 ויהי אחרי הדברים האלה ויאמר האלהים אל אברהם ויאמר אליו אברהם ויאמר הנני׃ ויאמר קח נא את בנך את יחידך אשר אהבת את יצחק ולך לך אל ארץ המריה והעלהו שם לעלה על אחד ההרים אשר אמר אליך׃

39 וישכם אברהם בבקר ויחבש את חמרו ויקח את שני נעריו אתו ואת יצחק בנו ויבקע עצי עלה ויקם וילך אל המקום אשר אמר לו האלהים׃ ביום השלישי וישא אברהם את עיניו וירא את המקום מרחק׃ ויאמר אברהם אל נעריו שבו לכם פה עם החמור ואני והנער נלכה עד כה ונשתחוה ונשובה אליכם׃

40 ויקח אברהם את עצי העלה וישם על יצחק בנו ויקח בידו את האש ואת המאכלת וילכו שניהם יחדו׃

41 ויאמר יצחק אל אברהם אביו ויאמר אבי ויאמר הנני בני ויאמר הנה האש והעצים ואיה השה לעלה׃ ויאמר אברהם אלהים יראה לו השה לעלה בני וילכו שניהם יחדו׃

42 ויבאו אל המקום אשר אמר לו האלהים ויבן שם אברהם את המזבח ויערך את העצים ויעקד את יצחק בנו וישם אתו על המזבח מעל לעצים׃

43 וישלח אברהם את ידו ויקח את המאכלת לשחט את בנו׃ ויקרא אליו מלאך יהוה מן השמים ויאמר אברהם אברהם ויאמר הנני׃

44 ויאמר אל תשלח ידך אל הנער ואל תעש לו מאומה כי עתה

Digitized by Google

45 ... ...

50 ... (illegible) ...

51 ... (illegible) ...

52 ... (illegible) ...

53 ... (illegible) ...

Digitized by Google

ꠀꠀꠀ

(ಸಿ) ಯಾವುದೇ ಸಂಸ್ಥೆಯು ಅಥವಾ ಸಂಸ್ಥೆಗಳ ಗುಂಪು ಅಥವಾ ಸಂಘವು ಅಥವಾ ಸಂಸ್ಥೆಗಳ ಸಂಘವ

19 ויקח את־כל־הרכוש ואת־כל־המקנה אשר־קנו ואת־הרכוש אשר־קנה

18 ויסע מחלקות בני־ישראל על־פי יהוה ויחנו במדבר פארן׃ ויסעו [ויצאו] מן־המדבר סיני ויתאוו בני־ישראל [ויסע

20 וַיִּקַּח מֹשֶׁה אֶת־הַדָּם וַיִּזְרֹק עַל־הָעָם וַיֹּאמֶר הִנֵּה דַם־הַבְּרִית אֲשֶׁר כָּרַת יְהוָה עִמָּכֶם עַל כָּל־הַדְּבָרִים הָאֵלֶּה׃

21 וַיִּזְרֹק אֶת־הַדָּם עַל־הָאֹהֶל וְעַל כָּל־כְּלֵי הַשָּׁרֵת בַּדָּם׃ וַיְכַהֵן אֶת־הָאֹהֶל וְאֶת כָּל־כְּלֵי הַשָּׁרֵת בַּדָּם׃ וְכֹל אֲשֶׁר־הָיָה בְּבֵית הַמִּקְדָּשׁ בַּדָּם׃

22 וַיְטַהֵר מֹשֶׁה אֶת־הָאֹהֶל וְאֶת כָּל־כְּלֵי הַשָּׁרֵת בַּדָּם׃ וַיְכַהֵן אֶת־הָאֹהֶל וְאֶת כָּל־כְּלֵי הַשָּׁרֵת בַּדָּם׃ וְכֹל אֲשֶׁר־הָיָה בְּבֵית הַמִּקְדָּשׁ בַּדָּם׃

23 וַיְטַהֵר מֹשֶׁה אֶת־הָאֹהֶל וְאֶת כָּל־כְּלֵי הַשָּׁרֵת בַּדָּם׃ וַיְכַהֵן אֶת־הָאֹהֶל וְאֶת כָּל־כְּלֵי הַשָּׁרֵת בַּדָּם׃ וְכֹל אֲשֶׁר־הָיָה בְּבֵית הַמִּקְדָּשׁ בַּדָּם׃

24 וַיִּקַּח מֹשֶׁה אֶת־הַדָּם וַיִּזְרֹק עַל־הָעָם וַיֹּאמֶר הִנֵּה דַם־הַבְּרִית אֲשֶׁר כָּרַת יְהוָה עִמָּכֶם עַל כָּל־הַדְּבָרִים הָאֵלֶּה׃

Digitized by Google

25 ىلا ةرجهلا نم دعب ةنس نيرشعو سمخ ىلع ىنتبرخ ىلع ىدي تناكو ، ىلع تلزنو ، ةنيدملا جراخ ىلا ينذخأو ، ةنيدملا ىلا ينتبهذو ، ةنيدملا ىلا ينتبهذو ، ةنيدملا جراخ ىلا ينذخأو ، ىلع تلزن

31 ויקח אהרן את בני משה נדב ואביהוא ואת שבעים איש מזקני ישראל ויעמד אותם סביב לאהל מועד׃ ויתנבאו במחנה ולא יספו׃ **32** ויהי ביום השמיני קרא משה לאהרן ולבניו ולזקני ישראל׃ ויאמר אל אהרן קח לך עגל בן בקר ואיל אחד תמימים והקרב לפני יהוה׃ **33** ואל בני ישראל תדבר לאמר שעיר עזים אחד לחטאת ועגל ואיל כבשים בני שנה תמימים׃ **34** ומנחתם ונסכיהם כמשפט ועשיתם לריח ניחח ליהוה׃ **35** ויעש כן אהרן ויקרב עגל החטאת אשר לו ויכפר בעד עצמו ובעד בני׃ **36** ויקח את שני האנשים אשר לקחו מאת משה׃ ויקרב אהרן ויתן את מנחתם ואת נסכיהם ויקטר על המזבח׃

Digitized by Google

37 ...

38 ...

39 ...

40 ...

41 ...

42 ...

43 ...

Digitized by Google

44 ଯିହିଷ୍କୀୟ ଏହି ସମସ୍ତ ବାକ୍ୟ ଓ ବିଧି ଇସ୍ରାଏଲ-ସନ୍ତାନଗଣଙ୍କୁ ଶିକ୍ଷା ଦେଇଥିଲା ପରେ ସେ ଯିର୍ଦ୍ଦନ ପାରସ୍ଥ ଯିରୀହୋ ନିକଟସ୍ଥ ଇସ୍ରାଏଲ-ସନ୍ତାନଗଣଙ୍କୁ ଏହି ସମସ୍ତ ବାକ୍ୟ କହିଲା, ଯଥା,

45 ଯିହୋବାଙ୍କ ଦାସ ମୋଶା ମିସର ଦେଶରୁ ବାହାରି ଆସିବା ପରେ ଇସ୍ରାଏଲ-ସନ୍ତାନଗଣ ଯେଉଁ ଯେଉଁ ଦେଶ ଅଧିକାର କଲେ, ତାହାର ବିବରଣ ଏହି ପୁସ୍ତକରେ ଲିଖିତ ଅଛି।

46 ଯିହୋବା ମୋଶାଙ୍କୁ ଯେଉଁ ଯେଉଁ ଆଜ୍ଞା ଦେଇଥିଲେ, ତାହା ଇସ୍ରାଏଲ-ସନ୍ତାନଗଣ ଯେଉଁ ଯେଉଁ ଦେଶ ଅଧିକାର କଲେ, ତାହାର ବିବରଣ ଏହି ପୁସ୍ତକରେ ଲିଖିତ ଅଛି। ଏମୋରୀୟମାନଙ୍କ ରାଜା ସୀହୋନ୍ ହିଷ୍‌ବୋନ୍‌ରେ ରାଜତ୍ୱ କରୁଥିଲା, ଆଉ ଅଷ୍ଟାରୋତ୍ ଓ ଇଦ୍ରିୟିରେ ରାଜତ୍ୱ କରୁଥିବା ବାଶନ୍ ରାଜା ଓଗ ଏହି ଦୁଇ ରାଜାଙ୍କୁ ଇସ୍ରାଏଲ-ସନ୍ତାନଗଣ ପରାସ୍ତ କଲେ। ଏମାନେ ଯର୍ଦ୍ଦନ ପାରସ୍ଥ ଅରାବା ଅଞ୍ଚଳରେ ଅର୍ଣ୍ଣୋନ୍ ନଦୀଠାରୁ ହର୍ମୋନ୍ ପର୍ବତ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଓ ପୂର୍ବ ଦିଗସ୍ଥ ସମସ୍ତ ଅରାବା ଅଞ୍ଚଳ ଅଧିକାର କଲେ।

47 ଯିହୋବା ମୋଶାଙ୍କୁ ଯେଉଁ ଯେଉଁ ଆଜ୍ଞା ଦେଇଥିଲେ, ତାହା ଇସ୍ରାଏଲ-ସନ୍ତାନଗଣ ଯେଉଁ ଯେଉଁ ଦେଶ ଅଧିକାର କଲେ, ତାହାର ବିବରଣ ଏହି ପୁସ୍ତକରେ ଲିଖିତ ଅଛି। ଏମୋରୀୟମାନଙ୍କ ରାଜା ସୀହୋନ୍ ହିଷ୍‌ବୋନ୍‌ରେ ରାଜତ୍ୱ କରୁଥିଲା, ଆଉ ଅଷ୍ଟାରୋତ୍ ଓ ଇଦ୍ରିୟିରେ ରାଜତ୍ୱ କରୁଥିବା ବାଶନ୍ ରାଜା ଓଗ ଏହି ଦୁଇ ରାଜାଙ୍କୁ ଇସ୍ରାଏଲ-ସନ୍ତାନଗଣ ପରାସ୍ତ କଲେ। ଏମାନେ ଯର୍ଦ୍ଦନ ପାରସ୍ଥ ଅରାବା ଅଞ୍ଚଳରେ ଅର୍ଣ୍ଣୋନ୍ ନଦୀଠାରୁ ହର୍ମୋନ୍ ପର୍ବତ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଓ ପୂର୍ବ ଦିଗସ୍ଥ ସମସ୍ତ ଅରାବା ଅଞ୍ଚଳ ଅଧିକାର କଲେ।

48 ଯୋବ୍ଦନ ନଦୀ ପାରସ୍ଥ ଯିରୀହୋ ନିକଟସ୍ଥ ଇସ୍ରାଏଲ-ସନ୍ତାନଗଣଙ୍କୁ ଏହି ସମସ୍ତ ବାକ୍ୟ କହିଲା, ଯଥା,

49 ଯିହୋବାଙ୍କ ଦାସ ମୋଶା ମିସର ଦେଶରୁ ବାହାରି ଆସିବା ପରେ ଇସ୍ରାଏଲ-ସନ୍ତାନଗଣ ଯେଉଁ ଯେଉଁ ଦେଶ ଅଧିକାର କଲେ, ତାହାର ବିବରଣ ଏହି ପୁସ୍ତକରେ ଲିଖିତ ଅଛି।

Digitized by Google

50 ... ...

3 ଏବଂ ସେମାନେ ଯେଉଁ ଦେଶରେ ବାସ କରୁଛନ୍ତି, ସେମାନେ ଆପଣା ଆପଣା ଦେଶରେ ଯାକୁବକୁ ଯେଉଁ ଦାସକୁ ଦେଇଥିଲି, ଅର୍ଥାତ୍ ଯେଉଁ ଦେଶରେ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ପିତୃପୁରୁଷମାନେ ବାସ କରୁଥିଲେ, ସେହି ଦେଶରେ ବାସ କରିବେ; ଆଉ ସେମାନେ ଓ ସେମାନଙ୍କର ସନ୍ତାନଗଣ ଓ ସନ୍ତାନଗଣର ସନ୍ତାନଗଣ ସଦାକାଳ ସେଠାରେ ବାସ କରିବେ; ଆଉ ମୋହର ଦାସ ଦାଉଦ ସଦାକାଳ ସେମାନଙ୍କର ଅଧିପତି ହେବ।

4 ପୁଣି ମୁଁ ସେମାନଙ୍କ ସହିତ ଶାନ୍ତିର ନିୟମ ସ୍ଥିର କରିବି; ତାହା ସେମାନଙ୍କ ସହିତ ଚିରସ୍ଥାୟୀ ନିୟମ ହେବ; ପୁଣି ମୁଁ ସେମାନଙ୍କୁ ସ୍ଥାପନ କରିବି ଓ ସେମାନଙ୍କର ବହୁସଂଖ୍ୟକ ଲୋକ କରିବି, ଆଉ ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ମୋହର ପବିତ୍ରସ୍ଥାନ ସଦାକାଳ ସ୍ଥାପନ କରିବି।

5 ଆଉ ମୋହର ନିବାସସ୍ଥାନ ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ରହିବ; ପୁଣି ମୁଁ ସେମାନଙ୍କର ପରମେଶ୍ୱର ହେବି, ଆଉ ସେମାନେ ମୋହର ଲୋକ ହେବେ।

6 ଯିହିସ୍କେଲ ତୁମ୍ଭେ ଯେଉଁ ଦିନ ଯିରୂଶାଲମ ଉପରେ ଶତ୍ରୁମାନଙ୍କର ଆକ୍ରମଣ ଦେଖିବ, ସେହି ଦିନ ତୁମ୍ଭେ ଆପଣା ଆପଣାର ଅସ୍ତ୍ରଶସ୍ତ୍ର ଆଣି

ויאמר אליהו אל אחזיה כה אמר יהוה כי מן המטה אשר עלית שם לא תרד כי מות תמות׃ וילך ויגד להם׃ ויאמרו אליו איש עלה לקראתנו ויאמר אליהם כה תאמרון אל המלך אשר שלח אתכם ודברתם אליו כה אמר יהוה הכי על כי אין אלהים בישראל אתה שלח לדרוש בבעל זבוב אלהי עקרון לכן המטה אשר עלית שם לא תרד כי מות תמות׃

10 ויאמר אליהו אל החמשי ואם איש אלהים אנכי תרד אש מן השמים ותאכל אתך ואת חמשיך ותרד אש מן השמים ותאכל אתו ואת חמשיו׃ **11** וישב עוד וישלח אליו שר חמשים אחר וחמשיו ויען ויאמר אליו איש האלהים כה אמר המלך מהר רד׃ **12** ויען אליהו ויאמר אליהם אם איש אלהים אנכי תרד אש מן השמים ותאכל אתך ואת חמשיך ותרד אש מן השמים ותאכל אתו ואת חמשיו׃

13 וישב וישלח שר חמשים שלישי ויעל שר החמשים השלישי ויבא ויכרע על ברכיו נגד אליהו ויתחנן אליו ויאמר אליו איש האלהים תקר נא נפשי ונפש חמשים עבדיך אלה בעיניך׃ **14** הנה ירדה אש מן השמים באשים שני החמשים הראשונים ואת חמשיהם ועתה תקר נפשי בעיניך׃ ויאמר מלאך יהוה אל אליהו רד אתו אל תירא מפניו ויקם וירד אתו אל המלך׃

Digitized by Google

15 ... ...

21 ಆಗ ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದರು, ಇಗೋ, ಇಂದು ಅವರು ಯೆಹೂದ್ಯರಲ್ಲಿ ಎಷ್ಟು ಸಾವಿರ ಜನರು ವಿಶ್ವಾಸಿಗಳಾಗಿದ್ದಾರೆಂದು ನೀನು ನೋಡುತ್ತೀ; ಅವರೆಲ್ಲರೂ ಧರ್ಮಶಾಸ್ತ್ರದ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಆಸಕ್ತರಾಗಿದ್ದಾರೆ.

22 ಆದರೆ ಅವರು ನಿನ್ನ ವಿಷಯವಾಗಿ ಕೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ನೀನು ಅನ್ಯಜನರಲ್ಲಿರುವ ಯೆಹೂದ್ಯರೆಲ್ಲರಿಗೆ ಮೋಶೆಯನ್ನು ಬಿಟ್ಟುಬಿಡಬೇಕೆಂದು ಬೋಧಿಸುತ್ತೀ; ಅವರ ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಸುನ್ನತಿ ಮಾಡಿಸಬಾರದೆಂದೂ ನಮ್ಮ ಆಚಾರಗಳನ್ನು ಅನುಸರಿಸಬಾರದೆಂದೂ ಹೇಳುತ್ತೀ ಎಂಬದೇ. ಹೀಗಿರಲಾಗಿ ನೀನು ಬಂದಿರುವದು ಹೇಗೆಂದು ಅವರು ಖಂಡಿತವಾಗಿ ತಿಳಿದುಕೊಳ್ಳಬೇಕು; ಏಕೆಂದರೆ ಜನರು ಕೂಡಿಬರುವರು.

23 ಆದಕಾರಣ ನಾವು ನಿನಗೆ ಹೇಳುವದನ್ನು ಮಾಡು; ನಮ್ಮಲ್ಲಿ ನಾಲ್ಕು ಜನ ಪುರುಷರಿದ್ದಾರೆ, ಅವರು ಒಂದು ಹರಕೆಯನ್ನು ಹೊತ್ತಿದ್ದಾರೆ. ನೀನು ಅವರನ್ನು ಕರೆದುಕೊಂಡು ಅವರೊಂದಿಗೆ ಶುದ್ಧಾಚಾರವನ್ನು ಆಚರಿಸಿ ಅವರ ತಲೆಗಳನ್ನು ಬೋಳಿಸುವಂತೆ ಅವರಿಗೆ ಖರ್ಚು ಕೊಡು; ಆಗ ನೀನು ಧರ್ಮಶಾಸ್ತ್ರವನ್ನು ಅನುಸರಿಸಿ ನಡೆಯುತ್ತೀ ಎಂದು ಎಲ್ಲರೂ ತಿಳಿದುಕೊಳ್ಳುವರು.

24 ಆಗ ಆ ಪುರುಷರನ್ನು ಕರೆದುಕೊಂಡು ಅವರೊಂದಿಗೆ ಶುದ್ಧಾಚಾರವನ್ನು ಆಚರಿಸಿ ಅವರಿಗೋಸ್ಕರ ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶಿಸಿ ಅವರ ಹರಕೆಯು ಸಲ್ಲುವ ದಿವಸಗಳನ್ನು ತಿಳಿಸಿದನು.

25 ಆದರೆ ಅನ್ಯಜನರಲ್ಲಿ ವಿಶ್ವಾಸಿಗಳಾದವರ ವಿಷಯವಾಗಿ ನಾವು ಕಾಗದದಲ್ಲಿ ಬರೆದು ತೀರ್ಮಾನಿಸಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಅವರು ವಿಗ್ರಹಗಳಿಗೆ ಅರ್ಪಿಸಿದ ಮಾಂಸವನ್ನೂ ರಕ್ತವನ್ನೂ ಕತ್ತು ಹಿಸುಕಿ ಸತ್ತದ್ದನ್ನೂ ಜಾರತ್ವವನ್ನೂ ವರ್ಜಿಸಬೇಕೆಂಬದೇ.

Digitized by Google

...

1 ...

2 ...

3 ...

4 ...

5 ...

6 ...

Digitized by Google

12 ומנחה ראשונה ומנחה שניה ומנחה שלישית ומנחה רביעית ומנחה חמישית ומנחה ששית ומנחה שביעית ומנחה שמינית ומנחה תשיעית ומנחה עשירית ומנחה אחת עשרה ומנחה שתים עשרה ומנחה שלש עשרה ומנחה ארבע עשרה ומנחה חמש עשרה ומנחה ששה עשר ומנחה שבעה עשר ומנחה שמונה עשר ומנחה תשעה עשר ומנחה עשרים ומנחה עשרים ואחד ומנחה עשרים ושנים ומנחה עשרים ושלשה ומנחה עשרים וארבעה ומנחה עשרים וחמשה ומנחה עשרים וששה ומנחה עשרים ושבעה ומנחה עשרים ושמונה ומנחה עשרים ותשעה ומנחה שלשים ומנחה שלשים ואחד ומנחה שלשים ושנים ומנחה שלשים ושלשה ומנחה שלשים וארבעה ומנחה שלשים וחמשה ומנחה שלשים וששה ומנחה שלשים ושבעה ומנחה שלשים ושמונה ומנחה שלשים ותשעה ומנחה ארבעים ומנחה ארבעים ואחד ומנחה ארבעים ושנים ומנחה ארבעים ושלשה ומנחה ארבעים וארבעה ומנחה ארבעים וחמשה ומנחה ארבעים וששה ומנחה ארבעים ושבעה ומנחה ארבעים ושמונה ומנחה ארבעים ותשעה ומנחה חמשים ומנחה חמשים ואחד ומנחה חמשים ושנים ומנחה חמשים ושלשה ומנחה חמשים וארבעה ומנחה חמשים וחמשה ומנחה חמשים וששה ומנחה חמשים ושבעה ומנחה חמשים ושמונה ומנחה חמשים ותשעה ומנחה ששים ומנחה ששים ואחד ומנחה ששים ושנים ומנחה ששים ושלשה ומנחה ששים וארבעה ומנחה ששים וחמשה ומנחה ששים וששה ומנחה ששים ושבעה ומנחה ששים ושמונה ומנחה ששים ותשעה ומנחה שבעים ומנחה שבעים ואחד ומנחה שבעים ושנים ומנחה שבעים ושלשה ומנחה שבעים וארבעה ומנחה שבעים וחמשה ומנחה שבעים וששה ומנחה שבעים ושבעה ומנחה שבעים ושמונה ומנחה שבעים ותשעה ומנחה שמונים ומנחה שמונים ואחד ומנחה שמונים ושנים ומנחה שמונים ושלשה ומנחה שמונים וארבעה ומנחה שמונים וחמשה ומנחה שמונים וששה ומנחה שמונים ושבעה ומנחה שמונים ושמונה ומנחה שמונים ותשעה ומנחה תשעים ומנחה תשעים ואחד ומנחה תשעים ושנים ומנחה תשעים ושלשה ומנחה תשעים וארבעה ומנחה תשעים וחמשה ומנחה תשעים וששה ומנחה תשעים ושבעה ומנחה תשעים ושמונה ומנחה תשעים ותשעה ומנחה מאה ומנחה מאה ואחד ומנחה מאה ושנים ומנחה מאה ושלשה ומנחה מאה וארבעה ומנחה מאה וחמשה ומנחה מאה וששה ומנחה מאה ושבעה ומנחה מאה ושמונה ומנחה מאה ותשעה ומנחה מאתים ומנחה מאתים ואחד ומנחה מאתים ושנים ומנחה מאתים ושלשה ומנחה מאתים וארבעה ומנחה מאתים וחמשה ומנחה מאתים וששה ומנחה מאתים ושבעה ומנחה מאתים ושמונה ומנחה מאתים ותשעה ומנחה שלש מאות ומנחה שלש מאות ואחד ומנחה שלש מאות ושנים ומנחה שלש מאות ושלשה ומנחה שלש מאות וארבעה ומנחה שלש מאות וחמשה ומנחה שלש מאות וששה ומנחה שלש מאות ושבעה ומנחה שלש מאות ושמונה ומנחה שלש מאות ותשעה ומנחה ארבע מאות ומנחה ארבע מאות ואחד ומנחה ארבע מאות ושנים ומנחה ארבע מאות ושלשה ומנחה ארבע מאות וארבעה ומנחה ארבע מאות וחמשה ומנחה ארבע מאות וששה ומנחה ארבע מאות ושבעה ומנחה ארבע מאות ושמונה ומנחה ארבע מאות ותשעה ומנחה חמש מאות ומנחה חמש מאות ואחד ומנחה חמש מאות ושנים ומנחה חמש מאות ושלשה ומנחה חמש מאות וארבעה ומנחה חמש מאות וחמשה ומנחה חמש מאות וששה ומנחה חמש מאות ושבעה ומנחה חמש מאות ושמונה ומנחה חמש מאות ותשעה ומנחה ששה מאות ומנחה ששה מאות ואחד ומנחה ששה מאות ושנים ומנחה ששה מאות ושלשה ומנחה ששה מאות וארבעה ומנחה ששה מאות וחמשה ומנחה ששה מאות וששה ומנחה ששה מאות ושבעה ומנחה ששה מאות ושמונה ומנחה ששה מאות ותשעה ומנחה שבע מאות ומנחה שבע מאות ואחד ומנחה שבע מאות ושנים ומנחה שבע מאות ושלשה ומנחה שבע מאות וארבעה ומנחה שבע מאות וחמשה ומנחה שבע מאות וששה ומנחה שבע מאות ושבעה ומנחה שבע מאות ושמונה ומנחה שבע מאות ותשעה ומנחה שמונה מאות ומנחה שמונה מאות ואחד ומנחה שמונה מאות ושנים ומנחה שמונה מאות ושלשה ומנחה שמונה מאות וארבעה ומנחה שמונה מאות וחמשה ומנחה שמונה מאות וששה ומנחה שמונה מאות ושבעה ומנחה שמונה מאות ושמונה ומנחה שמונה מאות ותשעה ומנחה תשע מאות ומנחה תשע מאות ואחד ומנחה תשע מאות ושנים ומנחה תשע מאות ושלשה ומנחה תשע מאות וארבעה ומנחה תשע מאות וחמשה ומנחה תשע מאות וששה ומנחה תשע מאות ושבעה ומנחה תשע מאות ושמונה ומנחה תשע מאות ותשעה ומנחה אלף ומנחה אלף ואחד ומנחה אלף ושנים ומנחה אלף ושלשה ומנחה אלף וארבעה ומנחה אלף וחמשה ומנחה אלף וששה ומנחה אלף ושבעה ומנחה אלף ושמונה ומנחה אלף ותשעה ומנחה אלפים ומנחה אלפים ואחד ומנחה אלפים ושנים ומנחה אלפים ושלשה ומנחה אלפים וארבעה ומנחה אלפים וחמשה ומנחה אלפים וששה ומנחה אלפים ושבעה ומנחה אלפים ושמונה ומנחה אלפים ותשעה ומנחה שלשת אלפים ומנחה שלשת אלפים ואחד ומנחה שלשת אלפים ושנים ומנחה שלשת אלפים ושלשה ומנחה שלשת אלפים וארבעה ומנחה שלשת אלפים וחמשה ומנחה שלשת אלפים וששה ומנחה שלשת אלפים ושבעה ומנחה שלשת אלפים ושמונה ומנחה שלשת אלפים ותשעה ומנחה ארבעת אלפים ומנחה ארבעת אלפים ואחד ומנחה ארבעת אלפים ושנים ומנחה ארבעת אלפים ושלשה ומנחה ארבעת אלפים וארבעה ומנחה ארבעת אלפים וחמשה ומנחה ארבעת אלפים וששה ומנחה ארבעת אלפים ושבעה ומנחה ארבעת אלפים ושמונה ומנחה ארבעת אלפים ותשעה ומנחה חמשת אלפים ומנחה חמשת אלפים ואחד ומנחה חמשת אלפים ושנים ומנחה חמשת אלפים ושלשה ומנחה חמשת אלפים וארבעה ומנחה חמשת אלפים וחמשה ומנחה חמשת אלפים וששה ומנחה חמשת אלפים ושבעה ומנחה חמשת אלפים ושמונה ומנחה חמשת אלפים ותשעה ומנחה ששת אלפים ומנחה ששת אלפים ואחד ומנחה ששת אלפים ושנים ומנחה ששת אלפים ושלשה ומנחה ששת אלפים וארבעה ומנחה ששת אלפים וחמשה ומנחה ששת אלפים וששה ומנחה ששת אלפים ושבעה ומנחה ששת אלפים ושמונה ומנחה ששת אלפים ותשעה ומנחה שבעת אלפים ומנחה שבעת אלפים ואחד ומנחה שבעת אלפים ושנים ומנחה שבעת אלפים ושלשה ומנחה שבעת אלפים וארבעה ומנחה שבעת אלפים וחמשה ומנחה שבעת אלפים וששה ומנחה שבעת אלפים ושבעה ומנחה שבעת אלפים ושמונה ומנחה שבעת אלפים ותשעה ומנחה שמונת אלפים ומנחה שמונת אלפים ואחד ומנחה שמונת אלפים ושנים ומנחה שמונת אלפים ושלשה ומנחה שמונת אלפים וארבעה ומנחה שמונת אלפים וחמשה ומנחה שמונת אלפים וששה ומנחה שמונת אלפים ושבעה ומנחה שמונת אלפים ושמונה ומנחה שמונת אלפים ותשעה ומנחה תשעת אלפים ומנחה תשעת אלפים ואחד ומנחה תשעת אלפים ושנים ומנחה תשעת אלפים ושלשה ומנחה תשעת אלפים וארבעה ומנחה תשעת אלפים וחמשה ומנחה תשעת אלפים וששה ומנחה תשעת אלפים ושבעה ומנחה תשעת אלפים ושמונה ומנחה תשעת אלפים ותשעה ומנחה עשרת אלפים ומנחה עשרת אלפים ואחד ומנחה עשרת אלפים ושנים ומנחה עשרת אלפים ושלשה ומנחה עשרת אלפים וארבעה ומנחה עשרת אלפים וחמשה ומנחה עשרת אלפים וששה ומנחה עשרת אלפים ושבעה ומנחה עשרת אלפים ושמונה ומנחה עשרת אלפים ותשעה ומנחה עשרים אלף ומנחה עשרים אלף ואחד ומנחה עשרים אלף ושנים ומנחה עשרים אלף ושלשה ומנחה עשרים אלף וארבעה ומנחה עשרים אלף וחמשה ומנחה עשרים אלף וששה ומנחה עשרים אלף ושבעה ומנחה עשרים אלף ושמונה ומנחה עשרים אלף ותשעה ומנחה שלשים אלף ומנחה שלשים אלף ואחד ומנחה שלשים אלף ושנים ומנחה שלשים אלף ושלשה ומנחה שלשים אלף וארבעה ומנחה שלשים אלף וחמשה ומנחה שלשים אלף וששה ומנחה שלשים אלף ושבעה ומנחה שלשים אלף ושמונה ומנחה שלשים אלף ותשעה ומנחה ארבעים אלף ומנחה ארבעים אלף ואחד ומנחה ארבעים אלף ושנים ומנחה ארבעים אלף ושלשה ומנחה ארבעים אלף וארבעה ומנחה ארבעים אלף וחמשה ומנחה ארבעים אלף וששה ומנחה ארבעים אלף ושבעה ומנחה ארבעים אלף ושמונה ומנחה ארבעים אלף ותשעה ומנחה חמשים אלף ומנחה חמשים אלף ואחד ומנחה חמשים אלף ושנים ומנחה חמשים אלף ושלשה ומנחה חמשים אלף וארבעה ומנחה חמשים אלף וחמשה ומנחה חמשים אלף וששה ומנחה חמשים אלף ושבעה ומנחה חמשים אלף ושמונה ומנחה חמשים אלף ותשעה ומנחה ששים אלף ומנחה ששים אלף ואחד ומנחה ששים אלף ושנים ומנחה ששים אלף ושלשה ומנחה ששים אלף וארבעה ומנחה ששים אלף וחמשה ומנחה ששים אלף וששה ומנחה ששים אלף ושבעה ומנחה ששים אלף ושמונה ומנחה ששים אלף ותשעה ומנחה שבעים אלף ומנחה שבעים אלף ואחד ומנחה שבעים אלף ושנים ומנחה שבעים אלף ושלשה ומנחה שבעים אלף וארבעה ומנחה שבעים אלף וחמשה ומנחה שבעים אלף וששה ומנחה שבעים אלף ושבעה ומנחה שבעים אלף ושמונה ומנחה שבעים אלף ותשעה ומנחה שמונים אלף ומנחה שמונים אלף ואחד ומנחה שמונים אלף ושנים ומנחה שמונים אלף ושלשה ומנחה שמונים אלף וארבעה ומנחה שמונים אלף וחמשה ומנחה שמונים אלף וששה ומנחה שמונים אלף ושבעה ומנחה שמונים אלף ושמונה ומנחה שמונים אלף ותשעה ומנחה תשעים אלף ומנחה תשעים אלף ואחד ומנחה תשעים אלף ושנים ומנחה תשעים אלף ושלשה ומנחה תשעים אלף וארבעה ומנחה תשעים אלף וחמשה ומנחה תשעים אלף וששה ומנחה תשעים אלף ושבעה ומנחה תשעים אלף ושמונה ומנחה תשעים אלף ותשעה ומנחה מאה אלף ומנחה מאה אלף ואחד ומנחה מאה אלף ושנים ומנחה מאה אלף ושלשה ומנחה מאה אלף וארבעה ומנחה מאה אלף וחמשה ומנחה מאה אלף וששה ומנחה מאה אלף ושבעה ומנחה מאה אלף ושמונה ומנחה מאה אלף ותשעה ומנחה מאתים אלף ומנחה מאתים אלף ואחד ומנחה מאתים אלף ושנים ומנחה מאתים אלף ושלשה ומנחה מאתים אלף וארבעה ומנחה מאתים אלף וחמשה ומנחה מאתים אלף וששה ומנחה מאתים אלף ושבעה ומנחה מאתים אלף ושמונה ומנחה מאתים אלף ותשעה ומנחה שלש מאות אלף ומנחה שלש מאות אלף ואחד ומנחה שלש מאות אלף ושנים ומנחה שלש מאות אלף ושלשה ומנחה שלש מאות אלף וארבעה ומנחה שלש מאות אלף וחמשה ומנחה שלש מאות אלף וששה ומנחה שלש מאות אלף ושבעה ומנחה שלש מאות אלף ושמונה ומנחה שלש מאות אלף ותשעה ומנחה ארבע מאות אלף ומנחה ארבע מאות אלף ואחד ומנחה ארבע מאות אלף ושנים ומנחה ארבע מאות אלף ושלשה ומנחה ארבע מאות אלף וארבעה ומנחה ארבע מאות אלף וחמשה ומנחה ארבע מאות אלף וששה ומנחה ארבע מאות אלף ושבעה ומנחה ארבע מאות אלף ושמונה ומנחה ארבע מאות אלף ותשעה ומנחה חמש מאות אלף ומנחה חמש מאות אלף ואחד ומנחה חמש מאות אלף ושנים ומנחה חמש מאות אלף ושלשה ומנחה חמש מאות אלף וארבעה ומנחה חמש מאות אלף וחמשה ומנחה חמש מאות אלף וששה ומנחה חמש מאות אלף ושבעה ומנחה חמש מאות אלף ושמונה ומנחה חמש מאות אלף ותשעה ומנחה ששה מאות אלף ומנחה ששה מאות אלף ואחד ומנחה ששה מאות אלף ושנים ומנחה ששה מאות אלף ושלשה ומנחה ששה מאות אלף וארבעה ומנחה ששה מאות אלף וחמשה ומנחה ששה מאות אלף וששה ומנחה ששה מאות אלף ושבעה ומנחה ששה מאות אלף ושמונה ומנחה ששה מאות אלף ותשעה ומנחה שבע מאות אלף ומנחה שבע מאות אלף ואחד ומנחה שבע מאות אלף ושנים ומנחה שבע מאות אלף ושלשה ומנחה שבע מאות אלף וארבעה ומנחה שבע מאות אלף וחמשה ומנחה שבע מאות אלף וששה ומנחה שבע מאות אלף ושבעה ומנחה שבע מאות אלף ושמונה ומנחה שבע מאות אלף ותשעה ומנחה שמונה מאות אלף ומנחה שמונה מאות אלף ואחד ומנחה שמונה מאות אלף ושנים ומנחה שמונה מאות אלף ושלשה ומנחה שמונה מאות אלף וארבעה ומנחה שמונה מאות אלף וחמשה ומנחה שמונה מאות אלף וששה ומנחה שמונה מאות אלף ושבעה ומנחה שמונה מאות אלף ושמונה ומנחה שמונה מאות אלף ותשעה ומנחה תשע מאות אלף ומנחה תשע מאות אלף ואחד ומנחה תשע מאות אלף ושנים ומנחה תשע מאות אלף ושלשה ומנחה תשע מאות אלף וארבעה ומנחה תשע מאות אלף וחמשה ומנחה תשע מאות אלף וששה ומנחה תשע מאות אלף ושבעה ומנחה תשע מאות אלף ושמונה ומנחה תשע מאות אלף ותשעה ומנחה מיליון ומנחה מיליון ואחד ומנחה מיליון ושנים ומנחה מיליון ושלשה ומנחה מיליון וארבעה ומנחה מיליון וחמשה ומנחה מיליון וששה ומנחה מיליון ושבעה ומנחה מיליון ושמונה ומנחה מיליון ותשעה ומנחה שני מיליון ומנחה שני מיליון ואחד ומנחה שני מיליון ושנים ומנחה שני מיליון ושלשה ומנחה שני מיליון וארבעה ומנחה שני מיליון וחמשה ומנחה שני מיליון וששה ומנחה שני מיליון ושבעה ומנחה שני מיליון ושמונה ומנחה שני מיליון ותשעה ומנחה שלשה מיליון ומנחה שלשה מיליון ואחד ומנחה שלשה מיליון ושנים ומנחה שלשה מיליון ושלשה ומנחה שלשה מיליון וארבעה ומנחה שלשה מיליון וחמשה ומנחה שלשה מיליון וששה ומנחה שלשה מיליון ושבעה ומנחה שלשה מיליון ושמונה ומנחה שלשה מיליון ותשעה ומנחה ארבעה מיליון ומנחה ארבעה מיליון ואחד ומנחה ארבעה מיליון ושנים ומנחה ארבעה מיליון ושלשה ומנחה ארבעה מיליון וארבעה ומנחה ארבעה מיליון וחמשה ומנחה ארבעה מיליון וששה ומנחה ארבעה מיליון ושבעה ומנחה ארבעה מיליון ושמונה ומנחה ארבעה מיליון ותשעה ומנחה חמשה מיליון ומנחה חמשה מיליון ואחד ומנחה חמשה מיליון ושנים ומנחה חמשה מיליון ושלשה ומנחה חמשה מיליון וארבעה ומנחה חמשה מיליון וחמשה ומנחה חמשה מיליון וששה ומנחה חמשה מיליון ושבעה ומנחה חמשה מיליון ושמונה ומנחה חמשה מיליון ותשעה ומנחה ששה מיליון ומנחה ששה מיליון ואחד ומנחה ששה מיליון ושנים ומנחה ששה מיליון ושלשה ומנחה ששה מיליון וארבעה ומנחה ששה מיליון וחמשה ומנחה ששה מיליון וששה ומנחה ששה מיליון ושבעה ומנחה ששה מיליון ושמונה ומנחה ששה מיליון ותשעה ומנחה שבעה מיליון ומנחה שבעה מיליון ואחד ומנחה שבעה מיליון ושנים ומנחה שבעה מיליון ושלשה ומנחה שבעה מיליון וארבעה ומנחה שבעה מיליון וחמשה ומנחה שבעה מיליון וששה ומנחה שבעה מיליון ושבעה ומנחה שבעה מיליון ושמונה ומנחה שבעה מיליון ותשעה ומנחה שמונה מיליון ומנחה שמונה מיליון ואחד ומנחה שמונה מיליון ושנים ומנחה שמונה מיליון ושלשה ומנחה שמונה מיליון וארבעה ומנחה שמונה מיליון וחמשה ומנחה שמונה מיליון וששה ומנחה שמונה מיליון ושבעה ומנחה שמונה מיליון ושמונה ומנחה שמונה מיליון ותשעה ומנחה תשעה מיליון ומנחה תשעה מיליון ואחד ומנחה תשעה מיליון ושנים ומנחה תשעה מיליון ושלשה ומנחה תשעה מיליון וארבעה ומנחה תשעה מיליון וחמשה ומנחה תשעה מיליון וששה ומנחה תשעה מיליון ושבעה ומנחה תשעה מיליון ושמונה ומנחה תשעה מיליון ותשעה ומנחה עשרה מיליון ומנחה עשרה מיליון ואחד ומנחה עשרה מיליון ושנים ומנחה עשרה מיליון ושלשה ומנחה עשרה מיליון וארבעה ומנחה עשרה מיליון וחמשה ומנחה עשרה מיליון וששה ומנחה עשרה מיליון ושבעה ומנחה עשרה מיליון ושמונה ומנחה עשרה מיליון ותשעה ומנחה עשרים מיליון ומנחה עשרים מיליון ואחד ומנחה עשרים מיליון ושנים ומנחה עשרים מיליון ושלשה ומנחה עשרים מיליון וארבעה ומנחה עשרים מיליון וחמשה ומנחה עשרים מיליון וששה ומנחה עשרים מיליון ושבעה ומנחה עשרים מיליון ושמונה ומנחה עשרים מיליון ותשעה ומנחה שלשים מיליון ומנחה שלשים מיליון ואחד ומנחה שלשים מיליון ושנים ומנחה שלשים מיליון ושלשה ומנחה שלשים מיליון וארבעה ומנחה שלשים מיליון וחמשה ומנחה שלשים מיליון וששה ומנחה שלשים מיליון ושבעה ומנחה שלשים מיליון ושמונה ומנחה שלשים מיליון ותשעה ומנחה ארבעים מיליון ומנחה ארבעים מיליון ואחד ומנחה ארבעים מיליון ושנים ומנחה ארבעים מיליון ושלשה ומנחה ארבעים מיליון וארבעה ומנחה ארבעים מיליון וחמשה ומנחה ארבעים מיליון וששה ומנחה ארבעים מיליון ושבעה ומנחה ארבעים מיליון ושמונה ומנחה ארבעים מיליון ותשעה ומנחה חמשים מיליון ומנחה חמשים מיליון ואחד ומנחה חמשים מיליון ושנים ומנחה חמשים מיליון ושלשה ומנחה חמשים מיליון וארבעה ומנחה חמשים מיליון וחמשה ומנחה חמשים מיליון וששה ומנחה חמשים מיליון ושבעה ומנחה חמשים מיליון ושמונה ומנחה חמשים מיליון ותשעה ומנחה ששים מיליון ומנחה ששים מיליון ואחד ומנחה ששים מיליון ושנים ומנחה ששים מיליון ושלשה ומנחה ששים מיליון וארבעה ומנחה ששים מיליון וחמשה ומנחה ששים מיליון וששה ומנחה ששים מיליון ושבעה ומנחה ששים מיליון ושמונה ומנחה ששים מיליון ותשעה ומנחה שבעים מיליון ומנחה שבעים מיליון ואחד ומנחה שבעים מיליון ושנים ומנחה שבעים מיליון ושלשה ומנחה שבעים מיליון וארבעה ומנחה שבעים מיליון וחמשה ומנחה שבעים מיליון וששה ומנחה שבעים מיליון ושבעה ומנחה שבעים מיליון ושמונה ומנחה שבעים מיליון ותשעה ומנחה שמונים מיליון ומנחה שמונים מיליון ואחד ומנחה שמונים מיליון ושנים ומנחה שמונים מיליון ושלשה ומנחה שמונים מיליון וארבעה ומנחה שמונים מיליון וחמשה ומנחה שמונים מיליון וששה ומנחה שמונים מיליון ושבעה ומנחה שמונים מיליון ושמונה ומנחה שמונים מיליון ותשעה ומנחה תשעים מיליון ומנחה תשעים מיליון ואחד ומנחה תשעים מיליון ושנים ומנחה תשעים מיליון ושלשה ומנחה תשעים מיליון וארבעה ומנחה תשעים מיליון וחמשה ומנחה תשעים מיליון וששה ומנחה תשעים מיליון ושבעה ומנחה תשעים מיליון ושמונה ומנחה תשעים מיליון ותשעה ומנחה מאה מיליון ומנחה מאה מיליון ואחד ומנחה מאה מיליון ושנים ומנחה מאה מיליון ושלשה ומנחה מאה מיליון וארבעה ומנחה מאה מיליון וחמשה ומנחה מאה מיליון וששה ומנחה מאה מיליון ושבעה ומנחה מאה מיליון ושמונה ומנחה מאה מיליון ותשעה ומנחה מאתים מיליון ומנחה מאתים מיליון ואחד ומנחה מאתים מיליון ושנים ומנחה מאתים מיליון ושלשה ומנחה מאתים מיליון וארבעה ומנחה מאתים מיליון וחמשה ומנחה מאתים מיליון וששה ומנחה מאתים מיליון ושבעה ומנחה מאתים מיליון ושמונה ומנחה מאתים מיליון ותשעה ומנחה שלש מאות מיליון ומנחה שלש מאות מיליון ואחד ומנחה שלש מאות מיליון ושנים ומנחה שלש מאות מיליון ושלשה ומנחה שלש מאות מיליון וארבעה ומנחה שלש מאות מיליון וחמשה ומנחה שלש מאות מיליון וששה ומנחה שלש מאות מיליון ושבעה ומנחה שלש מאות מיליון ושמונה ומנחה שלש מאות מיליון ותשעה ומנחה ארבע מאות מיליון ומנחה ארבע מאות מיליון ואחד ומנחה ארבע מאות מיליון ושנים ומנחה ארבע מאות מיליון ושלשה ומנחה ארבע מאות מיליון וארבעה ומנחה ארבע מאות מיליון וחמשה ומנחה ארבע מאות מיליון וששה ומנחה ארבע מאות מיליון ושבעה ומנחה ארבע מאות מיליון ושמונה ומנחה ארבע מאות מיליון ותשעה ומנחה חמש מאות מיליון ומנחה חמש מאות מיליון ואחד ומנחה חמש מאות מיליון ושנים ומנחה חמש מאות מיליון ושלשה ומנחה חמש מאות מיליון וארבעה ומנחה חמש מאות מיליון וחמשה ומנחה חמש מאות מיליון וששה ומנחה חמש מאות מיליון ושבעה ומנחה חמש מאות מיליון ושמונה ומנחה חמש מאות מיליון ותשעה ומנחה ששה מאות מיליון ומנחה ששה מאות מיליון ואחד ומנחה ששה מאות מיליון ושנים ומנחה ששה מאות מיליון ושלשה ומנחה ששה מאות מיליון וארבעה ומנחה ששה מאות מיליון וחמשה ומנחה ששה מאות מיליון וששה ומנחה ששה מאות מיליון ושבעה ומנחה ששה מאות מיליון ושמונה ומנחה ששה מאות מיליון ותשעה ומנחה שבע מאות מיליון ומנחה שבע מאות מיליון ואחד ומנחה שבע מאות מיליון ושנים ומנחה שבע מאות מיליון ושלשה ומנחה שבע מאות מיליון וארבעה ומנחה שבע מאות מיליון וחמשה ומנחה שבע מאות מיליון וששה ומנחה שבע מאות מיליון ושבעה ומנחה שבע מאות מיליון ושמונה ומנחה שבע מאות מיליון ותשעה ומנחה שמונה מאות מיליון ומנחה שמונה מאות מיליון ואחד ומנחה שמונה מאות מיליון ושנים ומנחה שמונה מאות מיליון ושלשה ומנחה שמונה מאות מיליון וארבעה ומנחה שמונה מאות מיליון וחמשה ומנחה שמונה מאות מיליון וששה ומנחה שמונה מאות מיליון ושבעה ומנחה שמונה מאות מיליון ושמונה ומנחה שמונה מאות מיליון ותשעה ומנחה תשע מאות מיליון ומנחה תשע מאות מיליון ואחד ומנחה תשע מאות מיליון ושנים ומנחה תשע מאות מיליון ושלשה ומנחה תשע מאות מיליון וארבעה ומנחה תשע מאות מיליון וחמשה ומנחה תשע מאות מיליון וששה ומנחה תשע מאות מיליון ושבעה ומנחה תשע מאות מיליון ושמונה ומנחה תשע מאות מיליון ותשעה ומנחה מיליארד ומנחה מיליארד ואחד ומנחה מיליארד ושנים ומנחה מיליארד ושלשה ומנחה מיליארד וארבעה ומנחה מיליארד וחמשה ומנחה מיליארד וששה ומנחה מיליארד ושבעה ומנחה מיליארד ושמונה ומנחה מיליארד ותשעה ומנחה שני מיליארד ומנחה שני מיליארד ואחד ומנחה שני מיליארד ושנים ומנחה שני מיליארד ושלשה ומנחה שני מיליארד וארבעה ומנחה שני מיליארד וחמשה ומנחה שני מיליארד וששה ומנחה שני מיליארד ושבעה ומנחה שני מיליארד ושמונה ומנחה שני מיליארד ותשעה ומנחה שלשה מיליארד ומנחה שלשה מיליארד ואחד ומנחה שלשה מיליארד ושנים ומנחה שלשה מיליארד ושלשה ומנחה שלשה מיליארד וארבעה ומנחה שלשה מיליארד וחמשה ומנחה שלשה מיליארד וששה ומנחה שלשה מיליארד ושבעה ומנחה שלשה מיליארד ושמונה ומנחה שלשה מיליארד ותשעה ומנחה ארבעה מיליארד ומנחה ארבעה מיליארד ואחד ומנחה ארבעה מיליארד ושנים ומנחה ארבעה מיליארד ושלשה ומנחה ארבעה מיליארד וארבעה ומנחה ארבעה מיליארד וחמשה ומנחה ארבעה מיליארד וששה ומנחה ארבעה מיליארד ושבעה ומנחה ארבעה מיליארד ושמונה ומנחה ארבעה מיליארד ותשעה ומנחה חמשה מיליארד ומנחה חמשה מיליארד ואחד ומנחה חמשה מיליארד ושנים ומנחה חמשה מיליארד ושלשה ומנחה חמשה מיליארד וארבעה ומנחה חמשה מיליארד וחמשה ומנחה חמשה מיליארד וששה ומנחה חמשה מיליארד ושבעה ומנחה חמשה מיליארד ושמונה ומנחה חמשה מיליארד ותשעה ומנחה ששה מיליארד ומנחה ששה מיליארד ואחד ומנחה ששה מיליארד ושנים ומנחה ששה מיליארד ושלשה ומנחה ששה מיליארד וארבעה ומנחה ששה מיליארד וחמשה ומנחה ששה מיליארד וששה ומנחה ששה מיליארד ושבעה ומנחה ששה מיליארד ושמונה ומנחה ששה מיליארד ותשעה ומנחה שבעה מיליארד ומנחה שבעה מיליארד ואחד ומנחה שבעה מיליארד ושנים ומנחה שבעה מיליארד ושלשה ומנחה שבעה מיליארד וארבעה ומנחה שבעה מיליארד וחמשה ומנחה שבעה מיליארד וששה ומנחה שבעה מיליארד ושבעה ומנחה שבעה מיליארד ושמונה ומנחה שבעה מיליארד ותשעה ומנחה שמונה מיליארד ומנחה שמונה מיליארד ואחד ומנחה שמונה מיליארד ושנים ומנחה שמונה מיליארד ושלשה ומנחה שמונה מיליארד וארבעה ומנחה שמונה מיליארד וחמשה ומנחה שמונה מיליארד וששה ומנחה שמונה מיליארד ושבעה ומנחה שמונה מיליארד ושמונה ומנחה שמונה מיליארד ותשעה ומנחה תשעה מיליארד ומנחה תשעה מיליארד ואחד ומנחה תשעה מיליארד ושנים ומנחה תשעה מיליארד ושלשה ומנחה תשעה מיליארד וארבעה ומנחה תשעה מיליארד וחמשה ומנחה תשעה מיליארד וששה ומנחה תשעה מיליארד ושבעה ומנחה תשעה מיליארד ושמונה ומנחה תשעה מיליארד ותשעה ומנחה עשרה מיליארד ומנחה עשרה מיליארד ואחד ומנחה עשרה מיליארד ושנים ומנחה עשרה מיליארד ושלשה ומנחה עשרה מיליארד וארבעה ומנחה עשרה מיליארד וחמשה ומנחה עשרה מיליארד וששה ומנחה עשרה מיליארד ושבעה ומנחה עשרה מיליארד ושמונה ומנחה עשרה מיליארד ותשעה ומנחה עשרים מיליארד ומנחה עשרים מיליארד ואחד ומנחה עשרים מיליארד ושנים ומנחה עשרים מיליארד ושלשה ומנחה עשרים מיליארד וארבעה ומנחה עשרים מיליארד וחמשה ומנחה עשרים מיליארד וששה ומנחה עשרים מיליארד ושבעה ומנחה עשרים מיליארד ושמונה ומנחה עשרים מיליארד ותשעה ומנחה שלשים מיליארד ומנחה שלשים מיליארד ואחד ומנחה שלשים מיליארד ושנים ומנחה שלשים מיליארד ושלשה ומנחה שלשים מיליארד וארבעה ומנחה שלשים מיליארד וחמשה ומנחה שלשים מיליארד וששה ומנחה שלשים מיליארד ושבעה ומנחה שלשים מיליארד ושמונה ומנחה שלשים מיליארד ותשעה ומנחה ארבעים מיליארד ומנחה ארבעים מיליארד ואחד ומנחה ארבעים מיליארד ושנים ומנחה ארבעים מיליארד ושלשה ומנחה ארבעים מיליארד וארבעה ומנחה ארבעים מיליארד וחמשה ומנחה ארבעים מיליארד וששה ומנחה ארבעים מיליארד ושבעה ומנחה ארבעים מיליארד ושמונה ומנחה ארבעים מיליארד ותשעה ומנחה חמשים מיליארד ומנחה חמשים מיליארד ואחד ומנחה חמשים מיליארד ושנים ומנחה חמשים מיליארד ושלשה ומנחה חמשים מיליארד וארבעה ומנחה חמשים מיליארד וחמשה ומנחה חמשים מיליארד וששה ומנחה חמשים מיליארד ושבעה ומנחה חמשים מיליארד ושמונה ומנחה חמשים מיליארד ותשעה ומנחה ששים מיליארד ומנחה ששים מיליארד ואחד ומנחה ששים מיליארד ושנים ומנחה ששים מיליארד ושלשה ומנחה ששים מיליארד וארבעה ומנחה ששים מיליארד וחמשה ומנחה ששים מיליארד וששה ומנחה ששים מיליארד ושבעה ומנחה ששים מיליארד ושמונה ומנחה ששים מיליארד ותשעה ומנחה שבעים מיליארד ומנחה שבעים מיליארד ואחד ומנחה שבעים מיליארד ושנים ומנחה שבעים מיליארד ושלשה ומנחה שבעים מיליארד וארבעה ומנחה שבעים מיליארד וחמשה ומנחה שבעים מיליארד וששה ומנחה שבעים מיליארד ושבעה ומנחה שבעים מיליארד ושמונה ומנחה שבעים מיליארד ותשעה ומנחה שמונים מיליארד ומנחה שמונים מיליארד ואחד ומנחה שמונים מיליארד ושנים ומנחה שמונים מיליארד ושלשה ומנחה שמונים מיליארד וארבעה ומנחה שמונים מיליארד וחמשה ומנחה שמונים מיליארד וששה ומנחה שמונים מיליארד ושבעה ומנחה שמונים מיליארד ושמונה ומנחה שמונים מיליארד ותשעה ומנחה תשעים מיליארד ומנחה תשעים מיליארד ואחד ומנחה תשעים מיליארד ושנים ומנחה תשעים מיליארד ושלשה ומנחה תשעים מיליארד וארבעה ומנחה תשעים מיליארד וחמשה ומנחה תשעים מיליארד וששה ומנחה תשעים מיליארד ושבעה ומנחה תשעים מיליארד ושמונה ומנחה תשעים מיליארד ותשעה ומנחה מאה מיליארד ומנחה מאה מיליארד ואחד ומנחה מאה מיליארד ושנים ומנחה מאה מיליארד ושלשה ומנחה מאה מיליארד וארבעה ומנחה מאה מיליארד וחמשה ומנחה מאה מיליארד וששה ומנחה מאה מיליארד ושבעה ומנחה מאה מיליארד ושמונה ומנחה מאה מיליארד ותשעה ומנחה מאתים מיליארד ומנחה מאתים מיליארד ואחד ומנחה מאתים מיליארד ושנים ומנחה מאתים מיליארד ושלשה ומנחה מאתים מיליארד וארבעה ומנחה מאתים מיליארד וחמשה ומנחה מאתים מיליארד וששה ומנחה מאתים מיליארד ושבעה ומנחה מאתים מיליארד ושמונה ומנחה מאתים מיליארד ותשעה ומנחה שלש מאות מיליארד ומנחה שלש מאות מיליארד ואחד ומנחה שלש מאות מיליארד ושנים ומנחה שלש מאות מיליארד ושלשה ומנחה שלש מאות מיליארד וארבעה ומנחה שלש מאות מיליארד וחמשה ומנחה שלש מאות מיליארד וששה ומנחה שלש מאות מיליארד ושבעה ומנחה שלש מאות מיליארד ושמונה ומנחה שלש מאות מיליארד ותשעה ומנחה ארבע מאות מיליארד ומנחה ארבע מאות מיליארד ואחד ומנחה ארבע מאות מיליארד ושנים ומנחה ארבע מאות מיליארד ושלשה ומנחה ארבע מאות מיליארד וארבעה ומנחה ארבע מאות מיליארד וחמשה ומנחה ארבע מאות מיליארד וששה ומנחה ארבע מאות מיליארד ושבעה ומנחה ארבע מאות מיליארד ושמונה ומנחה ארבע מאות מיליארד ותשעה ומנחה חמש מאות מיליארד ומנחה חמש מאות מיליארד ואחד ומנחה חמש מאות מיליארד ושנים ומנחה חמש מאות מיליארד ושלשה ומנחה חמש מאות מיליארד וארבעה ומנחה חמש מאות מיליארד וחמשה ומנחה חמש מאות מיליארד וששה ומנחה חמש מאות מיליארד ושבעה ומנחה חמש מאות מיליארד ושמונה ומנחה חמש מאות מיליארד ותשעה ומנחה ששה מאות מיליארד ומנח

13 ויאמר יהוה אל־משה ואל־אהרן יען לא־האמנתם בי להקדישני לעיני בני ישראל לכן לא תביאו את־הקהל הזה אל־הארץ אשר נתתי להם׃

14 ויהי משה שלח מלאכים מקדש אל־מלך אדום כה אמר אחיך ישראל אתה ידעת את כל־התלאה אשר מצאתנו׃

15 וירדו אבתינו מצרימה וישבנו במצרים ימים רבים וירעו מצרים לנו ולאבתינו׃

16 ונצעק אל־יהוה וישמע קלנו וישלח מלאך ויצאנו ממצרים והנה אנחנו בקדש עיר קצה גבולך׃

17 נעברה־נא בארצך לא נעבר בשדה ובכרם ולא נשתה מי־באר דרך המלך נלך לא נסור ימין ושמאל עד אשר נעבר גבלך׃

18 ויאמר אליו אדום לא תעבר בי פן־בחרב אצא לקראתך׃

Digitized by Google

ויהי כאשר ראה יהוא את איזבל ותאמר השלום זמרי הרג אדניו׃
32 וישא פניו אל החלון ויאמר מי אתי מי ויסקפו אליו שני שלשים׃
33 ויאמר השליכוה מטה ותזרק מדמה על הקיר ועל הסוסים ותרמסה׃
34 ויבא ויאכל וישת ויאמר פקדו נא את הארורה הזאת וקברוה כי בת מלך היא׃
35 וילכו לקברה ולא מצאו כי אם הגלגלת והרגלים והכפות ידיה׃
36 וישבו ויגידו לו ויאמר דבר יהוה הוא אשר דבר ביד עבדו אליהו התשבי לאמר בחלקת יזרעאל יאכלו הכלבים את בשר איזבל׃
37 והיתה נבלת איזבל כדמן על פני השדה בחלקת יזרעאל אשר לא יאמרו זאת איזבל׃

10 ולאחאב שבעים בנים בשמרון וישלח יהוא ספרים ויכתוב אל שמרון אל שרי יזרעאל הזקנים ואל אמנים על בני אחאב לאמר׃
2 ועתה כבוא הספר הזה אליכם אשר עמכם בני אדניכם ועמכם הרכב והסוסים ועיר מבצר וכלי הנשק׃
3 וראיתם את הטוב והישר מבני אדניכם ושמתם על כסא אביו וילחמו על בית אדניכם׃
4 ויראו מאד מאד ויאמרו הנה לא עמדו שני המלכים לפניו ואיך נעמד אנחנו׃
5 וישלח אשר על הבית ואשר על העיר הזקנים ואמנים אל יהוא לאמר עבדיך אנחנו וכל אשר תאמר אלינו נעשה לא נמליך איש הטוב בעיניך עשה׃
6 ויכתוב אליהם ספר שנית לאמר אם לי אתם ולקולי שמעתם קחו את ראשי אנשי בני אדניכם ובאו אלי כעת מחר יזרעאלה והאנשים בני המלך שבעים איש אתם גדלי העיר המגדלים אותם׃
7 ויהי כבוא הספר אליהם ויקחו את בני המלך וישחטו שבעים איש וישימו את ראשיהם בדודים וישלחו אליו יזרעאלה׃
8 ויבא המלאך ויגד לו לאמר הביאו ראשי בני המלך ויאמר שימו אתם שני צבתים פתח השער עד הבקר׃
9 ויהי בבקר ויצא ויעמד ויאמר אל כל העם צדיקים אתם הנה אני קשרתי עלי אדני ואהרגהו ומי הכה את כל אלה׃
10 דעו עתה כי לא יפל מדבר יהוה ארצה אשר דבר יהוה על בית אחאב ויהוה עשה את אשר דבר ביד עבדו אליהו׃
11 ויך יהוא את כל הנשארים לבית אחאב ביזרעאל וכל גדוליו ומיודעיו וכהניו עד בלתי השאיר לו שריד׃
12 ויקם ויבא וילך שמרונה הוא בית עקד הרעים בדרך׃
13 מצא יהוא את אחזיה מלך יהודה ויאמר מי אתם ויאמר אחזיה אנכי ואחים אחי המלך ונרד לשלום גבירה ולשלום גבירת׃
14 ויאמר תפשו חיים ויתפשו חיים ויטבחו אתם אל בור בית עקד איש ארבעים ושנים ולא השאיר איש מהם׃
15 וילך משם ויפגע ביהונדב בן רכב לקראתו ויברכהו ויאמר אליו הישר לבבך כאשר לבבי עמך ויאמר יהונדב יש ויתן יהוא ידו ויעלהו אליו המרכבה׃
16 ויאמר לכה אתי וראה בקנאתי ליהוה ויעלהו ברכבו׃
17 ויבא שמרונה ויך את כל הנשארים לאחאב בשמרון עד השמידו כדבר יהוה אשר דבר אל אליהו׃
18 ויקבץ יהוא את כל העם ויאמר אליהם אחאב עבד את הבעל מעט יהוא יעבדנו הרבה׃
19 ועתה כל נביאי הבעל כל עבדיו וכל כהניו קראו אלי איש אל יפקד כי זבח גדול לי לבעל כל אשר יפקד לא יחיה ויהוא עשה בעקבה למען אבד את עבדי הבעל׃
20 ויאמר יהוא קדשו עצרה לבעל ויקראו׃
21 וישלח יהוא בכל ישראל ויבאו כל עבדי הבעל לא נשאר איש אשר לא בא ויבאו בבית הבעל וימלא בית הבעל פה אל פה׃
22 ויאמר לאשר על המלתחה הוצא לבושים לכל עבדי הבעל ויוצא להם מתתיהו׃
23 ויבא יהוא ויהונדב בן רכב הבית הבעלה ויאמר לעבדי הבעל חפשו וראו פן יש פה אתכם מעבדי יהוה כי אם עבדי הבעל לבדם׃
24 ויבאו לעשות זבחים ועלות ויהוא שם לו בחוץ שמנים איש ויאמר האנשים אשר אביא בידכם ומלט איש את נפש האיש אשר יתן בידו תחתיו נפשו׃

Digitized by Google

25 ... ...

31 ויאמר יהוה אל־משה ואל־אהרן לאמר׃ **32** שאו את־ראש כל־עדת בני־ישראל למשפחתם לבית אבתם במספר שמות לגלגלתם כל־זכר מבן עשרים שנה ומעלה כל־יצא צבא בישראל תפקדו אתם לצבאתם׃ **33** ואתם תהיו לי כל־בכור פתח רחם מבני ישראל באדם ובבהמה לי יהיו אני יהוה׃ **34** ויעשו בני־ישראל ככל אשר־צוה יהוה את־משה כן עשו לחניתם וכן לדגליהם׃ **35** ויהי ביום הקים משה את־המשכן וימשח אתו ויקדש אתו וכל־כליו ואת־המזבח וכל־כליו וימשחם ויקדש אתם׃ **36** ויקריבו הנשאים ראשי בית האבות למטות בני־ישראל הם הפקדים על־המספר׃

...

1 ...

2 [...]

3 ...

4 ...

5 ...

6 ...

7 ...

8 [...]

Digitized by Google

9 וְהָיָה כִּי־יִהְיֶה בְךָ בְּאַחַד שְׁעָרֶיךָ אֲשֶׁר יְהוָה אֱלֹהֶיךָ נֹתֵן לָךְ אִישׁ אוֹ־אִשָּׁה אֲשֶׁר יַעֲשֶׂה אֶת־הָרַע בְּעֵינֵי יְהוָה אֱלֹהֶיךָ לַעֲבֹר בְּרִיתוֹ׃ [וַיֵּלֶךְ וַיַּעֲבֹד אֱלֹהִים אֲחֵרִים וַיִּשְׁתַּחוּ לָהֶם וְלַשֶּׁמֶשׁ וְלַיָּרֵחַ וּלְכָל־צְבָא הַשָּׁמַיִם אֲשֶׁר לֹא צִוִּיתִי׃ וְהֻגַּד לְךָ וְשָׁמָעְתָּ וְדָרַשְׁתָּ הֵיטֵב וְהִנֵּה אֱמֶת נָכוֹן הַדָּבָר נֶעֶשְׂתָה הַתּוֹעֵבָה הַזֹּאת בְּיִשְׂרָאֵל׃ וְהוֹצֵאתָ אֶת־הָאִישׁ הַהוּא אוֹ אֶת־הָאִשָּׁה הַהִוא אֲשֶׁר עָשׂוּ אֶת־הַדָּבָר הָרָע הַזֶּה אֶל־שְׁעָרֶיךָ אֶת־הָאִישׁ אוֹ אֶת־הָאִשָּׁה וּסְקַלְתָּם בָּאֲבָנִים וָמֵתוּ׃ עַל־פִּי שְׁנַיִם עֵדִים אוֹ שְׁלֹשָׁה עֵדִים יוּמַת הַמֵּת לֹא יוּמַת עַל־פִּי עֵד אֶחָד׃ יַד־הָעֵדִים תִּהְיֶה־בּוֹ בָרִאשֹׁנָה לַהֲמִיתוֹ וְיַד כָּל־הָעָם בָּאַחֲרֹנָה וּבִעַרְתָּ הָרָע מִקִּרְבֶּךָ׃]

10 וְקַמְתָּ וְעָלִיתָ אֶל־הַמָּקוֹם אֲשֶׁר יִבְחַר יְהוָה אֱלֹהֶיךָ בּוֹ׃ וּבָאתָ אֶל־הַכֹּהֲנִים הַלְוִיִּם וְאֶל־הַשֹּׁפֵט אֲשֶׁר יִהְיֶה בַּיָּמִים הָהֵם וְדָרַשְׁתָּ וְהִגִּידוּ לְךָ אֵת דְּבַר־הַמִּשְׁפָּט׃ וְעָשִׂיתָ עַל־פִּי הַדָּבָר אֲשֶׁר יַגִּידוּ לְךָ מִן־הַמָּקוֹם הַהוּא אֲשֶׁר יִבְחַר יְהוָה וְשָׁמַרְתָּ לַעֲשׂוֹת כְּכֹל אֲשֶׁר יוֹרוּךָ׃

11 עַל־פִּי הַתּוֹרָה אֲשֶׁר יוֹרוּךָ וְעַל־הַמִּשְׁפָּט אֲשֶׁר־יֹאמְרוּ לְךָ תַּעֲשֶׂה לֹא תָסוּר מִן־הַדָּבָר אֲשֶׁר יַגִּידוּ לְךָ יָמִין וּשְׂמֹאל׃ וְהָאִישׁ אֲשֶׁר־יַעֲשֶׂה בְזָדוֹן לְבִלְתִּי שְׁמֹעַ אֶל־הַכֹּהֵן הָעֹמֵד לְשָׁרֵת שָׁם אֶת־יְהוָה אֱלֹהֶיךָ אוֹ אֶל־הַשֹּׁפֵט וּמֵת הָאִישׁ הַהוּא וּבִעַרְתָּ הָרָע מִיִּשְׂרָאֵל׃

12 וְכָל־הָעָם יִשְׁמְעוּ וְיִרָאוּן וְלֹא יְזִידוּן עוֹד׃ כִּי־תָבֹא אֶל־הָאָרֶץ אֲשֶׁר יְהוָה אֱלֹהֶיךָ נֹתֵן לָךְ וִירִשְׁתָּהּ וְיָשַׁבְתָּ בָּהּ וְאָמַרְתָּ אָשִׂימָה עָלַי מֶלֶךְ כְּכָל־הַגּוֹיִם אֲשֶׁר סְבִיבוֹתָי׃ שׂוֹם תָּשִׂים עָלֶיךָ מֶלֶךְ אֲשֶׁר יִבְחַר יְהוָה אֱלֹהֶיךָ בּוֹ מִקֶּרֶב אַחֶיךָ תָּשִׂים עָלֶיךָ מֶלֶךְ לֹא תוּכַל לָתֵת עָלֶיךָ אִישׁ נָכְרִי אֲשֶׁר לֹא־אָחִיךָ הוּא׃

13 רַק לֹא־יַרְבֶּה־לּוֹ סוּסִים וְלֹא־יָשִׁיב אֶת־הָעָם מִצְרַיְמָה לְמַעַן הַרְבּוֹת סוּס וַיהוָה אָמַר לָכֶם לֹא תוֹסִפוּן לָשׁוּב בַּדֶּרֶךְ הַזֶּה עוֹד׃

Digitized by Google

14 ... ...

25 וְהָיָה כִּי־יִהְיֶה בְּאִישׁ חֵטְא מִשְׁפַּט־מָוֶת וְהוּמָת וְתָלִיתָ אֹתוֹ עַל־עֵץ׃ לֹא־תָלִין נִבְלָתוֹ עַל־הָעֵץ כִּי־קָבוֹר תִּקְבְּרֶנּוּ בַּיּוֹם הַהוּא כִּי־קִלְלַת אֱלֹהִים תָּלוּי וְלֹא תְטַמֵּא אֶת־אַדְמָתְךָ אֲשֶׁר יְהוָה אֱלֹהֶיךָ נֹתֵן לְךָ נַחֲלָה׃

24 וְהַמַּלְוֶה תַּעֲמֹד בַּחוּץ וְהָאִישׁ אֲשֶׁר אַתָּה נֹשֶׁה בּוֹ יוֹצִיא אֵלֶיךָ אֶת־הַעֲבוֹט הַחוּצָה׃

23 וְאִם־אִישׁ עָנִי הוּא לֹא תִשְׁכַּב בַּעֲבֹטוֹ׃ הָשֵׁב תָּשִׁיב לוֹ אֶת־הַעֲבוֹט כְּבוֹא הַשֶּׁמֶשׁ וְשָׁכַב בְּשַׂלְמָתוֹ וּבֵרְכֶךָּ וּלְךָ תִּהְיֶה צְדָקָה לִפְנֵי יְהוָה אֱלֹהֶיךָ׃

22 וְזָכַרְתָּ כִּי־עֶבֶד הָיִיתָ בְּאֶרֶץ מִצְרַיִם וַיִּפְדְּךָ יְהוָה אֱלֹהֶיךָ מִשָּׁם עַל־כֵּן אָנֹכִי מְצַוְּךָ אֶת־הַדָּבָר הַזֶּה׃

21 כִּי־תִדֹּר נֶדֶר לַיהוָה אֱלֹהֶיךָ לֹא תְאַחֵר לְשַׁלְּמוֹ כִּי דָרֹשׁ יִדְרְשֶׁנּוּ יְהוָה אֱלֹהֶיךָ מֵעִמָּךְ וְהָיָה בְךָ חֵטְא׃ וְכִי תֶחְדַּל לִנְדֹּר לֹא־יִהְיֶה בְךָ חֵטְא׃ מוֹצָא שְׂפָתֶיךָ תִּשְׁמֹר וְעָשִׂיתָ כַּאֲשֶׁר נָדַרְתָּ לַיהוָה אֱלֹהֶיךָ נְדָבָה אֲשֶׁר דִּבַּרְתָּ בְּפִיךָ׃

20 לֹא תַשִּׁיךְ לְאָחִיךָ נֶשֶׁךְ כֶּסֶף נֶשֶׁךְ אֹכֶל נֶשֶׁךְ כֹּל דָּבָר אֲשֶׁר יִשָּׁךְ׃ לַנָּכְרִי תַּשִּׁיךְ וּלְאָחִיךָ לֹא תַשִּׁיךְ לְמַעַן יְבָרֶכְךָ יְהוָה אֱלֹהֶיךָ בְּכֹל מִשְׁלַח יָדֶךָ עַל־הָאָרֶץ אֲשֶׁר אַתָּה בָא־שָׁמָּה לְרִשְׁתָּהּ׃

Digitized by Google

26 וְהָיָה כִּי־תָבֹא אֶל־הָאָרֶץ אֲשֶׁר יְהוָה אֱלֹהֶיךָ נֹתֵן לְךָ נַחֲלָה וִירִשְׁתָּהּ וְיָשַׁבְתָּ בָּהּ׃

27 וְלָקַחְתָּ מֵרֵאשִׁית כָּל־פְּרִי הָאֲדָמָה אֲשֶׁר תָּבִיא מֵאַרְצְךָ אֲשֶׁר יְהוָה אֱלֹהֶיךָ נֹתֵן לָךְ וְשַׂמְתָּ בַטֶּנֶא וְהָלַכְתָּ אֶל־הַמָּקוֹם אֲשֶׁר יִבְחַר יְהוָה אֱלֹהֶיךָ לְשַׁכֵּן שְׁמוֹ שָׁם׃

28 וּבָאתָ אֶל־הַכֹּהֵן אֲשֶׁר יִהְיֶה בַּיָּמִים הָהֵם וְאָמַרְתָּ אֵלָיו הִגַּדְתִּי הַיּוֹם לַיהוָה אֱלֹהֶיךָ כִּי־בָאתִי אֶל־הָאָרֶץ אֲשֶׁר נִשְׁבַּע יְהוָה לַאֲבֹתֵינוּ לָתֵת לָנוּ׃

29 וְלָקַח הַכֹּהֵן הַטֶּנֶא מִיָּדֶךָ וְהִנִּיחוֹ לִפְנֵי מִזְבַּח יְהוָה אֱלֹהֶיךָ׃

30 וְעָנִיתָ וְאָמַרְתָּ לִפְנֵי יְהוָה אֱלֹהֶיךָ אֲרַמִּי אֹבֵד אָבִי וַיֵּרֶד מִצְרַיְמָה וַיָּגָר שָׁם בִּמְתֵי מְעָט וַיְהִי־שָׁם לְגוֹי גָּדוֹל עָצוּם וָרָב׃

31 וַיָּרֵעוּ אֹתָנוּ הַמִּצְרִים וַיְעַנּוּנוּ וַיִּתְּנוּ עָלֵינוּ עֲבֹדָה קָשָׁה׃

32 וַנִּצְעַק אֶל־יְהוָה אֱלֹהֵי אֲבֹתֵינוּ וַיִּשְׁמַע יְהוָה אֶת־קֹלֵנוּ וַיַּרְא אֶת־עָנְיֵנוּ וְאֶת־עֲמָלֵנוּ וְאֶת־לַחֲצֵנוּ׃

33 וַיּוֹצִאֵנוּ יְהוָה מִמִּצְרַיִם בְּיָד חֲזָקָה וּבִזְרוֹעַ נְטוּיָה וּבְמֹרָא גָּדֹל וּבְאֹתוֹת וּבְמוֹפְתִים׃

34 וַיְבִאֵנוּ אֶל־הַמָּקוֹם הַזֶּה וַיִּתֶּן־לָנוּ אֶת־הָאָרֶץ הַזֹּאת אֶרֶץ זָבַת חָלָב וּדְבָשׁ׃

Digitized by Google

40 ...

39 ...

38 ...

37 ...

36 ...

35 ...

41 ଯିହୋଶାଫଟ ମୃତ୍ୟୁ ହୋଇ ନିଜ ପୂର୍ବପୁରୁଷମାନଙ୍କ ସହିତ ଦାଉଦ ନଗରରେ କବର ପାଇଲେ। ତାଙ୍କ ପୁତ୍ର ଯିହୋରାମ ତାଙ୍କ ସ୍ଥାନରେ ରାଜା ହେଲେ।

42 ଯିହୋଶାଫଟ ରାଜା ହେବା ସମୟରେ ତାଙ୍କର ବୟସ ପଞ୍ଚତ୍ରିଂଶ ବର୍ଷ ଥିଲା। ସେ ଯିରୂଶାଲମରେ ପଞ୍ଚବିଂଶତି ବର୍ଷ ରାଜତ୍ୱ କଲେ। ତାଙ୍କ ମାତାଙ୍କ ନାମ ଅସୂବା। ସେ ଶିଲ୍ହିର କନ୍ୟା ଥିଲେ।

43 ଯିହୋଶାଫଟ ତାଙ୍କ ପିତା ଆସାଙ୍କ ପରି ଜୀବନଯାପନ କଲେ। ସେ ଆସାଙ୍କ ପରି ଭଲ କାମ କଲେ।

44 ଲୋକମାନେ ଉଚ୍ଚସ୍ଥଳୀରେ ବଳିଦାନ ଓ ଧୂପ ଜ୍ୱଳାଇବା ବନ୍ଦ କଲେ ନାହିଁ।

45 ଯିହୋଶାଫଟ ଇସ୍ରାଏଲ ରାଜା ସହିତ ଶାନ୍ତି ସ୍ଥାପନ କଲେ। ଯିହୋଶାଫଟ ଯେଉଁ ଯୁଦ୍ଧ କଲେ ଏବଂ ଯେଉଁ ସବୁ ଅଦ୍ଭୁତ କାର୍ଯ୍ୟ କଲେ, ତାହା ଯିହୁଦା ରାଜାମାନଙ୍କ ଇତିହାସ ପୁସ୍ତକରେ ଲେଖା ଯାଇଛି।

Digitized by Google

46 ויבן שם מזבח ויקרא לו אל אלהי ישראל ויאמר להם ויהי ביום השמיני ויקרא למשה ולאהרן ולזקני ישראל ויאמר אליהם הנה ספר תורת משה אשר כתב לבני ראובן ולבני גד ולחצי שבט מנשה ויקראו בו לפני יהוה ויאמרו אליו

ಮಿಕ್ಕಾಯೇಲನೆಂಬ ಪ್ರಧಾನ ದೂತನೂ ಮೋಶೆಯ ಶರೀರದ ವಿಷಯವಾಗಿ ಸೈತಾನನೊಡನೆ ವಾದಿಸುತ್ತಿದ್ದಾಗ ಅವನ ಮೇಲೆ ದೂಷಣೆಯ ತೀರ್ಪನ್ನು ತರಲಾರದೆ ಹೋದನು; ಆದರೆ ಕರ್ತನು ನಿನ್ನನ್ನು ಗದರಿಸಲಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

53 ಯಾಕಂದರೆ ಧರ್ಮಶಾಸ್ತ್ರವು ಮಹಾ ಯಾಜಕರಾಗಿ ಬಲಹೀನರಾದ ಮನುಷ್ಯರನ್ನು ನೇಮಿಸುತ್ತದೆ; ಆದರೆ ಧರ್ಮಶಾಸ್ತ್ರದ ತರುವಾಯ ಬಂದ ಆಣೆಯ ವಾಕ್ಯವು ಸದಾಕಾಲಕ್ಕೂ ಪರಿಪೂರ್ಣನಾದ ಕುಮಾರನನ್ನು ನೇಮಿಸುತ್ತದೆ.

54 ಆದರೆ ಇದರ ಸಾರಾಂಶವೇನಂದರೆ, ನಮಗೆ ಇಂಥಾ ಮಹಾ ಯಾಜಕನಿರುವನು; ಆತನು ಮಹತ್ವವುಳ್ಳ ಸಿಂಹಾಸನದ ಬಲಗಡೆಯಲ್ಲಿ ಕುಳಿತುಕೊಂಡಿರುವನು.

೮

1 ಇನ್ನು ನಾವು ಹೇಳುವ ಮುಖ್ಯ ವಿಷಯವೇನಂದರೆ, ಇಂಥಾ ಮಹಾ ಯಾಜಕನು ನಮಗಿರುವನು.

2 ಆತನು ಪರಿಶುದ್ಧ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿಯೂ ಕರ್ತನು ಸ್ಥಾಪಿಸಿದ ಸತ್ಯವಾದ ಗುಡಾರದಲ್ಲಿಯೂ ಸೇವೆ ಮಾಡುವವನಾಗಿದ್ದಾನೆ.

3 ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮಹಾ ಯಾಜಕನು ಕಾಣಿಕೆಗಳನ್ನೂ ಬಲಿಗಳನ್ನೂ ಅರ್ಪಿಸುವದಕ್ಕಾಗಿ ನೇಮಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿರುವನು; ಆದದರಿಂದ ಈತನು ಅರ್ಪಿಸುವದಕ್ಕೆ ಏನಾದರೂ ಇರಬೇಕಾಗಿದೆ.

4 ಆತನು ಭೂಮಿಯಲ್ಲಿದ್ದರೆ ಯಾಜಕನಾಗಿರುವದಿಲ್ಲ; ಧರ್ಮಶಾಸ್ತ್ರದ ಪ್ರಕಾರ ಕಾಣಿಕೆಗಳನ್ನು

Digitized by Google

10 [illegible]

9 [illegible]

8 [illegible]

7 [illegible]

6 [illegible]

5 [illegible]

Digitized by Google

11 ויהי ביום השלישי ויהי קול וברקים ועב כבד על ההר וקול שופר חזק מאד ויחרד כל העם אשר במחנה׃ **12** ויוצא משה את העם לקראת האלהים מן המחנה ויתיצבו בתחתית ההר׃ **13** ויהי כל ההר סיני עשן מפני אשר ירד עליו יהוה באש ויעל עשנו כעשן הכבשן ויחרד כל ההר מאד׃ **14** ויהי קול השופר הולך וחזק מאד משה ידבר והאלהים יעננו בקול׃ **15** וירד יהוה על הר סיני אל ראש ההר ויקרא יהוה למשה אל ראש ההר ויעל משה׃ **16** ויאמר יהוה אל משה רד העד בעם פן יהרסו אל יהוה לראות ונפל ממנו רב׃ **17** וגם הכהנים הנגשים אל יהוה יתקדשו פן יפרץ בהם יהוה׃ **18** ויאמר משה אל יהוה לא יוכל העם לעלת אל הר סיני כי אתה העדת בנו לאמר הגבל את ההר וקדשתו׃ **19** ויאמר יהוה אליו לך רד ועלית אתה ואהרן עמך והכהנים והעם אל יהרסו לעלות אל יהוה פן יפרץ בם׃ **20** וירד משה אל העם ויאמר אליהם׃ **21** וידבר אלהים את כל הדברים האלה לאמר׃ **22** אנכי יהוה אלהיך אשר הוצאתיך מארץ מצרים מבית עבדים׃ **23** לא יהיה לך אלהים אחרים על פני׃ **24** לא תעשה לך פסל וכל תמונה אשר בשמים ממעל ואשר בארץ מתחת ואשר במים מתחת לארץ׃ **25** לא תשתחוה להם ולא תעבדם כי אנכי יהוה אלהיך אל קנא פקד עון אבות על בנים על שלשים ועל רבעים לשנאי׃ **26** ועשה חסד לאלפים לאהבי ולשמרי מצותי׃ **27** לא תשא את שם יהוה אלהיך לשוא כי לא ינקה יהוה את אשר ישא את שמו לשוא׃ **28** זכור את יום השבת לקדשו׃ **29** ששת ימים תעבד ועשית כל מלאכתך׃ **30** ויום השביעי שבת ליהוה אלהיך לא תעשה כל מלאכה אתה ובנך ובתך עבדך ואמתך ובהמתך וגרך אשר בשעריך׃ **31** כי ששת ימים עשה יהוה את השמים ואת הארץ את הים ואת כל אשר בם וינח ביום השביעי על כן ברך יהוה את יום השבת ויקדשהו׃ **32** כבד את אביך ואת אמך למען יארכון ימיך על האדמה אשר יהוה אלהיך נתן לך׃ **33** לא תרצח׃ **34** לא תנאף׃ **35** לא תגנב׃ **36** לא תענה ברעך עד שקר׃ **37** לא תחמד בית רעך לא תחמד אשת רעך ועבדו ואמתו ושורו וחמרו וכל אשר לרעך׃

Digitized by Google

17 ಆಗ ಮಹಾ ಯಾಜಕನೂ ಅವನ ಸಂಗಡ ಇದ್ದವರೆಲ್ಲರೂ ಎದ್ದು (ಅವರು ಸದ್ದೂಕಾಯರ ಪಂಥದವರು) ಮತ್ಸರದಿಂದ ತುಂಬಿಕೊಂಡು 18 ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ಹಿಡಿದು ಸೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿ ಹಾಕಿಸಿದರು. 19 ಆದರೆ ರಾತ್ರಿಯಲ್ಲಿ ಕರ್ತನ ದೂತನು ಸೆರೆಮನೆಯ ಬಾಗಿಲುಗಳನ್ನು ತೆರೆದು ಅವರನ್ನು ಹೊರಗೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬಂದು 20 "ನೀವು ಹೋಗಿ ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿ ನಿಂತುಕೊಂಡು ಈ ಜೀವದ ಮಾತುಗಳನ್ನೆಲ್ಲಾ ಜನರಿಗೆ ತಿಳಿಸಿರಿ" ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. 21 ಅವರು ಅದನ್ನು ಕೇಳಿ ಬೆಳಗಾಗುವಾಗ ದೇವಾಲಯದಲ್ಲಿ ಬೋಧಿಸುತ್ತಿದ್ದರು. ಮಹಾ ಯಾಜಕನೂ ಅವನ ಸಂಗಡ ಇದ್ದವರೂ ಬಂದು ಆಲೋಚನಾ ಸಭೆಯನ್ನೂ ಇಸ್ರಾಯೇಲರ ಹಿರಿಯರೆಲ್ಲರನ್ನೂ ಕೂಡಿಸಿ ಸೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿರುವ ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ತರಲು ಕಳುಹಿಸಿದರು.

Digitized by Google

22 ואת־הארבעה הטבעות שתים על־שתי הקצות שתים על־שתי הקצות לעבר הפתן אל־הצד׃

23 ויעש את־שתי הטבעות זהב ואת־שני הפתחת זהב ויתן את־שתי הפתחת על־שתי הטבעות על־קצות החשן׃

24 ויתנו את־שתי עבתות הזהב על־שתי הטבעות על־קצות החשן׃ ואת־שתי קצות שתי העבתות נתנו על־שתי המשבצות ויתנם על־כתפות האפד אל־מול פניו׃

25 ויעשו שתי פתחת זהב ואת־שתי קצות השרשת הטהרת ויתן על־שתי המשבצות ויתן על־כתפות האפד אל־מול פניו׃

26 ויעשו שתי טבעות זהב וישם על־שתי קצות החשן על־שפתו אשר אל־עבר האפד בית׃

27 ויעשו שתי טבעות זהב וישם על־שתי כתפות האפד מלמטה מלפני

28 ...

29 ...

30 ...

31 ...

32 ...

33 ...

Digitized by Google

34 ...

35 ...

36 ...

37 ...

38 ...

Digitized by Google

39 ... ...

46 ויהי כראותו כי אין יהוה עונה להם ויחרש מעליהם ויכל את תפלתו ויקם ויבא אל בניו ויעירם מתרדמתם ויאמר אליהם למה ישנתם קומו והתפללו פן תבואו בנסיון׃

47 ויהי מדברו עוד אליהם והנה בא יהודה ואתו שנים עשר איש מתלמידיו ואתם המון עם רב ויגשו אל ישוע לנשקו׃

ט

1 ויאמר אליהם ישוע אמן אמן אומר אני לכם כי יש מן העומדים פה אשר לא יטעמו טעם מות עד אשר יראו את מלכות אלהים בבואה׃

2 ויקח ישוע את פטרוס ואת יעקב ואת יוחנן אחיו ויעלם על הר גבוה לבדם׃

3 ויתהפך לפניהם ויזהר פניו כשמש ובגדיו היו לבנים כשלג ולא יוכל כובס על הארץ להלבין כמוהו׃

4 ויראה להם אליהו ומשה ויהיו מדברים עם ישוע׃

5 ויען פטרוס ויאמר אל ישוע רבי טוב הוא כי נהיה פה ונעשה שלשה סכות לך אחת ולמשה אחת ולאליהו אחת׃

6 [כי לא ידע מה יענה כי נבהלו מאד׃]

7 ויהי ענן ויצל עליהם ויהי קול מן הענן לאמר זה הוא בני יחידי שמעו אליו׃

Digitized by Google

ויאמר אליו אלישע לך רחץ שבע פעמים בירדן ויחזר בשרך וטהר׃ ויקצף נעמן וילך ויאמר הנה אמרתי אלי יצא יצוא ועמד ויקרא בשם יהוה אלהיו והניף ידו על המקום ורפא המצרע׃ הלא טובו אבנה ופרפר נהרות דמשק מכל מימי ישראל הלא ארחץ בהם וטהרתי ויפן ויסע בחמה׃ ויגשו עבדיו וידברו אליו ויאמרו אבי דבר גדול היה הנביא דבר אליך הלא תעשה ואף כי אמר אליך רחץ וטהר׃ וירד ויטבל בירדן שבע פעמים כדבר איש האלהים ויחזר בשרו כבשר נער קטן וטהר׃ וישב אל איש האלהים הוא וכל מחניו ויבא ויעמד לפניו ויאמר הנה נא ידעתי כי אין אלהים בכל הארץ כי אם בישראל ועתה קח נא ברכה מאת עבדך׃ ויאמר חי יהוה אשר עמדתי לפניו אם אקח ויפצר בו לקחת ויסרב׃ ויאמר נעמן ואם לא אם נתן יתן לעבדך משא צמד פרדים אדמה כי לא יעשה עוד עבדך עולה וזבח לאלהים אחרים כי אם ליהוה׃ בדבר הזה יסלח יהוה לעבדך בבוא אדוני בית רמון להשתחות שם והוא נשען על ידי ואשתחויתי בבית רמון בהשתחותי בבית רמון יסלח נא יהוה לעבדך בדבר הזה׃ ויאמר לו לך לשלום ויסע מאתו כברת ארץ׃ ויאמר גחזי נער אלישע איש האלהים הנה חשך אדוני את נעמן הארמי הזה מקחת מידו את אשר הביא וחי יהוה כי אם רצתי אחריו ולקחתי ממנו מאומה׃ ויעבר גחזי אחרי נעמן וירא נעמן רץ אחריו ויפל מעל המרכבה לקראתו ויאמר השלום׃ ויאמר שלום אדני שלחני לאמר הנה עתה הלמו אלי שני נערים מהר אפרים משבי הנביאים תן נא להם ככר כסף ושתי חלפות בגדים׃ ויאמר נעמן הואל קח כפלים ויפצר בו ויצר שני ככרי כסף בשתי חלפות בגדים ונתן על שני נערים מנשאים לפניו׃ ויבא אל המכתש וישא מידם ויסר אל הבית ויאשר את האנשים וילכו׃ והוא בא ויעמד אל אדניו ויאמר אליו אלישע אי מזה גחזי ויאמר לא הלך עבדך אנה ואנה׃ ויאמר אליו הלא לבי הלך כאשר הפך איש מעל מרכבתו לקראתך הלקח את הכסף ולקחת בגדים וזיתים וכרמים וצאן ובקר ועבדים ושפחות׃ צרעת נעמן תדבק בך ובזרעך עד עולם ויצא מלפניו מצרע כשלג׃

ובני הנביאים אמרו אל אלישע הנה נא המקום אשר אנחנו ישבים שם לפניך צר הוא לנו׃ נלכה נא עד הירדן ונקחה משם איש קורה אחת ונעשה שם מקום לנו לשבת שם ויאמר לכו׃ ויען אחד אמר הואל נא ובא עם עבדיך ויאמר אני אלך׃ וילך עמהם ויבאו הירדנה ויגזרו את העצים׃ והוא הלך לכרות קורה ויפל הברזל במים ויצעק ויאמר אהה אדני והוא חשב׃ ויאמר איש האלהים אנה נפל ויראהו את המקום ויחתך עץ וישלך שמה ויצף הברזל׃ ויאמר שא לך ויושט ידו ויקחהו׃

ומלך ארם נלחם בישראל ויועץ אל עבדיו לאמר אל מקום פלני תחנתי׃ וישלח איש האלהים אל מלך ישראל לאמר השמר מעבר את המקום הזה כי שמה ארם נחתים׃ וישלח מלך ישראל אל המקום אשר אמר לו איש האלהים והזהירהו ונצר שם לא פעם ושתים׃ ויסער לב מלך ארם על הדבר הזה ויקרא אל עבדיו ויאמר אלהם הלא תגידו לי מי משלנו אל מלך ישראל׃ ויאמר אחד מעבדיו לא אדני המלך כי אלישע הנביא אשר בישראל יגיד למלך ישראל את הדברים אשר תדבר בחדרי משכבך׃ ויאמר לכו וראו איפה הוא ואשלח ואקחהו ויגד לו לאמר הנה בדתן׃ וישלח שם סוסים ורכב וחיל כבד ויבאו לילה ויסבו על העיר׃ וישכם משרת איש האלהים לצאת והנה חיל סובב את העיר וסוסים ורכב ויאמר נערו אהה אדני איכה נעשה׃ ויאמר אל תירא כי רבים אשר אתנו מאשר אתם׃ ויתפלל אלישע ויאמר יהוה פקח נא את עיניו וירא את ההר והנה ההר מלא סוסים ורכב אש סביב לאלישע׃ וירדו אליו ויתפלל אלישע אל יהוה ויאמר הך נא את הגוי הזה בסנורים ויך אותם בסנורים כדבר אלישע׃ ויאמר אלהם אלישע לא זה הדרך וזאת העיר לכו אחרי ואולך אתכם אל האיש אשר אתם מבקשים ויולך אותם שמרון׃ ויהי כבאם שמרון ויאמר אלישע יהוה פקח את עיני האלה וירא ויפקח יהוה את עיניהם וירא והנה בתוך שמרון׃ ויאמר מלך ישראל אל אלישע הכה אכה אבי׃ ויאמר לא תכה הכית שבים בחרבך וקשתך אתה לחמת לעיניהם׃ שימו לחם וים לפניהם ויאכלו וישתו וילכו אל אדניהם׃ ולא יספו עוד גדודי ארם לבא בארץ ישראל׃

ויהי אחרי כן ויקבץ בן הדד מלך ארם את כל מחנהו ויעל ויצר על שמרון׃ ויהי רעב גדול בשמרון והנה צרים עליה עד היות ראש חמור בשמנים שקלים וקב חרי יונים בחמשה שקלים כסף׃ ומלך ישראל עבר על החומה ואשה צעקה אליו לאמר הושיעה אדני המלך׃ ויאמר אל לא יושיעך יהוה מאין אקח לך מגרן ומיקב׃ ויאמר אליה המלך מה לך ותאמר האשה הזאת אמרה אלי תני את בנך ונאכלהו היום ובני נאכל מחר׃ ונבשל את בני ונאכלהו ואמר אליה מחר תני את בנך ונאכלהו ותחבא את בנה׃ ויהי כשמע המלך את דברי האשה ויקרע את בגדיו והוא עבר על החומה וירא העם והנה השק על בשרו מבית׃ ויאמר אסף יעשה לי אלהים וכה יוסיף אם יעמד ראש אלישע בן שפט עליו היום׃ ואלישע יושב בביתו והזקנים יושבים אתו וישלח איש מלפניו בטרם יבוא המלאך אשר הוא שלח אל אלישע ויאמר אל הזקנים הראיתם כי שלח בן המרצח הזה לכרות את ראשי ראו בבוא המלאך סגרו את הדלת ולחצתם אתו בדלת הלא קול רגלי אדניו אחריו׃ עודנו מדבר עמם והנה המלאך יורד אליו ויאמר הנה זאת מעם יהוה מה אקוה ליהוה עוד׃

ויאמר אלישע שמעו דבר יהוה כה אמר יהוה כעת מחר סאה סלת בשקל ושתי סאים שערים בשקל בשער שמרון׃ וישלש השלישי על יד אשר הוא נשען עליה על המלאך ויען המלאך אל איש האלהים ויאמר והנה יהוה עשה ארבות במרום הייתה הדבר הזה ויאמר הנך רואה בעיניך ומשם לא תאכל׃ וארבעה אנשים היו מצרעים פתח השער ויאמרו איש אל רעהו מה אנחנו ישבים פה עד מתנו׃ אם אמרנו נבא העירה והרעב בעיר ומתנו שם ואם ישבנו פה ומתנו׃ ועתה לכו ונפלה אל מחנה ארם אם יחיונו נחיה ואם ימתונו ומתנו׃ ויקמו בנשף לבא אל מחנה ארם ויבאו עד קצה מחנה ארם והנה אין שם איש׃ ואדני המלך שמע קול רכב קול סוס קול חיל גדול והוא אמרו איש אל אחיו הנה שכר עלינו מלך ישראל את החתים ואת מצרים עלינו לבא עלינו׃ ויקמו וינסו בנשף ויעזבו את אהליהם ואת סוסיהם ואת חמוריהם המחנה כאשר הוא ויברחו אל נפשם׃ ויבאו המצרעים האלה עד קצה המחנה ויבאו אל אהל אחד ויאכלו וישתו וישאו משם כסף וזהב ובגדים וילכו ויטמנו ושבו ויבאו אל אהל אחר וישאו משם וילכו ויטמנו׃ ואיש אל אחיו אמרו לא כן אנחנו עשים היום הזה יום בשורה הוא ואנחנו מחשים ואם נאחר עד אור הבקר ומצאנו עון עתה לכו ונבואה ונגידה בבית המלך׃ ויבאו ויקראו אל שוער העיר ויגידו להם לאמר באנו אל מחנה ארם והנה אין שם איש ולא קול אדם כי אם הסוסים אסורים והחמורים אסורים והאהלים כאשר המה׃ ויקרא השוערים ויגידו בית המלך פנימה׃ ויקם המלך לילה ויאמר אל עבדיו אגידה נא לכם את אשר עשו לנו ארם ידעו כי רעבים אנחנו ויצאו מן המחנה להסתר בשדה לאמר כי יצאו מן העיר ונחיה אותם ואל העיר נבוא׃ ויען אחד מעבדיו ויאמר יקחו נא חמשה מן הסוסים הנשארים אשר נשארו בעיר הנה ככל המון ישראל אשר נשארו בה הנה ככל המון ישראל אשר תמו ונשלחה ונראה׃ וישבו הרכב ויגידו למלך׃ וישלח שני רכב סוסים וישלח המלך אחרי מחנה ארם לאמר לכו וראו׃ וילכו אחריהם עד הירדן והנה כל הדרך מלאה בגדים וכלים אשר השליכו ארם בחפזם וישבו המלאכים וישבו להגיד למלך׃ ויצא העם וישסו את מחנה ארם ויהי סאה סלת בשקל ושתי סאים שערים בשקל כדבר יהוה׃ והמלך הפקיד את השלישי על יד אשר נשען עליה על השער וירמסהו העם בשער וימת כאשר דבר איש האלהים אשר דבר בבוא המלך אליו׃ ויהי כדבר איש האלהים אל המלך לאמר שתי סאים שערים בשקל וסאה סלת בשקל יהיה כעת מחר בשער שמרון׃ וענה השלישי את איש האלהים ויאמר והנה יהוה עשה ארבות במרום הייתה הדבר הזה ויאמר הנך רואה בעיניך ומשם לא תאכל׃ ויהי לו כן וירמסהו העם בשער וימת׃

ואלישע דבר אל האשה אשר החיה את בנו לאמר קומי ולכי את וביתך וגורי בכל אשר תגורי כי קרא יהוה לרעב וגם בא על הארץ שבע שנים׃ ותקם האשה ותעש כדבר איש האלהים ותלך היא וביתה ותגר בארץ פלשתים שבע שנים׃ ויהי מקץ שבע השנים ותשב האשה מארץ פלשתים ותצא לזעק אל המלך על ביתה ועל שדה׃ והמלך מדבר אל גחזי נער איש האלהים לאמר ספרה נא לי את כל הגדלות אשר עשה אלישע׃ ויהי הוא מספר למלך את אשר החיה את המת והנה האשה אשר החיה את בנה צועקת אל המלך על ביתה ועל שדה ויאמר גחזי אדני המלך זאת האשה וזה בנה אשר החיה אלישע׃ וישאל המלך את האשה ותספר לו ויתן לה המלך סריס אחד לאמר השב את כל אשר לה ואת כל תבואת השדה מיום עזבה את הארץ ועד עתה׃

ויבא אלישע דמשקה ובן הדד מלך ארם חלה ויגד לו לאמר בא איש האלהים עד הנה׃ ויאמר המלך אל חזאל קח בידך מנחה ולך לקראת איש האלהים ודרשת את יהוה מאתו לאמר החיה אחיה מחלי זה׃ וילך חזאל לקראתו ויקח מנחה בידו וכל טוב דמשק משא ארבעים גמלים ויבא ויעמד לפניו ויאמר בנך בן הדד מלך ארם שלחני אליך לאמר החיה אחיה מחלי זה׃ ויאמר אליו אלישע לך אמר חיה תחיה והראני יהוה כי מות ימות׃ וישם פניו וישם עד בושו ויבך איש האלהים׃ ויאמר חזאל מדוע אדני בוכה ויאמר כי ידעתי את אשר תעשה לבני ישראל מבצריהם תשלח ואת בחוריהם בחרב תהרג ואת עוליהם תרטש והרותיהם תבקע׃ ויאמר חזאל כי מה עבדך הכלב כי יעשה את הדבר הגדול הזה ויאמר אלישע הראני יהוה אותך מלך על ארם׃ וילך מעם אלישע ויבא אל אדניו ויאמר אליו מה אמר לך אלישע ויאמר אמר לי חיה תחיה׃ ויהי ממחרת ויקח את המכסה ויטבל במים ויפרש על פניו וימת וימלך חזאל תחתיו׃

ובשנת חמש לאחאב בן עמרי מלך ישראל ויהושפט מלך יהודה מלך יהורם בן יהושפט מלך יהודה׃ בן שלשים ושתים שנה היה במלכו ושמנה שנים מלך בירושלם׃ וילך בדרך מלכי ישראל כאשר עשה בית אחאב כי בת אחאב היתה לו אשה ויעש הרע בעיני יהוה׃ ולא אבה יהוה להשחית את יהודה למען דוד עבדו כאשר אמר לתת לו נר לו ולבניו כל הימים׃ בימיו פשע אדום מתחת יד יהודה ויתמלכו עליהם מלך׃ ויעבר יהורם צעירה ויך את אדום הסבים עליו ושרי הרכב ויהי העם לאהליהם ויפל אדום מתחת יד יהודה עד היום הזה אז פשעה לבנה בעת ההיא׃ ויתר דברי יהורם וכל אשר עשה הלא הם כתובים על ספר דברי הימים למלכי יהודה׃ וישכב יהורם עם אבתיו ויקבר עם אבתיו בעיר דוד ומלך אחזיהו בנו תחתיו׃

בשנת שתים עשרה שנה ליהורם בן אחאב מלך יהודה מלך אחזיהו בן יהורם מלך יהודה׃ בן עשרים ושתים שנה אחזיהו במלכו ושנה אחת מלך בירושלם ושם אמו עתליה בת עמרי מלך ישראל׃ וילך בדרך בית אחאב ויעש הרע בעיני יהוה כאשר בית אחאב כי חתן בית אחאב הוא׃ וילך עם יהורם בן אחאב למלחמה אל חזאל מלך ארם ברמות גלעד וישמרו ארמים את יהורם׃ וישב המלך יהורם להתרפא ביזרעאל מן המכות אשר הכוהו ארמים ברמה בהלחמו את חזאל מלך ארם ועזריהו בן יהורם מלך יהודה ירד לראות את יהורם בן אחאב ביזרעאל כי חלה הוא׃

ואלישע הנביא קרא לאחד מבני הנביאים ויאמר אליו אזר מתניך וקח פך השמן הזה בידך והלך רמת גלעד׃ ובא שמה וראה שם יהוא בן יהושפט בן נמשי ובא והקם את אחיו מתוך החדרים והביא אותו אל חדר פנימה׃ ולקח פך השמן ויצק על ראשו ויאמר כה אמר יהוה משחתיך למלך על ישראל ופתחת הדלת ונסת ולא תחכה׃ וילך הנער הנער הנביא רמת גלעד׃ ויבא והנה שרי החיל ישבים ויאמר דבר אלי אליך שר אל איש אל יהוא ויאמר אל מי מכלנו אל השר׃ ויקם ויבא הבית והוא יצק השמן על ראשו ויאמר אליו כה אמר יהוה אלהי ישראל משחתיך למלך על עם יהוה על ישראל׃ והכית את בית אחאב אדניך ונקמתי דמי עבדי הנביאים ודם כל עבדי יהוה מיד איזבל׃ ואבד כל בית אחאב והכרתי לאחאב משתין בקיר ועצור ועזוב בישראל׃ ונתתי את בית אחאב כבית ירבעם בן נבט וכבעשא בן אחיה׃ ואת איזבל תאכלנה הכלבים בחלקת יזרעאל ואין קובר ויפתח הדלת וינס׃

ויהוא יצא אל עבדי אדניו ויאמרו אליו השלום מדוע בא המשגע הזה אליך ויאמר אליהם אתם ידעתם את האיש ואת שיחו׃ ויאמרו שקר הגד נא לנו ויאמר כזאת וכזאת דבר אלי לאמר כה אמר יהוה משחתיך למלך על ישראל׃ וימהרו ויקחו איש את בגדו וישימו תחת לו על גבי המעלות ויתקעו בשופר ויאמרו מלך יהוא׃ ויתקשר יהורם בן יהושפט בן נמשי ויהוא יצא אל מול יהורם ויהורם שמר הוא וכל ישראל מפני חזאל מלך ארם׃ והמלך יהורם שב להתרפא ביזרעאל מן המכות אשר הכוהו ארמים בהלחמו את חזאל מלך ארם ויהוא אמר אם יש נפשכם אל תצא פליט מן העיר ללכת להגיד ביזרעאל׃ ויהוא רכב ויסע יזרעאל כי יהורם שכב שם ואחזיהו מלך יהודה ירד לראות את יהורם׃ והצפה עמדת על מגדל יזרעאל ותרא את קהל יהוא בבאו ותאמר קהל אנשים אנכי רואה ויאמר יהורם קח רכב ושלח לקראתם ויאמר השלום׃ וילך רכב לקראתו ויאמר כה אמר המלך השלום ויאמר יהוא מה לך ולשלום סב אחרי׃ ויגד הצפה לאמר בא המלאך עד אליהם ולא שב׃ וישלח רכב שני ויבא אליהם ויאמר כה אמר המלך השלום ויאמר יהוא מה לך ולשלום סב אחרי׃ ויגד הצפה לאמר בא עד אליהם ולא שב והנהיגה כנהיגת יהוא בן נמשי כי בשגעון ינהג׃ ויאמר יהורם אסר רכבו ויאסר רכבו ויצא יהורם מלך ישראל ואחזיהו מלך יהודה איש ברכבו ויצאו לקראת יהוא ויפגעו אתו בחלקת נבות היזרעאלי׃ ויהי כראות יהורם את יהוא ויאמר השלום יהוא ויאמר מה השלום עד זנוני איזבל אמך וכשפיה הרבים׃ ויהפך יהורם ידיו וינס ויאמר אל אחזיהו מרמה אחזיהו׃ ויהוא מלא ידו בקשת ויך את יהורם בין זרועתיו ויצא החץ מלבו ויכרע ברכבו׃ ויאמר אל בדקר שלשה שאהו והשלכהו בחלקת שדה נבות היזרעאלי כי זכר אני אתך ואתה רכבים אחרי אחאב אביו ויהוה נשא עליו את המשא הזה׃ אם לא את דמי נבות ואת דמי בניו ראיתי אמש נאם יהוה ושלמתי לך בחלקה הזאת עתה שאהו והשלכהו בחלקה כדבר יהוה׃

ואחזיהו מלך יהודה ראה ויברח דרך בית הגן וירדף אחריו יהוא ויאמר גם אתו הכו אל המרכבה בעלה גור אשר ליבלעם וינס מגדו וימת שם׃ וירכבו עבדיו המרכבה וישאו אתו ירושלם ויקברו אתו בקברתו עם אבתיו בעיר דוד׃ ובשנת אחת עשרה למלך יהורם בן אחאב מלך אחזיהו על יהודה׃ ויבא יהוא יזרעאל ואיזבל שמעה ותשם את עיניה בפוך ותיטב את ראשה ותשקף בעד החלון׃ ויהוא בא בשער ותאמר השלום זמרי הרג אדניו׃ וישא פניו אל החלון ויאמר מי אתי מי וישקפו אליו שני שלשה סריסים׃ ויאמר שאוה אתה וישאוה ויזו מדמה על הקיר ועל הסוסים ויתרסה׃ ויבא ויאכל וישת ויאמר פקדו נא את הארורה הזאת וקברו אתה כי בת מלך היא׃ וילכו לקברה ולא מצאו כי אם הגלגלת והרגלים והכפות ידים׃ וישבו ויגידו לו ויאמר דבר יהוה הוא אשר דבר ביד עבדו אליהו התשבי לאמר בחלקת יזרעאל יאכלו הכלבים את בשר איזבל׃ והיתה נבלת איזבל כדמן על פני השדה בחלקת יזרעאל אשר לא יאמרו זאת איזבל׃

ואחאב היו שבעים בנים בשמרון וישלח יהוא ספרים ויכתב אל שרי יזרעאל הזקנים ואל אמנים אל אחאב לאמר׃ ועתה כבוא הספר הזה אליכם אשר עמכם בני אדניכם ועמכם הרכב והסוסים ועיר מבצר וכלי המלחמה׃ ראו את הטוב ואת הישר שבבני אדניכם ושימו על כסא אביו ונלחמו על בית אדניכם׃ ויראו מאד מאד ויאמרו הנה שני המלכים לא עמדו לפניו ואיך נעמד אנחנו׃ וישלח אשר על הבית ואשר על העיר והזקנים והאמנים אל יהוא לאמר עבדיך אנחנו וכל אשר תאמר אלינו נעשה לא נמליך איש כל הטוב בעיניך עשה׃ ויכתב אליהם ספר שנית לאמר אם לי אתם ואל קולי אתם שמעים קחו את ראשי אנשי בני אדניכם ובאו אלי כעת מחר יזרעאלה ושבעים אנשי בני המלך אתי גדלי העיר המגדלים אתם׃ והספר כבוא אליהם ויקחו את בני המלך וישחטו שבעים איש וישימו את ראשיהם בדודים וישלחו אליו יזרעאלה׃ ויבא המלאך ויגד לו לאמר הביאו ראשי בני המלך ויאמר שימו אתם שני צבתים פתח השער עד הבקר׃ ויהי בבקר ויצא ויעמד ויאמר אל כל העם צדיקים אתם הנה אני קשרתי על אדני ואהרגהו ומי הכה את כל אלה׃ דעו עתה כי לא יפל מדבר יהוה ארצה אשר דבר יהוה על בית אחאב ויהוה עשה את אשר דבר ביד עבדו אליהו׃ ויך יהוא את כל הנשארים לבית אחאב ביזרעאל וכל גדוליו ומיודעיו וכהניו עד בלתי השאיר לו שריד׃ ויקם וילך ויבא שמרון הוא בית עקד הרעים בדרך׃ מצא יהוא את אחי אחזיהו מלך יהודה ויאמר מי אתם ויאמרו אחי אחזיהו אנחנו וירדנו לשלום גבירת המלך ולשלום גבירת הגבירה׃ ויאמר חיו אתם ויחיום וישחטום על בור בית עקד איש ארבעים ושנים ולא הניח לו איש מהם׃ ויבא שמרון והוא הכה כל הנשאר לאחאב בשמרון עד השמידו כדבר יהוה אשר דבר אל אליהו׃

ויקבץ יהוא את כל העם ויאמר אליהם אחאב עבד את הבעל מעט יהוא יעבדנו הרבה׃ ועתה קראו אלי את כל נביאי הבעל כל עבדיו וכל כהניו אל יפקד איש כי זבח גדול לי לבעל כל אשר יפקד איש לא יחיה ויהוא עשה בעקבה למען אבד את עבדי הבעל׃ ויאמר יהוא קדשו עצרה לבעל ויקראו׃ וישלח בכל ישראל ויבאו כל עבדי הבעל לא נשאר איש אשר לא בא ויבאו בית הבעל וימלא בית הבעל פה אל פה׃ ויאמר לאשר על המלתחה הוצא לבושים לכל עבדי הבעל ויוצא להם מלבושים׃ ויבא יהוא ויהונדב בן רכב הבעלה ויאמר לעבדי הבעל חפשו והראו פן יש פה אתכם מעבדי יהוה כי אם עבדי הבעל לבדם׃ ויבאו לעשות זבחים ועלות ויהוא שם לו בחוץ שמנים איש ויאמר האנשים אשר הבאתי בידכם מלט איש את נפש האיש אשר יפליט אתו תחתיו נפשו תחת נפשו׃ ויהי כאשר כלה העלות לעשות ויהוא אמר לרצים ולשלשים בואו הכום אל יצא איש ויכום לפי חרב וישלכו הרצים והשלשים ויבאו עד עיר בית הבעל׃ ויוציאו את מצבות בית הבעל וישרפו׃ וישברו את מצבת הבעל ויתצו את בית הבעל וישימו אתו למחראות עד היום הזה׃ וישמד יהוא את הבעל מישראל׃ רק מחטאות ירבעם בן נבט אשר החטיא את ישראל לא סר יהוא מאחריהם את עגלי הזהב אשר בבית אל ואשר בדן׃ ויאמר יהוה אל יהוא יען אשר הטיבות לעשות הישר בעיני ככל אשר בלבבי עשית לבית אחאב בני רבעים ישבו לך על כסא ישראל׃ ויהוא לא שמר ללכת בתורת יהוה אלהי ישראל בכל לבבו לא סר מעל חטאות ירבעם אשר החטיא את ישראל׃

בימים ההם החל יהוה להקצות בישראל ויכם חזאל בכל גבול ישראל׃ מן הירדן מזרחה כל ארץ הגלעדי הגדי והראובני והמנשי מערוער אשר על נחל ארנון והגלעד והבשן׃ ויתר דברי יהוא וכל אשר עשה וכל גבורתו הלא הם כתובים על ספר דברי הימים למלכי ישראל׃ וישכב יהוא עם אבתיו ויקברו אתו בשמרון וימלך יהואחז בנו תחתיו׃ ובשנת עשרים ושלש שנה ליואש בן אחזיהו מלך יהודה מלך יהואחז בן יהוא על ישראל בשמרון שבע עשרה שנה׃ ויעש הרע בעיני יהוה וילך אחרי חטאות ירבעם בן נבט אשר החטיא את ישראל לא סר ממנה׃ ויחר אף יהוה בישראל ויתנם ביד חזאל מלך ארם וביד בן הדד בן חזאל כל הימים׃ ויחל יהואחז את פני יהוה וישמע אליו יהוה כי ראה את לחץ ישראל כי לחצם מלך ארם׃ ויתן יהוה לישראל מושיע ויצאו מתחת יד ארם וישבו בני ישראל באהליהם כתמול שלשום׃ לא סרו מחטאות בית ירבעם אשר החטיא את ישראל בם הלך ואף האשרה עמדה בשמרון׃ כי לא הניח ליהואחז מעם כי אם חמשים פרשים ועשרה רכבים וחיל כבד כי אבדם מלך ארם וישמם כעפר לדוש׃ ויתר דברי יהואחז וכל אשר עשה וגבורתו הלא הם כתובים על ספר דברי הימים למלכי ישראל׃ וישכב יהואחז עם אבתיו ויקברו אתו בשמרון וימלך יואש בנו תחתיו׃

בשנת שלשים ושבע שנה ליואש מלך יהודה מלך יהואש בן יהואחז על ישראל בשמרון שש עשרה שנה׃ ויעש הרע בעיני יהוה לא סר מכל חטאות ירבעם בן נבט אשר החטיא את ישראל בם הלך׃ ויתר דברי יואש וכל אשר עשה וגבורתו אשר נלחם את אמציה מלך יהודה הלא הם כתובים על ספר דברי הימים למלכי ישראל׃ וישכב יואש עם אבתיו וירבעם ישב על כסאו ויואש קבר בשמרון עם מלכי ישראל׃ ואלישע חלה את חליו אשר ימות בו וירד אליו יואש מלך ישראל ויבך על פניו ויאמר אבי אבי רכב ישראל ופרשיו׃ ויאמר אליו אלישע קח קשת וחצים ויקח אליו קשת וחצים׃ ויאמר למלך ישראל שים ידך על הקשת וישם ידו ויסמך אלישע את ידיו על ידי המלך׃ ויאמר פתח החלון קדמה ויפתח ויאמר אלישע ירה וירה ויאמר חץ תשועת יהוה ותשועה מארם ומכית את ארם באפק עד כלתך׃ ויאמר קח החצים ויקח ויאמר למלך ישראל הך ארצה ויך שלש פעמים ויעמד׃ ויקצף עליו איש האלהים ויאמר הכית חמש או שש פעמים אז הכית את ארם עד כלה ועתה שלש פעמים תכה את ארם׃ ואלישע מת ויקברו אתו ובני מואב מפשטים את הארץ לבוא השנה׃ ויהי הם קברים איש ומת והנה ראו את הגדוד וישלכו את האיש בקבר אלישע וילך וייגע האיש בעצמות אלישע ויחי ויעמד על רגליו׃ וחזאל מלך ארם לחץ את ישראל כל ימי יהואחז׃ ויחן יהוה אתם וירחם אתם ויפן אליהם למען בריתו את אברהם יצחק ויעקב ולא אבה להשחיתם ולא השליכם מעל פניו עד עתה׃ וחזאל מלך ארם מת ובן הדד בנו מלך תחתיו׃ ויואש בן יהואחז לקח עוד ערים מיד בן הדד בן חזאל אשר לקח מיד יהואחז אביו במלחמה שלש פעמים הכהו יואש וישב את ערי ישראל׃

בשנת שתים למלך יואש בן יהואחז מלך ישראל מלך אמציה בן יואש מלך יהודה׃ בן עשרים וחמש שנה היה במלכו ותשע ועשרים שנה מלך בירושלם ושם אמו יהועדין מירושלם׃ ויעש הישר בעיני יהוה רק לא כדוד אביו ככל אשר עשה יואש אביו עשה׃ אך הבמות לא סרו עוד העם זבחים ומקטרים על הבמות׃ ויהי כחזק הממלכה עליו ויך את עבדיו המכים את המלך אביו׃ ואת בני המכים לא המית כאשר כתוב בספר תורת משה אשר צוה יהוה לאמר לא יומתו אבות על בנים ובנים לא יומתו על אבות כי איש בחטאו יומתו׃ הוא הכה את אדום בגיא המלח עשרת אלפים ותפש את סלע במלחמה ויקרא את שמה יקתאל עד היום הזה׃ אז שלח אמציה מלאכים אל יהואש בן יהואחז בן יהוא מלך ישראל לאמר לכה נתראה פנים׃ וישלח יהואש מלך ישראל אל אמציה מלך יהודה לאמר החוח אשר בלבנון שלח אל הארז אשר בלבנון לאמר תנה את בתך לבני לאשה ותעבר חית השדה אשר בלבנון ותרמס את החוח׃ הכה הכית את אדום ונשא לבך להתהלל שב עתה בביתך למה תתגרה ברעה ונפלת אתה ויהודה עמך׃ ולא שמע אמציה כי מאת יהוה היתה כי לבקש את אלהי אדום׃ ויעל יהואש מלך ישראל ויתראו פנים הוא ואמציה מלך יהודה בבית שמש אשר ליהודה׃ ויגף יהודה לפני ישראל וינסו איש לאהליו׃ ואת אמציה מלך יהודה לכד בן יואש בן יהואחז יהואש מלך ישראל בבית שמש ויבא ירושלם ויפרץ בחומת ירושלם משער אפרים עד שער הפנה ארבע מאות אמה׃ ואת כל הזהב והכסף וכל הכלים הנמצאים בבית יהוה ובאוצרות בית המלך ואת בני התערבות וישב שמרונה׃ ויתר דברי יואש אשר עשה וגבורתו אשר נלחם את אמציה מלך יהודה הלא הם כתובים על ספר דברי הימים למלכי ישראל׃ וישכב יואש עם אבתיו ויקבר בשמרון עם מלכי ישראל וימלך ירבעם בנו תחתיו׃ ויחי אמציה בן יואש מלך יהודה אחרי מות יהואש בן יהואחז מלך ישראל חמש עשרה שנה׃ ויתר דברי אמציה הלא הם כתובים על ספר דברי הימים למלכי יהודה׃ ויקשרו עליו קשר בירושלם וינס לכישה וישלחו אחריו לכישה וימיתהו שם׃ וישאהו על סוסים ויקבר בירושלם עם אבתיו בעיר דוד׃ ויקחו כל העם את עזריהו בן שש עשרה שנה וימליכו אתו תחת אביו אמציה׃ הוא בנה את אילת וישיבה ליהודה אחרי שכב המלך עם אבתיו׃ בן שש עשרה שנה עזריהו במלכו וחמשים שנה מלך בירושלם ושם אמו יכליהו מירושלם׃ ויעש הישר בעיני יהוה ככל אשר עשה אמציה אביו׃ אך הבמות לא סרו עוד העם זבחים ומקטרים על הבמות׃ ויגף יהוה את המלך ויהי מצרע עד יום מותו וישב בבית החפשית ויותם בן המלך על הבית שפט את עם הארץ׃ ויתר דברי עזריהו וכל אשר עשה הלא הם כתובים על ספר דברי הימים למלכי יהודה׃ וישכב עזריהו עם אבתיו ויקברו אתו עם אבתיו בעיר דוד ומלך יותם בנו תחתיו׃

בשנת חמשים ושתים שנה לעזריהו מלך יהודה מלך ירבעם בן יואש על ישראל בשמרון ארבעים שנה׃ ויעש הרע בעיני יהוה לא סר מכל חטאות ירבעם בן נבט אשר החטיא את ישראל׃ הוא השיב את גבול ישראל מלבוא חמת עד ים הערבה כדבר יהוה אלהי ישראל אשר דבר ביד עבדו יונה בן אמתי הנביא אשר מגת החפר׃ כי ראה יהוה את עני ישראל מר מאד ואפס עצור ואפס עזוב ואין עזר לישראל׃ ולא דבר יהוה להמחות את שם ישראל מתחת השמים ויושיעם ביד ירבעם בן יואש׃ ויתר דברי ירבעם וכל אשר עשה וגבורתו אשר נלחם ואשר השיב את דמשק ואת חמת ליהודה לישראל הלא הם כתובים על ספר דברי הימים למלכי ישראל׃ וישכב ירבעם עם אבתיו עם מלכי ישראל וימלך זכריה בנו תחתיו׃

בשנת עשרים ושבע שנה לירבעם מלך ישראל מלך עזריהו בן אמציה מלך יהודה׃ בן שש עשרה שנה היה במלכו וחמשים ושתים שנה מלך בירושלם ושם אמו יכליהו מירושלם׃ ויעש הישר בעיני יהוה ככל אשר עשה אמציה אביו׃ אך הבמות לא סרו עוד העם זבחים ומקטרים על הבמות׃ ויגף יהוה את המלך ויהי מצרע עד יום מותו וישב בבית החפשית ויותם בן המלך על הבית שפט את עם הארץ׃ ויתר דברי עזריהו וכל אשר עשה הלא הם כתובים על ספר דברי הימים למלכי יהודה׃ וישכב עזריהו עם אבתיו ויקברו אתו עם אבתיו בעיר דוד ומלך יותם בנו תחתיו׃

בשנת חמשים ושתים שנה לעזריהו מלך יהודה מלך זכריה בן ירבעם על ישראל בשמרון שנה ושנים עשר חדש׃ ויעש הרע בעיני יהוה כאשר עשו אבתיו לא סר מחטאות ירבעם בן נבט אשר החטיא את ישראל׃ ויקשר עליו שלם בן יבש ויכהו קבל העם ויהרגהו וימלך תחתיו׃ ויתר דברי זכריה הנה הם כתובים על ספר דברי הימים למלכי ישראל׃ זה דבר יהוה אשר דבר אל יהוא לאמר בניך עד רבעים ישבו לך על כסא ישראל ויהי כן׃ שלם בן יבש מלך בשנת שלשים ותשע שנה לעזיה מלך יהודה וימלך חדש ימים בשמרון׃ ויעל מנחם בן גדי מתרצה ויבא תרצה ויך את שלם בן יבש בשמרון ויכהו וימלך תחתיו׃ ויתר דברי שלם וקשרו אשר קשר הנה הם כתובים על ספר דברי הימים למלכי ישראל׃ אז הכה מנחם את תפסח ואת כל אשר בה ואת גבוליה מתרצה כי לא פתחו לו ויכה את כל הרה בקעה׃ בשנת שלשים ותשע שנה לעזריהו מלך יהודה מלך מנחם בן גדי על ישראל עשר שנים בשמרון׃ ויעש הרע בעיני יהוה לא סר כל ימיו מחטאות ירבעם בן נבט אשר החטיא את ישראל׃ בימיו עלה פול מלך אשור על הארץ ויתן מנחם לפול אלף ככר כסף למען תהי ידו עמו להחזיק את הממלכה בידו׃ ויפקד מנחם את כל ישראל את כל אשר חיל גבור להתת למלך אשור חמשים חמשים שקלים כסף על איש לתת למלך אשור ויסב המלך אשור ולא עמד שם בארץ׃ ויתר דברי מנחם וכל אשר עשה הלא הם כתובים על ספר דברי הימים למלכי ישראל׃ וישכב מנחם עם אבתיו וימלך פקחיה בנו תחתיו׃ בשנת חמשים שנה לעזריהו מלך יהודה מלך פקחיה בן מנחם על ישראל בשמרון שנתים׃ ויעש הרע בעיני יהוה לא סר מחטאות ירבעם בן נבט אשר החטיא את ישראל׃ ויקשר עליו פקח בן רמליהו שלישו ויכהו בשמרון בארמון בית המלך את ארגב ואת אריה ועמו חמשים איש מבני הגלעדי ויהרגהו וימלך תחתיו׃ ויתר דברי פקחיה וכל אשר עשה הנה הם כתובים על ספר דברי הימים למלכי ישראל׃ בשנת חמשים ושתים שנה לעזריהו מלך יהודה מלך פקח בן רמליהו על ישראל בשמרון עשרים שנה׃ ויעש הרע בעיני יהוה לא סר מחטאות ירבעם בן נבט אשר החטיא את ישראל׃ בימי פקח מלך ישראל בא תגלת פלאסר מלך אשור ויקח את עיון ואת אבל בית מעכה ואת יניעם ואת קדש ואת חצור ואת גלעד ואת הגליל כל ארץ נפתלי ויגל אתם אשורה׃ ויקשר הושע בן אלה ק

12 ...

13 ...

14 ...

15 ...

16 ...

17 ...

18 ...

19 ...

Digitized by Google

20 ... ...

25 וְזֹאת הַתּוֹרָה אֲשֶׁר שָׂם מֹשֶׁה לִפְנֵי בְּנֵי יִשְׂרָאֵל׃ עַל־פִּי יְהוָה בְּיַד־מֹשֶׁה׃ צִוָּה מֹשֶׁה אֶת־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל בְּיוֹם הִמָּשַׁח אֶת־הַמִּזְבֵּחַ לְהַקְרִיב קָרְבָּנָם לִפְנֵי יְהוָה בְּמִדְבַּר סִינָי׃

26 וַיְהִי בַּיּוֹם הַשְּׁלִשִׁי בְּהַכְשִׁיר מֹשֶׁה לְהָקִים אֶת־הַמִּשְׁכָּן וַיִּמְשַׁח אֹתוֹ וַיְקַדֵּשׁ אֹתוֹ וְאֶת־כָּל־כֵּלָיו וְאֶת־הַמִּזְבֵּחַ וְאֶת־כָּל־כֵּלָיו וַיְקַדֵּשׁ אֹתָם׃ וַיִּשְׁלַח מֹשֶׁה אֶת־אַהֲרֹן וְאֶת־בָּנָיו לְכַהֵן תַּחְתָּיו׃ וַיִּקַּח אֶת־שְׁנֵי הָאֵילִים וְאֶת־הַכֶּבֶשׂ וְאֶת־הַתְּרוּמָה וְאֶת־הַשּׁוֹק וְאֶת־הַחֲלָבִים וְאֶת־הַכְּלָיוֹת וְאֶת־הַיֹּתֶרֶת וְאֶת־הַכֶּבֶד וְאֶת־הַקְּרָבַיִם וְאֶת־הַבָּשָׂר וְאֶת־הַפָּר

31 ...

32 ...

33 ...

34 ...

35 ...

Digitized by Google

36 ... ...

42 וַיֹּאמֶר יְהוָה אֵלַי אֱמֹר לָהֶם לֹא תַעֲלוּ וְלֹא תִלָּחֲמוּ כִּי אֵינֶנִּי בְקִרְבְּכֶם וְלֹא תִנָּגְפוּ לִפְנֵי אֹיְבֵיכֶם׃ **43** וָאֲדַבֵּר אֲלֵיכֶם וְלֹא שְׁמַעְתֶּם וַתַּמְרוּ אֶת פִּי יְהוָה וַתָּזִדוּ וַתַּעֲלוּ הָהָרָה׃ **44** וַיֵּצֵא הָאֱמֹרִי הַיֹּשֵׁב בָּהָר הַהוּא לִקְרַאתְכֶם וַיִּרְדְּפוּ אֶתְכֶם כַּאֲשֶׁר תַּעֲשֶׂינָה הַדְּבֹרִים וַיַּכּוּ אֶתְכֶם בְּשֵׂעִיר עַד חָרְמָה׃ **45** וַתָּשֻׁבוּ וַתִּבְכּוּ לִפְנֵי יְהוָה וְלֹא שָׁמַע יְהוָה בְּקֹלְכֶם וְלֹא הֶאֱזִין אֲלֵיכֶם׃ **46** וַתֵּשְׁבוּ בְקָדֵשׁ יָמִים רַבִּים כַּיָּמִים אֲשֶׁר יְשַׁבְתֶּם׃

47 וַנֵּפֶן וַנִּסַּע הַמִּדְבָּרָה דֶּרֶךְ יַם סוּף כַּאֲשֶׁר דִּבֶּר יְהוָה אֵלַי וַנָּסָב אֶת הַר שֵׂעִיר יָמִים רַבִּים׃

Digitized by Google

48 ಯಾಕೋಬನನ್ನು ಖಡ್ಗದಿಂದ ಕೊಂದು ಹಾಕಿಸಿದನು.

49 ಇದು ಯೆಹೂದ್ಯರಿಗೆ ಮೆಚ್ಚಿಕೆಯಾಗಿದೆ ಎಂದು ಅವನು ಕಂಡು ಪೇತ್ರನನ್ನು ಸಹ ಬಂಧಿಸಿದನು. ಆಗ ಹುಳಿಯಿಲ್ಲದ ರೊಟ್ಟಿಯ ಹಬ್ಬದ ದಿವಸಗಳಾಗಿದ್ದವು.

50 ಅವನನ್ನು ಸೆರೆಹಿಡಿದು ಸೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿ ಇಟ್ಟು ಅವನನ್ನು ಕಾಯುವದಕ್ಕೆ ನಾಲ್ಕು ಮಂದಿ ಸೈನಿಕರ ನಾಲ್ಕು ಪಾಳೆಯಗಳಿಗೆ ಒಪ್ಪಿಸಿದನು. ಜನರ ಮುಂದೆ ಅವನನ್ನು ಹೊರಗೆ ತರಲು ಹೆರೋದನು ಉದ್ದೇಶಿಸಿದ್ದನು.

51 ಆದರೆ ಪೇತ್ರನು ಸೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿ ಕಾವಲಾಗಿದ್ದನು. ಆದರೆ ಸಭೆಯವರು ಅವನಿಗೋಸ್ಕರ ದೇವರಿಗೆ ಬಿಡದೆ ಪ್ರಾರ್ಥನೆ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದರು. ಹೆರೋದನು ಅವನನ್ನು ಹೊರಗೆ ತರುವ ದಿನದ ಹಿಂದಿನ ರಾತ್ರಿಯಲ್ಲಿ ಪೇತ್ರನು ಎರಡು ಸರಪಣಿಗಳಿಂದ ಬಂಧಿತನಾಗಿ ಇಬ್ಬರು ಸೈನಿಕರ ಮಧ್ಯದಲ್ಲಿ ಮಲಗಿದ್ದನು. ಕಾವಲುಗಾರರು ಬಾಗಿಲಿಗೆ ಮುಂದಾಗಿ ಸೆರೆಮನೆಯನ್ನು ಕಾಯುತ್ತಿದ್ದರು.

52 ಆಗ ಕರ್ತನ ದೂತನು ಅವನ ಬಳಿಯಲ್ಲಿ ನಿಂತುಕೊಂಡನು. ಆ ಕೋಣೆಯಲ್ಲಿ ಬೆಳಕು ಪ್ರಕಾಶಿಸಿತು: ಅವನು ಪೇತ್ರನ ಪಕ್ಕವನ್ನು ಹೊಡೆದು ಅವನನ್ನು ಎಬ್ಬಿಸಿ ಅವನ ಕೈಗಳಿಂದ ಸರಪಣಿಗಳು ಕಳಚಿ ಬೀಳುವಂತೆ ಮಾಡಿದನು.

53 ಮತ್ತು ಅವನು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ: ನಡುಕಟ್ಟಿಕೊಂಡು ನಿನ್ನ ಪಾದರಕ್ಷೆಗಳನ್ನು ಮೆಟ್ಟಿಕೊ ಅಂದನು. ಅವನು ಹಾಗೆಯೇ ಮಾಡಿದನು. ಅವನು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ: ನಿನ್ನ ಮೇಲಂಗಿಯನ್ನು ಹಾಕಿಕೊಂಡು ನನ್ನ ಹಿಂದೆ ಬಾ ಅಂದನು.

54 ಅವನು ಹೊರಗೆ ಬಂದು ಅವನ ಹಿಂದೆ ಹೋದನು. ಆದರೆ

Digitized by Google

55 ויאמר אברהם אל־עבדו זקן ביתו המשל בכל־אשר־לו שים־נא ידך תחת ירכי׃ **56** ואשביעך בה׳ אלהי השמים ואלהי הארץ אשר לא־תקח אשה לבני מבנות הכנעני אשר אנכי יושב בקרבו׃ **57** כי־אל־ארצי ואל־מולדתי תלך ולקחת אשה לבני ליצחק׃ **58** ויאמר אליו העבד אולי לא־תאבה האשה ללכת אחרי אל־הארץ הזאת השב אשיב את־בנך אל־הארץ אשר יצאת משם׃ **59** ויאמר אליו אברהם השמר לך פן־תשיב את־בני שמה׃ **60** ה׳ אלהי השמים אשר לקחני מבית אבי ומארץ מולדתי

Digitized by Google

61 ...

62 ...

63 ...

64 ...

65 ...

66 ...

Digitized by Google

Digitized by Google

،ةيلمعلا ةيعرشلا ةيضقلا ةيلمعل ةيلوألا ةيعرشلا ةيضقلا ةيلمعل ةيلوألا

2 ةيلمعلا ةيعرشلا ةيضقلا ةيلمعل ةيلوألا ةيعرشلا ةيضقلا ةيلمعل ةيلوألا ةيعرشلا ةيضقلا ةيلمعل ةيلوأل

Digitized by Google

21 ...

20 ...

19 ...

18 ...

17 ...

16 ...

15 ...

ויאמר אליו אלישע הלא לבי הלך כאשר הפך איש מעל מרכבתו לקראתך ויאמר המשלם לקחת את הכסף ולקחת בגדים וזיתים וכרמים וצאן ובקר ועבדים ושפחות׃

27 וצרעת נעמן תדבק בך ובזרעך עד עולם ויצא מלפניו מצרע כשלג׃

28 ויבא ויעמד אל אדני ויאמר אליו אלישע מאין גחזי ויאמר לא הלך עבדך אנה ואנה׃

29 ויאמר אליו הלא לבי הלך כאשר הפך האיש מעל מרכבתו לקראתך העת לקחת את הכסף ולקחת בגדים וזיתים וכרמים וצאן ובקר ועבדים ושפחות׃

30 וצרעת נעמן תדבק בך ובזרעך עד עולם ויצא מלפניו מצרע כשלג׃

31 ויבא ויעמד אל אדני ויאמר אליו אלישע מאין גחזי ויאמר לא הלך עבדך אנה ואנה׃

32 ויאמר אליו הלא לבי הלך כאשר הפך האיש מעל מרכבתו לקראתך העת לקחת את הכסף ולקחת בגדים וזיתים וכרמים וצאן ובקר ועבדים ושפחות׃

33 וצרעת נעמן תדבק בך ובזרעך עד עולם ויצא מלפניו מצרע כשלג׃

34 ויבא ויעמד אל אדני ויאמר אליו אלישע מאין גחזי ויאמר לא הלך עבדך אנה ואנה׃

35 ויאמר אליו הלא לבי הלך כאשר הפך האיש מעל מרכבתו לקראתך העת לקחת את הכסף ולקחת בגדים וזיתים וכרמים וצאן ובקר ועבדים ושפחות׃

36 וצרעת נעמן תדבק בך ובזרעך עד עולם ויצא מלפניו מצרע כשלג׃

Digitized by Google

28 וְכִי יִמְכֹּר אִישׁ בִּתּוֹ לְאָמָה לֹא תֵצֵא כְּצֵאת הָעֲבָדִים׃ אִם־רָעָה בְעֵינֵי אֲדֹנֶיהָ אֲשֶׁר לוֹ יָעָדָהּ וְהֶפְדָּהּ לְעַם נָכְרִי לֹא־יִמְשֹׁל לְמָכְרָהּ בְּבִגְדוֹ בָּהּ׃ וְאִם־לִבְנוֹ יִיעָדֶנָּה כְּמִשְׁפַּט הַבָּנוֹת יַעֲשֶׂה־לָּהּ׃ אִם־אַחֶרֶת יִקַּח לוֹ שְׁאֵרָהּ כְּסוּתָהּ וְעֹנָתָהּ לֹא יִגְרָע׃ וְאִם־שָׁלוֹשׁ אֵלֶּה לֹא יַעֲשֶׂה לָהּ וְיָצְאָה חִנָּם אֵין כָּסֶף׃

29 וְהַנֶּפֶשׁ כִּי תַחֲטִא וְעָשְׂתָה אַחַת מִכָּל־מִצְוֹת יְהוָה אֲשֶׁר לֹא תֵעָשֶׂינָה וְאָשֵׁם וְנָשָׂא עֲוֹנָהּ׃

30 וְהִזָּה עָלָיו הַכֹּהֵן מִדַּם הָאָשָׁם וְכִפֶּר עָלָיו עַל־שִׁגְגָתוֹ אֲשֶׁר שָׁגָג הוּא וְהוּא לֹא יָדָע וְנִסְלַח לוֹ׃ וְכִפֶּר עַל־הַנֶּפֶשׁ הַהִוא אֲשֶׁר תֶּחֱטָא בִּשְׁגָגָה וְלָקְחוּ שְׁתֵּי כְבָשִׂים בְּנֵי־שָׁנָה תְּמִימִים וְהֵבִיאוּ אֶל־הַכֹּהֵן׃

31 וְהִקְרִיב הַכֹּהֵן אֶת־הָאֶחָד לְחַטָּאת וְאֶת־הָאֶחָד לְעוֹלָה עַל־כִּפֻּרֵי הַנֶּפֶשׁ הַהִוא אֲשֶׁר חָטְאָה בִּשְׁגָגָה וְכִפֶּר עַל־הַנֶּפֶשׁ הַהִוא אֲשֶׁר חָטְאָה בִּשְׁגָגָה לִפְנֵי יְהוָה וְנִסְלַח לָהּ׃

32 וְכִי־תָבִיא כֶּבֶשׂ לְקָרְבָּנָהּ לְחַטָּאת נְקֵבָה תְּמִימָה תְּבִיאֶנָּה׃ וְסָמַךְ אֶת־יָדוֹ עַל־רֹאשׁ הַחַטָּאת וְשָׁחַט אֹתָהּ לְחַטָּאת בִּמְקוֹם אֲשֶׁר יִשְׁחַט אֶת־הָעוֹלָה׃

Digitized by Google

22 ויאמר יהוה אל משה ואל אהרן עד אנה לעדה הרעה הזאת הלמלונים אשר הם מלינים עלי את תלונות בני ישראל אשר הם מלינים עלי שמעתי׃

23 ויאמר יהוה אל משה ואל אהרן לאמר׃ **24** דברו אל העדה לאמר סובו מעל משכן קרח דתן ואבירם׃ **25** ויקם משה וילך אל דתן ואבירם וילכו אחריו זקני ישראל׃ **26** ויאמר אל העדה לאמר סורו נא מעל אהלי האנשים הרשעים האלה ואל תגעו בכל אשר להם פן תספו בכל חטאתם׃ **27** ויעלו מעל משכן קרח דתן ואבירם מסביב ודתן ואבירם יצאו נצבים פתח אהליהם ונשיהם ובניהם וטפם׃

Digitized by Google

28 ଯିହିଷ୍କୀୟ ଏହି ସମସ୍ତ ବିଷୟ ଆମ୍ଭକୁ କହିଲେ ଉତ୍ତାରେ ଆମ୍ଭେ ଆପଣା ଦାସ ଯାକୁବକୁ ଦତ୍ତ ଆପଣା ଦେଶରେ ଆପଣା ଲୋକ ଇସ୍ରାଏଲକୁ ଯେଉଁ ସ୍ଥାନରେ ବିକ୍ଷିପ୍ତ କରିଅଛୁ, ସେହି ସ୍ଥାନରେ ସେମାନଙ୍କୁ ପୁନର୍ବାର ଏକତ୍ର କରିବା ସମୟରେ ଆମ୍ଭେ ଯେପରି ସେମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ପବିତ୍ର ବୋଲି ଗଣିତ ହେବା, ଏଥିପାଇଁ ଆମ୍ଭେ ସେମାନଙ୍କ ସାକ୍ଷାତରେ ଅନେକ ଦେଶୀୟ ଲୋକଙ୍କ ଦୃଷ୍ଟିରେ ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ପବିତ୍ର ହେବା। ତହିଁରେ ସେମାନେ ଆପଣାମାନଙ୍କ ଦେଶରେ ଆମ୍ଭେ ଯେଉଁ ଦାସ ଯାକୁବକୁ ଦେଇଅଛୁ, ସେ ତାହାର ଆପଣା ଦେଶରେ ବାସ କରିବେ। ପୁଣି, ସେମାନେ ତହିଁରେ ନିର୍ଭୟରେ ବାସ କରିବେ ଓ ଘର ନିର୍ମାଣ କରି ତହିଁରେ ବାସ କରିବେ ଓ ଦ୍ରାକ୍ଷାକ୍ଷେତ୍ର ରୋପଣ କରି ତହିଁର ଫଳ ଭୋଗ କରିବେ। ପୁଣି, ସେମାନଙ୍କର ଚତୁର୍ଦ୍ଦିଗସ୍ଥ ଯେଉଁ ସମସ୍ତ ଲୋକ ସେମାନଙ୍କୁ ତୁচ্ছ କରିଅଛନ୍ତି, ସେମାନଙ୍କର ସେହି ସମସ୍ତ ଲୋକକୁ ଆମ୍ଭେ ଦଣ୍ଡ ଦେଲା ଉତ୍ତାରେ ସେମାନେ ନିର୍ଭୟରେ ବାସ କରିବେ। ତହିଁରେ ସେମାନେ ଜାଣିବେ ଯେ, ସେମାନଙ୍କର ପରମେଶ୍ୱର ସଦାପ୍ରଭୁ ଆମ୍ଭେ ସେମାନଙ୍କର ଈଶ୍ୱର ହେବା ନିମିତ୍ତ ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ବାସ କରୁଅଛୁ।

29 ଆମ୍ଭେ ଆଉ ଆପଣା ମୁଖ ସେମାନଙ୍କଠାରୁ ଲୁଚାଇବା ନାହିଁ, କାରଣ ଆମ୍ଭେ ଇସ୍ରାଏଲ ଉପରେ ଆପଣା ଆତ୍ମା ଢାଳିଅଛୁ।

30 ଏହା ସଦାପ୍ରଭୁ ପରମେଶ୍ୱର କହନ୍ତି। ଆମ୍ଭେ ଯେଉଁ ଦିନ ମୋୟାବକୁ ଓ ଅମ୍ମୋନ-ସନ୍ତାନଗଣକୁ ଉତ୍ସନ୍ନ କରିବା, ଆମ୍ଭେ ଯେଉଁ ଦିନ ସେମାନଙ୍କୁ ଉତ୍ସନ୍ନ କରି ସେମାନଙ୍କର ଦେଶକୁ ଶୂନ୍ୟ କରିବା, ଆମ୍ଭେ ଯେଉଁ ଦିନ ସେମାନଙ୍କର ସମସ୍ତ ପ୍ରତିବାସୀଙ୍କୁ ଦଣ୍ଡ ଦେବା, ସେହି ଦିନ ଆମ୍ଭେ ଯେ ସଦାପ୍ରଭୁ ସେମାନଙ୍କର ପରମେଶ୍ୱର, ଏହା ସେମାନେ ଜାଣିବେ।

31 ଯିହିଷ୍କୀୟ ଏହି ସମସ୍ତ ଦର୍ଶନ ଦେଖିଲା ଉତ୍ତାରେ ଆମ୍ଭେ ତାହାକୁ କହିଲୁ, ମନୁଷ୍ୟ ସନ୍ତାନ, ତୁମ୍ଭେ ଯିହିଷ୍କୀୟ ଓ ତାହାର ସଙ୍ଗୀ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବକ୍ତାମାନଙ୍କୁ କହ, ତୁମ୍ଭେମାନେ ଆପଣାମାନଙ୍କ ଦର୍ଶନ ଅନୁସାରେ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବାକ୍ୟ କହିବା ନିମିତ୍ତ ଯେଉଁ ଯେଉଁ ଦିନ ଉପସ୍ଥିତ ହେବ, ସେହି ଦିନ ଆମ୍ଭେ ଯେ ସଦାପ୍ରଭୁ ପରମେଶ୍ୱର, ଏହା ତୁମ୍ଭେମାନେ ଜାଣିବ।

32 ଯିହିଷ୍କୀୟ ଯେଉଁ ଯେଉଁ ଦର୍ଶନ ଦେଖିଲା ଉତ୍ତାରେ ଆମ୍ଭେ ତାହାକୁ କହିଲୁ, ମନୁଷ୍ୟ ସନ୍ତାନ, ତୁମ୍ଭେ ଯିହିଷ୍କୀୟ ଓ ତାହାର ସଙ୍ଗୀ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବକ୍ତାମାନଙ୍କୁ କହ, ତୁମ୍ଭେମାନେ ଆପଣାମାନଙ୍କ ଦର୍ଶନ ଅନୁସାରେ ଭବିଷ୍ୟଦ୍ବାକ୍ୟ କହିବା ନିମିତ୍ତ ଯେଉଁ ଯେଉଁ ଦିନ ଉପସ୍ଥିତ ହେବ, ସେହି ଦିନ ଆମ୍ଭେ ଯେ ସଦାପ୍ରଭୁ ପରମେଶ୍ୱର, ଏହା ତୁମ୍ଭେମାନେ ଜାଣିବ।

Digitized by Google

33 ... ...

45 [illegible]

44 [illegible]

43 [illegible]

42 [illegible]

41 [illegible]

40 [illegible]

39 [illegible]

Digitized by Google

46 ಮತ್ತಿಯನು ಅವರಿಗೆ ಹೀಗೆ ಹೇಳಿದನು: ನೀವು ಸ್ವತಂತ್ರರಾಗಿ ಇರಬೇಕೆಂದು ಕರ್ತನು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ್ದಾನೆ. ಆದರೆ ನೀವು ಸ್ವತಂತ್ರರಾಗಿ ಇರಬೇಕೆಂದು ಕರ್ತನು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ್ದಾನೆ.

47 ಆಗ ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೀಗೆ ಹೇಳಿದನು: ನೀವು ಅನ್ಯಜನರಿಗೆ ಸೇವೆ ಮಾಡಿರಿ.

48 ಆಗ ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ನಾವು ಅನ್ಯಜನರಿಗೆ ಸೇವೆ ಮಾಡುವುದಿಲ್ಲ.

49 ಆಗ ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೀಗೆ ಹೇಳಿದನು, ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೀಗೆ ಹೇಳಿದನು, ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೀಗೆ ಹೇಳಿದರು,

50 ಆಗ ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೀಗೆ ಹೇಳಿದನು, ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೀಗೆ ಹೇಳಿದನು, ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೀಗೆ ಹೇಳಿದರು,

51 ಆಗ ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೀಗೆ ಹೇಳಿದನು, ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೀಗೆ ಹೇಳಿದನು, ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೀಗೆ ಹೇಳಿದರು,

52 ಆಗ ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೀಗೆ ಹೇಳಿದರು, ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೀಗೆ ಹೇಳಿದನು, ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೀಗೆ ಹೇಳಿದರು:

Digitized by Google

53 ויעתר יהוה לארץ ותרף נגפה ישראל כי נגפו לפני פלשתים ויכו בארצם בעזקה ועד שרוכים ויפלו על חרבם ויעתר לה ויעתר לה׃

ט

1 ויאמר אל משה בא אל פרעה ודברת אליו כה אמר יהוה אלהי העברים שלח עמי ויעבדני׃

2 כי אם מאן אתה לשלח ועודך מחזיק בהם׃ הנה יד יהוה היתה בדבר אשר בשדה בסוסים בחמרים בגמלים בבקר ובצאן דבר כבד מאד׃

3 והפלה יהוה בין מקנה ישראל ובין מקנה מצרים ולא ימות מכל לבני ישראל דבר׃

4 ויעש יהוה מחר את הדבר הזה בארץ׃ ויהי ביום ממחרת ויהי כל מקנה מצרים ומקנה בני ישראל לא מת׃

5 ויאמר יהוה מועד לאמר מחר יעשה יהוה הדבר הזה בארץ׃ ויהי ביום ממחרת ויהי כל מקנה מצרים ומקנה בני ישראל לא מת׃

6 ויאמר יהוה אל משה ואל אהרן קחו לכם מלא חפניכם פיח כבשן והזה משה לעיני פרעה׃ ויהי מכל פיח האדם ועל הבהמה לשחין פרחת בכל ארץ מצרים׃

Digitized by Google

Digitized by Google

12 ויהי מדי בא משה אל האהל ויתיצב כל העם איש פתח אהלו והביטו אחרי משה עד בואו האהלה׃ ויהי כבא משה האהלה ירד עמוד הענן ועמד פתח האהל ודבר עם משה׃ וראה כל העם את עמוד הענן עמד פתח האהל וקם כל העם והשתחוו איש פתח אהלו׃

13 ודבר יהוה אל משה פנים אל פנים כאשר ידבר איש אל רעהו ושב אל המחנה ומשרתו יהושע בן נון נער לא ימיש מתוך האהל׃

14 ויאמר משה אל יהוה ראה אתה אמר אלי העל את העם הזה ואתה לא הודעתני את אשר תשלח עמי ואתה אמרת ידעתיך בשם וגם מצאת חן בעיני׃ ועתה אם נא מצאתי חן בעיניך הודיעני נא את דרכך ואדעך למען אמצא חן בעיניך וראה כי עמך הגוי הזה׃ ויאמר פני ילכו והנחתי לך׃

15 ויאמר אליו אם אין פניך הלכים אל תעלנו מזה׃

16 כי בזה יודע אפוא כי מצאתי חן בעיניך אני ועמך הלוא בלכתך עמנו ונפלינו אני ועמך מכל העמים אשר על פני האדמה׃

Digitized by Google

17 ויאמר אליהו אל־אחזיה אשר שלח אליו כה אמר יהוה כי מן־המטה אשר עלית שם לא תרד כי־מות תמות׃ ס ויהוה דבר׃

18 ויתר דברי אחזיה אשר עשה הלא־הם כתובים על־ספר דברי הימים למלכי ישראל׃

19 ויהי בשנת שתים עשרה ליהושפט מלך יהודה מלך אחזיה בן־אחאב על־ישראל בשמרון שתי שנים׃ ויעש הרע בעיני יהוה וילך בדרך אביו ובדרך אמו ובדרך ירבעם בן־נבט אשר החטיא את־ישראל׃ ויעבד את־הבעל וישתחו לו ויכעס את־יהוה אלהי ישראל ככל אשר עשה אביו׃

20 ויפל מואב בישראל אחרי מות אחאב׃ ויעל אחזיה בעלית שמרון אשר לו ויחל׃ וישלח מלאכים ויאמר אליהם לכו דרשו בבעל זבוב אלהי עקרון אם־אחיה מחלי זה׃

21 ומלאך יהוה אמר אל־אליהו התשבי קום עלה לקראת מלאכי מלך־שמרון ודבר אליהם הלא מאין אלהים בישראל אתם הלכים לדרוש בבעל זבוב אלהי עקרון׃ לכן כה אמר יהוה המטה אשר עלית שם לא תרד כי־מות תמות׃ ס וילך׃

22 ויגדו המלאכים אליו ויאמר אליהם מה־זה עליתם לקראתי׃ ויאמרו אליו איש עלה לקראתנו ויאמר אלינו לכו שובו אל־המלך אשר שלח אתכם ודברתם אליו כה אמר יהוה הלא מאין אלהים בישראל אתה שלח לדרוש בבעל זבוב אלהי עקרון לכן המטה אשר עלית שם לא תרד כי־מות תמות׃ ס

Digitized by Google

23 וְהִנֵּה אֲנִי מֵבִיא אֶת־עַמִּי מִבֵּין הַגּוֹיִם אֲשֶׁר־הָלְכוּ שָׁם וְקִבַּצְתִּים מִסָּבִיב וְהֵבֵאתִי אוֹתָם אֶל־אַדְמָתָם וְנָתַתִּים לְגוֹי אֶחָד בָּאָרֶץ עַל־הָרֵי יִשְׂרָאֵל וּמֶלֶךְ אֶחָד יִהְיֶה לְכֻלָּם לְמֶלֶךְ וְלֹא יִהְיוּ עוֹד לִשְׁנֵי גוֹיִם וְלֹא יֵחָצוּ עוֹד לִשְׁתֵּי מַמְלָכוֹת עוֹד׃

24 וְדָוִד עַבְדִּי מֶלֶךְ עֲלֵיהֶם וְרוֹעֶה אֶחָד יִהְיֶה לְכֻלָּם וּבְמִשְׁפָּטַי יֵלֵכוּן וְחֻקַּי יִשְׁמְרוּ וְעָשׂוּ אוֹתָם׃ **25** וְיָשְׁבוּ עַל־הָאָרֶץ אֲשֶׁר נָתַתִּי לְעַבְדִּי לְיַעֲקֹב אֲשֶׁר יָשְׁבוּ־בָהּ אֲבוֹתֵיכֶם וְיָשְׁבוּ עָלֶיהָ הֵם וּבְנֵיהֶם וּבְנֵי בְנֵיהֶם עַד־עוֹלָם וְדָוִד עַבְדִּי נָשִׂיא לָהֶם לְעוֹלָם׃

26 וְכָרַתִּי לָהֶם בְּרִית שָׁלוֹם בְּרִית עוֹלָם תִּהְיֶה אוֹתָם וְנָתַתִּים וְהִרְבֵּיתִים וְנָתַתִּי אֶת־מִקְדָּשִׁי בְּתוֹכָם לְעוֹלָם׃ **27** וְהָיָה מִשְׁכָּנִי עֲלֵיהֶם וְהָיִיתִי לָהֶם לֵאלֹהִים וְהֵמָּה יִהְיוּ־לִי לְעָם׃

28 וְיָדְעוּ הַגּוֹיִם כִּי אֲנִי יְהוָה מְקַדֵּשׁ אֶת־יִשְׂרָאֵל בִּהְיוֹת מִקְדָּשִׁי בְּתוֹכָם לְעוֹלָם׃

Digitized by Google

34

Digitized by Google

35 ಯೇಸು ಅವರಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ ಈ ಲೋಕದ ಜನರು ಮದುವೆ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುತ್ತಾರೆ, ಮದುವೆಯಾಗಿ ಕೊಡುತ್ತಾರೆ.

36 ಆದರೆ ಆ ಲೋಕಕ್ಕೂ ಸತ್ತವರೊಳಗಿಂದ ಎದ್ದು ಬರುವುದಕ್ಕೂ ಯೋಗ್ಯರಾಗಿ ಎಣಿಸಲ್ಪಟ್ಟವರು ಮದುವೆ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವದಿಲ್ಲ, ಮದುವೆಯಾಗಿ ಕೊಡುವದಿಲ್ಲ.

37 ಇದಲ್ಲದೆ ಸತ್ತವರು ಎದ್ದು ಬರುವರೆಂಬದಕ್ಕೆ ಮೋಶೆಯು ಸಹ ಉರಿಯುವ ಪೊದೆಯ ಬಳಿಯಲ್ಲಿ ಕರ್ತನನ್ನು ಅಬ್ರಹಾಮನ ದೇವರೆಂತಲೂ ಇಸಾಕನ ದೇವರೆಂತಲೂ ಯಾಕೋಬನ ದೇವರೆಂತಲೂ ಹೇಳಿ ತೋರಿಸಿದ್ದಾನೆ.

38 ಆತನು ಸತ್ತವರ ದೇವರಲ್ಲ, ಜೀವಿಸುವವರ ದೇವರು. ಆದದರಿಂದ ನೀವು ಬಹಳವಾಗಿ ತಪ್ಪಿ ಹೋಗಿದ್ದೀರಿ ಅಂದನು.

39 ಆಗ ಶಾಸ್ತ್ರಿಗಳಲ್ಲಿ ಕೆಲವರು ಉತ್ತರವಾಗಿ ಬೋಧಕನೇ, ನೀನು ಚೆನ್ನಾಗಿ ಹೇಳಿದಿ ಅಂದರು.

40 ಮತ್ತು ಅವರು ಆತನಿಗೆ ಇನ್ನು ಯಾವ ಪ್ರಶ್ನೆಯನ್ನು ಕೇಳಲು ಧೈರ್ಯಪಡಲಿಲ್ಲ.

Digitized by Google

41 ויהי כי ישב יהושע בשכם בימים רבים והוא זקן בא אל ביתו ויקרא לכל איש ישראל לזקניו ולראשיו ולשופטיו ולשוטריו ויאמר אליהם אני זקנתי ובאתי בימים רבים ואתם ראיתם את כל אשר עשה יהוה לכל הגוים האלה מפניכם כי יהוה אלהיכם הוא הנלחם לכם ועתה הנה אנכי הולך בדרך כל הארץ ואתם ידעתם בכל לבבכם ובכל נפשכם כי לא נפל דבר אחד מכל הדברים הטובים אשר דבר יהוה אלהיכם עליכם הכל באו לכם לא נפל מהם דבר אחד ועתה כאשר באו הדברים הטובים עליכם אשר דבר יהוה אלהיכם כן יביא יהוה עליכם את כל הדבר הרע עד השמידו אתכם מעל האדמה הטובה אשר נתן לכם יהוה אלהיכם בעברכם את הברית אשר צוה אתכם ללכת ועבדתם אלהים אחרים והשתחויתם להם ואף יהוה חרה בכם ואבדתם מהרה מעל הארץ הטובה אשר נתן לכם׃

42 ויאספו כל שבטי ישראל שכמה ויקרא לזקני ישראל ולראשיו ולשופטיו ולשוטריו ויתיצבו לפני האלהים ויאמר יהושע אל כל העם כה אמר יהוה אלהי ישראל בעבר הנהר ישבו אבותיכם מעולם תרח אבי אברהם ואבי נחור ויעבדו אלהים אחרים ואקח את אביכם את אברהם מעבר הנהר ואולך אותו בכל ארץ כנען וארב את זרעו ואתן לו את יצחק ואתן ליצחק את יעקב ואת עשו ואתן לעשו את הר שעיר לרשת אותו ויעקב ובניו ירדו מצרימה׃

43 וישלח יהושע את העם איש לנחלתו ויעבדו בני ישראל את יהוה כל ימי יהושע וכל ימי הזקנים אשר האריכו ימים אחרי יהושע אשר ידעו את כל מעשה יהוה אשר עשה לישראל׃

44 ויהי אחרי הדברים האלה ויהושע בן נון עבד יהוה ויקרא לכל העם ויאמר אליהם הנה אנכי הולך בדרך כל הארץ ואתם ידעתם בכל לבבכם ובכל נפשכם כי לא נפל דבר אחד מכל הדברים הטובים אשר דבר יהוה אלהיכם עליכם הכל באו לכם לא נפל מהם דבר אחד ועתה כאשר באו הדברים הטובים עליכם אשר דבר יהוה אלהיכם כן יביא יהוה עליכם את כל הדבר הרע עד השמידו אתכם מעל האדמה הטובה אשר נתן לכם יהוה אלהיכם בעברכם את הברית אשר צוה אתכם ללכת ועבדתם אלהים אחרים והשתחויתם להם ואף יהוה חרה בכם ואבדתם מהרה מעל הארץ הטובה אשר נתן לכם׃

Digitized by Google

45 ಮತ್ತು ಅವರು ಅವರ ಮನೆಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಅವರ ಹೊಲಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಅವರ ಹೆಂಡತಿಯರ ಹೊಲಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಅವರ ಮಕ್ಕಳ ಹೊಲಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಅವರ ಮೇಲೆ ಯುದ್ಧಮಾಡಿದರು.

46 ಅವನು ಅವರ ಮೇಲೆ ಕೋಪಗೊಂಡು ಅವರ ಮೇಲೆ ಯುದ್ಧಮಾಡಿದನು; ಅವನು ಅವರ ಮೇಲೆ ಯುದ್ಧಮಾಡಿ ಅವರ ಮಕ್ಕಳ ಹೊಲಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಅವರ ಹೆಂಡತಿಯರ ಹೊಲಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಅವರ ಮನೆಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಅವರ ಹೊಲಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಅವರ ಮೇಲೆ ಯುದ್ಧಮಾಡಿದನು.

47 ಅವನು ಅವರ ಮೇಲೆ ಯುದ್ಧಮಾಡಿದನು, ಯಾಕೆಂದರೆ ಅವನು ಅವರ ಮೇಲೆ ಕೋಪಗೊಂಡು ಅವರ ಮೇಲೆ ಯುದ್ಧಮಾಡಿದನು, ಅವರು ಅವನ ಮುಂದೆ ಓಡಿಹೋದರು.

48 ಆಗ ಅವನು ಅವರ ಮೇಲೆ ಯುದ್ಧಮಾಡಿ ಅವರ ಮಕ್ಕಳ ಹೊಲಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಅವರ ಹೆಂಡತಿಯರ ಹೊಲಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಅವರ ಮನೆಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಅವರ ಹೊಲಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಅವರ ಮೇಲೆ ಯುದ್ಧಮಾಡಿದನು: ಅವರು ಅವನ ಮುಂದೆ ಓಡಿಹೋದರು: ಅವರು ಅವನ ಮುಂದೆ ಓಡಿಹೋದರು.

49 ಅವನು ಅವರ ಮೇಲೆ ಯುದ್ಧಮಾಡಿದನು: ಯಾಕೆಂದರೆ ಅವನು ಅವರ ಮೇಲೆ ಕೋಪಗೊಂಡು ಅವರ ಮೇಲೆ ಯುದ್ಧಮಾಡಿದನು, ಅವರು ಅವನ ಮುಂದೆ ಓಡಿಹೋದರು.

50 ಅವನು ಅವರ ಮೇಲೆ ಯುದ್ಧಮಾಡಿದನು ಅವರ ಮಕ್ಕಳ ಹೊಲಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಅವರ ಹೆಂಡತಿಯರ ಹೊಲಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಅವರ ಮನೆಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಅವರ ಹೊಲಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಅವರ ಮೇಲೆ ಯುದ್ಧಮಾಡಿದನು.

51 ಅವನು ಅವರ ಮೇಲೆ ಕೋಪಗೊಂಡು ಅವರ ಮೇಲೆ ಯುದ್ಧಮಾಡಿದನು; ಅವನು ಅವರ ಮೇಲೆ ಯುದ್ಧಮಾಡಿ ಅವರ ಮಕ್ಕಳ ಹೊಲಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಅವರ ಹೆಂಡತಿಯರ ಹೊಲಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಅವರ ಮನೆಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಅವರ ಹೊಲಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಅವರ ಮೇಲೆ ಯುದ್ಧಮಾಡಿದನು.

Digitized by Google

52 ...

53 ...

54 ...

55 ...

Digitized by Google

56 यीशु (ईसा) ने उत्तर दिया, "मैं तुम से सच कहता हूँ, कि यदि तुम में से कोई किसी की पत्नी को बुरी नीयत से देखे, तो वह अपने मन में उस के साथ व्यभिचार कर चुका।

57 और यदि तेरी दाहिनी आँख तेरे लिये ठोकर का कारण हो, तो उसे निकालकर अपने पास से फेंक दे: क्योंकि तेरे लिये यही भला है, कि तेरे अंगों में से एक नाश हो जाए, और तेरा सारा शरीर नरक में डाला न जाए।

58 और यदि तेरा दाहिना हाथ तेरे लिये ठोकर का कारण हो, तो उसे काटकर अपने पास से फेंक दे: क्योंकि तेरे लिये यही भला है, कि तेरे अंगों में से एक नाश हो जाए, और तेरा सारा शरीर नरक में न डाला जाए।

59 यह भी कहा गया था, कि जो कोई अपनी पत्नी को त्याग दे, उसे त्यागपत्र लिख दे। परन्तु मैं तुम से कहता हूँ, कि जो कोई व्यभिचार के सिवाय अपनी पत्नी को त्याग दे, वह उस से व्यभिचार कराता है: और जो कोई उस त्यागी हुई से ब्याह करे वह व्यभिचार करता है।

५ अध्याय

1 फिर तुम सुन चुके हो, कि अगले लोगों से कहा गया था, कि झूठी शपथ न खा, परन्तु अपनी शपथ प्रभु के लिये पूरी कर।

2 परन्तु मैं तुम से कहता हूँ, कि बिलकुल शपथ न खाओ, न तो स्वर्ग की क्योंकि वह परमेश्वर का सिंहासन है: न पृथ्वी की क्योंकि वह उसके पाँवों की चौकी है: न यरूशलेम की क्योंकि वह महाराजा का नगर है।

Digitized by Google

၃ ထိုသို့ကမ္ဘာဦးကစ၍ ဘုရားသခင်သည် ခြောက်ရက်တိုင်တိုင် ဖန်ဆင်းတော်မူသော အလုပ်ကိစ္စ
ရပ်ကို ပြီးစီးတော်မူသောကြောင့်၊ ခုနစ်ရက်မြောက်သောနေ့ကို ကောင်းကြီးပေးတော်မူ၍ ထိုနေ့
ကို သန့်ရှင်းသောနေ့ဟု သတ်မှတ်တော်မူ၏။

၄ ဘုရားသခင်သည် ကောင်းကင်နှင့်မြေကြီးကို ဖန်ဆင်းတော်မူသောအခါ၊ ဖန်ဆင်းတော်မူသော
အကြောင်းအရာတို့သည် ဤသို့ဖြစ်ကြ၏။

၅ ထိုအခါ ကွင်းပြင်၌ ရှိသမျှသော ချုံပုတ်ခြုံငုတို့သည် မြေကြီးပေါ်၌ မပေါက်ကြသေး၊ ကွင်း
ပြင်၌ ရှိသမျှသော ဥယျာဉ်ပင်တို့သည် မပေါက်ကြသေး။ အကြောင်းမူကား၊ ထာဝရဘုရားသခင်သည်
မိုးကို မရွာသွန်းတော်မူသေး၊ လုပ်ကိုင်ရန် မြေကြီးကို ထွန်ယက်သော သူလည်း မရှိသေး။

၆ ထိုသို့ဖြစ်သော်လည်း မြေကြီးမှ ရေတို့သည် ပေါ်ထွက်၍ မြေမျက်နှာတစ်ခုလုံးကို ရေဝေစေ
ကြ၏။

၇ ထာဝရဘုရားသခင်သည် မြေမှုန့်ကို ယူတော်မူ၍ လူကို ဖန်ဆင်းတော်မူ၏။ အသက်ရှူခြင်း
အသက်ကို လူ၏နှာခေါင်းတွင်း သွင်းတော်မူသဖြင့် လူသည် အသက်ရှင်သော သတ္တဝါဖြစ်လာ၏။

၈ ထာဝရဘုရားသခင်သည် အရှေ့ဘက်ရှိ ဧဒင်ဥယျာဉ်ကို ဖန်ဆင်းတော်မူ၍ ဖန်ဆင်းတော်မူ
သော လူကို ထိုဥယျာဉ်၌ ထားတော်မူ၏။

၉ ထာဝရဘုရားသခင်သည် မြင်လျှင်ကောင်းသော အသီးအနှံရှိသည်ဖြစ်စေ၊ စားလျှင်ကောင်းသော
အသီးအနှံရှိသည်ဖြစ်စေ၊ ပေါက်စေတော်မူသော သစ်ပင်အမျိုးမျိုးတို့ကို ဥယျာဉ်အလယ်၌ ပေါက်
စေတော်မူ၏။ အသက်ရှင်ခြင်းပင်နှင့် ကောင်းသည်ဆိုးသည်ကို သိစေတတ်သော သစ်ပင်ကိုလည်း
ဥယျာဉ်အလယ်၌ ပေါက်စေတော်မူ၏။

၁၀ ဧဒင်ဥယျာဉ်ကို ရေဝေစေရန် မြစ်တစ်စင်းသည် ထိုဥယျာဉ်မှ စီးထွက်၏။ ထိုမြစ်သည်
ထိုဥယျာဉ်မှ ထွက်ပြီးလျှင် မြစ်လေးစင်းဖြစ်၏။

Digitized by Google

9 ⲁⲩⲱ ⲁⲛⲟⲕ ⲡⲉⲓⲱⲁⲛⲛⲏⲥ ⲡⲉⲛⲥⲟⲛ ⲙⲡⲉⲓⲉⲓ ⲉⲧⲙⲙⲁⲩ ⲛⲧⲉ ⲡⲓⲙⲁ ⲛⲧⲉ ⲡⲓⲙⲉⲧⲟⲩⲣⲟ ⲛⲧⲉ ⲡⲓⲟⲩⲱⲛ ⲛⲧⲉ ⲡⲓⲙⲉⲧⲣⲉⲙⲛⲧⲉ

16 ଯିହିଜିକେଲ୍ ମନୁଷ୍ୟପୁତ୍ର, ମୁଁ ତୁମ୍ଭର ଚକ୍ଷୁର ଆନନ୍ଦ ଯେ ତୁମ୍ଭର ସ୍ତ୍ରୀ, ତାହାକୁ ଆଘାତରେ ନେଇଯିବି; ତଥାପି ତୁମ୍ଭେ ଶୋକ କରିବ ନାହିଁ କି କାନ୍ଦିବ ନାହିଁ, ଆଉ ତୁମ୍ଭର ଅଶ୍ରୁ ବହିବ ନାହିଁ। ତୁମ୍ଭେ ନୀରବରେ ଦୀର୍ଘନିଶ୍ୱାସ ଫେଲିବ; ମୃତ ଲୋକ ନିମନ୍ତ୍ତେ ବିଳାପ କରିବ ନାହିଁ, ଆପଣା ମସ୍ତକରେ ପାଗ ବାନ୍ଧିବ ଓ ପାଦରେ ଜୋତା ପିନ୍ଧିବ; ଆଉ ତୁମ୍ଭେ ଆପଣା ଓଷ୍ଠ ଆବରଣ କରିବ ନାହିଁ କି ଲୋକମାନଙ୍କର ଅନ୍ନ ଭୋଜନ କରିବ ନାହିଁ।

17 ତହିଁରେ ମୁଁ ପ୍ରାତଃକାଳରେ ଲୋକମାନଙ୍କୁ କହିଲି, ପୁଣି ସନ୍ଧ୍ୟାକାଳରେ ମୋହର ସ୍ତ୍ରୀ ମଲା; ଆଉ ମୋତେ ଆଜ୍ଞା ହୋଇଥିବା ପ୍ରକାରେ ମୁଁ ପ୍ରାତଃକାଳରେ କଲି।

18 ତହିଁରେ ଲୋକମାନେ ମୋତେ କହିଲେ, ତୁମ୍ଭେ ଏହି ସମସ୍ତ କର୍ମ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ବୁଝାଇ ଦେବା ନିମନ୍ତ୍ତେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ କହିବା ଉଚିତ ନୁହେଁ କି? ତୁମ୍ଭେ ଏ ସମସ୍ତ କରୁଅଛ କାହିଁକି?

19 ତହିଁରେ ମୁଁ ସେମାନଙ୍କୁ କହିଲି, ମୋ ପ୍ରତି ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କର ଏହି ବାକ୍ୟ ଉପସ୍ଥିତ ହେଲା: ତୁମ୍ଭେ ଇସ୍ରାଏଲ ବଂଶକୁ କୁହ, ପ୍ରଭୁ ସଦାପ୍ରଭୁ ଏହି କଥା କହନ୍ତି, ଦେଖ, ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କର ଯେଉଁ ଧନରେ ତୁମ୍ଭେମାନେ ଗର୍ବ କରୁଅଛ, ଯାହା ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ଚକ୍ଷୁର ଆନନ୍ଦ ଓ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ପ୍ରାଣର ଇଚ୍ଛା, ତାହା ମୁଁ ଅପବିତ୍ର କରିବି; ଆଉ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କର ଯେଉଁ ପୁତ୍ର କନ୍ୟାମାନଙ୍କୁ ତୁମ୍ଭେମାନେ ପରିତ୍ୟାଗ କରି ଆସିଅଛ, ସେମାନେ ତରବାରିରେ ପଡ଼ିବେ।

20 ଆଉ ଯିହିଜିକେଲ୍ ଯେପରି କରିଥିଲା, ତୁମ୍ଭେମାନେ ସେପରି କରିବ; ତୁମ୍ଭେମାନେ ଓଷ୍ଠ ଆବରଣ କରିବ ନାହିଁ କି ଲୋକମାନଙ୍କର ଅନ୍ନ ଭୋଜନ କରିବ ନାହିଁ।

Digitized by Google

21 ויהי מקץ שנתים ימים ופרעה חלם והנה עמד על היאר׃ והנה מן היאר עלות שבע פרות יפות מראה ובריאות בשר ותרעינה באחו׃ והנה שבע פרות אחרות עלות אחריהן מן היאר רעות מראה ודקות בשר ותעמדנה אצל הפרות על שפת היאר׃ ותאכלנה הפרות רעות המראה ודקות הבשר את שבע הפרות יפות המראה והבריאות ויקץ פרעה׃

22 ותישן ויחלם שנית והנה שבע שבלים עלות בקנה אחד בריאות וטובות׃ והנה שבע שבלים צנמות דקות ושדופות קדים צמחות אחריהן׃ ותבלענה השבלים הדקות את שבע השבלים הבריאות והמלאות ויקץ פרעה והנה חלום׃

23 ויהי בבקר ותפעם רוחו וישלח ויקרא את כל חרטמי מצרים ואת כל חכמיה ויספר פרעה להם את חלמו ואין פותר אותם לפרעה׃

24 ויאמר שר המשקים אל פרעה את חטאי אני מזכיר היום׃ פרעה קצף על עבדיו ויתן אותי במשמר בית שר הטבחים אותי ואת שר האפים׃ ונחלם חלום בלילה אחד אני והוא איש כפתרון חלמו חלמנו׃ ושם אתנו נער עברי עבד לשר הטבחים ונספר לו ויפתר לנו את חלמתינו איש כחלמו פתר׃

25 ויהי כאשר פתר לנו כן היה אותי השיב על כני ואתו תלה׃ ויבאו כל חרטמי מצרים וכל חכמיה ויגידו פרעה את חלמיו ואין נגיד לפרעה׃

Digitized by Google

26 ଯିହି ସମସ୍ତେ ସମସ୍ତେ ସମସ୍ତେ

32 ଯୀଶୁ ତାହାମାନଙ୍କୁ ଉତ୍ତର କରି କହିଲେ, ମୁଁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ସତ୍ୟ କହୁଅଛି, ଯେ ପାପର ଦାସ ସେ ପାପର ଦାସ ଅଟେ ।

33 ଦାସ ସର୍ବଦା ଘରେ ରହେ ନାହିଁ, ପୁତ୍ର ସର୍ବଦା ରହେ ।

34 ଯୀଶୁ ଉତ୍ତର କଲେ, ମୁଁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ସତ୍ୟ କହୁଅଛି, ଯେ ପାପ କରେ ସେ ପାପର ଦାସ ଅଟେ ।

35 ଆଉ ଦାସ ସର୍ବଦା ପୁତ୍ର ସର୍ବଦା ରହେ ।

36 ଅତଏବ ପୁତ୍ର ଯଦି ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ମୁକ୍ତ କରନ୍ତି, ତେବେ ତୁମ୍ଭେମାନେ ପ୍ରକୃତରେ ମୁକ୍ତ ହେବ ।

37 ଆମ୍ଭେ ଜାଣୁ ଯେ ତୁମ୍ଭେମାନେ ଅବ୍ରହାମର ବଂଶ ଅଟ; ତଥାପି ତୁମ୍ଭେମାନେ ମୋତେ ବଧ କରିବାକୁ ଚେଷ୍ଟା କରୁଅଛ, କାରଣ ମୋହର ବାକ୍ୟ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ସ୍ଥାନ ପାଉ ନାହିଁ ।

38 ମୁଁ ମୋହର ପିତାଙ୍କ ନିକଟରେ ଯାହା ଦେଖିଅଛି, ତାହା କହୁଅଛି; ତୁମ୍ଭେମାନେ ମଧ୍ୟ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ପିତାଙ୍କ ନିକଟରୁ ଯାହା ଶୁଣିଅଛ, ତାହା କରୁଅଛ ।

Digitized by Google

39 ואת כל הגבורים ואת כל המלחמה ויקומו וילכו איש אשר לפניו ויעברו את הירדן בלילה ההוא ואת הירדן עבר כבר ויעבר כל הנער עמו ויעברו את הירדן ויעבר המלך ויתן המלך את ברזלי הגלעדי וישב אתו לכלכלה כי איש גדול הוא מאד ויכלכל את העם אשר עמו ויעבר עמו את הירדן ויעבר המלך ויתן המלך את ברזלי הגלעדי וישב אתו לכלכלה כי איש גדול הוא מאד ויכלכל את העם אשר עמו ויעבר עמו את הירדן

40 ויעבר המלך הגלגלה ואתו כמהם עבר ויעבר כל העם יהודה וגם חצי העם ישראל ויעבר המלך ויתן המלך את ברזלי הגלעדי וישב אתו לכלכלה כי איש גדול הוא מאד ויכלכל את העם אשר עמו ויעבר עמו את הירדן

41 ויבא כל איש ישראל אל המלך ויאמרו אל המלך מדוע גנבוך אחינו אנשי יהודה ויגנבו את המלך ואת ביתו ואת כל אנשי דוד עמו ויעברו את הירדן ויעבר המלך ויתן המלך את ברזלי הגלעדי וישב אתו לכלכלה כי איש גדול הוא מאד ויכלכל את העם אשר עמו ויעבר עמו את הירדן

פרק כ

1 ויקרא שם איש בליעל ושמו שבע בן בכרי איש ימיני ויתקע בשופר ויאמר אין לנו חלק בדוד ולא נחלה לנו בבן ישי איש לאהליו ישראל

2 ויעל כל איש ישראל מאחרי דוד אחרי שבע בן בכרי ואיש יהודה דבקו במלכם מן הירדן ועד ירושלם

3 ויבא דוד אל ביתו בירושלם ויקח המלך את עשרת הנשים פלגשיו אשר הניח לשמר את הבית ויתנם בבית משמר ויכלכלם ואליו לא בא וישבו אלמנות עד יום מותם חיות אלמנות

4 ଯିହିଷ୍କୀୟ ସେମାନଙ୍କୁ ଉତ୍ତର ଦେଇ କହିଲେ, ଯେ ଆମ୍ଭର ଲୋକମାନଙ୍କ ଉପରେ ଆମ୍ଭର ଶପଥ ଓ ଆମ୍ଭର ନିୟମ ଅମାନ୍ୟ କରିଅଛି, ତାହାର ଶତ୍ରୁଗଣ ଯେପରି ତାହାକୁ ଲୁଟିବେ, ଏଥିପାଇଁ ଯେ ଆପଣା ହୃଦୟରେ ଆମ୍ଭର ଲୋକମାନଙ୍କ ଉପରେ ଆମ୍ଭର ଶପଥ ଓ ଆମ୍ଭର ନିୟମ ଅମାନ୍ୟ କରିଅଛି, ତାହାର ଶତ୍ରୁଗଣ ଯେପରି ତାହାକୁ ଲୁଟିବେ, ଏଥିପାଇଁ ଯେ ଆପଣା ହୃଦୟରେ

5 ଯେ ଆପଣା ହୃଦୟରେ ଆମ୍ଭର ଲୋକମାନଙ୍କ ଉପରେ ଆମ୍ଭର ଶପଥ ଓ ଆମ୍ଭର ନିୟମ ଅମାନ୍ୟ କରିଅଛି, ତାହାର ଶତ୍ରୁଗଣ ଯେପରି ତାହାକୁ ଲୁଟିବେ, ଏଥିପାଇଁ ଯେ ଆପଣା ହୃଦୟରେ

6 ଯିହିଷ୍କୀୟ ସେମାନଙ୍କୁ ଉତ୍ତର ଦେଇ କହିଲେ, ଯେ ଆମ୍ଭର ଲୋକମାନଙ୍କ ଉପରେ ଆମ୍ଭର ଶପଥ ଓ ଆମ୍ଭର ନିୟମ ଅମାନ୍ୟ କରିଅଛି, ତାହାର ଶତ୍ରୁଗଣ ଯେପରି ତାହାକୁ ଲୁଟିବେ, ଏଥିପାଇଁ ଯେ ଆପଣା ହୃଦୟରେ

7 ଯେ ଆପଣା ହୃଦୟରେ ଆମ୍ଭର ଲୋକମାନଙ୍କ ଉପରେ ଆମ୍ଭର ଶପଥ ଓ ଆମ୍ଭର ନିୟମ ଅମାନ୍ୟ କରିଅଛି, ତାହାର ଶତ୍ରୁଗଣ ଯେପରି ତାହାକୁ ଲୁଟିବେ, ଏଥିପାଇଁ ଯେ ଆପଣା ହୃଦୟରେ

8 ଯେ ଆପଣା ହୃଦୟରେ ଆମ୍ଭର ଲୋକମାନଙ୍କ ଉପରେ ଆମ୍ଭର ଶପଥ ଓ ଆମ୍ଭର ନିୟମ ଅମାନ୍ୟ କରିଅଛି, ତାହାର ଶତ୍ରୁଗଣ ଯେପରି ତାହାକୁ ଲୁଟିବେ, ଏଥିପାଇଁ ଯେ ଆପଣା ହୃଦୟରେ

9 ଯିହିଷ୍କୀୟ ସେମାନଙ୍କୁ ଉତ୍ତର ଦେଇ କହିଲେ, ଯେ ଆମ୍ଭର ଲୋକମାନଙ୍କ ଉପରେ ଆମ୍ଭର ଶପଥ ଓ ଆମ୍ଭର ନିୟମ ଅମାନ୍ୟ କରିଅଛି, ତାହାର ଶତ୍ରୁଗଣ ଯେପରି ତାହାକୁ ଲୁଟିବେ, ଏଥିପାଇଁ ଯେ ଆପଣା ହୃଦୟରେ

Digitized by Google

10 ויאמר יהוה אל־ירמיה עוד אל־תתפלל בעד־העם הזה לטובה׃ כי אם־יצומו אני לא אשמע בקולם ואם־יעלו עולה ומנחה אני לא ארצם כי אם־בחרב וברעב ובדבר אני מכלה אתם׃

11 ויאמר יהוה אלי אל־תתפלל בעד־העם הזה לטובה׃ כי אשמע בעת אשר־הם קוראים אלי ברעתם׃

12 וכי־יצומו אני לא אשמע תפלתם ואם־יעלו עולה ומנחה אני לא ארצם כי אם־בחרב וברעב ובדבר אני מכלה אתם׃ ואמר אהה אדני יהוה הנה הנביאים אומרים להם לא תראו חרב ורעב לא יהיה לכם כי אמת אשלום אתכם במקום הזה׃

13 ויאמר יהוה אלי שקר הנביאים נבאים בשמי לא שלחתים ולא צויתים ולא דברתי אליהם חזון שקר וקסם ואלול ותרמית לבם הם נבאים לכם׃

14 ולכן כה־אמר יהוה על־הנביאים הנבאים בשמי ואני לא שלחתים והם אומרים חרב ורעב לא יהיה בארץ הזאת בחרב וברעב יתמו הנביאים ההם׃

15 והעם אשר־הם נבאים להם יהיו מושלכים בחוצות ירושלם מפני הרעב והחרב ואין קובר המה ונשיהם ובניהם ובנותיהם ושפכתי עליהם את־רעתם׃

16 ואמרת אליהם כה־אמר יהוה אם־אין אני מכה את־העם הזה ואת־הנביא

Digitized by Google

ପ୍ରଭୁଙ୍କ ନାମରେ ବାପ୍ତିସ୍ମ ନେବାକୁ ଆଜ୍ଞା ଦେଲେ। ତହିଁରେ ସେମାନେ ତାଙ୍କୁ କେତେ ଦିନ ରହିବାକୁ ନିବେଦନ କଲେ।

17 ତହୁଁ ସେ ଯିରୂଶାଲମକୁ ଯିବାକୁ ସଙ୍କଳ୍ପ କରି ଆତ୍ମାଙ୍କ ପ୍ରେରଣାରେ ମାକିଦନିୟା ଓ ଆଖାୟା ଦେଇ ଯାତ୍ରା କରିବାକୁ ସ୍ଥିର କଲେ। ସେ କହିଲେ, ମୁଁ ସେଠାକୁ ଯାଇ ସେଠାରେ ମଧ୍ୟ ରୋମୀୟ ଲୋକ ଦେଖିବାକୁ ଆବଶ୍ୟକ।

18 ଏହା କହି ସେ ଇଫିସରେ ସେମାନଙ୍କୁ ଛାଡ଼ି ଯାତ୍ରା କଲେ। ପରେ ସେ କାଈସରିୟାରେ ଓହ୍ଲାଇ ମଣ୍ଡଳୀକୁ ନମସ୍କାର କରି ଅନ୍ତାୟୋକିୟାକୁ ଗଲେ। ସେଠାରେ କିଛି ସମୟ ରହି ସେ ସେଠାରୁ ବାହାରି ଗାଲାତୀୟ ଦେଶ ଓ ଫ୍ରୁଗିୟା ଦେଶ ଦେଇ ଯାତ୍ରା କରି ସମସ୍ତ ଶିଷ୍ୟଙ୍କୁ ସୁସ୍ଥିର କଲେ।

19 ଏଥିମଧ୍ୟରେ ଆପଲ୍ଲୋ ନାମକ ଜଣେ ଯିହୂଦୀ ଇଫିସକୁ ଆସିଲେ। ସେ ଆଲେକ୍‌ସାନ୍ଦ୍ରିୟା ନଗରରେ ଜନ୍ମିଥିଲେ। ସେ ବକ୍ତା ଓ ଶାସ୍ତ୍ରରେ ପାରଙ୍ଗମ ଥିଲେ।

20 ପ୍ରଭୁଙ୍କ ପଥ ବିଷୟରେ ତାଙ୍କୁ ଶିକ୍ଷା ଦିଆଯାଇଥିଲା। ସେ ଉତ୍ସାହିତ ହୋଇ ଯୀଶୁଙ୍କ ବିଷୟରେ ଯଥାର୍ଥ ଭାବରେ କହିଲେ ଓ ଶିକ୍ଷା ଦେଲେ। ସେ କେବଳ ଯୋହନଙ୍କ ବାପ୍ତିସ୍ମ ବିଷୟରେ ଜାଣିଥିଲେ।

21 ସେ ସମାଜଗୃହରେ ସାହସର ସହିତ କଥା କହିବାକୁ ଲାଗିଲେ। ପ୍ରିସ୍କା ଓ ଆକ୍ୱିଲା ତାଙ୍କର କଥା ଶୁଣି ତାଙ୍କୁ ନିଜ ଘରକୁ ନେଇଗଲେ ଓ ଈଶ୍ୱରଙ୍କ ପଥ ବିଷୟରେ ତାଙ୍କୁ ଅଧିକ ବୁଝାଇଲେ।

Digitized by Google

22 ماهما ماهما ماهما ماهما ماهما ماهما ماهما ماهما ماهما ماهما

29 ומי יכול לספר את גבורות מעשיו ולהגיד את כל תפארת ישועתו׃
30 ומי יכול להתבונן בנפלאות אהלו ובמעשי חשכיו׃ הנה
31 הוא פרש עליו אורו ושרשי הים כסה׃ כי בם הוא דן עמים
32 על כפים כסה אור ויצו עליו במפגיע׃ יגיד עליו רעהו
33 יגיד קנין עלה ועל עולה יתעבר׃ הלא ישאנו גשמים
34 וישחיתו כאפס תבונתם׃

Digitized by Google

35 ...

36 ...

37 ...

38 ...

39 ...

40 ...

Digitized by Google

41 ଯୀଶୁ ଏହି ସମସ୍ତ କଥା କହିବା ପରେ ଆପଣା ଶିଷ୍ୟମାନଙ୍କୁ କହିଲେ, ୨ ତୁମ୍ଭେମାନେ ଜାଣ ଯେ, ଦୁଇ ଦିନ ପରେ ନିସ୍ତାରପର୍ବ ହେବ, ଆଉ ମନୁଷ୍ୟପୁତ୍ର ତାଡ଼ନା ଭୋଗ କରିବା ନିମନ୍ତେ ସମର୍ପିତ ହେବେ, ଏଥିରେ ସେମାନେ ତାଙ୍କୁ କ୍ରୁଶରେ ଦେବା ପାଇଁ ସମର୍ପଣ କରିବେ।

42 ଏହି ସମୟରେ ମହାଯାଜକ କୟାଫା ନାମକ ଯେଉଁ ବ୍ୟକ୍ତି ଥିଲା, ତାହାର ବାସସ୍ଥାନ ପ୍ରାଙ্গণରେ ପ୍ରଧାନ ଯାଜକମାନେ ଓ ଲୋକମାନଙ୍କର ପ୍ରାଚୀନବର୍ଗ ଏକତ୍ର ହେଲେ, ୫ ଆଉ ଛଳ କରି ଯୀଶୁଙ୍କୁ ଧରି ହତ୍ୟା କରିବା ପାଇଁ ମନ୍ତ୍ରଣା କଲେ। ୫ କିନ୍ତୁ ସେମାନେ କହିଲେ, ପର୍ବ ସମୟରେ ନୁହେଁ, ଯେପରି ଲୋକମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଦଙ୍গା ନ ହୁଏ।

ଯୀଶୁଙ୍କ ଅଭିଷେକ

1 ଏହି ଘଟଣା ପରେ ଯୀଶୁ ବେଥନିୟାରେ ଶିମୋନ କୁଷ୍ଠରୋଗୀର ଗୃହରେ ଭୋଜନ କରିବାକୁ ବସିଥିବା ସମୟରେ ଜଣେ ସ୍ତ୍ରୀ ଅତି ବହୁମୂଲ୍ୟ ଜଟାମାଂସୀ ତୈଳର ଏକ ଶ୍ୱେତପ୍ରସ୍ତର ପାତ୍ର ଆଣି ତାଙ୍କ ମସ୍ତକରେ ଢାଳିଲା।

2 ଏଥିରେ ଶିଷ୍ୟମାନେ ଅସନ୍ତୁଷ୍ଟ ହୋଇ କହିଲେ, ଏ ଅପଚୟ କାହିଁକି ହେଲା? ୫ ଏହି ତୈଳ ତ ଅଧିକ ମୂଲ୍ୟରେ ବିକ୍ରୟ କରି ଦରିଦ୍ରମାନଙ୍କୁ ଦିଆଯାଇପାରିଥାନ୍ତା। ଏଥିରେ ସେମାନେ ତାହାକୁ ତିରସ୍କାର କଲେ।

3 ଯୀଶୁ ଏହା ଜାଣି ସେମାନଙ୍କୁ କହିଲେ, ତୁମ୍ଭେମାନେ ଏ ସ୍ତ୍ରୀକୁ କାହିଁକି ଦୁଃଖ ଦେଉଅଛ? ସେ ତ ମୋ ପ୍ରତି ଉତ୍ତମ କର୍ମ କରିଅଛି। ୫ ଦରିଦ୍ରମାନେ ତ ସର୍ବଦା ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ସଙ୍ଗେ ଅଛନ୍ତି, କିନ୍ତୁ ମୁଁ ତ ସର୍ବଦା ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ସଙ୍ଗେ ନାହିଁ। ୫ ସେ ମୋ ଶରୀରରେ ଏହି ତୈଳ ଢାଳି ମୋତେ ଶବସଂସ୍କାର ନିମନ୍ତେ ପ୍ରସ୍ତୁତ କରିଅଛି।

Digitized by Google

4 וְיִשְׁלַח אֶת־יָדוֹ וְיִגַּע בְּכָל־אֲשֶׁר־לוֹ אִם־לֹא עַל־פָּנֶיךָ יְבָרֲכֶךָּ׃ **5** וַיֹּאמֶר יְהוָה אֶל־מֹשֶׁה הִנֵּה יָמֶיךָ קָרְבוּ לָמוּת קְרָא אֶת־יְהוֹשֻׁעַ וְהִתְיַצְּבוּ בְאֹהֶל מוֹעֵד וַאֲצַוֶּנּוּ וַיֵּלְכוּ מֹשֶׁה וִיהוֹשֻׁעַ וַיִּתְיַצְּבוּ בְּאֹהֶל מוֹעֵד׃ **6** וַיֹּאמֶר יְהוָה אֶל־מֹשֶׁה הִנְּךָ שֹׁכֵב עִם־אֲבֹתֶיךָ וְקָם הָעָם הַזֶּה וְזָנָה אַחֲרֵי אֱלֹהֵי נֵכַר־הָאָרֶץ אֲשֶׁר הוּא בָא־שָׁמָּה בְּקִרְבּוֹ וַעֲזָבַנִי וְהֵפֵר אֶת־בְּרִיתִי אֲשֶׁר כָּרַתִּי אִתּוֹ׃ **7** וְחָרָה אַפִּי בוֹ בַיּוֹם הַהוּא וַעֲזַבְתִּים וְהִסְתַּרְתִּי פָנַי מֵהֶם וְהָיָה לֶאֱכֹל וּמְצָאֻהוּ רָעוֹת רַבּוֹת וְצָרוֹת וְאָמַר בַּיּוֹם הַהוּא הֲלֹא עַל כִּי־אֵין אֱלֹהַי בְּקִרְבִּי מְצָאוּנִי הָרָעוֹת הָאֵלֶּה׃ **8** וְאָנֹכִי הַסְתֵּר אַסְתִּיר פָּנַי בַּיּוֹם הַהוּא עַל כָּל־הָרָעָה אֲשֶׁר עָשָׂה כִּי פָנָה אֶל־אֱלֹהִים אֲחֵרִים׃ **9** וְעַתָּה כִּתְבוּ לָכֶם אֶת־הַשִּׁירָה הַזֹּאת וְלַמְּדָה אֶת־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל שִׂימָה בְּפִיהֶם לְמַעַן תִּהְיֶה־לִּי הַשִּׁירָה הַזֹּאת לְעֵד בִּבְנֵי יִשְׂרָאֵל׃ **10** וַיִּכְתֹּב מֹשֶׁה אֶת־הַתּוֹרָה הַזֹּאת וַיִּתְּנָהּ אֶל־הַכֹּהֲנִים בְּנֵי לֵוִי הַנֹּשְׂאִים אֶת־אֲרוֹן בְּרִית־יְהוָה וְאֶל־כָּל־זִקְנֵי יִשְׂרָאֵל׃ **11** וַיְצַו מֹשֶׁה אֹתָם לֵאמֹר מִקֵּץ שֶׁבַע שָׁנִים בְּמוֹעֵד שְׁנַת הַשְּׁמִטָּה בְּחַג הַסֻּכּוֹת׃

Digitized by Google

19 ଯିହୋଶୂୟ ଲେବୀୟ ଯାଜକମାନଙ୍କୁ ଓ ଯେଉଁମାନେ ଲେବୀୟ ଥିଲେ

18 ଏହାସହିତ ଯେଉଁମାନେ ଯିହୋୟାରୀବ ଓ ଯିଦୀୟଙ୍କ ବଂଶାବଳୀରେ ଲିଖିତ ହୋଇଥିଲେ, ସେମାନେ ଯିରୂଶାଲମକୁ ଫେରି ଆସିଲେ।

17 ଯିହୋୟାରୀବ ଓ ଯିଦୀୟଙ୍କ ବଂଶାବଳୀରେ ଲିଖିତ ହୋଇଥିଲେ: ଯିହୋୟାରୀବ ଓ ଯିଦୀୟଙ୍କ ବଂଶାବଳୀରେ ଲିଖିତ ହୋଇଥିଲେ।

16 ଏହାସହିତ ଯେଉଁମାନେ ଯିହୋୟାରୀବ ଓ ଯିଦୀୟଙ୍କ ବଂଶାବଳୀରେ ଲିଖିତ ହୋଇଥିଲେ, ସେମାନେ ଯିରୂଶାଲମକୁ ଫେରି ଆସିଲେ।

15 ଯିହୋୟାରୀବ ଓ ଯିଦୀୟଙ୍କ ବଂଶାବଳୀରେ ଲିଖିତ ହୋଇଥିଲେ: ଯିହୋୟାରୀବ ଓ ଯିଦୀୟଙ୍କ ବଂଶାବଳୀରେ ଲିଖିତ ହୋଇଥିଲେ।

14 ଏହାସହିତ ଯେଉଁମାନେ ଯିହୋୟାରୀବ ଓ ଯିଦୀୟଙ୍କ ବଂଶାବଳୀରେ ଲିଖିତ ହୋଇଥିଲେ, ସେମାନେ ଯିରୂଶାଲମକୁ ଫେରି ଆସିଲେ।

13 ଯାହାର ମୁଖ୍ୟ ଯିହୋୟାରୀବ ଓ ଯିଦୀୟଙ୍କ ବଂଶାବଳୀରେ ଲିଖିତ ହୋଇଥିଲେ, ସେମାନେ ଯିରୂଶାଲମକୁ ଫେରି ଆସିଲେ।

12 ଏହାସହିତ ଯେଉଁମାନେ ଯିହୋୟାରୀବ ଓ ଯିଦୀୟଙ୍କ ବଂଶାବଳୀରେ ଲିଖିତ ହୋଇଥିଲେ, ସେମାନେ ଯିରୂଶାଲମକୁ ଫେରି ଆସିଲେ।

ଯିହୋୟାରୀବ ଓ ଯିଦୀୟଙ୍କ ବଂଶାବଳୀରେ ଲିଖିତ ହୋଇଥିଲେ, ସେମାନେ ଯିରୂଶାଲମକୁ ଫେରି ଆସିଲେ।

Digitized by Google

20 ויאמר אחאב אליהו המצאתני אויבי ויאמר מצאתי יען התמכרך לעשות הרע בעיני יהוה׃

21 הנני מביא עליך רעה ובערתי אחריך והכרתי לאחאב משתין בקיר ועצור ועזוב בישראל׃

22 ונתתי את ביתך כבית ירבעם בן נבט וכבית בעשא בן אחיה בגלל הכעס אשר הכעסתני והחטיא את ישראל׃

23 וגם אל איזבל דבר יהוה לאמר הכלבים יאכלו את איזבל בחל יזרעאל׃

24 המת לאחאב בעיר יאכלו הכלבים ומת בשדה יאכלו עוף השמים׃

25 רק לא היה כאחאב אשר התמכר לעשות הרע בעיני יהוה אשר הסיתה איזבל אשתו׃

26 ויתעב מאד ללכת אחרי הגלולים ככל אשר עשו האמרי אשר הוריש יהוה מפני בני ישראל׃

Digitized by Google

27 ... ...

ಮಾಡಿದರು. ಅವರು ಅವರ ಮಾತನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರ ಮೇಲೆ ಕಲ್ಲುಗಳನ್ನು ಎಸೆಯಲು ಎತ್ತಿಕೊಂಡರು. ಆದರೆ ಯೇಸು ಮರೆಯಾಗಿ ದೇವಾಲಯದಿಂದ ಹೊರಟುಹೋದನು.

33 ಆಗ ಅವರು ಆತನಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ, "ಒಳ್ಳೆಯ ಕೆಲಸಕ್ಕಾಗಿ ನಾವು ನಿನ್ನನ್ನು ಕಲ್ಲೆಸೆಯುವುದಿಲ್ಲ; ಆದರೆ ದೇವದೂಷಣೆಗಾಗಿ ಮತ್ತು ನೀನು ಮನುಷ್ಯನಾಗಿದ್ದು ನಿನ್ನನ್ನು ನೀನು ದೇವರನ್ನಾಗಿ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವುದಕ್ಕಾಗಿ ಕಲ್ಲೆಸೆಯುತ್ತೇವೆ" ಎಂದರು.

34 ಯೇಸು ಅವರಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ, "ನಿಮ್ಮ ನ್ಯಾಯಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ 'ನೀವು ದೇವರುಗಳು' ಎಂದು ನಾನು ಹೇಳಿದೆನೆಂದು ಬರೆದಿಲ್ಲವೋ?

35 ದೇವರ ವಾಕ್ಯವು ಯಾರಿಗೆ ಬಂದಿತೋ ಅವರನ್ನು ದೇವರುಗಳೆಂದು ಹೇಳಿದನು.

36 ಹಾಗಾದರೆ ತಂದೆಯು ಪವಿತ್ರಪಡಿಸಿ ಲೋಕಕ್ಕೆ ಕಳುಹಿಸಿದವನು 'ನಾನು ದೇವರ ಮಗನು' ಎಂದು ಹೇಳಿದ್ದಕ್ಕಾಗಿ ನೀವು ನನ್ನ ಮೇಲೆ ದೂಷಣೆ ಮಾಡುತ್ತೀರೋ?

37 ನಾನು ನನ್ನ ತಂದೆಯ ಕೆಲಸಗಳನ್ನು ಮಾಡದಿದ್ದರೆ ನನ್ನನ್ನು ನಂಬಬೇಡಿರಿ.

38 ಆದರೆ ನಾನು ಅವುಗಳನ್ನು ಮಾಡಿದರೆ ನನ್ನನ್ನು ನಂಬದಿದ್ದರೂ ಆ ಕೆಲಸಗಳನ್ನು ನಂಬಿರಿ. ಆಗ ತಂದೆಯು ನನ್ನಲ್ಲಿಯೂ ನಾನು ತಂದೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಇದ್ದೇವೆಂಬುದನ್ನು ನೀವು ತಿಳಿದುಕೊಂಡು ಗ್ರಹಿಸುವಿರಿ" ಎಂದನು.

39 ಆಗ ಅವರು ಆತನನ್ನು ಮತ್ತೆ ಹಿಡಿಯಲು ಪ್ರಯತ್ನಿಸಿದರು; ಆದರೆ ಆತನು ಅವರ ಕೈಗೆ ಸಿಕ್ಕದೆ ತಪ್ಪಿಸಿಕೊಂಡು ಹೋದನು.

Digitized by Google

40 ועתה פנו לכם ונסעו המדברה דרך ים סוף: ותענו ותאמרו אלי חטאנו ליהוה אנחנו נעלה ונלחמנו ככל אשר צונו יהוה אלהינו ותחגרו איש את כלי מלחמתו ותהינו לעלות ההרה׃

41 ויאמר יהוה אלי אמר להם לא תעלו ולא תלחמו כי אין אני בקרבכם ולא תנגפו לפני אויביכם׃ ואדבר אליכם ולא שמעתם ותמרו את פי יהוה ותזדו ותעלו ההרה׃

42 ויצא האמרי היושב בהר ההוא לקראתכם וירדפו אתכם כאשר תעשינה הדברים ויכתו אתכם בשעיר עד חרמה׃ ותשבו ותבכו לפני יהוה ולא שמע יהוה בקלכם ולא האזין אליכם׃

43 ותשבו בקדש ימים רבים כימים אשר ישבתם׃

44 ויסב יהוה אלי ויאמר לי פנו לכם ונסעו המדברה דרך ים סוף כאשר דברני יהוה ונסב את הר שעיר ימים רבים׃

45 ויאמר יהוה אלי אמר להם אתם עברים בגבול אחיכם בני עשו היושבים בשעיר ויראו מכם ונצרתם מאד לנפשתיכם׃ אל תתגרו בם כי לא אתן לכם מארצם עד מדרך כף רגל כי ירשה נתתי לעשו׃ את הר שעיר׃

Digitized by Google

 [illegible]

46 [illegible]

47 [illegible]

48 [illegible]

49 [illegible]

50 [illegible]

51 [illegible]

Digitized by Google

52 ... ...

57 ಯಾವುದೇ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ಚಲಾಯಿಸುವಾಗ ಅಥವಾ ಯಾವುದೇ ಕರ್ತವ್ಯವನ್ನು ನಿರ್ವಹಿಸುವಾಗ ಅಥವಾ ಯಾವುದೇ ಕೆಲಸವನ್ನು ಮಾಡುವಾಗ ಅಥವಾ ಯಾವುದೇ ಆದೇಶವನ್ನು ಜಾರಿಗೊಳಿಸುವಾಗ ಅಥವಾ ಯಾವುದೇ ಕಾರ್ಯವನ್ನು ಮಾಡುವಾಗ ಅಥವಾ ಯಾವುದೇ ಕಾರ್ಯವನ್ನು ಮಾಡಲು ಉದ್ದೇಶಿಸಿರ

ויתן אותם אל בית האוצרות ואל כל הכלי המחנה ואל כל המחנה׃

5 ואת עזריה הכה ויחלה עד יום מותו וישב בבית החפשית והוא נשא על הבית את בת המלך וישפט את עם הארץ׃

6 ויתר דברי יותם וכל אשר עשה הלא הם כתובים על ספר דברי הימים למלכי יהודה׃ ויתן אל בית המלך ויהי מלך בן עשרים וחמש שנה ויהי מלך בן עשרה שנה בירושלם׃

7 ויעש הרע בעיני יהוה ככל אשר עשה אביו לא בא בהיכל יהוה ועוד העם משחתים׃ ויבן את שער בית יהוה העליון ועל חומת העפל בנה׃

8 ויתר דברי יותם וכל מלחמתיו ודרכיו הנם כתובים על ספר דברי הימים למלכי יהודה׃

9 ויתן יותם עם אבתיו ויקברו אתו בעיר דוד ויהי מלך אחז בנו תחתיו׃

10 ויעש הרע בעיני יהוה לא כדוד אביו לא עשה׃ והוא הלך בדרך מלכי ישראל וגם את בנו העביר באש כתועבות הגוים אשר הוריש יהוה מפני בני ישראל׃ ויזבח ויקטר בבמות ובגבעות ותחת כל עץ רענן׃

Digitized by Google

11 ויאמר אליו אחיו למה בא המשוגע הזה אליך ויאמר אלהם אתם
ידעתם את האיש ואת שיחו׃

12 ויאמרו שקר הגד נא לנו ויאמר כזאת וכזאת דבר אלי לאמר כה
אמר יהוה משחתיך למלך על ישראל׃

13 וימהרו ויקחו איש את בגדו וישימו תחת רגלי המעלות ויתקעו
בשופר ויאמרו מלך יהוא׃ ויאמר יהוא כן ידבר אלי לאמר כה אמר
יהוה משחתיך למלך על ישראל׃

14 ויתקשר יהוא בן יהושפט בן נמשי ויקשר על יורם והוא שמר
הוא ואל כל ישראל מפני חזאל מלך ארם׃

15 והמלך יורם שב להתרפא ביזרעאל מן המכות אשר יכו אתו
בארם במלחמו את חזאל מלך ארם ויהוא אמר אם יש את נפשכם
אל יצא פליט מן העיר ללכת להגיד ביזרעאל׃

16 וירכב יהוא וילך יזרעאלה כי יורם שכב שם ואחזיהו מלך יהודה
ירד לראות ביורם׃

17 והצפה עמד על מגדל יזרעאל וירא את להקת יהוא בבאו

Digitized by Google

ואת־הכבד מן־הכליות יסירנה׃ 16 והקטיר אתם הכהן המזבחה לחם אשה לריח ניחח כל־חלב לה׃
17 חקת עולם לדרתיכם בכל־מושבתיכם כל־חלב וכל־דם לא תאכלו׃ 18 וידבר יהוה אל־משה לאמר
דבר אל־בני ישראל לאמר הנשיא אשר יחטא ועשה אחת מכל־מצות יהוה אלהיו אשר לא תעשינה
ואשם׃ 19 או הודע אליו חטאתו אשר חטא עליה והקריב קרבנו שעיר עזים זכר תמים אל־פתח
אהל מועד לפני יהוה וסמך את־ידו על־ראש השעיר ושחט אתו לפני יהוה חטאת הוא׃ 20 ולקח
הכהן מדם החטאת באצבעו ונתן על־קרנת מזבח העלה ואת־דמו יצק אל־יסוד מזבח העלה׃
21 ואת־כל־חלבו יקטיר המזבחה כחלב זבח השלמים וכפר עליו הכהן מחטאתו ונסלח לו׃ 22 ואם־
נפש אחת תחטא בשגגה מכל מצות יהוה אשר לא תעשינה ואשם׃ 23 או הודע אליו חטאתו אשר
חטא בה והביא קרבנו שעיר עזים זכר תמים׃ 24 וסמך את־ידו על־ראש השעיר ושחט אתו

Digitized by Google

25 ... ...

29 ... ...

36 ויאמר אליו אדוני מי הוא אשר אמן בו ואשר אני אמן בו׃ **37** ויאמר אליו ישוע גם ראית אתו ואשר מדבר עמך הוא׃ **38** ויאמר אמן אדוני ויפל לו׃ **39** ויאמר ישוע למשפט באתי אני לעולם הזה למען אשר יראו הלא ראים ויהיו העורים סמאים׃ **40** וישמעו מן הפרושים אשר היו עמו ויאמרו אליו הגם אנחנו סמאים׃ **41** ויאמר אליהם ישוע לו הייתם סמאים לא היתה לכם חטאה ועתה אתם אומרים כי ראים אנחנו חטאתכם עומדת׃

42 אמן אמן אני אומר לכם הרועה הבא בשער הוא רועה הצאן׃ **2** ולו יפתח השוער ואת קול הרועה ישמעו וקוראים לצאנו בשם ומוציאם׃ **3** וכאשר הוציא את צאנו הולך לפניהם והצאן הולכות אחריו כי יודעות את קולו׃ **4** ואת זר לא תלכנה אחריו כי אם תברחנה ממנו כי לא ידעו את קול הזרים׃ **5** ואת המשל הזה אמר להם ישוע ולא ידעו מה הוא אשר דבר אליהם׃ **6** ויאמר אליהם ישוע שוב אמן אמן אני אומר לכם אני הוא דלת הצאן׃ **7** כל אשר באו לפני גנבים הם ופריצים והצאן לא שמעו להם׃ **8** אני הוא הדלת אשר בי יבוא איש ויבא ויצא ומרעית מצא׃ **9** הגנב לא יבוא כי אם לגנוב ולזבח ולאבד׃ **10** ואני באתי למען יהיו לחיים ויתרו׃ **11** אני הוא הרועה הטוב הרועה הטוב נפשו יתן בעד הצאן׃ **12** והשכיר אשר אינו רועה ואשר הצאן אינן לו כאשר יראה את הזאב בא ועזב את הצאן ונס והזאב חוטף ומפיץ את הצאן׃ **13** כי שכיר הוא ואין לו דאגה על הצאן׃ **14** אני הוא הרועה הטוב ואדע את אשר לי ואשר לי ידעוני׃ **15** כאשר ידעני האב ואני ידעתי את האב ונפשי אתן בעד הצאן׃ **16** ולי צאן אחרות אשר אינן מן הגדר הזה גם אותן עלי להביא ואת קולי ישמעו והיו לעדר אחד ולרועה אחד׃ **17** על כן יאהבני האב כי אני נפשי אתן למען אקחנה שנית׃ **18** איש לא יקחנה ממני כי אם אני נפשי אתן מרצוני יש לי רשות לתתה ויש לי רשות לקחתה שנית זאת המצוה קבלתי מאת אבי׃ **19** ויהי שנית פלג בין היהודים על הדברים האלה׃ **20** ורבים מהם אמרו שד יש בו ומשוגע הוא למה תשמעון אליו׃ **21** ואחרים אמרו אין אלה דברי איש אשר שד בו הלא שד יוכל לפקוח עיני עורים׃ **22** ויהי בחנכה בירושלים וחורף היה׃ **23** וישוע התהלך בבית המקדש באולם שלמה׃ **24** ויסבו היהודים אליו ויאמרו אליו עד מתי תכלה נפשנו אם אתה הוא המשיח אמור לנו בגלוי׃ **25** ויען אותם ישוע אמרתי לכם ולא האמנתם המעשים אשר אני עושה בשם אבי הם מעידים עלי׃ **26** אך אתם לא תאמינו כי לא מצאנכם אתם׃ **27** צאני שומעות את קולי ואני ידעתי אותן והן הולכות אחרי׃ **28** ואני נותן להן חיי עולם ולא תאבדנה לעולם ואין איש יחטוף אותן מידי׃ **29** אבי אשר נתנן לי גדול הוא מכל ואין איש יכול לחטוף מיד אבי׃ **30** אני והאב אחד אנחנו׃ **31** וישאו היהודים אבנים לסקלו׃ **32** ויען אותם ישוע הראיתי לכם מעשים טובים רבים מאת אבי בעבור איזה מהם תסקלוני׃ **33** ויענו היהודים לאמר בעבור מעשה טוב לא נסקלך כי אם בעבור גדופך ובעבור אשר אתה אדם ועושה את עצמך לאלהים׃ **34** ויען אותם ישוע הלא כתוב בתורתכם אמרתי אלהים אתם׃ **35** אם אלהים קרא להם אשר היה דבר אלהים אליהם והכתוב לא יבטל׃

Digitized by Google

43 ואמר אליהם ישוע אמן אמן אומר אני לכם כי אין אחד מכל אלה אשר ראה את כבודי ואת אותותי בירושלים ולא יראה אותם עוד ולא יבין את אשר יעשה לו ולא יקבל מוסר ממני ולא יאמין בי ולא יתקרב אלי ולא יהיה לי לאיש ולא אהיה לו לאלהים ולא יהיה לי לעם ולא אהיה לו לאלהים ולא יהיה לי לבן ולא אהיה לו לאב ולא יהיה לי לאח ולא אהיה לו לאחות ולא יהיה לי לבת ולא אהיה לו לאם

49 ಅವನ ಉಳಿದ ಕೃತ್ಯಗಳು, ಅವನು ಮಾಡಿದ ಒಳಸಂಚು, ಅವನು ಕಟ್ಟಿಸಿದ ಪಟ್ಟಣಗಳು, ಅವನು ಸೆರೆಹಿಡಿದ ಸ್ಥಳಗಳು, ಇವುಗಳ ವಿವರಗಳು ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರ ಅರಸುಗಳ ಚರಿತ್ರೆಯ ಗ್ರಂಥದಲ್ಲಿ ಬರೆದಿವೆ.

50 ಯಾರೊಬ್ಬಾಮನು ತನ್ನ ಪಿತೃಗಳೊಂದಿಗೆ ಸೇರಿಕೊಂಡನು, ಅವನನ್ನು ಸಮಾಧಿಮಾಡಿದರು, ಅವನ ಮಗನಾದ ನಾದಾಬನು ಅವನ ಸ್ಥಾನದಲ್ಲಿ ಅರಸನಾದನು.

೧೫ ಅಧ್ಯಾಯ

1 ಯಾರೊಬ್ಬಾಮನ ಆಳ್ವಿಕೆಯ ಎರಡನೆಯ ವರ್ಷದಲ್ಲಿ ಅಬೀಯನು ಯೆಹೂದದ ಅರಸನಾಗಿ ಆಳಲಾರಂಭಿಸಿದನು. ಅವನು ಯೆರೂಸಲೇಮಿನಲ್ಲಿ ಮೂರು ವರ್ಷ ಆಳಿದನು. ಅವನ ತಾಯಿಯ ಹೆಸರು ಮಾಕಳು. ಅವಳು ಅಬೀಷಾಲೋಮನ ಮಗಳು.

2 ಅಬೀಯನು ತನ್ನ ತಂದೆಯು ಮಾಡಿದ ಪಾಪಗಳನ್ನೆಲ್ಲಾ ಮಾಡಿದನು. ಅವನು ತನ್ನ ದೇವರಾದ ಯೆಹೋವನಿಗೆ ಸಮರ್ಪಕನಾಗಿರಲಿಲ್ಲ. ಅವನ ಹೃದಯವು ತನ್ನ ಪೂರ್ವಜನಾದ ದಾವೀದನ ಹೃದಯದಂತೆ ಯೆಹೋವನಿಗೆ ಸಮರ್ಪಿತವಾಗಿರಲಿಲ್ಲ.

3 ಆದರೆ ಯೆಹೋವನು ಅಬೀಯನ ನಿಮಿತ್ತ ಯೆರೂಸಲೇಮಿನಲ್ಲಿ ಅವನ ಮಗನಿಗೆ ಅರಸನಾಗಿರಲು ಅವಕಾಶ ಕೊಟ್ಟನು. ಯೆಹೋವನು ಅವನಿಗೆ ಅವಕಾಶ ಕೊಟ್ಟನು. ಏಕೆಂದರೆ ಅಬೀಯನು ಯೆರೂಸಲೇಮನ್ನು ಬಲಪಡಿಸಿದನು.

4 ಯೆಹೋವನು ದಾವೀದನಿಗೆ ಒಳ್ಳೆಯವನಾಗಿದ್ದನು. ಆದ್ದರಿಂದ ಅವನು ಅಬೀಯನಿಗೆ ಒಳ್ಳೆಯವನಾಗಿದ್ದನು. ಯೆಹೋವನು ದಾವೀದನಿಗೆ ಯೆರೂಸಲೇಮಿನಲ್ಲಿ ಒಬ್ಬ ಅರಸನನ್ನು ಕೊಟ್ಟನು. ಅವನು ಅಬೀಯನಿಗೆ ಒಬ್ಬ ಮಗನನ್ನು ಕೊಟ್ಟನು. ಅವನು ಯೆರೂಸಲೇಮನ್ನು ಬಲಪಡಿಸಿದನು.

Digitized by Google

6 ומתוך הקהל הוציאו את שלמי יהוה אלפים וששת מאות
וכל נדיב לב מביאי זהב לכל מלאכת העבדה אשר עשו
במלאכת הקדש ויהי הם מביאים אליו נדבה בבקר בבקר׃

7 ויבאו כל החכמים העשים את כל מלאכת הקדש איש
מלאכתו אשר המה עשים׃ ויאמרו אל משה לאמר מרבים
העם להביא מדי העבדה לדלת את המלאכה אשר צוה יהוה
לעשת אתה׃

8 ויצו משה ויעבירו קול במחנה לאמר איש ואשה אל
יעשו עוד מלאכה לתרומת הקדש ויכלא העם מהביא׃
9 והמלאכה היתה דים לכל המלאכה לעשת אתה והותר׃

10 ויעש כל חכם לב בעשי המשכן את עשר יריעת שש
משזר ותכלת וארגמן ותלעת שני כרבים מעשה חשב עשה
אתם׃ 11 אורך היריעה האחת שמנה ועשרים באמה ורחב
היריעה האחת ארבע באמות מדה אחת ליריעות׃

12 ויחבר את חמש היריעות לבד ואת חמש היריעות
חבר לבד׃ 13 ויעש חמשים לולאת על שפת היריעה
האחת מקצה בחבורת ועשה חמשים לולאת על שפת
היריעה אשר מחברת השנית׃ 14 ויעש קרסי זהב חמשים
ויחבר את היריעת אשה אל אחתו בקרסים ויהי המשכן
אחד׃

15 ויעש יריעת עזים לאהל על המשכן עשתי עשרה
יריעת עשה אתם׃ 16 ויחבר את חמש היריעת לבד ואת
שש היריעת לבד׃ 17 ויעש חמשים לולאת על שפת
היריעה הקצנה באחברת ועשה חמשים לולאת על שפת
היריעה החברת השנית׃ 18 ויעש קרסי נחשת חמשים
לחבר את האהל להיות אחד׃

19 ויעש מכסה לאהל עורת אילם מאדמים וכסה עורת
תחשים מלמעלה׃

Digitized by Google

15 ...

14 ...

13 ...

12 ...

11 ...

10 ...

16 ויאמר יהוה אל־משה ואל־אהרן על־דבר העדת קרח ועל־עדתו לאמר׃ לכו
אתם והם ואהרן מחר׃ **17** וקחו איש מחתתו ונתתם עליהן קטרת והקרבתם
לפני יהוה איש מחתתו חמשים ומאתים מחתת ואתה ואהרן איש מחתתו׃
18 ויקחו איש מחתתו ויתנו עליהן אש וישמו עליה קטרת ויעמדו פתח אהל
מועד ומשה ואהרן׃ **19** ויקהל עליהם את־כל־העדה אל־פתח אהל מועד
וירא כבוד יהוה אל־כל־העדה׃
20 וידבר יהוה אל־משה ואל־אהרן לאמר׃ **21** הבדלו מתוך העדה הזאת
ואכלה אתם כרגע׃ **22** ויפלו על־פניהם ויאמרו אל אלהי הרוחת לכל־בשר
האיש אחד יחטא ועל כל־העדה תקצף׃ **23** וידבר יהוה אל־משה לאמר׃
24 דבר אל־העדה לאמר הועלו מסביב למשכן קרח דתן ואבירם׃ **25** ויקם
משה וילך אל־דתן ואבירם וילכו אחריו זקני ישראל׃ **26** וידבר אל־העדה
לאמר סורו נא מעל אהלי האנשים הרשעים האלה ואל־תגעו בכל אשר להם
פן־תספו בכל חטאתם׃ **27** ויעלו מעל למשכן קרח דתן ואבירם מסביב
ודתן ואבירם יצאו נצבים פתח אהליהם ונשיהם ובניהם וטפם׃ **28** ויאמר
משה בזאת תדעון כי יהוה שלחני לעשות את כל־המעשים האלה כי לא
מלבי׃ **29** אם כמות כל־האדם ימתון אלה ופקדת כל־האדם יפקד עליהם
לא יהוה שלחני׃ **30** ואם בריאה יברא יהוה ופצתה האדמה את־פיה
ובלעה אתם ואת כל־אשר להם וירדו חיים שאלה וידעתם כי נאצו האנשים
האלה את־יהוה׃ **31** ויהי ככלתו לדבר את כל־הדברים האלה ותבקע
האדמה אשר תחתיהם׃ **32** ותפתח הארץ את־פיה ותבלע אתם ואת־בתיהם
ואת כל־האדם אשר לקרח ואת כל־הרכוש׃ **33** וירדו הם וכל־אשר להם חיים
שאלה ותכס עליהם הארץ ויאבדו מתוך הקהל׃ **34** וכל־ישראל אשר סביבתיהם
נסו לקולם כי אמרו פן־תבלענו הארץ׃ **35** ואש יצאה מאת יהוה ותאכל
את המקטרים את החמשים ומאתים איש׃ **36** ויאמר יהוה אל־משה לאמר׃
37 אמר אל־אלעזר בן־אהרן הכהן וירם את־המחתות מבין השרפה ואת־האש
זרה הלאה כי קדשו׃ **38** מחתות החטאים האלה בנפשתם ועשו אתם רקעי
פחים צפוי למזבח כי הקריבם לפני יהוה ויקדשו ויהיו לאות לבני ישראל׃
39 ויקח אלעזר הכהן את מחתות הנחשת אשר הקריבו השרפים וירקעום צפוי
למזבח׃ **40** זכרון לבני ישראל למען אשר לא־יקרב איש זר אשר לא־מזרע
אהרן הוא לקטר קטרת לפני יהוה ולא יהיה כקרח וכעדתו כאשר דבר יהוה
אליו ביד־משה׃ **41** וילנו כל־עדת בני־ישראל ממחרת על־משה ועל־אהרן
לאמר אתם המתם את־עם יהוה׃ **42** ויהי בהקהל העדה על־משה ועל־אהרן
ויפנו אל־אהל מועד והנה כסהו הענן וירא כבוד יהוה׃ **43** ויבא משה ואהרן
פני אהל מועד׃ **44** וידבר יהוה אל־משה לאמר׃ **45** הרמו מתוך העדה
הזאת ואכלה אתם כרגע ויפלו על־פניהם׃ **46** ויאמר משה אל־אהרן קח
את־המחתה ותן עליה אש מעל המזבח ושים קטרת והולך מהרה אל־העדה
וכפר עליהם כי יצא הקצף החל הנגף׃ **47** ויקח אהרן כאשר דבר משה
וירץ אל־תוך הקהל והנה החל הנגף בעם ויתן את־הקטרת ויכפר על־העם׃
48 ויעמד בין־המתים ובין החיים ותעצר המגפה׃ **49** ויהיו המתים במגפה
ארבעה עשר אלף ומאתים מלבד המתים על־דבר קרח׃ **50** וישב אהרן
אל־משה אל־פתח אהל מועד והמגפה נעצרה׃

Digitized by Google

Digitized by Google

28 וַיְהִי אַחֲרֵי הַכּוֹת אֶת־אֲבִיו וְאֶת־אִמּוֹ וַיִּמָּלֵט אֲדֹנִיָּה בֶּן־חַגִּית וַיָּבֹא עַד־קַרְנוֹת
הַמִּזְבֵּחַ׃

29 וַיַּגִּדוּ לַמֶּלֶךְ שְׁלֹמֹה לֵאמֹר הִנֵּה אֲדֹנִיָּה יָרֵא אֶת־שְׁלֹמֹה הַמֶּלֶךְ וְהִנֵּה הוּא־אֹחֵז
בְּקַרְנוֹת הַמִּזְבֵּחַ לֵאמֹר יִשָּׁבַע לִי הַמֶּלֶךְ שְׁלֹמֹה הַיּוֹם אִם־יָמִית אֶת־עַבְדּוֹ בֶּחָרֶב׃

30 וַיָּבֹא בְנָיָהוּ בֶן־יְהוֹיָדָע וַיֹּאמֶר לוֹ כֹּה אָמַר הַמֶּלֶךְ צֵא וּפְגַע־בּוֹ וַיֹּאמֶר בְּנָיָהוּ לֹא כִי
פֹה אָמוּת כִּי פֹה אָשׁוּב וַיָּשֶׁב בְּנָיָהוּ אֶת־הַדָּבָר לַמֶּלֶךְ לֵאמֹר כֹּה דִבֶּר אֲדֹנִיָּה וְכֹה עָנָנִי׃

31 וַיֹּאמֶר לוֹ הַמֶּלֶךְ עֲשֵׂה כַּאֲשֶׁר דִּבֶּר וּפְגַע־בּוֹ וְקָבַרְתָּ וְהָסַרְתָּ אֶת־הַדָּם חִנָּם אֲשֶׁר
שָׁפַךְ יוֹאָב מֵעָלָי וּמֵעַל בֵּית אָבִי׃ וְיָשֵׁב יְהוָה אֶת־דָּמוֹ בְּרֹאשׁוֹ אֲשֶׁר פָּגַע בִּשְׁנֵי אֲנָשִׁים
צַדִּיקִים וְטוֹבִים מִמֶּנּוּ וַיַּהַרְגֵם בֶּחָרֶב וְאָבִי דָוִד לֹא יָדָע אֶת־הַדָּבָר׃

32 וְיָשֵׁב יְהוָה אֶת־דָּמָם בְּרֹאשׁ יוֹאָב וּבְרֹאשׁ זַרְעוֹ לְעוֹלָם וּלְדָוִד וּלְזַרְעוֹ וּלְבֵיתוֹ וּלְכִסְאוֹ
יִהְיֶה שָׁלוֹם עַד־עוֹלָם מֵאֵת יְהוָה׃

33 וַיַּעַל בְּיָדָם וּבְרֹאשׁ זַרְעוֹ לָעַד וּלְדָוִד וּלְזַרְעוֹ וּלְבֵיתוֹ וּלְכִסְאוֹ יִהְיֶה שְׁלוֹם עַד־עוֹלָם
מֵעִם יְהוָה׃ וַיַּעַל בְּנָיָהוּ בֶן־יְהוֹיָדָע וַיִּפְגַּע־בּוֹ וַיְמִתֵהוּ וַיִּקָּבֵר בְּבֵיתוֹ בַּמִּדְבָּר׃

Digitized by Google

34 וְאֶת־כָּל־הַמַּחֲנֶה אֲשֶׁר הָיָה בָהּ וְאֶת־הַבְּהֵמָה וְאֶת־הַשָּׁלָל לָקְחוּ בְנֵי־יִשְׂרָאֵל לָהֶם׃ כְּדָבַר יְהוָה אֲשֶׁר־צִוָּה אֶת־יְהוֹשֻׁעַ׃

35 וַיְהִי הַיּוֹם הַשְּׁלִשִׁי וַיְהוֹשֻׁעַ שָׁלַח אֲנָשִׁים וַיָּרֹגְלוּ אֶת־הָעַי׃ וַיַּעֲלוּ הָאֲנָשִׁים וַיָּרֹגְלוּ אֶת־הָעַי׃

36 וַיָּבֹאוּ וַיָּשׁוּבוּ אֶל־יְהוֹשֻׁעַ וַיֹּאמְרוּ אֵלָיו לֹא־יַעֲלֶה כָל־הָעָם כִּי־כְמַאתַיִם אִישׁ אוֹ כִשְׁלֹשֶׁת אֲלָפִים אִישׁ יַעֲלוּ וְהִכּוּ אֶת־הָעַי׃ אַל־תַּטְרַח שָׁם כָּל־הָעָם כִּי מְעַטִּים הֵם׃

37 וַיַּעֲלוּ שָׁם מִן־הָעָם כִּשְׁלֹשֶׁת אֲלָפִים אִישׁ וַיָּנֻסוּ מִפְּנֵי אַנְשֵׁי הָעָי׃ וַיַּכּוּ אַנְשֵׁי הָעַי מֵהֶם כְּשִׁשִּׁים אִישׁ וַיִּרְדְּפוּם מִפְּנֵי הַשַּׁעַר עַד־שְׁבָרִים וַיַּכּוּם בַּמּוֹרָד׃ וַיִּמַּס לֵב הָעָם וַיְהִי כְּמָיִם׃

38 וַיְהוֹשֻׁעַ וְכָל־יִשְׂרָאֵל עִמּוֹ נִגְּפוּ לִפְנֵי אֹיְבֵיהֶם׃ וַיָּשׁוּבוּ אֶל־הַמַּחֲנֶה אֶל־יְהוֹשֻׁעַ וַיֹּאמְרוּ אֵלָיו כָּל־הָעָם עֲלֵה אֶל־הָעַי וְהַכֵּה אֶת־הָעַי׃ וַיְהוֹשֻׁעַ קָם וַיַּעַל אֶל־הָעַי׃

ז

1 וַיְהִי בְּנֵי־יִשְׂרָאֵל מָעֲלוּ מַעַל בַּחֵרֶם׃ וַיִּקַּח עָכָן בֶּן־כַּרְמִי בֶן־זַבְדִּי בֶן־זֶרַח לְמַטֵּה יְהוּדָה מִן־הַחֵרֶם׃

Digitized by Google

2 ... ...

Digitized by Google

13 וְכִי תִמְכְּרוּ מִמְכָּר לַעֲמִיתֶךָ אוֹ קָנֹה מִיַּד עֲמִיתֶךָ אַל תּוֹנוּ אִישׁ אֶת אָחִיו׃
14 בְּמִסְפַּר שָׁנִים אַחַר הַיֹּבֵל קְנֵה מֵאֵת עֲמִיתֶךָ בְּמִסְפַּר שְׁנֵי תְבוּאֹת יִמְכֹּר לָךְ׃
15 לְפִי רֹב הַשָּׁנִים תַּרְבֶּה מִקְנָתוֹ וּלְפִי מְעֹט הַשָּׁנִים תַּמְעִיט מִקְנָתוֹ כִּי מִסְפַּר תְּבוּאֹת הוּא מוֹכֵר לָךְ׃
16 וְלֹא תוֹנוּ אִישׁ אֶת עֲמִיתוֹ וְיָרֵאתָ מֵאֱלֹהֶיךָ כִּי אֲנִי יְהוָה אֱלֹהֵיכֶם׃ פ
17 וַעֲשִׂיתֶם אֶת חֻקֹּתַי וְאֶת מִשְׁפָּטַי תִּשְׁמְרוּ וַעֲשִׂיתֶם אֹתָם וִישַׁבְתֶּם עַל הָאָרֶץ לָבֶטַח׃
18 וְנָתְנָה הָאָרֶץ פִּרְיָהּ וַאֲכַלְתֶּם לָשֹׂבַע וִישַׁבְתֶּם לָבֶטַח עָלֶיהָ׃
19 וְכִי תֹאמְרוּ מַה נֹּאכַל בַּשָּׁנָה הַשְּׁבִיעִת הֵן לֹא נִזְרָע וְלֹא נֶאֱסֹף אֶת תְּבוּאָתֵנוּ׃
20 וְצִוִּיתִי אֶת בִּרְכָתִי לָכֶם בַּשָּׁנָה הַשִּׁשִּׁת וְעָשָׂת אֶת הַתְּבוּאָה לִשְׁלֹשׁ הַשָּׁנִים׃

Digitized by Google

20 ... ...

ଅନ୍ୟ ଲୋକମାନେ ଯେଉଁ ପରିଶ୍ରମ କରିଅଛନ୍ତି, ତାହାର ଫଳ ତୁମ୍ଭେମାନେ ଭୋଗ କରିବା ନିମନ୍ତେ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଯେଉଁ ଦେଶ ଓ ନଗର ଦତ୍ତ ହୋଇ ନାହିଁ, ତାହା ମଧ୍ୟ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଦତ୍ତ କଲି।

25 ଏଥିଉତ୍ତାରେ ସେମାନେ ଆମ୍ଫିପଲି ଓ ଆପଲ୍ଲୋନିୟା ଦେଇ ଯାତ୍ରା କରି ଥିଷଲନୀକୀ ନଗରକୁ ଆସିଲେ, ସେଠାରେ ଯିହୂଦୀମାନଙ୍କର ଏକ ସମାଜଗୃହ ଥିଲା।

26 ଆଉ ଯୀଶୁ ମୃତମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରୁ ଉତ୍ଥାପିତ ହେବା ବିଷୟରେ ପାଉଲ ତାହାମାନଙ୍କ ନିକଟରେ ତିନି ବିଶ୍ରାମବାର ଶାସ୍ତ୍ରବିଚାର କଲେ, ଏଥିରେ ସେ ଯେ ଖ୍ରୀଷ୍ଟ ଯୀଶୁ ଯାହାଙ୍କୁ ମୁଁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ନିକଟରେ ପ୍ରଚାର କରୁଅଛି, ଏହି ଯୀଶୁ ଯେ ଖ୍ରୀଷ୍ଟ, ଏହା ସେମାନଙ୍କ ନିକଟରେ ପ୍ରମାଣ କରି ଦେଖାଇଲେ।

27 ପୁଣି ସେମାନଙ୍କର କେତେକ ଲୋକ ବିଶ୍ୱାସ କରି ପାଉଲ ଓ ସୀଲାଙ୍କ ସଙ୍ଗୀ ହେଲେ; ପୁଣି ସେହି ସ୍ଥାନର ଭକ୍ତିମାନ ଗ୍ରୀକ୍‌ ଲୋକଙ୍କର ଅନେକ ଲୋକ ଓ ପ୍ରଧାନ ପ୍ରଧାନ ଅନେକ ସ୍ତ୍ରୀଲୋକ ସେମାନଙ୍କ ସଙ୍ଗୀ ହେଲେ।

28 କିନ୍ତୁ ଯିହୂଦୀମାନେ ଈର୍ଷାପରବଶ ହୋଇ ବଜାରର କେତେକ ଦୁଷ୍ଟ ଲୋକକୁ ସଙ୍ଗରେ ନେଇ ଜନତା ଜମାଇଲେ ଓ ନଗରରେ ଗଣ୍ଡଗୋଳ ଉପସ୍ଥିତ କଲେ, ପୁଣି ଯାସୋନଙ୍କ ଘର ଆକ୍ରମଣ କରି ସେମାନଙ୍କୁ ଲୋକଙ୍କ ହସ୍ତରେ ସମର୍ପଣ କରିବା ନିମନ୍ତେ ସେମାନଙ୍କୁ ବାହାର କରି ଆଣିବାକୁ ଚେଷ୍ଟା କଲେ। ମାତ୍ର ସେମାନଙ୍କୁ ନ ପାଇ ଯାସୋନ ଓ କେତେକ ଭାଇଙ୍କୁ ନଗରର ଅଧିପତିମାନଙ୍କ ନିକଟକୁ ଟାଣି ନେଇ ଚିତ୍କାର କଲେ, ଏମାନେ ଯେଉଁମାନେ ସମସ୍ତ ଜଗତକୁ ଉଲ୍ଟାପାଲ୍ଟା କରିଅଛନ୍ତି, ସେମାନେ ମଧ୍ୟ ଏଠାକୁ ଆସିଅଛନ୍ତି;

29 ଆଉ ଯାସୋନ ସେମାନଙ୍କୁ ଆତିଥ୍ୟ ଦେଇଅଛନ୍ତି; ପୁଣି ଏମାନେ ସମସ୍ତେ କାଇସରଙ୍କ ବିଧିର ବିରୁଦ୍ଧାଚରଣ କରନ୍ତି, ଆଉ ଯୀଶୁ ନାମକ ଆଉ ଜଣେ ରାଜା ଅଛନ୍ତି ବୋଲି କହନ୍ତି।

Digitized by Google

30 ומה אומר עוד הגדעון כי יספר לי הזמן כי נבהלתי מדברי הנביאים ומדברי הנשיאים ומדברי הזקנים ומדברי הסופרים ומדברי הרואים ומדברי החוזים ומ

ما معه من المال ، فلما رأى ذلك منه أخذ ما معه من المال ، وقال له : لا تعد إلى مثل هذا ، فإنك إن عدت إلى مثل هذا قتلتك ، فقال له : لا أعود إلى مثل هذا أبدا ، فتركه ، فذهب ، فلما كان من الغد أتى إلى الملك ، فقال له : أيها الملك ، إني كنت بالأمس عند رجل ، فأخذ ما معي من المال ، وقال لي : إن عدت إلى مثل هذا قتلتك ، وإني قد عدت إليك ، فافعل بي ما شئت ، فقال له الملك : ما حملك على العود إلي ، وقد أخذ ما معك من المال ، وقال لك : إن عدت إلى مثل هذا قتلتك ؟ فقال له : أيها الملك ، إني قد عدت إليك لأني قد علمت أنك لا تقتلني ، فقال له الملك : ما علمك بذلك ؟ فقال له : أيها الملك ، إني قد علمت أنك لا تقتلني لأنك لو قتلتني لقتلت رجلا لا ذنب له ، وإنما ذنبه عندك أنه أخذ ما معي من المال ، وقد رددته إلي ، فقال له الملك : صدقت ، فرد عليه ما أخذ منه ، وأمر له بمثله ، وأمر له بكرامة ، وأمر له بمنزل ، وأمر له بخادم ، وأمر له بدابة ، وأمر له بثياب ، وأمر له بنفقة ، وأمر له بمؤنة ، وأمر له بعلف ، وأمر له بماء ، وأمر له بطعام ، وأمر له بشراب ، وأمر له بفاكهة ، وأمر له بلحم ، وأمر له بخبز ، وأمر له بسمن ، وأمر له بعسل ، وأمر له بسكر ، وأمر له بلبن ، وأمر له بجبن ، وأمر له بزبد ، وأمر له بتمر ، وأمر له بزبيب ، وأمر له بجوز ، وأمر له بلوز ، وأمر له بفستق ، وأمر له بصنوبر ، وأمر له بتين ، وأمر له بعنب ، وأمر له برمان ، وأمر له بتفاح ، وأمر له بسفرجل ، وأمر له بمشمش ، وأمر له بخوخ ، وأمر له بإجاص ، وأمر له بكمثرى ، وأمر له بتوت

10 ... **11** ... **12** ... **13** ... **14** ... **15** ...

Digitized by Google

16 ಯೆಹೋವನು ಮೋಶೆಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ್ದು ಏನಂದರೆ, ನೀನು ಲೇವಿಯ ಪುತ್ರರನ್ನು ಅವರ ಪಿತೃಗಳ ಮನೆಗಳ ಪ್ರಕಾರವೂ ಅವರ ಕುಲಗಳ ಪ್ರಕಾರವೂ ಲೆಕ್ಕಿಸಬೇಕು; ಒಂದು ತಿಂಗಳ ಮೊದಲುಗೊಂಡು ಮೇಲಕ್ಕೆ ಪ್ರತಿ ಗಂಡಸನ್ನು ಲೆಕ್ಕಿಸಬೇಕು ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. 17 ಲೇವಿಯ ಪುತ್ರರ ಹೆಸರುಗಳು ಅವರ ಕುಲಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಇವೇ: ಗೇರ್ಷೋನ್, ಕೆಹಾತ್, ಮೆರಾರಿ. 18 ಗೇರ್ಷೋನನ ಪುತ್ರರ ಹೆಸರುಗಳು ಅವರ ಕುಲಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಇವೇ: ಲಿಬ್ನಿ, ಶಿಮ್ಮಿ. 19 ಕೆಹಾತನ ಪುತ್ರರ ಹೆಸರುಗಳು ಅವರ ಕುಲಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಇವೇ: ಅಮ್ರಾಮ್, ಇಚ್ಹಾರ್, ಹೆಬ್ರೋನ್, ಉಜ್ಜೀಯೇಲ್. ಮೆರಾರಿಯ ಪುತ್ರರ ಹೆಸರುಗಳು ಅವರ ಕುಲಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಇವೇ: ಮಹ್ಲಿ, ಮೂಷಿ. ಇವರೇ ಅವರ ಪಿತೃಗಳ ಮನೆಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಲೇವಿಯ ಕುಲಗಳು.

20 ಗೇರ್ಷೋನನ ಪುತ್ರರು ಅವರ ಕುಲಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಲಿಬ್ನಿ, ಶಿಮ್ಮಿ. 21 ಲಿಬ್ನಿಯ ಕುಲಗಳು ಶಿಮ್ಮಿಯ ಕುಲಗಳು ಇವೇ: ಇವರೇ ಗೇರ್ಷೋನ್ಯರ ಕುಲಗಳು. 22 ಅವರಲ್ಲಿ ಒಂದು ತಿಂಗಳ ಮೊದಲುಗೊಂಡು ಮೇಲಕ್ಕೆ ಲೆಕ್ಕಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ಗಂಡಸರ ಸಂಖ್ಯೆಯ ಪ್ರಕಾರ ಅವರಲ್ಲಿ ಲೆಕ್ಕಿಸಲ್ಪಟ್ಟವರು ಏಳು ಸಾವಿರದ ಐನೂರು ಜನರು. 23 ಗೇರ್ಷೋನ್ಯರ ಕುಲಗಳು ಪಡುವಣ ಕಡೆಯಲ್ಲಿ ಗುಡಾರದ ಹಿಂಭಾಗದಲ್ಲಿ ಇಳಿದುಕೊಳ್ಳಬೇಕು. 24 ಲಾಯೇಲನ ಮಗನಾದ ಎಲ್ಯಾಸಾಫನು ಗೇರ್ಷೋನ್ಯರ ಪಿತೃಗಳ ಮನೆಗಳಿಗೆ ಪ್ರಧಾನನಾಗಿರಬೇಕು. 25 ಗೇರ್ಷೋನ್ಯರು ಗುಡಾರದಲ್ಲಿ ಮಾಡಬೇಕಾದ ಸೇವೆಯು ಏನಂದರೆ, ಗುಡಾರವನ್ನೂ ಅದರ ಹೊದಿಕೆಯನ್ನೂ ಸಭೆಯ ಗುಡಾರದ ಬಾಗಿಲಿನ ತೆರೆಯನ್ನೂ 26 ಅಂಗಳದ ಪರದೆಗಳನ್ನೂ ಗುಡಾರದ ಸುತ್ತಲೂ ಬಲಿಪೀಠದ ಸುತ್ತಲೂ ಇರುವ ಅಂಗಳದ ಬಾಗಿಲಿನ ತೆರೆಯನ್ನೂ ಅವುಗಳ ಹಗ್ಗಗಳನ್ನೂ ಅವುಗಳಿಗೆ ಸಂಬಂಧಪಟ್ಟ ಸೇವೆಯ ಎಲ್ಲಾ ಕೆಲಸಗಳನ್ನೂ ಹೊರಬೇಕು.

Digitized by Google

21 ... ...

26 ואחיה השלני הפלתי בגדיו אשר עלי ויכה את המים ויחצו גם הנה עבדתך שם ויאמר אליהו חלצו מתניך ושאו מטי בידך והלך ויאמר אחאב אל איזבל אמר את אשר עשה אליהו וכל אשר הרג את כל הנביאים בחרב ותשלח איזבל מלאך אל אליהו לאמר כה יעשון אלהים ויוסיפון כי כעת מחר אשים את נפשך כנפש אחד מהם ויירא ויקם וילך לנפשו ויבא באר שבע אשר ליהודה ויניח את נערו שם ויהי הוא הלך במדבר דרך יום ויבא וישב תחת רתם אחת ויתאו את נפשו למות ויאמר רב עתה יהוה קח נא את נפשי כי לא טוב אנכי מאבתי וישכב ויישן תחת רתם אחת והנה זה מלאך נגע בו ויאמר אליו קום אכל ויפן והנה מראשתיו עגת רצפים וצפחת מים ויאכל וישת וישב וישכב ויישן שנית ויבא מלאך יהוה שנית ויגע בו ויאמר קום אכל כי רבה ממך הדרך ויקם ויאכל וישת וילך בכח האכלה ההוא ארבעים יום וארבעים לילה עד חרב הר האלהים

פרק יט

1 ויגד אחאב לאיזבל את כל אשר עשה אליהו וגם את אשר הרג את כל הנביאים בחרב ותשלח איזבל אל אליהו מלאך לאמר כה יעשון אלהים וכה יוסיפון כי כעת מחר אשים את נפשך כנפש אחד מהם ס

2 ויהי כי ראה ויקם וילך אל נפשו ויבא באר שבע אשר ליהודה ויניח נערו שם ס ואליהו הלך במדבר דרך יום ויבא וישב תחת רתם אחת ויתאו את נפשו למות ויאמר רב עתה יהוה קח נא את נפשי כי לא טוב אנכי מאבתי ס

3 ויקם ויירא אל נפשו ויבא באר שבע אשר ליהודה ויניח נערו שם ס ואליהו הלך במדבר דרך יום ויבא וישב תחת רתם אחת ויתאו את נפשו למות ויאמר רב עתה יהוה קח נא את נפשי כי לא טוב אנכי מאבתי ס

4 ויהי הוא הלך במדבר דרך יום ויבא וישב תחת רתם אחת ויתאו את נפשו למות ויאמר רב עתה יהוה קח נא את נפשי כי לא טוב אנכי מאבתי ויישכב ויישן תחת רתם אחת והנה זה מלאך נגע בו ויאמר אליו קום אכל ויפן והנה מראשתיו עגת רצפים וצפחת מים ויאכל וישת וישב וישכב ויישן שנית ויבא מלאך יהוה שנית ויגע בו ויאמר קום אכל כי רבה ממך הדרך ויקם ויאכל וישת וילך בכח האכלה ההוא ארבעים יום וארבעים לילה עד חרב הר האלהים

Digitized by Google

Digitized by Google

11 ...

12 ...

13 ...

14 ...

15 ...

16 ...

Digitized by Google

ಅವರು ಅವನನ್ನು ಅರೆಯೋಪಾಗದ ಸಭೆಯ ಮುಂದೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗಿ ಅವನಿಗೆ
ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ನೀನು ಹೇಳುವ ಈ ಹೊಸ ಉಪದೇಶವು ಏನೆಂದು ನಾವು ತಿಳಿಯಬಹುದೇ?
೨೦ ನೀನು ಕೆಲವು ವಿಚಿತ್ರವಾದ ವಿಷಯಗಳನ್ನು ನಮ್ಮ ಕಿವಿಗೆ ಹೇಳುತ್ತೀ; ಆದಕಾರಣ
ಇವುಗಳು ಏನಾಗಿರಬಹುದೆಂದು ತಿಳಿಯಬೇಕೆಂಬ ಆಸೆ ನಮಗಿದೆ ಅಂದರು. **೨೧** ಅಥೇನೈ
ಪಟ್ಟಣದವರೆಲ್ಲರೂ ಅಲ್ಲಿಗೆ ಬಂದಿರುವ ಪರದೇಶಸ್ಥರೂ ಹೊಸ ಸುದ್ದಿಯನ್ನು ಹೇಳುವದರಲ್ಲಿಯೂ
ಕೇಳುವದರಲ್ಲಿಯೂ ಹೊರತು ಬೇರೆ ಯಾವ ಕೆಲಸವನ್ನೂ ಮಾಡದೆ ಇದ್ದರು.

೨೨ ಆಗ ಪೌಲನು ಅರೆಯೋಪಾಗದ ಸಭೆಯ ಮಧ್ಯದಲ್ಲಿ ನಿಂತು ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ,
ಅಥೇನೈ ಜನರೇ, ನೀವು ಎಲ್ಲಾ ವಿಷಯಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಬಹಳ ದೈವಭಕ್ತರಾಗಿ ಕಾಣಿಸುತ್ತೀರಿ.
೨೩ ನಾನು ನಡೆದು ಹೋಗುತ್ತಾ ನಿಮ್ಮ ಪೂಜಾಸ್ಥಳಗಳನ್ನು ನೋಡಿದಾಗ ಒಂದು ಬಲಿಪೀಠದ
ಮೇಲೆ "ಅಜ್ಞಾತ ದೇವರಿಗೆ" ಎಂಬ ಬರಹವಿರುವದನ್ನು ಕಂಡೆನು. ಆದಕಾರಣ ನೀವು
ಅರಿಯದೆ ಭಕ್ತಿಮಾಡುವವರಾಗಿರುವ ಆ ದೇವರನ್ನು ನಾನು ನಿಮಗೆ ಸಾರುತ್ತೇನೆ.
೨೪ ಲೋಕವನ್ನೂ ಅದರಲ್ಲಿರುವ ಸಮಸ್ತವನ್ನೂ ಉಂಟುಮಾಡಿದ ದೇವರು ಆಕಾಶಕ್ಕೂ
ಭೂಮಿಗೂ ಒಡೆಯನಾಗಿರುವದರಿಂದ ಆತನು ಕೈಯಿಂದ ಕಟ್ಟಿದ ಗುಡಿಗಳಲ್ಲಿ ವಾಸಮಾಡುವದಿಲ್ಲ.
೨೫ ಆತನಿಗೆ ಯಾವದೂ ಬೇಕಾಗಿರದ ಕಾರಣ ಮನುಷ್ಯರ ಕೈಗಳಿಂದ ಆತನಿಗೆ ಸೇವೆಯಾಗಬೇಕಾಗಿಲ್ಲ.
ಆತನೇ ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಜೀವವನ್ನೂ ಉಸಿರನ್ನೂ ಸಮಸ್ತವನ್ನೂ ಕೊಡುವವನಾಗಿದ್ದಾನೆ.
೨೬ ಆತನು ಒಬ್ಬನಿಂದಲೇ ಮನುಷ್ಯರ ಸಮಸ್ತ ಜನಾಂಗಗಳನ್ನು ಉಂಟುಮಾಡಿ ಭೂಮಿಯ
ಮೇಲೆಲ್ಲಾ ವಾಸಮಾಡುವಂತೆ ಮಾಡಿದನು. ಆತನು ಅವರಿಗೆ ಕಾಲಗಳನ್ನೂ ವಾಸಸ್ಥಳಗಳ
ಎಲ್ಲೆಗಳನ್ನೂ ನೇಮಿಸಿದನು. **೨೭** ಅವರು ಆತನನ್ನು ಹುಡುಕಿ ಆತನನ್ನು ಕಂಡುಕೊಳ್ಳಬೇಕೆಂದು
ಆತನು ಹೀಗೆ ಮಾಡಿದನು. ಆತನು ನಮ್ಮಲ್ಲಿ ಒಬ್ಬೊಬ್ಬನಿಗೂ ದೂರವಾಗಿಲ್ಲ. **೨೮** ಏಕೆಂದರೆ
ನಾವು ಆತನಲ್ಲಿಯೇ ಜೀವಿಸುತ್ತೇವೆ, ಚಲಿಸುತ್ತೇವೆ, ಇರುತ್ತೇವೆ. ನಿಮ್ಮ ಕವಿಗಳಲ್ಲಿ ಕೆಲವರು
ಹೇಳಿದಂತೆ, "ನಾವು ಆತನ ಸಂತಾನವೇ ಆಗಿದ್ದೇವೆ."

Digitized by Google

22 ଯେଉଁମାନେ ପ୍ରଭୁଙ୍କ ଉପରେ ବିଶ୍ୱାସ କରନ୍ତି ଓ ପ୍ରଭୁଙ୍କ ଉପରେ ବିଶ୍ୱାସ କରିବା ପାଇଁ ଯେଉଁମାନେ ଅନ୍ୟମାନଙ୍କୁ ଶିକ୍ଷା ଦିଅନ୍ତି, ସେମାନେ ଏକ ଉତ୍ତମ ଜୀବନ ଯାପନ କରିବା ଉଚିତ୍ । ସେମାନେ ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ ପ୍ରତି ଦୟାଳୁ ହେବା ଉଚିତ୍ । ସେମାନେ ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ ପ୍ରତି ଦୟାଳୁ ହେବା ଉଚିତ୍ ।

23 ଯେଉଁମାନେ ଅନ୍ୟମାନଙ୍କୁ ଶିକ୍ଷା ଦିଅନ୍ତି, ସେମାନେ ଅନ୍ୟମାନଙ୍କୁ ଭୁଲ୍ ପଥକୁ ଯିବାକୁ ଦିଅନ୍ତି ନାହିଁ । ସେମାନେ ଅନ୍ୟମାନଙ୍କୁ ଭୁଲ୍ ପଥକୁ ଯିବାକୁ ଦିଅନ୍ତି ନାହିଁ । ସେମାନେ ଅନ୍ୟମାନଙ୍କୁ ଭୁଲ୍ ପଥକୁ ଯିବାକୁ ଦିଅନ୍ତି ନାହିଁ ।

24 ଏହା ସମସ୍ତେ ଜାଣନ୍ତି ଯେ ପ୍ରଭୁଙ୍କ ଉପରେ ବିଶ୍ୱାସ କରିବା ପାଇଁ ଯେଉଁମାନେ ଅନ୍ୟମାନଙ୍କୁ ଶିକ୍ଷା ଦିଅନ୍ତି, ସେମାନେ ଅନ୍ୟମାନଙ୍କୁ ଭୁଲ୍ ପଥକୁ ଯିବାକୁ ଦିଅନ୍ତି ନାହିଁ । ସେମାନେ ଅନ୍ୟମାନଙ୍କୁ ଭୁଲ୍ ପଥକୁ ଯିବାକୁ ଦିଅନ୍ତି ନାହିଁ ।

25 ଯିହୂଦା ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଏକ ପତ୍ର ଲେଖିଛନ୍ତି । ଯିହୂଦା ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଏକ ପତ୍ର ଲେଖିଛନ୍ତି । ଯିହୂଦା ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଏକ ପତ୍ର ଲେଖିଛନ୍ତି ।

Digitized by Google

26 ايسوع ايتاڤ ايمبالي ايمبالي ايمبالي

33 וַיְהִי כְּכַלּוֹת מֹשֶׁה לְהָקִים אֶת־הַמִּשְׁכָּן וַיִּמְשַׁח אֹתוֹ וַיְקַדֵּשׁ אֹתוֹ וְאֶת־כָּל־כֵּלָיו וְאֶת־הַמִּזְבֵּחַ וְאֶת־כָּל־כֵּלָיו וַיִּמְשָׁחֵם וַיְקַדֵּשׁ אֹתָם׃ **34** וַיִּקְרְבוּ נְשִׂיאֵי יִשְׂרָאֵל רָאשֵׁי בֵּית אֲבֹתָם הֵם נְשִׂיאֵי הַמַּטּוֹת הֵם הָעֹמְדִים עַל־הַפְּקֻדִים׃ **35** וַיָּבִיאוּ אֶת־קָרְבָּנָם לִפְנֵי יְהוָה שֵׁשׁ עֶגְלוֹת צָב וְעָשָׂר בָּקָר עֲגָלָה עַל־שְׁנַיִם נָשִׂיא וְשׁוֹר עַל־אֶחָד וַיַּקְרִיבוּ אֹתָם לִפְנֵי הַמִּשְׁכָּן׃

ז

1 וַיְהִי כַּאֲשֶׁר כִּלָּה מֹשֶׁה לְהָקִים אֶת־הַמִּשְׁכָּן וַיִּמְשַׁח אֹתוֹ וַיְקַדֵּשׁ אֹתוֹ וְאֶת־כָּל־כֵּלָיו וְאֶת־הַמִּזְבֵּחַ וְאֶת־כָּל־כֵּלָיו וַיִּמְשָׁחֵם וַיְקַדֵּשׁ אֹתָם׃ **2** וַיַּקְרִיבוּ נְשִׂיאֵי יִשְׂרָאֵל רָאשֵׁי בֵּית אֲבֹתָם הֵם נְשִׂיאֵי הַמַּטּוֹת הֵם הָעֹמְדִים עַל־הַפְּקֻדִים׃ **3** וַיָּבִיאוּ אֶת־קָרְבָּנָם לִפְנֵי יְהוָה שֵׁשׁ עֶגְלוֹת צָב וְעָשָׂר בָּקָר עֲגָלָה עַל־שְׁנַיִם נָשִׂיא וְשׁוֹר עַל־אֶחָד וַיַּקְרִיבוּ אֹתָם לִפְנֵי הַמִּשְׁכָּן׃

Digitized by Google

Digitized by Google

ויאמר יהוה אל ירמיהו מה אתה רואה ירמיהו ואמר מקל שקד אני רואה׃ **12** ויאמר יהוה אלי היטבת לראות כי שקד אני עתיד על דברי לעשותם׃ **13** ויהי דבר יהוה אלי שנית לאמר מה אתה רואה ואמר סיר נפוח אני רואה ופניו מפני צפונה׃ **14** ויאמר יהוה אלי מפני צפונה תפתח הרעה על כל יושבי הארץ׃ **15** כי הנני קורא לכל משפחות ממלכות צפונה נאם יהוה ובאו ונתנו איש כסאו פתח שערי ירושלם ועל כל חומותיה סביב ועל כל ערי יהודה׃ **16** ודברתי משפטי אתם על כל רעתם אשר עזבוני ויקטרו לאלהים אחרים וישתחוו למעשי ידיהם׃ **17** ואתה תאזר מתניך וקמת ודברת אליהם את כל אשר אנכי מצוך אל תחת מפניהם פן אחתך לפניהם׃ **18** ואני הנה נתתיך היום לעיר מבצר ולעמוד ברזל וחומות נחושת על כל הארץ לכל מלכי יהודה לשריה לכהניה ולעם הארץ׃ **19** ונלחמו אליך ולא יוכלו לך כי אתי אני נאם יהוה להצילך׃ **20** ויהי דבר יהוה אלי לאמר׃ **21** הלוך וקראת באזני ירושלם לאמר כה אמר יהוה זכרתי לך חסד נעוריך אהבת כלולתיך לכתך אחרי במדבר בארץ לא זרועה׃ **22** קדש ישראל ליהוה ראשית תבואתה כל אכליו יאשמו רעה תבוא עליהם נאם יהוה׃ **23** שמעו דבר יהוה בית יעקב וכל משפחות בית ישראל׃ **24** כה אמר יהוה מה מצאו אבותיכם בי עול כי רחקו מעלי וילכו אחרי ההבל ויהבלו׃ **25** ולא אמרו איה יהוה המעלה אתנו בארץ מצרים המולכנו במדבר בארץ ערבה ושחה בארץ ציה וצלמות בארץ לא עבר בה לא אדם ולא ישב אדם שם׃ **26** ואביא אתכם אל ארץ הכרמל לאכל פריה וטובה ותבאו ותטמאו את ארצי ונחלתי שמתם לתועבה׃ **27** הכהנים לא אמרו איה יהוה ותפשי התורה לא ידעוני והרעים פשעו בי והנביאים נבאו בבעל וילכו אחרי לא יועילו׃ **28** לכן עוד אריב אתכם נאם יהוה ואת בני בניכם אריב׃ **29** כי עברו איי כתים וראו וקדר שלחו הנה ותבינו מאד וראו היש כזאת׃ **30** אם חלף גוי אלהים והמה לא אלהים עמי חלפו בתפארתם׃ **31** על זאת שמו שמים והשתוממו חרבו מאד נאם יהוה׃ **32** כי שתים עשו עמי אתי עזבו מקור מים חיים לחצב להם בארות בארות נשברים אשר לא יכילו המים׃ **33** המאסת מקור חיים יהוה׃ **34** ונם בכנפיך נמצאו דמי נפשות אביונים לא במחתרת מצאתים כי על כל אלה׃ **35** כי אמרת נקיתי אך שב אפו ממני הנני נשפט אתך על אמרך לא חטאתי׃ **36** מה תזלי מאד לשנות דרכך גם מאת מצרים תבושי כאשר בשת מאת אשור׃ **37** גם מאת זה תצאי וידיך על ראשך כי מאס יהוה את מבטחיך ולא תצליחי להם׃ **3** לאמר הן ישלח איש את אשתו והלכה מאתו והיתה לאיש אחר הישוב אליה עוד הלוא חנף תחנף הארץ ההוא ואת זנית רעים רבים ושוב אלי נאם יהוה׃ **2** שא עיניך אל שפים וראי איפה לא שכבת עברת הדרך יושבת להם כערבי במדבר ותחניפי הארץ בזנותיך וברעתך׃ **3** ומנעו רבבים ומלקוש לא היה ומצח אשה זונה היה לך מאנת הכלם׃ **4** הלא מעתה קראת לי אבי אלוף נעורי אתה׃ **5** הלעולם יטר אם ישמר לנצח הן דברת ותעשי הרעות ותוכלי׃ **6** ויאמר יהוה אלי בימי יאשיהו המלך הראית את אשר עשתה משובבה ישראל הלכה לה על כל הר גבה ותחת כל עץ רענן ושם זנתה׃ **7** ואמרתי אחרי שתה כל אלה תשוב אלי ולא שבה ותרא בגדתה יהודה אחותה׃ **8** וראתה כי על כל אשר נאפו משובבה ישראל שלחתיה וכריתותיה ספר כריתות אליה ולא יראה בגדתה יהודה אחותה ותלך גם היא ותזן את זנותיה׃ **9** והיה מקול זנותה הארץ ותחנף את האבן ואת העץ׃ **10** וגם בזאת לא שבה אליה בגדתה יהודה אחותה בכל לבה כי אם בשקר נאם יהוה׃ **11** ותאמר יהוה אלי צדקה נפשה משובבה ישראל מבגדה יהודה׃ **12** הלך וקראת את הדברים האלה צפונה ואמרת שובה משובבה ישראל נאם יהוה לא אפיל פני בכם כי חסיד אני נאם יהוה לא אטור לעולם׃ **13** אך דעי עונך כי בפשעך פשעת ביהוה אלהיך ותפיצי את דרכיך לזרים תחת כל עץ רענן ובקולי לא שמעתם׃ **14** שובו בנים שובבים נאם יהוה כי בעלתי בכם ולקחתי אתכם אחד משפחה ושנים מציון והבאתי אתכם ציונה׃ **15** ונתתי לכם רעים כלבבי ורעו אתכם דעה והשכיל׃ **16** והיה כי תרבו ותפרו בארץ בימים ההמה נאם יהוה לא יאמרו עוד ארון ברית יהוה ולא יעלה על לב ולא יזכרו בו ולא יפקדו ולא יעשה עוד׃ **17** בעת ההיא יקראו לירושלם כסא יהוה ונקוו אליה כל הגוים לשם יהוה לירושלם ולא ילכו עוד אחרי שרירות לבם הרעה׃ **18** בימים ההם תלכנה בית יהודה אל בית ישראל והלכו יחדו מארץ צפון על הארץ אשר הנחלתי לאבותיכם׃ **19** ואני אמרתי איך אשיתך בבנים ואתן לך ארץ חמדה צבי צבאות גוים ואמר אבי תקראי לי ומאחרי לא תשובי׃ **20** אכן בגדה אשה מרעה כן בגדתם בית ישראל בי נאם יהוה׃ **21** קול על שפים נשמע בכי תחנוני בני ישראל כי העוו את דרכם שכחו את יהוה אלהיהם׃ **22** שובו בנים שובבים ארפה משובתיכם הנם באים אלינו כי אתה יהוה אלהינו׃ **23** אכן שקר מגבעות המון הרים אכן ביהוה אלהינו תשועת ישראל׃ **24** והבשת אכלה את יגיע אבותינו מנעוריהם את צאנם ואת בקרם את בניהם ואת בנותיהם׃ **25** נשכבה בבשתנו ותכסנו כלמתנו כי ליהוה אלהינו חטאנו אנחנו ואבותינו מנעורינו ועד היום הזה ולא שמענו בקול יהוה אלהינו׃ **4** אם תשוב ישראל נאם יהוה אלי תשוב ואם תסיר שקוציך מפני ולא תנוד׃ **2** ונשבעת חי יהוה באמת במשפט ובצדקה ונברכו בו גוים ובו יתהללו׃ **3** כי כה אמר יהוה לאיש יהודה ולירושלם נירו לכם נירה ואל תזרעו אל קוצים׃ **4** המולו ליהוה וסירו ערלות לבבכם איש יהודה וישבי ירושלם פן תצא כאש חמתי ובערה ואין מכבה מרע מעלליכם׃ **5** הגידו ביהודה והשמיעו בירושלם ואמרו תקעו בשופר בארץ קראו מלאו ואמרו האספו ונבוא אל ערי המבצר׃ **6** שאו נס ציונה העזו אל תעמדו כי רעה אנכי מביא מצפון ושבר גדול׃ **7** עלה אריה מסבכו ומשחית גוים נסע מקומו לשום את ארצך לשמה תצאנה עריך מאין יושב׃ **8** על זאת חגרו שקים ספדו והילילו כי לא שב חרון אף יהוה מעלינו׃ **9** והיה ביום ההוא נאם יהוה יאבד לב המלך ולב השרים ונשמו הכהנים ותמהו הנביאים׃ **10** ואמרתי אהה אדני יהוה אכן נשא נשאת לעם הזה ולירושלם לאמר שלום יהיה לכם והנה הגיע החרב עד נפש׃ **11** בעת ההיא יאמר לעם הזה ולירושלם רוח צחה שפים במדבר דרך בת עמי לא לזרות ולא לבר׃ **12** רוח מלאה מאלה תבוא לי עתה גם אני אדבר משפטים אתם׃ **13** הנה כעננים יעלה ומרכבתיו כסופה סוסיו קלו מנשרים אוי לנו כי שדדנו׃ **14** כבסי מרעה לבך ירושלם למען תושעי עד מתי תלין בקרבך אותך מחשבות אונך׃ **15** כי קול מגיד מדן ומשמיע און מהר אפרים׃ **16** הזכירו לגוים הנה השמיעו על ירושלם נצרים באים מארץ מרחק ויתנו על ערי יהודה קולם׃ **17** כשדי שמרי השדה היו עליה סביב כי אתי מרתה נאם יהוה׃ **18** דרכיך ועלליך עשו לך את זאת הרעתך כי מרה כי הגיע עד לבך׃ **19** מעי מעי אוחילה קירות לבי המה לי לבי אין לי כי קול שופר שמעת נפשי תרועת מלחמה׃ **20** שבר על שבר נקרא כי שדדה כל הארץ פתאם שדדו יריעותי רגע קלעי׃ **21** עד מתי אראה נס אשמעה קול שופר׃ **22** כי אויל עמי אתי לא ידעוני בנים סכלים המה ובינה אין להם חכמים המה להרע ולהיטיב לא ידעו׃ **23** ראיתי את הארץ והנה תהו ובהו ואל השמים ואין אורם׃ **24** ראיתי את ההרים והנם רעשים וכל הגבעות התקלקלו׃ **25** ראיתי והנה אין אדם וכל עוף השמים נדדו׃ **26** ראיתי והנה הכרמל מדבר וכל עריו נתצו מפני יהוה מפני חרון אפו׃ **27** כי כה אמר יהוה שממה תהיה כל הארץ וכלה לא אעשה׃ **28** על זאת תאבל הארץ וקדרו שמים מלמעלה על דברתי זמותי ולא נחמתי ולא שבתי ממנה׃ **29** מקול פרש וקשת רמה כל העיר נסים בעבים באו בסלעים עלו כל העיר עזובה ואין יושב בהם׃ **30** ואת שדודה מה תעשי כי תלבשי שני כי תעדי עדי זהב כי תפכי בפוך עיניך לשוא תתיפי מאסו עגבים נפשך מבקשים׃ **31** כי קול כחולה שמעתי צרה כמבכרת בת ציון תפרש בידיה אוי נא לי כי נלאתה נפשי להרגים׃ **5** שוטטו ברחובות ירושלם וראו נא והדעו ובקשו ברחביה אם תמצאו איש אם יש עושה משפט מבקש אמונה ואסלח לה׃ **2** ואם חי יהוה אם לשקר ישבעו׃ **3** יהוה עיניך הלא לאמונה חבלתם אותם ולא חלו כלתם אותם מאנו קחת מוסר חזקו פניהם מסלע מאנו לשוב׃ **4** ואני אמרתי אך דלים הם נואלו כי לא ידעו דרך יהוה משפט אלהיהם׃ **5** אלכה לי אל הגדלים ואדברה אתם כי המה ידעו דרך יהוה משפט אלהיהם אך המה יחדו שברו על עול נתקו מוסרות׃ **6** על כן הכם אריה מיער זאב ערבות ישדדם נמר שקד על עריהם כל היוצא מהנה יטרף כי רבו פשעיהם עצמו משובותיהם׃ **7** על מה אסלח לך בניך עזבוני וישבעו בלא אלהים והשבעתים ויניפו׃ **8** ויזנו בית זונה יתגודדו׃ **9** סוסים מפטמים משכמים איש אל אשת רעהו יצהלו׃ **10** על אלה לא אפקד נאם יהוה ואם בגוי אשר כזה לא תנקם נפשי׃ **11** עלו שורותיה ושחתו אך כלה לא תעשו הסירו נטישותיה כי לא ליהוה המה׃ **12** כחשו ביהוה ויאמרו לא הוא ולא תבוא עלינו רעה וחרב ורעב לא נראה׃ **13** והנביאים לרוח יהיו והדבר אין בם כן יעשה להם׃ **14** לכן כה אמר יהוה אלהי צבאות יען דברכם את הדבר הזה הנני נתן דברי בפיך לאש והעם הזה עצים ואכלתם׃ **15** הנני מביא עליכם גוי ממרחק בית ישראל נאם יהוה גוי איתן הוא גוי מעולם הוא גוי לא תדע לשונו ולא תבין מה יאמר׃ **16** אשפתו כקבר פתוח כלם גבורים׃ **17** ואכל קצירך ולחמך יאכלו בניך ובנותיך יאכל צאנך ובקרך יאכל גפנך ותאנתך יירש ערי מבצרתיך אשר אתה בטחת בהן בחרב׃ **18** גם בימים ההמה נאם יהוה לא אעשה אתכם כלה׃ **19** והיה כי תאמרו על מה עשה יהוה אלהינו לנו את כל אלה ואמרת אליהם כאשר עזבתם אתי ותעבדו אלהי נכר בארצכם כן תעבדו זרים בארץ לא לכם׃ **20** הגידו זאת בבית יעקב והשמיעו אותה ביהודה לאמר׃ **21** שמעו נא זאת עם סכל ואין לב עינים להם ולא תראינה אזנים להם ולא תשמענה׃ **22** האתי לא תיראו נאם יהוה אם מפני לא תחילו אשר שמתי חול גבול לים חק עולם ולא יעברנו ויתגעשו ולא יוכלו והמו גליו ולא יעברוהו׃ **23** ולעם הזה היה לב סורר ומורה סרו וילכו׃ **24** ולא אמרו בלבבם נירא נא את יהוה אלהינו הנתן גשם יורה ומלקוש בעתו שבעות חקר לנו קצירי יקהה׃ **25** עונותיכם הטו אלה ומחטאתיכם מנעו הטוב׃ **26** כי נמצאו בעמי רשעים משחיתים כיקשים מוקש יהבלו מלכדו אנשים׃ **27** כאשר כלוב מלא עוף כן בתיהם מלאים מרמה על כן גדלו ויעשרו׃ **28** שמנו עשתו גם עברו דברי רע לא דנו דין יתום ויצליחו ומשפט אביונים לא שפטו׃ **29** העל אלה לא אפקד נאם יהוה אם בגוי אשר כזה לא תנקם נפשי׃ **30** שמה ופלאה היתה בארץ׃ **31** הנביאים נבאו בשקר והכהנים ירדו על ידיהם ועמי אהבו כן מה תעשו לאחריתה׃ **6** הועילו בני בנימין מקרב ירושלם ובתקוע תקעו שופר ועל בית הכרם שאו משא כי רעה נשקפה מצפון ושבר גדול׃ **2** הנוה והמעדנה דמיתי בת ציון׃ **3** אליה רעים ועדריהם יבאו אהלים סביב עליה רעו איש את ידו׃ **4** קדשו עליה מלחמה קומו ונעלה בצהרים אוי לנו כי פנה היום כי ינטו צללי ערב׃ **5** קומו ונעלה בלילה ונשחיתה ארמנותיה׃ **6** כי כה אמר יהוה צבאות כרתו עצה ושפכו על ירושלם היא העיר הפקד כל העשק בקרבה׃ **7** כהקר בור מימיה כן הקרה רעתה חמס ושד יישמע בה על פני תמיד חלי ומכה׃ **8** הוסרי ירושלם פן תקע נפשי ממך פן אשימך שממה ארץ לא נושבה׃ **9** כה אמר יהוה עולל יעוללו כגפן שארית ישראל שוב ידך כבצר על סלסלות׃ **10** אל מי אדברה ואעידה ויאזינו הן ערלה אזנם ולא יוכלו הקשב הן דבר יהוה היה להם לחרפה לא יחפצו בו׃ **11** ואת חמת יהוה מלאתי נלאיתי הכיל שפך על עולל בחוץ ועל סוד בחורים יחדו כי גם איש עם אשה ילכדו זקן עם מלא ימים׃ **12** ונסבו בתיהם לאחרים שדות יחד כי נטיתי את ידי על ישבי הארץ נאם יהוה׃ **13** כי למקטנם ועד גדולם כל בצע בצע ומנביא ועד כהן כל עשה שקר׃ **14** וירפאו את שבר עמי על נקלה לאמר שלום שלום ואין שלום׃ **15** הבשו כי תועבה עשו גם בוש לא יבושו והכלם לא ידעו לכן יפלו בנפלים בעת פקדתים יכשלו אמר יהוה׃ **16** כה אמר יהוה עמדו על דרכים וראו ושאלו לנתיבות עולם אי זה דרך הטוב והלכו בה ומצאו מרגוע לנפשכם ויאמרו לא נלך׃ **17** והקמתי עליכם צפים הקשיבו לקול שופר ויאמרו לא נקשיב׃ **18** לכן שמעו הגוים ודעי עדה אשר בהם׃ **19** שמעי הארץ הנני מביא רעה אל העם הזה פרי מחשבותם כי על דברי לא הקשיבו ותורתי ויגעלוה׃ **20** למה זה לי לבונה משבא תבוא וקנה הטוב מארץ מרחקה עולותיכם לא לרצון וזבחיכם לא ערבו לי׃ **21** לכן כה אמר יהוה הנני נתן אל העם הזה מכשלים וכשלו בם אבות ובנים יחדו שכן ורעהו יאבדו׃ **22** כה אמר יהוה הנה עם בא מארץ צפון וגוי גדול יעור מירכתי ארץ׃ **23** קשת וכידון יחזיקו אכזר הוא ולא ירחמו קולם כים יהמה ועל סוסים ירכבו ערוך כאיש למלחמה עליך בת ציון׃ **24** שמענו את שמעו רפו ידינו צרה החזיקתנו חיל כיולדה׃ **25** אל תצאי השדה ובדרך אל תלכי כי חרב לאויב מגור מסביב׃ **26** בת עמי חגרי שק והתפלשי באפר יחיד עשי לך מספד תמרורים כי פתאם יבא השדד עלינו׃ **27** בחון נתתיך בעמי מבצר ובחנת את דרכם׃ **28** כלם סרי סרים הלכי רכיל נחושת וברזל המה כלם משחיתים הם׃ **29** נחר מפח העופרת מאש תם לשוא צרף צרף והרעים לא נתקו׃ **30** כספי נמאס יקראו להם כי מאס יהוה בם׃ **7** הדבר אשר היה אל ירמיהו מאת יהוה לאמר׃ **2** עמד בשער בית יהוה וקראת שם את הדבר הזה ואמרת שמעו דבר יהוה כל יהודה הבאים בשערים האלה להשתחות ליהוה׃ **3** כה אמר יהוה צבאות אלהי ישראל היטיבו דרכיכם ומעלליכם ואשכנה אתכם במקום הזה׃ **4** אל תבטחו לכם אל דברי השקר לאמר היכל יהוה היכל יהוה היכל יהוה המה׃ **5** כי אם היטב תיטיבו את דרכיכם ואת מעלליכם אם עשה תעשו משפט בין איש ובין רעהו׃ **6** גר יתום ואלמנה אל תעשקו ודם נקי אל תשפכו במקום הזה ואחרי אלהים אחרים לא תלכו לרעתכם׃ **7** ושכנתי אתכם במקום הזה בארץ אשר נתתי לאבותיכם מעולם ועד עולם׃ **8** הנה אתם בטחים לכם אל דברי השקר לבלתי יועיל׃ **9** הגנב רצח ונאף והשבע לשקר וקטר לבעל והלך אחרי אלהים אחרים אשר לא ידעתם׃ **10** ובאתם ועמדתם לפני בבית הזה אשר נקרא שמי עליו ואמרתם נצלנו למען עשות את כל התועבות האלה׃ **11** המערת פרצים הבית הזה אשר נקרא שמי עליו בעיניכם גם אני הנה ראיתי נאם יהוה׃ **12** כי אם לכו נא אל מקומי אשר בשלו בראשונה ותראו את אשר עשיתי לו מפני רעת עמי ישראל׃ **13** ועתה יען עשותכם את כל המעשים האלה נאם יהוה ואדבר אליכם השכם ודבר ולא שמעתם וקראתי אתכם ולא עניתם׃ **14** ועשיתי לבית אשר נקרא שמי עליו אשר אתם בטחים בו ולמקום אשר נתתי לכם ולאבותיכם כאשר עשיתי לשלו׃ **15** והשלכתי אתכם מעל פני כאשר השלכתי את כל אחיכם את כל זרע אפרים׃ **16** ואתה אל תתפלל בעד העם הזה ואל תשא בעדם רנה ותפלה ואל תפגע בי כי איננו שמע אתך׃ **17** הלוא את אשר הם עשים בערי יהודה ובחוצות ירושלם׃ **18** הבנים מלקטים עצים והאבות מבערים את האש והנשים לשות בצק לעשות כונים למלכת השמים ולהסיך נסכים לאלהים אחרים למען הכעסני׃ **19** האתי הם מכעסים נאם יהוה הלוא אתם לשת פניהם לכלמתם׃ **20** לכן כה אמר אדני יהוה הנה אפי וחמתי נתכת אל המקום הזה על האדם ועל הבהמה ועל עץ השדה ועל פרי האדמה ובערה ולא תכבה׃ **21** כה אמר יהוה צבאות אלהי ישראל עולותיכם הוספו על זבחיכם ואכלו בשר׃ **22** כי לא דברתי את אבותיכם ולא צויתים ביום הוציאי אותם מארץ מצרים על דברי עולה וזבח׃ **23** כי אם את הדבר הזה צויתי אותם לאמר שמעו בקולי והייתי לכם לאלהים ואתם תהיו לי לעם והלכתם בכל הדרך אשר אצוה אתכם למען ייטב לכם׃ **24** ולא שמעו ולא הטו את אזנם וילכו במעצות בשרירות לבם הרע ויהיו לאחור ולא לפנים׃ **25** למן היום אשר יצאו אבותיכם מארץ מצרים עד היום הזה ואשלח אליכם את כל עבדי הנביאים יום השכם ושלח׃ **26** ולא שמעו אלי ולא הטו את אזנם ויקשו את ערפם הרעו מאבותיהם׃ **27** ודברת אליהם את כל הדברים האלה ולא ישמעו אליך וקראת להם ולא יענוך׃ **28** ואמרת אליהם זה הגוי אשר לא שמע בקול יהוה אלהיו ולא לקח מוסר אבדה האמונה ונכרתה מפיהם׃ **29** גזי נזרך והשליכי ושאי על שפים קינה כי מאס יהוה ונטש את דור עברתו׃ **30** כי עשו בני יהודה הרע בעיני נאם יהוה שמו שקוציהם בבית אשר נקרא שמי עליו לטמאו׃ **31** ובנו במות התפת אשר בגי בן הנם לשרף את בניהם ואת בנותיהם באש אשר לא צויתי ולא עלתה על לבי׃ **32** לכן הנה ימים באים נאם יהוה ולא יאמר עוד התפת וגי בן הנם כי אם גי ההרגה וקברו בתפת מאין מקום׃ **33** והיתה נבלת העם הזה למאכל לעוף השמים ולבהמת הארץ ואין מחריד׃ **34** והשבתי מערי יהודה ומחוצות ירושלם קול ששון וקול שמחה קול חתן וקול כלה כי לחרבה תהיה הארץ׃ **8** בעת ההיא נאם יהוה יוציאו את עצמות מלכי יהודה ואת עצמות שריו ואת עצמות הכהנים ואת עצמות הנביאים ואת עצמות יושבי ירושלם מקבריהם׃ **2** ופרשום לשמש ולירח ולכל צבא השמים אשר אהבום ואשר עבדום ואשר הלכו אחריהם ואשר דרשום ואשר השתחוו להם לא יאספו ולא יקברו לדמן על פני האדמה יהיו׃ **3** ונבחר מות מחיים כל השארית הנשארים מן המשפחה הזאת הנשארים בכל המקומות הנשארים אשר הדחתים שם נאם יהוה צבאות׃ **4** ואמרת אליהם כה אמר יהוה הנפל ולא יקום השב ולא ישוב׃ **5** מדוע שובבה העם הזה ירושלם משובה נצחת החזיקו במרמה מאנו לשוב׃ **6** הקשבתי ואשמע לא כן דברו איש רעת עלילתו לאמר מה עשיתי כל שב במרוצתו כסוס שטה במלחמה׃ **7** גם חסידה בשמים ידעה מועדיה ותור וסוס ועגור שמרו את עת בואנה ועמי לא ידעו את משפט יהוה׃ **8** איכה תאמרו חכמים אנחנו ותורת יהוה אתנו אכן הנה לשקר עשתה עט שקר סופרים׃ **9** הבישו חכמים חתו ונלכדו הנה בדבר יהוה מאסו ואי זה חכמה להם׃ **10** לכן אתן את נשיהם לאחרים שדותיהם ליורשים כי מקטן ועד גדול כל בצע בצע ומנביא ועד כהן כל עשה שקר׃ **11** וירפאו את שבר בת עמי על נקלה לאמר שלום שלום ואין שלום׃ **12** הבשו כי תועבה עשו גם בוש לא יבושו והכלם לא ידעו לכן יפלו בנפלים בעת פקדתים יכשלו אמר יהוה׃ **13** אספו אסף נאם יהוה אין ענבים בגפן ואין תאנים בתאנה והעלה נבל ואתן להם יעברום׃ **14** למה אנחנו ישבים האספו ונבואה אל ערי המבצר ונדמה שם כי יהוה אלהינו הדמנו והשקנו מי ראש כי חטאנו ליהוה׃ **15** קוה לשלום ואין לטוב ולעת מרפא והנה בעתה׃ **16** מדן נשמע נחרת סוסיו מקול מצהלות אבריו רעשה כל הארץ ויבאו ויאכלו ארץ ומלואה עיר וישבי בה׃ **17** כי הנני משלח בכם נחשים צפעונים אשר אין להם לחש ונשכו אתכם נאם יהוה׃ **18** מבליגיתי עלי יגון עלי לבי דוי׃ **19** הנה קול שועת בת עמי מארץ מרחקים הלא יהוה בציון אם מלכה בה למה הכעסוני בפסיליהם בהבלי נכר׃ **20** עבר קציר כלה קיץ ואנחנו לא נושענו׃ **21** על שבר בת עמי הושברתי קדרתי שמה החזקתני׃ **22** הצרי אין בגלעד אם רפא אין שם כי מדוע לא עלתה ארוכת בת עמי׃ **9** מי יתנני במדבר מלון עוברים ואעזבה את עמי ואלכה מאתם כי כלם מנאפים עצרת בגדים׃ **2** וידרכו את לשונם קשתם שקר ולא לאמונה גברו בארץ כי מרעה אל רעה יצאו ואתי לא ידעו נאם יהוה׃ **3** איש מרעהו השמרו ועל כל אח אל תבטחו כי כל אח עקב יעקב ורעה כל רע יהלך׃ **4** ואיש ברעהו יהתלו ואמת לא ידברו למדו לשונם דבר שקר העות נלאו׃ **5** שבתך בתוך מרמה במרמה מאנו דעת נאם יהוה׃ **6** לכן כה אמר יהוה צבאות הנני צורפם ובחנתים כי איך אעשה מפני בת עמי׃ **7** חץ שחוט לשונם מרמה בפיהו שלום את רעהו ידבר ובקרבו ישים ארבו׃ **8** העל אלה לא אפקד נאם יהוה אם בגוי אשר כזה לא תנקם נפשי׃ **9** על ההרים אשא בכי ונהי ועל נאות מדבר קינה כי נצתו מבלי איש עבור ולא שמעו קול מקנה מעוף השמים ועד בהמה נדדו הלכו׃ **10** ונתתי את ירושלם לגלים מעון תנים ואת ערי יהודה אתן שממה מבלי יושב׃ **11** מי האיש החכם ויבן את זאת ואשר דבר פי יהוה אליו ויגדה על מה אבדה הארץ נצתה כמדבר מבלי עובר׃ **12** ויאמר יהוה על עזבם את תורתי אשר נתתי לפניהם ולא שמעו בקולי ולא הלכו בה׃ **13** וילכו אחרי שרירות לבם ואחרי הבעלים אשר למדום אבותם׃ **14** לכן כה אמר יהוה צבאות אלהי ישראל הנני מאכיל את העם הזה לענה והשקיתים מי ראש׃ **15** והפיצותים בגוים אשר לא ידעום המה ואבותם ושלחתי אחריהם את החרב עד כלותי אתם׃ **16** כה אמר יהוה צבאות התבוננו וקראו למקוננות ותבואנה ואל החכמות שלחו ותבואנה׃ **17** ותמהרנה ותשאנה עלינו נהי ותרדנה עינינו דמעה ועפעפינו יזלו מים׃ **18** כי קול נהי נשמע מציון איך שדדנו בשנו מאד כי עזבנו ארץ כי השליכו משכנתינו׃ **19** כי שמענה נשים דבר יהוה ותקח אזנכם דבר פיו ולמדנה בנותיכם נהי ואשה רעותה קינה׃ **20** כי עלה מות בחלונינו בא בארמנותינו להכרית עולל מחוץ בחורים מרחבות׃ **21** דבר כה נאם יהוה ונפלה נבלת האדם כדמן על פני השדה וכעמיר מאחרי הקוצר ואין מאסף׃ **22** כה אמר יהוה אל יתהלל חכם בחכמתו ואל יתהלל הגבור בגבורתו אל יתהלל עשיר בעשרו׃ **23** כי אם בזאת יתהלל המתהלל השכל וידוע אותי כי אני יהוה עשה חסד משפט וצדקה בארץ כי באלה חפצתי נאם יהוה׃ **24** הנה ימים באים נאם יהוה ופקדתי על כל מול בערלה׃ **25** על מצרים ועל יהודה ועל אדום ועל בני עמון ועל מואב ועל כל קצוצי פאה היושבים במדבר כי כל הגוים ערלים וכל בית ישראל ערלי לב׃ **10** שמעו את הדבר אשר דבר יהוה עליכם בית ישראל׃ **2** כה אמר יהוה אל דרך הגוים אל תלמדו ומאתות השמים אל תחתו כי יחתו הגוים מהמה׃ **3** כי חקות העמים הבל הוא כי עץ מיער כרת מעשה ידי חרש במעצד׃ **4** בכסף ובזהב יפה בו בפטישים ובמסמרות יחזקהו בל ימוט׃ **5** כתמר מקשה המה ולא ידברו נשוא ינשוא כי לא יצעדו אל תיראו מהם כי לא ירעו וגם היטיב אין עמהם׃ **6** מאין כמוך יהוה גדול אתה וגדול שמך בגבורה׃ **7** מי לא יראך מלך הגוים כי לך יאתה כי בכל חכמי הגוים ובכל מלכותם מאין כמוך׃ **8** ובאחת יבערו ויאלפו עץ הבל הוא׃ **9** כסף מתרשיש מוכה ומזהב מאופז יבא מעשה חרשים וידי צורף תכלת וארגמן לבושם מעשה חכמים כלם׃ **10** ויהוה אלהים אמת הוא אלהים חיים ומלך עולם מקצפו תרעש הארץ ולא יכלו גוים זעמו׃ **11** כה תאמרו להם האלהים אשר שמים וארץ לא עשו יאבדו מן הארץ ומתחת לשמים אלה׃ **12** עשה ארץ בכחו כונן תבל בחכמתו ובתבונתו נטה שמים׃ **13** לקולו תתן המון מים ויעלה נשאים מקצה הארץ ברקים למטר עשה ויוצא רוח מאוצרותיו׃ **14** נבער כל אדם מדעת הביש כל צורף מפסל כי שקר נסכו ולא רוח בם׃ **15** הבל המה מעשה תעתעים בעת פקדתם יאבדו׃ **16** לא כאלה חלק יעקב כי יוצר הכל הוא ושבט נחלתו יהוה צבאות שמו׃ **17** אספי מארץ כנעתך יושבת במצור׃ **18** כי כה אמר יהוה הנני קולע את יושבי הארץ בפעם הזאת והצרתי להם למען ימצאו׃ **19** אוי לי על שברי נחלה מכתי על חליתי ואמר אך זה חלי ואשא אותו׃ **20** אהלי שדד וכל מיתרי נתקו בני יצאוני ואינם אין נטה עוד אהלי ומקים יריעותי׃ **21** כי נבערו הרעים ואת יהוה לא דרשו על כן לא השכילו וכל מרעיתם נפוצה׃ **22** קול שמעה הנה באה ורעש גדול מארץ צפון לשום את ערי יהודה שממה מעון תנים׃ **23** ידעתי יהוה לא לאדם דרכו לא לאיש הולך והכין צעדו׃ **24** יסרני יהוה אך במשפט אל באפך פן תמעטני׃ **25** שפך חמתך על הגוים אשר לא ידעוך ועל משפחות אשר בשמך לא קראו כי אכל את יעקב אכלוהו ויכלהו ואת נוהו השמו׃ **11** הדבר אשר היה אל ירמיהו מאת יהוה לאמר׃ **2** שמעו את דברי הברית הזאת ודברתם אל איש יהודה ואל ישבי ירושלם׃ **3** ואמרת אליהם כה אמר יהוה אלהי ישראל ארור האיש אשר לא ישמע את דברי הברית הזאת׃ **4** אשר צויתי את אבותיכם ביום הוציאי אותם מארץ מצרים מכור הברזל לאמר שמעו בקולי ועשיתם אתם ככל אשר אצוה אתכם והייתם לי לעם ואנכי אהיה לכם לאלהים׃ **5** למען הקים את השבועה אשר נשבעתי לאבותיכם לתת להם ארץ זבת חלב ודבש כיום הזה ואענה ואמר אמן יהוה׃ **6** ויאמר יהוה אלי קרא את כל הדברים האלה בערי יהודה ובחוצות ירושלם לאמר שמעו את דברי הברית הזאת ועשיתם אתם׃ **7** כי העד העדתי באבותיכם ביום העלותי אותם מארץ מצרים ועד היום הזה השכם והעד לאמר שמעו בקולי׃ **8** ולא שמעו ולא הטו את אזנם וילכו איש בשרירות לבם הרע והבאתי עליהם את כל דברי הברית הזאת אשר צויתי לעשות ולא עשו׃ **9** ויאמר יהוה אלי נמצא קשר בישראל ובישבי ירושלם׃ **10** שבו על עונות אבותם הראשנים אשר מאנו לשמע את דברי ואלהים אחרים ללכת אחריהם לעבדם הפרו בית ישראל ובית יהודה את בריתי אשר כרתי את אבותם׃ **11** לכן כה אמר יהוה הנני מביא עליהם רעה אשר לא יוכלו לצאת ממנה וזעקו אלי ולא אשמע אליהם׃ **12** והלכו ערי יהודה וישבי ירושלם וזעקו אל האלהים אשר המה מקטרים להם והוא לא יושיע להם לעת רעתם׃ **13** כי מספר ערי היו אלהיך יהודה ומספר חוצות ירושלם שמתם מזבחות לבשת מזבחות להקטיר לבעל׃ **14** ואתה אל תתפלל בעד העם הזה ואל תשא בעדם רנה ותפלה כי איננו שמע בעת קראם אלי בעד רעתם׃ **15** מה לידידי עשות זמתי בבית רבים והקדש יעברו ממך כי תרעתך אז תעלזי׃ **16** זית רענן יפה פרי תאר קרא יהוה לך לקול המולה גדולה הצית אש עליה ורעו דליותיו׃ **17** ויהוה צבאות הנטע דבר עליך רעה בגלל רעת בית ישראל ובית יהודה אשר עשו להם להכעסני להקטיר לבעל׃ **18** ויהוה הודיעני ואדעה אז הראיתני מעלליהם׃ **19** ואני כאלף אלוף יובל לטבח ולא ידעתי כי עלי חשבו מחשבות אמרו נשחיתה עץ בלחמו ונגזרהו מארץ חיים ושמו לא יזכר עוד׃ **20** ויהוה צבאות שפט צדק בחן כליות ולב אראה נקמתך ממנהם כי אליך גליתי את ריבי׃ **21** לכן כה אמר יהוה על אנשי ענתות המבקשים את נפשך לאמר לא תנבא בשם יהוה ולא תמות בידנו׃ **22** לכן כה אמר יהוה צבאות הנני פקד עליהם הבחור ימתו בחרב בניהם ובנותיהם ימתו ברעב׃ **23** ושארית לא יהיה להם כי אביא רעה אל אנשי ענתות שנת פקדתם׃ **12** צדיק אתה יהוה כי אריב אליך אך משפטים אדבר אתך מדוע דרך רשעים צלחה שלו כל בגדי בגד׃ **2** נטעתם גם שרשו הלכו גם עשו פרי קרוב אתה בפיהם ורחוק מכליותיהם׃ **3** ואתה יהוה ידעתני תראני ובחנת לבי אתך הפרשם כצאן לטבחה והקדשם ליום הרגה׃ **4** עד מתי תאבל הארץ ועשב כל השדה יבש מרעת יושבי בה ספתה בהמות ועוף כי אמרו לא יראה את אחריתנו׃ **5** כי את הרצים עם רגלים רצו ויגעוך ואיך תתחרה את הסוסים ובארץ שלום אתה בוטח ואיך תעשה בגאון הירדן׃ **6** כי גם אחיך ובית אביך גם הם בגדו בך גם הם קראו אחריך מלא הרבה אל תאמן בם כי טובות ידברו אליך׃ **7** עזבתי את ביתי נטשתי את נחלתי נתתי את ידידת נפשי ביד אויביה׃ **8** היתה לי נחלתי כאריה ביער נתנה עלי בקולה על כן שנאתיה׃ **9** הציה לי נחלתי צבוע עיט סביב עלי הלכו כל חיתו השדי באו לאכל׃ **10** רעים רבים שחתו כרמי בוסו את חלקתי נתנו את חלקת חמדתי לשממת מדבר׃ **11** שמה לבהלה

13 ומאי מקשינן אימא מסיפא ומאי מקשינן אימא מרישא ומאי מקשינן אימא מרישא ומאי מקשינן אימא מסיפ

18 ...

19 ...

20 ...

21 ...

22 ...

23 ...

Digitized by Google

Digitized by Google

פרק ב׳

1 ויהי בהעלות יהוה את אליהו בסערה השמימה ואליהו והאלישע הולכים מן הגלגל׃
2 ויאמר אליהו אל אלישע שב נא פה כי יהוה שלחני עד בית אל ויאמר אלישע חי יהוה
וחי נפשך אם אעזבך וירדו בית אל׃
3 ויצאו בני הנביאים אשר בבית אל אל אלישע ויאמרו אליו הידעת כי היום יהוה לקח
את אדניך מעל ראשך ויאמר גם אני ידעתי השתקו׃
4 ויאמר לו אליהו אלישע שב נא פה כי יהוה שלחני יריחו ויאמר חי יהוה וחי נפשך אם
אעזבך ויבאו יריחו׃
5 ויקרבו בני הנביאים אשר ביריחו אל אלישע ויאמרו אליו הידעת כי היום יהוה לקח
את אדניך מעל ראשך ויאמר גם אני ידעתי השתקו׃
6 ויאמר לו אליהו שב נא פה כי יהוה שלחני הירדנה ויאמר חי יהוה וחי נפשך אם
אעזבך וילכו שניהם׃

Digitized by Google

10 ကြိုးကြိုးစားစားအလုပ်လုပ်ကြလော့။ ထာဝရဘုရားသည် ငါတို့အတွက် ကြီးစွာသောအကျိုးကို ပြုတော်မူသောကြောင့် ငါတို့သည် ထာဝရဘုရားအတွက် ကြီးစွာသောအကျိုးကို ပြုကြလော့။ ဤအကြောင်းကို ဆိုင်ရာအုပ်ချုပ်သူများသိအောင် ပြောကြားကြလော့။

11 ဤစကားတော်ကို ဆိုင်ရာအုပ်ချုပ်သူများသိအောင် ပြောကြားကြလော့။ ဤသို့ဆိုသည်မှာ ယုဒပြည်ကိုအုပ်စိုးသော ဟေဇကိယမင်းကြီးသည် ဤစကားတော်ကို ကြားနာရသောအခါ ဝမ်းနည်းခြင်းကို ဖြစ်စေသော ဝတ်ရုံကိုဝတ်၍ ဘုရားသခင်ထံတော်သို့ ဆုတောင်းပတ္ထနာပြုခြင်းငှာ ဘုရားသခင်၏ အိမ်တော်သို့ သွားရောက်ကြလော့။

Digitized by Google

12 ଏବଂ ସେମାନେ ଯିରୂଶାଲମକୁ ଫେରି ଆସିଲେ ପରେ ଯେଉଁ ଲୋକମାନେ ଯିରୂଶାଲମ ନିକଟବର୍ତ୍ତୀ ଜୈତୁନ ନାମକ ପର୍ବତରୁ ଫେରି ଆସିଲେ, ସେମାନେ ଯିରୂଶାଲମଠାରୁ ପ୍ରାୟ ଏକ ବିଶ୍ରାମବାର ଯିବାର ପଥ ଦୂରରେ ଥିବା ସେହି ପର୍ବତରୁ ଫେରି ଆସିଲେ।

13 ଯେତେବେଳେ ସେମାନେ ନଗରରେ ପ୍ରବେଶ କଲେ, ସେମାନେ ଯେଉଁ ଉପର କୋଠରୀରେ ରହୁଥିଲେ, ସେଠାକୁ ଗଲେ। ସେମାନେ ହେଲେ ପିତର, ଯୋହନ, ଯାକୁବ, ଆନ୍ଦ୍ରିୟ, ଫିଲିପ୍ପ, ଥୋମା, ବର୍ଥଲମୀ, ମାଥିଉ, ଆଲଫେୟର ପୁତ୍ର ଯାକୁବ, ଉଦ୍ଯୋଗୀ ଶିମୋନ ଏବଂ ଯାକୁବର ପୁତ୍ର ଯିହୂଦା।

14 ସେମାନେ ସମସ୍ତେ ଏକମନ ହୋଇ ପ୍ରାର୍ଥନାରେ ନିଜକୁ ନିୟୋଜିତ କଲେ। ସେମାନଙ୍କ ସହିତ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ ମହିଳାମାନେ, ଯୀଶୁଙ୍କ ମାତା ମରିୟମ ଏବଂ ଯୀଶୁଙ୍କ ଭାଇମାନେ।

15 ସେହି ସମୟରେ ପିତର ବିଶ୍ୱାସୀମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଠିଆ ହେଲେ। ସେହି ସମୟରେ ପ୍ରାୟ ଏକଶହ ବିଶ ଜଣ ଲୋକ ସେଠାରେ ଏକତ୍ର ହୋଇଥିଲେ। ପିତର ସେମାନଙ୍କୁ କହିଲେ,

16 "ଭାଇମାନେ, ଶାସ୍ତ୍ରରେ ଯାହା ଲେଖା ହୋଇଛି ତାହା ପୂର୍ଣ୍ଣ ହେବା ଉଚିତ୍। ପବିତ୍ର ଆତ୍ମା ଦାଉଦଙ୍କ ମାଧ୍ୟମରେ ଯିହୂଦାର ବିଷୟରେ ଭବିଷ୍ୟତ କଥା କହିଥିଲେ। ଯିହୂଦା ଯୀଶୁଙ୍କୁ ଧରିବା ପାଇଁ ଯେଉଁ ଲୋକମାନଙ୍କୁ ନେତୃତ୍ୱ ନେଇଥିଲା, ସେମାନଙ୍କ ବିଷୟରେ ଦାଉଦ ଭବିଷ୍ୟତ କଥା କହିଥିଲେ।

17 ଯିହୂଦା ଆମ ସହିତ ଏକ ଜଣ ପ୍ରେରିତ ଭାବରେ ସେବା କରିବାକୁ ମନୋନୀତ ହୋଇଥିଲା। ଆମ ପରି ସେ ମଧ୍ୟ ଏହି ସେବାକାର୍ଯ୍ୟରେ ଅଂଶଗ୍ରହଣ କରିଥିଲା।"

Digitized by Google

18 ଯିହିଷ୍କୀୟ ଦର୍ଶନ କରିଥିଲା, ଯାହାକୁ ମୁଁ ଦେଖିଲି, ତାହା ଏହି ଦେଶ ବିରୁଦ୍ଧରେ ଭବିଷ୍ୟତ ବାକ୍ୟ ପ୍ରଚାର କର ନାହିଁ, ଯିହିଷ୍କୀୟ ଦର୍ଶନ କରିଥିଲା

24 [ ]

25 ...

26 ...

27 ...

28 ...

29 ...

Digitized by Google

ಯಾಗುವದು: ಯೆಹೋವನು ಅವರ ಮೇಲೆ ಕೋಪಗೊಂಡು ಅವರ ಸಂತತಿಯವರನ್ನು ಸಂಹರಿಸುವನು.

30 ಮಾಕೀರನ ಮಗನಾದ ಗಿಲ್ಯಾದನು ಅಮೋರಿಯರಲ್ಲಿ ಉಳಿದವರನ್ನು ಸೋಲಿಸಿದನು: ಆದ್ದರಿಂದ ಅವನು ಗಿಲ್ಯಾದನ ಪಟ್ಟಣವನ್ನು ಸೆರೆಹಿಡಿದು ಅದರಲ್ಲಿ ವಾಸವಾಗಿದ್ದ ಅಮೋರಿಯರನ್ನು ಹೊರಡಿಸಿಬಿಟ್ಟನು.

31 ಇದಲ್ಲದೆ ಯಾಯೀರನು ಹೋಗಿ ಅವರ ಗ್ರಾಮಗಳನ್ನು ಸೆರೆಹಿಡಿದು ಅವುಗಳಿಗೆ ಹವ್ವೋತ್ ಯಾಯೀರ್ ಎಂಬ ಹೆಸರಿಟ್ಟನು. ಹವ್ವೋತ್ ಯಾಯೀರ್ ಎಂಬ ಹೆಸರು ಇಂದಿನವರೆಗೂ ಇರುತ್ತದೆ.

32 ಮತ್ತು ಮೋಶೆಯು ಗಿಲ್ಯಾದಿಗೆ ಕಳುಹಿಸಿದ ಮಾಕೀರನ ಸಂತತಿಯವರನ್ನು ಸೆರೆಹಿಡಿದು ಅವರನ್ನು ಹೊರಡಿಸಿಬಿಟ್ಟನು.

33 ಯಾಬ್ಬೋಕ್ ನದಿಯ ಮೊದಲುಗೊಂಡು ಅರಾಮ್ಯರ ಗಡಿಯವರೆಗೂ ಇರುವ ಅರಣ್ಯ ಪ್ರದೇಶವನ್ನೆಲ್ಲಾ ಅವನು ಸೆರೆಹಿಡಿದನು. ಅವರ ಪಟ್ಟಣಗಳು ಅವನ ಸ್ವಾಧೀನವಾದವು.

34 ಅವನು ಅಮೋರಿಯರ ಅರಸನಾದ ಹೆಷ್ಬೋನಿನ ಸೀಹೋನನನ್ನು ಮತ್ತು ಅವನ ದೇಶವನ್ನು ಸೆರೆಹಿಡಿದನು. ಅವನು ಅರ್ನೋನ್ ಕಣಿವೆಯಿಂದ ಯಬ್ಬೋಕ್ ನದಿಯವರೆಗೂ ಇರುವ ಅವನ ಪಟ್ಟಣಗಳನ್ನು ಸೆರೆಹಿಡಿದನು.

35 ಅವನು ಅಮೋರಿಯರ ಅರಸನಾದ ಓಗನ ದೇಶವನ್ನು ಸೆರೆಹಿಡಿದನು. ಅವನು ಬಾಷಾನಿನಲ್ಲಿ ಉಳಿದಿದ್ದ ರೆಫಾಯರಲ್ಲಿ ಕಡೆಯವನಾಗಿದ್ದನು. ಅವನು ಅಷ್ಟಾರೋತ್ ಮತ್ತು ಎದ್ರೈಯಲ್ಲಿ ವಾಸವಾಗಿದ್ದನು.

36 ಅವನು ಹರ್ಮೋನ್ ಪರ್ವತ ಮತ್ತು ಸಲ್ಕಾ ಮತ್ತು ಬಾಷಾನಿನ

Digitized by Google

40 ...

39 ...

38 ...

37 ...

ကယ်တင်ခြင်းသခင်ဘုရားသခင်ကိုယ်တော်ကိုယ်တိုင်ဖြစ်ပြီး၊ ထိုအချိန်တော်မတိုင်မီ (လက်ရှိအချိန်အခါအထိ) ဖြစ်ပါသည်။

၂ ကောရိန္သု ၁

1 ကြောင့်ကြားအရပ်ရပ်မှကမ္ဘာ့ဘုရားသခင်ကိုယ်တော်၊ မေရှိအရပ်ရပ်ကမ္ဘာ့ကယ်တင်ခြင်းသခင်ဘုရားသခင်ကိုယ်တော်ကိုယ်တိုင်ဖြစ်ပါသည်။

2 ထိုအချိန်မှာပင်ယေရှုခရစ်တော်ကိုယ်တိုင်၊ ကယ်တင်ခြင်းအကြောင်းကိုအားလုံးသိနိုင်အောင်ကြေညာခဲ့ပါသည်။ ဤအချိန်အခါမှာပင်ကမ္ဘာ့ကယ်တင်ခြင်းသခင်ဘုရားသခင်ကိုယ်တော်ကိုယ်တိုင်ဖြစ်ပါသည်။

3 ယုံကြည်ကိုးစားခြင်းအားဖြင့်ကယ်တင်ခြင်းသခင်ဘုရားသခင်ကိုယ်တော်ကိုယ်တိုင်ဖြစ်ပါသည်။

4 ဤအချိန်အခါကယ်တင်ခြင်းသခင်ဘုရားသခင်ကိုယ်တော်ကိုယ်တိုင်ဖြစ်ပါသည်။ ကယ်တင်ခြင်းသခင်ဘုရားသခင်ကိုယ်တော်ကိုယ်တိုင်ဖြစ်ပါသည်။ ကယ်တင်ခြင်းသခင်ဘုရားသခင်ကိုယ်တော်ကိုယ်တိုင်ဖြစ်ပါသည်။ ကယ်တင်ခြင်းသခင်ဘုရားသခင်ကိုယ်တော်ကိုယ်တိုင်ဖြစ်ပါသည်။

5 ထိုအချိန်အခါကယ်တင်ခြင်းသခင်ဘုရားသခင်ကိုယ်တော်ကိုယ်တိုင်ဖြစ်ပါသည်။ ကယ်တင်ခြင်းသခင်ဘုရားသခင်ကိုယ်တော်ကိုယ်တိုင်ဖြစ်ပါသည်။ ကယ်တင်ခြင်းသခင်ဘုရားသခင်ကိုယ်တော်ကိုယ်တိုင်ဖြစ်ပါသည်။

6 ထိုအချိန်အခါကယ်တင်ခြင်းသခင်ဘုရားသခင်ကိုယ်တော်ကိုယ်တိုင်ဖြစ်ပါသည်။ ကယ်တင်ခြင်းသခင်ဘုရားသခင်ကိုယ်တော်ကိုယ်တိုင်ဖြစ်ပါသည်။ ကယ်တင်ခြင်းသခင်ဘုရားသခင်ကိုယ်တော်ကိုယ်တိုင်ဖြစ်ပါသည်။ ကယ်တင်ခြင်းသခင်ဘုရားသခင်ကိုယ်တော်ကိုယ်တိုင်ဖြစ်ပါသည်။

Digitized by Google

7 ⁊ ꝺo ſeꝺ ſuꝑ ſuꝑ ſeꝺ ⁊ ſuꝑ ſuꝑ ſeꝺ ⁊ ſuꝑ ſuꝑ ſeꝺ ⁊

13 ଏବଂ ସେମାନେ ସେମାନଙ୍କ ପାଖରେ ଏହି ଆଜ୍ଞା ଦେଲେ, ତୁମ୍ଭେମାନେ ଏହି ବାକ୍ୟ ଯିରିହୋର ରାଜାକୁ କହିବ, ତୁମ୍ଭେମାନେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କ ପଛରେ ଯର୍ଦ୍ଦନ ଦେଇ ଯିବା ପାଇଁ ଆସିବ ନାହିଁ, ଆମ୍ଭେମାନେ ଆପଣାମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଯେଉଁ ଦେଶ ଦେଖିଛୁ, ତାହା ଅର୍ଥାତ୍ ଯିରିହୋ ଦେଶ ଅଧିକାର କରିବା ପାଇଁ ଆସିବ ନାହିଁ।

14 ତହିଁରେ ଯିହୋଶୂୟ ଲୋକମାନଙ୍କୁ ଏହି ଆଜ୍ଞା ଦେଲେ, ତୁମ୍ଭେମାନେ ଆପଣାମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଖାଦ୍ୟ ପ୍ରସ୍ତୁତ କର; କାରଣ ତୁମ୍ଭେମାନେ ତିନି ଦିନ ମଧ୍ୟରେ ଏହି ଯର୍ଦ୍ଦନ ପାର ହୋଇ ଯାଇ ସଦାପ୍ରଭୁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ପରମେଶ୍ୱର ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଅଧିକାର କରିବା ପାଇଁ ଯେଉଁ ଦେଶ ଦେଉଅଛନ୍ତି, ତାହା ଅଧିକାର କରିବ।

15 ଏବଂ ସେ ରୂବେନୀୟ ଓ ଗାଦୀୟ ଓ ମନଃଶିର ଅର୍ଦ୍ଧ ବଂଶକୁ କହିଲେ, ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କ ଦାସ ମୋଶା ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଯେଉଁ ବାକ୍ୟ ଦେଇଥିଲେ, ତାହା ସ୍ମରଣ କର; ସଦାପ୍ରଭୁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କ ପରମେଶ୍ୱର ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ବିଶ୍ରାମ ଦେଇଅଛନ୍ତି ଓ ଏହି ଦେଶ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଦେଇଅଛନ୍ତି।

16 ଏବଂ ସେମାନେ ଯିହୋଶୂୟକୁ ଉତ୍ତର କରି କହିଲେ, ଆପଣ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଯାହା ଯାହା ଆଜ୍ଞା ଦେଲେ, ତାହା ଆମ୍ଭେମାନେ କରିବା ଓ ଆପଣ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଯେଉଁଠାକୁ ପଠାଇବେ, ସେଠାକୁ ଯିବା।

17 ଯେପରି ଆମ୍ଭେମାନେ ମୋଶାଙ୍କ ସମସ୍ତ ବିଷୟରେ ଆଜ୍ଞା ମାନିଲୁ, ସେପରି ଆପଣଙ୍କ ବିଷୟରେ ମାନିବା; କେବଳ ସଦାପ୍ରଭୁ ଆପଣଙ୍କ ପରମେଶ୍ୱର ମୋଶାଙ୍କ ସହିତ ଯେପରି ଥିଲେ, ସେପରି ଆପଣଙ୍କ ସହିତ ଥାଉନ୍ତୁ।

Digitized by Google

ಆಗ ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಆಗ ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ,

ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ,

ויאמר אליו אלישע הלא לבי הלך כאשר הפך איש מעל מרכבתו לקראתך ויאמר השלום ויאמר השלום אדוני שלח אותי לאמר הנה עתה בא אלי שני נערים מהר אפרים מבני הנביאים תן נא להם ככר כסף ושתי חלפות בגדים׃ **24** ויאמר נעמן הואל קח כפלים ויפצר בו ויצר שתי כברות כסף בשתי חלפות בגדים ושתי צלעות לו ויתן לשני נעריו וישאו לפניו׃ ויבא אל העפל ויקח מידם ויניחם בבית ויאחר את האנשים וילכו׃ **25** והוא בא ויעמד אל אדניו ויאמר אליו אלישע אי מזה גחזי ויאמר לא הלך עבדך אנה ואנה׃ **26** ויאמר אליו לבי לא הלך כאשר הפך איש מעל מרכבתו לקראתך העת לקחת את הכסף ולקחת בגדים וזיתים וכרמים וצאן ובקר ועבדים ושפחות׃ **27** וצרעת נעמן תדבק בך ובזרעך עד עולם ויצא מלפניו מצרע כשלג׃

28 ויאמר להם אלישע הלכו לשלום ויצאו מאתו ויהי כבאם

Digitized by Google

33 ...

32 ...

31 ...

30 ...

29 ...

Digitized by Google

34 ...

35 ...

36 ...

37 ...

38 ...

Digitized by Google

39 ಮಿಡಿಯಾನ್ಯರು ನಿಮ್ಮ ಹತ್ತಿರ ಬಂದಾಗ ನಾನು ಅವರನ್ನು ನಿಮ್ಮ ಕೈಗೆ ಒಪ್ಪಿಸಿಕೊಡುವೆನು; ಆಗ ನೀವು ಅವರಿಗೆ ಮಾಡಬೇಕೆಂದು ಯೋಚಿಸಿದ್ದನ್ನು ಮಾಡಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. ಆಗ ಯೆಹೂದನು ಅವನಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ನೀನು ನನಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದ್ದನ್ನು ನಾನು ಮಾಡುವೆನು.

40 ಆ ರಾತ್ರಿಯಲ್ಲಿ ದೇವರು ಹಾಗೆಯೇ ಮಾಡಿದನು. ಆಗ ಒಣಗಿರುವದು ಕೇವಲ ಉಣ್ಣೆಯ ಮೇಲೆ ಮಾತ್ರ ಇತ್ತು, ಇಡೀ ನೆಲದ ಮೇಲೆಲ್ಲಾ ಇಬ್ಬನಿ ಬಿದ್ದಿತ್ತು. ಆಗ ದೇವರು ಆ ರಾತ್ರಿಯಲ್ಲಿ ಹಾಗೆಯೇ ಮಾಡಿದನು.

41 ಮಿಡಿಯಾನ್ಯರು ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರ ಮೇಲೆ ಯುದ್ಧಕ್ಕೆ ಬಂದರು. ಆಗ ಅವರು ಯೊರ್ದನಿನ ಆಚೆಯಲ್ಲಿ ಇಳಿದುಕೊಂಡಿದ್ದರು. ಯೆಹೋವನು ಗಿದ್ಯೋನನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಎದ್ದೇಳು, ಈ ದಿವಸವೇ ಮಿಡಿಯಾನ್ಯರನ್ನು ನಿನ್ನ ಕೈಗೆ ಒಪ್ಪಿಸಿಕೊಡುವೆನು. ಆಗ ಅವರು ಬೆಳಿಗ್ಗೆ ಎದ್ದು ಬಂದರು.

42 ಮಿಡಿಯಾನ್ಯರು ಯೊರ್ದನಿನ ಆಚೆಯಲ್ಲಿ ಇಳಿದುಕೊಂಡಿದ್ದರು. ಆಗ ಅವರು ಯೊರ್ದನಿನ ಆಚೆಯಲ್ಲಿ ಇಳಿದುಕೊಂಡಿದ್ದರು. ಆಗ ಅವರು ಯೊರ್ದನಿನ ಆಚೆಯಲ್ಲಿ ಇಳಿದುಕೊಂಡಿದ್ದರು.

೭೦

1 ಮಿಡಿಯಾನ್ಯರು ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರ ಮೇಲೆ ಯುದ್ಧಕ್ಕೆ ಬಂದರು. ಆಗ ಅವರು ಯೊರ್ದನಿನ ಆಚೆಯಲ್ಲಿ ಇಳಿದುಕೊಂಡಿದ್ದರು. ಆಗ ಅವರು ಯೊರ್ದನಿನ ಆಚೆಯಲ್ಲಿ ಇಳಿದುಕೊಂಡಿದ್ದರು.

2 ಮಿಡಿಯಾನ್ಯರು ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ಯರ ಮೇಲೆ ಯುದ್ಧಕ್ಕೆ ಬಂದರು. ಆಗ ಅವರು ಯೊರ್ದನಿನ ಆಚೆಯಲ್ಲಿ ಇಳಿದುಕೊಂಡಿದ್ದರು.

Digitized by Google

ကမ္ဘာမြေ၊ ကမ္ဘာမြေတစ်ခုလုံးရှိ (ကြယ်ပွင့်ကဲ့သို့ ထွန်းလင်းသော) ကမ္ဘာမြေများ၊ ဤသို့ကမ္ဘာမြေ ကြီးများ၏ ဘုံဗိမာန်များ၊ ဘုံဗိမာန်ကြီးများ၏ ဘုံဗိမာန်ငယ်များ၊ ဘုံဗိမာန်ငယ်များ၏ ဘုံဗိမာန်ကြီးများ

9 ואחרי אשר הלכו משם ויעלו אל הר הזיתים ויבא אליהם מלאך יהוה ויאמר אליהם: קומו ועמדו ושאו עיניכם וראו את אשר יעשה יהוה לכם היום הזה ולמחר ולדורות עולם:

10 ויעמדו שם ויהי כאשר נשאו עיניהם וירא אליהם מלאך יהוה ויאמר אליהם:

11 מה אתם עומדים ומביטים אל השמים ומה תעשו עתה ומה תדברו אל העם הזה ואל כל הגוים אשר סביבותיכם:

12 ויאמרו אליו אנשי יהוה אלהינו אנחנו ומה נעשה ומה נדבר ומה נאמר ומה נגיד ומה נשיב ומה נענה ומה נצדק ומה נוכיח ומה נשפוט ומה נחרים ומה נחרים ומה נחרים

20 ... ...

21 ויאמר אליו יהוה עוד דבר אלי בדבר הזה הנני נשא פניך לבלתי הפכי את העיר אשר דברתי אשר לכי שם׃ **22** מהר המלט שמה כי לא אוכל לעשות דבר עד בואך שמה על כן קרא שם העיר צוער׃

23 השמש יצא על הארץ ולוט בא צוערה׃ **24** ויהוה המטיר על סדם ועל עמרה גפרית ואש מאת יהוה מן השמים׃ **25** ויהפך את הערים האל ואת כל הככר ואת כל יושבי הערים וצמח האדמה׃

Digitized by Google

ויהי אחרי מות משה עבד יהוה ויאמר יהוה אל יהושע בן נון משרת משה לאמר׃
2 משה עבדי מת ועתה קום עבר את הירדן הזה אתה וכל העם הזה אל הארץ אשר אנכי נתן להם לבני ישראל׃
3 כל מקום אשר תדרך כף רגלכם בו לכם נתתיו כאשר דברתי אל משה׃
4 מהמדבר והלבנון הזה ועד הנהר הגדול נהר פרת כל ארץ החתים ועד הים הגדול מבוא השמש יהיה גבלכם׃
5 לא יתיצב איש לפניך כל ימי חייך כאשר הייתי עם משה אהיה עמך לא אניפך ולא אעזבך׃
6 חזק ואמץ כי אתה תנחיל את העם הזה את הארץ אשר נשבעתי לאבותם לתת להם׃
7 רק חזק ואמץ מאד לשמר לעשות ככל התורה אשר צוך משה עבדי אל תסור ממנו ימין ושמאל למען תשכיל בכל אשר תלך׃
8 לא ימוש ספר התורה הזה מפיך והגית בו יומם ולילה למען תשמר לעשות ככל הכתוב בו כי אז תצליח את דרכך ואז תשכיל׃
9 הלא צויתיך חזק ואמץ אל תערץ ואל תחת כי עמך יהוה אלהיך בכל אשר תלך׃
10 ויצו יהושע את שטרי העם לאמר׃
11 עברו בקרב המחנה וצוו את העם לאמר הכינו לכם צדה כי בעוד שלשת הימים האלה אתם עברים את הירדן הזה לבוא לרשת את הארץ אשר יהוה אלהיכם נתן לכם לרשתה׃
12 ולראובני ולגדי ולחצי שבט המנשה אמר יהושע לאמר׃
13 זכר את הדבר אשר צוה אתכם משה עבד יהוה לאמר יהוה אלהיכם מניח לכם ונתן לכם את הארץ הזאת׃
14 נשיכם טפכם ומקנכם ישבו בארץ אשר נתן לכם משה בעבר הירדן ואתם תעברו חלוצים לפני אחיכם כל גבורי החיל ועזרתם אותם׃
15 עד אשר יניח יהוה לאחיכם כמוכם וירשו גם הם את הארץ אשר יהוה אלהיכם נתן להם ושבתם לארץ ירשתכם וירשתם אתה אשר נתן לכם משה עבד יהוה בעבר הירדן מזרח שמש׃
16 ויענו את יהושע לאמר כל אשר צויתנו נעשה ובכל אשר תשלחנו נלך׃
17 ככל אשר שמענו אל משה כן נשמע אליך רק יהי יהוה אלהיך עמך כאשר היה עם משה׃
18 כל איש אשר ימרה את פיך ולא ישמע את דבריך לכל אשר תצוה אתו יומת רק חזק ואמץ׃

Digitized by Google

۱ ټوک ۱

1 د ټولو ژوندیو مخلوقاتو خالق او ساتونکی یوازې الله دی. هغه د ټولو مخلوقاتو څخه بې پروا دی. هغه ټول مخلوقات د خپلې ارادې سره سم پیدا کړي دي. هغه د ټولو مخلوقاتو څخه بې نیازه دی.

2 هغه ټول مخلوقات د خپلې ارادې سره سم پیدا کړي دي. هغه د ټولو مخلوقاتو څخه بې نیازه دی. هغه ټول مخلوقات د خپلې ارادې سره سم پیدا کړي دي. هغه د ټولو مخلوقاتو څخه بې نیازه دی.

3 هغه ټول مخلوقات د خپلې ارادې سره سم پیدا کړي دي. هغه د ټولو مخلوقاتو څخه بې نیازه دی. هغه ټول مخلوقات د خپلې ارادې سره سم پیدا کړي دي. هغه د ټولو مخلوقاتو څخه بې نیازه دی.

4 هغه ټول مخلوقات د خپلې ارادې سره سم پیدا کړي دي. هغه د ټولو مخلوقاتو څخه بې نیازه دی. هغه ټول مخلوقات د خپلې ارادې سره سم پیدا کړي دي. هغه د ټولو مخلوقاتو څخه بې نیازه دی.

Digitized by Google

Digitized by Google

12 ויהי כאשר שלח את־הגדודים אשר־עמו ויקרבו אל־העיר אשר־נלחם עליה ויתיצבו מנגד לה׃ ויהרגו את־אוריה גם־הוא במקום אשר ידעו כי־אנשי חיל המה׃ **13** ויצאו אנשי העיר וילחמו את־יואב ויפל מעבדי דויד גם־אוריה החתי מת גם־הוא׃ **14** וישלח יואב ויגד לדויד את־כל־דברי המלחמה׃ **15** ויצו את־המלאך לאמר כדבר את־כל־דברי המלחמה לדבר אל־המלך׃ ואם־יעלה חמת המלך ואמר אליך מדוע נגשתם אל־העיר להלחם התדעו את אשר־ירו מעל החומה׃ **16** מי־הכה את־אבימלך בן־ירבשת הלא אשה השליכה עליו פלח רכב מעל החומה וימת בתבץ למה נגשתם אל־החומה ואמרת גם עבדך אוריה החתי מת׃

Digitized by Google

ויאמר אליו אלישע לך לשלום ויסע מאתו כברות הארץ׃ **20** ויעזב את הבקר וירץ אחרי אליהו ויאמר אשקה נא לאבי ולאמי ואלכה אחריך ויאמר אליו לך שוב כי מה עשיתי לך׃ **21** וישב מאחריו וילקח את צמד הבקר ויזבחהו ובכלי הבקר בשלם ויתן לעם ויאכלו ויקם וילך אחרי אליהו וישרתהו׃

18 ויהי אחרי הדברים האלה ויחלה בן האשה בעל הבית הזה חליו ויהי חליו חזק עד אין נשאר בו רוח׃ **2** ותאמר האשה אל אליהו מה לי ולך איש האלהים באת אלי להזכיר עוני והמית בני׃ **3** ויאמר אליו אליהו תני את בנך ויקחהו מחיקה ויעלהו העלית אשר הוא יושב בה וישכבהו על מטתו׃ **4** ויזעק אל יהוה ויאמר יהוה אלהי הרעה גם על האלמנה אשר אנכי מתגורר עמה לרעות את בנה׃ **5** ויתמדד על הילד שלש פעמים ויזעק אל יהוה ויאמר יהוה אלהי תשב נא נפש הילד הזה על קרבו׃ **6** ויעש כן אליהו ויתמדד על הילד שלש פעמים ויזעק אל יהוה ויאמר יהוה אלהי תשב נא נפש הילד הזה על קרבו׃ **7** ויהי כן ויקח אליהו את הילד וירדהו מן העלית הבית וימסרהו לאמו ויאמר אליהו ראי חי בנך׃ **8** ותאמר האשה אל אליהו עתה בזאת ידעתי כי איש אלהים אתה ודבר יהוה בפיך אמת׃ **9** ויהי אחרי הדברים האלה וימת בן האשה הבעלת הבית ויהי חליו חזק עד אין נשאר בו רוח׃ **10** ויאמר אל אליהו מה לי ולך איש האלהים באת אלי להזכיר עוני והמית בני׃ **11** ויאמר אליו אליהו תני את בנך ויקחהו מחיקה ויעלהו העלית אשר הוא יושב בה וישכבהו על מטתו׃ **12** ויזעק אל יהוה ויאמר יהוה אלהי הרעה גם על האלמנה אשר אנכי מתגורר עמה לרעות את בנה׃ **13** ויתמדד על הילד שלש פעמים ויזעק אל יהוה ויאמר יהוה אלהי תשב נא נפש הילד הזה על קרבו׃ **14** ויעש כן אליהו ויתמדד על הילד שלש פעמים ויזעק אל יהוה ויאמר יהוה אלהי תשב נא נפש הילד הזה על קרבו׃ **15** ויהי כן ויקח אליהו את הילד וירדהו מן העלית הבית וימסרהו לאמו ויאמר אליהו ראי חי בנך׃ **16** ותאמר האשה אל אליהו עתה בזאת ידעתי כי איש אלהים אתה ודבר יהוה בפיך אמת׃

Digitized by Google

20 וְיִשְׁלַח אֶת־הַשָּׂעִיר לַעֲזָאזֵל וְהִקְרִיב אֶת־הַשָּׂעִיר הַחַי וְסָמַךְ אַהֲרֹן אֶת־שְׁתֵּי יָדָיו עַל רֹאשׁ הַשָּׂעִיר הַחַי וְהִתְוַדָּה עָלָיו אֶת כָּל־עֲוֹנֹת בְּנֵי יִשְׂרָאֵל וְאֶת כָּל־פִּשְׁעֵיהֶם לְכָל־חַטֹּאתָם וְנָתַן אֹתָם עַל רֹאשׁ הַשָּׂעִיר וְשִׁלַּח בְּיַד־אִישׁ עִתִּי הַמִּדְבָּרָה׃ **21** וְנָשָׂא הַשָּׂעִיר עָלָיו אֶת כָּל־עֲוֹנֹתָם אֶל־אֶרֶץ גְּזֵרָה וְשִׁלַּח אֶת־הַשָּׂעִיר בַּמִּדְבָּר׃ **22** וְנָשָׂא הַשָּׂעִיר עָלָיו אֶת כָּל־עֲוֹנֹתָם אֶל־אֶרֶץ גְּזֵרָה וְשִׁלַּח אֶת־הַשָּׂעִיר בַּמִּדְבָּר׃ **23** וּבָא אַהֲרֹן אֶל־אֹהֶל מוֹעֵד וּפָשַׁט אֶת־בִּגְדֵי הַבָּד אֲשֶׁר לָבַשׁ בְּבֹאוֹ אֶל־הַקֹּדֶשׁ וְהִנִּיחָם שָׁם׃ **24** וְרָחַץ אֶת־בְּשָׂרוֹ בַּמַּיִם בְּמָקוֹם קָדוֹשׁ וְלָבַשׁ אֶת־בְּגָדָיו וְיָצָא וְעָשָׂה אֶת־עֹלָתוֹ וְאֶת־עֹלַת הָעָם וְכִפֶּר בַּעֲדוֹ וּבְעַד הָעָם׃ **25** וְאֵת חֵלֶב הַחַטָּאת יַקְטִיר הַמִּזְבֵּחָה׃

Digitized by Google

Digitized by Google

Digitized by Google

---

١ سورة ١

1 الم ١ ذلك الكتاب لا ريب فيه هدى للمتقين ٢ الذين يؤمنون بالغيب ويقيمون الصلوة ومما رزقناهم ينفقون ٣ والذين يؤمنون بما أنزل إليك وما أنزل من قبلك وبالآخرة هم يوقنون ٤ أولئك على هدى من ربهم وأولئك هم المفلحون ٥

2 إن الذين كفروا سواء عليهم أأنذرتهم أم لم تنذرهم لا يؤمنون ٦ ختم الله على قلوبهم وعلى سمعهم وعلى أبصارهم غشاوة ولهم عذاب عظيم ٧

3 ومن الناس من يقول آمنا بالله وباليوم الآخر وما هم بمؤمنين ٨ يخادعون الله والذين آمنوا وما يخدعون إلا أنفسهم وما يشعرون ٩ في قلوبهم مرض فزادهم الله مرضا ولهم عذاب أليم بما كانوا يكذبون ١٠ وإذا قيل لهم لا تفسدوا في الأرض قالوا إنما نحن مصلحون ١١ ألا إنهم هم المفسدون ولكن لا يشعرون ١٢ وإذا قيل لهم آمنوا كما آمن الناس قالوا أنؤمن كما آمن السفهاء ألا إنهم هم السفهاء ولكن لا يعلمون ١٣ وإذا لقوا الذين آمنوا قالوا آمنا وإذا خلوا إلى شياطينهم قالوا إنا معكم إنما نحن مستهزءون ١٤ الله يستهزئ بهم ويمدهم في طغيانهم يعمهون ١٥ أولئك الذين اشتروا الضلالة بالهدى فما ربحت تجارتهم وما كانوا مهتدين ١٦ مثلهم كمثل الذي استوقد نارا فلما أضاءت ما حوله ذهب الله بنورهم وتركهم في ظلمات لا يبصرون ١٧ صم بكم عمي فهم لا يرجعون ١٨ أو كصيب من السماء فيه ظلمات ورعد وبرق يجعلون أصابعهم في آذانهم من الصواعق حذر الموت والله محيط بالكافرين ١٩ يكاد البرق يخطف أبصارهم كلما أضاء لهم مشوا فيه وإذا أظلم عليهم قاموا ولو شاء الله لذهب بسمعهم وأبصارهم إن الله على كل شيء قدير ٢٠

6 ان هذه الممالك الثلاث تشتمل على ثلاثة اقسام كبيرة من الارض وهي ليبيا والمغرب والجزائر وتونس وطرابلس الغرب. فليبيا هي القسم الشرقي من هذه الممالك وهي تمتد من مصر الى بحر الروم ومن بحر الروم الى بلاد السودان. وهي تشتمل على ثلاثة اقسام كبيرة من الارض وهي برقة وطرابلس الغرب وفزان. وبرقة هي القسم الشرقي من ليبيا وهي تمتد من مصر الى بحر الروم ومن بحر الروم الى بلاد السودان. وهي تشتمل على ثلاثة اقسام كبيرة من الارض وهي برقة وطرابلس الغرب وفزان.

7 ان هذه الممالك الثلاث تشتمل على ثلاثة اقسام كبيرة من الارض وهي ليبيا والمغرب والجزائر وتونس وطرابلس الغرب. فليبيا هي القسم الشرقي من هذه الممالك وهي تمتد من مصر الى بحر الروم ومن بحر الروم الى بلاد السودان. وهي تشتمل على ثلاثة اقسام كبيرة من الارض وهي برقة وطرابلس الغرب وفزان. وبرقة هي القسم الشرقي من ليبيا وهي تمتد من مصر الى بحر الروم ومن بحر الروم الى بلاد السودان. وهي تشتمل على ثلاثة اقسام كبيرة من الارض وهي برقة وطرابلس الغرب وفزان.

8 ان هذه الممالك الثلاث تشتمل على ثلاثة اقسام كبيرة من الارض وهي ليبيا والمغرب والجزائر وتونس وطرابلس الغرب. فليبيا هي القسم الشرقي من هذه الممالك وهي تمتد من مصر الى بحر الروم ومن بحر الروم الى بلاد السودان. وهي تشتمل على ثلاثة اقسام كبيرة من الارض وهي برقة وطرابلس الغرب وفزان. وبرقة هي القسم الشرقي من ليبيا وهي تمتد من مصر الى بحر الروم ومن بحر الروم الى بلاد السودان. وهي تشتمل على ثلاثة اقسام كبيرة من الارض وهي برقة وطرابلس الغرب وفزان.

9 ان هذه الممالك الثلاث تشتمل على ثلاثة اقسام كبيرة من الارض وهي ليبيا والمغرب والجزائر وتونس وطرابلس الغرب. فليبيا هي القسم الشرقي من هذه الممالك وهي تمتد من مصر الى بحر الروم ومن بحر الروم الى بلاد السودان. وهي تشتمل على ثلاثة اقسام كبيرة من الارض وهي برقة وطرابلس الغرب وفزان. وبرقة هي القسم الشرقي من ليبيا وهي تمتد من مصر الى بحر الروم ومن بحر الروم الى بلاد السودان. وهي تشتمل على ثلاثة اقسام كبيرة من الارض وهي برقة وطرابلس الغرب وفزان.

Digitized by Google

10 ...

11 ...

12 ...

13 ...

Digitized by Google

Digitized by Google

20 ... ...

25 ... **26** ...

٢

1 ... **2** ... **3** ... **4** ...

Digitized by Google

5 ଯିହିଷ୍କୀୟ ଯାହାର ବିଷୟରେ ଏହି ଦର୍ଶନ ପାଇଥିଲା, ତାହାର ପୁତ୍ର ବୁଜି ଯାଜକ ଓ ଯିରୀୟର ପିତା ଥିଲା। ବୁଜି ଯାଜକ ଯିରୀୟର ପିତା ଥିଲା। ଯିରୀୟ ଯିହିଷ୍କୀୟର ପିତା ଥିଲା। ଯିହିଷ୍କୀୟ ଯାହାର ବିଷୟରେ ଏହି ଦର୍ଶନ ପାଇଥିଲା, ତାହାର ପୁତ୍ର ବୁଜି ଯାଜକ ଓ

11 ויהי בשמעו את דברי ספר התורה ויקרע את בגדיו׃ 12 ויצו את חלקיהו הכהן ואת אחיקם בן שפן ואת עכבור בן מיכיה ואת שפן הסופר ואת עשיה עבד המלך לאמר׃ 13 לכו דרשו את יהוה בעדי ובעד העם ובעד כל יהודה על דברי הספר הזה אשר נמצא כי גדולה חמת יהוה אשר נתכה בנו על אשר לא שמעו אבתינו על דברי הספר הזה לעשות ככל הכתוב עלינו׃ 14 וילך חלקיהו הכהן ואחיקם ועכבור ושפן ועשיה אל חלדה הנביאה אשת שלם בן תקוה בן חרחס שמר בגדים והיא יושבת בירושלם במשנה ותדבר אליה כזאת׃ 15 ותאמר לכם אמר יהוה אלהי ישראל אמרו לאיש אשר שלח אתכם אלי׃ 16 כה אמר יהוה הנני מביא רעה על המקום הזה ועל יושביו את כל דברי הספר אשר קראו לפני מלך יהודה׃ 17 תחת אשר עזבני ויקטרו לאלהים אחרים למען הכעיסני בכל מעשי ידיהם ותתך חמתי במקום הזה ולא תכבה׃

Digitized by Google

Digitized by Google

ಸ್ಥಳಕ್ಕೆ ಬಂದು ಅಲ್ಲಿ ಅವರು ಯೇಸುವಿನ ಶರೀರವನ್ನು ಇಡಲಿಲ್ಲವೆಂದು ಕಂಡು ಹಿಂತಿರುಗಿ ಬಂದು ಅದನ್ನು ಕುರಿತು ಮಾತನಾಡಿಕೊಳ್ಳುತ್ತಿರುವಾಗ ಇಗೋ, ಪ್ರಕಾಶಮಾನವಾದ ವಸ್ತ್ರಗಳನ್ನು ಧರಿಸಿಕೊಂಡಿದ್ದ ಇಬ್ಬರು ಪುರುಷರು ಅವರ ಬಳಿಯಲ್ಲಿ ನಿಂತರು.

23 ಆಗ ಆ ಸ್ತ್ರೀಯರು ಭಯಗೊಂಡು ತಲೆಬಾಗಿಸಿ ನೆಲವನ್ನು ನೋಡುತ್ತಿರಲು ಆ ಪುರುಷರು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಜೀವಿಸುವವನನ್ನು ಸತ್ತವರಲ್ಲಿ ಏಕೆ ಹುಡುಕುತ್ತೀರಿ? ಆತನು ಇಲ್ಲಿ ಇಲ್ಲ, ಆತನು ಎದ್ದಿದ್ದಾನೆ. ಆತನು ಗಲಿಲಾಯದಲ್ಲಿ ನಿಮಗೆ ಹೇಳಿದ್ದನ್ನು ಜ್ಞಾಪಕಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಿರಿ.

24 ಮನುಷ್ಯಕುಮಾರನು ಪಾಪಿಗಳಾದ ಮನುಷ್ಯರ ಕೈಗೆ ಒಪ್ಪಿಸಲ್ಪಟ್ಟು ಶಿಲುಬೆಗೇರಿಸಲ್ಪಟ್ಟು ಮೂರನೆಯ ದಿನದಲ್ಲಿ ಎದ್ದು ಬರಬೇಕಾಗಿದೆ ಎಂದು ಆತನು ಗಲಿಲಾಯದಲ್ಲಿ ನಿಮಗೆ ಹೇಳಿದ್ದನ್ನು ಜ್ಞಾಪಕಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದರು.

25 ಆಗ ಅವರು ಆತನ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಜ್ಞಾಪಕಮಾಡಿಕೊಂಡು ಸಮಾಧಿಯ ಬಳಿಯಿಂದ ಹಿಂತಿರುಗಿ ಬಂದು ಈ ಸಮಸ್ತ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಹನ್ನೊಂದು ಮಂದಿ ಅಪೊಸ್ತಲರಿಗೂ ಉಳಿದವರೆಲ್ಲರಿಗೂ ತಿಳಿಸಿದರು. ಆ ಸ್ತ್ರೀಯರು ಯಾರೆಂದರೆ ಮಗ್ದಲದ ಮರಿಯಳು, ಯೋಹನ್ನ, ಯಾಕೋಬನ ತಾಯಿಯಾದ ಮರಿಯಳು ಮತ್ತು ಅವರ ಜೊತೆಯಲ್ಲಿದ್ದ ಇತರ ಸ್ತ್ರೀಯರು. ಅವರು ಈ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಅಪೊಸ್ತಲರಿಗೆ ತಿಳಿಸಿದರು.

26 ಆದರೆ ಅವರ ಮಾತುಗಳು ಅಪೊಸ್ತಲರಿಗೆ ಅಸಂಬದ್ಧವಾಗಿ ತೋರಿದ್ದರಿಂದ ಅವರು ಅವರನ್ನು ನಂಬಲಿಲ್ಲ. ಆಗ ಪೇತ್ರನು ಎದ್ದು ಸಮಾಧಿಯ ಬಳಿಗೆ ಓಡಿಹೋಗಿ ಬಗ್ಗಿ ನೋಡಿದಾಗ ಅಲ್ಲಿ ಬಟ್ಟೆಗಳು ಮಾತ್ರ ಬಿದ್ದಿರುವುದನ್ನು ಕಂಡನು. ಆಗ ಸಂಭವಿಸಿದ್ದಕ್ಕೆ ಆಶ್ಚರ್ಯಪಡುತ್ತಾ ಅಲ್ಲಿಂದ ಹಿಂತಿರುಗಿ ಹೋದನು.

27 ಅದೇ ದಿನ ಅವರಲ್ಲಿ ಇಬ್ಬರು ಯೆರೂಸಲೇಮಿಗೆ ಸುಮಾರು ಹನ್ನೆರಡು ಕಿಲೋಮೀಟರ್ ದೂರದಲ್ಲಿರುವ ಎಮ್ಮಾಊರಿಗೆ ಹೋಗುತ್ತಿದ್ದರು. ಅವರು ಸಂಭವಿಸಿದ ಈ ಎಲ್ಲಾ ಸಂಗತಿಗಳ ಬಗ್ಗೆ ಒಬ್ಬರೊಂದಿಗೆ ಒಬ್ಬರು ಮಾತನಾಡಿಕೊಳ್ಳುತ್ತಿದ್ದರು.

Digitized by Google

Digitized by Google

Digitized by Google

Digitized by Google

1 ꠇꠤꠇꠤ ꠇꠤꠇꠤꠇꠤ ꠇꠤꠇꠤꠇꠤ ꠇꠤ

7 ... ...

Digitized by Google

13 וַיְהִי בְּהַעֲלוֹת אֲרוֹן יְהוָה עִיר עִיר וְהַנֹּשְׂאִים אֶת־אֲרוֹן הָאֱלֹהִים שִׁבְעָה צְעָדִים וְזָבַח שׁוֹר וּמְרִיא׃ **14** וְדָוִד מְכַרְכֵּר בְּכָל־עֹז לִפְנֵי יְהוָה וְדָוִד חָגוּר אֵפוֹד בָּד׃ **15** וְדָוִד וְכָל־בֵּית יִשְׂרָאֵל מַעֲלִים אֶת־אֲרוֹן יְהוָה בִּתְרוּעָה וּבְקוֹל שׁוֹפָר׃ **16** וְהָיָה אֲרוֹן יְהוָה בָּא עִיר דָּוִד וּמִיכַל בַּת־שָׁאוּל נִשְׁקְפָה בְּעַד הַחַלּוֹן וַתֵּרֶא אֶת־הַמֶּלֶךְ דָּוִד מְפַזֵּז וּמְכַרְכֵּר לִפְנֵי יְהוָה וַתִּבֶז לוֹ בְּלִבָּהּ׃

Digitized by Google

Digitized by Google

22 ואם את־כל־המצות האלה אשר דבר יהוה אל־משה ככל אשר צוה יהוה אתכם ביד־משה מן־היום אשר צוה יהוה והלאה לדרתיכם׃ והיה אם מנעלם מעיני עדת לעשות אותם בשגגה ונעשה כל־העדה פר־בן־בקר אחד לעלה לריח ניחח ליהוה ומנחתו ונסכו כמשפט ושעיר עזים אחד לחטאת׃ וכפר הכהן על־כל־עדת בני־ישראל ונסלח להם כי שגגה הוא והם הביאו את־קרבנם אשה ליהוה וחטאתם לפני יהוה על־שגגתם׃ ונסלח לכל־עדת בני־ישראל ולגר הגר בתוכם כי לכל־העם בשגגה׃

27 ואם־נפש אחת תחטא בשגגה והקריבה עז בת־שנתה לחטאת׃ וכפר הכהן על־הנפש השגגה בחטאה בשגגה לפני יהוה לכפר עליה ונסלח לה׃ לאזרח בבני־ישראל ולגר הגר בתוכם תורה אחת יהיה לכם לעשה בשגגה׃

30 ונפש אשר תעשה ביד רמה מן־האזרח ומן־הגר את־יהוה הוא מגדף ונכרתה הנפש ההוא מקרב עמה׃ כי דבר יהוה בזה ואת־מצותו הפר הכרת תכרת הנפש ההוא עונה בה׃

32 ויהיו בני־ישראל במדבר וימצאו איש מקשש עצים ביום השבת׃ ויקריבו אתו המצאים אתו מקשש עצים אל־משה ואל־אהרן ואל־כל־העדה׃ ויניחו אתו במשמר כי לא פרש מה יעשה לו׃ ויאמר יהוה אל־משה מות יומת האיש רגום אתו באבנים כל־העדה מחוץ למחנה׃ ויוציאו אתו כל־העדה אל־מחוץ למחנה וירגמו אתו באבנים וימת כאשר צוה יהוה את־משה׃

37 ויאמר יהוה אל־משה לאמר׃ דבר אל־בני־ישראל ואמרת אליהם ועשו להם ציצת על־כנפי בגדיהם לדרתם ונתנו על־ציצת הכנף פתיל תכלת׃ והיה לכם לציצת וראיתם אתו וזכרתם את־כל־מצות יהוה ועשיתם אתם ולא־תתורו אחרי לבבכם ואחרי עיניכם אשר־אתם זנים אחריהם׃ למען תזכרו ועשיתם את־כל־מצותי והייתם קדשים לאלהיכם׃ אני יהוה אלהיכם אשר הוצאתי אתכם מארץ מצרים להיות לכם לאלהים אני יהוה אלהיכם׃

41 ויקח קרח בן־יצהר בן־קהת בן־לוי ודתן ואבירם בני אליאב ואון בן־פלת בני ראובן׃ ויקמו לפני משה ואנשים מבני־ישראל חמשים ומאתים נשיאי עדה קרואי מועד אנשי שם׃ ויקהלו על־משה ועל־אהרן ויאמרו אליהם רב־לכם כי כל־העדה כלם קדושים ובתוכם יהוה ומדוע תתנשאו על־קהל יהוה׃

Digitized by Google

ولما ولي السلطان أحمد خان ابن السلطان محمد خان ابن السلطان إبراهيم خان ابن السلطان أحمد خان ابن السلطان محمد خان ابن السلطان مراد خان ابن السلطان إبراهيم خان ابن السلطان أحمد خان ابن السلطان عثمان خان ابن السلطان محمد خان ابن السلطان بايزيد خان ابن السلطان مراد خان ابن السلطان أورخان غازي ابن السلطان عثمان خان ابن السلطان أرطغرل خان ابن السلطان سليمان شاه ابن السلطان كايقباد ابن السلطان كيخسرو ابن السلطان سليمان شاه ابن السلطان قتلمش ابن السلطان سلجوق ابن السلطان دقاق ابن السلطان إسرائيل ابن السلطان ميكائيل ابن السلطان سلجوق ابن السلطان دقاق ابن السلطان طغرلبك

Digitized by Google

ויאמר אליו אלישע הכה תכה חמש ואז תכית ארם עד כלה כי עתה שלש פעמים תכה את ארם׃

12 ויבך חזאל ויאמר מדוע אדני בוכה ויאמר כי ידעתי את הרעה אשר תעשה לבני ישראל מבצריהם תשלח באש ובחוריהם בחרב תהרג ועלליהם תרטש והרותיהם תבקע׃

13 ויאמר חזאל כי מה עבדך הכלב כי יעשה הדבר הגדול הזה ויאמר אלישע הראה יהוה לי אתך מלך על ארם׃ וילך מאת אליהו ויבא אל אדניו ויאמר אליו מה אמר לך אלישע ויאמר דבר אלי לאמר ימלך חזאל׃

14 וילך אל אדניו ויאמר אליו מה אמר לך אלישע ויאמר אלי אמר כי מות תמות׃ והמלאכה אשר לא כן היתה כי לקח את השמיכה ויטבל במים ויפרש על פניו וימת ויתמלך חזאל תחתיו׃

15 ויהי ממחרת ויקח את המכבר ויטבל במים ויפרש על פניו וימת ויתמלך חזאל תחתיו׃

16 ובשנת חמש ליורם בן אחאב מלך ישראל ויהושפט מלך יהודה ויתמלך יהורם בן יהושפט מלך יהודה׃ בן שלשים ושתים שנה היה בהתמלכו ושמנה שנים מלך בירושלם׃ וילך בדרך מלכי ישראל כאשר עשה בית אחאב כי בת אחאב היתה לו לאשה ויעש הרע בעיני יהוה׃ ולא אבה יהוה להשחית את יהודה למען דויד עבדו כאשר אמר לתת לו נר ולבניו כל הימים׃

Digitized by Google

17 ויאמר אליו יהוה לך שוב לדרכך מדברה דמשק ובאת וחזאל למלך על ארם׃
18 ואת יהוא בן נמשי תמשח למלך על ישראל ואת אלישע בן שפט מאבל מחולה תמשח לנביא תחתיך׃
19 ויסע משם וימצא את אלישע בן שפט והוא חרש שנים עשר צמדים לפניו והוא בשנים עשר ויעבר אליהו אליו וישלך אדרתו עליו׃ ויעזב את הבקר וירץ אחרי אליהו ויאמר אשקה נא לאבי ולאמי ואלכה אחרי כן ויאמר לו לך שוב כי מה עשיתי לך׃
20 וישב מאחריו ויקח את צמד הבקר ויזבחהו ובכלי הבקר ויבשל בשרם ויתן לעם ויאכלו ויקם וילך אחרי אליהו וישרתהו׃
21 וישב מעליו ויקח את צמד הבקר וישחט ובכלי הבקר ויבשל בשרם ויתן לעם ויאכלו ויקם וילך אחרי אליהו וישרתהו׃

22 ויעל מרמות גלעד ויבא עד

Digitized by Google

ہر ایک اپنی ہی بھلائی نہ ڈھونڈے بلکہ دوسرے کی بھلائی ڈھونڈے۔

25 جو کچھ قصاب کی بکری میں بکتا ہے وہ کھاؤ اور ضمیر کی خاطر کچھ نہ پوچھو۔ **26** کیونکہ زمین اور اس کی معموری خداوند ہی کی ہے۔ **27** اگر بے ایمانوں میں سے کوئی تمہاری دعوت کرے اور تم جانا چاہو تو جو کچھ تمہارے آگے رکھا جائے کھاؤ اور ضمیر کی خاطر کچھ نہ پوچھو۔ **28** لیکن اگر کوئی تم سے کہے کہ یہ قربانی کا گوشت ہے تو اس بتانے والے کی خاطر اور ضمیر کی خاطر نہ کھاؤ۔ **29** میری مراد اپنے ضمیر سے نہیں بلکہ اس دوسرے کے ضمیر سے ہے۔ کیونکہ میری آزادی دوسرے کے ضمیر سے کیوں جانچی جائے؟ **30** اگر میں شکر کر کے شریک ہوتا ہوں تو جس چیز پر میں شکر کرتا ہوں اس کی خاطر میری بدگوئی کیوں کی جائے؟

31 پس خواہ تم کھاؤ یا پیو یا کچھ اور کرو سب کچھ خدا کی جلال کے لئے کرو۔ **32** یہودیوں اور یونانیوں اور خدا کی کلیسیا کو ٹھوکر نہ کھلاؤ۔ **33** جیسا میں بھی سب باتوں میں سب کو خوش رکھتا ہوں اور اپنا نہیں بلکہ بہتوں کا فائدہ ڈھونڈتا ہوں تاکہ وہ نجات پائیں۔

11 تم میری پیروی کرو جیسا میں مسیح کی پیروی کرتا ہوں۔

2 میں تمہاری تعریف کرتا ہوں کہ تم ہر بات میں مجھے یاد رکھتے ہو اور جیسی تعلیم میں نے تمہیں پہنچائی اسی پر قائم ہو۔ **3** لیکن میں چاہتا ہوں کہ تم یہ جانو کہ ہر مرد کا سر مسیح ہے اور عورت کا سر مرد ہے اور مسیح کا سر خدا ہے۔ **4** ہر مرد جو سر ڈھانکے دعا یا نبوت کرتا ہے اپنے سر کی بے حرمتی کرتا ہے۔ **5** اور ہر عورت جو سر ننگا کئے دعا یا نبوت کرتی ہے اپنے سر کی بے حرمتی کرتی ہے کیونکہ یہ اور وہ منڈی ہوئی عورت برابر ہے۔ **6** اگر عورت سر نہ ڈھانکے تو بال بھی کٹوا لے۔ اور اگر عورت کے لئے بال کٹوانا یا منڈانا شرم کی بات ہے تو سر ڈھانکے۔ **7** مرد کو سر ڈھانکنا نہ چاہئے کیونکہ وہ خدا کی صورت اور جلال ہے مگر عورت مرد کا جلال ہے۔ **8** کیونکہ مرد عورت سے نہیں بلکہ عورت مرد سے ہے۔ **9** اور مرد عورت کے لئے نہیں بلکہ عورت مرد کے لئے پیدا کی گئی۔ **10** اس سبب سے اور فرشتوں کے لحاظ سے عورت کو چاہئے کہ اختیار اپنے سر پر رکھے۔ **11** تاہم خداوند میں نہ عورت مرد کے بغیر ہے نہ مرد عورت کے بغیر۔ **12** کیونکہ جیسی عورت مرد سے ہے ویسا ہی مرد بھی عورت سے ہے مگر سب چیزیں خدا سے ہیں۔ **13** تم آپ ہی انصاف کرو کہ عورت کا بے ڈھانکے سر خدا سے دعا کرنا مناسب ہے؟ **14** کیا خود فطرت سے تمہیں معلوم نہیں ہوتا کہ اگر مرد لمبے بال رکھے تو اس کی بے عزتی ہے؟ **15** اور اگر عورت لمبے بال رکھے تو اس کی آبرو ہے؟ کیونکہ بال اس کو اوڑھنی کے لئے دیئے گئے ہیں۔ **16** اگر کوئی اس بارہ میں بحث کرنا چاہے تو ہم کو ایسا دستور نہیں اور نہ خدا کی کلیسیاؤں کو۔

17 لیکن یہ حکم دیتے ہوئے میں تمہاری تعریف نہیں کرتا کیونکہ تم جمع ہونے میں بہتر نہیں بلکہ بدتر ہوتے ہو۔ **18** کیونکہ اول تو میں سنتا ہوں کہ جب تم کلیسیا میں جمع ہوتے ہو تو تم میں پھوٹ ہوتی ہے اور میں کسی حد تک یقین کرتا ہوں۔ **19** کیونکہ ضرور ہے کہ تم میں فرقے بھی ہوں تاکہ جو تم میں کھرے ہیں وہ ظاہر ہو جائیں۔ **20** پس جب تم جمع ہوتے ہو تو خداوند کا عشاء کھانا نہیں ہوتا۔ **21** کیونکہ کھانے کے وقت ہر ایک اپنا کھانا پہلے کھا لیتا ہے اور کوئی بھوکا رہتا ہے اور کوئی مست ہو جاتا ہے۔ **22** کیا تمہارے لئے کھانے پینے کے گھر نہیں؟ یا تم خدا کی کلیسیا کو ذلیل کرتے اور جنہیں کچھ نہیں ہے انہیں شرمندہ کرتے ہو؟ میں تم سے کیا کہوں؟ کیا تمہاری تعریف کروں؟ اس بات میں تمہاری تعریف نہیں کرتا۔

Digitized by Google

28 ובשור ושה אתו ואת בנו לא תשחטו ביום אחד׃ וכי תזבחו זבח תודה לה׳ לרצנכם תזבחו׃ ביום ההוא יאכל לא תותירו ממנו עד בקר אני ה׳׃

29 ואל בני ישראל תאמר לאמר׃ איש איש כי יקריב מנחת נדר או מנחת נדבה אשר יקריבו לה׳ עולה׃ ביום קרבנכם יאכל ומחרת והנותר ממנו׃ והנותר ביום השלישי באש ישרף׃ ואם האכל יאכל ביום השלישי פגול הוא לא ירצה׃ ואכליו עונו ישא כי את קדש ה׳ חלל ונכרתה הנפש ההוא מעמיה׃

30 ואשה כי תהיה לאיש ונדתה ובעלה ובא עליה ונדתה ונתנה לו׃ ואת בתך לא תתן להזנות פן תזנה הארץ ומלאה הארץ זמה׃ את שבתתי תשמרו ומקדשי תיראו אני ה׳׃ אל תפנו אל האבות ואל הידענים אל תבקשו לטמאה בם אני ה׳ אלהיכם׃

31 קום תקום מפני שיבה והדרת פני זקן ויראת מאלהיך אני ה׳׃ וכי יגור אתך גר בארצכם לא תונו אתו׃ כאזרח מכם יהיה לכם הגר הגר אתכם ואהבת לו כמוך כי גרים הייתם בארץ מצרים אני ה׳ אלהיכם׃

32 לא תעשו עול במשפט במדה במשקל ובמשורה׃ מאזני צדק אבני צדק איפת צדק והין צדק יהיה לכם אני ה׳ אלהיכם אשר הוצאתי אתכם מארץ מצרים׃ ושמרתם את כל חקתי ואת כל משפטי ועשיתם אתם אני ה׳׃

33 וכי יגור אתך גר בארצכם לא תונו אתו׃

Digitized by Google

34 ... **35** ... **36** ... **37** ...

... ३ ...

1 ...

2 ...

Digitized by Google

Digitized by Google

8 וְהִנֵּה הַמַּלְאָךְ הַדֹּבֵר בִּי יֹצֵא וּמַלְאָךְ אַחֵר יֹצֵא לִקְרָאתוֹ׃ וַיֹּאמֶר אֵלָיו רֻץ דַּבֵּר אֶל־הַנַּעַר הַזֶּה לֵאמֹר פְּרָזוֹת תֵּשֵׁב יְרוּשָׁלַ֫͏ִם מֵרֹב אָדָם וּבְהֵמָה בְּתוֹכָהּ׃

9 וַאֲנִי אֶהְיֶה־לָּהּ נְאֻם־יְהוָה חוֹמַת אֵשׁ סָבִיב וְלִכָבוֹד אֶהְיֶה בְּתוֹכָהּ׃

10 הוֹי הוֹי וְנֻסוּ מֵאֶרֶץ צָפוֹן נְאֻם־יְהוָה כִּי כְאַרְבַּע רוּחוֹת הַשָּׁמַיִם פֵּרַשְׂתִּי אֶתְכֶם נְאֻם־יְהוָה׃

11 הוֹי צִיּוֹן הִמָּלְטִי יוֹשֶׁבֶת בַּת־בָּבֶל׃

12 כִּי כֹה אָמַר יְהוָה צְבָאוֹת אַחַר כָּבוֹד שְׁלָחַנִי אֶל־הַגּוֹיִם הַשֹּׁלְלִים אֶתְכֶם כִּי הַנֹּגֵעַ בָּכֶם נֹגֵעַ בְּבָבַת עֵינוֹ׃

13 כִּי הִנְנִי מֵנִיף אֶת־יָדִי עֲלֵיהֶם וְהָיוּ בַז לְעַבְדֵיהֶם וִידַעְתֶּם כִּי יְהוָה צְבָאוֹת שְׁלָחָנִי׃

Digitized by Google

14 וְהִנֵּה אֲנִי מֵבִיא אֶת־עַבְדִּי צֶמַח וְיָצְאוּ כָּל־הָעֵצִים אֲשֶׁר לַשָּׂדֶה לְפָנַי וְהִנֵּה
אֲנִי מַצְמִיחַ אֶת־הָעֵצִים הַיְבֵשִׁים וְהִשְׁגַּבְתִּי אֶת־הָעֵץ הַשָּׁפָל וְהִשְׁפַּלְתִּי אֶת־הָעֵץ הָרָם
הוֹבַשְׁתִּי עֵץ לָח וְהִצְמַחְתִּי עֵץ יָבֵשׁ אֲנִי יְהוָה דִּבַּרְתִּי וְעָשִׂיתִי׃

15 וַיְהִי דְבַר־יְהוָה אֵלַי לֵאמֹר׃ וְאַתָּה בֶּן־אָדָם קַח־לְךָ עֵץ אֶחָד וְכְתֹב עָלָיו לִיהוּדָה
וְלִבְנֵי יִשְׂרָאֵל חֲבֵרָיו וְלָקַחְתָּ עֵץ אֶחָד וְכָתַבְתָּ עָלָיו לִיהוֹסֵף עֵץ אֶפְרַיִם וְכָל־בֵּית יִשְׂרָאֵל
חֲבֵרָיו׃ וְקָרַב אֶת־אֶחָד אֶל־אֶחָד לָךְ לְעֵץ אֶחָד וְהָיוּ לְאֶחָד בְּיָדֶךָ׃

16 וְהָיוּ הָעֵצִים אֲשֶׁר־תִּכְתֹּב עֲלֵיהֶם בְּיָדְךָ לְעֵינֵיהֶם׃ וְדַבֵּר אֲלֵהֶם כֹּה־אָמַר אֲדֹנָי
יְהוִה הִנֵּה אֲנִי לֹקֵחַ אֶת־עֵץ יוֹסֵף אֲשֶׁר בְּיַד־אֶפְרַיִם וְשִׁבְטֵי יִשְׂרָאֵל חֲבֵרָיו וְנָתַתִּי
אֹתָם עָלָיו אֶת־עֵץ יְהוּדָה וְעָשִׂיתִים לְעֵצִים אֶחָדִים וְהָיוּ אֶחָד בְּיָדִי׃

17 וְהָיוּ הָעֵצִים אֲשֶׁר־תִּכְתֹּב עֲלֵיהֶם בְּיָדֶךָ לְעֵינֵיהֶם׃ [וְקָרַב אֶת־אֶחָד אֶל־אֶחָד
וְהָיוּ לְעֵצִים אֶחָדִים וְהָיוּ אֶחָד בְּיָדֶךָ׃

18 וְכִי יֹאמְרוּ אֵלֶיךָ בְּנֵי עַמְּךָ לֵאמֹר הֲלוֹא תַגִּיד לָנוּ מָה־אֵלֶּה לָךְ׃ דַּבֵּר אֲלֵהֶם כֹּה־אָמַר
אֲדֹנָי יְהוִה הִנֵּה אֲנִי לֹקֵחַ אֶת־עֵץ יוֹסֵף אֲשֶׁר בְּיַד־אֶפְרַיִם וְשִׁבְטֵי יִשְׂרָאֵל חֲבֵרָיו וְנָתַתִּי
אֹתָם עָלָיו אֶת־עֵץ יְהוּדָה וְעָשִׂיתִים עֵצִים אֶחָדִים וְהָיוּ אֶחָד בְּיָדִי׃

19 וְהָיוּ הָעֵצִים אֲשֶׁר־תִּכְתֹּב עֲלֵיהֶם בְּיָדִי לְעֵינֵיהֶם׃ וְדַבֵּר אֲלֵהֶם כֹּה־אָמַר אֲדֹנָי
יְהוִה הִנֵּה אֲנִי לֹקֵחַ אֶת־עֵץ יוֹסֵף אֲשֶׁר בְּיַד־אֶפְרַיִם וְשִׁבְטֵי יִשְׂרָאֵל חֲבֵרָיו וְנָתַתִּי
אֹתָם עָלָיו אֶת־עֵץ יְהוּדָה וְעָשִׂיתִים עֵצִים אֶחָדִים וְהָיוּ אֶחָד בְּיָדִי׃

20 וְהָיוּ הָעֵצִים אֲשֶׁר־תִּכְתֹּב עֲלֵיהֶם בְּיָדְךָ לְעֵינֵיהֶם׃ וְדַבֵּר אֲלֵהֶם כֹּה־אָמַר אֲדֹנָי
יְהוִה הִנֵּה אֲנִי לֹקֵחַ אֶת־עֵץ יוֹסֵף אֲשֶׁר בְּיַד־אֶפְרַיִם וְשִׁבְטֵי יִשְׂרָאֵל חֲבֵרָיו וְנָתַתִּי
אֹתָם עָלָיו אֶת־עֵץ יְהוּדָה וְעָשִׂיתִים עֵצִים אֶחָדִים וְהָיוּ אֶחָד בְּיָדִי׃

Digitized by Google

21 وَهِيَ ٱلَّتِي ٱخْتَارَهَا ٱلرَّبُّ لِيَسْكُنَ ٱسْمُهُ فِيهَا فِي ٱلْبَدْءِ وَفِي ٱلْأَيَّامِ ٱلْأُولَى وَفِي ٱلْأَزْمِنَةِ ٱلْآتِيَة كَمَا ٱلْآنَ وَإِلَى ٱلْأَبَد.

31 ... ...

ଦେଖିଲେ ଯେ ଯୀଶୁ ଜଳ ଉପରେ ଚାଲି ସମୁଦ୍ର ନିକଟକୁ ଆସୁଛନ୍ତି, ଆଉ ନୌକା ନିକଟବର୍ତ୍ତୀ ହେଉଛନ୍ତି, ତହିଁରେ ସେମାନେ ଭୟଗ୍ରସ୍ତ ହେଲେ। ୨୦ କିନ୍ତୁ ସେ ସେମାନଙ୍କୁ କହିଲେ, ମୁଁ ଅଛି, ଭୟ କର ନାହିଁ। ୨୧ ତହିଁରେ ସେମାନେ ତାଙ୍କୁ ନୌକାରେ ଗ୍ରହଣ କରିବାକୁ ଇଚ୍ଛା କଲେ; ପୁଣି, ଯେଉଁ ସ୍ଥାନକୁ ସେମାନେ ଯାଉଥିଲେ, ନୌକା ସେହି ସ୍ଥାନରେ ଉପସ୍ଥିତ ହେଲା।

୨୨ ପରଦିନ ଯେଉଁ ଲୋକସମୂହ ସମୁଦ୍ର ପାରରେ ରହିଲେ, ସେମାନେ ଦେଖିଲେ ଯେ ସେଠାରେ ଅନ୍ୟ ନୌକା ନ ଥିଲା, କେବଳ ଗୋଟିଏ ନୌକା ଥିଲା, ଆଉ ଯୀଶୁ ଆପଣା ଶିଷ୍ୟମାନଙ୍କ ସହିତ ସେ ନୌକାରେ ପ୍ରବେଶ କରି ନାହାନ୍ତି, ମାତ୍ର ଶିଷ୍ୟମାନେ ଏକାକୀ ଚାଲିଯାଇଥିଲେ। ୨୩ ତଥାପି ପ୍ରଭୁ ଧନ୍ୟବାଦ କରିବା ପରେ ଲୋକମାନେ ଯେଉଁ ସ୍ଥାନରେ ରୁଟି ଭୋଜନ କରିଥିଲେ, ସେହି ସ୍ଥାନର ନିକଟବର୍ତ୍ତୀ ତିବିରିୟ ନଗରରୁ କେତେକ ନୌକା ଆସିଲା।

୨୪ ଏହି ସମସ୍ତ ଲୋକ ଯେତେବେଳେ ଦେଖିଲେ ଯେ ଯୀଶୁ ଓ ତାଙ୍କର ଶିଷ୍ୟମାନେ ସେଠାରେ ନାହାନ୍ତି, ସେତେବେଳେ ସେମାନେ ନୌକାରେ ଚଢ଼ି ଯୀଶୁଙ୍କର ଅନ୍ୱେଷଣ କରି କଫର୍ନାହୂମ ନଗରକୁ ଆସିଲେ।

୨୫ ଆଉ ସମୁଦ୍ର ପାରରେ ତାଙ୍କୁ ପାଇ ସେମାନେ ତାଙ୍କୁ କହିଲେ, ଗୁରୁ, ଆପଣ କେବେ ଏଠାକୁ ଆସିଲେ? ଯୀଶୁ ସେମାନଙ୍କୁ ଉତ୍ତର ଦେଲେ, ମୁଁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ସତ୍ୟ ସତ୍ୟ କହୁଅଛି, ତୁମ୍ଭେମାନେ ଯେ ଆଶ୍ଚର୍ଯ୍ୟ କର୍ମ ଦେଖିଲ ବୋଲି ନୁହେଁ, ମାତ୍ର ରୁଟି ଖାଇ ତୃପ୍ତ ହେଲ ବୋଲି ମୋତେ ଖୋଜୁଅଛ। ୨୭ ତୁମ୍ଭେମାନେ ଯେଉଁ ଭକ୍ଷ୍ୟ ନଷ୍ଟ ହୁଏ, ତାହା ନିମନ୍ତେ ପରିଶ୍ରମ କର ନାହିଁ, ମାତ୍ର ଯେଉଁ ଭକ୍ଷ୍ୟ ଅନନ୍ତ ଜୀବନ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ସ୍ଥାୟୀ ହୁଏ, ତାହା ନିମନ୍ତେ ପରିଶ୍ରମ କର, ଯାହା ମନୁଷ୍ୟପୁତ୍ର ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଦେବେ; କାରଣ ପିତା ଈଶ୍ୱର ତାଙ୍କୁ ମୁଦ୍ରାଙ୍କିତ କରିଅଛନ୍ତି।

୨୮ ତହିଁରେ ସେମାନେ ତାଙ୍କୁ କହିଲେ, ଈଶ୍ୱରଙ୍କ କର୍ମ ସାଧନ କରିବା ନିମନ୍ତେ ଆମ୍ଭେମାନେ କଅଣ କରିବା ଉଚିତ? ୨୯ ଯୀଶୁ ଉତ୍ତର ଦେଲେ, ତାଙ୍କର ପ୍ରେରିତ ଯେ ଜଣକୁ ତୁମ୍ଭେମାନେ ବିଶ୍ୱାସ କରିବ, ଏହା ହିଁ ଈଶ୍ୱରଙ୍କ କର୍ମ।

୩୦ ତହିଁରେ ସେମାନେ ତାଙ୍କୁ କହିଲେ, ଆମ୍ଭେମାନେ ଯେପରି ଦେଖି ତୁମ୍ଭଙ୍କୁ ବିଶ୍ୱାସ କରିବା, ଏଥିପାଇଁ ତୁମ୍ଭେ କି ଆଶ୍ଚର୍ଯ୍ୟ କର୍ମ କରୁଅଛ? ତୁମ୍ଭେ କଅଣ କରୁଅଛ? ୩୧ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କ ପୂର୍ବପୁରୁଷମାନେ ପ୍ରାନ୍ତରରେ ମାନ୍ନା ଭୋଜନ କଲେ, ଯେପରି ଲିଖିତ ଅଛି, ସେ ସେମାନଙ୍କୁ ଭୋଜନ କରିବାକୁ ସ୍ୱର୍ଗରୁ ରୁଟି ଦେଲେ।

୩୨ ତହିଁରେ ଯୀଶୁ ସେମାନଙ୍କୁ କହିଲେ, ମୁଁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ସତ୍ୟ ସତ୍ୟ କହୁଅଛି, ମୋଶା ସ୍ୱର୍ଗରୁ ରୁଟି ଦେଇ ନାହାନ୍ତି, ମାତ୍ର ମୋର ପିତା ସ୍ୱର୍ଗରୁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ପ୍ରକୃତ ରୁଟି ଦିଅନ୍ତି। ୩୩ କାରଣ ଈଶ୍ୱରଙ୍କ ରୁଟି ତ ଯେ ସ୍ୱର୍ଗରୁ ଓହ୍ଲାଇ ଆସି ଜଗତକୁ ଜୀବନ ଦିଅନ୍ତି, ସେ ହିଁ।

୩୪ ତହିଁରେ ସେମାନେ ତାଙ୍କୁ କହିଲେ, ପ୍ରଭୁ, ଆପଣ ସର୍ବଦା ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଏହି ରୁଟି ଦିଅନ୍ତୁ। ୩୫ ଯୀଶୁ ସେମାନଙ୍କୁ କହିଲେ, ମୁଁ ଜୀବନର ରୁଟି; ଯେ ମୋʼ ନିକଟକୁ ଆସେ, ସେ କେବେ ହେଁ କ୍ଷୁଧିତ ହେବ ନାହିଁ, ଆଉ ଯେ ମୋତେ ବିଶ୍ୱାସ କରେ, ସେ କେବେ ହେଁ ତୃଷିତ ହେବ ନାହିଁ। ୩୬ ମାତ୍ର ମୁଁ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ କହିଲି ଯେ ତୁମ୍ଭେମାନେ ମୋତେ ଦେଖିଅଛ, ତଥାପି ବିଶ୍ୱାସ କରୁ ନାହଁ। ୩୭ ପିତା ମୋତେ ଯେଉଁ ସମସ୍ତ ଲୋକ ଦିଅନ୍ତି, ସେମାନେ ମୋʼ ନିକଟକୁ ଆସିବେ, ଆଉ ଯେ ମୋʼ ନିକଟକୁ ଆସେ, ତାହାକୁ ମୁଁ କୌଣସି ପ୍ରକାରେ ବାହାର କରିଦେବି ନାହିଁ।

Digitized by Google

37 ... ...

ספר הזוהר

42 ויהי ביום השמיני עצרת תהיה לכם. ביום השמיני ולא בשבעת הימים. ביום השמיני ולא בשבעת הימים. ביום השמיני ולא בשבעת הימים

Digitized by Google

10 וְהִנֵּה הַמַּלְאָךְ הַמְדַבֵּר בִּי יָצָא וּמַלְאָךְ אַחֵר יָצָא לִקְרָאתוֹ׃ וַיֹּאמֶר אֵלָיו רֻץ דַּבֵּר אֶל־הַנַּעַר הַזֶּה לֵאמֹר׃

11 וְהִנֵּה הָאִישׁ הַיֹּשֵׁב בֵּין הַהֲדַסִּים וַיֹּאמֶר הִנֵּה הָאִישׁ אֲשֶׁר שָׁלְחוּ יְהוָה לְהִתְהַלֵּךְ בָּאָרֶץ׃ וַיַּעֲנוּ אֶת־מַלְאַךְ יְהוָה הָעֹמֵד בֵּין הַהֲדַסִּים וַיֹּאמְרוּ הִתְהַלַּכְנוּ בָּאָרֶץ׃

12 וַיַּעַן מַלְאַךְ יְהוָה וַיֹּאמַר יְהוָה צְבָאוֹת עַד־מָתַי אַתָּה לֹא־תְרַחֵם אֶת־יְרוּשָׁלִַ֙ם וְאֶת־עָרֵי יְהוּדָה אֲשֶׁר זָעַמְתָּה זֶה שִׁבְעִים שָׁנָה׃

13 וַיַּעַן יְהוָה דְּבָרִים טוֹבִים דְּבָרִים נִחֻמִים אֶל־הַמַּלְאָךְ הַמְדַבֵּר בִּי׃

14 וַיֹּאמֶר אֵלַי הַמַּלְאָךְ הַמְדַבֵּר בִּי קְרָא לֵאמֹר כֹּה אָמַר יְהוָה צְבָאוֹת קִנֵּאתִי לִירוּשָׁלִַ֙ם וְלִצִיּוֹן קִנְאָה גְדוֹלָה׃

15 וְקֶצֶף גָּדוֹל אֲנִי קֹצֵף עַל־הַגּוֹיִם הַשַּׁאֲנַנִּים אֲשֶׁר אֲנִי קָצַפְתִּי מְעָט וְהֵמָּה עָזְרוּ לָרָעָה׃

Digitized by Google

ט

1 וַיְהִי כְּשָׁמְעָם כָּל־הַמְּלָכִים אֲשֶׁר בְּעֵבֶר הַיַּרְדֵּן בָּהָר וּבַשְּׁפֵלָה וּבְכָל־חוֹף הַיָּם הַגָּדוֹל מוּל לְבָנוֹן חִתִּי וְהָאֱמֹרִי כְּנַעֲנִי פְּרִזִּי חִוִּי וְיבוּסִי׃

2 וַיִּקָּבְצוּ יַחְדָּו לְהִלָּחֵם אֶת־יְהוֹשֻׁעַ וְאֶת־יִשְׂרָאֵל פֶּה אֶחָד׃ וַיְהִי כִּי־שָׁמְעוּ יוֹשְׁבֵי גִבְעוֹן אֵת אֲשֶׁר־עָשָׂה יְהוֹשֻׁעַ לִירִחוֹ וּלְעָיָ׃ וַיַּעֲשׂוּ גַּם־הֵמָּה בְּעָרְמָה וַיֵּלְכוּ וַיִּצְטַיָּרוּ וַיִּקְחוּ שַׂקִּים בָּלוּיִם לַחֲמוֹרֵיהֶם וְנאֹדוֹת יַיִן בָּלִים וּבְקֻעִים וַיִּקְשְׁרוּ׃ וְנַעֲלֵי בְלוּיוֹת וּמְטֻלָּאוֹת בְּרַגְלֵיהֶם וְשִׂמְלוֹתָם בָּלוֹת עֲלֵיהֶם וְכָל־לֶחֶם צֵדָתָם יָבֵשׁ הָיָה נִקֻּדִּים׃

3 וַיֵּלְכוּ אֶל־יְהוֹשֻׁעַ אֶל־הַמַּחֲנֶה הַגִּלְגָּל וַיֹּאמְרוּ אֵלָיו וְאֶל־אִישׁ יִשְׂרָאֵל מֵאֶרֶץ מֶרְחָק בָּאנוּ עַתָּה וְעַתָּה כִּרְתוּ־לָנוּ בְּרִית׃

4 וַיֹּאמְרוּ אִישׁ יִשְׂרָאֵל אֶל־הַחִוִּי אוּלַי בְּקִרְבִּי אַתָּה יוֹשֵׁב וְאֵיכָה אֶכְרֹת־לָךְ בְּרִית׃ וַיֹּאמְרוּ אֶל־יְהוֹשֻׁעַ עֲבָדֶיךָ אֲנָחְנוּ וַיֹּאמֶר יְהוֹשֻׁעַ אֲלֵיהֶם מִי אַתֶּם וּמֵאַיִן תָּבֹאוּ׃

5 וַיֹּאמְרוּ אֵלָיו מֵאֶרֶץ מֶרְחָק מְאֹד בָּאוּ עֲבָדֶיךָ לְשֵׁם יְהוָה אֱלֹהֶיךָ כִּי־שָׁמַעְנוּ שִׁמְעוֹ וְאֵת כָּל־אֲשֶׁר עָשָׂה בְּמִצְרָיִם׃ וְאֵת כָּל־אֲשֶׁר עָשָׂה לִשְׁנֵי מַלְכֵי הָאֱמֹרִי אֲשֶׁר בְּעֵבֶר הַיַּרְדֵּן לְסִיחוֹן מֶלֶךְ חֶשְׁבּוֹן וּלְעוֹג מֶלֶךְ הַבָּשָׁן אֲשֶׁר בְּעַשְׁתָּרוֹת׃ וַיֹּאמְרוּ אֵלֵינוּ זִקְנֵינוּ וְכֹל יוֹשְׁבֵי אַרְצֵנוּ לֵאמֹר קְחוּ בְיֶדְכֶם צֵדָה לַדָּרֶךְ וְלֵכוּ לִקְרָאתָם וַאֲמַרְתֶּם אֲלֵיהֶם עֲבָדֵיכֶם אֲנָחְנוּ וְעַתָּה כִּרְתוּ־לָנוּ בְּרִית׃

Digitized by Google

Digitized by Google

16 ... ...

17 ...

18 ...

19 ...

20 ...

21 ...

Digitized by Google

22 ... ...

29 ... ...

35 ... ...

وَيَوْمَ نُسَيِّرُ ٱلْجِبَالَ وَتَرَى ٱلْأَرْضَ بَارِزَةً وَحَشَرْنَاهُمْ فَلَمْ نُغَادِرْ مِنْهُمْ أَحَدًا
وَعُرِضُوا عَلَى رَبِّكَ صَفًّا لَقَدْ جِئْتُمُونَا كَمَا خَلَقْنَاكُمْ أَوَّلَ مَرَّةٍ بَلْ زَعَمْتُمْ أَلَّنْ
نَجْعَلَ لَكُمْ مَوْعِدًا وَوُضِعَ ٱلْكِتَابُ فَتَرَى ٱلْمُجْرِمِينَ مُشْفِقِينَ مِمَّا فِيهِ وَيَقُولُونَ
يَا وَيْلَتَنَا مَالِ هَٰذَا ٱلْكِتَابِ لَا يُغَادِرُ صَغِيرَةً وَلَا كَبِيرَةً إِلَّا أَحْصَاهَا وَوَجَدُوا
مَا عَمِلُوا حَاضِرًا وَلَا يَظْلِمُ رَبُّكَ أَحَدًا ﴿

39 وَإِذْ قُلْنَا لِلْمَلَائِكَةِ ٱسْجُدُوا لِآدَمَ فَسَجَدُوا إِلَّا إِبْلِيسَ كَانَ مِنَ ٱلْجِنِّ فَفَسَقَ
عَنْ أَمْرِ رَبِّهِ أَفَتَتَّخِذُونَهُ وَذُرِّيَّتَهُ أَوْلِيَاءَ مِنْ دُونِي وَهُمْ لَكُمْ عَدُوٌّ بِئْسَ لِلظَّالِمِينَ
بَدَلًا ﴿

40 مَا أَشْهَدْتُهُمْ خَلْقَ ٱلسَّمَاوَاتِ وَٱلْأَرْضِ وَلَا خَلْقَ أَنْفُسِهِمْ وَمَا كُنْتُ مُتَّخِذَ
ٱلْمُضِلِّينَ عَضُدًا وَيَوْمَ يَقُولُ نَادُوا شُرَكَائِيَ ٱلَّذِينَ زَعَمْتُمْ فَدَعَوْهُمْ فَلَمْ يَسْتَجِيبُوا
لَهُمْ وَجَعَلْنَا بَيْنَهُمْ مَوْبِقًا وَرَأَى ٱلْمُجْرِمُونَ ٱلنَّارَ فَظَنُّوا أَنَّهُمْ مُوَاقِعُوهَا وَلَمْ
يَجِدُوا عَنْهَا مَصْرِفًا ﴿

41 وَلَقَدْ صَرَّفْنَا فِي هَٰذَا ٱلْقُرْآنِ لِلنَّاسِ مِنْ كُلِّ مَثَلٍ وَكَانَ ٱلْإِنْسَانُ أَكْثَرَ شَيْءٍ
جَدَلًا وَمَا مَنَعَ ٱلنَّاسَ أَنْ يُؤْمِنُوا إِذْ جَاءَهُمُ ٱلْهُدَىٰ وَيَسْتَغْفِرُوا رَبَّهُمْ إِلَّا أَنْ
تَأْتِيَهُمْ سُنَّةُ ٱلْأَوَّلِينَ أَوْ يَأْتِيَهُمُ ٱلْعَذَابُ قُبُلًا ﴿

42 وَمَا نُرْسِلُ ٱلْمُرْسَلِينَ إِلَّا مُبَشِّرِينَ وَمُنْذِرِينَ وَيُجَادِلُ ٱلَّذِينَ كَفَرُوا بِٱلْبَاطِلِ
لِيُدْحِضُوا بِهِ ٱلْحَقَّ وَٱتَّخَذُوا آيَاتِي وَمَا أُنْذِرُوا هُزُوًا وَمَنْ أَظْلَمُ مِمَّنْ ذُكِّرَ بِآيَاتِ
رَبِّهِ فَأَعْرَضَ عَنْهَا وَنَسِيَ مَا قَدَّمَتْ يَدَاهُ إِنَّا جَعَلْنَا عَلَىٰ قُلُوبِهِمْ أَكِنَّةً أَنْ
يَفْقَهُوهُ وَفِي آذَانِهِمْ وَقْرًا وَإِنْ تَدْعُهُمْ إِلَى ٱلْهُدَىٰ فَلَنْ يَهْتَدُوا إِذًا أَبَدًا ﴿

Digitized by Google

43 ...

44 ...

45 ...

46 ...

47 ...

48 ...

49 ...

Digitized by Google

Digitized by Google

55 ויאמר אליו יהוה ראה נתתי אתו לפניך כי כל אחיו כל בית אביו הם עבדיו אבות ומלוא לו׃

56 ויאמר יוסף אל אביו ואל אחיו עלו אנכי ואעלה פרעה ואמרה אליו׃ מי אתה כי אתה עלה אל ארץ כנען ואת אביך ואת אחיך ואשבו בארץ גשן ואתה קרוב אלי ואתה מלך עלי׃

57 ויאמר פרעה אל יוסף בא אליך אביך ואחיך באו אליך ארץ מצרים לפניך הוא׃

58 ויאמר יוסף אל אחיו ואל בית אביו עלו אנכי ואגידה לפרעה ואמרה אליו׃ מי אתה כי אתה עלה אל ארץ כנען ואת אביך ואת אחיך ואשבו בארץ גשן ואתה קרוב אלי ואתה מלך עלי׃

59 ויאמר יוסף אל אחיו ואל בית אביו עלו אנכי ואגידה לפרעה ואמרה אליו׃ מי אתה כי אתה עלה אל ארץ כנען ואת אביך ואת אחיך ואשבו בארץ גשן ואתה קרוב אלי ואתה מלך עלי׃

60 ויאמר יוסף אל אחיו ואל בית אביו עלו אנכי ואגידה לפרעה ואמרה אליו׃ מי אתה כי אתה עלה אל ארץ כנען ואת אביך ואת אחיך ואשבו בארץ גשן ואתה קרוב אלי ואתה מלך עלי׃

Digitized by Google

١٥ ١

١ وإن باع الرجل بيتا في مدينة سورها فله أن يفكه إلى تمام سنة من يوم بيعه. يكون له أن يفكه. ٢ وإن لم يفك له بيت المدينة التي سورها فإنه يثبت للمشتري وعقبه. لا يخرج في اليوبيل. ٣ وبيوت القرى التي ليس لها سور حولها تحسب مع الحقول. يكون له أن يفكه. ويخرج في اليوبيل. ٤ والحقل الذي هو ميراث الرجل وبيوت قريته. يكون له أن يفكه. ٥ وإن باع الرجل حقلا من حقول ملكه. فإنه يكون له أن يفكه. ٦ وحسب سنيه من يوم بيعه. ويرد الفضل إلى الذي باعه منه. فيرجع إلى ملكه. ٧ وإن لم يكن له ما يرد به عليه. فما باعه يكون في يد مشتريه إلى سنة اليوبيل. ويخرج في اليوبيل. ويرجع إلى ملكه.

Digitized by Google

13 ויהי ביום השלישי ויעש שלמה משתה לשריו ועבדיו ושר הבירה

12 ואת אשר שאל שלמה ויתן למלכה מלבד על אשר הביאה ליד המלך ותשב בשבה היא ועבדיה׃ ויעל ותדבר לפני המלך (ויאמר המלך אליה מה שאלתך ותנתן לך) ותאמר אל המלך אם מצאתי חן בעיניך תתן לי את נפש שאלתי ואת נפש עמי בשאלתי כי נמכרנו אני ועמי להשמיד להרג ולאבד׃

11 ויאמר המלך למה זה אמרת הן אחי בית אביך הנה ישבים ואני נערה קטנה ולא ידעתי צאתי ובואי׃ ויען המלך ויאמר לאחשורוש הנערה אסתר המלכה מי הוא זה ואיה הוא אשר מלאו לבו לעשות כדבר אסתר׃

10 ויאמר המלך אל אסתר המלכה הן בשושן הבירה הרגו וגם את המן חמשת מאות איש ואת עשרת בני המן׃ ויאמר המלך לאסתר המלכה: ויתר מה שאלתך ותנתן לך ומה בקשתך עוד ותעש׃

9 ויאמר המלך אל אסתר המלכה ומה שאלתך ותנתן לך ומה בקשתך עוד ותעש׃ ותען אסתר המלכה ותאמר אם מצאתי חן בעיניך המלך ואם על המלך טוב תנתן לי נפשי בשאלתי ועמי בבקשתי׃

8 ויהי היום ויבא המלך והמן לשתות עם אסתר המלכה׃

7 ויען המן ויאמר אל המלך איש צר ואויב המן הרע הזה ומן ומלכה לפני המלך ולפני המלכה׃

Digitized by Google

Digitized by Google

20 ויאמר אליו אחיו הנה בעל החלמות הזה בא׃ ועתה לכו ונהרגהו ונשלכהו
באחד הבורות והאמרנו חיה רעה אכלתהו ונראה מה יהיו חלמתיו׃

21 וישמע ראובן ויצילהו מידם ויאמר לא נכנו נפש׃ ויאמר אלהם ראובן אל
תשפכו דם השליכו אתו אל הבור הזה במדבר ויד אל תשלחו בו למען הציל
אתו מידם להשיבו אל אביו׃

22 ויהי כבואו אל אחיו ויפשיטו את יוסף את כתנתו את כתנת הפסים אשר
עליו׃ ויקחהו וישליכו אתו הבורה והבור רק אין בו מים׃

23 וישבו לאכל לחם וישאו עיניהם וירא והנה ארחת ישמעאלים באה מגלעד
וגמליהם נשאים נכאת וצרי ולט הולכים להוריד מצרים׃

24 ויאמר יהודה אל אחיו מה בצע כי נהרג את אחינו וכסינו את דמו׃ לכו
ונמכרנו לישמעאלים וידנו אל נהיה בו כי אחינו בשרנו הוא ושמעו אחיו׃
ויעברו אנשים מדינים סחרים וימשכו ויעלו את יוסף מן הבור וימכרו את יוסף
לישמעאלים בעשרים כסף ויבאו את יוסף מצרים׃

25 וישב ראובן אל הבור והנה אין יוסף בבור ויקרע את בגדיו׃ וישב אל אחיו
ויאמר הילד איננו ואני אנה אני בא׃ ויקחו את כתנת יוסף וישחטו שעיר עזים
ויטבלו את הכתנת בדם׃

26 וישלחו את כתנת הפסים ויביאו אל אביהם ויאמרו זאת מצאנו הכר נא

Digitized by Google

ואת הכבד מן הכליות יסירנו כאשר הוסר משור הזבח ומקטירם הכהן המזבחה׃

27 ואם כבש קרבנו לזבח שלמים לה׳ זכר או נקבה תמים יקריבנו׃ סמוך ידו על ראש קרבנו ושחט אתו פתח אהל מועד וזרקו בני אהרן את הדם על המזבח סביב׃ והקריב מזבח השלמים אשה לה׳ את החלב המכסה את הקרב ואת כל החלב אשר על הקרב׃ ואת שתי הכליות ואת החלב אשר עליהן אשר על הכסלים ואת היתרת על הכבד על הכליות יסירנה׃ והקטירו אתו בני אהרן המזבחה על העלה אשר על העצים אשר על האש אשה ריח ניחח לה׳ כל חלב לה׳׃

28 חקת עולם לדרתיכם בכל מושבתיכם כל חלב וכל דם לא תאכלו׃

29 וידבר ה׳ אל משה לאמר׃ דבר אל בני ישראל לאמר הקריב את קרבנו מזבח שלמיו לה׳ יביא את קרבנו לה׳ מזבח שלמיו׃

30 ידיו תביאינה את אשי ה׳ את החלב על הזבח תביאנו ואת החזה להניף אתו תנוף לפני ה׳׃ והקטיר הכהן את החלב המזבחה והיה החזה לאהרן ולבניו׃ ואת שוק הימין תתנו תרומה לכהן מזבחי שלמיכם׃ המקריב את דם השלמים ואת החלב לו תהיה השוק הימנית למנה׃ כי את חזה התנופה ואת שוק התרומה לקחתי מאת בני ישראל מזבחי שלמיהם ואתנה אתם לאהרן הכהן ולבניו לחק עולם מאת בני ישראל׃

32 זאת תורת העולה המנחה והחטאת והאשם והמלואים וזבח השלמים׃

Digitized by Google

Digitized by Google

38 ಬಳಿಕ ಹಣ್ಣಿನ ಕಾಲ ಸಮೀಪಿಸಿದಾಗ ಅವನು ತನ್ನ ಆಳುಗಳನ್ನು ಆ ದ್ರಾಕ್ಷಿತೋಟದ ಒಡೆಯರ ಬಳಿಗೆ ಕಳುಹಿಸಿದನು. ಆದರೆ ಆ ಒಡೆಯರು ಆ ಆಳುಗಳನ್ನು ಹಿಡಿದು ಒಬ್ಬನನ್ನು ಹೊಡೆದರು, ಒಬ್ಬನನ್ನು ಕೊಂದರು, ಒಬ್ಬನನ್ನು ಕಲ್ಲೆಸೆದರು.

39 ಇದಾದ ಮೇಲೆ ಅವನು ಮೊದಲಿಗಿಂತ ಹೆಚ್ಚು ಆಳುಗಳನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿದನು. ಆದರೆ ಅವರಿಗೂ ಅವರು ಹಾಗೆಯೇ ಮಾಡಿದರು. ಕೊನೆಗೆ ಅವನು ತನ್ನ ಮಗನನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿ, 'ನನ್ನ ಮಗನಿಗಾದರೂ ಗೌರವ ಕೊಡುವರು' ಎಂದುಕೊಂಡನು.

40 ಆದರೆ ಆ ಒಡೆಯರು ಅವನ ಮಗನನ್ನು ನೋಡಿ ಒಬ್ಬರಿಗೊಬ್ಬರು, 'ಇವನೇ ಆಸ್ತಿಗೆ ಒಡೆಯನಾಗುವವನು. ಬನ್ನಿರಿ, ಇವನನ್ನು ಕೊಂದುಬಿಡೋಣ. ಆಗ ಆಸ್ತಿ ನಮ್ಮದಾಗುವುದು' ಎಂದು ಮಾತಾಡಿಕೊಂಡರು.

ಅಧ್ಯಾಯ ೧೩

1 ಯೇಸು ದೇವಾಲಯದಿಂದ ಹೊರಟು ಹೋಗುತ್ತಿದ್ದಾಗ ಆತನ ಶಿಷ್ಯರಲ್ಲಿ ಒಬ್ಬನು ಆತನಿಗೆ, "ಗುರುವೇ, ನೋಡಿ, ಎಂಥ ಕಲ್ಲುಗಳು! ಎಂಥ ಕಟ್ಟಡಗಳು!" ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

2 ಯೇಸು ಅವನಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ, "ಈ ಮಹಾ ಕಟ್ಟಡಗಳನ್ನು ನೋಡುತ್ತಿದ್ದೀಯಲ್ಲವೆ? ಇಲ್ಲಿ ಒಂದು ಕಲ್ಲಿನ ಮೇಲೆ ಒಂದು ಕಲ್ಲು ಉಳಿಯದೆ ಎಲ್ಲವೂ ಕೆಡವಲ್ಪಡುವ ಕಾಲ ಬರುವುದು" ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

3 ಯೇಸು ಆಲಿವ್ ಗುಡ್ಡದ ಮೇಲೆ ದೇವಾಲಯಕ್ಕೆ ಎದುರಾಗಿ ಕುಳಿತುಕೊಂಡಿದ್ದಾಗ ಪೇತ್ರ, ಯಾಕೋಬ,

Digitized by Google

4 ... ...

10 میں اپنے خط میں جو لکھتا ہوں اس سے ڈرتے ہیں۔ لیکن جب میں آؤں تو میرا
رویہ ایسا نہیں ہوگا۔ میرے مخالف کہتے ہیں، ”پولس کے خط بڑے زوردار اور
اثر انگیز ہیں، لیکن جب وہ آتا ہے تو اس کی شخصیت کمزور ہے اور اس کی
تعلیم بیکار ہے۔“

11 میں ایسے لوگوں سے کہتا ہوں کہ جب ہم آئیں گے تو ہمارا رویہ ویسا ہی ہوگا
جیسا ہمارے خطوں میں ہوتا ہے۔ ہم دور رہتے ہوئے بھی ویسے ہی ہوں گے
جیسے ہم تمہارے ساتھ ہوتے ہوئے ہوں گے۔

12 میں اپنے آپ کو ان لوگوں میں شامل کرنے یا ان کے ساتھ ملانے کی جرأت نہیں
کرتا جو اپنی تعریف آپ کرتے ہیں۔ جب وہ اپنے آپ کو ایک دوسرے کے ساتھ
ملا کر اپنا موازنہ کرتے ہیں تو وہ بیوقوف ہیں۔

13 ہم اپنے اوپر فخر نہیں کرتے بلکہ ہم صرف اس حد تک فخر کرتے ہیں جس حد تک
خدا نے ہمارے لئے حد مقرر کی ہے۔ اور یہ حد تمہارے پاس پہنچنے تک بھی
ہے۔ ہم اس حد سے باہر نہیں جاتے جو خدا نے ہمارے لئے مقرر کی ہے۔

14 ہم اپنی حد سے باہر نہیں جاتے جب ہم تمہارے پاس آتے ہیں۔ ہم مسیح کی
خوشخبری لے کر تمہارے پاس پہنچے۔

15 ہم اپنے آپ پر فخر نہیں کرتے جو دوسروں نے کیا ہے۔ ہم امید کرتے ہیں

Digitized by Google

ומה שאמרו שהיה מתפלל בכל יום שלש תפלות כנגד שלשה אבות ומה שאמרו שהיה מתפלל בכל יום שלש תפלות כנגד שלשה אבות ומה שאמרו שהיה מתפלל בכל יום שלש תפלות כנגד שלשה אבות

16 ומה שאמרו שהיה מתפלל בכל יום שלש תפלות כנגד שלשה אבות ומה שאמרו שהיה מתפלל בכל יום שלש תפלות כנגד שלשה אבות ומה שאמרו שהיה מתפלל בכל יום שלש תפלות כנגד שלשה אבות

17 ומה שאמרו שהיה מתפלל בכל יום שלש תפלות כנגד שלשה אבות ומה שאמרו שהיה מתפלל בכל יום שלש תפלות כנגד שלשה אבות ומה שאמרו שהיה מתפלל בכל יום שלש תפלות כנגד שלשה אבות ומה שאמרו שהיה מתפלל בכל יום שלש תפלות כנגד שלשה אבות ומה שאמרו שהיה מתפלל בכל יום שלש תפלות כנגד שלשה אבות ומה שאמרו שהיה מתפלל בכל יום שלש תפלות כנגד שלשה אבות

18 ומה שאמרו שהיה מתפלל בכל יום שלש תפלות כנגד שלשה אבות ומה שאמרו שהיה מתפלל בכל יום שלש תפלות כנגד שלשה אבות ומה שאמרו שהיה מתפלל בכל יום שלש תפלות כנגד שלשה אבות ומה שאמרו שהיה מתפלל בכל יום שלש תפלות כנגד שלשה אבות

19 ומה שאמרו שהיה מתפלל בכל יום שלש תפלות כנגד שלשה אבות ומה שאמרו שהיה מתפלל בכל יום שלש תפלות כנגד שלשה אבות ומה שאמרו שהיה מתפלל בכל יום שלש תפלות כנגד שלשה אבות ומה שאמרו שהיה מתפלל בכל יום שלש תפלות כנגד שלשה אבות

Digitized by Google

20 ... ...

27 ומה יתרון לאדם בכל עמלו שיעמול תחת השמש׃ כי כל ימיו מכאובים וכעס עניינו גם בלילה לבו לא שכב גם זה הבל הוא׃ (פ)

28 אין טוב באדם שיאכל ושתה והראה את נפשו טוב בעמלו גם זה ראיתי אני כי מיד האלהים היא׃

29 כי מי יאכל ומי יחיש חוץ ממני׃ כי לאדם שטוב לפניו נתן חכמה ודעת ושמחה ולחוטא נתן עניין לאסף ולכנוס לתת לטוב לפני האלהים גם זה הבל ורעות רוח׃ (פ)

30 מי כהחכם ומי כפתר דבר חכמת אדם תאיר פניו ועז פניו ישנא׃ אני פי מלך שמור ועל דבר שבועת אלהים׃

31 אל תבהל מפניו תלך אל תתיצב בדבר רע כי כל אשר יחפץ יעשה׃ בדבר מלך שלטון ומי יאמר אליו מה תעשה׃

Digitized by Google

وهذه هي الأحكام التي ذكرها الله تعالى في هذه الآية الكريمة ثم ذكر حكم الأسارى والغنائم وقسمتها

32 فإن الله تعالى ذكر في هذه الآية الكريمة أن الغنائم التي غنمها المسلمون من الكفار هي لهم وأن الله تعالى أحلها لهم وأباحها لهم وأن هذه الغنائم التي غنمها المسلمون من الكفار هي لهم وأن الله تعالى أحلها لهم وأباحها لهم

33 وهذه الغنائم التي غنمها المسلمون من الكفار هي لهم وأن الله تعالى أحلها لهم وأباحها لهم وهذه الغنائم التي غنمها المسلمون من الكفار هي لهم وأن الله تعالى أحلها لهم وأباحها لهم

34 فإن الله تعالى ذكر في هذه الآية الكريمة أن الغنائم التي غنمها المسلمون من الكفار هي لهم وأن الله تعالى أحلها لهم وأباحها لهم وهذه الغنائم التي غنمها المسلمون من الكفار هي لهم وأن الله تعالى أحلها لهم وأباحها لهم

35 فإن الله تعالى ذكر في هذه الآية الكريمة أن الغنائم التي غنمها المسلمون من الكفار هي لهم وأن الله تعالى أحلها لهم وأباحها لهم وهذه الغنائم التي غنمها المسلمون من الكفار هي لهم وأن الله تعالى أحلها لهم وأباحها لهم

36 فإن الله تعالى ذكر في هذه الآية الكريمة أن الغنائم التي غنمها المسلمون من الكفار هي لهم وأن الله تعالى أحلها لهم وأباحها لهم وهذه الغنائم التي غنمها المسلمون من الكفار هي لهم وأن الله تعالى أحلها لهم وأباحها لهم

37 فإن الله تعالى ذكر في هذه الآية الكريمة أن الغنائم التي غنمها المسلمون من الكفار هي لهم وأن الله تعالى أحلها لهم وأباحها لهم وهذه الغنائم التي غنمها المسلمون من الكفار هي لهم وأن الله تعالى أحلها لهم وأباحها لهم

38 فإن الله تعالى ذكر في هذه الآية الكريمة أن الغنائم التي غنمها المسلمون من الكفار هي لهم وأن الله تعالى أحلها لهم وأباحها لهم وهذه الغنائم التي غنمها المسلمون من الكفار هي لهم وأن الله تعالى أحلها لهم وأباحها لهم

Digitized by Google

39 ... ...

١ ملك

1 وبعد هذه الامور كان لنابوت اليزرعيلي كرم في يزرعيل بجانب قصر اخاب ملك السامرة. 2 فكلم اخاب نابوت قائلا اعطني كرمك فيكون لي بستان بقول لانه قريب لجانب بيتي فاعطيك عنه كرما خيرا منه ان حسن في عينيك اعطيك ثمنه فضة. 3 فقال نابوت لاخاب حاشا لي من قدام الرب ان اعطيك نصيب آبائي. 4 فاتى اخاب الى بيته مغتما وساخطا من اجل الكلمة التي كلمه بها نابوت اليزرعيلي قائلا لا اعطيك نصيب آبائي فاضطجع على سريره وحول وجهه ولم ياكل طعاما. 5 فجاءت اليه ايزابل امراته وكلمته لماذا روحك ساخطة حتى لا تاكل طعاما. 6 فقال لها لانني كلمت نابوت اليزرعيلي وقلت له اعطني كرمك بفضة او ان حسن في عينيه اعطيه كرما عوضه فقال لا اعطيك كرمي.

Digitized by Google

Digitized by Google

13 ଯିହୋବା ଏହା କହନ୍ତି, ତୁମ୍ଭେମାନେ ପଥରେ ଠିଆ ହୋଇ ଦେଖ,
ପୁରାତନ ପଥ ବିଷୟରେ ପଚାର, ଉତ୍ତମ ପଥ କେଉଁଟି ତାହା ପଚାର,
ଆଉ ତହିଁରେ ଚାଲ, ତହିଁରେ ତୁମ୍ଭେମାନେ ଆପଣା ଆପଣା ପ୍ରାଣ ନିମନ୍ତେ
ବିଶ୍ରାମ ପାଇବ; କିନ୍ତୁ ସେମାନେ କହିଲେ, ଆମ୍ଭେମାନେ ତହିଁରେ ଚାଲିବା ନାହିଁ।

14 ମଧ୍ୟ ମୁଁ ସେମାନଙ୍କ ଉପରେ ନିୟୁକ୍ତ କଲି ଯେ, ତୁମ୍ଭେମାନେ ମନୋଯୋଗ କର,
ତୂରୀ ଶବ୍ଦ ଶୁଣ; କିନ୍ତୁ ସେମାନେ କହିଲେ, ଆମ୍ଭେମାନେ ମନୋଯୋଗ କରିବା ନାହିଁ।

15 ଏଥିପାଇଁ ହେ ଗୋଷ୍ଠୀୟଗଣ, ତୁମ୍ଭେମାନେ ଶୁଣ,
ହେ ମଣ୍ଡଳୀ, ସେମାନଙ୍କ ପ୍ରତି ଯାହା ଘଟିବ, ତାହା ତୁମ୍ଭେମାନେ ଜାଣ।

16 ଯିହୋବା ଏହା କହନ୍ତି, ହେ ପୃଥିବୀ, ଶୁଣ,
ଦେଖ, ମୁଁ ଏହି ଲୋକମାନଙ୍କ ଉପରେ ଅମଙ୍ଗଳ ଘଟାଇବି,
ସେମାନଙ୍କ ଚିନ୍ତାର ଫଳ ଘଟାଇବି,
କାରଣ ସେମାନେ ମୋହର ବାକ୍ୟ ପ୍ରତି ମନୋଯୋଗ କରି ନାହାନ୍ତି,
ଆଉ ମୋହର ବ୍ୟବସ୍ଥା ଅଗ୍ରାହ୍ୟ କରିଅଛନ୍ତି।

17 ଯିହୋବା ଏହା କହନ୍ତି, ଦେଖ, ମୁଁ ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟକୁ ଉଛୁଟଣାକାରୀମାନଙ୍କୁ ପଠାଇବି,
ସେମାନେ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଉଛୁଟଣା କରିବେ,
ଆଉ ତୁମ୍ଭେମାନେ ସର୍ପ ତୁଲ୍ୟ, କାଳସର୍ପ ତୁଲ୍ୟ ହେବ,
ସେମାନେ ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଦଂଶନ କରିବେ।

18 ମୁଁ ଯିହୋବା ଏହା କହିଲି;
ଆଉ ଏହା ମୋହର ବାକ୍ୟ ଅଟେ।
ତୁମ୍ଭେମାନେ ଶୁଣ,
ମୁଁ ଯିହୋବା ଏହା କହନ୍ତି।

19 ଯିହୋବା କହନ୍ତି, ଦେଖ, ମୁଁ ଏହି ଲୋକମାନଙ୍କ ଉପରେ ଅମଙ୍ଗଳ ଘଟାଇବି,
ଏହା ସେମାନଙ୍କ ଚିନ୍ତାର ଫଳ ଅଟେ;
କାରଣ ସେମାନେ ମୋହର ବାକ୍ୟ ପ୍ରତି ମନୋଯୋଗ କରି ନାହାନ୍ତି,
ଆଉ ମୋହର ବ୍ୟବସ୍ଥା ଅଗ୍ରାହ୍ୟ କରିଅଛନ୍ତି।

Digitized by Google

29 ... ...

ಯಾ ಯಾವುದಾದರೂ ಸಂಸ್ಥೆಯಲ್ಲಿ ಯಾವುದಾದರೂ ಹುದ್ದೆಯಲ್ಲಿ ಇರುವ ಅಥವಾ ಇದ್ದ ಯಾವುದೇ ವ್ಯಕ್ತಿಯ ಮೇಲೆ ಅಥವಾ ಅಂಥ ಸಂಸ್ಥೆಯ ಯಾವುದೇ ಆಸ್ತಿಯ ಮೇಲೆ ಅಥವಾ ಅಂಥ ಸಂಸ್ಥೆಯ ಯಾವುದೇ ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದಂತೆ ಅಥವಾ ಅಂಥ ಸಂಸ್ಥೆಯ ಯಾವುದೇ ಹಣಕಾಸಿನ ಮೇಲೆ ಅಥವಾ ಅಂಥ ಸಂಸ್ಥೆಯ ಯಾವುದೇ ಸದಸ್ಯರ

31 ... ...

36 ಮೇಲಿನವರು ಅಲ್ಲಿಂದ ಹೊರಟು ಹೋಗುತ್ತಿರುವಾಗ ಅವರು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದು ಏನೆಂದರೆ,

42 ଯିହିଷ୍କେଲ ଯେଉଁ ଦର୍ଶନ ଦେଖିଥିଲେ, ତାହା ଏହି ପରି ଥିଲା; ଯେପରି ମୁଁ ନଦୀ ନିକଟରେ ଦର୍ଶନ ଦେଖିଲି, ସେପରି ଦେଖିଲି; ଆଉ ମୁଁ ମୁହଁ ମାଡ଼ି ପଡ଼ିଲି। ତହିଁରେ ମୁଁ ଶୁଣିଲି, ଏକ ଜଣ କଥା କହୁଅଛନ୍ତି।

43 ପୁଣି ସେ ମୋତେ କହିଲେ, ହେ ମନୁଷ୍ୟ-ସନ୍ତାନ, ଏହି ସମସ୍ତ ବାକ୍ୟ ଆପଣା ହୃଦୟରେ ଗ୍ରହଣ କର, ଆପଣା କର୍ଣ୍ଣରେ ଶୁଣ, ଆଉ ଆରମ୍ଭରୁ ଯେଉଁ ସମସ୍ତ ବିଧି ଓ ନିୟମ ବିଷୟରେ ମୁଁ ତୁମ୍ଭକୁ କହିବି, ତାହା ଆପଣା ମନରେ ରଖ; ପୁଣି ତୁମ୍ଭେ ଆପଣା ଲୋକମାନଙ୍କ ନିକଟକୁ ଯାଇ ସେମାନଙ୍କୁ ତାହା ଜଣାଅ।

44 ପୁଣି ଯେଉଁ ବ୍ୟକ୍ତି ମୋତେ ଦର୍ଶନ ଦେଖାଇଲେ, ସେ ମୋତେ ଆଣି ଉତ୍ତର ଦ୍ୱାରର ବାଟରେ ଉପସ୍ଥିତ କଲେ; ତହିଁରେ ମୁଁ ଦେଖିଲି, ଦେଖ, ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କ ଗୌରବ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କ ଗୃହରେ ପରିପୂର୍ଣ୍ଣ ହେଉଅଛି; ତହିଁରେ ମୁଁ ମୁହଁ ମାଡ଼ି ପଡ଼ିଲି।

45 ପୁଣି ସଦାପ୍ରଭୁ ମୋତେ କହିଲେ, ହେ ମନୁଷ୍ୟ-ସନ୍ତାନ, ମୁଁ ତୁମ୍ଭକୁ ଯେଉଁ ସମସ୍ତ ବାକ୍ୟ କହିବି, ତାହା ଆପଣା ହୃଦୟରେ ଗ୍ରହଣ କର, ଆପଣା ଚକ୍ଷୁରେ ଦେଖ, ଆପଣା କର୍ଣ୍ଣରେ ଶୁଣ, ଆଉ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କ ଗୃହର ସମସ୍ତ ବିଧି ଓ ନିୟମ ବିଷୟରେ ମୁଁ ତୁମ୍ଭକୁ କହିବି, ତାହା ଆପଣା ମନରେ ରଖ; ପୁଣି ତୁମ୍ଭେ ପବିତ୍ର ସ୍ଥାନର ପ୍ରବେଶ ବିଷୟରେ ଓ ଯେଉଁ ସମସ୍ତ ସ୍ଥାନରୁ ଇସ୍ରାଏଲ-ସନ୍ତାନମାନେ ବାହାର ହୋଇଯାଇଅଛନ୍ତି, ତାହା ବିଷୟରେ ମନୋଯୋଗ କର।

46 ଏହି ସମସ୍ତ ଘୃଣାଯୋଗ୍ୟ କର୍ମ ବିଷୟରେ ଓ ଯେଉଁ ସମସ୍ତ ଘୃଣାଯୋଗ୍ୟ କର୍ମ ସେମାନେ କରିଅଛନ୍ତି, ତାହା ବିଷୟରେ ତୁମ୍ଭେ ଇସ୍ରାଏଲ-ସନ୍ତାନମାନଙ୍କୁ ଜଣାଅ।

Digitized by Google

47 وانه لما وصل الى ذلك المكان رأى ذلك الرجل الذي كان قد ضربه بالسيف وهو ميت على الارض وقد تمزق جسده من ضربة السيف وكان ذلك الرجل قد ترك ابنا صغيرا فلما رآه ذلك الرجل الذي ضربه بالسيف اخذ ذلك الصبي وحمله على كتفه وذهب به الى بيته

48 وعندما وصل الى بيته رأى امرأة ذلك الرجل (وهي) واقفة على باب بيتها فلما رأته (هي) ايضا عرفته فاخذت ابنها من على كتفه وادخلته الى بيتها وقالت له

الليلة الثالثة

1 ثم ان ذلك الرجل قال لها (وهي) واقفة على باب بيتها ما هذا الذي فعلته بابني فقالت له ان ابني كان قد ذهب الى السوق فرأى ابنك فاخذ سيفا وضربه به فقتله

2 ثم انه قال لها (وهي) واقفة على باب بيتها ما الذي حملك على ان تفعلي بابني هذا الفعل فقالت له ان ابنك قد قتل ابني

3 وقال لها ايضا ما الذي حملك على ان تفعلي بابني هذا الفعل فقالت له ان ابني قد قتل ابنك

4 وانه لما سمع منها ذلك الكلام (وهي) واقفة على باب بيتها قال لها ان ابني قد قتل ابنك

Digitized by Google

ומה אתה מבקש ממני ואני אתן לך ואם חצי ממלכתי ואהיה לך לעבד ואם לא תעשה את הדבר הזה אל תשלח את ידך בנערה ויאמר לו אל תעשה דבר כי אם אמר לי לאמר הנה נערה אחת לבדה עמך

ಅವರು ಅವನ ಬಳಿಗೆ ಬಂದು ಅವನನ್ನು ಎಬ್ಬಿಸಿ ಅವನು ಸತ್ತಿಲ್ಲ ನಿದ್ರೆ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದಾನೆ ಎಂದು ಹೇಳಿದರು. ಆಗ ಅವರು ಅವನನ್ನು ಅಪಹಾಸ್ಯ ಮಾಡಿದರು. ಆದರೆ ಅವನು ಅವರೆಲ್ಲರನ್ನು ಹೊರಗೆ ಕಳುಹಿಸಿ ಅವನ ತಂದೆ ತಾಯಿಯರನ್ನು ಮತ್ತು ತನ್ನ ಜೊತೆಯಲ್ಲಿದ್ದವರನ್ನು ಕರೆದುಕೊಂಡು ಮಗು ಇದ್ದ ಸ್ಥಳಕ್ಕೆ ಹೋದನು.

12 ಆದರೆ ಯೇಸು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ: ಯಾರಿಗೂ ಇದರ ವಿಷಯ ತಿಳಿಯಬಾರದೆಂದು ಅವರಿಗೆ ಬಹಳವಾಗಿ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದನು. ಮತ್ತು ಅವಳಿಗೆ ತಿನ್ನಲು ಏನಾದರೂ ಕೊಡಬೇಕೆಂದು ಹೇಳಿದನು.

13 ಆಗ ಅವನು ತನ್ನ ಹನ್ನೆರಡು ಮಂದಿ ಶಿಷ್ಯರನ್ನು ಕರೆದು ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರವನ್ನೂ ಶಕ್ತಿಯನ್ನೂ ಕೊಟ್ಟು ಎಲ್ಲಾ ದೆವ್ವಗಳ ಮೇಲೆ ಮತ್ತು ರೋಗಗಳನ್ನು ಗುಣಪಡಿಸುವುದಕ್ಕೆ ಅವರನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿದನು. ಅವರು ಹೋಗಿ ದೇವರ ರಾಜ್ಯವನ್ನು ಸಾರಿ ರೋಗಿಗಳನ್ನು ಗುಣಪಡಿಸಿದರು.

14 ಆಗ ಅವನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ: ಐವತ್ತು ಐವತ್ತು ಜನರಂತೆ ಗುಂಪುಗುಂಪಾಗಿ ಕೂರಿಸಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

15 ಆಗ ಅವರು ಅವನ ಮಾತಿನಂತೆ ಮಾಡಿ ಎಲ್ಲರನ್ನು ಕೂರಿಸಿದರು. ಆಗ ಅವನು ಆ ಐದು ರೊಟ್ಟಿಗಳನ್ನು ಮತ್ತು ಆ ಎರಡು ಮೀನುಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಆಕಾಶದ ಕಡೆಗೆ ನೋಡಿ ಅವುಗಳನ್ನು ಆಶೀರ್ವದಿಸಿ ಮುರಿದು ಜನರಿಗೆ ಬಡಿಸಲು ತನ್ನ ಶಿಷ್ಯರಿಗೆ ಕೊಟ್ಟನು.

16 ಆಗ ಅವರೆಲ್ಲರೂ ತಿಂದು ತೃಪ್ತರಾದರು. ಅವರು ಉಳಿದ ತುಂಡುಗಳನ್ನು ಹನ್ನೆರಡು ಪುಟ್ಟಿಗಳಲ್ಲಿ ತುಂಬಿಸಿದರು. ಅವರು ಅವನ್ನು ಎತ್ತಿಕೊಂಡು ಹೋಗಲು ಅವರಿಗೆ ಸಹಾಯ ಮಾಡಿದರು.

Digitized by Google

17 ... ...

22 ויהי היום ויבא משה את העם מקדש לקראת האלהים ויתיצבו בתחתית ההר׃ והר סיני עשן כלו מפני אשר ירד עליו יהוה באש ויעל עשנו כעשן הכבשן ויחרד כל ההר מאד׃ ויהי קול השופר הולך הלוך חזק מאד משה ידבר והאלהים יעננו בקול׃

23 ויאמר יהוה אל משה רד העד בעם פן יהרסו אל יהוה לראות ונפל ממנו רב׃ וגם הכהנים הנגשים אל יהוה יתקדשו פן יפרץ בהם יהוה׃ ויאמר משה אל יהוה לא יוכל העם לעלת אל הר סיני כי אתה העדת בנו לאמר הגבל את ההר והקדשתו׃

24 ויאמר אליו יהוה לך רד ועלית אתה ואהרן עמך והכהנים והעם אל יהרסו לעלות אל יהוה פן יפרץ בם׃ וירד משה אל העם ויאמר אליהם׃

25 ויאמר יהוה אל משה לך רד והעדת בכל העם לאמר׃ ויהי ביום השלישי ויהי קלת וברקים ועב כבד על ההר וקל שפר חזק מאד ויחרד כל העם אשר במחנה׃

26 ויוצא משה את העם לקראת האלהים מן המחנה ויתיצבו בתחתית ההר׃ והר סיני עשן כלו מפני אשר ירד עליו יהוה באש ויעל עשנו כעשן הכבשן ויחרד כל ההר מאד׃ ויהי קול השופר הולך הלוך חזק מאד משה ידבר והאלהים יעננו בקול׃

27 ויאמר יהוה אל משה כה תאמר אל בני ישראל אתם ראיתם כי מן השמים דברתי עמכם׃ לא תעשון אתי אלהי כסף ואלהי זהב לא תעשו לכם׃

Digitized by Google

28 וְזֹאת תִּהְיֶה תּוֹרַת הַמְּצֹרָע בְּיוֹם טָהֳרָתוֹ וְהוּבָא אֶל־הַכֹּהֵן׃ **29** וְיָצָא הַכֹּהֵן אֶל־מִחוּץ לַמַּחֲנֶה וְרָאָה הַכֹּהֵן וְהִנֵּה נִרְפָּא נֶגַע־הַצָּרַעַת מִן־הַצָּרוּעַ׃ **30** וְצִוָּה הַכֹּהֵן וְלָקַח לַמִּטַּהֵר שְׁתֵּי צִפֳּרִים חַיּוֹת טְהֹרוֹת וְעֵץ אָרֶז וּשְׁנִי תוֹלַעַת וְאֵזֹב׃

ו

1 וַיְדַבֵּר יְהוָה אֶל־מֹשֶׁה וְאֶל־אַהֲרֹן לֵאמֹר׃ **2** כִּי תָבֹאוּ אֶל־אֶרֶץ כְּנַעַן אֲשֶׁר אֲנִי נֹתֵן לָכֶם לַאֲחֻזָּה וְנָתַתִּי נֶגַע צָרַעַת בְּבֵית אֶרֶץ אֲחֻזַּתְכֶם׃ **3** וּבָא אֲשֶׁר לוֹ הַבַּיִת וְהִגִּיד לַכֹּהֵן לֵאמֹר כְּנֶגַע נִרְאָה לִי בַּבָּיִת

Digitized by Google

Digitized by Google

Digitized by Google

13 ... ...

19 ... ...

25 ... ...

5 ... 6 ... 7 ... 8 ... 9 ...

Digitized by Google

10 ...

11 ...

12 ...

13 ...

14 ...

15 ...

Digitized by Google

Digitized by Google

21 ... **24** ...

Digitized by Google

25 [illegible]

26 [illegible]

27 [illegible]

28 [illegible]

29 [illegible]

Digitized by Google

30 ומה תעשו ליום פקדה ומהומה מרחוק תביא ותנוסו אל מי תעזרו לנוס ואנה תניחו כבודכם לבלתי כרע תחת אסיר ולבלתי נפל תחת הרוג ועם כל זאת לא שב אפו ועודנו ידו נטויה׃

31 כי כה אמר יהוה אל בית יעקב אשר פדה את אברהם לא עתה יבוש יעקב ועתה לא פניו יחורו כי בראתו ילדיו מעשה ידי בקרבו יקדישו את שמי והקדישו את קדוש יעקב ואת אלהי ישראל יעריצו׃

32 על כן כה אמר יהוה אל בית יעקב אשר פדה את אברהם לא עתה יבוש יעקב ועתה לא פניו יחורו כי בראתו ילדיו מעשה ידי בקרבו יקדישו את שמי והקדישו את קדוש יעקב ואת אלהי ישראל יעריצו׃

33 ואנשי רוחו תעו בינה ומלמדיו ילמדו תועה׃ אנשי שלומי כל שומרי בריתי עמו ישמרו אויביו׃

34 ויקיאו ויקיא הארץ את יושביה ואת כל אשר בה ישבו ויעזבו את ארצם ואת כל אשר בה ישבו ויתעבו את כל אשר בה ישבו ויתעבו את כל אשר בה ישבו ויתעבו את

36 ... ...

42 ...

43 ...

44 ...

45 ...

46 ...

Digitized by Google

47 ... ...

52 ଯିହିଯାର (ବାରୁଚ୍‌ର) ପୁତ୍ର ନେରିୟର ପୁତ୍ର ସରାୟ ଯେତେବେଳେ ସିଦିକୀୟ ରାଜାଙ୍କ ସହିତ ବାବିଲକୁ ଗମନ କରିଥିଲା ।

୫୨ ଅଧ୍ୟାୟ

1 ଯିହିଯାର ପୁତ୍ର ମହସେୟର ପୁତ୍ର ଯିରମିୟ ଯେଉଁ ବାକ୍ୟ ଯିହୋୟାକୀମ ପୁତ୍ର ଯିହୋୟାଖୀନ ଯିହୁଦାର ରାଜା ହେବା ସମୟରେ ଯିରମିୟଙ୍କୁ ପ୍ରାପ୍ତ ହେଲା, ତାହା ଏହି ପୁସ୍ତକରେ ଲିଖିତ ଅଛି । ଯିରମିୟ ଏହି ବାକ୍ୟ ଯିହୁଦାର ରାଜା ଯିହୋୟାଖୀନ, ରାଜମାତା, ରାଜକର୍ମଚାରୀ, ଯିହୁଦାର ପ୍ରଧାନ ଲୋକ, ଶିଳ୍ପକାର ଓ ଯିରୂଶାଲମରେ ବାସ କରୁଥିବା ଲୋକମାନଙ୍କୁ କହିଲା ।

2 ଯେଉଁ ସମୟରେ ଯିହୋୟାଖୀନ ରାଜା, ରାଜମାତା, ରାଜକର୍ମଚାରୀ, ଯିହୁଦାର ପ୍ରଧାନ ଲୋକ, ଶିଳ୍ପକାର ଓ ଯିରୂଶାଲମରେ ବାସ କରୁଥିବା ଲୋକମାନଙ୍କୁ ବନ୍ଦୀ କରି ନେଇଗଲେ, ସେହି ସମୟରେ ଏହି ବାକ୍ୟ ଯିରମିୟଙ୍କୁ ପ୍ରାପ୍ତ ହେଲା ।

3 ଯିହିଯାର ପୁତ୍ର ମହସେୟର ପୁତ୍ର ଯିରମିୟ ଯିହୁଦାର ରାଜା ସିଦିକୀୟଙ୍କୁ ବାବିଲକୁ ନିର୍ବାସିତ କରି ନେବା ସମୟରେ ଏହି ବାକ୍ୟ ପ୍ରାପ୍ତ ହେଲା । ସିଦିକୀୟ ଯିରୂଶାଲମ ଓ ଯିହୁଦାର ରାଜା ହେବା ସମୟରେ ହିଲକୀୟର ପୁତ୍ର ଅହୀକାମର ପୁତ୍ର ଗଦଲିୟର ପୁତ୍ର ଯୋନନର ପୁତ୍ର ଯାଦୋନିୟର ପୁତ୍ର ସରାୟ ଯିରୂଶାଲମର ଦ୍ୱିତୀୟ ଯାଜକ ଓ ମାସେୟର ପୁତ୍ର ସଫନିୟର ପୁତ୍ର ଯିରମିୟ ଯିରୂଶାଲମରେ ଥିଲା ।

4 ଯିହିଯାର ପୁତ୍ର ମହସେୟର ପୁତ୍ର ଯିରମିୟ ସେମାନଙ୍କୁ କହିଲା, ଏହା

Digitized by Google

5 ... ...

12 ... **13** ... **14** ... **15** ... **16** ... **17** ...

Digitized by Google

18 ...

19 ...

20 ...

21 ...

22 ...

Digitized by Google

23 ... ...

28 ଯିହୋଶାଫଟ୍ ଓ ତାଙ୍କର ସମସ୍ତ ଲୋକ ଯିରୂଶାଲମକୁ ଫେରିବା ପାଇଁ ଯାତ୍ରା କଲେ। ସେମାନେ ଯିହୋୟାଦାଙ୍କ ମନ୍ଦିରକୁ ଗଲେ ଏବଂ ସେମାନେ ଶତ୍ରୁମାନଙ୍କଠାରୁ ଯେଉଁ ଧନ ଲାଭ କରିଥିଲେ, ତାହା ସେମାନେ ଆଣିଲେ।

୨୧ ଅଧ୍ୟାୟ

1 ଯିହୋଶାଫଟ୍ ଯିରୂଶାଲମରେ ଥିବା ନିଜ ଘରକୁ ଫେରିଲେ। ଯିହୋରାମ ଯିହୋଶାଫଟ୍‌ଙ୍କର ପୁତ୍ର ଥିଲା। ଯିହୋରାମ ଯିହୋଶାଫଟ୍‌ଙ୍କର ଜ୍ୟେଷ୍ଠ ପୁତ୍ର ଥିଲା। ଯିହୋରାମ ଅଜରୀୟଙ୍କର ପୁତ୍ର ଥିଲା। ଯିହୋରାମ ଯିହୋଶାଫଟ୍‌ଙ୍କର ପୁତ୍ର ଥିଲା। ଯିହୋରାମ ଯିହୋଶାଫଟ୍‌ଙ୍କର ପୁତ୍ର ଥିଲା। ଯିହୋରାମ ଯିହୋଶାଫଟ୍‌ଙ୍କର ପୁତ୍ର ଥିଲା। ଯିହୋରାମ ଯିହୋଶାଫଟ୍‌ଙ୍କର ପୁତ୍ର ଥିଲା। ଯିହୋରାମ ଯିହୋଶାଫଟ୍‌ଙ୍କର ପୁତ୍ର ଥିଲା।

2 ଯିହୋରାମର ଭାଇମାନେ ଅଜରୀୟଙ୍କର ପୁତ୍ର ଥିଲେ। ଯିହୋରାମର ଭାଇମାନେ ଅଜରୀୟଙ୍କର ପୁତ୍ର ଥିଲେ। ଯିହୋରାମର ଭାଇମାନେ ଅଜରୀୟଙ୍କର ପୁତ୍ର ଥିଲେ। ଯିହୋରାମର ଭାଇମାନେ ଅଜରୀୟଙ୍କର ପୁତ୍ର ଥିଲେ। ଯିହୋରାମର ଭାଇମାନେ ଅଜରୀୟଙ୍କର ପୁତ୍ର ଥିଲେ। ଯିହୋରାମର ଭାଇମାନେ ଅଜରୀୟଙ୍କର ପୁତ୍ର ଥିଲେ। ଯିହୋରାମର ଭାଇମାନେ ଅଜରୀୟଙ୍କର ପୁତ୍ର ଥିଲେ।

3 ଯିହୋରାମର ପିତା ତାଙ୍କୁ ଅନେକ ଉପହାର ଦେଇଥିଲେ। ସେ ରୂପା, ସୁନା ଓ ବହୁମୂଲ୍ୟ ଜିନିଷ ଦେଇଥିଲେ। ସେ ଯିହୂଦାର ସୁରକ୍ଷିତ ନଗରଗୁଡ଼ିକୁ ଦେଇଥିଲେ। ସେ ଯିହୋରାମକୁ ରାଜ୍ୟ ଦେଇଥିଲେ, କାରଣ ଯିହୋରାମ ତାଙ୍କର ଜ୍ୟେଷ୍ଠ ପୁତ୍ର ଥିଲା।

Digitized by Google

۴ میرا خدا اپنی دولت کے مطابق جو مسیح یسوع میں جلال کی صورت میں ہے تمہاری ساری ضرورتیں پوری کرے گا۔ ۲۰ ہمارے خدا اور باپ کا جلال ابد تک ہوتا رہے۔ آمین۔

۵ مسیح یسوع میں ہر ایک مقدس کو سلام کہو۔ میرے ساتھ کے بھائی تمہیں سلام کہتے ہیں۔ ۲۱ سب مقدس تمہیں سلام کہتے ہیں، خاص کر قیصر کے گھرانے کے لوگ۔

۶ ۲۲ خداوند یسوع مسیح کا فضل تمہارے ساتھ ہو۔

۷ ۲۳ میں پولس اپنے ہاتھ سے لکھ کر تمہیں سلام کہتا ہوں۔ اگر کوئی خداوند سے محبت نہ رکھے تو وہ ملعون ہو۔ ہمارا خداوند آ رہا ہے۔ ۲۴ میری محبت مسیح یسوع میں تم سب کے ساتھ ہو۔

۸ ۲۵ میں اپنے ہاتھ سے لکھ کر تمہیں سلام کہتا ہوں۔ اگر کوئی خداوند سے محبت نہ رکھے تو وہ ملعون ہو۔ ہمارا خداوند آ رہا ہے۔

۹ ۲۶ میرا خدا اپنی دولت کے مطابق جو مسیح یسوع میں جلال کی صورت میں ہے تمہاری ساری ضرورتیں پوری کرے گا۔

Digitized by Google

ಮಾಡಿದ ಅದ್ಭುತವನ್ನು ಕಂಡು ಆಶ್ಚರ್ಯಪಟ್ಟರು. ಅವರು ಅವನನ್ನು ಗುರುತಿಸಿ ಅವನು ಮೊದಲು ಭಿಕ್ಷೆ ಬೇಡುತ್ತಿದ್ದವನೆಂದು ತಿಳಿದುಕೊಂಡರು.

10 ಆಗ ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಸುಂದರ ದ್ವಾರದ ಹತ್ತಿರ ಕುಳಿತು ಭಿಕ್ಷೆ ಬೇಡುತ್ತಿದ್ದವನು ಇವನೇ ಎಂದು ತಿಳಿದು ಅವನಿಗೆ ಸಂಭವಿಸಿದ್ದರಿಂದ ಬಹಳ ಆಶ್ಚರ್ಯಪಟ್ಟು ಬೆರಗಾದರು.

11 ಆ ಮನುಷ್ಯನು ಪೇತ್ರ ಯೋಹಾನರನ್ನು ಬಿಡದೆ ಹಿಡಿದುಕೊಂಡಿರಲು ಜನರೆಲ್ಲರು ಅತ್ಯಾಶ್ಚರ್ಯಪಟ್ಟು ಸೊಲೊಮೋನನ ಮಂಟಪವೆಂಬ ಮಂಟಪದಲ್ಲಿ ಅವರ ಬಳಿಗೆ ಓಡಿಬಂದರು.

12 ಪೇತ್ರನು ಇದನ್ನು ನೋಡಿ ಜನರಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ: ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ಜನರೇ, ನೀವು ಈ ಮನುಷ್ಯನ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಆಶ್ಚರ್ಯಪಡುವದೇಕೆ? ನಾವು ನಮ್ಮ ಸ್ವಂತ ಶಕ್ತಿಯಿಂದಾಗಲಿ ಭಕ್ತಿಯಿಂದಾಗಲಿ ಇವನು ನಡೆಯುವಂತೆ ಮಾಡಿದೆವೆಂದು ನಮ್ಮನ್ನು ಏಕೆ ದೃಷ್ಟಿಸಿ ನೋಡುತ್ತೀರಿ?

13 ಇಸ್ರಾಯೇಲರ ದೇವರಾದ ಅಬ್ರಹಾಮ ಇಸಾಕ ಯಾಕೋಬರ ದೇವರು ತಮ್ಮ ಸೇವಕನಾದ ಯೇಸುವನ್ನು ಮಹಿಮೆಪಡಿಸಿದ್ದಾನೆ; ಆತನನ್ನು ನೀವು ಒಪ್ಪಿಸಿಕೊಟ್ಟು ಪಿಲಾತನು ಬಿಡುಗಡೆ ಮಾಡಲು ನಿರ್ಣಯಿಸಿದ್ದರೂ ನೀವು ಆತನನ್ನು ನಿರಾಕರಿಸಿದಿರಿ.

14 ಆದರೆ ನೀವು ಪರಿಶುದ್ಧನೂ ನೀತಿವಂತನೂ ಆಗಿರುವಾತನನ್ನು ನಿರಾಕರಿಸಿ ಕೊಲೆಗಾರನನ್ನು ನಿಮಗೆ ಬಿಡುಗಡೆ ಮಾಡಬೇಕೆಂದು ಕೇಳಿಕೊಂಡಿರಿ.

Digitized by Google

15 فريسيون ڪٺا ٿيا ۽ هڪ ٻئي سان صلاح ڪئي ته ڪيئن
يسوع کي ڪنهن ڳالهه ۾ ڦاسائين.

16 پوءِ هيرودين جي ماڻهن سميت پنهنجا شاگرد يسوع ڏانهن
موڪليائون ۽ چيائون: "اي استاد، اسان ڄاڻون ٿا ته تون سچو آهين
۽ خدا جي واٽ سچائيءَ سان سکاريندو آهين ۽ ڪنهن جي به
پرواهه نه ڪندو آهين، ڇاڪاڻ ته تون ماڻهن جي ظاهر تي نه
ٿو ڏسين.

17 تنهنڪري اسان کي ٻڌاءِ ته تنهنجو ڇا خيال آهي؟ ڇا
قيصر کي ٽيڪس ڏيڻ شريعت موجب جائز آهي يا نه؟"

18 پر يسوع انهن جي بڇڙائي ڄاڻي ورتي ۽ چيائين: "اي
منافقو، مون کي ڇو آزمائي رهيا آهيو؟

19 ٽيڪس جي رقم جو سڪو مون کي ڏيکاريو." پوءِ
اهي هڪ سڪو کڻي آيا.

20 يسوع انهن کان پڇيو: "هن تي ڪنهن جي تصوير ۽
نالو لکيل آهي؟"

21 انهن وراڻيو: "قيصر جو." تڏهن يسوع چيو: "پوءِ
قيصر جو قيصر کي ڏيو ۽ خدا جو خدا کي."

Digitized by Google

22 ... ...

26 ... ...

ಮಾಡಿದ್ದರಿಂದ ಅವರು ಅವನನ್ನು ಕೊಲ್ಲಲು ಯೋಚಿಸಿದರು. ಆದರೆ ಅವನು ಸೈನ್ಯಾಧಿಪತಿಗೆ ಈ ವಿಷಯವನ್ನು ತಿಳಿಸಿದನು.

33 ಆಗ ಸೈನ್ಯಾಧಿಪತಿಯು ಇಬ್ಬರು ಶತಾಧಿಪತಿಗಳನ್ನು ಕರೆದು, ಇನ್ನೂರು ಮಂದಿ ಸೈನಿಕರನ್ನೂ ಎಪ್ಪತ್ತು ಮಂದಿ ಕುದುರೆಯವರನ್ನೂ ಇನ್ನೂರು ಮಂದಿ ಈಟಿಗಾರರನ್ನೂ ಸಿದ್ಧಮಾಡಿಕೊಂಡು ರಾತ್ರಿ ಒಂಭತ್ತು ಗಂಟೆಗೆ ಕೈಸರಿಯಕ್ಕೆ ಹೋಗಲು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದನು.

34 ಮತ್ತು ಅವರಿಗೆ ಪೌಲನಿಗಾಗಿ ಕುದುರೆಗಳನ್ನು ಸಿದ್ಧಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಲು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದನು.

35 ಮತ್ತು ಅವನು ಅವನನ್ನು ಅಧಿಪತಿಯಾದ ಫೆಲಿಕ್ಸನ ಬಳಿಗೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗಿ ಅವನಿಗೆ ಒಪ್ಪಿಸಿದನು. ಅವನು ಕಿಲಿಕ್ಯದವನಾದ ಪೌಲನು ತನ್ನ ಅಧಿಕಾರಕ್ಕೆ ಒಳಪಟ್ಟವನೆಂದು ತಿಳಿದು ಅವನಿಗೆ ಹೇರೋದನ ಅರಮನೆಯಲ್ಲಿ ಕಾವಲಿಡಲು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದನು.

36 ಮತ್ತು ಅವನು ಅವನಿಗೆ ಒಂದು ಪತ್ರವನ್ನು ಬರೆದು ಕಳುಹಿಸಿದನು. ಅದರಲ್ಲಿ ಹೀಗೆ ಬರೆದಿತ್ತು: ಅಧಿಪತಿಯಾದ ಫೆಲಿಕ್ಸನಿಗೆ ಕ್ಲೌದ್ಯ ಲುಸ್ಯನು ವಂದನೆಗಳು. ಈ ಮನುಷ್ಯನು ಯೆಹೂದ್ಯರಿಂದ ಸೆರೆಹಿಡಿಯಲ್ಪಟ್ಟು ಅವರಿಂದ ಕೊಲ್ಲಲ್ಪಡುವವನಾಗಿದ್ದಾಗ ನಾನು ಸೈನ್ಯದೊಂದಿಗೆ ಹೋಗಿ ಅವನನ್ನು ಬಿಡಿಸಿಕೊಂಡೆನು. ಅವನು ರೋಮಾಪುರದವನೆಂದು ನಾನು ತಿಳಿದುಕೊಂಡೆನು.

37 ಮತ್ತು ಅವರು ಅವನ ಮೇಲೆ ಆರೋಪಿಸಿದ ಕಾರಣವನ್ನು ತಿಳಿಯಲು ಅವರ ಆಲೋಚನಾ ಸಭೆಗೆ ಅವನನ್ನು ತಂದೆನು.

38 ಆಗ ನಾನು ಅವನ ಮೇಲೆ ಆರೋಪಿಸಿದ ವಿಷಯಗಳಲ್ಲಿ ಅವನಲ್ಲಿ ಮರಣಕ್ಕಾಗಲಿ ಬಂಧನಕ್ಕಾಗಲಿ ಯೋಗ್ಯವಾದ ಯಾವ ಕಾರಣವೂ ಇಲ್ಲವೆಂದು ಕಂಡುಕೊಂಡೆನು.

39 ಇದಲ್ಲದೆ ಅವರು ಅವನ ಮೇಲೆ ಆರೋಪಿಸಿದ ವಿಷಯಗಳಲ್ಲಿ

Digitized by Google

ಯಾವ ಕಡೆಯವರು ಅವನ ಮೇಲೆ ಬಿದ್ದು ಅವನನ್ನು ಕೊಲ್ಲಲು ಪ್ರಯತ್ನಿಸಿದರೋ ಅವರ ಕಡೆಯವರೇ ಅವನನ್ನು ಕೊಂದು ಹಾಕಿದರು.

40 ಅವರು ಯಾರ ಮನೆಗಳನ್ನು ಅಪಹರಿಸಿಕೊಂಡರೋ ಅವರ ಕಡೆಯವರು ಅವನನ್ನು ಕೊಂದರು. ಅವರು ಬಹಳ ಹೊತ್ತು ಪ್ರಾರ್ಥನೆ ಮಾಡುವವರಂತೆ ಕಪಟವೇಷ ಧರಿಸಿದ್ದರು. ಅವರು ಹೆಚ್ಚು ಕಠಿಣವಾದ ಶಿಕ್ಷೆಗೆ ಗುರಿಯಾಗುವರು.

41 ಆಮೇಲೆ ಯೇಸು ಕಾಣಿಕೆ ಪೆಟ್ಟಿಗೆಯ ಎದುರಿಗೆ ಕುಳಿತುಕೊಂಡು ಜನರು ಅದರಲ್ಲಿ ಹಣ ಹಾಕುವುದನ್ನು ನೋಡುತ್ತಿದ್ದನು.

೨೧ ನೇ ಅಧ್ಯಾಯ

1 ಯೇಸು ಅಲ್ಲಿ ಕಾಣಿಕೆ ಪೆಟ್ಟಿಗೆಯಲ್ಲಿ ಹಣ ಹಾಕುತ್ತಿದ್ದ ಶ್ರೀಮಂತರನ್ನು ನೋಡಿದನು. **2** ಯೇಸು ಅಲ್ಲಿ ಒಬ್ಬ ಬಡ ವಿಧವೆಯು ಎರಡು ಚಿಕ್ಕ ತಾಮ್ರದ ನಾಣ್ಯಗಳನ್ನು ಹಾಕುವುದನ್ನು ನೋಡಿದನು. **3** ಯೇಸು ಹೇಳಿದ್ದು, "ಈ ಬಡ ವಿಧವೆಯು ಎಲ್ಲರಿಗಿಂತ ಹೆಚ್ಚಾಗಿ ಹಾಕಿದಳೆಂದು ನಾನು ನಿಮಗೆ ಸತ್ಯವಾಗಿ ಹೇಳುತ್ತೇನೆ. **4** ಈ ಶ್ರೀಮಂತರೆಲ್ಲರೂ ತಮ್ಮ ಸಂಪತ್ತಿನಲ್ಲಿ ಸ್ವಲ್ಪವನ್ನು ಕಾಣಿಕೆಯಾಗಿ ಹಾಕಿದರು. ಆದರೆ ಈ ವಿಧವೆಯು ತನ್ನ ಬಡತನದಲ್ಲಿಯೂ ತನಗಿದ್ದ ಎಲ್ಲವನ್ನೂ ಹಾಕಿದಳು. ಅವಳಿಗೆ ಜೀವನಕ್ಕಾಗಿ ಇದ್ದ ಎಲ್ಲವನ್ನೂ ಹಾಕಿದಳು."

Digitized by Google

10 וְזֶה הַדָּבָר אֲשֶׁר עָשִׂיתָ לָהֶם לְטַהֲרָם עֲלֵיהֶם הָרֵם תְּנוּפָה וְהִזֵּית עֲלֵיהֶם מֵי חַטָּאת וְהֶעֱבִירוּ תַעַר עַל כָּל בְּשָׂרָם וְכִבְּסוּ בִגְדֵיהֶם וְהִטַּהֲרוּ׃ **9** וְהִקְרַבְתָּ אֶת הַלְוִיִּם לִפְנֵי אֹהֶל מוֹעֵד וְהִקְהַלְתָּ אֶת כָּל עֲדַת בְּנֵי יִשְׂרָאֵל׃ וְהִקְרַבְתָּ אֶת הַלְוִיִּם לִפְנֵי יְהוָה וְסָמְכוּ בְנֵי יִשְׂרָאֵל אֶת יְדֵיהֶם עַל הַלְוִיִּם׃ **8** וְהִקְרִיב אַהֲרֹן אֶת הַלְוִיִּם לִפְנֵי יְהוָה תְּנוּפָה מֵאֵת בְּנֵי יִשְׂרָאֵל וְהָיוּ לַעֲבֹד אֶת עֲבֹדַת יְהוָה׃

7 וְכֹה תַעֲשֶׂה לָהֶם לְטַהֲרָם הַזֵּה עֲלֵיהֶם מֵי חַטָּאת וְהֶעֱבִירוּ תַעַר עַל כָּל בְּשָׂרָם וְכִבְּסוּ בִגְדֵיהֶם וְהִטַּהֲרוּ׃ וְלָקְחוּ פַּר בֶּן בָּקָר וּמִנְחָתוֹ סֹלֶת בְּלוּלָה בַּשָּׁמֶן וּפַר בֶּן בָּקָר שֵׁנִי תִּקַּח לְחַטָּאת׃

6 וְלָקַחְתָּ אֶת הַלְוִיִּם מִתּוֹךְ בְּנֵי יִשְׂרָאֵל וְטִהַרְתָּ אֹתָם׃ וְהִקְרַבְתָּ אֶת הַלְוִיִּם לִפְנֵי אֹהֶל מוֹעֵד וְהִקְהַלְתָּ אֶת כָּל עֲדַת בְּנֵי יִשְׂרָאֵל׃ וְהִקְרַבְתָּ אֶת הַלְוִיִּם לִפְנֵי יְהוָה וְסָמְכוּ בְנֵי יִשְׂרָאֵל אֶת יְדֵיהֶם עַל הַלְוִיִּם׃

5 וַיְדַבֵּר יְהוָה אֶל מֹשֶׁה לֵאמֹר׃ **4** וְזֶה מַעֲשֵׂה הַמְּנֹרָה מִקְשָׁה זָהָב עַד יְרֵכָהּ עַד פִּרְחָהּ מִקְשָׁה תִּהְיֶה כַּמַּרְאֶה אֲשֶׁר הֶרְאָה יְהוָה אֶת מֹשֶׁה כֵּן עָשָׂה אֶת הַמְּנוֹרָה׃

Digitized by Google

ہیں۔ اور ہم اُس کے گواہ ہیں کہ اُس نے مسیح کو مُردوں میں سے جِلایا۔ اگر مُردے جی نہیں اُٹھتے تو اُس نے مسیح کو بھی نہیں جِلایا۔

11 کیونکہ اگر مُردے جی نہیں اُٹھتے تو مسیح بھی نہیں جی اُٹھا۔ اور اگر مسیح جی نہیں اُٹھا تو تمہارا ایمان باطل ہے اور تم ابھی اپنے گناہوں میں گرفتار ہو۔

12 اور جو مسیح میں سو گئے وہ بھی ہلاک ہوئے۔ اگر ہم کو صرف اِس زندگی میں مسیح سے اُمید ہے تو سب آدمیوں سے زیادہ بدنصیب ہیں۔ لیکن اب مسیح مُردوں میں سے جی اُٹھا ہے اور جو سو گئے اُن میں پہلا پھل ہوا ہے۔

13 کیونکہ جب موت ایک آدمی کے سبب سے آئی تو مُردوں کا جی اُٹھنا بھی ایک آدمی کے سبب سے آیا۔ کیونکہ جس طرح آدم میں سب مرتے ہیں اُسی طرح مسیح میں سب جِلائے جائیں گے۔ لیکن ہر شخص اپنی اپنی باری سے۔ پہلا پھل مسیح ہے۔ پھر مسیح کے آنے پر اُس کے لوگ۔ پھر اُس کے بعد خاتمہ ہوگا۔ جب وہ ہر حکومت اور ہر اختیار اور قدرت کو نیست کر کے بادشاہی خدا باپ کے حوالہ کرے گا۔ کیونکہ جب تک وہ سب دشمنوں کو اپنے پاؤں تلے نہ کر لے تب تک اُس کا سلطنت کرنا ضرور ہے۔ سب سے آخر دشمن جو نیست کیا جائے گا موت ہے۔ کیونکہ اُس نے سب کچھ اُس کے پاؤں تلے کر دیا ہے۔ لیکن جب وہ کہتا ہے کہ سب کچھ اُس کے تابع کر دیا گیا ہے تو ظاہر ہے کہ اُس کے سوا جس نے سب کچھ اُس کے تابع کر دیا ہے۔ اور جب سب کچھ اُس کے تابع کیا جائے گا تو بیٹا بھی اُس کے تابع کیا جائے گا جس نے سب کچھ اُس کے تابع کر دیا ہے تاکہ خدا سب میں سب کچھ ہو۔

14 ورنہ اُن کا کیا حال ہوگا جو مُردوں کے لئے بپتسمہ لیتے ہیں۔ اگر مُردے جی نہیں اُٹھتے تو پھر کیوں مُردوں کے لئے بپتسمہ لیتے ہیں۔ اور ہم کیوں ہر گھڑی جوکھوں میں پڑے رہتے ہیں۔ اے بھائیو! مجھے تمہارے اُس فخر کی قسم جو مسیح یسوع ہمارے خداوند میں تم پر کرتا ہوں کہ میں ہر روز مرتا ہوں۔ اگر میں نے آدمیوں کی طرح افسس میں وحشی جانوروں سے لڑائی کی تو مجھے کیا فائدہ ہوا۔ اگر مُردے جی نہیں اُٹھتے تو آؤ کھائیں پئیں کیونکہ کل مریں گے۔

15 دھوکا نہ کھاؤ۔ بُری صحبتیں اچھی عادتوں کو بگاڑ دیتی ہیں۔

Digitized by Google

16 וְהִנֵּה הָיָה בְּיוֹם הַשְּׁלִשִׁי וַיְהִי קֹלוֹת וּבְרָקִים וְעָנָן כָּבֵד עַל הָהָר וְקוֹל שֹׁפָר חָזָק מְאֹד וַיֶּחֱרַד כָּל הָעָם אֲשֶׁר בַּמַּחֲנֶה׃ **17** וַיּוֹצֵא מֹשֶׁה אֶת הָעָם לִקְרַאת הָאֱלֹהִים מִן הַמַּחֲנֶה וַיִּתְיַצְּבוּ בְּתַחְתִּית הָהָר׃ **18** וְהַר סִינַי עָשַׁן כֻּלּוֹ מִפְּנֵי אֲשֶׁר יָרַד עָלָיו יְהוָה בָּאֵשׁ וַיַּעַל עֲשָׁנוֹ כְּעֶשֶׁן הַכִּבְשָׁן וַיֶּחֱרַד כָּל הָהָר מְאֹד׃ **19** וַיְהִי קוֹל הַשֹּׁפָר הוֹלֵךְ וְחָזֵק מְאֹד מֹשֶׁה יְדַבֵּר וְהָאֱלֹהִים יַעֲנֶנּוּ בְקוֹל׃

Digitized by Google

20 ויהי כאשר הלכו ויגידו לאיוב ויבא את־אליפז התימני ובלדד השוחי וצופר הנעמתי ויועדו יחדו לבוא לנוד אתו ולנחמו׃ **21** וישאו את־עיניהם מרחוק ולא הכירוהו וישאו קולם ויבכו ויקרעו איש מעילו וזרקו עפר על־ראשיהם השמימה׃ **22** וישבו אתו לארץ שבעת ימים ושבעת לילות ואין־דבר אליו כי־ראו כי־גדל הכאב מאד׃ **23** ויפתח איוב את־פיהו ויקלל את־יומו׃ **24** ויען איוב ויאמר׃ **25** יאבד יום אולד־בו והלילה אמר הרה גבר׃

26 וְהִנֵּה אִישׁ אֶחָד מִבְּנֵי יִשְׂרָאֵל בָּא וַיַּקְרֵב אֶל־אֶחָיו אֶת־הַמִּדְיָנִית לְעֵינֵי מֹשֶׁה וּלְעֵינֵי כָּל־עֲדַת בְּנֵי יִשְׂרָאֵל וְהֵמָּה בֹכִים פֶּתַח אֹהֶל מוֹעֵד׃

27 וַיַּרְא פִּינְחָס בֶּן־אֶלְעָזָר בֶּן־אַהֲרֹן הַכֹּהֵן וַיָּקָם מִתּוֹךְ הָעֵדָה וַיִּקַּח רֹמַח בְּיָדוֹ׃ וַיָּבֹא אַחַר אִישׁ יִשְׂרָאֵל אֶל־הַקֻּבָּה וַיִּדְקֹר אֶת־שְׁנֵיהֶם אֶת־אִישׁ יִשְׂרָאֵל וְאֶל־הָאִשָּׁה אֶל־קֳבָתָהּ וַתֵּעָצַר הַמַּגֵּפָה מֵעַל בְּנֵי יִשְׂרָאֵל׃

28 וַיִּהְיוּ הַמֵּתִים בַּמַּגֵּפָה אַרְבָּעָה וְעֶשְׂרִים אָלֶף׃ וַיְדַבֵּר יְהוָה אֶל־מֹשֶׁה לֵאמֹר׃

29 פִּינְחָס בֶּן־אֶלְעָזָר בֶּן־אַהֲרֹן הַכֹּהֵן הֵשִׁיב אֶת־חֲמָתִי מֵעַל בְּנֵי יִשְׂרָאֵל בְּקַנְאוֹ אֶת־קִנְאָתִי בְּתוֹכָם וְלֹא־כִלִּיתִי אֶת־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל בְּקִנְאָתִי׃

30 לָכֵן אֱמֹר הִנְנִי נֹתֵן לוֹ אֶת־בְּרִיתִי שָׁלוֹם׃ וְהָיְתָה לוֹ וּלְזַרְעוֹ אַחֲרָיו בְּרִית כְּהֻנַּת עוֹלָם תַּחַת אֲשֶׁר קִנֵּא לֵאלֹהָיו וַיְכַפֵּר עַל־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל׃

31 וְשֵׁם אִישׁ יִשְׂרָאֵל הַמֻּכֶּה אֲשֶׁר הֻכָּה אֶת־הַמִּדְיָנִית זִמְרִי בֶּן־סָלוּא נְשִׂיא בֵּית־אָב לַשִּׁמְעֹנִי׃ וְשֵׁם הָאִשָּׁה הַמֻּכָּה כָּזְבִּי בַּת־צוּר רֹאשׁ אֻמּוֹת בֵּית־אָב בְּמִדְיָן הוּא׃

32 וְשֵׁם הָאִשָּׁה הַמֻּכָּה כָּזְבִּי בַּת־צוּר רֹאשׁ אֻמּוֹת בֵּית־אָב בְּמִדְיָן הוּא׃

Digitized by Google

وَٱلْمَوَازِينِ وَٱلْمَكَاييلِ ٱلْمَعَادِنِ ٱلْمَعَادِنِ وَٱلْمَوَازِينِ وَٱلْمَكَاييل

ומשפחות בני־יהודה ובני־בנימין ובני־אפרים ומנשה׃ 10 ובני־יהודה
ער ואונן ושלה ופרץ וזרח ומתו ער ואונן בארץ כנען ויהיו בני־פרץ
חצרון וחמול׃ 11 ובני־יהודה פרץ חצרון ילד את־אשבעל ואת־
אשבעל ילד את־אחיהוד ואת־אחיהוד ילד את־בענה׃ 12 בענה בנו
יאשבעל בנו אחיהוד בנו׃ 13 ובני־יהודה פרץ חצרון ילד את־אשבעל
ואת־אחיהוד ואת־בענה׃ 14 בענה בנו יאשבעל בנו אחיהוד בנו׃
15 ובני־יהודה פרץ חצרון ילד את־אשבעל ואת־אחיהוד ואת־בענה׃
16 בענה בנו יאשבעל בנו אחיהוד בנו׃ 17 ובני־יהודה פרץ חצרון
ילד את־אשבעל ואת־אחיהוד ואת־בענה׃ 18 בענה בנו יאשבעל בנו
אחיהוד בנו׃ 19 ובני־יהודה פרץ חצרון ילד את־אשבעל ואת־
אחיהוד ואת־בענה׃ 20 בענה בנו יאשבעל בנו אחיהוד בנו׃
21 ובני־יהודה פרץ חצרון ילד את־אשבעל ואת־אחיהוד ואת־בענה׃
22 בענה בנו יאשבעל בנו אחיהוד בנו׃ 23 ובני־יהודה פרץ חצרון
ילד את־אשבעל ואת־אחיהוד ואת־בענה׃ 24 בענה בנו יאשבעל בנו
אחיהוד בנו׃ 25 ובני־יהודה פרץ חצרון ילד את־אשבעל ואת־
אחיהוד ואת־בענה׃ 26 בענה בנו יאשבעל בנו אחיהוד בנו׃
27 ובני־יהודה פרץ חצרון ילד את־אשבעל ואת־אחיהוד ואת־בענה׃
28 בענה בנו יאשבעל בנו אחיהוד בנו׃ 29 ובני־יהודה פרץ חצרון
ילד את־אשבעל ואת־אחיהוד ואת־בענה׃ 30 בענה בנו יאשבעל בנו
אחיהוד בנו׃ 31 ובני־יהודה פרץ חצרון ילד את־אשבעל ואת־
אחיהוד ואת־בענה׃ 32 בענה בנו יאשבעל בנו אחיהוד בנו׃
33 ובני־יהודה פרץ חצרון ילד את־אשבעל ואת־אחיהוד ואת־בענה׃
34 בענה בנו יאשבעל בנו אחיהוד בנו׃ 35 ובני־יהודה פרץ חצרון
ילד את־אשבעל ואת־אחיהוד ואת־בענה׃ 36 בענה בנו יאשבעל בנו
אחיהוד בנו׃ 37 ובני־יהודה פרץ חצרון ילד את־אשבעל ואת־
אחיהוד ואת־בענה׃ 38 בענה בנו יאשבעל בנו אחיהוד בנו׃
39 ובני־יהודה פרץ חצרון ילד את־אשבעל ואת־אחיהוד ואת־בענה׃
40 בענה בנו יאשבעל בנו אחיהוד בנו׃

ו מחלה ו

1 ובני־יהודה פרץ חצרון ילד את־אשבעל ואת־אחיהוד ואת־בענה׃
2 ובני־יהודה פרץ חצרון ילד את־אשבעל ואת־אחיהוד ואת־בענה׃

Digitized by Google

Digitized by Google

ומאחר שהוא מתחייב בדבר, הרי הוא כמי שנתחייב בדבר ונתן.

7 מי שהיה חייב לחבירו מנה ואמר לו: הרי מנה זה שאני חייב לך נתון לפלוני, ופלוני אמר: הרי הוא נתון לי, ואחר כך חזר בו פלוני, הרי זה חייב לשלם לו מנה אחר. ואם אמר לו: הרי מנה זה שאני חייב לך נתון לפלוני, ופלוני אמר: הרי הוא נתון לי, ואחר כך חזר בו המלוה, הרי זה חייב לשלם לפלוני מנה אחר.

8 מי שהיה חייב לחבירו מנה ואמר לו: הרי מנה זה שאני חייב לך נתון לפלוני, ופלוני אמר: הרי הוא נתון לי, ואחר כך חזר בו החייב, הרי זה חייב לשלם לו.

9 כשם שהמלוה יכול לחזור בו מן ההלואה, כך החייב יכול לחזור בו מן ההלואה. ואם מת המלוה, אין היורשים יכולים לחזור בהם.

10 מי שהיה חייב לחבירו מנה ואמר לו: מנה זה שאני חייב לך נתון לפלוני, ופלוני אמר: הרי הוא נתון לי, ואחר כך מת פלוני, הרי זה חייב לשלם לו מנה אחר. ואם מת המלוה, הרי זה חייב לשלם ליורשיו מנה אחר.

11 מי שהיה חייב לחבירו מנה ואמר לו: מנה זה שאני חייב לך נתון לפלוני, ופלוני אמר: הרי הוא נתון לי, ואחר כך מת החייב, הרי זה חייב לשלם לפלוני מנה אחר. ואם מת פלוני, הרי זה חייב לשלם ליורשיו מנה אחר. ואם מת המלוה, הרי זה חייב לשלם ליורשיו מנה אחר.

12 מי שהיה חייב לחבירו מנה ואמר לו: מנה זה שאני חייב לך נתון לפלוני, ופלוני אמר: הרי הוא נתון לי, ואחר כך מת פלוני, הרי זה חייב לשלם ליורשיו מנה אחר. ואם מת המלוה, הרי זה חייב לשלם ליורשיו מנה אחר.

Digitized by Google

13 مِنَ ٱللَّهِ ذِي ٱلْمَعَارِجِ ۝ تَعْرُجُ ٱلْمَلَٰٓئِكَةُ وَٱلرُّوحُ إِلَيْهِ فِي يَوْمٍ كَانَ مِقْدَارُهُۥ خَمْسِينَ أَلْفَ سَنَةٍ ۝ فَٱصْبِرْ صَبْرًا جَمِيلًا ۝ إِنَّهُمْ يَرَوْنَهُۥ بَعِيدًا ۝ وَنَرَىٰهُ قَرِيبًا ۝

14 يَوْمَ تَكُونُ ٱلسَّمَآءُ كَٱلْمُهْلِ ۝ وَتَكُونُ ٱلْجِبَالُ كَٱلْعِهْنِ ۝ وَلَا يَسْـَٔلُ حَمِيمٌ حَمِيمًا ۝

15 يُبَصَّرُونَهُمْ ۚ يَوَدُّ ٱلْمُجْرِمُ لَوْ يَفْتَدِي مِنْ عَذَابِ يَوْمِئِذٍۭ بِبَنِيهِ ۝ وَصَٰحِبَتِهِۦ وَأَخِيهِ ۝ وَفَصِيلَتِهِ ٱلَّتِي تُـْٔوِيهِ ۝ وَمَن فِي ٱلْأَرْضِ جَمِيعًا ثُمَّ يُنجِيهِ ۝

16 كَلَّآ ۖ إِنَّهَا لَظَىٰ ۝ نَزَّاعَةً لِّلشَّوَىٰ ۝ تَدْعُوا۟ مَنْ أَدْبَرَ وَتَوَلَّىٰ ۝ وَجَمَعَ فَأَوْعَىٰٓ ۝

17 إِنَّ ٱلْإِنسَٰنَ خُلِقَ هَلُوعًا ۝ إِذَا مَسَّهُ ٱلشَّرُّ جَزُوعًا ۝ وَإِذَا مَسَّهُ ٱلْخَيْرُ مَنُوعًا ۝

18 إِلَّا ٱلْمُصَلِّينَ ۝ ٱلَّذِينَ هُمْ عَلَىٰ صَلَاتِهِمْ دَآئِمُونَ ۝ وَٱلَّذِينَ فِيٓ أَمْوَٰلِهِمْ حَقٌّ مَّعْلُومٌ ۝ لِّلسَّآئِلِ وَٱلْمَحْرُومِ ۝

Digitized by Google

19 ... ...

Digitized by Google

29 ... ...

۳۴ داؤد نے شاؤل سے کہا، "آپ کا خادم اپنے باپ کی بکریوں کی
رکھوالی کرتا تھا۔ جب کبھی شیر یا ریچھ آ کر ریوڑ میں سے
کوئی بھیڑ لے جاتا تھا، ۳۵ تو میں اس کا پیچھا کرتا، اسے مار
کر بھیڑ اس کے منہ سے چھڑا لیتا تھا۔ اگر وہ مجھ پر حملہ
کرتا تھا تو میں اس کی داڑھی پکڑ کر اسے مار ڈالتا تھا۔

۱۷

۱ فلستی اپنی فوجیں جمع کر کے جنگ کرنے کے لئے تیار ہو گئے۔
وہ یہوداہ کے شہر سوکہ کے پاس جمع ہوئے اور سوکہ اور عزیقہ
کے درمیان افسدمیم میں خیمہ زن ہوئے۔ ۲ شاؤل اور اسرائیلی
بھی جمع ہو کر وادی ایلہ میں خیمہ زن ہوئے اور فلستیوں کے
خلاف صف آرا ہو گئے۔ ۳ فلستی ایک پہاڑ پر تھے اور اسرائیلی
دوسرے پہاڑ پر، اور ان کے درمیان وادی تھی۔

۴ پھر فلستیوں کی صفوں میں سے ایک پہلوان نکل کر سامنے آیا۔
اس کا نام جلیات تھا اور وہ جت شہر کا رہنے والا تھا۔ وہ تقریباً

5 ಆಗ ಅವರಲ್ಲಿ ಕೆಲವರು ಎದ್ದು ಅವನಿಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಸುಳ್ಳು ಸಾಕ್ಷಿ ಹೇಳಿ ಅವನು ಹೀಗೆ ಹೇಳಿದನೆಂದು ಹೇಳಿದರು: 6 ಯೇಸು ಎಂಬ ಈ ನಜರೇತಿನವನು ಈ ಸ್ಥಳವನ್ನು ಕೆಡವಿಬಿಟ್ಟು ಮೋಶೆಯು ನಮಗೆ ಒಪ್ಪಿಸಿದ ಆಚಾರಗಳನ್ನು ಬದಲಾಯಿಸುವನೆಂದು ಇವನು ಹೇಳುವದನ್ನು ನಾವು ಕೇಳಿದ್ದೇವೆ. 7 ಆಗ ಸಭೆಯಲ್ಲಿ ಕುಳಿತಿದ್ದವರೆಲ್ಲರು ಅವನ ಕಡೆಗೆ ದೃಷ್ಟಿಯಿಟ್ಟು ನೋಡಿದಾಗ ಅವನ ಮುಖವು ದೇವದೂತನ ಮುಖದಂತೆ ಕಾಣಿಸಿತು.

8 ಆಗ ಪ್ರಧಾನಯಾಜಕನು ಇವರಿಗೆ ಹೀಗೆ ಕೇಳಿದನು: ಇವರು ಹೇಳಿದ ಈ ಸಂಗತಿಗಳು ಹೀಗೆ ಇವೆಯೋ? 9 ಅದಕ್ಕೆ ಅವನು ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ: ಸಹೋದರರೇ, ತಂದೆಗಳೇ, ನನ್ನ ಮಾತನ್ನು ಕೇಳಿರಿ. ನಮ್ಮ ತಂದೆಯಾದ ಅಬ್ರಹಾಮನು ಮೆಸೊಪೊತಾಮ್ಯದಲ್ಲಿರುವಾಗ ಅವನಿಗೆ ಮಹಿಮೆಯ ದೇವರು ಕಾಣಿಸಿಕೊಂಡು ಹಾರಾನಿನಲ್ಲಿ ವಾಸಿಸುವದಕ್ಕಿಂತ ಮುಂಚೆ 10 ಅವನಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ: ನೀನು ನಿನ್ನ ದೇಶವನ್ನೂ ನಿನ್ನ ಬಂಧುಗಳನ್ನೂ ಬಿಟ್ಟು ನಾನು ನಿನಗೆ ತೋರಿಸುವ ದೇಶಕ್ಕೆ ಬಾ ಎಂದು ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ:

Digitized by Google

ಅವರು ಮಾತನಾಡುವಾಗ ಅವರ ಮಧ್ಯದಲ್ಲಿ ಯೇಸು ಸ್ವತಃ ನಿಂತುಕೊಂಡು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದು ಏನೆಂದರೆ, "ನಿಮಗೆ ಶಾಂತಿ ಸಮಾಧಾನ ಉಂಟಾಗಲಿ."

11 ಆಗ ಅವರು ಗಾಬರಿಯಾಗಿ ಭಯಪಟ್ಟು ತಾವು ಒಂದು ಆತ್ಮವನ್ನು ನೋಡುತ್ತಿದ್ದೇವೆಂದು ಯೋಚಿಸಿದರು. **12** ಆಗ ಆತನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದು ಏನೆಂದರೆ, "ನೀವು ಯಾಕೆ ಕಳವಳಗೊಂಡಿದ್ದೀರಿ? ನಿಮ್ಮ ಹೃದಯಗಳಲ್ಲಿ ಯಾಕೆ ಸಂದೇಹಗಳು ಏಳುತ್ತಿವೆ? ನನ್ನ ಕೈಗಳನ್ನೂ ಪಾದಗಳನ್ನೂ ನೋಡಿರಿ. ನಾನೇ ಅವನು ಎಂಬುದು ನಿಮಗೆ ತಿಳಿಯುವುದು. ನನ್ನನ್ನು ಮುಟ್ಟಿ ನೋಡಿರಿ. ಆತ್ಮಕ್ಕೆ ಮಾಂಸ ಮತ್ತು ಎಲುಬುಗಳು ಇರುವುದಿಲ್ಲ. ನನಗೆ ಇವೆಲ್ಲವೂ ಇರುವುದನ್ನು ನೀವು ನೋಡಬಹುದು."

13 ಇದನ್ನು ಹೇಳಿದ ನಂತರ ಆತನು ತನ್ನ ಕೈಗಳನ್ನೂ ಪಾದಗಳನ್ನೂ ಅವರಿಗೆ ತೋರಿಸಿದನು. **14** ಅವರು ಇನ್ನೂ ಸಂತೋಷದಿಂದ ಆಶ್ಚರ್ಯಪಡುತ್ತಿರುವಾಗ ಆತನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದು ಏನೆಂದರೆ, "ನಿಮ್ಮಲ್ಲಿ ಏನಾದರೂ ತಿನ್ನಲು ಇದೆಯೇ?" **15** ಆಗ ಅವರು ಆತನಿಗೆ ಸುಟ್ಟ ಮೀನಿನ ತುಂಡನ್ನು ಕೊಟ್ಟರು. ಆತನು ಅದನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಅವರ ಮುಂದೆ ತಿಂದನು.

Digitized by Google

16 ...

17 ...

18 ...

19 ...

20 ...

21 ...

Digitized by Google

22 ואם בחמת אחיו אחד מהם ואמר לו אל תחטא לי ואל תחטא לאחיך ולאמך ולאחותך ולאשתך ולבניך ולבנותיך ולעבדיך ולשפחותיך ולכל אשר לך ולכל אשר לאחיך ולכל אשר לאמך ולכל אשר לאחותך ולכל אשר לאשתך ולכל אשר לבניך ולכל אשר לבנותיך ולכל אשר לעבדיך ולכל אשר ל

27 ויהי הוא עלה משם בית אל ובעלתו בדרך ומקטנים יצאו ויתקללהו ויאמרו לו עלה קרח עלה קרח 28 ויפן אחריו וירא אתם ויקללם בשם יהוה ותצאנה שתי דבים מן היער ותבקענה מהם ארבים ושנים ילדים

פרק ג

1 ויהורם בן אחאב מלך על ישראל בשמרון בשנת שמונה עשרה ליהושפט מלך יהודה וימלך שתים עשרה שנה 2 ויעש הרע בעיני יהוה רק לא כאביו ולא כאמו ויסר את מצבת הבעל אשר עשה אביו 3 רק בחטאות ירבעם בן נבט אשר החטיא את ישראל דבק לא סר ממנו

Digitized by Google

4 וְהָיָה כִּי־יָבֹא אֶל־הָאָרֶץ אֲשֶׁר יְהוָה אֱלֹהֶיךָ נֹתֵן לְךָ נַחֲלָה וִירִשְׁתָּהּ וְיָשַׁבְתָּ בָּהּ׃ וְלָקַחְתָּ מֵרֵאשִׁית כָּל־פְּרִי הָאֲדָמָה אֲשֶׁר תָּבִיא מֵאַרְצְךָ אֲשֶׁר יְהוָה אֱלֹהֶיךָ נֹתֵן לָךְ וְשַׂמְתָּ בַּטֶּנֶא וְהָלַכְתָּ אֶל־הַמָּקוֹם אֲשֶׁר יִבְחַר יְהוָה אֱלֹהֶיךָ לְשַׁכֵּן שְׁמוֹ שָׁם׃

5 וּבָאתָ אֶל־הַכֹּהֵן אֲשֶׁר יִהְיֶה בַּיָּמִים הָהֵם וְאָמַרְתָּ אֵלָיו הִגַּדְתִּי הַיּוֹם לַיהוָה אֱלֹהֶיךָ כִּי־בָאתִי אֶל־הָאָרֶץ אֲשֶׁר נִשְׁבַּע יְהוָה לַאֲבֹתֵינוּ לָתֵת לָנוּ׃

6 וְלָקַח הַכֹּהֵן הַטֶּנֶא מִיָּדֶךָ וְהִנִּיחוֹ לִפְנֵי מִזְבַּח יְהוָה אֱלֹהֶיךָ׃

7 וְעָנִיתָ וְאָמַרְתָּ לִפְנֵי יְהוָה אֱלֹהֶיךָ אֲרַמִּי אֹבֵד אָבִי וַיֵּרֶד מִצְרַיְמָה וַיָּגָר שָׁם בִּמְתֵי מְעָט וַיְהִי שָׁם לְגוֹי גָּדוֹל עָצוּם וָרָב׃

8 וַיָּרֵעוּ אֹתָנוּ הַמִּצְרִים וַיְעַנּוּנוּ וַיִּתְּנוּ עָלֵינוּ עֲבֹדָה קָשָׁה׃

9 וַנִּצְעַק אֶל־יְהוָה אֱלֹהֵי אֲבֹתֵינוּ וַיִּשְׁמַע יְהוָה אֶת־קֹלֵנוּ וַיַּרְא אֶת־עָנְיֵנוּ וְאֶת־עֲמָלֵנוּ וְאֶת־לַחֲצֵנוּ׃

Digitized by Google

Digitized by Google

15 ואת־בת־האשה ואת־בתה לא תקח לקחת את־בת־בנה ואת־בת־בתה לגלות ערותה שאר הנה זמה הוא׃

16 ואשת־אחיך לא תגלה ערות אחיך הוא׃

17 ערות אשה ובתה לא תגלה את־בת־בנה ואת־בת־בתה לא תקח לגלות ערותה שארה הנה זמה הוא׃

18 ואשה אל־אחותה לא תקח לצרר לגלות ערותה עליה בחיה׃

19 ואל־אשת עמיתך לא תתן שכבתך לזרע לטמאה־בה׃

20 ומאת עמיתך לא־תתן שכבת זרע לטמאה־בה׃

21 ומזרעך לא־תתן להעביר למלך ולא תחלל

Digitized by Google

26 ...

25 ...

24 ...

23 ...

22 ...

Digitized by Google

31 ויאמר יהוה אל־משה ואל־אהרן יען לא־האמנתם בי להקדישני לעיני בני ישראל לכן לא תביאו את־הקהל הזאת אל־הארץ אשר נתתי להם׃

32 וידבר משה אל־בני ישראל כן ויקחו את־הלוים מעל משה מעל אהרן ומעל העדה׃

33 ויפקדו את־בני קהת למשפחתם ולבית אבתם ויהיו חדשים שנה ומעלה ועד בן־חמשים שנה כל־הבא לצבא לעשות מלאכה באהל מועד׃

34 ויהיו פקדיהם לשבטיהם שלשת אלפים ושבע מאות וחמשים׃

35 ויהי מספר בני־קהת למשפחתם כל־הבא לעבד באהל מועד ויפקדו משה ואהרן על־פי יהוה ביד־משה׃

Digitized by Google

36 و چون نزدیک اورشلیم رسیدند و به بیت فاجی بر کوه زیتون آمدند، دو شاگرد خود را روانه کرده، **37** بدیشان گفت: «به دهی که روبروی شماست بروید و چون داخل آن شوید، بی‌درنگ کرّه‌الاغی را بسته خواهید یافت که هیچ کس تا کنون بر آن ننشسته است. آن را باز کرده، نزد من آورید. **38** و اگر کسی چیزی به شما گفت، بگویید که خداوند به آنها احتیاج دارد و بی‌درنگ آنها را پس خواهد فرستاد.»

39 و چون نزدیک اورشلیم رسیدند، بر کرّه‌الاغ سوار شد و به سوی شهر روانه گشت. **40** در راه، مردم لباسهای خود را بر زمین پهن می‌کردند تا او بر آنها بگذرد. و چون به سرازیری کوه زیتون رسید، تمامی شاگردان شروع کردند به شادی و با صدای بلند خدا را به خاطر معجزاتی که دیده بودند، تسبیح گفتند و گفتند:

Digitized by Google

۱۳۵

1 ای اهل عالم خدا را تسبیح بگویید، و ای امت‌ها همه او را ستایش کنید، زیرا که رحمت او بر ما قوی است، و راستی خداوند تا ابد باقی است. هللویاه.

2 ای همه امت‌ها خداوند را تسبیح بگویید، و ای جمیع قبایل او را ستایش کنید، زیرا که رحمت او بر ما قوی است، و راستی خداوند تا ابد باقی است. هللویاه.

3 ای اهل عالم خدا را تسبیح بگویید، و ای امت‌ها همه او را ستایش کنید، زیرا که رحمت او بر ما قوی است، و راستی خداوند تا ابد باقی است. هللویاه.

4 ای همه امت‌ها خداوند را تسبیح بگویید، و ای جمیع قبایل او را ستایش کنید، زیرا که رحمت او بر ما قوی است، و راستی خداوند تا ابد باقی است. هللویاه.

5 ای اهل عالم خدا را تسبیح بگویید، و ای امت‌ها همه او را ستایش کنید، زیرا که رحمت او بر ما قوی است، و راستی خداوند تا ابد باقی است.

Digitized by Google

9 וְהִנֵּה מַלְאַךְ יְהוָה עָמַד וְאֵשׁ נִבְעֲרָה עַל־הַסֶּלַע מִמִּנְחָה וַיִּרְאוּ הָעָם וַיִּפְּלוּ עַל־פְּנֵיהֶם׃ וַיְהִי כַּאֲשֶׁר עָלְתָה הַלַּהַב מֵעַל הַמִּזְבֵּחַ הַשָּׁמַיְמָה וַיַּעַל מַלְאַךְ יְהוָה בְּלַהַב הַמִּזְבֵּחַ וַיִּרְאוּ וַיִּפְּלוּ עַל־פְּנֵיהֶם אַרְצָה׃ וְלֹא־יָסַף מַלְאַךְ יְהוָה עוֹד לְהֵרָאוֹת אֶל־מָנוֹחַ וְאֶל־אִשְׁתּוֹ אָז יָדַע מָנוֹחַ כִּי מַלְאַךְ יְהוָה הוּא׃

10 וַיֹּאמֶר מָנוֹחַ אֶל־אִשְׁתּוֹ מוֹת נָמוּת כִּי־רָאִינוּ אֱלֹהִים׃ וַתֹּאמֶר אִשְׁתּוֹ לוּ חָפֵץ יְהוָה לַהֲמִיתֵנוּ לֹא־לָקַח מִיָּדֵנוּ עֹלָה וּמִנְחָה וְלֹא הֶרְאָנוּ אֶת־כָּל־אֵלֶּה וְכָעֵת לֹא הִשְׁמִיעָנוּ כָּזֹאת׃

11 וַיָּקָם מָנוֹחַ וַיֵּלֶךְ אַחֲרֵי אִשְׁתּוֹ וַיָּבֹא אֶל־הָאִישׁ וַיֹּאמֶר לוֹ הַאַתָּה הָאִישׁ אֲשֶׁר דִּבַּרְתָּ אֶל־הָאִשָּׁה וַיֹּאמֶר אָנִי׃

12 וַיֹּאמֶר מָנוֹחַ עַתָּה יָבֹא דְבָרֶיךָ מַה־יִּהְיֶה מִשְׁפַּט הַנַּעַר וּמַעֲשֵׂהוּ׃

13 וַיֹּאמֶר מַלְאַךְ יְהוָה אֶל־מָנוֹחַ מִכֹּל אֲשֶׁר אָמַרְתִּי אֶל־הָאִשָּׁה תִּשָּׁמֶר׃

14 מִכֹּל אֲשֶׁר־יֵצֵא מִגֶּפֶן הַיַּיִן לֹא תֹאכַל וְיַיִן וְשֵׁכָר אַל־תֵּשְׁתְּ וְכָל־טֻמְאָה אַל־תֹּאכַל כֹּל אֲשֶׁר צִוִּיתִיהָ תִּשְׁמֹר׃

15 וַיֹּאמֶר מָנוֹחַ אֶל־מַלְאַךְ יְהוָה נָא נַעְצָרְךָ וְנַעֲשֶׂה לְפָנֶיךָ גְּדִי עִזִּים׃

16 וַיֹּאמֶר מַלְאַךְ יְהוָה אֶל־מָנוֹחַ אִם־תַּעְצְרֵנִי לֹא־אֹכַל בְּלַחְמֶךָ וְאִם־תַּעֲשֶׂה עֹלָה לַיהוָה תַּעֲלֶנָּה כִּי לֹא יָדַע מָנוֹחַ כִּי מַלְאַךְ יְהוָה הוּא׃

17 וַיֹּאמֶר מָנוֹחַ אֶל־מַלְאַךְ יְהוָה מִי שְׁמֶךָ כִּי יְכַבְּדוּךָ בְּבֹא דְבָרֶיךָ׃

18 וַיֹּאמֶר לוֹ מַלְאַךְ יְהוָה לָמָּה זֶּה תִּשְׁאַל לִשְׁמִי וְהוּא פֶלִאִי׃

19 וַיִּקַּח מָנוֹחַ אֶת־גְּדִי הָעִזִּים וְאֶת־הַמִּנְחָה וַיַּעַל עַל־הַצּוּר לַיהוָה וּמַפְלִא לַעֲשׂוֹת וּמָנוֹחַ וְאִשְׁתּוֹ רֹאִים׃

20 וַיְהִי בַּעֲלוֹת הַלַּהַב מֵעַל הַמִּזְבֵּחַ הַשָּׁמַיְמָה וַיַּעַל מַלְאַךְ יְהוָה בְּלַהַב הַמִּזְבֵּחַ וּמָנוֹחַ וְאִשְׁתּוֹ רֹאִים וַיִּפְּלוּ עַל־פְּנֵיהֶם אָרְצָה׃

Digitized by Google

11 ... ...

ויעשו מלאכה ויהי בידם לחזק הבית ויעמדו את הכהנים בבגדיהם עם חצוצרות׃

14 ויהי כאשר הוציאו את הכסף אשר הביאו בית יהוה ויעזר חלקיהו הכהן את ספר תורת יהוה ביד משה׃

15 ויען חלקיהו ויאמר אל שפן הסופר את ספר התורה מצאתי בבית יהוה ויתן חלקיהו את הספר אל שפן׃

16 ויבא שפן את הספר אל המלך וישב עוד את דבר המלך לאמר כל אשר נתן לעבדיך עשים׃

17 ויתכו את הכסף הנמצא בבית יהוה ויתנו ביד הפקדים ביד עשי המלאכה׃

18 ויגד שפן הסופר למלך לאמר ספר נתן לי חלקיהו הכהן ויקרא בו שפן לפני המלך׃

19 ויהי כשמע המלך את דברי התורה ויקרע את בגדיו׃

20 ויצו המלך את חלקיהו ואת אחיקם בן שפן ואת עבדון בן מיכה ואת שפן הסופר ואת עשיה עבד המלך לאמר׃

21 לכו דרשו את יהוה בעדי ובעד הנשאר בישראל ובעד כל יהודה על דברי הספר הנמצא הזה כי גדולה חמת יהוה אשר נתכה בנו על אשר לא שמרו אבותינו את דבר יהוה לעשות ככל הכתוב על הספר הזה׃

Digitized by Google

22 ויקם המלך יהואש חסד אשר לא זכר יהוידע אביו עמו ויהרג את בנו ובאמרו יראה יהוה וידרש׃
23 ויהי לתקופת השנה עלה לו ארם ויבא אל יהודה וירושלם וישחת את כל שרי העם מעם ושללם כל שללם ושלחו אל מלך דמשק׃
24 כי במעט אנשים באה חיל ארם ויהוה נתן בידם חיל רב מאד יען עזבו את יהוה אלהי אבותם ואת שפטי יהואש עשו׃
25 ובלכתם מעליו כי עזבוהו במחלאים רבים עשו קשר עליו עבדיו בדמי בני יהוידע הכהן ויהרגהו על משכבו וימת ויקברו אותו בעיר דוד ולא קברו אותו בקברות המלכים׃
26 ואלה הקשרים עליו זבד בן שמעת העמונית ויהוזבד בן שמרית המואבית׃
27 ובניו ועל אודות המשא הגדול עליו והיסוד בית האלהים הנם כתובים על מדרש ספר המלכים וימלך אמציה בנו תחתיו׃

Digitized by Google

27 ואם־אמר יאמר העבד אהבתי את־אדני את־אשתי ואת־בני לא אצא חפשי׃ **28** והגיש אדניו אל־האלהים והגישו אל־הדלת או אל־המזוזה ורצע אדניו את־אזנו במרצע ועבדו לעלם׃ **29** וכי־ימכר איש את־בתו לאמה לא תצא כצאת העבדים׃ **30** אם־רעה בעיני אדניה אשר־לו יעדה ולא־נאל ולמכר לעם נכרי לא־ימשל בבגדו־בה׃ **31** ואם־לבנו יעדנה כמשפט הבנות יעשה־לה׃ **32** אם־אחרת יקח לו שארה כסותה ועונתה לא יגרע׃ **33** ואם־שלוש־אלה לא יעשה לה ויצאה חנם אין כסף׃ **34** מכה איש ומת מות יומת׃ **35** ואשר לא צדה והאלהים אנה לידו ושמתי לך מקום אשר ינוס שמה׃ **36** וכי־יזד איש על־רעהו להרגו בערמה מעם מזבחי תקחנו למות׃ **37** ומכה אביו ואמו מות יומת׃ **38** וגנב איש ומכרו ונמצא בידו מות יומת׃ **39** ואם־יקלל איש את־אביו ואת־אמו מות יומת׃ **40** ואם־נצו אנשים ונגף איש את־אשת רעהו והוא לא ימות ונפל לאשכבה׃ **41** אם־יקום והתהלך בחוץ על־משענתו והיה המכה נקה רק שבתו יתן ורפא ירפא׃ **42** וכי־יכה איש את־עין עבדו או־את־עין אמתו ושחתה לחפשי ישלחנו תחת עינו׃ **43** ואם־שן עבדו או־שן אמתו יפיל לחפשי ישלחנו תחת שנו׃ **44** וכי־יגח שור את־איש או את־אשה ומת אם־עד יודע הוא בשורו ולא ישמרנו והמית איש או אשה השור יסקל וגם־בעליו יומת׃ **45** אם־שור נגח הוא מתמל שלשם ולא הועד בבעליו והמית איש או אשה השור יסקל וגם־בעליו יומת׃ **46** אם־כפר יושת עליו ונתן פדון נפשו ככל אשר־יושת עליו׃ **47** או־בן יגח או־בת כמשפט הזה יעשה־לו׃ **48** אם־עבד יגח השור או אמה כסף שלשים שקלים יתן לאדניו והשור יסקל׃ **49** וכי־יפתח איש בור או כי־יכרה איש בור ולא יכסנו והפל־שמה שור או חמור׃ **50** בעל הבור ישלם כסף ישיב לבעליו והמת יהיה־לו׃ **51** ושור איש את־שור רעהו ומת והיו לו את־השור החי וחצו את־כספו וגם את־המת יחצון׃ **52** או נודע כי שור נגח הוא מתמל שלשם ולא כפרו בעליו שלם ישלם שור תחת השור והמת יהיה־לו׃ **53** וכי־יגנב איש שור או שה וטבחו או מכרו חמשה בקר ישלם תחת השור וארבע־צאן תחת השה׃ **54** אם־במחתרת ימצא הגנב והכה ומת אין לו דמים׃ **55** אם־זרחה השמש עליו דמים לו שלם ישלם אם־אין לו ונמכר בגנבתו׃ **56** אם־המצא תמצא בידו הגנבה משור עד חמור עד־שה חיים שנים ישלם׃ **57** כי־יבער איש שדה או־כרם ושלח את־בעירה ובער בשדה אחר מיטב שדהו ומיטב כרמו ישלם׃ **58** כי־תצא אש ומצאה קצים ונאכל גדיש או־הקמה או השדה כי יבער הבעירה ישלם שלם המבעיר את־הבערה׃ **59** כי־יתן איש אל־רעהו כסף או כלים לשמר ונגנב מבית האיש אם־ימצא הגנב ישלם שנים׃ **60** אם־לא ימצא הגנב ונקרב בעל הבית אל־האלהים אם־לא שלח ידו במלאכת רעהו׃ **61** על־כל־דבר־פשע על־שור על־חמור על־שה על־שלמה על־כל־אבדה אשר יאמר כי־הוא זה עד הבעלים יבוא דבר שניהם אשר ירשיענון אלהים ישלם שנים לרעהו׃ **62** כי־יתן איש אל־רעהו חמור או־שור או־שה וכל־בהמה לשמר ומת או־נשבר או נשבה אין ראה׃ **63** שבועת יהוה תהיה בין שניהם אם־לא שלח ידו במלאכת רעהו ולקח בעליו ולא ישלם׃ **64** ואם־גנב יגנב מעמו ישלם לבעליו׃ **65** אם־טרף יטרף יביאהו עד הטרפה לא ישלם׃ **66** וכי־ישאל איש מעם רעהו ונשבר או־מת בעליו אין־עמו שלם ישלם׃ **67** אם־בעליו עמו לא ישלם אם־שכיר הוא בא בשכרו׃ **68** וכי־יפתה איש בתולה אשר לא־ארשה ושכב עמה מהר ימהרנה לו לאשה׃ **69** אם־מאן ימאן אביה לתתה לו כסף ישקל כמהר הבתולת׃ **70** מכשפה לא תחיה׃ **71** כל־שכב עם־בהמה מות יומת׃ **72** הזבח לאלהים יחרם בלתי ליהוה לבדו׃ **73** וגר לא תונה ולא תלחצנו כי־גרים הייתם בארץ מצרים׃ **74** כל־אלמנה ויתום לא תענון׃ **75** אם־ענה תענה אתו כי אם־צעק יצעק אלי שמע אשמע צעקתו׃ **76** וחרה אפי והרגתי אתכם בחרב והיו נשיכם אלמנות ובניכם יתמים׃ **77** אם־כסף תלוה את־עמי את־העני עמך לא־תהיה לו כנשה לא־תשימון עליו נשך׃ **78** אם־חבל תחבל שלמת רעך עד־בא השמש תשיבנו לו׃ **79** כי היא כסתה לבדה היא שמלתו לעורו במה ישכב והיה כי־יצעק אלי ושמעתי כי־חנון אני׃ **80** אלהים לא תקלל ונשיא בעמך לא תאר׃ **81** בכור בניך תתן־לי כן תעשה לשורך לשאנך שבעת ימים יהיה עם־אמו ביום השמיני תתנו־לי׃ **82** ואנשי קדש תהיון לי ובשר בשדה טרפה לא תאכלו לכלב תשלכון אתו׃ **83** לא תשא שמע שוא אל־תשת ידך עם־רשע להיות עד חמס׃ **84** לא־תהיה אחרי־רבים לרעת ולא־תענה על־ריב לנטת אחרי־רבים להטת׃ **85** ודל לא תהדר בריבו׃ **86** כי תפגע שור אויבך או חמרו תעה השב תשיבנו לו׃ **87** כי תראה חמור שנאך רבץ תחת משאו וחדלת מעזב לו עזב תעזב עמו׃ **88** לא תטה משפט אביונך בריבו׃ **89** מדבר שקר תרחק ונקי וצדיק אל־תהרג כי לא־אצדיק רשע׃ **90** ושחד לא תקח כי השחד יעור פקחים ויסלף דברי צדיקים׃ **91** וגר לא תלחץ ואתם ידעתם את־נפש הגר כי־גרים הייתם בארץ מצרים׃ **92** ושש שנים תזרע את־ארצך ואספת את־תבואתה׃ **93** ושבעית תשמטנה ונטשתה ואכלו אביני עמך ויתרם תאכל חית השדה כן תעשה לכרמך לזיתך׃ **94** ששת ימים תעשה מעשיך וביום השביעי תשבת למען ינוח שורך וחמרך ויפש בן־אמתך והגר׃ **95** ובכל אשר אמרתי אליכם תשמרו ושם אלהים אחרים לא תזכירו לא יעבר על־פיך׃ **96** שלש רגלים תחג לי בשנה׃ **97** את חג המצות תשמר שבעת ימים תאכל מצות כאשר צויתיך למועד חדש האביב כי בו יצאת ממצרים ולא יראו פני ריקם׃ **98** וחג הקצר בכורי מעשיך אשר תזרע בשדה וחג האסף בצאת השנה באספך את־מעשיך מן־השדה׃ **99** שלש פעמים בשנה יראה כל־זכורך אל־פני האדן יהוה׃ **100** לא־תזבח על־חמץ דם־זבחי ולא־ילין חלב־חגי עד־בקר׃ **101** ראשית בכורי אדמתך תביא בית יהוה אלהיך לא־תבשל גדי בחלב אמו׃ **102** הנה אנכי שלח מלאך לפניך לשמרך בדרך ולהביאך אל־המקום אשר הכנתי׃ **103** השמר מפניו ושמע בקלו אל־תמר בו כי לא ישא לפשעכם כי שמי בקרבו׃ **104** כי אם־שמוע תשמע בקלו ועשית כל אשר אדבר ואיבתי את־איביך ואצרתי את־צרריך׃ **105** כי־ילך מלאכי לפניך והביאך אל־האמרי והחתי והפרזי והכנעני החוי והיבוסי והכחדתיו׃ **106** לא־תשתחוה לאלהיהם ולא תעבדם ולא תעשה כמעשיהם כי הרס תהרסם ושבר תשבר מצבתיהם׃ **107** ועבדתם את־יהוה אלהיכם וברך את־לחמך ואת־מימיך והסרתי מחלה מקרבך׃ **108** לא תהיה משכלה ועקרה בארצך את־מספר ימיך אמלא׃ **109** את־אימתי אשלח לפניך והמתי את כל־העם אשר תבוא בהם ונתתי את־כל־אויביך אליך ערף׃ **110** ושלחתי את־הצרעה לפניך וגרשה את־החוי את־הכנעני ואת־החתי מלפניך׃ **111** לא אגרשנו מפניך בשנה אחת פן־תהיה הארץ שממה ורבה עליך חית השדה׃ **112** מעט מעט אגרשנו מפניך עד אשר תפרה ונחלת את־הארץ׃ **113** ושתי את־גבולך מים־סוף ועד־ים פלשתים וממדבר עד־הנהר כי אתן בידכם את־יושבי הארץ וגרשתמו מפניך׃ **114** לא־תכרת להם ולאלהיהם ברית׃ **115** לא־ישבו בארצך פן־יחטיאו אתך לי כי תעבד את־אלהיהם כי־יהיה לך למוקש׃ **116** ויאמר אל־משה עלה אל־יהוה אתה ואהרן נדב ואביהוא ושבעים מזקני ישראל והשתחויתם מרחק׃ **117** ונגש משה לבדו אל־יהוה והם לא יגשו ועם לא־יעלו אתו׃ **118** ויבא משה ויספר לעם את כל־דברי יהוה ואת כל־המשפטים ויען כל־העם קול אחד ויאמרו כל הדברים אשר דבר יהוה נעשה׃ **119** ויכתב משה את כל־דברי יהוה וישכם בבקר ויבן מזבח תחת ההר ושתים עשרה מצבה לשנים עשר שבטי ישראל׃ **120** וישלח את־נערי בני־ישראל ויעלו עלת ויזבחו זבחים שלמים ליהוה פרים׃ **121** ויקח משה חצי הדם וישם באגנת וחצי הדם זרק על־המזבח׃ **122** ויקח ספר הברית ויקרא באזני העם ויאמרו כל אשר דבר יהוה נעשה ונשמע׃ **123** ויקח משה את־הדם ויזרק על־העם ויאמר הנה דם הברית אשר כרת יהוה עמכם על כל־הדברים האלה׃ **124** ויעל משה ואהרן נדב ואביהוא ושבעים מזקני ישראל׃ **125** ויראו את־אלהי ישראל ותחת רגליו כמעשה לבנת הספיר וכעצם השמים לטהר׃ **126** ואל־אצילי בני־ישראל לא שלח ידו ויחזו את־האלהים ויאכלו וישתו׃ **127** ויאמר יהוה אל־משה עלה אלי ההרה והיה־שם ואתנה לך את־לחת האבן והתורה והמצוה אשר כתבתי להורתם׃ **128** ויקם משה ויהושע משרתו ויעל משה אל־הר האלהים׃ **129** ואל־הזקנים אמר שבו־לנו בזה עד אשר־נשוב אליכם והנה אהרן וחור עמכם מי בעל דברים יגש אליהם׃ **130** ויעל משה אל־ההר ויכס הענן את־ההר׃ **131** וישכן כבוד־יהוה על־הר סיני ויכסהו הענן ששת ימים ויקרא אל־משה ביום השביעי מתוך הענן׃ **132** ומראה כבוד־יהוה כאש אכלת בראש ההר לעיני בני־ישראל׃ **133** ויבא משה בתוך הענן ויעל אל־ההר ויהי משה בהר ארבעים יום וארבעים לילה׃ **134** וידבר יהוה אל־משה לאמר׃ **135** דבר אל־בני־ישראל ויקחו־לי תרומה מאת כל־איש אשר ידבנו לבו תקחו את־תרומתי׃ **136** וזה התרומה אשר תקחו מאתם זהב וכסף ונחשת׃ **137** ותכלת וארגמן ותולעת שני ושש ועזים׃ **138** ועורת אילם מאדמים וערת תחשים ועצי שטים׃ **139** שמן למאור בשמים לשמן המשחה ולקטרת הסמים׃ **140** אבני שהם ואבני מלאים לאפד ולחשן׃ **141** ועשו לי מקדש ושכנתי בתוכם׃ **142** ככל אשר אני מראה אתך את תבנית המשכן ואת תבנית כל־כליו וכן תעשו׃ **143** ועשו ארון עצי שטים אמתים וחצי ארכו ואמה וחצי רחבו ואמה וחצי קומתו׃ **144** וצפית אתו זהב טהור מבית ומחוץ תצפנו ועשית עליו זר זהב סביב׃ **145** ויצקת לו ארבע טבעת זהב ונתתה על־ארבע פעמתיו ושתי טבעת על־צלעו האחת ושתי טבעת על־צלעו השנית׃ **146** ועשית בדי עצי שטים וצפית אתם זהב׃ **147** והבאת את־הבדים בטבעת על־צלעי הארון לשאת את־הארון בהם׃ **148** בטבעת הארון יהיו הבדים לא יסרו ממנו׃ **149** ונתת אל־הארון את־העדות אשר אתן אליך׃ **150** ועשית כפרת זהב טהור אמתים וחצי ארכה ואמה וחצי רחבה׃ **151** ועשית שני כרבים זהב מקשה תעשה אתם מן־שני קצות הכפרת׃ **152** ועשה כרוב אחד מקצה מזה וכרוב אחד מקצה מזה מן־הכפרת תעשו את־הכרבים על־שני קצותיו׃ **153** והיו הכרבים פרשי כנפים למעלה סככים בכנפיהם על־הכפרת ופניהם איש אל־אחיו אל־הכפרת יהיו פני הכרבים׃ **154** ונתת את־הכפרת על־הארון ומלמעלה לארון תתן את־העדות אשר אתן אליך׃ **155** ונועדתי לך שם ודברתי אתך מעל הכפרת מבין שני הכרבים אשר על־ארון העדת את כל־אשר אצוה אתך אל־בני ישראל׃ **156** ועשית שלחן עצי שטים אמתים ארכו ואמה רחבו ואמה וחצי קומתו׃ **157** וצפית אתו זהב טהור ועשית לו זר זהב סביב׃ **158** ועשית לו מסגרת טפח סביב ועשית זר־זהב למסגרתו סביב׃ **159** ועשית לו ארבע טבעת זהב ונתתה את־הטבעת על־ארבע הפאת אשר לארבע רגליו׃ **160** לעמת המסגרת יהיו הטבעת בתים לבדים לשאת את־השלחן׃ **161** ועשית את־הבדים עצי שטים וצפית אתם זהב ונשא בהם את־השלחן׃ **162** ועשית את־קערתיו וכפתיו וקשותיו ומנקיתיו אשר יסך בהם לבונה זהב טהור תעשה אתם׃ **163** ועשית על־השלחן לחם פנים לפני תמיד׃ **164** ועשית מנרת זהב טהור מקשה תעשה המנרה ירכה וקנה גביעיה כפתריה ופרחיה ממנה יהיו׃ **165** ושש קנים יצאים מצדיה שלשה קני מנרה מצדה האחד ושלשה קני מנרה מצדה השני׃ **166** שלשה גביעים משקדים בקנה האחד כפתר ופרח ושלשה גביעים משקדים בקנה האחד כפתר ופרח כן לששת הקנים היוצאים מן־המנרה׃ **167** ובמנרה ארבעה גביעים משקדים כפתריה ופרחיה׃ **168** וכפתר תחת שני הקנים ממנה וכפתר תחת שני הקנים ממנה וכפתר תחת שני הקנים ממנה לששת הקנים היוצאים מן־המנרה׃ **169** כפתריהם וקניהם ממנה יהיו כלה מקשה אחת זהב טהור׃ **170** ועשית נרתיה שבעה והעלה את־נרתיה והאיר על־עבר פניה׃ **171** ומלקחיה ומחתתיה זהב טהור׃ **172** ככר זהב טהור יעשה אתה את כל־הכלים האלה׃ **173** וראה ועשה בתבניתם אשר אתה מרא בהר׃ **174** והמשכן תעשה את־עשר יריעת שש משזר ותכלת וארגמן ותולעת שני כרבים מעשה חשב תעשה אתם׃ **175** ארך היריעה האחת שמנה ועשרים באמה ורחב היריעה האחת ארבע באמה מדה אחת ליריעות כלם׃ **176** חמש יריעת תחברנה אשה אל־אחתה וחמש יריעת יחברו אשה אל־אחתה׃ **177** ועשית לולאת תכלת על־שפת היריעה האחת מקצה בחברת וכן תעשה בשפת היריעה החיצנה במחברת השנית׃ **178** חמשים לולאת תעשה ביריעה האחת ועשית חמשים לולאת בקצה היריעה אשר במחברת השנית מקבלת הלולאת אחת לאחת׃ **179** וחמשים קרסי זהב וחברת את־היריעת אשה אל־אחתה בקרסים והיה המשכן אחד׃ **180** ועשית יריעת עזים לאהל על־המשכן עשתי עשרה יריעת תעשה אתם׃ **181** ארך היריעה האחת שלשים באמה ורחב היריעה האחת ארבע באמה עשתי עשרה יריעת מדה אחת׃ **182** וחברת את־חמש היריעת לבד ואת־שש היריעת לבד והכפלת את־היריעה הששית אל־מול פני האהל׃ **183** ועשית חמשים לולאת על־שפת היריעה האחת הקיצנה במחברת וחמשים לולאת על־שפת היריעה אשר במחברת השנית׃ **184** ועשית קרסי נחשת חמשים וחברת את־הקרסים אל־הלולאת והחברת את־האהל והיה אחד׃ **185** והסרח העדף ביריעת האהל חצי היריעה העדפת תסרח על־אחרי המשכן׃ **186** ואמה מזה ואמה מזה העדף באורך יריעת האהל יהיה סרח על־צדי המשכן מזה ומזה לכסתו׃ **187** ועשית מכסה לאהל ערת אילם מאדמים ומכסה עורת תחשים מלמעלה׃ **188** ועשית את־הקרשים למשכן עצי שטים עמדים׃ **189** עשר אמות ארך הקרש ואמה וחצי האמה רחב הקרש האחד׃ **190** שתי ידת לקרש האחד משלבת אשה אל־אחתה כן תעשה לכל־קרשי המשכן׃ **191** ועשית את־הקרשים למשכן עשרים קרשים לפאת נגבה תימנה׃ **192** ומאדני כסף תעשה ארבעים אדנים תחת עשרים הקרשים שני אדנים תחת הקרש האחד לשתי ידתיו ושני אדנים תחת הקרש האחד לשתי ידתיו׃ **193** ולצלע המשכן השנית לפאת צפון עשרים קרש׃ **194** ואדניהם ארבעים אדני כסף שני אדנים תחת הקרש האחד ושני אדנים תחת הקרש האחד׃ **195** ולירכתי המשכן ימה תעשה ששה קרשים׃ **196** ושני קרשים תעשה למקצעת המשכן בירכתים׃ **197** והיו תאמם מלמטה ויחדו יהיו תמים על־ראשו אל־הטבעת האחת כן יהיה לשניהם למקצעתם יהיו׃ **198** והיו שמנה קרשים ואדניהם שש עשרה אדני כסף שנים אדנים תחת הקרש האחד ושנים אדנים תחת הקרש האחד׃ **199** ועשית בריחם עצי שטים חמשה לקרשי צלע המשכן האחת׃ **200** וחמשה בריחם לקרשי צלע המשכן השנית וחמשה בריחם לקרשי צלע המשכן לירכתים ימה׃ **201** והבריח התיכן בתוך הקרשים מבריח מקצה אל־קצה׃ **202** ואת־הקרשים תצפה זהב ואת־טבעתיהם תעשה זהב בתים לבריחם וצפית את־הבריחם זהב׃ **203** והקמת את־המשכן כמשפטו אשר הראית בהר׃ **204** ועשית פרכת תכלת וארגמן ותולעת שני ושש משזר מעשה חשב יעשה אתה כרבים׃ **205** ונתתה אתה על־ארבעה עמדי שטים מצפים זהב וויהם זהב על־ארבעה אדני כסף׃ **206** ונתתה את־הפרכת תחת הקרסים והבאת שמה מבית לפרכת את ארון עדת והבדיל הפרכת לכם בין הקדש ובין קדש הקדשים׃ **207** ונתת את־הכפרת על־ארון העדת בקדש הקדשים׃ **208** ושמת את־השלחן מחוץ לפרכת ואת־המנרה נכח השלחן על־צלע המשכן תימנה׃ **209** והשלחן תתן על־צלע צפונה׃ **210** ועשית מסך לפתח האהל תכלת וארגמן ותולעת שני ושש משזר מעשה רקם׃ **211** ועשית לפני המסך חמשה עמדי שטים וצפית אתם זהב וויהם זהב וצקת להם חמשה אדני נחשת׃ **212** ועשית את־המזבח עצי שטים חמש אמות ארך ואמה וחצי רחב המזבח רבוע יהיה ושלש אמות קומתו׃ **213** ועשית קרנתיו על־ארבע פנתיו מן־המזבח תהיה קרנתיו ועשית אתו נחשת׃ **214** ועשית סירתיו לדשנו ויעיו ומזרקתיו ומזלגתיו ומחתתיו לכל־כליו תעשה נחשת׃ **215** ועשית לו מכבר מעשה רשת נחשת ועשית על־הרשת ארבע טבעת נחשת על־ארבע קצותיו׃ **216** ונתתה אתה תחת כרכב המזבח למטה והיתה הרשת עד־חצי המזבח׃ **217** ועשית בדים לבריח עצי שטים וצפית אתם נחשת׃ **218** והובא את־בדיו בטבעת והיו הבדים על־שתי צלעת המזבח בשאת אתו בהם נבוב לחת תעשה אתו כאשר הראה אתך בהר כן יעשו׃ **219** ועשית חצר למשכן לפאת נגבה תימנה קלעים לחצר שש משזר מאה באמה ארך לפאה האחת׃ **220** ועמדיהם עשרים ואדניהם עשרים נחשת וויהם כספ וחשקיהם כסף׃ **221** ולפאת צפונה בארך מאה ארך עמדיהם עשרים ואדניהם עשרים נחשת וויהם כסף וחשקיהם כסף׃ **222** ולרחב הים קלעים חמשים אמה עמדיהם עשרה ואדניהם עשרה׃ **223** ולרחב החצר קדמה מזרחה חמשים אמה׃ **224** וקלעים חמש עשרה אמה אל־הכתף עמדיהם שלשה ואדניהם שלשה׃ **225** ולכתף השנית חמש עשרה קלעים עמדיהם שלשה ואדניהם שלשה׃ **226** ולפתח שער החצר מסך עשרים אמה תכלת וארגמן ותולעת שני ושש משזר מעשה רקם עמדיהם ארבעה ואדניהם ארבעה׃ **227** כל־עמדי החצר סביב מחשקים כסף וויהם כסף ואדניהם נחשת׃ **228** ארך החצר מאה באמה ורחב חמשים בחמשים וקומה חמש אמות שש משזר ואדניהם נחשת׃ **229** כל־כלי המשכן לכל־עבדתו וכל־יתדתיו וכל־יתדת החצר נחשת׃ **230** ואתה תצוה את־בני ישראל ויקחו אליך שמן זית זך כתית למאור להעלת נר תמיד׃ **231** באהל מועד מחוץ לפרכת אשר על־העדת יערך אתו אהרן ובניו מערב עד־בקר לפני יהוה חקת עולם לדרתם מאת בני ישראל׃ **232** ואתה הקרב אליך את־אהרן אחיך ואת־בניו אתו מתוך בני ישראל לכהנו־לי אהרן נדב ואביהוא אלעזר ואיתמר בני אהרן׃ **233** ועשית בגדי קדש לאהרן אחיך לכבוד ולתפארת׃ **234** ואתה תדבר אל כל־חכמי לב אשר מלאתיו רוח חכמה ועשו את־בגדי אהרן לקדשו לכהנו־לי׃ **235** ואלה הבגדים אשר יעשו חשן ואפד ומעיל וכתנת תשבץ מצנפת ואבנט ועשו בגדי קדש לאהרן אחיך ולבניו לכהנו־לי׃ **236** והם יקחו את־הזהב ואת־התכלת ואת־הארגמן ואת־תולעת השני ואת־השש׃ **237** ועשו את־האפד זהב תכלת וארגמן תולעת שני ושש משזר מעשה חשב׃ **238** שתי כתפת חברת יהיה־לו אל־שני קצותיו ויחבר׃ **239** וחשב אפדתו אשר עליו כמעשהו ממנו יהיה זהב תכלת וארגמן ותולעת שני ושש משזר׃ **240** ולקחת את־שתי אבני שהם ופתחת עליהם שמות בני ישראל׃ **241** ששה משמותם על־האבן האחת ואת־שמות הששה הנותרים על־האבן השנית כתולדתם׃ **242** מעשה חרש אבני פתוחי חותם תפתח את־שתי האבנים על־שמות בני ישראל משבצת זהב תעשה אתם׃ **243** ושמת את־שתי האבנים על כתפת האפד אבני זכרון לבני ישראל ונשא אהרן את־שמותם לפני יהוה על־שתי כתפיו לזכרון׃ **244** ועשית משבצת זהב׃ **245** ושתי שרשרת זהב טהור מגבלת תעשה אתם מעשה עבת תתן את־השרשרת העבתת על־המשבצת׃ **246** ועשית חשן משפט מעשה חשב כמעשה אפד תעשנו זהב תכלת וארגמן ותולעת שני ושש משזר תעשה אתו׃ **247** רבוע יהיה כפול ורת זרתו ארכו וזרת רחבו׃ **248** ומלאת בו מלאת אבן ארבעה טורי אבן טור אדם פטדה וברקת הטור האחד׃ **249** והטור השני נפך ספיר וישפה׃ **250** והטור השלישי לשם שבו ואחלמה׃ **251** והטור הרביעי תרשיש שהם ויהלם משבצת זהב תהיינה במלואתם׃ **252** והאבנים תהיינה על־שמת בני־ישראל שנים עשר על־שמתם פתוחי חותם איש על־שמו תהיינה לשנים עשר שבט׃ **253** ועשית על־החשן שרשת גבלת מעשה עבת זהב טהור׃ **254** ועשית על־החשן שתי טבעת זהב ונתתה את־שתי הטבעת על־שני קצות החשן׃ **255** ונתתה את־שתי עבתי הזהב על־שתי הטבעת אל־קצות החשן׃ **256** ואת־שתי קצות שתי העבתת תתן על־שתי המשבצת ונתתה על־כתפת האפד אל־מול פניו׃ **257** ועשית שתי טבעת זהב ושמת על־שני קצות החשן על־שפתו אשר אל־עבר האפד בית׃ **258** ועשית שתי טבעת זהב ונתתה על־שתי כתפת האפד מלמטה מלפני מחברתו מעל חשב האפד׃ **259** וירכסו את־החשן מטבעתיו אל־טבעת האפד בפתיל תכלת להיות על חשב האפד ולא יזח החשן מעל האפד׃ **260** ונשא אהרן את־שמות בני־ישראל בחשן המשפט על־לבו בבאו אל־הקדש לזכרון לפני יהוה תמיד׃ **261** ונתת אל־חשן המשפט את־האורים ואת־התמים והיו על־לב אהרן בבאו לפני יהוה ונשא אהרן את־משפט בני־ישראל על־לבו לפני יהוה תמיד׃ **262** ועשית את־מעיל האפד כליל תכלת׃ **263** ופי־ראשו בתוכו שפה יהיה לפיו סביב מעשה ארג כפי תחרא יהיה־לו לא יקרע׃ **264** ועשית על־שוליו רמני תכלת וארגמן ותולעת שני על־שוליו סביב ופעמני זהב בתוכם סביב׃ **265** פעמן זהב ורמון פעמן זהב ורמון על־שולי המעיל סביב׃ **266** והיה על־אהרן לשרת ונשמע קולו בבאו אל־הקדש לפני יהוה ובצאתו ולא ימות׃ **267** ועשית ציץ זר־קדש מזהב טהור ופתחת עליו פתוחי חותם קדש ליהוה׃ **268** ושמת אתו על־פתיל תכלת והיה על־המצנפת אל־מול פני המצנפת יהיה׃ **269** והיה על־מצח אהרן ונשא אהרן את־עון הקדשים אשר יקדישו בני־ישראל בכל מתנת קדשיהם והיה תמיד על־מצחו לרצון להם לפני יהוה׃ **270** ושבצת שש תשבץ מצנפת שש תהיה ואבנט מעשה רקם תעשה׃ **271** ולבני אהרן תעשה כתנת ועשית להם אבנטים ומגבעות תעשה להם לכבוד ולתפארת׃ **272** והלבשת את־אהרן אחיך ואת־בניו אתו ומשחת אתם וקדשת אתם וכהנו־לי׃ **273** ואתה תצוה את־בני ישראל ויקחו אליך שמן זית זך כתית למאור להעלת נר תמיד׃ **274** באהל מועד מחוץ לפרכת אשר על־העדת יערך אתו אהרן ובניו מערב עד־בקר לפני יהוה חקת עולם לדרתם מאת בני ישראל׃ **275** ואתה הקרב אליך את־אהרן אחיך ואת־בניו אתו מתוך בני ישראל לכהנו־לי אהרן נדב ואביהוא אלעזר ואיתמר בני אהרן׃ **276** ועשית בגדי קדש לאהרן אחיך לכבוד ולתפארת׃ **277** ואתה תדבר אל כל־חכמי לב אשר מלאתיו רוח חכמה ועשו את־בגדי אהרן לקדשו לכהנו־לי׃ **278** ואלה הבגדים אשר יעשו חשן ואפד ומעיל וכתנת תשבץ מצנפת ואבנט ועשו בגדי קדש לאהרן אחיך ולבניו לכהנו־לי׃ **279** והם יקחו את־הזהב ואת־התכלת ואת־הארגמן ואת־תולעת השני ואת־השש׃ **280** ועשו את־האפד זהב תכלת וארגמן תולעת שני ושש משזר מעשה חשב׃ **281** שתי כתפת חברת יהיה־לו אל־שני קצותיו ויחבר׃ **282** וחשב אפדתו אשר עליו כמעשהו ממנו יהיה זהב תכלת וארגמן ותולעת שני ושש משזר׃ **283** ולקחת את־שתי אבני שהם ופתחת עליהם שמות בני ישראל׃ **284** ששה משמותם על־האבן האחת ואת־שמות הששה הנותרים על־האבן השנית כתולדתם׃ **285** מעשה חרש אבני פתוחי חותם תפתח את־שתי האבנים על־שמות בני ישראל משבצת זהב תעשה אתם׃ **286** ושמת את־שתי האבנים על כתפת האפד אבני זכרון לבני ישראל ונשא אהרן את־שמותם לפני יהוה על־שתי כתפיו לזכרון׃ **287** ועשית משבצת זהב׃ **288** ושתי שרשרת זהב טהור מגבלת תעשה אתם מעשה עבת תתן את־השרשרת העבתת על־המשבצת׃ **289** ועשית חשן משפט מעשה חשב כמעשה אפד תעשנו זהב תכלת וארגמן ותולעת שני ושש משזר תעשה אתו׃ **290** רבוע יהיה כפול ורת זרתו ארכו וזרת רחבו׃ **291** ומלאת בו מלאת אבן ארבעה טורי אבן טור אדם פטדה וברקת הטור האחד׃ **292** והטור השני נפך ספיר וישפה׃ **293** והטור השלישי לשם שבו ואחלמה׃ **294** והטור הרביעי תרשיש שהם ויהלם משבצת זהב תהיינה במלואתם׃ **295** והאבנים תהיינה על־שמת בני־ישראל שנים עשר על־שמתם פתוחי חותם איש על־שמו תהיינה לשנים עשר שבט׃ **296** ועשית על־החשן שרשת גבלת מעשה עבת זהב טהור׃ **297** ועשית על־החשן שתי טבעת זהב ונתתה את־שתי הטבעת על־שני קצות החשן׃ **298** ונתתה את־שתי עבתי הזהב על־שתי הטבעת אל־קצות החשן׃ **299** ואת־שתי קצות שתי העבתת תתן על־שתי המשבצת ונתתה על־כתפת האפד אל־מול פניו׃ **300** ועשית שתי טבעת זהב ושמת על־שני קצות החשן על־שפתו אשר אל־עבר האפד בית׃ **301** ועשית שתי טבעת זהב ונתתה על־שתי כתפת האפד מלמטה מלפני מחברתו מעל חשב האפד׃ **302** וירכסו את־החשן מטבעתיו אל־טבעת האפד בפתיל תכלת להיות על חשב האפד ולא יזח החשן מעל האפד׃ **303** ונשא אהרן את־שמות בני־ישראל בחשן המשפט על־לבו בבאו אל־הקדש לזכרון לפני יהוה תמיד׃ **304** ונתת אל־חשן המשפט את־האורים ואת־התמים והיו על־לב אהרן בבאו לפני יהוה ונשא אהרן את־משפט בני־ישראל על־לבו לפני יהוה תמיד׃ **305** ועשית את־מעיל האפד כליל תכלת׃ **306** ופי־ראשו בתוכו שפה יהיה לפיו סביב מעשה ארג כפי תחרא יהיה־לו לא יקרע׃ **307** ועשית על־שוליו רמני תכלת וארגמן ותולעת שני על־שוליו סביב ופעמני זהב בתוכם סביב׃ **308** פעמן זהב ורמון פעמן זהב ורמון על־שולי המעיל סביב׃ **309** והיה על־אהרן לשרת ונשמע קולו בבאו אל־הקדש לפני יהוה ובצאתו ולא ימות׃ **310** ועשית ציץ זר־קדש מזהב טהור ופתחת עליו פתוחי חותם קדש ליהוה׃ **311** ושמת אתו על־פתיל תכלת והיה על־המצנפת אל־מול פני המצנפת יהיה׃ **312** והיה על־מצח אהרן ונשא אהרן את־עון הקדשים אשר יקדישו בני־ישראל בכל מתנת קדשיהם והיה תמיד על־מצחו לרצון להם לפני יהוה׃ **313** ושבצת שש תשבץ מצנפת שש תהיה ואבנט מעשה רקם תעשה׃ **314** ולבני אהרן תעשה כתנת ועשית להם אבנטים ומגבעות תעשה להם לכבוד ולתפארת׃ **315** והלבשת את־אהרן אחיך ואת־בניו אתו ומשחת אתם וקדשת אתם וכהנו־לי׃

Digitized by Google

33 ಯಾಕಂದರೆ ಅವರು ಅವನ ಆತ್ಮವನ್ನು ಬಹಳವಾಗಿ ದುಃಖಪಡಿಸಿದ್ದರಿಂದ ಅವನು ತನ್ನ ತುಟಿಗಳಿಂದ ಯೋಚನೆಯಿಲ್ಲದೆ ಮಾತನಾಡಿದನು.

34 ಆಗ ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ: ಅಯ್ಯನೇ, ಇದನ್ನು ಮಾಡಿದವರಿಗೆ ಮರಣವೂ ಅವರ ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಸೆರೆಯೂ ಆಗಲಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದರು.

35 ಆಗ ಅವನು ಹೊರಗೆ ಹೋಗಿ ಬಹಳವಾಗಿ ಅತ್ತನು; ಮತ್ತು ಅವನು ತನ್ನ ಸಹೋದರರ ಬಳಿಗೆ ಹಿಂತಿರುಗಿ ಬಂದು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ನಾನು ಹೋಗಿ ಆ ಮನುಷ್ಯನ ಮುಖವನ್ನು ನೋಡಿದೆನು, ಅವನು ಕೋಪಗೊಂಡಿದ್ದನು, ಅವನ ಮುಖವು ಬದಲಾಗಿತ್ತು, ಅವನು ನಮ್ಮನ್ನು ಕಠಿಣವಾಗಿ ನೋಡಿದನು.

36 ಆಗ ಇಸ್ರಾಯೇಲನು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ನೀವು ನನ್ನನ್ನು ಮಕ್ಕಳಿಲ್ಲದವನನ್ನಾಗಿ ಮಾಡಿದ್ದೀರಿ; ಯೋಸೇಫನು ಇಲ್ಲವಾಗಿದ್ದಾನೆ, ಸಿಮೆಯೋನನು ಇಲ್ಲವಾಗಿದ್ದಾನೆ, ಬೆನ್ಯಾಮೀನನನ್ನು ನೀವು ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗುತ್ತೀರಿ; ಇವೆಲ್ಲವೂ ನನಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿವೆ.

37 ಆಗ ರೂಬೇನನು ತಂದೆಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ನಾನು ಅವನನ್ನು ನಿನ್ನ ಬಳಿಗೆ ತಿರುಗಿ ತರದಿದ್ದರೆ ನನ್ನ ಇಬ್ಬರು ಪುತ್ರರನ್ನು ಕೊಂದುಬಿಡು; ಅವನನ್ನು ನನ್ನ ಕೈಗೆ ಒಪ್ಪಿಸು, ನಾನು ಅವನನ್ನು ನಿನ್ನ ಬಳಿಗೆ ತಿರುಗಿ ತರುವೆನು.

38 ಆದರೆ ಅವನು ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ನನ್ನ ಮಗನು ನಿಮ್ಮೊಂದಿಗೆ ಕೆಳಗೆ ಹೋಗುವುದಿಲ್ಲ; ಅವನ ಅಣ್ಣನು ಸತ್ತುಹೋಗಿದ್ದಾನೆ, ಇವನೊಬ್ಬನೇ ಉಳಿದಿದ್ದಾನೆ; ನೀವು ಪ್ರಯಾಣಮಾಡುವ ದಾರಿಯಲ್ಲಿ ಅವನಿಗೆ ಆಪತ್ತು ಸಂಭವಿಸಿದರೆ ನೀವು ನನ್ನ ನರೆಗೂದಲನ್ನು ದುಃಖದಿಂದ ಪಾತಾಳಕ್ಕೆ ಇಳಿಯುವಂತೆ ಮಾಡುವಿರಿ.

Digitized by Google

٦ فصل

1 وإن باع الوصي ما له بيعه من عقار الصغير أو منقوله بمثل القيمة أو بغبن يسير جاز، وإن باع بغبن فاحش لم يجز، وإن باع بغبن يسير فإن كان ثمة من يزيد على الثمن الذي باع به لم يجز، وإن لم يكن ثمة من يزيد جاز، وإن باع بغبن فاحش فإن كان المشتري لم يقبض المبيع بعد فسخ البيع، وإن كان قبض المبيع وهو قائم فكذلك، وإن كان هالكا أو مستهلكا لم يفسخ البيع، وإن كان قد باع المشتري المبيع من آخر فإن كان الثاني لم يقبض المبيع فسخ البيع بينه وبين المشتري الأول، وإن كان قبض المبيع لم يفسخ البيع بينهما، وإن كان المشتري الأول قبض المبيع ولم يبع فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن كان الثاني قبض المبيع ولم يبع فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن كان الثاني قبض المبيع وباعه من آخر فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن كان الثالث قبض المبيع ولم يبع فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن كان الثالث قبض المبيع وباعه من آخر فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن كان الرابع قبض المبيع ولم يبع فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن كان الرابع قبض المبيع وباعه من آخر فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن كان الخامس قبض المبيع ولم يبع فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن كان الخامس قبض المبيع وباعه من آخر فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن كان السادس قبض المبيع ولم يبع فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن كان السادس قبض المبيع وباعه من آخر فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن شاء ضمن السابع قيمة المبيع يوم باعه من السابع، وإن كان السابع قبض المبيع ولم يبع فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن السابع قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم باعه من السابع، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن كان السابع قبض المبيع وباعه من آخر فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن السابع قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم باعه من السابع، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن شاء ضمن الثامن قيمة المبيع يوم باعه من الثامن، وإن كان الثامن قبض المبيع ولم يبع فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن الثامن قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن السابع قيمة المبيع يوم باعه من الثامن، وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم باعه من السابع، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن كان الثامن قبض المبيع وباعه من آخر فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن الثامن قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن السابع قيمة المبيع يوم باعه من الثامن، وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم باعه من السابع، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن شاء ضمن التاسع قيمة المبيع يوم باعه من التاسع، وإن كان التاسع قبض المبيع ولم يبع فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن التاسع قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن الثامن قيمة المبيع يوم باعه من التاسع، وإن شاء ضمن السابع قيمة المبيع يوم باعه من الثامن، وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم باعه من السابع، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن كان التاسع قبض المبيع وباعه من آخر فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن التاسع قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن الثامن قيمة المبيع يوم باعه من التاسع، وإن شاء ضمن السابع قيمة المبيع يوم باعه من الثامن، وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم باعه من السابع، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن شاء ضمن العاشر قيمة المبيع يوم باعه من العاشر، وإن كان العاشر قبض المبيع ولم يبع فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن العاشر قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن التاسع قيمة المبيع يوم باعه من العاشر، وإن شاء ضمن الثامن قيمة المبيع يوم باعه من التاسع، وإن شاء ضمن السابع قيمة المبيع يوم باعه من الثامن، وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم باعه من السابع، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن كان العاشر قبض المبيع وباعه من آخر فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن العاشر قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن التاسع قيمة المبيع يوم باعه من العاشر، وإن شاء ضمن الثامن قيمة المبيع يوم باعه من التاسع، وإن شاء ضمن السابع قيمة المبيع يوم باعه من الثامن، وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم باعه من السابع، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن شاء ضمن الحادي عشر قيمة المبيع يوم باعه من الحادي عشر، وإن كان الحادي عشر قبض المبيع ولم يبع فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن الحادي عشر قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن العاشر قيمة المبيع يوم باعه من الحادي عشر، وإن شاء ضمن التاسع قيمة المبيع يوم باعه من العاشر، وإن شاء ضمن الثامن قيمة المبيع يوم باعه من التاسع، وإن شاء ضمن السابع قيمة المبيع يوم باعه من الثامن، وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم باعه من السابع، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن كان الحادي عشر قبض المبيع وباعه من آخر فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن الحادي عشر قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن العاشر قيمة المبيع يوم باعه من الحادي عشر، وإن شاء ضمن التاسع قيمة المبيع يوم باعه من العاشر، وإن شاء ضمن الثامن قيمة المبيع يوم باعه من التاسع، وإن شاء ضمن السابع قيمة المبيع يوم باعه من الثامن، وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم باعه من السابع، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن شاء ضمن الثاني عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثاني عشر، وإن كان الثاني عشر قبض المبيع ولم يبع فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن الثاني عشر قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن الحادي عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثاني عشر، وإن شاء ضمن العاشر قيمة المبيع يوم باعه من الحادي عشر، وإن شاء ضمن التاسع قيمة المبيع يوم باعه من العاشر، وإن شاء ضمن الثامن قيمة المبيع يوم باعه من التاسع، وإن شاء ضمن السابع قيمة المبيع يوم باعه من الثامن، وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم باعه من السابع، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن كان الثاني عشر قبض المبيع وباعه من آخر فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن الثاني عشر قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن الحادي عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثاني عشر، وإن شاء ضمن العاشر قيمة المبيع يوم باعه من الحادي عشر، وإن شاء ضمن التاسع قيمة المبيع يوم باعه من العاشر، وإن شاء ضمن الثامن قيمة المبيع يوم باعه من التاسع، وإن شاء ضمن السابع قيمة المبيع يوم باعه من الثامن، وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم باعه من السابع، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن شاء ضمن الثالث عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثالث عشر، وإن كان الثالث عشر قبض المبيع ولم يبع فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن الثالث عشر قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن الثاني عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثالث عشر، وإن شاء ضمن الحادي عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثاني عشر، وإن شاء ضمن العاشر قيمة المبيع يوم باعه من الحادي عشر، وإن شاء ضمن التاسع قيمة المبيع يوم باعه من العاشر، وإن شاء ضمن الثامن قيمة المبيع يوم باعه من التاسع، وإن شاء ضمن السابع قيمة المبيع يوم باعه من الثامن، وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم باعه من السابع، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن كان الثالث عشر قبض المبيع وباعه من آخر فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن الثالث عشر قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن الثاني عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثالث عشر، وإن شاء ضمن الحادي عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثاني عشر، وإن شاء ضمن العاشر قيمة المبيع يوم باعه من الحادي عشر، وإن شاء ضمن التاسع قيمة المبيع يوم باعه من العاشر، وإن شاء ضمن الثامن قيمة المبيع يوم باعه من التاسع، وإن شاء ضمن السابع قيمة المبيع يوم باعه من الثامن، وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم باعه من السابع، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن شاء ضمن الرابع عشر قيمة المبيع يوم باعه من الرابع عشر، وإن كان الرابع عشر قبض المبيع ولم يبع فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن الرابع عشر قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن الثالث عشر قيمة المبيع يوم باعه من الرابع عشر، وإن شاء ضمن الثاني عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثالث عشر، وإن شاء ضمن الحادي عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثاني عشر، وإن شاء ضمن العاشر قيمة المبيع يوم باعه من الحادي عشر، وإن شاء ضمن التاسع قيمة المبيع يوم باعه من العاشر، وإن شاء ضمن الثامن قيمة المبيع يوم باعه من التاسع، وإن شاء ضمن السابع قيمة المبيع يوم باعه من الثامن، وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم باعه من السابع، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن كان الرابع عشر قبض المبيع وباعه من آخر فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن الرابع عشر قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن الثالث عشر قيمة المبيع يوم باعه من الرابع عشر، وإن شاء ضمن الثاني عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثالث عشر، وإن شاء ضمن الحادي عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثاني عشر، وإن شاء ضمن العاشر قيمة المبيع يوم باعه من الحادي عشر، وإن شاء ضمن التاسع قيمة المبيع يوم باعه من العاشر، وإن شاء ضمن الثامن قيمة المبيع يوم باعه من التاسع، وإن شاء ضمن السابع قيمة المبيع يوم باعه من الثامن، وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم باعه من السابع، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن شاء ضمن الخامس عشر قيمة المبيع يوم باعه من الخامس عشر، وإن كان الخامس عشر قبض المبيع ولم يبع فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن الخامس عشر قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن الرابع عشر قيمة المبيع يوم باعه من الخامس عشر، وإن شاء ضمن الثالث عشر قيمة المبيع يوم باعه من الرابع عشر، وإن شاء ضمن الثاني عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثالث عشر، وإن شاء ضمن الحادي عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثاني عشر، وإن شاء ضمن العاشر قيمة المبيع يوم باعه من الحادي عشر، وإن شاء ضمن التاسع قيمة المبيع يوم باعه من العاشر، وإن شاء ضمن الثامن قيمة المبيع يوم باعه من التاسع، وإن شاء ضمن السابع قيمة المبيع يوم باعه من الثامن، وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم باعه من السابع، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن كان الخامس عشر قبض المبيع وباعه من آخر فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن الخامس عشر قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن الرابع عشر قيمة المبيع يوم باعه من الخامس عشر، وإن شاء ضمن الثالث عشر قيمة المبيع يوم باعه من الرابع عشر، وإن شاء ضمن الثاني عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثالث عشر، وإن شاء ضمن الحادي عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثاني عشر، وإن شاء ضمن العاشر قيمة المبيع يوم باعه من الحادي عشر، وإن شاء ضمن التاسع قيمة المبيع يوم باعه من العاشر، وإن شاء ضمن الثامن قيمة المبيع يوم باعه من التاسع، وإن شاء ضمن السابع قيمة المبيع يوم باعه من الثامن، وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم باعه من السابع، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن شاء ضمن السادس عشر قيمة المبيع يوم باعه من السادس عشر، وإن كان السادس عشر قبض المبيع ولم يبع فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن السادس عشر قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن الخامس عشر قيمة المبيع يوم باعه من السادس عشر، وإن شاء ضمن الرابع عشر قيمة المبيع يوم باعه من الخامس عشر، وإن شاء ضمن الثالث عشر قيمة المبيع يوم باعه من الرابع عشر، وإن شاء ضمن الثاني عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثالث عشر، وإن شاء ضمن الحادي عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثاني عشر، وإن شاء ضمن العاشر قيمة المبيع يوم باعه من الحادي عشر، وإن شاء ضمن التاسع قيمة المبيع يوم باعه من العاشر، وإن شاء ضمن الثامن قيمة المبيع يوم باعه من التاسع، وإن شاء ضمن السابع قيمة المبيع يوم باعه من الثامن، وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم باعه من السابع، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن كان السادس عشر قبض المبيع وباعه من آخر فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن السادس عشر قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن الخامس عشر قيمة المبيع يوم باعه من السادس عشر، وإن شاء ضمن الرابع عشر قيمة المبيع يوم باعه من الخامس عشر، وإن شاء ضمن الثالث عشر قيمة المبيع يوم باعه من الرابع عشر، وإن شاء ضمن الثاني عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثالث عشر، وإن شاء ضمن الحادي عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثاني عشر، وإن شاء ضمن العاشر قيمة المبيع يوم باعه من الحادي عشر، وإن شاء ضمن التاسع قيمة المبيع يوم باعه من العاشر، وإن شاء ضمن الثامن قيمة المبيع يوم باعه من التاسع، وإن شاء ضمن السابع قيمة المبيع يوم باعه من الثامن، وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم باعه من السابع، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن شاء ضمن السابع عشر قيمة المبيع يوم باعه من السابع عشر، وإن كان السابع عشر قبض المبيع ولم يبع فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن السابع عشر قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن السادس عشر قيمة المبيع يوم باعه من السابع عشر، وإن شاء ضمن الخامس عشر قيمة المبيع يوم باعه من السادس عشر، وإن شاء ضمن الرابع عشر قيمة المبيع يوم باعه من الخامس عشر، وإن شاء ضمن الثالث عشر قيمة المبيع يوم باعه من الرابع عشر، وإن شاء ضمن الثاني عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثالث عشر، وإن شاء ضمن الحادي عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثاني عشر، وإن شاء ضمن العاشر قيمة المبيع يوم باعه من الحادي عشر، وإن شاء ضمن التاسع قيمة المبيع يوم باعه من العاشر، وإن شاء ضمن الثامن قيمة المبيع يوم باعه من التاسع، وإن شاء ضمن السابع قيمة المبيع يوم باعه من الثامن، وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم باعه من السابع، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن كان السابع عشر قبض المبيع وباعه من آخر فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن السابع عشر قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن السادس عشر قيمة المبيع يوم باعه من السابع عشر، وإن شاء ضمن الخامس عشر قيمة المبيع يوم باعه من السادس عشر، وإن شاء ضمن الرابع عشر قيمة المبيع يوم باعه من الخامس عشر، وإن شاء ضمن الثالث عشر قيمة المبيع يوم باعه من الرابع عشر، وإن شاء ضمن الثاني عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثالث عشر، وإن شاء ضمن الحادي عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثاني عشر، وإن شاء ضمن العاشر قيمة المبيع يوم باعه من الحادي عشر، وإن شاء ضمن التاسع قيمة المبيع يوم باعه من العاشر، وإن شاء ضمن الثامن قيمة المبيع يوم باعه من التاسع، وإن شاء ضمن السابع قيمة المبيع يوم باعه من الثامن، وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم باعه من السابع، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن شاء ضمن الثامن عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثامن عشر، وإن كان الثامن عشر قبض المبيع ولم يبع فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن الثامن عشر قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن السابع عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثامن عشر، وإن شاء ضمن السادس عشر قيمة المبيع يوم باعه من السابع عشر، وإن شاء ضمن الخامس عشر قيمة المبيع يوم باعه من السادس عشر، وإن شاء ضمن الرابع عشر قيمة المبيع يوم باعه من الخامس عشر، وإن شاء ضمن الثالث عشر قيمة المبيع يوم باعه من الرابع عشر، وإن شاء ضمن الثاني عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثالث عشر، وإن شاء ضمن الحادي عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثاني عشر، وإن شاء ضمن العاشر قيمة المبيع يوم باعه من الحادي عشر، وإن شاء ضمن التاسع قيمة المبيع يوم باعه من العاشر، وإن شاء ضمن الثامن قيمة المبيع يوم باعه من التاسع، وإن شاء ضمن السابع قيمة المبيع يوم باعه من الثامن، وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم باعه من السابع، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن كان الثامن عشر قبض المبيع وباعه من آخر فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن الثامن عشر قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن السابع عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثامن عشر، وإن شاء ضمن السادس عشر قيمة المبيع يوم باعه من السابع عشر، وإن شاء ضمن الخامس عشر قيمة المبيع يوم باعه من السادس عشر، وإن شاء ضمن الرابع عشر قيمة المبيع يوم باعه من الخامس عشر، وإن شاء ضمن الثالث عشر قيمة المبيع يوم باعه من الرابع عشر، وإن شاء ضمن الثاني عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثالث عشر، وإن شاء ضمن الحادي عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثاني عشر، وإن شاء ضمن العاشر قيمة المبيع يوم باعه من الحادي عشر، وإن شاء ضمن التاسع قيمة المبيع يوم باعه من العاشر، وإن شاء ضمن الثامن قيمة المبيع يوم باعه من التاسع، وإن شاء ضمن السابع قيمة المبيع يوم باعه من الثامن، وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم باعه من السابع، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن شاء ضمن التاسع عشر قيمة المبيع يوم باعه من التاسع عشر، وإن كان التاسع عشر قبض المبيع ولم يبع فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن التاسع عشر قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن الثامن عشر قيمة المبيع يوم باعه من التاسع عشر، وإن شاء ضمن السابع عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثامن عشر، وإن شاء ضمن السادس عشر قيمة المبيع يوم باعه من السابع عشر، وإن شاء ضمن الخامس عشر قيمة المبيع يوم باعه من السادس عشر، وإن شاء ضمن الرابع عشر قيمة المبيع يوم باعه من الخامس عشر، وإن شاء ضمن الثالث عشر قيمة المبيع يوم باعه من الرابع عشر، وإن شاء ضمن الثاني عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثالث عشر، وإن شاء ضمن الحادي عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثاني عشر، وإن شاء ضمن العاشر قيمة المبيع يوم باعه من الحادي عشر، وإن شاء ضمن التاسع قيمة المبيع يوم باعه من العاشر، وإن شاء ضمن الثامن قيمة المبيع يوم باعه من التاسع، وإن شاء ضمن السابع قيمة المبيع يوم باعه من الثامن، وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم باعه من السابع، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن كان التاسع عشر قبض المبيع وباعه من آخر فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن التاسع عشر قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن الثامن عشر قيمة المبيع يوم باعه من التاسع عشر، وإن شاء ضمن السابع عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثامن عشر، وإن شاء ضمن السادس عشر قيمة المبيع يوم باعه من السابع عشر، وإن شاء ضمن الخامس عشر قيمة المبيع يوم باعه من السادس عشر، وإن شاء ضمن الرابع عشر قيمة المبيع يوم باعه من الخامس عشر، وإن شاء ضمن الثالث عشر قيمة المبيع يوم باعه من الرابع عشر، وإن شاء ضمن الثاني عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثالث عشر، وإن شاء ضمن الحادي عشر قيمة المبيع يوم باعه من الثاني عشر، وإن شاء ضمن العاشر قيمة المبيع يوم باعه من الحادي عشر، وإن شاء ضمن التاسع قيمة المبيع يوم باعه من العاشر، وإن شاء ضمن الثامن قيمة المبيع يوم باعه من التاسع، وإن شاء ضمن السابع قيمة المبيع يوم باعه من الثامن، وإن شاء ضمن السادس قيمة المبيع يوم باعه من السابع، وإن شاء ضمن الخامس قيمة المبيع يوم باعه من السادس، وإن شاء ضمن الرابع قيمة المبيع يوم باعه من الخامس، وإن شاء ضمن الثالث قيمة المبيع يوم باعه من الرابع، وإن شاء ضمن الثاني قيمة المبيع يوم باعه من الثالث، وإن شاء ضمن المشتري الأول قيمة المبيع يوم باعه من الثاني، وإن شاء ضمن العشرين قيمة المبيع يوم باعه من العشرين، وإن كان العشرين قبض المبيع ولم يبع فإن شاء الوصي أخذ المبيع وإن شاء ضمن العشرين قيمة المبيع يوم قبضه، وإن شاء ضمن التاسع عشر قيمة المبيع يوم باعه من العشرين، وإن شاء ضمن الثامن عشر قيمة المبيع يوم باع

Digitized by Google

...

12 ...

13 ...

14 ...

15 ...

16 ...

Digitized by Google

17 ...

18 ...

19 ...

20 ...

21 ...

Digitized by Google

22 ... ...

27 וְהִנֵּה אֲנִי מְבִיא עֲלֵיהֶם אֲרוּכָה וּמַרְפֵּא וְרִפָּאתִים וְהִגַּלִּיתִי לָהֶם שֶׁפַע שָׁלוֹם וֶאֱמֶת׃ וְהֵשִׁבֹתִי אֶת שְׁבוּת יְהוּדָה וְאֶת שְׁבוּת יִשְׂרָאֵל וּבְנִיתִים כְּבָרִאשׁוֹנָה׃ וְטִהַרְתִּים מִכָּל עֲוֹנָם אֲשֶׁר חָטְאוּ לִי וְסָלַחְתִּי לְכָל עֲוֹנוֹתָם אֲשֶׁר חָטְאוּ לִי וּפָשְׁעוּ בִי׃ וְהָיְתָה לִי לְשֵׁם שָׂשׂוֹן תְּהִלָּה וְתִפְאֶרֶת לְכֹל גּוֹיֵי הָאָרֶץ אֲשֶׁר יִשְׁמְעוּ אֶת כָּל הַטּוֹבָה אֲשֶׁר אֲנִי עֹשֶׂה אוֹתָם וְיִרְאוּ וְרָגְזוּ עַל כָּל הַטּוּבָה וְעַל כָּל הַשָּׁלוֹם אֲשֶׁר אֲנִי עֹשֶׂה לָהּ׃

28 כֹּה אָמַר יְהוָה צְבָאוֹת עוֹד יִהְיֶה בַּמָּקוֹם הַזֶּה אֲשֶׁר אֹמְרִים עָלָיו חָרְבָה מֵאֵין אָדָם וְעַד בְּהֵמָה בְּעָרֵי יְהוּדָה וּבְחוּצוֹת יְרוּשָׁלַיִם אֲשֶׁר נְשַׁמָּה מֵאֵין אָדָם וּמֵאֵין יוֹשֵׁב וּמֵאֵין בְּהֵמָה׃ עוֹד יִשָּׁמַע בַּמָּקוֹם הַזֶּה וּבְכָל עָרָיו נְוֵה רוֹעִים מַרְבִּיצֵי צֹאן׃ בְּעָרֵי הָהָר בְּעָרֵי הַשְּׁפֵלָה וּבְעָרֵי הַנֶּגֶב וּבְאֶרֶץ בִּנְיָמִן וּסְבִיבוֹת יְרוּשָׁלַיִם וּבְעָרֵי יְהוּדָה תַּעֲבֹרְנָה צֹאן עַל יְדֵי מוֹנֶה אָמַר יְהוָה׃

29 הִנֵּה יָמִים בָּאִים נְאֻם יְהוָה וַהֲקִמֹתִי אֶת הַדָּבָר הַטּוֹב אֲשֶׁר דִּבַּרְתִּי אֶל בֵּית יִשְׂרָאֵל וְאֶל בֵּית יְהוּדָה׃ בַּיָּמִים הָהֵם וּבָעֵת הַהִיא אַצְמִיחַ לְדָוִד צֶמַח צְדָקָה וְעָשָׂה מִשְׁפָּט וּצְדָקָה בָּאָרֶץ׃ בַּיָּמִים הָהֵם תִּוָּשַׁע יְהוּדָה וִירוּשָׁלַיִם תִּשְׁכֹּן לָבֶטַח וְזֶה אֲשֶׁר יִקְרְאוּ לָהּ יְהוָה צִדְקֵנוּ׃

30 כִּי כֹה אָמַר יְהוָה צְבָאוֹת לֹא יִכָּרֵת לְדָוִד אִישׁ יוֹשֵׁב עַל כִּסֵּא בֵּית יִשְׂרָאֵל׃ וְלַכֹּהֲנִים הַלְוִיִּם לֹא יִכָּרֵת אִישׁ מִלְּפָנַי מַעֲלֶה עוֹלָה וּמַקְטִיר מִנְחָה וְעֹשֶׂה זֶבַח כָּל הַיָּמִים׃

Digitized by Google

31 וְכִי יִמְכֹּר אִישׁ בֵּית מוֹשַׁב עִירֹת חוֹמָה וְגָאֲלָה עַד תֹּם שְׁנַת מִמְכַּר יְמֵי גְאֻלָּתוֹ תִּהְיֶה גְּאֻלָּתוֹ׃ **32** וְאוּלָם שְׂדֵי מִגְרְשׁ עָרֵיהֶם לֹא יִמָּכֵר כִּי אֲחֻזַּת עוֹלָם הִוא לָהֶם׃ **33** וְאִם לֹא יִגְאָל מִן הַלְוִיִּם וְיָצָא בִּשְׁנַת הַיֹּבֵל בָּתֵּי הָעִיר אֲשֶׁר אֲחֻזָּתָם בָּהֶם כִּי בָתֵּי עָרֵי הַלְוִיִּם הֵם אֲחֻזָּתָם בְּתוֹךְ בְּנֵי יִשְׂרָאֵל׃ **34** וּמִגְרַשׁ עָרֵי מִקְנָתָם לֹא יִמָּכֵר כִּי אֲחֻזַּת עוֹלָם הִוא לָהֶם׃ **35** וְכִי יָמוּךְ אָחִיךָ וּמָטָה יָדוֹ עִמָּךְ וְהֶחֱזַקְתָּ בּוֹ גֵּר וְתוֹשָׁב וָחַי עִמָּךְ׃

Digitized by Google

36 ואחרי אחיו יצא אשר הוא ושלמיאל בן צורישדי ונתנאל בן צוער ואליסף בן דעואל ואליצור בן שדיאור ושלומיאל בן צורישדי ואחירע בן עינן ופגעיאל בן עכרן ואליסף בן דעואל ואליצור בן שדיאור ושלומיאל בן צורישדי ואחירע בן עינן ופגעיאל בן עכרן

37 ויסעו ויחנו בגבול ויסעו מגבול ויחנו בגבול ויסעו מגבול ויחנו בגבול ויסעו מגבול

١٣٤

١ وَلَمَّا رَأَى الْمَلِكُ الْعَظِيمُ نَبُوخَذْنَصَّرُ دَانِيآلَ وَرُفَقَاءَهُ وَحَكَمَتَهُمْ
وَعُلُومَهُمْ وَمَا يَعْرِفُونَهُ وَمَا يَعْمَلُونَهُ وَجَدَهُمْ عَشَرَةَ أَضْعَافٍ عَلَى
كُلِّ الْمَجُوسِ وَالْعَرَّافِينَ الَّذِينَ فِي كُلِّ مَمْلَكَتِهِ.

٢ وَفِي كُلِّ أَمْرِ حِكْمَةٍ وَفَهْمٍ سَأَلَهُمْ عَنْهُ الْمَلِكُ وَجَدَهُمْ أَفْضَلَ
مِنْ كُلِّ الْمَجُوسِ وَالْعَرَّافِينَ الَّذِينَ فِي كُلِّ مَمْلَكَتِهِ.

٣ وَكَانَ دَانِيآلُ إِلَى سَنَةِ الْمَلِكِ كُورَشَ. وَمَا سَأَلَ الْمَلِكُ كُورَشُ
الْمَلِكُ الْعَظِيمُ دَانِيآلَ وَرُفَقَاءَهُ وَحَكَمَتَهُمْ وَعُلُومَهُمْ وَمَا يَعْرِفُونَهُ
وَمَا يَعْمَلُونَهُ وَجَدَهُمْ عَشَرَةَ أَضْعَافٍ عَلَى كُلِّ الْمَجُوسِ وَالْعَرَّافِينَ
الَّذِينَ فِي كُلِّ مَمْلَكَتِهِ. وَفِي كُلِّ أَمْرِ حِكْمَةٍ وَفَهْمٍ سَأَلَهُمْ عَنْهُ
الْمَلِكُ وَجَدَهُمْ أَفْضَلَ مِنْ كُلِّ الْمَجُوسِ وَالْعَرَّافِينَ الَّذِينَ فِي كُلِّ
مَمْلَكَتِهِ. وَكَانَ دَانِيآلُ إِلَى سَنَةِ الْمَلِكِ كُورَشَ.

Digitized by Google

Digitized by Google

11 וַיְהִי כַּאֲשֶׁר הֵחֵל יְהוָה לְהָרִים אֶת־אֵלִיָּהוּ בַּסְּעָרָה הַשָּׁמָיְמָה וְאֱלִישָׁע
הֹלֵךְ מֵאֵלִיָּה הַגִּלְגָּל׃ וַיֹּאמֶר אֵלִיָּהוּ אֶל־אֱלִישָׁע שֶׁב־נָא פֹּה כִּי יְהוָה שְׁלָחַנִי
עַד־בֵּית־אֵל וַיֹּאמֶר אֱלִישָׁע חַי־יְהוָה וְחֵי־נַפְשְׁךָ אִם־אֶעֶזָבֶךָּ וַיֵּרְדוּ בֵּית־אֵל׃

12 וַיֵּצְאוּ בְנֵי־הַנְּבִיאִים אֲשֶׁר בְּבֵית־אֵל אֶל־אֱלִישָׁע וַיֹּאמְרוּ אֵלָיו הֲיָדַעְתָּ כִּי
הַיּוֹם יְהוָה לֹקֵחַ אֶת־אֲדֹנֶיךָ מֵעַל רֹאשֶׁךָ וַיֹּאמֶר גַּם־אֲנִי יָדַעְתִּי הַחֲשׁוּ׃

13 וַיֹּאמֶר אֵלָיו אֱלִיָּהוּ אֱלִישָׁע שֶׁב־נָא פֹּה כִּי יְהוָה שְׁלָחַנִי הַיְרֵחוֹ וַיֹּאמֶר חַי־יְהוָה
וְחֵי־נַפְשְׁךָ אִם־אֶעֶזָבֶךָּ וַיָּבֹאוּ הַיְרֵחוֹ׃ וַיִּגְּשׁוּ בְנֵי־הַנְּבִיאִים אֲשֶׁר בִּירֵחוֹ אֶל־
אֱלִישָׁע וַיֹּאמְרוּ אֵלָיו הֲיָדַעְתָּ כִּי הַיּוֹם יְהוָה לֹקֵחַ אֶת־אֲדֹנֶיךָ מֵעַל רֹאשֶׁךָ וַיֹּאמֶר
גַּם־אֲנִי יָדַעְתִּי הַחֲשׁוּ׃

14 וַיֹּאמֶר אֵלָיו אֱלִיָּהוּ אֱלִישָׁע שֶׁב־נָא פֹּה כִּי יְהוָה שְׁלָחַנִי הַיַּרְדֵּנָה וַיֹּאמֶר חַי־
יְהוָה וְחֵי־נַפְשְׁךָ אִם־אֶעֶזָבֶךָּ וַיֵּלְכוּ שְׁנֵיהֶם׃ וַחֲמִשִּׁים אִישׁ מִבְּנֵי הַנְּבִיאִים הָלְכוּ
וַיַּעַמְדוּ מִנֶּגֶד מֵרָחֹק וְהֵם שְׁנֵיהֶם עָמְדוּ עַל־הַיַּרְדֵּן׃

15 וַיִּקַּח אֵלִיָּהוּ אֶת־מְעִילוֹ וַיִּגְלֹם וַיַּכֶּה אֶת־הַמַּיִם וַיֵּחָצוּ הֵנָּה וָהֵנָּה וַיַּעַבְרוּ
שְׁנֵיהֶם בֶּחָרָבָה׃

16 וַיְהִי כַּאֲשֶׁר עָבְרוּ וְאֵלִיָּהוּ אָמַר אֶל־אֱלִישָׁע שְׁאַל מַה־אֶעֱשֶׂה לָּךְ בְּטֶרֶם אִלָּקַח
מֵעִמָּךְ וַיֹּאמֶר אֱלִישָׁע וְיִהִי־נָא פִּי שְׁנַיִם בְּרוּחֲךָ אֵלָי׃

Digitized by Google

17 וְהִנֵּה אִישׁ אֱלֹהִים בָּא מִיהוּדָה בִּדְבַר יְהוָה אֶל־בֵּית־אֵל וְיָרָבְעָם עֹמֵד עַל־הַמִּזְבֵּחַ לְהַקְטִיר׃
וַיִּקְרָא עַל־הַמִּזְבֵּחַ בִּדְבַר יְהוָה וַיֹּאמַר מִזְבֵּחַ מִזְבֵּחַ כֹּה אָמַר יְהוָה הִנֵּה בֵן נוֹלָד לְבֵית דָּוִד
יֹאשִׁיָּהוּ שְׁמוֹ וְזָבַח עָלֶיךָ אֶת־כֹּהֲנֵי הַבָּמוֹת הַמְקַטְּרִים עָלֶיךָ וְעַצְמוֹת אָדָם יִשְׂרְפוּ עָלֶיךָ׃
וְנָתַן בַּיּוֹם הַהוּא מוֹפֵת לֵאמֹר זֶה הַמּוֹפֵת אֲשֶׁר דִּבֶּר יְהוָה הִנֵּה הַמִּזְבֵּחַ נִקָּרַע וְנִשְׁפַּךְ הַדֶּשֶׁן
אֲשֶׁר עָלָיו׃ וַיְהִי כִּשְׁמֹעַ הַמֶּלֶךְ אֶת־דְּבַר אִישׁ הָאֱלֹהִים אֲשֶׁר קָרָא עַל־הַמִּזְבֵּחַ בֵּית־אֵל וַיָּקֶם
יָרָבְעָם מֵעַל הַמִּזְבֵּחַ וַיֹּאמֶר אֶל־הָאִישׁ הָאֱלֹהִים חַל־נָא אֶת־פְּנֵי יְהוָה אֱלֹהֶיךָ וְהִתְפַּלֵּל בַּעֲדִי
וְתָשֹׁב יָדִי אֵלַי וַיֶּחְתַּל אִישׁ הָאֱלֹהִים אֶת־פְּנֵי יְהוָה וַתָּשָׁב יַד־הַמֶּלֶךְ אֵלָיו וַתְּהִי כְּבָרִאשֹׁנָה׃
וַיַּעַן הַמֶּלֶךְ וַיֹּאמֶר אֶל־אִישׁ הָאֱלֹהִים בֹּא־אִתִּי הַבַּיְתָה וְסָעֲדָה וְאֶתְּנָה־לְךָ מַתָּנָה׃ וַיֹּאמֶר
אִישׁ הָאֱלֹהִים אֶל־הַמֶּלֶךְ אִם־תִּתֶּן־לִי חֲצִי בֵיתֶךָ לֹא־אָבוֹא עִמָּךְ וְלֹא־אֹכַל לֶחֶם וְלֹא־אֶשְׁתֶּה
מַיִם בַּמָּקוֹם הַזֶּה׃ כִּי־כֵן צֻוָּה אֹתִי בִּדְבַר יְהוָה לֵאמֹר לֹא־תֹאכַל לֶחֶם וְלֹא־תִשְׁתֶּה מַיִם וְלֹא
תָשׁוּב בַּדֶּרֶךְ אֲשֶׁר הָלַכְתָּ׃ וְהוּא־הָלַךְ בְּדֶרֶךְ אַחֵרֶת וְלֹא שָׁב בַּדֶּרֶךְ אֲשֶׁר־בָּא בֵּית־אֵל׃

18 וְנָבִיא אֶחָד זָקֵן בְּבֵית־אֵל הָיָה וַיָּבֹא בָנָיו וַיְסַפְּרוּ־לוֹ אֵת כָּל־הַמַּעֲשֶׂה אֲשֶׁר עָשָׂה אִישׁ־הָאֱלֹהִים
הַיּוֹם בֵּית־אֵל אֶת־הַדְּבָרִים אֲשֶׁר דִּבֶּר אֶל־הַמֶּלֶךְ וַיְסַפְּרוּ לְאֲבִיהֶם׃ וַיֹּאמֶר אֲבִיהֶם אֵי־זֶה
הַדֶּרֶךְ הָלָךְ וַיִּרְאוּ בָנָיו אֶת־הַדֶּרֶךְ אֲשֶׁר־הָלַךְ אִישׁ־הָאֱלֹהִים אֲשֶׁר־בָּא מִיהוּדָה׃ וַיֹּאמֶר אֶל־בָּנָיו
חִבְשׁוּ־לִי אֶת־הַחֲמוֹר וַיַּחֲבְשׁוּ־לוֹ אֶת־הַחֲמוֹר וַיִּרְכַּב עָלָיו׃ וַיֵּלֶךְ אַחֲרֵי אִישׁ הָאֱלֹהִים וַיִּמְצָאֵהוּ
יֹשֵׁב תַּחַת הָאַלָּה וַיֹּאמֶר לוֹ הַאַתָּה הוּא אִישׁ הָאֱלֹהִים אֲשֶׁר־בָּאתָ מִיהוּדָה וַיֹּאמֶר אָנִי׃ וַיֹּאמֶר
אֵלָיו בֹּא־אִתִּי הַבַּיְתָה וְלֶחֶם אֹכֵל׃ וַיֹּאמֶר לֹא אוּכַל לָשׁוּב וְלָבוֹא אִתָּךְ וְלֹא־אֹכַל לֶחֶם וְלֹא־אֶשְׁתֶּה
אִתָּךְ מַיִם בַּמָּקוֹם הַזֶּה׃ כִּי נֶאֱמַר אֵלַי בִּדְבַר־יְהוָה לֹא־תֹאכַל לֶחֶם וְלֹא־תִשְׁתֶּה־שָׁם מַיִם לֹא
תָשׁוּב לָלֶכֶת דַּרְכְּךָ אֲשֶׁר הָלַכְתָּ׃ וַיֹּאמֶר אֵלָיו גַּם־אֲנִי נָבִיא כָּמוֹךָ וּמַלְאָךְ דִּבֶּר אֵלַי בִּדְבַר־יְהוָה
לֵאמֹר הֲשִׁיבֵהוּ אִתְּךָ אֶל־בֵּיתֶךָ וְיֹאכַל לֶחֶם וְיִשְׁתֶּה מָיִם כִּי כִזֵּב הוּא לוֹ׃ וַיְשִׁבֵהוּ וַיֹּאכַל לֶחֶם
בְּבֵיתוֹ וַיִּשְׁתְּ מָיִם׃

20 וַיְהִי הֵמָּה יֹשְׁבִים אֶל־הַשֻּׁלְחָן וַיְהִי דְבַר־יְהוָה אֶל־הַנָּבִיא אֲשֶׁר הֱשִׁיבוֹ׃ וַיִּקְרָא אֶל־אִישׁ
הָאֱלֹהִים אֲשֶׁר־בָּא מִיהוּדָה לֵאמֹר כֹּה אָמַר יְהוָה יַעַן אֲשֶׁר מָרִיתָ אֶת־פִּי יְהוָה וְלֹא שָׁמַרְתָּ אֶת־
הַמִּצְוָה אֲשֶׁר צִוְּךָ יְהוָה אֱלֹהֶיךָ׃ וַתָּשָׁב וַתֹּאכַל לֶחֶם וַתִּשְׁתֶּה מַיִם בַּמָּקוֹם אֲשֶׁר אָמַר אֵלֶיךָ לֹא
תֹאכַל לֶחֶם וְלֹא תִשְׁתֶּה מָיִם לֹא־תָבוֹא נִבְלָתְךָ אֶל־קֶבֶר אֲבֹתֶיךָ׃

21 וַיְהִי אַחֲרֵי אָכְלוֹ לֶחֶם וְאַחֲרֵי שְׁתֹתוֹ וַיַּחֲבֹשׁ לוֹ אֶת־הַנָּבִיא אֲשֶׁר הֱשִׁיבוֹ׃ וַיֵּלֶךְ וַיִּמְצָא אַרְיֵה
בַּדֶּרֶךְ וַיְמִתֵהוּ וַתְּהִי נִבְלָתוֹ מְשֻׁלֶכֶת בַּדֶּרֶךְ וְהַחֲמוֹר עָמַד אֵצְלָהּ הָאַרְיֵה גַּם־עָמַד אֵצֶל הַנְּבֵלָה׃

22 וְהִנֵּה אֲנָשִׁים עֹבְרִים וַיִּרְאוּ אֶת־הַנְּבֵלָה מֻשְׁלֶכֶת בַּדֶּרֶךְ וְהָאַרְיֵה עֹמֵד אֵצֶל הַנְּבֵלָה

Digitized by Google

Digitized by Google

ಮಾಡಿದ್ದಾನೆ; ಇದಕ್ಕೆ ನಾವೂ ಸಾಕ್ಷಿಗಳಾಗಿದ್ದೇವೆ. ಇದಲ್ಲದೆ ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನು ಸಹ ಇದಕ್ಕೆ ಸಾಕ್ಷಿಯಾಗಿದ್ದಾನೆ; ಆತನನ್ನು ದೇವರು ತಮಗೆ ವಿಧೇಯರಾಗುವವರಿಗೆ ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ.

28 ಆಗ ಅವರು ಸಭೆಯವರೆಲ್ಲರನ್ನು ಹೊರಗೆ ಕಳುಹಿಸಿ ಒಬ್ಬರಿಗೊಬ್ಬರು ಆಲೋಚನೆ ಮಾಡಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಈ ಮನುಷ್ಯರಿಗೆ ಏನು ಮಾಡಬೇಕು? ಇವರು ಬಹಳ ಪ್ರಸಿದ್ಧರಾದ ಕಾರಣ ಇವರಿಂದ ಒಂದು ಗುರುತಾದ ಪವಾಡ ನಡೆದಿದೆಯೆಂಬದು ಯೆರೂಸಲೇಮಿನವರೆಲ್ಲರಿಗೂ ತಿಳಿದಿದೆ; ಇದನ್ನು ನಾವು ಅಲ್ಲಗಳೆಯಲಾರೆವು. **29** ಆದರೆ ಈ ಜನರಲ್ಲಿ ಈ ಮಾತು ಹೆಚ್ಚಾಗಿ ಹಬ್ಬದಂತೆ ಅವರನ್ನು ಬೆದರಿಸಿ ಇನ್ನು ಮೇಲೆ ಯೇಸುವಿನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಯಾರೊಡನೆಯೂ ಮಾತಾಡಬಾರದೆಂದು ಅವರಿಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸೋಣ ಎಂದು ಮಾತಾಡಿಕೊಂಡರು.

30 ಆಗ ಅವರು ಅವರನ್ನು ಕರೆಯಿಸಿ ಯೇಸುವಿನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಯಾರೊಡನೆಯೂ ಮಾತಾಡಬಾರದೆಂದು ಅವರಿಗೆ ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದರು. ಪೇತ್ರ ಯೋಹಾನರು ಅವರಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ದೇವರ ಮಾತಿಗಿಂತ ನಿಮ್ಮ ಮಾತಿಗೆ ಕಿವಿಗೊಡುವದು ದೇವರ ದೃಷ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ನ್ಯಾಯವೋ ನೀವೇ ಯೋಚಿಸಿರಿ. ನಾವಂತೂ ನಾವು ನೋಡಿದ್ದನ್ನೂ ಕೇಳಿದ್ದನ್ನೂ ಹೇಳದೆ ಇರಲಾರೆವು ಎಂದು ಅವರಿಗೆ ಉತ್ತರಕೊಟ್ಟರು. ಅವರು ಇವರನ್ನು ಮತ್ತೆ ಬೆದರಿಸಿ ಬಿಟ್ಟುಬಿಟ್ಟರು. ಜನರಿಗೆ ಭಯಪಟ್ಟು ಅವರನ್ನು ಶಿಕ್ಷಿಸಲು ಅವರಿಗೆ ಯಾವ ಮಾರ್ಗವೂ ಸಿಕ್ಕಲಿಲ್ಲ. ಏಕೆಂದರೆ ಸಂಭವಿಸಿದ್ದ ಈ ಪವಾಡವನ್ನು ಕುರಿತು ಜನರೆಲ್ಲರು ದೇವರನ್ನು ಕೊಂಡಾಡುತ್ತಿದ್ದರು. ಸ್ವಾಸ್ಥ್ಯವಾಗಿ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟ ಆ ಮನುಷ್ಯನಿಗೆ ನಲವತ್ತು ವರ್ಷಕ್ಕಿಂತ ಹೆಚ್ಚು ವಯಸ್ಸಾಗಿತ್ತು.

೫

1 ಇದಾದ ಮೇಲೆ ಅವರು ಬಿಡುಗಡೆಯಾಗಿ ತಮ್ಮ ಜನರ ಬಳಿಗೆ ಬಂದು ಮುಖ್ಯಯಾಜಕರೂ ಹಿರಿಯರೂ ತಮಗೆ ಹೇಳಿದ್ದನ್ನೆಲ್ಲಾ ತಿಳಿಸಿದರು. ಅದಕ್ಕೆ ಅವರು ಒಕ್ಕೊರಲಿನಿಂದ ದೇವರಿಗೆ ಪ್ರಾರ್ಥನೆ ಮಾಡಿ

Digitized by Google

ليلة الجمعة ليلة الأحد ليلة الاثنين ليلة الثلاثاء ليلة الأربعاء ليلة الخميس

Digitized by Google

11 ಯೇಸು ಅವರಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, ಎಲೀಯನು ಬಂದು ಎಲ್ಲವನ್ನು ಸರಿಪಡಿಸುವನು ಎಂಬುದು ನಿಜವೇ. ಆದರೆ ಮನುಷ್ಯಕುಮಾರನು ಬಹಳ ಕಷ್ಟಗಳನ್ನು ಅನುಭವಿಸಿ ತಿರಸ್ಕರಿಸಲ್ಪಡಬೇಕೆಂದು ಧರ್ಮಶಾಸ್ತ್ರದಲ್ಲಿ ಬರೆದಿರುವುದು ಹೇಗೆ? **12** ಆದರೆ ನಾನು ನಿಮಗೆ ಹೇಳುತ್ತೇನೆ, ಎಲೀಯನು ಈಗಾಗಲೇ ಬಂದಿದ್ದಾನೆ. ಆದರೆ ಜನರು ಅವನನ್ನು ಗುರುತಿಸಲಿಲ್ಲ. ಅವರು ಅವನಿಗೆ ಇಷ್ಟ ಬಂದಂತೆ ಮಾಡಿದರು. ಅದೇ ರೀತಿಯಲ್ಲಿ ಮನುಷ್ಯಕುಮಾರನು ಸಹ ಅವರಿಂದ ಬಹಳ ಕಷ್ಟಗಳನ್ನು ಅನುಭವಿಸುವನು.

13 ಆಗ ಯೇಸು ಹೇಳಿದ್ದನ್ನು ಕೇಳಿಸಿಕೊಂಡ ಶಿಷ್ಯರು ಆತನು ಸ್ನಾನಿಕ ಯೋಹಾನನ ಬಗ್ಗೆ ಮಾತನಾಡುತ್ತಿದ್ದಾನೆಂದು ಅರ್ಥಮಾಡಿಕೊಂಡರು.

14 ಯೇಸು ಮತ್ತು ಆತನ ಶಿಷ್ಯರು ಜನಸಮೂಹದ ಬಳಿಗೆ ಹಿಂತಿರುಗಿ ಬಂದಾಗ ಒಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನು ಯೇಸುವಿನ ಬಳಿಗೆ ಬಂದು ಆತನ ಮುಂದೆ ಮೊಣಕಾಲೂರಿದನು. **15** ಆ ಮನುಷ್ಯನು ಯೇಸುವಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದೇನೆಂದರೆ, "ಕರ್ತನೇ, ನನ್ನ ಮಗನ ಮೇಲೆ ಕರುಣೆ ತೋರಿಸು. ಅವನಿಗೆ ಮೂರ್ಛೆರೋಗವಿದೆ. ಅವನು ಬಹಳ ಕಷ್ಟಪಡುತ್ತಿದ್ದಾನೆ. ಅವನು ಆಗಾಗ್ಗೆ ಬೆಂಕಿಯಲ್ಲಿಯೂ ನೀರಿನಲ್ಲಿಯೂ ಬೀಳುತ್ತಾನೆ.

Digitized by Google

16 ଯିହିଷ୍କୀୟର ଏହି ପୁସ୍ତକ ଓ ତାହାର ପୂର୍ବ ଓ ପଶ୍ଚିମ ଓ ଦକ୍ଷିଣ ଓ ଉତ୍ତର ଦିଗସ୍ଥ ସମସ୍ତ ଭୂମି ଓ ତାହାର ଚତୁର୍ଦ୍

الذي يعيشون فيه. ٢٠ وقد أعطى الله الإنسان الأرض ليعيش عليها ويستفيد من خيراتها، ولكن الإنسان أساء استخدام هذه الأرض، فلوثها بالنفايات والمخلفات الضارة، وقطع الأشجار بكثرة، وأفسد التوازن البيئي الذي وضعه الله. ٢١ ولذلك فإن الله يدعو الناس إلى التوبة عن هذه الخطايا، وإلى العودة إلى الطريق الذي رسمه لهم، وإلى الاهتمام بالبيئة والمحافظة عليها. ٢٢ وإن الله يعد الذين يتوبون ويصلحون بحياة جديدة مليئة بالخير والبركة، ويعدهم بأن يعيشوا في أرض نظيفة وجميلة. ٢٣ وإن الله يحذر الناس من أن استمرارهم في إفساد البيئة سيؤدي إلى عقوبات شديدة، مثل الجفاف والأمراض والكوارث الطبيعية، وإن هذه العقوبات ستكون نتيجة طبيعية لأعمالهم السيئة.

Digitized by Google

24 ... ...

ಯೇಸು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದು ಏನೆಂದರೆ, ಮನುಷ್ಯಕುಮಾರನು ಮಹಿಮೆಯನ್ನು ಹೊಂದುವ ಸಮಯವು ಬಂದಿದೆ. ಗೋಧಿಯ ಕಾಳು ನೆಲದಲ್ಲಿ ಬಿದ್ದು ಸಾಯದಿದ್ದರೆ ಅದು ಒಂಟಿಯಾಗಿಯೇ ಇರುವುದು. ಆದರೆ ಅದು ಸತ್ತರೆ ಬಹಳ ಫಲವನ್ನು ಕೊಡುವುದು. ತನ್ನ ಪ್ರಾಣವನ್ನು ಪ್ರೀತಿಸುವವನು ಅದನ್ನು ಕಳೆದುಕೊಳ್ಳುವನು. ಈ ಲೋಕದಲ್ಲಿ ತನ್ನ ಪ್ರಾಣವನ್ನು ದ್ವೇಷಿಸುವವನು ಅದನ್ನು ನಿತ್ಯಜೀವಕ್ಕಾಗಿ ಕಾಪಾಡಿಕೊಳ್ಳುವನು. ನನ್ನ ಸೇವೆಯನ್ನು ಮಾಡುವವನು ನನ್ನನ್ನು ಹಿಂಬಾಲಿಸಲಿ. ನಾನು ಇರುವಲ್ಲಿ ನನ್ನ ಸೇವಕನೂ ಇರುವನು. ನನ್ನ ಸೇವೆಯನ್ನು ಮಾಡುವವನನ್ನು ತಂದೆಯು ಗೌರವಿಸುವನು.

31 ಈಗ ಈ ಲೋಕಕ್ಕೆ ನ್ಯಾಯತೀರ್ಪಿನ ಸಮಯವು ಬಂದಿದೆ. ಈ ಲೋಕದ ಅಧಿಪತಿಯು ಹೊರಗೆ ಹಾಕಲ್ಪಡುವನು. **32** ನಾನು ಭೂಮಿಯಿಂದ ಮೇಲಕ್ಕೆತ್ತಲ್ಪಟ್ಟಾಗ ಎಲ್ಲಾ ಜನರನ್ನು ನನ್ನ ಬಳಿಗೆ ಸೆಳೆದುಕೊಳ್ಳುವೆನು.

33 ಯೇಸು ತಾನು ಹೇಗೆ ಸಾಯಬೇಕಾಗಿದೆ ಎಂಬುದನ್ನು ಸೂಚಿಸಿ ಈ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಹೇಳಿದನು.

34 ಜನರು ಯೇಸುವಿಗೆ ಉತ್ತರವಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದು: ಕ್ರಿಸ್ತನು ಶಾಶ್ವತವಾಗಿ ಇರುವನೆಂದು ನಾವು ಧರ್ಮಶಾಸ್ತ್ರದಿಂದ ಕೇಳಿದ್ದೇವೆ. ಮನುಷ್ಯಕುಮಾರನು ಮೇಲಕ್ಕೆತ್ತಲ್ಪಡಬೇಕು ಎಂದು ನೀನು ಹೇಳುವುದು ಹೇಗೆ? ಮನುಷ್ಯಕುಮಾರನು ಯಾರು?

35 ಯೇಸು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿದ್ದು: ಬೆಳಕು ಇನ್ನು ಸ್ವಲ್ಪ ಕಾಲ ನಿಮ್ಮೊಂದಿಗೆ ಇರುವುದು. ಕತ್ತಲು ನಿಮ್ಮನ್ನು ಆವರಿಸಿಕೊಳ್ಳುವ ಮೊದಲು ನಡೆಯಿರಿ. ಕತ್ತಲಲ್ಲಿ ನಡೆಯುವವನು ತಾನು ಎಲ್ಲಿಗೆ ಹೋಗುತ್ತಿದ್ದೇನೆಂದು ತಿಳಿಯನು.

Digitized by Google

ಅಲ್ಲಿಯವರೆಗೆ ಅವರು ಅಲ್ಲಿಯೇ ಇರಲಿ; ಆಮೇಲೆ ನಾನು ಅವರನ್ನು ಕರೆಯುವೆನು; ಅವರು ನನ್ನ ಬಳಿಗೆ ಬರುವರು.

೨೧

1 ಯೆಹೋವನ ಈ ವಾಕ್ಯವು ನನಗೆ ಪ್ರಾಪ್ತವಾಯಿತು: ಮನುಷ್ಯಪುತ್ರನೇ, ನಿನ್ನ ಮುಖವನ್ನು ಯೆರೂಸಲೇಮಿನ ಕಡೆಗೆ ತಿರುಗಿಸಿ ಪರಿಶುದ್ಧಸ್ಥಾನಗಳ ವಿರುದ್ಧ ಪ್ರವಾದಿಸು; ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ದೇಶಕ್ಕೆ ವಿರುದ್ಧ ಪ್ರವಾದಿಸಿ ಅದಕ್ಕೆ ಹೇಳು.

2 ಯೆಹೋವನು ಹೀಗೆ ಹೇಳುತ್ತಾನೆ ಎಂದು ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ದೇಶಕ್ಕೆ ಹೇಳು. ಇಗೋ, ನಾನು ನಿನಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿದ್ದೇನೆ; ನನ್ನ ಕತ್ತಿಯನ್ನು ಅದರ ಒರೆಯಿಂದ ಸೆಳೆದು ನಿನ್ನಲ್ಲಿರುವ ನೀತಿವಂತರನ್ನೂ ದುಷ್ಟರನ್ನೂ ಸಂಹರಿಸುವೆನು.

3 ನಾನು ನಿನ್ನಲ್ಲಿರುವ ನೀತಿವಂತರನ್ನೂ ದುಷ್ಟರನ್ನೂ ಸಂಹರಿಸುವುದರಿಂದ ನನ್ನ ಕತ್ತಿಯು ಅದರ ಒರೆಯಿಂದ ಸೆಳೆಯಲ್ಪಟ್ಟು ದಕ್ಷಿಣದಿಂದ ಉತ್ತರದವರೆಗೂ ಎಲ್ಲಾ ಮಾಂಸಕ್ಕೆ ವಿರೋಧವಾಗಿರುವುದು. ಯೆಹೋವನಾದ ನಾನೇ ನನ್ನ ಕತ್ತಿಯನ್ನು ಅದರ ಒರೆಯಿಂದ ಸೆಳೆದಿದ್ದೇನೆ; ಅದು ಇನ್ನು ಒರೆಯಲ್ಲಿ ಇಡಲ್ಪಡುವುದಿಲ್ಲ ಎಂದು ಹೇಳು.

4 ಆದಕಾರಣ ಮನುಷ್ಯಪುತ್ರನೇ, ನೀನು ಮುರಿದ ಹೃದಯದಿಂದಲೂ ಕಹಿಯಾದ ದುಃಖದಿಂದಲೂ ಅವರ ಕಣ್ಣುಗಳ ಮುಂದೆ ನರಳಬೇಕು. ಅವರು ನಿನ್ನನ್ನು ಕುರಿತು:

Digitized by Google

Digitized by Google

11 ... **12** ... **13** ... **14** ... **15** ...

Digitized by Google

ירמיה ירמיה ירמיה

Digitized by Google

798 ۱۰ ۱۰ ۱۰

Digitized by Google

9 ... ...

17 ...

16 ...

15 ...

14 ...

13 ...

18 ...

Digitized by Google

ಮಾಡಿದರು; ಮತ್ತು ಅವರು ಅವನನ್ನು ಕೊಂದು ಹಾಕಿದರು. ಅವನು ಮೂರನೆಯ ದಿವಸದಲ್ಲಿ ಎದ್ದು ಬರುವನು.»

18 ಆಗ ಹೆರೋದನು ಜ್ಞಾನಿಗಳಿಂದ ತನಗೆ ಮೋಸವಾಯಿತೆಂದು ಕಂಡು ಬಹಳವಾಗಿ ಕೋಪಗೊಂಡು ಆಳುಗಳನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿ ಬೇತ್ಲೆಹೇಮಿನಲ್ಲಿಯೂ ಅದರ ಸುತ್ತಲಿನ ಎಲ್ಲಾ ಪ್ರಾಂತಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಇದ್ದ ಎರಡು ವರ್ಷ ಪ್ರಾಯದವರಿಂದ ಕೆಳಗಿನ ಎಲ್ಲಾ ಗಂಡು ಮಕ್ಕಳನ್ನು ಕೊಲ್ಲಿಸಿದನು.

19 ಆದರೆ ಹೆರೋದನು ಸತ್ತ ಮೇಲೆ ಕರ್ತನ ದೂತನು ಈಜಿಪ್ತಿನಲ್ಲಿ ಯೋಸೇಫನಿಗೆ ಸ್ವಪ್ನದಲ್ಲಿ ಕಾಣಿಸಿಕೊಂಡು ಹೇಳಿದ್ದೇನಂದರೆ, ಅವನು ಎದ್ದು ಮಗುವನ್ನೂ ಅದರ ತಾಯಿಯನ್ನೂ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ದೇಶಕ್ಕೆ ಹೋಗಲಿ;

20 ಯಾಕಂದರೆ ಮಗುವಿನ ಪ್ರಾಣ ತೆಗೆಯಲು ಹುಡುಕುತ್ತಿದ್ದವರು ಸತ್ತರು ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. ಆಗ ಅವನು ಎದ್ದು ಮಗುವನ್ನೂ ಅದರ ತಾಯಿಯನ್ನೂ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ದೇಶಕ್ಕೆ ಬಂದನು.

21 ಆಗ ಅವನು ಎದ್ದು ಮಗುವನ್ನೂ ಅದರ ತಾಯಿಯನ್ನೂ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ದೇಶಕ್ಕೆ ಬಂದನು. ಆದರೆ ಅರ್ಖೆಲಾಯನು ತನ್ನ ತಂದೆಯಾದ ಹೆರೋದನಿಗೆ ಬದಲಾಗಿ ಯೂದಾಯದಲ್ಲಿ ಆಳುತ್ತಾನೆಂದು ಕೇಳಿ ಅಲ್ಲಿಗೆ ಹೋಗಲು ಭಯಪಟ್ಟನು. ಮತ್ತು ಸ್ವಪ್ನದಲ್ಲಿ ಎಚ್ಚರಿಕೆಯಾಗಿ ಗಲಿಲಾಯ ಪ್ರಾಂತಕ್ಕೆ ಹೋದನು.

22 ಅಲ್ಲಿ ನಜರೇತ್ ಎಂಬ ಪಟ್ಟಣದಲ್ಲಿ ವಾಸಮಾಡಿದನು. ಹೀಗೆ ಪ್ರವಾದಿಗಳ ಮೂಲಕ ಹೇಳಲ್ಪಟ್ಟದ್ದು ನೆರವೇರುವಂತೆ ಆಯಿತು: ಅವನು ನಜರೇನನೆಂದು ಕರೆಯಲ್ಪಡುವನು.

Digitized by Google

26 ...

25 ...

24 ...

23 ...

Digitized by Google

ומלכי הגוים אשר לא יעבדו את נבוכדנאצר מלך בבל ואשר לא יתנו את צוארם בעול מלך בבל בחרב ובכפן ובדבר אפקד את הגוי ההוא נאם יהוה עד תמי אתם ביד נבוכדנאצר ׃

27 ואתה אל תשמע אל חלמותיכם אל קסמיכם אל מעוניכם אל כשפיכם אל אשר הם מנבאים לכם לאמר לא תעבדו את מלך בבל ׃

28 כי שקר הם נבאים לכם למען הרחיק אתכם מעל אדמתכם ודחתי אתכם ואבדתם ׃

29 והנביא אשר יהיה נביא שלום בשם יהוה אשר לא יבוא דבר הנביא ההוא והיה האיש הנביא אשר ינבא לשלום ביום אשר ישלחנו יהוה ונתן לו ׃

30 ואתה אל תשמע אל דברי הנביא אשר ינבא לכם לאמר לא תעבדו את מלך בבל ׃

31 כי שקר הם נבאים לכם למען הרחיק אתכם מעל אדמתכם ודחתי אתכם ואבדתם ׃

32 והנביא אשר יהיה נביא שלום בשם יהוה אשר לא יבוא דבר הנביא ההוא והיה האיש הנביא אשר ינבא לשלום ביום אשר ישלחנו יהוה ונתן לו ׃

33 ומלכי הגוים אשר לא יעבדו את נבוכדנאצר מלך בבל ואשר לא יתנו את צוארם בעול מלך בבל בחרב ובכפן ובדבר אפקד את הגוי ההוא נאם יהוה עד תמי אתם ביד נבוכדנאצר ׃

34 ואתה אל תשמע אל חלמותיכם אל קסמיכם אל מעוניכם אל כשפיכם אל אשר הם מנבאים לכם לאמר לא תעבדו את מלך בבל ׃

35 כי שקר הם נבאים לכם למען הרחיק אתכם מעל אדמתכם ודחתי אתכם ואבדתם ׃

36 והנביא אשר יהיה נביא שלום בשם יהוה אשר לא יבוא דבר הנביא ההוא והיה האיש הנביא אשר ינבא לשלום ביום אשר ישלחנו יהוה ונתן לו ׃

37 ומלכי הגוים אשר לא יעבדו את נבוכדנאצר מלך בבל ואשר לא יתנו את צוארם בעול מלך בבל בחרב ובכפן ובדבר אפקד את הגוי ההוא נאם יהוה עד תמי אתם ביד נבוכדנאצר ׃

38 ואתה אל תשמע אל חלמותיכם אל קסמיכם אל מעוניכם אל כשפיכם אל אשר הם מנבאים לכם לאמר לא תעבדו את מלך בבל ׃

39 כי שקר הם נבאים לכם למען הרחיק אתכם מעל אדמתכם ודחתי אתכם ואבדתם ׃

40 והנביא אשר יהיה נביא שלום בשם יהוה אשר לא יבוא דבר הנביא ההוא והיה האיש הנביא אשר ינבא לשלום ביום אשר ישלחנו יהוה ונתן לו ׃

41 ומלכי הגוים אשר לא יעבדו את נבוכדנאצר מלך בבל ואשר לא יתנו את צוארם בעול מלך בבל בחרב ובכפן ובדבר אפקד את הגוי ההוא נאם יהוה עד תמי אתם ביד נבוכדנאצר ׃

42 ואתה אל תשמע אל חלמותיכם אל קסמיכם אל מעוניכם אל כשפיכם אל אשר הם מנבאים לכם לאמר לא תעבדו את מלך בבל ׃

43 כי שקר הם נבאים לכם למען הרחיק אתכם מעל אדמתכם ודחתי אתכם ואבדתם ׃

44 והנביא אשר יהיה נביא שלום בשם יהוה אשר לא יבוא דבר הנביא ההוא והיה האיש הנביא אשר ינבא לשלום ביום אשר ישלחנו יהוה ונתן לו ׃

45 ומלכי הגוים אשר לא יעבדו את נבוכדנאצר מלך בבל ואשר לא יתנו את צוארם בעול מלך בבל בחרב ובכפן ובדבר אפקד את הגוי ההוא נאם יהוה עד תמי אתם ביד נבוכדנאצר ׃

46 ואתה אל תשמע אל חלמותיכם אל קסמיכם אל מעוניכם אל כשפיכם אל אשר הם מנבאים לכם לאמר לא תעבדו את מלך בבל ׃

47 כי שקר הם נבאים לכם למען הרחיק אתכם מעל אדמתכם ודחתי אתכם ואבדתם ׃

48 והנביא אשר יהיה נביא שלום בשם יהוה אשר לא יבוא דבר הנביא ההוא והיה האיש הנביא אשר ינבא לשלום ביום אשר ישלחנו יהוה ונתן לו ׃

49 ומלכי הגוים אשר לא יעבדו את נבוכדנאצר מלך בבל ואשר לא יתנו את צוארם בעול מלך בבל בחרב ובכפן ובדבר אפקד את הגוי ההוא נאם יהוה עד תמי אתם ביד נבוכדנאצר ׃

50 ואתה אל תשמע אל חלמותיכם אל קסמיכם אל מעוניכם אל כשפיכם אל אשר הם מנבאים לכם לאמר לא תעבדו את מלך בבל ׃

51 כי שקר הם נבאים לכם למען הרחיק אתכם מעל אדמתכם ודחתי אתכם ואבדתם ׃

52 והנביא אשר יהיה נביא שלום בשם יהוה אשר לא יבוא דבר הנביא ההוא והיה האיש הנביא אשר ינבא לשלום ביום אשר ישלחנו יהוה ונתן לו ׃

53 ומלכי הגוים אשר לא יעבדו את נבוכדנאצר מלך בבל ואשר לא יתנו את צוארם בעול מלך בבל בחרב ובכפן ובדבר אפקד את הגוי ההוא נאם יהוה עד תמי אתם ביד נבוכדנאצר ׃

54 ואתה אל תשמע אל חלמותיכם אל קסמיכם אל מעוניכם אל כשפיכם אל אשר הם מנבאים לכם לאמר לא תעבדו את מלך בבל ׃

55 כי שקר הם נבאים לכם למען הרחיק אתכם מעל אדמתכם ודחתי אתכם ואבדתם ׃

56 והנביא אשר יהיה נביא שלום בשם יהוה אשר לא יבוא דבר הנביא ההוא והיה האיש הנביא אשר ינבא לשלום ביום אשר ישלחנו יהוה ונתן לו ׃

57 ומלכי הגוים אשר לא יעבדו את נבוכדנאצר מלך בבל ואשר לא יתנו את צוארם בעול מלך בבל בחרב ובכפן ובדבר אפקד את הגוי ההוא נאם יהוה עד תמי אתם ביד נבוכדנאצר ׃

58 ואתה אל תשמע אל חלמותיכם אל קסמיכם אל מעוניכם אל כשפיכם אל אשר הם מנבאים לכם לאמר לא תעבדו את מלך בבל ׃

59 כי שקר הם נבאים לכם למען הרחיק אתכם מעל אדמתכם ודחתי אתכם ואבדתם ׃

60 והנביא אשר יהיה נביא שלום בשם יהוה אשר לא יבוא דבר הנביא ההוא והיה האיש הנביא אשר ינבא לשלום ביום אשר ישלחנו יהוה ונתן לו ׃

61 ומלכי הגוים אשר לא יעבדו את נבוכדנאצר מלך בבל ואשר לא יתנו את צוארם בעול מלך בבל בחרב ובכפן ובדבר אפקד את הגוי ההוא נאם יהוה עד תמי אתם ביד נבוכדנאצר ׃

62 ואתה אל תשמע אל חלמותיכם אל קסמיכם אל מעוניכם אל כשפיכם אל אשר הם מנבאים לכם לאמר לא תעבדו את מלך בבל ׃

63 כי שקר הם נבאים לכם למען הרחיק אתכם מעל אדמתכם ודחתי אתכם ואבדתם ׃

64 והנביא אשר יהיה נביא שלום בשם יהוה אשר לא יבוא דבר הנביא ההוא והיה האיש הנביא אשר ינבא לשלום ביום אשר ישלחנו יהוה ונתן לו ׃

65 ומלכי הגוים אשר לא יעבדו את נבוכדנאצר מלך בבל ואשר לא יתנו את צוארם בעול מלך בבל בחרב ובכפן ובדבר אפקד את הגוי ההוא נאם יהוה עד תמי אתם ביד נבוכדנאצר ׃

66 ואתה אל תשמע אל חלמותיכם אל קסמיכם אל מעוניכם אל כשפיכם אל אשר הם מנבאים לכם לאמר לא תעבדו את מלך בבל ׃

67 כי שקר הם נבאים לכם למען הרחיק אתכם מעל אדמתכם ודחתי אתכם ואבדתם ׃

68 והנביא אשר יהיה נביא שלום בשם יהוה אשר לא יבוא דבר הנביא ההוא והיה האיש הנביא אשר ינבא לשלום ביום אשר ישלחנו יהוה ונתן לו ׃

69 ומלכי הגוים אשר לא יעבדו את נבוכדנאצר מלך בבל ואשר לא יתנו את צוארם בעול מלך בבל בחרב ובכפן ובדבר אפקד את הגוי ההוא נאם יהוה עד תמי אתם ביד נבוכדנאצר ׃

70 ואתה אל תשמע אל חלמותיכם אל קסמיכם אל מעוניכם אל כשפיכם אל אשר הם מנבאים לכם לאמר לא תעבדו את מלך בבל ׃

71 כי שקר הם נבאים לכם למען הרחיק אתכם מעל אדמתכם ודחתי אתכם ואבדתם ׃

72 והנביא אשר יהיה נביא שלום בשם יהוה אשר לא יבוא דבר הנביא ההוא והיה האיש הנביא אשר ינבא לשלום ביום אשר ישלחנו יהוה ונתן לו ׃

73 ומלכי הגוים אשר לא יעבדו את נבוכדנאצר מלך בבל ואשר לא יתנו את צוארם בעול מלך בבל בחרב ובכפן ובדבר אפקד את הגוי ההוא נאם יהוה עד תמי אתם ביד נבוכדנאצר ׃

74 ואתה אל תשמע אל חלמותיכם אל קסמיכם אל מעוניכם אל כשפיכם אל אשר הם מנבאים לכם לאמר לא תעבדו את מלך בבל ׃

75 כי שקר הם נבאים לכם למען הרחיק אתכם מעל אדמתכם ודחתי אתכם ואבדתם ׃

76 והנביא אשר יהיה נביא שלום בשם יהוה אשר לא יבוא דבר הנביא ההוא והיה האיש הנביא אשר ינבא לשלום ביום אשר ישלחנו יהוה ונתן לו ׃

77 ומלכי הגוים אשר לא יעבדו את נבוכדנאצר מלך בבל ואשר לא יתנו את צוארם בעול מלך בבל בחרב ובכפן ובדבר אפקד את הגוי ההוא נאם יהוה עד תמי אתם ביד נבוכדנאצר ׃

78 ואתה אל תשמע אל חלמותיכם אל קסמיכם אל מעוניכם אל כשפיכם אל אשר הם מנבאים לכם לאמר לא תעבדו את מלך בבל ׃

79 כי שקר הם נבאים לכם למען הרחיק אתכם מעל אדמתכם ודחתי אתכם ואבדתם ׃

80 והנביא אשר יהיה נביא שלום בשם יהוה אשר לא יבוא דבר הנביא ההוא והיה האיש הנביא אשר ינבא לשלום ביום אשר ישלחנו יהוה ונתן לו ׃

81 ומלכי הגוים אשר לא יעבדו את נבוכדנאצר מלך בבל ואשר לא יתנו את צוארם בעול מלך בבל בחרב ובכפן ובדבר אפקד את הגוי ההוא נאם יהוה עד תמי אתם ביד נבוכדנאצר ׃

82 ואתה אל תשמע אל חלמותיכם אל קסמיכם אל מעוניכם אל כשפיכם אל אשר הם מנבאים לכם לאמר לא תעבדו את מלך בבל ׃

83 כי שקר הם נבאים לכם למען הרחיק אתכם מעל אדמתכם ודחתי אתכם ואבדתם ׃

84 והנביא אשר יהיה נביא שלום בשם יהוה אשר לא יבוא דבר הנביא ההוא והיה האיש הנביא אשר ינבא לשלום ביום אשר ישלחנו יהוה ונתן לו ׃

85 ומלכי הגוים אשר לא יעבדו את נבוכדנאצר מלך בבל ואשר לא יתנו את צוארם בעול מלך בבל בחרב ובכפן ובדבר אפקד את הגוי ההוא נאם יהוה עד תמי אתם ביד נבוכדנאצר ׃

86 ואתה אל תשמע אל חלמותיכם אל קסמיכם אל מעוניכם אל כשפיכם אל אשר הם מנבאים לכם לאמר לא תעבדו את מלך בבל ׃

87 כי שקר הם נבאים לכם למען הרחיק אתכם מעל אדמתכם ודחתי אתכם ואבדתם ׃

88 והנביא אשר יהיה נביא שלום בשם יהוה אשר לא יבוא דבר הנביא ההוא והיה האיש הנביא אשר ינבא לשלום ביום אשר ישלחנו יהוה ונתן לו ׃

89 ומלכי הגוים אשר לא יעבדו את נבוכדנאצר מלך בבל ואשר לא יתנו את צוארם בעול מלך בבל בחרב ובכפן ובדבר אפקד את הגוי ההוא נאם יהוה עד תמי אתם ביד נבוכדנאצר ׃

90 ואתה אל תשמע אל חלמותיכם אל קסמיכם אל מעוניכם אל כשפיכם אל אשר הם מנבאים לכם לאמר לא תעבדו את מלך בבל ׃

91 כי שקר הם נבאים לכם למען הרחיק אתכם מעל אדמתכם ודחתי אתכם ואבדתם ׃

92 והנביא אשר יהיה נביא שלום בשם יהוה אשר לא יבוא דבר הנביא ההוא והיה האיש הנביא אשר ינבא לשלום ביום אשר ישלחנו יהוה ונתן לו ׃

93 ומלכי הגוים אשר לא יעבדו את נבוכדנאצר מלך בבל ואשר לא יתנו את צוארם בעול מלך בבל בחרב ובכפן ובדבר אפקד את הגוי ההוא נאם יהוה עד תמי אתם ביד נבוכדנאצר ׃

94 ואתה אל תשמע אל חלמותיכם אל קסמיכם אל מעוניכם אל כשפיכם אל אשר הם מנבאים לכם לאמר לא תעבדו את מלך בבל ׃

95 כי שקר הם נבאים לכם למען הרחיק אתכם מעל אדמתכם ודחתי אתכם ואבדתם ׃

96 והנביא אשר יהיה נביא שלום בשם יהוה אשר לא יבוא דבר הנביא ההוא והיה האיש הנביא אשר ינבא לשלום ביום אשר ישלחנו יהוה ונתן לו ׃

97 ומלכי הגוים אשר לא יעבדו את נבוכדנאצר מלך בבל ואשר לא יתנו את צוארם בעול מלך בבל בחרב ובכפן ובדבר אפקד את הגוי ההוא נאם יהוה עד תמי אתם ביד נבוכדנאצר ׃

98 ואתה אל תשמע אל חלמותיכם אל קסמיכם אל מעוניכם אל כשפיכם אל אשר הם מנבאים לכם לאמר לא תעבדו את מלך בבל ׃

99 כי שקר הם נבאים לכם למען הרחיק אתכם מעל אדמתכם ודחתי אתכם ואבדתם ׃

100 והנביא אשר יהיה נביא שלום בשם יהוה אשר לא יבוא דבר הנביא ההוא והיה האיש הנביא אשר ינבא לשלום ביום אשר ישלחנו יהוה ונתן לו ׃

Digitized by Google

3 ... ...

9 ... ...

...

14 ...

15 ...

16 ...

17 ...

18 ...

Digitized by Google

مسیح کے ساتھ ہیں۔ پھر آخر میں مسیح آئے گا۔ ۲۴ اُس کے بعد آخر آئے گا جب وہ
بادشاہی خدا باپ کے حوالے کرے گا۔ اُس وقت وہ ہر حکومت، ہر اختیار اور ہر
قدرت کو ختم کر چکا ہو گا۔ ۲۵ کیونکہ مسیح کو ضرور ہے کہ سلطنت کرے جب تک
کہ وہ سب دشمنوں کو اپنے پاؤں تلے نہ کر لے۔ ۲۶ سب سے آخر میں جو دشمن
نیست کیا جائے گا وہ موت ہے۔ ۲۷ کیونکہ اُس نے سب کچھ اُس کے پاؤں تلے
کر دیا ہے۔ لیکن جب وہ کہتا ہے کہ سب کچھ اُس کے تابع کیا گیا ہے تو ظاہر ہے
کہ یہ اُس میں شامل نہیں جس نے سب کچھ اُس کے تابع کر دیا ہے۔ ۲۸ جب سب
کچھ اُس کے تابع کیا جائے گا تو بیٹا بھی اُس کے تابع ہو گا جس نے سب کچھ اُس
کے تابع کر دیا ہے تاکہ خدا سب میں سب کچھ ہو۔

۲۹ پھر اُن کا کیا ہو گا جو مُردوں کی خاطر بپتسمہ لیتے ہیں؟ اگر مُردے
بالکل جی نہیں اُٹھتے تو پھر وہ مُردوں کی خاطر بپتسمہ کیوں لیتے ہیں؟ ۳۰ اور
ہم ہر گھڑی خطرے میں کیوں رہتے ہیں؟ ۳۱ بھائیو، مسیح یسوع ہمارے خداوند
میں آپ پر میرا جو فخر ہے اُس کی قسم کھا کر میں کہتا ہوں کہ میں ہر روز موت
کا سامنا کرتا ہوں۔ ۳۲ اگر میں نے افسس میں محض انسانی مقاصد کی خاطر
جنگلی درندوں کا مقابلہ کیا تو مجھے کیا فائدہ؟ اگر مُردے جی نہیں اُٹھتے تو
"آؤ کھائیں پئیں، کیونکہ کل ہم مر جائیں گے۔"

۳۳ دھوکا نہ کھائیں۔ "بُری صحبت اچھے اخلاق کو بگاڑ دیتی ہے۔" ۳۴ ہوش
میں آئیں اور گناہ کرنا چھوڑ دیں۔ کیونکہ کچھ لوگ ہیں جو خدا کو نہیں جانتے۔
میں یہ آپ کی شرمندگی کے لئے کہتا ہوں۔

۳۵ لیکن کوئی پوچھے گا، "مُردے کیسے جی اُٹھتے ہیں؟ کس قسم کے جسم
کے ساتھ وہ آتے ہیں؟" ۳۶ بیوقوف! جو بیج تُو بوتا ہے وہ اُس وقت تک زندہ
نہیں ہوتا جب تک مر نہ جائے۔ ۳۷ اور جو بیج تُو بوتا ہے وہ وہ پودا نہیں جو
بعد میں اُگے گا بلکہ محض دانہ ہے، خواہ گیہوں کا ہو یا کسی اَور قسم کا۔ ۳۸ پھر
خدا اُس کو جسم دیتا ہے جیسا اُس نے چاہا ہے۔ ہر بیج کو اُس کا اپنا جسم دیتا
ہے۔ ۳۹ سب جسم ایک جیسے نہیں ہوتے۔ انسان کا جسم الگ ہے، حیوان کا جسم
الگ، پرندوں کا جسم الگ اور مچھلی کا جسم الگ۔ ۴۰ آسمانی جسم بھی ہیں اور
زمینی جسم بھی۔ آسمانی جسموں کی شان الگ ہے اور زمینی جسموں کی شان
الگ۔ ۴۱ سورج کی شان الگ ہے، چاند کی شان الگ اور ستاروں کی شان الگ۔
ستارے ایک دوسرے سے شان میں مختلف ہیں۔

۴۲ مُردوں کے جی اُٹھنے کا بھی یہی حال ہے۔ جو جسم بویا جاتا ہے وہ
فانی ہے، جو جی اُٹھتا ہے وہ غیرفانی ہے۔ ۴۳ جو بویا جاتا ہے وہ بے عزت ہے،
جو جی اُٹھتا ہے وہ جلالی ہے۔ جو بویا جاتا ہے وہ کمزور ہے، جو جی اُٹھتا ہے
وہ طاقتور ہے۔ ۴۴ جو بویا جاتا ہے وہ جسمانی ہے، جو جی اُٹھتا ہے وہ روحانی
ہے۔ اگر جسمانی جسم ہے تو روحانی بھی ہے۔ ۴۵ چنانچہ لکھا ہے، "پہلا انسان
آدم زندہ جان بنا۔" لیکن آخری آدم زندگی بخش روح بن گیا۔ ۴۶ پہلے روحانی
نہیں آیا بلکہ جسمانی، پھر روحانی۔ ۴۷ پہلا انسان زمین کی مٹی سے بنا ہوا ہے،
دوسرا آسمان سے آیا ہے۔ ۴۸ جیسا مٹی سے بنا ہوا تھا ویسے ہی مٹی سے بنے ہوئے
لوگ ہیں، اور جیسا آسمانی ہے ویسے ہی آسمانی لوگ ہیں۔ ۴۹ جس طرح ہم نے
مٹی سے بنے ہوئے کی شکل اختیار کی ہے اُسی طرح ہم آسمانی کی شکل اختیار
کریں گے۔

۵۰ بھائیو، میرا مطلب یہ ہے کہ گوشت اور خون خدا کی بادشاہی کے
وارث نہیں ہو سکتے۔ فانی غیرفانی کا وارث نہیں ہو سکتا۔ ۵۱ سنیں، میں آپ کو
ایک راز بتاتا ہوں۔ ہم سب تو نہیں سوئیں گے لیکن ہم سب بدل جائیں گے۔
۵۲ یہ ایک لمحے میں، آنکھ جھپکنے کی دیر میں ہو گا جب آخری نرسنگا پھونکا
جائے گا۔ نرسنگا پھونکا جائے گا اور مُردے غیرفانی جی اُٹھیں گے، اور ہم بدل
جائیں گے۔ ۵۳ کیونکہ فانی کو غیرفانی کا جامہ پہننا ہے، اور مرنے والے کو
غیرمرنے کا جامہ پہننا ہے۔ ۵۴ جب فانی غیرفانی کا جامہ پہنے گا، اور مرنے والا
غیرمرنے کا جامہ پہنے گا تو یہ کلام پورا ہو گا، "موت کو فتح نے نگل لیا ہے۔"
۵۵ "اے موت، تیری فتح کہاں ہے؟ اے موت، تیرا ڈنک کہاں ہے؟"

۵۶ موت کا ڈنک گناہ ہے، اور گناہ کی طاقت شریعت ہے۔ ۵۷ لیکن خدا کا
شکر ہو جو ہمارے خداوند یسوع مسیح کے وسیلے سے ہمیں فتح عطا کرتا ہے۔

۵۸ پس، میرے پیارے بھائیو، مضبوط اور ثابت قدم رہیں۔ خداوند کے کام
میں ہمیشہ سرگرم رہیں، کیونکہ آپ جانتے ہیں کہ خداوند میں آپ کی محنت
بیکار نہیں ہے۔

۱۶ مقدسوں کے لئے جو چندہ جمع کیا جا رہا ہے اُس کے بارے میں جو
ہدایت میں نے گلتیہ کی کلیسیا کو دی ہے وہی آپ بھی کریں۔ ۲ ہر اتوار کے دن
آپ میں سے ہر ایک اپنی آمدنی کے مطابق کچھ رقم الگ کر کے جمع کرے۔
جب میں آؤں تو چندہ جمع کرنا نہ پڑے۔ ۳ جب میں پہنچوں تو جن لوگوں کو آپ
منظور کریں گے اُنہیں میں خط دے کر بھیجوں گا تاکہ وہ آپ کا تحفہ یروشلیم
پہنچا دیں۔ ۴ اگر مناسب ہو کہ میں بھی جاؤں تو وہ میرے ساتھ جائیں گے۔

۵ میں مکدنیہ سے گزر کر آپ کے پاس آؤں گا، کیونکہ میں مکدنیہ سے گزروں
گا۔ ۶ ممکن ہے کہ میں آپ کے ہاں کچھ عرصہ رہوں یا سردیاں بھی گزاروں۔
پھر آپ مجھے رخصت کر دیں گے اور میں جہاں بھی جاؤں گا آپ مجھے روانہ
کریں گے۔ ۷ میں نہیں چاہتا کہ آپ سے صرف ملتے ہی ملاقات ہو۔ میں اُمید
کرتا ہوں کہ کچھ عرصہ آپ کے ساتھ رہوں گا اگر خداوند اجازت دے۔ ۸ لیکن
میں پنتکست تک افسس میں رہوں گا، ۹ کیونکہ یہاں میرے لئے بڑا موقع ہے
کہ میں کامیابی سے خدمت کروں۔ اگرچہ بہت سے لوگ میرے مخالف ہیں۔

۱۰ اگر تیمتھیس آپ کے پاس آئے تو اُس کا خیال رکھیں۔ وہ بھی میری
طرح خداوند کے کام میں لگا ہوا ہے۔ ۱۱ کوئی اُسے حقیر نہ جانے۔ اُسے سلامتی
سے رخصت کریں تاکہ وہ میرے پاس آ سکے۔ میں اُس کے بھائیوں کے ساتھ
اُس کا منتظر ہوں۔

۱۲ بھائی اپلوس کے بارے میں میں نے اُسے بہت سمجھایا کہ وہ آپ کے
پاس بھائیوں کے ساتھ جائے۔ لیکن اُس کی مرضی نہیں تھی کہ ابھی جائے۔
وہ موقع ملنے پر ضرور جائے گا۔

۱۳ چوکنے رہیں۔ ایمان میں ثابت قدم رہیں۔ مردانگی دکھائیں۔ مضبوط
ہوں۔ ۱۴ جو کچھ بھی کریں محبت سے کریں۔

۱۵ بھائیو، آپ جانتے ہیں کہ استفنس کا گھرانا اخائیہ میں پہلا ایماندار
گھرانا تھا۔ اُنہوں نے مقدسوں کی خدمت کرنے کا بیڑا اُٹھایا ہے۔ میں آپ سے
درخواست کرتا ہوں ۱۶ کہ آپ بھی ایسے لوگوں کی اطاعت کریں جو خدا کے کام
میں ہمارے ساتھ کام کرتے اور محنت کرتے ہیں۔ ۱۷ میں استفنس، فرتوناتس اور
اخائکس کے آنے سے خوش ہوں، کیونکہ اُنہوں نے آپ کی کمی پوری کر دی ہے۔
۱۸ اُنہوں نے میری اور آپ کی روح کو تازہ کیا ہے۔ ایسے لوگوں کی قدر کریں۔

۱۹ صوبہ ایشیا کی کلیسیاؤں کی طرف سے آپ کو سلام۔ اکیلا اور پرسکلا
خداوند میں آپ کو دلی سلام بھیجتے ہیں۔ اُن کے گھر میں جو کلیسیا جمع ہوتی
ہے اُس کی طرف سے بھی سلام۔ ۲۰ سب بھائیوں کی طرف سے آپ کو سلام۔
مقدس بوسے سے ایک دوسرے کو سلام کریں۔

۲۱ میں پولس اپنے ہاتھ سے یہ سلام لکھ رہا ہوں۔ ۲۲ اگر کوئی خداوند سے
محبت نہ رکھے تو وہ ملعون ہو۔ ماران اتا۔ ۲۳ خداوند یسوع مسیح کا فضل آپ
پر ہو۔ ۲۴ میری محبت مسیح یسوع میں آپ سب کے ساتھ ہو۔

Digitized by Google

24 ... ...

29 ଯିହିଯା ସେହି ସମୟରେ ସେ ସମସ୍ତଙ୍କୁ କହିଲେ : ଯେ ସେମାନେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ବନ୍ଦୀ କରିଥିଲେ : ସେମାନେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଏଠାରେ ବାବିଲରେ ରହିବାକୁ କହିଲେ । ଆମ୍ଭେମାନେ ଏଠାରେ ଅନେକ ବର୍ଷ ରହିବା । ତେଣୁ ଆମ୍ଭେମାନେ ଘର ତିଆରି କରି ସେଥିରେ ବାସ କରିବା । ଆମ୍ଭେମାନେ ବଗିଚା କରି ସେଥିରେ ଫଳ ଖାଇବା ।

30 ଏହା ସେହି ସମୟ ଯେଉଁ ସମୟରେ ଯିହିଯା ଯିରିମିୟଙ୍କୁ ଏହି ସମସ୍ତ କଥା କହିଲେ । ଯିହିଯା ଯିରିମିୟଙ୍କୁ ଏହି ସମସ୍ତ କଥା କହିଲେ ।

31 ଯେଉଁମାନେ ବନ୍ଦୀ ହୋଇ ବାବିଲକୁ ଯାଇଥିଲେ, ଯିହିଯା ସେମାନଙ୍କୁ ଏହି ସମସ୍ତ କଥା କହିଲେ । ଏହା ଯିହିଯା ଯିରିମିୟଙ୍କୁ କହିଲେ ଯେ ଏହି ସମସ୍ତ କଥା ଯିହୋବା କହିଛନ୍ତି ।

32 ଯିହିଯା ଯେଉଁ ଲୋକମାନଙ୍କୁ ବନ୍ଦୀ କରି ବାବିଲକୁ ନେଇଥିଲେ ସେମାନଙ୍କୁ ଏହି ସମସ୍ତ କଥା କହିଲେ । ଯିହିଯା ଯିରିମିୟଙ୍କୁ ଏହି ସମସ୍ତ କଥା କହିଲେ ।

୩୦ ଅଧ୍ୟାୟ

1 ଯିହିଯା ଯିରିମିୟଙ୍କୁ ଏହି ସମସ୍ତ କଥା କହିଲେ ଯେ ଯିହୋବା ଏହି ସମସ୍ତ କଥା

Digitized by Google

4 ... ...

9 ... ...

Digitized by Google

18 ଯିହିଷ୍କୀୟ ଆପଣା ପିତୃପୁରୁଷମାନଙ୍କ ସଙ୍ଗେ ନିଦ୍ରାଗତ ହେଲା, ଆଉ ଲୋକେ ତାହାର ଶବକୁ ଦାଉଦ-ସନ୍ତାନଗଣର କବରସ୍ଥାନର ଉପରିଭାଗରେ କବର ଦେଲେ; ଆଉ ତାହାର ମୃତ୍ୟୁ ସମୟରେ ସମସ୍ତ ଯିହୂଦା ଓ ଯିରୂଶାଲମ ତାହାକୁ ସମ୍ମାନ କଲେ; ପୁଣି ତାହାର ପୁତ୍ର ମନଃଶି ତାହାର ପରିବର୍ତ୍ତେ ରାଜତ୍ୱ କଲା।

19 ମନଃଶି ଯିରୂଶାଲମରେ ପଚାଶ ପଞ୍ଚାବନ ବର୍ଷ ରାଜତ୍ୱ କଲା। ସେ ଆପଣା ପିତୃପୁରୁଷ ହିଜ୍କୀୟଙ୍କ ତୁଲ୍ୟ ଯେହୋବାଙ୍କ ଦୃଷ୍ଟିରେ ଯାହା ଯାହା ମନ୍ଦ, ତାହା ତାହା କଲା।

20 ପୁଣି ଯିହିଷ୍କୀୟ ଆପଣା ପିତୃପୁରୁଷମାନଙ୍କ ସଙ୍ଗେ ନିଦ୍ରାଗତ ହେଲା, ଆଉ ଲୋକେ ତାହାର ଗୃହ ନିକଟରେ ତାହାକୁ କବର ଦେଲେ; ପୁଣି ତାହାର ପୁତ୍ର ଆମୋନ ତାହାର ପରିବର୍ତ୍ତେ ରାଜତ୍ୱ କଲା।

21 ଆମୋନ ରାଜତ୍ୱ କରିବାକୁ ଆରମ୍ଭ କଲା ସମୟରେ ବାଇଶ ବର୍ଷ ବୟସ୍କ ଥିଲା; ସେ ଯିରୂଶାଲମରେ ଦୁଇ ବର୍ଷ ରାଜତ୍ୱ କଲା। ମନଃଶି ଆପଣା ପିତା ମନଃଶି ଯେପରି କରିଥିଲା, ସେ ସେପରି ଯେହୋବାଙ୍କ ଦୃଷ୍ଟିରେ ମନ୍ଦ କର୍ମ କଲା; ଆମୋନ ଆପଣା ପିତା ମନଃଶି ନିର୍ମିତ ସମସ୍ତ ଖୋଦିତ ପ୍ରତିମା ନିକଟରେ ବଳି ଉତ୍ସର୍ଗ କଲା ଓ ସେମାନଙ୍କର ସେବା କଲା।

22 ପୁଣି ସେ ଆପଣା ପିତୃପୁରୁଷ ମନଃଶିର ପଥରେ ଚାଲିଲା ପରି ଯେହୋବାଙ୍କ ଦୃଷ୍ଟିରେ ନମ୍ର ହେଲା ନାହିଁ; ଆମୋନ ସମସ୍ତ ଖୋଦିତ ପ୍ରତିମା ନିକଟରେ ବଳି ଉତ୍ସର୍ଗ କଲା ଓ ସେମାନଙ୍କର ସେବା କଲା।

Digitized by Google

29 [illegible]

28 [illegible]

27 [illegible]

26 [illegible]

25 [illegible]

24 [illegible]

23 [illegible]

Digitized by Google

ומי יעמוד במקום קדשו: 4 נקי כפים ובר לבב אשר לא נשא לשוא נפשי ולא נשבע למרמה: 5 ישא ברכה מאת יהוה וצדקה מאלהי ישעו: 6 זה דור דרשיו מבקשי פניך יעקב סלה: 7 שאו שערים ראשיכם והנשאו פתחי עולם ויבא מלך הכבוד: 8 מי זה מלך הכבוד יהוה עזוז וגבור יהוה גבור מלחמה: 9 שאו שערים ראשיכם ושאו פתחי עולם ויבא מלך הכבוד: 10 מי הוא זה מלך הכבוד יהוה צבאות הוא מלך הכבוד סלה:

כד

1 לדוד מזמור ליהוה הארץ ומלואה תבל וישבי בה: 2 כי הוא על ימים יסדה ועל נהרות יכוננה: 3 מי יעלה בהר יהוה ומי יקום במקום קדשו: 4 נקי כפים ובר לבב אשר לא נשא לשוא נפשי ולא נשבע למרמה: 5 ישא ברכה מאת יהוה וצדקה מאלהי ישעו: 6 זה דור דרשיו מבקשי פניך יעקב סלה: 7 שאו שערים ראשיכם והנשאו פתחי עולם ויבא מלך הכבוד: 8 מי זה מלך הכבוד יהוה עזוז וגבור יהוה גבור מלחמה: 9 שאו שערים ראשיכם ושאו פתחי עולם ויבא מלך הכבוד: 10 מי הוא זה מלך הכבוד יהוה צבאות הוא מלך הכבוד סלה:

כה

1 לדוד אליך יהוה נפשי אשא: 2 אלהי בך בטחתי אל אבושה אל יעלצו אויבי לי: 3 גם כל קויך לא יבושו יבשו הבגדים ריקם: 4 דרכיך יהוה הודיעני ארחותיך למדני: 5 הדריכני באמתך ולמדני כי אתה אלהי ישעי אותך קויתי כל היום: 6 זכר רחמיך יהוה וחסדיך כי מעולם הם: 7 חטאות נעורי ופשעי אל תזכר כחסדך זכר לי אתה למען טובך יהוה: 8 טוב וישר יהוה על כן יורה חטאים בדרך: 9 ידרך ענוים במשפט וילמד ענוים דרכו: 10 כל ארחות יהוה חסד ואמת לנצרי בריתו ועדותיו:

Digitized by Google

ומצאתי אני את האשה מרה ממות את אשר היא מצודים ולבה חרמים ידיה אסורים
טוב לפני האלהים ימלט ממנה וחוטא יתפש בה׃ ראה זה מצאתי אמרה קהלת
אחת לאחת למצא חשבון׃ אשר עוד בקשה נפשי ולא מצאתי אדם אחד מאלף
מצאתי ואשה מכל אלה לא מצאתי׃ רק זה מצאתי אשר עשה האלהים את
האדם ישר והמה בקשו חשבנות רבים׃

8 מי כהחכם ומי יודע פשר דבר חכמת אדם תאיר פניו ועז פניו תשנא׃
2 אני פי מלך שמר ועל דבר שבועת אלהים׃ אל תבהל מפניו תלך אל תעמד
בדבר רע כי כל אשר חפץ יעשה׃ בדבר מלך שלטון ומי יאמר אליו מה תעשה׃
4 שמר מצוה לא ידע דבר רע ועת ומשפט ידע לב חכם׃ כי לכל חפץ יש עת
ומשפט כי רעת האדם רבה עליו׃ כי אין ידע מה שיהיה כאשר יהיה מי יגיד
לו׃ אין אדם שליט ברוח לכלוא את הרוח ואין שלטון ביום המות ואין
משלחת במלחמה ולא ימלט רשע את בעליו׃

5 את כל זה ראיתי ונתתי לבי אל כל מעשה אשר נעשה תחת השמש עת
אשר שלט האדם באדם לרעת לו׃ [ו] וכן ראיתי רשעים קברו ובאו ומן קדוש
ילכו ויתהללו בעיר אשר כן עשו גם זה הבל׃ אשר לא יעשה פתגם מעשה
הרעה מהרה על כן מלא לב בני האדם בהם לעשות רע׃

6 כי עשה חטא מאת ומאריך לו כי גם יודע אני אשר יהיה טוב ליראי
האלהים אשר יראו מלפניו׃ וטוב לא יהיה לרשע ולא יאריך ימים כצל אשר
איננו יירא מלפני האלהים׃

7 יש הבל אשר נעשה על הארץ אשר יש צדיקים אשר מגיע אליהם כמעשה
הרשעים ויש רשעים שמגיע אליהם כמעשה הצדיקים אמרתי שגם זה הבל׃
8 ושבחתי אני את השמחה אשר אין טוב לאדם תחת השמש כי אם לאכל
ושתות ושמחה והוא ילוה אתו בעמלו ימי חייו אשר נתן לו האלהים תחת
השמש׃

Digitized by Google

Digitized by Google

ଦେଖିଲେ ଯେ ଆମ୍ଭେମାନେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କ ଈଶ୍ୱରଙ୍କ ଗୃହ ନିର୍ମାଣ କରୁଅଛୁ ଓ ତାହା ପୁନର୍ବାର ନିର୍ମାଣ କରୁଅଛୁ, ଆଉ ଯେ ଲୋକମାନେ ତାହା ଉତ୍ତମ ରୂପେ ନିର୍ମାଣ କରୁଅଛନ୍ତି ଓ ତାହା ସେମାନଙ୍କ ହସ୍ତରେ ସୁସମ୍ପନ୍ନ ହେଉଅଛି, ତାହା ଆମ୍ଭେମାନେ ଜାଣୁ।

14 ତହିଁରେ ଆମ୍ଭେମାନେ ସେମାନଙ୍କୁ ପ୍ରାଚୀନବର୍ଗକୁ ଧରିବାକୁ ପଠାଇଲୁ ଓ ଆମ୍ଭେମାନେ ସେମାନଙ୍କୁ ଜିଜ୍ଞାସା କଲୁ, ଯେପରି ଆମ୍ଭେମାନେ ସେମାନଙ୍କର ନାମ ଜାଣିପାରୁ, ଏଥିପାଇଁ ଆମ୍ଭେମାନେ ସେମାନଙ୍କର ଅଗ୍ରଣୀମାନଙ୍କର ନାମ ଲିଖିଲୁ।

15 ପୁଣି ସେମାନେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଏହି କଥା କହିଲେ; ଆମ୍ଭେମାନେ ଯିରୂଶାଲମସ୍ଥ ଈଶ୍ୱରଙ୍କ ଗୃହ ନିର୍ମାଣ କରୁଅଛୁ, ଆଉ ଯେଉଁ ଗୃହ ବହୁତ ବର୍ଷ ହେଲା ଆରମ୍ଭ ହୋଇଅଛି, ତାହା ଆମ୍ଭେମାନେ ପୁନର୍ବାର ନିର୍ମାଣ କରୁଅଛୁ, ଆଉ ତାହା ଉତ୍ତମ ରୂପେ ସୁସମ୍ପନ୍ନ ହେଉଅଛି।

16 ତହିଁରେ ଆମ୍ଭେମାନେ ସେମାନଙ୍କୁ ଉତ୍ତର ଦେଲୁ, ଆମ୍ଭେମାନେ ଯେ ଈଶ୍ୱରଙ୍କ ଦାସ ଓ ପୃଥିବୀ ଓ ସ୍ୱର୍ଗର ଈଶ୍ୱର, ଆମ୍ଭେମାନେ ତାହାଙ୍କର ଏହି ଗୃହ ନିର୍ମାଣ କରୁଅଛୁ, ଆଉ ଯେଉଁ ଗୃହ ବହୁତ ବର୍ଷ ହେଲା ଆରମ୍ଭ ହୋଇଅଛି, ତାହା ଆମ୍ଭେମାନେ ପୁନର୍ବାର ନିର୍ମାଣ କରୁଅଛୁ, ଆଉ ତାହା ଉତ୍ତମ ରୂପେ ସୁସମ୍ପନ୍ନ ହେଉଅଛି।

17 ପୁଣି ଯିରୂଶାଲମସ୍ଥ ଈଶ୍ୱରଙ୍କ ଏହି ଗୃହ ନିର୍ମାଣ କରିବାକୁ ଯେ ଇସ୍ରାଏଲର ପୂର୍ବତନ ରାଜା ଜଣେ ମହାନ୍ ରାଜା ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ଆଜ୍ଞା ଦେଇଥିଲେ, ତାହା ଆମ୍ଭେମାନେ ଆପଣଙ୍କୁ ଜଣାଉଅଛୁ।

18 ଏଥିରେ ଆମ୍ଭମାନଙ୍କ ପିତୃଲୋକମାନେ ସ୍ୱର୍ଗର ଈଶ୍ୱରଙ୍କୁ ରୁଷ୍ଟ କରିବାରୁ ସେ ସେମାନଙ୍କୁ ବାବିଲର ରାଜା ନବୂଖଦ୍‌ନିତ୍ସରର ହସ୍ତରେ ସମର୍ପଣ କଲେ, ସେ ଏହି ଗୃହ ଭାଙ୍ଗି ପକାଇ ଲୋକମାନଙ୍କୁ ବାବିଲକୁ ନିର୍ବାସିତ କରି ନେଇଗଲା।

Digitized by Google

Digitized by Google

14 וְאִם־אָמַר אֵלַי עַד אִם־תֵּלְכוּ עַד־הֵנָּה וְלֹא תֵלֵךְ אִתָּנוּ וְנִלְחַמְתֶּם בְּמִדְיָן
כְּאִישׁ אֶחָד׃ וְעַתָּה עַל־כֵּן אֲנִי הֹלֵךְ אֶל־מְקוֹמִי אֲשֶׁר־שָׁם אָבִי וְאִמִּי וְאֶת־אַחַי
וְאֶת־אֲחָיוֹת אֲשֶׁר־לִי וְאֶת־כָּל־אֲשֶׁר־לָהֶם וְאֶת־כָּל־אֲשֶׁר־לִי אֶת־כָּל־אֵלֶּה אֶקַּח
וְאֶת־כָּל־אֵלֶּה אֶתֵּן לָהֶם׃

15 וְאִם־אָמַר אֵלַי אִם־תֵּלְכוּ עִמִּי וְלֹא תֵלֵךְ אִתָּנוּ וְנִלְחַמְתֶּם בְּמִדְיָן כְּאִישׁ אֶחָד׃
וְעַתָּה עַל־כֵּן אֲנִי הֹלֵךְ אֶל־מְקוֹמִי אֲשֶׁר־שָׁם אָבִי וְאִמִּי וְאֶת־אַחַי וְאֶת־אֲחָיוֹת
אֲשֶׁר־לִי וְאֶת־כָּל־אֲשֶׁר־לָהֶם וְאֶת־כָּל־אֲשֶׁר־לִי אֶת־כָּל־אֵלֶּה אֶקַּח וְאֶת־כָּל־אֵלֶּה
אֶתֵּן לָהֶם׃

16 וְהָיָה אִם־אָמַר אֵלַי אִם־תֵּלְכוּ עִמִּי וְלֹא תֵלֵךְ אִתָּנוּ וְנִלְחַמְתֶּם בְּמִדְיָן כְּאִישׁ
אֶחָד׃ וְעַתָּה עַל־כֵּן אֲנִי הֹלֵךְ אֶל־מְקוֹמִי אֲשֶׁר־שָׁם אָבִי וְאִמִּי וְאֶת־אַחַי וְאֶת־
אֲחָיוֹת אֲשֶׁר־לִי וְאֶת־כָּל־אֲשֶׁר־לָהֶם וְאֶת־כָּל־אֲשֶׁר־לִי אֶת־כָּל־אֵלֶּה אֶקַּח וְאֶת־
כָּל־אֵלֶּה אֶתֵּן לָהֶם׃

17 וְהָיָה אִם־אָמַר אֵלַי אִם־תֵּלְכוּ עִמִּי וְלֹא תֵלֵךְ אִתָּנוּ וְנִלְחַמְתֶּם בְּמִדְיָן כְּאִישׁ
אֶחָד׃ וְעַתָּה עַל־כֵּן אֲנִי הֹלֵךְ אֶל־מְקוֹמִי אֲשֶׁר־שָׁם אָבִי וְאִמִּי וְאֶת־אַחַי וְאֶת־
אֲחָיוֹת אֲשֶׁר־לִי וְאֶת־כָּל־אֲשֶׁר־לָהֶם וְאֶת־כָּל־אֲשֶׁר־לִי אֶת־כָּל־אֵלֶּה אֶקַּח וְאֶת־
כָּל־אֵלֶּה אֶתֵּן לָהֶם׃

Digitized by Google

1 ଯିହିଷ୍କିୟ ଏହି ସମସ୍ତ ବିଶ୍ୱସ୍ତତାର କର୍ମ୍ମ ସମାପ୍ତ କରିବା ପରେ ଯିହୁଦାର ସମସ୍ତ ନଗରକୁ ଯାଇ ଯେଉଁ ଉଚ୍ଚସ୍ଥଳୀ ଓ ଯେଉଁ ଯଜ୍ଞବେଦି ସମସ୍ତ ଦୂର କରିଥିଲେ, ତାହା ଲୋକମାନେ ଭାଙ୍ଗି ପକାଇଲେ। ଏଫ୍ରୟିମ ଓ ମନଃଶି ଦେଶରେ ଏବଂ ଶିମିୟୋନ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ସମସ୍ତ ସ୍ଥାନ ଭାଙ୍ଗି ପକାଇଲେ। ତାହା ପରେ ଇସ୍ରାଏଲର ସନ୍ତାନଗଣ ସମସ୍ତେ ନିଜ ନିଜ ନଗରକୁ ଓ ନିଜ ନିଜ ଅଧିକାରକୁ ଫେରି ଗଲେ।

2 ଯିହିଷ୍କିୟ ଯାଜକମାନଙ୍କର ଓ ଲେବୀୟମାନଙ୍କର ଶ୍ରେଣୀ ଅନୁସାରେ ଯାଜକମାନଙ୍କର ଓ ଲେବୀୟମାନଙ୍କର ବିଭାଗ ସ୍ଥିର କଲେ। ପ୍ରତ୍ୟେକ ଯାଜକ ଓ ଲେବୀୟ ଆପଣା ଆପଣା ସେବା ଅନୁସାରେ ହୋମବଳି ଓ ମଙ୍ଗଳାର୍ଥକ ବଳି ଉତ୍ସର୍ଗ କରିବା ପାଇଁ ଓ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କ ତମ୍ବୁର ଦ୍ୱାରସକଳରେ ସେବା କରିବା ପାଇଁ ଓ ଧନ୍ୟବାଦ ଦେବା ପାଇଁ ଓ ସ୍ତବ କରିବା ପାଇଁ ନିଯୁକ୍ତ ହେଲେ। ରାଜାଙ୍କର ଧନରୁ ଦତ୍ତ ଅଂଶ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କ ବ୍ୟବସ୍ଥା ଅନୁସାରେ ହୋମବଳି ଅର୍ଥାତ୍ ପ୍ରାତଃକାଳୀନ ଓ ସନ୍ଧ୍ୟାକାଳୀନ ହୋମବଳି ଓ ବିଶ୍ରାମବାର ଓ ଅମାବାସ୍ୟା ଓ ନିରୂପିତ ପର୍ବ୍ବଗୁଡ଼ିକର ହୋମବଳି ନିମନ୍ତେ ଥିଲା।

3 ଆଉ ସେ ଲୋକମାନଙ୍କୁ ଯିରୂଶାଲମ ନିବାସୀ ଲୋକମାନଙ୍କୁ ଆଜ୍ଞା ଦେଲେ, ଯେପରି ସେମାନେ ଯାଜକ ଓ ଲେବୀୟମାନଙ୍କର ଅଂଶ ଦିଅନ୍ତି, ଯେପରି ସେମାନେ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କ ବ୍ୟବସ୍ଥାରେ ଦୃଢ଼ ଥାଇ ପାରନ୍ତି। ଏଥିରେ ଲୋକମାନେ ଶସ୍ୟର ପ୍ରଥମ ଫଳ, ନୂତନ ଦ୍ରାକ୍ଷାରସ, ତୈଳ, ମଧୁ ଓ କ୍ଷେତ୍ରର ସମସ୍ତ ଉତ୍ପନ୍ନ ଦ୍ରବ୍ୟର ଦଶମାଂଶ ଅତି ପ୍ରଚୁର ପରିମାଣରେ ଆଣିଲେ। ଆଉ ସେମାନେ ସମସ୍ତ ବିଷୟରେ ଦଶମାଂଶ ଅତି ପ୍ରଚୁର ପରିମାଣରେ ଆଣିଲେ।

4 ଆଉ ଯିରୂଶାଲମ ନିବାସୀ ଯେଉଁ ଇସ୍ରାଏଲ ସନ୍ତାନଗଣ ଓ ଯିହୁଦା ସନ୍ତାନଗଣ ନଗରସକଳରେ ବାସ କରୁଥିଲେ, ସେମାନେ ମଧ୍ୟ ଗୋରୁ ଓ ମେଷର ଦଶମାଂଶ ଏବଂ ସଦାପ୍ରଭୁ ସେମାନଙ୍କ ପରମେଶ୍ୱରଙ୍କ ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟରେ ପବିତ୍ରୀକୃତ ଦ୍ରବ୍ୟର ଦଶମାଂଶ ଆଣି ରାଶି ରାଶି କରି ରଖିଲେ।

5 ସେମାନେ ତୃତୀୟ ମାସରେ ରାଶି ରାଶି କରିବା ଆରମ୍ଭ କରି ସପ୍ତମ ମାସରେ ସମାପ୍ତ କଲେ।

6 ଯିହିଷ୍କିୟ ଓ ଅଧିପତିମାନେ ଆସି ରାଶିସବୁ ଦେଖିଲେ, ତହିଁରେ ସେମାନେ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କୁ ଧନ୍ୟବାଦ ଦେଲେ ଓ ତାହାଙ୍କ ଲୋକ ଇସ୍ରାଏଲକୁ ଆଶୀର୍ବାଦ କଲେ।

7 ତହିଁରେ ଯିହିଷ୍କିୟ ରାଶିସବୁ ବିଷୟରେ ଯାଜକମାନଙ୍କୁ ଓ ଲେବୀୟମାନଙ୍କୁ ପଚାରିଲେ।

8 ତହିଁରେ ସାଦୋକ ବଂଶୀୟ ପ୍ରଧାନ ଯାଜକ ଅସରିୟ ତାଙ୍କୁ ଉତ୍ତର ଦେଇ କହିଲେ, ଲୋକମାନେ ଯେବେଠାରୁ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କ ଗୃହକୁ ଉପହାର ଆଣିବା ଆରମ୍ଭ କରିଅଛନ୍ତି, ସେବେଠାରୁ ଆମ୍ଭେମାନେ ଭୋଜନ କରି ପ୍ରଚୁର ପରିମାଣରେ ରଖିଅଛୁ, କାରଣ ସଦାପ୍ରଭୁ ଆପଣା ଲୋକମାନଙ୍କୁ ଆଶୀର୍ବାଦ କରିଅଛନ୍ତି, ଆଉ ଏହି ଯେ ରାଶି, ଏଥିର ବାହୁଲ୍ୟ ଅଛି।

9 ତହିଁରେ ଯିହିଷ୍କିୟ ରାଶିସବୁ ବିଷୟରେ ଯାଜକମାନଙ୍କୁ ଓ ଲେବୀୟମାନଙ୍କୁ ପଚାରିଲେ।

10 ତହିଁରେ ସାଦୋକ ବଂଶୀୟ ପ୍ରଧାନ ଯାଜକ ଅସରିୟ ତାଙ୍କୁ ଉତ୍ତର ଦେଇ କହିଲେ, ଲୋକମାନେ ଯେବେଠାରୁ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କ ଗୃହକୁ ଉପହାର ଆଣିବା ଆରମ୍ଭ କରିଅଛନ୍ତି, ସେବେଠାରୁ ଆମ୍ଭେମାନେ ଭୋଜନ କରି ପ୍ରଚୁର ପରିମାଣରେ ରଖିଅଛୁ, କାରଣ ସଦାପ୍ରଭୁ ଆପଣା ଲୋକମାନଙ୍କୁ ଆଶୀର୍ବାଦ କରିଅଛନ୍ତି, ଆଉ ଏହି ଯେ ରାଶି, ଏଥିର ବାହୁଲ୍ୟ ଅଛି।

11 ତହିଁରେ ଯିହିଷ୍କିୟ ସଦାପ୍ରଭୁଙ୍କ ଗୃହରେ କୋଠରୀସବୁ ପ୍ରସ୍ତୁତ କରିବାକୁ ଆଜ୍ଞା ଦେଲେ, ତହିଁରେ ସେମାନେ ପ୍ରସ୍ତୁତ କଲେ।

12 ଆଉ ସେମାନେ ବିଶ୍ୱସ୍ତତାରେ ଉପହାର ଓ ଦଶମାଂଶ ଓ ପବିତ୍ରୀକୃତ ଦ୍ରବ୍ୟ ଆଣିଲେ; ତହିଁରେ ଲେବୀୟ କୋନନୀୟ ତାହାର ତତ୍ତ୍ୱାବଧାରକ ଥିଲା, ଆଉ ତାହାର ଭ୍ରାତା ଶିମୀୟି ତାହାର ଦ୍ୱିତୀୟ ଥିଲା।

13 ଆଉ ଯିହୀୟେଲ, ଅସସୀୟ, ନହତ, ଅସାହେଲ, ଯିରିମୋତ, ଯୋଷାବଦ, ଇଲୀୟେଲ, ଯିସ୍ମଖୀୟ, ମହତ ଓ ବନାୟ କନନୀୟ ଓ ତାହାର ଭ୍ରାତା ଶିମୀୟିର ହସ୍ତାଧୀନରେ ଯିହିଷ୍କିୟ ରାଜାଙ୍କ ଓ ଈଶ୍ୱରଙ୍କ ଗୃହର ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଅସରିୟଙ୍କ ଆଜ୍ଞାନୁସାରେ ଥିଲେ।

Digitized by Google

2 ... ...

27 ואם־אמר יאמר העבד אהבתי את־אדני את־אשתי ואת־בני לא אצא חפשי׃ **28** והגישו אדניו אל־האלהים והגישו אל־הדלת או אל־המזוזה ורצע אדניו את־אזנו במרצע ועבדו לעלם׃ **29** וכי־ימכר איש את־בתו לאמה לא תצא כצאת העבדים׃ **30** אם־רעה בעיני אדניה אשר־לו יעדה ולא־נאל ולמכר לעם נכרי לא־ימשל בבגדו־בה׃ **31** ואם־לבנו ייעדנה כמשפט הבנות יעשה־לה׃

Digitized by Google

Digitized by Google

ہیں۔ اور ہم سب کو ایک ہی روح پلایا گیا۔ ۱۴ کیونکہ جسم ایک ہی عضو نہیں بلکہ بہت سے اعضا ہیں۔ ۱۵ اگر پاؤں کہے کہ چونکہ میں ہاتھ نہیں ہوں اس لئے بدن کا نہیں ہوں تو کیا وہ اس کہنے سے بدن کا نہیں ہو جائے گا؟ ۱۶ اور اگر کان کہے کہ چونکہ میں آنکھ نہیں ہوں اس لئے بدن کا نہیں ہوں تو کیا وہ اس کہنے سے بدن کا نہیں ہو جائے گا؟ ۱۷ اگر سارا بدن آنکھ ہی ہوتا تو سننے کی حس کہاں ہوتی؟ اگر سارا بدن سننے کی حس ہی ہوتا تو سونگھنے کی حس کہاں ہوتی؟ ۱۸ لیکن اب خدا نے اعضا کو ایک ایک کر کے بدن میں اپنی مرضی کے مطابق رکھا ہے۔ ۱۹ اگر سب کے سب ایک ہی عضو ہوتے تو بدن کہاں ہوتا؟ ۲۰ لیکن اب اعضا تو بہت سے ہیں مگر بدن ایک ہی ہے۔ ۲۱ آنکھ ہاتھ سے نہیں کہہ سکتی کہ مجھے تیری ضرورت نہیں ہے۔ اور نہ سر پاؤں سے کہہ سکتا ہے کہ مجھے تمہاری ضرورت نہیں ہے۔ ۲۲ بلکہ اس کے برعکس بدن کے وہ اعضا جو کمزور معلوم ہوتے ہیں ضروری ہیں۔

Digitized by Google

29 ...

28 ...

27 ...

26 ...

25 ...

24 ...

23 ...

30 ... ...

ಮಾಡುವ ಯಾಕೋಬನ ಮಗನಾದ ಯೂದನು ಎದ್ದು ಅವನ ಹಿಂದೆ ಬಹಳ ಜನರನ್ನು ಸೇರಿಸಿಕೊಂಡನು; ಅವನು ಸಹ ನಾಶವಾದನು, ಅವನಿಗೆ ಅಂಟಿಕೊಂಡವರೆಲ್ಲರು ಚದರಿಹೋದರು.

38 ಆದದರಿಂದ ನಾನು ನಿಮಗೆ ಹೇಳುವದೇನಂದರೆ, ಈ ಮನುಷ್ಯರ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ನೀವು ಏನೂ ಮಾಡಬೇಡಿರಿ, ಅವರನ್ನು ಬಿಟ್ಟುಬಿಡಿರಿ; ಯಾಕಂದರೆ ಈ ಆಲೋಚನೆಯಾಗಲಿ ಈ ಕೆಲಸವಾಗಲಿ ಮನುಷ್ಯರಿಂದ ಹುಟ್ಟಿದ್ದಾದರೆ ಅದು ತಾನೇ ಹಾಳಾಗುವದು;

39 ಆದರೆ ಅದು ದೇವರಿಂದ ಹುಟ್ಟಿದ್ದಾಗಿದ್ದರೆ ನೀವು ಅವರನ್ನು ಹಾಳುಮಾಡಲಾರಿರಿ; ಹಾಗೆ ಮಾಡಿದರೆ ನೀವು ದೇವರಿಗೆ ವಿರೋಧವಾಗಿ ಹೋರಾಡುವವರಾಗಿ ಕಂಡುಬರುವಿರಿ ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

40 ಅವರು ಅವನ ಮಾತಿಗೆ ಒಪ್ಪಿಕೊಂಡು ಅಪೊಸ್ತಲರನ್ನು ಒಳಗೆ ಕರೆಯಿಸಿ ಅವರನ್ನು ಹೊಡೆಯಿಸಿ ಯೇಸುವಿನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಮಾತಾಡಬಾರದೆಂದು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿ ಅವರನ್ನು ಬಿಟ್ಟುಬಿಟ್ಟರು.

41 ಅವರು ಆ ಹೆಸರಿಗೋಸ್ಕರ ಅವಮಾನಹೊಂದುವದಕ್ಕೆ ಯೋಗ್ಯರೆಂದು ಎಣಿಸಲ್ಪಟ್ಟದ್ದಕ್ಕಾಗಿ ಸಂತೋಷಪಡುತ್ತಾ ಆಲೋಚನಾಸಭೆಯ ಮುಂದಿನಿಂದ ಹೊರಟುಹೋದರು.

Digitized by Google

ויאמר אליהו אל יהורם כי אם יש נביא לה' ונדרש את ה' מפיו ויען אחד מעבדי מלך ישראל ויאמר פה אלישע בן שפט אשר יצק מים על ידי אליהו׃

12 ויאמר יהושפט יש אתו דבר ה' וירדו אליו מלך ישראל ויהושפט ומלך אדום׃

13 ויאמר אליהו אל מלך ישראל מה לי ולך לך אל נביאי אביך ואל נביאי אמך ויאמר לו מלך ישראל אל כי קרא ה' לשלשת המלכים האלה לתת אותם ביד מואב׃

14 ויאמר אליהו חי ה' צבאות אשר עמדתי לפניו אם לולי פני יהושפט מלך יהודה אני נשא אותך ואליך לא אביט׃

15 ועתה קחו לי מנגן והיה כנגן המנגן ותהי עליו יד ה׃

16 ויאמר כה אמר ה' עשו הנחל הזה גבים גבים׃

17 כי כה אמר ה' לא תראו רוח ולא תראו גשם והנחל ההוא ימלא מים ושתיתם אתם ואתם מקניכם ובהמתכם׃

18 ונקל זאת בעיני ה' ונתן את מואב בידכם׃

19 והכיתם כל עיר מבצר וכל עיר מבחר ועץ טוב תפילו וכל מעיני מים תסתמו וכל חלקת טוב תכאבו באבנים׃

20 ויהי כעלות המנחה כמעלות השחר והנה באו מים דרך אדום ותמלא הארץ את המים׃

21 וכל מואב שמעו כי עלו המלכים להלחם בם ויזעקו כל כל חגר חגורה ומעלה ויתיצבו על הגבול׃

22 וישכימו בבקר ויזרח השמש על המים וירא מואב מנגד את המים אדמים כדם׃

23 ויאמרו דם זה חרבו נחרבו המלכים ויכו איש את רעהו ועתה לשללה מואב׃

24 ויבאו אל מחנה ישראל וישראל קמו ויכו את מואב וינסו מפניהם ויבואו הכה להכותם׃

25 והערים יהרסו ואיש אבן שלחיו ומלאו את כל חלקת הטוב באבן ויסתמו את כל מעיני המים ואת כל עצי הטוב יפילו עד הותירם קיר אבניה בקיר ויסבו הקלעים ויכתוה׃

26 וירא מלך מואב כי חזק ממנו המלחמה ויקח אתו שבע מאות איש שלפי חרב להבקיע אל מלך אדום ולא יכלו׃

27 ויקח את בנו הבכר אשר ימלך תחתיו ויעלהו עולה על החומה ויהי קצף גדול על ישראל ויסעו מעליו וישובו לארצם׃

ב׳ מלכים ג׳

1 ויהי אחאב מת ויפשע מואב בישראל׃

2 ויצא יהורם המלך בשמרון ביום ההוא על ישראל ויספר׃

Digitized by Google

3 ꠀꠀꠀ

Digitized by Google

14 וְאִם־עַל־תּוֹדָה יַקְרִיבֶנּוּ וְהִקְרִיב עַל־זֶבַח הַתּוֹדָה חַלֹּת מַצּוֹת בְּלוּלָה בַשָּׁמֶן וּרְקִיקֵי מַצּוֹת מְשֻׁחִים בַּשָּׁמֶן וְסֹלֶת מֻרְבֶּכֶת חַלֹּת בְּלוּלֹת בַּשָּׁמֶן׃ **15** עַל חַלֹּת הַלֶּחֶם יַקְרִב קָרְבָּנוֹ עַל זֶבַח תּוֹדַת שְׁלָמָיו׃ **16** וְהִקְרִיב מִן־הַקָּרְבָּן אֶחָד מִכָּל־קָרְבָּן תְּרוּמָה לַיהוָה לַכֹּהֵן הַזֹּרֵק אֶת־דַּם הַשְּׁלָמִים לוֹ יִהְיֶה׃ **17** וּבְשַׂר זֶבַח תּוֹדָתוֹ לְיוֹם קָרְבָּנוֹ יֵאָכֵל לֹא־יַנִּיחַ מִמֶּנּוּ עַד־בֹּקֶר׃

Digitized by Google

وَٱلْمَشْيَخَةُ كُلُّهَا، وَقَامَ بُولُسُ وَقَالَ لَهُمْ: «أَيُّهَا ٱلرِّجَالُ ٱلْإِخْوَةُ وَٱلْآبَاءُ، ٱسْمَعُوا
مَا أَحْتَجُّ بِهِ ٱلْآنَ لَدَيْكُمْ. ٱللهُ ٱلَّذِي لَهُ أَعْبُدُ مِنْ آبَائِي بِطَرِيقٍ يَدْعُونَهَا بِدْعَةً، هٰكَذَا
أَعْبُدُ إِلٰهَ آبَائِي، مُؤْمِنًا بِكُلِّ مَا هُوَ مَكْتُوبٌ فِي ٱلنَّامُوسِ وَٱلْأَنْبِيَاءِ، ١٥ وَلِي رَجَاءٌ بِٱللهِ
أَنَّ قِيَامَةً سَتَكُونُ لِلْأَمْوَاتِ، ٱلْأَبْرَارِ وَٱلْأَثَمَةِ جَمِيعًا، ١٦ وَلِهٰذَا أَنَا أَيْضًا أَتَمَرَّنُ أَنْ
يَكُونَ لِي دَائِمًا ضَمِيرٌ بِلَا لَوْمٍ مِنْ نَحْوِ ٱللهِ وَٱلنَّاسِ. ١٧ وَبَعْدَ سِنِينَ كَثِيرَةٍ جِئْتُ أَصْنَعُ
صَدَقَاتٍ لِأُمَّتِي وَقَرَابِينَ، ١٨ فِي ٱلَّتِي وَجَدَنِي مُتَطَهِّرًا فِي ٱلْهَيْكَلِ، لَا بِجَمْعٍ وَلَا بِشَغَبٍ،
وَلٰكِنْ قَوْمٌ مِنْ أَسِيَّا ٱلْيَهُودِ ١٩ كَانَ يَنْبَغِي أَنْ يَكُونُوا حَاضِرِينَ لَدَيَّ وَيَشْتَكُوا إِنْ كَانَ
لَهُمْ عَلَيَّ شَيْءٌ. ٢٠ أَوْ لِيَقُلْ هٰؤُلَاءِ أَنْفُسُهُمْ إِنْ وَجَدُوا فِيَّ إِثْمًا مَا، إِذْ وَقَفْتُ أَمَامَ
ٱلْمَجْمَعِ، ٢١ إِلَّا مِنْ أَجْلِ هٰذِهِ ٱلْكَلِمَةِ ٱلْوَاحِدَةِ ٱلَّتِي صَرَخْتُ بِهَا وَاقِفًا بَيْنَهُمْ: مِنْ أَجْلِ
قِيَامَةِ ٱلْأَمْوَاتِ أَنَا أُحَاكَمُ ٱلْيَوْمَ لَدَيْكُمْ». ٢٢ فَلَمَّا سَمِعَ فِيلِكْسُ هٰذَا ٱلْكَلَامَ، إِذْ كَانَ
أَعْلَمَ بِٱلْأَمْرِ عَنِ ٱلطَّرِيقِ، أَرْجَأَهُمْ قَائِلًا: «مَتَى نَزَلَ ٱلْقَائِدُ لِيسِيَاسُ أُفْصِلُ فِي أَمْرِكُمْ».
٢٣ وَأَمَرَ ٱلْقَائِدَ أَنْ يُحْرَسَ بُولُسُ وَلَهُ ٱنْبِسَاطٌ، وَأَلَّا يَمْنَعَ أَحَدًا مِنْ خَاصَّتِهِ أَنْ يَخْدِمَهُ أَوْ
يَأْتِيَ إِلَيْهِ. ٢٤ وَبَعْدَ أَيَّامٍ حَضَرَ فِيلِكْسُ مَعَ دُرُسِلَّةَ ٱمْرَأَتِهِ ٱلْيَهُودِيَّةِ، وَأَرْسَلَ فَدَعَا بُولُسَ
وَسَمِعَ مِنْهُ عَنِ ٱلْإِيمَانِ بِٱلْمَسِيحِ يَسُوعَ. ٢٥ وَفِيمَا هُوَ يُحَدِّثُ فِي ٱلْبِرِّ وَٱلتَّعَفُّفِ وَٱلدَّيْنُونَةِ
ٱلْعَتِيدَةِ، ٱرْتَاعَ فِيلِكْسُ وَأَجَابَ: «ٱذْهَبْ ٱلْآنَ، وَمَتَى حَضَرْتُ أَسْتَدْعِيكَ». ٢٦ وَفِي ٱلْوَقْتِ
نَفْسِهِ كَانَ يَرْجُو أَنْ يُعْطِيَهُ بُولُسُ دَرَاهِمَ، لِذٰلِكَ كَانَ يَسْتَدْعِيهِ مِرَارًا وَيَتَكَلَّمُ مَعَهُ.
٢٧ وَلَمَّا تَمَّتْ سَنَتَانِ، أَخَذَ فِيلِكْسُ خَلَفًا بُرْكِيَ فَسْتُسَ، وَإِذْ كَانَ فِيلِكْسُ يُرِيدُ أَنْ يُقَدِّمَ
حُظْوَةً لِلْيَهُودِ، تَرَكَ بُولُسَ مُوثَقًا.

Digitized by Google

22 ומאיר מדבר אחד ומאיר מדבר אחד ומאיר מדבר אחד

27 الحمد لله الذي احتجب عن العقول بكمال عزته وتجلى للقلوب بتمام قدرته وقهر الخلق بعظيم سلطانه وأذل الأشياء بجلال كبريائه وأحاط بكل شيء علما وهو في مكانه وأحصى كل شيء عددا وهو في سلطانه وأنفذ في كل شيء أمره وهو في مكانه لا يعزب عنه مثقال ذرة في مكان ولا يؤده حفظ ما خلق ولا تغشى بصره ظلمة الليل النافذ بصره في كل مكان والعالم بما في كل زمان لا يحول من حال إلى حال ولا يتغير بتغير الأزمان ولا يشغله شأن عن شأن ولا يحتاج إلى الأعوان ولا يعجزه الامتناع ولا يكاثره شيء ولا يعارضه ولا يمانعه ولا يغالبه ولا يحتاج إلى من يشير عليه ولا إلى من يؤازره ولا إلى من يظاهره ولا إلى من يعاضده ولا إلى من يكاثره ولا إلى من يعارضه ولا إلى من يمانعه ولا إلى من يغالبه ولا

Digitized by Google

Digitized by Google